सम-सामयिक

घटना चक्र

अतिरिक्तांक

Website : http//www.ssgcp.com/
https://www.facebook.com/ssgcpl
https://www.facebook.com/ssghatnachakra
https://plus.google.com./+Ssgcpssgcp
https://twitter.com/SamsamyikGhatna

2019

उ.प्र. माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड, उ.प्र. लोक सेवा आयोग एवं अन्य परीक्षा संस्थाओं द्वारा आयोजित

TGT/PGT/GDCL/GIC/ L.T. Grade/NET/JRF

परीक्षा प्रश्न पत्रों के

अध्यायवार विभाजित

हल प्रश्न पत्र

की पुस्तक

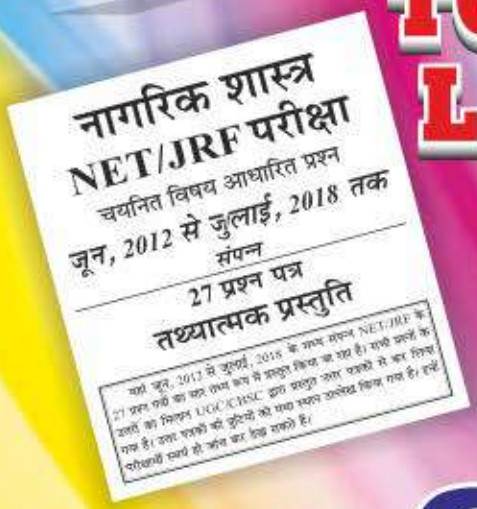
नागरिक शास्त्र
NET/JRF परीक्षा
चयनित विषय आधारित प्रश्न
जून, 2012 से जुलाई, 2018 तक
संपन्न
27 प्रश्न पत्र
तथ्यात्मक प्रस्तुति

नागरिक शास्त्र

(सामाजिक विज्ञान)

वर्ष 2000 से अद्यतन परीक्षा तक संपन्न

TGT/PGT/GDCL/GIC/L.T. Grade

के कुल 32 प्रश्न पत्र शामिल

सामाजिक विज्ञान के अंतर्गत भाग-1 के तहत इतिहास, भाग-3 के तहत भूगोल एवं भाग-4 के तहत अर्थशास्त्र प्रकाशित।

© प्रकाशकाधीन :
संस्करण - तृतीय
संस्करण वर्ष - 2019
ले.- SSGC
मूल्य : 300/-
ISBN No.: 978-93-88616-40-9
मुद्रक- भार्गव ऑफसेट

संपर्क-
सम-सामयिक घटना चक्र
188A/128 एलनगंज, चर्चलेन
इलाहाबाद- 211002
Ph.: 0532-2465524, 2465525
Mob.: 9335140296
e-mail : ssgcald@yahoo.co.in
Website : ssgcp.com
e-shop Website : shop.ssgcp.com

■ इस प्रकाशन के किसी भी अंश का पुनः प्रस्तुतीकरण या किसी भी रूप में प्रतिलिपिकरण (फोटोप्रति या किसी भी माध्यम में ग्राफिक्स के रूप में संग्रहण, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिकीकरण द्वारा जहां कहीं या अस्थायी रूप से या किसी अन्य प्रकार के प्रसंगवश इस प्रकाशन का उपयोग भी) कॉपीराइट के स्वामित्व धारक के लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

किसी भी प्रकार से इसके भंग होने या अनुमति न लेने की स्थिति में बिना किसी पूर्व सूचना के उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

*इस प्रकाशन से संबंधित सभी विवादों का निपटारा न्यायिक क्षेत्र इलाहाबाद के न्यायालय न्यायाधिकरण के अधीन होगा।

संकलन सहयोग-
- **संजीव कुमार सिंह**
- **प्रभात सिंह**
- **अनीश सिंह**
- **धीरेन्द्र बहादुर सिंह**
- **विवेक त्रिपाठी**
- **विनय द्विवेदी**
- **अभिषेक कुमार**
- **विक्की राज**

समारंभ

अध्यायवार विभाजित प्रश्नों की शृंखला सर्वप्रथम सम-सामयिक घटना चक्र ने प्रारंभ की थी। प्रश्नों को अध्यायवार विभाजित स्वरूप में प्रस्तुत करने की शैली ने परीक्षा में सफलता की दृष्टि से अपनी उपयोगिता सिद्ध कर दी है। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (TGT) परीक्षा के प्रतियोगी भी लगातार इस परीक्षा के प्रश्नों को अध्यायवार विभाजित शैली में प्रस्तुत करने के लिए आग्रह कर रहे थे। इस विचार को क्रियान्वित करने के क्रम में हमने इस बात पर भी विमर्श किया कि क्यों न TGT/PGT के साथ ही GDCL, GIC, L.T. Grade एवं असिस्टैण्ट प्रोफेसर के प्रश्नों को भी शामिल किया जाए? वास्तव में इन सभी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में अत्यधिक साम्यता है। इन परीक्षा-प्रश्नपत्रों का अवलोकन कर परीक्षार्थी स्वयं जान सकते हैं। इन परीक्षाओं में से किसी एक परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए भी यह जरूरी है कि सभी परीक्षाओं के प्रश्नों से अवगत हो लें क्योंकि परीक्षाओं के मध्य परस्पर दुहराव की प्रवृत्ति तीव्र रही है। परीक्षा-प्रवृत्ति का अवलोकन करके हमने प्रस्तुत संकलन में इन सभी परीक्षाओं का संयुक्त अध्यायवार विभाजित हल प्रश्न प्रस्तुत किया है। हल प्रश्न पत्र में प्रायः वर्ष 2000 से अद्यतन परीक्षा तक के प्रश्न पत्र शामिल किए गए हैं। जो प्रश्न हूबहू दुहराए गए हैं उनके नीचे परीक्षा वर्ष एवं परीक्षा का नाम अंकित करके दर्शा दिया गया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए पुस्तक के अंत में हमने UGC नेट परीक्षा के 2012 से 2018 तक के 27 प्रश्न-पत्रों के प्रश्नों को तथ्यात्मक स्वरूप में प्रस्तुत किया है। इन प्रश्नों के उत्तरों को UGC द्वारा जारी संशोधित उत्तर प्रत्रक से मिलान करके प्रस्तुत किया गया है। उत्तर पत्रक के अनुसार उत्तर जहां भी गलत प्रतीत हुए हैं वहां प्रमाण सहित विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है ताकि परीक्षार्थियों को कोई संशय न रहे।

❑ हल प्रश्न पत्र भी, मार्ग दर्शक भी

प्रस्तुत संकलन केवल हल प्रश्न पत्र की पुस्तक नहीं है। प्रत्येक प्रश्न के हल हेतु प्रस्तुत व्याख्या में ढेरों तथ्य संजोए गए हैं। साथ ही 'अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य' शीर्षक के अंतर्गत महत्त्वपूर्ण संभावित तथ्यों को संकलित कर दिया गया है। यह संकलन परीक्षार्थियों के लिए उत्तम मार्गदर्शक सिद्ध होगा। इस संकलन के अध्ययन से एक लाभ तो यह होगा कि दुहराव वाले प्रश्नों को हल करने में परीक्षार्थी सक्षम हो सकेंगे, दूसरा फायदा यह होगा कि कम पृष्ठों के अध्ययन द्वारा ही अत्यधिक संभावित अध्ययन सामग्री को आत्मसात कर सकेंगे। हल प्रश्नों की प्रस्तुति में हमारी प्रामाणिकता सिद्ध रही है। पूर्वावलोकन के तहत सिविल सेवा परीक्षा-प्रश्नों के आठ खंड एवं रेलवे, एस.एस.सी. तथा सिविल जज के संकलन इसके प्रमाण हैं। इस संकलन में भी प्रामाणिकता के उसी स्तर को स्पर्श किया गया है। प्रत्येक प्रश्न की व्याख्या को इंटरनेट से जांच के उपरांत विषय विशेषज्ञों की कसौटी पर भी परखा गया है। इसके बावजूद यदि किसी भी प्रश्न के प्रति रंचमात्र भी शंका उत्पन्न हो तो परीक्षार्थी दूरभाष संख्या 8881177477 पर हमसे संपर्क करें। हम अवश्य ही संदेह का निवारण करेंगे।

अनुक्रमणिका

नागरिक शास्त्र

अध्याय	पृष्ठ संख्या
❑ **राजनीतिक सिद्धांत**	
● राज्य की परिभाषा एवं निर्माण तत्व	5-27
● राज्य की उत्पत्ति के विविध सिद्धांत	27-40
● संप्रभुता	40-53
● न्याय	53-59
● व्यक्तिवाद	59-66
● उदारवाद	66-75
● अराजकतावाद	75-77
● फॉसीवाद	77-81
● प्रजातंत्र	81-93
● वैज्ञानिक समाजवाद (साम्यवाद)	93-113
❑ **राजनीतिक दर्शन**	
● भारतीय एवं पाश्चात्य राजनीतिक सिद्धांत	114-143
● स्वतंत्रता एवं समानता	144-156
● अधिकार	156-163
❑ **तुलनात्मक राजनीति**	164-166
● सरकार के प्रकार संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक	166-173
● संघवाद	173-178
● व्यवस्थापिका	178-179
● कार्यपालिका	179-182
● न्यायपालिका	182-185
● राजनीतिक दल, दबाव समूह एवं जनमत	185-196
● निर्वाचन प्रणाली	196-201
❑ **अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न मुद्दे**	202-210
● संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य संगठन	211-232
❑ **लोक प्रशासन-सिद्धांत एवं व्यवहार**	233-248
❑ **भारतीय संविधान**	
● राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास	249-266
● अनुच्छेद	266-277
● संविधान संशोधन	278-283
● अनुसूची	283-288
● संविधान की विशेषता	288-291
● संविधान के स्रोत	291-294
● उद्देशिका	294-295
● राज्य एवं संघ क्षेत्र	295-297
● नागरिकता	297-298
● मूल अधिकार	298-301
● राज्य की नीति निदेकश तत्व	302-306
● मूल कर्तव्य	306-308
● राष्ट्रपति	308-313
● उपराष्ट्रपति	313-315
● महान्यायवादी एवं महालेखा परीक्षक	315-316
● संसद, राज्य सभा, लोक सभा, समितियां आदि	316-333
● उच्चतम न्यायालय	333-341
● राज्यपाल एवं राज्य विधान मण्डल	341-349
● उच्च न्यायालय	349-350
● केंद्र राज्य संबंध	350-351
● वित्त आयोग एवं बजट	351-354
● चुनाव आयोग	355-359
● संघ लोक सेवा आयोग	359-361
● आपातकाल	361-362
● अनुसूचित जाति एवं जनजाति	362-363
● निर्वाचन	363-365
● लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण एवं पंचायती राज	366-374
❑ **भारतीय राजनीति-जातिवाद, क्षेत्रवाद तथा संप्रदायवाद**	375-376
❑ **लोकपाल एवं लोकायुक्त**	376-378
❑ **विभिन्न देशों के संवैधानिक तथ्य**	378-388
❑ **पुस्तकें**	389-408
❑ **विविध**	409-417
❑ **NET/JRF के हल प्रश्न प्रत्र**	418-496

प्रश्न पत्र-विश्लेषण

इस संकलन में TGT, PGT, G.I.C. L.T. Grade, G.D.C.L., Asst. Pro. इत्यादि परीक्षाओं के क्रमशः सामाजिक विज्ञान एवं नागरिक शास्त्र विषय के वस्तुनिष्ठ 32 प्रश्न पत्रों को शामिल किया गया है। इन प्रश्न पत्रों में शामिल प्रश्नों का विवरण इस प्रकार है–

क्र.	विषय/परीक्षा नाम	परीक्षा वर्ष	कुल प्र.सं.	ना. शा. के प्रश्न
1.	उ. प्र. (सा.वि.) T.G.T.	2001, 2003	172 × 2	43 × 2
2.	उ. प्र. (सा.वि.) T.G.T.	2004, 2004, 2005, 2009, 2010, 2013	252 × 6	63 × 6
3.	उ. प्र. (ना. शा.) P.G.T.	2000, 2002	100 × 2	100 × 2
4.	उ. प्र. (ना. शा.) P.G.T.	2003	85 × 1	85 × 1
5.	उ. प्र. (ना. शा.) P.G.T.	2004, 2005, 2009, 2010, 2013	125 × 5	125 × 5
6.	उ. प्र. (L.T. Grade)	2018	150 × 1	60 × 1
7.	उ. प्र. G.I.C. प्रवक्ता	2008, 2009, 2012, 2015, 2017	150 × 5	120 × 5
8.	उ. प्र. G.D.C.L.	2012, 2013	150 × 2	120 × 2
9.	उ. प्र. G.I.C. (आ.प.)	2009, 2012, 2015	150 × 3	120 × 3
10.	उ. प्र. Asst. Pro. (46th)	2015	100 × 1	70 × 1
11.	दिल्ली P.G.T.	2014	200 × 1	100 × 1
12.	राजस्थान P.G.T.	2014	150 × 1	120 × 1
13.	उत्तराखंड Asst. Pro.	2017	100 × 1	100 × 1
14.	हिमाचल प्रदेश Asst. Pro.	2014	100 × 1	70 × 1
	कुल प्रश्न		**32**	**3094**

TGT/PGT शृंखला के तहत द्वितीय खंड में नागरिक शास्त्र के प्रश्नों को प्रस्तुत किया जा रहा है। पाठ्यक्रम के अनुसार रचित इस खंड के लिए TGT सामाजिक विज्ञान (नागरिक शास्त्र) एवं PGT नागरिक शास्त्र विषय की परीक्षाओं के कुल 32 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्रों से नागरिक शास्त्र संबंधी कुल 3094 प्रश्न लिए गए जिनमें से दुहराव वाले 400 प्रश्नों को अलग कर 2694 प्रश्नों को इस खंड में समाहित किया गया है। दुहराव वाले प्रश्नों का परीक्षा नाम मूल प्रश्नों के परीक्षा नाम के नीचे जोड़ दिया गया है ताकि परीक्षार्थी प्रश्नों के दुहराव की प्रकृति को समझ सकें।

राजनीतिक सिद्धांत

राज्य की परिभाषा एवं निर्माण तत्व

1. यूनानी नगर राज्य का आधुनिक नाम क्या है?

(a) नगर (b) सरकार

(c) कस्बा (d) राज्य

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

प्राचीन काल में यूनानी विचारकों ने राज्य के लिए नगर राज्य (city-State) शब्द का प्रयोग किया है, यूनानी भाषा में इसे पोलिस (Polis) कहते हैं। आधुनिक संदर्भ में राज्य शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम इटली के राजनीतिक विचारक मैक्यावेली ने 16वीं शताब्दी के प्रारंभ में अपनी पुस्तक 'The Prince' (1513) में किया जिसका अंग्रेजी अनुवाद 'The State' होता है।

2. 'शहर राज्य' यह शब्द सामान्यतः इससे संबंधित है-

(a) प्राचीन इजिप्त (b) प्राचीन ग्रीस

(c) प्राचीन चीन (d) तीनों में कोई नहीं

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. 'पोलिस' (Polis) का मतलब निम्न में से क्या है?

(a) देश (b) राज्य

(c) शहर-राज्य (d) गांव

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. 'पोलिस' शब्द का संबंध किससे है?

(a) पुलिस (b) नागरिक प्रशासन

(c) नगर-राज्य (d) लोकमत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. 'पॉलिटिक्स' शब्द की उत्पत्ति 'पोलिस' से हुई है, जो एक-

(a) फ्रांसीसी शब्द है (b) यूनानी शब्द है

(c) लातीनी शब्द है (d) जर्मन शब्द है

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्न में से कौन-सा समुच्चय राजनीति विज्ञान के विषय-क्षेत्र को परिभाषित करता है?

(a) राज्य, सरकार, विधियां, प्रथाएं और संस्कृति

(b) संप्रभुता, सरकार, बाजार, राजनीतिक दल और सामाजिक वर्ग

(c) राज्य, सरकार, विधियां, सभ्य समाज और राजनीतिक दल

(d) राज्य, मूल्य, सरकार, निर्णय-निर्माण और राजनीतिक दल

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

राजनीति विज्ञान का विषय-क्षेत्र राज्य, मूल्य, सरकार, निर्णय-निर्माण, राजनीतिक दल, शक्ति, संघर्षों और सहमति का अध्ययन है। आधुनिक सिद्धांत के अनुसार, राजनीति विज्ञान संस्थाओं एवं राजनीति का अध्ययन है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राजनीति विज्ञान के आधुनिक उपागम के अध्ययन का क्षेत्र है?

(a) लोक जीवन (b) राज्य

(c) सरकार (d) विधि-निर्माण

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में नवीन दृष्टिकोण का उदय हुआ। यह निश्चित रूप से अधिक व्यापक और यथार्थवादी है। यह दृष्टिकोण व्यवहारवादी दृष्टिकोण के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इसने इस बात पर बल दिया कि वर्तमान समय में समस्त मानव जीवन एक इकाई का रूप धारण कर लिया है और मानव जीवन के विविध पक्षों को एक दूसरे अलग नहीं किया जा सकता है। इसलिए राजनीति विज्ञान को ऐसा विषय नहीं समझा जाना चाहिए जो मनुष्य के केवल राजनीतिक क्रियाकलापों का अध्ययन करता है। अतः यह कहना उचित होगा कि राजनीति विज्ञान मूलतः मनुष्य के राजनीतिक जीवन तथा क्रियाकलापों का तथा इसके संदर्भ में मानव जीवन के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक तथा अन्य पक्षों का अध्ययन करता है।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा आधुनिक राजनीतिक विज्ञान का लक्षण नहीं है?

(a) शक्ति का अध्ययन

(b) अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन

(c) मूल्य-प्रधान अध्ययन
(d) मानवीय क्रियाओं का अध्ययन

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

मूल्य-प्रधान का अध्ययन परम्परागत राजनीतिक विज्ञान की प्रमुख विशेषता है, जबकि अन्य तीन विकल्प आधुनिक राजनीतिक विज्ञान से संबंधित हैं। हांलाकि बाद में मूल्यों को भी आधुनिक दृष्टिकोण में शामिल कर लिया गया।

9. राजनीति विज्ञान इसकी एक शाखा है।
(a) भौतिकीय विज्ञान (b) प्रकृति विज्ञान
(c) पूर्ण विज्ञान (d) समाज विज्ञान

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

सामाजिक विज्ञान (Social Science) मानव समाज का अध्ययन करने वाली शैक्षिक विधा है। प्राकृतिक विज्ञानों के अन्य विषयों का एक सामूहिक नाम है 'सामाजिक विज्ञान'। इसमें नृविज्ञान, पुरातत्व, अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र आदि विषय सम्मिलित हैं। अतः राजनीति विज्ञान एक प्रमुख सामाजिक विज्ञान है तथा इसका संबंध राज्य से है।

10. राजनीति विज्ञान इससे संबंधित है।
(a) राजनीतिक सत्ता (b) आर्थिक सत्ता
(c) सामाजिक सत्ता (d) सांस्कृतिक सत्ता

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

राजनीति विज्ञान, आधुनिक दृष्टि से वह शास्त्र है जो मानवीय क्रियाओं शक्ति, राजनीतिक व्यवस्था, समस्याओं तथा उनके समाधानों से संबंधित है।

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से उत्तर का चयन कीजिए :
1. राजनीति विज्ञान राजनीति का व्यवस्थात्मक अध्ययन है।
2. यह सैद्धान्तिक और शोधपरक है।
3. यह पूर्णत; वैज्ञानिक और पूर्णतः नैतिकवादी है।
4. इसे यदि अच्छा राजनीति विज्ञान होना है, तो इसे दर्शनात्मक और वैज्ञानिक होना है।

कूट :
(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 4 (d) 1, 3 और 4

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न के विकल्पों में 1, 2 और 4 सही हैं इसे न तो पूर्णतः दार्शनिक कहा जा सकता है, क्योंकि इसके अंतर्गत मानीवय व्यवहार का अध्ययन होता है जो कि विज्ञान के नियमों से परे है और न ही पूर्णतः नैतिक, क्योंकि इसमें नैतिक-अनैतिक सभी मूल्यों का अध्ययन होता है।

12. निम्न में से कौन-सा कथन सही है?
(a) राजनीतिक विकास सर्वसत्तावादी व्यवस्था को जन्म देता है।
(b) राजनीतिक विकास लोकतन्त्र का निर्माण करता है।
(c) राजनीतिक विकास कुलीनतंत्र का निर्माता है।
(d) राजनीतिक विकास अस्थायित्व उत्पन्न करता है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

राजनीतिक विकास का तात्पर्य है, शासन प्रक्रियाओं में नागरिकों की भागीदारी। यह भागीदारी शासन के लोकतांत्रिक स्वरूप में अधिक स्पष्ट होती है। अतः राजनीतिक विकास लोकतंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा राजनीतिशास्त्री राजनीतिक विकास की अवधारणा से संबंधित है?
(a) इल्चमैन (b) रुडोल्फ
(c) लॉसवेल (d) गोल्ड हैमर

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न में राजनीतिक विकास की अवधारणा से इल्चमैन संबंधित हैं। रुडोल्फ का संबंध प्रशासनिक चिंतन से है और लॉसवेल राजनीतिक शक्ति की संकल्पना से संबंधित हैं। गोल्डहैमर मुख्यतः अनुवादक के रूप में प्रसिद्ध हैं।

14. एडवर्ड शील्स के अनुसार राजनीतिक विकास को मापा जाना चाहिए:
(a) देश की राजनीतिक संस्थाओं से
(b) देश के अंतरराष्ट्रीय स्तर से
(c) देश के आर्थिक विकास से
(d) देश के आर्थिक और साथ में सामाजिक विकास से

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

एडवर्ड शील्स के अनुसार, राजनीतिक विकास को देश की राजनीतिक संस्थाओं से मापा जाना चाहिए। इस संबंध में उन्होंने पांच प्रकार की व्यवस्थाओं का वर्णन किया है – (1) राजनीतिक लोकतंत्र (2) नाममात्र का लोकतंत्र (3) आधुनिकीकृत स्वेच्छा तंत्रवाद (4) सर्वाधिकारी गुट तंत्र वाद एवं (5) परंपरागत गुट तंत्रवाद।

15. उत्पत्ति की दृष्टि से कौन-सा सामाजिक विज्ञान, राजनीति विज्ञान से पूर्व का है?
(a) मनोविज्ञान (b) इतिहास
(c) दर्शनशास्त्र (d) समाजशास्त्र

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

दर्शनशास्त्र को सभी सामाजिक विज्ञानों का जनक होने का श्रेय प्राप्त है। राजनीति विज्ञान का उद्भव भी दर्शनशास्त्र से हुआ है।

16. 'पॉलिटिक्स' शब्द की व्युत्पत्ति 'पोलिस' शब्द से हुई है जो निम्न में किस भाषा से लिया गया है?

(a) फ्रांसीसी (b) यूनानी
(c) लैटिन (d) जर्मन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

अंग्रेजी का 'पालिटिक्स' शब्द यूनानी (ग्रीक) भाषा के 'पोलिस' शब्द से बना है, जो प्राचीन यूनानी नगर-राज्य का सूचक था। इस नगर-राज्यों में नागरिक स्वयं अपना शासन चलाते थे। नागरिकों की इन गतिविधियों को प्राचीन यूनानी विचारकों ने 'पॉलिटिक्स' की संज्ञा दी। इससे संबंधित व्यवस्थित अध्ययन को भी उन्होंने पॉलिटिक्स नाम दिया।

17. 'राजनीति' शब्द की उत्पत्ति' 'पोलिस' शब्द से हुई है। यह 'पोलिस' शब्द किस भाषा का है?

(a) अंग्रेजी (b) फ्रेन्च
(c) ग्रीक (d) संस्कृत

U.P. G.I.C. (आ. प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत के प्रमुख समर्थक हैं :

(a) चार्ल्स मेरियम (b) डेविड ईस्टन
(c) हैरॉल्ड लासवेल (d) उपर्युक्त सभी

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत के प्रमुख समर्थक हैं-चार्ल्स मेरियम, ग्राहम वालास, लिओनार्ड ह्वाइट, क्विन्सी राइट, हैरॉल्ड लासवेल, फ्रेडरिक शूमैन, वी.ओ.की. जूनियर, गेब्रीयल आमंड, हर्बर्ट साइमन, डेविड ट्रूमैन, डेविड ईस्टन, कैटलिन।

19. ''राजनीति विज्ञान का संबंध राज्य तथा उसके साधन-सरकार से है।'' यह किसने कहा?

(a) गार्नर (b) डिमॉक
(c) गिलक्राइस्ट (d) सीले

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

मार्शल एडवर्ड डिमॉक एक अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक एवं लोक प्रशासन के प्रोफेसर थे। डिमॉक को लोक प्रशासन एवं सरकार के क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन करने के लिए जाना जाता है। डिमॉक ने कहा है कि ''राजनीति विज्ञान का संबंध राज्य तथा उसके साधन-सरकार से है।''

20. किसने कहा ''राजनीति शास्त्र का राज्य से प्रारंभ और राज्य के साथ ही अंत होता है''?

(a) कोकर (b) सेबाइन
(c) गार्नर (d) अरस्तू

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

गार्नर ने अपनी पुस्तक 'Political Science and Government' में राजनीति विज्ञान की 'प्रकृति एवं विषय क्षेत्र' के संबंध में कहा है कि राज्य ही राजनीति विज्ञान का आरंभ और अंत है। इसका संबंध राज्य के सिद्धांत, संगठन, शासन एवं व्यवहार से है। इसके साथ-साथ राज्य की उत्पत्ति एवं प्रकृति का परीक्षण, राजनीतिक संस्थाओं की प्रकृति, इतिहास एवं राज्य के रूपों की जांच पड़ताल, तथा जहां तक संभव हो राजनीतिक प्रगति एवं विकास के नियमों को निगमित करना इसके क्षेत्र में आते हैं।

21. किसकी उक्ति है ''राजनीति शास्त्र का 'आदि' और 'अंत' राज्य है''?

(a) लॉस्की (b) गार्नर
(c) सेबाइन (d) माउंटबेटन

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(b)

गार्नर ने कहा है कि ''राजनीति शास्त्र का 'आदि' और 'अंत' राज्य है'' (Political Science begins and ends with the State)। अतः राजनीति शास्त्र के अध्ययन का विषय-क्षेत्र मात्र 'राज्य' है।

22. ''राजनीति शास्त्र के अध्ययन का आरंभ और अंत राज्य के साथ होता है।'' किसने कहा?

(a) लीकॉक (b) सीले
(c) गार्नर (d) गेटिल

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. 'राजनीति विज्ञान का आरंभ और अंत राज्य से ही है।' किसका कथन है?

(a) गेटिल (b) गिलक्राइस्ट
(c) लॉस्की (d) गार्नर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. राजनीति विज्ञान का प्रारंभ और अंत राज्य से होता है यह कथन है-

(a) अरस्तू का (b) लीकॉक का
(c) गार्नर का (d) ग्रीसस का

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. ''राजनीति विज्ञान के अंतर्गत राज्य तथा सरकार का अध्ययन किया जाता है'', राजनीति विज्ञान की यह परिभाषा किस विचारक ने की है?

(a) गार्नर (b) सीले
(c) गेटिल (d) गिलक्राइस्ट

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

DSSSB COMMON PAPER
public channel
Info
t.me/ctetdsssbmaths
Invite Link

26. निम्न में से किसने राजनीति विज्ञान को शक्ति का विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है?

(a) बैन्टले (b) लीकॉक
(c) कैटलिन (d) लॉस्की

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

शक्ति को राजनीति विज्ञान का केंद्र मानते हुए कैटलिन ने कहा कि राजनीति एक व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्ति पर प्रभुत्व स्थापित करना है। इसके लिए वह नैतिक और अनैतिक सभी तरह के तरीकों को अपनाता है।

27. 'नागरिक शास्त्र' शब्द की उत्पत्ति 'सिविक और सिविटास' शब्द से हुई है। यह-

(a) एक जर्मन शब्द है। (b) एक फ्रेंच शब्द है।
(c) एक लैटिन शब्द है। (d) एक ग्रीक शब्द है।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

'नागरिक शास्त्र' शब्द की उत्पत्ति 'सिविक और सिविटास' शब्द से हुई है। यह एक लैटिन शब्द है। शब्द सिविक अर्थात नागरिक एवं सिविटास से अभिप्राय नगर राज्य दोनों शब्दों के संयोग से सामाजिक विज्ञान का 'नागरिक शास्त्र' नामक शब्द की उत्पत्ति हुई।

28. नागरिक शास्त्र के अध्ययन का मुख्य विषय है :

(a) नागरिकता (b) पंचायती राज
(c) राज्य (d) नगर निगम

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

नागरिक शास्त्र, नागरिकता, नागरिक जीवन एवं नागरिक संस्थाओं का अध्ययन है। नागरिक शास्त्र के अंतर्गत मुख्यतः नागरिकता का अध्ययन किया जाता है।

29. राजनीति शास्त्र के पिता माने जाते हैं :

(a) सुकरात (b) अरस्तू
(c) चाणक्य (d) कार्ल मार्क्स

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(b)

अरस्तू राजनीति शास्त्र के जनक माने जाते हैं। अरस्तू ने ही राजनीति शास्त्र को व्यवस्थित अध्ययन विषय के रूप में नीति शास्त्र से अलग किया। अरस्तू ने राजनीति को सर्वोच्च विज्ञान की संज्ञा दी।

30. प्रथम राजनीति-वैज्ञानिक के नाम से कौन जाने जाते हैं?

(a) प्लेटो (b) महात्मा गांधी
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) अरस्तू

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. राजनीति विज्ञान को स्वतंत्र विज्ञान का रूप निम्न में से किस विचारक ने दिया?

(a) प्लेटो (b) मार्क्स
(c) हेगेल (d) अरस्तू

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. निम्न में से किस विचारक ने 'राजनीति विज्ञान' को श्रेष्ठतम विज्ञान की संज्ञा दी?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) पॉल जेनेट (d) लॉस्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. 'राजनीति शास्त्र का पिता' किसे कहा जाता है?

(a) गार्नर (b) ग्रीन
(c) अरस्तू (d) प्लेटो

P.G.T. परीक्षा, 2010
H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. किसने कहा कि ''निश्चित भू-भाग राज्य का आवश्यक तत्व नहीं है''?

(a) बेंथम (b) सीले

(c) विलेन (d) लीकॉक

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

राजनीति वैज्ञानिक सीले के अनुसार, ''निश्चित भू-भाग या निश्चित प्रदेश राज्य का आवश्यक अंग नहीं है।'' इसी प्रकार का विचार लियोन डिग्विट (Leon Degvit) तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के विद्वान हॉल द्वारा भी व्यक्त किया गया है। इनके अनुसार क्षेत्र या निश्चित भू-भाग राज्य का अनिवार्य तत्व नहीं है। वर्तमान समय में राज्य के निम्नलिखित अनिवार्य तत्व माने जाते हैं-

I. जनसंख्या II. निश्चित प्रदेश III. सरकार तथा IV. संप्रभुता।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वान 'निश्चित भू-भाग' को राज्य का अनिवार्य तत्व नहीं मानता?

(a) लॉस्की (b) गार्नर

(c) गैटिल (d) सीले

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. यह कथन किसका है कि ''बिना भू-भाग के भी राज्य का अस्तित्व रह सकता है''?

(a) गार्नर (b) मैकाइवर

(c) सीले (d) विलोबी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. निम्नलिखित विचारकों में से कौन भू-भाग को राज्य का अनिवार्य तत्व नहीं मानता है?

(a) प्लेटो (b) लॉक

(c) माओत्से तुंग (d) सीले

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. निम्न में से कौन-सा विद्वान 'भूमि को राज्य का आवश्यक तत्व' नहीं मानता है?

(a) हॉल (b) स्पेन्सर

(c) मैकाइवर (d) डुग्वी

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(*)

राज्य के चार प्रमुख आवश्यक तत्व-जनसंख्या, सरकार, निश्चित भू-भाग तथा प्रभुसत्ता है। लेकिन कुछ विद्वान जैसे सीले, डुग्वी अथवा डिग्विट तथा हॉल आदि ने भूमि को राज्य का आवश्यक तत्व नहीं माना है। विकल्प में हॉल एवं डिग्विट दोनों के होने से किसी भी विकल्प का चयन संभव नहीं है, क्योंकि विकल्प (a) एवं (d) दोनों सही हैं।

39. निम्नांकित में से किसने भूमि को राज्य का आवश्यक तत्व नहीं माना है?

(a) सुकरात (b) प्लेटो

(c) अरस्तू (d) विलोबी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

विलोबी ने भूमि को राज्य का आवश्यक तत्व नहीं माना है। सुकरात, प्लेटो और अरस्तू ने राज्य के विभिन्न अंगों का विस्तार से वर्णन नहीं किया है।

40. 'व्यक्ति का समस्त महत्व और उसकी सम्पूर्ण आध्यात्मिक यथार्थता, जो कुछ उसे उपलब्ध है, इसलिए है कि वह राज्य का सदस्य है।' यह कथन किसका है?

(a) हीगल (b) गार्नर

(c) जोड (d) बोसांके

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

हीगल व्यक्ति और राज्य के संबंधों को लेकर उदारवादियों के विपरीत यह मानता है कि व्यक्ति अपने सत्य, अपने वास्तविक अस्तित्व और नैतिक पद की प्राप्ति राज्य का घटक होकर ही कर सकता है।

41. किसने कहा ''राज्य पृथ्वी पर ईश्वर की गति है''?

(a) बेंथम (b) जे.एस. मिल

(c) कार्ल मार्क्स (d) हीगल

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

हीगल 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध का जर्मन दार्शनिक था। इसे आदर्शवाद का प्रमुख उन्नायक माना जाता है। आदर्शवाद के अनुसार, इस जगत की समस्त वस्तुएं और सामाजिक संस्थाएं विचार तत्व की अभिव्यक्ति हैं। इसी संदर्भ में हीगल ने कहा है कि ''राज्य पृथ्वी पर ईश्वर की गति है।'' इनके अनुसार, राज्य आत्मा के उच्चतम विकास का प्रतीक है। यह ईश्वर की महायात्रा का अंतिम पड़ाव है।

42. ''राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का पदक्षेप है'' किसने कहा है?

(a) काण्ट (b) हीगल

(c) रूसो (d) बोसांके

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

DSSSB COMMON PAPER
public channel
Info
t.me/ctetdsssbmaths
Invite Link

43. 'राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का पदक्रम है।' यह कथन किसका है?

(a) रॉबर्ट फिल्मर (b) मैकाइवर
(c) हीगल (d) बर्क

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. ''राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) हेगेल (b) लॉक
(c) रूसो (d) हॉब्स

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. निम्न में किस विद्वान ने 'समाज को ईंट तथा राज्य को सीमेंट' कहा है?

(a) आशीर्वादम ने (b) गिलक्रिस्ट ने
(c) गेटेल ने (d) गार्नर ने

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

आशीर्वादम ने समाज को ईंट तथा राज्य को सीमेंट कहा है। डॉ. आशीर्वादम ने अपनी पुस्तक 'राजनीति विज्ञान' में 'राज्य का स्वरूप' अध्याय में राज्य और समाज के मध्य संबंधों पर विस्तृत चर्चा किया है। इसमें टिप्पणी करते हुए इन्होंने लिखा है कि ईटों की दीवार में ईटें यदि समाज हैं, तो उनके बीच लगी सीमेंट राज्य, जो ईटों को अपनी जगह पर बनाये रखती है ताकि दीवार ज्यों की त्यों कायम रहे। इसी प्रकार राज्य एवं समाज के मध्य संबंधों पर बार्कर ने लिखा है कि ''समाज राज्य द्वारा कायम रखा जाता है और यदि समाज इस प्रकार कायम न रखा जाए तो इसका अस्तित्व ही नहीं रहेगा।''

46. ''राजनीति शास्त्र का 'प्रारंभ और अंत' राज्य के साथ ही होता है।'' यह कथन है-

(a) लीकॉक का (b) गिलक्राइस्ट का
(c) गार्नर का (d) लॉस्की का

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. 'मानवीय संबंधों के उस किसी भी स्थायी रूप को राजनीतिक व्यवस्था कहेंगे, जिसमें महत्वपूर्ण अंगों में शक्ति, शासन अथवा सत्ता अंतर्ग्रस्त हो।'' यह परिभाषा किस विद्वान की है?

(a) गार्नर (b) सीले
(c) रॉबर्ट डहल (d) गैटिल

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न में उल्लिखित परिभाषा रॉबर्ट डहल की है।

48. औचित्यपूर्ण शक्ति है-

(a) प्रभाव (b) ज्ञान
(c) धन (d) सत्ता

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

सत्ता को औचित्यपूर्ण शक्ति कहा जाता है। सत्ता के निर्णयों का लोग स्वभावतः पालन करते हैं, क्योंकि इसका आधार वैधता है।

49. मैकियावेली के अनुसार-

(a) व्यक्ति प्राकृतिक रूप से स्वार्थी, दुश्चरित्र और अवसरवादी है
(b) व्यक्ति प्राकृतिक रूप से सामाजिक है
(c) व्यक्ति अच्छे और बुरे का सम्मिश्रण है
(d) इनमें से कोई नहीं

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

हॉब्स की भांति मैकियावेली ने भी अपनी प्रसिद्ध कृति 'दी प्रिंस' में मनुष्य के बुरे स्वभाव का चित्रण किया है। मैकियावेली की यह धारणा इस तथ्य पर आधारित है कि मनुष्य स्वार्थी, दुश्चरित्र और अवसरवादी होते हैं, यदि वह अच्छे बनते हैं, तो उसका प्रमुख कारण 'भय' है।

50. निम्न में से कौन-से एक अरस्तू के विचार ने मैकियावेली को प्रभावित किया ?

(a) नैतिकता और राजनीति का पृथक्करण
(b) राज्य मनुष्य समुदाय का उच्च संगठन है
(c) ऐतिहासिक विधि
(d) सभी

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

अरस्तू और मैकियावेली दोनों ही अनुभववादी तुलनात्मक तथा यथार्थवादी चिंतक माने जाते हैं। नैतिकता और राजनीति का पृथक्करण करके अरस्तू राजनीति विज्ञान के जन्मदाता हो गए और मैकियावेली 'अपने युग का शिशु' से सुशोभित हुए। अरस्तू की भांति मैकियावेली ने राज्य को सर्वोच्च संस्था माना है। ऐतिहासिक विधि का उपयोग करते हुए मैकियावेली ने मनुष्य के मनोविज्ञान का परीक्षण कर राज्य को शक्तिशाली बनाने का प्रयास किया है।

51. राज्य की सर्वोच्चता का समर्थन किसने किया?

(a) रूसो (b) मैकियावली

(c) मार्क्स (d) महात्मा गांधी

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. शक्ति की अवधारणा सर्वप्रथम किसने दी?

(a) मैकियावेली (b) कार्ल मार्क्स

(c) लॉसवेल (d) बेकर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

आधुनिक युग में शक्ति की अवधारणा का प्रतिपादन सर्वप्रथम मैकियावेली ने किया था। मैकियावेली ने राज्य के अस्तित्व के लिए शक्ति को मूल आधार माना। मैकियावेली ने राजनीति को शक्ति और नियंत्रण का विषय मानते हुए 'इसे शक्ति के उपार्जन, परिरक्षण और प्रसार की कला के रूप में स्थापित किया है। मैकियावेली के अनुसार, प्रेम और भय- ये दो शक्तियां मनुष्यों को वश में कर सकती हैं, किंतु राजा के लिए भय का सहारा लेना ही अधिक श्रेष्ठ है। शक्ति भय की जननी है और भय प्रेम की अपेक्षा अधिक अनुशासन रखने में समर्थ है।

53. किसने कहा कि, 'शक्ति एक विशेष प्रकार का प्रभाव है जिसके न पालन करने पर घोर हानियां उठानी पड़ती हैं?'

(a) लॉसवेल (b) मैक्स वेबर

(c) हार्टमान (d) रॉबर्ट डहल

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

रॉबर्ट डहल का मानना था कि शक्ति प्रभाव का ही एक रूप है, जिसका पालन करने पर लाभ और न पालन करने पर हानि उठानी पड़ती है।

54. राज्य शब्द का पहली बार प्रयोग किसने किया?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू

(c) मैकियावेली (d) हॉब्स

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

राजनीतिक दर्शन के इतिहास में 'राज्य' शब्द के पर्याय 'State' की व्युत्पत्ति ग्रीक शब्द 'स्टेटो' से हुई, जिसका सर्वप्रथम प्रयोग मैकियावेली ने अपनी पुस्तक 'द प्रिन्स' में किया था। इससे पूर्व यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने 'राज्य' के अर्थ को व्यक्त करने के लिए 'नगर राज्य' का प्रयोग किया था।

55. निम्न में से कौन-सी एक पुस्तक मैकियावेली के विचार को पूर्ण स्पष्ट करती है?

(a) आर्ट ऑफ वार

(b) दी डिस्कोर्सेस आन लीवी

(c) दी प्रिंस

(d) सभी

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

मैकियावेली के पूर्व विचार किसी एक ग्रंथ में नहीं अपितु उनके द्वारा लिखित कई रचनाओं में संकलित हैं। आर्ट ऑफ वार, दी डिस्कोर्सेस आन लीवी और दी प्रिंस मैकियावेली की रचनाएं हैं। 'आर्ट ऑफ वार' का संबंध युद्धनीति से है, 'दी डिस्कोर्सेस आन लीवी' राज्य की प्रकृति और उसके स्वरूप को स्पष्ट करती है तथा 'दी प्रिंस' शासन कला के बारे में है।

56. मैकियावेली के अनुसार -

(a) राज्य उच्च संघ है, जिसमें जनता को राज्य के प्रति पूर्ण समर्पण कर देना चाहिए

(b) राज्य एक कृत्रिम निर्माण है

(c) राज्य विभिन्न संघों में से एक संघ है

(d) दोनों (a) और (b)

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

मैकियावेली के अनुसार, राज्य एक कृत्रिम निर्माण है। इतिहास में एक ऐसा भी समय था, जब राज्य नहीं था। मनुष्य के दुष्ट स्वभाव के कारण राज्य का उदय हुआ। राज्य का जन्म इसलिए होता है, क्योंकि मनुष्य सबसे अधिक सुरक्षा चाहता है और सुरक्षा तभी प्राप्त हो सकती है, जबकि मनुष्य राज्य के प्रति पूर्ण समर्पण कर दे।

57. किस राजनीतिक विचारक ने आधुनिक काल में 'राज्य' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किया?

(a) प्लेटो (b) बोदां

(c) मैकियावेली (d) हॉब्स

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

DSSSB COMMON PAPER
public channel
Info
t.me/ctetdsssbmaths
Invite Link

का महत्वपूर्ण तत्व है''।

58. अरस्तू की उपेक्षा करने वाला पहला आधुनिक राजनीतिक विचारक कौन है?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) मैकियावली

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

थॉमस हाब्स अंग्रेज दार्शनिक थे। लेवियाथन 1651 ई. में उनके द्वारा लिखी प्रसिद्ध पुस्तक थी। प्लेटो एवं अरस्तू के परिवार संबंधी दृष्टिकोणों एवं विचार विशेष रूप से अरस्तू के परिवार संबंधी विचारों पर असहमति रखने वाले थॉमस हाब्स पहले आधुनिक विचारक थे।

59. मैकियावेली समर्थक था-

(a) अभिजात तंत्र (b) राजतंत्र
(c) लोकतंत्र (d) इनमें से कोई नहीं

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

मैकियावेली की यह मान्यता थी कि कोई भी एक प्रकार का शासन समस्त परिस्थितियों के लिए श्रेष्ठ नहीं समझा जा सकता। कुछ स्थितियों में राजतंत्र और कुछ में गणतंत्र सबसे अच्छा होगा। राजतंत्र का निरूपण उसने 'प्रिंस' में तथा गणतंत्र का 'डिस्कोर्सेस' में किया। अभिजाततंत्र को वह बिल्कुल महत्व नहीं देता।

60. 'राजा शेर की तरह साहसी एवं लोमड़ी की तरह चालाक होना चाहिए।' किसने कहा?

(a) मैकियावेली (b) प्लेटो
(c) अरस्तू (d) जे.एस. मिल

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

मैकियावेली ने 'दी प्रिंस' में राजा को यथार्थवादी सलाह देते हुए कहा कि ''राजा को भेड़िये को डराने के लिए शेर की तरह साहसी होना चाहिए तथा शत्रु के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए लोमड़ी की तरह चालाक होना चाहिए।''

61. किसका यह विश्वास था कि व्यक्ति अपने पिता की मृत्यु को भूल सकता है, परंतु उसकी संपत्ति की हानि को नहीं भूल सकता?

(a) मैकियावेली (b) बोदां
(c) हॉब्स (d) लॉक

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

मैकियावेली संपत्ति के प्राधिकार को इतना महत्वपूर्ण मानता था कि शक्तिशाली राजा को भी लोगों की संपत्ति लेने या छीनने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि संपत्ति का अधिग्रहण कालान्तर में विद्रोह का कारण बन जाता है।

62. किसने राज्य का इस प्रकार वर्णन किया है कि ''यह संपूर्ण विज्ञान में साझेदारी है, संपूर्ण कला में साझेदारी है, प्रत्येक सद्गुण और सभी पूर्णता में साझेदारी है'?

(a) एडमण्ड बर्क (b) अरस्तू
(c) मैकाइवर (d) मॉर्गन

P.G.T. परीक्षा, 2003
P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

व्यक्तिवादियों की यह धारणा कि 'राज्य एक आवश्यक बुराई है, वर्तमान समय में स्वीकार नहीं किया जाता है। वास्तव में यह सभ्य जीवन की प्रथम आवश्यकता है। नैतिक जीवन के मार्ग में आने वाली अशिक्षा, अज्ञानता तथा दरिद्रता आदि बुराइयों को दूर करते हुए राज्य व्यक्ति के नैतिक विकास का सफलता पूर्वक प्रयत्न करता है। सभ्य जीवन की अवस्थाएं प्रदान करते हुए, उसे व्यक्तित्व के विकास की ओर प्रेरित करता है। इसी संदर्भ में बर्क ने कहा है कि ''राज्य सभी विज्ञानों, सभी कलाओं, सदाचार व पूर्णता में मनुष्य का साझीदार है।''

63. निम्नांकित में से कौन-सा युग्म सही नहीं है?

(a) अभिजात्य सिद्धांत - पैरेटो
(b) अनुदारवादी सिद्धांत - बर्क
(c) उदारवादी सिद्धांत - प्लेटो
(d) सामाजिक प्रसंविदा सिद्धांत - रूसो

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

प्लेटो आदर्शवादी सिद्धांत का विचारक था। इसने अपने ग्रंथ 'रिपब्लिक' में आदर्श राज्य की कल्पना की थी जबकि पैरेटो अभिजात्य सिद्धांत, बर्क अनुदारवादी सिद्धांत तथा हॉब्स, लॉक, रूसो सामाजिक समझौता सिद्धांत के विचारक रहे हैं।

64. प्लेटो को राज्य के आदर्शवादी सिद्धांत का जनक क्योंकि -

(a) उसने नगर-राज्य के आदर्शों को बताया
(b) उसका सिद्धांत मनुष्य की 'प्रकृति क्या है पर आधारित न होकर, क्या होनी चाहिए पर आधारित है।

(c) वास्तविकता तथा मूल्य के बीच दोहरी व्यवस्था को स्वीकार किया है।
(d) उसने अपने सिद्धांत को अच्छाई के विचार पर आधारित किया है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

प्लेटो ने तत्कालीन समय में नगर-राज्यों की बुराइयों को देखते हुए उनके समाधान के लिए अच्छे गुणों से सम्पन्न दार्शनिक राज्य का समर्थन किया जो कि नगर-राज्यों की बुराइयों को समाप्त कर सके।

65. निम्न में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) सकारात्मक स्वतंत्रता — हीगल
(b) सुख एवं दुःख गणक — बेन्थम
(c) वैज्ञानिक व्यक्तिवाद — स्पेंसर
(d) लोकतांत्रिक केंद्रीयतावाद — एंजिल्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

लोकतांत्रिक केंद्रीयतावाद की अवधारणा का संबंध लेनिन से है। अतः उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सही सुमेलित नहीं है।

66. '' 'रिपब्लिक' केवल राजनीति पर लिखी गई पुस्तक मात्र ही नहीं, वरन् शिक्षा पर लिखी गई एक ऐसी उत्कृष्ट रचना है, जो इससे पहले कभी नहीं लिखी जा सकी।'' यह कथन किसका है?

(a) रूसो (b) बार्कर
(c) केटलिन (d) फास्टर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

रूसो प्लेटो की शिक्षा पद्धति से इतना प्रभावित था कि 'रिपब्लिक' को शिक्षा पर लिखी गई सर्वश्रेष्ठ पुस्तक कह डाला।

67. प्लेटो ने इनमें से किस विचार का समर्थन किया है?

(a) साम्राज्यवाद का
(b) नगर राज्यों के विनाश का
(c) अभिभावक वर्ग द्वारा उत्पादक वर्ग की महिलाओं के शोषण का
(d) पत्नियों और संपत्ति के साम्यवाद का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

प्लेटो ने पत्नियों और संपत्ति के साम्यवाद का समर्थन किया है। प्लेटो ने साम्यवादी योजना को दो भागों, पहला संपत्ति का साम्यवाद तथा दूसरा परिवार अथवा स्त्रियों का साम्यवाद में विभाजित किया। प्लेटो शासकों और सैनिकों के लिए संपत्ति व परिवार का निषेध करता है। यह शासक और सैनिक वर्गों को सामूहिक रूप से राज्य का अभिभावक मानता है, प्लेटो का मानना है कि यदि अभिभावक वर्ग के पास परिवार और संपत्ति होगी, तो वे अपने कर्त्तव्य पथ से विचलित होंगे और आदर्श राज्य का विनाश होगा।

68. पत्नियों एवं संपत्ति के साम्यवादी सिद्धांत के प्रतिपादक कौन थे?

(a) मार्क्स (b) अरस्तू
(c) लॉक (d) प्लेटो

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. बिबियों के साम्यवाद की वकालत किसने की?

(a) प्लेटो (b) ॲरिसटॉटल
(c) सॉक्रेटिस (d) कार्ल मार्क्स

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. प्लेटो ने किसके साम्यवाद में विश्वास किया?

(a) सम्पत्ति (b) पत्नियां
(c) (a) और (b) दोनों (d) उक्त में कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. प्लेटो के आदर्श राज्य की विशेषता निम्न में से कौन-सी नहीं है?

(a) दार्शनिक का शासन
(b) अभिभावक वर्ग के लिए संपत्ति व परिवार का साम्यवाद
(c) नर-नारी के समान अधिकार
(d) पुरुष प्रधान परिवार

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

प्लेटों ने अपने आदर्श राज्य में पुरुष और स्त्री को समान भूमिका देकर पुरुष प्रधानता को अस्वीकार कर दिया है। घर की पहरेदारी में कुत्ते और कुतिया का उदाहरण देकर प्लेटो ने कहा है कि कुतिया कम शक्तिशाली कुत्ता से और कुत्ता अधिक शक्तिशाली कुतिया से है, अतः दोनों अपने कर्तव्यों का निर्वहन भली प्रकार से कर सकते हैं। उसी प्रकार स्त्री और पुरुष भी संरक्षक की भूमिका समान रूप से निभा सकते हैं।

72. प्लेटो के राजनीतिक चिन्तन में बीज निहित है :

(a) उपयोगितावाद का (b) समाजवाद का
(c) फासीवाद का (d) उक्त सभी का

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

प्लेटो के ग्रंथ 'रिपब्लिक' में उक्त सभी धारणाओं का समावेश है एक आदर्श राज्य में न्याय की स्थापना के लिए दार्शनिक राजा की आवश्यकता उसके उपयोगितावाद को पुष्ट करता है। संपत्ति एवं पत्नियों की साम्यवादी व्यवस्था तथा दार्शनिक राजा का निरंकुश होना, क्रमशः समाजवाद एवं फासीवाद का समर्थन है।

73. ''राज्य ओक या चट्टान से उत्पन्न नहीं होता वरन् उसमें निवास करने वाले व्यक्तियों के चरित्र से उत्पन्न होता है।'' यह किसने कहा है?

(a) जवाहरलाल नहेरू (b) एम.के. गांधी
(c) अरस्तू (d) प्लेटो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

न्याय का सिद्धांत प्लेटों के चिंतन का महत्वपूर्ण अंग है। जैसा कि बार्कर भी कहता है कि, न्याय प्लेटो के विचारों का मूल आधार है। रिपब्लिक में राज्य के सिद्धांत की पराकाष्ठा न्याय संबंधी सिद्धांत में है। न्याय वह सूत्र है, जो समाज को बांधे रखता है। प्लेटो के अनुसार- ''राज्य ओक या चट्टान से उत्पन्न नहीं होता वरन उसमें निवास करने वाले व्यक्तियों के चरित्र से उत्पन्न होता है।''

74. निम्नलिखित में से किसने प्लेटो को मुक्त समाज का शत्रु घोषित किया?

(a) लियो स्ट्रास (b) बर्लिन
(c) हन्ना आरेन्ट (d) कार्ल पॉपर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

'द ओपेन सोसायटी एंड इट्स एनीमीज' में पॉपर ने प्लेटो को मुक्त समाज का शत्रु घोषित किया है। उनके अनुसार प्लेटो का दर्शन सत्तावादी और सर्वाधिकारवादी है, क्योंकि उसने संरक्षक-वर्ग के शासन को मिथकों (Myths) के आधार पर सुरक्षित रखने का सुझाव दिया है। विशिष्ट वर्ग को पूर्ण सत्ता प्रदान करके सामाजिक परिवर्तन को रोकने की कोशिश करता है।

75. ''जब तक दार्शनिक राजा नहीं होंगे या विश्व के राजा दर्शन की भावना से प्रेरित नहीं होंगे तब तक राज्यों को उनकी बुराइयों से कभी मुक्ति प्राप्त नहीं होगी।'' यह कथन किसका है?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) सेबाइन (d) डनिंग

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

प्लेटो ने राज्य में न्याय के आदर्श को स्थापित करने के लिए दार्शनिक राजा के शासन को आवश्यक माना है। प्लेटो का उपर्युक्त कथन इसी तथ्य को रेखांकित करता है।

76. निम्न को सही सुमेलन कीजिए-

विचारक	कथन
A. मैकियावेली	**1. इच्छा न कि शक्ति राज्य का आधार है।**
B. मिल	**2. पुष्पिन उतना ही अच्छा है, जितना की कविता।**
C. ग्रीन	**3. व्यक्ति को छल-कपट जानने के लिए लोमड़ी और भेड़िये को डराने के लिए शेर होना चाहिए।**
D. बेन्थम	**4. अपने ऊपर, अपने मस्तिष्क तथा शरीर पर व्यक्ति संप्रभु होता है।**

सही कथन है :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	3	2	1
(c)	2	3	1	4
(d)	1	2	4	3

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

सही सुमेलन है-

विचारक	कथन
मैकियावेली	– व्यक्ति को छल-कपट जानने के लिए लोमड़ी और भेड़िये को डराने के लिए शेर होना चाहिए।
मिल	– अपने ऊपर, अपने मस्तिष्क तथा शरीर पर व्यक्ति संप्रभु होता है।
ग्रीन	– इच्छा न कि शक्ति राज्य का आधार है।
बेन्थम	– पुष्पिन उतना ही अच्छा है, जितना की कविता।

77. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. तलवार के बिना प्रसंविदा मात्र शब्द है।	**1. बेदां**
B. व्यक्ति को स्वतंत्र होने के लिए बाध्य किया जा सकता है।	**2. मिल**
C. उच्चतर शक्ति केवल डाकुओं का झुण्ड बना सकती है, राज्य नहीं।	**3. हॉब्स**
D. राज्य का कार्य व्यक्ति में आत्मनिर्भरता की भावना को नष्ट करता है, उसके उत्तरदायित्व को कमजोर करता है तथा उसके चरित्र को कुण्ठित करता है।	**4. रूसो**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	3	1	4	2
(c)	3	4	2	1
(d)	3	2	1	4

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है-
तलवार के बिना प्रसंविदा मात्र शब्द है – **हॉब्स**
व्यक्ति को स्वतंत्र होने के लिए बाध्य किया जा सकता है – **रूसो**
उच्चतर शक्ति केवल डाकुओं का झुण्ड बना सकती है, राज्य नहीं – **बोदां**
राज्य का कार्य व्यक्ति में आत्मनिर्भरता की भावना को नष्ट करता है, उसके उत्तरदायित्व को कमजोर करता है तथा उसके चरित्र को कुण्ठित करता है – **मिल**

78. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

	सूची-I (अवधारणायें)		सूची-II (विचारक)
A.	राज्य का दार्शनिक सिद्धांत	(i)	मैकियावेली
B.	राज्य और विधि का सामान्य सिद्धांत	(ii)	बेंथम
C.	दार्शनिक उग्रवाद	(iii)	कैल्सन
D.	नागरिक सद्गुणों की अभिवृद्धि की पूर्वदशा के रूप में गणतंत्रवाद	(iv)	बोसांके

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I (अवधारणायें)		सूची-II (विचारक)
राज्य का दार्शनिक सिद्धांत	—	बोसांके
राज्य और विधि का सामान्य सिद्धांत	—	कैल्सन
दार्शनिक उग्रवाद	—	बेंथम
नागरिक सद्गुणों की अभिवृद्धि की पूर्वदशा के रूप में गणतंत्रवाद	—	मैकियावेली

79. ''सबसे निकृष्ट राज्य भी सबसे उत्कृष्ट अराजकता से अच्छा है।'' यह मत किसने व्यक्त किया?

(a) हीगल (b) रूसो
(c) लॉक (d) हॉब्स

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

हॉब्स के अनुसार, प्रभुसत्ता के अबाध अधिकार के फलस्वरूप ही एक वास्तविक सुदृढ़ शासन (Commonwealth) की स्थापना हो सकती थी। किसी प्रकार की शर्तें लगाने से अनिश्चय और अविश्वास की संभावना हो सकती थी, जिससे इस प्रकार के झगड़े उत्पन्न हो जाते, जिनका हल संभव नहीं होता और तब पुनः अराजकता फैल जाती। इसका परिणाम यह रहा कि सबसे निकृष्ट राज्य में भी प्रजा को शासक के विरुद्ध बोलने का अधिकार नहीं रहा, क्योंकि शासक के विरुद्ध जाने का अभिप्राय प्राकृतिक अवस्था की ओर लौटना अर्थात उत्कृष्ट अराजकता के माहौल में लौटना था। इसलिए हॉब्स का कथन है कि ''सबसे निकृष्ट राज्य भी सबसे उत्कृष्ट अराजकता से अच्छा है''।

80. राज्य के स्वरूप के बारे में निम्नलिखित में कौन सही है?

(a) राज्य अपने में एक साध्य है।
(b) राज्य साध्य का एक साधन है।
(c) राज्य साधन और साध्य दोनों है।
(d) राज्य न साधन है, न साध्य है।

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

आदर्शवादी विचारक (जैसे हीगल प्लेटो तथा सर्वाधिकार वादी विचारक जैसे मुसोलिनी या हिटलर) राज्य को स्वयं में साध्य मानते हैं, जबकि उदारवादी विचारक एवं समाजवादी विचारक राज्य को साधन मानते हैं। चूंकि प्रश्न में राज्य का स्वरूप किसी विचारधारा से संबंधित कर नहीं पूछा गया है। अतः प्रश्न में राज्य के वर्तमान स्वरूप के बारे में विचार किया जाएगा। वर्तमान समय में राज्य को एक साधन माना जाता है। आज विश्व के किसी भी हिस्से में राज्य की प्रकृति चाहे जो हो, भले ही वह सैन्य तंत्र हो, राज्य को साध्य न मानकर साधन माना जाता है।

81. ''राज्य साधन है, साध्य नहीं'' यह सिद्धान्त है-

(a) उदारवाद का (b) व्यक्तिवाद का
(c) फासीवाद का (d) वैज्ञानिक समाजवाद का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. ''एक आधुनिक राज्य संविधान के बिना राज्य नहीं अपितु अराजकता का शासन है'' यह किसका कथन है?

(a) लॉर्ड ब्राइस (b) ए.वी. डायसी

(c) जैलीनेक (d) जी.वी.शां

P.G.T. परीक्षा, 2013

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

''एक आधुनिक राज्य संविधान के बिना राज्य नहीं अपितु अराजकता का शासन है।'' यह कथन जैलीनेक (Jellineck) का है। वस्तुतः संविधान राजकीय आचरण का वह विधान होता है, जिसके द्वारा व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति एवं राज्य के पारस्परिक संबंध को निश्चित किया जाता है तथा जिसके द्वारा सरकार के विविध अंगों का पारस्परिक संबंध निश्चित किया जाता है। गिलक्राइस्ट संविधान को परिभाषित करते हुए कहते हैं कि ''संविधान उन लिखित या अलिखित नियमों अथवा कानूनों का समूह होता है, जिसके द्वारा सरकार का संगठन सरकार की शक्तियों का विभिन्न अंगों में वितरण और इन शक्तियों के प्रयोग का सामान्य सिद्धांत निश्चित किया जाता है।''

83. सूची-I (कथन) को सूची-II (विचारक) से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (कथन)	सूची-II (विचारक)
क. मैं राज्य हूं	**(i) प्लेटो**
ख. राज्य व्यक्ति से पहले है	**(ii) अरस्तू**
ग. राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है	**(iii) लुई XIV**
घ. राज्य व्यक्ति का वृहद् रूप है	**(iv) एफ.डब्ल्यू. जी. हीगल**

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूटः

	क	ख	ग	घ
(a)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I (कथन)		सूची-II (विचारक)
मैं राज्य हूं	—	लुई XIV
राज्य व्यक्ति से पहले है	—	अरस्तू
राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है	—	एफ.डब्ल्यू. जी. हीगल
राज्य व्यक्ति का वृहद् रूप है	—	प्लेटो

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

84. किसने कहा कि ''राज्य व्यक्ति का वृहद स्वरूप है''?

(a) प्लेटो (b) सुकरात

(c) अरस्तू (d) सेन्ट थॉमस एक्विनास

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. कौन यह मानता है कि राज्य व्यक्ति से पूर्व है?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू

(c) थॉमस एक्वीनास (d) मैकियावेली

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. सरकारों का सुव्यवस्थित वर्गीकरण सबसे पहले प्रतिपादित किया था-

(a) मैकियावेली ने (b) प्लेटो ने

(c) अरस्तू ने (d) मॉटेस्क्यू ने

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

अरस्तू ने सर्वप्रथम 'शासकों की संख्या' और 'शासन के उद्देश्य' के आधार पर सरकारों का वर्गीकरण प्रस्तुत किया।

शासकों की संख्या	सामान्य रूप	विकृत रूप
1. एक व्यक्ति का शासन	राजतंत्र	आतताई तंत्र
2. कुछ व्यक्तियों का शासन	कुलीनतंत्र	वर्गतंत्र
3. बहुत से व्यक्तियों का शासन	मध्य वर्ग तंत्र	जनतंत्र

87. निम्न में से किसको अरस्तू ने सरकार के विकृत रूप के संदर्भ में वर्गीकृत किया है?

(a) लोकतंत्र (b) कुलीनतंत्र

(c) निरंकुशतंत्र (d) उपर्युक्त सभी

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

अरस्तू ने शासकों की संख्या और शासन के उद्देश्य के आधार पर सरकारों का वर्गीकरण किया है। शासन का उद्देश्य यदि लोक कल्याण है तो वह अच्छा रूप है, यदि स्वार्थ पर आधारित है, तो वह विकृत रूप है। लोकतंत्र, कुलीनतंत्र एवं निरंकुशतंत्र को अरस्तू ने सरकार का विकृत रूप माना है।

88. अरस्तू ने राज्यों और संविधानों का वर्गीकरण किस प्रकार किया है?

(a) निर्मित और पारंपरिक रचना के आधार पर

(b) शासकों की संख्या और शासन की गुणवत्ता के आधार पर

(c) धार्मिक प्रभाव के आधार पर
(d) आर्थिक प्रभुत्व के आधार पर

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

अरस्तू ने राज्यों एवं संविधानों का वर्गीकरण शासकों की संख्या और शासन की गुणवत्ता (राज्य का उद्देश्य सार्वजनिक हित) के आधार पर किया है। अरस्तू ने प्लेटो द्वारा 'स्टेट्समैन' में किए गए राज्यों के वर्गीकरण को ही अपना आधार बनाया है।

89. राज्यों का वर्गीकरण सर्वप्रथम किसने किया?
(a) अरस्तू ने (b) मार्क्स ने
(c) लॉक ने (d) ग्रीन ने

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

90. अरस्तू के अनुसार, राज्य का अस्तित्व-
(a) दैवी इच्छा का परिणाम है
(b) बल और भय का परिणाम है
(c) केवल राजनैतिक और धार्मिक संयोग है
(d) विकास का परिणाम है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

अरस्तू के अनुसार, राज्य का अस्तित्व विकास का परिणाम है। अरस्तू के अनुसार, राज्य का निर्माण व्यक्ति या व्यक्ति समूह ने सोच समझकर नहीं किया बल्कि **राज्य एक प्राकृतिक संस्था** है, जिसका जन्म विकास के कारण हुआ है। **यह एक स्वाभाविक संस्था** है। इसके उद्देश्य और कार्य नैतिक है और यह सभी संस्थाओं में श्रेष्ठ है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरस्तू ने अपने ग्रंथ पॉलिटिक्स में आदर्श राज्य की स्थापना तथा यथार्थ का विश्लेषण एक साथ करके नवीन राजनीति विज्ञान को जन्म दिया है।
- 'पॉलिटिक्स' और 'द कांस्टीट्यूशन अरस्तू के द्वारा लिखे गए दो राजनीतिक विषय के ग्रंथ हैं।

91. अरस्तू के अनुसार राज्य-
(a) एक दैवीय संस्था है। (b) एक कृत्रिम कृति है।
(c) शक्ति की उपज है। (d) एक प्राकृतिक संस्था है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. अरस्तू का राजनीतिक विचार प्रतिपादित है-
(a) स्टेट्समैन में (b) लॉज में
(c) पॉलिटिक्स में (d) उपरोक्त सभी में

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

93. ॲरिस्टॉटल के अनुसार
(a) राज्य एक ईश्वरीय संस्था है (b) राज्य एक कृत्रिम सृष्टि है
(c) राज्य बल की सृष्टि (d) राज्य एक स्वाभाविक संस्था है

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. अरस्तू के अनुसार राज्य है :
(a) परिवार का व्यापक रूप
(b) नैतिक और प्राकृतिक संस्था
(c) जनता के मध्य समझौते का परिणाम
(d) जनता और शासक के बीच समझौते का परिणाम

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. 'आदमी एक सामाजिक प्राणी है' ऐसा किसने कहा?
(a) ॲरिस्टॉटल (b) प्लेटो
(c) रूसो (d) लॉस्की

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

अरस्तू ने कहा था- राज्य प्रकृति की देन है और मनुष्य, स्वभाव से एक सामाजिक प्राणी है।

96. ''मैं ही राज्य हूं'' यह घोषणा निम्नलिखित में से किसने की थी?
(a) जेम्स प्रथम (b) रॉबर्ट फिल्मर
(c) लुई चौदहवें (d) पोप प्रथम

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

फ्रांस के सम्राट लुई चौदहवें कहा करते थे कि ''मैं ही राज्य हूं''। सामान्यतः राज्य और सरकार दोनों शब्दों का प्रयोग पर्यायवाची अर्थों में किया जाता है। यूरोप के निरंकुश शासक प्रायः अपनी अनियंत्रित सत्ता को न्यायपूर्ण सिद्ध करने के लिए दोनों में भेद नहीं मानते थे। इसी प्रकार की प्रवृत्ति इटली में मुसोलिनी तथा जर्मनी में हिटलर के निरंकुश शासन में मिलती है।

97. 'मैं ही राज्य हूं' ऐसा किसने कहा?

(a) इग्लैंड का जेम्स II (b) फ्रांस का नेपोलियन I

(c) फ्रांस का लुई XIV (d) जर्मनी का हिटलर

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

98. राज्य के आवश्यक तत्व हैं-

(a) सात (b) पांच

(c) चार (d) तीन

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

राज्य के चार आवश्यक तत्व हैं- (1) जनसंख्या (2) भू-भाग (3) सरकार तथा (4) संप्रभुता।

99. ''राज्य का कार्य अच्छे जीवन की बाधाओं के मार्ग में बाधा पहुंचाना है।'' यह कथन किसका है?

(a) हीगल (b) बोसांके

(c) कॉन्ट (d) ग्रीन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

टी.एच. ग्रीन एक आदर्शवादी विचारक था उसकी पुस्तक Lectures on the Principles ofPolitical Obligation" भाषणों का संकलन है, जो राजनीतिक विचारधारा का एक अमूल्य साहित्य है- ग्रीन के अनुसार राज्य का कार्य अच्छे जीवन की बाधाओं के मार्ग में बाधा पहुंचाना है। इसका अर्थ है कि राज्य का उद्देश्य जीवन स्तर को बेहतर स्तर प्रदान करना है। राज्य अपने आप में अंत नहीं है। इसी प्रकार का कथन बोसांके का भी है।

100. निम्नलिखित में से किसने राज्य के कार्य के संबंध में ''बाधाओं को बाधित करना'' उक्ति का प्रयोग किया है?

(a) मिल (b) ग्रीन

(c) हॉब्स (d) हीगल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

101. ''शक्ति नहीं बल्कि सदिच्छा राज्य का आधार है''। यह वाक्य किस विचार का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) आदर्शवादी (b) मार्क्सवादी

(c) यथार्थवादी (d) विकासवादी

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

राज्य किसी ऐसी संस्था में निहित नहीं होता जो एक बार और हमेशा के लिए बनी हो। यह उस सामान्य इच्छा को व्यक्त करता है, जो एक 'सामान्य भले' हेतु कार्यशील होती है। टी.एच. ग्रीन (T.H. Green) जो एक ब्रिटिश दार्शनिक और विचारक थे, का ऐसा ही मत था। इन्हें इंग्लैंड में आदर्शवादी विचारधारा का समर्थक माना जाता है।

102. 'राजनीतिक कृतज्ञता' का सिद्धांत प्रतिपादित किया है-

(a) मार्क्स ने (b) जे.एस. मिल ने

(c) बोसांके ने (d) टी.एच. ग्रीन ने

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

टी.एच. ग्रीन ने अपनी विख्यात कृति 'लैक्चर्स आन द प्रिंसिपल्स ऑफ पालिटिकल ऑब्लीगेशन' में राजनीतिक कृतज्ञता का सिद्धांत प्रतिपादित किया। ग्रीन का इस संबंध में कहना है कि ''राज्य ऐसी संस्था है, जिसका ध्येय सामान्य हित को बढ़ावा देना है। सामान्य हित का विचार ही राजनीतिक कृतज्ञता का आधार है।''

103. ''संकल्प न कि शक्ति राज्य का आधार है'' किसने कहा था?

(a) प्लेटो (b) ग्रीन

(c) हॉब्स (d) मैकियावेली

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(b)

राज्य का आधार व्यक्तियों की सामाजिक और जन-कल्याणकारी इच्छा है। ग्रीन के अनुसार, ''राज्य शक्ति नहीं, वरन् मानवीय इच्छा पर आधारित होता है''। व्यक्ति राज्य की आज्ञाओं का पालन स्वयं अथवा भय के कारण नहीं वरन् अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के कारण करते हैं।

104. किसने कहा 'राज्य का आधार शक्ति नहीं इच्छा' है?

(a) टी.एच. ग्रीन (b) बेंथम

(c) जे.एस. मिल (d) हेगेल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. किसने कहा ''इच्छा, शक्ति नहीं, राज्य का आधार है''?

(a) बेंथम (b) टी.एच. ग्रीन

(c) जे.एस. मिल (d) हीगल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

106. ''शक्ति ही नहीं, वरन् इच्छा ही राज्य का आधार है।'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) गांधी (b) ग्रीन

(c) अरस्तू (d) लॉक

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

107. 'राज्य का आधार शक्ति नहीं इच्छा है।' —यह कथन है-

(a) टी.एच. ग्रीन (b) कार्ल मार्क्स

(c) मैकियावली (d) हॉब्स

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

108. आदर्शवाद है-

(a) राज्य का समर्थक

(b) राज्य के विरुद्ध

(c) राज्य व व्यक्ति का समर्थक

(d) व्यक्ति का समर्थक

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

आदर्शवादी विचारक राज्य के समर्थक हैं। आदर्शवाद राज्य को नैतिक संस्था मानते हुए व्यक्ति के पूर्ण विकास के लिए आवश्यक मानता है। काण्ट, हीगल, ग्रीन, ब्रैडले, बोसांके आदि विचारकों द्वारा प्रमुख रूप से इसका समर्थन किया गया, परंतु इस सिद्धांत का चरमोत्कर्ष हमें हीगल की विचारधारा में मिलता है।

109. यह कथन जो कहता है राज्य एक नैतिक संस्था है जो मनुष्य के पूर्ण नैतिक विकास के लिए अनिवार्य है, यह इनका आरोपण है-

(a) व्यक्तिपरक (b) अराजकवादी

(c) आदर्शवादी (d) मार्क्सवादी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

आदर्शवादी विचारधारा में राज्य को सभी समुदायों से सर्वोच्च माना गया है। व्यक्ति अपना सर्वांगीण विकास राज्य रूपी संस्था का सदस्य बनकर ही कर सकता है।

110. निम्न में से किस तत्व को प्लेटो ने अधिक महत्व नहीं दिया है?

(a) उद्यमिता (b) क्षुधा या उत्पादन

(c) शौर्य (d) विवेक

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

प्लेटो ने उद्यमिता को अधिक महत्व नहीं दिया। प्लेटो के अनुसार, राज्य व्यक्ति का ही वृहत् रूप है। इसलिए राज्य की प्रकृति समझने के लिए मनुष्य की प्रकृति समझना जरूरी है। प्लेटो के अनुसार, मनुष्य के व्यवहार के तीन मुख्य स्रोत हैं- इच्छा या तृष्णा (Desire), भावना या मनोवेग (Emotion) और ज्ञान (Knowledge) या विवेक (Wisdom)। प्लेटो के अनुसार, ये सभी गुण सभी मनुष्यों में पाए जाते हैं, परंतु विभिन्न मनुष्यों में भिन्न-भिन्न गुणों की प्रधानता रहती है। इस आधार पर प्लेटो ने समाज में तीन वर्गों की पहचान की है- जिनमें इच्छा या तृष्णा की प्रधानता होती है, वे उद्योग-व्यापार को तत्पर होते हैं। जिनमें भावना की प्रमुखता है वे सैनिक का व्यवसाय अपनाते हैं तथा जो ज्ञान से संपन्न हैं, वे दार्शनिक के रूप में ख्याति अर्जित करते हैं।

111. यह किसने, कहा कि ''राज्य व्यक्ति का वृहत् स्वरूप है''?

(a) प्लेटो (b) सुकरात

(c) अरस्तू (d) थॉमस एक्वीनास

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

112. एक आदर्श राज्य की जनसंख्या प्लेटो ने इतनी निर्धारित की-

(a) 1,900 व्यक्ति (b) 5,040 व्यक्ति

(c) 10,000 व्यक्ति (d) 1,00,000 व्यक्ति

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

प्लेटो ने अपने दार्शनिक ग्रंथ रिपब्लिक' में आदर्श राज्य की कल्पना की है। उनका आदर्श राज्य आदर्शवादी साम्यवाद पर आधारित है, जहां स्त्री और पुरुष सभी कानून के सम्मुख समान हैं, सभी को शिक्षा का अधिकार है। जहां का शासक दार्शनिक हो। प्लेटो ने आदर्श राज्य की जनसंख्या 5040 व्यक्ति निर्धारित की है।

113. वुडरो विल्सन के अनुसार कौन कार्य राज्य का ऐच्छिक कार्य है?

(a) कानून-व्यवस्था बनाए रखना

(b) श्रम कानून बनाना

(c) दीवानी मामलों को निपटाना

(d) मनुष्यों द्वारा किए गए समझौतों का पालन करना

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

जहां उदारवादी विचारक राज्य के न्यूनतम कार्य क्षेत्र का समर्थन करते हैं, वहीं समाजवादी विचारक राज्य के अधिकतम कार्यक्षेत्र को महत्वपूर्ण मानते हैं। इसी संदर्भ में राज्य के उचित कार्यक्षेत्र के निर्धारण के लिए अनेक विद्वानों ने राज्य के कार्य को दो भागों- आवश्यक कार्य तथा ऐच्छिक कार्य में बांटा है। वुडरो विल्सन के अनुसार, राज्य के आवश्यक कार्य–व्यवस्था बनाये रखना, दीवानी मामलों का निपटारा, व्यक्तियों में आपसी संविदा से उत्पन्न अधिकारों को निश्चित करना तथा नागरिकों के राजनीतिक कर्तव्यों को निर्धारित करना है। वुडरो विल्सन के अनुसार राज्य के ऐच्छिक कार्य निम्न हैं-उद्योग व्यापार पर नियंत्रण, श्रम कानून बनाना, आवागमन की व्यवस्था आदि। इस प्रकार श्रम कानून बनाना राज्य का ऐच्छिक कार्य है।

114. ''राज्य न ही ईश्वर की रचना है, न श्रेष्ठ शारीरिक बल की, न ही प्रस्तावों एवं सम्मेलनों की कृति है न ही परिवार का मात्र विस्तार है।'' यह कथन किसका है?

(a) मैकाइवर (b) गार्नर
(c) गेटेल (d) मोरगान

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

राज्य की उत्पत्ति एवं विकास की व्याख्या करने के क्रम में दैवीय सिद्धांत, शक्ति सिद्धांत, सामाजिक समझौता सिद्धांत, पैतृक सिद्धांत एवं मातृक सिद्धांत अस्तित्व में आए। लेकिन ये सिद्धांत राज्य की उत्पत्ति की व्याख्या आंशिक रूप से ही कर पाए। राज्य की उत्पत्ति का सर्वाधिक मान्य सिद्धांत ऐतिहासिक या विकासवादी सिद्धांत है। विकासवादी सिद्धांत के समर्थन में ही गार्नर ने कहा है कि ''राज्य न ही ईश्वर की रचना है, न श्रेष्ठ शारीरिक बल का परिणाम है, न ही किसी प्रस्ताव या समझौते की कृति है तथा न ही परिवार का विस्तृत रूप है। यह तो क्रमिक विकास से उदित एक ऐतिहासिक संस्था है।''

115. मैकाइवर के अनुसार राज्य को निम्न में से कौन संबंधित कार्य नहीं करने चाहिए?

(a) साहित्य एवं कला पर नियंत्रण (b) पुस्तकालयों की व्यवस्था
(c) कानून व्यवस्था का प्रबंध (d) प्राकृतिक संसाधनों का शोषण

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

मैकाइवर ने अपनी पुस्तक 'द वेब ऑफ गवर्नमेंट' में लिखा है कि राज्य को कला, साहित्य, संस्कृति व धर्म के क्षेत्र में नियंत्रण संबंधी कार्य नहीं करने चाहिए। मैकाइवर सेवाधर्मी राज्य का समर्थक था, उसने यह विश्वास प्रकट किया कि जब तक आधुनिक राज्य की लोकतंत्रीय व्यवस्था को अक्षुण्ण रखा जाता है तब तक पूंजीवाद की बुराइयों से डरने की आवश्यकता नहीं है।

116. ''राज्य एक निश्चित भू-भाग में जनता द्वारा कानून स्थापना के लिए संगठित समूह का नाम है।'' यह कथन किसका है?

(a) लीकॉक (b) विलोबी
(c) लॉस्की (d) मैकाइवर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(*)

अनेक राजनीतिक वैज्ञानिकों ने अपने दृष्टिकोण और अनुभव के आधार पर राज्य को परिभाषित करने का प्रयास किया है इसी क्रम में राज्य को परिभाषित करते हुए विल्सन ने कहा है कि ''राज्य एक निश्चित भू-भाग में जनता द्वारा कानून की स्थापना के लिए संगठित समूह का नाम है।'' एक अन्य विद्वान ब्लंटश्ली के अनुसार, ''राज्य एक निश्चित भू-भाग में रहने वाले राजनीतिक तौर पर संगठित लोगों का समुदाय है।''

117. ''राज्य परिवारों और गांवों का संगठन है जिसका उद्देश्य एक पूर्ण और आत्म-निर्भर जीवन प्रदान करना है''। इस उद्धरण के लेखक

(a) प्लेटो हैं (b) अरस्तू हैं
(c) अज्ञात यूनानी विचारक हैं (d) सोफिस्ट हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

''राज्य परिवारों और गांवों का संगठन है जिसका उद्देश्य एक पूर्ण और आत्म-निर्भर जीवन प्रदान करना है'' इस उद्धरण के लेखक अरस्तू हैं। आत्म-निर्भर जीवन का आशय राज्य या राजनीतिक समुदाय का लक्ष्य उच्चतम आदेशों की प्राप्ति से है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने अपने प्रारंभिक उत्तर प्रत्रक में इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) को माना है जो कि गलत है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्लेटो राज्य को एक ऐसा समुदाय बताते हैं जिसमें मनुष्य की प्रतिभाओं को निखरने का सर्वोत्तम मार्ग मिलता है।
- राजनीति का उद्गम स्थल प्राचीन यूनान माना गया है।

118. ''राज्य परिवारों तथा गांवों का एक समूह है, जिसका लक्ष्य एक पूर्ण तथा आत्मनिर्भर जीवन की प्राप्ति है।'' यह कथन किसका है?

(a) अरस्तू (b) प्लेटो
(c) एक्वीनास (d) बोंदा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

119. राज्य एक परिवार का विस्तार है, ऐसा किसने कहा?

(a) प्लेटो (b) ऑरिसटॉटल
(c) लॉक (d) न्यूटन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

अरस्तू की अध्ययन पद्धति में विश्लेषणात्मकता की विशेषता है। अरस्तू राज्य को एक पूर्ण वस्तु मानते हुए उसके निर्माणकारी तत्वों, जैसे- ग्रामों व परिवार तथा उसके बाद नागरिकों का अध्ययन करता है।, वह परिवार को व्यक्ति के स्वरूप का विस्तार कहता है। ग्राम को परिवार के स्वरूप का विस्तार और अंत में राज्य को परिवार का विस्तार कहा है।

120. किसने कहा कि, ''जो अरस्तू का आदर्श राज्य है, वही प्लेटो का द्वितीय सर्वश्रेष्ठ राज्य है''?

(a) हीगल (b) लॉस्की
(c) सेबाइन (d) ग्रीन

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

''जो अरस्तू का आदर्श राज्य है, वही प्लेटो का द्वितीय सर्वश्रेष्ठ राज्य है' यह उक्ति सेबाइन द्वारा कही गई है।

121. किसने राज्य को ''एक संप्रभु भू-क्षेत्रीय समूह'' कहा है?

(a) मैक्स वेबर ने (b) लॉस्की ने
(c) डेविड हेल्ड ने (d) लासवेल ने

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

प्रसिद्ध राजनीति शास्त्री लासवेल ने राज्य को ''एक संप्रभु भू-क्षेत्रीय समूह'' कहा है। लासवेल संप्रभुता के परंपरागत स्वरूप को स्वीकार नहीं करते। आनुभविक आधार से देखने पर राज्य में संप्रभुता की अधिकांश परंपरागत विशेषताएं सत्य प्रतीत नहीं होती। लासवेल संप्रभुता को सत्ता की उच्चतम मात्रा के रूप में परिभाषित करते हैं। इनके अनुसार ''राज्य व्यक्तियों का ऐसा समुदाय है जो समस्त बल के सर्वोच्च स्रोत के रूप में संगठित सत्ता रखता है।'' वेबर भी कहते हैं कि, राज्य का अस्तित्व है यदि किसी राजनीतिक संघ का अधिकारी तंत्र सफलतापूर्वक औचित्यपूर्ण भौतिक बल पर एकाधिकार का प्रयोग करता है। लासवेल मानते हैं कि संप्रभुता के साथ-साथ अन्य शक्ति संरचनाएं भी सर्वोच्च हो सकती हैं। उनकी सर्वोपरिता वैयक्तिक, विभाजित, स्थानिक आदि हो सकती है। इस आधार पर उन्होंने राज्य को एक संप्रभु भू-क्षेत्रीय समूह कहा है।

122. ''राज्य एक संसार है जिसे आत्मा अपने लिए बनाती है।'' यह कथन किसका है?

(a) एम.पी. फालेट (b) हीगल
(c) प्लेटो (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

राज्य की आदर्शवादी व्याख्या हीगल, प्लेटो, एम.पी. फालेट, ग्रीन जैसे दार्शनिकों द्वारा की गई है। इनके अनुसार राज्य सर्वोच्च नैतिकता है। इसी संदर्भ में हीगल ने कहा है कि ''राज्य एक संसार है जिसे आत्मा अपने लिए बनाती है।'' इसी संदर्भ में अपनी पुस्तक 'न्यू स्टेट' में एम.पी. फालेट ने लिखा है कि ''मेरी आत्मा का निवास स्थान राज्य में है।''

123. एक राज्य जो अपने नागरिकों को अधिकतम सामाजिक सुविधाएं प्रदान करे, कहलाता है-

(a) समाजवादी राज्य (b) पुलिस राज्य
(c) कल्याणकारी राज्य (d) सर्वोदय

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

वह राज्य जो अपने नागरिकों को अधिकतम सामाजिक सुविधाएं प्रदान करता है, कल्याणकारी राज्य कहलाता है। डेविड मार्श अपनी पुस्तक 'द वेलफेयर स्टेट' में कल्याणकारी राज्य की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि ऐसा राज्य अपने नागरिकों को रोजगार, न्यूनतम आय, शिक्षा का अधिकार तथा अशक्तता की स्थिति में संरक्षण का अधिकार और सामुदायिक आश्रय प्रदान करने का प्रयास करता है।

124. निम्नलिखित विचारकों में से कौन एक राज्य के यांत्रिक स्वरूप की अवधारणा का समर्थक नहीं है?

(a) हॉब्स (b) मिल
(c) बेंथम (d) ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(d)

ग्रीन एक आदर्शवादी विचारक हैं, जो राज्य को एक सर्वोच्च नैतिक संस्था मानता है जबकि बेंथम, मिल, हॉब्स ने राज्य को मानव-निर्मित यंत्र माना है, जिसका निर्माण व संचालन मानव ने अपने कल्याण के लिए किया है।

125. ''राज्य विधि का शिशु तथा जनक दोनों ही है।'' यह कथन संबंधित है-

(a) मैकाइवर से (b) ऑस्टिन से
(c) हॉब्स से (d) क्रैब से

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

मैकाइवर ने अपनी पुस्तक 'The Modem State' में बहुलवाद के सिद्धांत के क्षेत्र में योगदान करते हुए तर्क दिया है कि राज्य कानून का जनक एवं शिशु दोनों है। यह साधारण कानून का निर्माण करता है और उससे ऊपर है। ये कानून नागरिकों के आपसी संबंधों का तथा राज्य के साथ नागरिकों के संबंधों का नियमन करते हैं। इसके अलावा राज्य का संवैधानिक कानून राज्य से ऊपर है, जिसका यह अतिक्रमण नहीं कर सकता।

नोट- कानून का अंग्रेजी समानार्थी शब्द लॉ (Law) है। इसकी उत्पत्ति ट्यूटन (जर्मन) भाषा की Lag (लैग) धातु से हुई है।

126. ''आधुनिक राज्यों में स्थिति 'समूह बनाम राज्यों' की होती जा रही है।'' यह कथन किसका है?

(a) बार्कर (b) ब्राइस

(c) डुवर्जर (d) थॉमस हेयर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

बार्कर का कहना है कि आधुनिक राज्यों में स्थिति 'समूह बनाम राज्यों' की होती जा रही है, क्योंकि व्यक्तियों ने आपसी हितों के लिए राज्य में छोटे-छोटे समूह बना लिए हैं। इसके पहले स्पेन्सर जैसे विद्वानों ने 'व्यक्ति बनाम राज्य' जैसे सिद्धांतों को प्रमुखता दी थी।

127. निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?,

भूण्डलीकरण का तात्पर्य है-

(a) अंतरराष्ट्रीयतावाद

(b) संप्रभु राज्यों का अंत

(c) क्षेत्रवाद

(d) विश्व-समाज के सहकारी स्वरूप का उद्भव

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

ग्लोबलाइजेशन या भूमण्डलीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यापार, सेवाओं या तकनीकियों का पूरे संसार में वृद्धि, विकास और विस्तार किया जाता है। पिछले कुछ दशकों में भूमण्डलीकरण बहुत तेजी से हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप पूरे विश्व में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक पारस्परिकता में तकनीकी, दूरसंचार, यातायात आदि की उन्नति के माध्यम से वृद्धि हुई है।

128. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है?

(a) 'मनुष्यों का सामूहिक भाईचारा' - काण्ट

(b) 'राज्य की उच्चतर तार्किकता' - बोसांके

(c) 'राज्य समुदायों का समुदाय' - ग्रीन

(d) 'मनुष्य का प्राकृतिक अधिकार' - लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

लॉक के अनुसार, प्राकृतिक अवस्था में मनुष्यों को प्राकृतिक अधिकार प्राप्त थे और प्रत्येक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के अधिकारों का आदर करता था। इसमें मुख्य रूप से तीन प्राकृतिक अधिकार जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के थे।

129. निम्नलिखित में से कौन-सा लॉक के सामाजिक समझौता सिद्धान्त के अनुसार एक प्राकृतिक अधिकार नहीं है?

(a) जीवन का अधिकार (b) धर्म का अधिकार

(c) स्वतंत्रता का अधिकार (d) सम्पत्ति का अधिकार

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. लॉक के अनुसार प्राकृतिक अवस्था में मनुष्यों को प्राप्त था केवल-

(a) राजनीतिक अधिकार (b) प्राकृतिक अधिकार

(c) कानूनी अधिकार (d) धार्मिक अधिकार

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

131. ''राज्य का स्वरूप मूलतः निगम के समान है।'' यह कथन है-

(a) लॉस्की का (b) मार्क्स का

(c) मैकाइवर का (d) डुग्वी का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

मैकाइवर ने अपनी पुस्तक 'मॉडर्न स्टेट' (Modern State) में बहुलवादी विचारधारा का पक्षपोषण किया है। इनके अनुसार, राज्य समाज के अन्य अनेक संस्थाओं में से केवल एक संस्था है। यद्यपि इसके कार्य अनोखे ढंग के हैं। राज्य में एक निगम की सभी अनिवार्य विशेषताएं हैं। उसकी सीमाएं उसके अधिकार क्षेत्र और उसकी जिम्मेदारियां सभी निश्चित हैं। निगम की तरह राज्य के भी अधिकार और कर्तव्य हैं। ज्ञातव्य है कि लॉस्की भी राज्य को सामाजिक समन्वय करने वाली संस्था या 'सार्वजनिक सेवा निगम' की संज्ञा देते हैं।

132. लॉस्की के अनुसार राज्य है,

(a) समाज और संघ का अधिपति (b) समाज का सेवक

(c) समाज के साथ समरूप (d) इनमें से कोई नहीं

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

133. ''रक्त संबंध समाज को जन्म देता है और कालांतर में समाज राज्य को'' यह कथन है-

(a) लीकॉक का (b) मैकाइवर का

(c) जैक्स का (d) गैटल का

T.G.T. परीक्षा, 2003

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

राज्य की उत्पत्ति का सर्वाधिक मान्य सिद्धांत 'विकासवादी सिद्धांत है, जिसके अनुसार राज्य की अचानक उत्पत्ति (जैसा दैवीय सिद्धांत और सामाजिक समझौता सिद्धांत मानते हैं) न होकर क्रमिक विकास का फल है इसमें रक्त संबंध ने भी अंशतः योगदान दिया है। रक्त संबंध एकता का प्रथम और दृढतम बंधन रहा है। मैकाइवर का कथन है कि ''रक्त संबंध समाज को जन्म देता है और कालान्तर में समाज राज्य को।'' सर हेनरी मेन ने लिखा है कि ''समाज के प्राचीनतम इतिहास की आधुनिकतम गवेषणाएं इस निष्कर्ष की ओर इंगित करती हैं कि समूहों को एकता के सूत्र में बांधने वाला प्रारंभिक बंधन रक्त संबंध ही था।''

134. किसने कहा, ''रक्त संबंध समाज का निर्माण करता है और कालांतर में समाज राज्य को जन्म देता है''?

(a) लॉक (b) मैकाइवर
(c) सीले (d) गार्नर

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

135. ''रक्त संबंध से समाज बनता है तथा कालांतर में समाज से राज्य'' यह कथन किसका है?

(a) मैकाइवर (b) गार्नर
(c) गैटिल (d) टी.एस. ग्रीन

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. 'रक्त-संबंध समाज का निर्माण करता है और कालांतर में समाज राज्य को जन्म देता है।

(a) विलोबी (b) मैकाइवर
(c) सीले (d) गार्नर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. मातृक सिद्धांत के अनुसार परिवार का प्रमुख था-

(a) सबसे बड़ा पुरुष सदस्य
(b) सबसे बड़ी महिला सदस्या
(c) राजा द्वारा नियुक्त किया गया
(d) प्रमुख पुरोहित द्वारा नियुक्त किया गया

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

मातृ सत्तात्मक परिवार में वरिष्ठ महिला मुखिया की भूमिका निभाती है। मैकलेन, मार्गन तथा जैक्स जैसे कुछ समाजशास्त्री मानते हैं कि मातृ प्रधान परिवार में माता ही परिवार की संपत्ति अथवा अन्य वस्तुओं के लेन-देन आदि में अंतिम शक्ति है।

138. राज्य के कार्यों की परंपरागत विचारधारा के अनुसार अनिवार्य तथा ऐच्छिक दो भागों में बांटा गया है लेकिन वर्तमान समय में राज्य की अवधारणा के अनुसार अनिवार्य और ऐच्छिक का भेद समाप्त है तथा समस्त कार्य अनिवार्य ही माने जा रहे हैं।

(a) लोक कल्याणकारी राज्य (b) अनिवार्य सेवा राज्य
(c) लोकतांत्रिक राज्य (d) आदर्शवादी राज्य

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

परंपरागत विचारधारा राज्य के कार्यों को दो वर्गों (अनिवार्य तथा ऐच्छिक) में विभाजित करने की रही है और यह माना जाता रहा है कि अनिवार्य कार्य तो राज्य के अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए किए जाने जरूरी हैं, किंतु ऐच्छिक कार्य राज्य की जनता के हित में होते हुए भी राज्य के द्वारा उनका किया जाना तत्कालीन समय की विशेष परिस्थितियों और शासन के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है, लेकिन लोक-कल्याणकारी राज्य की धारणा के विकास के परिणामस्वरूप अनिवार्य और ऐच्छिक कार्यों की वह सीमा-रेखा समाप्त हो गई है और अब यह माना जाने लगा है कि परंपरागत रूप में ऐच्छिक कहे जाने वाले कार्य भी राज्य के लिए उतने ही आवश्यक हैं, जितने कि अनिवार्य समझे जाने वाले कार्य।

139. आधुनिक राज्य को ऐसे वर्णित करते हैं-

(a) पुलिस राज्य (b) एक कल्याण राज्य
(c) एक अहस्तक्षेप राज्य (d) एकतन्त्रीय राज्य

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

आधुनिक राज्य कल्याणकारी राज्य की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। कल्याणकारी राज्य (Welfare State) शासन की वह संकल्पना है, जिसमें राज्य नागरिकों के आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

140. निम्न में कौन राज्य का अनिवार्य अंग नहीं है?

(a) भूमि (b) प्रजातंत्र
(c) जनसंख्या (d) संप्रभुता

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

गार्नर के अनुसार, राज्य के चार अनिवार्य अंग जनसंख्या, भूखंड, शासनतंत्र एवं संप्रभुता हैं। प्रजातंत्र राज्य का अनिवार्य अंग नहीं है। गार्नर के द्वारा दी गई राज्य की परिभाषा में राज्य के उपर्युक्त तत्वों का विश्लेषण सबसे अधिक विशद् एवं स्पष्ट है।

141. निम्न में से कौन राज्य का आवश्यक अंग नहीं है?

(a) सरकार (b) संप्रभुता

(c) भू-भाग (d) कानून

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

142. निम्न में से कौन-सा एक राज्य का तत्व नहीं है?

(a) जनसंख्या (b) धर्म

(c) भू-भाग (d) संप्रभुता

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

143. किसी राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व कौन-सा है?

(a) जनसंख्या (b) भू-भाग

(c) सरकार (d) सम्प्रभुता

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

प्रभुसत्ता या संप्रभुता राज्य का अनिर्वाय लक्षण है। जे. डब्ल्यू. गार्नर की 'इंट्रोडक्शन टू पॉलिटिकल साइंस' (राजनीति विज्ञान की रूपरेखा) के अनुसार, ''प्रभुसत्ता राज्य की ऐसी विशेषता है जिसके कारण वह कानून की दृष्टि से केवल अपनी इच्छा से बंधा होता है अन्य किसी की इच्छा से नहीं, 'कोई अन्य शक्ति उसकी अपनी शक्ति को सीमित नहीं कर सकती'।

144. निम्न में से कौन-सा वर्ग षाड्गुण्य का भाग नहीं है?

(a) संधि, विग्रह (b) यान, आसन

(c) द्वैधीभाव, संधि (d) षड्यंत्र, पंचशील

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

षड्यंत्र पंचशील षाड्गुण्य का भाग नहीं है।

कौटिल्य ने विदेश संबंधों के संचालन के लिए छः प्रकार की नीतियों (षाड्गुण्य) का उल्लेख किया है जो इस प्रकार हैं-

संधि, विग्रह, आसन, यान, 'संश्रय', द्वैधीभाव।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कौटिल्य ने राज्य की रक्षा के लिए चार साधन 'साम' (Conciliation) , दाम (Concession), दंड (Coercion) और भेद (Divide and Rule) का उल्लेख किया, जो राज्य की रक्षा के लिए अत्यंत प्रभावशाली हैं।
- कौटिल्य ने तीन प्रकार के दूतों का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं-

I. प्रथम, वे राजदूत जो अपने बुद्धि विवेक से अपने राजा की ओर से निर्णय करने की शक्ति रखते हैं।

II. द्वितीय, वे राजदूत जिनकी शक्ति सीमित होती है और किसी विशेष काम के लिए भेजा जाता है।

III. तृतीय, वे राजदूत जो राजा का संदेश दूसरे राजा तक पहुंचाते हैं।

145. निम्नलिखित में से कौन प्राचीन भारतीय विचारकों द्वारा प्रतिपादित राज्य के सप्तांग सिद्धांत के सात अंगों में नहीं है?

(a) स्वामी (b) पुरोहित

(c) पुर (d) कोष

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

प्राचीन भारतीय विचारक कौटिल्य द्वारा प्रतिपादित राज्य के सप्तांग सिद्धांत के सात अंगों में पुरोहित का उल्लेख नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कौटिल्य राज्य को सावयव मानते हैं। राज्य के सात अंगों को मानने के कारण कौटिल्य का राज्य की प्रकृति संबंधी सिद्धांत 'सप्तांग सिद्धांत' कहलाता है। कौटिल्य के अनुसार राज्य के सात अंग हैं- 1. स्वामी 2. अमात्य 3. जनपद 4. दुर्ग 5. कोष 6. दंड तथा 7. मित्र।

146. ''सप्तांग सिद्धांत'' का प्रतिपादक कौन था?

(a) रूसो (b) मनु

(c) कौटिल्य (d) गांधी

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

147. मनु की षाड्गुण्य नीति में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित नहीं है?

(a) शान्ति (b) व्यवहार

(c) संश्रय (d) विग्रह

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प विकल्प (b) व्यवहार मनु की षाड्गुण्य नीति में सम्मिलित नहीं हैं। अतः यह प्रश्न गलत है। मनु की षाड्गुण्य नीति में निम्न शामिल हैं- संधि (Peace), विग्रह (War), यान (March), आसन (Staying quiet), संश्रय (Seeking shelter) एवं द्वैधीभाव (Dual Policy)।

148. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य नहीं है?

(a) राजस्थान (b) नेपाल

(c) बांग्लादेश (d) श्रीलंका

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

जनसंख्या, निश्चित क्षेत्र, सरकार और संप्रभुता ये सभी राज्य के आवश्यक तत्व तत्व हैं। इन तत्वों में संप्रभुता (सर्वोच्च सत्ता) सबसे अधिक महत्वपूर्ण तत्व है जिसके आधार पर राज्य को अन्य सभी समुदायों से पृथक किया जाता है। राज्य के लिए संप्रभुता का वही महत्व है जो व्यक्ति के जीवन के लिए प्राणों का होता है। वस्तुतः संप्रभुता के बिना राज्य के अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका सभी राज्य हैं क्योंकि इनमें संप्रभुता पायी जाती है, जबकि राजस्थान, भारत संघ राज्य की इकाई है। यह संप्रभुता संपन्न राज्य नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- जीन बोदां- ''संप्रभुता नागरिकों और प्रजाजनों के ऊपर राज्य की वह सर्वोच्च शक्ति है जिस पर कानून का कोई अंकुश न हो।''
- संप्रभुता निरकुंश, मौलिक, सर्वव्यापक, स्थायी, अपृथक्करणीय तथा अनन्यता (Exclusiveness) लक्षणों से युक्त होती है।

149. निम्न में से राज्य का मूल तत्व क्या है?

(a) सर्वसत्ता (b) खजाना
(c) सेना (d) राजा

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

150. राज्य कहे जाने के लिए अति आवश्यक तत्व है-

(a) भू-भाग (b) जनता
(c) सर्वोच्च सत्ता (d) राष्ट्रीयता

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

151. राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व है-

(a) जनसंख्या (b) क्षेत्र
(c) संप्रभुता (d) सरकार

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

152. निम्न में से कौन राज्य नहीं है?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) रूस
(c) राष्ट्रसंघ (d) बांग्लादेश

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

संयुक्त राष्ट्र संघ एक वैश्विक संगठन है, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस एवं बांग्लादेश एक राज्य हैं।

153. निम्नलिखित में से किस विचारक ने अपने चिंतन में राज्य और समाज में विभेद नहीं किया?

(a) काण्ट (b) टी.एच. ग्रीन
(c) हीगल (d) जॉन लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

जर्मन दार्शनिक हीगल ने अपने चिंतन में राज्य और समाज में विभेद नहीं किया है। हीगल राज्य को समाज का उच्चतम आदर्श मानता है। हीगल कहता है कि ''राज्य स्वयं निश्चित तथा पूर्ण मस्तिष्क है जो सच्चाई और बुराई, लज्जा और शुद्धता, चंचलता और धोखेबाजी के भावनात्मक नियमों को स्वीकार नहीं करता''। हीगल ने राज्य में कुछ त्रुटियां होते हुए भी राज्य को ऐतिहासिक विकास का शिखर और नैतिक जीवन की सर्वोच्च सकारात्मक अभिव्यक्ति का दर्जा भी दिया है। हीगल के अनुसार, 'समाज का आधार चेतना है, परंतु राज्य के बन जाने के बाद सभी प्रकार के सामाजिक विकास का अंत हो जाएगा'।

154. निम्नलिखित में से कौन समाज एवं राज्य में भेद करता है?

(a) पैरेटो (b) मैकाइवर
(c) ब्राइस (d) चार्ल्स मेरियम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

मैकाइवर समाज एवं राज्य में भेद करते हुए राज्य के बहुलवादी अवधारणा के समर्थक हैं। इन्होंने अपनी पुस्तक 'वेब ऑफ गवर्नमेंट' में समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समुदायों को राज्य के कार्यों में सहभागी बनाने की वकालत की है।

155. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (देश)	सूची-II (विदेश नीति)
A. भारत	(i) सैनिक शक्ति और साम्यवाद
B. संयुक्त राज्य अमेरिका	(ii) समाजवादी अंतरराष्ट्रीयतावाद के सिद्धांत के आधार पर मैत्री सहयोग
C. सोवियत रूस	(iii) मित्रता एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
D. चीन	(iv) साम्यवाद का अवरोध

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

भारत	–	मित्रता एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
संयुक्त राज्य अमेरिका	–	साम्यवाद का अवरोध
सोवियत रुस	–	समाजवादी अंतरराष्ट्रीयतावाद के सिद्धांत के आधार पर मैत्रीसहयोग
चीन	–	सैनिक शक्ति और साम्यवाद

अतः उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (c) सही उत्तर है।

156. ''सभी कुछ राज्य में निहित है, राज्य के बाहर कुछ भी नहीं है, राज्य ही सर्वोपरि है।'' यह विशेषता कहां दिखाई देती है?

(a) समाजवाद में (b) साम्यवाद में
(c) उदारवाद में (d) सर्वाधिकारवाद में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

सर्वाधिकारवाद राज्य को सर्वशक्तिमान, सर्वोच्च तथा नैतिक इकाई मानता है। इटली में फासीवाद तथा जर्मनी में नाजीवाद (हिटलर) सर्वाधिकार वाद का ही एक प्रकार है। मुसोलिनी (इटली) ने कहा है कि ''राज्य के बाहर कुछ नहीं, इसके विरुद्ध कुछ नहीं, इसके ऊपर कुछ नहीं, सभी कुछ राज्य में निहित है।'' इसी प्रकार **त्रीत्सके** ने कहा है कि ''दण्डवत होकर राज्य की पूजा करनी चाहिए।'' सर्वाधिकारवादी राज्य की कुछ विशेषताएं निम्नलिखित हैं-

- विवेक की अमान्यता तथा संवेगों का गौरवीकरण।
- यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता को महत्व नहीं देता।
- जनता को राजनीतिक विरोध का अधिकार नहीं।
- यह राष्ट्र का गौरवगान करता है।
- यह युद्ध की प्रशंसा तथा शांति की निंदा करता है।
- यह उदारवाद तथा संसदीय शासन के विरुद्ध है।
- यह एक व्यक्ति तथा दल में सर्वोच्च सत्ता समाहित करता है।

157. सर्वाधिकारवाद में व्यक्ति की अपेक्षा निम्नलिखित में से किसे अधिक महत्व दिया जाता है?

(a) समाज को (b) राष्ट्र को
(c) राज्य को (d) संसार को

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

सर्वाधिकारवाद में व्यक्ति की अपेक्षा राज्य को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। सर्वाधिकारवाद के अनुसार, राज्य एक आध्यात्मिक और नैतिक सत्ता है। यह एक ऐसा संगठन है, जिसके प्रादुर्भाव और विकास में आत्मा की अभिव्यक्ति होती है। राज्य जनता की आत्मा को अभिव्यक्त करता है। इसलिए व्यक्तियों को न तो निरपेक्ष स्वतंत्रता प्राप्त हो सकती है और न ही उनके द्वारा किसी भी स्थिति में राज्य का विरोध किया जा सकता है। सर्वाधिकारवाद की विचारधारा पर आदर्शवाद की स्पष्ट छाप है। नाजीवादी और फासीवादी विचारधाराएं सर्वाधिकारवाद का प्रकार रही हैं।

158. कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य है-

(a) आर्थिक सुरक्षा की व्यवस्था (b) सामाजिक सुरक्षा
(c) राजनीतिक सुरक्षा (d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

कल्याणकारी राज्य लोकहित पर आधारित होता है और इस संबंध में लोकहित से हमारा तात्पर्य राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से अवसर की असमानता को दूर कर उसकी साधारण आवश्यकताओं की पूर्ति करना होता है। आधुनिक काल में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा इंग्लैंड में बेवरिज रिपोर्ट के आने के बाद मूर्तिमान हुई है। आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, राजनीतिक सुरक्षा, सभी व्यक्तियों को रोजगार, न्यूनतम जीवन-स्तर की गारंटी आदि प्रमुख रूप से कल्याणकारी राज्य के उद्देश्य हैं।

159. निम्न में से कौन 'सॉफ्ट स्टेट' के विचार से संबंधित हैं?

(a) कार्ल डायच (b) गुन्नार मिर्डल
(c) लेनिन (d) रूसी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

गुन्नार मिर्डल ने अपनी विख्यात कृति 'एशियन ड्रामा' में नवोदित एवं विकासशील देशों के लिए 'सॉफ्ट स्टेट' शब्द का प्रयोग किया। नई-नई आजादी मिलने के बाद भी इन राज्यों में न तो पर्याप्त रूप से सामाजिक अनुशासन का विकास हो पाया है और न ही व्यवस्था एवं उद्देश्य के लिए एक समन्वित निष्ठा का विकास हो पाया है।

160. सामन्तशाही इसका प्रबल वैशिष्ट्य था-

(a) शहर राज्य (b) रोमन साम्राज्य
(c) पवित्र रोमन साम्राज्य (d) सभी तीनों

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

सामंती राज्य का उदय और पवित्र रोम साम्राज्य की स्थापना एक अंतर्संबंधित घटना थी। इसने राजनीतिक क्षेत्र में विखंडन, परंतु धार्मिक क्षेत्र में एकीकरण को प्रदर्शित किया। पोप ईसाई साम्राज्य की शक्ति बन गया तथा सभी शासकों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। परिणामस्वरूप सामंती राज्य का उदय हुआ।

161. स्थानीय कानून को बनाने तथा लागू करने की स्वतंत्रता, अधिकारों को प्रदान करने की क्षमता और दायित्वों के निर्वहन का अंतरराष्ट्रीय विधि के अंतर्गत होना-

(a) संप्रभुता कहलाता है (b) सत्ता कहलाता है
(c) वैधता कहलाता है (d) राज्य कहलाता है

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

स्थानीय कानून को बनाने तथा लागू करने की स्वतंत्रता, अधिकारों को प्रदान करने की क्षमता और दायित्वों के निर्वहन का अंतरराष्ट्रीय विधि के अंतर्गत होना 'राज्य' कहलाता है, क्योंकि राज्य उन लोगों का ऐसा समुदाय है जो स्थायी रूप से किसी प्रदेश पर वास करता हो, जो सामान्य कानूनों, आदतों व रिवाजों से एक सावयव निकाय से जुड़े हों, जो अपनी सीमाओं के भीतर सभी लोगों व वस्तुओं पर नियंत्रण का प्रयोग करें, एक संगठित सरकार के माध्यम से स्वतंत्र प्रभुसत्ता का प्रयोग करें, जो युद्ध या शांति करने तथा विश्व के सभी समुदायों के साथ अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाए रखने में सक्षम हों।

162. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. वैज्ञानिक समाजवाद	**(i) राज्य का तत्वमीमांसावादी सिद्धांत**
B. प्रत्ययवाद	**(ii) राज्य शोषण का यंत्र है**
C. अराजकतावाद	**(iii) एक व्यक्ति अथवा दल में असीमित शक्ति है**
D. अधिनायकवाद	**(iv) राज्य अनावश्यक और अवांछनीय दोनों है**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

वैज्ञानिक समाजवाद	-	राज्य शोषण का यंत्र है।
प्रत्ययवाद	-	राज्य का तत्वमीमांसावादी सिद्धांत।
अराजकतावाद	-	राज्य अनावश्यक और अवांछनीय दोनों है।
अधिनायकवाद	-	एक व्यक्ति अथवा दल में असीमित शक्ति है।

इस प्रकार विकल्प (c) सही उत्तर है।

163. सूची-I तथा सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. दर्शनशास्त्र	**1. स्तर विन्यास**
B. राजनीति विज्ञान	**2. व्यापार**
C. अर्थशास्त्र	**3. शक्ति**
D. समाजशास्त्र	**4. मन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	1	4	3
(d)	3	4	1	2

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
दर्शनशास्त्र	मन
राजनीति विज्ञान	शक्ति
अर्थशास्त्र	व्यापार
समाजशास्त्र	स्तर विन्यास

राज्य की उत्पत्ति के विविध सिद्धांत

1. 'मनुष्य राज्य की आज्ञा का पालन इसलिए करता है, क्योंकि वह जानता है कि अवज्ञा से होने वाले अहित की तुलना में आज्ञापालन अधिक उपयोग है।' यह कथन किसका है?

(a) डेविडसन (b) बेन्थम
(c) सेबाइन (d) वेपर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

बेन्थम उपयोगितावादी विचारक हैं और उपयोगिता के आधार पर ही राज्य की आवश्यकता का वर्णन करते हैं। व्यक्ति राज्य के आदेशों का पालन इसलिए करता है, क्योंकि वह उसे उपयोगी और आवश्यक मानता है।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन एक सही नहीं है?

(a) राज्य अमूर्त तथा सरकार मूर्त है।
(b) समाज राज्य से व्यापक है।
(c) सरकार राज्य का अभिकर्ता है।
(d) राज्य की सदस्यता ऐच्छिक है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

राज्य की सदस्यता ऐच्छिक नहीं बल्कि अनिवार्य होती है। राज्य के अतिरिक्त अन्य समुदायों की सदस्यता ऐच्छिक होती है। नागरिकता की संकल्पना राज्य से जुड़ी है, जो कि वैश्विक स्तर पर किसी राज्य में रहने वालों की पहचान का आधार है।

3. 'राज्य सरकार के संसाधनों से संगठित एक व्यक्ति है जो कानून का निर्माण एवं क्रियान्वयन करता है।' किसके द्वारा कहा गया है?

(a) गेटेल (b) रूसो

(c) डायसी (d) ऑस्टिन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

डायसी ने राज्य को संसाधनों से युक्त लोगों का ऐसा संगठन माना है, जिसे कानून निर्माण एवं क्रियान्वयन का एकमात्र अधिकार है।

4. 'राज्य सिर्फ समुदाय ही नहीं वरन् यह सर्वोच्च समुदाय भी है।' यह कथन किसका है?

(a) मैक्सी (b) फास्टर

(c) डनिंग (d) अरस्तू

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त कथन अरस्तू का है।

5. आधुनिक राज्य के विकास के लिए कौन-सा तत्व उत्तरदायी है?

(a) वैज्ञानिक प्रगति (b) प्राचीन संस्कृति का पुनरुत्थान

(c) राष्ट्रीय चेतना का विकास (d) धर्म का बढ़ता प्रभाव

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

'राष्ट्रीय चेतना' का स्वरूप समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहता है परंतु हर रूप में 'राष्ट्र' तत्व उसका प्रधान अंग रहा है। राष्ट्रीयता किसी भी राष्ट्र के व्यक्तियों के मध्य एकाकी भावना होती है। इसमें देश प्रेम, देश भक्ति व देश के प्रति समर्पण की भावना छिपी रहती है और राष्ट्रहित की भावना के आगे वैयक्तिक व सामूहिक हितों को त्याग की प्रवृत्ति पाई जाती है, यही भावना राष्ट्रीयता कहलाती है।

6. निम्नलिखित में से किसने राज्य के जीवधारी सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) हरबर्ट स्पेंसर (b) मिल्टन फ्रीडमैन

(c) मार्क्स (d) बेन्थम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

हरबर्ट स्पेंसर ने जीव एवं समाज के बीच समानता के आधार पर समाज के उद्विकसित सिद्धांत का प्रतिपादन किया। उद्विकास की प्रक्रिया में समाज के विभिन्न अंग जैसे-जैसे विकसित होते जाते है, वैसे-वैसे उनके विभिन्न अंगों के बीच श्रम-विभाजन और विशिष्टीकरण भी बढ़ते जाते हैं। सामाजिक उद्विकास की प्रक्रिया कुछ निश्चित स्तरों (Stages) से होकर गुजरती है। स्पेंसर के अनुसार आधुनिक समाज तीन चरणों से गुजरा है वे हैं- (1) आदिम (Primitive), (2) जंगली (Savage) और औद्योगिक (Industrial)।

7. यह किसने कहा कि ''आधुनिक राज्य का मुख्य पक्ष उसकी भूमि, शारीरिक हिंसा का साधनों पर एकाधिकार तथा उसकी वैधानिकता है''?

(a) हीगल (b) वेबर

(c) ब्लंशली (d) हरमन फाइनर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। वेबर के अनुसार राजनीति एवं समाजशास्त्र में हिंसा पर राज्य का एकाधिकार है। अवधारणा है कि राज्य को अकेले शारीरिक बल के उपयोग करने का अधिकार है। वर्तमान में यह आधुनिक राज्य का मुख्य पक्ष है।

8. निम्न में से कौन-सा कथन सही है?

(a) राज्य एक कृत्रिम संस्था है।

(b) राज्य स्वाभाविक एवं आवश्यक संस्था है।

(c) राज्य एक अनावश्यक संस्था है।

(d) राज्य का व्यक्ति के प्रति कोई दायित्व नहीं है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

राज्य स्वाभाविक तथा आवश्यक संस्था है। परिवार, समाज एवं राज्य जैसी संस्थाएं व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं।

9. ''यह सत्य है कि जहाँ अभिभूत करने वाली शक्ति नहीं होती वहां राज्य नहीं होता। परंतु शक्ति के क्रियान्वयन से ही राज्य का निर्माण नहीं होता अन्यथा दस्यु- पोत और विद्रोहकारी सेना भी राज्य बन जायेगी।'' यह किसका कथन है?

(a) फ्रेडरिक एंजिल्स (b) रॉबर्ट मैकाइवर

(c) एच.जे. लॉस्की (d) मैक्स वेबर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

राज्य के संबंध में उपर्युक्त कथन मैकाइवर का है।

10. निम्नलिखित राजनीतिक दार्शनिकों के सही ऐतिहासिक क्रम को पहचानिए।

(a) हॉब्स, लॉक, रूसो एवं माण्टेस्क्यू

(b) हॉब्स, रूसो, माण्टेस्क्यू एवं लॉक,

(c) लॉक, हॉब्स, माण्टेस्क्यू एवं रूसो

(d) हॉब्स, लॉक, माण्टेस्क्यू एवं रूसो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न में पूछे गए राजनीतिक दार्शनिकों का ऐतिहासिक क्रम निम्नलिखित है।

हॉब्स	-	1588
लॉक	-	1632
माण्टेस्क्यू	-	1689
रूसो	-	1712

11. किसने राजनीति शास्त्र के अध्ययन में ज्यामिति, भौतिकी व मनोविज्ञान की मदद ली?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) जे.एस.मिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

थॉमस हॉब्स ने ज्यामिति, भौतिकी और मनोविज्ञान की सहायता से राजनीति शास्त्र का अध्ययन किया था। तत्कालीन समय में हॉब्स ने अपने विचारों को वैज्ञानिक आधार पर पुष्ट करते हुए पारलौकिकवाद से मुक्त किया था। प्राकृतिक अवस्था का वर्णन, राज्य का निर्माण तथा राज्य शक्ति के संदर्भ में हॉब्स ने उक्त सभी तत्वों के आधार पर व्याख्यायित किया।

12. ''राजनीति के बिना इतिहास निष्फल है, इतिहास के बिना राजनीति निर्मूल है।'' यह कथन निम्नलिखित में से किसका है?

(a) सेबाइन (b) सीले
(c) बार्कर (d) वेपर

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

इतिहास में व्यक्ति, समाज और राज्य के भूतकालीन जीवन का लेखा-जोखा होता है। राजनीति विज्ञान में राज्य के भूत, वर्तमान तथा भविष्य का अध्ययन। इन दोनों के बीच संबंधों को दर्शाते हुए सीले ने कहा है कि ''राजनीति के बिना इतिहास निष्फल है, इतिहास के बिना राजनीति निर्मूल है।'' सीले पुनः कहते है, ''राजनीति उच्छृंखल हो जाती है, यदि इतिहास द्वारा उसे उदार नहीं बनाया जाता तथा इतिहास कोरा साहित्य रह जाता है, यदि राजनीति से उसका विच्छेद हो जाता है।''

13. किसने कहा ''इतिहास का राजनीति विज्ञान के बिना फल नहीं तथा राजनीति विज्ञान का इतिहास के बिना जड़ नहीं'':

(a) गार्नर (b) ब्लण्टशली
(c) सीले (d) पॉल जेनेट

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. 'इतिहास के बिना नागरिक शास्त्र जड़-विहीन है, और नागरिक शास्त्र के बिना इतिहास फल-विहीन है। किसका कथन है?

(a) पुण्तामबेकर (b) सीले
(c) ब्राइस (d) अब्राहम लिंकन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

इतिहास और नागरिक शास्त्र (राजनीति विज्ञान) के पारस्परिक संबंधों की व्याख्या करते हुए सीले ने कहा कि ''इतिहास के बिना नागरिक शास्त्र (राजनीति विज्ञान) जड़-विहीन है, और नागरिक शास्त्र (राजनीति विज्ञान) के बिना इतिहास फल-विहीन है।''

15. राज्य की उत्पत्ति के संबंध में ऐतिहासिक सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था-

(a) हेनरी मेन द्वारा (b) ट्राइट्सके द्वारा
(c) ओपेनहाइमर द्वारा (d) दुर्खीम द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

राज्य की उत्पत्ति के संबंध में ऐतिहासिक अथवा विकासवादी सिद्धांत का प्रतिपादन सर हेनरी मेन द्वारा किया गया। इन्होंने अपनी पुस्तक 'Ancient Law' (1861) में माना कि समाजों की उत्पत्ति प्रस्थिति से संविदा (Status to Contract) में हुई है, अर्थात प्रारंभिक समाजों में मनुष्यों के समाजिक संबंध, प्रस्थिति या स्थिर स्थिति से निर्धारित होते थे। इनके अनुसार, सामाजिक संबंधों में एकता का प्रारंभिक बंधन रक्त संबंध ही था, जो राज्य के विकास में प्रमुख सहायक तत्व है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बेजहाट राज्य के विकास को डार्विन के उद्विकास सिद्धांत से जोड़कर देखते हैं। वे विभिन्न समाजों के विकास में संघर्ष व नव प्रवर्तन (Innovation) को जरूरी मानता है। बेजहाट ने 'चर्चा की प्रवृत्ति' (Instinct of Discussion) को समाज की प्रगतिशीलता के लिए आवश्यक माना है।

16. जॉन लॉक और रूसो के सामाजिक संविदा सिद्धांत के संबंध में क्या सही है?

(a) लॉक का समझौता पूर्णतया स्वतंत्र समझौता है, जबकि रूसो की संविदा आबद्ध संविदा है।
(b) लॉक समुदाय को नगण्य शक्तियां प्रदान करता है, जबकि रूसो की संविदा में व्यक्ति का समुदाय में पूर्ण समर्पण हो जाता है।
(c) लॉक की संविदा में व्यक्तियों के अधिकार सुरक्षित हो जाते हैं जबकि रूसो की संविदा में व्यक्ति के अधिकार का अवसान हो जाता है।
(d) उपर्युक्त सभी ।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

लॉक का समझौता एक ऐतिहासिक तथ्य है, जबकि रूसो का एक दार्शनिक विचार। लॉक का मत है कि लोगों ने अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए राज्य बनाने का समझौता किया था तथा इस प्रक्रिया में वे अपने किसी अधिकार का समर्पण नहीं करते। रूसो का कहना है कि प्राकृतिक अवस्था के लोग अपनी यथार्थ इच्छा (अर्थात स्वार्थ इच्छा) द्वारा समझौता करते हैं और वे जंजीरों में जकड़ते चले जाते हैं। लॉक के अनुसार, सामाजिक समझौता समाज व राज्य के बीच होता है, जिसके अंतर्गत राज्य लोगों की संपत्ति की रक्षा का दायित्व अपने ऊपर लेता है। रूसो ने लोगों की वास्तविक इच्छा से बनी सामान्य इच्छा के आधार पर राज्य की रचना की बात की है, जो अपने स्वरूप में इतना उच्चतम है कि वह सर्वहित में कार्य करता है तथा जिसके विरुद्ध लोगों को उसके कानूनों की अवहेलना का अधिकार नहीं होता है। लॉक का संप्रभु मर्यादित, सीमित और संवैधानिक होता है जबकि रूसो का असीमित, अविभाज्य एवं अमर्यादित। हॉब्स कानूनी, लॉक राजनीतिक एवं रूसो लौकिक संप्रभुता की चर्चा करते हैं। वस्तुतः रूसो अपने सामाजिक समझौते के सिद्धांत में लॉक की भांति आरंभ करता है, परंतु इसका अंत हॉब्स के लेवियाथन ने जिसका सिर कटा हुआ है, पर समाप्त करता है।

17. सेबाइन कहता है कि ''अंग्रेजी भाषा-भाषी जातियों ने जितने भी राजनीतिक दर्शनिकों को जन्म दिया है उनमें ..... कदाचित महानतम है।''

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) बेंथम

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

सेबाइन का यह कथन हॉब्स के बारे में था। सेबाइन का हॉब्स से प्रभावित होने का प्रमुख कारण उसकी 'पद्धति' थी, जिसके आधार पर उसने अपने विचारों का ढांचा खड़ा किया।

18. हॉब्स के अनुसार, प्राकृतिक अवस्था में मानवीय जीवन-

(a) एकाकी, निर्धन, निंदनीय अल्पकालिक था
(b) एकाकी किंतु शांतिपूर्ण था
(c) सामाजिक और सहयोगात्मक किंतु दरिद्र था
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

हॉब्स के अनुसार, प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य का जीवन एकाकी, दीन, अपवित्र, निंदनीय, पाशविक, निरंतर संघर्षशील तथा अल्पकालिक होता था। इस प्रकार राज्य की अनुपस्थिति में अराजकता की अवस्था थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- हॉब्स बुद्धिवादी हैं, इनका मानना है कि मृत्यु के भय एवं पाशविक प्रतियोगिता के कारण प्राकृतिक अवस्था के मनुष्यों ने आपस में समझौता किया और कहा ''मैं इस व्यक्ति अथवा सभा को अपने अधिकार और शक्ति का समर्पण करता हूं जिससे कि वह हम पर शासन करे, परंतु इसी शर्त पर कि आप भी अपने अधिकार और शक्ति का समर्पण इसे इसी रूप में करें और इसकी आज्ञाओं को मानें।'' परिणामस्वरूप जनसमुदाय आपस में संयुक्त होकर राज्य (Commonwealth) या लेटिन में सिविटास (Civitas) का रूप धारण कर लिया। इस प्रकार हॉब्स ने राज्य की उत्पत्ति का सामाजिक समझौता सिद्धांत प्रतिपादित किया।
- हॉब्स के द्वारा लिखे गए प्रमुख ग्रंथ हैं डी सिवे (De Cive), डी कारपोरे (De Corpore), लेवियाथन (Leviathan) और एलीमेंट्स ऑफ लॉ (Elements of Law)।

19. हॉब्स के अनुसार प्रकृति का राज्य इसका युग था-

(a) शांति और समृद्धि (b) निरंतर संघर्ष
(c) शांति और अभाव (d) धार्मिक शासन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. इनमें से किससे लॉक के विचारों को प्रेरणा प्राप्त हुई?

(a) 1655 की हिंसक क्रांति (b) 1642 का गृह युद्ध
(c) 1650 की स्वर्णिम क्रांति (d) 1688 की स्वर्णिम क्रांति

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

1688 की इंग्लैंड की स्वर्णिम क्रांति से लॉक के विचारों को प्रेरणा प्राप्त हुई। लॉक ने इसका समर्थन किया जिसके कारण इसे क्रांति का दार्शनिक कहा जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लॉक का सबसे प्रमुख ग्रंथ 'Two Treaties on Government' है।
- लॉक अपने विचारों के लिए 'The Laws of Ecclesiastical Polity' के लेखक रिचार्ड हूकर के ऋणी थे।

21. 'सामान्य इच्छा के प्रति वास्तविक आपत्ति यह है कि जहां तक यह इच्छा है, सामान्य नहीं है तथा जहां तक यह सामान्य है, यह इच्छा नहीं है''। यह किसने कहा है?

(a) बोसांके (b) सर हेनरी मेन
(c) एम.पी. फोलेट (d) हॉबहाउस

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

रुसो के सामान्य इच्छा को अस्पष्ट एवं अव्यावहारिक बताते हुए एल.टी. हॉबहाउस ने टिप्पणी की है कि सामान्य इच्छा के प्रति वास्तविक आपत्ति यह है कि जहां तक यह सामान्य है, यह इच्छा नहीं है और जहां तक यह इच्छा है, यह सामान्य नहीं है।'' अर्थात यह या तो सामान्य है या इच्छा, यह दोनों नहीं हो सकती। वाहन ने भी रुसो पर अधिनायकवाद के पोषण का आरोप लगाते हुए कहा है कि ''रुसो ने अपनी समष्टिवादी विचारधारा व्यक्ति को शून्य बना दिया है।''

22. प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत एक भाग है-

(a) ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धांत का
(b) दैवीय उत्पत्ति के सिद्धांत का
(c) शक्ति सिद्धांत का
(d) सामाजिक समझौता सिद्धांत का

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(d)

प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत सामाजिक समझौता सिद्धांत का भाग है। इस सिद्धांत के प्रबल समर्थक हॉब्स, लॉक तथा रूसो हैं। इनके अनुसार राज्य लोगों के द्वारा किए गए समझौते (सामाजिक समझौते) का फल है। समझौता करने से पूर्व लोग प्राकृतिक अवस्था में रहते थे। प्राकृतिक अवस्था के दौरान लोगों के पास प्राकृतिक अधिकार थे। लॉक ने तीन प्राकृतिक अधिकारों का वर्णन किया है जिनमें जीवन, स्वतंत्रता एवं संपत्ति सम्मिलित है। हॉब्स ने आत्मरक्षा के अधिकार को वरीयता दी है।

23. इनमें से कौन राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत से नहीं जुड़ा है?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) जे.एस. मिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. 'प्राकृतिक अधिकारों' का सिद्धांत आवश्यक भाग है-

(a) ऑस्टिन के संप्रभुता के सिद्धांत का
(b) सामाजिक समझौते के सिद्धांत का
(c) दैवी उत्पत्ति के सिद्धांत का
(d) शक्ति सिद्धांत का

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. निम्न सिद्धांतों में किसके अनुसार राज्य की स्थापना जनता की इच्छा से हुई?

(a) शक्ति सिद्धांत से
(b) दैवी सिद्धांत से
(c) सामाजिक समझौते के सिद्धांत से
(d) इनमें किसी से नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. निम्न में से कौन सामाजिक संविदा के सिद्धांत से संबद्ध है?

(a) ऑस्टिन (b) लॉक
(c) जे.एस. मिल (d) मार्क्स

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. निम्न में से किस विचारक ने सामाजिक समझौते के सिद्धांत की आलोचना नहीं की?

(a) कार्ल मार्क्स (b) राइट
(c) वाहन (d) ग्रीन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (b) सही उत्तर है, क्योंकि राइट ने सामाजिक समझौते के सिद्धांत की आलोचना नहीं की है। मार्क्स, वाहन एवं ग्रीन 'समझौता सिद्धांत' के प्रखर आलोचक थे।

28. सामाजिक संविदा सिद्धांत के अनुसार-

(a) राज्य एक नैतिक संस्था है।
(b) राज्य एक मानवकृत संस्था है।
(c) राज्य प्राकृतिक एवं आवश्यक है।
(d) राज्य की प्रकृति सावयवी है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

सामाजिक संविदा सिद्धांत के अनुसार, राज्य एक मानवकृत संस्था है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सामाजिक संविदा सिद्धांत में यह कल्पना की गई है कि राज्य का निर्माण सब मनुष्यों ने मिलकर सबके हितों की पूर्ति हेतु किया है। यह सिद्धांत उदारवाद एवं यंत्रीय सिद्धांत के साथ निकट से जुड़ा है।
- इस सिद्धांत के प्रमुख समर्थक थामस हॉब्स, जान लॉक एवं रूसो हैं।

29. सामाजिक अनुबंध सिद्धांत इस पर आधारित है-

(a) राष्ट्रीयता (b) संविधानवाद
(c) व्यक्तिवाद (d) समाजवाद

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. निम्नलिखित में से कौन 'आत्मरक्षा के अधिकार' को व्यक्ति का प्राकृतिक अधिकार मानता है?

(a) प्लेटो (b) बेंथम

(c) हॉब्स (d) बर्क

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

हॉब्स के अनुसार, प्राकृतिक दशा में मनुष्यों के कोई मान्यता प्राप्त अधिकार नहीं होते, किंतु तब भी एक प्राकृतिक कानून अवश्य विद्यमान रहता है। यह प्राकृतिक कानून वास्तव में 'आत्मरक्षा के नियम' हैं, जो निम्न हैं-

- मनुष्य अपने ऊपर उपकार करने वाले लोगों पर उपकार करें।
- मनुष्य दूसरे मनुष्यों से किए समझौतों का पालन करें।
- मनुष्य सामूहिक रूप से अपनी प्राकृतिक स्वतंत्रता का त्याग करने को तैयार रहें।
- प्रत्येक मनुष्य का लक्ष्य शांति स्थापना होना चाहिए। हॉब्स के अनुसार, ये नियम ही व्यक्ति को राज्य या कॉमनवेल्थ की स्थापना की प्रेरणा देते हैं।

31. हॉब्स व्यक्ति को संप्रभु की अवज्ञा करने का अधिकार देता है-

(a) आत्म-रक्षा के लिए

(b) स्वतंत्रता की रक्षा के लिए

(c) शोषण को दूर करने के लिए

(d) अन्याय को दूर करने के लिए

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. किसने कहा कि प्राकृतिक अवस्था में युद्ध था और हर व्यक्ति का सब लोगों के विरुद्ध युद्ध था?

(a) लॉक (b) रूसो

(c) हॉब्स (d) लीकॉक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

थामस हॉब्स प्रसिद्ध आंग्ल दार्शनिक एवं राजनीतिक विचारक थे। हॉब्स के अनुसार- ''प्राकृतिक अवस्था में युद्ध था और हर व्यक्ति का सब लोगों के विरुद्ध युद्ध था''।

33. लॉक के अनुसार लोगों ने समझौता इसलिए किया था ताकि-

(a) उनके अधिकारों की रक्षा हो सके

(b) पोपतंत्र का दमन किया जा सके

(c) गृह युद्धों का अंत हो सके

(d) शासकीय चर्च की स्थापना हो सके

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

लॉक के अनुसार लोगों ने समझौता इसलिए किया था ताकि उनके अधिकारों की रक्षा हो सके। लॉक समझौता सिद्धांत में अपनी बाधाओं से संबंधित कुछ अधिकार व्यक्तियों ने समाज को इसलिए अर्पित कर दिए ताकि उसकी सामूहिक संतुलित बुद्धि से असुविधा, सुविधा में बदल जाए। इस समझौता का उद्देश्य जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति की आंतरिक तथा बाह्य संकटों से रक्षा करना था।

34. हॉब्स के सामाजिक समझौते में लोगों ने लेवियाथन को-

(a) केवल विद्रोह का अधिकार सौंपा

(b) केवल धार्मिक अधिकार सौंपा

(c) लगभग सभी अधिकार सौंप दिए

(d) केवल राजनैतिक अधिकार सौंपा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

हॉब्स के सामाजिक समझौते में लोगों ने लेवियाथन को लगभग सभी अधिकार सौंप दिए। हॉब्स सामाजिक समझौता सिद्धांत में कहता है कि मैं व्यक्ति अथवा व्यक्ति समूह को अपना शासन स्वयं कर सकने का अधिकार एवं शक्ति इस शर्त पर समर्पित करता हूं कि तुम भी अपने अधिकार इसी तरह (व्यक्ति या व्यक्ति समूह को) समर्पित कर दो। इस तरह समझौते के परिणामस्वरूप समुदाय संयुक्त होता है और राज्य का निर्माण होता है। हॉब्स के अनुसार यहीं उस महान देवता लेवियाथन का जन्म होता है, जिसकी कृपा पर अविनाशी ईश्वर की छत्रछाया में हमारी शांति एवं सुरक्षा निर्भर है।

35. प्रत्येक व्यक्ति सबके हाथों में अपने को समर्पित करते हुए किसी के भी हाथों में अपने को समर्पित नहीं करता।''
यह कथन किसका है?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

रूसो ने 'सामान्य इच्छा' के विषय में कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति सबके हाथों में अपने को समर्पित करते हुए किसी के भी हाथों में अपने को समर्पित नहीं करता।

36. सामाजिक संविदा का सिद्धांत मुख्य रूप से यह कार्य करने का प्रयत्न करता है-

(a) राज्य के ऐतिहासिक उद्गम का पता लगाना

(b) राजनीतिक बाध्यता के आधार की व्याख्या करना

(c) यथास्थिति का औचित्य स्थापित करना

(d) क्रांति द्वारा समाज में आमूल परिवर्तन लाना

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

सामाजिक संविदा का सिद्धांत मुख्य रूप से राजनीतिक बाध्यता (Political Obligation) के आधार की व्याख्या करता है। राजनीतिक बाध्यता का सामान्यतः अर्थ राजा के कानूनों का नैतिक रूप से पालन करने से लगाया जाता है। जॉन लॉक ने 'टू ट्रीटाइसिस ऑफ गवर्नमेंट' में राजनीतिक बाध्यता की व्याख्या करते हुए बताया कि यह व्यक्ति की स्वयं की कल्पना व सहमति है। रूसो ने भी सामाजिक समझौता सिद्धांत में बताया है कि व्यक्ति अपने स्वयं के सहमति प्रदान किए हुए राज्य के नियमों के पालन के लिए बाध्य है।

37. सामाजिक समझौते के सिद्धांत के साथ संप्रभु राज्य की अवधारणा को किसने संयुक्त किया?

(a) मार्क्स (b) हॉब्स

(c) लॉक (d) लॉस्की

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(b)

हॉब्स ने सामाजिक समझौते के सिद्धांत को आधार बनाकर 'लेवियाथन' को संपूर्ण शक्ति प्रदान करते हुए निरंकुश बना दिया है।

38. निम्न वक्तव्यों में से कौन-सा वक्तव्य राज्य की उत्पत्ति के विषय में मार्क्सवादी सिद्धांत को स्पष्ट करता है?

(a) राज्य की उत्पत्ति साधनों का विकास करने के उद्देश्य से हुई

(b) राज्य की उत्पत्ति उत्पादन की विधि में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से हुई

(c) राज्य की उत्पत्ति उत्पादन के शोषणपरक संबंधों के रक्षार्थ हुई

(d) राज्य की उत्पत्ति वर्गविहीन समाज के उद्देश्य से हुई

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

मार्क्सवाद के अनुसार, राज्य की उत्पत्ति किसी नैतिक उद्देश्य की सिद्धि के लिए नहीं हुई है बल्कि यह एक कृत्रिम संस्था है, जिसकी उत्पत्ति संपत्तिशाली-वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए हुई है। राज्य एक ऐसी संस्था है जो एक वर्ग के द्वारा दूसरे वर्ग के दमन और शोषण के लिए स्थापित की गई है। इसमें उत्पादन के साधनों पर पूंजीपति व्यक्तियों का अधिकार बना रहता है। इसलिए मार्क्स राज्यविहीन समाज की स्थापना की वकालत करता है।

39. वर्तमान समय में राज्य की उत्पत्ति का कौन-सा सिद्धांत सबसे अधिक मान्य है?

(a) ऐतिहासिक (b) आर्थिक

(c) दैवीय (d) शक्ति

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(a)

वर्तमान समय में राज्य की उत्पत्ति का विकासवादी अर्थात ऐतिहासिक सिद्धांत सबसे अधिक मान्य है। इस सिद्धांत के अनुसार, राज्य समस्त अतीत में हुए विकास का फल है। यह अनेक तत्वों जैसे- सामाजिक भावना, रक्त संबंध, शक्ति, आर्थिक गतिविधियों, धर्म तथा राजनीतिक चेतना का फल है। राज्य का विकास धीरे-धीरे हुआ है। यह कबीली चरण से राष्ट्रीय और वैश्वीकरण की तरफ अग्रसर है। बर्गेस के अनुसार, ''मानव प्रकृति के सार्वभौम सिद्धांतों की क्रमिक पूर्णता ही राज्य है''।

40. राज्य की उत्पत्ति के किस सिद्धांत ने राज्य को एक क्रमिक विकास का परिणाम माना है?

(a) दैवीय सिद्धांत

(b) शक्ति सिद्धांत

(c) सामाजिक अनुबंध का सिद्धांत

(d) ऐतिहासिक अथवा विकासवादी सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. राज्य की उत्पत्ति के नीचे दिए गए किस सिद्धांत को सर्वोत्तम माना गया है?

(a) दैवीय सिद्धांत

(b) सामाजिक समझौता सिद्धांत

(c) विकासवादी सिद्धांत

(d) मार्क्सवादी सिद्धांत

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. राज्य की उत्पत्ति के संबंध में कौन-सा सिद्धांत सर्वमान्य है?

(a) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत

(b) शक्ति का सिद्धांत

(c) विकासवादी सिद्धांत

(d) सामाजिक समझौता सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2009

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. राज्य की उत्पत्ति का सबसे सही सिद्धांत है-

(a) दैवी उत्पत्ति सिद्धांत (b) शक्ति सिद्धांत

(c) पैतृक सिद्धांत (d) विकासकारी सिद्धांत

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. राज्य की उत्पत्ति का कौन-सा सिद्धांत काल्पनिक नहीं है?

(a) दैवी सिद्धांत (b) शक्ति सिद्धांत

(c) ऐतिहासिक सिद्धांत (d) सामाजिक समझौते का सिद्धांत

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

राज्य की उत्पत्ति का विकासवादी अथवा ऐतिहासिक सिद्धांत को काल्पनिक नहीं माना जाता है। इसमें राज्य को अन्य संस्थाओं की तरह ही सतत विकास का परिणाम माना जाता है। आधुनिक राज्य के विकास के मुख्य चरण- (1) स्वजन समूह (2) संपत्ति (3) रीति-रिवाज (4) शक्ति एवं (5) नागरिकता हैं। ऐतिहासिक सिद्धांत राज्य को न दैवीय संस्था मानता है, न ही बल प्रयोग द्वारा स्थापित तथा न ही लोगों के आपसी समझौते द्वारा स्थापित ही मानता है। यह केवल राज्य को सतत विकास का परिणाम मानता है। जबकि दैवीय सिद्धांत, शक्ति सिद्धांत तथा सामाजिक समझौता सिद्धांत सभी का आधार एक काल्पनिक स्थिति पर आधारित है।

45. राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत की विवेचना में जॉन लॉक ने समर्थन किया है-

(a) सीमित राजतंत्र की अवधारणा को

(b) निरंकुश राजतंत्र की अवधारणा को

(c) कुलीनतंत्र की अवधारणा को

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

जॉन लॉक ने जिस सामाजिक अनुबंध का विवेचन किया है, उसमें नागरिकों द्वारा राज्य को केवल उन्हीं अधिकारों को सौपनें का समर्थन करता है उससे कुछ अव्यवस्था उत्पन्न होने का खतरा है, शेष अधिकार जो यह प्राकृतिक अवस्था में उपभोग करता था, उसके पास ही रहते हैं। अतः वह निरंकुश राजतंत्र की अवधारणा का समर्थन न करते हुए, सीमित राजतंत्र का समर्थक बन गया।

46. लॉक ने सामाजिक समझौते के सिद्धांत का उपयोग किया है-

(a) राजनीतिक निरंकुशवाद को न्यायसंगत ठहराने के लिए।

(b) न्यायिक अंग की सर्वोच्चता को न्यायसंगत ठहराने के लिए।

(c) उदार लोकतांत्रिक राज्य को न्यायसंगत ठहराने के लिए।

(d) राज्य के प्रति नागरिकों की पूर्ण निष्ठा को न्यायसंगत ठहराने के लिए।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

लॉक का सामाजिक अनुबन्ध का सिद्धांत 'दासता का पट्टता' न होकर 'स्वतंत्रता का अधिकार पत्र' है। उसने राज्य को 'ट्रस्ट' की संज्ञा दी है। 'ट्रस्ट' का तात्पर्य है समझौते के अंतर्गत किए गए अनुबंध को मानना। यदि राज्य 'ट्रस्ट' का उल्लंघन करता है, तो नागरिकों को विरोध का अधिकार है। इस प्रकार वह उदार लोकतांत्रिक राज्य को न्यायसंगत ठहराने के लिए सामाजिक समझौते के सिद्धांत का उपयोग किया।

47. राज्य की उत्पत्ति के संबंध में मनु ने कौन-सा सिद्धांत स्वीकार किया?

(a) दैवीय सिद्धांत

(b) शक्ति सिद्धांत

(c) सामाजिक संविदा सिद्धांत

(d) पितृसत्तात्मक सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

मनु द्वारा रचित मनुस्मृति में कहा गया है कि जब इस लोक में अराजकता फैल जाने के कारण सब लोग डर के मारे इधर-उधर भागने लगे, तब इन सबकी रक्षा के लिए प्रभु ने राज्य का सृजन किया। मनु के अतिरिक्त भारतीय राजनीतिक दर्शन में अनेक विचारकों ने भी इस सिद्धांत को स्वीकार किया है।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य की उत्पत्ति की सही व्याख्या करता है?

(a) राज्य का दैवी सिद्धांत

(b) समझौता सिद्धांत

(c) विकासवादी सिद्धांत

(d) अपने सीमित रूप में उपर्युक्त सभी

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

राजनीति विज्ञान में राज्य की उत्पत्ति एवं विकास की व्याख्या करने के लिए विभिन्न सिद्धांत यथा रक्त संबंध, दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत, सामाजिक समझौता सिद्धांत तथा विकासवादी सिद्धांत आए। रक्त संबंध संगठन का मूल आधार है यह परिवार एवं राज्य के विकास का मूल कारक रहा है। राज्य की उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत ने राज्य की सर्वोच्चता तथा जनता में आज्ञापालन का पाठ पढ़ाया, सामाजिक समझौता सिद्धांत ने राज्य को मानवकृत संस्था बतलाकर इसका उद्देश्य मानव सुरक्षा तथा कल्याण बताया। राज्य के ऐतिहासिक विकासवादी सिद्धांत ने राज्य को क्रमिक रूप से विकास का परिणाम बताया। इस प्रकार सभी सिद्धांत अपने सीमित रूप में राज्य की उत्पत्ति की व्याख्या करते हैं।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धांत राज्य की उत्पत्ति की सही व्याख्या करता है?

(a) दैवीय सिद्धांत

(b) समझौता सिद्धांत

(c) विकासवादी सिद्धांत

(d) अपने सीमित रूप में उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. 'सामाजिक संविदा' का लेखक था-

(a) बोदां (b) गार्नर

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) रूसो

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

'सामाजिक संविदा' (The Social Contract) की रचना वर्ष 1762 में तत्कालीन फ्रांसीसी लेखक रूसो ने फ्रेंच भाषा में की थी। इस पुस्तक का एक दूसरा नाम 'प्रिंसिपल ऑफ पॉलिटिकल राइट' (Principle of Political Right) भी है। इस पुस्तक में रूसो ने राज्य की उत्पत्ति की व्याख्या की है। इस पुस्तक की शुरुआत ही ''मनुष्य जन्म से स्वतंत्र किंतु बेड़ियों से जकड़ा हुआ है'' शब्दों से हुई है। 'सोशल कांट्रैक्ट' पुस्तक ने फ्रांस में राजनीतिक सुधारों के लिए हुई क्रांति में लोगों को प्रेरणा का कार्य किया था।

51. रूसो इस देश का रहने वाला था-

(a) ब्रिटेन (b) जर्मनी

(c) फ्रांस (d) रूस

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. प्राकृतिक अवस्था वाले मनुष्य को 'आदर्श बर्बर' की संज्ञा किसने दी?

(a) थॉमस हॉब्स (b) जॉन लॉक

(c) रूसो (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

रूसो मानता है कि आदिम मनुष्य का स्वभाव लगभग पशु-तुल्य निष्पाप और स्वाभाविक रूप से निर्दोष था। वह नैतिकता के विचारों से रहित और सहज भावना से काम करने वाला बुद्धिहीन प्राणी था। उसी के शब्दों में वह एक आदर्श बर्बर (Noble Savage) था।

53. रूसो की सामान्य इच्छा का मतलब यह है कि-

(a) सामान्य इच्छा कुछ खास इच्छाओं का योग है।

(b) किसी खास राजनैतिक समाज के व्यक्तियों की विचारयुक्त इच्छाओं का योग है

(c) उत्कृष्ट सार्वभौमिक इच्छा किसी एक व्यक्ति की भी हो सकती है, जिसका उद्देश्य समुदाय का सामान्य हित हो।

(d) वह शास्त्रीय अभिजात्य वर्ग की इच्छा है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

रूसो की 'सामान्य इच्छा' का लक्ष्य है, समुदाय का कल्याण। यह एक व्यक्ति की इच्छा हो सकती है, या अनेक व्यक्तियों की इच्छा का योग।

54. रूसो की सामान्य इच्छा (संकल्प) के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) यह राज्य में कानून का स्रोत है।

(b) यह सदैव जनहित में होती है।

(c) यह सबकी इच्छा है।

(d) यह सदैव सही होती है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न के सभी विकल्पों में विकल्प (c) सही नहीं है। 'सामान्य इच्छा' संप्रभुता सम्पन्न होने की वजह से कानून का मुख्य स्रोत भी है। साथ जनकल्याणकारी एवं सदैव सही होती है।

55. सामान्य इच्छा का सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया?

(a) लॉक (b) हॉब्स

(c) अरस्तू (d) रूसो

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(d)

सामान्य इच्छा का सिद्धांत रूसो ने प्रतिपादित किया। रूसो ने सामान्य इच्छा को यथार्थ इच्छा व आदर्श इच्छा में व्यक्त किया है। वस्तुतः यह दोनों एक ही हैं। विशेष अर्थों में यथार्थ इच्छा मानव इच्छा का वह भाग है, जिसमें व्यक्तिगत स्वार्थ की प्रबलता होती है। आदर्श इच्छा में मानव स्वयं के हित की अपेक्षा मानव हित को प्रधानता देता है। सामान्य इच्छा ही वस्तुतः राष्ट्रीय चरित्र में एकता रखती है, जो विवेक तथा लोक कल्याण पर आधारित होती है।

56. ''मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है किंतु वह सर्वत्र जंजीरों में बंधा हुआ है''। इस वाक्य से रूसो का आशय है कि-

(a) इनमें से कुछ शृंखलाओं को सामान्य इच्छा से वैध बनाया जाए

(b) इन शृंखलाओं को तोड़ दिया जाए

(c) इन शृंखलाओं से कैदियों को मुक्त किया जाए

(d) सभी कारागार तोड़ दिए जाएं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

''मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है किंतु वह सर्वत्र जंजीरों से बंधा हुआ है''। इस वाक्य से रूसो का तात्पर्य है कि मुनष्य प्राकृतिक दशा में तो स्वतंत्र था परंतु कालांतर में सभ्यता का विकास हुआ जिसने मनुष्य की स्वतंत्रता को छीनकर उसे बंधनों में जकड़ दिया। अतः यदि हमें सभ्य समाज में स्वतंत्रता को वापस लाना है, तो हमें 'प्राकृतिक दशा' की ओर लौट चलना चाहिए अर्थात इन शृंखलाओं को तोड़ दिया जाए।

57. किसने कहा, ''मनुष्य स्वतंत्र जन्म लेता है फिर भी वह हर जगह बेड़ियों में जकड़ा हुआ है''?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) गिलक्राइस्ट

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. किसने कहा कि ''आदमी जन्म के वक्त आजाद है और बाद में हर जगह जंजीरों में जकड़ा रहता है''?

(a) ॲरिस्टॉटल (b) मार्क्स
(c) रूसो (d) लॉक

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

59. 'व्यक्ति स्वतंत्र जन्म लेता है, परंतु वह हर जगह बेड़ियों में जकड़ा हुआ है।' किसने कहा?

(a) बेन्थम (b) अरस्तू
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) रूसो

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. ''मनुष्य स्वतंत्र रूप से जन्म लेता है, किंतु पग-पग पर जंजीरों से जकड़ा हुआ है।'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) रूसो (b) गार्नर
(c) ग्रीन (d) बोसांके

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. किसी राजनीतिक चिंतक ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि ''उसकी मां ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया-स्वयं उसे तथा डर''?

(a) जीन जैक्स रूसो (b) थॉमस हॉब्स
(c) जॉन लॉक (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

थॉमस हॉब्स प्रसिद्ध आंग्ल दार्शनिक एवं राजनीतिक विचारक थे। उन्होंने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि ''उसकी मां ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया-स्वयं उसे तथा डर''।

62. किसने रूसो के सामान्य इच्छा के सिद्धांत एवं सामाजिक अनुबंध के नैतिक महत्व को अनुबंध के आध्यात्मिक सिद्धांत में विकसित किया?

(a) ग्रीन (b) बोसांके
(c) काण्ट (d) हीगल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

काण्ट रूसो की 'सामान्य इच्छा' के सिद्धांत में आस्था रखता है। वह केवल उन्हीं व्यक्तियों को स्वतंत्र मानता है, जो नैतिक रूप से स्वतंत्र हों। नैतिक स्वतंत्रता इस बात में निहित है कि 'शुभ इच्छा' के अनुसार कार्य किया जाए।

63. किसने सामाजिक संविदा सिद्धांत की, 'घटिया इतिहास, घटिया दर्शन तथा घटिया विधि' के रूप में आलोचना की?

(a) सर हेनरी मेन (b) लॉर्ड ऐक्टन
(c) हॉब हाउस (d) मिल

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

सर हेनरी मेन राज्य की उत्पत्ति के समझौता (संविदा) सिद्धांत के आलोचक थे। उन्होंने इस सिद्धांत की 'घटिया इतिहास, घटिया दर्शन तथा घटिया विधि' के रूप में आलोचना की।

64. निम्न में से किसमें राज्य की उत्पत्ति के ऐतिहासिक सिद्धांत के तत्व पाए जाते हैं?

(a) रक्त संबंध, धर्म, युद्ध, राजनीतिक चेतना
(b) युद्ध, प्रथाएं, राजतंत्र, प्राकृतिक विधि के समावेश
(c) राजतंत्र, बल, पारस्परिक समझौते, राजनीतिक नेतृत्व
(d) रक्त संबंध, संविदात्मक समझौते, धर्म, अराजकता

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

राज्य की उत्पत्ति की सही व्याख्या ऐतिहासिक या विकासवादी सिद्धांत द्वारा ही की गई है। इस सिद्धांत के अनुसार, राज्य का विकास एक लंबे समय से चला आ रहा है और आदिकालीन समाज से क्रमिक विकास करते-करते इसने वर्तमान राष्ट्रीय राज्य के स्वरूप को प्राप्त किया है। राज्य के उत्पत्ति के ऐतिहासिक सिद्धांत के प्रमुख तत्व हैं-

(i) रक्त संबंध, (ii) मनुष्य की स्वाभाविक सामाजिक प्रवृत्तियां, (iii) धर्म, (iv) युद्ध, (v) आर्थिक गतिविधियां, तथा (vi) राजनीतिक चेतना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्य की उत्पत्ति के ऐतिहासिक समझौते के समर्थक मैकाइवर हैं।
- राज्य के दैवीय सिद्धांत के प्रमुख समर्थक जैलीनिक, गिलक्राइस्ट, प्लूटार्क, रॉबर्ट फिल्मर, लुई चौदहवां, जेम्स प्रथम तथा सेंट एम्ब्रोज हैं।
- राज्य के उत्पत्ति के सामाजिक समझौता सिद्धांत के प्रवर्तक हॉब्स, लॉक तथा रूसो हैं।
- गिलक्राइस्ट के अनुसार, ''राज्य के निर्माण के सभी तत्वों की तह में जिनमें रक्त संबंध व धर्म भी शामिल हैं, राजनीतिक चेतना ही सबसे प्रमुख तत्व है''।

65. राज्य के विकास में कौन से तत्व सहायक रहे हैं?

(a) रक्त संबंध (b) मनुष्य की सहज सामाजिक प्रवृति
(c) आर्थिक गतिविधियां (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. राज्य के विकास में मुख्य भूमिका ..... के द्वारा निभाई गई।

(a) रक्त संबंध, धर्म, समझौता, आर्थिक गतिविधियों
(b) रक्त-संबंध, धर्म, शक्ति, राजनीतिक चेतना
(c) रक्त-संबंध, धर्म, शक्ति, राजनीतिक चेतना, आर्थिक गतिविधियों
(d) रक्त-संबंध, शक्ति, प्राकृतिक अधिकार, सामान्य-इच्छा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. 'राज्य की उत्पत्ति का दैवी सिद्धांत' किसने प्रतिपादित किया था?

(a) कार्ल मार्क्स ने (b) गिलक्राइस्ट ने
(c) जेम्स प्रथम ने (d) एच.जे. लॉस्की ने

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

राज्य की उत्पत्ति के दैवी सिद्धांत का सबसे प्रबल समर्थन 17वीं सदी में स्टुअर्ट राजा जेम्स प्रथम द्वारा अपनी पुस्तक 'Law of Monarchy' में किया गया। जेम्स प्रथम के अनुसार, ''राजा लोग पृथ्वी पर ईश्वर की जीवित प्रतिमाएं हैं''। दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत सबसे प्राचीन है, इसके अनुसार, राज्य मानवीय नहीं वरन् ईश्वर द्वारा स्थापित एक दैवीय संस्था है। इसलिए विविध धर्मग्रंथों में भी इसी सिद्धांत का समर्थन किया गया है। यहूदी धर्म की प्रसिद्ध पुस्तक 'Old Testament', महाभारत, मनुस्मृति सभी में इसका उल्लेख है। सेंट आगस्टाइन और पोप ग्रेगरी द्वारा भी इस सिद्धांत का समर्थन किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- जैलीनिक- ''दैवीय अधिकार सिद्धांत सबसे प्राचीन है। इस सिद्धांत के अनुसार राज्य ईश्वर द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रचा गया है। इसलिए राज्य मानवीय संस्था न होकर दैवीय है।''
- मध्य युग के आरंभ में यह धारणा थी कि सम्राट तथा चर्च के अपने अलग-अलग क्षेत्र हैं। इसके समर्थक सेंट आगस्टाइन तथा संत एम्ब्रोज थे। किंतु बाद में 9वीं से 14वीं शताब्दी तक राज्य व चर्च के मध्य सर्वोच्चता के लिए संघर्ष हुआ।
- रॉबर्ट फिल्मर- ''राजतंत्र स्वाभाविक है, परिवार के मुखिया के समान राज्य का मुखिया राजा है।''
- लुई चौदहवां- ''मैं राज्य हूं''।

68. राज्य की उत्पत्ति का सबसे प्राचीन सिद्धांत कौन-सा है?

(a) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत (b) शक्ति सिद्धांत
(c) सामाजिक समझौता सिद्धांत (d) विकासवादी सिद्धांत

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. मनु राज्य की उत्पत्ति के किस सिद्धांत के समर्थक थे?

(a) दैवीय सिद्धांत (b) सामाजिक समझौता सिद्धांत
(c) विकासवादी सिद्धांत (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

मनुस्मृति के सातवें अध्याय में राज-धर्म का प्रतिपादन करते हुए राज्य की उत्पत्ति के दैवीय सिद्धांत का विवेचन किया गया है। मनु के अनुसार जब पृथ्वी पर सर्वत्र अराजकता का बोलबाला था, सभी लोग दुखी अवस्था में थे। कोई भी व्यक्ति अपने कर्तव्यों के पालन करने की स्थिति में नहीं था। ऐसी स्थिति में ईश्वर ने सृष्टि की रक्षा के लिए राजा की व्यवस्था की।

70. मनु का राज्य की उत्पत्ति का सिद्धांत आधारित है-

(a) शक्ति पर (b) दैवीय सिद्धांत पर
(c) सामाजिक समझौता पर (d) विकासवादी सिद्धांत पर

U.P.G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. कौटिल्य के राज्य के दैवी सिद्धांत में कितने देवता हैं?

(a) चार (b) तीन

(c) आठ (d) छः

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(*)

सामान्यतः कौटिल्य को राज्य की उत्पत्ति के समझौतावादी सिद्धांत का समर्थक माना जाता है। जिस प्रकार मनु ने राजा को आठ देवताओं के अंशों से निर्मित माना है, उस प्रकार कौटिल्य ने राज्य या राजा के निर्माण में दैवीय भूमिका को नहीं माना है।

72. मनु के 'विराट पुरुष' की अवधारणा में राजा के पास कितने देवताओं की शक्ति होती है?

(a) 4 (b) 7

(c) 15 (d) 8

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

मनु के अनुसार राजा की रचना आठ देवताओं के उत्कृष्ठ अंशों को लेकर की गई है। राजा में सूर्य, यम, कुबेर, इन्द्र, वरुण, पवन, चन्द्र और अग्नि की शक्तियों और तत्वों का समावेश होता है। राज धर्म सिद्धांत मनु द्वारा दिया गया था, जिसमें राजा को राज्य के प्रति दैवीय स्वरूप प्रदान किया गया।

73. 'राजधर्म' का सिद्धांत किसके द्वारा दिया गया था?

(a) कौटिल्य (b) याज्ञवल्क्य

(c) नारद (d) मनु

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें

74. राज्य की उत्पत्ति का दैवी सिद्धांत नहीं मानता है कि-

(a) राजा लोग पृथ्वी पर जीवित प्रतिमाएं हैं।

(b) राजा ईश्वर का प्रतिनिधि होने के नाते केवल उसी के प्रति उत्तरदायी है।

(c) राज्य सरकार और वास्तव में सभी संस्थाएं मानवीय चेतना की परिणाम हैं और वे ऐसी कृतियां हैं, जो मानव के नैतिक उद्देश्यों को समझने के फलस्वरूप उत्पन्न हुई हैं।

(d) राजा के प्रति विद्रोह की भावना ही ईश्वर के प्रति विद्रोह है और जो ऐसा करेगा उसे मृत्युदण्ड मिलेगा।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

राज्य की उत्पत्ति का दैवीय सिद्धांत राज्य को मानवीय कृति नहीं, ईश्वरीय सृष्टि मानता है। जेम्स प्रथम का प्रसिद्ध वाक्य था ''राजा लोग पृथ्वी पर ईश्वर की जीवित प्रतिमाएं हैं''। यह सिद्धांत यह मानता है कि राजा ईश्वर का प्रतिनिधि है, इसलिए उसी के प्रति उत्तरदायी है। राजा के प्रति विद्रोह की भावना ही ईश्वर के प्रति विद्रोह है और जो ऐसा करेगा उसे मृत्युदण्ड मिलेगा। राज्य की उत्पत्ति का दैवीय सिद्धांत राज्य को मानव चेतना का परिणाम और नैतिक उद्देश्यों के लिए हुई उसकी उत्पत्ति में विश्वास नहीं करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ गिलक्राइस्ट- ''राज्य सरकार और वास्तव में सभी संस्थाएं मानव चेतना का परिणाम हैं और वे ऐसी क्रांतियां भी हैं, जो मनुष्य द्वारा नैतिक उद्देश्य को समझने के कारण उत्पन्न हुई हैं।''

75. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, इनमें से एक कथन को (A) कहा गया है और दूसरे को कारण (R)

कथन (A) : दैवी उत्पत्ति का सिद्धांत सीधे लोकतांत्रिक विचार के विरोध पर स्थित रहता है।

कारण (R) : दैवी उत्पत्ति का सिद्धांत राज्य की उत्पत्ति की व्याख्या में सामान्य सहमति की भूमिका को निरस्त करता है।

उपरोक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में कौन-सा कथन सही है?

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. राज्य की उत्पत्ति का दैवीय सिद्धांत-

(a) धर्म को राजनीति से मिलाता है।

(b) धर्म को राजनीति से अलग करता है।

(c) सामंतीय शासक की सर्वोच्चता में विश्वास करता है।

(d) लोकप्रिय संप्रभुता में विश्वास करता है।

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(a)

राज्य की उत्पत्ति का दैवीय सिद्धांत धर्म को राजनीति से मिलाता है। इस सिद्धांत की धार्मिक ग्रंथों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्ति मिलती है। ईसाई, मुसलमान, हिन्दू, यहूदी तथा विश्व के सभी धर्म के लोग इस मत को मानते हैं कि राजनीतिक सत्ता का मूल दैवीय वरदान है। इस प्रकार की धार्मिक मान्यता ने राजा के पद को पवित्र बना दिया जो एक प्रकार से ईश्वर का प्रतिनिधि बन गया, वह सर्वशक्ति-संपन्न हो गया और अपने जाने या अनजाने में किए सभी कृत्यों के लिए केवल ईश्वर के प्रति उत्तरदायी माना गया। ऐसा माना-जाने लगा कि राजा के प्रति विद्रोह, ईश्वर के प्रति विद्रोह है और जो ऐसा करेगा उसे मृत्यु मिलेगी। जेम्स प्रथम ने इसे और स्पष्टता प्रदान करते हुए कहा कि ''राजा लोग पृथ्वी पर ईश्वर की जीवित प्रतिमाएं हैं''।

77. ''राजनीतिक चेतना राज्य की उत्पत्ति के सिद्धांत का एक कारक है।'' यह किस सिद्धांत से संबंधित है?

(a) शक्ति का सिद्धांत (b) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत
(c) सामजिक समझौते का सिद्धांत (d) विकासवादी सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

राज्य की उत्पत्ति का 'विकासवादी सिद्धांत' वर्तमान समय में सर्वाधिक मान्य सिद्धांत है। इसके अनुसार राज्य क्रमिक रूप से विकास का परिणाम है। इसके विकास में अनेक कारकों यथा रक्त संबंध, मनुष्य की स्वाभाविक सामाजिक प्रवृत्तियां, धर्म, शक्ति, राजनीतिक चेतना आदि ने योगदान दिया है, परंतु राज्य के विकास में राजनीतिक चेतना सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है। गिलक्राइस्ट ने कहा है कि ''राज्य के निर्माण के सभी तत्वों के तह में, जिनमें रक्त संबंध व धर्म सम्मिलित हैं, राजनीतिक चेतना है, जो सबसे मुख्य तत्व है। इसी प्रकार ब्लंटश्ली ने कहा है कि मनुष्य में सामाजिक जीवन की इच्छा ही राज्य निर्माण का कारण बनती है।''

78. 'नागरिक शास्त्र के शिक्षण का प्रमुख लक्ष्य अच्छे नागरिक तथा उच्च श्रेणी का नागरिक चरित्र उत्पन्न करना है।' यह किसने कहा?

(a) ई.एम. व्हाइट (b) एम.पी. मोफाट
(c) बिनिंग एंड बिनिंग (d) एफ.जे. गाउल्ड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

नागरिक शास्त्र के शिक्षण के संबंध में यह विचार बिनिंग एंड बिनिंग के हैं। इनकी मान्यता है कि अच्छे नागरिक तथा उच्च श्रेणी का नागरिक-चरित्र उत्पन्न करना नागरिक शास्त्र की शिक्षा का उद्देश्य है।

79. सामाजिक समझौता सिद्धांत वर्णन करता है-

(a) राज्य के स्वरूप का (b) राज्य के कार्यों का
(c) राज्य की उत्पत्ति का (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

सामाजिक समझौता सिद्धांत राज्य की उत्पत्ति के संबंध में प्रचलित सिद्धांतों में महत्वपूर्ण सिद्धांत है। इस सिद्धांत की स्पष्ट व व्यापक अभिव्यक्ति 17वीं सदी में इंग्लैंड के हॉब्स व लॉक तथा 18वीं सदी में फ्रांस के रूसो के विचारों में हुई। 17वीं और 18वीं सदी की राजनीतिक विचारधारा में तो इस सिद्धांत का पूर्ण प्राधान्य था। इस सिद्धांत के अनुसार, राज्य दैवीय न होकर एक मानवीय संस्था है, जिसका निर्माण व्यक्तियों द्वारा पारस्परिक समझौते के आधार पर किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लीकॉक- ''राज्य व्यक्ति के स्वार्थों द्वारा चालित एक ऐसे आदान-प्रदान का परिणाम था, जिससे व्यक्तियों ने उत्तरदायित्वों के बदले विशेषाधिकार प्राप्त किए''।
- रिचर्ड हूकर- ''मनुष्यों की आदिम अवस्था अशांतिपूर्ण व संघर्षमय थी, इसलिए समझौते द्वारा राज्य संस्था की स्थापना की गई।''
- ह्यूगो ग्रोशियस- ''राज्य एक समझौते का फल है।''

80. निम्नलिखित में से राज्य की उत्पत्ति के संबंध में कौन-सा सिद्धांत सत्रहवीं तथा अठारहवीं शताब्दी में सर्वाधिक लोकप्रिय था?

(a) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत
(b) शक्ति सिद्धांत
(c) सामाजिक समझौते का सिद्धांत
(d) ऐतिहासिक सिद्धांत

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. 'सामाजिक समझौता' सिद्धांत संबंधित है-

(a) राज्य की प्रकृति (b) राज्य के कार्य
(c) राज्य के उद्देश्य (d) राज्य की उत्पत्ति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तीन प्रमुख प्रतिपादक थे-

(a) ऑस्टिन, बोडिन, हॉब्स (b) हॉब्स , लॉक, रूसो
(c) मॅकइवर, लॉस्की, हॉब्स (d) जे.एस. मिल, स्मिथ, हॉब्स

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. सामाजिक अनुबंध सिद्धांत इससे संबंध रखता है-

(a) राज्य का स्वरूप (b) राज्य का कार्य
(c) राज्य का उद्देश्य (d) राज्य का मूल

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. हॉब्स, लॉक एवं रूसो एकमत हैं कि-

(a) राज्य दैवीय इच्छा का परिणाम है।
(b) राज्य शक्ति का परिणाम है।
(c) राज्य समझौते का परिणाम है।
(d) राज्य विकास का परिणाम है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. सामाजिक समझौता सिद्धांत मूलतः चाहता है-

(a) राजनीतिक दायित्व के आधार को समझाना

(b) यथास्थिति के औचित्य को बताना

(c) राज्य की उत्पत्ति के ऐतिहासिक उद्‌गम की व्याख्या करना

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

सामाजिक समझौता सिद्धांत मूलतः राज्य और व्यक्ति के पारस्परिक संबंधों को व्याख्यायित करता है। इसका उद्देश्य है, समझौते के स्वरूप सीमा और लक्ष्य को स्पष्ट करना, इसमें यह देखा जाता है कि राज्य का व्यक्ति के प्रति या व्यक्ति का राज्य के प्रति दायित्व क्या है।

86. राज्य की उत्पत्ति का पितृसत्तात्मक सिद्धांत जुड़ा है-

(a) जेंक्स के नाम से

(b) हेनरी मेन के नाम से

(c) लॉस्की के नाम से

(d) मोरगन के नाम से

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

राज्य की उत्पत्ति का पितृसत्तात्मक सिद्धांत सर हेनरी मेन से जुड़ा है। इस सिद्धांत के अनुसार, ''राज्य, परिवार का वृहत रूप है, ऐसे परिवार का जिसमें पिता की प्रधानता थी''। हेनरी मेन के अनुसार, ''पितृसत्तात्मक सिद्धांत, वह सिद्धांत है जो समाज का आरंभ ऐसे पृथक परिवारों से मानता है, जो सबसे अधिक आयु वाले पुरुष वंशज के नियंत्रण व छत्र-छाया में एक साथ रहते हैं''।

इस सिद्धांत के कुछ आधारभूत तथ्य निम्नलिखित हैं-

- पितृसत्तात्मक परिवार का आधार स्थायी विवाह और गोत्र संबंध था।
- राज्य ऐसे व्यक्तियों का समूह था, जो प्रारंभिक परिवार के एक ही पूर्वज के वंशज थे।
- परिवार प्रधान के व्यापक और असीमित अधिकार राजनीतिक सत्ता के मूल स्रोत थे। यह प्रधान मृत्यु के समय अपने सभी अधिकार अपने उत्तराधिकारी को देता है।

87. पितृसत्तात्मक सिद्धांत का कौन प्रबल समर्थक था?

(a) हेनरी मेन (b) हेनरी लारेन्स

(c) क्रैब (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. हॉब्स	1. पितृसत्तात्मक
B. रॉबर्ट फिल्मर	2. लेवियाथन
C. रूसो	3. सिविल सरकार पर ट्रीटीज
D. जॉन लॉक	4. ईमायल

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	4	2	1	3
(d)	3	4	2	1

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

सही सुमेलन है-

सूची-I		सूची-II
हॉब्स	–	लेवियाथन
रॉबर्ट फिल्मर	–	पितृसत्तात्मक
रूसो	–	ईमायल
जॉन लॉक	–	सिविल सरकार पर ट्रीटीज

89. 'राज्य ही नगर था और चर्च भी'। यह वाक्य किस व्यवस्था का विवरण देता है?

(a) स्विस कैंटनों का (b) पेरिस नगर का

(c) यूनानी नगरों का (d) फ्रांसीसी नगरों का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

'राज्य ही नगर था और चर्च भी'। यह वाक्य यूनानी नगरों के विषय में रोमन शासकों द्वारा कहा गया था।

संप्रभुता

1. किसने कहा ''जहां कानून नहीं, वहां स्वतंत्रता नहीं'' ?

(a) हॉब्स (b) टी.एच. ग्रीन

(c) लॉक (d) जे.एस. मिल

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

जॉन लॉक ने प्रसिद्ध पुस्तक 'सेकण्ड ट्रिटाइज ऑफ गवर्नमेंट' में कानून और स्वतंत्रता के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करते हुए कहा कि कानून के अभाव में स्वतंत्रता का अस्तित्व संभव नहीं है। आगे वे लिखते हैं कि स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है कि बाधाएं, हिंसा और अन्य कारक मार्ग में बाधा न उत्पन्न करें।

2. यह कथन किसने कहा है कि ''कानून न केवल जनमत के आधार पर बने बल्कि कानून जनमत के आगे-आगे भी चले''?

(a) अप्पा दोराई (b) आर.जी. गेटेल

(c) डॉ.पी.एस. मुहार (d) आर.एन. गिलक्राइस्ट

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त कथन डॉ. पी.एस. मुहार का है।

3. किसके अनुसार 'कानून बाह्य कार्यों के वे सामान्य नियम हैं जिन्हें प्रभुत्व सम्पन्न राजनीतिक सत्ता लागू करती है'?

(a) सॉलमण्ड (b) ऑस्टिन

(c) डायसी (d) हॉलैंड

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

टी.ई. हालैंड ने अपनी मुख्य कृति 'एलीमेंट्स ऑफ जूरिस्प्रेडेंस' के अंतर्गत कानून की परिभाषा के साथ ही साथ कानून के मूल स्रोतों का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार ''कानून बाह्य कार्यों के वे सामान्य नियम हैं, जिन्हें प्रभुत्व संपन्न राजनीतिक सत्ता लागू करती है।''

4. विधिक (De-jure) सर्वसत्ताक का मतलब है-

(a) एक व्यक्ति को शासन करने का और आज्ञाकारिता वश में रखने का कानूनी अधिकार

(b) संसद द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा देश का शासन

(c) संविधान द्वारा एक व्यक्ति को पूरे अधिकार दिए गए हैं, लेकिन वह सत्ता का उपयोग नहीं करता

(d) राज्य का संविधानिक शासन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

विधिक (De Jure) प्रभुसत्ता उस व्यक्ति में मानी जाती है, जो कानूनी दृष्टि से प्रभुसत्ता का अधिकारी है। संपूर्ण राज्य के कार्य और शासन का संचालन ऐसे व्यक्ति के प्राधिकार से ही संपन्न होतें हैं, परंतु कभी-कभी ऐसा भी होता है कि विधिक रूप से सत्ता किसी को प्रदान की गई हो, लेकिन सत्ता का वास्तविक प्रयोग कोई अन्य व्यक्ति कर रहा हो।

5. 'कानूनी अधिसत्ता' की संकल्पना पहली बार किसने प्रस्तुत किया?

(a) हॉब्स (b) रूसो

(c) लॉक (d) टी.एच. ग्रीन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

हॉब्स को आधुनिक राजदर्शन का जन्मदाता कहा जाता है। उसने ही राज्य की बाध्यकारी शक्ति के रूप में कानूनी संप्रभुता को पहली बार प्रस्तुत किया। जिसे बेंथम और ऑस्टिन ने कानूनी संप्रभुत्ता की आधारशिला मानकर अपने-अपने सिद्धांतों को स्थापित किया।

6. 'कानून संप्रभु का एक आदेश है।' यह कथन किसका है?

(a) लॉस्की (b) ऑस्टिन

(c) बेन्थम (d) डायसी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

जॉन ऑस्टिन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'लेक्चर्स ऑन जुरिस्प्रेडेन्स' में सकारात्मक कानून की व्यवस्था करते हुए कहा कि 'कानून संप्रभु का आदेश है। उन्होंने प्राकृतिक कानून और दैवीय कानून का खंडन करते हुए कहा कि कानून ऐसे नियमों को ही माना जा सकता है, जिसमें निम्न विशेषताएं हों-

- इसकी उत्पत्ति ऐसे स्रोत से होनी चाहिए जो निर्णय करने में समर्थ हो;
- इसमें किसी आदेश की अभिव्यक्ति होनी चाहिए।
- यह प्रमाणिक होना चाहिए, अर्थात इसका उल्लंघन करने पर दंड का विधान होना चाहिए।

7. ''अतः प्रकृति का कानून उचित तर्क का आदेश है..... ।' किसने कहा है?

(a) अरस्तू (b) संत थॉमस एक्विनास

(c) स्पेन्सर (d) हॉब्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

थॉमस हॉब्स के अनुसार प्रकृति के कानून बुद्धि द्वारा खोजा गया प्रत्यादेश है, जिसे लोग प्राकृतिक अवस्था में जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक मानते हैं। हाब्स का मानना था कि प्राकृतिक कानून राज्य विहीन अवस्था में भी जीवन के अधिकार को सबसे बड़े मूल्य के रूप में स्थापित करते हैं।

8. कानून का सर्वाधिक स्वीकृत सिद्धांत है-

(a) ऐतिहासिक सिद्धांत (b) आदेशात्मक सिद्धांत

(c) प्राकृतिक सिद्धांत (d) समाजशास्त्रीय सिद्धांत

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

कानून का आदेशात्मक सिद्धांत सर्वाधिक व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है जिसका समर्थन बोदां, हॉब्स, बेंथम, ऑस्टिन तथा डायसी की कृतियों में मिलता है। प्राकृतिक कानून के सिद्धांत से सर्वथा भिन्न, यह सिद्धांत सकारात्मक अर्थ में कानून शब्द का प्रयोग करता है। ये सुनिश्चित राजनीतिक सत्ता के 'आदेश' हैं।

9. 'वास्तविक कानून उसका आदेश है, जिसे दूसरों को आदेश देने का अधिकार रहता है।' यह कथन किसका है?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) बोदां

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2012, 2015

उत्तर–(a)

हॉब्स के अनुसार वास्तविक कानून संप्रभुता का आदेश है, जिसे बलपूर्वक लागू किया जाता है। प्राकृतिक कानून विवेक का आदेश है, जिसका केवल अलंकारिक महत्व है। नागरिक कानून का मूल तत्व यह है कि उसमें आदेश अथवा बलप्रयोग का भाव निहित होता है।

10. निम्न में से कौन तत्व राज्य को अन्य समुदायों/संगठनों में से अलग करता है?

(a) भू-भाग (b) प्रशासन
(c) प्रभुसत्ता (d) जनसंख्या

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

राज्य की आधुनिक अवधारणा के अनुसार, राज्य को अन्य मानवीय समुदायों एवं संगठनों से अलग करने वाला तत्व प्रभुसत्ता है, क्योंकि अन्य मानवीय संगठनों के पास राज्य जैसी प्रभुसत्ता का अभाव होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्य की आधुनिक अवधारणा के अनुसार राज्य के चार मूल तत्व हैं- 1. जनसंख्या 2. भूभाग 3. सरकार एवं 4. प्रभुसत्ता।
- प्रभुसत्ता राज्य का अनिवार्य लक्षण है, जो अन्य साहचर्यों से उसकी अलग पहचान बनाता है। प्रभुसत्ता राज्य की ऐसी शक्ति है जिसके बल पर वह अपने भू-भाग में अपनी आज्ञाओं एवं कानूनों का पालन कराता है और विदेशी राज्यों के साथ लेन-देन, मैत्री या युद्ध का निर्णय करता है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व राज्य को सर्वोच्च संस्था बनाता है?

(a) जनसंख्या (b) सरकार
(c) संप्रभुता (d) भू-भाग

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. राज्य का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है-

(a) सरकार (b) भूमि
(c) जनसंख्या (d) संप्रभुता

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. भारत में संप्रभुता कहां निवास करती है?

(a) संविधान (b) सरकार
(c) राष्ट्रपति (d) जनता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

भारत में संप्रभुता का निवास जनता में है। संविधान की उद्देशिका में जनसंप्रभुता का विचार प्रकट होता है। उद्देशिका में स्पष्ट उल्लेख है कि हम भारत के लोग ..... अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित करते हैं। भारत में संविधान सर्वोच्च है, संविधान के रचनाकार यहाँ की जनता है। डायसी ने भी इस मत का समर्थन करते हुए कहा था कि ''विधिक संप्रभुता के पीछे राजनीतिक संप्रभुता रहती है, जिसके सामने कानूनी प्रभुसत्ताधारी को झुकना पड़ता है।''

14. प्रभुसत्ता की धारणा का निरूपण सबसे पहले किया-

(a) प्लेटो ने (b) अरस्तू ने
(c) बोदां ने (d) लॉक ने

P.G.T. परीक्षा, 2003, 2004
T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

प्रभुसत्ता की अवधारणा का निरूपण सर्वप्रथम सोलहवीं शताब्दी में ज्यां बोदां द्वारा अपनी पुस्तक 'द रिपब्लिका' (राज्य) के अंतर्गत किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजनीतिक चिंतन के क्षेत्र में प्रभुसत्ता की अवधारणा का ऐतिहासिक विकास निम्न क्रम में हुआ है- सोलहवीं शताब्दी में ज्यां बोदां, सत्रहवीं शताब्दी में ह्यूगो (ह्यूगो) ग्रोशियस और थॉमस हॉब्स, अठारहवीं शताब्दी में जे. जे. रूसो और उन्नीसवीं शताब्दी में जॉन ऑस्टिन।

15. ''राजनीतिक संप्रभुता राज्य के उन प्रभावों का समूह है, जो कानून के पीछे रहती है।'' यह कथन किसका है?

(a) डायसी (b) गिलक्राइस्ट
(c) बार्कर (d) ब्राइस

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

''राजनीतिक संप्रभुता राज्य के उन प्रभावों का समूह है, जो कानून के पीछे रहती है।'' यह कथन गिलक्राइस्ट का है। राजनीतिक विद्वानों ने वैधानिक प्रभुसत्ता तथा राजनीतिक प्रभुसत्ता में अंतर किया है। वैधानिक संप्रभुता वह है, जिसके पास कानून निर्माण तथा उसे लागू करने की सर्वोच्च शक्ति होती है तथा यही सत्ता कानून को परिवर्तित या निरस्त कर सकती है। ब्रिटेन की संसद वैधानिक संप्रभुता का सर्वोत्तम उदाहरण है। इसकी सर्वशक्तिमत्ता के बारे में डायसी ने कहा है कि ''यह किसी अवयस्क को वयस्क घोषित कर सकती है, राजद्रोही को मृत्यु के बाद भी ताड़ित कर सकती है, यह अवैध बच्चे को वैध बना सकती है। यदि यह उचित समझे तो किसी व्यक्ति को अपने मामले में न्यायाधीश बना सकती है।''

परंतु राजनीतिक संप्रभुता निर्वाचक मण्डल की शक्ति का द्योतक है, यही संसद को बनाती है तथा उसे बदल सकती है। डायसी के शब्दों में ''जिस संप्रभु को वकील लोग मानते हैं (विधिक संप्रभुता), उसके पीछे दूसरा संप्रभु रहता है। इस संप्रभु के पीछे वैधानिक संप्रभु को सिर झुकाना पड़ता है। जिस इच्छा को राज्य के नागरिक मानते हैं वही राजनीतिक संप्रभु है।''

16. ''वैधानिक संप्रभुता के पीछे एक राजनीतिक संप्रभु की खोज की कोशिश संप्रभुता की समूची धारणा को खत्म कर देती है और संप्रभुता को प्रभावों की सूचीमात्र बना देती है।'' यह कथन किसका है?

(a) डायसी (b) गिलक्राइस्ट
(c) लीकॉक (d) गेटेल

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

राजनीतिक विद्वानों के अनुसार वैधानिक संप्रभुता का विचार एक प्रमाणिक सत्य है और इसे आसानी से समझा जा सकता है। लेकिन राजनीतिक संप्रभुता संबंधी विचार एक कल्पना है। निर्वाचकों (राजनीतिक संप्रभु) की इच्छाएं दलीय राजनीति, लोकमत, प्रचार, अशिक्षा आदि के कारण बदलती रहती है जिससे राजनीतिक संप्रभुता की धारणा स्पष्ट नहीं हो पाती है। इसी संदर्भ में **गेटल** ने टिप्पणी की है कि ''वैधानिक संप्रभु के पीछे राजनीतिक संप्रभु को खोजने का कोई प्रयास संप्रभुता की संपूर्ण धारणा के मूल्य को नष्ट कर देता है और संप्रभुता को प्रभावों की सूची मात्र बना देता है।''

17. संप्रभुता की अवधारणा निम्नलिखित में से मुख्यतः क्या है?

(a) राजनीतिक (b) वैधानिक
(c) दार्शनिक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

प्रभुसता के विचार की सर्वोत्तम व्याख्या उसके वैधानिक अथवा विधि शास्त्रीय रूप में देखी जा सकती है। इसका यह कारण है कि राज्य की इच्छा का श्रेष्ठतम रूप राज्य के कानून में निहित है, जो सभी को बाध्यकारी होता है। इसलिए प्रभुसत्ता का पूर्णतया वैधानिक दृष्टि से अध्ययन जैसा हॉब्स व बेंथम ने किया है, अपनी विशेष महत्ता रखता है। इस संदर्भ में इस शब्द की सर्वोत्तम व्याख्या एक अंग्रेज न्यायविद जॉन ऑस्टिन (1790-1859) ने प्रस्तुत की है। जिसने 1832 ई. में प्रकाशित अपनी रचना 'The Province of Jurisence Determined' में की है।

18. ''स्वयं पर, स्वयं के शरीर और मस्तिष्क पर व्यक्ति संप्रभु है।'' यह वक्तव्य किसका है?

(a) जेरेमी बेंथम का (b) रूसो का
(c) जॉन ऑस्टिन का (d) जॉन स्टुअर्ट मिल का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त कथन जॉन स्टुअर्ट मिल का है। जॉन स्टुअर्ट मिल ने अपने निबंध 'ऑन लिबर्टी' (On Liberty) में इसकी भूमिका में स्पष्ट रूप से यह व्यक्त किया है कि लोगों की स्वतंत्रता पर राज्य की शक्ति की एक सीमा होती है।

19. ''बाह्य संप्रभुता' की अवधारणा को किसने दिया है?

(a) ग्रोशियस (b) ओपेनहाइमर
(c) काण्ट (d) रूसो

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

बाह्य संप्रभुता की अवधारणा सत्रहवीं शताब्दी के विचारक ह्यूगो ग्रोशियस द्वारा दी गई थी। इस अवधारणा के अनुसार, कोई भी संप्रभु राज्य अपनी विदेश नीति के निर्धारण, अन्य राज्यों से मैत्री संबंध, लेन-देन या युद्ध हेतु पूर्णतः स्वतंत्र होता है। साथ ही वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने हेतु वैश्विक संस्थाओं (संयुक्त राष्ट्र संघ) द्वारा लागू किए गए नियम एवं प्रतिबंध राज्य की स्वीकृति पर निर्भर होते हैं।

20. बाह्य संप्रभुता के सिद्धांत को विकसित किया गया-

(a) जॉन ऑस्टिन द्वारा (b) बेंथम द्वारा
(c) ओपनहाइम द्वारा (d) ग्रोशियस द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. संप्रभुता की आधुनिक अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया?

(a) हीगल (b) मैकियावेली
(c) हॉब्स (d) बोदां

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

संप्रभुता की आधुनिक अवधारणा का सर्वप्रथम प्रयोग व प्रतिपादन बोदां ने राजतंत्र को औचित्यपूर्ण बनाने तथा पोप एवं सामंतों की सत्ता को सीमित करने के उद्देश्य से वर्ष 1756 में अपनी कृति 'Six Books Conceming Republic' (द रिपब्लिका) में किया। बोदां ने राज्य को परिवारों एवं उनकी मिली-जुली संपदा का ऐसा संगठन कहा, जहां एक सर्वोच्च शक्ति और उसके विवेक का शासन चलता है।

22. संप्रभुता के सिद्धांत का सबसे पहले प्रतिपादन किया-

(a) बोदाँ ने (b) लॉक ने
(c) प्लेटो ने (d) अरस्तू ने

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. निम्न में किस वर्ग के विचारकों को संप्रभुता की व्याख्या करने का श्रेय दिया जाता है?

(a) बोदां, मार्क्स और ऑस्टिन
(b) बोदां, मार्क्स और हीगेल
(c) हीगेल, लास्वेल और हस्टन
(d) बोदां, ग्रोशस और ऑस्टिन

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

संप्रभुता की व्याख्या करने का श्रेय ज्यां बोदां, ह्यूगो ग्रोश्यस और जॉन ऑस्टिन को दिया जाता है। संप्रभुता (Sovereignty) सिद्धांत का निरूपण सोलहवीं शताब्दी में ज्यां बोदां, ह्यूगो ग्रोश्यस और टॉमस हॉब्स तथा अठारहवीं शताब्दी में जे. जे. रूसो और उन्नीसवीं शताब्दी में जॉन ऑस्टिन ने किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संप्रभुता अंग्रेजी शब्द Sovereignty का हिंदी रूपांतरण है Sovereignty शब्द लैटिन भाषा Superanus तथा Super से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है परम अर्थात सर्वोच्च सत्ता अर्थात प्रत्येक स्वतंत्र राज्य अपने बाह्य तथा आंतरिक विषयों में पूर्ण स्वतंत्र हों, तो इस स्थिति को स्वतंत्रता कहते हैं।
- ज्यां बोदां को आधुनिक संप्रभुता सिद्धांत का जन्मदाता माना जाता है।

24. निरंकुश संप्रभुता में कौन विश्वास करता था?

(a) लॉक (b) रूसो
(c) हॉब्स (d) प्लेटो

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

हॉब्स निरंकुश प्रभुसत्ता का एक प्रमुख समर्थक था। उसके अनुसार, ''तलवार के बिना संविदायें केवल शब्द मात्र हैं''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- निरंकुश या अमर्यादित संप्रभुता के समर्थक विचारक- ज्यां बोदां, टॉमस हॉब्स, जर्मी बेंथम, जॉन ऑस्टिन तथा हीगल आदि हैं। इन विचारकों के अनुसार संप्रभु राज्य में सर्वोच्च, सर्वशक्तिमान, अविभाज्य तथा अमर्यादित शक्ति है।

  इसके विरोध में मर्यादित संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन लॉक ने किया जिसका मान्टेस्क्यू ने समर्थन किया। लॉक के अनुसार, जनता तथा सरकार एक-दूसरे को नियंत्रित करती है, जबकि मान्टेस्क्यू के अनुसार सरकार के अंग ही एक-दूसरे को नियंत्रित करते हैं।

25. किसने 'सामाजिक समझौता' की अवधारणा को निरंकुश संप्रभुता के सिद्धांत के साथ जोड़ा?

(a) बोदाँ (b) हॉब्स
(c) लॉक (d) उपर्युक्त में से किसी ने नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. 'निरंकुश-संप्रभुता' का सर्वाधिक सशक्त समर्थक था-

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. निरंकुश संप्रभुता का सर्वाधिक सशक्त पोषक कौन था?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. निरंकुश संप्रभुता का सर्वाधिक सशक्त समर्थक था-

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. लॉक ने समर्थन किया-

(a) निरंकुश प्रभुसत्ता का
(b) सीमित प्रभुसत्ता का
(c) बिना किसी प्रभुसत्ता वाले राज्य का
(d) सामान्य इच्छा की प्रभुसत्ता का

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

लॉक ने लोगों को राज्य के विरुद्ध विद्रोह करने का अधिकार देकर सीमित प्रभुसत्ता का समर्थन किया है। राज्य यदि लोगों को प्राप्त प्राकृतिक अधिकारों का उल्लंघन करता है, या सामाजिक समझौते द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन नहीं करता है, तो लोग राज्य को दी गई शक्ति को पुनः वापस ले सकते हैं।

30. किसने कहा था की सर्वसत्ता यह राज्य की पूर्णता है?

(a) ग्रीकों ने (b) अंग्रेजों ने
(c) रोमन ने (d) भारतीयों ने

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

रोमनों ने कहा था सर्वसत्ता राज्य की पूर्णता है।

31. रूसो की 'सामान्य इच्छा' के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) यह राज्य में कानून की सृष्टा है।

(b) यह सदैव जनहित में होती है।

(c) यह सबकी इच्छा है।

(d) यह सदैव सही होती है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

लोक कल्याण पर आधारित होने के कारण 'सामान्य इच्छा' एक व्यक्ति की हो सकती है, कुछ व्यक्तियों की हो सकती है या सबकी इच्छा हो सकती है। इस इच्छा में संख्या नहीं, गुण प्रधान है। संप्रभुता सम्पन्न होने की वजह से 'सामान्य इच्छा' कानून की सृष्टा है। परमार्थ पर आधारित होने के कारण यह जन कल्याणकारी और सदैव सही होती है।

32. मार्सिलियो पादुआ और रूसो ने किस प्रकार की संप्रभुता का प्रतिपादन किया?

(a) लोक प्रिय (b) धार्मिक

(c) अभिजनोन्मुख (d) संसदीय

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

मार्सिलियो पादुआ और रूसो ने लोक प्रिय संप्रभुता का प्रतिपादन किया है। रूसो ने सर्वप्रथम संप्रभुता सिद्धांत का पूर्ण रूप से प्रतिपादन किया है। आधुनिक संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन सर्वप्रथम बोदां ने अपने ग्रंथ Thesix Books Concerning the Republic में स्पष्ट रूप से प्रतिपादित किया।

33. लॉक का विश्वास था कि संप्रभु-

(a) समस्त कानूनों का प्रमुखकर्ता है।

(b) विद्यमान कानूनों से बंधा हुआ है।

(c) समस्त कानूनों से ऊपर है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

लॉक का विश्वास था कि संप्रभु विद्यमान कानूनों से बंधा हुआ है। लॉक के अनुसार, प्राकृतिक दशा में मनुष्य को 'प्राकृतिक अधिकार' प्राप्त होते हैं जिनमें जीवन, स्वतंत्रता एवं संपत्ति का अधिकार प्रमुख अधिकार हैं। इन अधिकारों की रक्षा हेतु मनुष्य नागरिक समाज की स्थापना करते हैं। इस प्रकार लॉक के अनुसार, नागरिक समाज या राज्य मनुष्य के प्राकृतिक अधिकारों की रक्षा हेतु उत्तरदायी होता है। अतः राज्य की प्रभुसत्ता पूर्ण या असीम नहीं होती है, बल्कि वह शर्तों से बंधी होती है।

34. लॉक के अनुसार संप्रभुता के विरुद्ध विद्रोह का निर्णय लिया जाता है?

(a) विधायकों के बहुमत से (b) सर्वानुमति से

(c) संपूर्ण समाज से (d) इनमें से कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

लॉक ने सामाजिक समझौते के द्वारा राज्य के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए उसे 'ट्रस्ट' की संज्ञा दी है। यदि लोगों को यह लगे कि राज्य किए गए समझौते की शर्तों का उल्लंघन कर रहा है, तो वे राज्य के विरुद्ध विद्रोह कर सकते हैं।

नोट- उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (b) का हिंदी एवं अंग्रेजी रूपांतरण भिन्न है प्रस्तुत व्याख्या अंग्रेजी रूपांतरण के आधार पर की गई है।

35. ''रूसो का संप्रभु (शासक) हॉब्स का लेवियाथन है, जिसका सिर कटा हुआ है।'' यह कथन किसका है?

(a) बार्कर (b) वेपर

(c) वॉहन (d) मिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

रूसो का संप्रभु 'सामान्य-इच्छा' है, जो हॉब्स के 'लेवियाथन' के समान ही अपने आदेशों को पालन करवाने के लिए बल प्रयोग को आवश्यक मानता है। इस प्रकार की नियंत्रण विहीन और बाध्यकारी सत्ता में समानता देखते हुए वॉहन ने रूसो के संप्रभु को सिर विहीन लेवियाथन कहा है।

36. लोक संप्रभुता के दर्शन को सर्वप्रथम किसने प्रतिपादित किया था?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) मिल

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

लोक संप्रभुता के दर्शन को सर्वप्रथम रूसो ने प्रतिपादित किया था। रूसो के अनुसार, मनुष्य आपस में समझौता करके ही सत्ता या प्रभुसत्ता की स्थापना करते हैं। परंतु यह प्रभुसत्ता किसी ऐसे शासक की विशेषता नहीं होती जिसका अस्तित्व समाज से अलग या समाज के बाहर हो, बल्कि यह जनसाधारण के पास ही रहती है। इस तरह रूसो ने लोकप्रिय प्रभुसत्ता के विचार को बढ़ावा दिया।

37. लोकप्रिय संप्रभुता की अवधारणा है-

(a) लोग राजनीतिक और विधिक सत्ता के स्रोत होते हैं।

(b) राजा राजनीतिक और विधिक सत्ता का स्रोत होता है।

(c) राज्य प्रमुख पद पर वंश उत्तराधिकार की प्राथमिकता दी जाती है।

(d) राज्य प्रमुख पद पर लोकनियंत्रण नहीं हो सकता।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

लोकिप्रय संप्रभुता में संप्रभुता का वास लोगों को माना गया है। इस प्रभुता का प्रयोग अलग-अलग नागरिकों के रूप में तथा सामूहिक स्तर पर जनसंप्रभुता के रूप में किया जाता है। संप्रभु शक्ति जनता में निहित होने के कारण लोग राजनीतिक और विधिक सत्ता के स्रोत होते हैं।

38. रूसो लॉक से पूर्णतः प्रभावित है :

(a) प्राकृतिक अधिकारों के विचार से

(b) समूहों की संप्रभुता के सिद्धांत से

(c) प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत से

(d) उपर्युक्त सभी से

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

रूसो, लॉक से इस बात से सहमत था कि प्राकृतिक अवस्था में सभी वस्तुएं साक्षी हुआ करती थी। न तो किसी के पास वैयक्तिक संपत्ति हुआ करती थी और न ही परिवार। जो भी व्यक्ति किसी वस्तु पर अपना श्रम मिला देता था, वह उसकी हो जाया करती थी।

39. जॉन ऑस्टिन द्वारा प्रतिपादित प्रभुसत्ता सिद्धांत को कहा जाता है-

(a) लोकप्रिय प्रभुसत्ता सिद्धांत (b) बहुलवादी सिद्धांत

(c) एकलवादी सिद्धांत (d) प्रत्ययवादी सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

जॉन ऑस्टिन द्वारा प्रतिपादित प्रभुसत्ता सिद्धांत को 'एकलवादी सिद्धांत' कहा जाता है। ऑस्टिन ने सकारात्मक कानून (Positive Law) का सिद्धांत भी प्रस्तुत किया था, जो राज्य की कानूनी प्रभुसत्ता से जुड़ा है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ बोदां, ग्रोशियस, हॉब्स, रूसो एवं ऑस्टिन के अनुसार राज्य समाज की बुनियादी संस्था है एवं एकमात्र ऐसी संस्था है जो समाज हेतु कानून बनाती है। अतः कानून की दृष्टि से राज्य की सत्ता अनन्य, सर्वोच्च और असीम है। इस सिद्धांत को प्रभुसत्ता का एकलवादी सिद्धांत (Monistic Theory) कहते हैं, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति ऑस्टिन के चिंतन में हुई।

40. निम्नलिखित में से कौन एक संप्रभुता के अद्वैतवादी सिद्धांत का समर्थक नहीं है?

(a) बोदां (b) डुग्वी

(c) ऑस्टिन (d) हॉब्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. संप्रभुता के एकल सिद्धांत का प्रतिपादक कौन है?

(a) जॉन ऑस्टिन (b) हॉब्स

(c) लॉक (d) रूसो

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. निम्नलिखित में से कौन बहुलवादी चिंतक नहीं हैं?

(a) कोल (b) बोदां

(c) लिण्डसे (d) वेब्स

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन (A) : एकलवादियों के अनुसार संप्रभुता सर्वोच्च, निरपेक्ष और असीमित है।

कारण (R) : प्रत्येक संपूर्ण अथवा स्वतंत्र राज्य में एक अंतिम सत्ता जिसके विरुद्ध अपील नहीं हो सकती है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. निम्न में किसने संप्रभुता के एकलवादी सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) जॉन ऑस्टिन (b) हेरॉल्ड लॉस्की

(c) ह्यूगो ग्रोशियस (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. एकलवादी संप्रभुता सिद्धान्त के प्रतिपादक थे-

(a) मैकियावेली (b) ऑस्टिन

(c) लॉस्की (d) मिल

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. प्रभुसत्ता के एकत्ववादी सिद्धांत का प्रतिपादन निम्नलिखित में से किसने किया?

(a) ऑस्टिन (b) ऑक

(c) एक्वीनास (d) मैटलैंड

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

47. इनमें से किसने विधि के शासन के सिद्धांत को प्रतिपादित किया?

(a) डायसी (b) लॉस्की

(c) ऑस्टिन (d) बोदां

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

विख्यात ब्रिटिश न्यायवेत्ता डायसी ने अपनी कृति 'इंट्रोडक्सन टू द स्टडी ऑफ द लॉ ऑफ द कांस्टीट्यूशन' के अंतर्गत इंग्लैंड के संविधान को 'विधि के शासन की संज्ञा दी थी। इसलिए विधि के शासन के सिद्धांत को प्रतिपादित करने वाले वे पहले विचारक हो गए।

48. किस राजनीतिक विचारक ने 'राजनीतिक संप्रभुता' की अवधारणा सर्वप्रथम प्रस्तुत की?

(a) बोदां (b) ऑस्टिन

(c) डायसी (d) डुग्वी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

ए.वी. डायसी के अनुसार, लोकतंत्रीय शासन प्रणाली वाले देशों में कानूनी दृष्टि से प्रभुसत्ता संसद के हाथों में रहती है, किंतु राजनीतिक दृष्टि से प्रभुसत्ता का सूत्र सर्वसाधारण के हाथों में रहता है, क्योंकि कानूनी प्रभुसत्ताधारी सर्वसाधारण की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है।

49. कानूनी तथा राजनीतिक संप्रभुता के मध्य भेद किया गया था।

(a) बोदां द्वारा (b) ए.वी. डायसी द्वारा

(c) ऑस्टिन द्वारा (d) लॉस्की द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

कानूनी और राजनीतिक संप्रभुता के मध्य भेद ए.वी. डायसी द्वारा किया गया था। उन्हीं के शब्दों में ''विधिवेत्ता जिसे प्रभुसत्ताधारी मान्यता देता है, उसके पीछे एक दूसरा प्रभुसत्ताधारी छुपा रहता है जिसके सामने कानूनी प्रभुसत्ताधारी को झुकना पड़ता है। अत; राज्य के मंच पर हम जिस कानूनी प्रभुसत्ताधारी को काम करते हुए देखते हैं, उसका सूत्रधार परदे के पीछे रहता है। प्रभुसत्ता के इस रूप को हम राजनीतिक प्रभुसत्ता कहते हैं।

50. विधिक संप्रभुता और राजनीतिक संप्रभुता में अंतर बतलाया है-

(a) जॉन लॉक ने (b) जॉन ऑस्टिन ने

(c) ए.बी. डायसी ने (d) हैरोल्ड जे. लॉस्की ने

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

सर्वप्रथम ए.बी. डायसी ने विधिक संप्रभुता एवं राजनीतिक संप्रभुता में अंतर, लोकतंत्रीय शासन प्रणाली के संदर्भ में बताया, जहां विधिक संप्रभु (संसद) राजनीतिक संप्रभु (निर्वाचक-गणों) की इच्छा का प्रतिनिधित्व करता है।

51. वैधानिक संप्रभुता तथा राजनीतिक संप्रभुता को विभेदित किया था-

(a) बोंदा ने (b) ऑस्टिन ने

(c) ए.बी. डायसी ने (d) लॉस्की ने

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. कानूनी तथा राजनीतिक संप्रभुता के मध्य भेद किया था-

(a) बोदां (b) ऑस्टिन

(c) ए.वी. डायसी (d) लॉस्की

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. किसने विधिक और राजनीतिक संप्रभुता में भेद किया?

(a) डायसी (b) सीले

(c) मिल (d) गार्नर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. इनमें से कौन संप्रभुता की बहुलवादी अवधारणा से नहीं जुड़ा है?

(a) मेटलैंड (b) क्रैब

(c) दुर्खीम (d) हीगल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

हीगल द्वारा राज्य को पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण कहकर न केवल भौतिक रूप से बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी राज्य को महान बना देता है। हीगल ने एकलवाद को स्वीकार कर राज्य को सर्वशक्तिमान बना दिया।

55. निम्नलिखित में से कौन संप्रभुता की विशेषता नहीं है?

(a) सर्वव्यापकता (b) स्थायित्व

(c) अविभाज्यता (d) जनसंख्या

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(d)

संप्रभुता के कानूनी सिद्धांत के अंतर्गत संप्रभुता की निम्न विशेषताएं निर्धारित की गई हैं-

I. पूर्णता (Absoluteness), II. सार्वभौमता (Universality),

III. अदेयता (Inalienability), IV. स्थायित्व (Permanence),

V. अविभाज्यता (Indivisibility)।

56. निम्नांकित में से कौन प्रभुसत्ता के कानूनी सिद्धांत का लक्षण नहीं है?

(a) पूर्णता (b) विभाज्यता

(c) स्थायित्व (d) सार्वभौमिकता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. निम्नलिखित में से कौन-सी संप्रभुता की विशेषता (एँ) है/हैं?

(1) स्थायित्व

(2) सार्वभौमिकता

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 तथा 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. कौन-सा सिद्धांत एकतत्ववादी संप्रभुता विरोधी है?

(a) समाजवाद (b) बहुलवाद

(c) व्यक्तिवाद (d) उदारवाद

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(b)

प्रभुसत्ता के एकतत्ववादी या एकलवादी सिद्धांत के अनुसार, प्रभुसत्ता राज्य का सारभूत और अनिवार्य लक्षण है। इसके बिना कोई समाज राज्य का रूप धारण नहीं कर सकता, जबकि बहुलवादी (Pluralists) विचारधारा के अनुसार राज्य की रचना हेतु प्रभुसत्ता अनिवार्य नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बहुलवादी सत्ता के केंद्रीकरण के विरुद्ध हैं एवं राज्य एवं समाज को एक ही नहीं मानते, यद्यपि वे राज्य को समाज की महत्वपूर्ण संस्था मानते हैं। वे राज्य की अखंड-असीम प्रभुसत्ता को अस्वीकारते हैं और समाज की अन्य संस्थाओं एवं समूहों को प्रभुसत्ता में भागीदारी देना चाहते हैं। इस प्रकार वे सांकेतिक अथवा नाममात्र की संप्रभुता में विश्वास करते हैं।
- प्रमुख बहुलवादी विचारक हैं- लियो ड्यूगी, ह्यूगो क्रैब, हेरल्ड जे. लॉस्की, अर्नेस्ट बार्कर, ए.डी. लिंडसे, रॉबर्ट एम. मैकाइवर।

59. बहुलवादी विश्वास करते हैं-

(a) कानूनी संप्रभुता में (b) राजनीतिक संप्रभुता में

(c) नाममात्र की संप्रभुता में (d) निरंकुश संप्रभुता में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. बहुलवादी पक्ष में हैं-

(a) राज्य को समाप्त करने के

(b) राज्य विहीन समाज के

(c) राज्य की शक्तियों को कम करने के

(d) राज्य की शक्तियों को और बढ़ाने के

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. निम्न में से कौन-से विचारकों का समूह 'बहुलवाद' से संबंधित है?

(a) अरस्तू, हीगल, डायसी (b) बार्कर, लॉस्की, क्रैब

(c) रूसो, मैकाइवर, हीगल (d) आस्टिन, बोंदा, कोल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. अनेकवादी इसमें विश्वास करते हैं?

(a) कानूनी अधिसत्ता (b) राजनीतिक अधिसत्ता

(c) सांकेतिक अधिसत्ता (d) संपूर्ण अधिसत्ता

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. ऑस्टिन की प्रभुता के सिद्धांत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण निर्धारक तत्व है-

(a) यह निरंकुश है।

(b) यह विभाज्य है।

(c) यह निरंकुश नहीं है।

(d) व्यक्ति को विद्रोह करने का अधिकार है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

ऑस्टिन संप्रभुता के कानूनी सिद्धांत के प्रमुख प्रवक्ता माने जाते हैं। अपनी कृति 'लेक्चर्स आन ज्यूरीप्रेडेंस' में ऑस्टिन ने माना है कि कानून की प्रमाणिकता के लिए राज्य की निरंकुश शक्ति को स्वीकार करना होगा। यदि कानून के पीछे दण्ड की शक्ति नहीं होगी, तो वह नागरिक समाज में प्रभावशाली भूमिका नहीं निभा पाएगा।

64. निम्नलिखित में से कौन एक बहुलवादी है?

(a) डेविड ईस्टन (b) गेब्रियल आमण्ड

(c) रॉबर्ट डहल (d) अरस्तू

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

रॉबर्ट डहल ने अपनी पुस्तक 'ए प्रिफेस टू डेमोक्रेटिक थ्योरी' पोलियार्की में लोकतंत्र के बहुलवादी स्वरूप को प्रस्तुत किया है।

65. निम्न में से कौन संप्रभुता के बहुलवादी सिद्धांत का प्रथम प्रवर्तक था?

(a) एच.जे. लॉस्की (b) ज्यां बोदां

(c) मैकाइवर (d) ओटो वॉन गियर्क

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

संप्रभुता के बहुलवादी सिद्धांत का विचार सर्वप्रथम ओटो वॉन गियर्क एवं मेटलैण्ड ने दिया। इन्होंने 'समूहों' के वास्तविक व्यक्तित्व' को स्वीकार करते हुए संप्रभुता के एकलवादी सिद्धांत को चुनौती दी।

66. बहुलवाद ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धांत का-

(a) विरोधी है

(b) समर्थक है

(c) न तो विरोधी है और न समर्थक है

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

बहुलवाद ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धांत का विरोधी है।

ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धांत के अनुसार, ''यदि कोई निश्चित मानवीय सत्ता अपनी जैसी किसी अन्य सत्ता की आज्ञा मानने में अभ्यस्त न हो, बल्कि प्रस्तुत समाज के लोग उसकी आज्ञा मानने में अभ्यस्त हों, तो इस निश्चित मानवीय सत्ता को उस समाज में 'प्रभु सत्ताधारी' कहेंगे और उस समाज को राजनीतिक और स्वाधीन समाज कहा जाएगा।'' ऑस्टिन का प्रभुसत्ता संबंधी उपर्युक्त मत प्राभुसत्ता के एकलवादी सिद्धांत की स्थापना करता है।

उन्नीसवीं शती में प्रभुसत्ता के बहुलवादी सिद्धांत का उदय हुआ, जिसने राज्य के एक तत्वीय (Monistic) स्वरूप और उसकी अखंड प्रभुसत्ता का खंडन करके उसे समाज की अन्य संस्थाओं के समकक्ष रखा और सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु राज्य के साथ-साथ अन्य सामाजिक संस्थाओं के महत्व पर बल दिया।

67. संप्रभुता की अवधारणा प्रमुखतया कैसी अवधारणा है?

(a) राजनीतिक (b) विधिक

(c) दार्शनिक (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

संप्राभुता की अवधारणा प्रमुखतया विधिक अवधारणा है। बोंदा, हॉब्स, ऑस्टिन राज्य को ही एकमात्र संस्था मानते हैं, जो समाज के लिए कानून बनाता है। कानून की दृष्टि से राज्य की सत्ता अनन्य, सर्वोच्च और असीम है। इस सिद्धांत को ही प्रभुसत्ता का एकलवादी सिद्धांत कहा जाता है।

68. निम्नलिखित में किन दो के राजनीतिक दर्शन में यह मत व्यक्त किया गया है कि समितियां राज्य-संप्रभुता के लिए हानिकारक हैं?

क. बोदां **ख. हॉब्स**

ग. रूसो **घ. ऑस्टिन**

सही उत्तर निम्न कूटों से चुनिए :

(a) क और ख (b) क और ग

(c) ग और घ (d) ख और ग

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

हॉब्स और रूसो के राजनीतिक दर्शन में यह मत व्यक्त किया गया है कि समितियां राज्य-संप्रभुता के लिए हानिकारक हैं।

69. यदि संविधान परम संप्रभु है, तो तात्कालिक संप्रभुता आरोपित है-

(a) राष्ट्र में (b) निर्वाचक-गण में

(c) विधि निर्माता निकाय में (d) शासक दल में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

यदि संविधान परम संप्रभु है, तो तात्कालिक संप्रभुता संविधान का निर्माण करने वाले विधि निर्माता निकाय में आरोपित होगी।

70. परंपरागत संप्रभुता के विचार का बहुलवादी विरोध करते हैं क्योंकि-

(a) दूसरे संगठन उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना कि राज्य

(b) वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग में आड़े आता है

(c) वह जनतंत्र विरोधी है

(d) राज्य जन-सेवा का निगम है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

परंपरागत संप्रभुता के विचार का बहुलवादी विरोध करते हैं, क्योंकि उनके अनुसार समाज के अन्य संगठन एवं संस्थाएं उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितना कि राज्य। वे यह नहीं मानते कि मनुष्य की सामाजिक प्रकृति एक ही संगठन में पूरी तरह व्यक्त हो सकती है जिसे 'राज्य' कहते हैं।

71. लोकप्रिय संप्रभुता किसमें निहित होती है?

(a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमंत्री

(c) जनता (d) संसद

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

लोकप्रिय संप्रभुता जनता में निहित होती है। लोकप्रिय प्रभुसत्ता का विचार नैतिक आधार पर जनता को प्रभुसत्ता का उपयुक्त पात्र मानता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लोकप्रिय प्रभुसत्ता की अनिवार्य शर्तें हैं- सार्वजनीन मताधिकार, विधानमंडल पर सर्वसाधारण के प्रतिनिधियों का नियंत्रण और राष्ट्र के वित्त पर जन-प्रतिनिधियों के सदन का नियंत्रण।
- इस संकल्पना के अनुसार शासक वर्ग शासन का संचालन जनहित को ध्यान में रखकर करेगा; अपने स्वार्थों की सिद्धि के लिए नहीं। वह तभी तक सत्ता धारण करेगा जब तक उसे सर्वसाधारण का विश्वास प्राप्त हो। यह सिद्धांत लोकतंत्र के चिरसम्मत सिद्धांत की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति है।
- लोकप्रिय प्रभुसत्ता की संकल्पना जे.जे. रूसो के राजनीतिक दर्शन का सार-तत्व है।

72. लोकप्रिय संप्रभुता की अवधारणा है-

(a) लोक राजनीतिक और विधिक सत्ता के स्रोत होते हैं।

(b) राजा सभी राजनीतिक और विधिक सत्ता का स्रोत होता है।

(c) राज्य प्रमुख पद पर वंश उत्तराधिकार की प्राथमिकता होती है।

(d) राज्य प्रमुख पद लोक नियंत्रक नहीं हो सकता।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. सार्वजनिक संप्रभुता किसमें निवास करती है?

(a) जनता (b) राजनीतिक अभिजन

(c) संविधान (d) न्यायपालिका

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

74. किस राजनीतिक विज्ञानी ने व्यवहारवादी उपागम के राजनीति विज्ञान के अध्ययन में जिम्मेदारी निभाई ?

(a) डेविड ईस्टन (b) कार्ल डायच

(c) रॉबट्र ए. डहल (d) एमिल बोरेल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

राजनीतिक विज्ञान में व्यवहारवादी उपागम के अध्ययन में डेविड ईस्टन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

75. संप्रभुता एक विशिष्टता है-

(a) जनता की (b) राज्य की

(c) सरकार की (d) संसद की

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

संप्रभुता राज्य की विशिष्टता होती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मनुष्यों के किसी समुदाय को राज्य की संज्ञा तभी दी जा सकती है जब इसमें चार तत्व हों- जनसंख्या, भू-भाग, सरकार एवं प्रभुसत्ता।
- प्रभुसत्ता ही राज्य का वह विशिष्ट तत्व है, जो अन्य समुदायों से राज्य को पृथक करता है। प्रभुसत्ता के ही कारण राज्य अपने अधिकार क्षेत्र में सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करता है और अन्य राज्यों के साथ अपने संबंधों को निर्धारित करता है।

76. ''जितनी प्रभुसत्ताएं होती हैं, उतने ही राज्य होते हैं।'' यह विचार किस लेखक का है?

(a) गैटिल (b) डायसी

(c) गार्नर (d) मैकाइवर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

''संप्रभुता ही वह तत्व है, जो राज्य को अन्य समुदायों से पृथक करता है। संप्रभुता अविभाज्य होती है, इसका विभाजन नहीं किया जा सकता। इसी संदर्भ में गैटिल ने लिखा है कि ''यदि संप्रभुता परमपूर्ण नहीं है तो किसी राज्य का कोई अस्तित्व ही नहीं है, यदि संप्रभुता विभाजित है तो एक से अधिक राज्यों का अस्तित्व हो जाता है।'' अर्थात जितनी संप्रभुताएं होंगी उतने राज्य हो जाएंगे। मैकाइवर एक बहुलवादी विचारक हैं। इसके अनुसार राज्य में संप्रभुता विभिन्न संघों में विभाजित होती है अर्थात संप्रभुता के विभाजन से राज्य का विभाजन नहीं होगा।

77. ''यदि अधिसत्ता संपूर्ण नहीं है तो, कोई राज्य अस्तित्व में नहीं रहेगा'', ऐसा किसने कहा?

(a) जॉन ऑस्टिन (b) जीन बोडिन

(c) हॉब्स (d) जॉन लॉक

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(*)

कथन के रूप में इसका संबंध गैटिल से है जबकि अवधारणा के रूप में इसका संबंध हॉब्स एवं ऑस्टीन से है। चूंकि इसमें 'कथन' पूछा गया है। अतः इस प्रश्न का कोई भी विकल्प उत्तर के रूप में चयनित करना संभव नहीं है।

78. निम्नलिखित कथन किस विद्वान से संबंधित है-

''जिस तरह से बिना आत्मविनाश के व्यक्ति अपने जीवन और व्यक्तित्व को दूसरे को नहीं दे सकता है, एक पेड़ अपने अंकुरित होने के अधिकार को दूसरे को नहीं दे सकता है, उसी प्रकार बिना आत्म-विनाश के संप्रभुता दूसरे को नहीं दी जा सकती है।''

(a) सीले (b) लीवर

(c) गार्नर (d) गेटल

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(b)

उपरोक्त कथन लीवर (लाइबर) का है। संप्रभुता का अंग्रेजी पर्यायवाची सावरेनटी (Sovereignty) लैटिन शब्द सुपर (Super) और एनस (Anus) से लिया गया है। इसका अर्थ सर्वोच्च शक्ति है। अर्थात संप्रभुता राज्य की सर्वोच्च शक्ति है इसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं– 1. निरंकुशता 2. मौलिकता 3. सर्वव्यापकता 4. स्थायित्व 5. अपृथक्करणीयता 6. अनन्यता एवं 7. अविभाज्यता।

संप्रभुता को अपृथक्करणीय बताते हुए गार्नर ने कहा है कि ''संप्रभुता राज्य का व्यक्तित्व और उसकी आत्मा है। जिस प्रकार मनुष्य का व्यक्तित्व अदेय है और वह किसी दूसरे को नहीं दे सकता उसी प्रकार राज्य की संप्रभुता भी किसी अन्य को नहीं दी जा सकती है।'' इसी बात को लाइबर ने उपरोक्त में सुंदर ढंग से कही है।

79. 'संप्रभुता' शब्द लैटिन भाषा के किस शब्द से निकला है?

(a) सुप्रीम (b) सोवियत

(c) स्टट्यूट (d) सुप्रेनस

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

80. निम्न में से कौन एक संप्रभुता की विशेषता नहीं है?

(a) स्थायित्व (b) निरपेक्षता

(c) अविभाज्यता (d) अंतर्भावता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. सॉवरनिटी (सर्वसत्ता) यह शब्द लैटिन भाषा के इस शब्द से लिया गया है-

(a) सुपरानस (Supranus) (b) सुप्रिम (Supreme)

(c) सोविएट (Soviet) (d) स्टच्युट (Statute)

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. ''प्रभुसत्ता नागरिकों और शासितों के ऊपर ऐसी शक्ति है, जिसे कानून का कोई बंधन नहीं होता है।'' किसने कहा?

(a) हॉब्स (b) ऑस्टिन

(c) बोदां (d) लॉक

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(c)

प्रभुसत्ता राज्य का आवश्यक तत्व है। इसके अभाव में किसी मानवीय समुदाय को राज्य की संज्ञा नहीं दी जा सकती यही वह तत्व है, जो राज्य को अन्य समुदायों से भिन्न बनाता है। संप्रभुता की परिभाषा देते हुए बोदां ने अपनी पुस्तक (Six Books Concerning Republic) में कहा है कि ''प्रभुसत्ता नागरिकों और शासितों के ऊपर ऐसी शक्ति है जिस पर कानून का कोई बन्धन नहीं होता है।''

प्रभुसत्ता पर अन्य विचारकों की परिभाषाएं निम्नलिखित हैं–

ग्रेशियस के अनुसार- प्रभुसत्ता उस व्यक्ति को सर्वोच्च शक्ति है जिसके कार्य किसी अन्य के अधीन नहीं होते, और जिसकी इच्छा कोई नहीं टाल सकता, यह शासन करने की नैतिक शक्ति है।''

वर्गेस के अनुसार- ''प्रभुसत्ता जनता तथा जनता के सभी संगठनों के ऊपर मौलिक निरंकुश और असीमित शक्ति है।''

जैलिनेक के अनुसार- ''प्रभुसत्ता राज्य का वह गुण है, जिसके कारण वह अपनी इच्छा के अलावा किसी दूसरी इच्छा या बाहरी आदेशों से बाध्य नहीं है।''

ब्लैक स्टोन के अनुसार- ''प्रभुसत्ता वह अनिवार्य, सर्वोच्च और अनियंत्रित शक्ति है, जिसमें सर्वोच्च कानूनी शक्ति निवास करती है।''

बिलोबी के अनुसार- ''प्रभुसत्ता राज्य की सर्वोच्च इच्छा है।''

83. 'संप्रभुता नागरिकों तथा प्रजागणों पर राज्य की वह सर्वोच्च शक्ति है जिस पर विधियों का कोई नियंत्रण नहीं रहता है।'' संप्रभुता की यह परिभाषा किसकी है?

(a) हेगेल (b) काण्ट

(c) बोंदा (d) मेटलैंड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. ''संप्रभुता नागरिकों तथा प्रजाजनों के ऊपर सर्वोच्च शक्ति है, जिस पर कानून का कोई नियंत्रण न हो।'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) बर्गेस (b) दुग्वी
(c) जॉन बोदां (d) जेलिनेक

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. ''नागरिकों और प्रजाजनों पर विधि से अमर्यादित सर्वोच्च शक्ति'' संप्रभुता की यह परिभाषा किसने दी है?

(a) बोदां (b) ऑस्टिन
(c) मैक्यावेली (d) हॉब्स

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(a)

बोदां ने संप्रभुता को परिभाषित करते हुए लिखा है कि ''यह नागरिकों और प्रजाजनों पर विधि से अमर्यादित सर्वोच्च शक्ति है।''
बोदां ने संप्रभुता पर कानूनी दृष्टिकोण से विचार किया है। ज्ञातव्य है कि प्रभुसत्ता का कानूनी दृष्टिकोण सबसे पहले बोदां और हॉब्स ने स्पष्ट किया और बाद में बेंथम और ऑस्टिन ने इसकी विस्तृत व्याख्या की।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बोदां अमर्यादित संप्रभुता सिद्धांत के समर्थक है।
- अमर्यादित संप्रभुता असीम, अदेय, स्थायी तथा अपृथक्करणीय होती है।
- संप्रभुता के कानूनी दृष्टिकोण के अनुसार संप्रभु विधि निर्माता है और वह मानव निर्मित विधि से सीमित नहीं है।
- यद्यपि बोदां अमर्यादित संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हैं तथापि वह ईश्वरीय कानूनों, प्राकृतिक कानूनों तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनों से संप्रभु को सीमित मानते हैं।

86. संप्रभुता के विधिवादी सिद्धांत का प्रमुख प्रवक्ता निम्नलिखित में से कौन था?

(a) लॉक (b) रूसो
(c) ऑस्टिन (d) बोदां

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(c)

बोदां, ग्रोशियस, हॉब्स, रूसो और ऑस्टिन के अनुसार राज्य एकमात्र ऐसी संस्था है, जो समाज के लिए कानून बनाती है। अतः कानून की दृष्टि से राज्य की सत्ता अनन्य, सर्वोच्च और असीम है। इस सिद्धांत को 'प्रभुसत्ता का एकलवादी सिद्धांत' कहते हैं और इसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति ऑस्टिन के चिंतन में होती है।

87. हॉब्स के अनुसार संप्रभु मध्य विभेदीकरण का स्रोत है :

(a) अच्छाई और बुराई
(b) नैतिक और अनैतिक
(c) न्यायी और अन्यायी
(d) उपर्युक्त सभी

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

हॉब्स ने संप्रभु को इतना सर्वोच्च एवं निरंकुश बना दिया है कि वह सभी बातों का निर्णय करने का अंतिम प्राधिकार रखता है। अच्छाई-बुराई , न्याय-अन्याय तथा नैतिक-अनैतिक इत्यादि बातें सत्ता के निर्माणाधीन हैं।

88. 'राजनीति विज्ञान की सबसे बड़ी सेवा यह होगी कि प्रभुता की अवधारणा को समाप्त कर दिया जाए।' किसने कहा?

(a) लॉस्की (b) गैटल
(c) गिलक्राइस्ट (d) प्लेटो

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

लॉस्की राज्य के संप्रभुता के दावे से इंकार करते हैं। वे कहते हैं कि राजनीतिक विज्ञान के लिए यह स्थायी हित की बात होगी कि वह संप्रभुता संपन्न राज्य के विचार का त्याग कर दे। इस अवधारणा के अंतरराष्ट्रीय जगत में अराजकता मचा रखी है। अतः स्थायी शांति के लिए इसे त्यागना होगा।

89. निम्नलिखित में से कौन 'नागरिक-संप्रभुता' सिद्धांत से संबद्ध है?

(a) जॉन डेवी (b) जॉन स्ट्रेची
(c) आर.एच. टॉनी (d) एस.जी. हाब्सन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

'नागरिक-संप्रभुता' सिद्धांत का संबंध आर.एच. टॉनी से है इनके अनुसार राजय का कार्य नागरिकों को सेवाएं उपलब्ध कराना है। अंततः नागरिक ही राज्य के कार्यों का मूल्यांकन कर उसके औचित्य का निर्धारण करते हैं।

90. निम्नांकित में से किसका यह विचार है, 'सार्वजनिक सेवा' न कि संप्रभुता राज्य की अनिवार्य विशेषता है?

(a) ओटो वॉन गियर्के (b) लियो दुग्वी
(c) अर्नेस्ट बार्कर (d) ए.डी. लिन्डसे

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

लियो दुग्वी के चिन्तन में राज्य के कर्तव्यों को प्रमुखता दी गई है, अधिकारों की नहीं। राज्य का बुनियादी लक्षण जन-सेवा है, प्रभुसत्ता नहीं।

91. ''जब संप्रभुता सही हाथों में विद्यमान होती है तो स्वतंत्रता बढ़ जाती है।'' यह कथन किसका है?

(a) फ्रीडमैन (b) हायक

(c) आई. बर्लिन (d) एल. स्ट्रॉस

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

आई. बर्लिन ने अपनी पुस्तक 'फोर एस्से आन लिबर्टी' में लिखा है कि राज्य व्यक्ति की स्वतंत्रता में भले ही कुछ बंधन लगाए, परंतु ऐसा कोई बंधन नहीं होना चाहिए जो उसकी पसंद के क्षेत्र का हनन करे। जब प्रभुसत्ता सही हाथों में होती है, स्वतंत्रता में वृद्धि हो जाती है।

92. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : मध्ययुग में संप्रभुता की अवधारणा विकसित नहीं हो सकी।

कारण (R) : मध्ययुग में सामाजिक व्यवस्था विकेंद्रीकृत और ईसाईपन से ओत-प्रोत थी।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या भी करता है। मध्य युग में संप्रभुता के विकास न होने का कारण सामन्तवादी व्यवस्था थी। जिसमें शक्ति के अनेक केंद्रो के साथ-साथ धर्मतंत्र के व्यापक प्रभाव के कारण राष्ट्र-राज्य की अवधारणा का विकास नहीं हो सका।

93. किसने परिभाषित किया है कि संप्रभुता ऐसी सर्वोच्च सत्ता है, जो अन्य किसी सांसारिक सत्ता से स्वतंत्र है?

(a) केल्सन (b) विलोबी

(c) ओपेनहाइम (d) बेंथम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

ओपेनहाइम ने संप्रभुता के बारे में कहा कि 'यह सर्वोच्च प्राधिकार जो किसी भी सांसारिक सत्ता से स्वतंत्र या उसके ऊपर है।'

94. सीमित संप्रभुता के सिद्धांत का जनक निम्न में से कौन था?

(a) लॉक (b) रूसो

(c) स्पेन्सर (d) गार्नर

T.G.T परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

लॉक ने राज्य का ट्रस्टीशिप सिद्धांत देकर उसकी शक्ति को सीमित कर दिया है। लॉक के अनुसार राज्य की संप्रभुता मनुष्य के प्राकृतिक अधिकारों के साथ-साथ उन शर्तों से भी सीमित है, जो कि व्यक्ति और राज्य के मध्य समझौते द्वारा निश्चित की गई थी।

95. ''संप्रभुता एक संपूर्ण वस्तु है, इसे विभाजित करने का अर्थ है इसे नष्ट करना। यह राज्य में सर्वोच्च शक्ति है, हम जितना अर्ध-वर्ग अथवा अर्ध-त्रिभुज की बात कर सकते हैं उतनी ही अर्धसंप्रभुता की.... ।'' यह किसने कहा?

(a) लीबेर (b) जेन्क्स

(c) कैलहाऊन (d) गार्नर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

संप्रभुता के संबंध में उपर्युक्त कथन कैल्हन (कैलहाऊन) का है।

96. किसने कहा कि ''संप्रभु राज्य के दिन अब लद चुके हैं''?

(a) एल.टी. हॉबहाउस (b) ए.डी. लिंडसे

(c) बेंथम (d) मिटलैण्ड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न में पूछा गया कथन लिंडसे का है। लिंडसे ने परम्परागत संप्राभुता के एकलवादी सिद्धांत की आलोचना करते हुए कहा कि अन्य समुदाय, जो व्यक्ति के विकास में राज्य से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, राज्य के समान ही लोगों की निष्ठा प्राप्त करने का अधिकार रखते हैं।

न्याय

1. प्लेटो की न्याय की अवधारणा का निम्न में से कौन-सा केंद्रीय लक्षण है?

(a) स्वतंत्रता (b) समानता

(c) भ्रातृत्व (d) समन्वय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

प्लेटो के अनुसार अपने प्रकृतिस्थ गुणों के अनुसार कार्य करना न्याय है। तृष्णा, साहस और विवेक के आधार पर प्लेटो ने,लोगों का वर्गीकरण किया है। वैयक्तिक स्तर पर न्याय तभी सुलभ होता है, जब इन तीनों गुणों का आपस में समन्वय हो और विवेक मार्ग दर्शन करे। सार्वजनिक स्तर पर भी उत्पादक वर्ग सैनिक वर्ग और संरक्षक जो क्रमश; तृष्णा, साहस और विवेक का प्रतिनिधित्व करते हैं, न्याय की अभिव्यक्ति के लिए अपने-अपने कार्य करने होंगे।

2. प्लेटो की रिपब्लिक का उपशीर्षक क्या है?

(a) न्याय से संबंधित (b) शिक्षा पद्धति से संबंधित
(c) राजनीति से संबंधित (d) सोफिस्ट वर्ग से संबंधित

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(a)

प्लेटो ने 'रिपब्लिक' में विभिन्न व्यक्तियों के मध्य हुए लंबे संवादों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि हमारा न्याय से सरोकार होना चाहिए। रिपब्लिक का उपशीर्षक न्याय से ही संबंधित है।

3. न्याय का अर्थ है कि-

(a) कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता
(b) भेदभाव किया जा सकता है
(c) राजा की बुद्धि के अनुसार भेदभाव किया जा सकता है
(d) बहुमत के अनुसार भेदभाव किया जा सकता है

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

सभी प्रकार के भेदभाव का अभाव ही न्याय है। ऑगस्टाइन के अनुसार, ''न्याय एक व्यवस्थित और अनुशासित जीवन व्यतीत करने तथा उन कर्तव्यों का पालन करने में है जिनकी कि व्यवस्था मांग करती है''। वे आगे कहते हैं कि ''जिन राज्यों में न्याय नहीं रह जाता वे डाकुओं के झुंड मात्र कहे जा सकते हैं''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- थ्रेसीमेकस के अनुसार, ''न्याय शक्तिशाली का हित है''।
- सैफालस के अनुसार, ''न्याय सत्य बोलने तथा अपना कर्ज चुकाने में है''।
- प्लेटो के अनुसार, ''प्रत्येक व्यक्ति का अपना विशिष्ट कार्य करना तथा दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करना ही न्याय है''।

4. प्लेटो ने समर्थन किया :

(a) न्याय का सार्वभौमिक सिद्धांत
(b) न्याय का शुद्ध विधिक सिद्धांत
(c) न्याय का तात्विक सिद्धांत
(d) न्याय का उपर्युक्त सभी सिद्धांत

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

प्लेटे ने न्याय की अवधारणा को जिस द्वन्द्वात्मक प्रक्रिया द्वारा उद्घाटित किया है, उससे न्याय के विधिक और सार्वभौमिक सिद्धांत को समर्थन नहीं मिलता है। प्लेटो का न्याय देश-काल से आबद्ध स्वेच्छाचारी दर्शन पर आधारित है, जिसे विधि का संरक्षण प्राप्त नहीं है। संपूर्ण न्याय प्रणाली को दार्शनिक राज्य पर आधारित कर न्याय के तात्विक सिद्धांत का समर्थन किया है।

5. राजनीतिक न्याय सुनिश्चित होता है-

(a) विधायिका द्वारा (b) संविधान द्वारा
(c) राजनीतिक दलों द्वारा (d) निर्वाचन सत्ता द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

राजव्यवस्था का प्रभाव समाज के सभी व्यक्तियों पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पड़ता है। सभी व्यक्तियों को समान अवसर, समान रूप से प्राप्त होने चाहिए तथा राजनीतिक शक्तियों द्वारा सभी व्यक्तियों की लाभ प्राप्ति भी सुनिश्चित होनी चाहिए, यही राजनीतिक न्याय है। इसकी प्राप्ति स्वाभाविक रूप से एक प्रजातांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत ही की जा सकती है, जिसका आधार (स्रोत) संविधान होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजनीतिक न्याय प्राप्ति के मुख्य साधन हैं-वयस्क मताधिकार, सभी व्यक्तियों को भाषण-विचार, सम्मेलन, संगठन आदि नागरिक स्वतंत्रताएं, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, भेद-भाव के बिना सार्वजनिक पदों हेतु सभी को समान अवसर आदि।
- राजनीतिक न्याय की धारणा में यह तथ्य निहित है कि राजनीति में कोई कुलीन या विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग नहीं होगा।

6. राजनीतिक न्याय से तात्पर्य है कि सभी को-

(a) समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त हों
(b) समान आर्थिक अधिकार प्राप्त हों
(c) समान धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हो
(d) हर प्रकार के भेद-भाव से रहित समान सुविधा प्राप्त हो।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : राजनीतिक जीवन की सर्वोच्च अच्छाई न्याय है।

कारण (R) : न्याय व्यक्ति को उसका अपेक्षित प्रदान करता है तथा दण्ड अथवा क्षतिपूर्ति के माध्यम से उसकी त्रुटियों को ठीक करता है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न के कथन (A) में न्याय के स्वरूप को बताया गया है और कारण (R) में न्याय की प्रकृति को। जिस प्रकार स्वरूप का निर्धारण प्रकृति के आधार पर किया जाता है, उसी प्रकार कथन (A) का निर्धारण भी कारण (R) से हो रहा है, अतः दोनों सही हैं। कारण (R) कथन (A) का सही व्याख्या भी है।

8. ''प्लेटो का न्याय संबंधी सिद्धांत स्थिर या निष्क्रिय, आत्मानुवादी, अनैतिक, अव्यावहारिक और अमनोवैज्ञानिक है।'' यह कथन किसका है?

(a) जोड (b) सेबाइन

(c) प्रो. पॉपर (d) बार्कर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

प्लेटो ने न्याय को कानूनी आधार न प्रदान करके इसके महत्व को कम कर दिया है। इसीलिए बार्कर ने प्लेटो के न्याय सिद्धांत को निष्क्रिय, आत्मानुवादी अनैतिक, अव्यावहारिक और अमनोवैज्ञानिक कहा है।

9. रॉल्स की न्याय की धारणा है-

(a) समाजवादी (b) उपयोगितावादी

(c) समुदायवादी (d) उदारवादी

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

जॉन रॉल्स (1921-2002) 20वीं सदी के उदारवादी परम्परा के अमेरिकी विचारक हैं। इनकी पुस्तक A Theory of Justice (थ्योरी ऑफ जस्टिस) न्याय की अवधारणा के विकास में महत्वपूर्ण है। इसमें इन्होंने आज के उदारवादी समतावादी राज्य के अनुरूप न्याय का सिद्धांत प्रस्तुत किया। इनका न्याय सिद्धांत हॉब्स, लॉक, रूसो की भांति सामाजिक समझौते पर आधारित है। इनके न्याय सिद्धांत को शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय सिद्धांत कहा जाता हैं इनके अनुसार राज्य का कार्य केवल सामाजिक व्यवस्था की सुरक्षा करना नहीं है बल्कि सबसे अधिक जरूरत मंद लोगों की आवश्यकताओं को उच्चतम सामाजिक आदर्श बना कर मूल पदार्थों (वेतन, संपत्ति, अवसर, अधिकार, स्वतंत्रता, तथा स्वास्थ्य, शक्ति, क्षमता) को पुनर्वितरण द्वारा उपलब्ध कराना है। रॉल्स के अनुसार न्याय पुरस्कार का सिद्धांत न होकर क्षतिपूर्ति का सिद्धांत है।

10. किसने न्याय को उचितता (फेयरनेस) के रूप में परिभाषित किया?

(a) ड्यूगी (b) ब्राइस

(c) डायसी (d) जॉन रॉल्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

न्याय को उचितता के रूप में जॉन रॉल्स ने परिभाषित किया।

11. निम्नलिखित में से कौन समुदायवादी विचारक हैं?

(a) चार्ल्स टेलर (b) जॉन रॉल्स

(c) मैक्फर्सन (d) हेयक

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

समुदायवादी दृष्टिकोण ऐसी वितरण व्यवस्था का समर्थन करता है, जिसमें समुदाय के प्रति व्यक्ति की प्रतिबद्धता पर बल दिया जाता है। चार्ल्स टेलर ने अपनी कृति 'फिला सफिकल पेपर्स' में तर्क दिया कि विभिन्न व्यक्ति एक-दूसरे से कही हुई इकाइयां नहीं हैं। कोई भी व्यक्ति केवल समुदाय विशेष के अंतर्गत ही अपने लिए 'शुभ' की संकल्पना कर सकता है।

12. ''एक बेहतर न्यायिक समाज की प्रकृति तथा उद्देश्य न्याय सिद्धांत का मौलिक अंग है'' यह कथन किसका है?

(a) जॉन रॉल्स (b) लॉर्ड ऐक्टन

(c) टॉनी (d) जे. एस. मिल

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

''एक बेहतर न्यायिक समाज की प्रकृति तथा उद्देश्य न्याय सिद्धांत का मौलिक अंग है'', यह कथन जॉन रॉल्स का है। जॉन रॉल्स ने अपनी कृति 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' में सामाजिक संविदा और कांट के विधि-दर्शन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। जॉन रॉल्स ने अपने न्याय सिद्धांत को 'शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय' की संज्ञा प्रदान की है।

13. जॉन रॉल्स ने अपने न्याय सिद्धांत को क्या संज्ञा दी है?

(a) वितरणात्मक न्याय (b) सर्वसुलभ न्याय

(c) प्रत्ययात्मक न्याय (d) शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. रॉल्स के अनुसार न्याय के लक्षण हैं-

(a) न्याय समाज का प्रथम सद्गुण है

(b) प्रक्रियात्मक न्याय की प्रधानता

(c) सामाजिक न्याय से सरोकार

(d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

रॉल्स के अनुसार, ''न्याय समाज का प्रथम सद्गुण है, यह प्रक्रियात्मक होता है एवं इसका सरोकार सामाजिक न्याय से होता है''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- समकालीन उदारवादी चिंतक जॉन रॉल्स ने अपनी कृति 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' (न्याय सिद्धांत) में तर्क दिया कि उत्तम समाज में अनेक सद्गुण अपेक्षित होते हैं, जिनमें न्याय का स्थान सर्वप्रथम है। न्याय उत्तम समाज की आवश्यक शर्त है, किंतु यह उसके लिए पर्याप्त नहीं है।
- रॉल्स के अनुसार, न्याय की समस्या प्राथमिक वस्तुओं के न्यायपूर्ण वितरण की समस्या है। ये प्राथमिक वस्तुएं हैं-अधिकार एवं स्वतंत्रताएं, शक्तियां एवं अवसर, आय और संपदा, तथा आत्म-सम्मान के साधन।
- रॉल्स ने अपने न्याय सिद्धांत को 'शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय' की संज्ञा दी। इसका अर्थ है कि सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए न्याय सिद्धांतों के प्रयोग से जो भी वितरण-व्यवस्था अस्तित्व में आएगी वह अनिवार्यतः न्यायपूर्ण होगी।
- रॉल्स ने न्याय की सर्वसम्मत प्रक्रिया निर्धारित करने हेतु सामाजिक अनुबंध (Social Contract) की तर्क प्रणाली अपनाई।
- रॉल्स ने सामाजिक न्याय की स्थापना हेतु भेद-मूलक सिद्धांत स्वीकारा जिसके अनुसार, किसी व्यक्ति की असाधारण योग्यता और परिश्रम हेतु विशेष पुरस्कार तभी न्यायसंगत होगा, जब उससे समाज के कमजोर वर्ग या व्यक्तियों को अधिकतम लाभ पहुंचे। इसके बाद प्रतिस्पर्धात्मक अर्थव्यवस्था के मानदंड को लागू किया जा सकता है।

15. यह किसने प्रतिपादित किया कि न्याय सामाजिक-संस्थाओं का प्राथमिक गुण है?

(a) हीगल (b) कार्ल मार्क्स
(c) चार्ल्स टेलर (d) जॉन रॉल्स

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. यह किसने प्रतिपादित किया कि न्याय सामाजिक संस्थाओं का प्राथमिक गुण है?

(a) जॉन रॉल्स (b) हीगल
(c) मार्क्स (d) चार्ल्स टेलर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. निम्नलिखित में से किसने यह विचार व्यक्त किया है-''यदि न्याय व्यवस्था न हो तो राज्य लुटेरों की टोली बन जाता है''?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) सेंट ऑगस्टाइन (d) लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2005

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

ऑगस्टाइन (354-430) पांचवी शताब्दी के प्रारंभ का राजनीतिक दार्शनिक है। यह पहला राजनीतिक दार्शनिक है, जिसने लौकिक और धार्मिक क्षेत्रों के बीच सीमा रेखा खींच कर राजनीतिक दर्शन की उपयुक्त सीमाओं की समस्या सामने रखी ये क्रमशः राज्य और चर्च के क्षेत्र थे। इनके अनुसार राज्य स्वतंत्र मनुष्यों पर स्वतंत्र मनुष्यों का शासन है। ऑगस्टाइन न्याय को राज्य का सर्व प्रमुख तत्व मानता है। इसके अनुसार जिन राज्यों में न्याय नहीं रह जाता वे डाकुओं के झुण्ड मात्र कहे जा सकते हैं। एक अन्य स्थान पर ये कहते हैं'' न्याय एक व्यवस्थित और अनुशासित जीवन व्यतीत करने तथा उन कर्तव्यों का पालन करने में है, जिनकी व्यवस्था मांग करती है।

अन्य दार्शनिकों के अनुसार न्याय की परिभाषा

- थॉमस एक्वीनास- प्रत्येक व्यक्ति को उसके अपने अधिकार देने की निश्चित और सनातन इच्छा न्याय है।
- प्लेटो- न्याय मानव आत्मा की उचित अवस्था और मानवीय स्वभाव की प्राकृतिक मांग है।

18. ''यदि न्याय को पृथक कर दिया जाए तो राज्य एक लुटेरे की संपत्ति के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।'' यह कथन है-

(a) सालमंड का (b) ऑगस्टाइन का
(c) कांट का (d) बेंथम का

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. ''जिन राज्यों में न्याय नहीं होता, वह डाकुओं का समूह है।'' यह शब्द निम्न में से किनके हैं?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) सुकरात (d) ऑगस्टाइन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. निम्नलिखित में से किसके अनुसार ''शक्तिशाली का हित ही न्याय है''?

(a) अरस्तू (b) प्लेटो

(c) थ्रेसीमेकस (d) मैकियावेली

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

यूनानी दार्शनिक प्लेटो न्याय के सर्वमान्य निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए कुछ दार्शनिकों- सेफालस, ग्लॉकान एडीमैंटस और थ्रेसीमेकस के साथ संवाद करता है जिसमें ये दार्शनिक निम्न परिभाषा देते हैं-

- सेफालस- 'न्याय सत्य बोलने और अपना ऋण चुकाने में निहित है।'
- थ्रेसीमेकस- जिसके पास शक्ति है उसका अधिकार मान्य होता है। अर्थात् शक्तिशाली का हित ही न्याय है।
- ग्लॉकान- न्याय भय की संतान है।
- सुकरात- 'न्याय व्यक्तियों का परस्पर संबंध है, जो सामाजिक संगठन पर आश्रित। अतः समुदाय की संरचना के संदर्भ में ही इसका अध्ययन उपयुक्त है। व्यक्ति के आचरण की विशेषता के रूप में नहीं।''
- प्लेटो के अनुसार- न्याय राज्य का सर्वोच्च सद्गुण है। प्लेटो के अनुसार उत्पादक वर्ग, सैनिक एवं शासक तीनों का अपने-अपने कार्य संपादित करते रहना न्याय है। अर्थात् उत्पादक वर्ग को सैनिक वर्ग से संरक्षण प्राप्त है और दार्शनिक वर्ग से मार्गदर्शन प्राप्त हो।'

21. ''शक्तिशाली का हित ही न्याय है।'' किसने कहा?

(a) फोस्टर (b) थ्रेसीमेकस

(c) प्लेटो (d) मार्क्स

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. किसके मतानुसार 'न्याय शक्तिशाली' का हित है?

(a) ग्लाकन (b) थ्रेसीमेकस

(c) पाली मार्कस (d) पाइथागोरस

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. 'जस्टिस' शब्द 'जस' से निकला है। 'जस' का संबंध निम्न में से किस भाषा से है?

(a) अंग्रेजी (b) फ्रांसीसी

(c) लैटिन (d) हिंदी

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

'जस्टिस' शब्द 'जस' से निकला है। 'जस' का संबंध लैटिन भाषा से है। 'जस' का अर्थ 'कानून' या 'न्याय' है। लैटिन भाषा में न्याय को 'जस्टिशिया' (Justitia) भी कहा गया है।

24. सामाजिक न्याय की अवधारणा पर निम्न में से कौन बल देते हैं?

(a) मार्क्सवादी (b) उदारवादी

(c) व्यक्तिवादी (d) बहुलवादी

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

मार्क्सवादी सामाजिक न्याय पर बल देते हैं। सामाजिक न्याय से तात्पर्य यह है कि नागरिक-नागरिक के बीच सामाजिक स्थिति के आधार पर किसी प्रकार का भेद न किया जाए। प्रत्येक व्यक्ति को आत्मविकास का पूर्ण अवसर प्राप्त हो। राज्य अपने विधायी तथा प्रशासनिक कार्यक्रमों द्वारा एक ऐसे समाज की स्थापना करे जो **'समानता'** पर आधारित हो। मार्क्सवाद के सामाजिक न्याय पर बल देने के कारण ही विश्व के करोड़ों लोगों ने इसे अपनाया है। पंडित जवाहरलाल नेहरू के शब्दों में ''लाखों, करोड़ो लोगों के लिए मार्क्सवाद के प्रति आकर्षण का स्रोत उसका वैज्ञानिक सिद्धांत नहीं है, वरन सामाजिक न्याय के प्रति उसकी तत्परता है।''

25. सामाजिक न्याय से तात्पर्य है-

(a) सभी को समान राजनीतिक अधिकार प्राप्त हों

(b) सभी को समान आर्थिक अधिकार प्राप्त हों

(c) सभी को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त हो

(d) सभी प्रकार के भेदभाव, यथा-जाति, रंग, धर्म, लिंग आदि पर आधारित सुविधा समाप्त हो।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. अम्बेडकर के सामाजिक व राजनीतिक दर्शन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू क्या है?

(a) कानूनी न्याय (b) आर्थिक न्याय

(c) राजनीतिक न्याय (d) सामाजिक न्याय

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

अम्बेडकर के सामाजिक व राजनीतिक दर्शन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक न्याय है। अम्बेडकर आजीवन, समाज के दलित एवं पिछड़े वर्ग के अधिकारों एवं हितों की सिद्धि हेतु संघर्ष करते रहे।

27. यूनानी दार्शनिकों ने न्याय के किस पहलू पर बल दिया?

(a) विधिक (b) राजनीतिक

(c) सामाजिक (d) नैतिक

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

यूनानी दार्शनिकों ने न्याय के नैतिक पहलू पर बल दिया है। यूनानी दार्शनिकों का मानना है कि न्याय को नैतिकता से अलग नहीं किया जा सकता है।

28. यूनानी न्याय की अवधारणा-

(a) कानूनी है। (b) नैतिक है।

(c) सामाजिक है। (d) राजनीतिक है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. यूनानी न्याय की अवधारणा है-

(a) कानूनी (b) नैतिक

(c) सामाजिक (d) राजनीतिक

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. वितरक न्याय के सिद्धांत का प्रतिपादन सबसे पहले किया गया था-

(a) अरस्तू द्वारा (b) गॉडविन द्वारा

(c) हर्बर्ट स्पेन्सर द्वारा (d) रॉल्स द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

'वितरक न्याय' या 'वितरण न्याय' (Distributive Justice) का प्रतिपादन सर्वप्रथम अरस्तू द्वारा किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरस्तू के अनुसार, न्याय का सरोकार मानवीय संबंधों के नियमन से है। ये दो प्रकार के न्याय हैं- 1. वितरण न्याय 2. प्रतिवर्ती न्याय (Commutative Justice) या परिशोधनात्मक न्याय (Rectificatory Justice) या प्रतिकारात्मक न्याय (Remedial Justice)।
- वितरण न्याय का संबंध सम्मान या धन संपदा के वितरण से है। यह विधायक (Legislator) के क्षेत्र में आता है। इसका मूल सिद्धांत है कि 'समान लोगों के साथ समान बर्ताव किया जाए', परंतु अरस्तू के अनुसार यह वितरण अंकगणितीय अनुपात से न होकर रेखागणितीय अनुपात से होना चाहिए, अर्थात् सबको बराबर हिस्सा नहीं मिलना चाहिए, बल्कि प्रत्येक को अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार हिस्सा मिलना चाहिए।

31. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट में से कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. न्याय बलवानों का हित है।	1. रॉल्स
B. व्यक्ति द्वारा अपनी प्रकृति के अनुरूप अपने कार्यों का संपादन ही न्याय है।	2. थ्रेसीमेकस
C. सार्वजनिक उपयोगिता न्याय की उत्पत्ति का एकमात्र स्रोत है।	3. प्लेटो
D. न्याय का अर्थ है प्राथमिक वस्तुओं का न्यायपूर्ण वितरण	4. ह्यूम

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	4	1	3
(c)	3	2	4	1
(d)	2	3	4	1

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सही है। उक्त विकल्प में दोनों सूचियों का सुमेलन सही है।

32. संसद और संविधान इसके उपकरण हैं-

(a) कानूनी न्याय (b) राजनीतिक न्याय

(c) आर्थिक न्याय (d) सामाजिक न्याय

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

न्याय की ऐसी प्रणाली जिसमें उसे विधिक संरक्षण प्राप्त हो और न्यायालय द्वारा उसे लागू किया जाए 'कानूनी न्याय' के अंतर्गत आता है। सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक न्याय को अन्ततः संसद और संविधान द्वारा ही कानूनी न्याय के रूप में संपरिवर्तित कर संरक्षण प्रदान किया जाता है।

33. न्याय का वितरणात्मक सिद्धांत प्रस्तुत किया गया :

(a) प्लेटो द्वारा (b) लॉक द्वारा

(c) मार्क्स द्वारा (d) रॉल्स द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

न्याय का वितरणात्मक सिद्धांत रॉल्स द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

34. किसने 'न्याय' को 'न्याय उचितता के रूप में' घोषित किया है?

(a) जॉन रॉल्स (b) ड्युगी

(c) ब्राइस (d) डायसी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

जॉन रॉल्स ने न्याय को सर्वोच्च गुण माना है। अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'ए थियरी ऑफ जस्टिस' में शुद्ध प्रक्रियात्मक न्याय का समर्थन करते हुए भी कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण बनाने का समर्थन किया है, जिससे कि न्याय के वास्तविक स्वरूप की प्राप्ति हो सके।

35. निम्न में से किसने घोषित किया है ''न्याय औचित्यपूर्णता है''?

(a) ड्यूगी (b) डायसी

(c) ब्राइस (d) जॉन रॉल्स

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. 'न्याय आत्मा का गुण था और अन्याय दुर्गुण' किसने कहा था?

(a) अरस्तू (b) प्लेटो

(c) सुकरात (d) कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

प्लेटो ने न्याय के स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए मानव मनोविज्ञान का आश्रय लिया और स्पष्ट किया कि न्याय आत्मा का अंतर्निहित गुण है। जब कोई व्यक्ति अपने स्वभाव के अनुकूल कार्य नहीं करता, तब वह अन्याय की ओर प्रवृत्त होता है।

व्यक्तिवाद

1. व्यक्तिवाद व समाजवाद में किस प्रकार का संबंध है?

(a) परस्पर सहयोग (b) परस्पर आदान-प्रदान

(c) परस्पर मिलना (d) परस्पर विरोध

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

समाजवाद व व्यक्तिवाद परस्पर विरोधी विचारधाराएं हैं। व्यक्तिवाद राज्य के अहस्तक्षेप का समर्थन करता है, जो पूंजीवाद को बढ़ावा देता है। पूंजीवाद के अंतर्गत उत्पादन, वितरण और विनिमय के प्रमुख साधन निजी स्वामित्व में रहते हैं। इसके विरोध में समाजवाद का उदय हुआ। समाजवाद के अनुसार, समाज में उत्पादन, वितरण और विनिमय के प्रमुख साधनों पर सार्वजनिक स्वामित्व और नियंत्रण स्थापित होना चाहिए।

2. इनमें से किस विचार को प्रायः व्यक्तिवादी विचारक अपने अनुकूल पाते हैं?

(a) मार्क्स का वर्ग संघर्ष सिद्धांत

(b) मार्क्स का क्रांतिकारी हिंसा का सिद्धांत

(c) डार्विन का अनुकूलतम की अतिजीविता का सिद्धांत

(d) ऑस्टिन का संप्रभुता सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

व्यक्तिवादी विचारक डॉर्विन का 'अनुकूलतम की अतिजीविता का सिद्धांत' को अपनी विचारधारा के अनुकूल पाते हैं। व्यक्तिवादी विचारधारा के अनुसार, व्यक्ति अपने हित का सर्वोत्तम निर्णायक है और उसकी सिद्धि करते समय वह दूसरों के हित साधने में योग देता है। अतः राज्य का अन्य कोष अथवा संस्था भी व्यक्ति के लिए है, व्यक्ति स्वयं राज्य या अन्य किसी संस्था के लिए नहीं है।

प्रमुख व्यक्तिवादी विचारक हर्बर्ट स्पेंसर ने समाज की संकल्पना जीवित प्राणी (Organism) के रूप में की है। जिसमें विकास की प्रवृत्ति पाई जाती है।

3. 'राज्य एक आवश्यक बुराई है'-यह कथन किस विचारधारा से संबंधित है?

(a) अराजकतावाद (b) व्यक्तिवाद

(c) मार्क्सवाद (d) श्रमिक-संघवाद

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

व्यक्तिवादी सिद्धांत 'राज्य को आवश्यक बुराई मानता है'। आवश्यक इसलिए कि केवल राज्य ही लोगों के जीवन, संपत्ति तथा स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है तथा बुराई इसलिए कि राज्य के प्रत्येक कार्य का अर्थ है व्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती करना। व्यक्तिवाद व्यक्ति और उसकी स्वतंत्रता को अपने चिंतन में केंद्रीय स्थान देता है। एडम स्मिथ, हेयक, स्पेंसर प्रमुख व्यक्तिवादी विचारक हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अराजकतावादी राज्य को अनावश्यक बुराई मानते हैं।
- सर्वाधिकारवादी राज्य को गौरवान्वित तथा महिमामंडित करते हैं।

4. राज्य एक आवश्यक बुराई है, यह मत इनसे संबंधित है-

(a) व्यक्तिवाद (b) अराजकवादी

(c) मार्क्सवादी (d) कुतर्की

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. ''राज्य एक आवश्यक बुराई है।'' यह कथन है-

(a) समाजवादियों का (b) साम्यवादियों का

(c) लोकतांत्रिक समाजवादियों का (d) व्यक्तिवादियों का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्नलिखित में से कौन राज्य को ''आवश्यक बुराई'' मानते हैं?

(a) व्यक्तिवादी (b) अराजकतावादी

(c) आदर्शवादी (d) समाजवादी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. व्यक्तिवादी विचारक राज्य को अनिवार्य बुराई और अराजकवादी विचारक राज्य को अनावश्यक बुराई मानते हैं। यह वक्तव्य-

(a) प्रमुखतः सत्य है (b) प्रमुखतः असत्य है

(c) अर्थहीन है (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. कौन-सा राजनीतिक सिद्धांत राज्य को एक 'आवश्यक बुराई' मानता है?

(a) समाजवाद (b) शास्त्रीय उदारवाद

(c) मार्क्सवाद (d) कल्याणकारी राज्य का सिद्धांत

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उदारवाद लंबे समय से चली आयी एक राजनीतिक विचारधारा है। 17वीं-18वीं शताब्दियों का उदारवाद शास्त्रीय। आंरभिक/नकारात्मक उदारवाद कहलाता है। इस दौर का उदारवाद राज्य को आवश्यक बुराई मानता है।

9. निम्न में से कौन एक व्यक्तिवाद का समर्थक नहीं है?

(a) ग्राहम वालास (b) हेयक

(c) जी.डी.एच.कोल (d) मिल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

लॉक, बेंथम, एडम स्मिथ, स्पेंसर, ग्राहम वालास, एफ.ए.हेयक, आइजिया बर्लिन, राबर्ट नाजिक, मिल्टन फ्रीडमैन, नार्मन एंजल, मिस फालेट इत्यादि व्यक्तिवादी विचारक हैं, जबकि जी.डी.एच.कोल श्रेणी समाजवादी विचारक हैं। ए.जे.पेंटी, ए. आर. ऑरेज, एस.जी. हाब्सन अन्य श्रेणी समाजवादी विचारक हैं।

10. 'वैज्ञानिक व्यक्तिवाद' की अवधारणा को किसने विकसित किया?

(a) एडम स्मिथ (b) बेंथम

(c) जे.एस.मिल (d) स्पेंसर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

हर्बर्ट स्पेंसर (1820-1930) उन्नीसवीं शताब्दी का ब्रिटिश दार्शनिक और सामाजिक सिद्धांतकार था। इसने वैज्ञानिक आधार पर व्यक्तिवाद को स्थापित किया। स्पेंसर के चिंतन को सामाजिक डार्विनवाद की मुख्य अभिव्यक्ति माना जाता है। इसने प्राकृतिक विज्ञानों के नियमों को समाजिक विज्ञान के क्षेत्र में लागू किया। इसने प्राकृतिक चयन के नियम को सामाजिक प्रगति की प्रक्रिया पर लागू करते हुए यह तर्क दिया कि कम योग्य व्यक्तियों को अधिक योग्य व्यक्तियों के हित में बलिदान कर देना चाहिए। राज्य को अयोग्य व्यक्ति को संरक्षण देने की आवश्यकता नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- स्पेंसर ने सब तरह के कल्याण कार्यक्रमों का खंडन किया।
- इसने मताधिकार के विस्तार का विरोध किया।
- स्पेंसर ने आशा व्यक्त की कि कालान्तर में बाजार समाज को इतना विनियमित (Regulate) कर देगा कि राज्य का अस्तित्व निरर्थक हो जाएगा।
- इनकी प्रमुख कृति Social Statics, Principles ofSocilogy तथा Man Verses State है।

11. निम्नलिखित में से कौन आधुनिक व्यक्तिवाद का प्रणेता माना जाता है?

(a) ग्राहम वालास (b) लॉस्की

(c) लीकॉक (d) हॉब्स

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

आधुनिक व्यक्तिवाद व्यक्ति के स्थान पर समूह या संवासों की सर्वोपरिता में आस्था रखता है। आधुनिक व्यक्तिवाद सत्ता के विकेन्द्रीकरण और राज्य की शक्तियों एवं कार्य-क्षेत्र में नियंत्रण का पक्षधर है। ग्राहम वालास, नार्मन एंजल, बेलॉक तथा मिस फालेट आधुनिक व्यक्तिवाद के प्रमुख समर्थक हैं। इनकी प्रमुख कृतियां हैं-ग्राहम वालास (ग्रेट सोसाइटी, Great Society), नार्मल एंजल (दि ग्रेट इल्यूजन, The Great Illusion), बेलॉक (दि सरवाइल स्टेट, (The Servile State), मिस फालेट (दि न्यू स्टेट (The New State)।

12. राजनैतिक सिद्धांत जो नागरिकों के व्यक्तिगत जीवन में न्यूनतम हस्तक्षेप करे उसे क्या कहते हैं?

(a) लेससफेयर (b) युटलीटेरियनिज्म

(c) व्यक्तिवाद (d) इंटरप्रेन्योरशिप

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

व्यक्तिवाद राज्य को एक बुराई मानता है। पर यह बुराई मनुष्य की स्वार्थपरता और लुटेरेपन के कारण आवश्यक हो गयी है। व्यक्तिवाद का निर्देशक सिद्धांत है, 'व्यक्ति को अधिक से अधिक स्वतंत्रता मिले और राज्य कम-से-कम हस्तक्षेप करें'।

13. निम्नलिखित में से व्यक्तिवादी विचारक हैं :

(a) हेराल्ड लॉस्की (b) जेम्स मिल

(c) हर्बर्ट स्पेंसर (d) अरस्तू

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

हर्बर्ट स्पेंसर प्रमुख व्यक्तिवादी विचारक हैं। व्यक्तिवाद व्यक्ति की स्वतंत्रता को अधिकतम तथा राज्य के कार्यक्षेत्र को न्यूनतम रखने की वकालत करता है। स्पेंसर की प्रमुख कृति 'द मैन वर्सेज द स्टेट' (मनुष्य बनाम राज्य) है। स्पेंसर ने प्राकृतिक चयन के नियम को सामाजिक प्रगति की प्रक्रिया पर लागू किया। इनके अनुसार ''सामाजिक विकास की मुक्त प्रतिस्पर्धा में योग्य तथा परिश्रमी लोगों को उत्तर जीविता का अधिकार है।'' राज्य द्वारा योग्य एवं परिश्रमी लोगों का हक छीन कर अयोग्य लोगों को देना सामाजिक प्रगति को कुंठित करना है। इस प्रकार स्पेंसर ने सभी प्रकार के कल्याण कार्यक्रमों का खंडन किया।

14. 'योग्यतम की अतिजीविता' का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया :

(a) प्लेटो (b) स्पेंसर

(c) रूसो (d) लॉक

P.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(b)

हर्बर्ट स्पेंसर (1820-1903) उन्नीसवीं सदी के ब्रिटिश दार्शनिक और सिद्धांतकार हैं। इन्होंने योग्यतम की अतिजीविता का सिद्धांत प्रतिपादित किया। स्पेंसर की पहली महत्वपूर्ण कृति 'सोशल स्टेटिक्स' (1850) चार्ल्स डार्विन की 'ओरजिन ऑफ स्पिसीज' (1859) से 9 वर्ष पहले प्रकाशित हुई थी। इस तरह स्पेंसर ने अपना विकासवादी सिद्धांत डार्विन से भी पहले रखा था। योग्यतम की विजय या योग्यतम की अतिजीविता (Survival of the fittest) शब्दावली का प्रयोग सर्वप्रथम स्पेंसर ने ही किया था। यद्यपि यह डार्विन के नाम के साथ जुड़ कर प्रसिद्ध हुई। इस प्रकार स्पेंसर ही योग्यतम की अतिजीविता के सिद्धांत का प्रतिपादक है।

15. लेसेज फेयर (Laissez Faire) का क्या अभिप्राय है?

(a) धर्मनिरपेक्ष राज्य (b) समाजवाद

(c) व्यक्ति को अकेला छोड़ दो (d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

आमतौर पर समझा जाता है कि यह पद 18वीं शताब्दी में फ्रांस के एक व्यक्ति जी.सी.एम. बिसेट द गोर्ने की देन है। व्यापार पर लगी अनेक पाबंदियों से तंग आकर एक दिन उनके मुंह से 'लेसेज फेर' (Laissez Faire) अर्थात 'चीजों को अपने हाल पर छोड़ दो' निकल पड़ा। व्यक्तिवादियों ने राज्य के हस्तक्षेप से बचने के लिए 'व्यक्ति को अकेला छोड़ दो' के रूप में इसका प्रयोग किया।

16. ''शक्ति की राजनीति, लोक कल्याण की राजनीति, तकनीकी राजनीति तथा दलीय राजनीति की प्रवृत्ति केंद्रीयकरण की प्रवृत्ति का मुख्य कारण रही है''-किसने कहा?

(a) प्रो.सी.एफ.स्ट्रांग (b) प्रो.के.सी.ह्वीयर

(c) प्रो. लॉस्की (d) जेम्स वाइस

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

प्रो.के.सी.ह्वीयर ने आधुनिक संघीय व्यवस्थाओं में केंद्र के शक्तिशाली होने एवं बढ़ती केंद्रीयकरण की प्रवृत्ति के लिए 'शक्ति की राजनीति, आर्थिक मंदी की राजनीति, लोक कल्याण की राजनीति, तकनीकी राजनीति, एवं दलीय राजनीति' को मुख्य कारण माना है।

17. ''राजनीति विज्ञान शक्ति की रचना और भागीदारी का अध्ययन है।'' यह परिभाषा किसने दी है?

(a) आलमंड एंड पावेल (b) लासवेल व काप्लान

(c) रॉबर्ट ए. डहल (d) गिलक्राइस्ट

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

राजनीति विज्ञान के अध्ययन में व्यवहारवादी क्रांति ने इसकी परम्परागत अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन की पद्धति दोनों में आमूलचूल परिवर्तन ला दिया। इसकी परम्परागत धारणा में राज्य सरकार एवं संस्थाओं का अध्ययन किया जाता था। लेकिन व्यवहारवादी विचारक शक्ति, सत्ता एवं प्रभाव को अध्ययन का केंद्र मानते हैं। ऐसे विचारकों में लासवेल, डहल, कैप्लान आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। लासवेल ने राजनीति शास्त्र की परिभाषा करते हुए लिखा है कि यह ''शक्ति में सहभागी होने और उसका निरूपण (रचना) करने का अध्ययन है।'' इनके अनुसार राजनीतिक क्रिया वह है जो शक्ति के परिप्रेक्ष्य में संपादित की जाए।

18. ''शक्ति विनिश्चयों के निर्माण में सहभागिता है।'' शक्ति की यह परिभाषा किसकी है?

(a) लासवेल (b) आमण्ड

(c) ईस्टन (d) लॉस्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

लासवेल ने अपनी पुस्तक 'पॉवर एण्ड सोसायटी' में शक्ति को परिभाषित करते हुए लिखा कि यह ''निर्णय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।''

19. किसने राजनीति शास्त्र को 'शक्ति के निर्माण एवं साझेदारी के अध्ययन' के रूप में परिभाषित किया है?

(a) कैटलिन
(b) हैंस मार्गेन्थो
(c) चार्ल्स हैगन
(d) हेराल्ड लैसवेल तथा अब्राहम कैपलन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. निम्नलिखित में से किसने इस विचार का समर्थन किया कि ''राजनीतिक शक्ति की अवधारणा राजनीति के अध्ययन की आधारभूत अवधारणा है''?

(a) डेविड एप्टर (b) एलेन बॉल
(c) एमोस (d) लीकॉक

U.P. G.I.C. (आ. प्र.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न में पूछा गया कथन एलेन बॉल का है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''राजनीतिक शक्ति की अवधारणा राजनीति के अध्ययन की आधारभूत अवधारणा है।''

21. आधुनिक राजनीति विज्ञान में 'प्रक्रिया' की संकल्पना किसने दी थी?

(a) डेविड ईस्टन (b) रॉबर्ट डहल
(c) लासवेल (d) आर्थर बेंटले

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

आधुनिक राजनीति विज्ञान में 'प्रक्रिया' की संकल्पना आर्थर बेंटले ने अपनी पुस्तक 'The Process of Government' नामक पुस्तक में सुव्यवस्थित रूप से प्रस्तुत की। बेंटले परम्परागत राजनीति विज्ञान का कड़ा आलोचक था। वह उसे बंजर, औपचारिकतापूर्ण, प्राणहीन, बंधिया और स्थैतिक मानता था। क्योंकि उसमें प्रक्रिया के अध्ययन पर पर्याप्त जोर नहीं दिया था। बेंटले के प्रयास से प्रक्रिया के अध्ययन को व्यवहारवादी राजनीति विज्ञान में अपना लिया गया। अब व्यवस्थापिका तथा न्याय प्रक्रियाएं, निर्णय-निर्माण-प्रक्रिया तथा राजनीतिक प्रक्रिया के अध्ययन पर विशेष बल दिया गया।

22. कैटलिन के अनुसार, राजनीति विज्ञान का विषय-क्षेत्र क्या है?

(a) शक्ति का अध्ययन
(b) सार्वजनिक सहमति का अध्ययन
(c) संघर्ष का तनाव का अध्ययन
(d) मानव-स्वभाव का अध्ययन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

कैटलिन राजनीति शास्त्र को 'शक्ति का विज्ञान' कहते हैं। वे लिखते हैं, ''शक्ति की संकल्पना संभवतः समस्त राजनीति शास्त्र की मूल संकल्पना है''। कैटलिन के अनुसार, राजनीति शास्त्र नियंत्रण की उस स्थिति का अध्ययन है, जो शक्ति प्राप्त करने के लिए एक मूलभूत अज्ञात प्रेरणा के द्वारा निर्धारित होती है।

23. अरस्तू के अनुसार, दासता-

(a) दैवीय दंड का एक रूप है, किंतु हानिकारक है
(b) अप्राकृतिक और अस्थायी है
(c) प्राकृतिक और दैवीय है, किंतु निंदनीय है
(d) प्राकृतिक और लाभप्रद है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

अरस्तू के अनुसार, दासता प्राकृतिक है और यह स्वामी तथा दास दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है। अरस्तू का मानना है कि प्रकृति ने मनुष्यों को दो समूहों में बांटा है, जिन आत्माओं में प्रकृति ने शासन और आदेश मानने का सिद्धांत जमाया है, वे प्राकृतिक दास तथा दूसरे मनुष्य स्वतंत्र होते हैं और शासक के रूप में पैदा होते हैं, उनमें बौद्धिक बल होता है। वे स्वामी होते हैं। इस तरह बौद्धिक असमानता और शारीरिक क्षमता के आधार पर दास-स्वामी का संबंध प्रारंभ हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरस्तू दासता के दो प्रकार- स्वाभाविक दासता तथा वैधानिक दासता बताते हैं।
- अरस्तू दासों को सजीव एवं पारिवारिक संपत्ति मानते हैं।

24. अरस्तू के अनुसार निम्न में से कौन-सा यथार्थवादी और व्यवहारिक राज्य है?

(a) लोकतंत्र (b) कुलीनतंत्र
(c) अभिजात वर्ग (d) राजतंत्र

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

अरस्तू ने शासन तंत्र का जो वर्गीकरण किया है, उसमें 'POLITY' राजतंत्र को श्रेष्ठ शासन प्रणाली माना है। यह प्रणाली यथार्थवादी और व्यवहारिक इसलिए है, क्योंकि इसमें सभी वर्गों के दावों को स्वीकार कर क्रान्ति के अवसरों को कम किया है।

25. अरस्तू की नागरिकता की अवधारणा लागू करने पर-

(a) केवल कुछ भारतवासी भारत के नागरिक, भारत के माने जाएंगे
(b) भारतीय मूल के सभी लोग (PIOs) भारत के नागरिक माने जाएंगे
(c) सभी अनिवासी भारतीय (NRIs) भारतीय नागरिक बनेंगे
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

अरस्तू की नागरिकता की अवधारणा लागू करने पर केवल कुछ भारतवासी भारत के नागरिक, भारत के माने जाएंगे, क्योंकि अरस्तू ने राज्य में निवास करते हुए भी नागरिक न होने की चार दशाएं बतलाई हैं, जो इस प्रकार हैं-

I. किसी राज्य में निवास करने से नागरिकता नहीं मिलती है, क्योंकि स्त्री बच्चे, दास और विदेशी को नागरिक नहीं माना जाता है।

II. किसी पर अभियोग चलाने का अधिकार रखने वाले व्यक्ति को नागरिक नहीं माना जा सकता है, क्योंकि संधि के द्वारा यह अधिकार किसी विदेशी को भी प्राप्त हो सकता है।

III. उन व्यक्तियों को नागरिक नहीं माना जा सकता जिनके माता-पिता दूसरे राज्य के नागरिक हों।

IV. निष्कासित तथा मताधिकार से वंचित व्यक्ति को भी राज्य का नागरिक नहीं माना जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरस्तू ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'पॉलिटिक्स' में राज्य एवं नागरिकता संबंधी विचार प्रकट किया है।
- अरस्तू मकदूनिया के राजकुमार सिकंदर का शिक्षक था।

26. निम्नलिखित में से कौन एक नागरिक समाज की महत्वपूर्ण विशेषता है?

(a) बाध्यकारिता (b) सामीप्य
(c) स्वेच्छा (d) दया

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

नागरिक समाज के संदर्भ में उदारवादी और मार्क्सवादी व्याख्या में अंतर है, फिर भी इसके बाध्यकारी स्वरूप को लेकर दोनों सहमत हैं। उदारवाद में नागरिक समाज की कानूनी संकल्पना को महत्वपूर्ण माना गया है, जिसमें सभी नागरिक कानून का पालन करते हुए मिल-जुलकर रहते हैं। मार्क्सवाद नागरिक समाज की संरचनाओं पर बल देते हैं, जिसके माध्यम से एक वर्ग द्वारा दूसरे वर्ग पर प्रभुत्व स्थापित कर शासन को वैध बनाते हैं।

27. राजनीति विज्ञान में व्यवहारवाद एक प्रवृत्ति थी जिसने-

(a) राजनीति विज्ञान को मानव प्रकृति पर आधारित किया।
(b) राजनीति विज्ञान को प्राकृतिक विज्ञान में बदलने का प्रयास किया।
(c) शक्ति की अवधारणा को प्रक्रिया की अवधारणा के लिए स्वीकार किया।
(d) व्याख्या को प्रतिमानों के लिए प्रतिस्थापित किया।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(a)

राजनीति विज्ञान में व्यवहारवाद एक आंदोलन के रूप में 20वीं सदी में उभरा। इसका मुख्य ध्येय मनुष्य के राजनीतिक व्यवहार को अध्ययन का केंद्र बिन्दु बनाना था, जिससे यह तथ्य प्राप्त हो सके कि विभिन्न परिस्थितियों में मनुष्य किस प्रकार का व्यवहार करता है। इस प्रकार व्यवहारवाद राजनीति विज्ञान को मानव प्रकृति पर आधारित किया। व्यवहारवाद राजनीति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण देने के लिए इसे मूल्य निरपेक्ष बनाया तथा इसके अध्ययन में वैज्ञानिक प्रविधियों का प्रयोग किया। इसका उद्देश्य राजनीति विज्ञान को प्राकृतिक विज्ञान जैसा बनाना था, न कि राजनीति विज्ञान को प्राकृतिक विज्ञान में बदलना था। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

28. व्यवहारवाद की एक महत्वपूर्ण विशेषता है-

(a) परंपरागत दृष्टिकोण
(b) संवैधानिक दृष्टिकोण
(c) अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण
(d) ऐतिहासिक दृष्टिकोण

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

व्यवहारवाद को वैज्ञानिकता के सांचे में ढालने के लिए अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। इस दृष्टिकोण के अंतर्गत राजनीति विज्ञान को विभिन्न विषयों से संबद्ध कर अध्ययन पर बल दिया जाता है।

29. व्यवहारपरक राजनीति विज्ञान का जनक माना जाता है :

(a) डेविड ईस्टन को (b) चार्ल्स मेरियम को
(c) गैब्रियल आमंड को (d) ग्राहम वालास को

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

चार्ल्स ई. मेरियम को व्यवहारवादी राजनीति विज्ञान का बौद्धिक जनक माना जाता है। इन्होंने ही सर्वप्रथम राजनीतिक व्यवहार को राजनीतिक शोध में सम्मिलित करने की बात कही। मेरियम के नेतृत्व में शिकागो विश्वविद्यालय का राजनीति विज्ञान विभाग संचालित किया गया। 1925 में व्यवहारवादी क्रांति का शिकागो विश्वविद्यालय से विधिवत सूत्रपात हुआ। यद्यपि कि राजनीति शास्त्र में इसका व्यापक प्रचलन दूसरे महायुद्ध के बाद ही हुआ। व्यवहारवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने में दो अमेरिकी संगठनों का बड़ा योगदान रहा। ये संगठन अमेरिकन पोलिटिकल साइंस एशोसिएशन और 'सोशल साइंस रिसर्च काउंसिल' थे।

30. इनमें से कौन व्यवहारवाद और उत्तर-व्यवहारवाद का प्रतिपादक है?

(a) जॉर्ज कैटलिन (b) डेविड ईस्टन
(c) लियो स्ट्रॉस (d) चार्ल्स मेरियम

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

व्यवहारवाद और उत्तर-व्यवहारवाद दोनों ही अवधाराणाओं में योगदान देने का श्रेय डेविड ईस्टन को है। जबकि वह उत्तर व्यवहारवाद का प्रतिपादक भी है। व्यवहारवाद को प्रतिपादित करने का श्रेय मेरियम एवं उनके सहयोगियों को दिया जाता है।

31. इनमें से किसने राजनीति विज्ञान के व्यवहारवादी अध्ययन के विकास में योगदान दिया?

(a) डेविड ईस्टन (b) लिपसेट

(c) ग्राहम वालास (d) गैब्रियल आमण्ड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. द्वितीय महायुद्ध के पश्चात व्यवहारवादी विचारधारा को विकसित करने का श्रेय है-

(a) अमरीकी राजनीतिक विचारकों को

(b) रूसी राजनीतिक विचारकों को

(c) एशियाई राजनीतिक विचारकों को

(d) अफ्रीकी राजनीतिक विचारकों को

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात चार्ल्स मेरियम के नेतृत्व में अमेरिकी राजनीतिक विचारकों को व्यवहारवादी विचारधारा को विकसित करने का श्रेय जाता है।

33. निम्नलिखित में से कौन 'व्यवहारवाद' का समर्थक है?

(a) प्लेटो (b) रूसो

(c) टी.एच. ग्रीन (d) डेविड ईस्टन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

व्यवहारवाद के उद्भव विकास और संशोधन में डेविड ईस्टन का महत्वपूर्ण योगदान है। इन्होंने अपनी पुस्तक 'द पालिटिकल सिस्टम' में व्यवहारवाद का व्यापक विश्लेषण किया है।

34. व्यवहारवादी उपागम का जन्म 1940 के दशक में कहां हुआ?

(a) अमरीका (b) ब्रिटेन

(c) फ्रांस (d) जर्मनी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

व्यवहारवादी उपागम का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1940 के दशक में चार्ल्स मेरियम के नेतृत्व में राजनीतिक व्यवहार के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित करने की कोशिशें शुरू हो चुकी थीं।

35. निम्नलिखित में से किस व्यवहारवादी विचारक ने अपने चिंतन में 'मानवीय स्वतंत्रता एवं प्रतिष्ठा' को इरादों (Intention), प्रयोजन (Purpose) और प्रेरणा (Motive) से जोड़ा है?

(a) बी. एफ. स्कीनर (b) डेविड ईस्टन

(c) लियोनार्ड ह्वाइट (d) शूमा

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

प्रसिद्ध व्यवहारवादी विचारक बी.एफ. स्कीनर ने अपने चिंतन में मानवीय स्वतंत्रता एवं प्रतिष्ठा को इरादों (Intention), प्रयोजन (Purpose) और प्रेरणा (Motive) से जोड़ा है।

36. उत्तर-व्यवहारवाद का आधारभूत लक्षण नहीं है-

(a) प्रविधि से पूर्व सार

(b) सामाजिक परिवर्तन पर बल

(c) कर्मनिष्ठ विज्ञान

(d) सामाजिक रूढ़िवादिता की विचारधारा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

उत्तर-व्यवहारवाद ने व्यवहारवाद की तीव्र आलोचना अवश्य की, परंतु उसने परंपरावाद को फिर से स्थापित करने का समर्थन नहीं किया। इसलिए सामाजिक रूढ़िवादिता की विचारधारा उत्तर-व्यवहारवाद का लक्षण नहीं है।

37. उत्तर व्यवहारवाद की सर्वोत्तम व्याख्या की जा सकती है :

(a) व्यवहारवाद के लिए खतरे के रूप में

(b) व्यवहारवादी शोध के प्रसार के रूप में

(c) परम्परावादी दृष्टिकोण की समालोचना के रूप में

(d) संरचनात्मक प्रकार्यवादी दृष्टिकोण के अग्रदूत के रूप में

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उत्तर व्यवहारवाद, व्यवहारवाद के समयानुकूल संशोधन के रूप में अस्तित्व में आया था। अतः न तो यह व्यवहारवाद के लिए खतरा था, न ही व्यवहारवादी शोध को महत्व देता था और न ही पुनः परम्परावादी दृष्टिकोण की स्थापना का प्रयास था।

38. उत्तर-व्यवहारवाद की एक प्रमुख विशेषता है-

(a) परंपरागत दृष्टिकोण

(b) राज्य का अध्ययन

(c) ज्ञान का आधार सुधार नहीं है।

(d) यह प्रतिक्रिया नहीं अपितु क्रांति है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

व्यवहारवाद बदली हुई परिस्थितियों का समाधान नहीं कर पा रहा था। उसकी जड़ता को समाप्त करने और मूल्य सापेक्षता तथा सामाजिक समस्याओं के समाधान में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए उत्तर-व्यवहारवाद क्रांति के रूप में अस्तित्व में आया।

39. निवेश, निर्गम और पुनर्निवेश शब्दों का प्रयोग किसकी व्याख्या में होता है?

(a) अंतरराष्ट्रीय राजनीति की व्याख्या में
(b) राजनैतिक दलों की व्याख्या में
(c) दबाव समूहों की व्याख्या में
(d) राजनैतिक व्यवस्था की व्याख्या में

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

निवेश, निर्गम और पुनर्निवेश शब्दों का प्रयोग राजनैतिक व्यवस्था की व्याख्या करने हेतु होता है। राजनीतिक प्रणाली की संकल्पना आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण की देन है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ किसी भी पर्यावरण में जिस ढांचे के अंतर्गत कोई विशेष प्रक्रिया संपन्न होती है, उसे प्रणाली कहा जाता है।
डेविड ईस्टन ने अपनी नई कृति 'ए फ्रेमवर्क कार पॉलिटिक एनालिसिस' (राजनीतिक विश्लेषण का ढांचा, 1965) में राजनीतिक प्रणाली का वर्णन किया। इसके अनुसार, राजनीतिक प्रणाली को अपने पर्यावरण से जो तत्व प्राप्त होते हैं, उन्हें आगत या निवेश (Inputs) कहते हैं। यह प्रणाली जिन वस्तुओं का उत्पादन या निर्माण करती है, उन्हें निर्गत (Outputs) कहा जाता है। ये निर्गत पर्यावरण बाहरी पर्यावरण में जाकर उसके तत्वों से क्रिया करते हैं, जिससे नए आगत अस्तित्व में जाते हैं और ये आगत पुनर्निवेश के माध्यम से राजनीतिक प्रणाली में वापस चले जाते हैं और इस तरह एक जटिल चक्र पूरा हो जाता है।

40. व्यवहारवाद प्रेरणा लेता है-

(a) फासीवाद से (b) प्रत्यक्षवाद से
(c) उपयोगितावाद से (d) आदर्शवाद से

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

व्यवहारवाद प्रत्यक्षवाद से प्रेरणा लेता है। तार्किक व अनुभव जन्य प्रत्यक्षवाद से किसी व्यक्ति का व्यवहार निर्धारित होता है। प्रत्यक्षवाद वह सिद्धांत है, जो केवल वैज्ञानिक पद्धति (Scientific Method) से प्राप्त ज्ञान को उपयुक्त (Relevant), विश्वस्त (Reliable) और प्रामाणिक (Valid) मानता है। प्रत्यक्षवाद के समर्थक यह मांग करते हैं कि सामाजिक विज्ञानों की सामग्री को प्रामाणिक रूप देने के लिए उसे प्राकृतिक विज्ञानों की पद्धति के अनुरूप ढालना जरूरी है, इसलिए व्यवहारवादी तार्किक प्रत्यक्षवाद से विशेष रूप से प्रभावित थे।

41. उत्तर-व्यवहारवाद की श्रेष्ठ व्याख्या किसने की?

(a) हरोल्ड लॉस्की ने (b) लॉस्वेल ने
(c) चार्ल्स बेल ने (d) डेविड इस्टन ने

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

बीसवीं शताब्दी के अंत में डेविड ईस्टन ने व्यवहारवाद की तत्कालीन प्रवृत्तियों पर प्रबल प्रहार किया और 'उत्तर-व्यवहारवादी क्रांति' का शंखनाद किया।
उत्तर व्यवहारवाद की दो मुख्य मांगें थी- 1. प्रासंगिकता (Relevance) 2. कार्रवाई (Action)।

42. उत्तर-व्यवहारवाद वास्तव में एक क्रांति है, जिसका श्रेय जाता है-

(a) लासवेल को (b) एप्टर को
(c) लुसियन पाई को (d) डेविड ईस्टन को

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. 'फ्रैंकफर्ट स्कूल' ने पूंजीवादी समाज की सांस्कृतिक आलोचना विशेषकर किस बात को लेकर की है?

(a) तकनीकी प्रभुत्व
(b) पूंजीवादी प्रभुत्व
(c) मनोवैज्ञानिक प्रभुत्व
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

'फ्रैंकफर्ट स्कूल' नव-मार्क्सवादी दर्शन का वर्णन करता है, जिसे 1930 के दशक में जर्मनी में विकसित किया गया था। हर्बर्ट मार्क्युजे, एरिक फ्राम और युजेन हैबरमास जैसे विचारकों' ने पूंजीवादी समाज की आलोचना मनोवैज्ञानिक प्रभुत्व के आधार पर की है। पूंजीवाद वर्तमान में शिक्षा, संस्कृति और उदार प्रणाली के आधार पर स्वयं को वैध बनाने का प्रयास कर रहा है, जिसका प्रभाव आर्थिक नहीं, मनोवैज्ञानिक है।

44. इनमें से किसने कहा है, ''राजनीतिक समाज में (मूल्यों का आधिकारिक आवंटन है''?

(a) ए.आर. बाल (b) डेविड ईस्टन
(c) गैब्रियल आमण्ड (d) लिपसेट

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

डेविड ईस्टन ने राजनीति के स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए इसे ''समाज में मूल्यों के आधिकारिक आवंटन के रूप में परिभाषित किया है।''

45. निम्नलिखित में से कौन-सा 'समाज कल्याण' की सही संरचना है?

(a) व्यक्तिगत अधिकार।

(b) व्यक्तिगत अधिकार और सामाजिक हित के मध्य विभाज्य दीवार।

(c) व्यक्ति लोककल्याण के विरुद्ध किसी अधिकार का उपयोग नहीं कर सकता।

(d) सामाजिक हित और कल्याण परम्पराओं से आबद्ध हैं।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

व्यक्ति के निरपेक्ष अधिकारों की संकल्पना को अस्वीकार करते हुए 'समाज कल्याण सिद्धांत' लोक कल्याण के विरुद्ध किसी भी अधिकार को मान्यता नहीं देता। भारतीय संविधान में भी मूल अधिकारों के साथ कुछ उपबन्धों को जोड़कर समाज कल्याण की दृष्टि से निर्बन्धन आरोपित किए गए हैं।

46. 'एक संतुष्ट सुअर से एक असंतुष्ट सुकरात का जीवन श्रेयस्कर है।' यह कथन किसका है?

(a) बेन्थम के सुखवाद से

(b) जे.एस. मिल के व्यक्तिवाद से

(c) अधिकतम हित के उपयोगितावादी दर्शन से

(d) अधिकतम लोगों की गणतंत्रवादी संख्या से

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

जे.एस. मिल ने विभिन्न सुखों में गुणात्मक अंतर को स्पष्ट करने के लिए इस प्रसिद्ध कथन का उल्लेख किया था।

47. किसका विश्वास था कि व्यक्ति अपने पिता की मृत्यु को भूल सकता है, परंतु उसकी संपत्ति की हानि को नहीं भूल सकता?

(a) मैकियावेली (b) बोदाँ

(c) हॉब्स (d) लॉक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

मैकियावेली ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक प्रिंस में शासक को किसी भी नागरिक की संपत्ति छीनने का स्पष्ट विरोध किया है। उपर्युक्त कथन इसी संदर्भ में है।

उदारवाद

1. उदारवाद निश्चित दर्शन बना-

(a) 17वीं शताब्दी में (b) 18वीं शताब्दी में

(c) 19वीं शताब्दी में (d) वर्तमान शताब्दी में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उन्नीसवीं शताब्दी में उदारवाद को निश्चित दर्शन बनाने का श्रेय जे.एस. मिल, एडम स्मिथ एवं हर्बर्ट स्पेंसर जैसे विचारकों को जाता है। उदारवादी विचारक व्यक्तिगत स्वतंत्रता व राज्य की सत्ता को परस्पर विरोधी मानते हैं और इस कारण वे इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि 'सर्वोत्तम राज्य वह है जो न्यूनतम शासन करे।'

2. राज्य की प्रकृति और कार्यों की उदारवादी अवधारणा का सर्वोत्तम प्रतिपादन किसकी रचनाओं में पाया जाता है?

(a) जॉन लॉक (b) कार्ल मार्क्स

(c) बनार्ड बोसांके (d) नार्मन एन्जेल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

जॉन लॉक को उदारवाद का जनक माना जाता है। उदारवाद के विकास में जॉन लॉक की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एम. सेलिगर ने 'द लिबरल पोलिटिक्स ऑफ जॉन लॉक' में लिखा है कि ''लॉक ऐसा पहला राजनीतिक दार्शनिक था, जिसने आधुनिक उदारवाद को चिन्तन की विस्तृत और प्रभावशाली पद्धति के रूप में प्रस्तुत किया।'' लॉक की 'टू ट्रीटिजेस ऑफ सिविल गवर्नमेंट' ऐसी रचना है। जिसमें उदारवादी अवधारणा का सर्वोत्तम प्रतिपादन किया गया है।

3. निम्न में से उदारवाद का जनक किसे माना जाता है?

(a) एडम स्मिथ (b) जेरमी बेंथम

(c) जॉन लॉक (d) हरबर्ट स्पेंसर

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

सत्रहवीं सदी के प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक जॉन लॉक को उदारवाद का जनक माना जाता है। लॉक ने अपनी कृति टू ट्रीटाइजेस आफ सिविल गवर्नमेंट के अंतर्गत राज्यशक्ति के दैवी अधिकार के सिद्धांत का खंडन किया तथा राज्य को 'न्यास' कहा जिसका लक्ष्य लोगों के प्राकृतिक अधिकारों का संरक्षण है।

4. इंग्लिश उदारवाद में समष्टिवादी विद्रोह के प्रणेता थे-

(a) ग्रीन (b) ब्रेडले

(c) बोसांके (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

इंग्लिश उदारवादी परंपरा में आदर्शवाद को स्वीकार्य बनाने का कार्य ग्रीन, ब्रेडले और बोसांके ने किया था। यह नहीं मान लेना चाहिए कि इंलैंड में आदर्शवादी आंदोलन पूर्णरूप से जर्मन आदर्शवाद की ही उपज था। ऑक्सफोर्ड के आदर्शवादियों को कांट और हीगल की अपेक्षा प्लेटो और अरस्तू से भी प्रेरणा मिली थी। इस आंदोलन ने अंग्रेज जनता के सामने विश्व के संबंध में एक आध्यात्मिक धारणा रखी। जिसके आधार पर गीन व अन्य विचारकों ने राज्य के नैतिक जीवन के एक आदर्शवादी सिद्धांत की धारणा रखी।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही वक्तव्य है?

(a) एक कल्याणकारी राज्य का समाजवादी राज्य होना आवश्यक है।

(b) एक पूंजीवादी राज्य भी एक कल्याणकारी राज्य हो सकता है।

(c) एक समाजवादी राज्य एक उदारवादी राज्य हो सकता है।

(d) एक उदारवादी राज्य को उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

एक पूंजीवादी राज्य भी एक कल्याणकारी राज्य हो सकता है। सर्वप्रथम कल्याणकारी राज्य की अवधारणा ब्रिटेन जैसे पूंजीवादी राज्य में ही अस्तित्व में आई। वर्ष 1943 के बेवरिज रिपोर्ट में पांच म्हाबुराइयों अज्ञानता, अभाव नशाखोरी, बीमारी और बेरोजगारी से निपटने के लिए राज्य की भूमिका पर बल दिया गया।

6. नव-उदारवाद के प्रवर्तक कौन थे?

(a) दुर्खीम (b) नोजिक

(c) रॉल्स (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

नव-उदारवाद समकालीन विश्व में अहस्तक्षेप की नीति को फिर से लागू करने की बात करता है। यह कल्याणकारी राज्य को आर्थिक विकास में बाधक मानता है, क्योंकि उसमें प्रतिभाशाली और कर्मठ वर्गों पर भारी कर लगाकर अयोग्य और अकर्मण्य लोगों का पोषण किया जाता है। यह विचारधारा संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन में विशेष रूप से लोकप्रिय हुई। इसके प्रवर्तकों में राबर्ट नोजिक प्रमुख है।

7. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें तथा नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनें-

सूची-I	सूची-II
A. परंपरागत उदारवाद	**1. उत्पीड़क संस्था**
B. उदारवादी आदर्शवाद	**2. आवश्यक भलाई**
C. हीगलवादी आदर्शवाद	**3. आवश्यक बुराई**
D. मार्क्सवाद	**4. नैतिकता व विधिकता की अभिव्यक्ति**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	3	2	4	1
(c)	3	2	1	4
(d)	2	3	4	1

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न में दोनों सूचियों का सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
परंपरागत उदारवाद	आवश्यक बुराई
उदारवादी आदर्शवाद	आवश्यक भलाई
हीगलवादी आदर्शवाद	नैतिकता व विधिकता की अभिव्यक्ति
मार्क्सवाद	उत्पीड़क संस्था

8. निम्न में से कौन नव-उदारवाद का प्रमुख तर्क नहीं है?

(a) बाजार संसाधनों का सर्वोत्तम इस्तेमाल करता है।

(b) वरण के परास को मजबूत करने के लिए सक्षमकार संसाधन व्यक्तियों और समूहों को प्रदान किए जाने चाहिए।

(c) एक योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था अकुशल और अपव्ययी होती है।

(d) निजी क्षेत्र के प्रभुत्व वाली किसी अर्थव्यवस्था का उत्पादन और प्रयोग में ज्ञान और प्रौद्योगिकी का विनियोजन अव्यवहित और अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी होता है।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

नव-उदारवाद राज्य के कार्य-क्षेत्र को फिर से समेटने (Rolling Back the State) के लिए मुक्त बाजारवाद तथा मुक्त बाजार समाज का समर्थन करता है। समकालीन विश्व में नव-उदारवाद की प्रेरणा से तीन नीतियों को अपनाया जा रहा है, उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण। नव-उदारवाद एक बार फिर से 'अहस्तक्षेप की नीति' (Laissez–Faire) का समर्थन करता है तथा बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था की बात करता है। यह संसाधनों को बाजार के हवाले करने का पक्षधर है न कि व्यक्तियों व समूहों को।

9. राजनीतिक क्षेत्र में उदारवाद द्वारा निवेदन किया गया-

(a) सामाजिक सुधारों के लिए

(b) नि:शुल्क चिकित्सा सहायता के लिए

(c) विचार, अभिव्यक्ति, भाषण, लेखन और प्रकाशन की स्वतंत्रता के लिए

(d) नि:शुल्क शिक्षा के लिए

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास के लिए उदारवाद सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में प्रासंगिक स्वतंत्रताओं की मांग करता है। राजनीतिक क्षेत्र में विचार, अभिव्यक्ति, भाषण, लेखन और प्रकाशन की स्वतंत्रता को उदारवाद अपरिहार्य मानता है।

10. निम्नलिखित में से कौन नव-उदारवाद से संबंधित है?

(a) एफ.ए. हायक (b) मिल्टन फ्रायडमैन

(c) रोबर्ट नौजिक (d) उपरोक्त सभी

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

आधुनिक समय में नव-उदारवाद ने उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण को बढ़ावा दिया है। इस विचारधारा ने राज्य की भूमिका को सीमित करने की सिफारिश की है और राज्य की नकारात्मक भूमिका 'रात्रि प्रहरी' राज्य पर बल दिया है। एफ.ए. हयेक, आइजिया बर्लिन, मिल्टन फ्रीडमैन और राबर्ट नौजिक इस विचार के प्रमुख समर्थक हैं।

11. ''अनियंत्रित बाजार आधारित पूंजीवाद का परिणाम होगा- कार्यकुशलता, उत्पादन वृद्धि तथा व्यापक संपन्नता।'' यह विश्वास जुड़ा है-

(a) नव उदारवाद के साथ (b) नव अनुदारवाद के साथ

(c) नव मार्क्सवाद के साथ (d) इनमें से किसी के साथ नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

'' अनियंत्रित बाजार आधारित पूंजीवाद का परिणाम होगा- कार्यकुशलता, उत्पादन वृद्धि तथा व्यापक संपन्नता।'' यह विश्वास नव उदारवाद के साथ जुड़ा हुआ है। नव उदारवाद वास्तव में शास्त्रीय उदारवाद की नकारात्मक उदारवादी धारा को पुनर्स्थापित करता है। यह राज्य के हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए बाजार आधारित अर्थव्यवस्था का समर्थन करता है। फ्रेडरिक हेयक व मिल्टन फ्रीडमैन प्रमुख नव उदारवादी सिद्धांतकार हैं। हेयक ने अपनी कृति 'रोड टू सर्फडम' (दासता के पथ पर) में लिखा है कि निर्देशित अर्थव्यवस्था व्यक्तियों के अव्यक्त ज्ञान का उतना उपयोग नहीं कर सकती, जितना बाजार अर्थव्यवस्था कर सकती है। इसके अनुसार आर्थिक नियोजन का रास्ता सर्वाधिकारवाद की ओर ले जाता है।

मिल्टन फ्रीडमैन ने 'कैपटिलिज्म एंड फ्रीडम' में लिखा है कि 'पूंजीवाद स्वतंत्रता की आवश्यक शर्त है। पूंजीवाद जिसमें निजी उद्यम को स्वतंत्र विनियम का पूरा अवसर हो व्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए अनिवार्य है।

12. आर्थिक क्षेत्र में व्यक्तिवाद का महान समर्थक कौन है?

(a) बेंथम (b) हरबर्ट स्पेंसर

(c) लॉस्की (d) एडम स्मिथ

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

आर्थिक क्षेत्र में व्यक्तिवाद को एडम स्मिथ ने अपनी कृति ''वैल्थ ऑफ नेशंस'' के द्वारा स्थापित किया। इन्हें अर्थशास्त्र का जनक भी माना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- आर्थिक क्षेत्र में अहस्तक्षेप के सिद्धांत का समर्थन करते हुए इन्होंने तर्क दिया कि यदि बाजार व्यवस्था को कोई हस्तक्षेप न किया जाए तो उसमें संतुलन की स्वाभाविक प्रवृत्ति दिखाई देगी।
- इससे पूंजीपति के लाभ के साथ-साथ आम खुशहाली में वृद्धि होगी।
- इनके अनुसार सरकार के मुख्यतः दो कार्य हैं (1) राज्य की रक्षा, (2) न्याय प्रशासन।
- इनके अनुसार जब सरकार समाज के भीतर किसी विशेष श्रेणी या समुदाय को विशेषाधिकार प्रदान करके आर्थिक जीवन के विनियमन का प्रयत्न करती है तब वह न केवल अन्याय, और अत्याचार को बढ़ावा देती है, बल्कि आर्थिक इष्टसिद्धि में भी बाधा डालती है।

13. किसने कहा था कि राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए?

(a) प्लेटो (b) मार्क्स

(c) एडम स्मिथ (d) लॉक

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

नकारात्मक स्वतंत्रता के समर्थक/विचारक एडम स्मिथ ने राज्य को आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का समर्थन किया। एडम स्मिथ ने आर्थिक क्षेत्र में निजी स्वामित्व के सिद्धांत का समर्थन करते हुए 'अहस्तक्षेप का सिद्धांत' प्रतिपादित किया। इसके अनुसार, व्यक्ति की आर्थिक गतिविधियों में राज्य का हस्तक्षेप न होने पर मनुष्य में कार्य करने की प्रेरणा अधिक होगी जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति अधिक से अधिक संपदा उत्पन्न करेगा और वह अंततः समाज के हित में होगी। स्मिथ के अनुसार ''सच्ची स्वतंत्रता वाणिज्य से ही संभव है।''

14. निम्नलिखित में से कौन विकास के परंपरागत दृष्टिकोण से संबंधित नहीं है?

(a) फ्रैड्रिक लिस्ट (b) स्मिथ

(c) रिकॉर्डो (d) माल्थस

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

जर्मन अर्थशास्त्री फ्रेड्रिक लिस्ट विकास के परंपरागत सिद्धांत से संबंधित नहीं थे। इन्होंने एडम स्मिथ की आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्र की समृद्धि पूंजी पर आधारित नहीं है, बल्कि यह उत्पादक शक्ति की योग्यता के विकास पर आधारित है।

15. संपत्ति के अधिकार की मांग किसने की?

(a) मार्क्सवाद (b) उदारवाद

(c) समाजवाद (d) गांधीवाद

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

उदारवाद के प्रणेता जॉन लॉक ने जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना और कहा कि इन्हीं अधिकारों की सुरक्षा के लिए राज्य की उत्पत्ति हुई और उसका अस्तित्व बना हुआ है। लॉक इन अधिकारों में सबसे महत्त्वपूर्ण 'संपत्ति के अधिकार' को मानता है।

16. 'उदारवाद का जनक' किसे कहा जाता है?

(a) टी.एच.ग्रीन (b) हेगेल

(c) कार्ल मार्क्स (d) जॉन लॉक

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. ग्रीन के संपत्ति के संदर्भ में विचार छाप रखते हैं-

(a) आदर्शवाद का (b) व्यक्तिवाद का

(c) उदारवाद का (d) सभी का

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

राज्य के संबंध में ग्रीन के विचार आदर्शवादी होने के पश्चात भी संपत्ति के संबंध में उनके विचार उदारवादी हैं। अन्य उदारवादी विचारकों की भांति ग्रीन भी संपत्ति के अधिकार को व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक मानते हैं। व्यक्तिवाद या नकारात्मक उदारवाद के विपरीत वह संपत्ति के अधिकार को सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़कर देखते हैं।

18. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : 'सकारात्मक उदारवाद' राज्य को करने के लिए कुछ कार्य सौंपता है।

कारण (R) : वह संपूर्ण समाज के 'सामाजिक कल्याण' की अभिवृद्धि का दायित्व राज्य को सौंपता है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

सकारात्मक उदारवाद राज्य की भूमिका का विस्तार चाहता है। राज्य की परंपरागत भूमिका 'पुलिस राज्य' के स्थान पर सामाजिक समस्याओं के मामलों में सक्रिय हस्तक्षेप सकारात्मक उदारवाद की विशेषता है। ग्रीन, लॉस्की, आर.एच. टॉबी, हॉबहाउस जैसे- विचारक इस धारणा के समर्थक हैं।

साथ ही साथ यह भी आवश्यक है कि राज्य उन्हीं मामलों में हस्तक्षेप करे, जिनका संबंध सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों से है। व्यक्ति के व्यक्तिगत मामलों में राज्य का हस्तक्षेप अनुचित है। अतः उपर्युक्त प्रश्न का कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या भी है।

19. 'सामाजिक अभियांत्रिकी' का सिद्धांत' प्रस्तुत करने वाले उदारवादी विचारक हैं-

(a) सी. बी. मैकफर्सन (b) कार्ल जे. पॉपर

(c) जॉन रॉल्स (d) एल. टी. हॉब हाऊस

P.G.T. परीक्षा, 2005

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

'सामाजिक अभियांत्रिकी का सिद्धांत' (Social Engineering Theory) कार्ल पॉपर ने प्रस्तुत किया था। कार्ल पॉपर को राजनीतिक चिंतन और व्यवहार के क्षेत्र में वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करने के लिए जाना जाता है। अपनी कृति 'द ओपेन सोसाइटी एंड इट्स एनिमीज' के अंतर्गत पॉपर ने विशेष रूप से तीन विचारकों की मान्यताओं पर प्रहार किया। ये तीन विचारक प्लेटो, हेगेल व मार्क्स हैं। पॉपर ने 'पद्धति वैज्ञानिक व्यक्तिवाद' (Methodological Individualism) तथा 'उत्तरोत्तर परिवर्तन का सिद्धांत' (Theory of Incremental Change) भी प्रतिपादित किया।

20. निम्नांकित में से कौन एक उदारवाद की मूल मान्यता नहीं है?

(a) अधिकारों की प्राप्ति राज्य में ही संभव है।

(b) राज्य एक मानव निर्मित संस्था है।

(c) व्यक्ति साध्य है और राज्य साधन है।

(d) राज्य की सत्ता का आधार व्यक्ति की सहमति है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

'अधिकारों का प्राप्ति राज्य में ही संभव है', यह मान्यता आदर्शवादियों की है। कांट, हीगल, फिक्टे, ग्रीन ब्रेडले और बोसांके जैसे आदर्शवादी विचारक राज्य को सर्वोच्च संस्था मानते हुए मनुष्य के लिए स्वाभाविक और आवश्यक मानते हैं। शेष अन्य विकल्प में दिए गए तथ्य उदारवाद की मूल मान्यता से संबंधित हैं।

21. 'एक राजनीतिक सिद्धांत के रूप में उदारवाद दो पृथक तत्वों का मिश्रण है। इसमें से एक लोकतंत्र है और दूसरा व्यक्तिवाद।' यह कथन किसका है?

(a) मैक्गवर्न (b) लूथर
(c) लॉस्की (d) डनिंग

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

लोकतंत्र और व्यक्तिवाद को मैक्गवर्न ने उदारवाद में अंतर्निहित दो पृथक तत्वों का मिश्रण कहा है।

22. राज्य के बारे में यांत्रिक दृष्टिकोण उत्तरदायी है-

(a) आदर्शवाद के विकास के लिए
(b) उदारवाद के विकास के लिए
(c) मार्क्सवाद के विकास के लिए
(d) समाजवाद के विकास के लिए

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

राज्य के बारे में यांत्रिक दृष्टिकोण व्यक्तिवादियों का है, जिनकी मान्यता है कि राज्य स्वाभाविक या प्राकृतिक संस्था नहीं है। राज्य का निर्माण लोगों ने अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया है। लोक जैसे विचारकों ने सामाजिक समझौते का सिद्धांत देकर उदारवाद के विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

23. निम्नलिखित में से किसका उदारवाद से मेल नहीं है?

(a) बुर्जुआ राज्य (b) प्रतिनिधि सरकार
(c) लोक कल्याणकारी राज्य (d) सीमित सरकार

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

बुर्जुआ राज्य एक मार्क्सवादी धारणा है, जो पूंजीपतियों द्वारा स्थापित राज्य को व्यक्त करती है, यह उदारवाद से संबंध नहीं रखता। प्रतिनिधि सरकार, लोक कल्याणकारी राज्य व सीमित सरकार आदि सभी उदारवाद की विशेषताएं हैं।

24. कौन सिद्धांत राज्य के 'रात्रि के पहरेदार की भूमिका' का ही समर्थन करता है?

(a) कल्याणकारी राज्य का सिद्धांत
(b) उदारवादी सिद्धांत
(c) समाजवादी सिद्धांत
(d) आदर्शवादी सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उदारवादी सिद्धांत राज्य के यांत्रिक सिद्धांत का समर्थन करता है। इस दृष्टिकोण के अनुसार राज्य एक आवश्यक बुराई है। राज्य का निर्माण सब व्यक्तियों ने मिलकर सबके व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से किया है। अतः राज्य साधन है और व्यक्ति साध्य हैं, इसके अनुसार मनुष्य विवेकशील प्राणी है। अतः प्रत्येक व्यक्ति अपने हित का सर्वोत्तम निर्णायक हैं राज्य को व्यक्तियों के स्वैच्छिक गतिविधियों में कम-से-कम हस्तक्षेप करना चाहिए। इसी आधार पर यह सिद्धांत राज्य के 'रात्रि के पहरेदार की भूमिका' का ही समर्थन करता है।

25. उदारवाद का मौलिक सिद्धांत है-

(a) वैयक्तिक स्वतंत्रता (b) सामाजिक न्याय
(c) समानता (d) राष्ट्रवाद

T.G.T. परीक्षा, 2004
P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

उदारवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सबसे महत्वपूर्ण मानता है। इसके अनुसार, व्यक्ति के उन कार्यों पर कोई प्रतिबंध नहीं होना चाहिए, जिनका संबंध केवल उसके ही अस्तित्व से हो। व्यक्तिवादी विचारकों ने इस स्वतंत्रता का समर्थन किया है। मिल ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता का समर्थन करते हुए कहा है कि ''मानव समाज को केवल आत्मरक्षा के उद्देश्य से ही, किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता में व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से हस्तक्षेप करने का अधिकार हो सकता है। अपने ऊपर, अपने शरीर, मस्तिष्क और आत्मा पर व्यक्ति संप्रभु है।'' उदारवाद का मूल तत्व वैयक्तिक स्वतंत्रता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- उदारवाद की मुख्य मान्यताएं निम्न हैं-
- मनुष्य विवेकशील प्राणी है।
- व्यक्ति के हित एवं सामान्य हित में कोई बुनियादी टकराव नहीं है।
- व्यक्ति को कुछ प्राकृतिक अधिकार प्राप्त हैं।
- नागरिक समाज एक कृत्रिम उपकरण है, जिसका ध्येय मनुष्यों का हित साधन है।
- उदारवाद केवल सांविधानिक शासन को ही मान्यता देता है।
- इसके अनुसार, व्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई भी प्रतिबंध केवल इस आधार पर लगाया जा सकता है कि वह दूसरों को वैसी ही स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए आवश्यक हो।
- उदारवाद अनुबंध की स्वतंत्रता में विश्वास करता है।
- इसके अनुसार, सार्वजनिक नीति व्यक्तियों और समूहों की स्वतंत्र सौदेबाजी का परिणाम होना चाहिए।

इस प्रकार उदारवाद की संपूर्ण अवधारणा में वैयक्तिक स्वतंत्रता का महत्वपूर्ण स्थान है।

26. मानव विवेक में आस्था निम्न में से किस विचारधारा में है?

(a) समाजवाद में (b) उदारवाद में

(c) वैज्ञानिक समाजवाद में (d) फासीवाद में

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. उदारवाद का मूल तत्व है-

(a) वैयक्तिक स्वतंत्रता (b) मिश्रित अर्थव्यवस्था

(c) पंथ निरपेक्षता (d) समानता

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. निम्नांकित में से कौन उदारवाद का तत्व नहीं है?

(a) समाज का समाजवादी ढांचा (b) स्वतंत्रता

(c) मुक्त व्यापार (d) स्वतंत्र बाजार अर्थव्यवस्था

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उदारवादी राजनीतिक व्यवस्थाओं में स्वतंत्रता, मुक्त व्यापार और स्वतंत्र बाजार अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है। समाज का समाजवादी ढांचा मिश्रित अर्थव्यवस्था वाले देशों, जैसे कि भारत में पाया जाता है इस व्यवस्था के अंतर्गत राज्य को सार्वजनिक कल्याण की दृष्टि में रखते हुए वैयक्तिक स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप करने का अधिकार होता है।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य का उदारवादी सिद्धांत है?

(a) उपयोगितावाद (b) व्यावसायिक समूहवाद

(c) श्रेणी समाजवाद (d) फासीवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

उपयोगितावाद राज्य का उदारवादी सिद्धांत है। इस विचारधारा के प्रमुख समर्थक बेंथम और जॉन स्टुअर्ट मिल ने राज्य के कार्यों को नकारात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। ये विचारक व्यक्ति के मामलों में कम-से-कम हस्तक्षेप का समर्थन करते हैं। 'अधिकतम लोगों का अधिकतम सुख' उपयोगितावाद का हृदय वाक्य है। राज्य का कार्य इस प्रकार होना चाहिए, जिससे अधिकतम लोगों को खुशी प्राप्त हो सके।

30. कथन A– 'सकारात्मक उदारवाद' राज्य को कुछ कार्य सौंपता है।
कथन R –वह संपूर्ण समाज का 'सामाजिक कल्याण' राज्य को सौंपता है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है, किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(c) (A) सही है परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है परंतु (R) सही है।

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(b)

सकारात्मक उदारवाद राज्य को ऐसे कार्य सौंपता है, जिससे व्यक्ति की सार्वजनिक सिद्धि में सहायता पहुंचे। सकारात्मक उदारवाद के अनुसार, राज्य के हाथों में ऐसे कार्य होने चाहिए, जिससे समाज का कल्याण हो तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता में आने वाली बाधाएं दूर हों। सकारात्मक उदारवाद को विकसित करने का श्रेय टी.एच.ग्रीन एवं बर्नार्ड बोसांके को जाता है।

31. सकारात्मक उदारवाद निकटस्थ है-

(a) लोकतांत्रिक समाजवाद के (b) राष्ट्रीय समाजवाद के

(c) श्रेणी समाजवाद के (d) संशोधनवादी समाजवाद के

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

सकारात्मक उदारवाद, लोकतांत्रिक समाजवाद के निकटस्थ है। लोकतांत्रिक समाजवाद में व्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ-साथ राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया गया है। दोनों ही अवधारणाओं में यह स्वीकार किया जाता है कि राज्य को मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था को इस ढंग से विनियमित किया जाए कि निर्धन और निर्बल वर्गों को अपेक्षित सहायता पहुंचाई जा सके।

32. व्यक्ति के 'स्वहित' की सर्वोत्तम रक्षा होती है-

(a) अराजकतावाद में (b) गांधीवाद में

(c) मार्क्सवाद में (d) उदारवाद में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

उदारवाद में 'स्वहित' की सर्वोत्तम रक्षा होती है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, मनुष्य विवेकशील प्राणी है। अतः प्रत्येक व्यक्ति अपने हित का निर्णायक है। भिन्न-भिन्न व्यक्ति अपने हित को ध्यान में रखकर स्वेच्छा और परस्पर सहमति से जो अनुबंध करें, राज्य को उनमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। दूसरे शब्दों में राज्य को व्यक्तियों की स्वैच्छिक गतिविधियों में कम-से-कम हस्तक्षेप करना चाहिए।

33. उदारवाद किसका हित चाहता है?

(a) अभिजात्य वर्ग का (b) धनवानों का

(c) निर्धनों का (d) सब का

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(b)

उदारवाद के प्रणेता लॉक ने व्यक्तियों के प्राकृतिक अधिकारों में से सबसे महत्वपूर्ण अधिकार 'संपत्ति के अधिकार' को माना। लॉक प्रारंभिक उदारवादी विचारक के रूप में संपत्ति का उत्पादन करने, संरक्षित करने, व्यापार-व्यवसाय करने का अधिकार व्यक्ति को देता है। उदारवाद की इस प्रवृत्ति से धनवानों का हित होता है क्योंकि लॉक के अनुसार, राज्य को व्यक्ति की 'संपत्ति के अधिकार' में आने वाली बाधाओं को खत्म करना चाहिए।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित है?

(a) उदारवाद मिश्रण है लोकतंत्र व व्यक्तिवाद का

(b) उदारवाद मिश्रण है साम्यवाद व व्यक्तिवाद का

(c) उदारवाद मिश्रण है समाजवाद व बाहुलवाद का

(d) उदारवाद मिश्रण है व्यक्तिवाद व मार्क्सवाद का

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

उदारवाद को 'लोकतंत्र व व्यक्तिवाद का मिश्रण' कहा जाता है। उदारवाद में व्यक्ति की वैयक्तिकता को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। उदारवाद शासन पद्धति के रूप में लोकतंत्र को स्वीकार करता है, जो संवैधानिक व सीमित सरकार के द्वारा शासन करती है। कोयरनर (Koemer) के अनुसार ''उदारवाद की शुरूआत और अंत दोनों वैयक्तिक स्वतंत्रता, वैयक्तिक मानवाधिकार एवं वैयक्तिक मानवीय खुशी से होता है।''

35. इनमें से आधुनिक उदारवादी राज्य की कौन-सी विशेषता नहीं है?

(a) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव

(b) जनता को मूल अधिकार

(c) एक से अधिक राजनीतिक दल

(d) राज्य द्वारा आर्थिक नियोजन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

'राज्य द्वारा आर्थिक नियोजन' समाजवादी राज्य की विशेषता है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव, जनता को मूल अधिकार, एक से अधिक राजनीतिक दल आदि आधुनिक उदारवादी राज्य की विशेषता है। इसके अतिरिक्त आधुनिक उदारवादी राज्य की विशेषताएं निम्नलिखित हैं-
I. वैयक्तिक अस्तित्व को पहचान, II. वैयक्तिक तार्किकता में विश्वास, III. स्वातंत्राता को प्रामुखता, IV. राज्य साधन तथा व्यक्ति साध्य, V. संवैधानिक एवं सीमित सरकार, VI. लोकतंत्र को समर्थन, VII. सेकुलरिज़्म में विश्वास, VIII. बहुलवादी समाज।

36. आधुनिक उदारवाद का लक्ष्य है-

(a) श्रमिक वर्ग के हितों की रक्षा

(b) पूंजीपतियों के हितों की रक्षा

(c) मध्यम वर्ग के हितों की रक्षा

(d) समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

आधुनिक उदारवाद अर्थात सकारात्मक उदारवाद का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करना है। आधुनिक उदारवाद राज्य के अहस्तक्षेपवादी सिद्धांत का खंडन करते हुए नागरिकों के कल्याण के लिए राज्य की सकारात्मक भूमिका के महत्व पर प्रकाश डालता है। जे.एस. मिल, टी.एच. ग्रीन, एच.जे. लॉस्की, आर.एच. टॉनी तथा एल. टी. हॉबहाउस इस अवधारणा के प्रमुख प्रतिपादक हैं।

37. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं। एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : उदारवाद राज्य के कार्य क्षेत्र को सीमित करना चाहता है।

कारण (R) : उदारवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर बल देता है।

उपर्युक्त दोनों वक्तव्यों के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा एक सही है?

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, और (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उदारवाद राज्य की भूमिका को नकारात्मक ढंग से अभिव्यक्त करता है। इस अवधारणा की यह मान्यता है कि व्यक्ति की स्वतंत्रता तथा राज्य की सत्ता परस्पर विरोधी वस्तुएं हैं। राज्य की भूमिका केवल 'प्रहरी-राज्य' की है। वह सरकार सबसे अच्छी है, जो कम-से-कम शासन करे। हालांकि सकारात्मक उदारवाद नागरिकों के कल्याण के लिए राज्य की सक्रियता का समर्थक है, परंतु यहां पर राष्ट्रीय उदारवाद को ही प्रमुखता प्राप्त है। राज्य की इस प्रकार की भूमिका का निहितार्थ है व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में स्वतंत्रता। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

38. इंग्लैंड में लॉर्ड बेवरिज प्रतिवेदन ने जिस राज्य की अवधारणा को प्रकट किया था, वह था-

(a) उदारवादी राज्य (b) पंथनिरपेक्ष राज्य

(c) समाजवादी राज्य (d) कल्याणकारी राज्य

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(d)

दिसंबर, 1942 में इंग्लैंड में आधुनिक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा 'लॉर्ड विलियम बेवरिज प्रतिवेदन' (Lord William Beveridge Report) के माध्यम से प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट के माध्यम से पांच महा बुराइयों का अंत करने के लिए राज्य द्वारा कदम उठाने को कहा गया। ये पांच बुराइयां- कमी, बीमारी, अज्ञानता, गंदगी तथा आलस्य हैं। यह रिपोर्ट सरकार से नागरिकों को पर्याप्त आय, पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा, पर्याप्त शिक्षा, पर्याप्त आवास तथा पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने की मांग करती है।

39. निम्न में कौन यह जानता है कि आधुनिक उदारवादी प्रजातांत्रिक राज्य एक औद्योगिक राज्य बन गया है?

(a) गैल्ब्रेथ (b) मैकफर्सन

(c) कीन्स (d) रूजवेल्ट

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(a)

समकालीन अमेरिकी अर्थशास्त्रवेत्ता जॉन कैनेथ गैल्ब्रेथ ने अपनी पुस्तक 'द न्यू इंडस्ट्रियल स्टेट' (नया औद्योगिक राज्य) (1971) के अंतर्गत यह तर्क दिया कि आधुनिक उदारवादी प्रजातांत्रिक राज्य एक औद्योगिक राज्य बन गया है। गैल्ब्रेथ ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'द एफ्लुएंट सोसायटी' के अंतर्गत निजी सुसंपन्नता (Private Affluence) और सार्वजनिक दरिद्रता के सह अस्तित्व की बात की है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ब्रिटिश अर्थशास्त्री 'जॉन मेनार्ड कीन्स' ने 1930 के दशक की आर्थिक मंदी से दुनिया को उबारने में मदद की। वर्ष 1936 में कीन्स की पुस्तक 'द जनरल थियरी ऑफ इम्प्लॉयमेंट, इन्ट्रेस्ट एंड मनी' (The General Theary of Employment Interest and Money) प्रकाशित हुई। कीन्स ने 'मैक्रोइकोनॉमिक्स' के क्षेत्र में योगदान दिया।
- अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने 'न्यू डील' को लागू किया था।
- सी. बी. मैकफर्सन' स्वत्वमूलक व्यक्तिवाद' (Possessive Individualism) के जनक माने जाते हैं।

40. किस राजनीतिशास्त्री ने सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक विभेदीकरण, आर्थिक परिवर्तन व राजनीतिक परिवर्तन को आधुनिकीकरण की विशेषताएं माना है?

(a) एस.एन. आइसेंस्टाट (b) एडबर्ड शिल्स

(c) रुडोल्फ (d) डेविड एप्टर

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

एम.एन. आइसेंस्टाट ने आधुनिकीकरण की विशेषताएं मानी हैं-

सामाजिक गतिशीलता

सामाजिक विभेदीकरण

आर्थिक परिवर्तन

राजनीतिक परिवर्तन

41. 'अहस्तक्षेप की नीति' किसकी विशेषता है?

(a) श्रेणी समाजवाद (b) समाजवाद

(c) सकारात्मक उदारवाद (d) नकारात्मक उदारवाद

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(d)

'अहस्तक्षेप की नीति', नकारात्मक उदारवाद की विशेषता है। यह व्यक्ति की स्वतंत्रता में राज्य के किसी भी तरह के हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करता है। नकारात्मक उदारवाद 16 वीं से 18 वीं सदी के बीच विकसित अवधारणा है जिसके प्रमुख प्रतिपादक विचारक जॉन लॉक, एडम स्मिथ एवं रिकार्डो हैं। इसके अनुसार, राज्य एक आवश्यक बुराई है तथा आर्थिक व सामाजिक क्षेत्र में राज्य की न्यूनतम भूमिका होनी चाहिए, यह व्यक्ति के प्राकृतिक अधिकारों में विश्वास रखता है, जिसमें संपत्ति का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण है।

42. लोक कल्याणकारी राज्य आवश्यक रूप से संश्लेषण है-

(a) साम्यवाद और आदर्शवाद का

(b) समाजवाद और साम्यवाद का

(c) उदारवाद और समाजवाद का

(d) व्यक्तिवाद और फासीवाद का

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

कल्याणकारी राज्य में उदारवाद से 'स्वतंत्रता' तथा समाजवाद से 'कल्याण' का विचार ग्रहण करके दोनों को इस प्रकार मिश्रित किया है कि यह 'पुलिस राज्य' व 'संपूर्ण राज्य' दोनों का अद्भुत मिश्रण जैसा दिखाई देता है। एक ओर यह लोगों को विचार, अभिव्यक्ति व्यवसाय आदि की अनिवार्य स्वतंत्रताओं की प्रत्याभूति प्रदान करता है, जबकि दूसरी ओर यह निर्धनता, अज्ञानता, व्याधि, भूख आश्रयाभाव जैसी सामाजिक-आर्थिक बुराइयों को समाप्त करने की नीति अपनाता है।

43. किसने कहा है कि कल्याणकारी राज्य ''वह राज्य है जो अपने नागरिकों के लिए व्यापक समाज सेवाओं की व्यवस्था करता है''?

(a) जी.डी.एच. कॉल (b) एच.जे. लॉस्की

(c) अब्राहम (d) टी.डब्ल्यू. केन्ट

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

टी.डब्ल्यू. केंट कल्याणकारी राज्य की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि वह अपने नागरिकों के लिए व्यापक सामाजिक सेवाओं की व्यवस्था करता है। राज्य का प्राथमिक उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा है।

44. निम्नलिखित में से कौन कल्याणकारी राज्य का समर्थक था ?

(a) लेनिन (b) बेंथम

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) जे.एस. मिल

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(c)

जवाहरलाल नेहरू इंग्लैंड के फेवियन समाजवादी विचारों से प्रभावित थे। उनका विश्वास लोकतांत्रिक समाजवाद में था तथा वे कल्याणकारी राज्य में भी विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने एक भाषण में लोक कल्याणकारी राज्य को परिभाषित करते हुए कहा था, ''सबके लिए समान अवसर प्रदान करना, अमीरों और गरीबों के बीच अंतर मिटाना और जीवन स्तर को ऊपर उठाना लोक हितकारी राज्य के आधारभूत तत्व हैं।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इन्साइक्लोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज के अनुसार, ''लोक कल्याणकारी राज्य का तात्पर्य एक ऐसे राज्य से है, जो अपने सभी नागरिकों को न्यूनतम जीवन स्तर प्रदान करना अपना अनिवार्य उत्तरदायित्व समझता है।''
- टी.डब्ल्यू. केन्ट के अनुसार ''लोक हितकारी राज्य वह राज्य है जो अपने नागरिकों के लिए व्यापक समाज सेवाओं की व्यवस्था करता है।''
- डॉ. अब्राहम के अनुसार, ''कल्याणकारी राज्य वह है जो अपनी आर्थिक व्यवस्था का संचालन आय के अधिकाधिक समान वितरण के उद्देश्य से करता है।''
- डी.एल. हॉबमैन के अनुसार, ''कल्याणकारी राज्य दो अतिथियों में एक समझौता है जिसमें एक तरफ साम्यवाद है, तो दूसरी तरफ अनियंत्रित व्यक्तिवाद''।

45. कल्याणकारी राज्य वस्तुतः मिश्रण है-

(a) समाजवाद और साम्यवाद का

(b) साम्यवाद और आदर्शवाद का

(c) व्यक्तिवाद और फासीवाद का

(d) उदारवाद और समाजवाद का

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उदारवाद और समाजवाद दोनों संकल्पनाओं का समावेश कल्याणकारी राज्य में पाया जाता है। उदारवाद की भांति इसमें भी व्यक्ति स्वातंत्र्य को महत्व दिया गया है। साथ ही राज्य की भूमिका को समाज के कमजोर एवं शोषित वर्ग के लिए सकारात्मक पहल के रूप में विश्लेषित किया गया है।

46. 'कल्याणकारी' सिद्धांत विश्वास करता है कि राज्य-

(a) न माध्यम है न उद्देश्य है। (b) एक उद्देश्य है।

(c) एक माध्यम है। (d) एक अवयव है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

कल्याणकारी सिद्धांत राज्य को एक माध्यम मानता है। इसका मुख्य फल लोगों की अनिवार्य स्वतंत्रताओं के साथ बिना छेड़छाड़ के लोगों को कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। लार्ड विलियम वेवरिज ने वर्ष 1943 में एटली की लेबर पार्टी की सरकार में रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिसमें पांच बड़ी बुराइयों, जैसे- बीमारी, बेरोजगारी, अज्ञानता, भुखमरी तथा आश्रयाभाव के उन्मूलन में राज्य की सकारात्मक भूमिका की कामना की।

47. ''लोक-कल्याणकारी राज्य वह है जो अपने नागरिकों के लिए सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है।'' यह कथन किसका है?

(a) मैकाइवर का (b) अब्राहम का

(c) लॉस्की का (d) काण्ट का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(*)

कल्याणकारी राज्य वर्तमान समय में बहुत प्रचलित शब्द बन गया है। आज प्रत्येक राज्य अपने आपको कल्याणकारी राज्य के रूप में घोषित करता है। कल्याणकारी राज्य की परिभाषा देते हुए टी. डब्ल्यू केंट ने कहा है कि ''कल्याणकारी राज्य वह है, जो अपने नागरिकों के लिए दूरगामी सामाजिक सेवाओं की व्यवस्था करता है।'' लोक—कल्याणकारी राज्य के बारे में हॉबमैन ने लिखा है कि ''कल्याणकारी राज्य साम्यवाद और व्यक्तिवाद के बीच एक समझौता है।'' इनका विश्वास है कि अपनी अपूर्णताओं के बावजूद कल्याणकारी राज्य हर मानवीय और प्रगतिशील समाज के लिए नमूना पेश करता है। ज्ञातव्य है कि लॉस्की भी कल्याणकारी राज्य के समर्थक हैं। यहां यदि विकल्प काण्ट के स्थान पर केंट का उल्लेख होता तो विकल्प (d) सही उत्तर होता।

48. कल्याणकारी राज्य वस्तुतः मिश्रण है-

(a) समाजवाद और साम्यवाद का

(b) उदारवाद और समाजवाद का

(c) व्यक्तिवाद और फासीवाद का

(d) साम्यवाद और आदर्शवाद का

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. लोक-कल्याणकारी राज्य अनिवार्यतः एक संश्लेषण है-

(a) उदारवाद तथा समाजवाद का
(b) समाजवाद तथा साम्यवाद का
(c) साम्यवाद तथा आदर्शवाद का
(d) व्यक्तिवाद तथा आदर्शवाद का

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. फ्रांसिस फुकुयामा के अनुसार-

(a) पश्चिमी उदारवाद की निर्णायक विजय हो गयी है
(b) आतंकवाद की निर्णायक विजय होगी
(c) उदारवाद प्रति-आतंकवाद में परिवर्तित हो जाएगा
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

पूर्व सोवियत संघ के विघटन तथा शीत युद्ध की समाप्ति (जिसमें पश्चिमी उदारवादी विचारधारा तथा सोवियत संघ की साम्यवादी विचारधारा के बीच संघर्ष चल रहा था) के बाद फ्रांसिस फुकुयामा ने अपने पुस्तक 'The End of History and the Last Man' में यह विचार व्यक्त किया कि अब पश्चिमी उदारवाद की निर्णायक विजय हो गई है।

अराजकतावाद

1. राज्य के सावयविक होने पर किस वर्ग का विश्वास था?

(a) आदर्शवादियों का (b) समाजवादियों का
(c) सम्विदावादियों का (d) धर्मतांत्रिकों का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

राज्य के सावयविक होने पर आदर्शवादियों का विश्वास था, आदर्शवाद के समर्थक कान्ट, हेगल, बोसांके आदि।

2. निम्नलिखित में से किस विचारधारा का उद्देश्य राजनीति का आध्यात्मीकरण है?

(a) मार्क्सवाद (b) समाजवाद
(c) सर्वोदय (d) बहुलवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

सर्वोदय का उद्देश्य राजनीति का आध्यात्मीकरण है। सर्वोदय शब्द का प्रयोग गांधीजी ने सबसे पहले 'रॉस्किन' की पुस्तक 'Unto the Last' के हिंदी रूपांतर के शीर्षक के लिए किया था। गांधीजी का ध्येय एक ऐसी नवीन समाज-व्यवस्था का निर्माण करना था जो कि सत्य और अहिंसा पर आधारित हो, जिसमें मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण न हो, विषमता के स्थान पर समानता, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और संघर्ष के स्थान पर सद्भावना और प्रेम का साम्राज्य हो।

3. निम्नलिखित में से कौन अराजकतावादी नहीं था?

(a) क्रोपोत्किन (b) बाकुनिन
(c) गांधीजी (d) सुभाषचन्द्र बोस

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

सुभाषचन्द्र बोस अराजकतावादी नहीं थे। सुभाष जी समाजवाद के समर्थक थे, परंतु उन्होंने परम्परावादी मार्क्सवाद को अंगीकार नहीं किया। उनकी हिंदू आध्यात्मवादी दर्शन की तत्वशास्त्रीय धारणाओं में इतनी गहरी आस्था थी कि मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद उनकी आत्मा को कभी संतोष नहीं दे सकता था। क्रोपोत्किन, बाकुनिन और गांधी अराजकतावादी थे।

4. ''संपत्ति चोरी है'' किसने कहा था?

(a) हॉब्स (b) लेनिन
(c) मार्क्स (d) प्रूधो

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(d)

फ्रांसीसी विचारक प्रूधों अराजकतावादी विचारक है। इसने अपनी कृति 'What is Property' में कहा है कि ''संपत्ति चोरी है।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वह सिद्धांत जिसके अनुसार किसी भी तरह की सरकार अनावश्यक या अवांछनीय है, अराजकतावाद कहलाता है।
- अराजकतावादी विचारकों का मानना है कि मनुष्य मूलतः विवेकशील, निष्कपट और न्याय परायण प्राणी है। यदि समाज सही ढंग से संगठित हो, तो किसी प्रकार के बल प्रयोग की जरूरत नहीं होगी। ऐसी हालत में सरकार निरर्थक हो जाएगी।
- प्रूधों ने संपत्ति को चोरी माना तथापि साम्यवाद का भी खंडन किया।
- प्रूधों ने व्यक्ति की स्वाधीनता के अधिकार के समर्थन में यह तर्क दिया कि व्यक्ति को निजी संपत्ति की एक निश्चित मात्रा आवश्यक है। मनुष्य को अपने आवास, व्यवसाय इसके अलावा अपने परिवार के निर्वाह के लिए बुनियादी आवश्यकता की वस्तुएं प्राप्त होनी चाहिए। अर्थात एक निश्चित मात्रा से अधिक संपत्ति रखना चोरी है।

5. गांधीजी फासीवादी अराजकतावादी विचारक थे-

(a) टी.एच. ग्रीन की तरह

(b) टॉल्सटाय की तरह

(c) लॉस्की की तरह

(d) इनमें से किसी की भी तरह नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

गांधीजी फासीवादी अराजकतावादी नहीं थे, वे लियो टॉलस्टाय की भांति एक दार्शनिक अराजकतावादी थे। उनकी मान्यता थी कि अहिंसा पर आधारित नवीन सामाजिक व्यवस्था में एक केंद्रीकृत और बाध्यकारी राज्य के लिए कोई स्थान न होगा। गांधीजी की प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से राज्य-विरोधी थी। फासीवादी राज्य को सर्वशक्तिशाली बनाना चाहते थे। अतः उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सही उत्तर है।

6. निम्नांकित में से कौन-सा गांधी की राजनीति के प्रतिरूप (मॉडल) का लक्षण नहीं है?

(a) नीति आचार (b) धर्म

(c) मानवता (d) सत्ता

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

गांधीजी सत्ता की राजनीति के विरोधी थे। वे राजनीति को मानवता की सेवा का आधार बनाना चाहते थे। धर्म को राजनीति के साथ मिलाने का गांधीजी का उद्देश्य राजनीति के नैतिक आधार को पुष्ट करना था। वे मैकियावलीय राजनीति को मनुष्य के व्यक्तित्व के लिए घातक मानते हुए राज्य रूपी सत्ता के नियंत्रण के पक्ष में थे।

7. निम्नलिखित में से कौन-सा एक महात्मा गांधी की होम रूल की संकल्पना जिसकी 'हिंद स्वराज' में रूप रेखा दी गई है, भाग नहीं है?

(a) आत्म निर्भरता (b) संसदीय शासन

(c) सामाजिक सुधार (d) ग्राम गणराज्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

'हिंद स्वराज्य' गांधीजी की महत्वपूर्ण रचना है। इसमें सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सुधारों की व्यापक रूपरेखा का वर्णन किया गया है। संसदीय शासन गांधीजी के लिए आलोच्य विषय था, इस शासन प्रणाली को उन्होंने बांझ और वेश्या तक कह डाला था। हिंद स्वराज्य में उन्होंने संसदीय शासन के स्वरूप की चर्चा नहीं की थी।

8. निम्नलिखित सिद्धांतों में से महात्मा गांधी द्वारा किसका प्रतिपादन नहीं किया गया?

(a) न्यासिता का सिद्धांत (b) पंचायती राज

(c) केंद्रीकरण का सिद्धांत (d) अहिंसा का सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

न्यासिता का सिद्धांत, पंचायती-राज और अहिंसा का सिद्धांत गांधीजी के केंद्रीय विषय थे। जिनका प्रतिपादन समय-समय पर अपने लेखों के माध्यम से किया था। केंद्रीयकरण के सिद्धांत के स्थान पर उन्होंने लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का समर्थन किया था। ग्राम स्वराज की अवधारणा लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण पर आधारित है, जिसका संचालन पंचायती राज्य व्यवस्था की स्थापना द्वारा ही संभव है।

9. ''दुनिया में प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन है, न कि उसके लालच के लिए।'' उपर्युक्त कथन किसके नाम से जाना जाता है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) माओत्से तुंग

(c) महात्मा गांधी (d) हो ची मिन्ह

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

गांधीजी का मानना था कि मनुष्य को भौतिक वस्तुओं का उतना ही उपभोग करना चाहिए जितना की उसके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए अनिवार्य हो इससे सभी की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकेगी। इसी संदर्भ में इनका कथन है कि ''इस धरती पर इतने संसाधन तो है जिनसे सबकी अनिवार्य आवश्यकताएं पूरी हो सकें, परंतु इतने संसाधन नहीं हैं जिनसे किसी की लालसा की शांति की जा सके।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गांधीजी पश्चिमी सभ्यता को शैतानी सभ्यता कहते हैं, क्योंकि यह उपभोक्तावाद का रास्ता दिखाकर नैतिकपतन की ओर ले जाती है।
- गांधी ने सर्वोदय तथा न्यास धारिता का सिद्धांत प्रस्तुत किया, जिसके अनुसार पूँजीपति उत्पादन के साधनों को संपूर्ण समाज की धरोहर मानकर उनका प्रयोग केवल लोक कल्याण के लिए करें, निजी लाभ के लिए नहीं जिससे सबका उदय (सर्वोदय) हो सके।

10. अराजकतावाद है-

(a) राज्य का समर्थक

(b) राज्य के विरुद्ध

(c) व्यक्ति का समर्थक

(d) राज्य व व्यक्ति का समर्थक

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

अराजकतावाद वह सिद्धांत है, जो मानव समाज की सारी बुराइयों को दूर करने हेतु अराजकता (Anarchy) अर्थात् राज्य या राज्य शक्ति (State Power) के अंत का समर्थन करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अराजकतावादियों के प्रहार का मुख्य लक्ष्य तो राज्य है परंतु साधारपतया वे किसी भी तरह की सामाजिक, आर्थिक, तथा धार्मिक सत्ता का खंडन करते हैं और मनुष्यों के मध्य स्वैच्छिक सहयोग और परस्पर सहायता पर बल देते हैं। वे बल-प्रयोग एवं निजी संपत्ति का विरोध करते हैं।
- अराजकतावादी राज्य के अंत का समर्थन करते हैं, किंतु यह कैसे किया जाए एवं उसके बाद कैसी व्यवस्था स्थापित की जाए इस पर उनके विभिन्न दृष्टिकोण हैं जिनमें साम्यवाद, स्वेच्छातंत्रवाद (Libertarianism) और गांधीवाद आते हैं।

फासीवाद

1. आधुनिक तानाशाही ने जन्म दिया है : निम्न में सही कथन चुनिए।

(a) सर्वसत्तावादी राज्य को (b) सामूहिक नेतृत्व को
(c) बहुमत के शासन को (d) मूल्य आधारित समाज को

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

आधुनिक तानाशाही ने दो रूपों को जन्म दिया, इनमें से फासीवाद और नाजीवाद प्रमुख हैं। मुसोलिनी ने लिखा है ''राज्य की फासिस्ट संकल्पना में सब कुछ समा जाता है। इसके बाहर किन्हीं मानवीय या आध्यात्मिक मूल्यों का अस्तित्व संभव ही नहीं है।'' सर्वाधिकार के अंतर्गत नागरिकों की समस्त गतिविधियों पर राज्य का नियंत्रण बना रहता है। नाजीवाद के प्रतिपादक एडोल्फ हिटलर के विचार भी सर्वाधिकारवाद को पुष्ट करते हैं।

2. 'जन लोकतांत्रिक अधिनायकवाद' का विचार किसने दिया?

(a) माओ (b) मार्क्स
(c) स्टालिन (d) कौटस्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख माओ जेडोंग ने अपनी प्रमुख रचना 'ऑन द प्यूपिल डेमोक्रेटिक डिक्टेटरशिप' में जन लोकतांत्रिक अधिनायकवाद का विचार दिया।

3. ''सभी कुछ राज्य के अंदर है, राज्य के विरुद्ध और बाहर कुछ नहीं है।'' किसने कहा है?

(a) हीगल (b) हिटलर
(c) ग्रीन (d) मुसोलिनी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

फासीवाद एक सर्वशक्तिमान राज्य का समर्थन करता है। राज्य की सत्ता परम असीमित तथा अविभाज्य है इसी संदर्भ में मुसोलिनी ने कहा ''राज्य के बाहर कुछ नहीं, इसके विरूद्ध कुछ नहीं, इसके ऊपर कुछ नहीं। ''राज्य के हित के सामने व्यक्ति का हित गौण है, इसी प्रकार त्रीत्सके ने भी कहा है कि ''दण्डवत होकर राज्य की पूजा करनी चाहिए।''

4. ''जिसे जीना है उसे युद्ध करना होगा।'' यह कथन किसका है?

(a) सिकंदर महान का (b) मुसोलिनी का
(c) माओत्से तुंग (d) हिटलर का

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

हिटलर ने कहा था कि ''अविराम युद्ध से ही मानव जाति की उन्नति हुई है। जिसे जीना है उसे युद्ध करना होगा। सदा के लिए शांति की स्थापना से मानव जाति गर्त में चली जाएगी।'' एक अन्य स्थान पर हिटलर ने कहा है कि ''युद्ध सदाबहार तथा विश्वव्यापी है युद्ध जिंदगी है। हर संघर्ष युद्ध है, हर चीज की उत्पत्ति युद्ध के माध्यम से हुई है।''

5. आधुनिक समय में बल सिद्धांत के बलिष्ठ समर्थक थे-

(a) लेनिन (b) हिटलर
(c) विंस्टन चर्चिल (d) महात्मा गांधी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

शक्ति की राजनीति का समर्थन करते हुए हिटलर का मानना था कि युद्ध करते-करते ही जातियां महान बनती हैं, सर्वकालिक शांति उनका विनाश कर देगी।

6. नाजीवाद का जनक था/थी?

(a) इंदिरा गांधी (b) मुसोलिनी
(c) हिटलर (d) लेनिन

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

जर्मनी के नेता एडोल्फ हिटलर ने अपने साम्राज्यवादी, प्रजातिवादी और लोकतंत्र विरोधी कार्यक्रम के पक्ष में जो तर्क प्रस्तुत किए उन्हें 'नाजीवाद' की संज्ञा दी गई। नाजीवाद को फासीवाद का ही एक प्रकार माना जाता है।

7. निम्न में से हिटलर ने किसकी वकालत की?

(a) नाजीवाद (b) फैसिजम्
(c) लोकतंत्र (d) अराजकतावाद

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. ''अस्थायी अधिनायकवाद के स्थायी और सुस्थापित अत्याचारपूर्ण व्यवस्था बन जाने की संभावना सदा बनी रहती है।'' यह कथन किसका है?

(a) के.सी. व्हीयर (b) गार्नर

(c) विलियम एण्ड्रूज (d) बार्कर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

उपरोक्त कथन के.सी. व्हीयर का है। के.सी. व्हीयर अपनी पुस्तक मॉडर्न कांस्टीट्यूशन में चेतावनी देते हुए लिखते हैं कि शासक वर्ग युद्ध या आपात की स्थितियों में शक्ति को अपने हाथों में केंद्रित कर लेते हैं, उसे स्थायी बनाकर अत्याचारपूर्ण व्यवस्था में बदल लेते हैं। इसी संदर्भ में इन्होंने लिखा है कि ''अस्थायी अधिनायकवाद के स्थायी एवं सुस्थापित अत्याचारपूर्ण व्यवस्था बन जाने की संभावना रहती है।''

9. निम्नलिखित में से फासीवाद की विशेषता कौन नहीं है?

(a) फासीवाद एक सर्वशक्तिसंपन्न राज्य का समर्थन करता है।

(b) इसमें जातीय सर्वोच्चता पर बल दिया जाता है।

(c) यह महामानव पूजा और विशेष वर्ग में विश्वास करता है।

(d) यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों में पूरी निष्ठा रखता है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

फासीवाद अंतरराष्ट्रीयता एवं शांति का विरोधी है। अतः यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों में निष्ठा नहीं रखता।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

फासीवादी चिंतन की निम्न विशेषताएं हैं :-

- यह विचारधारा का विरोधी है एवं इसका कोई क्रमबद्ध दर्शन नहीं है। यह कार्य प्रधान आंदोलन है एवं व्यावहारिक है।
- यह सर्वाधिकारवादी अवधारणा है एवं राज्य को सर्वोच्च एवं सर्वशक्तिमान संस्था मानती है।
- यह समाजवाद एवं साम्यवाद विरोधी है।
- यह तर्क एवं बुद्धि विरोधी है।
- यह महामानव पूजा तथा विशिष्ट वर्ग में विश्वास करता है।
- यह लोकतंत्र विरोधी है।
- यह हिंसा एवं युद्ध का समर्थक है।
- यह उग्र राष्ट्रवाद का समर्थक है।
- यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता विरोधी है।
- यह क्रांति विरोधी विचारधारा है।
- यह व्यक्तिवाद एवं उदारवाद विरोधी है।
- यह अर्थव्यवस्था पर राज्य नियंत्रण का समर्थक है।
- यह अंतरराष्ट्रीयता एवं शांति का विरोधी है।

10. निम्नलिखित में से कौन सर्वाधिकारवादी राज्य में विश्वास करता है?

(a) उदारवाद (b) समाजवाद

(c) फासीवाद (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. फासीवाद निम्नलिखित में से किसको महिमामंडित करता है?

(A) हिंसा **(B) युद्ध**

(C) नेता **(D) क्रांति**

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

(a) A, B और C (b) B, C और D

(c) A, C और D (d) B और D

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

फासीवाद हिंसा, युद्ध एवं नेता को महिमामंडित करता है।

12. फासीवाद निम्नलिखित में से किस एक सिद्धांत का समर्थन नहीं करता?

(a) समाज की निगमवादी समझ (b) प्रजातीय उत्कृष्टता

(c) सर्वहारा की तानाशाही (d) आज्ञापालन तथा अनुशासन

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

फासीवाद, साम्यवाद एवं समाजवाद का विरोधी है, अतः यह सर्वहारा की तानाशाही का समर्थन नहीं करता है।

13. फासीवाद के 'फासीस' शब्द का अर्थ है-

(a) प्राचीन रोम के अधिकारियों की शक्ति के प्रतीक के रूप में डंडों का समूह

(b) पोप का मुकुट

(c) पवित्र रोमन सम्राट की बाइबिल

(d) रोम के मुख्य चर्च की घंटी

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

फासीवाद के 'फासीस' शब्द का अर्थ प्राचीन रोम के दंडाधीशों (Magistrates) की शक्ति के प्रतीक के रूप में डंडों का समूह है। इसे सार्वजनिक शक्ति का प्रतीक माना जाता था। इसे दंडाधीशों (Magistrates) के सेवक उठाकर चलते थे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अंग्रेजी के 'फासिज्म' (Fascism) शब्द की उत्पत्ति इतालवी शब्द फासियो (Fascio) से हुई है, जिसका अर्थ है 'डंडों का गट्ठर जो कुल्हाड़े की मूठ के चारों ओर लाल फीते से बंधा होता है।

- प्रथम विश्वयुद्ध (1914-19) के दौरान यह डंड समूह इटली के हित में जीने-मरने वाले लोगों के संगठन का सूचक था।
- फासियो की स्थापना मुसोलिनी के नेतृत्व में वर्ष 1915 में मिलान शहर में की गई थी।
- साम्यवाद से लड़ने के लिए इसका पुनर्गठन वर्ष 1919 में किया गया।

14. फासीवाद का जन्म हुआ था-

(a) ब्रिटेन में (b) इटली में
(c) जर्मनी में (d) रूस में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

फासीवाद का जन्म प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इटली में हुआ जब मुसोलिनी के नेतृत्व में वर्ष 1915 में मिलान में पहले 'फासियो' की स्थापना की गई।

15. फासीवाद का जन्म किस देश में हुआ?

(a) अमेरिका (b) भारत
(c) इंग्लैण्ड (d) इटली

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. ''अंतरराष्ट्रवाद'' का विरोध किया-

(a) व्यक्तिवाद ने (b) उदारवाद ने
(c) फासीवाद ने (d) गांधीवाद ने

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. फासीवाद के संबंध में सही युग्म की पहचान कीजिए।

(a) इटली-मुसोलिनी (b) जर्मनी-मुसोलिनी
(c) इटली-हिटलर (d) जर्मनी-हिटलर

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. फासीवाद का जन्म कहां हुआ है?

(a) चीन (b) जापान
(c) इटली (d) जर्मनी

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. 'फासिज्म' किस भाषा से लिया गया है?

(a) अंग्रेजी (b) फ्रेन्च
(c) लैटिन (d) ग्रीक

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

अंग्रेजी के 'फासिज्म' (Fascism) शब्द की उत्पत्ति इतालवी शब्द फासियों (Fascio) से हुई है, जो मूलतः लैटिन भाषा के शब्द फासेस (Fasces) से उद्भूत है।

20. इटली में फासीवादी का उदय परिणाम था-

(a) पुनर्जागरण का (b) प्रथम विश्व युद्ध का
(c) नेपोलियानिक युद्ध का (d) औद्योगिक क्रांति का

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

फासिस्ट आंदोलन के प्रारंभिक दौर में मुसोलिनी का ध्येय केवल सत्ता को अपने हाथ में लेना था, किंतु प्रथम विश्व युद्ध के बाद की परिस्थितियों में मुसोलिनी ने अपना दृष्टिकोण बदला और वर्ष 1926 के बाद उसकी सरकार का स्वरूप अधिनायक तंत्रीय हो गया।

21. किसने कहा "आदमी के लिए युद्ध वही है जो औरत के लिए मातृत्व है"?

(a) कार्ल मार्क्स (b) हीगल
(c) मुसोलिनी (d) लेनिन

P.G.T. परीक्षा, 2000, 2002, 2004

उत्तर–(c)

फासीवाद युद्ध को मानवता का विरोधी नहीं बल्कि राज्यों की सेहत बनाने वाला व्यायाम मानता है। मुसोलिनी ने कहा है कि ''युद्ध राज्य के लिए वैसा ही है जैसा कि नारी के लिए मातृत्व।'' शांति का नारा उत्साहहीन कमजोर तथा नपुंसक देश देते है। युद्ध की आग में तपकर ही शक्तिशाली राष्ट्र सोना बनते हैं।

22. ''जैसे मातृत्व महिला के लिए है उसी तरह युद्ध पुरुष के लिए है।'' यह किसने कहा है?

(a) हिटलर (b) लेनिन
(c) मुसोलिनी (d) माओ

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. ''मेरा प्रोग्राम (कार्यक्रम) कार्य है बात नहीं'' यह कथन किसका है?

(a) मार्क्स (b) स्टालिन
(c) मुसोलिनी (d) गांधी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

फासीवाद एक सुनिश्चित एवं स्पष्ट सिद्धांत के रूप में 'नहीं' उभरा। यह एक कार्यक्रम के रूप में सामने आया। मुसोलिनी ने स्वयं कहा है कि ''हम निश्चित सिद्धांतों में विश्वास नहीं रखते। फासीवाद वास्तविकता पर आधारित है। हम निश्चित तथा वास्तविक उद्देश्य प्राप्त करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य काम करना है, बात करना नहीं। देश काल की परिस्थितियों के अनुसार हम कुलीनतंत्रीय और जनतंत्रीय, रूढ़िवादी और प्रगतिवादी, प्रतिक्रियावादी और क्रांतिकारी तथा कानूनी और गैर-कानूनी बन सकते हैं। इस प्रकार फासीवाद का कोई निश्चित सिद्धांत नहीं है।

24. जर्मनी में हिटलर ने किस प्रकार के शासन की स्थापना की?

(a) लोकतंत्र (b) तानाशाही
(c) कुलीनतंत्र (d) राजतंत्र

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

हिटलर ने जर्मनी में तानाशाही अर्थात अधिनायकतंत्र की स्थापना की। तानाशाह शब्द का प्रयोग साधारणतः ऐसे संदर्भ में करते हैं, जहां कोई व्यक्ति अपने विलक्षण नेतृत्व-लोकप्रियता या सैन्य संगठन की निष्ठा के बल पर सांविधानिक व्यवस्था को धराशायी करके पूर्ण सत्ता पर अपना अधिकार स्थापित कर लेता है।

25. नाजियों द्वारा किस पुस्तक को अपना बाइबिल माना गया?

(a) दास कैपिटल (b) वार एंड पीस
(c) मीन कैम्फ (d) कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

जर्मनी में नाजियों द्वारा, हिटलर की पुस्तक मीनकैम्फ (Mein Kampf) (अर्थ-मेरा संघर्ष) को बाइबिल माना गया था। यह पुस्तक हिटलर की आत्मकथा के साथ-साथ उसकी राजनीतिक विचार धारा और जर्मनी के बारे में उसकी योजनाओं का वर्णन है। जर्मनी के लैंड्सवर्ग जेल में बन्द हिटलर ने 1923 में बोलना शुरू किया, जिसे हिटलर का सहायक रूडोल्फ हेस लिखता गया। इस पुस्तक का सम्पादन रूडोल्फ हेस ने ही किया था।

26. निम्नलिखित में से किसने 'फासीवाद के सिद्धांत' का वर्णन, इस रूप में किया है कि वह समाजवाद का राष्ट्रवादी रूप है?

(a) मार्टिन हैडेगर (b) जॉर्जेज सोरेल
(c) एल्फ्रेडो रोक्को (d) रूडोल्फ जेलेन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

एल्फ्रेडो रोक्को ने फासीवाद के सिद्धांत का वर्णन इस रूप में किया है कि वह ''समाजवाद का राष्ट्रवादी रूप है।'' रोक्को इटली में लंबे समय तक राष्ट्रवादियों का नेता था। वह इटली में नए गठबंधन सरकार में न्यायमंत्री (Minister of Justic) था। उपरोक्त परिभाषा को उसने 1925 में चैम्बर ऑफ डिपुटीज के समक्ष भाषण देते हुए कहा था कि समाजवाद का राष्ट्रीय वर्जन प्रत्येक लोगों में खुशी लाएगा।

27. फासीवादियों के अनुसार जनतंत्र का सर्वाधिक वास्तविक रूप निम्न में से किसके द्वारा चलाई जाने वाली सरकार में पाया जाता है?

(a) अभिजात वर्ग (b) जंगखोर
(c) जनतंत्रवादी (d) अराजकतावादी

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

फासीवाद समानता विरोधी और विशिष्ट वर्ग के सिद्धांत तथा नेतृत्व पूजा में विश्वास रखते हैं। इनके अनुसार, फ्रांस के पश्चात लोकतंत्रवाद आया पर वह वास्तविक रूप में जनता के शासन की स्थापना न कर सका। इनके अनुसार लोकतंत्र में शक्ति कुछ चतुर और स्वार्थी लोगों के हाथों में केंद्रित हो जाती है। इसीलिए ये लोकतंत्र को भ्रष्ट, काल्पनिक तथा अव्यावहारिक शासन व्यवस्था मानते हैं।

फासीवाद के प्रमुख सिद्धांत-

- विचारधारा का अभाव
- बुद्धिवाद के खिलाफ
- अंधराष्ट्रवाद
- युद्ध प्रेम
- सर्वशक्तिमान राज्य
- विशिष्ट वर्ग में विश्वास
- हिंसा को महत्व
- समाजवाद, साम्यवाद तथा लोकतंत्र विरोधी।

28. 'फासीवाद' ने राज्य को माना है-

(a) एक आवश्यक बुराई
(b) वर्ग विरोध की असमाधेयता का परिणाम और अभिव्यक्ति
(c) व्यक्तियों पर एक निरंकुश शक्ति
(d) परिवार और गांवों का एक ऐसा संगठन जिसका उद्देश्य, पूर्ण और आत्मनिर्भर होना है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

फासीवाद ने राज्य को व्यक्तियों पर निरंकुश शक्ति माना है। इसके अनुसार राज्य सर्वशक्तिमान तथा निरंकुश है। इसकी मान्यता है कि सब कुछ राज्य के अंदर है, राज्य के बाहर तथा राज्य के विरुद्ध कुछ भी नहीं है। यह उदारवाद एवं लोकतंत्र का घोर विरोधी है। यह निगमित राज्य में विश्वास करता है। यह मानव को राज्य पर कुर्बान कर देता है तथा मानव अधिकारों को मान्यता नहीं देता। इसके अनुसार राज्य साध्य है तथा नागरिक साधन है।

29. निम्नांकित में से कौन-सी विशेषता फासीवाद में पाई जाती है?

(a) प्रजातंत्र का विरोधी है (b) राज्य को साधन मानता है

(c) समाजवाद का पोषक है (d) अंतरराष्ट्रीय शांति का अग्रदूत है

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

फासीवाद प्रजातंत्र का विरोधी है। फासीवाद का मानना है कि फ्रांसीसी क्रांति के बाद लोकतंत्रवाद आया और वास्तविक रूप से जनता के शासन की स्थापना न कर सका। लोकतंत्र में सत्ता कुछ चतुर और स्वार्थी लोगों के हाथों में केन्द्रित हो गई। इसलिए फासीवाद लोकतंत्र को भ्रष्ट, काल्पनिक तथा अव्यावहारिक शासन व्यवस्था मानता है। फासीवाद प्रजातंत्र की तुलना शव से करता है। ये संसद को 'बातों की दुकानें' तथा बहुमत के शासन को उलूकों की व्यवस्था कहकर उपहास उड़ाते हैं। मुसोलिनी प्रजातंत्र की व्याख्या इस प्रकार करते हैं'' यह समय-समय पर लोगों को जनता की संप्रभुता का झूठा आभास देती रहती है, जबकि वास्तविक तथा प्रभावशाली संप्रभुता अदृश्य, गुप्त तथा अनुत्तरदायी हाथों में रहती है।''

30. फासीवाद विश्वास करता है कि-

(a) राज्य दल से श्रेष्ठ है

(b) दल राज्य से श्रेष्ठ है

(c) राज्य और दल दोनों एक-दूसरे से अलग हैं

(d) राज्य और दल एक ही हैं

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

फासीवाद के अनुसार राज्य दल से श्रेष्ठ है। फासीवाद शब्द का प्रयोग उस सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक व्यवस्था के रूप का वर्णन करने के लिए किया जाता है, जो मुसोलिनी के नेतृत्व में 1922 में इटली में स्थापित हुई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यह राज्य को सर्वशक्तिमान, सर्वोच्च तथा नैतिक इकाई मानता है।
- यह उदारवाद तथा लोकतंत्र का घोर विरोधी है।
- यह निगमित राज्य (Corporate State) में विश्वास रखता है।
- इसके अनुसार राज्य साधन है, व्यक्ति साध्य है।

प्रजातंत्र

1. विकास का नव-शास्त्रीय सिद्धांत आवश्यक हो गया।

(a) 19वीं शताब्दी में तकनीकी और शास्त्रीय खोजों के कारण

(b) यूरोप में कामगारों की स्थिति में तेजी से गिरावट के कारण

(c) मार्क्स की शिक्षाओं से क्रांति के भय के कारण

(d) उपर्युक्त सभी के कारण

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

नवशास्त्रीय सिद्धांत के विकास में उपर्युक्त सभी कारणों ने योगदान दिया है।

2. यह वक्तव्य किसने दिया कि ''जनमत की निरंतर प्रक्रिया ही लोकतंत्र की गतिशीलता है''?

(a) डेविड ह्यूम (b) जे. ब्राइस

(c) आर.एम. मैकाइवर (d) सी.एच. कूले

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

मैकाइवर ने कहा है कि ''जनमत की निरंतर प्रक्रिया ही लोकतंत्र की गतिशीलता है।''

3. एम.एन. रॉय द्वारा विकसित विचार को जाना जाता है-

(a) उग्र मानवतावाद (b) लोकतांत्रिक मानवतावाद

(c) लोकतांत्रिक साम्यवाद (d) लोकतांत्रिक समाजवाद

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

एम.एन. रॉय भारतीय पुनर्जागरण का प्रसार करना चाहते थे। जिसका उद्देश्य 'उग्र मानवतावाद के विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करना था। ये देश और विदेशों में 'उग्र मानवतावाद' के जनक के रूप में विख्यात हुए। 1931 में 'स्वतंत्र भारत' नामक साप्ताहिक पत्रिका निकाली। 1949 में उसका संशोधित नाम 'रेडिकल ह्यूमिनिस्ट' रख दिया। अथ मानवतावाद पूर्ववर्ती और समकालीन सभी विचारकों से भिन्न था।

4. एम.एन. रॉय के संगठित लोकतंत्र में अंतिम शक्ति निहित है-

(a) राजनीतिक दलों में

(b) लोगों में

(c) चुने हुये लोकप्रिय स्थानीय समिति में

(d) विशिष्ट वर्ग में

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

एम.एन. रॉय ने सच्चे लोकतंत्र के लिए राजनीतिक दलों की कार्यपद्धति को ठुकरा दिया और दल प्रणाली को समाप्त करने की बात की। सार्वजनिक मामलों में जनसाधारण को अधिकाधिक भाग लेना होगा। रॉय ने इस प्रकार के लोकतंत्र को 'संगठित लोकतंत्र' कहा। इस प्रकार के शासन में सर्वोच्च शिखर पर बैठा कोई व्यक्ति आदेश नहीं देगा बल्कि शक्ति जनता की स्थानीय समितियों के हाथों में होगी।

5. निम्नलिखित में से किसने लोकतंत्र को बहुमत की निरंकुशता के रूप में वर्णित किया है?

(a) रूसो (b) डनिंग

(c) डी. टॉकविले (d) जेम्स मेडिसन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

डी. टॉकविले ने स्वतंत्रता और समानता के सामन्जस्य की समस्या पर ध्यान आकृष्ट करते हुए लोकतंत्र पर आक्षेप किया है। उनके अनुसार लोकतंत्र का विस्तार समानता को जितना बढ़ावा देता है, स्वतंत्रता के लिए उतना ही बड़ा खतरा पैदा कर देता है। लोकतंत्र ''बहुमत का शासन'' स्थापित करता है जो 'बहुमत की निरंकुशता' का रूप धारण कर लेता है।

6. रूसो के लोकतंत्र के उदार सिद्धांत के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा एक गलत है?

(a) सामान्य कल्याण

(b) प्राकृतिक समानता

(c) राज्य के आधार के रूप में सहमति

(d) व्यक्तिगत संबंधों के निर्धारण में व्यक्ति के अहस्तान्तरणीय अधिकार

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

रूसो ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'ए डिस्कोर्स आन द ओरिजन ऑफ इन्क्वलिटी' में प्राकृतिक समानता की नहीं बल्कि प्राकृतिक असमानता की चर्चा की है। उन्होंने दो प्रकार की विषमताओं की चर्चा की है प्राकृतिक विषमता और परंपरागत विषमता। प्राकृतिक विषमता को रूसो अपरिवर्तनीय मानते हैं तथा परंपरागत विषमता विशेषाधिकार की पोषक है, जिसे समाप्त कर देना चाहिए।

7. प्रजातांत्रिक संस्कृति के 'सुषुप्त श्वान' सिद्धांत का आशय है-

(a) निम्न सहभागिता सरकार के लिए बृहद संतोषप्रद है।

(b) निम्न सहभागिता विलगाव एवं आवश्यक हानि को इंगित करती है।

(c) उत्तर साम्यवादी राज्यों का प्रजातांत्रिक मूल्यों एवं आकांक्षाओं का पोषण।

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

UttarakhandAsst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

प्रजातांत्रिक संस्कृति के 'सुषुप्त श्वान' सिद्धांत को आमंड और बर्बा ने नागरिकों का शासन के मामलों में निम्न सहभागिता के रूप में व्यवस्थापित किया। यह स्थिति सरकार के लिए वृहद संतोषप्रद रहती है।

8. कथन (A) : लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण द्वारा उस निर्धनता को कम करने की संभावना कम है जो उप-क्षेत्रों या मोहल्लों के बीच विषमताओं से उत्पन्न होती है।

कारण (R) : लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के परिणामस्वरूप निम्न स्तरों पर सशक्त इकाइयों का अभिजनों द्वारा प्रग्रहण हो सकता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं का निर्माण और उनके क्रियान्वयन का उत्तरदायित्व उपक्षेत्रों और मोहल्लों को सौंपना लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का उद्देश्य है। इससे न केवल उन क्षेत्रों के बीच बल्कि उनमें निवास करने वाले लोगों के मध्य विषमता कम होती है। इसके साथ ही साथ इन इकाइयों में राजनीतिक सक्रियता विशिष्ट वर्गों तक सिमट कर रह गई है दलित, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं को आरक्षित स्थान प्राप्त होने के पश्चात भी इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली का नियंत्रण करने में अभिजन वर्ग आगे रहा है। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) असत्य है, और कारण (R) सत्य है।

9. 'लोकतंत्र शासन का विकृत स्वरूप है।' किसका कथन है?

(a) प्लेटो (b) गैटल

(c) अरस्तू (d) बोदां

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

अरस्तू ने लोकतंत्र को शासन का विकृत स्वरूप कहा है। बहुत से व्यक्तियों के शासन का सामान्य रूप मध्य वर्गतंत्र (Polity) है, तथा उसका विकृत स्वरूप लोकतंत्र (Democracy) है। वास्तव में 'लोकतंत्र' शब्द का प्रयोग अरस्तू ने भीड़तंत्र के अर्थ में किया है, जिसे वह बहुसंख्यक मूर्खों, अज्ञानियों तथा स्वार्थी व्यक्तियों का शासन कहता है, जिनका अत्याचार राजतंत्र या कुलीनतंत्र से अधिक होता है।

10. पॉलिटी (संवैधानिक जनतंत्र) कहीं अधिक स्थायी व्यवस्था है, जिसमें क्रांति की संभावना कम रहती है।'' यह कथन दिया है-

(a) प्लेटो ने (b) अरस्तू ने

(c) सिसरों ने (d) पॉलिबियस ने

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

'पॉलिटी' या संवैधानिक जनतंत्र को अरस्तू राज्य का सर्वोतत्म रूप मानता है। इसमें शासन सत्ता न तो अल्पसंख्यक कुलीन वर्ग के हाथ में रहता है और न बहुसंख्यक निर्धनों के हाथों में। इस प्रकार का शासन न

तो निर्धनों का शोषण कर सकता है और न ही धनिकों पर अत्याचार के लिए सोच सकता है इसमें किसी भी वर्ग का पूर्ण प्रमुख नहीं रहता वरन् विभिन्न वर्गों के दावों का सम्मिश्रण कर दिया जाता है इस प्रकार यह अन्य शासन प्रणलियों की तुलना में अधिक स्थायी व्यवस्था है, जिसमें क्रांति की संभावना कम रहती है।

11. निम्न में से कौन-सा चिंतक लोकतंत्र के उदारवादी सिद्धांत से नहीं जुड़ा है?

(a) लॉक (b) हॉब्स

(c) कार्ल मार्क्स (d) जे.एस. मिल

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

हॉब्स स्वतंत्रता और सुरक्षा की बहस में व्यक्ति की सुरक्षा को अधिक महत्व देता है। वह किसी विशिष्ट शासन प्रणाली का विरोध और समर्थन नहीं करता है, उसका प्रमुख लक्ष्य शक्तिशाली राज्य की स्थापना करना था, जिससे कि व्यक्ति में निहित दुर्गुणों को नियंत्रित किया जा सके। लॉक कार्ल मार्क्स और जे.एस. मिल लोकतंत्र के उदारवादी, सिद्धांत से जुड़े हैं। लॉक को उदारवाद का जनक माना जाता है। इन्होंने प्राकृतिक अधिकारों को स्वीकार कर लोगों को राज्य का विरोध करने का अधिकार दिया है मार्क्स इस सिद्धांत से आलोचनात्मक रूप से संबद्ध हैं, जबकि मिल कुछ संशोधनों के साथ इस सिद्धांत को स्वीकार करते हैं।

12. किसने मिल को एक विरक्त प्रजातांत्रिक कहा है?

(a) सेबाइन (b) सी.एल. वेपर

(c) लॉर्ड लोथियन (d) डनिंग

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

वेपर ने मिल को विरक्त प्रजातंत्र-वादी कहा है, क्योंकि मिल का विचार था कि स्वतंत्रता की भांति ही लोकतंत्र सभी लोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। मिल सच्चे और झूठे लोकतंत्र में विभेद करता है। बहुमत के ऊपर आधारित जनतंत्र एक झूठा जनतंत्र है, क्योंकि यह मनुष्य के बुद्धि तथा चरित्र के आधार पर अंतर की अवहेलना करता है। इसके विपरीत वह जनतंत्र जिसमें समाज के विभिन्न अंगों को महत्व दिया जाता है, सच्चा लोकतंत्र है।

13. 20वी शताब्दी के सातवें दशक के पूर्वार्द्ध में किसने 'प्रजातंत्र के लिए नागरिक' नामक आंदोलन चलाया?

(a) मधु लिमये (b) विनोबा भावे

(c) जय प्रकाश नारायण (d) मोरारजी देसाई

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

जय प्रकाश नारायण ने 'A Picturer of Sarvodaya social Order' में लिखा है कि बहुसंख्यक दल शक्ति अपने हाथ में केन्द्रित कर लोकतांत्रिक शासन के स्थान पर स्वेच्छाचारी शासन की स्थापना करते हैं। अतः वे दलविहीन लोकतांत्रिक शासन की स्थापना करते हैं। 20वीं शताब्दी में 70 के दशक में उनके आंदोलन का उद्देश्य जनसाधारण की प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति को सुनिश्चित करना था। इसी आधार पर उन्होंने 'समग्र क्रांति' का नारा दिया था।

14. निम्न में से कौन यह मानता है कि आधुनिक उदारवादी प्रजातांत्रिक राज्य एक औद्योगिक राज्य बन गया है?

(a) गालब्रेथ (b) मैकफर्सन

(c) कीन्स (d) रूजवेल्ट

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

जे.के. गालब्रेथ ने अपनी महत्वपूर्ण कृति 'The New Industrial State' में स्पष्ट किया है कि आधुनिक उदारवादी प्रजातांत्रिक राज्य एक औद्योगिक राज्य बन गया है।

15. अपने संविधानों के वर्गीकरण में, अरस्तू ने प्रदर्शित किया है कि बहुतन्त्र (पॉलिटी) का विकृत रूप है-

(a) अल्पतंत्र (b) निरंकुश तंत्र

(c) लोकतंत्र (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

अरस्तू ने संविधान का वर्गीकरण शासकों की संख्या और शासन के उद्देश्य के आधार पर किया है। बहुतंत्र (Polity) या जिसे अरस्तू मध्य वर्ग तंत्र भी कहता है, का अभिप्राय जनता का शासन का संविधान के अनुरूप चलाया जाना है। जब इस प्रकार का शासन संविधान के अनुसार नहीं चलाया जाता तो लोकतंत्र का विकृत रूप बन जाता है। जिसे अरस्तू भीड़तंत्र (Mobocracy) के अर्थ में अभिव्यक्त करता है।

16. निम्नलिखित में से कौन एक प्रजातंत्र के बहुलवादी सिद्धांत का समर्थक है?

(a) लॉर्ड ब्राइस (b) डेविड, बी. ट्रुमैन

(c) सी. राइट मिल्स (d) हैरोल्ड लॉसवेल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

प्रजातंत्र का बहुलवादी सिद्धांत इस मान्यता पर आधारित है कि राज्य को सामाजिक समूहों के व्यक्तित्व तथा स्वायत्तता को स्वीकार करना चाहिए तथा देश की राजनीतिक प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति प्राप्त होनी चाहिए। डेविड ट्रुमैन ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The Governmental Process' में लोकतंत्र के अंतर्गत सामाजिक समूहों की पारस्परिक क्रियाशीलता को स्वीकार किया है, तथा प्रत्येक व्यवस्था में समूहों के अस्तित्व को अनिवार्य माना है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) लोकतंत्र का बहुलवादी दृष्टिकोण : रॉबर्ट डहल

(b) लोकतंत्र का अभिजनवादी दृष्टिकोण : गायटानों मोस्का

(c) लोकतंत्र का कॉर्पोरेट दृष्टिकोण : हेगेल

(d) लोकतंत्र का नवदक्षिणपंथी दृष्टिकोण : डेविड मार्कण्ड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

हेगेल ने लोकतंत्र का नहीं अपितु राज्य का कॉर्पोरेट सिद्धांत दिया था। बाद में फॉसीवादियों ने निगम राज्य की अवधारणा को लागू कर संपूर्ण उत्पादन को राज्य के अधीन कर दिया।

18. निम्न में से किस विचारक ने प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के स्थान पर प्रतिनिध्यात्मक प्रजातंत्र का समर्थन किया है?

(a) जे.जे. रूसो (b) कार्ल मार्क्स

(c) एम.ए. बाकुनिन (d) जे. मेडिसन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

जे. मेडिसन सं. राज्य अमेरिका के चौथे राष्ट्रपति थे। इन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया इसलिए इन्हें 'Father of Constitution' कहा जाता है। मेडिसन ने प्रतिनिधित्यामक प्रजातंत्र का समर्थन किया था, किंतु बर्क की भाँति प्रतिनिधित्व के रूढ़िवादी सिद्धांत का समर्थन करते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार लोगों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होना चाहिए, किन्तु रोजमर्रा के कार्यों में प्रतिनिधियों को स्वतंत्रता प्राप्त होना चाहिए।

19. लोककल्याणकारी सिद्धांत आधारित है-

(a) कुलीनतंत्रीय सिद्धांत पर (b) लोकतांत्रिक सिद्धांत पर

(c) अराजकतावादी सिद्धांत पर (d) मार्क्सवादी सिद्धांत पर

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना, सबके मन में यह भावना स्पष्ट रूप से प्रकट करती है कि 'राज्य' तो 'प्रजा पर अपना नियंत्रण एवं अधिकार रखता है, किंतु 'प्रजा' के कल्याणार्थ एक ऐसे दिशा-निर्देश 'नीति' के रूप में सम्मिलित होना चाहिए जिससे परोक्ष रूप से प्रजा का 'राज्य' पर नियंत्रण हो, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनिवार्य आवश्यकता हो जाती है, क्योंकि 'प्रजा' 'राज्य' से अपने कल्याण एवं भलाई की अपेक्षा करती है।

20. लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-

(a) लोकतांत्रिक राज्य

(b) लोकतांत्रिक सरकार

(c) धर्म प्रधान राज्य

(d) केवल शासन का स्वरूप ही नहीं, अपितु जीवन का माध्यम है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

लोकतंत्र केवल राजनीतिक-सामाजिक परिस्थिति ही नहीं, बल्कि शासन और जीवन की लोकजयी धारणा भी है। लोकतंत्रात्मक व्यवस्था, व्यष्टिवाद से समष्टिवाद की ओर अग्रसर होती है, इसलिए लोकतंत्र में व्यक्ति का महत्व सर्वोपरि है। अतः कह सकते हैं कि लोकतंत्र केवल शासन का स्वरूप ही नहीं, अपितु जीवन का माध्यम है।

21. लोकतंत्र ऐसी शासन पद्धति है, जिसमें अंतिम सत्ता इनके हाथों में होती है-

(a) भीड़ (b) जनता

(c) राजनीतिक (d) लोक सेवा

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में बाधा है :

(a) स्वतंत्र प्रेस

(b) स्वस्थ एवं सुदृढ़ राजनीतिक दल

(c) निरक्षरता एवं दूषित शिक्षा प्रणाली

(d) सांप्रदायिकता का अभाव

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारत स्वतंत्रता प्राप्ति से एक जिम्मेदार लोकतंत्र के रूप में कार्य कर रहा है इसकी अंतरराष्ट्रीय समुदायों द्वारा सराहना की जाती है, इसने चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सफलतापूर्वक सामना किया। भारत बहुत बड़ा देश है जिसमें भाषा, संस्कृति एवं धर्म की अनेक विविधताएं हैं। स्वतंत्रता के समय भारत आर्थिक रूप से अविकसित राष्ट्र था। हमारे देश में अनेक क्षेत्रीय विषमताएं विद्यमान रही हैं, जो एक स्वस्थ लोकतंत्र में बाधक तत्व हैं जैसे- निरक्षरता, गरीबी, दूषित शिक्षा प्रणाली, लैंगिक भेदभाव, जातिवाद, संप्रदायवाद इत्यादि।

23. प्रजातंत्र का प्रकार जिसे भारत ने स्वीकार किया है-

(a) संवैधानिक राजतंत्र (b) वंशानुगत लोकतंत्र

(c) प्रजातांत्रिक राजतंत्र (d) लोकतांत्रिक गणतंत्र

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर—(d)

भारत ने प्रजातंत्र का लोकतांत्रिक गणतंत्र स्वीकार किया है। लोकतंत्र- 'लोक' अर्थात जनता और 'तंत्र' अर्थात शासन अथवा राज्य। अतः लोकतंत्र का अर्थ हुआ जनता का शासन, इसका अंग्रेजी पर्याय डेमोक्रेसी यूनानी भाषा के डेमोस तथा केटिया शब्दों के योग से बना है और इसका भी यही अर्थ है, बहुतों की शक्ति अर्थात् जनता का राज्य वहीं गणतंत्र का शाब्दिक अर्थ है- ऐसा राष्ट्र जिसकी सत्ता जनसाधारण में समाहित हो।

24. प्रत्यायुक्त विधायन व्यवस्था से किसकी शक्ति में सर्वाधिक वृद्धि हुई है?

(a) विधायिका (b) विधायी समितियां

(c) जनपदाधिकारी वर्ग (d) मंत्रिपरिषद

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(*)

'प्रत्यायोजित विधान का अर्थ है विधानमण्डल द्वारा कार्यपालिका को प्रत्यायोजित नियम बनाने की शक्ति का प्रयोग। इसे प्रत्यायुक्त विधायन (Delegated Legislation), अधीनस्थ विधायन या सहायक विधान के नाम से जाना जाता है। वस्तुतः संसद अपनी कानून निर्माण की सत्ता प्रशासनिक विभागाधिकारियों को प्रदत्त कर देती है और इस शक्ति के आधार पर इन अधिकारियों द्वारा जिन नियमों का निर्माण किया जाता है उसे ही प्रदत्त विधान कहते हैं। चूंकि प्रश्न में दिया गया विकल्प जनपदाधिकारी वर्ग में निर्वाचित तथा नियुक्त दोनों पदाधिकारी शामिल होते हैं इसलिए यह उपयुक्त उत्तर नहीं होगा। प्रदत्त विधायन केवल प्रशासनिक विभागाधिकारियों से संबंधित है। अतः प्रदत्त विधायन से इनकी शक्तियों में सर्वाधिक वृद्धि होगी।

25. लोकतंत्र के बारे में निम्नलिखित कथन किस विचारक का है?

''इस बात से कोई इंकार नहीं करता कि वर्तमान प्रतिनिधि सभाओं में अनेक त्रुटियां हैं। पर यदि मोटरगाड़ी खराब हो जाए तो उसकी जगह बैलगाड़ी का इस्तेमाल करने लगना मूर्खता होगी, चाहे इसकी कल्पना कितनी मधुर क्यों न लगे।''

(a) सी. डी. बर्न्स (b) लॉर्ड ब्राइस

(c) हेरल्ड जे. लॉस्की (d) वाल्टर बेजहाट

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

यद्यपि लोकतंत्र के व्यावहारिक स्वरूप में कुछ कमियां हैं, लेकिन इन्हें दूर करके इसे और कार्यकुशल बनाया जा सकता है। इसकी जगह पुरानी व्यवस्था राजतंत्र या अधिनायक तंत्र अपना लेना मूर्खता होगी। इसी संदर्भ में सी.डी.बर्न्स ने लिखा है कि ''इस बात से कोई इनकार नहीं करता कि वर्तमान प्रतिनिधि सभाओं में अनेक त्रुटियां हैं। पर यदि मोटगाड़ी खराब हो जाए, तो उसकी जगह बैलगाड़ी का इस्तेमाल करने लगना मूर्खता होगी, इसकी कल्पना चाहे कितनी ही मधुर क्यों न लगे।'' इसी प्रकार अल्फ्रेड स्मिथ ने लिखा है कि 'लोकतंत्र के सभी रोगों का निदान और अधिक लोकतंत्र के द्वारा ही हो सकता है।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **सी.डी. बर्न्स-** ''सभी प्रकार का शासन शिक्षा प्रदान करने की एक पद्धति है। पर आत्म शिक्षा ही सबसे अच्छी शिक्षा है, इसलिए सबसे अच्छा शासन स्वशासन है जो लोकतंत्र है।''
- **जवाहरलाल नेहरू-** ''लोकतंत्र का अर्थ है सहिष्णुता- न केवल उन लोगों के प्रति जिनसे हम सहमत हो, बल्कि उनके प्रति भी जिनसे हम असहमत हों।''
- **महात्मा गांधी-** ''लोकतंत्र वह कला एवं विज्ञान है, जिसके अंतर्गत जनसाधारण के विभिन्न वर्गों के भौतिक, आर्थिक, और आध्यात्मिक संस्थानों को सबके सामान्य हित की सिद्धि के लिए नियोजित किया जाता है।''

26. लोकतंत्र में 'गुटतंत्र के लौह नियम' का प्रतिपादन किसने किया है?

(a) रॉबर्ट मिशेल्स (b) विल्फ्रेटो पैरेटो

(c) गेतानो मोस्का (d) रेमों आरों

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

'गुटतंत्र का लौह नियम' (Iron Law of Oligarchy) जर्मन समाजशास्त्री 'रॉबर्ट मिशेल्स' (Robert Michels) द्वारा वर्ष 1911 में अपनी पुस्तक 'पॉलिटिकल पार्टीज' (Political Parties) में दिया गया। मिशेल्स ने लोकतंत्र में अभिजनों के शासन को 'गुटतंत्र' की संज्ञा दी है। इनके अनुसार, किसी भी तरह का मानव संगठन स्थापित कर देने पर उसका नियंत्रण अंततः एक छोटे से गुट के हाथों में आ जाता है और यह बात लोकतंत्रीय प्रणाली पर भी लागू होती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इटली के समाजशास्त्री पैरेटो ने लोकतंत्र के अभिजन वर्गीय सिद्धांत के अंतर्गत 'अभिजनों के संचरण' (Circulation of Elite) का सिद्धांत दिया।
- सी. राइट्स मिल्स ने अपनी कृति पॉवर इलीट में अमेरिकी राजव्यवस्था का वर्णन किया है। उसके अनुसार तीन प्रकार के अभिजन वर्ग होते हैं- (1) सैन्य बल अभिजन (2) राजनीतिक वर्ग अभिजन (3) औद्योगिक वर्ग अभिजन।
- मोस्का ने अपनी पुस्तक 'द रूलिंग क्लास' में कहा है कि सभी समाजों में केवल दो वर्ग पाए जाते हैं- पहला वर्ग जो शासन करता है, दूसरा वर्ग जिस पर शासन किया जाता है।

27. निम्न में से कौन-सा एक चिंतक विशिष्टवर्गवादी सिद्धांत से जुड़ा है?

(a) वेलफ्रेडो परेटो (b) मोसाका

(c) रॉबर्ट मिचेल (d) सभी तीन

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

विशिष्ट वर्गवादी सिद्धांत इस मान्यता पर आधारित है कि राजनीतिक गतिविधि समाज के कुछ विशिष्ट वर्गों के बीच ही संचालित होती है। इस विचार का समर्थन करते हुए परेटो ने 'अभिजनों के संचरण' का सिद्धांत दिया। जर्मन समाजशास्त्री रॉबर्ट मिशेल्स ने 'गुटतंत्र का लौह-नियम' प्रतिपादित किया तथा मोस्का ने शासक वर्ग तथा शासित वर्ग की भूमिका को स्पष्ट किया।

28. पैरेटो के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) वह हड़ताल के अधिकार को न्यायोचित ठहराता है।

(b) उसने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सत्य की खोज के लिए उपयुक्त माना।

(c) उसने साम्राज्यवाद की प्रशंसा की।

(d) उसने अभिजन वर्ग में संचरण की बात की।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

पैरेटो ने साम्राज्यवाद की निंदा की है और उसे मुक्त समाज के लिए अभिशाप माना है। प्लेटो, हीगल और मार्क्स की आलोचना वह इस आधार पर करता है कि तीनों ने समाज की समग्र व्याख्या करते हुए सर्वाधिकारवादी शासन-प्रणाली के लक्ष्यों और सिद्धांतों का समर्थन किया है।

29. निम्न में से कौन लोकतंत्र को 'स्वीकृत पागलपन' कहता है?

(a) ल्यूडोविकी (b) मार्क्स

(c) टेलीरैंड (d) प्रौधां

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

टेलीरैंड के अनुसार, ''लोकतंत्र स्वीकृत पागलपन है।'' उन्होंने लोकतंत्र को 'दुष्ट लोगों का कुलीनतंत्र' भी कहा है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

लोकतंत्र की आलोचना करने वाले अन्य विद्वानों के कथन निम्नलिखित हैं-

- प्लेटो, अरस्तू के अनुसार, ''लोकतंत्र, भीड़तंत्र या मूर्खतंत्र या विकृत व्यवस्था है।''
- कार्लाइल के अनुसार, ''लोकतंत्र लाखों मूर्खों की सरकार है।''
- लुडोविसी के अनुसार, ''लोकतंत्र का अर्थ है मृत्यु।''
- वाल्टर वेल के अनुसार, ''लोकतंत्र भ्रष्ट प्लेटोवाद है।''
- एंथनी गिडिन्स के अनुसार, '' लोकतंत्र में भावनात्मकता एवं बहुमत अत्यधिकता देखी जाती है।''
- वार्कर के अनुसार, ''लोकतंत्र जुगाड़ों का शासन है।''

30. निम्न में से किसने लोकतंत्र को 'एक जीवन शैली' के रूप में परिभाषित किया है?

(a) एडम स्मिथ (b) इ. बर्क

(c) एच. लॉस्की (d) टी. वी. स्मिथ

P.G.T. परीक्षा, 2005

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर-(d)

टी.वी. स्मिथ 'लोकतंत्र को एक जीवन-शैली के रूप में' परिभाषित करते हैं। इसके अतिरिक्त मैकाइवर ने भी लोकतंत्र को एक जीवन पद्धति के रूप में परिभाषित किया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ऑस्टिन, डायसी, लावेल, ब्राइस आदि विचारक लोकतंत्र को सरकार के निर्वाचन की पद्धति के रूप में देखते हैं।
- मैक्फर्सन के अनुसार, ''लोकतंत्र चयन की ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा लोक निर्णय लिए जाते हैं।''
- लॉरेन्स लावेल के अनुसार, ''लोकतंत्र में कोई यह शिकायत नहीं कर सकता कि उसे सुनवाई का मौका नहीं मिला।''
- वाल्टर बेजहाट के अनुसार, '' लोकतंत्र, लोकशक्ति को भ्रमित करने का सबसे बड़ा तरीका है। यह भ्रम इसलिए स्थापित होता है क्योंकि लोकतंत्र में वाद-विवाद एवं सहिष्णुता के लक्षण हैं, जो लोगों को अधिकारों के भ्रमजाल में फंसाते हैं।''

31. प्रतिनिधित्व का कौन-सा सिद्धांत प्रत्यक्ष लोकतंत्र को प्रतिष्ठा देता है?

(a) प्रतिक्रियावादी सिद्धांत (b) अनुदारवादी सिद्धांत

(c) उदारवादी सिद्धांत (d) क्रांतिकारी सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

प्रतिनिधित्व का क्रांतिकारी सिद्धांत प्रत्यक्ष लोकतंत्र (Direct Democracy) को प्रतिष्ठा देता है। रूसो ने प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र की आलोचना करते हुए प्रत्यक्ष लोकतंत्र का समर्थन किया था। रूसो के अनुसार जनता केवल निर्वाचन के समय ही स्वतंत्र होती है। 'प्रत्यक्ष लोकतंत्र' स्विट्जरलैंड की शासन प्रणाली की विशिष्टता है।

32. किसने कहा था- ''सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वास्तव में सार्वभौमिक नहीं है''?

(a) गिलक्राइस्ट (b) लॉस्की

(c) गेटेल (d) गार्नर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

गिलक्राइस्ट ने कहा है कि ''सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वास्तव में सार्वभौमिक नहीं हैं''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

विभिन्न देशों में वयस्क मताधिकार की आयु निम्नलिखित है-

- भारत में वयस्क मताधिकार की आयु 18 वर्ष है।
- फ्रांस व जर्मनी में वयस्क मताधिकार की आयु 20 वर्ष है।
- डेनमार्क व जापान में वयस्क मताधिकार की आयु 25 वर्ष है।
- नॉर्वे में वयस्क मताधिकार की आयु 23 वर्ष है।

33. ''सभी मनुष्यों को कुछ समय के लिए और कुछ मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है, लेकिन सभी मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।'' यह किसने कहा था?

(a) ब्राइस (b) अब्राहम लिंकन
(c) लॉस्की (d) लॉवेल

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

अब्राहम लिंकन का कथन है कि ''सभी मनुष्यों को कुछ समय के लिए और कुछ मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है, लेकिन सभी मनुष्यों को सदैव के लिए मूर्ख नहीं बनाया जा सकता।'' वास्तव में लोकतंत्र ऐसी शासन पद्धति है, जो सभी लोगों को बिना किसी भेदभाव के शासन प्रक्रिया में बराबर हिस्सा देती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **सीले-** ''लोकतंत्र वह शासन है जिसमें हर व्यक्ति भाग लेता है।''
- **अब्राहम लिंकन-** ''लोकतंत्र जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता का शासन है।''
- **डायसी-** ''लोकतंत्र सरकार का ऐसा रूप है, जिसमें जनता का एक बड़ा भाग शासन करता है।''

34. ''लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा शासन है।'' लोकतंत्र की यह परिभाषा किस विद्वान की है?

(a) अब्राहम लिंकन (b) डॉ. बेनी प्रसाद
(c) जिन्सबर्ग (d) गार्नर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. 'मतों को गिना नहीं, तौला जाना चाहिए''- यह कथन किसका है?

(a) ऑग (b) रेन
(c) जे.एस. मिल (d) फाइनर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

मिल का कथन है कि 'मतो को गिना नहीं तौला जाना चाहिए।'' जे.एस. मिल का विचार है कि शिक्षित और योग्य व्यक्तियों को अज्ञानी एवं मूर्ख व्यक्तियों की तुलना में बहुलमत का अधिकार प्राप्त होना चाहिए। ज्ञातव्य है कि इसी प्रकार का विचार सिजविक ने भी दिया है।

जे.एस.मिल के निर्वाचन के संबंध में विचार-

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मिल ने लिंग के आधार पर भेदभाव को स्वीकार नहीं किया और महिला मताधिकार की वकालत की।
- मिल के अनुसार मताधिकार उन्हीं को प्राप्त होना चाहिए, जो निश्चित शैक्षणिक योग्यता रखते हों।
- मिल ने गुप्त मतदान का विरोध किया तथा खुले मतदान को उचित ठहराया।
- मिल के अनुसार संसद की तानाशाही प्रवृत्तियों पर अंकुश रखने के लिए द्विसदनीय संसद उपयोगी होती है।
- ज्ञातव्य है कि बेंथम '**एक व्यक्ति एक मत**' का समर्थक था।

36. किसने कहा ''प्रजातंत्र ऐसा शासन है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की हिस्सेदारी होती है?''

(a) ब्राइस (b) डायसी
(c) सीले (d) बेनी प्रसाद

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(c)

सीले के अनुसार, ''लोकतंत्र एक ऐसा शासन है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति की हिस्सेदारी होती है।'' लोकतंत्र के विषय में सीले की यह परिभाषा डायसी की लोकतंत्र संबंधी परिभाषा से इस अर्थ में भिन्न है कि डायसी 'लोकतंत्रा को बहुमत की भागीदारी के रूप में' परिभाषित करते हैं, जबकि सीले प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी को लोकतंत्र की विशेषता मानते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **ब्राइस के अनुसार-** ''लोकतंत्र शासन का वह प्रकार है जिसमें राज्य के शासन की शक्ति किसी विशेष वर्ग या वर्गों के हाथ में निहित न होकर संपूर्ण जनसमुदाय में निहित होती है।''
- **डा. बेनी प्रसाद के अनुसार-** ''लोकतंत्र जीन का एक ढंग है। यह इस मान्यता पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति के सुख का महत्व उतना ही है जितना कि अन्य किसी के सुख का महत्व हो सकता है तथा किसी को भी अन्य किसी के सुख का साधन मात्र नहीं समझा जा सकता।''

37. किसने कहा ''लोकतंत्र वह शासन है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति भागीदार होता है''?

(a) ब्राइस (b) सीले

(c) लिंकन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. ''यदि अतिसमानता से प्रजातंत्र भ्रष्ट होता है तो साथ ही अतिसमानता की भावना से भी वह नष्ट हो जाएगा।'' यह कथन किसका है?

(a) मान्टेस्क्यू (b) अरस्तू

(c) मैकियावेली (d) जे.एस. मिल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

अरस्तू ने कहा है कि ''यदि अतिसमानता से प्रजातंत्र भ्रष्ट होता है, तो साथ ही अतिसमानता की भावना से भी वह नष्ट हो जाएगा।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गैटल का कथन है, ''क्योंकि लोकतंत्र समानता के सामान्य सिद्धांत पर आधारित है, अतः इससे न्याय की वृद्धि होना संभव है जो कि राज्य के अस्तित्व के प्रधान लक्ष्यों में से एक है।''
- जे.एस. मिल ने कहा है कि '' लोकतंत्र लोगों की देशभक्ति को बढ़ाता है, क्योंकि नागरिक यह अनुभव करते हैं कि सरकार उन्हीं की उत्पन्न की हुई वस्तु है और अधिकारी उनके स्वामी न होकर सेवक हैं।''
- लावेल का कथन है, ''अंत में, वही सरकार सर्वश्रेष्ठ है, जो मनुष्य की नैतिकता, उद्योग, साहस, आत्मबोध व पवित्रता को दृढ़ बनाए। क्योंकि प्रजातंत्र इन बातों को पूरा करता है, इसलिए वह सबसे अच्छा शासन है।

39. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II से कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. सुरक्षात्मक लोकतंत्र	**1. अरस्तू**
B. पीपुल्स लोकतंत्र	**2. जॉन लॉक**
C. बहुल लोकतंत्र	**3. राबर्ट ए. डहल**
D. शास्त्रीय लोकतंत्र	**4. लेनिन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	2	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	4	3	1

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

सुरक्षात्मक लोकतंत्र	–	राबर्ट ए. डहल
पीपुल्स लोकतंत्र	–	लेनिन
बहुल लोकतंत्र	–	अरस्तू
शास्त्रीय लोकतंत्र	–	जॉन लॉक

40. निम्नलिखित सिद्धांतों में से कौन-सा सिद्धांत मांटेस्क्यू ने प्रतिपादित किया?

(a) सामान्य इच्छा (b) शक्ति पृथक्करण

(c) संविधानवाद (d) संस्थावाद

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

मांटेस्क्यू ने अपनी पुस्तक 'द स्पिरिट ऑफ लॉज' (The Spirit of Laws) में सरकार के तीनों अंगों में 'शक्ति के पृथक्करण' का सिद्धांत प्रतिपादित किया। इसके अभाव में नागरिकों की स्वतंत्रता पूर्ण रूप से नष्ट हो जाएगी और निरंकुश शासन की स्थापना होगी, जो कि मानव विकास के लिए घातक होगी। ये शक्तियां हैं- विधि का निर्माण करने की विधायी, विधि के कार्यान्वयन की कार्यपालिका संबंधी तथा न्याय करने की न्यायपालिका संबंधी।

41. प्रजातंत्र वह शासन पद्धति है जिसमें अंतिम शक्ति निवास करती है-

(a) जनता में (b) राजनीतिज्ञों में

(c) लोक सेवकों में (d) नौकरशाहों में

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(a)

प्रजातंत्र एक ऐसी शासन पद्धति है, जिसमें जनता के हाथों में अंतिम व निर्णायक शक्ति होती है, वह प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार का निर्माण करती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गार्नर के अनुसार, लोकतंत्र की चार पूर्व शर्तें क्रमशः राजनीतिक संचेतना, राजनीतिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा एवं नैतिकता व उच्च चरित्र है।
- मिल के अनुसार, लोकतंत्र की तीन मुख्य आवश्यकताएं क्रमशः उत्साह की आवश्यकता, संरक्षण की तत्परता एवं कर्तव्य निर्वहन की भावना है।

42. निम्नलिखित में से कौन लोकतंत्र का आवश्यक अभिलक्षण नहीं है?

(a) न्यायपालिका, जवाबदेह होती है विधायिका के प्रति

(b) न्यायपालिका स्वतंत्र होती है

(c) प्रेस स्वतंत्र होता है

(d) सार्वजनिक राय प्रकट करने की स्वतंत्रता होती है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

लोकतंत्र के आवश्यक अभिलक्षणों में न्यायपालिका का विधायिका के प्रति जवाबदेह होना शामिल नहीं है। लोकतांत्रिक शासन पद्धति में सरकार के तीनों अंगों के बीच संवैधानिक रूप से शक्तियों का विभाजन कर दिया जाता है। प्रायः न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका से स्वतंत्र होती है। इसके अतिरिक्त प्रेस की स्वतंत्रता तथा भाषण व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र के आवश्यक अभिलक्षण हैं।

43. राजनीतिक समानता की सर्वश्रेष्ठ गांरटी है-

(a) लोकतंत्र में (b) तानाशाही में

(c) अल्पतंत्र में (d) अभिजाततंत्र में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

राजनीतिक समानता की सर्वश्रेष्ठ गारंटी लोकतंत्र में होती है, क्योंकि लोकतंत्र में सभी नागरिकों को समान राजनीतिक शक्ति प्राप्त होती है। सभी व्यक्तियों को मताधिकार राजनीतिक समानता का सूचक है तथा कानून के समक्ष सबकी समानता भी लोकतंत्र का मूल्य है। वर्तमान समय में लोकतंत्र राजनीतिक समानता से आगे बढ़कर आर्थिक एवं सामाजिक समानता की ओर अग्रसर है।

44. राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाता है-

(a) राजनीतिक दल, न्यायालय, संविधान

(b) विधानपालिका, राजनीतिक दल, न्यायालय

(c) राजनीतिक दल, विधानपालिका, संविधान

(d) विधानपालिका, न्यायालय, कार्यपालिका

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

लोकतंत्र जनता का, जनता के द्वारा और जनता के लिए शासन है। लोकतंत्र में देश का प्रशासन सीधे जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाता है। ये राजनीतिक प्रतिनिधि देश की जनता के लिए नियम एवं कानून का निर्माण करते हैं। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में प्रत्येक व्यक्ति को अपने प्रतिनिधि का चुनाव करने तथा सार्वजनिक पद प्राप्त करने हेतु चुनाव लड़ने का अधिकार होता है।

अतः एक उदार राजनीतिक प्रणाली में व्यक्ति का राजनीतिक प्रतिनिधित्व राजनीतिक दल, विधायिका, संसद एवं संविधान सभा द्वारा सुनिश्चित होता है।

45. उदार लोकतंत्र का सबसे विशिष्ट लक्षण है, कि-

(a) यह गुण की जगह संख्या पर अधिक बल देता है।

(b) यह सभी व्यक्तियों के मतों को समान मानता है।

(c) यह शासनकर्ता कुलीनतंत्र द्वारा जनता के शोषण के खतरे को न्यूनतम बनाता है।

(d) यह बहुमत की राय पर निर्भर रहता है।

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

वर्तमान उदार लोकतंत्र का एक विशिष्ट लक्षण यह है कि वह सभी व्यक्तियों के मतों को समान मानता है। उपयोगितावादी चिंतक बेंथम ने 'एक व्यक्ति एक मत' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। इसके अतिरिक्त उदार लोकतंत्र की विशेषताओं को 'एलेन बाल' ने निम्नलिखित बिंदुओं के रूप में बताया है-

- एक से अधिक राजनीतिक दल तथा उनके मध्य प्रतिस्पर्धा।
- उचित प्रक्रिया के आधार पर राजनीतिक पदों पर समान दावा।
- खुली राजनीतिक भर्ती।
- दबाव तथा स्वैच्छिक समूहों की उपस्थिति।
- नागरिक स्वतंत्रता।
- स्वतंत्र न्यायपालिका।
- स्वतंत्र प्रेस व मीडिया।

46. भाषण की स्वतंत्रता किस शासन के लिए आवश्यक है?

(a) लोकतंत्र (b) अधिनायकवाद

(c) राजतंत्र (d) वर्गतंत्र

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(a)

'भाषण की स्वतंत्रता' लोकतंत्र का प्राण है। लोकतंत्र में व्यक्तियों को राजनीतिक एवं नागरिक स्वतंत्रताएं प्राप्त होती हैं। राजनीतिक स्वतंत्रता के अंतर्गत मत देने का अधिकार, प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित होने का अधिकार, सार्वजनिक पद ग्रहण करने का अधिकार एवं शासन की आलोचना करने का अधिकार अंतर्निहित है तथा नागरिक स्वतंत्रता के अंतर्गत विचार एवं अभिव्यक्ति या भाषण की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता, सम्मेलन की स्वतंत्रता, राजनीतिक दल व अन्य संगठन स्थापित करने की स्वतंत्रता, निवास-स्थान, आवागमन, व्यापार-व्यवसाय, सीमित मात्रा में संपत्ति की स्वतंत्रता आदि आते हैं।

47. निम्नलिखित में से कौन-सी दल पद्धति लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए सबसे उपयुक्त है?

(a) एक दल प्रधानता (b) दल रहित

(c) बहुदलीय (d) द्विदलीय

T.G.T. परीक्षा, 2001, 2005, 2009

उत्तर-(d)

द्विदलीय दल पद्धति लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए सबसे उपयुक्त होती है। द्विदलीय दल पद्धति केंद्रीकृत होती है तथा इसमें कुछ श्रेष्ठ जनों को आगे बढ़ाने के स्थान पर व्यक्तिगत गुण अधिक मायने रखते हैं। प्रायः देखा जाता है कि इस दल पद्धति में पार्टियां चुनाव के समय ही सक्रिय होती हैं तथा एक बार सरकार का गठन हो जाने के बाद वह अपना कार्यकाल पूरा कर लेती हैं तथा स्थायित्व बना रहता है। संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड आदि लोकतांत्रिक शासन प्रणालियों में स्थायित्व का कारण द्विदलीय दल पद्धति है।

48. निम्नलिखित में से कौन प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का एक लक्षण नहीं है?

(a) लोकमत (b) जनमत संग्रह

(c) आरंभन (d) आनुपातिक प्रतिनिधित्व

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

'प्रत्यक्ष लोकतंत्र' स्विट्जरलैंड के 5 कैन्टनों में प्रचलित व्यवस्था है, जहां जनता प्रत्यक्ष रूप से शासन कार्यों में भाग लेती है, नीति-निर्धारण का कार्य करती है, कानून बनाती है तथा प्रशासनिक अधिकारियों पर नियंत्रण रखती है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र के उपकरणों में जनमत संग्रह, प्रत्याह्वान, आरंभन, लोकसभाएं आदि हैं। प्रत्यक्ष लोकतंत्र में जनता को अपने शासकों को वापस बुलाने का अधिकार तथा विधि निर्माण पर अपनी राय देने का अधिकार भी प्राप्त होता है। 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रत्यक्ष लोकतंत्र की विशेषता नहीं है।

49. निम्नलिखित में से कौन प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का साधन नहीं है?

(a) जनमत संग्रह (b) उपक्रम

(c) दबाव समूह (d) लैंडसजीमिंडे

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

'दबाव समूह' प्रायः प्रतिनिध्यात्मक या अप्रत्यक्ष लोकतंत्र की विशेषता होते हैं। दबाव समूह एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा सामान्य हित वाले व्यक्ति सार्वजनिक मामलों को प्रभावित करने का प्रयत्न करते हैं। इसके अतिरिक्त जनमत संग्रह, उपक्रम, प्रत्याह्वान, आरंभन, लोकसभाएं आदि प्रत्यक्ष लोकतंत्र के उपकरण हैं। प्रत्यक्ष प्रजातंत्र स्विट्जरलैंड में पाई जाने वाली शासन प्रणाली है। प्राचीन काल में यह ग्रीक नगर राज्यों में पाई जाती थी।

50. फ्रांस जाना जाता है-

(a) एक दलीय प्रभुत्व (b) द्विदलीय व्यवस्था

(c) बहुदलीय व्यवस्था (d) दल विहीन व्यवस्था

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

किसी राज्य में दो से अधिक दलों का अस्तित्व बहुदलीय व्यवस्था के अंतर्गत आता है। इस व्यवस्था में सत्ता का परिवर्तन दो से अधिक दलों के मध्य होता रहता है, संभावना गठबंधन सरकार की अधिक रहती है। फ्रांस बहुदलीय व्यवस्था के लिए जाना जाता है। चौथे गणराज्य के अंतर्गत फ्रांस में बहुदलीय व्यवस्था के कारण लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता का वातावरण बना रहा।

51. लोकतंत्र में किसका प्रकार्य हित स्पंदन है?

(a) गैर-'सरकारी संगठन

(b) नागरिक समाज

(c) दबाव समूह

(d) न्यायपालिका

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

लोकतंत्र में दबाव समूहों का वर्णन हितों को मुखरित (Articulation) करने वाले अभिकरण के रूप में किया जाता है। समूह सदा सुनिश्चित या स्पष्ट हितों पर आधारित होता है। हित वेतन व भत्तों की वृद्धि करने कृषि वस्तुओं के मूल्य को बढ़ाने, किसी विशेष भाषा या संस्कृति के संरक्षण करने जैसा कुछ भी हो सकता है

52. निम्न में से किस एक को आधुनिक लोकतंत्र में 'अदृश्य साम्राज्य' कहा जाता है?

(a) राजनीतिक दल (b) दबाव समूह

(c) जनसंचार माध्यम (d) समाचार-पत्र

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

आधुनिक लोकतंत्र में 'अदृश्य सरकार' 'दबाव समूह' को कहा जाता है। डी.डी. मेक्किन दबाव समूह को 'अदृश्य सरकार' कहता है। दबाव समूह एक प्रकार के अनौपचारिक संगठन हैं, जो अपने हितों की पूर्ति हेतु राजनीति को प्रभावित करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- आमंड, कोकबीज, शेक्कन, हेवोल्ड दबाव समूह के स्थान पर 'हित समूह' शब्द का प्रयोग करते हैं।
- एलन बाल, दबाव समूह को 'प्रभाव गुट' की संज्ञा देता है।
- फाइनर, दबाव समूह को गुमनाम साम्राज्य या अज्ञात साम्राज्य (Anonymous Empire) की संज्ञा देता है तथा दबाव समूह को 'तृतीय सदन' भी कहता है।
- सैलिन रिचर्ड लेम्बर्ट, दबाव समूह को 'गैर-सरकारी शासन' (Un-official Govemment) कहता है।
- एलन पॉटर, दबाव समूह को 'संगठित समूह' की संज्ञा देता है।

53. इनमें से कौन राजनीतिक दलों का आवश्यक कार्य नहीं है?

(a) वे गुप्त रूप से जनता की सेवा करते हैं

(b) वे चुनाव लड़ते हैं

(c) वे राजनीतिक शक्ति के लिए प्रयास करते हैं

(d) वे राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

'गुप्त रूप से जनता की सेवा करना' राजनीतिक दलों का आवश्यक कार्य नहीं है। प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों के कार्य, लोकमत का निर्माण करना, चुनावों का संचालन करना, सरकार का निर्माण करना, राजनीतिक चेतना का प्रसार करना, जनता व शासन के मध्य संबंध स्थापित करना, शासन सत्ता को मर्यादित रखना तथा सरकार के विभिन्न भागों के मध्य समन्वय तथा सामंजस्य स्थापित करना आदि हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रो. मेरियम के अनुसार, ''राजनीतिक दलों का कार्य अधिकारी वर्ग का चुनाव करना, लोकनीति का निर्धारण करना, सरकार को चलाना और उसकी आलोचना करना, राजनीतिक शिक्षण और व्यक्ति एवं सरकार के मध्य समन्वय स्थापित करना है।''
- हूबर के अनुसार, ''प्रजातंत्रीय यंत्र के चालन में राजनीतिक दल तेल की भांति हैं।''
- 'जोसेफ लापालोम्बारा' ने अपनी पुस्तक 'पॉलिटिक्स विद इन नेशंस' में राजनीतिक दलों के कार्य क्रमशः नेताओं की भर्ती और समाजीकरण, राजनीतिक पहचान व मतों को संरचनात्मक रूप देना, सरकार बनाना तथा संघटन, सौदेबाजी व एकीकरण करना बताया है।
- रॉबर्ट सी. बोन ने राजनीतिक दलों के कार्यों में, संगठन, मांगों के व्यवस्थित संशोधन, सत्ता का वैधीकरण, नीति का निर्धारण, शासन उत्तरदायित्व और आधुनिकीकरण के कार्यों को प्रमुख माना है।

54. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें तथा प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन करें-

A. प्रजातंत्र के लिए राजनीतिक दल आवश्यक है।

B. राजनीतिक दल राजनीतिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

C. जनमत निर्माण में राजनीतिक दलों की महती भूमिका है।

D. राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना है।

कूट :

(a) A और C सत्य हैं (b) A और D सत्य हैं

(c) उपर्युक्त सभी सत्य हैं (d) उपर्युक्त सभी असत्य हैं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. औपचारिक प्रशिक्षण को निम्न वर्गों में से किसमें विभाजित किया जा सकता है?

(a) प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण (b) अभिनवकरण प्रशिक्षण

(c) सेवाकालीन प्रशिक्षण (d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

'औपचारिक प्रशिक्षण' के अंतर्गत प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण, अभिनवकरण प्रशिक्षण, सेवाकालीन प्रशिक्षण आदि सभी आते हैं। किसी भी सरकारी प्रशासनिक व्यवस्था में नियुक्ति होने के बाद प्रशिक्षण (Training) के नियतकालीन चरणों से गुजरना पड़ता है। यह प्रशिक्षण भर्ती के आरंभिक चरण से शुरू होकर सेवाकाल के दौरान तक चलता है, जैसे- भारतीय प्रशासनिक सेवा या राज्य स्तरीय प्रशासनिक सेवा में नियुक्ति पूर्व प्रशिक्षण दिया जाता है।

56. जनमत निर्माण के साधन हैं-

क. प्रेस **ख. राजनीतिक दल**

ग. दूरदर्शन **घ. शेयर बाजार**

(a) क. ग एवं घ (b) ख. ग एवं घ

(c) क, ख एवं ग (d) क, ख एवं घ

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

जनमत या लोकमत (Public Opinion) का निर्माण करने वाले साधनों में परिवार, धर्म व धार्मिक संगठन, शिक्षण संस्थाएं, संप्रेषण या संचार के साधन (प्रेस व दूरदर्शन), राजनीतिक दल व दबाव समूह, व्यवस्थापिका सभाएं, सार्वजनिक मंच आदि हैं। लावेल के अनुसार, ''जनमत या लोकमत विवेक और निःस्वार्थ भावना के ऊपर आधारित वह विचार है, जिसका लक्ष्य जाति अथवा वर्ग विशेष का हित न होकर संपूर्ण समाज का हित होता है।''

57. निम्न में से किस देश में संवैधानिक राजतंत्र है?

(a) भारत (b) ब्रिटेन

(c) जर्मनी (d) फ्रांस

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

ब्रिटेन में संवैधानिक राजतंत्र है। ब्रिटिश संसद में दो सदन हैं- 'हाउस ऑफ कॉमंस' तथा हाउस ऑफ लॉर्ड। इसमें हाउस ऑफ लॉर्ड स्थायी और उच्च सदन है, जिसके सदस्यों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राजा करता है। इस सदन के 90% सदस्य वंशानुगत होते हैं। राजा औपचारिक प्रधान होता है तथा वास्तविक शक्ति क्राउन में निहित होती है जो संसद के प्रति उत्तरदायी होता है। इस प्रकार ब्रिटेन में संवैधानिक राजतंत्र होते हुए भी संसद सर्वोच्च है। भारत में संसदीय व्यवस्था ब्रिटेन से ही ली गई है लेकिन भारत में संवैधानिक गणतंत्र है, अर्थात भारत में औपचारिक प्रमुख वंशानुगत नहीं होता।

58. किस देश में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र है?

(a) भारत (b) संयुक्त राज्य अमेरिका

(c) ब्रिटेन (d) स्विट्जरलैंड

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र है। इसके अंतर्गत जनता प्रत्यक्ष तरीके से शासक का चुनाव करती है। प्रत्यक्ष प्रजातंत्र में उपक्रम (Initiation), प्रत्याह्वान (Recall), परिपृच्छा (Referendum) आदि विधियां अपनाई जाती हैं। प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के बारे में हर्नशा ने कहा है कि ''शुद्ध रूप में लोकतंत्रीय शासन वह शासन है जिसमें जनता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से बिना कार्यवाहकों या प्रतिनिधियों के प्रभुसत्ता का प्रयोग करती है।'' प्रत्यक्ष लोकतंत्र की शासन व्यवस्था कम जनसंख्या वाले छोटे देशों में ही संभव हो सकती है।

59. स्पष्ट लोकतंत्र की मरजी यहां पाई जाती है।

(a) स्विट्जरलैंड (b) फ्रांस

(c) इंग्लैंड (d) अमेरिका

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. प्रत्यक्ष लोकतंत्र वाला देश है-

(a) इंग्लैण्ड (b) अमेरिका

(c) भारत (d) स्विट्जरलैण्ड

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. निम्न में कौन प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र से संबंधित है?

(a) जनमत संग्रह (b) प्लेबिसाइट

(c) आरंभक (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

प्रत्यक्ष प्रजातंत्र में जनता प्रत्यक्ष रूप से निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में भाग लेती है, जबकि अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन प्रक्रिया में भाग लेती है। जनमत संग्रह (रिफ्रेरंडम) पहल या आरंभक, प्लेबिसाइट (अंतिम जनमत संग्रह) और वापस बुलाना (रिकालिंग) प्रत्यक्ष प्रजातंत्र से संबंधित हैं।

62. सूची-I और सूची-II को मिलाइए :

सूची-I	सूची-II
A. भारत	**(i) सर्वाधिकारवाद**
B. नेपाल	**(ii) जनतंत्र**
C. पहले का सोवियत संघ	**(iii) धर्मतंत्र**
D. ईरान	**(iv) फांसीवाद**

निम्न कूटों से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(iii)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(*)

भारत में जनतंत्र है। भारतीय संविधान के लागू होने के बाद से भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता है। नेपाल में वर्ष 1990 तक राजतंत्र तथा 1990 के बाद संवैधानिक राजतंत्र कायम रहा। वर्ष 2008 से नेपाल आधिकारिक रूप से ''संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र नेपाल'' (Federal Democratic Republic of Nepal) के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में नेपाल संविधान सभा के माध्यम से संविधान का निर्माण कर रहा है। सोवियत संघ, जिसका आधिकारिक नाम 'सोवियत समाजवादी गणतंत्रों का संघ' (Union of Soviet Socialist Republics) था, में सर्वाधिकारवादी शासन पद्धति प्रचलित थी। ईरान वर्ष 1979 से 'ईरान का इस्लामिक गणराज्य' (Islamic Republic of Iran) के नाम से जाना जाता है।

63. निर्णय के संबंध में निम्नलिखित में से एक सत्य नहीं है-

(a) यह विभिन्न विकल्पों में से किसी एक का चुनाव करने की प्रक्रिया है।

(b) इसमें सर्वोत्तम विकल्प चुनने की स्वतंत्रता होती है।

(c) यह योजनाओं एवं नीतियों का सही चुनाव नहीं करता है।

(d) यह विवादों के समाधान की एक प्रक्रिया है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

निर्णय लेना वास्तव में समस्याओं या विवादों के समाधान की एक प्रक्रिया है। इसमें सर्वप्रथम विकल्पों का चयन किया जाता है फिर विकल्पों का विश्लेषण व मूल्यांकन करके उनमें से सर्वोत्तम विकल्प चुना जाता है। इसमें निर्णय लेने वाले व्यक्ति को विवेक की स्वतंत्रता होती है। योजनाओं व नीतियों का सही चुनाव करना भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- टैरी के अनुसार, ''दो या अधिक संभावित विकल्पों में से एक व्यावहारिक विकल्प को चुन लेना ही निर्णय देना है।''
- हर्बर्ट साइमन ने अपनी प्रसिद्ध कृति ''एडमिनिस्ट्रेटिव बिहैविअर (Administrative Behaviour) में निर्णय लेने संबंधी विचार दिए हैं।
- साइमन के अनुसार, ''प्रत्येक निर्णय अनेक तथ्यों और एक या अनेक मूल्य-वक्तव्यों का परिणाम होता है।''
- हरबर्ट साइमन को लोक प्रशासन के क्षेत्र में निर्णय-निर्माण संबंधी अपने इस योगदान के लिए 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया।

64. प्रत्यक्ष लोकतंत्र में यह व्यवस्था रहती है कि 'यदि जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों या अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक न हो, तो जनता उन्हें पद से हटाकर उनकी जगह नए प्रतिनिधि चुन सकती है।' इस पद्धति को कहते हैं-

(a) प्रत्याह्वान (b) परिपृच्छा

(c) जनमत संग्रह (d) उपक्रम

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

'प्रत्यक्ष लोकतंत्र' (Direct Democracy) की व्यवस्था 'स्विट्जरलैंड' में पाई जाती है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र के उपकरण क्रमशः जनमत संग्रह, प्रत्याह्वान, परिपृच्छा एवं उपक्रम हैं। इसमें ''यदि जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों या अधिकारियों का व्यवहार संतोषजनक नहीं लगता, तो नागरिक उन्हें अपने पद से हटाकर उनकी जगह नए प्रतिनिधि चुन सकते हैं,'' यह प्रक्रिया 'प्रत्याह्वान' (Recall) कहलाती है। इसके अतिरिक्त स्विट्जरलैंड में किसी भी कानून के निर्माण के लिए जनमत संग्रह (Referendum) की मदद ली जाती है।

65. ''द्वितीय सदन की विद्यमानता स्वतंत्रता की गारंटी व कुछ सीमा तक अत्याचार के विरुद्ध सुरक्षा भी है।'' यह किसने कहा ?

(a) ब्लंटश्ली (b) गार्नर

(c) लेकी (d) न्यायाधीश स्टोरी

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

उपरोक्त कथन गार्नर का है। गार्नर द्विसदनीय व्यवस्थापिका का समर्थन करते हैं। इससे प्रथम सदन की मनमानी पर रोक लगती है। साथ-साथ अविचारपूर्ण कानून के निर्माण पर भी रोक लगती है। इससे व्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा तथा कानून के अत्याचार से सुरक्षा प्राप्त होती है। इसी संदर्भ में गार्नर ने कहा है कि ''द्वितीय सदन की विद्यमानता स्वतंत्रता की गारंटी व कुछ सीमा तक अत्याचार के विरुद्ध सुरक्षा भी है।'' ब्लंटश्ली ने कहा है कि ''दो आंखों की अपेक्षा चार आंखे सदा अच्छा देखती हैं, विशेषतः जब किसी विषय पर विभिन्नदृष्टिकोणों से विचार करना आवश्यक हो। लॉर्ड ऐक्टन ने तो दूसरे सदन को स्वतंत्रता की रक्षा का सबसे प्रमुख साधन माना है।

66. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : राजनीति में बहुलवादी क्रांति आधुनिक लोकतांत्रिक राज्य के पुनर्गठन की मूल समस्या को रेखांकित करती है।

कारण (R) : सत्ता का केंद्रीयकरण कर्मठता में वृद्धि करता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (A) की सही व्याख्या (R) प्रस्तुत करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, परंतु (R), गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R), सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) सही है। कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। परंतु कारण (R), कथन, (A) की व्याख्या नहीं है।

वैज्ञानिक समाजवाद (साम्यवाद)

1. ''यदि प्लेटो आज जीवित होते, तो वे आधुनिक साम्यवादियों से अधिक साम्यवादी होते।'' यह कथन किसका है?

(a) अरस्तू (b) बार्कर

(c) मैक्सी (d) रूसो

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

प्लेटो के पत्नियों और संपत्ति की साम्यवादी व्यवस्था से प्रभावित होकर मैक्सी ने कहा कि यदि वह आज जीवित होते, तो आधुनिक साम्यवादियों से अधिक साम्यवादी होते।

2. मार्क्सवाद के अनुसार-

(a) राज्य एक वर्ग-संरचना है।

(b) राज्य केवल कामगारों का प्रतिनिधित्व करता है।

(c) राज्य पूरे समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है।

(d) राज्य, सरकार की आत्मा है।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

मार्क्स राज्य को एक वर्ग संरचना मानता है। उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण पूंजीपति वर्ग का है, अतः राज्य की समस्त शक्ति का प्रयोग यह वर्ग अपने हितों को पूरा करने के लिए करता है। इसी तथ्य के आधार पर मार्क्स ने राज्य को पूंजीपतियों की कार्यकारिणी समिति कहकर पुकारता है।

3. मार्क्स के राज्य और क्रांति के सिद्धांत मुख्यतः प्रभावित हैं :

(a) फ्रांस की क्रांति से (b) अमेरीकी स्वतंत्रता संघर्ष से

(c) जर्मन शास्त्रीय दर्शन से (d) सभी से

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

मार्क्स का राज्य और क्रांति का सिद्धांत 1848 से 1851 ई. के बीच संपन्न फ्रांस की क्रांतिकारी घटनाओं से प्रभावित है।

4. यह उक्ति कि 'राज्य आर्थिक आधार पर एक राजनीतिक सर्वोच्च संरचना है, संबंधित है-

(a) सामाजिक समझौता सिद्धांत से
(b) राज्य के जीवधारी सिद्धांत से
(c) राज्य के वैधिक सिद्धांत से
(d) राज्य के मार्क्सवादी सिद्धांत से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

आधार और अभिरचना के सिद्धांत के आधार पर मार्क्सवादी राज्य को पूंजीवादी आधार पर खड़ा किया गया ऊपरी ढांचा मानते हैं। यह सर्वोच्च राजनीतिक संरचना है, जिसके माध्यम से पूंजीपति वर्ग सर्वहारा वर्ग का शोषण करता है।

5. यूनेस्को ने राजनीति विज्ञान का क्षेत्र कब निर्धारित किया था?

(a) 1948 ई. (b) 1949 ई.
(c) 1950 ई. (d) 1951 ई.

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

सितंबर, 1948 में यूनेस्को भवन में एक सम्मेलन बुलाया गया। इस सम्मेलन में बहुत बड़ी संख्या में राजनीति विज्ञान के विशेषज्ञ भाग लिए एवं उनके द्वारा विचार-विमर्श करने के पश्चात राजनीति विज्ञान का क्षेत्र निर्धारित किया गया। राजनीति विज्ञान विषय में राजनीतिक सिद्धांत, राजनीतिक संस्थाएं, दल, जनमत, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आदि बिंदुओं को समाहित किया गया।

6. निम्न में किसने 'एक राष्ट्र, एक राज्य' सिद्धांत की उद्घोषणा की?

(a) मैज्जिनी (b) लॉर्ड ऐक्टन
(c) कार्ल मार्क्स (d) लेनिन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

इटली के महान देशभक्त और राजनेता मैज्जिनी ने 'एक राष्ट्र-एक राज्य के सिद्धांत की घोषणा की थी। भारत में अभिनव भारत संघ की स्थापना मैज्जिनी के 'यूथ इटली' नामक संगठन की प्रेरणा से की गई थी। मैज्जिनी का उद्देश्य एक ताकतवर देश के रूप में इटली को स्थापित करना था।

7. किसका मानना था कि राज्य सदैव ही एक दमनकारी संस्था है?

(a) हीगेल (b) रूसो
(c) बेंथम (d) मार्क्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

राज्य के संबंध में मार्क्स का विचार था कि यह सदैव ही दमनकारी संस्था है, क्योंकि इसके द्वारा ही शोषक वर्ग (पूंजीपति) शोषित वर्ग (मजदूर) का शोषण करता है। राज्य का निर्माण धनवान वर्ग अपनी संपत्ति की रक्षा के लिए करता है। जो वर्ग संपत्ति को चुनौती देता है, उसे इस संस्था द्वारा उत्पीड़ित किया जाता है और वर्ग संघर्ष को दबा दिया जाता है।

8. शक्ति-पृथक्करण का सिद्धांत निम्न में किससे संबंधित है?

(a) मैकियावेली (b) माण्टेस्क्यू
(c) सन्त टॉमस एक्वीनास (d) बेन्थम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

माण्टेस्क्यू ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'द रिपरिट ऑफ लॉज' में शक्ति-पृथक्करण के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। व्यक्ति की स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए मॉण्टेस्क्यू ने कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका के मध्य शक्तियों के विभाजन का समर्थन किया। उनका मानना था कि यदि सभी शक्तियां एक व्यक्ति या किसी एक संस्था को प्रदान कर दी जाएंगी, तो व्यक्ति की स्वतंत्रता असुरक्षित हो जाएगी। अतः शासन के तीनों अगों को दूसरे से स्वतंत्र शक्ति प्राप्त होना आवश्यक है।

9. मार्क्स के अनुसार राज्य के गठन का आसन्न कारण क्या था?

(a) शोषण (b) सामंतवाद
(c) असमाधेय वर्ग संघर्ष (d) पूंजीवाद

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

मार्क्स के अनुसार, राज्य की उत्पत्ति का कारण वर्ग संघर्ष की असमाधेय स्थिति है। एंजेल्स ने अपनी प्रशंसनीय पुस्तक 'ओरिजिन ऑफ फैमिली, प्राइवेट प्रापर्टी एण्ड द स्टेट' में राज्य की उत्पत्ति और स्वरूप के विषय में लिखा है कि 'यह समाज के विकास के एक निश्चित चरण की उपज है। यह इस बात की स्वीकृति है कि समाज ऐसे वर्ग अंतर्विरोध (संघर्ष) का शिकार है जिसका कोई हल नहीं है। ये वर्ग संघर्ष समाज और वर्गों को भस्म न कर दे इसलिए प्रकट रूप से राज्य की आवश्यकता हुई, जो इस संघर्ष पर नियंत्रण कर सके और व्यवसथा के अंतर्गत सीमित रख सके। इस संदर्भ में लेनिन का भी यही निष्कर्ष है कि 'राज्य वर्ग संघर्षों' की, जिनमें कोई समझौता सम्भव नहीं है, उपज और अभिव्यक्ति है।

10. 'राज्य का वर्ग सिद्धांत' किसने प्रतिपादित किया?

(a) मार्क्स (b) एन्जेल्स
(c) लेनिन (d) इनमें से सभी

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. 'राज्य वर्गीय विरोधाभास की असमाधानियता का परिणाम एवं प्रकटीकरण है।' यह किसका विचार है?

(a) मार्क्स (b) लेनिन
(c) बाकुनिन (d) स्टालिन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. निम्न में किसने राज्य के वर्ग-सिद्धांत का समर्थन किया?

(a) मार्क्स (b) एन्जेल्स
(c) लेनिन (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

राज्य के वर्ग सिद्धांत का समर्थन मार्क्स, एंजेल्स एवं लेनिन ने किया था।

13. 'राज्य शोषक वर्ग की कार्यकारिणी समिति है' यह विचार किससे संबंधित है?

(a) अराजकतावादियों से (b) मार्क्सवादियों से
(c) फासीवादियों से (d) व्यक्तिवादियों से

U.P.G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

मार्क्सवादियों ने राज्य को शोषक वर्ग की कार्यकारिणी समिति कहा है। अपनी इस समिति का उपयोग कर अल्पसंख्यक पूंजीपति वर्ग बहुसंख्यक सर्वहारा वर्ग का शोषण करता है।

14. निम्नलिखित में से मार्क्स के अनुसार कौन ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रमुख कारक है?

(a) व्यक्ति (b) जनता
(c) वर्ग (d) दल

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

मार्क्स के अनुसार, वर्ग ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रमुख कारक है। मार्क्स के अनुसार समाज का अब तक का इतिहास, वर्ग संघर्षों का इतिहास रहा है। मार्क्स के अनुसार, धनवान एवं निर्धन वर्गों के बीच संघर्ष आदिम काल से ही रहा है, जो तब तक जारी रहेगा जब तक स्वयं कामगार वर्ग समाज की बागडोर नहीं संभाल लेता।

15. निम्नलिखित कथन किसने कहा है ''अब तक के समाज का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है''?

(a) प्लेटो (b) लॉक
(c) लेनिन (d) मार्क्स

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. कार्ल मार्क्स के अनुसार उसके पहले का सारा समाजवादी चिंतन क्या था?

(a) काल्पनिक (b) विकासवादी
(c) क्रांतिकारी (d) फेबिनयन

U.P.G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

कार्ल मार्क्स ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'क्रिटिक ऑफ द गोथा प्रोग्राम' में अपने पूर्व समाजवादी विचारकों की आलोचना करते हुए कल्पनावादी माना। मार्क्स का कहना था कि ''उन्होंने सुंदर गुलाबों की कल्पना तो की पर उसके लिए जमीन नहीं तैयार की।''

17. मार्क्स किस देश का रहने वाला था?

(a) जापान (b) जर्मनी
(c) फ्रांस (d) इटली

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(b)

कार्ल मार्क्स का जन्म 5 मई, 1818 को जर्मनी के राइन प्रांत के 'ट्रियर' शहर में हुआ था। मार्क्स ने अपने जीवन का अधिकांश समय फ्रांस और ब्रिटेन में बिताया। मार्क्स ने काल्पनिक समाजवाद को वैज्ञानिक समाजवाद में रूपांतरित किया। मार्क्स की शिक्षा बॉन और बर्लिन विश्वविद्यालय में हुई जहां वह जी. डब्ल्यू. एफ. हेगेल के चिंतन से बहुत प्रभावित हुआ। बाद में उसने हेगेल की द्वंद्वात्मक पद्धति को लेते हुए तथा फायरबाख से भौतिकवाद को लेते हुए अपने 'द्वंद्वात्मक भौतिकवाद' का निरूपण किया।

18. कार्लमार्क्स का जन्म हुआ था-

(a) इंग्लैंड (b) फ्रांस
(c) जर्मनी (d) रूस

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. मार्क्स के अनुसार, इतिहास उपज है,

(a) भौतिक शक्तियों का
(b) धार्मिक शक्तियों का
(c) राजनीतिक शक्तियों का
(d) भौतिक, धार्मिक एवं राजनीतिक शक्तियों के सम्मिश्रण का

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

मार्क्स के अनुसार भौतिक शक्तियां इतिहास के स्वरूप को निर्धारित करती हैं। इतिहास का प्रत्येक चरण उत्पादन की भौतिक शक्तियों के स्वामित्व और उससे निर्मित संबंधों के पारस्परिक संघर्षों का लेखा-जोखा है।

20. किन आधारों पर मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद सामाजिक घटनाओं की व्याख्या और विश्लेषण करता है?

(a) भौतिक शक्तियां (b) साम्प्रदायिक शक्तियां
(c) राजनीतिक शक्तियां (d) अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

मार्क्स ने हीगल का खण्डन करते हुए कहा कि सामाजिक परिवर्तन का प्रमुख कारण पदार्थ है न कि चेतना। उत्पादन के साधन उत्पादन के संबंधों को निर्धारित करते हैं और उत्पादन के संबंधों द्वारा सामाजिक घटनाओं का निरूपण होता है।

21. इनमें से किस वर्ग के विचारकों ने वाद, प्रतिवाद और संवाद की द्वन्द्वात्मक पद्धति का प्रयोग किया?

(a) मार्क्स और मिल ने (b) मार्क्स और कांट ने
(c) हेगेल और मार्क्स ने (d) हेगेल और लॉस्की ने

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

हेगेल और मार्क्स ने वाद, प्रतिवाद और संवाद की द्वन्द्वात्मक पद्धति का प्रयोग किया। हेगेल विश्व का अध्ययन सदैव विकासवादी दृष्टिकोण से करता है। इस विकासवादी क्रिया को हेगेल ने द्वन्द्वात्मक क्रिया (Dialectic Process) नाम दिया। इस द्वन्द्ववाद शब्द की उत्पत्ति यूनानी भाषा के शब्द 'Dialego' से हुई, जिसका अर्थ वाद-विवाद करना होता है और जिसके फलस्वरूप संश्लेषण अर्थात संवाद की उत्पत्ति होती है, जो पहले के दोनों रूपों से भिन्न होता है। मार्क्स, हेगेल के द्वन्द्ववाद से प्रभावित था परंतु उसने हेगेल के आदर्शवाद की उपेक्षा किया तथा द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का प्रतिपादन किया। मार्क्स का भौतिक द्वन्द्ववाद का सिद्धांत विकासवाद का सिद्धांत है जिसके तीन अंग वाद, प्रतिवाद और संश्लेषण या संवाद हैं। उदाहरणार्थ- यदि गेहूं के दाने पर द्वन्द्ववाद का अध्ययन करें, तो गेहूं को जमीन में गाड़ देने से उसका स्वरूप नष्ट हो जाएगा और एक अंकुरण प्रकट होगा और वह अंकुरण विकसित होकर पौधा बनेगा उसमें गेहूं के अनेक दाने लगेंगे। यदि गेहूं का बीज वाद है, तो पौधा 'प्रतिवाद' जो निरंतर बढ़ता रहता है और पौधे से नए दाने का जन्म संश्लेषण है।

22. निम्नलिखित विचारों में से मार्क्स ने हीगल से कौन-सा विचार लिया था?

(a) वर्ग-संघर्ष का सिद्धांत (b) अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत
(c) द्वंद्वात्मक पद्धति (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. मार्क्स ने द्वंद्व (dialectics) का सिद्धांत किससे लिया?

(a) एंजिल्स (b) हेगेल
(c) आवेन (d) रिकॉर्डो

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. किसने विचारधारा को भ्रामक चेतना कहा?

(a) डेविड ईस्टन (b) मार्क्स
(c) वेबर (d) कॉर्ल डायच

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

मार्क्स के अनुसार विचारधारा पूंजीपति वर्ग द्वारा सर्वहारा वर्ग पर प्रभुत्व स्थापित करने का साधन है। यह एक भ्रामक चेतना है, जो शोषण के वास्तविक मुद्दों पर पर्दा डालने का कार्य करती है।

25. निम्न में से कौन-सा कथन कार्ल मार्क्स के दर्शन का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) राज्य एक सकारात्मक अच्छाई है
(b) राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है
(c) राज्य शोषण का एक साधन है
(d) राज्य एक आवश्यक बुराई है

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(c)

कार्ल मार्क्स के अनुसार, राज्य का उदय वर्ग विभेद के कारण हुआ और राज्य संस्था सदैव ही शोषक वर्ग के सहायक के रूप में कार्य करती रही है। पूंजीवादी युग में राज्य संस्था पर पूंजीपति वर्ग का आधिपत्य है और पूंजीपति वर्ग राज्य संस्था की सहायता से श्रमिक वर्ग का शोषण करता है। मार्क्स के अनुसार, ''राज्य केवल एक यंत्र है, जिसकी सहायता से एक वर्ग दूसरे वर्ग का शोषण करता है।''

26. मार्क्सवाद मानते हैं कि

(a) राज्य एक वर्ग संरचना है
(b) राज्य केवल मजदूरों का प्रतिनिधित्व करता है
(c) पूरे समाज को राज्य प्रतिनिधित्व करता है
(d) राज्य एक सत्ता पद्धति है

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

मार्क्सवादी राज्य को एक वर्ग संरचना मानते हैं। राज्य के अस्तित्व का कारण था पूंजीवादी प्रणाली के खिलाफ विद्रोह को दबाना तथा शोषण को स्थायी बनाना। उत्पादन के साधनों का स्वामी राज्य की शक्ति का प्रयोग कर सर्वहारा की क्रांति की संभावनाओं को समाप्त करने का प्रयास करता है।

27. इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या एवं वर्ग-संघर्ष के सिद्धांत का निरोपण किसने किया?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) कार्ल मार्क्स

(c) जे.एस. मिल (d) हॉब्स

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

कार्ल मार्क्स ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'दास कैपिटल' और 'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' में क्रमशः इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या एवं वर्ग संघर्ष के सिद्धांत का प्रतिपादन किया।

28. इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या के माध्यम से मार्क्स स्पष्ट करना चाहते हैं कि-

(a) इतिहास की गति अपरिवर्तनीय है।

(b) समाज के नेताओं द्वारा इतिहास की गति निर्धारित होती है।

(c) मनुष्य की चेतना द्वारा इतिहास की गति निर्धारित होती है।

(d) उत्पादन की पद्धति इतिहास की गति निर्धारित करती है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या के माध्यम से मार्क्स ने इतिहास के प्रत्येक चरण को उत्पादन के साधनों के स्वामित्व के आधार पर व्याख्यायित किया है। आदिम साम्यवादी व्यवस्था, दासप्रथा व्यवस्था, सामंतवादी व्यवस्था, पूंजीवादी व्यवस्था और अंत में साम्यवादी व्यवस्था।

29. निम्नांकित में से कौन एक मार्क्सवादी समाजवाद सिद्धांत का आधार है?

(a) परिवर्तन की मूल सच्चाई ईश्वर है।

(b) मनुष्य का विचार वास्तविक सच्चाई नहीं है।

(c) परिवर्तन की मूल सच्चाई पदार्थ है।

(d) प्रकृति परिवर्तन का मार्ग है।

U.P.G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P.G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

मार्क्सवादी समाजवाद में भौतिकवादी मान्यता को स्वीकार करते हुए परिवर्तन के मूल में पदार्थ की सत्यता को माना है। विकास की द्वन्द्वात्मक पद्धति के अनुरूप पदार्थ अपने विरोधी प्रतिवाद को उत्पन्न करता है। पदार्थ (वाद) और प्रतिवाद का संश्लेषण संवाद के रूप में हो जाता है। पुनः संवाद भी अपने आंतरिक विरोध के चलते प्रतिवाद को जन्म देता है। इस प्रकार यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है, जब तक कि पदार्थ अपने सर्वोच्च स्थान को ग्रहण न कर लें।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा मार्क्सवाद से संबंधित नहीं है?

(a) इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या

(b) वर्ग संघर्ष

(c) अतिरिक्त मूल्य

(d) यद्मात्यम्

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

यद्मात्यम् (Laissez Faire) की नीति का संबंध उदारवाद से है, जबकि अन्य सभी सिद्धांतों का संबंध मार्क्सवाद से है।

मार्क्सवाद की आधारभूत मान्यताएं निम्न हैं-

- द्वंद्वात्मक भौतिकवाद
- ऐतिहासिक भौतिकवाद
- वर्ग संघर्ष का सिद्धांत
- अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत
- वर्ग चेतना की अवधारणा
- क्रांति का सिद्धांत

31. निम्नलिखित में से क्या मार्क्सवाद से संबंध नहीं रखता है?

(a) अतिरिक्त मूल्य (b) इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या

(c) अहस्तक्षेप (d) वर्ग संघर्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. ''द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत'' निम्न में से किसका है?

(a) वैज्ञानिक समाजवाद का (b) उदारवाद का

(c) फासीवाद का (d) व्यक्तिवाद का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. निम्न में से कौन-सा उपागम इस विश्वास पर आधारित है कि आर्थिक आधार वैचारिक तथा राजनीतिक अधिसंरचना को निर्धारित करता है?

(a) ऐतिहासिक भौतिकवाद (b) संस्थावाद

(c) व्यवहारवाद (d) क्रीड़ा सिद्धांत

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

ऐतिहासिक भौतिकवाद, इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या पर आधारित है, जिसके प्रमुख व्याख्याकार मार्क्स थे। यह उपागम इस मान्यता पर आधारित है कि, इतिहास के प्रत्येक चरण में जिनका उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण होता है, वही लोग राजनीति, विचारधारा, संस्कृति और शिक्षा पर भी नियंत्रण स्थापित कर लेते हैं। पूंजीवादी एवं साम्यवादी प्रणाली में आर्थिक आधार की भिन्नता की वजह से दोनों की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं का स्वरूप भी भिन्न-भिन्न होता है।

34. 'मार्क्स' का कौन-सा विचार शास्त्रीय अंग्रेजी स्कूल से प्रेरित है :

(a) लेबर सिद्धांत (b) अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत

(c) दोनों (a) और (b) (d) उपर्युक्त कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

मार्क्स के विचारों का स्रोत अनेक विचारकों से ग्रहण किए गए थे। अपने आंग्ल समाजवादियों तथा अर्थशास्त्रियों से भी काफी सीखा था। थाम्पसन, हांग्सकिन तथा अन्य ऑग्ल समाजवादियों का यह विचार था कि श्रम, मूल्य का एकमात्र स्रोत है। अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत रिकॉर्डो की देन है।

35. किसने कहा 'सर्वहारा की तानाशाही मार्क्स के सिद्धांत का सार है''?

(a) ऐंजिल्स (b) लेनिन

(c) स्टालिन (d) लॉस्की

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

लेनिन ने 'सर्वहारा की तानाशाही या अधिनायकवाद को मार्क्सवाद का सार' माना है। लेनिन के अनुसार, समाजवादी क्रांति से सर्वहारा का अधिनायकत्व स्थापित होगा। यह व्यवस्था उत्पादन के प्रमुख साधनों को सामाजिक स्वामित्व में रखेगी और अपनी सारी शक्ति तथा राज्य के सब संसाधनों का प्रयोग इस तरह करेगी जिससे पूंजीवाद के अवशेषों को मिटाया जा सके, प्रतिक्रांतिकारी शक्तियों को कुचला जा सके और सभी स्वस्थ व्यक्तियों के लिए श्रम की अनिवार्यता बनाकर प्रौद्योगिकी को इतना उन्नत किया जा सके कि श्रम की उत्पादन क्षमता को उच्चतम स्तर तक पहुंचाया जा सके।

36. निम्नलिखित में से किसे मार्क्सवाद को लेनिन का सर्वाधिक विशिष्ट योगदान माना जाता है?

(a) वर्ग-संघर्ष का सिद्धांत (b) अपवर्तन का सिद्धांत

(c) मूल्य का श्रम सिद्धांत (d) दल का सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

मजदूर वर्ग को प्रशिक्षित करने, नेतृत्व करने तथा क्रांति वर्ग की ज्वाला को बनाए रखने के लिए लेनिन ने दल के महत्व को स्वीकार किया था। सोवियत रूस में क्रांति को सफल बनाने के लिए लेनिन ने बोल्सेविक दल का गठन किया और वर्ष 1917 में जारशाही को उखाड़ फेंका।

37. मार्क्स के अनुसार सर्वहारा के अधिनायकत्व के दौरान उत्पादन के साधनों का प्रयोग होगा :

(a) मजदूरों के लाभ के लिए (b) सामाजिक अच्छाई के लिए

(c) शासक वर्ग के लाभ के लिए (d) किसी के लिए नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

सर्वहारा के अधिनायकत्व के दौरान उत्पादन के साधनों का स्वामित्व तो सर्वहारा वर्ग के हाथ में होगा, किंतु उसका उपयोग सामाजिक भलाई के लिए होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य होगा ''प्रत्येक से उसकी योग्यता के अनुसार और प्रत्येक को उसकी आवश्यकता के अनुसार।''

38. मार्क्स ने पॅट्रीशियन- प्लेबियन और गिल्ड मास्टर जार्नीमेन का उल्लेख किस संदर्भ में किया था?

(a) वर्ग संघर्ष के संदर्भ में

(b) वर्ग सहयोग एवं विवाह के संदर्भ में

(c) नस्लीय संघर्ष के संदर्भ में

(d) नस्लीय सहयोग के संदर्भ में

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

मार्क्स ने पॅट्रीशियन- प्लेबियन और गिल्ड मास्टर-जार्नीमेन का उल्लेख वर्ग संघर्ष के संदर्भ में किया है। कार्ल मार्क्स एवं फ्रेडरिक एंगेल्स द्वारा रचित पुस्तक कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो (1848) के अनुसार सभी वर्तमान समाजों का इतिहास वर्ग-संघर्ष का इतिहास है। यह वर्ग-संघर्ष विभिन्न कालों में विभिन्न वर्गों जैसे फ्रीमैन-स्लेव, पॅट्रीशियन-प्लेबियन, लॉर्ड-सर्फ (Lord and serb), गिल्डमास्टर-जार्नीमेन के मध्य हुआ था। शोषक एवं शोषित के मध्य का यह संघर्ष कभी दृश्य एवं कभी अदृश्य रूप में होता है। जिसके परिणामस्वरूप या तो समाज का पुनर्निर्माण होता है या दोनों ही वर्गों का विनाश होता है।

39. सतत क्रांति का सिद्धांत किसने दिया ?

(a) मार्क्स (b) लेनिन

(c) माओ (d) हो-ची मिन्ह

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

'सतत क्रांति' या 'निरंतर क्रांति' का सिद्धांत माओ ने दिया। माओ के अनुसार, क्रांति कोई अंतिम समाधान नहीं है, बल्कि वह केवल अभीष्ट दिशा में प्रगति का एक चरण है। आर्थिक मोर्चे पर समाजवादी क्रांति हो जाने के बाद समाजवादी व्यवस्था अपने आप सुदृढ़ नहीं हो जाएगी, इसके लिए राजनीतिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और विचारधारात्मक मोर्चों पर समाजवाद को बढ़ावा देना जरूरी होगा, जिसमें लंबा समय लगेगा। अतः समाजवादी पुनर्निर्माण की प्रक्रिया 'निरंतर क्रांति' की प्रक्रिया है, जिसमें कभी कोई ढील नहीं दी जा सकती।

40. माओ के अनुसार, मार्क्सवादी क्रांति में कृषकों की भूमिका-

(a) प्रतिक्रियात्मक होगी (b) शून्य होगी

(c) महत्वपूर्ण होगी (d) महत्वहीन होगी

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

माओ के अनुसार, मार्क्सवादी क्रांति में कृषकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। माओ किसानों को साथ लेकर मार्क्सवादी क्रांति की सफलता के लिए संघर्ष करता रहा। चीन के गांवों में विद्रोही किसानों को एकजुट करते हुए उसने चीनी सोवियत रिपब्लिक की नींव रखा।

41. 'लोक युद्ध (People's war) की संकल्पना विकसित करने का श्रेय जाता है-

(a) लेनिन को (b) रूसो को
(c) ग्राम्सी को (d) माओत्से-तुंग को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

'लोक युद्ध' (People's war) का सिद्धांत माओत्से-तुंग की अपनी विशिष्ट एवं मौलिक संकल्पना है। इसके अंतर्गत माओ ने सेना व हथियारों की तुलना में जनता को अधिक महत्व प्रदान किया। माओ के अनुसार, युद्ध में हथियारों का अपना महत्व है पर वे निर्णायक तत्व नहीं हैं। निर्णय मनुष्यों द्वारा किया जाना है, जड़ वस्तुओं के द्वारा नहीं। लोक युद्ध को सफल बनाने के लिए वह गुरिल्ला युद्ध या छापामार युद्ध पर अत्यधिक बल देता है।

42. निम्न में से कौन सांस्कृतिक क्रांति के लिए जाना जाता है?

(a) लेनिन (b) माओ
(c) स्टालिन (d) गोर्बाचेव

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

चीन में सर्वहारा क्रांति को स्थायी बनाने के लिए 'सांस्कृतिक क्रांति' लाने का श्रेय माओ को जाता है। इस क्रांति का उद्देश्य माओवादी विचारधारा को चीनी समाज में स्थापित करना तथा प्रतिक्रियात्मक विचारों का दमन करना था।

43. 'मार्क्स ने साम्यवाद को अस्त-व्यस्त स्थिति में पाया और उसे एक आंदोलन बना दिया, उसके द्वारा उसे एक दर्शन और दिशा मिली।' यह कथन किसका है?

(a) मैक्सी (b) हंट
(c) लेनिन (d) लॉस्की

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

मार्क्स ने पूर्व में प्रचलित बिखरे हुए विचारों को एकत्रित करके तर्कबद्धता उत्पन्न की। उसने न केवल एक प्रणाली के रूप में संगठित किया बल्कि उसे एक आक्रामक सिद्धांत बना दिया। उसके द्वारा साम्यवाद एक अंतरराष्ट्रीय आंदोलन बन गया। इसी संदर्भ में लॉस्की ने कहा कि 'मार्क्स ने साम्यवाद को अस्त-व्यस्त स्थिति में पाया और उसे एक आंदोलन बना दिया।'

44. 'श्रमिकों की तानाशाही' के सिद्धांत को किसने सुपरिष्कृत किया?

(a) कार्ल मार्क्स ने 'दास-कैपिटल' में
(b) कार्ल मार्क्स एवं ऐंजिल्स ने 'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' में
(c) ऐंजिल्स ने 'ओरिजिन ऑफ फैमिली प्राइवेट प्रॉपर्टी एंड स्टेट' में
(d) लेनिन ने 'स्टे एंड रिवोल्यूशन' में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(d)

लेनिन ने वर्ष 1917 में लिखी अपनी पुस्तक 'राज्य और क्रांति' (State & Revolution) में 'श्रमिक की तानाशाही' को स्पष्ट करने का प्रयास किया, लेकिन 1918 में लिखी अपनी पुस्तक 'प्रोलेलरिएट रेवोल्यूशन एंड रेनीगेड काउत्स्की' में उन्होंने सर्वहारा अधिनायकवाद या श्रमिक वर्ग की तानाशाही संबंधी विस्तृत विवेचन की।

45. 'सर्वहारा-वर्ग का अधिनायकत्व' की अवधारणा का प्रतिपादन किया गया-

(a) कार्ल मार्क्स द्वारा 'दास कैपिटल' में
(b) लेनिन द्वारा 'स्टेट एण्ड रिवोल्यूशन' में
(c) मार्क्स तथा लेनिन द्वारा 'कम्यूनिस्ट मैनिफेस्टो' में
(d) उपरोक्त में से किसी के द्वारा नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. लेनिन के अनुसार साम्राज्यवाद-

(a) पूंजीवाद की निम्नतम अवस्था है
(b) पूंजीवाद का संकुचन है
(c) पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था है
(d) पूंजीवाद का समाजवाद में विलय

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

लेनिन के अनुसार साम्राज्यवाद पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था है। लेनिन ने इस अवस्था का विश्लेषण अपनी प्रसिद्ध कृति 'इंपीरियलिज्म : द हाइएस्ट स्टेज ऑफ कैपिटलिज्म' (साम्राज्यवाद : पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था) में किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लेनिन साम्राज्यवाद को पूंजीवाद (Capitalism) की अभिव्यक्ति मानते हैं।
- लेनिन ने वर्ष 1902 में 'ह्वाट इज टु बि इन?' (अब हमें क्या करना है?) की रचना किया। जिसमें अपने सैद्धांतिक विचारों का उल्लेख किया।

47. ''साम्राज्यवाद पूंजी का अंतिम चरण है।'' यह कथन किसका है?

(a) मुसोलिनी (b) हिटलर
(c) लेनिन (d) स्टालिन

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. राज्यहीन, वर्गहीन समाज पर किस विचारक का विश्वास था?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू

(c) मार्क्स (d) जान लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

राज्यहीन, वर्गहीन समाज पर मार्क्स का विश्वास था, मार्क्स ने द्वंद्वात्मक पद्धति के माध्यम से 'समाजवाद' को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। संपूर्ण इतिहास को 'वर्गहीन समाज' की स्थापना की ओर अग्रसर होते हुए दिखाया। मार्क्स राष्ट्रवाद का विरोधी था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मार्क्स का सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रंथ 'दास कैपिटल' (Das Capital) और 'कम्युनिस्ट मेनीफेस्टो' (Communist Manifesto) आदि हैं।
- दास कैपिटल को श्रमिकों का धार्मिक ग्रंथ (Bible of The Working Class) तथा 'धनिकों का दिमाग ठंडा करने वाला नुस्खा' कहा जाता है।

49. जनतंत्रीय समाजवाद और मार्क्सवादी समाजवाद एक-दूसरे से इस आधार पर भिन्न हैं कि वह जोर देते हैं-

(a) सामाजिक समानता पर (b) आर्थिक समानता पर

(c) राजनीतिक समानता पर (d) व्यक्ति स्वतंत्रता पर

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(*)

दिए गए प्रश्न की प्रकृति के आधार पर किसी भी विकल्प का चयन नहीं किया जा सकता। जनतंत्रीय समाजवाद राजनीतिक समानता पर अधिक जोर देता है, जबकि मार्क्सवादी समाजवाद आर्थिक समानता पर अधिक जोर देता है।

50. निम्न में विचारकों का कौन-सा युग्म वैज्ञानिक समाजवाद के संस्थापकों में माना जाता है?

(a) चार्ल्स फूरिये तथा सेंट साइमन

(b) सिडनी वेब तथा बिएट्रिस वेब

(c) मार्क्स तथा ऐंजिल्स

(d) आर. एच. टावनी तथा विलियम एबेंसटीन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

कार्ल मार्क्स एवं ऐंजिल्स को वैज्ञानिक समाजवाद अथवा साम्यवाद का संस्थापक माना जाता है। इसके अतिरिक्त चार्ल्स फूरिये, सेंट साइमन, थॉमस मूर, रॉबर्ट ओवन आदि काल्पनिक समाजवाद के संस्थापक कहे जाते हैं। 'समाजवाद' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'रॉबर्ट ओवन' ने किया था।

51. इनमें से कौन वैज्ञानिक समाजवाद का प्रतिपादक है?

(a) जे.एस. मिल (b) कार्ल मार्क्स

(c) लॉस्की (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. मार्क्स सिद्धांत इसका समर्थन करता है-

(a) पूंजीवाद (b) साम्यवाद

(c) सामंतवाद (d) सांप्रदायिकता

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. वैज्ञानिक समाजवाद का जनक था-

(a) स्पेन्सर (b) जे.एस. मिल

(c) कार्ल मार्क्स (d) लूथर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. ''हरेक से अपनी क्षमता के अनुसार, हरेक को अपनी आवश्यकता के अनुसार।'' यह सूत्र किस व्यवस्था का है?

(a) पूंजीवादी (b) समाजवादी

(c) साम्यवादी (d) राष्ट्रवादी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

लेनिन ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'स्टेट एंड रिवोल्युशन' (राज्य और क्रांति) के अंतर्गत 'समाजवादी और साम्यवादी व्यवस्थाओं में अंतर करते हुए लिखा है : समाजवादी दौर में व्यक्तियों के अधिकार इस सूत्र से निर्धारित किए जाते हैं- ''प्रत्येक से अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार, प्रत्येक को अपने-अपने कार्य के अनुसार''। परंतु साम्यवाद के उन्नत दौर के अंतर्गत, जब उत्पादन की शक्तियां पूर्णतः विकसित हो जाती है, व्यक्तियों के अधिकार इस सूत्र से निर्धारित किए जाते है- ''प्रत्येक से अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार, प्रत्येक को अपनी-अपनी आवश्यकता के अनुसार''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- साम्यवाद के दौर में सभी लोग कामगार होते हैं, इसलिए समाज वर्गहीन हो जाता है।
- साम्यवाद के युग में उत्पादन की नीतियां संपूर्ण समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, किसी वर्ग के निजी लाभ के लिए नहीं बनाई जातीं।
- साम्यवाद के दौर में सब कामगारों की सारी आवश्यकताएं पूरी करना संभव हो जाता है, और प्रतिस्पर्धा की भावना बिल्कुल समाप्त हो जाती है।

55. ''राज्य के लुप्त हो जाने का विचार'' संबंधित है-

(a) उदारवाद से (b) समाजवाद से

(c) साम्यवाद से (d) श्रेणी समाजवाद से

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

'राज्य के लुप्त हो जाने का विचार' साम्यवाद से संबंधित है। मार्क्स के अनुसार, सर्वहारा वर्ग के अधिनायकत्व के बाद जब विरोधी वर्गों का अंत हो जाएगा तो राज्य की सत्ता का भी अंत हो जाएगा और राज्यहीन व वर्ग विहीन समाज की स्थापना होगी।

56. ''एक दिन ऐसा आएगा जब राज्य लुप्त हो जाएगा।'' किसने कहा?

(a) अरस्तू (b) कार्ल मार्क्स

(c) बेन्थम (d) मैकियावली

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. किसने दावा किया था कि 'राज्य आखिरकार मुरझा जाएगा'?

(a) कांट (b) मार्क्स

(c) ॲरिस्टॉटल (d) गांधी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया है?

(a) रूसो (b) मार्क्स

(c) लॉस्की (d) मिल

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

अतिरिक्त मूल्य के सिद्धांत का प्रतिपादन राजनीतिक क्षेत्र में कार्ल मार्क्स द्वारा किया गया। 'अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत' (Theory of Surplus Value) मूलतः रिकॉर्डो के 'मूल्य का श्रम सिद्धांत' (Labour Theory of Value) से प्रभावित है। मार्क्स का अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत रिकॉर्डो के सिद्धांत का ही व्यापक रूप है। इसलिए रिकॉर्डो को अतिरिक्त मूल्य के सिद्धांत का जनक माना जाता है। मार्क्स के अनुसार, ''अतिरिक्त मूल्य उन दो मूल्यों का अंतर है, जिसे एक मजदूर पैदा करता है और जो वह वास्तव में पाता है।''

59. अधिशेष मूल्य का मतलब है-

(a) अत्यधिक मूल्य (b) अल्प मूल्य

(c) उच्च मुनाफा (d) बिक्री प्राप्ती और वेतन का अंतर

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. 'अतिरिक्त मूल्य' का सिद्धांत किसने विकसित किया था?

(a) जॉर्ज सोरेल (b) कार्ल मार्क्स

(c) मैक्स वेबर (d) रिकॉर्डो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. 'अतिरिक्त मूल्य के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया था :

(a) एडम स्मिथ ने (b) मार्शल ने

(c) रॉबिंस ने (d) कार्ल मार्क्स ने

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. ''अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत'' किसने प्रतिपादित किया?

(a) कार्ल मार्क्स (b) प्लेटो

(c) मिल (d) बेन्थम

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. मार्क्स ने निम्न में से किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत (b) आदर्शवादी मूल्य का सिद्धांत

(c) समाजवादी मूल्य का सिद्धांत (d) उपर्युक्त में किसी का भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. 'जनवादी लोकतंत्र' की अवधारणा संबंधित है :

(a) लोकतंत्र की मार्क्सवादी अवधारणा से

(b) लोकतंत्र के विशिष्ट वर्गीय सिद्धांत से

(c) लोकतंत्र के बहुलवादी सिद्धांत से

(d) उपर्युक्त में से किसी से भी नहीं से

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

जनवादी लोकतंत्र (People's Democracy) की अवधारणा का संबंध लोकतंत्र की मार्क्सवादी धारणा से है। जनवादी लोकतंत्र की अवधारणा को विकसित करने का श्रेय चीन के साम्यवादी नेता 'माओत्से तुंग' को जाता है, जिन्होंने मार्क्सवाद को एशिया की परिस्थितियों के अनुरूप ढाला। जनवादी लोकतंत्र में सरकार के अंग के रूप में कुछ बुर्जुआ, पेटी बुर्जुआ, किसान और सर्वहारा वर्ग रहते हैं।

65. निम्नलिखित में तीन ऐसे हैं, जो एक-दूसरे से मिलते हैं। वह चौथा कौन-सा है, जो इन तीनों से अलग है?

(a) उदारवाद (b) बहुलवाद
(c) व्यक्तिवाद (d) समाजवाद

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

समाजवाद, मूलतः अपने प्रारंभिक समय में काल्पनिक था, लेकिन बाद में मार्क्स एवं ऐंजिल्स ने इसको वैज्ञानिक समाजवाद में रूपांतरित कर दिया। वैज्ञानिक समाजवाद, उदारवाद के प्रतिक्रियास्वरूप उत्पन्न हुआ था। उदारवाद, व्यक्तिवाद व बहुलवाद तीनों एक ही धारा के विविध रूप हैं। उदारवाद के ही भीतर से आगे चलकर विकासवादी समाजवाद की धारा निकली जिसमें बर्नस्टीन जैसे संशोधनवादियों का योगदान रहा। नकारात्मक उदारवाद न्यूनतम राज्य का समर्थक था, तो सकारात्मक उदारवाद व्यक्ति के हित में राज्य के हस्तक्षेप का पक्षधर था। समाजवाद राज्य को सबसे महत्वपूर्ण मानता है, जिसके माध्यम से पूंजीपतियों को नष्ट करके क्रमशः राज्य विहीन समाज की स्थापना होगी।

66. विकासवादी समाजवाद का मुख्य प्रवक्ता कौन है?

(a) क्रोपोटकिन (b) विलियम गॉडविन
(c) ए.जे. पेण्टी (d) एडवर्ड बर्नस्टीन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. 'समाजवाद' शब्द का प्रथम बार उपयोग करने वाला था-

(a) रॉबर्ट ओवेन (b) मार्क्स
(c) एंजिल्स (d) सेंट साइमन

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

'समाजवाद' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग रॉबर्ट ओवेन (1771–1858) ने किया था, जो एक ब्रिटिश उद्योगपति, मानव प्रेमी एवं सहकारिता आंदोलन का अग्रदूत था। रॉबर्ट ओवेन द्वारा लिखित पुस्तकें क्रमशः 'ए न्यू व्यू ऑफ सोसाइटी', 'एसेज ऑन द फार्मेशन ऑफ कैरेक्टर', 'सोशल सिस्टम', 'द बुक ऑफ द न्यू मोरल वर्ल्ड एवं द फ्यूचर ऑफ द ह्यूमन रेस' हैं।

68. 'समाजवाद' शब्द का प्रथम बार प्रयोग करने वाला था?

(a) रॉबर्ट ओवेन (b) कार्ल मार्क्स
(c) लेनिन (d) बर्नस्टीन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. 'समाजवाद' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया?

(a) लेनिन (b) रॉबर्ट ओवेन
(c) कार्ल मार्क्स (d) हीगल

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. ''आंग्ला-भाषी जगत में राजनीतिक सिद्धांत मर चुका है, साम्यवादी देशों में वह बंदी हैं और अन्यत्र मर रहा है।'' यह कथन किसका है?

(a) अल्फ्रेड कॉबेन (b) डेविड ईस्टन
(c) सी.एल. वेपर (d) राबर्ट डहल

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

उपरोक्त कथन रॉबर्ट डहल का है। किसी भी विषय को समग्र रूप से समझने के लिए एक सामान्य सिद्धांत की आवश्यकता होती है। राजनीति विज्ञान को समग्र रूप में समझने तथा इसका भविष्य में विकास एक आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत के निर्माण पर निर्भर करता है, परंतु वर्तमान स्थिति में राजनीतिक सिद्धांत की स्थिति बड़ी सोचनीय है। इसी संदर्भ में डहल ने कहा है कि ''आंग्ल-भाषी जगत में राजनीतिक सिद्धांत मर चुका है, साम्यवादी देशों में वह बंदी है और अन्यत्र मर रहा है।'' ज्ञातव्य है कि डेविड ईस्टन तथा कॉबेन भी राजनीतिक सिद्धांत के पतन से दुखी हैं।

71. ''मार्क्सवादी केवल वही है जो वर्ग संघर्ष की मान्यता को मजदूर वर्ग की तानाशाही की मान्यता तक ले जाता है।'' यह किसने कहा था?

(a) लेनिन (b) स्टॉलिन
(c) काउत्सकी (d) बर्नस्टीन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

मार्क्स और एंगेल्स की मृत्यु के बाद, लेनिन ने मजदूर आंदोलन के भीतर सभी विजातीय विचारों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए सर्वहारा अधिनायकत्व की सर्वोच्चता पर लगातार बल दिया। इन्होंने अपनी पुस्तक 'राज्य और क्रांति' में लिखा है कि ''केवल वही मार्क्सवादी कहला सकता है, जो वर्ग संघर्ष की स्वीकृति को सर्वहारा के अधिनायकवाद की स्वीकृति तक ले जाता है।''

72. 'लेनिन का मार्क्सवाद मार्क्स के सिद्धांतों की दृढ़ता में एवं कट्टरतम स्वीकृति होने के साथ परिस्थितियों के अनुसार इन सिद्धांतों की स्वतंत्रतम बदलती हुई व्यवस्था है।'' यह कथन किसका है?

(a) प्रो. लॉस्की (b) जॉर्ज एच. सेबाइन
(c) कोकर (d) कैटलीन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

जॉर्ज एच. सेबाइन ने अपनी पुस्तक ''द हिस्ट्री ऑफ पॉलिटिकल थियरी'' (1973) में लिखा है कि ''लेनिन का मार्क्सवाद मार्क्स के सिद्धांतों की दृढ़तम एवं कट्टरतम स्वीकृत होने के साथ परिस्थितियों के अनुसार इन सिद्धांतों की स्वतंत्रतम बदलती हुई व्यवस्था है।''

73. कार्ल मार्क्स ने किस विचार का प्रतिपादन नहीं किया?

(a) हीगल का दर्शन सिर के बल खड़ा था, मैंने उसे पैर के बल खड़ा कर दिया।

(b) आज तक दार्शनिकों ने दुनिया की व्याख्या की है, अब उसे बदलने का समय आ गया है।

(c) साम्राज्यवाद पूंजीवाद का उच्चतम चरण है।

(d) राज्य केवल एक ऐसा यंत्र है, जिसकी सहायता से एक वर्ग दूसरे वर्ग का शोषण करता है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

''साम्राज्यवाद पूंजीवाद का उच्चतम चरण है।'' लेनिन की पुस्तक का नाम है, जिसके अंतर्गत उन्होंने साम्राज्यवाद की व्याख्या करते हुए उसे पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था कहा। अन्य सभी कथन मार्क्स ने व्यक्त किए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मार्क्स के अनुसार, ''पूंजीवाद जिन शक्तियों को जन्म देता है उन्हीं को संभालने में असमर्थ सिद्ध होता है।''
- मार्क्स ने 'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' में लिखा है कि समाज का अब तक का इतिहास वर्ग संघर्षों का इतिहास है।''
- मार्क्स का कथन है कि ''मनुष्यों की चेतना उनके अस्तित्व को निर्धारित नहीं करती, बल्कि उनका सामाजिक अस्तित्व उनकी चेतना को निर्धारित करता है।''
- मार्क्स के अनुसार, ''विचारधारा 'मिथ्या चेतना' (False Consciousness) की अभिव्यक्ति है।
- मार्क्स ने धर्म को 'जनता की अफीम' (Opium of the Masses) कहा।
- मार्क्स ने राष्ट्रवाद को अस्वीकार करते हुए कहा कि ''मजदूरों का कोई देश नहीं होता''। मार्क्स ने ''विश्व के मजदूरों एक हो जाओ'' का नारा दिया।
- मार्क्स के अनुसार, ''बल एक नवीन समाज को जन्म देने वाले प्रत्येक पुराने समाज की दाई है।''

74. 'नए समाज रूपी शिशु को गर्भ में धारण करने वाली हर पुरानी व्यवस्था के लिए शक्ति एक दाई है।' यह कथन किसका है?

(a) जोड (b) कार्ल मार्क्स

(c) लॉस्की (d) हंट

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

75. निम्न में से किसने धर्म को लोगों के लिए अफीम कहा?

(a) हीगल (b) मार्क्स

(c) ग्रीन (d) मिल

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. ''शक्ति बंदूक की नली से निकलती है।'' यह कथन किसका है?

(a) तिलक (b) लेनिन

(c) भगत सिंह (d) माओत्से तुंग

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

''शक्ति बंदूक की नली से निकलती है।'' यह कथन माओत्से तुंग का है। माओत्से-तुंग को मार्क्सवाद को यूरोपीय से एशियाई रूप देने के लिए जाना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- माओ ने 'लंबी छलांग' (1958–60), 'सैकड़ों फूलों का अभियान' (1957) और 'महान सर्वहारा सांस्कृतिक क्रांति' (1966–67) जैसे क्रांतिकारी प्रयोग किए।
- माओ की प्रमुख रचनाएं क्रमशः 'ऑन कंट्राडिक्शन', 'न्यू डेमीक्रेसी, 'ऑन कोलिजन गवर्नमेंट', 'पीपुल्स डेमोक्रेटिक डिक्टेटरशिप' हैं।
- माओ द्वारा दिए गए सिद्धांतों में प्रमुख अंतर्विरोध का नियम, 'समाजवादी पुनर्निर्माण की प्रक्रिया', 'सांस्कृतिक क्रांति की अवधारणा', 'असंगति का सिद्धांत', 'शक्ति का सिद्धांत', 'लोक युद्ध का सिद्धांत,' 'सशस्त्र क्रांति का सिद्धांत', 'जनवादी लोकतंत्र का सिद्धांत' आदि हैं।

77. निम्न में से किस लेखक के अनुसार शक्ति बंदूक की नली से निकलती है?

(a) लेनिन (b) ओपेनहीमर

(c) स्टालिन (d) माओत्से तुंग

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

78. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. माओत्से तुंग	(i) राज्य व्यवस्था अनेक व्यक्तियों की संगठित शक्ति है
B. मान्टेस्क्यू	(ii) सैन्य शक्तियों का केंद्रीयकरण देखने में आसान मालूम होता है किंतु अमल में यह बहुत कठिन काम है

C. कार्ल मार्क्स (iii) वे लोग खतरनाक हैं, जो यह नहीं समझते कि साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष तब तक एक दिखावा है जब तक कि इसे अवसरवाद की लड़ाई के साथ बांध न दिया जाए।

D. लेनिन (iv) दुनिया के मजदूरों संगठित हो जाओ, इससे तुम्हारी दासता की बेड़ियां कटेंगी।

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

माओत्से तुंग	- सैन्य शक्तियों का केंद्रीकरण देखने में आसान मालूम होता है, किंतु अमल में यह बहुत कठिन काम है।
मान्टेस्क्यू	- राजव्यवस्था अनेक व्यक्तियों की संगठित शक्ति है।
कार्ल मार्क्स	- दुनिया के मजदूरों संगठित हो जाओ, तुम्हारे पास खोने को तुम्हारी बेड़ियां हैं और पाने को पूरा संसार।
लेनिन	- वे लोग खतरनाक हैं, जो यह नहीं समझते कि साम्राज्यवाद के खिलाफ़ संघर्ष तब तक दिखावा है जब तक कि इसे अवसरवाद की लड़ाई के साथ बांध न दिया जाए।

79. निम्न में से किसने दुनियां के मजदूरों को एक जुट होने की अपील की?

(a) मार्क्स (b) बेंथम
(c) जे.एस. मिल (d) किसी ने भी नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

80. 'विश्व के श्रमिकों एक हो जाओ, तुम्हें बेड़ियों के अतिरिक्त कुछ नहीं खोना है।' किसने कहा?

(a) कार्ल मार्क्स (b) अंबेडकर
(c) कौटिल्य (d) मैकियावली

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. किसने कहा था, 'हस्त चालित मशीन से निर्मित वस्तुओं से सामंतवादी समाज और वाष्प चालित मशीन से निर्मित वस्तुओं से पूंजीवादी समाज निर्मित होता है?''

(a) जॉन डब्ल्यू. बर्टन (b) मार्क्स
(c) प्लेटो (d) लेनिन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

मार्क्स 'इतिहास की आर्थिक व्याख्या' में उत्पादन प्रणाली को निर्णायक बताते हुए कहते हैं कि ''हस्त चालित मशीन से निर्मित वस्तुओं से सामंतवादी समाज और वाष्प चालित मशीनों से निर्मित वस्तुओं से पूंजीवादी समाज निर्मित होता है।'' मार्क्स के इतिहास की आर्थिक व्याख्या को 'ऐतिहासिक भौतिकवाद' या 'इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या' भी कहा जाता है। यह द्वंद्वात्मक भौतिकवाद का पूरक सिद्धांत है। इसके अनुसार, किसी राष्ट्र या समाज के विकास की प्रक्रिया में आर्थिक तत्व अर्थात वस्तुओं के उत्पादन, विनिमय और वितरण प्रणाली की भूमिका सबसे प्रधान होती है।

82. निम्न में से किस चिंतक ने विशिष्टवर्गीय सिद्धांत और मार्क्सवाद का सम्मिलन करने का प्रयास किया।

(a) रॉबर्ट मिचेल (b) जेम्स बरहम
(c) विलफ्रेडो परेटो (d) कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

जेम्स बरहम अमेरिकी दार्शनिक और राजनीतिक सिद्धांतवादी थे। 1930 के दशक में बरहम एक प्रमुख ट्रॉटस्कोष्ट कार्यकर्ता थे। बाद के वर्षों में मार्क्सवाद छोड़ दिया। अपनी प्रसिद्ध कृति 'मैनेजिरियल रिवोल्यूशन' में विशिष्ट वर्गीय सिद्धांत और मार्क्सवाद के विचारों को सम्मिलित किया।

83. 'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' लिखा गया-

(a) ऐंजिल्स द्वारा (b) प्रोधा द्वारा
(c) लेनिन द्वारा (d) कार्ल मार्क्स द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(*)

'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' (Communist Manifesto) मार्क्स एवं ऐंजिल्स की संयुक्त रचना है जिसे वर्ष 1848 में प्रकाशित किया गया था। इसमें इन्होंने लिखा है कि ''अब तक सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।'' इसी पुस्तक में मार्क्स ने सर्वहारा क्रांति की भविष्यवाणी की है। इसी में मार्क्स ने कहा है कि दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ अपनी बेड़ियों और दासता के सिवाय तुम्हारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है।

मार्क्स की अन्य रचनाएं

- द पुअर्टी ऑफ फिलोसोफी
- द क्रिटिक ऑफ पॉलिटकल इकोनॉमी
- वैल्यू, प्राइस एण्ड प्रोफिट
- दास कैपिटल
- सिविल वार इन फ्रांस
- गोथा प्रोग्राम
- क्लास स्ट्रगल इन फ्रांस

84. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक कार्ल मार्क्स द्वारा नहीं लिखी गई थी?

(a) दास कैपिटल (b) ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स
(c) कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो (d) वैल्यू प्राइस एंड प्रॉफिट

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. दास कैपिटल इनमें से किस विचारक का ग्रंथ है?

(a) हेगेल (b) मार्क्स
(c) लेनिन (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. ''अब तक सभी समाजों का इतिहास वर्ग-संघर्षों का इतिहास है।'' यह कथन है-

(a) मार्क्स का (b) लेनिन का
(c) स्टालिन का (d) माओ का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

मार्क्स ने 'कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो' (साम्यवादी घोषणा पत्र) में लिखता है कि ''अभी तक के समस्त समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।'' मार्क्स ने इसमें कुल पांच अवस्थाओं की बात की है, जिसमें प्रारंभिक आदिम साम्यवादी अवस्था तथा अंतिम साम्यवादी अवस्था को छोड़कर अन्य तीनों अवस्थाओं में वर्ग विद्यमान रहे तथा उनके बीच संघर्ष चलता रहा। दास व्यवस्था में स्वामी तथा दास के मध्य, सामंती व्यवस्था में सामंत तथा कृषक के मध्य तथा पूंजीवादी व्यवस्था में बुर्जुआ एवं सर्वहारा के मध्य संघर्ष विद्यमान रहा। इस प्रकार मानव इतिहास कुछ नहीं अपितु वर्ग संघर्ष की कहानी मात्र है।

- **वर्ग-** वर्ग व्यक्तियों के उस समूह को कहते हैं, जो उत्पादन की किसी विशेष प्रक्रिया से संबंधित हो और जिनके साधारणहित एक हों।
- **बुर्जुआ वर्ग-** पूंजीवाद के अंतर्गत, वह वर्ग जो सामाजिक उत्पादन के प्रमुख साधनों (भूमि, कल कारखानों, कच्चे माल के स्रोतों इत्यादि) पर अपना स्वामित्व और नियंत्रण स्थापित कर लेता है। अतः यह पूंजीपति-वर्ग का पर्याय है।
- **सर्वहारा वर्ग-** पूंजीवाद के अंतर्गत, औद्योगिक कामगारों का वह विशाल वर्ग जो जन साधारण की श्रेणी में आता है। अतः यह कामगार वर्ग (Working Class) का पर्याय है। इसके पास कोई निजी संपत्ति नहीं होती। यह केवल अपनी श्रम शक्ति के बल पर जीवन निर्वाह करने के लिए विवस होता है।

87. यह सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया है कि 'नव उपनिवेशवाद साम्राज्यवाद की अंतिम अवस्था है?

(a) नक्रुमा (b) लेनिन
(c) जे. ए. हॉब्सन (d) एरिक फ्रॉम

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

नव उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद की अंतिम अवस्था है। यह कथन नक्रुमा का है। नक्रुमा (Kwame Nkrumah) घाना के प्रथम प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति थे। घाना ने इन्हीं के नेतृत्व में 1957 में ब्रिटेन से आजादी प्राप्त की थी। नक्रुमा रूस के क्रांतिकारी लेनिन के अनुयायी थे। इन्हें अफ्रीका का लेनिन भी कहा जाता है। लेनिन की भांति इन्होंने भी अपनी पुस्तक का नाम नव उपनिवेशवाद : साम्राज्यवाद की अंतिम अवस्था रखा। ज्ञातव्य है कि लेनिन ने उपनिवेशवाद को साम्राज्यवाद का उच्चतम चरण कहा है।

88. लाखों लोग मार्क्स को देवता के रूप में पूजते हैं और अन्य लाखों लोग एक दुष्ट के रूप में घृणा करते हैं'', यह कथन किसका है?

(a) मैक्सी (b) सेबाइन
(c) कार्ल पॉपर (d) ऑकशाट

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(a)

मार्क्स वैज्ञानिक समाजवाद का जन्मदाता है, यद्यपि मार्क्स से पहले अनेक ब्रिटिश तथा फ्रेंच विचारक थे जिनके द्वारा समाजवादी विचार व्यक्त किए गए। इनमें फ्रांस के नॉयल बाबेफ, सेण्ट साइमन, चार्ल्सफोरियर, और इग्लैण्ड में जॉन, डी. सिसमेण्डी, बिलियम थॉम्पसन तथा रॉबर्ट ओवेन प्रमुख थे। लेकिन मार्क्स ने सामाजिक परिवर्तन करने वाली शक्तियों की व्याख्या कर उसे वैज्ञानिकता प्रदान की। मार्क्स के विचार इतने प्रभावी हुए कि विश्व दो शिविरों में बट गया। मार्क्स का मूल्यांकन करते हुए मैक्सी ने लिखा है कि ''निष्पक्ष रूप से उस व्यक्ति के बारे में कुछ भी कहना बहुत कठिन हो जाता है, जिसे लाखों लोग ईश्वर की भांति पूजते हो और लाखों पिशाच मानकर घृणा करते हों।''

89. मार्क्सवादी समाजवाद के अनुसार समाजवादी राज्य में राज्य :

(a) पूरी तरह अनावश्यक (सुपरफ्लूअस) है

(b) आवश्यक है

(c) किसी भी वर्ग की विचारधारा का प्रतिनिधि नहीं करता

(d) समाप्त कर दिया जाता है

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

मार्क्सवादी समाजवाद के अनुसार, समाजवादी राज्य अर्थात सर्वहारा वर्ग के अधिनायकत्व में राज्य बना रहेगा, लेकिन राज्य की शक्ति का प्रयोग सर्वहारा वर्ग के द्वारा पूंजीवाद के अवशेषों को समाप्त करने के लिए किया जाएगा। मार्क्स के अनुसार, 'समाजवादी राज्य' एक साधन है इसका अभीष्ट 'साध्य' 'साम्यवादी समाज' है। समाजवादी व्यवस्था में बचे हुए पूंजीपतियों को नष्ट करने के लिए मार्क्सवाद बुर्जुआ वर्ग के ही शस्त्र (राज्य) से इस वर्ग को खत्म करने की बात करता है।

90. मार्क्सवाद स्थापित करना चाहता है-

(a) न्यायसंगत समाज

(b) उत्पादन एवं वितरण पर आधारित समाज

(c) शोषण विहीन, वर्ग विहीन समाज

(d) उक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2003
P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

मार्क्सवाद एक न्यायसंगत समाज, उत्पादन व वितरण पर आधारित समाज, शोषण विहीन, वर्ग विहीन, राज्य विहीन समाज के स्थापना की बात करता है और यह सब 'साम्यवाद' में ही संभव है।

91. सर्वप्रथम किस मार्क्सवादी ने राष्ट्रवाद के अभिमत को स्वीकार किया था?

(a) फिदेल कास्त्रो (b) स्टालिन

(c) ग्राम्सी (d) काटस्की

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

जोसेफ स्टालिन ने मार्क्सवाद के अंतर्गत राष्ट्रवाद (Nationalism) का विचार प्रस्तुत किया। इसके पहले मार्क्स, एंजिल्स व लेनिन का विचार अंतर्राष्ट्रीयतावाद (Internationalism) में विश्वास रखता था। लेकिन स्टालिन ऐसे प्रथम मार्क्सवादी विचारक व राजनेता था जिसने ''एक देश में समाजवाद'' का सिद्धांत प्रस्तुत किया। जिसके द्वारा क्रांति के अंतर्राष्ट्रीयतवाद की चाहत कम होती गई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- स्टालिन द्वारा लिखी गई मुख्य पुस्तकें क्रमशः 'अराजकतावाद या समाजवाद', 'मार्क्सवाद एवं राष्ट्रीय प्रश्न', 'लेनिनवाद की समस्याएं' आदि हैं।
- एंटोनियो ग्राम्सी इटली की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक, मार्क्सवाद के सिद्धांतकार एवं प्रचारक थे। ग्राम्सी ने जेल में रहते हुए 'प्रिज़न नोट बुक्स' की रचना की।
- ग्राम्सी ने 'प्रभुत्व का सिद्धांत' (Theory of Dominance) एवं 'नागरिक समाज की अवधारणा' (Concept of Civil Society) प्रस्तुत की। इसके माध्यम से उन्होंने आधार-अधिसंरचना, सर्वहारा वर्ग और बुद्धिजीवी समुदाय के पारस्परिक संबंधों की पड़ताल की।
- फिदेल कास्त्रो क्यूबा की क्रांति के जनक रहे तथा वर्ष 1959 से 1976 तक क्यूबा के प्रधानमंत्री तथा वर्ष 1976 से 2008 तक क्यूबा के राष्ट्रपति रहे।

92. माओ ने चीन में मार्क्सवाद की स्थापना करने के लिए किस विचारक के विचारों को उखाड़ फेंका?

(a) लेनिन (b) कन्फ्यूशियस

(c) स्टालिन (d) खुश्चेव

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

माओ ने चीन में मार्क्सवाद की स्थापना करने के लिए चीन के छठीं सदी ई. पू. के समाज सुधारक 'कन्फ्यूशियस' के चीनी समाज में व्याप्त विचारों व मान्यताओं को उखाड़ फेंका। माओ ने 'सांस्कृतिक क्रांति' के अपने आंदोलन के दौरान वर्ष 1973 में 'क्रिटिसाइज लिन बियाओ, क्रिटिसाइज कन्फ्यूशियस' (Critisize Lin Biao, Critisize Confucius) नामक आंदोलन चलाया, जो वर्ष 1976 तक चला। इस आंदोलन में माओ ने चीनी इतिहास व संस्कृति की माओवादी व्याख्याएं की।

93. ''साम्यवादियों की कोई पितृभूमि नहीं होती है।'' कथन किसका है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) लेनिन

(c) स्टालिन (d) माओत्सेतुंग

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

''साम्यवादियों की कोई पितृभूमि नहीं होती है।'' यह कथन रूसी क्रांति के जनक ब्लादिमीर लेनिन का है। लेनिन ने यह कथन कार्ल मार्क्स के ऊपर लिखे एक निबंध में कहा था। इसके पहले कार्ल मार्क्स ने भी अपनी प्रसिद्ध रचना ''कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो'' (साम्यवादी पार्टी का घोषणा-पत्र) में लिखा है कि ''मजदूरों का कोई देश नहीं होता'' (Working men have no country)।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लेनिन का कथन है कि ''राजनीतिक स्वतंत्रता की कोई भी मात्रा भूखी जनता को संतुष्ट नहीं कर सकती''।
- लेनिन ने कहा था कि ''क्रांति बिना क्रांतिकारी परिस्थितियों के संभव नहीं और साथ ही साथ सभी क्रांतिकारी परिस्थितियों से क्रांति नहीं होती।''

मार्क्स के कुछ कथन निम्नलिखित हैं-

- मार्क्स का कथन है, ''इतिहास खुद को दोहराता है, पहले एक त्रासदी की तरह, दूसरे एक मजाक की तरह।'' तथा
- ''दुनिया के मजूदरों एक हो जाओ, तुम्हारे पास खोने को कुछ नहीं है, सिवाय अपनी जंजीरों के।''
- पिछले सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।
- क्रांतियां इतिहास के इंजन हैं।

94. 'समाजवाद' का संबंध मुख्यतया निम्न में से किस वर्ग से है?

(a) पूंजीपति (b) सैनिक

(c) श्रमिक (d) उत्पादक

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

अपने आधुनिक रूप में समाजवाद का उद्भव 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में माना जाता है। यह व्यक्तिवाद के विरुद्ध एक प्रतिक्रिया एवं प्रगतिशील आंदोलन है। यह पूंजीवाद का विरोधी तथा उत्पादन के साधनों पर समाज का नियंत्रण चाहता है। इसका संबंध मुख्यतया श्रमिक वर्ग से है।

95. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. विकासवादी समाजवाद	**1. कार्ल मार्क्स**
B. वैज्ञानिक समाजवाद	**2. सेंट साइमन**
C. काल्पनिक समाजवाद	**3. बर्नस्टीन**
D. अराजकतावाद	**4. क्रोपोटकिन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	3	1	4	2
(c)	1	3	4	2
(d)	1	2	3	4

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

सही सुमेलित है-

विकासवादी समाजवाद	–	बर्नस्टीन
वैज्ञानिक समाजवाद	–	कार्ल मार्क्स
काल्पनिक समाजवाद	–	सेंट साइमन
अराजकतावाद	–	क्रोपोटकिन

96. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (कथन)	सूची-II (विचारक)
1. रॉबर्ट ओवेन	**A. क्रिटिकल थियरी**
2. हरबर्ट मार्क्यूज	**B. फेबियनवाद**
3. थियोडोर अडोर्नो	**C. कल्पनावादी समाजवाद**
4. जी.डी.एच. कोल	**D. नव वामपंथ**

कूटः

	1	2	3	4
(a)	A	B	C	D
(b)	B	C	D	A
(c)	C	D	A	B
(d)	D	A	B	C

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न में सूची-I और सूची-II का सही सुमेलन निम्न प्रकार का है-

सूची-I	सूची-II
रॉबर्ट ओवेन	कल्पनावादी समाजवाद
हरबर्ट मार्क्यूज	नव वामपंथ
थियोडोर अडोर्नो	क्रिटिकल थियरी
जी.डी.एच. कोल	फेबियनवाद

97. समाजवाद की संकल्पना किसके द्वारा क्रमबद्धता से विकसित की गई थी?

(a) एडम स्मिथ

(b) रॉबर्ट ओवेन

(c) सेंट साइमन

(d) कार्ल मार्क्स

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

समाजवाद को व्यवस्थित एवं क्रमबद्ध रूप देने का श्रेय कार्ल मार्क्स को दिया जाता है। इसीलिए उनके समाजवाद को 'वैज्ञानिक समाजवाद' कहा जाता है। लॉस्की के अनुसार, 'मार्क्स ने समाजवाद को अव्यवस्थित रूप में पाया और इसे एक निश्चित आंदोलन बना दिया''।

98. ऐसी शासन व्यवस्था जिसमें संपत्ति व उत्पादन के साधन पर शासन का नियंत्रण होगा, व्यक्तिगत संपत्ति समाप्त होगी व समाज शोषण-मुक्त होगा-

(a) फासीवाद (b) अराजकतावाद

(c) आदर्शवाद (d) समाजवाद

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

समाजवाद व्यक्तिवाद/उदारवाद के विरुद्ध एक प्रक्रिया है। यह पूंजीवाद विरोधी तथा उत्पादन एवं वितरण के साधनों पर समाज का नियंत्रण चाहता है और व्यक्तियों के मध्य आर्थिक समानता का प्रबल पक्षधर है। परन्तु मार्क्सवाद के अंतर्गत समाजवाद का एक विशेष अर्थ है। जब सर्वहारा वर्ग क्रांति करके पूंजीवाद को धराशायी कर देता है और उत्पादन के प्रमुख साधनों पर सर्वहारा का स्वामित्व और नियंत्रण स्थापित कर देता है तब समाजवाद अस्तित्व में आता है। इस अवस्था में राजनीतिक शक्ति के बल पर पूंजीवाद के अवशेष तत्वों को नष्ट किया जाता है, जिससे वर्ग विहीन तथा राज्य विहीन समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो।

99. श्रेणी समाजवाद समर्थन करता है-

(a) एक व्यक्ति, दो मत

(b) एक व्यक्ति, एक मत

(c) एक व्यक्ति, जितने हित - उतने मत

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

श्रेणी समाजवाद का विकास ब्रिटेन में हुआ। इसके अनुसार, राज्य संप्रभु होगा, सभी शक्तियों का स्रोत होगा, किंतु वह उसका उपभोग नहीं करेगा वरन् शक्तियों का प्रयोग विभिन्न आर्थिक श्रेणियां करेंगी। श्रेणी समाजवादी व्यावसायिक प्रतिनिधित्व की मांग करते हैं।

100. फेबियन समाजवाद समर्थक नहीं था-

(a) उग्र परिवर्तनों का

(b) म्यूनिसिपल सुधारों का

(c) अविलंब सामाजिक पुनः संरचना का

(d) मजदूरों के आंदोलन का

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(a)

फेबियन समाजवाद उग्र परिवर्तनों का समर्थक नहीं था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- फेबियनवाद का उदय इंग्लैंड में हुआ। फेबियनवादियों ने पूंजीपतियों की जगह जमींदारों को अपने प्रहार का लक्ष्य बनाया, क्योंकि उन्होंने पूंजी की जगह भूमि को सारे विवाद की जड़ माना, उनकी प्रेरणा का स्रोत मार्क्स नहीं अपितु जे.एस. मिल हैं।

फेबियनवाद के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित हैं-

- फेबियन पूंजीवाद विरोधी तथा समाजवाद समर्थक है।
- फेबियन श्रमिक विकास तथा संवैधानिक पद्धति के आधार पर समाजवाद को शांतिपूर्वक लाना चाहते थे।
- वे व्यक्तिगत संपत्ति विरोधी थे।
- लोकतंत्र में अटूट विश्वास रखते थे।
- फेबियन क्रांति तथा हिंसात्मक तरीकों के विरोधी थे।
- फेबियन वर्ग-संघर्ष के स्थान पर लोकतांत्रिक विधियों से सामाजिक परिवर्तन चाहते थे।
- साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद विरोधी थे।
- ये मार्क्स के श्रम-मूल्य सिद्धांत को नहीं मानते। इनके अनुसार मूल्य का निर्माण समाज द्वारा किया जाता है।

101. फेबियन समाजवाद का विश्वास है कि समाजवाद-

(a) केवल उत्तर-औद्योगिक समाज में आएगा

(b) केवल पश्चिमी देशों में आएगा

(c) धीरे- धीरे आएगा

(d) खूनी क्रांति से आएगा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

फेबियन समाजवाद का विश्वास है कि समाजवाद धीरे-धीरे आएगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- फेबियन समाजवाद या फेबियनवाद का उद्भव वर्ष 1884 में इंग्लैंड के दस-बारह व्यक्तियों द्वारा 'फेबियन सोसायटी' के गठन के परिणामस्वरूप हुआ। इस संगठन का नाम उन्होंने महान रोमन सेनापति क्विंटस फेबियास के नाम पर रखा।
- फेबियन सोसाइटी का मूल विश्वास यह था कि समाजवाद की स्थापना धीरे-धीरे की जाए। वर्ग संघर्ष के क्रांतिकारी सिद्धांत की जगह फेबियन विचारकों ने युक्ति-युक्त तर्क-वितर्क की पद्धति अपनाई जिसे अपना प्रभाव दिखाने में समय लगता है। उन्होंने भाषण देकर एवं इश्तिहार छपवाकर समाजवाद का प्रचार किया, जिसे अंतःप्रवेश (Permeation) की संज्ञा दी गई।
- फेबियनवाद मुख्यतः मध्यवर्गीय आंदोलन था, जिसमें बुद्धिजीवियों का बोलबाला था। फेबियनवादियों ने पूंजीपतियों की जगह जमींदारों को अपने प्रहार का लक्ष्य बनाया।

102. लोकतांत्रिक समाजवाद किसका आधुनिक रूप है?

(a) श्रेणी समाजवाद (b) फेबियनवाद

(c) श्रमिक संघवाद (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

फेबियन सोसायटी के प्रभाव के अंतर्गत जिस उदार, शांतिपूर्ण, विकासवादी तथा लोकतांत्रिक समाजवाद का विकास हुआ। वह दूसरे देशों में भी विकसित हुआ। इसके प्रमुख सिद्धांतों की अभिव्यक्ति अनेक लेखकों की रचनाओं द्वारा हुई। जिनमें से जर्मनी के बर्न्सटीन, फ्रांस के जीन जारेस, बेल्जियम के एडवर्ड एन्सीन आदि।

103. 'श्रेणी समाजवाद' का संबंध निम्न में से किस देश से रहा है?

(a) फ्रांस से (b) अमेरिका से

(c) ब्रिटेन से (d) भारत से

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

श्रेणी समाजवाद का उदय 20वीं सदी में प्रारंभ में इंग्लैंड में हुआ यह मूलतः फेबियन आंदोलन की ही एक शाखा थी। इसे **गिल्ड समाजवाद** भी कहा जाता है। इसे फ्रांस के श्रम संघवाद तथा ब्रिटेन के फेबियनवाद का विचित्र मिश्रण कहा जा सकता है। यह स्पष्टतः मार्क्सवाद का विरोधी है। यह मार्क्स के सभी प्रमुख सिद्धांतों- इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या, वर्ग संघर्ष, मूल्य का श्रम सिद्धांत, सर्वहारा का अधिनायकवाद, राज्य का लोप का विरोधी है। यह शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीकों में विश्वास करता है। ए.जे. पेटी, ए.आर. ऑरेन्ज तथा एस.जी. हॉब्स इसके प्रमुख विचारक हैं।

104. सिंडिकेलिस्ट समाजवाद में इनमें से किस पर अधिक जोर दिया गया है?

(a) असंगठित श्रमिकों और शांतिपूर्ण आंदोलन पर

(b) सहकारिता और भूमिहीन श्रमिकों पर

(c) कृषकों-श्रमिकों की एकता पर

(d) श्रमिक संघ और व्यापक हड़ताल पर

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

सिंडिकेलिस्ट समाजवाद की कार्यपद्धतियों में आम हड़ताल, औद्योगिक तोड़फोड़, बहिष्कार, धीरे-धीरे काम करना, सुस्ती, लापरवाही तथा गलत लेबल लगाना प्रमुख हैं। ये अपनी कार्यपद्धति को सांकेतिक नाम 'केकेनी' देते हैं।

105. ''समाजवाद एक टोप के समान है, जिसकी आकृति बिगड़ चुकी है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति इसे पहनता है''-यह किसने कहा?

(a) जी.डी.एच. कोल

(b) एच.जे.लॉस्की

(c) जी.बी. शॉ

(d) सी.ई.एम. जोड

P.G.T. परीक्षा, 2000

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

समाजवाद एक टोप के समान है जिसकी आकृति बिगड़ चुकी है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति इसे पहनता है।'' यह कथन सी.ई.एम. जोड का है। समाजवाद आज के युग की सर्वाधिक लोकप्रिय विचारधारा है और इसकी लोकप्रियता ने ही इसे बहुत हद तक अनिश्चितता का रूप प्रदान कर दिया है। इसी संदर्भ में जोड ने उपरोक्त तथ्य कहा है। समाजवाद मनुष्य की समानता तथा न्यायपूर्ण सामाजिक व्यवस्था के अर्थ में एक प्रगतिशील दर्शन तथा कार्यक्रम है।

समाजवाद से संबंधित परिभाषाएं-

- **रैम्जे म्योर-** ''समाजवाद परिस्थितियों के अनुसार रंग बदलने वाला गिरगिट का सा धर्म है।''
- **रैम्जे मैक्डनल्ड-** समाजवाद समाज की भौतिक तथा आर्थिक शक्तियों की एक ऐसी व्यवस्था चाहता है, जिस पर मानवीय शक्ति का नियंत्रण हो।''

106. ''समाजवाद उस टोप की तरह है जिसे इतने व्यक्तियों ने पहना है कि उसका स्वरूप नष्ट हो गया है।'' यह कथन है-

(a) ब्रेडले का (b) जोड का

(c) आचार्य नरेंद्र देव का (d) बर्ट्रेण्ड रसेल का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

107. ''समाजवाद को मैं अपने मस्तिष्क और हृदय में रखता हूं।'' यह कथन निम्न में से किसका है?

(a) जय प्रकाश नारायण का

(b) पं. जवाहरलाल नेहरू का

(c) राम मनोहर लोहिया का

(d) महात्मा गांधी का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

यह कथन पं. जवाहरलाल नेहरू का है। 1936 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुने जाने के बाद उनके द्वारा दिए गए एक भाषण में इस प्रकार की उद्घोषणा की गई थी।

108. ''समाजवाद से अभिप्राय आय की समानता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं ।'' यह कथन निम्न में से किसका है ?

(a) सैलरस (b) रसेल

(c) रॉबर्ट (d) बर्नार्ड शॉ

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

समाजवाद से अभिप्राय आय की समानता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है।'' यह कथन जॉर्ज बर्नार्ड शॉ का है। जॉर्ज बनार्ड शॉ ब्रिटेन के फेवियन सोसाइटी के प्रमुख विचारक थे। ये समाजवादी (फेबियन) विचारक के साथ-साथ मसहूर लेखक भी थे। 'मैन एण्ड सुपरमैन, तथा पिग्मेलियन इनकी प्रमुख रचनाएं है। इन्हें 1925 में साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार भी प्रदान किया गया था।

109. 1835 के अपने भाषण में किसने 'समाजवाद' शब्द का बार-बार प्रयोग किया?

(a) रॉबर्ट ओवन (b) फोरियर

(c) बर्नार्ड शॉ (d) मार्क्स

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

वर्तमान में समाजवाद सबसे लोकप्रिय शब्द है। प्रारंभ में इस शब्द का प्रयोग व्यक्तिवादी और उदारवादी विचारों के विरुद्ध भावों को प्रदर्शित करने के लिए किया गया। 1835 में रॉबर्ट ओवन की अध्यक्षता में स्थापित 'सब राष्ट्रों के सब वर्गों के समुदाय' में समाजवाद और समाजवादी शब्द का बहुधा प्रयोग किया गया। ज्ञातव्य है कि रॉबर्ट ओवन ब्रिटिश समाजवाद के संस्थापकों में प्रमुख है, जिसने प्रथम बार समाजवाद शब्द का प्रयोग किया। ओवन के विचार उनकी पुस्तकों 'A New View of Sociey' तथा 'The Book of the New Moral World' में देखे जा सकते हैं।

110. ''पूंजीवाद के सागर के बीच का समाजवादी द्वीप सारे संसार के सर्वहारा वर्ग के क्रांतिकारी आंदोलन के लिए एक प्रकाश पुंज का कार्य करेगा।'' यह कथन-

(a) माओत्सेतुंग का (b) कार्ल मार्क्स का

(c) लेनिन का (d) स्टालिन का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

उपरोक्त कथन लेनिन का है।

111. मार्क्सवाद को 'युग का भ्रम' किसने कहा है?

(a) ऐक्टन (b) ऐरन

(c) कार्ल पॉपर (d) लॉस्की

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

लेखक और विचारक एच.बी. ऐक्टन ने मार्क्सवाद को 'युग का भ्रम' कहा है।

112. ''समाजवाद परिस्थितियों के अनुसार रंग बदलने वाला गिरगिट का-सा धर्म है।'' यह किसने कहा है?

(a) सी.ई.एम. जोड

(b) एच. जे. लॉस्की

(c) सी.एल. वेपर

(d) रैम्जे म्योर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

समाजवाद एक प्रगतिशील और परिवर्तनशील दर्शन तथा कार्यक्रम है। यह बदलते हुए आर्थिक तथा सामाजिक आवश्यकताओं के साथ-साथ अपने स्वरूप में परिवर्तन करता रहता है। समाजवाद के इस परिवर्तनशील स्वरूप को दृष्टि में रखते हुए रैम्जे म्योर ने कहा है कि, ''समाजवाद परिस्थितियों के अनुसार रंग बदलने वाला गिरगिट का सा धर्म है।'' जय प्रकाश नारायण ने कहा था- 'समाजवादी समाज एक ऐसा वर्ग विहीन समाज होगा, जिसमें सब श्रमजीवी होंगे। इस समाज में वैयक्तिक संपत्ति के हित के लिए मनुष्य के श्रम का शोषण नहीं होगा। इस समाज को सारी संपत्ति सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय अथवा सार्वजनिक संपत्ति होगी तथा अनार्जित आय और आय संबंधी भीषण असामनताएं सदैव के लिए समाप्त हो जाएंगी। ऐसे समाज में मानव जीवन तथा उसकी प्रगति योजनाबद्ध होगी और सब लोग सबके हित के लिए जिएंगे।''

113. किसने कहा था कि ''राज्य एक मशीन से बढ़कर कुछ नहीं है''?

(a) मार्क्स (b) लेनिन

(c) स्टालिन (d) एंगेल्स

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

फ्रेडरिक एंगेल्स एक जर्मन समाजशास्त्री एवं दार्शनिक थे। एंगेल्स ने कहा था कि ''राज्य एक मशीन से बढ़कर कुछ नहीं है (The State is nothing more than a machine)''।

114. व्यक्तिगत संपत्ति के संदर्भ में श्रम सिद्धांत जो आधुनिक समाजवाद का आधार बना, संबंधित है :

(a) हॉब्स से

(b) लॉक से

(c) (a) और (b) दोनों से

(d) इनमें से किसी से भी नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

लॉक ने 'टू ट्रिटाइजेज ऑन गवर्नमेंट' में व्यक्तिगत संपत्ति को श्रम सिद्धांत के आधार पर स्वीकार किया है। प्राकृतिक अवस्था में संपत्ति पर निजी अधिकार नहीं था, किंतु जो व्यक्ति किसी वस्तु के उत्पादन में अपना श्रम लगा देता था, तो वह वस्तु उसकी सम्पत्ति बन जाती थी। इसी आधार पर भूमि के स्वामित्व का खण्डन कर सामंतवाद की आलोचना की जो कि समाजवाद का आधार बना।

115. निम्नलिखित में से कौन नव वामपंथी विचारक है?

(a) एरिक फ्रॉम (b) मारक्यूज

(c) लेनिन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(*)

एरिक फ्रॉम और मारक्यूज दोनों ही नव वामपंथी विचारक हैं। अतः विकल्प (a) एवं (b) दोनों सत्य हैं।

116. नेहरू समर्थक थे-

(a) पूंजीवाद के (b) साम्यवाद के

(c) गणतांत्रिक समाजवाद के (d) अराजकतावाद के

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

पंडित जवाहरलाल नेहरू गणतांत्रिक समाजवाद के समर्थक थे। जवाहर लाल नेहरू की लोकतंत्र में गहरी आस्था थी ये आर्थिक नियोजन (समाजवाद) तथा, लोकतंत्र में समन्वय स्थापित करना चाहते थे। इसलिए लोकतांत्रिक समाजवाद में निष्ठा व्यक्त की। इसीलिए नेहरू जी ने भारत में भूमि सुधार को प्राथमिकता दी तथा जमींदारी, तालुकेदारी प्रथाओं को मिटाने की पहल की। इन्होंने राष्ट्रीयकरण की नीति भी अपनाई और प्रतिरक्षा तथा अन्य प्रमुख उद्योगों का राष्ट्रीकरण किया।

117. समाजवाद निम्न का प्रतिपादन करता है-

(a) कोई आर्थिक नियोजन न हो

(b) बहुराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा आर्थिक नियोजन हो

(c) व्यक्तियों द्वारा आर्थिक नियोजन हो

(d) राज्य के द्वारा नियोजन हो

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

समाजवाद राज्य द्वारा आर्थिक नियोजन का पक्षधर है। पूंजीवाद का विरोधी दर्शन होने के नाते समाजवाद भूमि, उद्योग तथा उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व (राज्य द्वारा स्वामित्व) की वकालत करता है। समाजवादियों के अनुसार वैयक्तिक उद्योग एक वैयक्तिक लूटमार है। ब्लैचफोर्ड के अनुसार ''भूमि तथा उत्पादन के सभी साधनों को राष्ट्रीय संपत्ति बना दो सभी खेतों, खानों जहाजों, रेलों को राष्ट्रीय नियंत्रण में रख दो, बस व्यावहारिक समाजवाद पूरा हो जाएगा।''

118. निम्न में से कौन विकेंद्रित समाजवाद के प्रबल समर्थक थे?

(a) जय प्रकाश नारायण (b) आचार्य नरेंद्र देव

(c) डॉ. राम मनोहर लोहिया (d) आचार्य विनोबा भावे

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

डॉ. राम मनोहर लोहिया विकेंद्रीकृत समाजवाद के समर्थक थे। पूंजी के संचय तथा बढ़ती हुई बेकारी को रोकने के लिए लोहिया ने छोटी मशीनों पर आधारित उद्योग का समर्थन किया। लोहिया प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण के भी समर्थक थे उन्होंने चौखंभा राज्य की कल्पना की, जिसके अंतर्गत गांव, मण्डल (जिला), प्रांत तथा केन्द्रीय सरकार इसके चार स्तंभ होंगे 'Wheel of History' इनकी प्रमुख रचना है।

119. समाजवादी राज्य को निम्न में से किस रूप में समझते हैं?

(a) राज्य एक आवश्यक बुराई है।

(b) राज्य अनावश्यक बुराई है।

(c) राज्य कल्याणकारी संस्था है।

(d) राज्य एक अच्छी संस्था है।

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

समाजवादियों के अनुसार राज्य एक कल्याणकारी संस्था है। इनके अनुसार व्यक्तिवादी पुलिस राज्य समाज की पूरी भलाई नहीं कर सकता। समाजवादी राज्य के कार्यक्षेत्र को व्यापक करना चाहते हैं ये गरीबों, मजदूरों, असहायों के हित में राज्य को कल्याणकारी कार्य सौंपते हैं। अर्थात ये राज्य के कल्याणकारी स्वरूप को मानते हैं।

120. समाजवादी विचार का संबंध है-

(a) राजनीतिक समानता से

(b) आर्थिक समानता से

(c) शैक्षिक समानता से

(d) सांस्कृतिक समानता से

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

समाजवादी विचारधारा उदारवाद-व्यक्तिवाद के प्रतिक्रिया स्वरूप उत्पन्न हुई। जहां पूंजीवाद स्वतंत्रता को केन्द्रीय धारणा मानता है, वहीं समाजवाद व्यक्ति की समानता को आधारभूत मानता है। समानता में भी यह आर्थिक समानता पर सर्वाधिक बल देता है। व्यक्तिवाद जहां व्यक्ति को महत्व देता है, वहीं समाजवाद समाजकेन्द्रित अवधारणा को समाजवाद उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व का पक्षधर है। समाजवाद आर्थिक व्यवस्था को नियोजित करके सबके उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। इसी संदर्भ में लैडलर ने कहा है कि ''प्रजातांत्रिक आदर्श का आर्थिक पक्ष वास्तव में समाजवाद ही है।''

121. समाजवादी विचार का संबंध है-

(a) शैक्षिक समानता से (b) सांस्कृतिक समानता से

(c) राजनीतिक समानता से (d) आर्थिक समानता से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

122. समाजवादी जोर देते हैं-

(a) राजनीतिक स्वतंत्रता पर

(b) आर्थिक समानता पर

(c) व्यक्तिगत संपत्ति के अधिकार पर

(d) न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

123. निम्नलिखित में से कौन एक समाजवाद की विशेषता है?

(a) वर्गचरित्र

(b) खुले बाजार की अर्थव्यवस्था

(c) सार्वजनिक नियंत्रण और स्वामित्व

(d) दास प्रथा का समाज

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

समाजवाद उत्पादन के साधनों पर राज्य का नियंत्रण और स्वामित्व चाहता है, जिससे कि इनकी आय का सामाजिक हित के लिए उपयोग किया जा सके। आय की असमानताओं को कम करते हुए अशिक्षा, बेकारी, भुखमरी और अस्वास्थ्यकर स्थितियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

124. समाजवादी विचारक प्राकृतिक संसाधनों के राष्ट्रीयकरण का समर्थन करते हैं ताकि-

(a) उत्पादन के लागत मूल्य को कम किया जा सके।

(b) उत्पादन बढ़ाया जा सके।

(c) शोषण को रोका जा सके।

(d) उनका पूर्ण सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

प्राकृतिक साधनों पर राज्य का स्वामित्व हो जाने में इनके अपव्यय पूर्ण प्रयोग को रोका जा सकेगा क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों पर व्यक्तिगत स्वामित्व राष्ट्र के हितों की परवाह नहीं करता, वह उसे रक्षित रखने की बजाए उसे तेजी से समाप्त कर देता है।

125. विश्व में प्रथम समाजवादी राज्य की स्थापना कहां हुई थी?

(a) चीन में (b) सोवियत संघ में

(c) क्यूबा में (d) चेकोस्लोवाकिया में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

विश्व में प्रथम समाजवादी राज्य की स्थापना सोवियत संघ में 1917 में हुई थी। लेनिन सोवियत संघ की बोल्शेविक क्रांति (1917) के कर्णधार थे। यह प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) का समय था, जब लेनिन ने अपनी विख्यात कृति 'साम्राज्यवाद पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था है' (1916) लिखी। इसमें लेनिन ने तर्क दिया है कि पूंजीवाद राष्ट्रीय स्तर पर सर्वहारा का शोषण तो करता ही है पर यह साम्राज्यवाद का जाल बिछाकर अल्प विकसित देशों का शोषण भी करता है। इसी नारे के साथ लेनिन ने रूस में क्रांति कर समाजवादी राज्य की स्थापना की।

126. थॉमस मूर, फूरियर और रॉबर्ट ओवेन को किस विचारधारा से जोड़ा जाता है?

(a) हिंसक समाजवाद से

(b) स्वप्निल समाजवाद से

(c) राज्यहीन समाजवाद से

(d) फेबियन समाजवाद से

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

थॉमस मूर, फूरियर और रॉबर्ट ओवेन स्वप्निल समाजवाद से प्रभावित थे।

127. निम्न में से किस लेखक ने साम्यवादी राज्य में नए वर्ग के अस्तित्व में आने की चर्चा किया था?

(a) आर्थर मिलर

(b) मिलोवान जिलास

(c) हारवर फ्रैंक

(d) लुई इस्टर

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

मिलोवान जिलास एक समाजवादी नेता थे जिन्होंने अपनी पुस्तक 'न्यू क्लास' में साम्यवादी राज्य में नए वर्ग के अस्तित्व में आने की चर्चा की। इनका मानना है कि सोवियत संघ में समाजवादी क्रांति के बाद भी वहां मिश्रित समाजवाद है। वहां कारखाने का मालिक (व्यवस्थापक) तथा साम्यवादी दल का सचिव अपने आप में एक नया वर्ग बन गए हैं, जो जनता का शोषण कर रहे हैं। इनका मानना है कि समाजवाद के सभी रूपों में मिश्रित अर्थव्यवस्था बनी रहती है फिर भी हमारा उद्देश्य वर्गहीन समाज की स्थापना का होना चाहिए और किसी नए वर्ग को पनपने नहीं देना चाहिए।

128. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) ग्रामशी शासक वर्ग की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सर्वोच्चता पर अधिक बल देता है।

(ii) ग्रामशी के अनुसार, वर्ग व्यवस्था केवल असमान आर्थिक और राजनीतिक शक्ति पर आधारित है।

(iii) ग्रामशी का कहना है कि, नागरिक समाज द्वारा ही पूंजीवादी वर्चस्व के मूल्यों और मान्यताओं का प्रसार किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट :

(a) केवल (i) और (ii)

(b) केवल (ii) और (iii)

(c) केवल (iii)

(d) केवल (i) और (iii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

ग्रामसी के अनुसार नागरिक समाज की संरचनाएं परिवार, पाठशाला और धार्मिक संस्थाएं इत्यादि शासक वर्ग के नियमों को वैधता प्रदान करती हैं। साधारणतः शासक वर्ग अपनी स्थिरता के लिए इन्हीं संरचनाओं की कार्यकुशलता पर आश्रित होता है।

तात्पर्य यह है कि अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक एवं सामाजिक मान्यताओं के बल पर शासक, बुर्जुवा वर्ग आम लोगों की सहमति प्राप्त कर सत्ता में बना रहता है।

129. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में प्राचीन भारतीय विचारक इनमें से किस तत्व की उपेक्षा करते हैं?

(a) धान्वन (b) उदासीन

(c) मित्र (d) शत्रु

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में प्राचीन भारतीय विचारक धान्वन तत्व की उपेक्षा करते हैं। प्राचीन भारतीय विचारकों में मनु ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विषय में अपने मंडल सिद्धांत में मध्यम, विजिगीषु, उदासीन और शत्रु चार मूल प्रकृति बताया है। कौटिल्य ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विषय में विजिगीषु, अरि (शत्रु), अरि-मित्र, मध्यम और उदासीन जैसे बारह राज्यों के समूह का तथा शुक्र ने अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विषय में शत्रु, मित्र, मध्यम और उदासीन आदि राजाओं का वर्णन किया है।

130. किसके संसर्ग ने एम.एन. रॉय को मैक्सिको में मार्क्सवाद अपनाने के लिए प्रेरित किया?

(a) माइकल बारोडीन

(b) लेनिन

(c) एलफिंसटन

(d) इयन ब्राऊनली

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

माइकल बारोडीन ने एम.एन. रॉय को मार्क्सवाद अपनाने के लिए प्रेरित किया। बारोडीन वाल्सेविक दल के नेता थे, इनका असली नाम मिखाइल मार्कोविच था।

131. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : मार्क्स ही एकमात्र ऐसा लेखक है, जिसकी कृतियों को वैज्ञानिक कहा जा सकता है।

कारण (R) : जहां पर मार्क्सवाद समाप्त होता है, वहीं से अराजकतावाद आरंभ होता है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

चूंकि उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) में मार्क्स के लेखक होने के संदर्भ में समाजवादी परम्परा के लेखकों में से पूछा जा रहा है या सभी लेखकों में से यह स्पष्ट नहीं है। मार्क्स के अतिरिक्त भी अरस्तू, हॉब्स, स्पेन्सर मैकियावली इत्यादि की रचनाओं को भी हम वैज्ञानिक की श्रेणी में रखते हैं, क्योंकि इनकी रचनाएं तथ्यों के पर्यवेक्षण पर आधारित हैं।

उक्त प्रश्न में कारण (R) सत्य है, क्योंकि मार्क्स ने सर्वहारा के अधिनायकत्व से अपने सिद्धांत को समाप्त कर देता है, और उसके पश्चात की व्यवस्था का स्पष्ट चित्रण न करके अराजकता को आमंत्रित करता है।

राजनीतिक दर्शन

भारतीय एवं पाश्चात्य राजनीतिक सिद्धांत

1. ''राजनीतिक चिंतन का आरम्भ यूनानियों से होता है।'' यह कथन किसका है?

(a) बार्कर का (b) रूसो का

(c) मार्क्स का (d) लॉक का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

प्रोफेसर बार्कर के अनुसार ''राजनीतिक चिंतन का प्रारंभ यूनानियों से होता है। उसका उद्‌गम यूनानी मस्तिष्क की शांत और स्पष्ट विवेकशीलता से संबंधित है।'' इस प्रकार आधुनिक राजनीतिक विचारक प्राचीन यूनानी राजनैतिक चिंतन को राजशास्त्र का उद्‌गम मानते हैं। निर्मन के शब्दों में, ''यूनानियों की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने राजनैतिक चिंतन का आविष्कार किया।'' इसी बात को प्रोफेसर मैकिलवेल ने इस प्रकार लिखा है, ''राजनैतिक संबंधों पर विचार की जो धारा यूरोपियन जगत में तथा यूरोपीय संस्कृति से प्रभावित देशों में बह रही है उसका प्रारंभ यूनानियों से हुआ।''

2. ''मुझे केक खाने का कोई अधिकार नहीं यदि मेरे पड़ोसी को भूखा सोना पड़े।'' किसका कथन है?

(a) ब्राइस (b) गेटल

(c) लॉस्की (d) वुडरो विल्सन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न में पूछा गया कथन लॉस्की का है। इनका विचार है कि प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त रूप से आर्थिक समानता होनी चाहिए। आर्थिक समानता को अभाव व्यक्तित्व के विकास में बहुत बड़ी बाधा है। प्रत्येक व्यक्ति को अन्य व्यक्तियों के समान अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने का अधिकार मिलना चाहिए।

3. 'मनु ने निम्न में से कौन-सा सिद्धांत प्रतिपादित किया?

(a) मण्डल सिद्धांत (b) सप्तांग सिद्धांत

(c) शक्ति सिद्धांत (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(*)

'मनु' ने मण्डल सिद्धांत और सप्तांग सिद्धांत दोनों का प्रतिपादन किया था। अतः उपर्युक्त प्रश्न के विकल्प (a) और (b) दोनों ही सत्य हैं। मनुस्मृति के अध्याय 9 के श्लोक 294 में कहा गया है- स्वामी, मंत्री, पुर, राष्ट्र, कोष, दण्ड और मित्र ये सात राज्य की प्रकृतियां हैं, इनसे युक्त 'सक्षोभ' राज्य सप्तांग कहलाता है। इसी प्रकार मनु ने परराष्ट्र संबंधों पर विचार करते हुए दो प्रमुख सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है। ये हैं मण्डल सिद्धांत तथा षडगुण्य नीति।

4. ''जो नैतिक दृष्टिकोण से गलत है, वह राजनीतिक रूप से कभी भी सही नहीं हो सकता।'' किसका कथन है?

(a) सी. राजगोपालाचारी (b) एम. के. गांधी

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) सरदार पटेल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

एम.के. गांधी ने साधन और साध्य की पवित्रता पर विचार करते हुए साधनों की पवित्रता पर अधिक बल दिया है। उनकी मान्यता थी कि गलत साधनों से सही साध्य की प्राप्ति कदापि संभव नहीं है। इसी आधार पर उन्होंने माना है कि जो नैतिक दृष्टि से गलत है, वह राजनीतिक रूप से कभी भी सही नहीं हो सकता है।

5. गांधीवादी विचारों में निम्न में से कौन-से संघर्ष प्रमुखता से अभिव्यक्त नहीं होते?

(a) श्रम और पूंजी में संघर्ष

(b) काश्तकार और भू-स्वामी में संघर्ष

(c) गांव और शहर में संघर्ष

(d) ब्राह्मण और दलित में संघर्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

गांधीवादी विचारों में गांव और शहर के मध्य संघर्ष प्रमुखता से अभिव्यक्ति नहीं होते हैं। क्रय और पूंजी में संघर्ष के समाधान के लिए 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत, काश्तकार और भू-स्वामी तथा ब्राह्मण और दलित संघर्ष के निराकरण के लिए क्रमशः कृषक संगठन और अस्पृश्यता विरोधी आंदोलन गठित किया था। इसके अतिरिक्त गांव एवं शहर के मध्य संघर्ष का उल्लेख गांधीवादी विचारधारा में नहीं मिलता है।

6. ''राष्ट्रीयता सभ्यता के लिए एक खतरा है'' किसने कहा है?

(a) रवींद्रनाथ टैगोर (b) महात्मा गांधी

(c) जे.एस. मिल (d) मैकियावेली

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(a)

''राष्ट्रीयता सभ्यता के लिए एक खतरा है'', यह कथन रवींद्रनाथ टैगोर का है। रवींद्रनाथ टैगोर की विचारधारा में विश्वबंधुत्व का तत्व गहरे से समाया हुआ था। उनका मानवतावाद सीमाहीन था। उनके मानवतावाद में जाति, धर्म, भाषा, रंग एवं सीमा जैसे तत्वों का कोई स्थान नहीं था। वे विश्वबंधुत्व के पोषक थे और विश्व की समस्त संस्कृतियों को सुंदर मानते थे। वे भारतीय शिक्षा प्रणाली में अंग्रेजी भाषा के विरोधी थे। इस प्रकार स्पष्ट है कि राष्ट्रवादी होने के साथ ही साथ वे अंतरराष्ट्रीयतावाद के भी समर्थक थे।

7. महात्मा गांधी का 'राजनीतिक गुरु' किसे माना जाता है?

(a) तिलक (b) गोखले

(c) दादाभाई नौरोजी (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

महात्मा गांधी के 'राजनीतिक गुरु' गोपाल कृष्ण गोखले थे।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा दंड का एक सिद्धांत नहीं है?

(a) प्रतिशोधात्मक (b) प्रतिरोधात्मक

(c) वितरणात्मक (d) सुधारात्मक

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

आधुनिक विधिशास्त्री दंड के चार सिद्धांतों को मान्यता प्रदान करते हैं- प्रतिशोधात्मक (Retributive), प्रतिरोधात्मक (Deterrent), अवरोधक (Preventive) एवं सुधारात्मक (Reformative)।

9. निम्नलिखित में से अनमेल को बताइए-

(a) तिलक - विपिन चन्द्र पाल (b) गोखले - नौरोजी

(c) नेहरू - बोस (d) जयप्रकाश - लोहिया

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

तिलक और बिपिन चन्द्र पाल उग्रवादी विचारधारा से संबंधित थे। गोपाल कृष्ण गोखले तथा दादाभाई नौरोजी उदारवादी विचारधारा से या नरमपंथी विचारधारा से संबंधित थे। जय प्रकाश नारायण और डॉ. राम मनोहर लोहिया प्रमुख समाजवादी विचारक थे। विकल्प (c) में जवाहरलाल नेहरू लोकतांत्रिक समाजवादी थे, जबकि सुभाष चन्द्र बोस क्रांतिकारी समाजवादी थे। इस प्रकार विकल्प (c) बेमेल है।

10. निम्नांकित में से कौन उदारवादी नहीं था?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) दादाभाई नौरोजी

(c) बाल गंगाधर तिलक (d) फिरोज शाह मेहता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

बाल गंगाधर तिलक भारतीय राष्ट्रवादी, शिक्षक, समाज सुधारक, वकील और स्वतंत्रता सेनानी थे। उग्रवादी विचारों के कारण वेलन्टाइन शिरोल ने इन्हें भारतीय अशांति का जनक माना है। वर्ष 1907 में कांग्रेस के विभाजन के समय लाला लाजपत राय और बिपिन चन्द्र पाल को साथ लेकर इन्होंने गरम दल का नेतृत्व किया। गीता रहस्य इनकी प्रमुख रचना है।

11. निम्नलिखित में से कौन राजधर्म के सिद्धांत का प्रतिपादक है?

(a) कौटिल्य (b) मनु

(c) नारद (d) शुक्र

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

मनुस्मृति के 7वें अध्याय में राजधर्म की चर्चा की गई है। मनु ने मानव जीवन को उन्नत प्रगतिशील और राष्ट्ररक्षा, राजधर्म और मानवधर्म के मापदण्डों के द्वारा राज्य को सुबल और सुव्यवस्थित बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

12. 'सप्तांग सिद्धांत' का संबंध है-

(a) सामाजिक व्यवस्था से

(b) आर्थिक व्यवस्था से

(c) न्यायिक व्यवस्था से

(d) राजनीतिक व्यवस्था से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

भारतीय राजनीतिक चिंतन में राज्य का 'सप्तांग सिद्धांत' महत्वपूर्ण अवधारणा है। इस सिद्धांत के आधार पर राज्य के प्रमुख सात अंगों क्रमशः स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दण्ड और मित्र का वर्णन करते हुए संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था की व्याख्या हुई है।

13. कौन भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न राजनैतिक शैलियों के प्रचलन की बात करता है?

(a) एम. वीनर (b) एडवर्ड शील्स

(c) रजनी कोठारी (d) मौरिस जोन्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

मौरिस जोन्स ने प्रसिद्ध रचना 'दि गवर्नमेंट एण्ड पालिटिक्स ऑफ इंडिया' में भारत के राजनीतिक जीवन को तीन श्रेणियों में विभाजित किया है। साधारण शब्दों में इसे राजनीति की विभिन्न शैलियां कह सकते हैं। वे तीन शैलियां निम्न हैं, जिनके अनुसार भारतीय राजनीतिक जीवन का संचालन होता है-

– आधुनिक (Modern) भाषा शैली
– परंपरावादी (Traditional) भाषा शैली
– सन्तवादी (Saintly) भाषा शैली

14. निम्न में से कौन प्राचीन भारतीय राजनैतिक चिंतन के सप्तांग सिद्धांत में सम्मिलित नहीं है?

(a) सामंत एवं गुरुकुल (b) राजा एवं कोष
(c) मित्र एवं बल (d) मित्र एवं कोष

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

प्राचीन भारत के प्रसिद्ध राजनीतिक चिंतक कौटिल्य ने राज्य के अंगों की चर्चा करते हुए अर्थशास्त्र के छठें अधिकरण में सप्तांग की चर्चा की। राज्य के सप्तांग अर्थात सात अंगों का उल्लेख इस प्रकार है- 1. राजा या स्वामी, 2. अमात्य अथवा मंत्री, 3. जनपद या प्रादेशिक क्षेत्र, 4. दुर्ग या किला, 5. राजकोष, 6. दण्ड या सेना, 7. मित्र। अतः सामंत एवं गुरुकुल का उल्लेख इसमें नहीं है।

15. मनुस्मृति में कितने अध्याय हैं?

(a) 10 (b) 11
(c) 12 (d) 21

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

मनुस्मृति को 12 अध्यायों में बांटा गया है।

16. राज्य की उत्पत्ति के संदर्भ में शांतिपर्व में कितने सिद्धांत प्रतिपादित हैं?

(a) केवल एक (b) दो
(c) तीन (d) कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

राज्य की उत्पत्ति के संबंध में शांति पर्व में दैवीय उत्पत्ति का सिद्धांत और सामाजिक समझौते का सिद्धांत, दोनों का उल्लेख मिलता है।

17. इनमें से कौन-सा चिंतक अर्थशास्त्र परंपरा का चिंतक है?

(a) शुक्र (b) कामन्दक
(c) सोमदेव (d) वातव्याधि

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

अर्थशास्त्र परंपरा के चिंतकों में वातव्याधि को माना जाता है।

18. ''राज्य के अंतर्गत राजा यदि चोरी का पता लगवाने में असमर्थ रहता है तो उसके लिए वह पाप के समान है।'' यह कथन किसका है?

(a) टी.एच. ग्रीन का (b) बेन्थम का
(c) मनु का (d) कौटिल्य का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

राज्य के दैवीय उत्पत्ति के सिद्धांत के अनुसार, राजा किसी भी गलती के लिए ईश्वर के प्रति उत्तरदायी है। राजा यदि चोरी का पता लगवाने में असमर्थ है, तो वह ईश्वर के समक्ष पाप का भागीदार होगा।

19. निम्नलिखित में से कौन-सा एक गांधीजी के सत्याग्रह का साधन नहीं था?

(a) असहयोग
(b) सविनय अवज्ञा
(c) उपवास तथा सामाजिक बहिष्कार
(d) हिंसक कार्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

गांधीजी के सत्याग्रह में साधन के रूप में हिंसक कार्य शामिल नहीं हैं। सत्याग्रह के दौरान उपयोग में लाए गए साधन निम्नलिखित हैं- असहयोग, सविनय अवज्ञा, उपवास, सामाजिक-बहिष्कार, धरना प्रदर्शन, हड़ताल और हिजरत।

20. राजनीति के गांधीवादी मॉडल में निम्न में से कौन-सी विशेषता नहीं है?

(a) नीति (b) धर्म
(c) मानवता (d) सत्ता

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

राजनीति के गांधीवादी मॉडल में सत्ता की राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं है। गांधीजी की नीति थी, धर्म को राजनीति के साथ मिलाते हुए राजनीति को मानवता की सेवा का साधन बनाना।

21. राज्य के संबंध में गांधीजी के विचार इनमें से किसके निकट थे?

(a) दार्शनिक अराजकतावादी (b) सामूहिकतावादी
(c) नैतिक अन्तर्निहितवाद (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

राज्य के संबंध में गांधीजी के विचार दार्शनिक अराजकतावादी (Philosophical anarchism) थे क्योंकि गांधी राज्य विरोधी थे। वे मार्क्सवादियों तथा अराजकतावादियों के समान एक राज्यविहीन समाज की स्थापना करना चाहते थे। वे दार्शनिक, नैतिक, ऐतिहासिक और आर्थिक कारणों के आधार पर राज्य का विरोध करते थे। अतः उनके सिद्धांत को दार्शनिक अराजकतावाद कहा जाता है।

22. ''परमात्मा सत्य है और सत्य ही परमात्मा है।''
यह कथन है-

(a) हेगेल का (b) गांधी का
(c) मिल का (d) बेन्थम का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

गांधीजी ने अपनी पुस्तक 'ट्रुथ इज गॉड' में लिखा है कि परमात्मा सत्य है और सत्य ही परमात्मा है।

23. महात्मा गांधी ने सत्याग्रह के अस्त्र का सर्वप्रथम प्रयोग कहां किया?

(a) दक्षिण अफ्रीका (b) चम्पारन
(c) बारडोली (d) दांडी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

भारत में व्यापक रूप से सत्याग्रह का प्रयोग करने से पूर्व गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ इस अस्त्र का प्रयोग कर चुके थे।

24. निम्न में किसने 'सत्याग्रह' अपनाया?

(a) नेहरू (b) गांधीजी
(c) अंबेडकर (d) पटेल

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

अहिंसा के माध्यम से सत्य की प्राप्ति के लिए गांधीजी ने 'सत्याग्रह' अपनाया था।

25. 1936 में किसने कहा ''गांधीवाद जैसी कोई चीज नहीं है''?

(a) मौलाना आजाद (b) टैगोर
(c) नेहरू (d) महात्मा गांधी

P.G.T. परीक्षा, 2013
T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

गांधीजी की शिक्षाओं को अक्सर 'गांधीवाद' के नाम से संबोधित किया गया परंतु इस शब्द से उन्हें स्वयं आपत्ति थी, महात्मा गांधी का कहना था कि गांधीवाद जैसी कोई वस्तु नहीं है और मैं अपने बाद कोई संप्रदाय छोड़ना नहीं चाहता। मैं कभी इस बात का दावा नहीं करता कि मैंने कोई नया सिद्धांत चलाया ..... आप लोग इसे गांधीवाद न कहें, इसमें वाद जैसा कुछ भी नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गांधी-इर्विन समझौते के बाद एक सार्वजनिक सभा में गांधीजी ने अपने वक्तव्य में कहा था- ''गांधी मर सकता है, परंतु गांधीवाद सदा जीवित रहेगा।''
- गांधीजी ने अपने सिद्धांतों का प्रतिपादन मुख्य रूप से अपनी दो पुस्तकों 'हिंद स्वराज' (Hind Swaraj) तथा अपनी आत्मकथा 'मेरे सत्य के प्रयोग' (My Experiments with Truth) में किया।
- गांधीजी की रचनाएं- शांति और युद्ध में अहिंसा, नैतिक धर्म, सत्याग्रह, सत्य ही ईश्वर है, सर्वोदय आदि हैं। इसके अतिरिक्त गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में इंडियन ओपिनियन नामक साप्ताहिक पत्र तथा भारत में यंग इंडिया, हरिजन, नवजीवन, हरिजन सेवक, हरिजन बंधु आदि पत्रों का संपादन किया।

26. दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी के आश्रम का क्या नाम है?

(a) फीनिक्स (b) साबरमती
(c) सत्याग्रह (d) सर्वोदय

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गांधी ने 1904 ई. में फीनिक्स आश्रम की स्थापना की, जबकि 1910 में जोहॉन्सबर्ग में टॉलस्टाय फॉर्म की स्थापना की गई।

27. किसने कहा है कि 'धर्म से वंचित राजनीति एक मृत्यु जाल है, क्योंकि वह आत्मा का हनन करती है।?

(a) एम.के. गांधी (b) तिलक
(c) कौटिल्य (d) मनु

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

गांधीजी ने राजनीति के आध्यात्मीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए धर्म और राजनीति के सम्मिलन पर बल दिया है। उनका कहना था कि ''धर्मविहीन राजनीति एक मौत का फन्दा है, जो कि आत्मा को नष्ट कर देती है।''

28. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : गांधी अपवित्र साधनों के प्रयोग के विरुद्ध थे।

कारण (R) : उनके अनुसार अपवित्र साधन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता नहीं करते हैं।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।
(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

साधनों की पवित्रता में विश्वास करते हुए गांधीजी ने मार्क्सवादी एवं फॉसीवादियों के विपरीत यह माना कि साध्य साधनों के औचित्य को नहीं बल्कि साधन, साध्य के औचित्य का निर्धारण करते हैं। एक डॉक्टर के रूप में यदि गलत साधनों का प्रयोग करेंगे, तो मरीज की दशा अवश्य ही सोचनीय हो जाएगी। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कथन (A) की सही व्याख्या कारण (R) करता है।

29. जयप्रकाश नारायण के किस विचार से भारत में एक बड़ा जनांदोलन हुआ और आपातकाल लागू हुआ?

(a) समग्र क्रांति (b) चौखंभा-राज्य
(c) सर्वोदय-अंत्योदय (d) भूदान-जीवनदान

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

जय प्रकाश नारायण भारतीय समाजवाद के अग्रणी प्रवक्ता थे। इन्होंने अपना विचार अपनी पुस्तक, 'Why Socialism' (ह्वाई सोशलिज्म) तथा '**टूवार्ड्स स्ट्रगल**' में व्यक्त किया है। इनके अनुसार सोवियत संघ में भ्रष्ट समाजवाद ने सभी राजनीतिक तथा आर्थिक शक्ति एक ही जगह केन्द्रित कर दी है। वहां समाजवाद के नाम पर सर्वाधिकारवाद पनप गया है। इसलिए इन्होंने भारत में लोकतांत्रिक समाजवाद को सार्थक बनाने के लिए आर्थिक शक्ति के विकेन्द्रीकरण और मिश्रित अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण माना। इंदिरा सरकार के समय में इन्होंने 'समग्र क्रांति' आंदोलन चलाया। जिससे भयभीत होकर सरकार को आपातकाल लागू करना पड़ा।

30. निम्न में से किसने सर्वोदय को जन समाजवाद कहा है?

(a) आचार्य कृपलानी (b) एम.एन.रॉय
(c) महात्मा गांधी (d) जयप्रकाश नारायण

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

जय प्रकाश नारायण ने सर्वोदय को जन समाजवाद कहा है। इसमें दलविहीन राजनीतिक प्रक्रिया का समावेश होगा। इस तंत्र में जनता की सीधे भागीदारी होगी। सत्ता के सभी केंद्र धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएंगे और अंततः बल प्रयोग आधारित राज्य का वास्तविक लोप हो जाएगा।

31. गांधी के 'अहिंसा सिद्धांत' के निम्नलिखित लक्षणों में से कौन सही हैं?

अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों की सहायता से कीजिए :

1. यह निष्क्रियता नहीं है।
2. इसका मूल सिद्धांत सत्य है।
3. यह कमजोरों का शस्त्र है।
4. यह जन सहभागिता का साधन है।

कूट :

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न में सही विकल्प 1, 2 और 4 हैं, जो कि निम्न में दिए गए कूट में कोई विकल्प नहीं है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि कोई भी अहिंसक आंदोलन जन सहभागिता को बढ़ाता है।

32. 'प्रन्यास सिद्धांत' का प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया?

(a) स्वामी विवेकानन्द
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) महात्मा गांधी
(d) दादाभाई नौरोजी

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

'प्रन्यास सिद्धांत' अथवा ट्रस्टीशिप सिद्धांत का प्रतिपादन गांधी के द्वारा किया गया था। इस सिद्धांत के अनुसार पूंजीपतियों द्वारा स्वयं को अपनी संपत्ति का स्वामी न मानकर संरक्षक मानना चाहिए।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- गांधी के अनुसार धनी व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से अधिक जमीन, जायदाद, कारखाने आदि का स्वामी न समझे अपितु इसे समाज की धरोहर माने। इसका प्रयोग अपने लाभ के लिए न कर समाज के कल्याण के लिए करें।
- गांधी का यह सिद्धांत अपरिग्रह के विचार पर आधारित है। अपरिग्रह का अर्थ है कि मनुष्य को अपने जीवन की आवश्यकताओं से अधिक किसी वस्तु का संग्रह नहीं करना चाहिए।

33. गांधीवादी अर्थव्यवस्था निम्न में किस सिद्धांत पर आधारित है?

(a) प्रतिस्पर्धा (b) न्यास (ट्रस्टीशिप)
(c) राज्य नियंत्रण (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया?

(a) अरविंद (b) एम.एन. रॉय
(c) पं. नेहरू (d) महात्मा गांधी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. महात्मा गांधी ने इस पर विश्वास किया-

(a) सत्ता राजनीति

(b) साधनों की विशुद्धता

(c) राज्य एकाधिकार

(d) योजना और भारी उद्योग

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

साधनों की विशुद्धता के संबंध में गांधीजी का विचार था कि गलत रास्ते का चुनाव कर आप अभीष्ट तक नहीं पहुंच पाएंगे। सही लक्ष्य का निर्धारण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसी के अनुरूप साधनों की विशुद्धता भी आवश्यक है।

36. गांधी के सिद्धांतों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन वाक्य सही नहीं है?

(a) सत्याग्रही का उद्देश्य शत्रु को पराजित करना है।

(b) सत्याग्रही का शस्त्र अहिंसा है।

(c) सत्याग्रही को अपने संकल्प में दृढ विश्वास वाला होना चाहिए।

(d) सत्याग्रही को विरोधियों के प्रति द्वेष-भाव नहीं रखना चाहिए।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

सत्याग्रही का उद्देश्य शत्रु को पराजित करना नहीं है, बल्कि उसके हृदय को जीत लेना है। गांधीजी के अनुसार, सत्याग्रही का सबसे बड़ा अस्त्र अहिंसा है, वह विरोधी की हिंसा का जवाब कष्ट सहकर देता है। अंततः सत्याग्रही विरोधी का हृदय परिवर्तन कर असत्य मार्ग पर चलने से रोक देता है।

37. गांधी ने अपने विचारों को निम्न में किस आधार पर प्रकट किया है?

(a) पन्थ (b) वाद

(c) रूढ़ि (d) प्रयोग

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

गांधीजी को कोई भी सत्य तब तक स्वीकार्य नहीं था, जब तक उसे अपने जीवन में लागू न कर लेते थे। अपने संस्मरणों को उन्होंने 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' शीर्षक के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

38. गांधी विद्यमान शिक्षा व्यवस्था को किसके द्वारा परिवर्तित करना चाहते थे?

(a) व्यावसायिक शिक्षा (b) मूल शिक्षा

(c) समाजवादी शिक्षा (d) उदारवादी शिक्षा

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

1937 में गांधीजी ने वर्धा में हो रहे शिक्षा सम्मेलन में अपनी मूल शिक्षा की एक योजना प्रस्तुत की। जिसमें मैट्रिक स्तर तक अंग्रेजी रहित शिल्प शिक्षा का प्रावधान था। गांधीजी की बुनियादी शिक्षा राष्ट्रीय सभ्यता, संस्कृति के नजदीक थी साथ ही सामुदायिक जीवन के आधार भूत व्यवस्थाओं से जुड़ी हुई थी।

39. गांधी दर्शन में समाजवाद का विकल्प है :

(a) अहिंसा (b) न्यासधारिता (प्रन्यास)

(c) पंचायती राज (d) सत्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

गांधीजी का न्यासधारिता का सिद्धांत वैयक्तिक संपत्ति का निषेध करता है, जो कि समाजवाद की आधारभूत धारणा के समकक्ष है। न्यासधारिता के अंतर्गत पूंजीपतियों को संपत्ति का न्यासी माना गया है, न कि मालिक। वे इस संपत्ति का उपयोग सार्वजनिक कल्याण के दृष्टिकोण से करेंगे।

40. किसको भारत में अशांति का अग्रदूत कहा गया?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) फिरोजशाह मेहता

(c) डब्ल्यू.सी. बनर्जी (d) लाला लाजपत राय

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक को 'भारत में अशांति का अग्रदूत' कहा गया है। वैलेन्टाइन चिरोल ने उन्हें 'भारतीय अशान्ति का जनक' (The Father of Indian Unrest) कहा है।

41. तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' की संज्ञा किसने दी है?

(a) वैलेन्टाइन चिरोल (b) वड्र्सवर्थ

(c) एनी बेसेंट (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. ''स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे।'' यह नारा किसने दिया?

(a) गांधी (b) तिलक

(c) गोखले (d) नेहरू

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

''स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे''। यह नारा बाल गंगाधर तिलक ने दिया था।

43. गांधीजी का राजनीतिक गुरु किसे माना जाता है?

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) गोपाल कृष्ण गोखले

(c) दादा भाई नौरोजी

(d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

गोखले अपने राजनैतिक दर्शन में सच्चे उदारवादी थे। वह समभाव और मृदु न्यायप्रियता में विश्वास करते थे। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि देश का पुनरुद्धार राजनैतिक उत्तेजना के बवंडरों में नहीं हो सकता। वह साध्य और साधन दोनों की पवित्रता में विश्वास करते थे। गोखले के इन्हीं विचारों से प्रभावित होकर गांधीजी ने उनहें अपना राजनीतिक गुरु बना लिया।

44. कांग्रेस के किस अधिवेशन में नेहरू की प्रेरणा से समाज के समाजवादी ढांचे का प्रस्ताव पारित हुआ?

(a) नागपुर अधिवेशन, 1942 (b) रामपुर अधिवेशन, 1962

(c) हरिपुरा अधिवेशन, 1960 (d) अवाडी अधिवेशन, 1955

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

कांग्रेस के अवाडी अधिवेशन, 1955 में नेहरू की प्रेरणा से समाज के समाजवादी ढांचे का प्रस्ताव पारित हुआ। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. जवाहरलाल नेहरू थे।

45. 'द्वितत्वीय सिद्धांत' का प्रतिपादन किया गया था-

(a) मैस्लो (b) मैकग्रेगर

(c) आर.लिकर्ट (d) हर्जबर्ग

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

'द्वितत्वीय सिद्धांत' (Two-Factor Theory) का प्रतिपादन फ्रेडरिक हर्जबर्ग ने किया था। हर्जबर्ग के अनुसार, कर्मचारी उपलब्ध अनुरक्षक तत्वों के प्रति संतुष्ट रहते हैं और उनमें किसी तरह की वृद्धि से प्रेरित नहीं होते जबकि कमी से हतोत्साहित होते हैं।

46. डेविड एप्टर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी राजनीति विश्लेषण की महत्वपूर्ण परम्परा नहीं है?

(a) संस्थावाद (b) बहुलवाद

(c) संरचनावाद (d) एकसदनवाद

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

एप्टर ने अपनी कृति 'द पोलिटिक्स ऑफ माडर्नाईजेशन में एकसदनवाद को राजनीतिक विश्लेषण की परम्परा में शामिल नहीं किया है।

47. यह कथन किसका है, ''कुछ व्यक्ति शासन करें तथा अन्य व्यक्ति शासित हो, यह न केवल एक अनिवार्य व्यवस्था है, बल्कि लाभप्रद भी है। अपने जन्म के समय से ही कुछ व्यक्ति पराधीनता के लिए नियत होते हैं एवं अन्य व्यक्ति शासन करने के लिए।''

(a) हॉब्स (b) बोदाँ

(c) बेन्थम (d) अरस्तू

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

अरस्तू के राजनीतिक विचारों में राज्य व्यवस्था के प्रति अगाध आस्था थी। उसका मत था कि राज्य के बिना व्यक्ति का कल्याण संभव नहीं। दास प्रथा अरस्तू के काल का एक सत्य था। अरस्तू ने भी इसे न्यायोचित बताया था। अरस्तू के कथनानुसार- ''कुछ व्यक्ति शासन करें तथा अन्य व्यक्ति शासित हो, यह न केवल एक अनिवार्य व्यवस्था है, बल्कि लाभप्रद भी है। अपने जन्म के समय से ही कुछ व्यक्ति पराधीनता के लिए नियत होते हैं एवं अन्य व्यक्ति शासन करने के लिए''।

48. अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवादियों को तामस-पुत्र और आदर्शवादियों को प्रकाश-पुत्र की संज्ञा किसने दी है?

(a) मार्गेंथाउ (b) पामर एवं पार्किंस

(c) नाइबहर (d) स्प्राउट

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

राइनहोल्ड नाइबहर (Reinhold Niebuhr) ने 'प्रकाश की संतान और 'अंधकार की संतान' की चर्चा की है। प्रकाश की संतान वे लोग हैं, जो यह मानते हैं कि स्वहित को अधिक सार्वभौम नियमों के अधीन रखना चाहिए और विश्व कल्याण के साथ उसका मेल बैठाना चाहिए। दूसरी ओर अंधकार की संतान वे लोग हैं जो अपने संकल्प और हित के अलावा और कोई नियम नहीं जानते। इस आधार पर नाइबहर ने अंधकार की संतान (यथार्थवादी) को दुष्ट और बदमाश तथा प्रकाश की सन्तान (आदर्शवादी) को पुण्यात्मा मानता है। इसके अनुसार अंधकार की संतान समझदार है, क्योंकि वह आत्मसंकल्प (स्वहित) की शक्ति को पहचानते हैं, जबकि प्रकाश के संतान (आदर्शवादी) मूर्ख हैं क्योंकि वे आत्मसंकल्प (स्वहित) की शक्ति को ठीक से न पहचानने के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अराजकता और अव्यवस्था के खतरे को बहुत छोटा करके देखते हैं।

49. मूने के अनुसार स्टाफ कार्य के तीन पक्ष कौन-कौन से हैं?

(a) सूचानात्मक (b) परामर्शकारी

(c) पर्यवेक्षणात्मक (d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

स्टाफ से तात्पर्य ऐसे प्रमुख कार्यकारी प्रशासनिक संरचना से है जिसमें एक सर्वोच्च अधिकारी होता है, जो अपने सहायक कर्मचारियों की सहायता से कार्य का सम्पादन करता है। मूने के अनुसार स्टाफ कार्य के तीन पक्ष हैं-

- **सूचनात्मक-** स्टाफ का सूचना संबंधी कार्य यह है कि वह प्रमुख कार्यकारी के लिए उन समस्त सूचनाओं का संग्रह करता है, जिसके आधार पर वह निर्णय करता है।
- **परामर्शकारी-** आवश्यक सूचना देने के साथ-साथ यह प्रमुख कार्यकारी को परामर्श भी देता है कि उसके राय में क्या निर्णय किए जाने चाहिए। यद्यपि प्रमुख कार्यकारी इनके सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं है।
- **अधीक्षणात्मक-** स्टाफ को यह भी देखना होता है कि प्रमुख कार्यकारी ने जो निर्णय लिए हैं, वे उपयुक्त सूत्र या व्यवसाय अभिकरणों तक पहुंचा दिए गए हैं और उनका ठीक प्रकार से क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं।

50. ''किंतु प्रत्येक व्यक्ति जानता है किस-संसद राजा को ऑस्टिनवादी अर्थ में प्रभुसत्ता-संपन्न संस्था समझना असंगत है''-यह कथन किसका है?

(a) डायसी (b) लॉस्की
(c) मेटलैंड (d) लॉर्ड ब्राइस

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

लॉस्की का कथन है कि ''वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि संसद को ऑस्टिनवादी अर्थ में प्रभुसत्ता-संपन्न संस्था समझना असंगत है।''

51. मॉर्टन कैप्लन ने अंतरराष्ट्रीय राज्यव्यवस्था के निम्न में से किस प्रतिमान की कल्पना नहीं की थी?

(a) शक्ति संतुलन की व्यवस्था
(b) उत्तर परमाणु युद्ध मॉडल
(c) शिथिल द्विध्रुवीय व्यवस्था
(d) दृढ़ द्विध्रुवीय व्यवस्था

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

अंतरराष्ट्रीय राजनीति को समझने, उसके विश्लेषण एवं भविष्य की चुनौतियों के समाधान के लिए मॉर्टन कैप्लान (Morton Kaplan) की 1957 की कृति System and Process in International Politics विश्वराजनीति का संरचनात्मक विश्लेषण के रूप में एक महत्वपूर्ण प्रयास था। कैप्लान ने अपनी इस पुस्तक में अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के निम्न छः मॉडल प्रस्तुत किए हैं-

(1) शक्ति संतुलन व्यवस्था, (2) ढीली द्विध्रुवीय व्यवस्था
(3) कठोर द्विध्रुवीय व्यवस्था, (4) सार्वभौमिक व्यवस्था
(5) पदसोपानीय व्यवस्था, (6) इकाई निषेधाधिकार व्यवस्था।

52. संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम किसके नाम से जुड़ा है?

(a) आमंड और पावेल (b) डेविड ईस्टन
(c) रॉबर्ट डहल (d) ओ.आर.यंग

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र में व्यवस्था विश्लेषण का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम ईस्टन के निवेश निर्गत विश्लेषण से उत्पन्न असंतोष के कारण अस्तित्व में आया। इस उपागम का प्रयोग आमंड एवं पॉवेल ने किया है, इन्होंने राजनीतिक व्यवस्था के चार लक्षण माने हैं-

- राजनीतिक व्यवस्था के भागों में अंतर्निर्भरता
- राजनीतिक व्यवस्था की सीमा।
- राजनीतिक व्यवस्था का पर्यावरण।
- राजनीतिक व्यवस्था द्वारा बाध्यकारी शक्ति का प्रयोग।

53. 'संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक' सिद्धांत के प्रतिपादक कौन हैं?

(a) डेविड ईस्टन (b) ग्रेबियल आमंड
(c) मोस्का (d) डेविड ट्रूमैन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

किसी भी राजनीतिक व्यवस्था में विशेष सरंचना के द्वारा ही विशिष्ट कार्य का संपादन किया जाता है। इस तथ्य को स्पष्ट करने के लिए ग्रेबियल आमंड ने 'संरचनात्मक प्रकार्यात्मक' सिद्धांत प्रस्तुत किया।

54. निम्नलिखित में से कौन आमण्ड के हित-अभिव्यक्त करने वाली संरचनाओं के वर्गीकरण में शामिल नहीं है?

(a) संस्थात्मक संरचनाएं (b) समुदायात्मक संरचनाएं
(c) प्रजातीय संरचनाएं (d) प्रदर्शनात्मक संरचनाएं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

जी.ए. आमंड तथा पॉवेल ने अपनी पुस्तक 'Comparative Politics' में दबाव समूहों को चार श्रेणियों में विभक्त किया है-

- **संस्थात्मक दबाव समूह** (Institutional Pressure Groups) ये दबाव समूह राजनीतिक दलों, विधान मण्डलों, सेना, नौकरशाही इत्यादि में सक्रिय रहते हैं।
- **समुदायात्मक दबाव समूह** (Associational Pressure Groups) ये विशेषीकृत संघ होते है, जो अपने विशिष्टहितों की पूर्ति करते हैं। जैसे- व्यापारियों के संगठन, श्रमिक संगठन, विद्यार्थी संगठन आदि।
- **गैर-समुदायात्मक दबाव समूह** (Non Associational Pressure Groups) ये संगठित संघ नहीं होते ये अनौपचारिक रूप से अपने हितों की अभिव्यक्ति करते हैं- जैसे- सांप्रदायिक और धार्मिक समुदाय, जातीय समुदाय आदि।
- **प्रदर्शनात्मक दबाव समूह** (Anomic Pressure Groups) ये अपनी मांगों को लेकर अवैधानिक उपायों का प्रयोग करते हैं जैसे- हिंसा, राजनैतिक हत्या, दंगे तथा अन्य आक्रामक रवैया अपनाते हैं।

55. इनमें से किसे 'वैज्ञानिक प्रबंध का' पिता कहा जाता है?

(a) एल्टन मेयो (b) बर्नार्ड

(c) मैक्सवेबर (d) एफ.डब्ल्यू. टेलर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

वैज्ञानिक प्रबंध में आयोजन, अनुसंधान, विश्लेषण, प्रयोग, विवेक, आदि बातों को अधिकतम महत्व दिया जाता है। वैज्ञानिक प्रबंध स्पष्टतः प्रबंध की वैज्ञानिक विधि है जिसके द्वारा साधनों का आदर्शतम समन्वय करके न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रबंध का पिता अर्थात इसकी उत्पत्ति का श्रेय एफ.डब्ल्यू.टेलर को दिया जाता है।

56. इनमें से कौन यथार्थवादी नहीं था?

(a) हॉब्स (b) थूसीडाइड्स

(c) कांट (d) मैकियावेली

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

कांट एक आदर्शवादी विचारक थे। आदर्शवाद या प्रत्ययवाद उन विचारों और मान्यताओं की समेकित विचारधारा है जिनके अनुसार, इस जगत की समस्त वस्तुएं विचार (Idea) या चेतना (Consciousness) की अभिव्यक्ति हैं। इसके विपरीत हॉब्स, थूसीडाइड्स तथा मैकियावेली यथार्थवादी विचारक हैं। ये राज्य के यंत्रीय सिद्धांत के समर्थक हैं।

57. इनमें से किसने कहा था कि 'ज्ञान शक्ति है'?

(a) अरस्तू (b) हॉब्स

(c) मिल (d) हीगल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(*)

''ज्ञान शक्ति है'' (Knowledge is Power) यह सूक्ति फ्रांसिस बेकन की है। फ्रांसिस बेकन अंग्रेज दार्शनिक और न्यायविद हैं, जिसे वैज्ञानिक पद्धति का उन्नायक माना जाता है। यह ब्रिटिश अनुभववादी परंपरा का प्रथम सिद्धांतकार था जिसे जॉन लॉक, डेविड ह्यूम, मिल तथा रसेल ने आगे बढ़ाया। बेकन का विचार है कि विज्ञान को मानवता के हित और लाभ का साधन बनाना चाहिए। बेकन ने तर्क दिया कि प्रकृति के बारे में हम जो ज्ञान प्राप्त करते हैं उससे हमें प्रकृति पर नियंत्रण स्थापित करने की शक्ति प्राप्त होती है। इसी विचार को बेकन ने 'ज्ञान ही शक्ति है' की सूक्ति के रूप में व्यक्त किया। यद्यपि हीगल ने कहा कि 'राज्य चेतना का विराट रूप है' तथापि उसका चेतना (Spirit) आत्मीय तत्व है न कि ज्ञान।

58. 'शासकीय विचारधारा' की संकल्पना इनमें से किसकी है?

(a) परेटो (b) माइकल्स

(c) मोस्का (d) रॉबर्ट डहल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

मोस्का अभिजन वर्गवादी विचारक हैं। इसने अपनी चर्चित कृति **'द रुलिंग क्लास'** (शासक वर्ग) के अंतर्गत माना है कि सब समाजों में दो वर्ग पाए जाते हैं- शासक वर्ग तथा शासित वर्ग। समाज के इस विभाजन को विशिष्ट वर्गवाद की संज्ञा दी जाती है। मोस्का ने तर्क दिया कि शासन प्रणाली में परिवर्तन होने पर राजनीतिक प्रणाली की इस बुनियादी प्रकृति में बदलाव नहीं आता। अतः लोकतंत्र को अपना लेने पर भी 'बहुमत का शासन अस्तित्व में नहीं आता' बल्कि इसमें अल्पमत के शासन को कायम रखने के गूढ़ तरीके अपनाए जाते हैं। इसने लोकतंत्र में स्वतंत्र चुनावों की व्यवस्था को झूठी परिकल्पना कहा है।

59. निम्नलिखित में से किस एक सिद्धांतवादी ने कहा है, ''मैं समस्त मानवजाति की एक सामान्य प्रवृत्ति, एक के बाद दूसरी शक्ति प्राप्त करने की शाश्वत तथा अनवरत अभिलाषा को प्रस्तुत करता हूं, जो केवल मृत्यु के साथ ही समाप्त होती है।''?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) ग्रीन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

हॉब्स ने मानव मनोविज्ञान का विश्लेषण कर यह उद्घाटित किया है कि मनुष्य की शक्ति प्राप्त करने की इच्छा असीम है, जब तक कि वह जीवित है।

60. सेबाइन कहता है कि ''आंग्ल भाषा-भाषी जातियों ने जितने भी राजनीतिक दार्शनिकों को जन्म दिया है, उनमें-कदाचित महानतम् लेखक है''।

(a) बेंथम (b) हॉब्स

(c) लॉक (d) रूसो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

प्रोफेसर सेबाइन कहता है कि ''आंग्ल भाषा-भाषी जातियों ने जितने भी राजनीतिक दर्शानिकों को जन्म दिया है, उनमें हॉब्स कदाचित महानतम् लेखक है। सेबाइन कहता है कि - यह स्पष्ट व्यक्तिवाद ही है, जो हॉब्स के दर्शन के उस युग का सर्वाधिक क्रांतिकारी सिद्धांत बनाता है।

61. निम्नलिखित में से किसने 'बुद्धिजीवियों के वर्चस्व के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) एरिक फ्रॉम (b) मारक्यूज

(c) ग्राम्शी (d) हैबरमास

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

ग्राम्शी का 'प्राधान्य सिद्धांत' प्रमुख है, जिसमें बुद्धिजीवी की परिभाषा भी निहित है। प्रत्येक सामाजिक समूह का अपना एक बौद्धिक वर्ग होता है। प्रगतिशील बौद्धिक वर्ग के पास आकर्षण की शक्ति होती है, जिसके द्वारा वे समाज के अन्य बौद्धिक समूहों पर प्रधानता स्थापित कर सभी बौद्धिक लोगों में एकजुटता प्राप्त करते हैं।

62. लॉसवेल व मोस्का का संबंध किससे है?

(a) राजनीतिक विकास (b) अभिजन

(c) समाजवाद (d) समष्टिवाद

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

लासवेल और मोस्का अभिजन वर्ग सिद्धांत से संबंध रखते हैं। लॉसवेल के अनुसार, राजनीति का सरोकार शक्ति को संवारने और मिल बांटकर प्रयोग करने से है। इस प्रक्रिया में समाज का एक छोटा सा वर्ग ही ज्यादा सक्रिय रहता है। मोस्का ने अपनी कृति 'द रूलिंग क्लास' में शासक और शासित में भेद करते हुए कहा कि शासक-वर्ग धन-संपदा, शक्ति और सम्मान से सम्पन्न होता है, उसे अपने स्थान से हटाना मुश्किल होता है।

63. शांति पर्व अध्याय है-

(a) अर्थशास्त्र का (b) महाभारत का

(c) रामायण का (d) शुक्रनीति का

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

शांतिपर्व महाभारत का 12वां पर्व है। इसमें धर्म, दर्शन, राजनीति और अध्यात्म ज्ञान का विशद निरूपण किया गया है। इसके अंतर्गत 3 उपपर्व हैं-

(i) राजधर्मानुशासन पर्व, (ii) आपद्धर्म पर्व और (iii) मोक्षधर्म पर्व।

64. शांति पर्व के मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या है-

(a) 7 मंत्री (b) 5 मंत्री

(c) 9 मंत्री (d) मंत्रियों की अनिश्चित संख्या

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

शांतिपर्व में मंत्रियों की संख्या निश्चित नहीं थी। मंत्रियों की नियुक्ति एक परिषद द्वारा होगी जिसका प्रमुख राज्य होगा। मंत्रियों की नियुक्ति का आधार 'योग्यता' थी।

65. मनुस्मृति में राज्य का स्वरूप है-

(a) सावयवी (b) आर्थिक

(c) कानूनी (d) राजनीतिक

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

मनुस्मृति में राज्य का स्वरूप 'सावयव' है। राज्य सात अंगों से मिलकर बना है। मनुस्मृति के अध्याय 9 के श्लोक 294 में कहा गया है- स्वामी, अमात्य, पुर, राष्ट्र, कोष, दण्ड और मित्र ये सात राज्य प्रकृतियां हैं, इनसे युक्त 'सप्तांग' राज्य कहलाता है।

66. मनु किस परंपरा के चिंतक थे?

(a) धर्मशास्त्र (b) नीतिशास्त्र

(c) अर्थशास्त्र (d) महाकाव्य

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

हिंदुओं का कानूनी साहित्य तीन वर्गों में विभाजित है- धर्मसूत्र, धर्मशास्त्र और टीकाएं। इन तीन वर्गों में धर्मशास्त्रों का महत्व अत्यधिक है और धर्मशास्त्रों में सर्वप्रमुख स्थान मनुस्मृति का है। मनु धर्मशास्त्रीय परंपरा के चिंतक थे।

67. कौटिल्य के राजनीतिक विचार किस पश्चिमी विचारक से मेल खाते हैं?

(a) अरस्तू (b) लॉक

(c) ग्रीन (d) मैकियावेली

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

कौटिल्य को पाश्चात्य राजनीतिक विचारक मैकियावेली के समान ही कूटनीतिज्ञ एवं राजनीतिज्ञ माना जाता है। कौटिल्य को भारत का मैकियावेली भी कहा जाता है। दोनों विचारकों ने साध्य को प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार के साधन को उचित माना है। दोनों ने झूठ, छल, कपट आदि साधनों को महत्वपूर्ण बताया है। दोनों ने अंतरराष्ट्रीय संबंध, राज्य का संरक्षण आदि विषयों पर **यथार्थवादी** दृष्टिकोण अपनाया है। मैकियावेली की महत्वपूर्ण पुस्तक **'The Prince'** है तथा कौटिल्य ने अपने विचारों का वर्णन 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक में किया है। अर्थशास्त्र राजनीति विषय पर लिखी गई महत्वपूर्ण पुस्तक है।

68. कौटिल्य का अर्थशास्त्र प्रस्तुत करता है :

(a) सरकार की कला (b) अर्थशास्त्र के सिद्धांत

(c) राज्य के सिद्धांत (d) (a) और (c)

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

सामान्यतः कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वह सभी विषय सम्मिलित हैं जिनका संबंध मनुष्य के जीवन से है। किंतु विशेषतः यह सरकार की कला और राज्य के सिद्धांत को प्रस्तुत करता है। कौटिल्य की इस रचना में स्वतंत्र रूप से अर्थशास्त्र के किसी सिद्धांत का उल्लेख नहीं मिलता है।

69. प्राचीन भारत का मैकियावेली किसे कहा जाता है?

(a) वेदव्यास को (b) शुक्र को

(c) मनु को (d) कौटिल्य को

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

राजनीतिक चिंतन के क्षेत्र में यथार्थवादी और व्यवहारिक दृष्टिकोण में समानता के कारण कौटिल्य को भारत का मैकियावेली कहा जाता है। कौटिल्य का महान ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' और मैकियावेली का 'दी प्रिन्स' शासकों तथा राजनीतिज्ञों के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ है।

70. कौटिल्य द्वारा राज्य के किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया था?

(a) न्याय सिद्धांत (b) सप्तांग सिद्धांत
(c) दैवी सिद्धांत (d) दंड सिद्धांत

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

कौटिल्य के अनुसार राज्य की रचना 7 प्रमुख अंगों से मिलकर हुई है, जिसे वे सप्तांग सिद्धांत कहते हैं। ये प्रमुख अंग हैं- स्वामी, अमात्य,जनपद, दुर्ग, कोष, दण्ड और मित्र।

71. कौटिल्य के लिए स्वामी का अर्थ है-

(a) राजा (b) अमात्य
(c) कोष (d) मित्र

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत- स्वामी, अमात्य, जनपद, कोष, दुर्ग, दण्ड और मित्र में स्वामी का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है। कौटिल्य ने स्वामी का अर्थ राजा बताया है।

72. कौटिल्य का मंडल सिद्धांत किससे संबंधित है?

(a) प्रशासन (b) विदेश नीति
(c) आर्थिक नीति (d) न्यायिक नीति

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

कौटिल्य के मंडल सिद्धांत का संबंध विदेश नीति से है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कौटिल्य ने अपने मंडल सिद्धांत में अनेक राज्यों के समूह या मंडल में विद्यमान राज्यों द्वारा एक-दूसरे के प्रति व्यवहार में लाई जाने वाली नीति का वर्णन किया है। कौटिल्य ने अपने मंडल सिद्धांत के अंतर्गत 12 राज्यों के समूह जिसे राज्य मंडल कहते हैं, के मध्य संबंधों के निर्धारण हेतु अपनायी जाने वाली संभावित नीतियों की विशद व्याख्या की है।

73. कौटिल्य के अनुसार मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की नियुक्ति का क्या आधार था?

(a) योग्यता (b) वंशानुगतता
(c) राजा की अनुकंपा पर (d) इनमें से कोई नहीं

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

मंत्रिपरिषद के गठन के संबंध में कौटिल्य ने सर्वाधिक बल मंत्रियों की योग्यता पर दिया है। इस संबंध में उसने बहुत कठोर और उच्च स्तर निर्धारित किए हैं। उनका विचार है कि सभी प्रकार की क्षमताओं और योग्यताओं से युक्त निष्कलंक व्यक्तियों को ही मंत्रिपरिषद में स्थान दिया जाना चाहिए।

74. निम्न में से किसने माना कि कौटिल्य का मण्डल सिद्धांत शक्ति संतुलन पर आधारित है?

(a) बी.ए. सालटोरे (b) के.पी. जायसवाल
(c) बेनी प्रसाद (d) ए.एस. अल्टेकर

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

ए.एस. ऑल्टेकर का विचार है कि ''कौटिल्य यह जानते थे कि युद्धों को पूर्ण रूप से समाप्त नहीं किया जा सकता है, अतः उन्होंने इनके खतरों को कम करने के लिए एक ऐसे सिद्धांत का समर्थन किया। जिसके अनुसार देश में विद्यमान अनेक छोटे-बड़े राज्यों में शक्ति का विवेकपूर्ण संतुलन बना रह सके और युद्ध न हो।''

75. कौटिल्य के अनुसार निम्न में से कौन-सा राज्य का अंग नहीं है?

(a) सेना (b) स्वामी
(c) आमत्य (d) मित्र

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

कौटिल्य के सप्तांग सिद्धांत में 'सेना' शब्दावली का उपयोग नहीं हुआ है। चूंकि इस प्रकार के प्रश्नों में भ्रम उत्पन्न होता है, जैसे कि राज्य के अंग के रूप में 'दण्ड' शब्द मिलता है और इस शब्द को सेना का पर्याय माना जाता है, अतः यह प्रश्न ही गलत हुआ। परंतु इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर 'तथ्य' के आधार पर देना चाहिए, 'भाव' के आधार पर नहीं।
नोट- इस प्रश्न को लोक सेवा आयोग ने मूल्यांकन से बाहर कर दिया था।

76. कौटिल्य के अनुसार, राजा का मुख्य कार्य है-

(a) विधि का निर्माण करना
(b) अति भौतिक जीवन जीना
(c) विधि को लागू करना
(d) आततायी अधिकारियों को दंडित करना

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

कौटिल्य ने राजा को विधि व्यवस्था को बनाए रखने का सर्वोच्च प्राधिकार सौंपा है। राजा यह देखें कि सभी लोग अपने स्वधर्म का पालने करते हुए वर्णाश्रम व्यवस्था को बनाए रखें।

77. कौटिल्य समर्थक था-

(a) राजतंत्र का (b) सीमित राजतंत्र का

(c) मंत्रिमंडलीय व्यवस्था का (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

कौटिल्य ने राजा को राज्य का केंद्र मानते हुए भी उसे कल्याणकारी तथा जनता के प्रति उत्तरदायी होने की सलाह देते हैं क्योंकि उनके अनुसार, राजा कर्तव्यों से बंधा होता है। हालांकि वे राजा को सर्वोपरि मानते हुए भी उसे निरंकुश शक्तियां नहीं देते हैं। उन्होंने राजा की दिनचर्या को भी पहरों में बांटा है अर्थात वे राजा के लिए दिन तथा रात को आठ-आठ पहरों में विभाजित करते हैं।

78. कौटिल्य के अनुसार राज्य के तत्व हैं-

(a) राज्य के चार तत्व (b) राज्य के पांच तत्व

(c) राज्य के छः तत्व (d) राज्य के सात तत्व

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

कौटिल्य ने राज्य के सात तत्वों को महत्वपूर्ण माना है, जिन्हें संयुक्त रूप से राज्य के सप्तांग सिद्धांत के नाम से जाना जाता है। ये प्रमुख सात तत्व हैं- स्वामी (राजा), अमात्य (मंत्री), जनपद, कोष, दुर्ग, दण्ड और मित्र।

79. कौटिल्य के लिए स्वामी का अर्थ है-

(a) राजा (b) अमात्य

(c) कोश (d) मित्र

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

कौटिल्य ने अपनी कृति 'अर्थशास्त्र' में राज्य के सात अंगों का वर्णन किया। उसमें स्वामी का उल्लेख प्रथम स्थान पर है। कौटिल्य के लिए स्वामी का अर्थ राजा है, जो राज्य का प्रमुख और महत्वपूर्ण स्तंभ है।

80. कौटिल्य के अनुसार राज्य मण्डल में कितनी संख्या होनी चाहिए?

(a) 10 (b) 12

(c) 13 (d) 14

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

कौटिल्य ने अर्थशास्त्र के 6वें अधिकरण में मण्डल सिद्धांत का वर्णन किया है। मण्डल का अर्थ है ''देशों का समूह''। उन्होंने मण्डल में 12 प्रकार के देशों का जिक्र किया है- विजिगीषु, अरि, मित्र, अरि-मित्र, मित्र-मित्र, अरि-मित्र-मित्र। यह तो हुए सामने के देश। पीछे के देश हैं- पार्ष्णिग्राह, आक्रांद, पार्ष्णिग्राहसार, आक्रांदासार। इसके अतिरिक्त दो और देश हैं, मध्यमा और उदासीन।

81. कौटिल्य के मण्डल में कितने राजा सम्मिलित हैं?

(a) 4 (b) 6

(c) 10 (d) 12

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. कौटिल्य द्वारा दिए 'योगक्षेम' सिद्धांत का अर्थ है-

(a) अपराध के लिए दंड

(b) शासक की समृद्धि और गरिमा

(c) प्रसन्नता और समृद्धि का विचार

(d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

राज्य की उत्पत्ति के संदर्भ में कौटिल्य सामाजिक समझौते के पक्षधर थे। मत्स्य न्याय से तंग आकर लोगों ने मनु को अपना राजा चुना तथा कृषि उपज का छठां भाग तथा स्वर्ण का दसवां भाग देना स्वीकार किया। इसके बदले में राजा उनके 'योगक्षेम' को बनाए रखे।

83. ''कानून उच्चतर द्वारा निम्नतर को दिया गया आदेश है।'' कानून की यह परिभाषा निम्न में से किसने दी है?

(a) ऑस्टिन ने (b) सालमंड ने

(c) विल्सन ने (d) ग्रीन ने

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

ऑस्टिन इंग्लैंड का विधानशास्त्री था, जिसने 1832 में प्रकाशित अपनी पुस्तक विधानशास्त्र पर व्याख्यान (Lectures on Jurisprudence) में संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। यह हॉब्स और बेंथम के विचारों से प्रभावित था और बेंथम के समान ही ऑस्टिन का उद्देश्य भी कानून और परंपरा के बीच भेद करना और परंपरा पर कानून की श्रेष्ठता स्थापित करना था। ऑस्टिन का विचार था कि उच्चतर द्वारा निम्नतर को दिया गया आदेश ही कानून है।'' अपने इसी विचार के आधार पर ऑस्टिन ने संप्रभुता की धारणा का प्रतिपादन किया जो इस प्रकार है, ''यदि कोई निश्चित उच्च सत्ताधारी व्यक्ति जो स्वयं किसी उच्च सत्ताधरी की आज्ञा पालन का अभ्यस्त नहीं है। किसी समाज के अधिकांश भाग से अपने आदेशों का पालन कराता है, तो उस समाज में वह उच्च सत्ताधारी व्यक्ति प्रभुत्वशक्ति संपन्न होता है तथा वह समाज उस उच्च सत्ताधारी सहित एक राजनीतिक और स्वतंत्र समाज होता है।''

84. ''कानून उच्च द्वारा निम्न को दिया गया आदेश है।'' यह किसने कहा?

(a) बोडिन (b) हॉब्स

(c) ऑस्टिन (d) बेन्थम

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. ''यह निश्चित है कि सरकार की उत्पत्ति बल प्रयोग के परिणामस्वरूप तथा बल प्रयोग द्वारा होती है।'' यह कथन किसका है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) स्पेन्सर

(c) गार्नर (d) रूसो

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

स्पेन्सर के अनुसार, राज्य सत्ता का उदय व्यक्तियों के भय के फलस्वरूप होता है। राज्य सत्ता के विकास से शक्तिशाली व्यक्तियों का आतंक छा जाता है। इनकी शक्ति से अन्य व्यक्ति भयभीत होने लगते हैं। इस भय के कारण ही शक्तिशाली व्यक्ति उन पर नियंत्रण रखने लगता है। यह नियंत्रण राज्य सत्ता का प्रथम स्तर होता है।

86. निम्नलिखित में से किसको 'कानून के समादेश सिद्धांत' (Command theory of law) का उन्नायक कहा जाता है?

(a) जेरेमी बेंथम को (b) जॉ बोदडां को

(c) जॉन ऑस्टिन को (d) ए.वी. डायसी को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

जॉन ऑस्टिन के अनुसार ''कानून उच्चतर द्वारा निम्नतर को दिया गया आदेश है।'' या ''कानून संप्रभु की आज्ञा (आदेश) है।'' ऑस्टिन के कानून की इस परिभाषा में तीन तत्व निहित हैं- (i) संप्रभुता (ii) आदेश (समादेश) (iii) शास्ति-अर्थात संप्रभु के आदेश की अवहेलना करने वाले को दण्ड देने की शक्ति। इस प्रकार ऑस्टिन ने कानून को संप्रभु का आदेश (समादेश) माना है। ऑस्टिन ने अपनी पुस्तक में संप्रभुता की एकलवादी अवधारणा का प्रतिपादन किया है।

87. ''कानून संप्रभु का आदेश है।'' यह किसका कथन है?

(a) जॉन ऑस्टिन का (b) सालमंड का

(c) हालैंड का (d) ग्रीन का

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. ''कानून संप्रभु की आज्ञा है।'' यह कथन है-

(a) लॉक का

(b) रूसो का

(c) जॉन ऑस्टिन का

(d) गार्नर का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

89. ''कानून संप्रभु का आदेश है।'' यह निम्न में से किसने कहा था?

(a) ऑस्टिन ने (b) लॉस्की ने

(c) क्रैब ने (d) मैकाइवर ने

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

90. ''अधिकार कानूनों का तथा केवल कानूनों का फल है। बिना कानूनों के कोई अधिकार नहीं, कानूनों के खिलाफ कोई अधिकार नहीं तथा कानूनों से पहले कोई अधिकार नहीं।'' यह कथन है-

(a) बेंथम का (b) डायसी का

(c) लॉस्की का (d) ऑस्टिन का

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

19वीं शताब्दी में प्राकृतिक अधिकारों का स्थान कानूनी अधिकारों ने ले लिया। कानूनी अधिकारों के सिद्धांत का मानना है कि अधिकार प्राकृतिक न होकर राज्य की देन होते हैं। इस सिद्धांत का स्पष्टीकरण और व्याख्या हमें बेंथम तथा ऑस्टिन जैसे कानून शास्त्रियों के विचारों में मिलती है। बेंथम के अनुसार अधिकारों का आधार केवल कानून ही है। इसके अनुसार कानून और अधिकार अनिवार्यतः एक हैं- कानून उसका वस्तुपरक रूप है और अधिकार व्यक्तिपरक रूप। इसके अनुसार अधिकार की तीन विशेषताएं हैं-

- राज्य ही अधिकारों का स्रोत है अर्थात अधिकार राज्य से पहले नहीं हो सकते।
- राज्य अधिकारों को संस्थात्मक तथा कानूनी ढांचा प्रदान करता है यही इन्हें लागू करता है।
- राज्य ही अधिकारों की रचना करता है अर्थात जब कानूनों में परिवर्तन होता है तब अधिकारों में भी परिवर्तन आ जाता है।

91. बेंथम के अनुसार विधि का लक्ष्य क्या होना चाहिए?

(a) अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख

(b) अधिकतम व्यक्तियों का नैतिक विकास

(c) अधिकतम व्यक्तियों का आर्थिक विकास

(d) अधिकतम व्यक्तियों की अधिकतम आय

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

बेंथम के अनुसार, विधि का लक्ष्य अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख होना चाहिए। बेंथम के अनुसार, कानून बनाने वालों को केवल वही कानून बनाने चाहिए जो 'अधिकतम लोगों के अधिकतम सुख' को बढ़ावा देते हों। सरकार का कार्य भी इसी उद्देश्य की पूर्ति करना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इंग्लैंड में उपयोगितावाद के प्रवर्तक जरमी बेंथम ने लॉक के प्राकृतिक अधिकारों के काल्पनिक सिद्धांत का खंडन करते हुए उपयोगितावाद के अनुभवमूलक आधार पर उदारवादी व्यक्तिवादी विचारधारा का समर्थन किया।
- बेंथम के अनुसार, मनुष्य से ऐसा व्यवहार करना चाहिए जिससे वह अपने सुख को बढ़ा सके और दु:ख से बच सके।
- बेंथम ने सामाजिक समझौते और सामान्य इच्छा के सिद्धांत का खंडन करते हुए तर्क दिया कि समुदाय का हित उसके पृथक-पृथक सदस्यों के हितों का योग होता है।

92. ''अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख'' के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) लॉक ने (b) बेन्थम ने

(c) रूसो ने (d) मिल ने

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

93. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) बेंथम का मानना था कि मनुष्य उपयोगिता की अधिकाधिक वृद्धि करते हैं।

(ii) बेंथम महिलाओं के मताधिकार का पुरजोर समर्थन करते थे।

(iii) 'दार्शनिक उग्रवादी' बेंथम के अनुयायी थे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

कूट :

(a) केवल (i) (b) केवल (i) और (iii)

(c) केवल (ii) और (iii) (d) केवल (i) और (ii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (i) और (iii) बेंथम की धारणा को पुष्ट करते हैं। बेंथम महिला मताधिकार के विषय में मौन हैं।

94. 'विधि के शासन' की आधुनिक संकल्पना को निरूपित करने का श्रेय दिया जाता है-

(a) अरस्तू को (b) मांटेस्क्यू को

(c) ए.वी.डायसी को (d) हेरोल्ड लॉस्की को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान का अनु.14 उपबंधित करता है कि ''भारत राज्य-क्षेत्र में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता से या विधियों के समान संरक्षण से राज्य द्वारा वंचित नहीं किया जाएगा''। 'विधि के समक्ष समता' वाक्यांश ब्रिटिश संविधान से लिया गया है, जिसे प्रोफेसर ए.वी. डायसी 'विधि शासन' (Rule of Law) कहते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'विधियों का समान संरक्षण' वाक्यांश अमेरिका के संविधान से लिया गया है।
- 'विधि के समक्ष समता' वाक्यांश लगभग सभी लिखित संविधानों में पाया जाता है, जो नागरिकों को मूल अधिकार प्रदान करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार घोषणा-पत्र के अनु.7 में उक्त दोनों वाक्यांश प्रस्तुत किए गए हैं।
- विधि शासन का अर्थ है कि 'कोई भी व्यक्ति विधि से ऊपर नहीं है'।

95. डायसी ने निम्न में से किस अवधारणा की श्रेष्ठ व्याख्या की?

(a) विधि का शासन (b) ब्रिटिश सम्राट का शासन

(c) धार्मिक विधि (d) विधि का अमूर्तन

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

विख्यात ब्रिटिश न्यायवेत्ता ए.वी. डायसी ने 'विधि के शासन' की अवधारणा की श्रेष्ठ व्याख्या प्रस्तुत की है। डायसी ने अपनी कृति 'इंट्रोडक्शन टु द स्टडी ऑफ द लॉ ऑफ द कांस्टीट्यूशन' में इंग्लैंड के संविधान को 'विधि के शासन' की संज्ञा दी है, जो आगे चलकर सांविधानिक शासन का प्रमाण बन गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- डायसी के अनुसार विधि के शासन में तीन अर्थ निहित हैं-

I. कानून का उल्लंघन करने पर ही किसी नागरिक को दंड दिया जा सकता है, अन्य किसी आधार पर नहीं।

II. विधि का शासन सब नागरिकों को कानून के समक्ष समानता प्रदान करता है।

III. इंग्लैंड में विधि का शासन यह संकेत देता है कि यहां नागरिकों के अधिकार संविधान के द्वारा सुरक्षित नहीं किए गए हैं, बल्कि देश के साधारण कानून में विहित उपचारों के द्वारा उन्हें जो हितलाभ और स्वतंत्रताएं प्रदान की गई हैं। वही यहां के संविधान का आधार हैं।

96. 'व्यक्ति के शासन' की अपेक्षा 'विधि का शासन' अधिक अच्छा होता है। यह कथन किसका है?

(a) डायसी (b) अरस्तू

(c) मॉन्टेस्क्यू (d) बोदाँ

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

अरस्तू ने कहा था- ''व्यक्ति के शासन की अपेक्षा विधि का शासन अधिक अच्छा होता है।''

97. मॉन्टेस्क्यू ने किस संस्था की व्याख्या करने में त्रुटि की?

(a) फ्रांसीसी राजतंत्र की व्याख्या में

(b) अमेरिकी राष्ट्रपति की व्याख्या में

(c) स्विस संसद की व्याख्या में

(d) ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था की व्याख्या में

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

मॉन्टेस्क्यू ने ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था की व्याख्या करने में त्रुटि की थी। मॉन्टेस्क्यू का मानना था कि इंग्लैंड का संविधान 'शक्तियों के पृथक्करण' के सिद्धांत पर आधारित है, जबकि शक्तियों का पृथक्करण इंग्लैंड के अलिखित संविधान की विशेषता नहीं है।

98. 'विधि के शासन' वाक्यांश में प्रयुक्त 'विधि' पद का अभिप्राय है :

(a) मानव स्थापित विधि

(b) प्राकृतिक विधि

(c) संविधान के अधिसमय

(d) सामान्य विधि

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

'विधि के शासन' वाक्यांश में प्रयुक्त 'विधि' पद का अभिप्राय 'मानव स्थापित विधि' से है। इस सिद्धांतानुसार, प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसकी अवस्था या पद जो कुछ भी हो, देश की सामान्य विधियों के अधीन और साधारण न्यायालयों की अधिकारिता के भीतर है।

99. निम्नलिखित में से कौन 'विधि के शासन' से निकटतम संबंधित है?

(a) न्यायिक सर्वोच्चता (b) संविधानवाद

(c) मॉर्शल ला (d) शक्तियों का पृथक्करण

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

संविधानवाद, 'विधि के शासन' से निकटतम संबंधित है क्योंकि संविधान-वाद का भी संबंध नियंत्रण की उस प्रणाली से है, जिसमें व्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए उचित वातावरण मिले।

100. राजनीतिक विचारों के 'रोमन स्कूल' से निम्नलिखित में से कौन संबद्ध है?

(a) टॉमस एक्वीनास

(b) सिसरो

(c) बर्क

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

सिसरो रोमन कानून की अवधारणा को विकसित करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने प्राकृतिक कानून के सिद्धांत का प्रतिपादन किया और घोषित किया कि यह शाश्वत अपरिवर्तनशील है। कोई विधान निर्माता भी इन कानूनों का उल्लंघन नहीं कर सकता।

101. दंड का प्रतिकारात्मक सिद्धांत आधारित है-

(a) बदले के सिद्धांत पर

(b) निवारक दंड के सिद्धांत पर

(c) अपराधी को सुधारने के सिद्धांत पर

(d) प्रेम के सिद्धांत पर

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(a)

दंड का प्रतिकारात्मक (प्रतिशोधात्मक) सिद्धांत (Retributive Theory) बदला लेने के सिद्धांत पर आधारित है। इस सिद्धांतानुसार, दंड का उद्देश्य अपराधी से अपराध का बदला लेना है। इस सिद्धांत का आधार 'जैसे को तैसा','आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत' वाला विचार है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्राचीन काल में दंड के इसी सिद्धांत को मान्यता प्राप्त थी।
- कांट और हीगल ने इस सिद्धांत का समर्थन करते हुए दंड को 'अपराधी के लिए निषेधात्मक उपहार' कहा है।
- दंड के अन्य सिद्धांत हैं-निर्वतक सिद्धांत, सुधारात्मक सिद्धांत तथा आदर्शात्मक सिद्धांत।
- सबसे श्रेष्ठ और व्यावहारिक दंड व्यवस्था वह होती है जिसके अंतर्गत प्रतिरोध, निरोध एवं सुधार तीनों ही की उचित और संतुलित व्यवस्था हो।

102. ''जहां कानून नहीं है वहां स्वतंत्रता नहीं है'', यह कथन किसका है?

(a) टी.एच.ग्रीन (b) लॉक

(c) मैकाइवर (d) हॉबहाउस

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

लॉक ने राज्य की प्रभुसत्ता और उसकी जोर जबरदस्ती की शक्ति को शंका के दृष्टिकोण से देखा और इस पर कानून द्वारा सीमाएं लगाने का प्रयत्न किया। इसके अनुसार कानून और स्वतंत्रता एक दूसरे के विरोधी नहीं हैं कानून का उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ाना और सुरक्षित करना हैं जहां कानून नहीं है वहां स्वतंत्रता की आशा नहीं की जा सकती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- हॉब्स ने स्वतंत्रता को 'कानून का मौन' माना है।
- मिल ने व्यक्ति की स्वतंत्रता में केवल राज्य का ही नहीं बल्कि समाज, जनमत और रीति-रिवाज का हस्तक्षेप भी अनुचित माना है।
- मिल के अनुसार व्यक्ति स्वयं पर, अपने शरीर और मन पर संप्रभु है।

103. ''जहां कानून नहीं होता, वहां स्वतंत्रता भी नहीं होती।'' यह कथन निम्न में से किसका है?

(a) लॉक (b) लॉस्की
(c) ग्रीन (d) विलोबी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

104. ''जहां कानून नहीं होता, वहां स्वतंत्रता भी नहीं हो सकती है''। निम्न में किसका कथन है?

(a) डायसी (b) विलोबी
(c) लॉस्की (d) लॉक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. निम्नलिखित कथनों में कौन सही है?

(a) लॉक ने सरकार और राज्य जैसे शब्दों में भ्रम उत्पन्न किया है
(b) लॉक सरकार को राज्य से श्रेष्ठ मानता है।
(c) लॉक ने सरकार और राज्य में विभेद किया है।
(d) लॉक ने सरकार और राज्य में विभेद नहीं किया है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

लॉक ने समाज (राज्य) एवं सरकार में भेद किया है। लॉक के अनुसार, समाज की स्थापना एक सामाजिक प्रक्रिया है, जो सामाजिक जीवन के अस्तित्व का मूल कारण है, जबकि सरकार की स्थापना निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु की जाती है। लॉक के अनुसार, सरकार भंग हो जाने पर समाज छिन्न-भिन्न नहीं हो जाता।

106. निम्नलिखित विचार किसने दिया है? ''राज्य विधि का नहीं वरन विधि राज्य का निर्माण करती है।''

(a) ऑस्टिन (b) बेंथम
(c) क्रैब (d) ओपेनहाइमर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

बहुलवादी विचारक संप्रभुता के परंपरागत प्रतिपादकों के विपरीत कानून को राज्य से स्वतंत्र और उच्च मानते हैं। ऐसे विचारकों में क्रैब, डिग्विट, सर हेनरी मेन का नाम उल्लेखनीय है। क्रैब के मतानुसार ''कोई नियम कानून के रूप में इस कारण मान्य नहीं होता कि राज्य ने उसे बनाया है। जैसे चोरी या मानव हत्या इसलिए अपराध नहीं है कि राज्य ने उसे अपने आदेश द्वारा निश्चित किया है, अपितु इसलिए अपराध है कि समाज की नैतिक बुद्धि उसे अनुचित समझती है।'' इसी संदर्भ में क्रैब ने कहा है कि राज्य विधि का नहीं वरन विधि राज्य का निर्माण करती है।'' इसी प्रकार के विचार डिग्विट ने भी दिए हैं।

107. ''यह राज्य नहीं है जो विधि का सृजन करता है, वरन् यह विधि है जो राज्य का सृजन करती है।'' यह किसने कहा है?

(a) डुग्वी (b) ओपेनहाइमर
(c) ऑस्टिन (d) क्रैब

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

108. ''कानून राज्य का पूर्ववर्ती है और राज्य से ऊपर है।'' यह निम्नलिखित में से किसका मत है?

(a) लियां ड्यूग्वी (b) एफ.डब्ल्यू.मैटलैंड
(c) ह्यूगो क्रैब (d) केल्सन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

फ्रांसीसी विचारक डयूग्वी या डिग्विट (Dugvit) प्रमुख बहुलवादी विचारक हैं। बहुलवादियों के अनुसार कानून राज्य से स्वतंत्र और उच्च होते हैं। डिग्विट की मान्यता है कि विधि राजनीतिक संगठन (राज्य) से स्वतंत्र, उससे श्रेष्ठ और पूर्वकालिक होती है। विधि राज्य को सीमित करती है, जबकि राज्य विधि को सीमित नहीं करता है।

109. ''कानून नियमों का वह समूह है जिसे राज्य मान्यता देता है और न्याय व्यवस्था के प्रशासन में लागू करता है।'' उपर्युक्त परिभाषा दी गई है-

(a) पाउंड द्वारा (b) सालमंड द्वारा
(c) ऑस्टिन द्वारा (d) डब्ल्यू. विल्सन द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

उपरोक्त कथन सालमंड का है। सालमंड ने कानून (विधि) की परिभाषा देते हुए कहा कि ''कानून, नियमों का वह समूह है, जो राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा जिसे राज्य न्याय व्यवस्था के प्रशासन में उपयोग में लाता है''। सालमंड के अनुसार, ''समस्त विधि संग्रह को अधिनियमित विधि के रूप में बदलने की प्रक्रिया को 'संहिताकरण' कहते हैं''।

110. आधुनिक युग में पुलिस राज्य की अवधारणा पुरानी पड़ गई है, इसका कारण है-

(a) राष्ट्रीय प्रभुसत्तासंपन्न राज्य का उदय
(b) धर्मतंत्रात्मक राज्य का उदय
(c) धर्मनिरपेक्ष राज्य का उदय
(d) कल्याणकारी राज्य का उदय

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

आधुनिक युग में पुलिस राज्य की अवधारणा पुरानी पड़ गई है, इसका कारण कल्याणकारी राज्य का उदय है। कल्याणकारी राज्य में सबके लिए समान अवसर प्रदान करना, अमीरों और गरीबों के बीच अंतर कम करना और जीवन-स्तर को ऊपर उठाना जैसे आधारभूत तत्व हैं।

111. 'दितांत' का अर्थ है-

(a) महान शक्तियों के बीच सहयोग
(b) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व
(c) तनावों की समाप्ति
(d) तनावों का शैथिल्य

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

'दितांत' एक फ्रांसीसी शब्द है। इसका अर्थ तनाव में कमी या शिथिलता है। दितांत का अर्थ कदापि यह नहीं कि महाशक्तियों के वैचारिक या अन्य प्रकार के मतभेद समाप्त हो गए हैं। दितांत की विशेषता यह है कि दोनों के बीच वैचारिक मतभेद या शक्ति-संघर्ष की प्रतियोगिता के बावजूद उनमें विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बना रहता है। दितांत शब्द का प्रयोग विशेष रूप से तत्कालीन विश्व की दो महाशक्तियों अर्थात् अमेरिका और सोवियत संघ के बीच तनाव में कमी के संदर्भ में किया गया है।

112. निम्नांकित में से कौन-सा तत्व राजनैतिक दलों का नहीं है?

(a) संगठन
(b) मौलिक सिद्धांतों से असहमति
(c) संवैधानिक पद्धति
(d) राष्ट्रीय हित

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

किसी भी राजनीतिक दल के निर्माण के लिए निम्नलिखित तत्वों का होना आवश्यक है-

- लंबी अवधि के लिए संगठन,
- मूलभूत सिद्धांतों अथवा नीतियों के बारे में सहमति,
- संवैधानिक उपायों का प्रयोग,
- राष्ट्रीय हित की वृद्धि।

113. ''एक सबके लिए और सब एक के लिए'' का सूत्र किस संदर्भ में प्रयुक्त किया जाता है?

(a) यूरोपीय संघ (b) सामूहिक सुरक्षा
(c) संयुक्त राष्ट्र संघ (d) शक्ति संतुलन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

''एक सबके लिए और सब एक के लिए'' के सूत्र का प्रयोग सामूहिक सुरक्षा के संदर्भ में किया जाता है। सामूहिक सुरक्षा का अभिप्राय यह है, कि किसी राष्ट्र द्वारा किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण होगा तो बाकी सब राष्ट्र मिलकर उसका मुकाबला करेंगे।

114. 'परंपरागत राजनीति विज्ञान' का निम्न में से कौन लक्षण नहीं है?

(a) अमूर्त स्वरूप (b) काल्पनिकता
(c) दार्शनिकता पर बल (d) तथ्यों के अध्ययन पर बल

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

परंपरागत राजनीति विज्ञान तथ्यों के अध्ययन पर बल नहीं देता है बल्कि व्यवहारवाद नई पद्धतियों, नई तकनीकों, नए तथ्यों और एक व्यवस्थित सिद्धांत के विकास के अध्ययन पर बल देता है, द्वितीय महायुद्ध के पश्चात, परंपरागत राजनीति विज्ञान के विरोध में एक व्यापक क्रांति हुई, इसे 'व्यवहारवाद' का नाम दिया गया। व्यवहारवाद की आधारभूत मान्यता यह है कि प्राकृतिक विज्ञानों और समाज विज्ञानों के बीच एक गुणात्मक निरंतरता है।

115. प्रभाव की एक विशेषता नहीं है-

(a) उसे देखा जा सकता है।
(b) उसे देखा नहीं जा सकता है।
(c) उसे महसूस किया जा सकता है।
(d) इसमें द्विसंबंध होता है।

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

प्रभाव (Influence) की यह विशेषता है कि उसे देखा नहीं जा सकता है, उसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

116. निम्नलिखित में से कौन द्विदल पद्धति का एक लाभ नहीं है?

(a) स्थायित्व

(b) पूर्वानुमेय

(c) निर्वाचक की पसंद का सरलीकरण

(d) समाज का मत ठीक ढंग से प्रतिबिंबित होना

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

द्विदल पद्धति का लाभ यह है कि इससे स्थिर सरकार, स्थायी नीतियों का निर्माण, शासन का 'स्वस्थ एवं रचनात्मक विरोध, पूर्वानुमेय आदि है। द्विदलीय पद्धति में राजनीतिज्ञों में असंतोष की भावना उत्पन्न नहीं होने पाती। वे जानते हैं कि आज का विरोधी दल कल का शासक दल होगा। अतः वे केवल रचनात्मक विरोध करके शासन को सुचारू रूप से नियंत्रित करते हैं।

117. किसने कहा कि ''राष्ट्र दैविक आदर्श की अभिव्यक्ति एवं उसका रहस्योद्घाटन'' है?

(a) विपिन चन्द्र पाल (b) अरविन्द

(c) महात्मा गांधी (d) बी.आर. अम्बेडकर

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

अरविन्द घोष ने राष्ट्र का महिमा मंडन करते हुए कहा है कि 'राष्ट्र दैविक, आदर्श की अभिव्यक्ति एवं उसका रहस्योद्घाटन' है।

118. निम्नलिखित में कौन सही है?

(a) प्रशासन की मध्यवर्ती सोपान सहायक अभिकरण कार्य सौंपता है।

(b) सहायक इकाइयां प्रमुख कार्यकारी की सहायता करती हैं।

(c) सहायक इकाइयां प्रमुख कार्यकारी की सहायता नहीं करती हैं।

(d) सहायक अभिकरण नीतियों में सुधार का सुझाव देते हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

सहायक इकाइयां प्रमुख कार्यकारी की सहायता करती हैं। इनका कार्य तथ्यों को इकट्ठा करना तथा महत्वपूर्ण विषयों को विचार के लिए कार्यपालिका के सम्मुख प्रस्तुत करना है। इनकी सेवा प्रधान सेवा न होकर गौण सेवा होती है। विलोबी ने इन सेवाओं को 'संस्था-मूलक' अथवा 'गृह-प्रबंध संबंधी' क्रियाओं के नाम से पुकारा है।

119. ''जैसे ही हम ऑस्टिन की रूखी, पर वैधानिक धारणा से दूर जाते हैं वैसे ही हम भ्रम में पड़ जाते हैं''। यह टिप्पणी किसने की थी?

(a) लॉक (b) गेटेल

(c) लीकॉक (d) हॉलैण्ड

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

ऑस्टिन की संप्रभुता की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए लीकॉक ने कहा था कि ''जैसे ही हम ऑस्टिन की रूखी पर वैधानिक धारणा से दूर जाते हैं वैसे ही हम भ्रम में पड़ जाते हैं''।

120. हीगल और ग्रीन सहमत नहीं हैं?

1. राज्य की नैतिक प्रकृति के विषय में ,

2. राज्य के युद्ध लड़ने के अधिकार के विषय में

3. व्यक्ति द्वारा राज्य के विरोध के विषय में

4. इच्छा, को राज्य का आधार मानने के विषय में

कूट :

(a) 1 और 2 सही हैं। (b) 1 और 4 सही हैं।

(c) 2 और 3 सही हैं। (d) 3 और 4 सही हैं।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

युद्ध की आवश्यकता के संबंध में ग्रीन, हीगल से सहमत नहीं हैं। ग्रीन युद्ध को अपूर्ण राज्य का लक्षण मानते हैं, जबकि हीगल सकारात्मक अच्छाई। हीगल व्यक्ति को राज्य का विरोध करने का अधिकार नहीं देता है क्योंकि राज्य पृथ्वी पर ईश्वर का अवतरण है। ग्रीन व्यापक सहमति के आधार पर विद्रोह करने का अधिकार देता है।

121. हीगल ने नागरिक समाज को देखा-

(a) विशिष्टता के प्रभाव-क्षेत्र के रूप में

(b) स्वतंत्रता के प्रभाव-क्षेत्र के रूप में

(c) सार्विकता के प्रभाव-क्षेत्र के रूप में

(d) सामंजस्य के प्रभाव-क्षेत्र के रूप में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

हीगल ने नागरिक समाज को सार्विकता के प्रभाव-क्षेत्र के रूप में देखा है। हीगल के राजनीतिक दर्शन का आधार 'विश्वात्मा' का विचार है। विश्व में पायी जाने वाली समस्त जड़ और चेतन वस्तुएं इसी विश्वात्मा से निःसृत हुई हैं। विश्वात्मा का धीरे-धीरे विकास होता रहता है। सर्वप्रथम जड़ जगत में इसकी अभिव्यक्ति होती है। फिर परिवार, समाज जैसी सामाजिक संस्थाओं में इसका प्रकटीकरण होता है। अन्त में विश्वात्मा 'राज्य' के रूप में प्रकट होती है।

122. किसने इस नियम का प्रतिपादन किया है : ''कर्मचारी एक-दूसरे के लिए कार्य उत्पन्न करते हैं''?

(a) मैक्स वेबर (b) नॉरथियोट पार्किंसन

(c) रैम्जे म्योर (d) पीटर ड्रकर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

नॉरथियोट पार्किंसन ने इस नियम का प्रतिपादन किया है कि ''कर्मचारी एक-दूसरे के लिए कार्य उत्पन्न करते हैं''।

123. के.सी. व्हीयर द्वारा प्रतिपादित 'व्यवस्थापिकाओं के ह्रास' का अर्थ है-

(a) उनकी कानूनी शक्तियों में कमी

(b) उनकी प्रतिष्ठा तथा स्थिति में अवनति

(c) दूसरी संस्थाओं की बढ़ती हुई शक्तियों की तुलना में उनकी स्थिति में उतार

(d) सरकार के बढ़ते हुए कार्यों को करने में उनकी अक्षमता

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

के.सी. व्हीयर ने अपनी पुस्तक 'लेजिस्लेचर्स' (Legislatures) में एक अध्याय 'व्यवस्थापिकाओं का पतन' जोड़ा है। इनके अनुसार, व्यवस्थापिकाओं के ह्रास का अर्थ है कि दूसरी संस्थाओं की बढ़ती हुई शक्तियों की तुलना में उनकी स्थिति में उतार हुआ है।

124. नेतृत्व के सिद्धांत के रूप में 'पारिस्थितिकी दृष्टिकोण' प्रतिपादित किया गया था-

(a) मिलेट द्वारा (b) टीड द्वारा

(c) बर्नार्ड द्वारा (d) लिविंग्सन द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

नेतृत्व के सिद्धांत के रूप में 'पारिस्थितिकी दृष्टिकोण' का प्रतिपादन मिलेट द्वारा किया गया था। मिलेट के अनुसार, ''नेतृत्व प्रायः परिस्थितियों के अनुसार बनता या बिगड़ता है। मिलेट ने नेतृत्व की दो आवश्यक परिस्थितियां बतायी हैं- 1. राजनीतिक एवं 2. संस्थागत।

125. ''हमारी राजनीतिक प्रणाली में मंत्री, जो एक उच्च राजनीतिक पद का अध्यक्ष होता है, केवल काठ की गुड़िया के समान है।'' यह किसने कहा?

(a) जॉर्ज बर्नार्ड शॉ (b) मुनरो

(c) मोरीसन (d) रैम्जे म्योर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

मुनरो ने कहा था कि ''हमारी राजनीतिक प्रणाली में मंत्री, जो एक उच्च राजनीतिक पद का अध्यक्ष होता है, केवल काठ की गुड़िया के समान है''।

126. ''पचास वर्षों के मतभेद एवं एक दशक की अनिश्चितता के बाद दो पुराने शत्रु अब साझेदार बन गए हैं।'' यह किसने कहा था ?

(a) बिल क्लिंटन (b) लॉर्ड रॉबर्टसन

(c) जॉर्ज डब्ल्यू. बुश (d) मिखाइल गोर्बाचोव

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

उपरोक्त कथन जॉर्ज डब्ल्यू. बुश का है जिसे उन्होंने वर्ष 2002 में नाटो संगठन के रोम (इटली) सम्मेलन में कहा था। इस सम्मेलन में एक नाटो-रूस संयुक्त परिषद का निर्माण किया गया जो रूस एवं नाटो के मध्य संयुक्त परियोजनाओं तथा सुरक्षा मुद्दों को क्रियान्वित करने का प्रमुख राजनयिक उपकरण है। इसी सम्मेलन में जॉर्ज बुश ने कहा था कि ''पचास वर्षों के मतभेद एवं एक दशक की अनिश्चितता के बाद दो पुराने शत्रु अब साझेदार बन गए हैं।'' ज्ञातव्य है कि नाटो एक सैन्य गठबंधन है, जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी।

127. ''युद्ध की स्थिति राज्य के व्यक्तित्व की सर्वशक्तिमत्ता को प्रकट करती है।'' यह कथन किसका है?

(a) ग्रीन (b) मुसोलिनी

(c) हीगल (d) हिटलर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

हीगल का कथन है कि ''युद्ध की स्थिति राज्य के व्यक्तित्व की सर्वशक्तिमत्ता को प्रकट करती है''।

128. ''असंलग्नता को अनैतिक'' कहा गया था-

(a) जॉर्ज केनन द्वारा

(b) हेनरी ट्रूमैन द्वारा

(c) जॉन फास्टर डलेस द्वारा

(d) उपर्युक्त में से किसी के भी द्वारा नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

पूर्व अमेरिकी विदेश सचिव जॉन फोस्टर डलेस द्वारा 'असंलग्नता को अनैतिक' कहा गया था।

129. ''राजनीतिक दल ही देश में तानाशाही के उदय से हमारी रक्षा का सबसे बड़ा साधन है।'' यह किसने कहा है?

(a) मैकाइवर (b) फाइनर

(c) ब्राइस (d) लॉस्की

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

'राजनीतिक दल ही देश में तानाशाही के उदय से हमारी रक्षा का सबसे बड़ा साधन है।'' यह कथन लॉस्की का है, वास्तव में राजनीतिक दल को लोकतंत्र का प्राण कहा जाता है। प्रो. मुनरो ने कहा है कि लोकतंत्रात्मक शासन दलीय शासन का ही दूसरा नाम है। मैकाइवर ने कहा है कि जिस राज्य में दल प्रणाली नहीं होती, उसमें क्रांति ही सरकार को बदलने का एक मात्र तरीका है। दल प्रणाली से क्रांति की आवश्यकता नहीं होती और संवैधानिक तरीके से शासन में परिवर्तन किया जा सकता है।''

130. बेनेडिक्ट एंडर्सन ने राष्ट्र की कौन-सी विशेषता बताई है?

(a) एक प्रतिदिन के जनमत संग्रह के रूप में

(b) एक कल्पित समुदाय के रूप में

(c) हमारे युग के भ्रम के रूप में

(d) एक सामाजिक संविदा के रूप में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

बेनेडिक्ट एंडर्सन ने राष्ट्र को एक कल्पित समुदाय के रूप में वर्णित किया है।

131. यह अभिमत कि ''प्रतिस्पर्धा, संघर्ष और शोषण पर आधारित भौतिक प्रगति समाज को अमानवीयकरण की ओर ले जाती है''। किस विचारक से संबंधित है?

(a) कांट (b) रूसो

(c) मार्क्स (d) एरिक फ्रॉम

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

कार्ल मार्क्स ने पूंजीवाद की आलोचना सिर्फ आर्थिक आधार पर नहीं की है। मार्क्स के अनुसार, प्रतिस्पर्धा पर आधारित पूंजीवादी समाज उस भौतिक प्रगति को बढ़ावा देता है, जो संघर्ष एवं शोषण पर आधारित है तथा अमानवीयकरण की ओर ले जाती है।

132. ''इतिहास कुलीन वर्गों का श्मशान है।'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) प्लेटो (b) पैरेटो

(c) मोस्का (d) बर्नहम

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

पैरेटो 'अभिजन वर्ग' सिद्धांत का प्रवक्ता है। इसके अनुसार, अभिजनों में संचरण होता है। कोई भी राजनीतिक अभिजन स्थायी नहीं होता है। प्रत्येक समाज में व्यक्ति और अभिजन वर्ग अनवरत रूप से ऊंचे स्तर से नीचे स्तर की ओर, और नीचे स्तर से ऊंचे स्तर की ओर जाते रहते हैं। पतनकारक तत्वों की संख्या बढ़ती रहती है और दूसरी ओर शासित वर्गों में ऊंचे गुणों से संपन्न तत्व उभरते रहते हैं। पैरेटो का कहना है कि इस प्रक्रिया के माध्यम से समाज का प्रत्येक अभिजन वर्ग अन्ततः नष्ट हो जाता है और उसके स्थान पर दूसरे लोग आ जाते हैं। इसलिए पैरेटो ने इतिहास को 'कुलीन वर्गों का शमशान' कहा है।

133. ''इतिहास कुलीन वर्गों का श्मशान है।'' यह कथन किस राजनीतिक विचारक से संबंधित है?

(a) गीटानो मोस्का (b) कार्ल पापर

(c) जे.ए. शूम्पीटर (d) विल्फ्रेडो पैरेटो

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. राजनीतिक यथार्थवाद के मुख्य प्रवक्ता के रूप में किस विचारक को जाना जाता है?

(a) जॉर्ज एफ. केनन (b) मॉरगेन्थाऊ

(c) ट्रीटस्के (d) डेविड ईस्टन

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

राजनीतिक यथार्थवाद का मुख्य प्रवक्ता मॉरगेन्थाऊ है। अपनी पुस्तक 'पॉलिटिक्स एमंग नेशंस' में मॉरगेन्थाऊ ने शक्ति को अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बिंदु माना है। उसकी दृष्टि में शक्ति राष्ट्रहित का ही प्रतिबिंब है। मॉरगेन्थाऊ ने यथार्थवाद को सैद्धांतिक आधार प्रदान किया है।

135. यथार्थवादी विचार की शास्त्रीय पुस्तक मानी जाने वाली कृति, 'पालिटिक्स एमंग नेशन्स' के लेखक-

(a) हेन्स मार्गेन्थाऊ हैं (b) हेनरी किसिंजर हैं

(c) क्विन्से राइट हैं (d) मार्टिन राइट हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. बहुलवाद का समर्थन निम्न में से किस विचारक ने किया?

(a) प्लेटो (b) लॉस्की

(c) मार्क्स (d) गार्नर

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

संप्रभुता की अद्वैतवादिता की धारणा के विरुद्ध जिस विचारधारा का उदय हुआ, उसे हम 'राजनीतिक बहुलवाद' या 'बहुसमुदायवाद' कहते हैं। बहुलवाद का मत है कि सत्ता का केवल एक ही स्रोत नहीं है, यह विभिन्न क्षेत्रों में विभाजनीय है और इसे विभाजित किया जाना चाहिए। गियर्क, मैटलैण्ड, फिगिस, डिग्विट, क्रैब, जी.डी.एच. कोल तथा हेराल्ड लॉस्की बहुलवाद के प्रमुख विचारक हैं।

137. इनमें से किसने बहुलवाद का समर्थन नहीं किया है?

(a) वेब (b) लिंडसे

(c) क्रैबे (d) हेगेल

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपरोक्त विकल्पों में हेगेल (Hegel) बहुलवाद का समर्थन नहीं करता है। राज्य को ईश्वर की असीम सत्ता की श्रेणी में प्रतिष्ठित करते हुए हेगेल (Hegel) जैसे आदर्शवादी ने भी कहा है कि ''राज्य पृथ्वी पर परमेश्वर की अवधारणा है। यह पृथ्वी पर विद्यमान एक दैवीय विचार है।'' उन्होंने लिखा है कि ''राज्य दैवी इच्छा है, जो पृथ्वी पर अपने वास्तविक रूप में प्रकट होती है।'' शेष अन्य विकल्प बहुलवाद के समर्थक हैं।

138. ''कर्तव्यों के उचित क्रम निर्धारण का नाम नागरिकता है।'' नागरिकता की उपर्युक्त परिभाषा किसकी है?

(a) विलियम बायड की
(b) अरस्तू की
(c) लॉस्की की
(d) जे.एस. मिल की

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

विलियम बायड ने नागरिकता को परिभाषित करते हुए कहा है कि ''कर्तव्यों के उचित क्रम निर्धारण का नाम नागरिकता है''।

139. सभ्य समाज राजनीतिक चिंतन में एक केंद्रीय अवधारणा नहीं है-

(a) हीगल के अनुसार
(b) बेंथम के अनुसार
(c) ग्राम्सी के अनुसार
(d) लेनिन के अनुसार

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

यह कथन बेंथम का है।

140. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे प्रदत्त कूट से अपना उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. कार्ल मार्क्स	**(i) वर्ग संघर्ष**
B. लोहिया	**(ii) समग्र क्रांति**
C. जयप्रकाश नारायण	**(iii) उपयोगितावाद**
D. मिल	**(iv) सप्त क्रांति**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I		सूची-II
कार्ल मार्क्स	–	वर्ग संघर्ष
लोहिया	–	सप्त क्रांति
जयप्रकाश नारायण	–	समग्र क्रांति
मिल	–	उपयोगितावाद

141. सूची-I का सूची-II से मेल कीजिए और दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (विचारक का नाम)	सूची-II (राजनीतिक विचार)
A. जे.एस. मिल	**(i) सामाजिक समझौता**
B. हॉब्स	**(ii) सीजेर बोर्गिया का राज्यशिल्प**
C. मैकियावेली	**(iii) वर्ग संघर्ष**
D. मार्क्स	**(iv) महिला मताधिकार एवं श्रमिक सहकारी संस्थाएं**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

सही सुमेलन है-

विचारक का नाम	राजनीतिक विचार
जे.एस. मिल	महिला मताधिकार एवं श्रमिक सहकारी संस्थाएं
थॉमस हॉब्स	सामाजिक समझौता
मैकियावेली	सीजेर बोर्गिया का राज्यशिल्प
मार्क्स	वर्ग संघर्ष

142. ''शक्ति भ्रष्ट करती है और असीमित शक्ति असीमित रूप से भ्रष्ट करती है।'' यह कथन किसका है?

(a) लॉर्ड ऐक्टन
(b) लॉर्ड ब्राइस
(c) लॉर्ड बेकन
(d) लॉर्ड रोजर एक्विनास

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

''शक्ति भ्रष्ट करती है और असीमित शक्ति असीमित रूप से भ्रष्ट करती है।'' यह कथन लॉर्ड ऐक्टन का है। लॉर्ड ऐक्टन मानते हैं कि शक्ति ही बुराई की जड़ है। कोई राजा या पोप जिसमें शक्ति केन्द्रीकृत होती है, वहां उसका दुरुपयोग करने के लिए प्रेरित होता है। इसी संदर्भ में ऐक्टन ने कहा है कि शक्ति भ्रष्ट करती है।

143. निम्न में तनाव शैथिल्य का निर्धारक तत्व कौन नहीं है?

(a) दितांत संबंध पारस्परिक राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करते थे

(b) आणविक आतंक और आणविक युद्ध का भय

(c) शीतयुद्ध का समरसतापूर्ण वातावरण

(d) राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में बुनियादी परिवर्तन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

तनाव शैथिल्य के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में बुनियादी अंतर नहीं हुआ बल्कि 1960 के दशक के आरंभ से ही दोनों महाशक्तियां यह अनुभव करने लगी थीं कि शीत युद्ध दोनों के लिए यदि हानिकारक नहीं है, तो लाभप्रद भी नहीं है। आर्थिक, राजनीतिक और सैनिक संबंधों में उन्हें एक-दूसरे की कहीं न कहीं आवश्यकता हो जाती थी। अतएव अपने संबंध सुधारने की दृष्टि से दोनों ने तनाव में लचीलापन परिलक्षित किया। इस प्रक्रिया में 'दितांत' अर्थात 'तनाव-शैथिल्य' का युग आरंभ हुआ।

144. निम्न में से सही कथन को चुनिए :

(a) राजनीतिक संस्कृति विश्वास एवं इतिहास की उपज नहीं है।

(b) राजनीतिक संस्कृति संरचना प्रदान नहीं करती है।

(c) राजनीतिक संस्कृति सामान्य संस्कृति का अभिन्न अंग है।

(d) राजनीतिक संस्कृति दृष्टिकोण एवं विश्वास का संकलन नहीं है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

विभिन्न देशों की राजनीतिक संस्कृति भी भिन्न-भिन्न होती है, क्योंकि राजनीतिक संस्कृति का उस देश के सामान्य संस्कृति से उद्भव होता है। उदाहरण-पश्चिमी यूरोप एवं एशिया के नागरिकों में लोकतांत्रिक भावना एवं सार्वजनिक दायित्व में अंतर पाया जाता है।

145. इनमें से कौन राजनीतिक संस्कृति का संघटक नहीं है?

(a) आनुभविक विश्वास (b) व्यक्तिपरक हित

(c) मूल्य अभिरुचियां (d) प्रभावी अनुक्रियाएं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

आमंड ने अपने एक निबन्ध 'कम्पेरेटिव पॉलिटिकल सिस्टम' में 'राजनीतिक संस्कृति' शब्द का उल्लेख किया था। राजनीतिक संस्कृति मोटे तौर पर तीन तत्वों का समूह होती है। यह तत्व हैं-

- आनुभविक विश्वास (Enpiricol Beliefs),
- मूल्य अभिरुचियां (Value Preference),
- प्रभावी अनुक्रियाएं (Affective Responses) ।

146. राजनीति संस्कृति का अभिप्राय है-

(a) संस्कृति की राजनीति

(b) राजनीति की संस्कृति

(c) राजनीतिक मूल्य, विश्वास और दृष्टिकोण

(d) राजनीति में संस्कृति महत्वपूर्ण है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

राजनीति संस्कृति एक व्यक्तिपरक मूल्य वर्ग है, इसमें राजनीतिक अनुभूति भावनाओं व्यवहार, मूल्यों और इस तरह के राजनीतिक विचारधारा के रूप में राजनीतिक मनोविज्ञान के विभिन्न तत्वों, राजनीतिक आदर्शों, विश्वासों, सिद्धांतों का मूल्यांकन मापदंड है।

147. ल्यूसियन पाई द्वारा चिह्नित राजनीतिक विकास के तीन सामान्य लक्षण हैं-

(a) समानता, क्षमता और विशिष्टीकरण

(b) समानता, स्वतंत्रता और क्षमता

(c) समानता, स्वतंत्रता और न्याय

(d) समानता, एकता और विशिष्टीकरण

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

ल्यूसियन पाई ने 'पोलिटिकल कल्चर एंड पोलिटिकल डेवलपमेंट' के अंतर्गत राजनीतिक विकल्प के तीन लक्षण स्वीकार किए हैं- समानता, क्षमता और विशिष्टीकरण।

148. इनमें से कौन राजनीतिक व्यवस्था का लक्षण नहीं है?

(a) राजनीतिक व्यवस्था के अंग एक-दूसरे पर निर्भर नहीं होते।

(b) राजनीतिक व्यवस्था की सीमा होती है।

(c) राजनीतिक व्यवस्था का पर्यावरण होता है।

(d) राजनीतिक व्यवस्था का वैध बाह्यकारी शक्ति होती है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

आमंड और पावेल ने राजनीतिक व्यवस्था के कुछ लक्षण इस प्रकार बताए हैं-

- भागों की अंतनिर्भरता या अंत:संबंधित गतिविधियां,
- राजनीतिक व्यवस्था की सीमा,
- राजनीतिक व्यवस्था का पर्यावरण, और
- वैध बाध्यकारी शक्ति।

149. किसने परिभाषित किया कि 'राजनीतिक संस्कृति किसी राज्य व्यवस्था के सदस्यों में राजनीति के प्रति व्यक्तिगत अभिवृत्तियों और दिग्विन्यासों का प्रतिदर्श है।'?

(a) सिडनी वर्बा (b) ल्यूसियन पाई

(c) ऑमण्ड एवं पॉवेल (d) ऐलन बाल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

ऑमण्ड एवं पॉवेल के अनुसार- 'राजनीतिक संस्कृति किसी राज्य व्यवस्था के सदस्यों में राजनीति के प्रति व्यक्तिगत अभिवृत्तियों और दिग्विन्यासों का प्रतिदर्श है। राजनीतिक संस्कृति को ऑमण्ड ने मुख्यत: दो प्रकारों में बांटा है। शुद्ध राजनीतिक संस्कृति एवं विशुद्ध राजनीतिक संस्कृति। शुद्ध राजनीतिक संस्कृति के तीन प्रकारों का उल्लेख किया है- संकीर्ण अधीनस्थ एवं सहभागी तथा विशुद्ध राजनीतिक संस्कृति के प्रकारों में संकीर्ण अधीनस्थ सहभागी, संकीर्ण सहभागी एवं नागरिक संस्कृति।

150. इनमें से कौन राजनीति विज्ञान में दार्शनिक सिद्धांत का प्रमुख उन्नायक है?

(a) जॉर्ज कैटलिन (b) लियोस्ट्रास

(c) जॉर्ज सेबाइन (d) नार्मन जैकबसन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

लियोस्ट्रास राजनीति विज्ञान में दार्शनिक सिद्धांत के प्रमुख उन्नायक हैं। लियोस्ट्रास ने राजनीति सिद्धांत और राजनीति दर्शन में भेद बताया है। इनकी मान्यता है कि ये दोनों ही राजनीतिक चिंतन के अंग हैं। इनके अनुसार राजनीतिक सिद्धांत-राजनीतिक घटनाओं की प्रकृति को उसके सही रूप में जानने का प्रयत्न है'' तथा राजनीतिक दर्शन से तात्पर्य ''राजनीतिक गतिविधियों के संबंध में अभिमत के स्थान पर उनकी प्रकृति के संबंध में ज्ञान की स्थापना करने का प्रयत्न है। राजनीतिक गतिविधियों की प्रकृति और अच्छी राजनीतिक व्यवस्था के स्वरूप को उनके सही रूप में जान लेने का प्रयत्न है।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजनीति विज्ञान के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के प्रतिपादक जॉर्ज.एच. सेबाइन हैं। तथा इसके समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण का प्रतिपादन जॉर्ज ई.जी. कैटलीन द्वारा किया गया है।

151. 'गुटतंत्र के लौह नियम' का प्रतिपादन किसने किया?

(a) रॉबर्ट मिचेल्स ने (b) मैक्स वेबर ने

(c) परेटो ने (d) मोस्का ने

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

रॉबर्ट मिचेल्स 20वीं सदी के प्रारंभ का जर्मन समाज वैज्ञानिक था। इसे राजनीतिक समाज विज्ञान का अग्रदूत माना जाता है। मोस्का, पैरेटो तथा मैक्स वेबर के साथ इसे विशिष्ट वर्गवाद का प्रर्वतक माना जाता है। मिचेल्स ने अपनी कृति 'पोलिटिकल पार्टीज' (Political Parties) में अपना प्रमुख सिद्धांत 'गुटतंत्र का लौह नियम' प्रस्तुत किया। मिचेल्स की मान्यता है कि सभी संगठित समूह चाहे वे राज्य हो, राजनीतिक दल हो, मजदूर संघ हो, व्यवहार के धरातल पर गुटतंत्र का रूप धारण कर लेते हैं। अर्थात उनमें सारी शक्ति इन गिने नेताओं के हाथों में केंद्रित हो जाती है। चाहे उनका औपचारिक संविधान कैसा भी क्यों न हो।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पैरेटो की पुस्तक 'द माइंड एण्ड सोसाइटी' है। इसमें इसने अपना प्रमुख सिद्धांत 'सर्कुलेशन ऑफ एलीट' दिया है।
- मोस्का ने अपनी पुस्तक 'द रुलिंग क्लास' में स्वतंत्र चुनावों की व्यवस्था को झूठी परिकल्पना कहा है।

152. ''मंत्रिमंडलीय उत्तरदायित्व के लबादे में नौकरशाही पनपती है।'' यह कथन है-

(a) रैम्जे म्योर का (b) हरमन फाइनर का

(c) मैक्स वेबर का (d) लॉस्की का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

रैम्जे म्योर के अनुसार, ''हमारी शासन प्रणाली में नौकरशाही की शक्ति बहुत ज्यादा है चाहे वह प्रशासन हो, विधायन हो या वित्त हो। वह मंत्रिमंडलीय उत्तरदायित्व के लबादे में फ्रेंकेन्सटीन के दैत्य की भांति पनपी और विकसित हुई है और अब वह अपने पैदा करने वाले को ही खा जाना चाहती है''।

153. ''तटस्थता राज्यों की वह अवस्था है जिसमें युद्ध के समय वे इस संघर्ष में भाग नहीं लेते और दोनों युद्धरत पक्षों से अपना शांतिपूर्ण संपर्क बनाए रखते हैं।'' यह कथन निम्नांकित में से किसका है?

(a) लॉस्की (b) प्लेटो

(c) अरस्तू (d) लॉरेंस

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

लॉरेंस के अनुसार, ''तटस्थता राज्यों की वह अवस्था है, जिसमें युद्ध के समय वे इस संघर्ष में भाग नहीं लेते और दोनों युद्धरत पक्षों से अपना शांतिपूर्ण संपर्क बनाए रखते हैं''। अंतरराष्ट्रीय कानून में तटस्थता (Neutrality) एक ऐसी अवधारणा है, जिसका संबंध केवल युद्ध की अवस्था से है।

154. 'उपलब्ध समय के अनुसार काम का विस्तार होता जाता है।'' यह कथन किसका है?

(a) पीटर ड्रकर (b) नॉर्थकोर्ट पार्किन्सन

(c) फ्रेडरिक टेलर (d) एल्टन मेयो

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

नॉर्थकोर्ट पार्किन्सन के अनुसार, ''उपलब्ध समय के अनुसार काम का विस्तार होता जाता है''।

155. मैक्स वेबर हैं-

(a) एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री

(b) नॉर्वे का एक मनोविज्ञानी

(c) एक जर्मन राजनीति विज्ञानी

(d) एक रूसी विधि विज्ञानी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

मैक्स वेबर एक जर्मन राजनीति विज्ञानी हैं, जिन्होंने राजनीतिक शक्ति की अवधारणा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

156. इनमें से किसने कहा, ''सत्ता औचित्यपूर्ण शक्ति है''?

(a) मैक्स वेबर (b) गैब्रियल आमण्ड

(c) अरस्तू (d) हॉब्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

मैक्स वेबर ने सत्ता के तीन प्रकारों का वर्णन किया है- परंपरागत सत्ता, करिश्मायी सत्ता और वैधानिक सत्ता। वेबर ने इसमें से वैधानिक सत्ता को महत्वपूर्ण मानते हैं और कहते हैं कि सत्ता एक निर्दिष्ट भू-भाग में भौतिक बल के विधि सम्मत प्रयोग के एकाधिकार का दावा करते हैं।

157. सत्ता के तीन सर्वांगपूर्ण प्रकार की अवधारणा का प्रतिपादन किसने किया था?

(a) प्लेटो (b) हीगल

(c) मैक्स वेबर (d) कार्ल पॉपर

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

मैक्स वेबर ने सत्ता के वर्गीकरण का प्रयास किया था। वेबर का नौकरशाही सिद्धांत सत्ता के सिद्धांत का ही एक अंग है। वेबर ने सत्ता के कुल तीन प्रकार माने हैं- (i) पारंपरिक सत्ता, (ii) श्रद्धा पर आधारित सत्ता अथवा करिश्माई सत्ता, तथा (iii) वैधानिक प्रभुत्व। नौकरशाही इनमें से अंतिम श्रेणी में आती है। विधिक स्तर से पोषित एवं समर्थित नौकरशाही को उन्होंने संगठन का सबसे प्रभावशाली स्वरूप माना।

158. निम्नलिखित में से कौन-सा एक मैक्स वेबर द्वारा परिभाषित सत्ता का प्रकार नहीं है?

(a) कानूनी सत्ता (b) परम्परागत सत्ता

(c) करिश्माई सत्ता (d) राजनीतिक सत्ता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

159. मैक्स वेबर, दुर्खीम और पेरेटो को राजनीतिशास्त्र के किस उपागम से जोड़ा जाता है?

(a) दार्शनिक (b) आर्थिक

(c) आध्यात्मिक (d) समाजशास्त्रीय

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

समाजशास्त्र, समाज के उद्भव, विकास, संगठनतंत्र और संस्थाओं के साथ-साथ, समाज के सामाजिक व्यवहार को वैज्ञानिक रीति से समझने का विज्ञान है। मैक्स वेबर, दुर्खीम एवं पेरेटो तीनों ही समकालीन यूरोपीय समाजशास्त्री थे, जो तत्कालीन यूरोपीय समाज की समस्याओं को अपने दृष्टिकोणों के आधार पर समझते थे।

160. इनमें से कौन-सी अवधारणा मैक्स वेबर ने दिया है?

(a) संसदीय वर्चस्ववाद (b) लोकतांत्रिक अभिजनवाद

(c) नैतिक संप्रभुता (d) चमत्कारी नेतृत्व

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

मैक्स वेबर ने चमत्कारी नेतृत्व की अवधारणा को दिया था।

161. ''मंत्रिपरिषद जहाजरूपी शासन को चलाने वाला पहिया है।'' यह किसने कहा है?

(a) मेरियट (b) लॉस्की

(c) रैम्जे म्योर (d) बेजहाट

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

संसदीय व्यवस्था में मंत्रिमण्डल (प्रधानमंत्री के नेतृत्व में) कार्यपालिका की शक्तियों का प्रयोग करती है। शासन संचालन का पूरा दायित्व इसी पर होता है। इसी संदर्भ में रैम्जेम्योर ने कहा है कि ''यह जहाज रूपी राज्य को घुमाने वाला चक्र है।'' मंत्रिमण्डल के उत्तरदायित्व के बारे में मार्ले ने लिखा है कि ''मंत्रिमण्डल के सब मंत्री साथ-साथ डूबते हैं तथा साथ-साथ तैरते हैं।''

मंत्रिमण्डल के बारे में अन्य कथन-

- **ग्लेडस्टन ने** लिखा है कि ''यह एक सूर्यपिण्ड है, जिसके चारों ओर अन्य पिण्ड घूमते हैं।
- **बेजहाट के अनुसार** ''यह संयोजक समिति है, एक हाइफन है जो जोड़ता है, एक बकसुआ है जो कार्यपालिका और व्यवस्थापिका को एक साथ बोध देता है।''

प्रधानमंत्री के बारे में कथन-

- 'यह संपूर्ण शासन व्यवस्था की चूल है'- **लॉस्की**
- 'छोटे-छोटे नक्षत्रों के बीच में चंद्रमा'- **वर्मन**।

162. ''समाज की उन्नति के लिए 'विज्ञान की प्रबुद्ध तानाशाही'' आवश्यक है।'' निम्नलिखित विचारकों में से किसका कथन है?

(a) फ्रांसिस बेकन (b) ज्यां जाक रूसो

(c) ल्यूकाच (d) सी.बी. मैक्फर्सन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

फ्रांसिस बेकन के अनुसार ''समाज की उन्नति के लिए विज्ञान की प्रबुद्ध तानाशाही आवश्यक है''।

163. अंतरराष्ट्रीय राजनीति के यथार्थवादी दृष्टिकोण के विकास में निम्नलिखित में से किस विद्वान का योगदान नहीं है?

(a) जॉर्ज कैनन (b) राइनॉल्ड नेबूर

(c) हान्स मार्गेन्थाऊ (d) अब्राहम लिंकन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के यथार्थवादी दृष्टिकोण के विकास में कई विद्वानों का योगदान रहा है जिनमें जॉर्ज कैनन, राइनॉल्ड नेबूर, जॉर्ज श्वरजनबरगर, डॉ. हेनरी किंसिजर तथा हान्स मॉरगेन्थाऊ प्रमुख हैं, जबकि अब्राहम लिंकन प्रजातांत्रिक व्यवस्था के पोषक थे।

164. ''अंतरराष्ट्रीय राजनीति राष्ट्रों के बीच निरंतर होने वाले शक्ति संघर्ष के अतिरिक्त कुछ नहीं है।'' यह कथन किसका है?

(a) जेम्स रोजनाऊ (b) मॉर्गेन्थाऊ

(c) फेलिक्स ग्रास (d) थाम्पसन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

हान्स जे. मार्गेन्थाऊ के शब्दों में ''अंतरराष्ट्रीय राजनीति, राष्ट्रों के बीच निरंतर होने वाले शक्ति संघर्ष के अतिरिक्त कुछ नहीं है''। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अंतिम लक्ष्य चाहे कुछ भी हो, शक्ति सदैव तात्कालिक उद्देश्य रखती है। मार्गेन्थाऊ को यथार्थवादी दृष्टिकोण का प्रमुख प्रवक्ता माना जाता है।

165. 'आर्थिक मानव की संकल्पना' किसने प्रस्तुत की है?

(a) रिकॉर्डो (b) जॉन लाक

(c) हरबर्ट स्पेंसर (d) एडम स्मिथ

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

आर्थिक मानव की संकल्पना एडम स्मिथ ने प्रस्तुत की थी। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक' इन्क्वायरी इन टू द नेचर एंड कॉजेज ऑफ द वेल्थ ऑफ नेशंस (An Inquiry in to the Nature and Causes of the Wealth of Nations) (1776) में इसकी संकल्पना प्रस्तुत की गई थी। एडम स्मिथ को आधुनिक अर्थशास्त्र का निर्माता कहा जाता है। आधुनिक बाजारवाद को भी एडम स्मिथ के विचारों को मिली मान्यता के रूप में देखा जाता है।

166. ''प्रत्येक विचारक अपने युग का शिशु होता है।'' यह कथन है-

(a) डनिंग का (b) मैकियावेली का

(c) रूसो का (d) साइमन का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

प्रो. डनिंग ने मैकियावेली के संबंध में यह कहा था कि ''यह प्रतिभासंपन्न फ्लोरेंसवासी वास्तविक अर्थों में अपने युग का शिशु था''। साधारणतया प्रत्येक दार्शनिक एवं विद्वान अपने युग का शिशु होता है, क्योंकि उसके चिंतन पर समकालीन परिस्थितियों, घटनाओं एवं प्रचलित विचारधाराओं का प्रभाव पड़ता ही है साथ ही वह अपने देश और काल के रंग में रंगा होता है, परंतु फिर भी राजनीतिक विचारों के इतिहास में मैकियावेली को ही अपने युग का शिशु की संज्ञा दी जाती है।

167. निम्नलिखित में से कौन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में यथार्थवादी सिद्धांत के प्रतिपादक नहीं हैं?

(a) हान्स जे मारगेन्थाऊ (b) जॉर्ज केनान

(c) जॉन हर्ज (d) वुडरो विल्सन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(d)

यथार्थवादी दृष्टिकोण के विकास में कई विद्वानों का योगदान रहा है जिनमें जॉर्ज कैनन, राइनॉल्ड नेबूर, जॉर्ज श्वरजनबरगर, हान्स जे. मारगेन्थाऊ, जॉर्ज हर्ज प्रमुख हैं। इसके अनुसार अंतरराष्ट्रीय राजनीति की मुख्य कुंजी राष्ट्रहित है, जिसे केवल शक्ति के परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है, जबकि वुडरो विल्सन यथार्थवाद से संबंधित नहीं है।

168. उपयोगितावाद का संस्थापक किसे माना जाता है?

(a) ह्यूम (b) बेंथम

(c) जे.एस.मिल (d) टी.एच. ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

आधुनिक युग में डेविड ह्यूम ने मनोविज्ञान के क्षेत्र में उपयोगितावाद के मौलिक सिद्धांतों का विकास किया था, परंतु इसके व्यवस्थित व विधिवत सिद्धांतों का विकास बेंथम ने किया था। इसलिए इंग्लैंड के प्रसिद्ध विचारक बेंथम को 'उपयोगितावाद का पिता' भी कहा जाता है। यह सुधारवाद पर आधारित एक मनोवैज्ञानिक तथा सुधारवादी विचारधारा है जिसका प्रमुख केंद्र इंग्लैंड था।

169. 'हम बेंथम से लेकर आज तक होने वाले ऐसे किसी वैधानिक सुधार को नहीं जानते जिस पर उसका प्रभाव न पड़ा हो।' यह कथन किसका है?

(a) बेंथम (b) गैटिल

(c) हेनरी मैन (d) डायल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

बेंथम के सुधारों की तीव्र प्रवृत्ति एवं उसके प्रस्तावों के आधार पर उपर्युक्त कथन सर हेनरी मैन का है।

170. बेंथम के अनुसार सुख-दुःख प्राप्ति के कितने स्रोत हैं?

(a) 01 (b) 02

(c) 03 (d) 04

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

बेंथम ने सुख और दुःख प्राप्ति के चार अलग-अलग स्रोत बताए हैं, जहां से सुख और दुख की सतत आवृत्ति होती है, इन स्रोतों को भौतिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं नैतिक वर्ग में बांटा जा सकता है। बावजूद इसके सुख एवं दुख दो ऐसे प्रमुख कारक हैं, जो इन चारों से ही संबंधित हैं तथा किसी भी नियम को प्रभावित करने का पूरा-पूरा सामर्थ्य रखते हैं।

171. बेंथम के अनुसार सुख तथा दु;ख में अंतर है-

(a) गुणों का (b) मात्रा का

(c) मूल्यों का (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

बेंथम ने अपने उपयोगिता सिद्धांत में सुख और दुःख को मानवीय क्रिया का आधार मानते हुए दोनों में मात्रात्मक अंतर माना है। कानून को सर्वस्वीकार्य और बाध्यकारी बनाने के लिए बेंथम को यह संकल्पना उचित लगी।

172. किसने दुःख व सुख के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) मार्क्स (b) महात्मा गांधी

(c) बेंथम (d) जवाहरलाल नेहरू

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

सुख व दुःख मान्यता पर आधारित जिस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है, उसे 'उपयोगितावाद' कहा जाता है। बेंथम ने इस सिद्धांत का प्रतिपादन कर मनुष्य के समस्त कार्यों को निर्धारित करने वाला माप दण्ड प्रस्तुत किया।

173. निम्नलिखित में से कौन बहुलवाद के सिद्धांत का समर्थक नहीं है?

(a) गीयर्के (b) हॉब्स

(c) मैटलैंड (d) जी.डी.एच. कोल

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

हॉब्स, बहुलवाद के सिद्धांत का समर्थक नहीं है, यह शक्ति के अद्वैतवादी सिद्धांत का समर्थक है जबकि गियर्के, मेटलैंड, जी.डी.एच. कोल बहुलवाद सिद्धांत के समर्थक हैं। बहुलवाद शक्ति के पृथक्करण का सिद्धांत है।

174. हॉब्स के 'लेवियाथन' में प्रयुक्त 'कॉमनवेल्थ' शब्द का अर्थ है-

(a) सम्प्रभु

(b) समाज, राज्य एवं सरकार के लिए सामूहिक नाम

(c) प्राकृतिक अवस्था में रहने वाले लोगों का वर्ग

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

हॉब्स ने अपनी कृति 'लेवायथन' में 'कॉमनवेल्थ' शब्द का प्रयोग किया है जो समाज, राज्य तथा शासन तीनों का सामूहिक नाम है। हॉब्स ने ज्यामितीय विधि से अपने चिंतन का प्रारम्भ प्राकृतिक अवस्था से करता है जो समाज, राज्य तथा शासन से विहीन कल्पित युग है। यह अवस्था हर तरफ युद्ध, निरंतर भय तथा मृत्यु का खतरा है। इस अवस्था में बल और छल (Force and Fraud) ही मनुष्य के सद्गुण हैं। इस प्रकार इस अवस्था में व्यक्ति का जीवन एकाकी, अस्वच्छ, बर्बर तथा अल्पकालीन है। इस अवस्था से मुक्ति पाने के लिए व्यक्ति कॉमनवेल्थ (समाज, राज्य तथा शासन) की स्थापना करने के लिए अपनी शक्तियों को लेवायथन को सौंप देता है।

175. 'लेवियाथन' का लेखक कौन हैं?

(a) हॉब्स (b) ग्राहम वालास

(c) रूसो (d) मैकाइवर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

176. निम्नांकित में से किस राजनीतिक चिन्तक ने कहा कि ''तलवार के बिना संविदाएं केवल शब्द हैं और उनमें वह शक्ति नहीं होती कि वे मनुष्यों को सुरक्षित कर सकें''?

(a) प्यूफेनडार्फ (b) हॉब्स

(c) लॉक (d) रूसो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

मनुष्य की प्रकृति का विश्लेषण करते हुए हॉब्स ने कहा कि भावना प्रधान होने के कारण मनुष्य भय की भाषा ही जानता है। भय को उत्पन्न करने का सर्वश्रेष्ठ साधन है, बल प्रयोग। किसी समझौते का पालन मनुष्य इसलिए करता है, क्योंकि दण्ड का भय उसे इसके लिए बाध्य करता है।

177. निम्नलिखित में से कौन खेल सिद्धांत से नहीं जुड़े हैं?

(a) आरगान्सकी (b) स्नाइडर

(c) हर्सेन्यि (d) सेलिंग

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

आरगान्सकी खेल सिद्धांत से नहीं जुड़े हैं, बल्कि शक्ति की अवधारणा के विचारक हैं, जबकि खेल सिद्धांत के महत्व को प्रतिपादित करने वालों में मार्टिन शुविक, कार्ल, ड्वाइच, ऑस्कर मॉर्गेस्टर्न, जॉन न्यूमैन, हर्सेन्यि तथा टॉमस शैलिंग के नाम उल्लेखनीय हैं।

178. हेगेल ने सभ्य समाज को देखा-

(a) विशिष्टता के साकार रूप में

(b) एकता के साकार रूप में

(c) सार्वभौमिकता के साकार रूप में

(d) समुदाय के साकार रूप में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

हेगेल ने सभ्य समाज को सार्वभौमिकता के साकार के रूप में देखा। इनके अनुसार सार्वभौमिकता अथवा विश्वात्मा का साकार रूप ही राज्य है। पहले यह विश्वात्मा जड़ में फिर धीरे-धीरे समाज में अंततः राज्य का रूप ले लेती है। हेगेल आदर्शवादी सिद्धांत का प्रवर्तक है।

179. कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) जॉर्ज सोरेल - संघ समाजवाद

(b) हीगेल - व्यक्तिवाद

(c) जी.डी.एच. कोल - श्रेणी समाजवाद

(d) लॉस्की - बहुलवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

180. राजनीतिक संस्कृति का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(a) फाइनर (b) सिडनी वेब

(c) आमंड (d) लासवेल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

वर्ष 1963 में अमेरिकी राजनीति वैज्ञानिक आमंड ने राजनीतिक संस्कृति का सबसे पहले प्रयोग किया। राजनीतिक संस्कृति का तात्पर्य संस्कृति के उन पक्षों से है, जो राजनीति को प्रभावित करते हैं।

181. कौन-सी सत्ता प्रत्यायोजित नहीं की जानी चाहिए?

(a) वित्त संबंधी शक्ति

(b) नियम बनाने की शक्ति

(c) नीति निर्धारित करने की शक्ति

(d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

वह आदेश, नियम तथा उपनियम, जो संसद की किसी विधि द्वारा प्रदत्त सत्ता के अंतर्गत कार्यपालिका अथवा प्रशासन के द्वारा जारी किए जाते हों, 'प्रत्यायोजित विधायन' कहलाते हैं। तीव्रगामी आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक परिवर्तनों के कारण वर्तमान समय में प्रतिनिहित विधि निर्माण अपरिहार्य हो गया है। इसकी मात्रा में दिनों-दिन वृद्धि हो रही है। वर्तमान समय में वित्त संबंधी शक्ति, नियम बनाने की शक्ति तथा नीति निर्धारित करने की शक्ति प्रत्यायोजित की जा रही है। लेकिन भारत में प्रतिनिहित विधायन के क्षेत्र में संसदीय नियंत्रण के साथ न्यायिक नियंत्रण की व्यवस्था भी उभरी है।

182. प्रदत्त विधान किया जाता है-

(a) संसद द्वारा (b) न्यायापालिका द्वारा

(c) कार्यपालिका द्वारा (d) लोकायुक्त द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

183. 'मूल्य तटस्थता' निम्न में से किसकी विशेषता है?

(a) अराजकतावादियों की (b) बहुलवादियों की

(c) मार्क्सवादियों की (d) व्यवहारवादियों की

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

व्यवहारवाद ने राजनीति के अध्ययन के परंपरागत उपागम को चुनौती देते हुए विचार रखा कि प्रचलित संस्थाओं के कानूनी-औपचारिक पक्षों से ध्यान हटाकर उन व्यक्तियों या कार्यकर्ताओं (Actors) के व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए, जो यथार्थ राजनीति के क्षेत्र में तरह-तरह की भूमिका निभाते हैं। व्यवहारवाद मुख्यतः शुद्ध ज्ञान (Pure Knowledge) का सिद्धांत है, जो मूल्यों से सरोकार नहीं रखता है। यह मूल्य तटस्थता (Value-Neutral) की विशेषता रखता है। यह यथास्थिति का समर्थक है, जिसे सामाजिक परिवर्तन में कोई अभिरुचि नहीं है।

184. राजनीतिक चेतना का अर्थ है-

(a) समाज के प्रति प्रेम (b) धर्म के प्रति प्रेम

(c) राज्य के प्रति प्रेम (d) सभ्यता/संस्कृति के प्रति प्रेम

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

'राजनीतिक चेतना' का अर्थ 'राज्य के प्रति प्रेम' है। नागरिकों में राजनीतिक चेतना का विकास, राज्य, लोकमत, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, संप्रभुता, सरकार, समाज आदि से संबंधित मौलिक प्रश्नों पर विचार-विमर्श एवं चिंतन द्वारा होता है। उन्हें विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं तथा सिद्धांतों का ज्ञान हो जाता है। साथ ही वे यह समझने लगते हैं कि कौन-से राजनीतिक आदर्श उनके अपने देश और समाज के लिए कल्याणकारी हैं।

185. निम्न में से कौन अंतरराष्ट्रीय संबंध में राज्य के केंद्रीय महत्व पर सहमत नहीं है?

(a) बहुलवादी (b) यथार्थवादी

(c) नव-यथार्थवादी (d) संरचनात्मक यथार्थवादी

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

बहुलवादी विचारक अंतरराष्ट्रीय संबंध में राज्य के केंद्रीय महत्व पर सहमत नहीं हैं। बहुलवादी मानते हैं कि राज्य विभिन्न संघ समूहों में विभाजित है जो गैर-राज्य कर्ता (Non-State Actors) के रूप में अंतरराष्ट्रीय संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जबकि नव-यथार्थवादी अथवा संरचनात्मक यथार्थवादियों के अनुसार, संरचना के प्रभाव को राज्य के व्यवहार को समझाने के रूप में लिया जाना चाहिए। ये लोग राज्य की पारंपरिक सैन्य शक्ति के बजाय राज्य की संयुक्त क्षमताओं की प्रदर्शनात्मक शक्ति को महत्व प्रदान करते हैं। यथार्थवादी राष्ट्र/राज्य (Nation/ State) को अंतरराष्ट्रीय संबंध में मुख्य अभिनेता (Main Actor) मानते हैं।

186. अंतरराष्ट्रीय संबंधों में यर्थाथवादी सिद्धांत तीन मान्यताओं पर आधारित है। निम्न में से कौन-सी एक आधारभूत मान्यता नहीं है?

(a) राजनेता अपने राष्ट्र-हितों की आकांक्षा करता है और उन्हें आगे बढ़ाता है।

(b) राष्ट्रीय हितों के लक्ष्यों को पूरा करने में राजनेता नैतिक सिद्धांतों को ध्यान में रखते हैं।

(c) प्रत्येक राज्य का बहुराष्ट्रीय हित उसके प्रभाव के विस्तार में निहित है।

(d) राज्य अपने हितों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अपनी शक्ति अथवा प्रभाव का प्रयोग करता है।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

यथार्थवाद के अनुसार, राष्ट्र की शक्ति का विकास ही उसके हितों को पूर्ण करने का एकमात्र साधन है। प्रत्येक राज्य और राजनेता सत्ता और शक्ति के विकास से ही अपने हित-पूर्ति के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। यथार्थवादी दृष्टिकोण इस बात पर बल देता है कि विदेश नीति संबंधी निर्णय राष्ट्रीय हित के आधार पर लिए जाने चाहिए, न कि नैतिक सिद्धांतों और भावनात्मक मान्यताओं के आधार पर।

187. इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या के अनुसार सामाजिक संरचना की निम्नलिखित परतों की प्राथमिकता का सही क्रम क्या है?

(i) उत्पादन के संबंध, (ii) विचारधारा,

(iii) उत्पादन की शक्तियां (iv) कानूनी और राजनीतिक संगठन

नीचे दिए हुए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a) (i) (iii) (ii) (iv)

(b) (iii) (i) (iv) (ii)

(c) (iii) (iv) (i) (ii)

(d) (ii) (iii) (iv) (i)

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या के अनुसार, सामाजिक संरचना के विकास का क्रम निम्न है-

- उत्पादन की शक्तियां,
- उत्पादन के संबंध,
- कानूनी व राजनीतिक संगठन,
- विचारधारा।

188. 'सामुदायिकतावाद' एक प्रमुख धारा है-

(a) उदारवाद की (b) मार्क्सवाद की

(c) सर्वाधिकारवाद की (d) प्रत्ययवाद की

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

'सामुदायिकतावाद' प्रत्ययवाद की एक प्रमुख धारा है, क्योंकि यह व्यक्ति के अस्तित्व को समाज की देन मानता है। इसलिए समाज के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्ति के व्यक्तित्व का आवश्यक अंग है। जहां उदारवाद व्यक्ति की स्वतंत्रता, हितों और अधिकारों पर बल देता है, वहीं समुदायवाद उसके दायित्वों और कर्तव्यों तथा समाज के सामान्य हित पर अपना ध्यान केंद्रित करता है। समुदायवाद के समकालीन विचारक मैकिंटायर, सैंडल, माइकेल वाल्जर हैं, जिनके आरंभिक चिंतन की जड़ें ग्रीन व हीगल के विचारों में मिलती हैं।

189. कौन-सी विचारधारा समर्थन करती है कि ''तथ्य अनिवार्यतः तकनीक से पूर्व है''?

(a) व्यवहारवाद (b) अस्तित्ववाद

(c) उत्तर-व्यवहारवाद (d) प्रत्यक्षवाद

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

व्यवहारवाद वैज्ञानिक पद्धति पर बल देते हुए मूल्य-निरपेक्ष उपागम (Value-Free Approach) का समर्थन करता है। व्यवहारवादी ऐसे किसी कथन को मान्यता नहीं देते, जिसकी वैज्ञानिक स्तर पर पुष्टि नहीं की जा सकती है। व्यवहारवाद सामाजिक स्थिरता पर बल देता रहा है, अतः उसने अपना ध्यान तथ्यों के विश्लेषण तक सीमित रखा है। व्यवहारवादी विचारधारा तथ्य को अनिवार्यतः तकनीक से पूर्व मानती है।

190. बहुलतावादी वकालत करते हैं-

(a) राज्यों की स्वायत्तता की

(b) सरकार की स्वायत्तता की

(c) समुदायों की स्वायत्तता की

(d) केंद्र सरकार की स्वायत्तता की

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(c)

राज्य तथा अन्य समुदायों के संबंध में बहुलवादियों का यह विश्वास है कि समाज में कुछ समुदाय या तो राज्य से भी अधिक आवश्यक हैं, अन्यथा समान हैं। बहुलवादियों के अनुसार, राज्य भी अन्य समुदायों के समान एक समुदाय है। जिस प्रकार राज्य के कानून एवं नियम होते हैं, उसी प्रकार अन्य समुदायों के भी अपने नियम व कानून निर्मित होते हैं। बहुलवादी राज्य से ज्यादा समाज को महत्व देते हैं। लॉस्की राज्य को अनेक समितियों की भांति एक समिति मानते हैं, पर उसे अन्य समितियों की तुलना में प्रथम मानते हैं।

191. 'अंतरराष्ट्रीय राजनीति के वैज्ञानिक अध्ययन में उन्नति तब तक संभव नहीं हैं जब तक मार्गेन्थाऊ का यथार्थवादी सिद्धांत प्रभावशाली है।'' यह कथन किसका है?

(a) के. डब्ल्यू. थाम्पसन (b) बेनो वासरमैन

(c) रॉबर्ट टकर (d) क्विंसी राइट

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

बेनो वासरमैन के अनुसार, ''अंतरराष्ट्रीय राजनीति के वैज्ञानिक अध्ययन में उन्नति तब तक संभव नहीं है, जब तक मार्गेन्थाऊ का यथार्थवादी सिद्धांत प्रभावशाली है''।

192. जीवन, स्वतंत्रता और सुखानुसरण तथ्य है-

(a) अमेरिकी स्वतंत्रता के घोषणा-पत्र का

(b) भारत के संविधान की उद्देशिका का

(c) सोवियत नागरिकों के अधिकार से संबंध रखने वाले यू. एस. एस. आर. के संविधान का

(d) यूनाइटेड स्टेट्स के संविधान के अधिकार-पत्र का

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

4 जुलाई, 1776 को अमेरिका की कांटिनेंटल कांग्रेस द्वारा अंगीकृत अमेरिकी स्वतंत्रता के घोषणा-पत्र में सभी मनुष्यों को जन्म से समान घोषित करते हुए जीवन, स्वतंत्रता और सुखानुसरण को उनके जन्म से प्राप्त अहस्तांतरणीय अधिकार घोषित किया गया है।

193. ''एक व्यवस्थापिका जो मंत्रिपरिषद के समक्ष निर्बल है तथा एक मंत्रिपरिषद जो राष्ट्रपति के समक्ष निर्बल है'' किस देश की शासन व्यवस्था की विशेषता दर्शाता है?

(a) फ्रांस (b) जर्मनी

(c) भारत (d) श्रीलंका

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

उपरोक्त शासन व्यवस्था फ्रांस की शासन व्यवस्था की विशेषता है। क्योंकि फ्रांस के पंचम गणतंत्र के संविधान में शासन प्रणाली को अपनाया गया है। किंतु यह अर्द्ध संसदीय शासन प्रणाली ही है, इसमें मंत्रिमण्डल संसद के सम्मुख पूर्ण उत्तरदायी नहीं है। प्रधानमंत्री का चुनाव राष्ट्रपति करता है, जिसको साधारण शक्तियों के साथ-साथ अनेक असाधारण शक्तियां प्राप्त हैं। यह केवल नाम मात्र का राज्याध्यक्ष नहीं है। कई मामलों में यह अमेरिकी राष्ट्रपति के समान है। यदि संसद मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास पास करता है तब भी मंत्रिमण्डल चल सकता है, क्योंकि उसका उत्तरदायित्व राष्ट्रपति के प्रति है संसद के प्रति नहीं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति पर अभियोग भी नहीं चलाया जा सकता। इसीलिए पिकिल्स ने इसे ''दो विरोधी सिद्धांतों का मिश्रण कहा है।''

194. जैरीमेंडरिंग की प्रथा किस देश में प्रचलित है?

(a) इंग्लैंड (b) फ्रांस

(c) चीन (d) संयुक्त राज्य अमेरिका

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

जैरीमेंडरिंग संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के गठन से संबंधित एक प्रथा है। इस प्रथा का प्रयोग चुनाव में कूटनीति के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने हेतु किया जाता है।

195. 'स्वतंत्रता, समानता और विश्वबन्धुत्व' नारा है-

(a) अमेरिकी स्वतंत्रता के घोषणा-पत्र का

(b) आयरलैंण्ड के संविधान की उद्देशिका का

(c) संयुक्त राज्य संघ के मानव अधिकार घोषणा-पत्र का

(d) 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के घोषणा-पत्र का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

वर्ष 1789 की फ्रांसीसी क्रांति के घोषणा-पत्र का शीर्षक 'मानव और नागरिक के अधिकारों की घोषणा' है और इसका नारा 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' है।

196. किस देश की न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं है?

(a) इंग्लैंड (b) भारत

(c) रूस (d) अमेरिका

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

साम्यवादी दल तथा उसकी विचारधारा के साथ संबद्ध रहने के कारण सोवियत संघ (रूस) में न्यायाधीशों की विचारधारा स्वतंत्र नहीं थी। अतः रूस की न्यायपालिका को स्वतंत्र नहीं माना जा सकता।

197. 'स्वतंत्र नियामकीय आयोग' का आविर्भाव हुआ-

(a) जापान में (b) जर्मनी में

(c) अमेरिका में (d) इंग्लैंड में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

'स्वतंत्र नियामकीय आयोगों' का आविर्भाव संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ। इन्हें 'सरकार की शीर्षकविहीन चौथी शाखा' भी कहा गया है।

198. निम्न में से किस देश को स्वतंत्र नियामकीय आयोग की जन्मस्थली माना जा सकता है?

(a) ब्रिटेन (b) संयुक्त राज्य अमेरिका

(c) फ्रांस (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. संयुक्त राज्य अमेरिका में 'शासन की शीर्षकविहीन शाखा' और 'कांग्रेस की भुजाएं' किसे कहा गया है?

(a) सर्वोच्च न्यायालय को (b) स्वतंत्र नियामकीय आयोग को

(c) फेडेरल कोर्ट को (d) कार्यपालिका को

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

स्वतंत्र नियामकीय आयोग को अमेरिका में शासन की शीर्षक विहीन शाखा और कांग्रेस की भुजाएं कहा जाता है। यह एक विलक्षण प्रकार की अमेरिकन प्रशासनिक इकाई है। इसका जन्म अमेरिका की विशेष संवैधानिक रचना से हुआ है। इनको प्रायः शीर्षहीन कहा जाता है, क्योंकि इनके ऊपर राष्ट्रपति अथवा अन्य किसी कार्यकारी सत्ता का नियंत्रण नहीं होता है। इनके कार्य की प्रकृति प्रशासनिक अर्धविधायी तथा अर्धन्यायिक होता है। इनके सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति सीनेट के सलाह से पांच से चौदह वर्ष के लिए करता है। 1887 में अमेरिका में पहला अंतर्राज्य वाणिज्य आयोग की स्थापना की गई थी। यह अमेरिका में प्रथम स्वतंत्र नियामक आयोग था।

200. संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की सीनेट के लिए प्रत्येक राज्य से कितने प्रतिनिधि चुने जाते हैं?

(a) पांच

(b) दस

(c) प्रतिनिधि जनसंख्या या क्षेत्रफल के हिसाब से

(d) दो

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(d)

संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट के लिए जनसंख्या और क्षेत्रफल पर ध्यान दिए बिना प्रत्येक राज्य से दो प्रतिनिधि चुने जाते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ सीनेट अमेरिका की कांग्रेस (संसद) का द्वितीय या उच्च सदन है, जिसकी पहली बैठक वर्ष 1789 में हुई थी। अमेरिकी कांग्रेस का निम्न सदन प्रतिनिधि सभा है जिसमें जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधि चुने जाते हैं। अमेरिका में कुल 50 राज्य हैं, अतः तद्नुरूप सीनेट के सदस्यों की संख्या 100 है।

201. अमेरिका में ह्वाइट हाउस संबंधित है-

(a) सर्वोच्च न्यायालय से (b) व्यवस्थापिका से

(c) राष्ट्रपति से (d) इनमें से कोई नहीं से

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

ह्वाइट हाउस अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास है। अमेरिका की कांग्रेस के आधिकारिक भवन को 'कैपिटल कहते हैं।

202. अमेरिकी संविधान में बिल ऑफ राइट्स किस संशोधन द्वारा जोड़ा गया?

(a) तेरहवें संशोधन द्वारा (b) चौदहवें संशोधन द्वारा

(c) पंद्रहवें संशोधन द्वारा (d) प्रथम दस संशोधनों द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(d)

अमेरिका के संविधान में प्रथम दस संशोधनों को सामूहिक रूप से 'बिल ऑफ राइट्स' कहते हैं। वर्ष 1791 में इन्हें सामूहिक रूप से अपनाया गया।

203. 'सैनिक औद्योगिक संकुल' किसके द्वारा प्रयुक्त होने के पश्चात व्यापक प्रयोग में लाया जाने लगा?

(a) आइजनहावर द्वारा (b) जॉन केनेडी द्वारा

(c) ट्रुमेन द्वारा (d) निक्सन द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

'सैनिक औद्योगिक संकुल' शब्दावली का प्रयोग अमेरिकी राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर द्वारा वर्ष 1961 में अपने विदाई समारोह के भाषण में प्रयोग किया गया था।

स्वतंत्रता एवं समानता

1. भारत में 'संरक्षात्मक भेदभाव' का विचार संबंधित है-

(a) स्वतंत्रता के विचार से

(b) समानता के विचार से

(c) न्याय के विचार से

(d) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

'संरक्षात्मक भेदभाव' का विचार समानता के विचार से संबंधित है। समानता का तात्पर्य है, भेदभाव का अभाव। पर समानता का यह नकारात्मक विचार है। समानता की सकारात्मक धारणा शोषित और पिछड़े हुए लोगों के पक्ष में कुछ भेदभाव आवश्यक मानती है। इस भेदभाव को ही संरक्षणात्मक भेदभाव कहा जाता है। जिससे कि सभी वर्ग एक समान स्तर पर आकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

2. निम्न में से किस एक चिन्तक ने स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ को समझने के लिए इसके दोनों निषेधात्मक एवं सकारात्मक पक्षों पर बल दिया?

(a) जे.एस. मिल (b) एफ.ए. हाएक

(c) इसियाह बर्लिन (d) टी.एच. ग्रीन

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

इसियाह बर्लिन ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'टू कान्सेप्ट आफ लिबर्टी' के अंतर्गत यह तर्क दिया कि राज्य केवल व्यक्ति की नकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है। सकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा करना राज्य के कार्यक्षेत्र में नहीं आता। सकारात्मक स्वतंत्रता व्यक्ति की क्षमता पर निर्भर है।

3. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : स्वतंत्रता की मार्क्सवादी धारणा स्वतंत्रता की उदारवादी-व्यक्तिवादी धारणा से भिन्न है।

कारण (R) : मार्क्सवादी धारणा के अनुसार, स्वतंत्रता ऐसी चीज नहीं है, जिसका उपयोग व्यक्ति एकांत में कर सके।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) सत्य है, क्योंकि स्वतंत्रता की मार्क्सवादी और उदारवादी धारणा भिन्न-भिन्न है। कारण (R) भी सत्य है। मार्क्सवाद के अनुसार स्वतंत्रता का उपभोग व्यक्ति समुदाय में रहकर करता है, अलग नहीं। परंतु (R), (A) की व्याख्या नहीं है। कथन में मार्क्सवाद और उदारवाद में प्रचलित स्वतंत्रता के अंतर को बताया गया है, पर कारण में केवल मार्क्सवाद का उल्लेख है। अतः (R) कारण, कथन (A) की अधूरी व्याख्या करता है।

4. बीसवीं शताब्दी में स्वतंत्रता के नकारात्मक दृष्टिकोण के अग्रतम प्रतिपादकों में कौन हैं?

(a) आइजिया बर्लिन (b) सी.बी. मैकफरसन

(c) जॉन रॉल्स (d) चार्ल्स टेलर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

बीसवीं शताब्दी में आइजिया बर्लिन, एफ.ए. हेयक और मिल्टन फ्रीडमैन ने सकारात्मक स्वतंत्रता के स्थान पर नकारात्मक स्वतंत्रता पर बल देकर स्वतंत्रता के सार-तत्व को क्षति पहुंचाई है। बर्लिन ने अपनी चर्चित कृति 'टू कान्सेप्ट ऑफ लिबर्टी' में लिखा है कि राज्य केवल व्यक्ति की नकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है, सकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा करना राज्य के कार्यक्षेत्र में नहीं आता है।

5. ''सतत जागरूकता ही स्वतंत्रता का मूल्य है।'' यह कथन किसका है?

(a) ब्राइस (b) मैकाइवर

(c) लॉस्की (d) मार्क्स

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(*)

''सतत जागरूकता ही स्वतंत्रता का मूल्य है।'' यह कथन अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति वाशिंगटन का है। जे.एस. मिल ने अपनी पुस्तक 'On Liberty' में स्वतंत्रता को मानव जीवन का मूल आधार बताया है। सी.डी. बर्न्स ने कहा है कि स्वतंत्रता न केवल सभ्य जीवन का आधार है, वरन सभ्यता का विकास भी व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर ही निर्भर करता है।'' इसी संदर्भ में डॉ. राधाकृष्णन ने कहा है कि स्वतंत्रता किसी अन्य साध्य की प्राप्ति का साधन नहीं, वरन यह सर्वोच्च साध्य है।

6. इनमें से किसने 'आत्मपरक' तथा 'परात्मपरक' आचरण के मध्य अंतर किया?

(a) जेम्स मिल (b) जेरेमी बेंथम
(c) जे.एस. मिल (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

जे.एस. मिल ने स्वतंत्रता से संबंधित अपनी संकल्पना अपने प्रसिद्ध निबंध 'On Liberty-1859' के अंतर्गत प्रस्तुत की। मिल ने अपनी संकल्पना में व्यक्ति के दो प्रमुख कार्यों का वर्णन किया है प्रथम 'आत्मपरक' कार्य (SelfRegarding Actions), जिनका सरकार के स्वयं कार्य करने वाले से होता है और दूसरों पर उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता और द्वितीय 'परात्मपरक' कार्य जिनका समाज पर सीधा प्रभाव पड़ता है। मिल ने तर्क द्वारा इसे प्रमाणित करते हुए कहा है कि व्यक्ति के आत्मपरक कार्यों में राज्य की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए और उसके परात्मपरक' कार्यों में केवल उन्हीं कार्यों पर रोक लगाई जानी चाहिए, जो दूसरों को हानि पहुंचाते हैं।

7. ''मानव चेतना स्वतंत्रता की कामना करती है, स्वतंत्रता में अधिकार शामिल है और अधिकार राज्य की मांग करते हैं।'' यह किसने कहा?

(a) ग्रीन (b) लॉस्की
(c) बार्कर (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

बार्कर के अनुसार 'मानव चेतना स्वतंत्रता की कामना करती है, स्वतंत्रता में अधिकार निहित हैं, अधिकार राज्य की मांग करते हैं।'

8. निम्नलिखित में से कौन इस विचार से सहमत है, 'स्वतंत्रता अपने आप से कलह कर सकती है' ?

(a) लॉस्की (b) पॉपर
(c) बार्कर (d) सीले

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

बार्कर स्वतंत्रता और समानता के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करते हुए कहते हैं, यदि स्वतंत्रता और समानता में संघर्ष नहीं होगा, तो स्वतंत्रता स्वयं में संघर्ष करने लगेगी।

9. निम्न में से कौन इस विचार का है कि 'स्वतंत्रता अपने आप में कलह कर सकती है'?

(a) लॉस्की (b) पॉपर
(c) सीले (d) बार्कर

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. ''स्वतंत्रता सभी बंधनों का अभाव है।'' यह कथन किसका हैं?

(a) मिल (b) लॉस्की
(c) बार्कर (d) सीले

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(d)

''स्वतंत्रता सभी बंधनों का अभाव है'' यह कथन सीले का है। स्वतंत्रता उदारवादी चिंतन का केंद्रीय तत्व तथा सार है। स्वतंत्रता को नकारात्मक स्वतंत्रता तथा सकारात्मक स्वतंत्रता में वर्गीकृत किया गया है। सीले की यह परिभाषा नकारात्मक स्वतंत्रता को व्यक्त करती है। आरंभिक उदारवादी विचारक हॉब्स, लॉक, बेंथम, मिल, सिजविक, स्पेंशर, माण्टेस्क्यू तथा नव उदारवादी विचारक जैसे हेयक, फ्रीडमैन, वर्लिन आदि नकारात्मक स्वतंत्रता के समर्थक हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- स्वतंत्रता का अंग्रेजी रूपान्तर लिबर्टी 'लैटिन' भाषा के शब्द लिबर से लिया गया है जिसका अर्थ होता बन्धनों का अभाव।
- सीले के अनुसार, ''स्वतंत्रता अतिशासन का विरोधी है।''
- हॉब्स के अनुसार, ''स्वतंत्रता बाह्य बाधाओं की अनुपस्थिति है वे बाधाएं जो व्यक्ति का कोई भी कार्य करने की शक्ति घटाती हैं।''
- रूसो के अनुसार, ''स्वतंत्रता सामान्य इच्छा के पालन में है।''
- हीगल के अनुसार, ''स्वतंत्रता राज्य के कानूनों का पालन करने में है।''
- मैकेन्जी के अनुसार, ''स्वतंत्रता सभी प्रकार के प्रतिबंधों का अभाव नहीं, अपितु अनुचित प्रतिबंधों के स्थान पर उचित प्रतिबंधों की व्यवस्था है।''

11. ''स्वतंत्रता अति-शासन का विरोधी है।'' यह किसने कहा?

(a) लॉस्की (b) लॉक
(c) सीले (d) जे.एस.मिल

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

12. किसने कहा कि स्वतंत्रता अतिशासन की विरोधी है?

(a) जे.एस. मिल (b) सीले
(c) लॉस्की (d) लॉक

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. ''स्वतंत्रता अतिशासन का विलोम है।'' स्वतंत्रता की यह परिभाषा किस विचारक की है?

(a) रूसो (b) सीले

(c) मॉण्टेस्क्यू (d) लॉक

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. ''स्वतंत्रता का मतलब सभी प्रकार के बंधनों का अभाव है।'' यह कथन है-

(a) सीले का (b) प्लेटो का

(c) अरस्तू का (d) लॉक का

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. किसने कहा ''स्वतंत्रता समस्त प्रतिबंधों का अभाव है''?

(a) बैंथम (b) लॉक

(c) कांट (d) सीले

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. किसने कहा 'स्वतंत्रता एक सकारात्मक वस्तु है। यह मात्र प्रतिबंधों का अभाव नहीं है।'?

(a) लॉस्की (b) मैकाइवर

(c) ग्रीन (d) बोदां

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त कथन लॉस्की का है।

17. नकारात्मक स्वतंत्रता की अवधारणा निम्नलिखित में से किस एक पर बल देती है?

(a) समानता (b) स्वायत्तता

(c) हस्तक्षेप की अनुपस्थिति (d) पसन्द की स्वतंत्रता

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

नकारात्मक स्वतंत्रता की अवधारणा हस्तक्षेप की अनुपस्थिति पर बल देती है। नकारात्मक स्वतंत्रता या औपचारिक स्वतंत्रता से अभिप्राय है कि यदि कोई व्यक्ति कुछ करना चाहता हो और कर भी सकता हो, तो उसे वैसा करने से रोका न जाए।

18. 'हर व्यक्ति अपने हित को बहुत अच्छी तरह से जानता है और इसलिए राज्य को उसके ध्येय तथा उद्देश्यों के बारे में निर्णय नहीं करना चाहिए।'

(a) सकारात्मक स्वतंत्रता की (b) नकारात्मक स्वतंत्रता की

(c) राजनीतिक स्वतंत्रता की (d) व्यक्तिगत स्वतंत्रता की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

स्वतंत्रता की नकारात्मक धारणा, व्यक्ति के मामले में राज्य के कम से कम हस्तक्षेप का समर्थन करती है। इस धारणा के अनुसार व्यक्ति एक बौद्धिक प्राणी है, इसलिए वह स्वयं के बारे में और समाज के बारे में सही और गलत का निर्णय कर सकता है। सभी प्रकार के प्रति रूपों से मुक्त होकर कार्य करने से व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है, और साथ ही साथ समाज को भी लाभ होता है।

19. निम्नलिखित में से कौन एक कानून के समक्ष समानता पर लागू होता है?

(a) यह एक सकारात्मक विचार है।

(b) यह एक भावनात्मक विचार है।

(c) यह एक नाकारात्मक विचार है।

(d) यह न तो सकारात्मक है न ही नकारात्मक।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

कानूनी समानता एक नकारात्मक विचार है। इसमें व्यक्ति को यह आश्वासन प्राप्त होता है कि विधि के समक्ष सभी समान हैं। किसी के साथ कोई भी भेदभाव नहीं किया जाएगा। बार्कर के अनुसार ''कानूनी व्यक्तित्व के एक जैसे मुखौटे के कारण हम सबका महत्व एक जैसा है।'' किंतु न्याय तक सबकी समान पहुंच के लिए इसमें कोई उपबन्ध नहीं है। शोषित, दलित और वंचित वर्ग कानूनी समानता के बावजूद न्याय प्राप्त नहीं कर पाते।

20. निम्न में से किसने सकारात्मक स्वतंत्रता का प्रतिपादन किया है?

(a) मार्क्स (b) बेंथम

(c) टी.एच. ग्रीन (d) जे.एस. मिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

टी.एच. ग्रीन ने स्वतंत्रता की परिभाषा दी है, ''करने योग्य कार्य और भोगने योग्य वस्तु जो करने और भोगने योग्य हो।' इस प्रकार स्वतंत्रता की शास्त्रीय परिभाषा, 'बंधनों का अभाव' के स्थान पर ग्रीन ने स्वतंत्रता के स्वरूप को गुणात्मक मानते हुए उसके सकारात्मक प्रकृति को महत्वपूर्ण माना है।

21. 'समानता का अर्थ यह है कि सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त अवसर प्राप्त होना चाहिए।' किसने कहा?

(a) आइवर जैनिंग्स (b) डायसी
(c) लॉस्की (d) मैकाइवर

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

लॉस्की के अनुसार समानता का यह तात्पर्य कदापि नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति को समान आय प्रदान की जाए। यदि ईंट बनाने वाले मजदूर को एक प्रसिद्ध गणितज्ञ या वैज्ञानिक की आय के लगभग समान आय दी जाने लगे तो समानता का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। समानता का प्रथम अर्थ- विशेषाधिकारों का अभाव है और दूसरा अर्थ है कि सभी को विकास का समान अवसर प्राप्त हो।

22. किसने लिखा कि 'प्रजातंत्रीय समानता एक भयानक प्रपंच है'?

(a) सी.डी. बर्न्स (b) बर्क
(c) ब्राइस (d) कार्लाइल

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

प्रजातंत्रीय समानता का विरोध करते हुए बर्क ने इसे 'दानवी संकल्पना या भयानक प्रपंच' कहा है। जबकि कार्लाइल के अनुसार 'यह अविश्सनीय बेवकूफी भरी मूर्खता है।'

23. ''आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता मिथक है।'' यह कथन किसका है?

(a) ग्रीन (b) जे.एस. मिल
(c) जी.डी.एच. कोल (d) लॉस्की

P.G.T. परीक्षा, 2002
P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(c)

जी.डी.एच. कोल ने कहा है कि ''आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता मिथक है।'' दूसरे शब्दों में ''आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतंत्रता केवल एक भ्रम है।'' राजनीतिक स्वतंत्रता के आधार के रूप में आर्थिक समानता कार्य करती है, एक व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के प्रति तभी रुचि ले सकता है जब उसके पास अपनी अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लॉस्की के अनुसार, ''मुझे स्वादिष्ट भोजन करने का अधिकार नहीं है यदि मेरे पड़ोसी को मेरे इस अधिकार के कारण सूखी रोटी से वंचित रहना पड़े।''
- जवाहरलाल नेहरू ने कहा है, ''भूखे व्यक्ति के लिए मत का कोई मूल्य नहीं होता।''
- लॉस्की के अनुसार, ''यदि राज्य संपत्ति को अधीन नहीं रखता, तो संपत्ति राज्य को वशीभूत कर लेगी।''
- कोल की तरह लॉस्की ने भी कहा है कि ''आर्थिक समानता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता कभी भी वास्तविक नहीं हो सकती।''

24. ''राजनीतिक स्वतंत्रता, आर्थिक समानता के बिना एक कल्पना है।'' यह किसने कहा?

(a) जे.एस. मिल (b) टी.एच. ग्रीन
(c) लॉस्की (d) जी.डी.एच.कोल

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखे।

25. यह किसने कहा कि ''आर्थिक समानता के बिना राजनैतिक स्वतंत्रता एक मिथक है''?

(a) जे.एस. मिल (b) टी.एच. ग्रीन
(c) जी.डी.एच. कोल (d) एच.जे. लॉस्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2012
P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. ''राजनीतिक समानता कभी वास्तविक नहीं हो सकती, यदि उसके साथ वास्तविक आर्थिक समानता न हो।' यह कथन है-

(a) मार्क्स का (b) जे. एस. मिल का
(c) लॉस्की का (d) जी.डी.एच. कोल का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. 'राजनीतिक समानता कभी भी यथार्थ नहीं बन सकती जब तक कि उसे वास्तविक आर्थिक समानता का साथ न हो।' किसने कहा?

(a) आर.एच. टॉनी (b) मैकाइवर
(c) विलोबी (d) एच.जे. लॉस्की

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. निम्नलिखित में से किस एक विचारक ने स्वतंत्रता तथा समानता को (एक-दूसरे का) पूरक बताया?

(a) लॉर्ड ऐक्टन (b) मैकाइवर

(c) मैकियावेली (d) डी. टॉकविल

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

मैकाइवर, आर. एच. टॉनी, एच.जे. लॉस्की, टी.एच.ग्रीन, सी.बी. मैक्फर्सन आदि विचारक स्वतंत्रता एवं समानता को एक-दूसरे का पूरक मानते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- समानता का सबसे व्यवस्थित विश्लेषण आर.एच. टॉनी ने अपनी कृति 'इक्वैलिटी' में किया है।
- उपर्युक्त विचारकों के अलावा ह्यूम, बार्कर, रूसो भी स्वतंत्रता व समानता को एक-दूसरे का पूरक मानते हैं।
- लॉस्की के अनुसार, ''यदि स्वतंत्रता का अर्थ मानवीय आत्मा में लगातार विकास की शक्ति से है, तो यह समान लोगों के समाज के अतिरिक्त शायद ही कहीं संभव है। जहां गरीब और साहूकार हों, शिक्षित और अशिक्षित हों, वहां मालिक और नौकर जरूर मिलेंगे।''
- समानता के द्वारा स्वतंत्रता के आधार के रूप में कार्य किया जाता है। एक ऐसे राज्य में जिसमें समानता नहीं है, स्वतंत्रता हो ही नहीं सकती।

29. स्वतंत्रता एवं समानता का सर्वश्रेष्ठ सामंजस्य प्राप्त करना जिस व्यवस्था में संभव है, वह है :

(a) उदारवाद (b) समाजवाद

(c) लोकतांत्रिक समाजवाद (d) प्रत्ययवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

स्वतंत्रता एवं समानता का सर्वश्रेष्ठ सामंजस्य लोकतांत्रिक समाजवाद में संभव है। उदारवाद में स्वतंत्रता की संकल्पना को महत्वपूर्ण स्थान दिया जाता है, समाजवाद में समानता के विचार को। प्रत्ययवाद में राज्य को सर्वश्रेष्ठ मानते हुए स्वतंत्रता और समानता के विचार को पृष्ठभूमि में डाल दिया जाता है। लोकतांत्रिक समाजवाद सामाजिक-आर्थिक समानता के साथ-साथ स्वतंत्रता के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को जरूरी मानता है।

30. किसने यह टिप्पणी की है कि ''प्रतिबंधों के रूप में सभी प्रतिबंध एक बुराई हैं ..... स्वयं लोगों को छोड़ देना उन्हें नियंत्रित करने से सदैव बेहतर है''?

(a) ग्रीन (b) मिल

(c) बार्कर (d) पॉपर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

जॉन स्टुअर्ट मिल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'ऑन लिबर्टी' में लिखा है कि लोगों की स्वतंत्रता की सुरक्षा के लिए प्रतिबंधों की मात्रा को कम किया जाना चाहिए। उनको स्वतंत्र छोड़ देना, प्रतिबंध लगाने से बेहतर है।

31. जॉन स्टुअर्ट मिल के स्वतंत्रता के सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही है?

(a) मिल की स्वतंत्रता की अवधारणा उपयोगितावाद से तार्किक रूप से सुसंगत है।

(b) मिल की स्वतंत्रता की अवधारणा उपयोगितावाद से विसंगत है।

(c) अधिकतम लोगों के अधिकतम हित की प्राप्ति में मिल स्वतंत्रता को अपरिहार्य साधन मानता है।

(d) मिल का विचार है कि स्वतंत्रता के बिना मनुष्य बौद्धिक और नैतिक पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता तथा विकास और एक आदर्श मनुष्य नहीं बन सकता।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(d)

जॉन स्टुअर्ट मिल ने अपने स्वतंत्रता संबंधी विचार वर्ष 1859 में प्रकाशित ग्रंथ 'स्वतंत्रता पर' (On Liberty) में दिए हैं। मिल ने स्वतंत्रता के नकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतिपादन किया। मिल के अनुसार, व्यक्ति का उद्देश्य अपने व्यक्तित्व का उच्चतम एवं अधिकतम विकास है और यह विकास केवल स्वतंत्रता के वातावरण में ही संभव है। मिल का विचार है कि स्वतंत्रता के द्वारा ही मनुष्य बौद्धिक व नैतिक पूर्णता प्राप्त करके एक आदर्श मनुष्य बन सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मिल के अनुसार, ''व्यक्ति के जीवन में राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप और अधिकतम संभव सीमा तक व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार जीवन व्यतीत करने की छूट ही स्वतंत्रता है और वह इसे अपनाने पर बल देता है।''
- मिल ने व्यक्ति की स्वतंत्रता को दो भागों में बांटा है- प्रथम विचारों की स्वतंत्रता, द्वितीय कार्य संबंधी स्वतंत्रता।
- मिल के अनुसार, व्यक्ति को विचारों की पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए, मिल स्थापित परंपरा व धारणा के विरुद्ध विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता देता है तथा सनकी व्यक्ति को भी स्वतंत्रता दिए जाने का पक्षधर है।
- मिल, कार्य संबंधी स्वतंत्रता को स्व-विषयक तथा पर-विषयक दो भागों में विभाजित करता है। उसके अनुसार स्व-विषयक कार्यों में व्यक्ति को पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त होनी चाहिए, लेकिन पर-विषयक कार्यों में व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित होती है, विशेषकर जब उसके कार्यों से समाज के अन्य व्यक्तियों की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचती हो।

32. जे.एस. मिल निम्न में से किसका निष्ठावान समर्थक था?

(a) तानाशाही राज्य (b) स्वतंत्रता

(c) समाजवादी विचारधारा (d) संविदावादी दर्शन

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

स्वतंत्रता के समर्थन में जे.एस. मिल की महान रचना 'एस्से ऑन लिबर्टी' प्रसिद्ध है। इस ग्रंथ में मिल ने स्वतंत्रता का जोरदार समर्थन किया है। इस दिशा में वह इतना आगे बढ़ गया कि पागलों और विक्षिप्त व्यक्तियों के लिए भी निषेध रहित स्वतंत्रता का समर्थन करने लगा।

33. जॉन स्टुअर्ट मिल ने स्वतंत्रता के संदर्भ में सभी मानवीय कार्यों का विभाजन किस प्रकार किया है?

(a) स्वसंबंधित एवं परसंबंधित

(b) प्रभावात्मक एवं निष्प्रभावात्मक

(c) धार्मिक एवं नास्तिक

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

जॉन स्टुअर्ट मिल ने स्वतंत्रता के संदर्भ में सभी मानवीय कार्यों को दो श्रेणियों स्वसंबंधित एवं परसंबंधित कार्यों में विभाजित किया। मिल का मानना है कि स्वयं से संबंधित कार्यों पर कोई भी नियंत्रण नहीं होना चाहिए परंतु परसंबंधित कार्य, जो दूसरों को हानि तथा दुःख पहुंचाते हैं, उन पर नियंत्रण होना चाहिए।

34. ''राजकीय सहायता व्यक्ति के आत्मविश्वास के भाव को नष्ट कर देती है। यह उसके उत्तरदायित्व को दुर्बल बनाती है और चरित्र के विचार को कुंठित कर देती है।'' यह कथन किसका है?

(a) जेम्स मिल (b) लॉस्की

(c) जे.एस. मिल (d) फ्रीमैन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

स्वतंत्रता के पक्ष में नैतिक तर्क देते हुए जे.एस. मिल का कहना है कि राज्य द्वारा प्राप्त सहायता से लोगों में उत्तरदायित्व विहीनता तथा उसके नैतिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

35. निम्न में कौन-सा कथन सही है?

(a) समानता का अर्थ है व्यवहार व पुरस्कारों की पहचान

(b) समानता का अर्थ है समान आय

(c) समानता का अर्थ है कि प्रकृति ने सब मनुष्यों को समान बनाया है

(d) समानता का अर्थ है कि अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए सबको समान अवसर देने का प्रावधान हो

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(d)

समानता का अर्थ है कि 'अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए सबको समान अवसर देने का प्रावधान हो'। वास्तविक समानता उस स्थिति का नाम है जिसमें देश के संविधान और कानूनों द्वारा न केवल समानता की घोषणा की जाए, वरन व्यवहार में उन परिस्थितियों की भी व्यवस्था की जाए जिनके आधार पर नागरिकों के द्वारा वास्तव में समानता का उपभोग किया जा सके। यह कार्य राज्य द्वारा सभी व्यक्तियों को व्यक्तित्व के विकास के लिए समान अवसर दिए जाने से पूरा होता है।

36. 'स्वतंत्रता और समानता एक-दूसरे की विरोधी हैं' यह मत था-

(a) लॉर्ड ऐक्टन का

(b) टी.एच. ग्रीन का

(c) एच.जे. लॉस्की का

(d) अर्नेस्ट बार्कर का

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

लॉर्ड ऐक्टन ने स्वतंत्रता और समानता को एक-दूसरे का विरोधी माना है। इसके अतिरिक्त फ्रांसीसी विचारक अलेक्सी द टॉकवील स्वतंत्रता व समानता को एक-दूसरे का विरोधी मानते हुए लिखते हैं कि ''लोकतंत्र का विस्तार समानता को जितना बढ़ावा देता है, स्वतंत्रता के लिए उतना ही बड़ा खतरा पैदा कर देता है।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कुछ विचारक सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र में स्वतंत्रता के नाम पर समानता का विरोध करते हैं।
- प्रसिद्ध अंग्रेज दार्शनिक आइज़िया बर्लिन ने अपने निबंध 'टू कांसेप्ट्स ऑफ लिबर्टी' (स्वतंत्रता की दो संकल्पनाएं) के अंतर्गत तर्क दिया कि राज्य केवल नकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है, सकारात्मक स्वतंत्रता व्यक्ति का निजी मामला है जिससे राज्य को कोई सरोकार नहीं रखना चाहिए।
- ऑस्ट्रियाई विचारक एफ.ए. हेयक ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'कांस्टीट्यूशन ऑफ लिबर्टी' (स्वतंत्रता का संविधान) के अंतर्गत 'स्वतंत्रता' और समानता को परस्पर विरोधी सिद्धांत माना है।
- इस संबंध में लॉर्ड ऐक्टन का कथन है- ''समानता की उत्कृष्ट अभिलाषा के कारण स्वतंत्रता की आशा ही व्यर्थ हो गई है''।

37. इनमें से कौन इस मत का है कि स्वतंत्रता तथा समानता एक-दूसरे के विरोधी हैं?

(a) हॉब्स (b) एडम स्मिथ

(c) डी टॉकबिले (d) लॉस्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. यह कथन कि ''स्वतंत्रता और समानता साथ-साथ नहीं रह सकते'' किससे संबंधित है?

(a) डायसी (b) लॉर्ड ऐक्टन

(c) बर्लिन (d) डांरकिन

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

लॉर्ड ऐक्टन स्वतंत्रता एवं समानता को परस्पर विरोधी मानते हैं। इनके अनुसार, स्वतंत्रता प्रकृति प्रदत्त है, जबकि समानता प्रकृति की देन नहीं है यह कृत्रिम है। लॉर्ड ऐक्टन ने कहा है कि ''स्वतंत्रता एवं समानता साथ-साथ नहीं रह सकते''।

39. ''समानता के प्रति आग्रह ने स्वतंत्रता की आशा को व्यर्थ बना दिया।'' यह किसका कथन है?

(a) जे.एस. मिल (b) जेरेमी बेंथम

(c) वी.आई. लेनिन (d) लॉर्ड ऐक्टन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर—(d)

स्वतंत्रता और समानता के पारस्परिक विरोध को उद्घाटित करते हुए लार्ड ऐक्टन ने कहा कि जितना अधिक हम एक को प्राप्त करेंगे, उतना ही दूसरे की हानि होगी। समानता की मात्रा बढ़ाने का अर्थ होगा, स्वतंत्रता में कमी होना। इस संबंध में ऐक्टन ने स्वतंत्रता को महत्वपूर्ण मानते हुए समानता के प्रति अति उत्साह का विरोध किया है।

40. समाज में समानता का निहितार्थ किसका अभाव है?

(a) अवरोधों का (b) विशेषाधिकार का

(c) प्रतिस्पर्द्धा का (d) सामाजिक वर्गों का

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

समानता का विचार विशेषाधिकारों के विरुद्ध है। प्रायः लोकतंत्र के लिए विशेषाधिकारों को खत्म करके समानता पर आधारित समाज का निर्माण आवश्यक होता है। समाज में धर्म, जाति या जन्म के आधार पर यदि व्यक्तियों को विशेषाधिकार प्राप्त हों, तो उस समाज में वास्तविक समानता को प्राप्त कर पाना संभव नहीं होता। वास्तविक समानता की प्राप्ति के लिए विशेषाधिकारों के अभाव की स्थिति नितांत आवश्यक है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- हेराल्ड लॉस्की का इस संबंध में कथन है कि ''समानता मूल रूप से समानीकरण की एक प्रक्रिया है। इसलिए प्रथमतः समानता का आशय 'विशेषाधिकारों के अभाव' से है। द्वितीय रूप में इसका आशय यह है कि सभी व्यक्तियों को विकास हेतु पर्याप्त अवसर प्राप्त होने चाहिए।''
- समानता का तात्पर्य ऐसी परिस्थितियों के अस्तित्व से होता है, जिनके कारण सब व्यक्तियों को व्यक्तित्व के विकास हेतु समान अवसर प्राप्त हो सकें और इस प्रकार उस असमानता का अंत हो सके, जिसका मूल कारण सामाजिक वैषम्य है।

41. 'स्वतंत्रता उस कार्य को करने की एक सकारात्मक शक्ति है जो उपयोग तथा उपभोग करने योग्य है।'' यह किसने कहा?

(a) कांट (b) टी.एच. ग्रीन

(c) लॉस्की (d) जे.एस. मिल

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

ग्रीन की स्वतंत्रता आत्मपरक होने के साथ-साथ वास्तविक और सकारात्मक है। उनके अनुसार केवल वही व्यक्ति स्वतंत्र है, जो कि अपनी संपूर्ण आत्मा से अपनी इच्छाओं का दमन करता है, जो उसे सच्चे शुभ की ओर ले जाती। जब मनुष्य सुख और विलास की कामनाओं से वशीभूत हो जाता है, तो वह स्वतंत्र नहीं रह जाता, वह परतंत्र बन जाता है। इसलिए स्वतंत्रता उन कार्यों को करने और वस्तुओं के उपभोग को कहते हैं, जो करने या उपभोग्य के योग्य हों।

42. स्वतंत्रता और समानता एक-दूसरे के पूरक हैं। इस विचार के समर्थक कौन विद्वान हैं?

(a) प्रो. जोड (b) डॉ. आशीर्वादी लाल

(c) रूसो (d) मिल

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

रूसो को 'स्वतंत्रता एवं समानता एक-दूसरे के पूरक हैं' का समर्थक विद्वान माना जाता है। वस्तुतः 19वीं सदी के उत्तरार्ध में समाजवादी तथा सकारात्मक उदारवादी लेखकों द्वारा उठाई गई आर्थिक और सामाजिक समानता की मांग ने समानता को स्वतंत्रता की मौलिक शर्त बना दिया। इन लेखकों का विचार है कि स्वतंतत्रा तथा समानता एक-दूसरे के पूरक हैं। इस विचार के प्रमुख समर्थक हैं- रूसो, मेटलैंड, ग्रीन हॉबहाउस, लॉस्की, टॉनी, बार्कर आदि।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- टॉनी के अनुसार, ''निर्बल की स्वतंत्रता बलवान के संयम पर निर्भर करती है तथा गरीब व्यक्ति की अमीर के संयम पर। प्रत्येक व्यक्ति को केवल इतनी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए जितनी वह दूसरों को दे सकता है।''
- टॉनी के अनुसार, ''व्यापक स्तर पर समानता स्वतंत्रता की शत्रु होने के बजाय इसकी आवश्यक शर्त है।
- पोलार्ड के अनुसार, '' स्वतंत्रता प्राप्ति का केवल एक ही हल है वह समानता है, समानता के अभाव में स्वतंत्रता केवल एक लाइसेंस बनकर रह जाएगी।''

43. ''स्वतंत्रता की समस्या का एकमात्र हल है कि वह समानता में निहित है।'' यह कथन है-

(a) लॉक का (b) रूसो का

(c) पोलार्ड का (d) ग्रीन का

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. निम्नलिखित में से कौन प्राकृतिक असमानता के सिद्धांत का समर्थन करता है?

(a) पोलिबियस (b) सिसरो

(c) रूसो (d) प्लेटो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

जे.जे. रूसो ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'ए डिस्कोर्स ऑन ओरिजन ऑफ इनिक्वैलिटी' में दो प्रकार की विषमताओं में अंतर किया है : प्राकृतिक विषमता और परंपरागत विषमता। प्राकृतिक विषमता का समर्थन करते हुए रूसो कहता है कि ' ये भिन्नताएं प्राकृतिक व्यवस्था की देन हैं, अतः मनुष्य इनमें कोई बदलाव नहीं कर सकता।'

45. यह कथन किसका है कि ''स्वतंत्रता और समानता न तो एक-दूसरे के विरोधी हैं और न ही पृथक वे एक आदर्श के दो रूप हैं''?

(a) पैरटो (b) मेंटलैंड

(c) हर्बर्ट डीन (d) डेविड ह्यूम

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

वर्तमान कल्याणकारी राज्य में स्वतंत्रता एवं समानता को एक-दूसरे का विरोधी न मानकर पूरक माना जाता है। दोनों का उद्देश्य एक ही है वह है व्यक्ति के व्यक्तित्व का स्वाभाविक विकास। जैसा कि हर्बट डीन लिखते हैं, ''स्वतंत्रता और समानता न तो विरोधी हैं और न ही पृथक परंतु एक ही आदर्श के दो पक्ष हैं।'' गेन्स के अनुसार ''स्वतंत्रता और समानता में कोई विरोध नहीं है। हमें इस तरह के समाज का निर्माण करना चाहिए जो इतनी समानता प्रदान करें कि प्रत्येक व्यक्ति दूसरों पर किसी भी प्रकार की असमानता थोपे बिना अपने जीवन को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र हो।''

46. निम्नलिखित में से किस विचार पद्धति में कानून को स्वतंत्रता का विरोधी समझा जाता है?

(a) लोकतंत्रीय विचार पद्धति

(b) शास्त्रीय उदारवादी विचार पद्धति

(c) समाजवादी विचार पद्धति

(d) समष्टिवादी विचार पद्धति

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

कानून को स्वतंत्रता का विरोधी शास्त्रीय उदारवादी विचार पद्धति में माना जाता है। प्रारंभिक व्यक्तिवादी विचारक राज्य को एक आवश्यक बुराई मानते थे। उनका विचार है कि स्वतंत्रता और कानून परस्पर विरोधी हैं तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के हित में राज्य जैसी कानून निर्मात्री संस्था का न्यूनीकरण हो जाना चाहिए।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- डायसी ने कहा है कि ''एक की मात्रा जितनी अधिक होगी, दूसरे की उतनी ही कम हो जाएगी।''
- विलियम गाडविन के शब्दों में, ''कानून सबसे अधिक घातक प्रकृति की संस्था है।''
- यदि राज्य का कानून जनता की इच्छा पर आधारित है, तो उससे स्वतंत्रता का पोषण होगा और यदि वह निरकुंश शासन की इच्छा का परिणाम है, तो स्वतंत्रता का विरोधी हो सकता है।

47. लिबर्टी शब्द लिया गया है-

(a) लाइबेल से (b) लिंगुआ से

(c) लाइबर से (d) लिब्रा से

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

'लिबर्टी' (Liberty) शब्द लैटिन भाषा के 'लाइबर' (Liber) शब्द से उत्पन्न हुआ है जिसका अर्थ है 'बंधनों का अभाव'। किंतु स्वतंत्रता शब्द की व्युत्पत्ति के आधार पर प्रचलित इस अर्थ को स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ नहीं माना जा सकता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और समाज में रहते हुए मनुष्य असीमित स्वतंत्रता का उपभोग नहीं कर सकता। उसे सामाजिक नियमों की मर्यादा के अंतर्गत रहना होता है। अतः स्वतंत्रता मानवीय प्रकृति और सामाजिक जीवन के इन दो विरोधी तत्वों (बंधनों का अभाव और नियमों का पालन) में सामंजस्य का नाम है।

48. 'लिबर्टी' शब्द लेटिन भाषा के किस शब्द से लिया गया है?

(a) लिबेल (b) लिंगुआ

(c) लिबर (d) लेबर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. 'लिबर्टी शब्द लैटिन भाषा के किस शब्द से लिया गया है?

(a) लाइबेल (b) लिंगुआ

(c) लाइबर (d) लेबर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. 'उदारवाद' शब्द की उत्पत्ति 'लिबर' शब्द से है जो लिया गया है-

(a) फ्रेंच भाषा से (b) लैटिन भाषा से

(c) ग्रीक भाषा से (d) जर्मन भाषा से

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. हेनरी डेविड थोरो का विश्वास था कि-

(a) राज्य की आज्ञा को सदैव मानना चाहिए

(b) राज्य के आदेश में संप्रभुता और नैतिकता का समावेश है

(c) अंतरात्मा का आदेश राज्य के आदेश से ऊपर है

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

हेनरी डेविड थोरो का विश्वास था कि अंतरात्मा का आदेश राज्य के आदेश से ऊपर है। थोरो ने वर्ष 1848 में लिखे एक निबंध 'Civil Disobedience' (सविनय अवज्ञा) में यह तर्क दिया था कि जब अपनी ही सरकार अन्याय करने लगे, तो जनता को उसका विरोध अवश्य करना चाहिए।

52. स्वतंत्रता का अधिकार एक-

(a) नैतिक अधिकार है (b) राजनीतिक अधिकार है

(c) नागरिक अधिकार है (d) प्राकृतिक अधिकार है

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

स्वतंत्रता का अधिकार एक 'नागरिक अधिकार' (Civil Rights) है। स्वतंत्रता के अधिकार के बिना व्यक्ति के व्यक्तित्व एवं समाज का विकास संभव नहीं है। लॉस्की के अनुसार, ''स्वतंत्रता से तात्पर्य उस शक्ति से होता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी इच्छानुसार अपने तरीके से बिना किसी बाहरी बंधन के अपने जीवन का विकास कर सके।'' नागरिक अधिकारों में स्वतंत्रता के साथ-साथ जीवन का अधिकार, राजनीतिक समानता का अधिकार, सामाजिक समानता का अधिकार एवं आर्थिक समानता का अधिकार समाहित है।

53. लॉस्की ने स्वतंत्रता को किस रूप में माना है?

(a) पूर्ण स्वतंत्रता (b) नैतिक शक्ति

(c) नियंत्रण का अभाव (d) राजनीतिक शक्ति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

स्वतंत्रता के विषय में लॉस्की के विचार समय-समय पर परिवर्तित होते रहे। परंतु अंत तक वे स्वतंत्रता पर ग्रीन के विचारों का समर्थन करते रहे कि स्वतंत्रता का तात्पर्य है, व्यक्ति के व्यक्तित्व का नैतिक विकास करना।

54. निम्न में कौन-सा कथन सही है?

(a) स्वतंत्रता और समानता विरोधी हैं

(b) स्वतंत्रता और समानता पूरक हैं

(c) स्वतंत्रता और समानता असंगत हैं

(d) स्वतंत्रता और सत्ता विरोधी हैं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

स्वतंत्रता व समानता एक-दूसरे के पूरक हैं। इसके समर्थक रूसो, ग्रीन, टॉनी, लॉस्की, मैक्फर्सन आदि विद्वान रहे हैं। स्वतंत्रता और समानता दोनों का ही उद्देश्य मानवीय व्यक्तित्व का उच्चतम विकास है। स्वतंत्रता जहां एक तरफ व्यक्तियों के जीवन पर न्यूनतम प्रतिबंध को स्वीकार करते हुए उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए सुविधाएं प्रदान करती है, वहीं दूसरी ओर समानता सभी को समान अवसर प्रदान करती है, अतः स्वतंत्रता व समानता एक-दूसरे के सहायक व पूरक हैं, परस्पर विरोधी नहीं।

55. इनमें से कौन-सा ल्यूशियन पाई की राजनीतिक विकास की अवधारणा का आधार स्तंभ नहीं है?

(a) स्वतंत्रता (b) समानता

(c) क्षमता (d) विभिन्नीकरण

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

ल्यूशियन पाई ने अपनी पुस्तक ''एसपेक्ट्स ऑफ पॉलिटिकल डेवलपमेंट'' (Aspects of Political Development) में राजनीतिक विकास का अर्थ राजनीतिक व्यवस्था में समानता (Equality), क्षमता (Capacity) और संरचनात्मक विभेदीकरण (Structural Differentiation) से संबंधित बताया है। 'स्वतंत्रता ल्यूशियन पाई की राजनीतिक विकास की अवधारणा का आधार स्तंभ नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राजनीतिक विकास (Political Development) की अवधारणा राजनीति शास्त्र में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आई है।
- राजनीतिक विकास का अध्ययन करने वाले अन्य राजनीतिक विचार डेविड ईस्टन, डेविड एप्टर, कोलमैन, माइनर वीनर, रिग्स, ला पालोम्बरा आदि हैं।
- माइनर वीनर ने भारत के राजनीतिक विकास का अध्ययन किया।

56. ल्यूशियन पाई के अनुसार राजनीतिक विकास की मुख्य विशेषताएं हैं-

(a) समानता (b) समर्थता

(c) विभेदीकरण (d) उपरोक्त सभी

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. ''समानता स्वतंत्रता की तरह एक ही चीज नहीं है। मैं लॉर्ड ऐक्टन के इस कथन से सहमत नहीं हूं कि समानता की उत्कृष्ट अभिलाषा के कारण स्वतंत्राता की आशा ही व्यर्थ हो गई है।'' यह किसका कथन है?

(a) मैजिनी (b) लॉस्की

(c) वाल्टेयर (d) जॉन मिल्टन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

लॉस्की का कहना है ''डी टाकविले और लॉर्ड ऐक्टन के मस्तिष्क में स्वतंत्रता के प्रति उत्कृष्ट अभिलाषा होने के कारण ही उनके द्वारा स्वतंत्रता और समानता को परस्पर विरोधी समझा गया, किंतु यह एक गलत निष्कर्ष है। उनके द्वारा समानता का तात्पर्य गलत रूप से लेने के कारण ही ऐसा किया गया है।'' इस तरह लॉस्की ने स्वतंत्रता और समानता को एक-दूसरे का पूरक बताया है। लार्ड ऐक्टन अपने चिंतन के उत्तरार्ध में स्वतंत्रता तथा समानता के संबंधों के बारे में अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन लाते है। तब इन्होंने लिखा है कि, ''विरोधाभास यह है कि समानता और स्वतंत्रता जो कि परस्पर विरोधी विचार के रूप में प्रारंभ होते हैं, विश्लेषण करने पर एक-दूसरे के लिए आवश्यक हो जाते हैं। यह सत्य है कि समानता के अर्थ की उचित व्याख्या स्वतंत्रता के संदर्भ में की जा सकती है।

58. यह किसने कहा है कि अधिकतम समानता स्वतंत्रता के लिए घातक नहीं है बल्कि अनिवार्य है?

(a) लॉस्की (b) आर.एच. टॉनी

(c) आर.एच. सोल्टाऊ (d) जी.डी.एच. कोल

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

आर.एच. टॉनी ने कहा है अधिकतम समानता स्वतंत्रता के लिए घातक नहीं बल्कि अनिवार्य है।

59. ''समानता का अर्थ है कि सभी के लिए पर्याप्त अवसर प्राप्त हो-

(a) डायसी (b) लॉस्की

(c) मैकाइवर (d) आइवर जेनिंग्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

लॉस्की ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स' में लिखा है कि समानता का यह तात्पर्य कदापि नहीं कि प्रत्येक व्यक्ति को समान आय प्रदान की जाए। समानता का प्रथम अर्थ है विशेषाधिकारों का अभाव और इसका दूसरा अर्थ है सभी को विकास के लिए पर्याप्त अवसर प्राप्त हों।

60. इनमें से किसने कहा था कि राज्य का उद्देश्य स्वतंत्रता और समानता दोनों है?

(a) लॉस्की (b) क्रासलैण्ड

(c) हीगल (d) ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

लॉस्की ने स्वतंत्रता व समानता को एक-दूसरे का पूरक मानते हुए कहा है कि ''राज्य का उद्देश्य स्वतंत्रता और समानता दोनों है।'' इस संबंध में यह कहा जा सकता है कि यदि हम वास्तविक समानता चाहते हैं, तो हमें स्वतंत्रता और समानता को संतुलित अर्थों में ग्रहण करना होगा। स्वतंत्रता और समानता दोनों का ही उद्देश्य मानवीय व्यक्तित्व का उच्चतम विकास है।

61. ''सकारात्मक स्वतंत्रता' की धारणा सर्वप्रथम प्रतिपादित की गई :

(a) अरस्तू द्वारा

(b) हीगल द्वारा

(c) ग्रीन द्वारा

(d) लॉस्की द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

ग्रीन की धारणा है कि स्वतंत्रता नकारात्मक नहीं है, वह सकारात्मक है। इसमें बन्धनहीनता पर इतना बल नहीं दिया गया है, जितना कि व्यक्ति को करने योग्य कार्यों को करने और योग्य वस्तुओं को भोगने की शक्ति पर। हीगल की स्वतंत्रता की धारणा क्षमता के समकक्ष है। वह स्वतंत्रता को राज्य का अनुचर बना देता है।

62. ग्रीन का स्वतंत्रता संबंधी विचार मुख्यतः प्रभावित है :

(a) अरस्तू (b) प्लेटो

(c) हीगल (d) सभी

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

ग्रीन का स्वतंत्राता संबंधी विचार हीगल से प्रभावित है, क्योंकि हीगल के समान ग्रीन भी मानते है कि स्वतंत्राता का स्वरूप सकारात्मक है, जिसकी प्राप्ति राज्य में और उसके जीवन में भाग लेकर ही की जा सकती है।

63. समानता के उदारवादी विचार से निम्नलिखित में किस प्रकार की समानता अनुरूप नहीं है?

(a) कानूनी समानता (b) सामाजिक समानता
(c) राजनीतिक समानता (d) आर्थिक समानता

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

समानता का उदारवादी विचार 'आर्थिक समानता' के ऊपर सामाजिक समानता, कानूनी समानता, राजनीतिक समानता व नागरिक समानता को मान्यता देता है। 'आर्थिक समानता' समाजवादी समाज की मुख्य विशेषता है। इसके अभाव में राजनीतिक व नागरिक समानता का कोई मूल्य नहीं है। आर्थिक समानता धन के समान वितरण पर बल देती है।

64. यह कथन किसका है ''ईश्वर जिसने हमें जन्म दिया उसी ने स्वतंत्रता भी प्रदान की'' ?

(a) गांधीजी (b) लॉस्की
(c) मिल (d) जेफरसन

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(d)

थॉमस जेफरसन अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति और 'अमेरिकी 'स्वतंत्रता की घोषणा' के मुख्य लेखक थे। उन्होंने कहा था कि ''ईश्वर जिसने हमें जन्म दिया उसी ने स्वतंत्रता भी प्रदान की।'' जेफरसन का ही कथन है कि जहां प्रेस की आजादी होती है और सभी पढ़ने के योग्य होते हैं वहां सभी सुरक्षित होते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

महात्मा गांधी के प्रमुख कथन निम्नलिखित हैं-

- आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।
- जब तक गलती करने की स्वतंत्रता न हो तब तक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।
- पृथ्वी सभी मनुष्यों की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन प्रदान करती है, लेकिन लालच पूरा करने के लिए नहीं।
- मिल ने स्वतंत्रता का नकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। 'ऑन लिबर्टी' में मिल ने स्वतंत्रता संबंधी विचार दिए। मिल के अनुसार, ''व्यक्ति के जीवन में राज्य का न्यूनतम हस्तक्षेप और अधिकतम संभव सीमा तक व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार जीवन व्यतीत करने की छूट ही स्वतंत्रता है।''
- लॉस्की के अनुसार, ''राज्य के कार्यों में सक्रिय भाग लेने की शक्ति ही राजनीतिक स्वतंत्रता है।''

65. ''ईश्वर ने हमें जब जीवन दिया उसी समय हमें स्वतंत्रता भी दी।'' यह किसने कहा?

(a) जेफरसन (b) हॉब्स
(c) लॉस्की (d) रूसो

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. ''ईश्वर जिसने हमें जीवन प्रदान किया उसी समय उन्होंने स्वतंत्रता भी प्रदान की'' यह कथन किसका है?

(a) एडम स्मिथ (b) गांधी
(c) नेहरू (d) जेफरसन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर देखें।

67. किसके द्वारा निम्नलिखित स्वीकार किया गया है, ''हम इन तथ्यों को स्वयंसिद्ध मानते हैं कि सभी व्यक्ति समान बनाए गए हैं?''

(a) सरदार पटेल
(b) पंडित जवाहरलाल नेहरू
(c) तात्या टोपे
(d) अमेरिकी स्वातंत्र्य घोषणा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

4 जुलाई, 1776 को अमेरिकी स्वतंत्रता की घोषणा के साथ ही संयुक्त राज्य अमेरिका के 13 राज्यों के संयुक्त घोषणा पत्र में कहा गया कि ''हम इन तथ्यों को स्वयं सिद्ध मानते हैं कि सभी व्यक्ति समान बनाए गए हैं।''

68. 'आनुपातिक समानता का सिद्धांत किसने' प्रतिपादित किया?

(a) अरस्तू (b) रूसो
(c) मार्क्स (d) रॉल्स

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

'आनुपातिक समानता का सिद्धांत' राजनीतिक विज्ञान के जनक 'अरस्तू' ने प्रतिपादित किया है। इनके अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को समाज के सदस्य के रूप में उसका उचित भाग प्रदान करना चाहिए। राज्य को अपने नागरिकों के महत्व व योग्यता को दृष्टि में रखते हुए उनमें राजनीतिक पदों, सम्मानों, अन्य लाभों या पुरस्कारों का बंटवारा न्यायपूर्ण व आनुपातिक रूप में करना चाहिए, क्योंकि इसके विषम वितरण से राज्य में असंतोष उत्पन्न होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अरस्तू की प्रसिद्ध कृति ''पॉलिटिक्स'' (Politics) है। अरस्तू को 'संविधानवाद का जनक'' भी कहा जाता है।
- रूसो का प्रसिद्ध कथन है, '' मनुष्य स्वतंत्र उत्पन्न होता है और सर्वत्र वह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।''
- रूसो ने 'सामान्य इच्छा' का सिद्धांत प्रतिपादित किया।
- रूसो की प्रसिद्ध कृति 'सोशल कांट्रैक्ट' (Social Contract) है।
- जॉन रॉल्स की प्रसिद्ध रचना 'द थियरी ऑफ जस्टिस' है जिसके अंतर्गत वह वितरणात्मक न्याय का समर्थन करता है।

69. आनुपातिक समानता के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था-

(a) अरस्तू ने (b) लॉस्की ने

(c) रॉल्स ने (d) प्लेटो ने

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. अरस्तू द्वारा विकसित वितरणात्मक न्याय का सिद्धांत निम्न में से किस पर आधारित था?

(a) आनुपातिक समानता (b) समान स्वतंत्रता का कानून

(c) उपयोगिता का सिद्धांत (d) व्यावहारिकता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. आनुपातिक समानता के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया?

(a) अरस्तू (b) रूसो

(c) लॉक (d) रॉल्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. रूसो के राजनीतिक विचारों में निम्न में से किसका उल्लेख मिलता है?

(a) यथार्थ इच्छा (b) वास्तविक इच्छा

(c) सामान्य इच्छा (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. 'क्रांति का कारण सदैव असमानता में पाया जाता है।'' यह कथन किसका है?

(a) बार्कर (b) सेबाइन

(c) अरस्तू (d) सिनक्लेयर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

अरस्तू ने क्रांतियों के दो प्रकार के कारण बताए हैं- (1) सामान्य कारण, (2) विशिष्ट-कारण। अरस्तू ने सभी क्रांतियों के मूल में मनुष्य की समानता की कामना को पाता है। मनुष्य की सबसे तीव्र भूख समानता तथ्य न्याय की है, और जब उसकी यह भूख तृप्त नहीं होती, अपने चारों ओर विषमताओं का बोलबाला देखता है, तो वह अपने हाथ में तलवार उठा लेता है।

74. निम्नांकित में से कौन-सा व्यक्ति-स्वतंत्रता के लिए गलत है?

(a) सभी प्रतिबंधों का अभाव।

(b) कुछ खास प्रकार के प्रतिबंधों का लागू होना।

(c) कानून का शासन।

(d) सामाजिक व्यवहार के परिचालन के लिए कानून का क्रियान्वयन होना चाहिए।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

व्यक्ति की स्वतंत्रता को यदि सभी प्रतिबंधों के अभाव के रूप में परिभाषित किया जाए, तो यह स्वतंत्रता की नकारात्मक धारणा होगी। जो स्वतंत्रता बलवान और निर्बल, धनवान और निर्धन-सबको खुला छोड़ देती है, उसकी आड़ में बलवान निर्बल को और धनवान निर्धन को अवश्य सताएगा। निर्बल और निर्धन को सच्ची स्वतंत्रता दिलाने के लिए बलवान और धनवान पर प्रतिबंध लगाना होगा।

75. ''स्वतंत्रता इसके अलावा और कुछ नहीं है कि उस इच्छा को प्रोत्साहित करना जो विनम्र व्यक्तियों के अनुदिष्ट अंतःकरण पर आधारित हो''

-निम्नलिखित में से कौन-सा वाद इस वक्तव्य को मानता है?

(a) उदारवाद (b) समाजवाद

(c) बहुलवाद (d) फॉसीवाद

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

''स्वतंत्रता इसके अलावा और कुछ नहीं है कि उस इच्छा को प्रोत्साहित करना जो विनम्र व्यक्तियों के अनुदिष्ट अंतःकरण पर आधारित हो।'' यह कथन स्वतंत्रता की उदारवादी धारणा को अभिव्यक्त करता है। इसके अनुसार स्वतंत्रता की इच्छा व्यक्ति की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, जिससे उसके सामाजिक जीवन का निर्माण होता है तथा यह व्यक्तित्व के विकास की प्राथमिक शर्त है। उदारवाद के अनुसार, राज्य साधन है तथा व्यक्ति साध्य, अतः राज्य को व्यक्ति की इच्छा को प्रोत्साहित करते हुए उसकी स्वतंत्रता में वृद्धि करनी चाहिए।

76. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. राजनीतिक समता	**1. कानून के समक्ष समता**
B. सामाजिक समता	**2. शोषण का अंत**
C. आर्थिक समता	**3. एक व्यक्ति एक मत**
D. कानूनी समता	**4. भेदभाव का अंत**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	4	1	3	2

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की दोनों सूचियों का सुमेलन निम्न प्रकार का है-

सूची-I		सूची-II
राजनीतिक समता	–	एक व्यक्ति एक मत
सामाजिक समता	–	भेदभाव का अंत
आर्थिक समता	–	शोषण का अंत
कानूनी समता	–	कानून के समक्ष समता

77. समानता के संदर्भ में 'पुरस्कार के सिद्धांत' का निहितार्थ है-

(a) मेधा अथवा दक्षता के आधार पर कोई विभेद नहीं होना चाहिए।

(b) मेधा अथवा योग्यता पर अन्य की तुलना में यथोचित विचार किया जाना चाहिए।

(c) वंचितों को विशेषाधिकार।

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

समानता का तात्पर्य अक्षरशः समानता नहीं है। विशेष कार्य के लिए यदि विशेष पुरस्कार का प्रावधान न हो तो समाज महान कलाकृतियों, वैज्ञानिक खोजों और सुंदर विचारों से वंचित हो जाएगा। इसलिए दक्षता और योग्यता के आधार पर 'पुरस्कार के सिद्धांत' का समानता के विचार के साथ कोई विरोध नहीं है।

78. निम्नलिखित में से कौन-सा राजनीतिक दर्शन आर्थिक समानता को स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए आवश्यक मानता है?

(a) उदारवाद (b) अराजकतावाद

(c) मार्क्सवाद (d) सर्वाधिकारवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

मार्क्सवाद में श्रमिक व वंचित वर्ग को स्वतंत्र नहीं, बल्कि परतंत्र माना गया है क्योंकि उत्पादन के साधनों पर स्वामित्व पूँजीपति वर्ग के पास रहता है। आर्थिक समानता के बिना स्वतंत्रता कपोल-कल्पना है और आर्थिक समानता तभी प्राप्त की जा सकती हैं, जब उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण शोषित वर्ग के हाथ में आ जाएगा।

79. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है :

कथन (A) : समानता का अर्थ है किसी भी प्रकार की विशेष सुविधाएं समाप्त कर दी जानी चाहिए।

कारण (R) : मनुष्य और मनुष्य के मध्य कोई विभेद नहीं होना चाहिए।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता है।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

सभी प्रकार के विशेषाधिकारों को समाप्त कर देना ही समानता का उद्देश्य है जब समाज में विशेषाधिकारों का अंत कर दिया जाता है, तब ऊंच-नीच, धनी-निर्धन का कोई भेद नहीं रह जाता। ऐसे समाज को समानता पर आधारित समाज कहते हैं। मनुष्य और मनुष्य के बीच सभी प्रकार के भेदभाव समाप्त हो जाते हैं।

उपर्युक्त प्रश्न में (A) कथन और (R) कारण दोनों सही है तथा (A) कथन की सही व्याख्या करता है।

अधिकार

1. निम्नलिखित में से किस एक अधिकार को विधिक सामर्थ्य प्राप्त नहीं है?

(a) नैतिक अधिकार (b) नागरिक अधिकार

(c) राजनीतिक अधिकार (d) मौलिक अधिकार

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

नैतिक अधिकार व्यक्ति के अन्तःकरण और समाज की नैतिक चेतना पर आधारित होते हैं। राज्य न तो इस विषय पर कानून बना सकता है और न ही कोई दिशा निर्देश जारी कर सकता है। नैतिक अधिकार को विधिक सामर्थ्य प्राप्त नहीं है।

2. 'कर्तव्य का पालन कीजिए और अधिकार आपको स्वयं ही मिल जाएंगे।' यह कथन किसका है?

(a) वाइल्ड (b) महात्मा गांधी

(c) पं. नेहरू (d) लॉस्की

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

अधिकार और कर्तव्यों के पारस्परिक संबंध के बारे में गांधीजी का विचार था कि अधिकांशतः लोग अधिकारों की बात करते हैं, कर्तव्यों की नहीं। आगे वे कहते हैं कि मैंने अपनी अनपढ़ कर्मठ मां से यह सीखा कि आप अपने कर्तव्यों पर ध्यान दे, अधिकार स्वत; प्राप्त हो जाएंगे।

3. कौन सिद्धांत यह मानता है कि ''व्यक्तित्व का अधिकार व्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार है''?

(a) प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत
(b) अधिकारों का वैधानिक सिद्धांत
(c) अधिकारों का ऐतिहासिक सिद्धांत
(d) अधिकारों का प्रत्ययवादी सिद्धांत

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

व्यक्तित्व का अधिकार कांट के इस स्वतः सिद्ध तथ्य को मानकर चलता है कि मनुष्य होने के नाते प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के अनुरूप जीने का अधिकार है। कांट के समान ग्रीन जैसे प्रत्ययवादी विचारक व्यक्तित्व के अधिकार को व्यक्ति का सबसे महत्वपूर्ण अधिकार मानते हैं।

4. कौन-से अधिकारों को 'दूसरी पीढ़ी अधिकार' माना जाता है?

(a) आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार
(b) मूलभूत अधिकार
(c) नागरिक और राजनीतिक अधिकार
(d) मानव अधिकार

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों को 'दूसरी पीढ़ी के अधिकार' माना जाता है। यूरोप में उन्नसवीं सदी के सामाजिक सुधारों के दौरान इन अधिकारों की मांग की गई।

5. निम्नांकित में से कौन-सा कथन गलत है?

(a) अधिकार व्यक्ति की अन्तश्चेतना में अंतर्निहित है।
(b) अधिकार सावयविक रूप से कर्तव्यों से बंधे हैं।
(c) एक अर्थ में, अधिकारों का स्वरूप पूर्व सामाजिक है।
(d) चूंकि अधिकार मात्र अमूर्त इकाई नहीं है, इनके क्रियान्वित किए जाने की आवश्यकता होती है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

प्रत्येक अधिकार सामाजिक संदर्भ लिए होता है, वैयक्तिकता से इसका कोई संबंध नहीं होता है। अधिकार मांगों के रूप में प्रकट होते हैं, जिन्हें समाज में समर्थन प्राप्त होता है। राज्य की अनुमति प्राप्त होने के पश्चात इन्हें कानूनी संरक्षण प्राप्त हो जाता है।

6. ग्रीन के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा प्राकृतिक अधिकारों का स्रोत है?

(a) राज्य (b) समाज
(c) सामाजिक चेतना (d) विधि

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

ग्रीन प्राकृतिक अधिकारों को इसलिए स्वीकार करते हैं कि वे व्यक्तित्व के निर्माण की आवश्यक दशाएं हैं, न कि समाजहीन प्राकृतिक अवस्था में प्राप्त अधिकार जैसा कि लोक मानते थे। ग्रीन प्राकृतिक अधिकारों का आधार सामाजिक चेतना को मानते हैं। यह सार्वजनिक नैतिक चेतना है, जिसमें सामान्य हित की धारणा का समावेश होता है।

7. अधिकारों के ऐतिहासिक सिद्धांत की मूल विशेषता है?

(a) अधिकार प्राकृतिक रूप के होते हैं
(b) अधिकार राज्य की देन होते हैं
(c) राज्य समाज की देन है
(d) राज्य परंपराओं की देन है

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

अधिकारों के ऐतिहासिक सिद्धांत के अनुसार, अधिकार इतिहास के परिणाम होते हैं। वर्षों से जिन रीति-रिवाजों का हम पालन कर रहे होते हैं, वे ही रीति-रिवाज अधिकार के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार, अधिकार का निर्माण न तो राज्य द्वारा किया जाता है और न ही ये प्राकृतिक होते हैं, बल्कि धीरे-धीरे जिन रीति-रिवाजों के हम अभ्यस्त हो जाते हैं और समाज जिन्हें स्वीकार कर लेता है, वे ही अधिकार बन जाते हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

अधिकारों के सिद्धांत	विचार/मत
(a) प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत :	**अधिकार पूर्व-नागर और पूर्व-सामाजिक हैं**
(b) अधिकारों का वैधानिक सिद्धांत :	**अधिकार राज्य की कृति हैं**
(c) अधिकारों का ऐतिहासिक सिद्धांत :	**अधिकारी परम्पराओं की उपज हैं**
(d) अधिकारों का यथार्थवादी सिद्धांत :	**अधिकार मनुष्य की शक्तियाँ हैं**

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

स्पष्ट है कि अधिकारों का यथार्थवादी सिद्धांत नामक कोई सिद्धांत कभी प्रतिपादित नहीं किया गया है और न ही इस पर कोई विचार प्राप्त है। अतः विकल्प (d) सही सुमेलित नहीं है। शेष विकल्प सुमेलित हैं।

9. निम्नलिखित में से किसने अधिकारों को निजी तथा सार्वजनिक अधिकारों में विभाजित किया है?

(a) लॉक (b) बर्क

(c) मिल (d) स्पेंसर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

स्पेंसर का विचार है कि समान स्वाधीनता का अधिकार सभी व्यक्तियों का मौलिक अधिकार है। इसी मौलिक (प्राकृतिक) अधिकार से अन्य मौलिक अधिकारों की उत्पत्ति होती है। इन अधिकारों को स्पेंसर ने दो भागों में विभाजित किया-(i) निजी अधिकार (ii) सार्वजनिक अधिकार।

10. बर्क किस सिद्धांत का समर्थक था?

(a) नैसर्गिक अधिकार (b) ऐतिहासिक अधिकार

(c) कानूनी अधिकार (d) नैतिक अधिकार

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

बर्क प्राकृतिक अधिकारों की धारणा से सर्वथा असहमत था और उसका कथन था कि प्राकृतिक अधिकारों पर बल देना समाज में अराजकता उत्पन्न करना है। बर्क इन अधिकारों को राष्ट्र के लिए घातक समझता था और इन्हें 'राष्ट्रीय दृष्टि से अनुचित कार्य' (National Wrongs) कहा करता था। बर्क अप्रत्यक्ष रूप से अधिकारों के ऐतिहासिक सिद्धांत का समर्थक था।

11. ''हमारी सामाजिक व्यवस्था का न्याय मुख्यतः इस बात पर आधारित है कि समाज में मूलभूत अधिकार तथा कर्तव्य कैसे हैं तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक अवसर और सामाजिक परिस्थितियां कैसी हैं।'' यह किसने कहा है?

(a) अरस्तू (b) जॉन रॉल्स

(c) बार्कर (d) डायसी

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

उपरोक्त कथन जॉन रॉल्स का है। रॉल्स ने अपना संपूर्ण जीवन न्याय सिद्धांत की स्थापना में लगा दिया। उन्होंने अपने न्याय सिद्धांत को खड़ा करने के लिए अपने पूर्ववर्ती चिंतकों के विचारों को समझने का प्रयास किया। उन्होंने अपने सिद्धांत को समझौतावादियों के विचारों पर आधारित करते हुए उपयोगितावादियों के विचारों का खंडन किया। उन्होंने अपने सिद्धांत को नैतिक आधार प्रदान किया।

12. किसने कहा 'अधिकार विवेक पर आधारित वह मांग है जिसे समाज मान्यता देता है तथा राज्य द्वारा लागू किया जाता है''?

(a) टी.एच.ग्रीन (b) बोसांके

(c) एच.जे.लॉस्की (d) लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

अधिकार को परिभाषित करते हुए बोसांके ने लिखा है कि ''अधिकार वह मांग है जिसे समाज स्वीकार करता है और राज्य लागू करता है।'' अधिकार का अभिप्राय राज्य द्वारा व्यक्ति को दी गई कुछ कार्य करने की स्वतंत्रता या सकारात्मक सुविधा प्रदान करना है। इसी संदर्भ में अधिकार को परिभाषित करते हुए लॉस्की कहते हैं कि ''अधिकार सामाजिक जीवन की वे परिस्थितियां हैं, जिनके अभाव में सामान्यतः कोई भी व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का विकास नहीं कर पाता है।''

13. निम्नलिखित में से कौन संरचनावादी नहीं है?

(a) ग्रीन (b) दुर्खीम

(c) वेबर (d) मार्क्स

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

ग्रीन संरचनावादी नहीं हैं। दुर्खीम, वेबर, तथा मार्क्स ने समाज की संरचनाओं का विस्तार से वर्णन किया है। यह दृष्टिकोण इस मान्यता पर आधारित है कि राज्य के कृत्य समाज की संरचनाओं से निर्धारित होते हैं, राज्य-शक्ति का प्रयोग करने वाले लोगों के चरित्र से नहीं।

14. निम्नलिखित में से किसने 'कल्याणकारी राज्य' की अवधारणा को प्रतिपादित किया?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) टी.एच.ग्रीन (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

ग्रीन ने राज्य के कार्यों की व्याख्या नकारात्मक रूप में की। जिसमें उन्होंने कहा कि राज्य का कार्य है, 'बाधाओं को बाधित करना'। किंतु इस नकारात्मक भूमिका के बावजूद भी ग्रीन ने कहा कि यदि अशिक्षा, बेकारी, भुखमरी और शराबखोरी से लोगों का व्यक्तित्व नष्ट हो रहा है, तो राज्य को इसे समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए।

15. कौन-सा जर्मन चिंतक ग्रीन के विचारों से प्रभावित है ?

(a) हीगल (b) कांट

(c) फिक्टे (d) सभी

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर—(*)

राजनीतिक चिंतन के इतिहास में ग्रीन का समय हीगल, कांट एवं फिक्टे के पश्चात आता है। उपर्युक्त तीनों विचारकों' का प्रभाव ग्रीन के विचारों पर पड़ा है न कि उक्त विचारकों पर ग्रीन का। अतः उपर्युक्त प्रश्न गलत है।

16. निम्न में से कौन-सा एक कथन ग्रीन के बारे में गलत कहा गया है?

(a) राज्य समाजों में एक समाज है।

(b) ग्रीन बहुलवादी है।

(c) ग्रीन के अनुसार राज्य सभी अधिकारों और समायोजनों का अंतिम स्रोत है, इसलिए वह सभी समाजों में सर्वोच्च है ।

(d) ग्रीन के अनुसार राज्य की सर्वोच्चता प्राकृतिक अवस्था और संघ की प्रकृति से नियंत्रित है।

H.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

ग्रीन राज्य को बहुलवादी नहीं मानते । वह राज्य को अन्य समुदायों से उच्च स्थान देते हैं।

17. ''अधिकार सामाजिक जीवन की वे स्थितियां हैं जिनके अभाव में सामान्यतया कोई भी व्यक्ति अपना सर्वोच्च विकास नहीं कर सकता है।'' यह कथन किसका है?

(a) लॉस्की (b) मिल

(c) हॉब्स (d) बार्कर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

अधिकारों की व्याख्या करते हुए लॉस्की कहते हैं कि राज्य अधिकारों का संरक्षक है। स्वीकृति या संरक्षण मात्र से राज्य अपने को अधिकारों का निर्माता नहीं कह सकता। अधिकार सामाजिक जीवन की वे परिस्थितियां हैं जिनके बिना कोई मनुष्य अपने व्यक्तित्व का श्रेष्ठांश व्यक्त नहीं कर सकता।

18. ''नागरिक को काम करने का अधिकार है ..... उसे अस्तित्व के साधनों के अभिगमन से वंचित करने का आशय है उसे उस चीज से वंचित करना जो उसके व्यक्तित्व के विकास को संभव बनाती है।'' यह किसने कहा?

(a) बार्कर (b) सी.ई.एम. जोड

(c) लॉस्की (d) जे.एस. मिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

लॉस्की ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'A Grammar of Politics' में नागरिकों के काम करने के अधिकार का समर्थन करते हुए कहा कि इसके अभाव में नागरिक उन साधनों से वंचित हो जाएगा, जो उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक हैं।

19. ''अधिकार इसलिए लागू किए जाते हैं क्योंकि वे अधिकार हैं। वे अधिकार इसलिए नही हैं कि उसे लागू किया गया है।'' यह कथन संबंधित है अधिकारों के-

(a) कानूनी सिद्धांत से (b) नैसर्गिक सिद्धांत से

(c) आदर्शवादी सिद्धांत से (d) ऐतिहासिक सिद्धांत से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

अधिकारों का नैसर्गिक सिद्धांत इस मान्यता पर आधारित है कि मनुष्य के अधिकार राज्य से पहले हैं। ये अधिकार नागरिकों को जन्मजात प्राप्त होते हैं। ये अधिकार राज्य की देन नहीं हैं, वरन् ये तो स्वयं राज्य की शक्तियों को सीमित करते हैं। अतः इन्हें इसलिए लागू किया जाता है, क्योंकि वे अधिकार हैं। इनको कानूनी मान्यता की आवश्यकता नहीं होती है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही है?

(a) वैधानिक अधिकार सिद्धांत - हॉब्स, बेंथम, हेगेल, रूसो

(b) अधिकारों का आदर्शवादी सिद्धांत - जॉन लॉक, मिल्टन, मिल

(c) अधिकारों का ऐतिहासिक सिद्धांत - एडमंड बर्क, सर हेनरी मेन, सेविग्नी

(d) अधिकारों का समाज कल्याण सिद्धांत - लॉक, बर्क, मार्क्स, लेनिन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

अधिकारों के वैधानिक सिद्धांत के समर्थक ऑस्टिन, बेंथम, हॉब्स, हालैंड आदि विद्वान हैं। आदर्शवादी सिद्धांत के समर्थक क्रास, हेनरीची, ग्रीन, लॉस्की एवं कांट हैं। ऐतिहासिक सिद्धांत के समर्थक बर्क, हेगेल, हेनरीमेन एवं सेविग्नी हैं। समाज कल्याण सिद्धांत के समर्थक बेंथम, मिल, रास्को पाउंड, प्रो. चेफर आदि विद्वान हैं।

21. ''अधिकारों का महत्व केवल कर्तव्यों के संसार में ही होता है।'' यह किसका कथन है?

(a) लॉस्की का (b) हालैंड का

(c) वाइल्ड का (d) गेटल का

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

व्यक्ति के अधिकार और कर्तव्य दोनों घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। डॉ. बेनी प्रसाद ने इन्हें एक ही सिक्के के दो पहलू बताया है। ग्रे ने अधिकार को कर्तव्य का पूरक बताया है। इसी संदर्भ में वाइल्ड ने लिखा है कि 'अधिकारों का महत्व केवल कर्तव्यों के संसार में ही होता है।'' बिना कर्तव्य के अधिकार निरर्थक हो जाते हैं, इसीलिए महात्मा गांधी ने कहा था कि ''कर्तव्य का पालन कीजिए और अधिकार स्वतः ही आपको मिल जाएंगे।

22. ''जिन्हें हम सही तौर पर अधिकार कहते हैं, वे वास्तव में सही तौर पर कहलाए जाने वाले कानून की रचनाएं हैं।'' अधिकारों की यह परिभाषा किससे संबंधित है?

(a) हॉब्स (b) हीगेल
(c) बेंथम (d) लॉस्की

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

अधिकारों की उपरोक्त परिभाषा जेरेमी बेंथम से संबंधित है। बेंथम के अनुसार, ''अधिकार केवल कानूनों का फल है। बिना कानूनों के कोई अधिकार नहीं, कानूनों के खिलाफ कोई अधिकार नहीं तथा कानूनों से पहले कोई अधिकार नहीं''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बेंथम प्राकृतिक अधिकारों की कल्पना को नितांत घृणा और उपेक्षा की दृष्टि से देखता था।
- बेंथम के अनुसार, केवल उन्हीं अधिकारों के अस्तित्व को स्वीकार किया जा सकता है, जिन्हें राजकीय संरक्षण प्राप्त हो।
- बेंथम के अनुसार, 'अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख' का सिद्धांत ही निर्धारित करता है कि व्यक्ति को कौन-से अधिकार प्राप्त होने चाहिए।

23. 'पैन ऑप्टिकन' निम्नलिखित में से किसका आदर्श उदाहरण है?

(a) जेल (b) शिक्षा व्यवस्था
(c) कानून व्यवस्था (d) रसोई

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

'पैन आप्टिकन' जेरेमी बेंथम द्वारा अभिकल्पित एक प्रकार का संस्थानिक भवन है। पैन ऑप्टिकन दो शब्दों से मिलकर बना हैं -पैन और ऑप्टिकन पैन का मतलब कैदी और ऑप्टिकन का मतलब कैदियों पर नजर रखने वाला निगरानीकर्ता। अर्थात ऐसी जगह जहां कैदियों को रखा जाता है, वह स्थान जेल (Prison) है।

24. ''वास्तविक कानून उसका आदेश है जिसे दूसरों को आदेश देने का अधिकार प्राप्त है।'' यह कथन किसका है?

(a) हॉब्स (b) लॉक
(c) रूसो (d) बोदां

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

हॉब्स ने संप्रभुता सम्पन्न व्यक्ति (लेवियाथन) को कानून का स्रोत माना है। सामाजिक समझौते की प्रकृति के अनुसार लेवियाथन सबको आदेश देता है, किंतु किसी अन्य के आदेश को मानने के लिए बाध्य नहीं है। वास्तविक कानून उसका आदेश है, और उसे ही दूसरों को आदेश देने का अधिकार प्राप्त है।

25. व्यक्ति का वह अधिकार जो उसे सहज ही प्राप्त है जिससे उसे वंचित नहीं किया जा सकता और न उसे स्थानांतरित किया जा सकता है?

(a) स्वतंत्रता का अधिकार (b) प्राकृतिक अधिकार
(c) राजनैतिक अधिकार (d) सामाजिक अधिकार

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

मानव के सभी अधिकारों में जीवन का अधिकार सबसे अधिक मौलिक व आधारभूत अधिकार है। यह एक प्राकृतिक अधिकार है जो व्यक्ति को सहज ही प्राप्त है। इससे उसे वंचित नहीं किया जा सकता और न उसे स्थानांतरित किया जा सकता है। इस अधिकार के बिना अन्य किसी भी अधिकार की कल्पना नहीं की जा सकती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान का अनु. 21 (प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण) भी जीवन के अधिकार को संरक्षित करता है।
- राज्य का दायित्व है कि वह इस बात की व्यवस्था करे कि कोई दूसरा व्यक्ति या राज्य व्यक्ति के जीवन का अंत न कर सके।
- 'जीवन के अधिकार' के अंतर्गत ही 'आत्मरक्षा का अधिकार' भी निहित है।

26. वैधानिक अधिकारों के पीछे कौन-सी शक्ति है?

(a) कानून की शक्ति (b) नैतिकता की शक्ति
(c) न्यायालयों की शक्ति (d) नीतिशास्त्र की शक्ति

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(a)

अधिकारों के वैधानिक सिद्धांत के अनुसार, अधिकार प्राकृतिक या स्वाभाविक नहीं वरन कृत्रिम हैं। अधिकार राज्य की इच्छा और कानून के परिणाम होते हैं और एक व्यक्ति के केवल वे ही अधिकार हो सकते हैं, जिन्हें राज्य मान्यता प्रदान करता है। अतः मूलतः वैधानिक अधिकारों के पीछे कानून की शक्ति होती है।

27. निम्नलिखित में से कौन एक अधिकारों के कानूनी सिद्धांत का समर्थक नहीं है?

(a) हॉब्स (b) बेंथम

(c) जॉन आस्टिन (d) लॉक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

जॉन लॉक प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत का समर्थन करते हैं। लॉक के अनुसार कुछ अधिकार राज्य की उत्पत्ति से पहले, अर्थात प्राकृतिक दशा में विद्यमान थे। इन्हें ही प्राकृतिक अधिकार कहा जाता है। इन अधिकारों का सृजन राज्य ने नहीं किया बल्कि राज्य का जन्म इन अधिकारों की रक्षा के लिए हुआ है। जॉन लॉक ने ''जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार' को प्राकृतिक अधिकार कहा है।

28. अधिकारों के कानूनी सिद्धांत की वकालत करने का श्रेय जाता है-

(a) लॉक को (b) आस्टिन को

(c) पाउण्ड को (d) ग्रोशियस को

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(b)

अधिकारों के कानूनी सिद्धांत की यह मान्यता है कि अधिकार राज्य की देन हैं। प्रभुता सम्पन्न होने के कारण राज्य कानून निर्माण की अंतिम सत्ता है और अधिकारों का सृजन कानून के द्वारा होता है। आस्टिन इस तथ्य को स्वीकार करते हुए अधिकारों के कानूनी सिद्धांत का समर्थन करते हैं।

29. कौन-सा सिद्धांत मानता है कि अधिकार राज्य द्वारा निर्मित हैं?

(a) कानूनी (b) प्राकृतिक

(c) ऐतिहासिक (d) आदर्शवादी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. शिक्षा और सेवायोजन के अधिकार-

(a) तटस्थ हैं, नकारात्मक और सकारात्मक दोनों हैं

(b) प्रायः नकारात्मक, कभी-कभी सकारात्मक हैं

(c) नकारात्मक हैं

(d) सकारात्मक हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

शिक्षा एवं सेवायोजन के अधिकार सकारात्मक होते हैं।

अधिकार राज्य के अंतर्गत व्यक्ति को प्राप्त होने वाली ऐसी अनुकूल परिस्थितियां और अवसर हैं, जिनसे उसे आत्म-विकास में सहायता मिलती है।

अधिकार दो प्रकार के होते हैं-

1. नकारात्मक अधिकार एवं 2. सकारात्मक अधिकार

राज्य में व्यक्ति की जिन गतिविधियों पर राज्य की ओर से कोई प्रतिबंध नहीं होता, उन्हें नकारात्मक अधिकार कहते हैं। उदाहरणतः विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार।

वहीं दूसरी ओर सकारात्मक अधिकार यह संकेत देते हैं कि व्यक्ति को आत्म-विकास में सहायता देने हेतु राज्य की ओर से क्या-क्या व्यवस्था की गई है। उदाहरणतः चिकित्सा का अधिकार, रोजगार का अधिकार, कानूनी सहायता का अधिकार आदि सकारात्मक अधिकार हैं।

31. निम्नलिखित में से कौन अधिकारों का सर्वाधिक पुराना सिद्धांत है?

(a) अधिकारों का आर्थिक सिद्धांत

(b) अधिकारों का वैधानिक सिद्धांत

(c) प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धांत

(d) अधिकारों का आदर्शवादी सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

अधिकारों के संबंध में प्राकृतिक सिद्धांत सबसे अधिक प्राचीन है। इस सिद्धांतानुसार ''मानवीय अधिकार पूर्णतया प्राकृतिक और जन्मसिद्ध है। अधिकार उसी प्रकार मनुष्य की प्रकृति के अंग होते हैं जिस प्रकार उसकी चमड़ी का रंग। इनकी विस्तृत व्याख्या करने या औचित्य बताने की कोई आवश्यकता नहीं है, ये तो स्वयंसिद्ध हैं।''

32. अधिकार संबंधी सबसे पुराना सिद्धांत क्या है?

(a) नैतिक (b) प्राकृतिक

(c) ऐतिहासिक (d) कानूनी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. अन्य सभी अधिकार मूलतः निकले हैं-

(a) प्राकृतिक अधिकारों से (b) धार्मिक अधिकारों से

(c) व्यक्तिगत अनुक्रियाओं से (d) सामाजिक अधिकारों से

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

प्राकृतिक अधिकारों के विचार का इस्तेमाल राज्यों अथवा सरकारों के द्वारा स्वेच्छाचारी शक्ति के प्रयोग का विरोध करने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए किया जाता था। जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति का अधिकार प्राकृतिक अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। अन्य सभी अधिकार इन बुनियादी प्राकृतिक अधिकारों से ही निकले हैं।

34. शक्ति और प्राधिकार में निर्भेदक तत्व क्या है?

(a) संप्रभुता (b) वैधता

(c) श्रेष्ठता (d) उपयोगिता

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

शक्ति और प्राधिकार में प्रमुख निर्भेदक तत्व वैधता होती है। जब शक्ति को वैधता प्राप्त होती है, तब वह प्राधिकार या सत्ता का रूप धारण कर लेती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सत्ता या प्राधिकार किसी व्यक्ति, संस्था, नियम या आदेश का ऐसा गुण या क्षमता है, जिसके कारण उसे सही या प्रामाणिक मानकर उसके निर्देशों का पालन किया जाता है।

  वस्तुतः सत्ता के दो मुख्य घटक हैं- शक्ति (Power) एवं वैधता (Legitimacy)। किसी नियम या निर्णय की वैधता से यह संकेत मिलता है कि लोग उस नियमन या निर्णय को अपने लिए और सारे समाज के लिए उपर्युक्त और कल्याणकारी समझते हैं, इसलिए वे उसे मन से स्वीकार करते हुए उसका पालन करने को तैयार रहते हैं। समाज में व्यवस्था कायम रखने हेतु वैधता एवं शक्ति एक-दूसरे की पूरक भूमिका निभाते हैं।

35. निम्न में से कौन एक अधिकार का लक्षण नहीं है?

(a) कल्याणकारी स्वरूप (b) लोकहित में प्रयोग

(c) राज्य का संरक्षण (d) समाज का संरक्षण

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

अधिकार की सामान्य धारणा के आधार पर अधिकार के निम्नलिखित आवश्यक लक्षण कहे जा सकते हैं-

(1) सामाजिक स्वरूप, (2) कल्याणकारी स्वरूप, (3) लोकहित में प्रयोग, (4) राज्य का संरक्षण, (5) सार्वभौमिकता या सर्वव्यापकता। अतः स्पष्ट है कि 'समाज का संरक्षण' अधिकार का लक्षण नहीं है।

36. प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत की मान्यता है कि-

(a) अधिकार दैवीय रचना हैं।

(b) अधिकार पूर्व नागरिक समाज से आते हैं।

(c) अधिकार नरेश द्वारा मिले हैं।

(d) अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त हैं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत का समर्थन लॉक ने जोरदार तरीके से किया था। इन अधिकारों की अन्तर्निहित मान्यता है कि राज्य से पूर्व प्राकृतिक अवस्था में लोगों को यह अधिकार प्राप्त थे। राज्य के आवर्तन का उद्देश्य ही इन प्राकृतिक अधिकारों की रक्षा करना है।

37. प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत की पुष्टि की गई है-

(a) सभी उदारवादियों द्वारा

(b) केवल कुछ उदारवादियों द्वारा

(c) केवल जॉन लॉक द्वारा

(d) केवल जॉन स्टुअर्ट मिल द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

हॉब्स ने जीवन के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना तथा लॉक ने जीवन, स्वतंत्रता तथा संपत्ति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना। स्पेंसर ने स्वाधीनता के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना। इस प्रकार कुछ उदारवादियों द्वारा प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत की पुष्टि की गई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- थॉमस हॉब्स (1588-1679) प्रसिद्ध आंग्ल दार्शनिक एवं राजनीतिक विचारक थे।
- हॉब्स को 'आधुनिक राजदर्शन का जन्मदाता' कहा जाता है।
- बेंथम के उपयोगितावाद तथा ऑस्टिन के संप्रभुता सिद्धांत पर उसका प्रभाव स्पष्ट है।

38. लॉक के अनुसार प्रकृति के राज्य के लोग केवल इसका उपभोग करते थे-

(a) ईश्वरीय अधिकार (b) प्राकृतिक अधिकार

(c) कानूनी अधिकार (d) धार्मिक अधिकार

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

लॉक ने 'टू ट्रीटीज ऑफ गवर्नमेंट में प्राकृतिक अधिकारों का समर्थन करते हुए कहा कि लोग इनका उपभोग प्राकृतिक अवस्था में तो करते ही थे, राज्य के निर्माण के पश्चात भी इन अधिकारों का उपयोग जारी रहता है।

39. इन विचारकों में से कौन प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत से संबंधित है?

(a) लॉक (b) बेंथम

(c) ग्रीन (d) मार्क्स

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. निम्न में से किसने स्वीकार किया है कि व्यक्तियों ने राज्य में प्राकृतिक अवस्था के अपने प्राकृतिक अधिकारों के साथ प्रवेश किया?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

लॉक ने अपनी कृति 'Two Treatises of Government' में राज्य पूर्व प्राकृतिक अवस्था में लोगों के पास प्राकृतिक अधिकारों का होना स्वीकार किया है। सामाजिक समझौते के द्वारा जब राज्य का निर्माण होता है, तब राज्य का सदस्य बनने पर भी लोग अपने प्राकृतिक अधिकारों का परित्याग नहीं करते अपितु उन अधिकारों के साथ वह राज्य में प्रवेश करता है।

41. निम्न में से कौन-सा विचारक यह सुझाव देता है कि संपत्ति का अधिकार जीवन और स्वतंत्रता का आधार है?

(a) थॉमस हॉब्स (b) जे. रूसो

(c) जे.लॉक (d) जे.एस. मिल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

जॉन लॉक ने जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार की श्रेणी में रखा है। उन्होंने संपत्ति के अधिकार को इतना व्यापक माना है कि उसमें जीवन और स्वतंत्रता को भी सम्मिलित कर लिया है। जीवन और स्वतंत्रता का संरक्षण संपत्ति के अभाव में संभव नहीं है, अतः संपत्ति का अधिकार जीवन और स्वतंत्रता का आधार है।

42. निम्न में से किसने प्राकृतिक अधिकारों की अवधारणा को स्वीकार किया?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) बेंथम

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. लॉक ने निम्न अधिकारों में से किसे अपनी प्राकृतिक अधिकारों की अवधारणा में सम्मिलित नहीं किया है?

(a) जीवन का अधिकार (b) स्वतंत्रता का अधिकार

(c) संपत्ति का अधिकार (d) समानता का अधिकार

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. निम्न में से कौन-सा लॉक के अनुसार प्राकृतिक अधिकार नहीं है?

(a) जीवन का अधिकार

(b) संपत्ति का अधिकार

(c) स्वतंत्रता का अधिकार

(d) कार्य का अधिकार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. राजनीतिक अधिकारों में किसे सम्मिलित नहीं करते?

(a) मतदान

(b) सरकार का विरोध करना

(c) निर्वाचित होना

(d) काम पाना

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

मतदान, सरकार का विरोध करना, निर्वाचित होना आदि राजनीतिक अधिकारों में सम्मिलित हैं, जबकि 'काम पाना' इसमें सम्मिलित नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'जीविकोपार्जन एवं व्यवसाय करने की स्वतंत्रता,' रोजगार के संबंध में समान अवसर की प्राप्ति', संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों में सम्मिलित हैं।
- 'वोट देना' और 'वोट लेना' एक व्यक्ति का राजनीतिक अधिकार है जिसके लिए 'नागरिक' होना अनिवार्य है अर्थात 'नागरिक' राजनीतिक व्यक्ति है जो यथास्थिति स्थापित निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है और निर्वाचक के रूप में पंजीकृत है।

46. निम्न में से कौन प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत के प्रतिपादक हैं:

(1) बेंथम (2) थॉमस पेन (3) बर्क

कूट :

(a) 1, 2 (b) 1, 3

(c) 3 (d) 2

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(d)

बेंथम, कानूनी अधिकार सिद्धांत के समर्थक हैं। बर्क, ऐतिहासिक अधिकार सिद्धांत के समर्थक हैं। थॉमस पेन, प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत के प्रतिपादक (समर्थक) हैं। इस प्रकार सही उत्तर विकल्प (d) है।

तुलनात्मक राजनीति

1. ''जब मैं राजनीति विज्ञान शीर्षक के अंतर्गत श्रेष्ठ परीक्षा प्रश्नों को देखता हूं तो मुझे प्रश्नों पर नहीं, शीर्षक पर खेद होता है।'' यह किसका कथन है?

(a) काम्टे (b) बक्ल

(c) ब्राइस (d) मेटलैंड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

राजनीतिक विश्लेषण के आधार पर इस शब्द की अनिश्चितता और पूर्वानुमान न कर पाने की क्षमता को लेकर मेटलैंड ने कहा कि ''जब मैं राजनीति विज्ञान शीर्षक के अंतर्गत श्रेष्ठ परीक्षा प्रश्नों को देखता हूं तो मुझे प्रश्नों पर नहीं, शीर्षक पर खेद होता है।''

2. हॉब्स के अनुसार निम्न में से कौन-सा एक कानूनों पर प्रतिबंध के रूप में कार्य करता है?

(a) प्राकृतिक कानून

(b) दैवी कानून

(c) अंतरराष्ट्रीय कानून

(d) इनमें से कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

प्राकृतिक कानून बुद्धि द्वारा खोजा गया प्रत्यादेश है, जिसका उद्देश्य है 'आत्म-परिरक्षण'। कोई भी ऐसा कानून जो व्यक्ति के जीवन को संकट में डालता हो, उसका उल्लंघन किया जा सकता है। हॉब्स के अनुसार, प्राकृतिक कानून ऐसे कानूनों पर प्रतिबंध के रूप में कार्य करता है, जो कि लोगों के जीवन को हरण करने वाला हो।

3. तुलनात्मक राजनीति के क्षेत्र के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(a) तुलनात्मक राजनीति आदर्श राज्य की स्थापना करती है।

(b) तुलनात्मक राजनीति विश्व को कम भ्रांतिपूर्ण बनाती है

(c) तुलनात्मक राजनीति इस पूर्वाभास में मदद करती है कि विश्व किस ओर अग्रसर है।

(d) तुलनात्मक राजनीति उन संस्थाओं और प्रथाओं को बनाती है, जो हमारी अपनी से बेहतर या बदतर हैं।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

तुलनात्मक राजनीति आदर्श राज्य की स्थापना नहीं करती बल्कि वे तथ्य अवश्य प्रस्तुत करती है, जिनको अपनाकर कोई भी शासन प्रणाली और बेहतर दिशा में आगे बढ़ सके। तुलनात्मक राजनीति में अभी तक आदर्श राज्य का कोई स्वरूप नहीं हुआ है।

4. तुलनात्मक राजनीति के दृष्टिकोण के रूप में, संस्थापरकवाद इस तथ्य से सीमित है कि :

(i) शक्ति धारक जो निर्णय लेते हैं, वे संस्थागत मानकों द्वारा स्वीकृत होते हैं पर निर्धारित नहीं

(ii) सभी देशों में लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं होती है

(iii) सभी देशों में लिखित संविधान नहीं होता है

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल (i) (b) केवल (ii) और (iii)

(c) केवल (i) और (iii) (d) केवल (i) और (ii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

तुलनात्मक राजनीति के संस्थापक दृष्टिकोण के अनुसार जो निर्णय प्रक्रिया में भाग लेते हैं, वे संस्थागत मानकों द्वारा स्वीकृत होने के साथ-साथ निर्धारित भी होते हैं। अन्य कथन सत्य हैं।

5. निम्न में से तुलनात्मक राजनीति का उद्देश्य है :

(a) दार्शनिक लक्ष्य (b) वैज्ञानिक लक्ष्य

(c) शासन नीति के प्रयोग का लक्ष्य (d) उपरोक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उद्देश्य व लक्ष्य इस प्रकार हैं- दार्शनिक गंतव्य, वैज्ञानिक लक्ष्य, व्यावहारिक उपयोग के गंतव्य और शासन नीति में प्रयोग के लक्ष्य।

6. निम्न में से कौन-सी तुलनात्मक राजनीति के परंपरागत उपागम की विशेषता नहीं है?

(a) अनुभववादी अध्ययन (b) मानकीय अध्ययन

(c) औपचारिक संस्थागत अध्ययन (d) अवैज्ञानिक अध्ययन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन में पारंपरिक उपागमों में उपेक्षा हुई-

(a) सरकारों के अध्ययन की (b) आनुभविक अनुसंधानों की

(c) संस्थाओं के वर्णन की (d) संविधानों की तुलना की

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन में पारंपरिक उपागमों में आनुभविक तथ्यों पर जोर नहीं दिया गया और तथ्यों के सुनिश्चित परिमाणन का अभाव ही रहा। पारंपरिक उपागम में सरकारों का अध्ययन, संस्थाओं के वर्णन तथा संविधानों की तुलना पर बल दिया गया है।

8. ''तुलनात्मक राजनीति सब कुछ है या कुछ भी नहीं''-यह कथन है:

(a) मेकीडिस का (b) जी.के. रॉबर्ट्स का

(c) जीन ब्लोण्डेल का (d) स्प्रेंगलर का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

तुलनात्मक राजनीति विभिन्न परिवेश तथा विभिन्न देशों में राजनीतिक व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन करता है। इसके अध्ययन के विषय वस्तु को लेकर हमेशा संशय बना रहता है कि यह केवल राजनीतिक संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन है या इसमें राजनीतिक विकास, राजनीतिक आधुनिकीकरण, या सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक विकास आदि विषय को शामिल किया जाए। इसी विषय-वस्तु के संदर्भ में जी.के. रॉबर्ट्स ने अपनी शोध 'कम्परेटिव पोलिटिक्स टुडे' में लिखा है कि 'तुलनात्मक राजनीति या तो सब कुछ है या कुछ भी नहीं है।''

9. अध्यक्षात्मक शासन का सैद्धांतिक आधार है-

(a) शक्तियों का संतुलन (b) शक्तियों का पृथक्करण

(c) शक्तियों का एकीकरण (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

अध्यक्षात्मक शासन का सैद्धांतिक आधार शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत है जो शासन के विभिन्न अंगों में शक्तियों के वितरण से संबंधित है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत का अर्थ यह है कि शासन की शक्तियां, दायित्व एवं नियंत्रण किसी एक व्यक्ति या संस्था के हाथों में केंद्रित न रहें बल्कि वे शासन की विभिन्न शाखाओं में बंटे हों और ये शाखाएं एक दूसरे से स्वाधीन हों।

10. ''तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन सम-सामयिक राजनीति विज्ञान का हृदय है।'' यह किसने कहा?

(a) एम. कर्टिस (b) जी.के. रॉबर्ट्स

(c) जीन ब्लोण्डेल (d) आर.सी. मैक्रीडिस

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

वर्तमान समय में तुलनात्मक राजनीति में विभिन्न देशों की राजनीतिक व्यवस्थाओं यथा संसदात्मक- अध्यक्षात्मक, संघात्मक-एकात्मक, निर्णय निर्माण प्रक्रिया, शक्ति संरचना, तथा शासन प्रणालियों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा इसमें राजनीतिक विकास, राजनीतिक समाजीकरण, आधुनिकीकरण, सांस्कृतिकरण आदि का भी अध्ययन किया जाता है। इसके महत्व को देखते हुए एम. कार्टिस ने लिखा है कि ''तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन सम-सामयिक राजनीति विज्ञान का हृदय है।

11. तुलनात्मक राजनीति का प्रथम अग्रगामी विचारक कौन था?

(a) प्लेटो (b) अरस्तू

(c) मेकियावली (d) हॉब्स

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

तुलनात्मक राजनीति का प्रथम अग्रणी विचारक अरस्तू को माना जाता है। 158 संविधानों का तुलनात्मक अध्ययन करने के पश्चात अरस्तू ने यूनान के लिए अपेक्षाकृत बेहतर शासन प्रणाली की रूपरेखा बनाई थी।

12. सरकार का व्यवस्थित वर्गीकरण सर्वप्रथम प्रस्तुत किया गया था-

(a) प्लेटो द्वारा (b) अरस्तू द्वारा

(c) मैकियावेली द्वारा (d) मॉन्टेस्क्यू द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

सरकार का व्यवस्थित वर्गीकरण सर्वप्रथम अरस्तू द्वारा प्रस्तुत किया गया था। अरस्तू के वर्गीकरण का आधार यह था कि क्या किसी देश में सत्ता एक व्यक्ति के हाथ में रहती है, गिने-चुने लोगों या फिर बहुत सारे व्यक्तियों के हाथ में रहती है। अरस्तू का ध्येय इस वर्गीकरण के आधार पर 'आदर्श शासन-प्रणाली' की रूपरेखा प्रस्तुत करना था। यद्यपि अरस्तू से पूर्व प्लेटो ने अपने पुस्तक 'पॉलिटिक्स' या 'स्टेट्समैन' में राजनीतिक व्यवस्थाओं का वर्गीकरण किया था, किंतु अरस्तू को ही सर्वप्रथम वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित वर्गीकरण का श्रेय दिया जाता है।

13. निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन-सा संवैधानिक सरकार की प्रकृति को ठीक प्रकार स्पष्ट करता है?

(a) सीमित शासन

(b) व्यक्तियों के स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा

(c) व्यक्तियों के अधिकारों की सुरक्षा

(d) उपर्युक्त सभी

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

संवैधानिक सरकार के प्रमुख लक्षण-सीमित शासन, स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा, व्यक्ति के अधिकारों की सुरक्षा, संपत्ति का अधिकार, अनुबंध की स्वतंत्रता एवं कानूनों का समान संरक्षण आदि हैं।

14. कौन-सी समस्या तुलनात्मक राजनीति की समस्या नहीं है?

(a) परिवृत्यों की समस्या

(b) धार्मिक मतभेद की समस्या

(c) वैचारिक संरचना की समस्या

(d) भाषा और संस्कृति की विविधता की समस्या

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

तुलनात्मक राजनीति की प्रमुख समस्याएं हैं-प्रत्ययों की रचना एवं परिभाषा, अमूर्तीकरण के स्तर एवं वर्गीकरण, तथ्य एकत्रीकरण, मानकों-संस्थाओं व व्यवहार में अंतःसंबंध की समस्या और पृष्ठभूमि परिवर्त्यों की समस्या। प्रश्न में दी गई समस्याएं इन्हीं मुख्य समस्याओं की उप-समस्याएं हैं जिनमें से धार्मिक मतभेद की समस्या तुलनात्मक राजनीति की समस्या नहीं है।

15. राजनीतिक विकास का साधन है :

(a) राजनीतिक दल (b) क्रांतिकारी नेता

(c) राष्ट्रीयता की भावना (d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

राजनीतिक दल, क्रांतिकारी नेता एवं राष्ट्रीयता की भावना राजनीतिक विकास का साधन है।

सरकार के प्रकार संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक

1. त्रिशंकु संसद का तात्पर्य है-

(a) संसद में दो दलों का बहुमत

(b) संसद में एक दल का बहुमत

(c) संसद में तीन दलों का बहुमत

(d) संसद में किसी दल का बहुमत नहीं है।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

आम संसदीय चुनाव के पश्चात जब किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं होता है, तो ऐसी स्थिति को त्रिशंकु या लटकती हुई संसद कहा जाता है। इसका परिणाम होता है- चुनाव के पश्चात मिली जुली अर्थात गठबंधन की सरकार या पुनः नए निर्वाचन की घोषणा।

2. 'अल्पतंत्र का लौह नियम' सिद्धांत किसने दिया था?

(a) मोस्का (b) मिशेल्स

(c) परेटो (d) लासवैल

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

रॉबर्ट मिशेल्स ने अपनी प्रसिद्ध कृति 'पोलिटिकल पार्टी' में अल्पतंत्र के लौह सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। उन्होंने जर्मन डेमोक्रेटिक पार्टी का अध्ययन करने के उपरांत स्पष्ट किया कि समाज में भी संगठन हो उसका नेतृत्व गिने-चुने लोगों के हाथों में होता है। उनके अनुसार लोगों का बहुत बड़ा भाग सुस्त, उदासीन और राजनीतिक दृष्टि से तटस्थ होता है। शातिर लोग इस स्थिति का लाभ उठाकर नेतृत्व प्राप्त कर लेते हैं।

3. ''राजनीतिक चिंतन के लिए सामान्यतया एक्वीनास का कानून-विषयक विवेचन संभवतः उसकी महानतम देन है।'' यह कथन किसका है?

(a) डनिंग (b) गैटिल

(c) फास्टर (d) कोकर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

फ्रांसिस विलियम कोकर ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'रीडिंग इन पोलिटिकल फिलॉसाफी' में एक्वीनास के बारे में कहा कि राजनीतिक चिंतन के क्षेत्र में कानून-विषयक विवेचन उनकी महान देन है।

4. ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था के संदर्भ में ऐसा कहा जाता है कि

(a) राज्य अध्यक्ष के पास वीटो की शक्ति है।

(b) प्रधानमंत्री राज्य अध्यक्ष के प्रति उत्तरदायी है।

(c) संसद कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(d) संसद पर कैबिनेट (मंत्रिपरिषद) का वर्चस्व होता है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था में बहुमत प्राप्त राजनीतिक दल के द्वारा सरकार का निर्माण किया जाता है। अपने बहुमत के बल पर ही मंत्रिपरिषद का संसद पर वर्चस्व स्थापित हो जाता है। सामूहिक उत्तरदायित्व और व्हिप जारी करना जैसे प्रावधानों की वजह से संसद कैबिनेट पर नहीं बल्कि कैबिनेट संसद पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है।

नोट - ऐसा नहीं कहा जा सकता कि ब्रिटेन में राजा के पास वीटो पावर नहीं है, वीटो पावर तो है पर उसका उपयोग साम्राज्ञी ऐन के समय से नहीं हुआ है।

5. कौन-सी सरकार को उत्तरदायी सरकार के नाम से भी जाना जाता है?

(a) कुलीन तंत्र (b) संसदीय

(c) राजशाही (d) तानाशाही

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

कार्यपालिका और विधायिका के पारस्परिक संबंधों के आधार पर संसदीय और अध्यक्षात्मक शासन का विभाजन किया जाता है। संसदीय शासन में कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी होती है, इसलिए इसे उत्तरदायी सरकार के नाम से जाना जाता है।

6. यह कथन किसका है कि संसदीय शासन-प्रणाली में ''मंत्रिमंडलीय उत्तरदायित्व की ओट में नौकरशाही शासन करती है''?

(a) हर्मन फाइनर
(b) हेरोल्ड लॉस्की
(c) आइवर जेनिंग्स
(d) रैम्जे म्यूर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

लोकतांत्रिक संसदीय शासन प्रणाली में नौकरशाही की बढ़ती हुई शक्तियों के संदर्भ में यह कथन रैम्जे म्यूर का है। इन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'How Britain is Governed' में नौकरशाही की तुलना 'फ्रेन्कस्टींन' दानव से की है, जो अपने सृजनकर्ता को ही खा जाता है।

7. निम्नलिखित में से कौन-सी संसदीय नियंत्रण की विधि नहीं है?

(a) राष्ट्रपति का अभिभाषण
(b) संसदीय प्रश्न
(c) किसी विषय पर आधे घंटे की बहस
(d) बजट पर चर्चा

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

संसदीय साधारण निर्वाचन के पश्चात तथा प्रत्येक वर्ष सदन का सत्र प्रारंभ होने पर राष्ट्रपति दोनों सदनों के समवेत सभा के समक्ष अभिभाषण प्रस्तुत करता है। इस अभिभाषण का उद्देश्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करना होता है। राष्ट्रपति का अभिभाषण संसदीय नियंत्रण विधि के अंतर्गत नहीं आता है और न ही इस अभिभाषण के लिए राष्ट्रपति संसद के प्रति उत्तरदायी है।

8. भारत में कानूनी अधिसत्ता इसके अधीन है-

(a) संसद (b) उच्चतम न्यायालय
(c) राष्ट्रपति (d) निर्वाचक-गण

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

कानूनी संप्रभुत्ता का संबंध उस संस्था से है, जिसे अन्ततः कानून निर्माण का प्राधिकार प्राप्त है। भारत में कानून निर्माण के लिए अंतिम रूप से संसद उत्तरदायी है। अतः कानूनी प्रभुसत्ता इसी के अधीन है।

9. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप निम्न में से कौन-सा है?

(a) गणतंत्रीय, संघीय, अध्यक्षात्मक
(b) गणतंत्रीय, एकात्मक, संसदीय
(c) गणतंत्रीय, संघीय, संसदीय
(d) गणतंत्रीय, एकात्मक, अध्यक्षात्मक

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का स्वरूप गणतंत्रीय, संघीय, संसदीय है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संघात्मक संविधान के अंतर्गत मुख्यतया दो प्रकार की सरकारों की स्थापना की जा सकती है-संसदीय तथा अध्यक्षात्मक।
- भारतीय संविधान ने संसदीय सरकार की स्थापना की है।
- 'गणतंत्र' (लोकतंत्र) शब्द इस बात का परिचायक है कि भारत की सरकार की शक्ति का स्रोत भारत की जनता है।
- एक संघात्मक संविधान में सामान्यतया अग्रलिखित आवश्यक तत्व पाए जाते हैं-(1) शक्तियों का विभाजन (2) संविधान की सर्वोपरिता, (3) लिखित संविधान एवं (4) संविधान संशोधन की कठिन प्रक्रिया, (5) न्याय-पालिका का प्राधिकार।
- संघात्मक संविधान के उपर्युक्त वर्णित सभी आवश्यक तत्व भारतीय संविधान में विद्यमान हैं।

10. अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था के अंतर्गत कार्यपालिका के सदस्य

(a) विधायिका के दोनों सदनों से लिए जाते हैं
(b) लोकप्रिय सदन से लिए जाते हैं।
(c) किसी भी सदन के सदस्य नहीं होते।
(d) मंत्री बनने के पश्चात विधायिका के सदस्य बन जाते हैं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था में कार्यपालिका के सदस्य या अध्यक्ष विधानमंडल के अंग नहीं होते हैं। विधानमंडल उसके कार्यकाल में उनको पद से हटा नहीं सकती । कार्यपालिका भी विधानमंडल को समय से पहले भंग करने का निर्णय नहीं कर सकती ।

11. अध्यक्षात्मक प्रणाली में-

(a) संसद सरकार पर निर्भर करती है
(b) सरकार संसद से पूर्ण रूप से अलग होती है
(c) सरकार संसद पर निर्भर करती है
(d) न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं होती है

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में राष्ट्रपति कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है, अर्थात समस्त कार्यकारिणी शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है। राष्ट्रपति का निर्वाचन सीधे जनता द्वारा किया जाता है। कार्यपालिका अपनी अवधि तथा शक्तियों आदि के विषय में व्यवस्थापिका से स्वतंत्र होती है। मंत्रिमंडल के सदस्य विधान-मंडल के सदस्य नहीं होते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अध्यक्षात्मक प्रणाली में कार्यपालिका का प्रधान दलगत विवादों से मुक्त रहता है। उसकी कालावधि निश्चित होती है और सरकार में स्थायित्व होता है।
- अध्यक्षात्मक प्रणाली में कार्यपालिका का प्रधान अपने मंत्रिमंडल में पूरे देश से योग्यतम व्यक्तियों को नियुक्त कर सकता है। उसकी पसंद संसदीय प्रणाली की भांति केवल विधानमंडल में निर्वाचित प्रतिनिधियों तक ही सीमित नहीं रहती है।

12. सरकारों का वर्गीकरण संसदीय तथा अध्यक्षात्मक के रूप में किया जाता है

(a) विधायिका तथा कार्यपालिका के बीच संबंधों के आधार पर
(b) राजनीतिज्ञों तथा सिविल सेवकों के बीच संबंधों के आधार पर
(c) लिखित तथा अलिखित संविधानों के आधार पर
(d) कठोर तथा नमनीय संविधानों के आधार पर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली की मुख्य विशेषता है -

(a) कार्यपालिका का अध्यक्ष राष्ट्रपति होता है।
(b) राष्ट्रपति अपने मंत्रिपरिषद की नियुक्ति स्वयं करता है।
(c) राष्ट्रपति व्यवस्थापिका का विघटन नहीं कर सकता है।
(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली की मुख्य विशेषताएं निम्नवत हैं -
- कार्यपालिका संसद के प्रति उत्तरदायी नहीं है।
- वास्तविक और संवैधानिक कार्यपालिका अध्यक्ष में कोई अंतर नहीं।
- अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में मंत्री, राष्ट्रपति के समकक्ष नहीं होते। उनकी नियुक्ति और पदच्युति में राष्ट्रपति स्वतंत्र है।
- शक्ति पृथक्करण सिद्धांत के अनुरूप अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में कार्यपालिका और व्यवस्थापिका अन्तःसंबंधित नहीं हैं। अतः राष्ट्रपति व्यवस्थापिका का विघटन नहीं कर सकता है।

14. किसने 'अध्यक्षात्मक प्रणाली' पद का सर्वप्रथम प्रयोग किया?

(a) अब्राहम लिंकन (b) मॉन्टेस्क्यू
(c) वाल्टर बैजहॉट (d) मेडिसन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

'अध्यक्षात्मक प्रणाली' पद का प्रयोग सर्वप्रथम वाल्टर वैजहॉट ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The English Constitution' में किया था।

15. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में -

(a) कार्यपालिका का अध्यक्ष विधानसभा का सदस्य होता है।
(b) मंत्री भी विधानसभा के सदस्य होते हैं।
(c) कार्यपालिका अध्यक्ष व मंत्री विधानसभा के सदस्य नहीं होते।
(d) कार्यपालिका अध्यक्ष का चुनाव नहीं होता।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

कोई शासन प्रणाली अध्यक्षात्मक है या नहीं, इस प्रश्न का उत्तर कार्यपालिका और विधायिका के संबंधों पर आधारित है। अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत पर कार्य करती है। इसमें कार्यपालिका अध्यक्ष व मंत्री विधायिका के सदस्य नहीं होते हैं। अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में कार्यपालिका का अध्यक्ष वास्तविक अध्यक्ष होता है।

16. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में कार्यपालिका अध्यक्ष

(a) वास्तविक अध्यक्ष होता है।
(b) विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होता है।
(c) नामधारी अध्यक्ष होता है।
(d) वीटो की शक्ति नहीं होती है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. अध्यक्षात्मक व्यवस्था में राष्ट्रपति प्रधान है

(a) राज्य का (b) सरकार का
(c) राज्य तथा सरकार दोनों का (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति को राज्याध्यक्ष और शासनाध्यक्ष दोनों कहा जाता है। भारत और ब्रिटेन जैसे संसदीय व्यवस्था वाले राज्यों में राष्ट्रपति या राजा राज्याध्यक्ष होते हैं, जबकि प्रधानमंत्री सरकार का अध्यक्ष होता है। अध्यक्षात्मक व्यवस्था में एक ही व्यक्ति (राष्ट्रपति) राज्य का प्रधान और शासन का प्रधान दोनों होता है।

18. अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति

(a) व्यवस्थापिका से स्वतंत्र होता है।
(b) व्यवस्थापिका पर निर्भर होता है।
(c) न्यायपालिका पर आश्रित होता है।
(d) मंत्रिपरिषद की सलाह से बाध्य होता है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. अध्यक्षात्मक व्यवस्था में कैबिनट के सदस्य जिम्मेदार होते हैं-

(a) राष्ट्रपति के प्रति

(b) व्यक्तिगत रूप से विधायिका के प्रति

(c) सामूहिक रूप से विधायिका के प्रति

(d) मतदाताओं के प्रति

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

अध्यक्षात्मक प्रणाली में कैबिनेट के सदस्य राष्ट्रपति के प्रति जिम्मेदार होते हैं। राष्ट्रपति अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को नियुक्त करता है और उन्हें जब चाहे पदच्युत करता है।

20. अध्यक्षात्मक शासन-प्रणाली में मंत्रिमंडल (कैबिनेट) के सदस्य किसके प्रति उत्तरदायी होते हैं?

(a) राष्ट्रपति (b) व्यक्तिगत रूप से विधायिका

(c) सामूहिक रूप से विधायिका (d) निर्वाचक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. निम्नलिखित में से अध्यक्षात्मक सरकार किस देश में है?

(a) भारत में (b) संयुक्त राज्य अमेरिका में

(c) ब्रिटेन में (d) फ्रांस में

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में राष्ट्रपति कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है, अर्थात समस्त कार्यकारिणी शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है, संयुक्त राज्य अमेरिका में अध्यक्षात्मक सरकार है।

22. संसदीय सरकार जिसके अभाव में कार्य नहीं कर सकती वह है-

(a) लिखित संविधान

(b) कठोर (अनमनीय) संविधान

(c) राजनीतिक दल

(d) स्वतंत्र न्यायपालिका

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्थाओं में राजनीतिक दलों का आधारभूत स्थान रहता है। राजनीतिक दल ही राजनीतिक चेतना के केंद्र होते हैं। संसदीय सरकार में संपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया राजनीतिक दलों के आस-पास घूमती रहती है। संसदीय निर्वाचन में भाग लेना, बहुमत प्राप्त कर सरकार बनाना तथा अपनी नीतियों को कार्यान्वित करना राजनीतिक दलों का कार्य है।

23. संसदात्मक शासन प्रणाली व्यवस्था में -

(a) व्यवस्थापिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

(b) कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

(c) न्यायपालिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

संसदात्मक शासन प्रणाली में मुख्यतः कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है।

24. निम्न में से कौन-सा वह मुख्य सिद्धांत है जिस पर संसदीय प्रणाली निर्भर है?

(a) संसद की सर्वोच्चता

(b) व्यवस्थापिका के प्रति कार्यपालिका का उत्तरदायित्व

(c) न्यायपालिका की सर्वोच्चता

(d) शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. एक संसदीय सरकार में राज्य के प्रधान को है-

(a) पूर्ण शक्ति (b) सीमित शक्ति

(c) नाममात्र की शक्ति (d) कोई शक्ति नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

संसदीय सरकार में राष्ट्रपति सांविधानिक अध्यक्ष होता है, लेकिन वास्तविक शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है। मंत्रिपरिषद लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। इस प्रकार स्पष्ट है कि संसदीय शासन प्रणाली में वास्तविक कार्यपालिका शक्ति शासनाध्यक्ष के पास होती है, जबकि नाममात्र की कार्यपालिका शक्ति राज्याध्यक्ष के पास होती है। राज्याध्यक्ष देश का संवैधानिक प्रधान होता है।

26. संसदात्मक सरकार में कार्यपालिका अपने समस्त कार्यों तथा नीतियों के लिए उत्तरदायी होती है-

(a) राज्याध्यक्ष के प्रति

(b) लोक सभा के अध्यक्ष (स्पीकर) के प्रति

(c) न्यायपालिका के प्रति

(d) विधायिका के प्रति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. संघात्मक संविधान का प्रमुख लक्षण क्या है?

(a) एक स्थान से शासन का न होना।

(b) केंद्र सत्ता ही सब कुछ न हो।

(c) केंद्र व राज्य की दोहरी सरकारें।

(d) एक केंद्रीय शासन हो।

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

संघात्मक संविधान में सामान्यतया निम्नलिखित आवश्यक लक्षण (तत्व) पाए जाते हैं-

- **शक्तियों का विभाजन-** केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के मध्य शक्तियों का विभाजन संघात्मक संविधान का एक परमावश्यक तत्व है।
- **संविधान की सर्वोपरिता-** संविधान सरकार के सभी अंगों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) का स्रोत है। संविधान इनके अधिकार-क्षेत्र की सीमा निर्धारित करता है, अतः इन्हें संविधान द्वारा प्रदत्त अपने सभी अधिकारों और शक्तियों का प्रयोग संविधान द्वारा निर्धारित सीमा के अंदर ही करना होता है।
- **लिखित संविधान-** संघात्मक संविधान आवश्यक रूप से लिखित संविधान होता है। संविधान के लिखित होने से केंद्रीय और प्रांतीय सरकारें अपने अधिकारों का स्पष्ट ज्ञान रखती हैं तथा परस्पर विश्वास के साथ कार्य करती हैं।
- **संविधान की परिवर्तनशीलता-** लिखित संविधान स्वभावतः लचीला होता है। देश की सर्वोच्च विधि का लचीला होना आवश्यक भी है। इसका तात्पर्य है कि संविधान में समय और परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक परिवर्तन (संशोधन) किए जा सकें।
- **न्यायपालिका का प्राधिकार-** संघीय संविधान में केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के मध्य शक्तियों का विभाजन होता है। यह विभाजन लिखित संविधान द्वारा किया जाता है। इस शक्ति-विभाजन को बनाए रखना आवश्यक होता है ताकि ये सरकारें एक-दूसरे के अधिकार-क्षेत्र का अतिक्रमण न कर सकें। अतः इस लिखित संविधान के निर्वचन हेतु एक स्वतंत्र तथा निष्पक्ष संस्था की आवश्यकता होती है। संघीय संविधान में यह कार्य न्यायपालिका को सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि संघात्मक संविधान के उपर्युक्त वर्णित समस्त आवश्यक तत्व भारतीय संविधान में विद्यमान हैं।

28. भारत में किस कारण से शासन संघात्मक है?

(a) न्यायपालिका स्वतंत्र है।

(b) संविधान लिखित है।

(c) संविधान में संघ व राज्यों के मध्य शक्तियों का वितरण किया गया है।

(d) मंत्रिमंडल का सामूहिक उत्तरदायित्व है।

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. संसदात्मक तथा अध्यक्षात्मक रूप में सरकारों के वर्गीकरण का आधार है -

(a) केन्द्र-राज्य संबंध

(b) विधायिका-कार्यपालिका संबंध

(c) कार्यपालिका -न्यायपालिका संबंध

(d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

संसदात्मक और अध्यक्षात्मक सरकारों के वर्गीकरण का आधार विधायिका-कार्यपालिका संबंध है। संसदीय प्रणाली के अंतर्गत कार्यपालिका, विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी होती है। जबकि अध्यक्षीय शासन प्रणाली के अंतर्गत कार्यपालिका विधानमंडल के प्रति उत्तरदायी नहीं होती, न उसे विधानमंडल अपने पद से हटा सकती है।

30. निम्नलिखित में से कौन अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था की एक विशेषता नहीं है?

(a) इसमें दोहरी कार्यपालिका होती है।

(b) कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

(c) कार्यपालिका का निर्वाचन एक निश्चित अवधि के लिए होता है।

(d) उक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (प्रवक्ता) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

दोहरी कार्यपालिका अर्थात नाममात्र (संवैधानिक) की और वास्तविक कार्यपालिका, संसदीय शासन प्रणाली की विशेषता है। अमेरिका जैसे - अध्यक्षात्मक व्यवस्था वाले देशों में कार्यपालिका का विभाजन इस प्रकार नहीं होता है। ऐसी व्यवस्थाओं में एक ही प्रकार की कार्यपालिका पाई जाती है। संवैधानिक और वास्तविक कार्यपालक राष्ट्रपति ही होता है।

31. द्विसदनवाद निम्नलिखित शासन प्रणालियों में से किस एक की एक अनिवार्य विशिष्टता है?

(a) अध्यक्षात्मक व्यवस्था (b) संसदात्मक व्यवस्था

(c) संघात्मक व्यवस्था (d) एकात्मक व्यवस्था

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

द्विसदनवाद संघात्मक शासन प्रणाली की अनिवार्य विशिष्टता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- एक पूर्ण विकसित संघात्मक शासन प्रणाली की मुख्यतः निम्न विशेषताएं होती हैं-
- संविधान की सर्वोच्चता
- संघीय सरकार एवं संघ की इकाइयों के बीच शक्तियों का वितरण

- संघ एवं इकाइयों के मध्य विवादों के समाधान हेतु एक सर्वोच्च न्यायिक सत्ता।
- संघ द्वारा नीति निर्माण में राज्यों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु द्विसदनीय व्यवस्था आदि।

32. निम्नलिखित सरकारों की व्यवस्थाओं में दोहरा शासन किसका आवश्यक लक्षण है?

(a) अध्यक्षीय व्यवस्था
(b) संसदीय व्यवस्था
(c) संघीय व्यवस्था
(d) एकात्मक व्यवस्था

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के बीच शक्तियों का विभाजन संघात्मक संविधान का एक परमावश्यक तत्व है। संघीय व्यवस्था केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार के रूप में दोहरी शासन पद्धति की व्यवस्था करती है। संविधान के वे उपबंध जो संघीय व्यवस्था से संबंध रखते हैं, उनमें राज्य सरकारों की सहमति के बिना परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संघात्मक संविधान के अंतर्गत मुख्यतया दो प्रकार की सरकारों की स्थापना की जा सकती है- संसदीय तथा अध्यक्षात्मक।
- अमेरिका की सरकार अध्यक्षात्मक है। वहां का राष्ट्रपति कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है, अर्थात समस्त कार्यकारिणी शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है।
- भारतीय संविधान ने संसदीय सरकार की स्थापना की है।
- संविधान को मुख्यतया दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है- परिसंघात्मक तथा एकात्मक।
- एकात्मक संविधान वह है जिसके अंतर्गत सारी शक्तियां एक ही सरकार में निहित होती हैं, जो प्रायः केंद्रीय सरकार होती है।
- परिसंघात्मक संविधान वह है जिसमें शक्तियों का केंद्र व राज्यों में विभाजन रहता है। इसमें दोनों सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं।

33. निम्नलिखित में से कौन भारत में एकात्मक विशेषता का समर्थन नहीं करता?

(a) अखिल भारतीय सेवाएं
(b) एकल नागरिकता
(c) आपातकालीन प्रावधान
(d) औपचारिक प्रधान के रूप में राष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

भारतीय संविधान ने भारत में संसदीय सरकार की स्थापना की है। अमेरिका में सरकार का स्वरूप अध्यक्षात्मक है। संसदीय सरकार में राष्ट्रपति सांविधानिक अध्यक्ष होता है, लेकिन वास्तविक शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है। इस प्रकार मात्र औपचारिक प्रधान के रूप में राष्ट्रपति, भारत में एकात्मक विशेषता का समर्थन नहीं करता।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यद्यपि अनु. 53 द्वारा संघ की कार्यपालिका-शक्ति राष्ट्रपति में निहित की गई है, लेकिन अनु. 74 में यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि वह उसका प्रयोग मंत्रिपरिषद की सहायता और मंत्रणा से ही करेगा।
- अनु. 73 केवल संघ की कार्यपालिका शक्ति के विस्तार का उल्लेख करता है जिसके अनुसार, संघ की कार्यपालिका-शक्ति का विस्तार उन विषयों से संबंधित होगा जिन पर संसद को विधि बनाने की शक्ति है।
- सामान्यतया कार्यपालिका-शक्ति का उन राजकीय कार्यों से तात्पर्य है जो विधायी और न्यायिक कार्यों को निकालने के पश्चात शेष बचते हैं।

34. निम्न में से कौन-सी विशेषता एकात्मक शासन व्यवस्था की नहीं है?

(a) प्रशासनिक एकता
(b) प्रशासनिक शक्ति संपन्नता
(c) राष्ट्रीय एकता
(d) राष्ट्रीय एकता एवं स्थानीय स्वशासन में समन्वय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

एकात्मक शासन प्रणाली में राष्ट्रीय एकता एवं स्थानीय स्वशासन का समन्वय एक गंभीर समस्या है। इन समस्या के समाधान के लिए ही संघीय शासन व्यवस्था को उपयोगी माना जाता है। एकात्मक शासन के बारे में कहा जाता है कि केन्द्रीय सत्ता में रक्त की अधिकता है और स्थानीय संस्थाएं रक्ताभाव से पीड़ित हैं।

35. किसने एकात्मक राज्य की परिभाषा ''एक केंद्रीय सरकार के अंतर्गत संगठित'' राज्य के रूप में दी?

(a) स्ट्रांग (b) गार्नर
(c) विलोबी (d) फाइनर

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

बहुत से देशों (जैसे-ब्रिटेन, फ्रांस, चीन) में एकात्मक शासन विद्यमान है, जिसकी मुख्य विशेषता एक केन्द्रीय शासन के हाथों में सारी शक्तियों का केन्द्रीकरण है। सी.एफ. स्ट्रांग के अनुसार ''एकात्मक राज्य वह है जो एक केंद्रीय सरकार के अधीन संगठित होता है तथा केंद्रीय सरकार अपने

अंगों को विशेष शक्ति प्रदान करने वाले किसी भी कानून द्वारा आरोपित प्रतिबंधों से मुक्त होने के नाते समग्र राजनीतिक संगठन पर सर्वोच्च होती है।''

एकात्मक राज्य की अन्य परिभाषाएं-

- **फाइनर-** ''एकात्मक राज्य वह है, जिसमें शासन सत्ता एवं शक्ति एक केंद्र में निहित रहती है और जिसकी इच्छा एवं उसके अधिकारी समस्त क्षेत्र पर कानूनन सर्वशक्तिमान होते हैं।''
- **डायसी-** ''एक केन्द्रीय शक्ति के द्वारा सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग किया जाना ही एकात्मक शासन है।''

36. एकात्मक व्यवस्था का मुख्य लक्षण है

(a) शक्तियों का केन्द्रीकरण (b) शक्तियों का विकेन्द्रीकरण

(c) दोहरी नागरिकता (d) अस्थायित्व

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

शक्तियों का केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण क्रमशः एकात्मक और संघात्मक शासन प्रणाली का मूल लक्षण है। डायसी के अनुसार, ''एक केन्द्रीय सत्ता के द्वारा सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग किया जाना ही एकात्मक शासन है।'' एकात्मक शासन प्रणाली में एक केन्द्रीय सत्ता सर्वोच्च शक्ति का प्रयोग करती है, अन्य अभिकरण अपनी शक्ति के लिए उस केन्द्रीय सत्ता पर निर्भर रहते हैं।

37. ''वह राज्य जिसमें समस्त सत्ता एवं शक्ति एक केन्द्र में निहित हो और जिसके प्रतिनिधि तथा जिसकी इच्छा वैधानिक रूप से सर्वव्यापी हों'', जानी -जाती है

(a) एकात्मक सरकार के रूप में

(b) संघात्मक सरकार के रूप में

(c) संसदात्मक सरकार के रूप में

(d) अध्यक्षात्मक सरकार के रूप में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

एकात्मक शासन व्यवस्था में शासन की संपूर्ण शक्ति संविधान द्वारा एक केन्द्रीय सरकार में निहित की जाती है तथा शक्ति के प्रयोग में केन्द्रीय सरकार की सर्वोपरि होती है। विविध प्रादेशिक सरकारें व स्थानीय सरकारें प्रशासकीय कुशलता के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित की जाती हैं, जो इन्हें आवश्यक सत्ता प्रदान करती हैं और इन पर पूर्ण नियंत्रण रखती है।

38. ''एकात्मक सरकार में कानून बनाने की सत्ता सतत रूप से एक केन्द्रीकृत शक्ति में निहित होती है।'' यह कथन किसका है?

(a) फाइनर (b) गार्नर

(c) विलोबी (d) डायसी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

ए. वी. डायसी ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Introduction to the Study of Law and the constitution' में ब्रिटिश पार्लियामेंट की कानून निर्माण की शक्ति को देखते हुए उपर्युक्त कथन को उद्धृत किया।

39. निम्नलिखित में से कौन एक एकात्मक राज्य है?

(a) यू.एस.ए. (b) भारत

(c) ऑस्ट्रेलिया (d) यू.के.

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

एकात्मक राज्य में सरकार की एक ही इकाई होती है, जिसका क्षेत्राधिकार पूरा प्रदेश होता है। प्रदेश को छोटी-छोटी सरकारी इकाइयों में विभाजित किया जा सकता है, जिन्हें सीमित शक्तियां प्राप्त होती हैं। ये शक्तियां उन्हें केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की जाती हैं। अतः सरकारी विभागों के अपने क्षेत्रीय कार्यालय होते हैं जिनका एकमात्र लक्ष्य प्रशासनिक सुविधा प्राप्त करना होता है। नगर के कार्यों के निष्पादन के लिए स्थानीय संस्थाएं होती हैं और सरकारी निर्णयों को लागू करने हेतु संबंधित विभागों के क्षेत्रीय अभिकरण होते हैं। यू.के. की काउंटीज तथा फ्रांस के विभाग इस प्रकार की स्थानीय सरकार की प्रशासनिक इकाइयों के उदाहरण हैं। अतः यू.के. एक एकात्मक राज्य है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्यों का संघ भारत एक संपूर्ण प्रभुतासंपन्न, समाजवादी, धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य है, जिसमें संसदीय प्रणाली की सरकार है। संसदीय सरकार के संविधान का ढांचा एकात्मक विशेषताओं के साथ-साथ संघात्मक भी है।
- भारतीय संविधान में विधायी शक्तियां संसद एवं राज्य विधान सभाओं में विभाजित की गई हैं तथा शेष शक्तियां संसद को प्राप्त हैं।
- ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रमंडल संघीय शक्ति विभाजन पर आधारित एक संवैधानिक प्रजातंत्र है।
- अमेरिका में संघात्मक व्यवस्था तथा अध्यक्षात्मक शासन है।

40. निम्न युग्मों में से कौन-सा युग्म गलत है?

(a) संसदात्मक शासन व्यवस्था - ब्रिटेन, भारत, जर्मनी

(b) अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था - अमेरिका, ब्राजील, लैटिन अमेरिका के राज्य, दक्षिण अफ्रीका

(c) संघात्मक शासन व्यवस्था - इंग्लैंड, जापान, चीन, फ्रांस

(d) एकात्मक शासन व्यवस्था - ब्रिटेन, फ्रांस, चीन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

चीन तथा फ्रांस में एकात्मक व्यवस्था है। ब्रिटेन तथा जापान में संसदीय व्यवस्था है। इस प्रकार विकल्प (c) असत्य है, जबकि अन्य विकल्प सत्य हैं।

41. कौन-सा देश अध्यक्षात्मक व संसदीय प्रणालियों का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है?

(a) भारत (b) कनाडा

(c) फ्रांस (d) इंग्लैंड

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

1958 में फ्रांस के पांचवें गणतंत्र का संविधान कार्यपालिका के स्थायित्व की व्यवस्था, अध्यक्षात्मक व्यवस्था के अनुरूप करने के उद्देश्य से प्रेरित रहा। इस संविधान में दो विरोधी सिद्धांतों- स्थायित्व व उत्तरदायित्व को मिलाने का प्रयत्न किया गया है। यह अध्यक्षात्मक एवं संसदीय प्रणाली का मेल करके एक ऐसा प्रतिमान प्रस्तुत करता है, जिसे फ्रांस के लेखक 'प्रेसिडेन्शियालिस्ट' व्यवस्था कहकर पुकारते हैं।

42. यह किसका कथन है कि ''संविधान सरकार के निरंकुश कार्यों को सीमित करता है''?

(a) डायसी (b) रूसो

(c) गार्नर (d) स्ट्रांग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

किसी भी देश का संविधान वहां की राजनीतिक प्रक्रिया के लिए वैध ढांचा प्रस्तुत करता है। सी.एफ. स्ट्रांग ने संविधान का लक्ष्य स्वीकार करते हुए कहा कि ''संविधान सरकार के निरंकुश कार्यों को सीमित करता है।''

43. ''संविधान विहीन राज्य, एक राज्य नहीं होगा, अपितु एक प्रकार की अराजकता की व्यवस्था होगी।'' यह कथन है-

(a) अरस्तू का (b) ब्राइस का

(c) जेलिनेक का (d) डायसी का

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

एक अच्छे संविधान की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए जेलिनेक का कथन है कि संविधान विहीन राज्य, न होकर एक प्रकार की अराजकता है।

संघवाद

1. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : संघीय व्यवस्था में आवश्यक रूप से स्वतंत्र न्यायपालिका का विधान है।

कारण (R) : यह केंद्र तथा इकाइयों के बीच उत्पन्न विवाद का समाधान करती है।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

संघीय व्यवस्था में संविधान में केंद्र एवं इकाइयों के मध्य विभाजन होता है। शक्तियों के स्पष्ट विभाजन के बावजूद भी विवाद के अनेक कारण बने रहते हैं। अत: विवादों का निष्पक्ष निस्तारण हो सके इसलिए स्वतंत्र न्यायपालिका की आवश्यकता होती है। उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, तथा कारण (R), कथन (A) की व्याख्या कर रहा है।

2. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : संघात्मक ढांचे में केंद्रीय सरकार का शक्तिशाली होना स्वाभाविक है।

कारण (R) : शक्तिशाली केंद्र के लिए पांच कारक उत्तरदायी हैं यथा-युद्ध राजनीति, मंदी की राजनीति, तकनीक की राजनीति, आर्थिक अनुदान की राजनीति एवं दलीय राजनीति।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, पर (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

अनेक ऐसे बाह्य और आंतरिक कारण होते हैं, जो संघात्मक शासन प्रणाली में केंद्रीय सरकार को शक्तिशाली बनाते हैं यदि केंद्र शक्तिहीन होगा, तो वह उक्त कारणों का समाधान नहीं कर पाएगा। भारत एवं अमेरिका सहित सभी संघात्मक प्रणालियों में युद्ध, अर्थव्यवस्था, तकनीकी, आर्थिक सहायता एवं दलीय राजनीति के कारण केंद्रीय सरकारें शक्तिशाली बनी हुई हैं। इस प्रकार उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर विकल्प (a) सत्य है।

3. भारतीय संघीय व्यवस्था की विशेषता है-

1. शक्तियों का बंटवारा **2. शक्तियों का पृथक्करण**

3. स्वतंत्र न्यायपालिका **4. प्रधानमंत्री का नेतृत्व**

(a) 2 और 3 (b) 1 और 4

(c) 1 और 3 (d) 1 और 2

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

भारतीय संघीय व्यवस्था में शक्तियों का विभाजन तथा स्वतंत्र न्यायपालिका जैसे विशेषताएं विद्यमान हैं। शक्तियों का पृथक्करण अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली की विशेषता है, जबकि प्रधानमंत्री का नेतृत्व संसदीय शासन प्रणाली में पाया जाता है।

4. संघात्मक व्यवस्था का मुख्य लक्षण है-

(a) प्रांतीय सरकारें सर्वोच्च होती हैं।

(b) राजनीतिक दल सर्वोच्च होते हैं।

(c) शक्तियों का एकत्रीकरण होता है।

(d) संविधान की सर्वोच्चता।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

संघात्मक शासन प्रणाली में केंद्र एवं इकाइयों के बीच शक्तियों के विभाजन का स्रोत संविधान है। इसलिए इस प्रकार की शासन प्रणाली में संविधान को सर्वोच्च माना जाता है।

5. निम्नलिखित में से संघीय शासन की क्या विशेषता है?

(a) अलिखित संविधान

(b) इकहरी नागरिकता

(c) एक सदनीय विधायिका

(d) केंद्र तथा इकाई के बीच शक्तियों का विभाजन

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्नलिखित में से क्या भारतीय संघवाद का अनिवार्य लक्षण नहीं है?

(a) एकात्मक सरकार

(b) शक्तियों का विभाजन

(c) संविधान की सर्वोच्चता

(d) न्यायालयों का प्राधिकार

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

भारतीय संघवाद के अनिवार्य लक्षणों में एकात्मक सरकार सम्मिलित नहीं है। भारत में दोहरी सरकार है। राज्य की सरकार एवं केंद्र की सरकार। इन दोनों सरकारों के मध्य ही शक्तियों का विभाजन होता है। दोनों ही सरकारें संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एक-दसरे से स्वतंत्र हैं।

7. शब्द 'फेडरेलिज्म', 'फोडस' से ग्रहण किया गया है। यह किस भाषा से लिया गया है?

(a) स्पेनिश (b) लैटिन

(c) फ्रेंच (d) अंग्रेजी

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(b)

'फेडरेलिज्म' शब्द लैटिन भाषा के 'फोडस' (Foedus) से ग्रहण किया गया है।

8. निम्नलिखित में से अमेरिका की संघ राज्य पद्धति की विशेषता नहीं है-

(a) शक्ति का विभाजन

(b) सर्वोच्च न्यायालय का अस्तित्व

(c) न्यायिक संगठन के तीन समुच्चय

(d) लिखित संविधान

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

अमेरिकी संविधान में शक्ति का विभाजन, सर्वोच्च न्यायालय का अस्तित्व तथा लिखित संविधान आदि विशेषताएं हैं, किंतु न्यायिक संगठन के तीन समुच्चय इसकी विशेषता नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

फिलाडेल्फिया सम्मेलन (1787 ई.) के माध्यम से अमेरिका के जिस संविधान का निर्माण हुआ उसकी निम्न विशेषताएं हैं-

- लिखित संविधान,
- संघात्मक संविधान,
- अवरोध एवं संतुलन का संबंध सरकार के तीन अंगों के मध्य,
- अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली,
- अत्यधिक संक्षिप्त संविधान (मात्र-7 अनुच्छेद थे मूल संविधान में),
- अनम्य संविधान,
- प्रतिनिधि गणराज्य,
- न्यायिक सर्वोच्चता,
- शक्ति विभाजन का सिद्धांत,
- मौलिक अधिकार,
- संविधान की सर्वोच्चता,
- जनता की प्रभुत्वशक्ति-संपन्नता,
- लूट प्रथा (Spoil System),
- दोहरी नागरिकता।

9. संघीय व्यवस्था में प्रायः निम्न की आवश्यकता होती है-

(a) लिखित संविधान और शक्ति विभाजन
(b) लिखित संविधान और संसदीय संप्रभुता
(c) मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक सिद्धांत
(d) मौलिक अधिकार और कर्तव्य

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. निम्नलिखित में से कौन-सी एक संघवाद की विशेषता नहीं है?

(a) दोहरी सरकार
(b) दोहरी नागरिकता
(c) संघ से अलग होने का अधिकार
(d) शक्तियों का विभाजन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

संघ से विलग होने का अधिकार किसी भी संघात्मक प्रणाली की विशेषता नहीं है। सोवियत रूस जैसे महापरिसंघ वाली व्यवस्थाओं में इकाइयों को यह अधिकार प्राप्त था। दोहरी नागरिकता के संबंध में यह विवाद का विषय है कि इसे संघात्मक व्यवस्था की विशेषता माना जाए या नहीं। भारत और कनाडा में इकहरी नागरिकता है, फिर भी में संघात्मक व्यवस्थाएं हैं। इस संबंध में यह माना जाता है कि दोहरी नागरिकता संघात्मक प्रणाली के विशेषता तो है, परंतु मूल विशेषता नहीं है।

11. सहयोगी संघवाद का उदाहरण है-

(a) अमेरिका (b) नाइजीरिया
(c) स्विट्जरलैंड (d) कनाडा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

सहयोगी संघवाद का उदाहरण अमेरिकी संघ है, क्योंकि यहां पर राज्यों ने आपस में मिलकर संघ की रचना की है।

12. निम्नलिखित में से कौन एक भारतीय संघवाद को 'सहयोगी संघवाद' के रूप में परिभाषित करता है?

(a) मोरिस जोन्स (b) के.सी. व्हेयर
(c) लिविंगस्टोन (d) ग्रानविल आस्टिन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

ग्रेनविल आस्टिन ने अपनी पुस्तक 'द इंडियन कान्स्टीट्यूशन' में भारतीय संघवाद को 'सहयोगी संघवाद' के रूप में परिभाषित किया है। इसके अनुसार भारत में प्रबल केंद्रीय सरकार है। फिर भी इसका परिणाम यह नहीं कि प्रांतीय सरकारें कमजोर होकर केंद्रीय राजनीति के प्रशासनिक अभिकरण मात्र ही बन जाएं।

13. भारतीय और अमेरिकी संघवाद में जिस एक बिंदु पर समानता पाई जाती है, वह है-

(a) अवशिष्ट शक्तियों का केंद्र के पास होना
(b) अवशिष्ट शक्तियों का राज्य के पास होना
(c) कुछ विषयों में समवर्ती अधिकार का होना
(d) केंद्र और राज्य के बीच विवाद होने पर सर्वोच्च न्यायालय का पंचायत करना

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

भारतीय एवं अमेरिकी संघवाद में केंद्र एवं राज्य के मध्य विवाद होने पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उसे सुलझाया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पूर्ण विकसित संघात्मक शासन प्रणाली में तीन विशेषताएं अनिवार्यतः पाई जाती हैं-

I. संविधान की सर्वोच्चता,
II. संघीय सरकार एवं संघ की इकाइयों के मध्य शक्तियों का वितरण,
III. एक सर्वोच्च न्यायिक सत्ता का अस्तित्व ताकि संघ एवं उसकी इकाइयों के बीच कोई विवाद पैदा होने पर वह उनका समाधान कर सके।

14. भारतीय संघवाद अमरीकी संघवाद के इसलिए निकट है, क्योंकि दोनों देशों में-

(a) अवरोध तथा संतुलन प्रणाली है।
(b) एक सर्वोच्च न्यायालय है।
(c) राष्ट्रपति वास्तविक सर्वोच्च कार्यपालक है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. निम्नलिखित में से किसने भारतीय संघवाद को ''सौदेबाजी का संघ'' कहा है?

(a) मॉरिस जोन्स (b) ग्रेनविल ऑस्टिन
(c) मारक्स एफ. फ्रांडा (d) के.सी. व्हीयर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

मॉरिस जोन्स ने अपनी कृति 'इंडियन गवर्नमेंट एण्ड पोलिटिक्स' में कहा कि भारतीय संघ व्यवस्था के अंतर्गत केंद्र तथा राज्य सरकार विधि निर्माण का कार्य अपने क्षेत्राधिकार में करती हैं। इसके सफलतापूर्वक संचालन के लिए केंद्र तथा राज्य दोनों ही सरकारों के कानूनी अधिकारों में सामन्जस्य भी अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। इसी प्रक्रम में दोनों के बीच सौदे-बाजी भी चलती रहती है।

16. निम्नलिखित में से किस देश का संविधान एक संघीय दृष्टांत का नहीं है?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) स्विट्जरलैंड
(c) ऑस्ट्रेलिया (d) ग्रेट ब्रिटेन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

ग्रेट ब्रिटेन में एकात्मक शासन प्रणाली है। ब्रिटेन में समस्त शक्तियां केंद्र में निहित हैं। इसके विपरीत संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया तथा भारत में संघात्मक शासन प्रणाली है।

17. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) भारत - संघात्मक
(b) ऑस्ट्रेलिया - संघात्मक
(c) अमेरिका - संघात्मक
(d) ब्रिटेन - संघात्मक

T.G.T. परीक्षा, 2009
T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. भारतीय संघवाद के उदाहरण को सर्वोत्कृष्ट किस नाम से विश्लेषित किया जा सकता है?

(a) विशुद्ध संघवाद (b) शास्त्रीय संघवाद
(c) अर्द्ध-संघवाद (d) प्राचीनतम संघवाद

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(c)

भारतीय संघवाद को अर्द्धसंघवाद के रूप में विश्लेषित किया जाता है। के.सी. व्हेयर ने अपनी पुस्तक 'मॉडर्न कांस्टिट्यूशंस' में भारतीय संघवाद को अर्द्धसंघीय प्रणाली कहा है। उच्चतम न्यायालय ने ऑटोमोबाइल ट्रांसपोर्ट में हमारे संविधान को परिसंघीय बताया है। केशवानन्द भारती वाद में परिसंघीय संरचना को आधारभूत लक्षण माना गया। 1983 में गठित सरकारिया आयोग (केंद्र-राज्य संबंधों पर) ने भी भारतीय संविधान को परिसंघीय माना है। अतः भारतीय संविधान परिसंघीय (अर्द्ध संघीय-Quasi Federal) है। ज्ञातव्य है कि प्राचीनतम संघवाद का उदाहरण अमेरिका में मिलता है, वह संघवाद की जननी है।

19. निम्न में से कौन एक भारतीय संघीय व्यवस्था का लक्षण नहीं है?

(a) शक्तियों का विभाजन (b) राष्ट्रपति का नेतृत्व
(c) एक लिखित संविधान (d) स्वतंत्र न्यायपालिका

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

भारतीय संघीय व्यवस्था के प्रमुख लक्षण हैं-
(i) शक्तियों का विभाजन
(ii) लिखित संविधान
(iii) स्वतंत्र न्यायपालिका
राष्ट्रपति का नेतृत्व किसी भी शासन प्रणाली में संभव है- चाहे वह एकात्मक हो या संघात्मक।

20. निम्नलिखित में से किस एक देश में एकात्मक शासन व्यवस्था नहीं है?

(a) फ्रांस (b) चीन
(c) जापान (d) ऑस्ट्रेलिया

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(d)

ऑस्ट्रेलिया में एकात्मक शासन व्यवस्था नहीं है। वहां संघात्मक व्यवस्था है।

संघात्मक शासन व्यवस्था वाले अन्य देश- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, भारत, जर्मनी, स्विट्जरलैंड आदि।

एकात्मक शासन व्यवस्था वाले देश- ब्रिटेन, फ्रांस, चीन आदि।

21. नीचे दी गई शासन प्रणालियों को उनके आवश्यक गुणों से मिलाइए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

शासन प्रणाली	आवश्यक गुण
A. कैबिनेट शासन प्रणाली	**(i) शक्ति पृथक्करण**
B. अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली	**(ii) सामूहिक उत्तरदायित्व**
C. संघात्मक शासन प्रणाली	**(iii) शक्तियों का संकेंद्रण**
D. एकात्मक शासन प्रणाली	**(iv) शक्ति विभाजन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

P.G.T. परीक्षा, 2003, 2004

उत्तर–(b)

प्रश्न में दी गई शासन प्रणालियों एवं उनके आवश्यक गुणों का सुमेलन निम्नवत है-

कैबिनेट शासन प्रणाली – सामूहिक उत्तरदायित्व
अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली – शक्ति पृथक्करण
संघात्मक शासन प्रणाली – शक्ति विभाजन
एकात्मक शासन प्रणाली – शक्तियों का संकेंद्रण

22. निम्न में से किस देश में संसदीय और अध्यक्षीय तरह की सरकारों का सम्मिश्रण विद्यमान है?

(a) ब्रिटेन में (b) फ्रांस में
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका में (d) चीन में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

जनरल डी. गाल द्वारा निर्मित फ्रांसीसी संविधान जो 4 अक्टूबर, 1958 से लागू हुआ, वह फ्रांस के पंचम गणराज्य का संविधान कहलाता है। इसमें संसदीय एवं अध्यक्षीय शासन प्रणालियों में समन्वय स्थापित कर अपनाया गया है।

23. निम्नलिखित युग्मों में से सही युग्म नहीं है?

(a) ब्रिटेन - एकात्मक
(b) अमेरिका - एकात्मक
(c) ऑस्ट्रेलिया - संघात्मक
(d) भारत - संघात्मक

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

अमेरिका में संघात्मक शासन प्रणाली है न कि एकात्मक। अमेरिका को 'आधुनिक संघवाद का जनक' माना जाता है।

24. संघ राज्य-पद्धति का सार है कि वह केंद्र और राज्यों के बीच द्वि-मार्गी यातायात हैं जो थोड़ी-सी पारस्परिकता और सामंजस्य चाहता है। यदि ऐसी संघ व्यवस्था है उसे कहा जाएगा-

(a) पूरक संघ-व्यवस्था (b) प्रतिस्पर्द्धात्मक संघ व्यवस्था
(c) सहकारी संघ-व्यवस्था (d) सौदेबाजी की संघ व्यवस्था

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

संघात्मक व्यवस्था जिसमें केंद्र एवं राज्यों के मध्य परस्पर सहयोग, निर्भरता एवं सामंजस्य हो, वह 'सहकारी संघ-व्यवस्था' कही जाती है।

25. जो विचारक राज्य को संघों का संघ (Association of Associations) मानते हैं, उन्हें कहा जाता है-

(a) समाजवादी (b) संघवादी
(c) अराजकतावादी (d) बहुलवादी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

बहुलवादी विचारक राज्य को 'संघों का संघ' मानते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 20वीं सदी में बहुलवाद का उदय संप्रभुता के एकलवादी सिद्धांत के विरुद्ध प्रतिक्रियास्वरूप हुआ। बहुलवादियों के अनुसार, राज्य कितना भी गरिमामय एवं शक्तिशाली हो, परंतु वह समाज की अनेक संस्थाओं में से एक है।
- बहुलवादी न तो अराजकतावादियों व श्रमाधिपत्यवादियों की भांति राज्य का अंत चाहते हैं न ही वे राज्य को सर्वशक्तिशाली रूप में स्वीकारते हैं, वे राज्य में सत्ता के केंद्रीकरण के विरुद्ध हैं।
- वे राज्य एवं समाज को पर्यायवाची नहीं मानते। इनके अनुसार, राज्य समाज का एक समुदाय है। अतः संप्रभुता में समाज के अन्य समुदायों की भी सहभागिता होनी चाहिए।
- लॉस्की के अनुसार, ''चूंकि समाज का स्वरूप संघात्मक है, इसलिए सत्ता का स्वरूप भी संघात्मक होना चाहिए''।

26. 'राज्य संघों का एक संघ है।' किसने कहा?

(a) अरस्तू (b) हॉब्स
(c) लॉक (d) लॉस्की

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

'राज्य परिवारों एवं ग्रामों का एक संघ होता है, जिसका उद्देश्य एक पूर्ण तथा आत्मनिर्भर जीवन की स्थापना है''। अरस्तू ने राज्य को संघों का संघ कहा है। संघीय व्यवस्था की सबसे प्रमुख विशेषता पूरी तरह उचित और व्यावहारिक संवैधानिक प्रावधानों के जरिए संघ में शामिल होने वाले इकाई राज्यों को एक निश्चित सीमा तक स्वायत्तता की गारंटी देना है।

27. किस संविदावादी विचारक ने प्राकृतिक अवस्था का चित्रण 'शांति, सद्भावना, पारस्परिक सहायता और सुरक्षा की अवस्था' के रूप में किया है?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) हेनरी मेन

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

सामाजिक समझौता सिद्धांत के विचारक लॉक के अनुसार प्राकृतिक अवस्था- 'शांति, सद्भावना, पारस्परिक सहायता और सुरक्षा की अवस्था' है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सामाजिक समझौता सिद्धांत का प्रतिपादन सर्वप्रथम ग्रीस के सोफिस्ट विचारकों ने किया था। इन्होंने राज्य को एक कृत्रिम एवं मानव निर्मित संस्था और मनुष्यों के मध्य हुए समझौते का फल माना तथा राज्य की दैवी उत्पत्ति का खंडन किया।
- हॉब्स के अनुसार प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य स्वभाव से स्वार्थी, निर्मम था। उसका जीवन एकांकी, दीनहीन, घृणित पाशविक तथा क्षणभंगुर था। रूसो के अनुसार, प्राकृतिक दशा में मनुष्य सर्वथा सरल, समानतापूर्ण और सुखमय जीवन बिताता था।

28. अमेरिकी संविधान में 'बिल ऑफ राइट्स' किस संशोधन द्वारा जोड़ा गया?

(a) तेरहवां संशोधन (b) चौदहवां संशोधन

(c) पंद्रहवां संशोधन (d) प्रथम दस संशोधन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

1789 ई. में प्रवर्तित मूल अमेरिकी संविधान में कोई पृथक अधिकार-पत्र सम्मिलित नहीं था, परंतु जनता की मांग पर 1791 ई. में संविधान में दस संशोधन हुए जिनमें नागरिकों के अधिकारों का उल्लेख किया गया। इन्हीं संशोधनों के सामूहिक रूप को 'अधिकार-पत्र' (बिल ऑफ राइट्स) कहा जाता है।

व्यवस्थापिका

1. किसने कहा है कि ''व्यवस्थापिका जनता की शिकायतों की समिति का कार्य करती है''?

(a) बेंथम (b) जे.एस. मिल

(c) के.सी. व्हियर (d) डायसी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त कथन जे.एस. मिल का है।

2. भारत में विधायिका निम्न में से किस देश के नमूने पर निर्मित हुई है?

(a) ब्रिटेन (b) अमेरिका

(c) फ्रांस (d) जर्मनी

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

भारत में विधायिका ब्रिटेन के नमूने पर निर्मित हुई है। विधायिका से आशय संसद से है। भारत की संसद राष्ट्रपति तथा दोनों सदनों (राज्य सभा तथा लोक सभा) से मिलकर बनी है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **संविधान पर विदेशी प्रभाव**

संवैधानिक प्रावधान		स्रोत
मूल अधिकार	-	सं.रा. अमेरिका
आपात उपबंध	-	जर्मनी का वीमर संविधान
राज्य के नीति निदेशक तत्व	-	आयरलैंड
संघ-राज्य संबंधों की समवर्ती सूची	-	ऑस्ट्रेलिया
मूल कर्तव्य	-	पूर्व सोवियत संघ
भारत राज्यों का संघ है तथा संघ में अधिक शक्ति निहित है	-	कनाडा

3. द्विसदनात्मक व्यवस्था वाला देश है-

(a) भारत (b) चीन

(c) पुर्तगाल (d) टर्की

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. सामूहिक उत्तरदायित्व की विशेषता किस शासन पद्धति में पाई जाती है?

(a) संसदीय (b) अध्यक्षात्मक

(c) मिश्रित (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

संसदीय प्रणाली में वास्तविक कार्यपालिका मंत्रिपरिषद होती है। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। अतः लोक सभा का विश्वास खोते ही मंत्रिपरिषद पद-त्याग देती है।

5. कानून का सर्वमान्य स्रोत है-

(a) परम्परा तथा रीति-रिवाज (b) धर्म

(c) कानूनी टीकाएं (d) विधानमंडल

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

कानून का सर्वमान्य स्रोत विधानमंडल है। भारत के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर संसद सर्वोच्च विधायी निकाय है। संविधान की सातवीं अनुसूची में संघ तथा समवर्ती सूचियों में इसके लिए आवंटित अनेक विषयों पर यह विधान बना सकती है। अवशिष्ट शक्ति चूंकि संसद में निहित है, अतः यह उन विषयों पर भी विधान बना सकती है, जो विशिष्टतया राज्यों को न सौपें गए हों।

6. आधुनिक समय में अनेक कारणों में व्यवस्थापिका की तुलना में कार्यपालिका को अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। निम्नलिखित में से सही कारणों का चयन करें :

(1) कल्याणकारी राज्य की अवधारणा

(2) प्रदत्त विधान की अवधारणा

(3) शासन के क्षेत्र में विशिष्ट-ज्ञान की अवधारणा

(4) प्रशासन की बढ़ती जटिलताएं

(a) 1 2 एवं 3 (b) 1 3 एवं 4

(c) 2 3 एवं 4 (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(c)

प्रदत्त विधान की अवधारणा का आशय हमारी संसदीय लोकतंत्रात्मक प्रणाली में कार्यपालिका को प्रदत्त अधिकार से है। इस प्रणाली के तहत संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार उन विषयों तक होगा जिनके बारे में संसद कानून बना सकती है और सभी अधिकारों के प्रयोग तक होगा जो किसी अंतरराष्ट्रीय संधि या करार के आधार पर भारत सरकार को प्राप्त होंगे (अनुच्छेद 73)।

शासन के क्षेत्र में कार्यपालिका को विशिष्ट ज्ञान होता है। कार्यपालिका को शासन में विशिष्ट सहायता भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त कार्यपालिका शासन में सहयोग लेने के लिए अन्य विशेषज्ञों की भी मदद लेती है। प्रशासन की बढ़ती जटिलताओं को सहज करने के लिए कार्यपालिका तुरंत पहल करती है, जैसे ई-प्रशासन की अवधारणा, अप्रासंगिक विधियों को रद्द करना आदि। उपर्युक्त विकल्पों के अवलोकन से यह सिद्ध हो जाता है कि हमारी संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली में कार्यपालिका को व्यवस्थापिका की तुलना में अधिक महत्व प्राप्त है। जहां तक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा का प्रश्न है यह हमारे संविधान के भाग IV नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत (अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51) सम्मिलित है। यह कार्यपालिका के सम्मुख एक आदर्श के रूप में है न कि बाध्यकारी।

7. भारत एक गणतंत्रात्मक राज्य है, क्योंकि :

(a) उसमें राज्याध्यक्ष निर्वाचित किया जाता है

(b) यह कई राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों का यूनियन है

(c) दोनों

(d) कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(a)

गणतंत्र का आशय है कि राष्ट्र का प्रधान निर्वाचित (प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष) होता है। वह वंशानुगत नहीं हो सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कूले के अनुसार-''गणराज्यीय शासन प्रणाली जन-निर्वाचित प्रतिनिधियों की शासन प्रणाली होती है''।
- न्यायमूर्ति हिदायतुल्ला के शब्दों में- ''गणराज्य एक ऐसा राज्य होता है जिसमें अंतिम विश्लेषण में सर्वोच्च शक्ति जनता में न कि राजा जैसे किसी एक व्यक्ति में निहित होती है''।

8. संसदीय सरकार का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण है-

(a) संसद का संप्रभुता

(b) कार्यपालिका का विधायिका के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व

(c) विधि का शासन

(d) बहुमत का शासन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

संसदीय सरकार का सबसे महत्वपूर्ण लक्षण कार्यपालिका का विधायिका के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व है। अनुच्छेद 75 (3) के अनुसार, मंत्रिपरिषद लोक सभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।

कार्यपालिका

1. शासन के एकात्मक स्वरूप में-

(a) कार्यपालिका एवं विधायिका को शक्तियों का पृथक्करण होता है।

(b) शक्तियों का विभाजन होता है।

(c) कार्यपालिका का गठन विधायिका के सदस्यों में से होता है।

(d) एकदलीय व्यवस्था होती है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न का कोई भी विकल्प शासन के एकात्मक स्वरूप से संबंधित नहीं है। कार्यपालिका एवं विधायिका के मध्य शक्तियों का पृथक्करण अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली की विशेषता है। शक्तियों का विभाजन संघात्मक व्यवस्था में पाया जाता है। तीसरे विकल्प में संसदीय व्यवस्था की विशेषता प्रकट होती है। चतुर्थ विकल्प में एक दलीय व्यवस्था को एकात्मक शासन से संबंधित नहीं किया जा सकता, एकात्मक शासन व्यवस्था एक दलीय, द्विदलीय और बहुदलीय किसी भी दलीय व्यवस्था से संबंधित हो सकता है।

2. कार्यपालिका के नामधारी अध्यक्ष का सर्वोत्तम उदाहरण है-

(a) अमरीका (b) रूस

(c) इंग्लैंड (d) चीन

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

संसदीय शासन प्रणालियों में दो प्रकार की कार्यपालिका का उल्लेख मिलता है, नाममात्र की और वास्तविक कार्यपालिका। इंग्लैंड में नाममात्र की कार्यपालिका 'राजा' को कहा जाता है तथा वास्तविक कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद करती है। भारत की संसदीय प्रणाली में भी दोनों प्रकार की कार्यपालिका पायी जाती है। इंग्लैंड नामधारी अध्यक्ष का सर्वोत्तम उदाहरण है।

3. निम्न में से किस देश में बहुल कार्यपालिका है?

(a) नेपाल (b) स्विट्जरलैंड

(c) जर्मनी (d) इंग्लैंड

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

स्विट्जरलैंड में 7 सदस्यों वाली बहुल कार्यपालिका वर्तमान है। कार्यपालिका में शामिल 7 सदस्यों में शक्ति और उसके प्रयोग की समानता है। इन सात सदस्यों में बारी-बारी से एक अध्यक्ष नियुक्त होता है, जिसकी भूमिका केवल कार्यपालिका के सदस्यों की अध्यक्षता करना है।

4. राज्य की विधायी एवं कार्यपालिक शक्तियों को नियंत्रित करने हेतु मॉन्टेस्क्यू ने किस सिद्धांत का प्रतिपादन किया?

(a) विधायिका की सर्वोच्चता (b) कार्यपालिका की सर्वोच्चता

(c) नियंत्रण एवं संतुलन (d) तानाशाही राज्य

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

मॉन्टेस्क्यू ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Spirit ofLaw's' में शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत से उत्पन्न समस्या के समाधान के लिए नियंत्रण एवं संतुलन के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। इस सिद्धांत का सूत्र है कि व्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए शासन के अंगों के बीच शक्ति का पृथक्करण होना चाहिए साथ ही प्रशासनिक संचालन सुचारु रूप बना रहे इसलिए प्रत्येक अंग का अन्य अंग की शक्तियों का भाग होना चाहिए और उनके कार्यों पर कुछ नियंत्रण होना चाहिए।

5. शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का प्रवर्तक है-

(a) मैकियावली (b) मोंटेस्क्यू

(c) सेंट थॉमस एक्वीनास (d) बेन्थम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत का प्रवर्तन मोंटेस्क्यू ने किया था। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के मध्य शक्तियों का पृथक्करण व्यक्ति की स्वतंत्रता के संरक्षण के लिए मोंटेस्क्यू महत्वपूर्ण मानता है, इस सिद्धांत के कुछ संकेत लॉक की पुस्तक 'सिविल गवर्नमेंट' में भी मिलते हैं। ब्रिटेन के एक विधि शास्त्री ब्लैकस्टोन ने भी शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत का बाद में विस्तार से विवेचन किया था।

6. संसदीय शासन में कार्यपालिका किसके प्रति उत्तरदायी होती है?

(a) राज्य अध्यक्ष के प्रति (b) संसद के निचले सदन के प्रति

(c) लोक सभा अध्यक्ष के प्रति (d) विरोधी दल के नेता के प्रति

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

संसदीय शासन व्यवस्था में दो सदन होते हैं, जिन्हें उच्च सदन और निम्न सदन कहा जाता है। भारत और ब्रिटेन में इन दोनों सदनों को क्रमशः राज्य सभा और लोक सभा तथा हाउस ऑफ लार्ड्स और हाउस आफ कॉमन्स, कहा जाता है। कार्यपालिका संसद के निचले सदन के प्रति उत्तरदायी होती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 (3)- के अनुसार मंत्रिपरिषद अर्थात कार्यपालिका सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

7. कार्यपालिका का प्रमुख कार्य है-

(a) कानून बनाना (b) न्याय करना

(c) प्रशासन चलाना (d) कूटनीति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. संसदीय सरकार में कार्यपालिका की वास्तविक शक्तियां किसमें निहित हैं?

(a) प्रधानमंत्री (b) संसद

(c) मंत्रिपरिषद (d) राष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

संसदीय सरकार में कार्यपालिका की वास्तविक शक्तियां प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद के पास होती है। भारतीय संविधान के अनु.74 में उल्लिखित है कि राष्ट्रपति को सहायता एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान, प्रधानमंत्री होगा। प्रधानमंत्री के चयन तथा नियुक्ति के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 75 में उल्लेख है।

9. निम्न में से कौन-सा पद केवल संसदात्मक शासन प्रणाली में ही पाया जाता है?

(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति

(c) साम्राज्ञी (d) प्रधानमंत्री

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

प्रधानमंत्री का पद संसदात्मक शासन प्रणाली की प्रमुख विशेषता है। वह सरकार का प्रधान होता है। वह विधायिका में बहुमत दल का नेता होता है तथा विधायिका के प्रति जवाबदेह होता है। यद्यपि राष्ट्र का औपचारिक प्रमुख राजा (संवैधानिक-राजतंत्र) या राष्ट्रपति (संसदीय गणतंत्र) होता है।

10. संसदात्मक शासन प्रणाली में वैधानिक संप्रभु कौन होता है?

(a) राष्ट्रपति (b) संसद

(c) प्रधानमंत्री (d) न्यायपालिका

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

संसदात्मक शासन प्रणाली में वैधानिक संप्रभु संसद होती है। इसका बेहतरीन उदाहरण ब्रिटेन है। ब्रिटेन की संसद की शक्तियों पर, कम से कम सिद्धांत रूप में कोई रोक नहीं हैं, क्योंकि वहां पर कोई लिखित संविधान नहीं है। भारत के संविधान में संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न शक्तियां निहित करने के संबंध में कोई विशिष्ट उपबंध नही हैं। किंतु संविधान की उद्देशिका में यह कहकर कि 'हम, भारत के लोग, इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं', संविधान निर्माताओं ने स्पष्ट कर दिया कि संप्रभुता का वास भारत के लोगों में है।

11. शून्य-आधार (Zero-base) बजट की प्रक्रिया को कब से लोकप्रियता प्राप्त हुई?

(a) रीगन द्वारा विस्कांसिन के बजट द्वारा

(b) निक्सन द्वारा ओहायो के बजट द्वारा

(c) आइजनहावर द्वारा न्यूयॉर्क के बजट द्वारा

(d) जिमी कार्टर द्वारा जार्जिया के बजट द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

शून्य-आधार बजट की प्रक्रिया को 1973 में जार्जिया के गवर्नर जिमी कार्टर ने पीटर पीहर (Peter Pyhrr) की सहायता से शून्य-आधार बजट आरंभ किया था।

12. लोक प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण के लिए कौन-सा तरीका उपयुक्त नहीं है?

(a) वाद-विवाद तथा बहस (b) स्थगन प्रस्ताव

(c) अविश्वास प्रस्ताव (d) सदन से बहिर्गमन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

लोक प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण के लिए अनेक प्रक्रियागत उपाय उपलब्ध हैं, जैसे- स्थगन प्रस्ताव (एडजॉर्नमेंट मोशन), ध्यानाकर्षण सूचनाएं (कॉलिंग एटेंशन), अल्पकालीन चर्चाएं और नियम 377 के अधीन उल्लेख। इसी तरह सदस्य सार्वजनिक रुचि के मामलों पर चर्चाएं उठाने के लिए विभिन्न प्रस्ताव (मोशन) और संकल्प (रेजोल्यूशन) पेश कर सकते हैं और सदन तथा सरकार का ध्यान उनकी ओर दिला सकते हैं। संसद में वाद-विवाद आरंभ करने के लिए उक्त उपायों के प्रयोग के लिए दोनों सदनों के प्रक्रिया नियमों में शर्तें दी गई हैं। सदन से बहिर्गमन लोक प्रशासन पर संसदीय नियंत्रण के लिए उपयुक्त तरीका नहीं है।

13. 'सत्ता का विलय' एक विशेषता है-

(a) संसदीय सरकार की

(b) अध्यक्षीय सरकार की

(c) इनमें से दोनों की

(d) इनमें से किसी की नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

'सत्ता का विलय' संसदीय सरकार की एक विशेषता है, क्योंकि संसदीय सरकार में कार्यपालिका और विधायिका आपस में मिली होती हैं अर्थात विधायिका के सदस्य ही कार्यपालिका का गठन करते हैं तथा कार्यपालिका, विधायिका (व्यवस्थापिका) के प्रति उत्तरदायी होती है।

14. एक संसदीय प्रकार की सरकार में, निम्नलिखित में से कौन वास्तविक कार्यकारी शक्तियों का उपभोग करता है?

(a) राज्य का प्रमुख (b) मंत्रिमंडल

(c) सर्वोच्च न्यायालय (d) संसद

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

संसदीय प्रकार की सरकार में वास्तविक कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग मंत्रिमंडल करता है। संसदीय सरकार में राज्य प्रमुख (राष्ट्रपति) नाममात्र की शक्तियों का प्रयोग करता है, वास्तविक शक्ति प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिमंडल में निहित होती है। यह मंत्रिमंडल (कार्यपालिका) लोकप्रिय सदन (लोक सभा) के प्रति उत्तरदायी होती है।

15. कार्यपालिका का प्रमुख कार्य है-

(a) कानून बनाना

(b) नीति निर्धारित करना

(c) कानून को लागू कराना

(d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

भारत में संसदीय लोकतंत्र प्रणाली अपनाई गई है। इस प्रणाली में कार्यपालिका शक्ति मंत्रिमंडल में निहित है। कार्यपालिका का प्रमुख कार्य कानून को लागू कराना है। संविधान के अनु.73 के अधीन संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार उन विषयों तक होगा जिनके बारे में संसद कानून बना सकती है और उन सभी अधिकारों के प्रयोग तक होगा जो किसी अंतरराष्ट्रीय संधि या करार के आधार पर भारत सरकार को प्राप्त होंगे।

न्यायपालिका

1. जब भारतीय न्यायिक व्यवस्था में लोकहितवाद आया तब भारत के मुख्य न्यायमूर्ति कौन थे?

(a) एम. हिदायतुल्लाह (b) पी.एन. भगवती
(c) ए.एम. अहमदी (d) ए.एस. आनन्द

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(*)

भारतीय न्यायिक व्यवस्था में सर्वोच्च न्यायालय की पहल पर जनहित याचिकाओं (Public Interest Litigation) की शुरुआत हुई। इसके तहत नागरिक समाज का कोई व्यक्ति या समूह जनहित के मामलों में न्यायिक उपचार प्राप्त करने हेतु न्यायालय की शरण ले सकता है।
सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी.एन. भगवती द्वारा वर्ष 1979 में हुसैनारा खातून केस में जनहित याचिका स्वीकार की गई थी। इस याचिका को पुष्पा कपिला हिंगोरानी (Pushpa Kapila Hingorani) ने दाखिल किया था। इन्हें 'जनहित याचिका की माता' (Mother of PIL) के नाम से भी जाना जाता है।
उल्लेखनीय है कि जिस समय पी.एन. भगवती ने यह याचिका स्वीकार की थी, उस समय वे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे, न कि मुख्य न्यायाधीश। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में इनकी नियुक्ति 17 जुलाई, 1973 को हुई, जबकि मुख्य न्यायाधीश के रूप में इनका कार्यकाल 12 जुलाई, 1985 से 20 दिसंबर, 1986 तक था। जबकि जनहित याचिका स्वीकार करने के समय वाई.वी. चंद्रचूड़ (20 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। अतः दिए गए विकल्पों में से कोई भी विकल्प सही नहीं है।

2. निम्न में से चुनिये :

न्यायपालिका की कुशलता के लिए पहली आवश्यकता है-

(a) विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता
(b) कार्यपालिका द्वारा न्यायाधीशों को हटाना
(c) विधायिका द्वारा न्यायाधीशों का मनोनयन
(d) स्वतंत्र न्यायपालिका

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

न्यायपालिका राजनीतिक संगठन का तीसरा निकाय है। इस प्रमुख कार्य विधि का शासन तथा संविधान और नागरिकों के अधिकारों का संरक्षण है। आधुनिक लोकतांत्रिक शासन प्रणालियों में दलीय राजनीति के कारण कार्यपालिका एवं विधायिका की निष्पक्षता संदेहास्पद है। ऐसी स्थितियों में स्वतंत्र न्यायपालिका का अस्तित्व स्वतः सिद्ध है।

3. भारतीय न्याय प्रणाली आधारित है-

(a) इंग्लैंड की प्रणाली पर (b) अमेरिका की प्रणाली पर
(c) फ्रांस की प्रणाली पर (d) ऑस्ट्रेलिया की प्रणाली पर

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(b)

भारतीय न्याय प्रणाली काफी हद तक अमेरिकी न्याय प्रणाली से प्रभावित है। भारत में न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था तथा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाए जाने की व्यवस्था अमेरिकी न्यायिक प्रणाली से ली गई है।

4. न्याय पंचायत कार्य करती है-

(a) केवल सभी भारतीय राज्यों में
(b) सभी भारतीय राज्यों और संघ राज्य-क्षेत्रों में
(c) कुछ राज्यों और सभी संघ राज्य-क्षेत्रों में
(d) कुछ राज्यों और कुछ संघ राज्य-क्षेत्रों में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

कुछ गांवों की ग्राम सभाओं या ग्राम पंचायतों के लिए एक न्याय पंचायत का गठन किया गया है। न्याय पंचायत के संगठन संबंधी नियम राज्यों में पृथक-पृथक हैं। यह कुछ राज्यों और कुछ संघ राज्य-क्षेत्रों में ही कार्य करती हैं। साधारणतया संबंधित ग्राम पंचायतें न्याय पंचायत का चुनाव करती हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- न्याय पंचायतें ग्रामीणों के लघु सिविल तथा क्रिमिनल विवादों को सुनती हैं तथा निर्णय देती हैं। निर्णय में वह एक निश्चित धनराशि तक जुर्माना भी कर सकती हैं, लेकिन कारावास का दंड नहीं दे सकतीं।
- ग्रामीणों के छोटे-छोटे पारस्परिक विवादों को स्थानीय स्तर पर बिना किसी व्यय तथा परेशानी के हल करना ही न्याय पंचायतों का उद्देश्य है।
- न्याय पंचायत के निर्णय के विरुद्ध साधारणतया अपील नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में विशेष मामलों में मुंसिफ अथवा निम्न अदालतों में न्याय पंचायत के निर्णय के विरुद्ध अपील की जा सकती है तथा उपयुक्त अदालतों को उसके निर्णय को निरस्त करने का अधिकार है।

5. भारत में न्यायपालिका है-

(a) स्वतंत्र (b) संसद के अधीन

(c) राष्ट्रपति के अधीन (d) प्रधानमंत्री के अधीन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान एक स्वतंत्र न्यायपालिका की व्यवस्था करता है, जो यह निश्चित करती है कि देश का शासन संविधान के प्रावधानों के अनुसार चलाया जा रहा है। न्यायपालिका नागरिकों की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के संरक्षक के रूप में कार्य करती है। यह राज्य सरकारों एवं केंद्र सरकार के अधिकार-क्षेत्र की सीमाएं भी निश्चित करती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन संबंधी प्रावधान दिए गए हैं।
- कार्यकारी मुख्य न्यायमूर्ति की नियुक्ति का उल्लेख अनुच्छेद 126 में किया गया है।
- उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना अनुच्छेद 129 में उल्लिखित है।

6. संघीय व्यवस्था में किस संस्था को संविधान का संतुलन-चक्र माना जाता है :

(a) विधायिका (b) मंत्रिमंडल

(c) न्यायपालिका (d) प्रेस

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

न्यायपालिका को संघीय व्यवस्था में संविधान का संतुलन-चक्र माना जाता है। न्यायपालिका किसी भी जनतंत्र के लिए तीन प्रमुख अंगों में से एक है। अन्य दो अंग हैं- कार्यपालिका और व्यवस्थापिका। न्यायपालिका संप्रभुतासंपन्न राज्य की तरफ से कानून का सही अर्थ निकालती है एवं कानून के अनुसार न चलने वालों को दंडित करती है। इस प्रकार न्यायपालिका विवादों को सुलझाने एवं अपराध कम करने का काम करती है, जो अप्रत्यक्ष रूप से समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की आयु 65 वर्ष है।
- जिले का सबसे बड़ा दीवानी न्यायालय जिला जज का न्यायालय है।
- जिले का सबसे बड़ा फौजदारी न्यायालय सेशन जज का न्यायालय होता है।

7. निम्न में से कौन-सी एक विशेषता यू.एस.ए. और भारत की संघ राज्य पद्धति की समान विशेषता नहीं है?

(a) केंद्र और राज्यों में शक्तियों का वितरण

(b) सर्वोच्च न्यायालय का अस्तित्व

(c) न्यायिक संगठन के दो समुच्चय

(d) लिखित संविधान

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

भारत में इकहरी न्यायिक व्यवस्था है, जबकि अमेरिका में संघ एवं घटक राज्यों की पृथक-पृथक न्यायपालिकाएं हैं, अर्थात दोहरी न्यायपालिका है। प्रत्येक राज्य की न्यायपालिका पृथक है, उसका संगठन एवं क्षेत्राधिकार संबंधित राज्य के संविधान द्वारा निर्धारित किया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अमेरिकी संविधान के अनुच्छेद 3 के द्वारा संघीय न्यायपालिका की व्यवस्था की गई है।
- अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना वर्ष 1789 में कांग्रेस के न्यायपालिका अधिनियम द्वारा की गई थी।
- न्यायमूर्ति मार्शल द्वारा वर्ष 1803 के मारबरी बनाम मेडीसन विवाद में दिए गए महत्वपूर्ण निर्णय द्वारा अमेरिका में न्यायिक पुनर्निरीक्षण की दृढ़ आधारशिला रखी गई थी।

8. निम्नलिखित में से किस देश में न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था नहीं है?

(a) अमेरिका (b) इंग्लैंड

(c) पाकिस्तान (d) भारत

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

ब्रिटेन में लॉर्ड सभा ही सर्वोच्च दीवानी एवं फौजदारी अपीलीय न्यायालय है, अतः वहां न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था नहीं है। अपीलीय न्यायालय के रूप में लॉर्ड सभा की अध्यक्षता लॉर्ड चांसलर करता है लॉर्ड सभा के केवल अपीलीय लॉर्ड या विधि लॉर्ड ही उसके न्यायिक कार्यों में भाग लेते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ब्रिटिश न्याय-व्यवस्था का आधार विधि के शासन का सिद्धांत है।
- जूरी व्यवस्था ब्रिटिश न्याय-व्यवस्था की एक प्रमुख विशेषता है।
- ब्रिटिश न्यायपालिका के अधीन संपूर्ण देश एकरूप न्यायालयीय व्यवस्था का अभाव है।

9. भारत का उच्चतम न्यायालय संयुक्त राज्य अमेरिका के उच्चतम न्यायालय से भिन्न है-

(a) संविधान के संरक्षक की भूमिका में

(b) सलाहकार की भूमिका में

(c) देश के न्यायिक क्षेत्र में सर्वोच्च सत्ताधारी की भूमिका में

(d) अपने रिक्त अधिकार-क्षेत्र में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

भारत के संविधान में अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह विधिक महत्व के किसी प्रश्न पर उच्चतम न्यायालय से परामर्श कर सकता है, यद्यपि राष्ट्रपति द्वारा रखे गए विधिक तथ्य पर उच्चतम न्यायालय परामर्श देने के लिए बाध्य नहीं है और साथ ही उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए परामर्श को राष्ट्रपति मानने के लिए बाध्य नहीं है।

- वह परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय को प्राप्त नहीं है।
- मूल अधिकारों से संबंधित विवाद उच्चतम न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आते हैं।

10. ''सीमाओं के भीतर हम अपने न्यायाधीशों का आदर करते हैं, पर कोई न्यायाधीश अथवा कोई न्यायालय अपने को व्यवस्थापिका का तीसरा सदन नहीं बना सकता।'' ये विचार किसके हैं?

(a) जवाहरलाल नेहरू के
(b) डॉ. अंबेडकर के
(c) के.टी. शाह के
(d) दामोदर स्वरूप सेठ के

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

उपर्युक्त विचार जवाहरलाल नेहरू से संबंधित है। भारतीय न्यायपालिका के संबंध में ए. कृष्णस्वामी अय्यर का कहना है कि संसार के किसी भी न्यायालय को इतने अधिक विशाल तथा विस्तृत अधिकार प्राप्त नहीं है, जितने की भारत के उच्चतम न्यायालय को प्राप्त हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बी. ऑस्टिन ने भारतीय सर्वोच्च न्यायालय को 'सामाजिक क्रांति का संरक्षक' कहा है।
- ए. कृष्णास्वामी अय्यर के अनुसार, ''भारतीय संविधान का भावी स्वरूप बहुत कुछ सर्वोच्च न्यायालय के कार्य एवं उसके द्वारा दिए गए निर्देशों पर निर्भर होगा''।
- एम.वी. पायली का विचार है, ''अपनी विधिक और व्यापक शक्तियों के कारण सर्वोच्च न्यायालय देश के न्याय क्षेत्र में सर्वोच्च संस्था है तथा देश के संविधान एवं कानूनों का संरक्षक है''।

11. 'न्यायिक पुनर्समीक्षा का सिद्धांत' सर्वप्रथम प्रतिपादित किया गया था-

(a) स्विट्जरलैंड में (b) भारत में
(c) इंग्लैंड में (d) अमेरिका में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में वर्ष 1803 में मारबरी बनाम मेडिसन वाद में अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा वहां के संविधान के तीसरे अनुच्छेद के तहत न्यायिक समीक्षा का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया था। इस ऐतिहासिक वाद में दिए गए निर्णय के परिणामस्वरूप अमेरिका की कांग्रेस द्वारा पारित कानूनों के संविधान-सम्मत न होने पर वहां के उच्चतम न्यायालय द्वारा उन्हें रद्द किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अमेरिका से प्रेरित होकर भारत के संविधान के अनुच्छेद 13 द्वारा न्यायपालिका को न्यायिक पुनर्विलोकन का अधिकार दिया गया है। इस अनुच्छेद के अनुसार, राज्य कोई ऐसी विधि नहीं बनाएगा जो इस भाग (भाग 3) द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छीनती है या न्यून करती है और इस खंड के उल्लंघन में बनाई गई प्रत्येक विधि उल्लंघन की मात्रा तक शून्य होगी। अपने अनेक निर्णयों से उच्चतम न्यायालय ने अपनी न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति का विस्तार किया है। केशवानंद भारती के वाद में दिए गए निर्णय के अनुसार, अगर संसद द्वारा बनाई गई कोई विधि या सांविधानिक संशोधन संविधान के आधारभूत ढांचे का उल्लंघन करता है, तो उसे उच्चतम न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जा सकता है।

12. 'न्यायिक पुनरावलोकन' का सिद्धांत भारत ने किस देश के संविधान से ग्रहण किया है?

(a) ग्रेट ब्रिटेन (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) आयरलैंड (d) फ्रांस

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. संविधान में ''न्यायिक पुनर्विलोकन का सिद्धांत'' ग्रहण किया गया-

(a) फ्रांस के संविधान से (b) यू.एस.ए. के संविधान से
(c) जर्मनी के संविधान से (d) कनाडा के संविधान से

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. न्यायिक समीक्षा की अभिकल्पना कहां के संविधान द्वारा ली गई है?

(a) यू.एस.एस.आर. (b) यू.के.
(c) यू.एस.ए. (d) स्विट्जरलैंड

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था नहीं है-

(a) यू.एस.ए. में (b) भारत में

(c) इंग्लैंड में (d) फ्रांस में

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

न्यायिक पुनरावलोकन का तात्पर्य है कि न्यायपालिका को विधायिका द्वारा पारित कानूनों और अथवा कार्यपालिका के कृत्यों की समीक्षा करने की शक्ति प्राप्त है। इंग्लैंड में संसद सर्वोच्च है और उसके बनाए कानूनों को न्यायपालिका द्वारा अवैध नहीं घोषित किया जा सकता।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ यू.एस.ए. में वहां के उच्चतम न्यायालय को वहां की विधायिका (कांग्रेस) द्वारा पारित कानूनों को संविधान के उल्लंघन करने की दशा में अवैध घोषित करने की शक्ति प्राप्त है। यू.एस.ए. से प्रेरित होकर भारत में भी न्यायपालिका को न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति दी गई है। फ्रांस में संवैधानिक परिषद द्वारा वहां की विधायिका द्वारा पारित कानूनों पर वहां के राष्ट्रपति की स्वीकृति से पूर्व उनकी संविधान-सम्मत होने की जांच करने की शक्ति प्राप्त है।

16. 'विधि की उचित प्रक्रिया' किस देश की न्याय व्यवस्था का आवश्यक लक्षण है?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) ब्रिटेन

(c) चीन (d) भारत

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

अमेरिकी संविधान में 'कानून की उचित प्रक्रिया' (Due Process of Law) शब्दावली अपनाया गया है, जबकि भारतीय संविधान में जापानी संविधान की शब्दावली 'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया' (Procedure Established by Law) को अपनाया गया है। इस आधार पर अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय किसी भी कानून की वैधानिकता की जांच विधायी संस्था की विधि निर्माण क्षमता के साथ-साथ इस आधार पर भी कर सकता है कि वह कानून की उचित प्रक्रिया की शर्तों को पूरा करता है या नहीं। अर्थात् यदि यह कानून, प्राकृतिक न्याय के कुछ सामान्य सिद्धांतों के विरुद्ध हो, तो उसे सर्वोच्च न्यायालय असंवैधानिक घोषित कर सकती है यही कारण है कि अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय को न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक पुनरावलोकन शक्ति से अधिक है क्योंकि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय किसी विधि को असंवैधानिक तभी घोषित कर सकती है, जब विधायिका के विधि निर्माण क्षमता के वह बाहर हो। भारतीय न्यायपालिका किसी विधि को अपनी उचित-अनुचित धारणाओं के आधार पर उसे असंवैधानिक घोषित नहीं कर सकती।

राजनीतिक दल, दबाव समूह एवं जनमत

1. मॉरिस डुवर्जर के अनुसार निम्नलिखित में से कौन एक दल संगठन की विशेषता नहीं है?

(a) चौगुट (b) कोष

(c) शाखा (d) प्रकोष्ठ

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

मौरिस डुवर्जर के अनुसार राजनीतिक दल के संगठन तथा कार्यविधि का परीक्षण अनेक भीतरी चक्रों की भूमिका प्रदर्शित करता है। जिसमें शामिल हैं-

1- चौगुट (Causus)

2- शाखा दल (Branch Party)

3- प्रकोष्ठ दल (Cell Party)

4- सैनिक दस्ते (Militia)

2. किसने कहा, ''यह शब्द (जनमत) सामान्यतया लोगों के विचार समुच्चय को इंगित करने हेतु प्रयुक्त होता है, जो उन्हें अथवा समुदाय के हित को प्रभावित करने से संबंधित है''?

(a) हेनरी मेन (b) लॉर्ड ऐक्टन

(c) लॉर्ड ब्राइस (d) जेम्स ब्राइस

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

जेम्स ब्राइस ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'Modem Democracies' में जनमत की सुनिश्चित परिभाषा करने में अपने आपको असमर्थ पाने के कारण सामुदायिक हित साधना के आधार पर लोकमत को समझाने का प्रयास किया है।

3. यह किसने कहा है कि ''दलीय-प्रणाली किसी देश के राजनीतिक जीवन को यंत्रवत बना देती है''?

(a) लीकॉक (b) गिलक्राइस्ट

(c) आर.एम. मैकाइवर (d) फाइनर

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

आर.एन. गिलक्राइस्ट ने अपनी पुस्तक 'Principles of the Political Science' में लिखा है कि दलीय प्रणाली किसी देश के राजनीतिक जीवन को यंत्रवत बना देती है।

4. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : एक दबाव समूह का अंतिम लक्ष्य शासन शक्ति पर कब्जा जमाना होता है।

कारण (R) : दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

शासन शक्ति पर कब्जा जमाना राजनीतिक दलों का अंतिम लक्ष्य होता है। दबाव समूह अपने हितों के प्रति क्रियाशील रहते हैं। शासन प्रक्रिया में इनकी भूमिका अप्रत्यक्ष रूप से होती है। अतः उपर्युक्त प्रश्न का कथन गलत है। दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते हैं। ये अपने हितों की प्राप्ति के लिए किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार का समर्थन मात्र करते हैं। शेष इनकी कोई भूमिका नहीं रहती। इसलिए उपर्युक्त प्रश्न का कारण सत्य है।

5. नव-बहुलवाद के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था में किन समूहों को उच्च स्थिति प्राप्त है?

(a) श्रमिक संघ (b) व्यापारिक संघ

(c) सांस्कृतिक संघ (d) दृष्टिकोण संगठन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

नव-बहुलवाद के अनुसार राजनीतिक व्यवस्था में व्यापारिक संघों को उच्च स्थिति प्राप्त है। लिंडबोम ने इस मत का समर्थन करते हुए लिखा कि इसके दो फायदे हैं, पहला तो सरकार अच्छी अर्थव्यवस्था पर निर्भर रहती है जिससे वह सभी दायित्वों को पूरा कर लेती है। दूसरे, बाजार अर्थव्यवस्था निवेश और रोजगार के अवसर प्रदान करती है।

6. निम्नांकित में से कौन-सा दबाव समूह हिंसा के माध्यम का समर्थन करता है?

(a) प्रदर्शनात्मक (b) संस्थागत

(c) संघात्मक (d) असंघात्मक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

आमण्ड द्वारा वर्गीकृत दबाव समूहों में प्रदर्शनात्मक दबाव समूह अपने हितों की सिद्धि के लिए हिंसा का आश्रय भी लेते हैं। इस प्रकार के समूह भीड़ व प्रदर्शन आदि के रूप में आस-पास प्रकट या विलुप्त होते रहते हैं। यह प्रदर्शनों, जुलूसों, दंगों, धरनों, हड़तालों आदि के रूप में प्रकट होकर अचानक ही प्रभावी हो जाते हैं।

7. नीचे दोनों वक्तव्यों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिए तथा दिए गए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

कथन (A) : आनुपातिक प्रतिनिधित्व का साधारणतया बहु-दलीय व्यवस्था से संबंध होता है।

कारण (R) : इस व्यवस्था में छोटे दलों के लिए कुछ सीट प्राप्त करना आसान होता है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न कथन (A) आनुपातिक प्रतिनिधित्व का बहुदलीय व्यवस्था से संबंध होता है, सत्य है द्विदलीय पद्धति में सामान्यतः सामान्य बहुमत प्रणाली का ही उपयोग होता है। आनुपातिक प्रतिनिधित्व में छोटे दलों को अपनी संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व प्राप्त हो जाता है। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, साथ ही कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या भी है।

8. निम्नलिखित में से किसने यह मत व्यक्त किया कि 'हित', 'आदतें', 'भावनाएं' 'अभिमुखीकरण' आदि जनमत में अपनी भूमिका अदा करती हैं?

(a) रूसो (b) लॉवेल

(c) मौरिस जिन्सबर्ग (d) फाइनर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

प्रथम विश्वयुद्ध के उपरान्त की अवधि में जनमत के बारे में कुछ नए अध्ययन प्रकट हुए ताकि जनमत के निर्माण में लोगों की अभिवृत्तियों, निष्ठाओं तथा आचरण की भूमिका वर्णन किया जा सके। 'पब्लिक ओपनियन इन वार एण्ड पीस' शीर्षक वाले अध्ययन में लॉवेल ने मत व्यक्त किया कि 'हित', 'आदतें', भावनाएं', 'अभिमुखीकरण' आदि जनमत में अपनी भूमिका अदा करती हैं।

9. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत में दबाव समूह का उदाहरण है?

(a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (b) भारतीय जनता पार्टी
(c) जनता दल (यूनाइटेड) (d) भारतीय किसान यूनियन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) तीनों ही राजनीतिक दल हैं। आमण्ड एवं पावेल द्वारा प्रस्तुत दबाव समूहों के वर्गीकरण के अनुसार भारतीय किसान यूनियन समुदायात्मक दबाव समूह के अंतर्गत आते हैं।

10. राजनीतिक दल की परिभाषा सर्वप्रथम दी गई थी-

(a) बेंथम द्वारा (b) बर्क द्वारा
(c) मार्क्स द्वारा (d) मिल द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

इंग्लैंड के नेता तथा लेखक एडमण्ड बर्क ने अपनी पुस्तक 'Thoughts on the cause of the Present Discontents' में राजनीतिक दल को सर्वप्रथम परिभाषित करते हुए कहा कि दल ''एकताबद्ध लोगों का ऐसा निकाय है, जो किन्हीं विशेष सिद्धांतों पर राष्ट्रीय हित को बढ़ावा देने के लिए सहमत होते हैं।''

11. निम्नलिखित में से कौन-सा एक कार्य राजनीतिक दलों द्वारा संपादित किया जाता है?

(a) गरीब लोगों की सहायता करना
(b) अस्पतालों को संचालित करना
(c) समाचार-पत्रों का प्रबंध करना
(d) चुनाव लड़ने में उम्मीदवारों की सहायता करना

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

राजनीतिक दलों का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करने के लिए चुनाव में भाग लेना है। इस उद्देश्य के लिए विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवारों को निर्वाचनों में भाग लेने के लिए टिकट देना और उनकी सहायता करना है।

12. राजनैतिक दलों का निर्माण किस आधार पर होता है?

(a) धार्मिक सिद्धांतों
(b) सामान्य हितों
(c) आर्थिक और राजनैतिक सिद्धांतों
(d) जातियों

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(*)

राजनीतिक दलों के निर्माण में किसी एक कारण की भूमिका नहीं होती है, विभिन्न देशों की सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियां राजनीतिक दलों के निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाती हैं। अल्पविकसित विकासशील देशों में धार्मिक, जातीय, इत्यादि सांस्कृतिक कारक के आधार पर राजनीतिक दलों के निर्माण हुए हैं, जबकि विकसित पश्चिमी यूरोप और अमेरिका में आर्थिक एवं राजनीतिक कारणों ने राजनीतिक दलों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। चूंकि सामान्य राजनीतिक दलों के निर्माण की सबसे स्पष्ट अवधारणा है इसलिए सामान्य तौर पर 'सामान्य हित' को राजनीतिक दल के निर्माण का आधार माना जा सकता है। धार्मिक, जातीय या आर्थिक, राजनीतिक सभी वर्गों के अपने-अपने सामान्य हित होते हैं, जिसके आधार पर वह संगठित होकर सत्ता प्राप्ति की दिशा की ओर बढ़ते हैं।

13. किसने दबाव समूह को एक 'अज्ञात साम्राज्य' जैसा कहा है?

(a) मायरन वीनर (b) एस.ई. फाइनर
(c) डेविड बी. ट्रूमेन (d) वी.ओर.की जूनियर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015
Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

किसी भी राजनीतिक व्यवस्था में दबाव समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए एस.ई. फाइनर ने इन्हें 'अज्ञात साम्राज्य' की संज्ञा दी है। डी.डी. मैक्कीन ने इनका नाम 'अदृश्य सरकार' रखा है तथा थास्सर्टेन सैलिन और रिचर्ड डी. लैम्बर्ट ने इन्हें 'अनौपचारिक सरकार' कहा है।

14. द्विपार्टी व्यवस्था पायी जाती है-

(a) भारत (b) फ्रांस
(c) यू.एस.एस.आर. (d) यू.एस.ए.

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

दो दलीय प्रणाली, संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.) में पायी जाती है। इन दो दलों में एक का नाम रिपब्लिकन पार्टी है और दूसरे का नाम डेमोक्रेटिक (लोकतांत्रिक) पार्टी है। अमेरिका में सत्ता के लिए संघर्ष इन्हीं दोनों राजनीतिक दलों के बीच चलता रहता है।

15. अमेरिका में दो महत्वपूर्ण राजनीतिक दल हैं-

(a) स्वतंत्र और लोकतांत्रिक
(b) रिपब्लिकन और लोकतांत्रिक
(c) लोकतांत्रिक और समाजवादी
(d) रिपब्लिकन और कम्युनिस्ट

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. निम्न में से कौन-सी वह विशेषता है जो एक राजनीतिक दल को दबाव समूह से भिन्न करती है?

(a) एक दल व्यक्तियों का एक समूह होता है।

(b) प्रत्येक दल का अपना संगठन होता है।

(c) राजनैतिक वैचारिकी पर आधारित होता है।

(d) एक दल का अपना कोष होता है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

प्रत्येक राजनीतिक दल अनिवार्यतः किसी निश्चित राजनीतिक विचारधारा पर आधारित होते हैं। एक दबाव गुट में विभिन्न राजनीतिक विचार वाले हो सकते हैं, जबकि एक राजनीतिक दल के सभी सदस्य कुछ निश्चित राजनीतिक सिद्धांतों को मानने वाले होते हैं। इस प्रकार एक राजनीतिक दल से अनेक हित समूह संबंधित होते हैं। जिनके आर्थिक हित तो भिन्न-भिन्न हैं, लेकिन वे एक ही राजनीतिक वैचारिकी में विश्वास करते हैं।

17. दबाव समूह की तकनीक है-

(a) धमकी देना (b) मूल्य आधारित मांगें

(c) अभिजन वर्ग का समर्थन (d) असहानुभूत रवैया

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

दबाव समूह जिन मांगों को सरकार के समक्ष रखते हैं, उनके समर्थन में धावक लोगों की स्वीकारोक्ति भी आवश्यक है। मूल्य आधारित मांगें ही ज्यादा से ज्यादा समर्थन प्राप्त करने में सहायक हो सकते हैं। ऐसी मांगें सरकार पर दबाव नहीं डाल सकती, जिन्हें जनता का व्यापक समर्थन प्राप्त न हो।

18. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : भारत में सुदृढ़ दलीय व्यवस्था नहीं है।

कारण (R) : भारतीय राजनीतिक दल भारतीय समाज की जटिलता को प्रतिबिंबित करते हैं।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारत में अभी भी कोई स्थायी दल व्यवस्था उभरकर नहीं आई। कांग्रेस और भाजपा के साथ संबद्ध विभिन्न दल सत्ता प्राप्ति के लिए क्रियाशील रहते हैं। इसलिए यह दलीय व्यवसथा न होकर भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन तथा कांग्रेस के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठनबंधन सरकार का निर्माण करते हैं।

कांग्रेस और भाजपा के अलावा असंख्य राजनीतिक दलों का अस्तित्व भारतीय समाज की जटिलता को प्रतिबिंबित करते हैं। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं। कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या प्रस्तुत कर रहा है।

19. निम्नलिखित में से कौन दल प्रणाली की विशेषता नहीं है?

(a) दल अपने हितों के लिए संघर्ष करते हैं।

(b) दल प्रणाली व्यक्ति की वैयक्तिकता को नष्ट करती है।

(c) दल कृत्रिम विभेद उत्पन्न करते हैं।

(d) दल सरकार के अंगों में एकरूपता स्थापित करते हैं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(*)

अपने हितों के लिए संघर्ष करना दबाव समूहों का कार्य है। दल सत्ता प्राप्त के लिए संघर्ष करते हैं। राजनीतिक दलों के कोई स्पष्ट हित नहीं होते हैं। अनेक हितों का सम्मिलिन राजनीतिक दल में हो जाता है, इसलिए समयानुकूल मुद्दे जो दल को सत्ता तक पहुंचाते हैं, महत्वपूर्ण हो जाते हैं। विकल्प (d) भी दल प्रणाली विशेषता नहीं बताता। दल प्रणाली से कार्यपालिका एवं विधायिका की गतिविधियां प्रभावित होती हैं, न कि न्यायपालिका की गतिविधियां। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायिक प्रणाली स्वतंत्र और निष्पक्ष होती है इसमें नियुक्तियां और कार्यप्रणाली में दल की कोई भूमिका नहीं होती है। अतः दल के द्वारा सभी अंगों में एकरूपता स्थापित करने का प्रश्न ही नहीं उठता है, इस प्रकार उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (a) और विकल्प (d) दोनों सही हैं।

20. निम्न में से किस विद्वान ने कहा था कि भारत में स्वतंत्रता के पहले कुछ वर्षों में जो दलीय प्रणाली थी वह एक दल प्रधान दल व्यवस्था थी?

(a) भीखू पारेख (b) माइरन वीनर

(c) ग्रेनविल ऑस्टिन (d) रजनी कोठारी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

भारत में प्रचलित बहुदलीय प्रणाली यूरोपीय देशों, जैसे कि फ्रांस, इटली, से भिन्न है। भारतीय दल प्रणाली अपने आप में एक मॉडल है। मोरिस जोन्स और रजनी कोठारी ने 60 के दशक में इस विचार को लोकप्रिय बनाया कि भारत में स्वतंत्रता से पहले के वर्षों में जो दलीय प्रणाली थी वह एक दल प्रधान दल व्यवस्था थी।

21. किसने कहा, ''राजनीतिक दल अच्छे हैं या बुरे, इस संबंध में सूचना एकत्र करना वैसा ही है जैसा इस संबंध में विचार करना कि हवाएं और ज्वार-भाटे अच्छे होते हैं या बुरे''?

(a) रॉबर्ट मिशेल्स (b) लॉवेल

(c) जीन ब्लौन्डल (d) गिलबर्ट

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

राजनीतिक दलों अनेकानेक दोषों के बावजूद प्रजातंत्र के लिए आवश्यक हैं। उपर्युक्त कथन लॉवेल का है, इन्होंने अपनी पुस्तक 'गवर्नमेन्ट एण्ड पार्टीज इन कान्टीनेन्टल यूरोप-प्रिफेस' में राजनीतिक दलों के बारे में यह टिप्पणी की है।

22. निम्न में से किसने दलीय व्यवस्था तथा निर्वाचन व्यवस्था के मध्य सह-संबंध स्थापित करने का प्रयास किया?

(a) एच.जे. लॉस्की (b) एम. डूवर्जर

(c) एच.एम. फाइनर (d) लॉर्ड ब्राइस

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

फ्रांसीसी राजनीतिक विचारक मौरिस डूवर्जर ने अपनी चर्चित कृति 'पोलिटिकल पार्टीज' में राजनीतिक दलों की उत्पत्ति के बारे में विस्तार में वर्णन किया है। इन्होंने ही दलीय व्यवस्था तथा निर्वाचन व्यवस्था के मध्य सह-संबंध स्थापित करने का प्रयास किया है।

23. भारत में दल-विहीन लोकतंत्र की सर्वप्रथम वकालत किसने की?

(a) विनोबा भावे (b) जयप्रकाश नारायण

(c) महात्मा गांधी (d) एम.एन. रॉय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

ऐतिहासिक दृष्टिकोण से दल-विहीन लोकतंत्र की सर्वप्रथम वकालत एम.एन.रॉय ने की थी। हालांकि उपर्युक्त सभी विचारक राजनीतिक दलों को लोकतंत्र के लिए घातक मानते हैं, परंतु एम.एन. राय ने सर्वप्रथम इस मत का प्रतिपादन किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी राजनीतिक दल किसी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।

24. निम्न में से कौन सामुदायिक दबाव समूह का उदाहरण नहीं है?

(a) किसान संगठन

(b) यंग तुर्क

(c) श्रमिक संघ

(d) राज्य-कर्मचारी संघ

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

जी.ए.आमण्ड ने दबाव समूहों का वर्गीकरण संस्थात्मक, समुदायात्मक, असमुदायात्मक तथा प्रदर्शनकारी के रूप में किया है। सामुदायिक दबाव समूह हितों की अभिव्यक्ति के विशेषीकृत संघ होते हैं। इनकी मुख्य विशेषता अपने विशिष्ट हितों की पूर्ति करना होता है। इनमें प्रमुख हैं : व्यावसायिक संगठन, किसान संगठन और श्रमिक संगठन।

25. निम्न में कौन-सा कथन सत्य है?

(a) सभी दबाव समूह हित समूह हैं

(b) सभी हित समूह दबाव समूह हैं

(c) दबाव समूह राज्य की निर्णयन प्रक्रिया को प्रभावित नहीं कर सकते

(d) हित समूह व्यक्ति की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

'हित समूह' एक व्यापक अवधारणा है, इसके अंतर्गत 'दबाव समूह', एन.जी.ओ. आई.एन.जी.ओ., लाबी इत्यादि आते हैं, जो हित समूह शासन पर दबाव डालकर अपने हितों की पूर्ति करते हैं, उन्हें ही दबाव समूह कहा जाता है, किंतु कुछ 'हित-समूह' स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं, जिनका सरकार की गतिविधियों में कोई संबंध नहीं होता है। इन आधारों पर यह कहा जाता है कि सभी 'दबाव समूह', 'हित समूह' हैं, किंतु सभी 'हित समूह', 'दबाव समूह' नहीं हैं।

26. निम्न में से किसने चेतावनी दी की भारत में 'व्यक्ति पूजा' की भावना लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है?

(a) महात्मा गांधी (b) बी.आर. अम्बेडकर

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) विनोबा भावे

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

राजनीति में व्यक्ति-पूजा के दुष्प्रभावों को देखते हुए डॉ. अम्बेडकर ने इसे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा घोषित किया था। भारत की राजनीति में भक्ति या आत्मसमर्पण या नायक पूजा अन्य देशों की तुलना में बड़े स्तर पर अपनी भूमिका निभाती है। राजनीति में व्यक्ति-पूजा पतन का रास्ता है और जो अन्ततः तानाशाही पर खत्म होता है।

27. ''राजनीतिक दल अपरिहार्य हैं, कोई भी स्वतंत्र देश उनके बिना नहीं रह सकता।'' यह कथन किसका है?

(a) ब्राइस (b) लॉस्की

(c) गार्नर (d) मेक्स वेबर

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(a)

ब्राइस के अनुसार, ''राजनीतिक दल अपरिहार्य हैं, कोई भी स्वतंत्र देश उनके बिना नहीं रह सकता।'' इसके अतिरिक्त ब्राइस ने राजनीतिक दल के संबंध में कहा है कि ''राजनीतिक दल उस संगठित समूह को कहते हैं जिसकी सदस्यता ऐच्छिक हो और जो राजनीतिक शक्ति को प्राप्त करने में अपनी सामूहिक शक्ति लगा दे।''

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- एडमंड बर्क के अनुसार, ''राजनीतिक दल ऐसे व्यक्तियों का एक ऐसा समूह है जिसके सदस्य सामान्य सिद्धांतों पर सहमत हों और सामूहिक प्रयत्नों द्वारा राष्ट्रीय हित को प्रोत्साहित करने के लिए एकता के सूत्र में बंधे हों।''
- मैकाइवर के अनुसार, ''एक राजनीतिक दल एक ऐसी संस्था है, जिसे किसी सिद्धांत या नीति के लिए संगठित किया गया है और उस नीति को यह संवैधानिक साधनों से सरकार के निर्णय के रूप में परिणत करने का प्रयत्न करता है।''
- लीकॉक के अनुसार ''राजनीतिक दल नागरिकों के एक संगठित समुदाय को कहते हैं, जो इकट्ठे मिलकर एक राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करता है। उसके विचार सार्वजनिक प्रश्नों पर एक समान होते हैं और वे एक समान उद्देश्य की पूर्ति के लिए मतदान की शक्ति का प्रयोग करके सरकार पर अपना आधिपत्य करना चाहते हैं।''

28. ब्रिटेन में महिलाओं को वोट देने का अधिकार किस शताब्दी में मिला?

(a) 17वीं (b) 18वीं
(c) 19वीं (d) 20वीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

ब्रिटेन में महिलाओं को मताधिकार वर्ष 1928 में (20 वीं सदी) 'जनप्रतिनिधि कानून' (Representation of the People Act,–1928) के माध्यम से प्रदान किया गया।

29. निम्न में किसमें राजनैतिक दल भाग नहीं लेते हैं?

(a) शासन (b) विधि-निर्माण
(c) प्रदत्त विधि-निर्माण (d) निर्वाचन

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

राजनीतिक दलों के कार्यों में प्रदत्त विधि निर्माण या प्रत्यायुक्त विधायन का कार्य नहीं आता है। राजनीतिक दलों के कार्यों में मुख्यतः चुनावों में प्रतिभाग करना, नीति निर्माण करना, नेताओं की भर्ती एवं प्रशिक्षण करना, सरकार चलाना, विपक्ष की भूमिका निभाना, जनमत का निर्माण करना, हित प्रकटीकरण एवं समूहन एवं राजनीतिक समाजीकरण शामिल है।

30. निम्नलिखित में से किस देश में एकदलीय पद्धति है?

(a) भारत (b) फ्रांस
(c) चीन (d) अमेरिका

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

चीन में साम्यवादी शासन प्रणाली है, जिसके अंतर्गत एकदलीय व्यवस्था विद्यमान है। चीन की साम्यवादी पार्टी को 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (Communist Party of China) कहते हैं। यह विश्व की सबसे पुरानी कम्युनिस्ट पार्टी है, जो वर्तमान में कार्यरत है। इसके अतिरिक्त भारत में बहुदलीय दल प्रणाली पाई जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में द्विदलीय दल प्रणाली पाई जाती है। चीन व अन्य साम्यवादी देशों में एकदलीय दल पद्धति पाई जाती है।

31. किस देश में एक दलीय पद्धति है-

(a) भारतवर्ष (b) फ्रांस
(c) चीन (d) ब्रिटेन

P.G.T. परीक्षा, 2003
P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. चीन ने स्वीकार किया है-

(a) बहुदलीय पद्धति (b) द्विदलीय पद्धति
(c) एक दलीय पद्धति (d) दल रहित पद्धति

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. निम्न में से कौन-सा राजनीतिक दल का आवश्यक तत्व नहीं है?

(a) संगठन
(b) विदेशों द्वारा मान्यता
(c) सामान्य सिद्धांतों में सहमति
(d) संवैधानिक साधनों में विश्वास

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

विदेशों द्वारा मान्यता राजनीतिक दल का आवश्यक तत्व नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

राजनीतिक दलों की निम्न विशेषताएं होती हैं-

- दल ऐच्छिक संस्था होते हैं।
- दल के सामान्य सिद्धांतों पर सहमति होती है।
- ये शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक साधनों में विश्वास रखते हैं।
- इनका लक्ष्य राजनीतिक शक्ति प्राप्त करना होता है।
- दल का संगठित होना अनिवार्य है।
- ये राष्ट्रीय हितों को प्रमुखता देते हैं।

34. निम्नलिखित में से कौन-सी राजनीतिक दल की विशेषता नहीं है?

(a) संगठन

(b) अवैधानिक साधनों का प्रयोग

(c) लोकतंत्र में विश्वास

(d) वैचारिक एकता

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

समान उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य करता है, दल कहते हैं। यदि उस दल का उद्देश्य राजनीतिक हो, तो उसे राजनीतिक दल कहा जाता है। राजनीतिक दल की कुछ प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं-संगठन, मूलभूत सिद्धांतों की एकता, संवैधानिक उपायों का प्रयोग, लोकतंत्र में विश्वास एवं राष्ट्रीय हित की वृद्धि इत्यादि।

35. निम्नलिखित में से कौन यह विश्वास करता है कि प्रजातांत्रिक तथा सर्वाधिकारवादी दोनों ही व्यवस्थाओं में राजनीतिक दलों का चरित्र आवश्यक रूप से अल्पतंत्रीय होता है?

(a) रॉबर्ट मिचेल्स (b) लॉ पैलोम्बरा

(c) सिडनी वर्बा (d) एडमण्ड बर्क

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

जर्मन समाज वैज्ञानिक रॉबर्ट मिचेल्स ने अपनी महत्वपूर्ण कृति 'पोलिटिकल पार्टीज' में गुटतंत्र के लौह-नियम का प्रतिपादन किया। उन्होंने जर्मनी के राजनीतिक दलों का विश्लेषण करते हुए लिखा कि किसी भी राजनीतिक प्रणाली में राजनीतिक दलों पर नियंत्रण मुट्ठी-भर लोगों के हाथ में रहता है।

36. निम्नलिखित में से किसे 'चतुर्थ स्तंभ (फोर्थ इस्टेट) कहा जाता है?

(a) नौकरशाही (b) न्यायपालिका

(c) प्रेस (d) राजनीतिक दल

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

लोकतांत्रिक देशों में विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका को सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था के तीन स्तंभ माना जाता है तथा प्रेस को 'चतुर्थ स्तंभ' की संज्ञा दी जाती है।

37. किस देश में सिविल सेवक किसी राजनीतिक दल के सदस्य बन सकते हैं?

(a) ब्रिटेन (b) भारत

(c) फ्रांस (d) अमेरिका

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

फ्रांस में सिविल सेवकों को राजनीतिक दल की सदस्यता ग्रहण करने एवं उसकी गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति दी गई है, जबकि भारत एवं अमेरिका में सिविल सेवकों पर कठोर प्रतिबंध हैं। हाल के वर्षों में ब्रिटेन में उच्च पदीय सिविल सेवकों को छोड़कर अन्य सिविल सेवकों को सीमित राजनीतिक गतिविधियों की स्वतंत्रता प्रदान की गई है।

38. कन्वेंशन, कॉकस और प्राइमरी का संबंध प्रमुखतः किससे है?

(a) अमेरिकी सीनेट की शक्तियों से

(b) अमेरिकी प्रतिनिधि सदन की शक्तियों से

(c) अमेरिकी राष्ट्रपति और संसद के बीच संबंधों से

(d) अमेरिकी दलों और चुनावों से

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

कन्वेंशन, कॉकस और प्राइमरी का संबंध अमेरिकी दलों और चुनावों से है, जिसके द्वारा अमेरिका के चुनाव का आरंभ होता है और अंत राष्ट्रपति के चुनाव से होता है।

39. निम्नलिखित में से कौन एक राजनीतिक दल का एक अनिवार्य कार्यकलाप नहीं है?

(a) बैठकें आयोजित करना

(b) समाचार-पत्र प्रकाशित करना

(c) जुलूस निकालना

(d) पोस्टर, पर्चा और अन्य राजनीतिक साहित्य निकालना

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

समाचार-पत्र प्रकाशित करना राजनीतिक दलों का अनिवार्य कार्यकलाप नहीं होता।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

राजनीतिक दलों के मुख्य कार्य हैं-

- प्रजातंत्र का संचालन संभव बनाना।
- राजनीतिक प्रक्रिया को स्थिरता प्रदान करना।
- जनता एवं सरकार के मध्य कड़ी का कार्य करना।
- सत्तारूढ़ दल की निरंकुशता पर नियंत्रण।
- जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देना।
- सरकार के समक्ष मुद्दे प्रस्तुत करना।
- लोगों को शासन में भाग लेने का अवसर प्रदान करना।
- राष्ट्रीय एकता स्थापित करना।

40. निम्नलिखित में से कौन घोषणा-पत्र (Manifesto) की श्रेष्ठ परिभाषा है?

(a) पार्टी संविधान (b) सरकारी प्रतिबद्धता

(c) राजनीतिक दल की प्रतिबद्धता (d) अभियान (Campaigning)

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

लोकतांत्रिक प्रणाली में प्रत्येक राजनीतिक दल कुछ मुद्दों एवं कार्यक्रमों पर जन-समर्थन प्राप्त करने एवं सरकार बनाने का प्रयास करता है। इन मुद्दों एवं कार्यक्रमों को वह चुनाव पूर्व जारी घोषणा-पत्र के द्वारा जनता के समक्ष समर्थन हेतु प्रस्तुत करता है। इस प्रकार घोषणा-पत्र कुछ मुद्दों एवं कार्यक्रमों के प्रति राजनीतिक दल की प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हैं।

41. लोकमत तैयार करने की सबसे शक्तिशाली एजेंसी है-

(a) चुनाव (b) सार्वजनिक सभाएं

(c) प्रेस (d) राजनीतिक दल

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

प्रेस या समाचार-पत्र लोकमत तैयार करने की सबसे शक्तिशाली एजेंसी है। प्रेस सरकार एवं जनता दोनों का नियंत्रक होता है। लिपमैन ने समाचार-पत्रों को 'प्रजातंत्र का धर्मग्रंथ' कहा है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लोकमत निर्माण के अन्य साधन हैं- मानव तत्व, शिक्षण संस्थाएं, रेडियो, टी.वी. एवं सिनेमा, मंच, व्यवस्थापिका सभाएं तथा राजनीतिक दल।
- जबकि चुनाव, आवेदन पत्र, स्मृति पत्र, वैधानिक आंदोलन तथा सत्याग्रह लोकमत अभिव्यक्ति के साधन हैं।

42. निम्नलिखित में से कौन विचारधारा राजनीतिक दल को 'सामाजिक वर्ग के एक मोर्चे के रूप में' विचार करती है?

(a) आदर्शवाद (b) व्यक्तिवाद

(c) फेबियनवाद (d) मार्क्सवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

मार्क्सवादी विचारधारा में राजनीतिक दल को श्रमजीवी क्रांति का अग्रिम दस्ता मानते हैं। दल ही श्रमिक वर्ग में क्रांति के विचार का प्रसार करता है, उन्हें क्रांति की कला की शिक्षा देता है और उन्हें अपने उद्देश्य में सफल बनाता हैं यह न केवल शांति से पहले आवश्यक है, श्रमजीवी अधिनायक तंत्र की स्थापना के लिए वह क्रांति के बाद भी आवश्यक है।

43. आधुनिक दल व्यवस्था का उद्भव प्रथमतः कहां हुआ?

(a) यू.एस.ए. (b) फ्रांस

(c) इंग्लैंड (d) बेल्जियम

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

ब्रिटेन को आधुनिक दल व्यवस्था का जनक माना जाता है। ब्रिटेन में राजनीतिक दल का विकास स्टुअर्ट राजाओं और उनकी संसदों के बीच हुए संवैधानिक संघर्ष का परिणाम माना जाता है। प्रारम्भ में दल अधिक राजनीतिक नहीं थे, बल्कि उनका स्वरूप दल बंदी (गुटबंदी) का था। विकास के इस क्रम में जो व्यक्ति जेम्स द्वितीय और उसके पुत्र का समर्थन करते थे उन्हें 'टोरी' कहा जाने लगा और जो व्यक्ति रक्तहीन क्रांति का समर्थन किया तथा बिहग दल ने संसद का। कालान्तर में दोनों दलों ने अपने स्वरूप में परिवर्तन किया और विशुद्ध राजनीतिक स्वरूप ग्रहण कर लिया तथा इन दलों के नामों में भी परिवर्तन हुआ। बिहग बाद में उदार या लिबरल दल कहलाए तथा टोरी अनुदार दल कहलाए।

44. ब्रिटिश टोरी और व्हिग दलों की विचारधारा क्रमशः-

(a) अनुदारवादी और उदारवादी थी

(b) उदारवादी और अनुदारवादी थी

(c) उग्र उदारवादी और संयमित उदारवादी थी

(d) उग्र अनुदारवादी और संयमित अनुदारवादी थी।

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. किसी राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य होता है-

(a) चुनाव लड़ना

(b) जनमत तैयार करना

(c) सत्ता प्राप्त करना

(d) सदस्य बनाना

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

किसी भी राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना होता है, जबकि किसी भी दबाव समूह का मुख्य उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना न होकर अपने सदस्यों के हितों को सिद्ध करना होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

राजनीतिक दल एवं दबाव समूह में निम्न अंतर होते हैं-

- दबाव समूह का आकार एवं उद्देश्य दलों की तुलना में सीमित होता है।
- व्यक्ति कई दबाव समूहों का सदस्य हो सकता है किंतु कई दलों का सदस्य नहीं हो सकता।
- दबाव समूहों के विपरीत दलों के निश्चित सिद्धांत तथा कार्यक्रम होते हैं।
- दलों का मुख्य उद्देश्य सत्ता प्राप्ति हैद्ध किंतु दबाव समूहों का उद्देश्य सत्ता को इस प्रकार प्रभावित करना होता है कि उनके हितों की पूर्ति हो।
- दल लक्ष्य प्राप्ति हेतु संवैधानिक साधनों का जबकि दबाव समूह संवैधानिक एवं असंवैधानिक साधनों का प्रयोग करते हैं।

46. 'पोलित ब्यूरो' शब्द संबंधित है-

(a) कांग्रेस पार्टी से (b) भारतीय जनता पार्टी से

(c) साम्यवादी पार्टी से (d) समाजवादी पार्टी से

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

'पोलित ब्यूरो' साम्यवादी पार्टी में नीति निर्धारित करने वाली सर्वोच्च संस्था है, इसे साम्यवादी पार्टी का बौद्धिक संगठन भी कहा जाता है।

47. निम्न में से किसे दबाव समूह माना जा सकता है?

(a) भारतीय राष्ट्रीय श्रमिक कांग्रेस (b) अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

(c) राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (d) भारत सेवक समाज

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(a)

पूर्व कथित दबाव समूह की विशेषताओं को देखते हुए भारतीय राष्ट्रीय श्रमिक कांग्रेस को दबाव समूह माना जा सकता है।

48. जनमत का वास्तविक अर्थ है -

(a) तर्क पर आधारित मत

(b) बहुमत का मत

(c) वह मत जो सारे समुदाय के कल्याण को ध्यान में रखे

(d) सर्वसंबंधित पक्षों का मत

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

'जनमत' से तात्पर्य उस मत से है, जो सारे समुदाय या समुदाय के अधिकांश भाग के कल्याण को ध्यान में रखे।

49. विधानसभा में किसी दल के निर्वाचित सदस्यों के दल-बदल पर निम्नलिखित में से किसने प्रतिबंध लगाया है?

(a) संविधान का 52वां संशोधन अधिनियम

(b) जनप्रतिनिधित्व का कानून

(c) संविधान का 42वां संशोधन अधिनियम

(d) संविधान का 74वां संशोधन अधिनियम

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारतीय राजनीति से दल-बदल के दोष को समाप्त करने हेतु तथा सरकार में स्थिरता लाने हेतु वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधान द्वारा दल-बदल से संबद्ध कानून बनाकर संविधान की 10वीं अनुसूची में स्थापित किया गया।

50. मतदाताओं को पहचान-पत्र देने का प्रावधान कहां किया गया है?

(a) भारत के संविधान में

(b) जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1958 में

(c) निर्वाचन विधि (संशोधन) अधिनियम, 1975 में

(d) दंड तथा निर्वाचन विधि (संशोधन) अधिनियम, 1969 में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

दिनेश गोस्वामी समिति की सिफारिश के आधार पर मतदाता पहचान-पत्र का प्रावधान जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1958 में किया गया है।

51. भारत में राजनीतिक शक्ति का मुख्य स्रोत है-

(a) जनता

(b) संविधान

(c) संसद

(d) संसद एवं राज्य-विधानसभा

T.G.T. परीक्षा, 2004

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

भारत में राजनीतिक शक्ति का मुख्य स्रोत मतदाता या जनता है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुसार, ''उद्देशिका स्पष्ट करती है कि भारतीय संविधान का आधार जनता है एवं इसमें निहित प्राधिकार और प्रभुसत्ता सब जनता से प्राप्त हुई है''।

52. दबाव समूह की प्रमुख विशेषता है-

(a) अनिश्चित कार्यकाल

(b) प्रशासन में परोक्ष भूमिका

(c) सर्वव्यापक प्रकृति

(d) संवैधानिक साधनों का आवश्यक रूप से प्रयोग

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

दबाव समूह की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह राजनीति एवं प्रशासन में परोक्ष भूमिका निभाता है।

53. दबाव समूह का व्यवस्थित अध्ययन करने वाला प्रथम व्यक्ति कौन है?

(a) मोस्का (b) कांट

(c) ए.एफ. बेन्टले (d) सर जेम्स

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

सर्वप्रथम आर्थर बेंटले ने समूह सिद्धांत का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि समाज के लोगों का भाग, जिन्हें लोगों के अन्य समूहों से कटे हुए भौतिक पिण्ड के रूप में नहीं बल्कि गतिविधि के एक पिण्ड के रूप में माना जाता है। इसी आधार पर बेंटले ने अपनी कृति 'द प्रासेस ऑफ गवर्नमेंट' में दबाव समूहों की गतिविधियों का उल्लेख किया है।

54. दबाव समूह-

(a) हिंसक तरीके से अपना कार्य करवाते हैं।

(b) दबाव बनाकर अपना कार्य करवाते हैं।

(c) क्रांति का सहारा लेते हैं।

(d) इनमें से किसी विधि का इस्तेमाल नहीं करते हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

दबाव समूह दबाव बनाकर अपना कार्य करवाते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु दबाव समूह विभिन्न युक्तियां अपनाते हैं जिनमें सम्मिलित हैं-
- अनुनय,
- सौदेबाजी,
- सीधी कार्यवाही,
- लॉबिंग-विधानमंडल के सदस्यों को प्रभावित कर अपने हित में कानूनों का निर्माण करवाना,
- दूरसंचार सेवाओं (रेडियो, टी.वी., प्रेस) साधनों का स्वहितों की पूर्ति हेतु प्रयोग,
- नीति निर्माताओं को प्रभावित करने हेतु आंकड़ों का प्रकाशन,
- गोष्ठियों का आयोजन,
- न्यायालयों में याचिका दायर करना,
- अपने समर्थक व्यक्तियों को चुनावों में दलीय प्रत्याशी मनोनीत करवाना।

55. निम्न में से कौन-सा साधन दबाव समूह नहीं अपनाते हैं?

(a) संगोष्ठी (b) प्रचार

(c) लॉबीइंग (d) चुनाव लड़ना

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. दबाव समूह का प्रमुख उद्देश्य है-

(a) सामाजिक सेवा

(b) जनता को शिक्षित करना

(c) सक्रिय राजनीति करना

(d) अपने हितों की पूर्ति के लिए सरकार पर दबाव डालना

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. दबाव समूहों का प्रमुख उद्देश्य है-

(a) सत्ता प्राप्त करना।

(b) सरकार के गठन में सम्मिलित होना।

(c) चुनाव लड़ना।

(d) अपने स्वार्थों की प्राप्ति के लिए सरकार पर दबाव डालना।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. आमण्ड और पावेल द्वारा किए दबाव समूहों के वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है?

(a) संस्थात्मक दबाव समूह (b) सांविधानिक दबाव समूह

(c) समुदायात्मक दबाव समूह (d) असमुदायात्मक दबाव समूह

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

आमण्ड और पावेल द्वारा किए गए दबाव समूहों के वर्गीकरण में सांविधनिक दबाव समूह सम्मिलित नहीं है। इनके वर्गीकरण में सम्मिलित दबाव समूहों के चार प्रकार निम्न हैं-

A - संस्थात्मक

B - प्रदर्शनकारी

C - समुदायात्मक

D - असमुदायात्मक

59. अमेरिका में दबाव समूहों द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी विधि प्रयोग में लाई जाती है?

(a) बहिष्कार (b) लॉबी प्रचार

(c) विधीय अभियोग (d) शांतिपूर्ण प्रदर्शन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

अमेरिका में दबाव समूहों द्वारा लॉबी प्रचार विधि का प्रयोग किया जाता है। इसके अंतर्गत विधानमंडल के सदस्यों को प्रभावित कर अपने हित में कानून का निर्माण कराया जाता है।

60. निम्नलिखित में से कौन-से वक्तव्य सही हैं? अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूट की सहायता से कीजिए :

1. दबाव समूह राजनीतिक दल से अलग हैं।

2. दबाव समूह और राजनीतिक दल में कोई अंतर नहीं है।

3. दबाव समूह चुनाव नहीं लड़ते।

4. दबाव समूह सीधे राजनीतिक शक्ति प्राप्त करना नहीं चाहते।

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 2, 3 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 3, 2 और 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

दबाव समूह और राजनीतिक दलों में अंतर होता है। अन्य तीन विकल्प 1, 3 और 4 दबाव समूह की भूमिका का सही निरूपण करते हैं।

61. यू. एस. ए. में दबाव समूहों की सर्वाधिक पसंद की प्रविधि है-

(a) बहिष्कार एवं धरना (b) लॉबी प्रचार

(c) पूर्ण हड़ताल (d) शांतिपूर्ण आंदोलन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. निम्नलिखित देशों में से किसमें दबाव समूह सर्वाधिक सक्रिय हैं?

(a) ब्रिटेन (b) ऑस्ट्रेलिया

(c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) भारतवर्ष

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

संयुक्त राज्य अमेरिका में दबाव समूह सर्वाधिक सक्रिय हैं, इसका प्रमुख कारण अपने हितों के प्रति जागरूकता और संसाधनों की उपस्थिति है। अमेरिका में दबाव समूहों के द्वारा जन प्रतिनिधियों को प्रभावित करने तथा अपने पक्ष में कानून बनवाने के लिए 'लाबिंग' व्यवस्था खूब प्रचलित है।

63. दबाव समूह के विषय में क्या सत्य नहीं है?

(a) वे संगठित होते हैं।

(b) वे राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं।

(c) वे सरकार पर दबाव डालते हैं।

(d) वे चुनाव लड़ते हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

दबाव समूह अपने हितों की पूर्ति हेतु चुनाव नहीं लड़ते, बल्कि परोक्ष रूप से नीति-निर्माताओं को प्रभावित करते हैं।

64. दबाव समूहों का स्वभाव होता है-

(a) राजनीतिक दल के रूप में (b) न्यायपालिका के रूप में

(c) समूह-अभिकरण के रूप में (d) अदृश्य सरकार के रूप में

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(d)

दबाव समूहों को इनकी कार्यशैली के कारण 'अदृश्य सरकार' कहा जाता है। एस.ई. फाइनर ने इन्हें 'अज्ञात साम्राज्य' की संज्ञा दी है। शुम्पीटर ने इन्हें वर्तमान लोकतन्त्रिक व्यवस्था में 'गुमनाम साम्राज्य के शासक' कहा है।

65. इनमें से किसने दबाव गुटों को 'एक अज्ञात साम्राज्य' की संज्ञा दी है?

(a) फाइनर (b) कासल्स

(c) रोडी (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. निम्नलिखित में से कौन दबाव समूह का कार्य नहीं है?

(a) दबाव समूह जनतांत्रिक प्रक्रिया की अभिव्यक्ति के साधन हैं।

(b) दबाव समूह शासन के लिए सूचना एकत्र करने वाले संगठन हैं।

(c) दबाव समूह सरकारी निरंकुशता को सीमित करते हैं।

(d) दबाव समूह सदैव असंवैधानिक साधनों का ही प्रयोग करते हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

दबाव समूह सदैव असंवैधानिक साधनों का ही प्रयोग नहीं करते, वे संवैधानिक साधनों का भी प्रयोग करते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

दबाव समूहों के कार्य, भूमिका एवं उपयोगिताएं निम्नवत हैं-

- लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जीवंत बनाते हैं।
- शासन के लिए सूचना एकत्र करने वाले संगठन के रूप में कार्य करते हैं।
- सरकार की निरंकुशता को सीमित करते हैं।
- समाज एवं शासन में संतुलन स्थापित करते हैं।
- व्यक्ति एवं सरकार के मध्य संचार साधन के रूप में कार्य करते हैं।
- क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के पूरक का कार्य करते हैं।
- कानून निर्माण में विधायकों की सहायता करते हैं, जिस कारण आज इन्हें 'विधानमंडल के पीछे विधानमंडल' कहा जाने लगा है।

67. दबाव समूहों का मुख्य उद्देश्य है-

(a) राजनीतिक सत्ता प्राप्त करना

(b) भौतिक विकास के लिए कार्य करना

(c) अपने सदस्यों के हितों को विकसित करना

(d) धर्म की रक्षा करना

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

दबाव समूह आधुनिक प्रजातंत्र के अभिन्न अंग हैं। ये अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था की देन है। दबाव समूहों का मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों हितों को सिद्ध करना होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- दबाव समूहों की निम्न विशेषताएं होती हैं-

I. सीमित उद्देश्य, II. औपचारिक या अनौपचारिक रूप से संगठित, III. संवैधानिक और असंवैधानिक साधनों का प्रयोग, IV. सीमित एवं परस्परव्यापी सदस्यता, V. राजनीति एवं प्रशासन में परोक्ष भूमिका, VI. अनिश्चित कार्यक्रम, VII. सर्वव्यापी प्रकृति।

68. निम्नलिखित में से कौन जनमत का साधन/अभिकरण नहीं है?

(a) प्रेस (b) राजनीतिक दल

(c) न्यायपालिका (d) रेडियो

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

न्यायपालिका जनमत निर्माण का साधन/अभिकरण नहीं है। जनमत निर्माण के साधनों में समाचार-पत्र, रेडियो, सिनेमा, अन्य संचार साधन, सुसंगठित राजनीतिक दल, सार्वजनिक मंच आदि को शामिल किया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लोकमत (जनमत) लोकतंत्र के लिए जरूरी है तथा सरकार के निर्माण, संचालन तथा उसकी सफलता के लिए अनिवार्य होता है।
- गिन्सबर्ग के शब्दों में, ''जनमत अनेक मस्तिष्कों की अंत:प्रक्रिया से उत्पन्न सामाजिक तत्व हैं''।
- किम्बल यंग के अनुसार, ''किसी एक निश्चित समय पर जनता के जो मत होते हैं, उससे जनमत बनता है''।

69. मैक्स वेबर का कार्य संकेंद्रित है-

(a) राज्यों के संविधान पर (b) विधिक संरचना पर

(c) सरकार की वैधता पर (d) सरकार के प्रकार पर

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

मैक्स वेबर का कार्य सरकार की वैधता पर संकेंद्रित है। वेबर के अनुसार, एक व्यक्ति अन्य पर अपना प्रभुत्व तीन प्रकार से स्थापित करता है- पारंपरिक प्रभुत्व, करिश्माई प्रभुत्व एवं वैधानिक प्रभुत्व। वैधानिक प्रभुत्व का आधार कानून या विधि होता है एवं इसका सर्वोत्तम उदाहरण नौकरशाही है।

70. दबाव समूहों ने ''तीसरे सदन'' का नाम प्राप्त कर लिया है, यह किसका विचार है?

(a) फाइनर (b) ब्राइस

(c) डायसी (d) लॉस्की

P.G.T. परीक्षा, 2002, 2010

उत्तर–(a)

दबाव समूहों को 'तृतीय सदन' की संज्ञा फाइनर द्वारा दी गई थी, क्योंकि दबाव समूह अमेरिका में विधि निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

71. दबाव समूह को विधायिका का तृतीय सदन कौन कहता है?

(a) लॉर्ड ब्राइस (b) एच.एम. फाइनर

(c) जी.डी.एच. कोल (d) डायसी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(0)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. ''राजनीतिक दल जनतंत्र से कहीं अधिक प्राचीन हैं।'' यह किसने कहा है?

(a) लॉस्की (b) ब्राइस

(c) लॉवेल (d) बर्क

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

जेम्स ब्राइस ने अपनी पुस्तक 'मॉडर्न डेमोक्रेसीज' (Modern Democracies) के भाग एक के नौवें अध्याय की पहली पंक्ति में उल्लेख किया है कि ''राजनीतिक दल जनतंत्र से कहीं अधिक प्राचीन हैं।''

निर्वाचन प्रणाली

1. जॉन स्टुअर्ट मिल के द्वारा जिन चुनावी सुधारों का समर्थन किया गया उसमें सम्मिलित थे-

1. आनुपातिक प्रतिनिधित्व

2. बहुल मतदान

3. खुला मतदान

4. महिला मताधिकार

कूट की सहायता से उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) 1 और 4 (b) 2 और 4

(c) 2 और 3 (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

मिल ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'रिप्रजेंटेटिव गवर्नमेंट' में लोकतांत्रिक पद्धति में अनेक सुधारों का वर्णन किया है। अल्पसंख्यक लोगों के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व, शिक्षा के आधार पर बहुल मतदान, बेंथम के विपरीत गुप्त मतदान के स्थान पर खुली मतदान प्रक्रिया तथा महिला मताधिकार का जोरदार समर्थन।

2. निम्नलिखित में से कौन एक सार्वभौम वयस्क मताधिकार के प्रबल विरोधियों में से एक था?

(a) मार्क्स (b) जे.एस. मिल

(c) रूसो (d) लॉक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

राजनीतिक जीवन के संचालन में सबसे अधिक बुद्धिमान सदस्यों की बुद्धि तथा सदाचार का प्रभाव पड़े। इस उद्देश्य की दृष्टि से मिल ने सार्वभौम वयस्क मताधिकार का प्रबल विरोध किया था। उन्होंने सुझाव रखा कि शासकों का चुनाव अज्ञानी और विवेकहीन जनता पर नहीं छोड़ा जाना

चाहिए, क्योंकि इससे सामूहिक साधारण बुद्धि के द्वारा शासन के दोष कम हो जाएंगे। 'रिप्रजंटेटिव गवर्नमेंट' में मिल ने आनुपातिक प्रतिनिधित्व और बहुल मतदान का सुझाव दिया था। उन्होंने जोर दिया कि मतदान का अधिकार केवल उन्हीं व्यक्तियों को मिलना चाहिए। जिनका एक बौद्धिक स्तर हो।

3. निम्नलिखित में से कौन एक सार्वभौम वयस्क मताधिकार के प्रबल विरोधियों में से एक था?

(a) मार्क्स (b) जे.एस. मिल
(c) रूसो (d) लॉक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. सामान्य निर्वाचन हेतु एक निर्वाचन क्षेत्र का निर्धारण किया जाता है-

(a) राष्ट्रपति द्वारा (b) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा
(c) जनगणना आयोग द्वारा (d) परिसीमन आयोग द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

सामान्य निर्वाचन हेतु निर्वाचन क्षेत्र का निर्धारण परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है। परिसीमन आयोग अधिनियम, 1952 में यह प्रावधान है कि दस वर्ष बाद होने वाली प्रत्येक जनगणना के पश्चात निर्वाचन क्षेत्रों का परसीमन किया जाएगा। चौथे परिसीमन आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति कुलदीप सिंह थे। इस आयोग का गठन 12 जुलाई 2002 को किया गया था।

5. निम्न में से किस प्रणाली द्वारा अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सकता है?

(a) एक व्यक्ति एक मत प्रणाली
(b) आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली
(c) प्रादेशिक प्रतिनिधित्व प्रणाली
(d) कार्यात्मक प्रतिनिधित्व प्रणाली

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रणाली सबसे अधिक लोकप्रिय है। इसका उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों को विधानमण्डल में प्राप्त मतों के आधार पर प्रतिनिधित्व देना है। इसके तीन प्रमुख तत्व हैं-

- बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र होता है।
- उम्मीदवार मतों का एक निश्चित कोटा प्राप्त करने पर विजयी होता है।
- व्यवस्थापिका में समान और उपयुक्त प्रतिनिधित्व प्रदान किया जाता है।

6. चुनाव सुधारों हेतु भारत में किस वर्ष जगन्नाथ राव समिति का गठन किया गया?

(a) 1970 (b) 1971
(c) 1972 (d) 1973

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

पूर्व विधि मंत्री जगन्नाथ राव की अध्यक्षता में चुनाव सुधारों हेतु 21 सदस्यीय कमेटी का गठन जुलाई 1971 में किया गया था।

7. वह मतदान व्यवस्था, जिसमें मतदाता किसी प्रत्याशी को एक से अधिक मत दे सकता है, कहलाती है-

(a) बहुल मतदान (b) बहु मतदान
(c) सामूहिक मतदान (d) संचयी मतदान

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

संचयी मतदान प्रणाली, आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली का एक भाग है। इसका प्रयोग बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों में किया जाता हैं, इसमें मतदाता को यह अधिकार होता है कि उसे प्राप्त मतों को एक ही उम्मीदवार को दे दें या सभी उम्मीदवारों के बीच बांट दे। प्रत्येक मतदाता को उतने मत देने का अधिकार होता है, जितने सदस्य किसी निर्वाचन क्षेत्र से चुने जाने हों।

8. सरकार का 'फोर्थइस्टेट' किसे माना जाता है?

(a) अखबार (b) जनमत
(c) राजनीतिक दल (d) दबाव गुट

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

अखबार को 'फोर्थइस्टेट' माना जाता है। समाचार-पत्र लोकमत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये सरकार की राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों से जनसाधारण को अवगत कराते हैं। अखबार ही सरकार की नीति की स्वरूप आलोचना करते हैं और शासन की त्रुटियों को जनता तक पहुंचाते हैं। अतः अखबार सरकार व जनता के बीच एक ऐसी कड़ी का काम करते हैं, जिससे सरकार की बात जनता तक और जनता की बात सरकार तक पहुंचती है।

9. निम्नलिखित में से कौन-से कार्य राजनीतिक दल करते हैं?

(a) लोकमत का निर्माण (b) कानून की व्याख्या
(c) न्यायाधीशों की नियुक्ति (d) सरकारी अधिकारियों की नियुक्ति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

राजनीतिक दल लोकमत के निर्माण के प्रयत्नों में निरन्तर लगे रहते हैं, क्योंकि लोकमत ही उन्हें सत्ता में बनाए रखने या सत्ता में लाने का साधन है। बिखरे हुए विचारों को निश्चित सूत्र में पिरोने का काम राजनीतिक दल ही करते हैं। यह समस्याओं के प्रति जनता को सचेत करते हैं। जिससे जन-जागृति उत्पन्न होती है और लोकमत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है।

10. जनमत के निर्माण में मुख्य तत्व होता है-

(a) परिवार (b) स्वतंत्र प्रेस

(c) न्यायिक निर्णय (d) शिक्षण संस्थाएं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

जनमत के निर्माण में परिवार, स्वतंत्र प्रेस और शिक्षण संस्थाएं, सभी की भूमिका होती है, परंतु स्वतंत्र प्रेस की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। अन्य संस्थाओं में जनमत का स्वरूप एक पक्षीय हो सकता है या संकीर्णता से ग्रसित हो सकता है, किंतु स्वतंत्र समाचार-पत्र अपेक्षाकृत अधिक निष्पक्ष और दृष्टिकोण में व्यापकता रखते हैं। इसलिए इन्हें शासन का 'चौथा स्तंभ' कहा जाता है।

11. निम्न में से कौन लोकमत के अभिकरण के रूप में गलत सूचीबद्ध किया गया है?

(a) परिवार तथा प्राथमिक समूह (b) शिक्षण संस्थाएं

(c) संचार के साधन (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता, परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

प्रत्येक देश में सार्वजनिक महत्व के प्रमुख मुद्दों के बारे में जनमत का निर्माण होता है। जिसमें परिवार तथा प्राथमिक समूह शिक्षण संस्थाएं और संचार के साधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प (d) सही उत्तर है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा एक जनमत का अभिकरण नहीं है?

(a) प्रेस (b) न्यायपालिका

(c) राजनीतिक दल (d) टेलीविजन तथा रेडियो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

न्यायपालिका जनमत निर्माण का अभिकरण नहीं है। न्यायपालिका में वैयक्तिक दावों का निस्तारण होता है, जिसका संबंध सार्वजनिक प्रश्नों से कदापि नहीं है। व्यक्ति का व्यक्ति के मध्य विवाद हो या व्यक्ति और राज्य के मध्य विवाद, न्यायपालिका स्थापित कानूनों या संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप न्याय निर्णयन करती है, इसके समक्ष आने वाले विषय न्यायिक होते हैं, न कि राजनीतिक ।

13. स्वस्थ लोकमत के निर्माण में बाधा है-

(a) स्वतंत्र प्रेस

(b) निरक्षरता

(c) स्वस्थ तथा सशक्त राजनीतिक दल

(d) सांप्रदायिकता का अभाव

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012, 2015

उत्तर—(b)

निरक्षरता स्वस्थ लोकमत के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा है। समाचार पत्रों या अन्य माध्यमों से विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त करना और परस्पर विचारों का आदान-प्रदान करना साक्षरता के बिना संभव नहीं है। निरक्षर व्यक्ति अपुष्ट स्रोतों या अफवाहों से अपने मत का निर्धारण करते हैं। जिससे लोकतांत्रिक प्रणाली भीड़तंत्र के रूप में प्रकट होने लगती है।

14. निम्नलिखित अभिकरणों में से कौन-सा एक लोकमत के निर्माण पर अधिकतम प्रभाव डालता है?

(a) शैक्षणिक संस्था (b) धार्मिक संस्था

(c) व्यापारिक संघ (d) प्रेस, रेडियो एवं दूरदर्शन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

प्रेस, रेडियो एवं दूरदर्शन लोकमत के निर्माण में अधिकतम प्रभाव डालते हैं। इन संचार साधनों से एक विचार सब तक पहुंचाया जाता है। सार्वजनिक प्रश्नों पर एक विवाद सा चलता रहता है तथा विभिन्न विचार-विकल्पों में से किसी एक पर पहुंचा जाता है। निष्पक्ष समाचार-पत्रों को स्वस्थ जनमत का सजग प्रहरी और लोकतंत्र का धर्मग्रंथ कहा जाता है। रेडियो और दूरदर्शन तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं पर भाषण, टिप्पणियां, वार्ताएं वह वाद-विवाद प्रसारित करके लोकमत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

15. निम्नांकित में से कौन-सा लोकमत से संबंधित नहीं है?

(a) यह समुदाय हित के लिए प्रबंध है।

(b) यह अल्पसंख्यक हित के लिए प्रबंध है।

(c) यह नागरिक समाज के हित के लिए प्रबंध है।

(d) यह सामान्य जनता के हित के लिए प्रबंध है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में सामाजिक जीवन के विभिन्न संगठनों की अंत:क्रिया चलती रहती है। कुछ संगठन सार्वजनिक हितों के प्रतिकूल आचरण में संलग्न हो जाते हैं। ऐसे कार्यों में सशक्त रोक केवल लोकमत ही लगा सकता है। अल्पसंख्यक हित संकीर्णता पर आधारित है, जबकि लोकमत व्यापक दृष्टिकोण से मसले पर विचार करते हुए अपना दृष्टिकोण बनाता है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

(a) जनमत का सृजन कानून द्वारा होता है।

(b) सामान्यतया कानून तथा जनमत परस्पर सदृश होते हैं।

(c) जनमत और कानून में परस्पर कोई संबंध नहीं होता।

(d) सामान्यतया कानून और जनमत परस्पर विरोधी होते हैं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में कानून निर्माणक संस्थाएं कानून निर्माण में लोकमत का सम्मान करती हैं। संसद जैसी संस्थाओं में सदस्य जनता द्वारा चुन कर आते हैं, इसलिए वे जनमत के प्रति संवेदनशील होते हैं। नीति निर्देशक तत्वों को कानूनी और संवैधानिक संरक्षण प्रदान करना कानून और लोकमत के मध्य सादृश्यता की ओर संकेत करते हैं।

17. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कथन (A) : आधुनिक राजनीति के लिए राजनीतिक दल जीवन रेखा हैं।

कारण (R) : प्रतिनिधित्यामक संस्थाओं के विकास एवं मताधिकार के विस्तार एवं विकास के कारण राजनीतिक दल उत्पन्न हुए।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, पर (R) गलत है।

(d) (R) सही है, पर (A) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न में कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। कथन में आधुनिक राजनीतिक प्रणाली में राजनीतिक दलों की उपयोगिता बताई गई है और कारण (R) में राजनीतिक दलों की उत्पत्ति का कारण बताया गया है। कथन और कारण दोनों अलग-अलग संदर्भ को स्पष्ट कर रहे हैं। कारण में कहीं नहीं यह बताया गया है कि राजनीतिक दल जीवन रेखा क्यों हैं?

18. निर्वाचक समूह का अर्थ :

(a) मतदाताओं की संस्था

(b) लोगों के निर्वाचित प्रतिनिधियों

(c) संसद के नामजद सदस्य

(d) उम्मीदवारों जो चुनाव में वास्तव में चुनाव लड़ रहे हों।

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

निर्वाचक समूह का तात्पर्य है, मताधिकार प्राप्त नागरिकों का समूह या संस्था। सार्वजनिक वयस्क मताधिकार में एक न्यूनतम उम्र सीमा प्राप्त करने वाला नागरिक मतदाता हो जाता है, जबकि सीमित मताधिकार में कुछ व्यक्तियों तक ही इस अधिकार को सीमित रखा जाता है। मताधिकार की योग्यता के अंतर्गत वयस्कता, नागरिकता, निवास और अपराध जैसे सम्मिलित किए जाते हैं।

19. 'लोकमत के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु को शासन का आधार बनाकर पृथ्वी पर कभी कोई शासन नहीं कर सका है।' यह किसका कथन है?

(a) जोस आर्टिगेग गैसेल (b) जे.एस. मिल

(c) लॉर्ड ब्राइस (d) मोरिस गिन्सबर्ग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में लोकमत के महत्व को दृष्टि में रखते हुए ही जोस आर्टिगेग गैसेल ने लिखा है कि ''लोकमत के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु को शासन का आधार बनाकर पृथ्वी पर कभी कोई शासन नहीं कर सकता है।'' राजतंत्र, कुलीन, अधिनायक तंत्र और विदेशी शासन के अंतर्गत थी। लोकमत अपना महत्व रखता है, लोकतांत्रिक शासन प्रणालियों की बात ही कुछ और है।

20. निम्न देशों में से किसने एक ही प्रयास में सार्वभौम मताधिकार अपनाया?

(a) यू.के. (b) भारत

(c) यू.एस.ए. (d) चीन

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

अनुच्छेद 326 के अनुसार, लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधानसभा के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे अर्थात प्रत्येक व्यक्ति, जो भारत का नागरिक है और ऐसी तारीख को, जो समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, कम-से-कम 18 वर्ष की आयु का है और इस संविधान या समुचित विधानमंडल द्वारा बनाई गई किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया जाता है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का हकदार होगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कोई व्यक्ति उपरोक्त वर्णित दशाओं की पूर्ति की स्थिति में लोक सभा तथा विधानसभा के निर्वाचनों में मत देने का अधिकार रखता है परंतु तभी, जबकि निर्वाचक नामावली में उसका नाम विधितः दर्ज हो।
- 61वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1988 द्वारा मताधिकार हेतु न्यूनतम आवश्यक आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी गई।

21. अदिष्ट प्रतिनिधित्व से अभिप्राय है-

(a) प्रतिनिधि निर्वाचकों के अधीन नहीं हैं।
(b) प्रतिनिधि निर्वाचकों के अधीन कार्य करते हैं।
(c) निर्वाचक प्रतिनिधियों को आदेश नहीं दे सकते हैं।
(d) यह व्यावहारिक है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

अदिष्ट प्रतिनिधित्व का अर्थ प्रतिनिधि को निर्वाचकों के आदेश के अनुसार कार्य करने से लिया जाता है, ऐसे प्रतिनिधित्व में प्रतिनिधि की अपनी इच्छा कुछ भी महत्व नहीं रखती है। वह केवल निर्वाचकों की इच्छा को अभिव्यक्त करता है। वह प्रत्येक निर्णय निर्वाचकों के स्पष्ट आदेश के अनुरूप ही करता है। वर्तमान समय में इसे अव्यवहारिक माना जाता है।

22. एकल संक्रमणीय मत प्रणाली का सर्वप्रथम प्रतिपादन करने वाले राजनीतिक चिंतक का नाम है-

(a) जे.एस. मिल (b) थॉमस हेयर
(c) डेविस ईस्टन (d) लुसियन पाई

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

एकल संक्रमणीय मत प्रणाली का सर्वप्रथम आविष्कार 'थॉमस राइट हिल' ने किया। डेनमार्क में इस प्रणाली का सर्वप्रथम प्रयोग चुनावों में किया गया। लेकिन 'एकल संक्रमणीय मत प्रणाली' (Single Transferable Vote System- STV) का सर्वप्रथम व्यवस्थित प्रतिपादन करने वाले राजनीतिक चिंतक ब्रिटिश विधिवेत्ता थॉमस हेयर (Thomas Hare) थे, जिन्होंने इसका प्रतिपादन अपनी पुस्तक 'द मशीनरी ऑफ रिप्रेजेंटेशन' (The Machinery of Representation) में सन् 1857 में किया। इन्होंने 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' की प्रणाली का भी सर्वप्रथम प्रतिपादन किया जिसे 'हेयर प्रणाली' भी कहा जाता है। यह प्रणाली अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने की उत्तम व्यवस्था है।

23. एक नमनीय और अलिखित संविधान पाया जाता है-

(a) ऑस्ट्रेलिया (b) ग्रेट ब्रिटेन
(c) कनाडा (d) जर्मनी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

ब्रिटिश संविधान विश्व का सबसे प्राचीन और एकमात्र अलिखित संविधान है। वर्तमान के अधिकांश संविधान बहुत कुछ ब्रिटिश संविधान के प्रक्षिप्त अंश हैं। ब्रिटिश संविधान की प्रमुख विशेषताएं-
(A) विकसित संविधान (B) अलिखित संविधान (C) एकात्मक संविधान (D) विधि का शासन (E) लचीला संविधान (F) संसद की सर्वोच्चता (G) संसदीय शासन प्रणाली (H) सीमित राजतंत्र एवं (I) द्विदलीय पद्धति।

24. हेयर प्रणाली का संबंध है-

(a) सूची निर्वाचन पद्धति से (b) सार्वभौम मताधिकार से
(c) कार्यात्मक प्रतिनिधित्व से (d) एकल संक्रमणीय पद्धति से

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

एकल संक्रमणीय पद्धति को 'हेयर प्रणाली' के नाम से भी जाना जाता है। एकल संक्रमणीय मत प्रणाली में प्रत्येक मतदाता वोट तो एक ही देगा, किंतु वह मतदाता पत्र पर अपनी पसंद 1, 2, 3, 4 लिखकर वरीयताक्रम में प्रदर्शित करेगा कि वह किस क्रम में उम्मीदवारों को पसंद करता है, चाहे कितने ही प्रत्याशी क्यों न खड़े हों। इसमें निर्वाचन क्षेत्र में न्यूनतम 3 सदस्य होने चाहिए। एकल संक्रमणीय प्रणाली अल्पसंख्यकों को प्रतिनिधित्व देने की पद्धतियों में सबसे अच्छी मानी जाती है।

25. थॉमस हेयर का नाम किस निर्वाचन पद्धति से जुड़ा है?

(a) आनुपातिक पद्धति से
(b) एक सदस्यीय चुनाव क्षेत्र, सामान्य बहुमत पद्धति से
(c) एक सदस्यी चुनाव क्षेत्र, विशिष्ट बहुमत पद्धति से
(d) दलविहीन सूची पद्धति से

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

प्रतिनिधित्व की आनुपातिक पद्धति का प्रतिपादन 18वीं सदी में थॉमस हेयर ने अपनी पुस्तक 'प्रतिनिधि का चुनाव में' किया था। इसीलिए प्रतिनिधित्व की आनुपातिक प्रणाली को हेयर प्रणाली भी कहा जाता है। इस पद्धति में एक बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र होता है तथा निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता को उम्मीदवारों की संख्या के बराबर मत देने का अधिकार होता है। इस पद्धति में वे उम्मीदवार विजयी होते हैं, जो आवश्यक चुनाव कोटा प्राप्त कर लेते हैं। इस प्रणाली को कार्यरूप में परिणित करने के लिए मुख्यतः पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है-

I. एकल संक्रमणीय मत प्रणाली।
II. सूची प्रणाली।

इस प्रणाली का प्रयोग अल्पसंख्यकों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रयोग की जाती है।

26. आनुपातिक प्रतिनिधित्व की दो प्रमुख योजनाएं हैं-

(a) हेयर प्रणाली एवं सूची प्रणाली
(b) सार्वदेशिक वयस्क मताधिकार एवं सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र

(c) प्रत्यक्ष निर्वाचन एवं सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व
(d) कृत्यात्मक प्रतिनिधित्व तथा एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. निम्नलिखित पर समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के आधार पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन करें-

1. बहुसदस्यीय निर्वाचन प्रणाली
2. एक मत किंतु हस्तांतरित मत पद्धति
3. उम्मीदवार अधिक संख्या मत प्राप्ति के आधार पर निर्वाचित घोषित होगा।
4. विजयी होने वाले को निर्वाचन कोटा के अनुरूप मत प्राप्त करना होता है।

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 2 और 4
(c) 2, 3 और 4 (d) 1, 3 और 4

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली में प्रतिनिधित्व को अधिक न्यायोचित बनाने के लिए सभी वर्गों, दलों, हितों तथा समूहों को उनके समर्थन के अनुपात में प्रतिनिधित्व उपलब्ध करने की व्यवस्था होती है। इस प्रणाली के तीन मुख्य प्रकार हैं। प्रथम एकत्रीभूत प्रणाली द्वितीय-एकल संक्रमणीय मत प्रणाली और तृतीय-सूची प्रणाली। उपर्युक्त प्रश्न में विकल्प 1, 2 और 4 सत्य हैं। क्योंकि अधिक संख्या में मत प्राप्ति के आधार पर उम्मीदवार का निर्वाचित होना सामान्य बहुमत प्रणाली की विशेषता है न कि समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की।

28. निर्वाचन की सूची पद्धति से प्रमुखतः किसको लाभ होता है?

(a) धनी निर्दलीय प्रत्याशियों को
(b) निर्धन युवा प्रत्याशियों को
(c) समूहों और दलों को
(d) श्रमिक संघ के निर्दल प्रत्याशियों को

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

निर्वाचन की सूची पद्धति से समूहों एवं दलों को लाभ होता है। राजनीतिक दलों के विकास के कारण आजकल चुनाव दलीय आधार पर प्रमुखतः होने लगे हैं, जिसमें उम्मीदवारों का विशेष महत्व नहीं रहता। यही कारण है कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली में सूची व्यवस्था का प्रयोग किया जाने लगा है। इसे सूची प्रणाली इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसमें उम्मीदवार व्यक्तिगत रूप से चुनाव नहीं लड़ते वरन् राजनीतिक दलों की सूचियां चुनाव मैदान में होती हैं। इसमें मतदाता विभिन्न सूचियों में से किसी एक सूची को ही मत देता है। दलों को स्थानों का वितरण सूचियों को मिले मतों के आधार पर किया जाता है तथा इसके लिए सामान्यतया तीन विधियों का प्रयोग किया जाता है-

I. अधिकतम शेषफल व्यवस्था।
II. डी' होन्डट या उच्चतम औसत व्यवस्था।
III. पांच प्रतिशत धारा व्यवस्था।

सूची प्रणाली में निर्वाचन क्षेत्र बहुसदस्यीय होता है।

29. निम्नलिखित में से कौन कार्यात्मक प्रतिनिधित्व के प्रमुख प्रतिपादक हैं?

(a) जॉन लॉक (b) जी.डी.एच. कोल
(c) जेम्स मिल (d) जेम्स ब्राइस

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

प्रतिनिधित्व के संबंध में जी.डी.एच. कोल का विचार था कि वास्तविक प्रतिनिधित्व कार्यात्मक प्रतिनिधित्व है। इनके अनुसार एक ही व्यवसाय में कार्य करने वाले सामूहिक हितों का प्रतिनिधित्व एक व्यक्ति कर सकता है। इस प्रकार के प्रतिनिधि न केवल औद्योगिक क्षेत्र में ही निर्वाचित किए जा सकते हैं, बल्कि इनकी नियुक्ति सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में भी की जा सकती है।

30. कुछ रिक्तियों को भरने के लिए किए गए निर्वाचन को निम्नांकित में से किस प्रकार की संज्ञा देंगे?

(a) नामांकन (b) उपचुनाव
(c) निर्वाचन (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

कुछ रिक्तियों को भरने के लिए किए गए निर्वाचन को 'उपचुनाव' की संज्ञा दी जाती है। ऐसी स्थितियां जिनमें इस प्रकार से चुनाव कराए जाते हैं, निम्न हैं-

- कोई निर्वाचित प्रत्याशी त्याग-पत्र दे दे या उसकी मृत्य हो जाए।
- किसी गंभीर अपराध में सिद्धदोष पाया जाए या बैंक धोखाधड़ी में लिप्त पाया जाए।
- अपना मानसिक संतुलन खो बैठे अर्थात मानसिक रूप से अयोग्य घोषित हो जाए।
- चुनावों में धांधली की स्थिति में ।

31. प्रत्यक्ष निर्वाचन का अभिप्राय है-

(a) जब प्रतिनिधि मनोनीत किए जाएं
(b) जब प्रतिनिधि नौकरशाहों द्वारा निर्वाचित किए जाएं
(c) जब प्रतिनिधि जनता द्वारा स्वयं निर्वाचित किए जाएं
(d) जब प्रतिनिधि अभिजन वर्ग द्वारा निर्वाचित किए जाएं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(c)

प्रत्यक्ष निर्वाचन का अभिप्राय है- 'जब प्रतिनिधि जनता द्वारा स्वयं निर्वाचित किए जाएं'। प्रत्यक्ष निर्वाचन में जन प्रतिनिधि जनता द्वारा सीधे निर्वाचित किए जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न मुद्दे

1. निम्न में किन देशों के मध्य फरक्का विवाद है?

(a) भारत-बांग्लादेश (b) भारत-चीन

(c) भारत-मालद्वीव (d) भारत-नेपाल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

फरक्का विवाद भारत और बांग्लादेश के मध्य पानी के बंटवारे से संबंधित है। फरक्का बांध के द्वारा गंगा नदी के पानी को हुगली नदी के बहाव को बनाए रखने के लिए छोड़ दिया जाता है। कोलकाता बंदरगाह का संचालन हुगली नदी के जल स्तर पर निर्भर है। इस प्रक्रिया में बांग्लादेश में गंगा नदी जल का प्रवाह कम हो जाता है और वहां सूखे की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

2. निम्न में किस देश से भारत ने 1992 में पूर्ण कूटनीतिक संबंध स्थापित किया?

(a) ताइवान (b) दक्षिणी कोरिया

(c) दक्षिणी अफ्रीका (d) इजराइल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

29 जनवरी, 1992 को भारत के विदेश सचिव द्वारा इजराइल के साथ पूर्ण कूटनीतिक संबंध स्थापित करने के लिए भारत सरकार के निर्णय की घोषणा की गई। इसके पश्चात इजराइल के साथ सुषुप्त संबंधों में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक युग का सूत्रपात हुआ।

3. इनमें से कौन अंतरराष्ट्रीयतावाद में विश्वास रखता था?

(a) वुडरो विल्सन (b) रूसो

(c) बुल (d) कार

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

वुडरो विल्सन, अंतरराष्ट्रीयतावाद में विश्वास करता है। यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति के आदर्शवादी दृष्टिकोण का समर्थक है। आदर्शवाद अंतरराष्ट्रीय समाज का एक ऐसा चित्र प्रस्तुत करता है, जो शक्ति की राजनीति (Power Politics), अनैतिकता (Immorality) और हिंसा (Violence) से मुक्त हो, तभी इसे शांतिमय रखा जा सकता है।

4. यह किसने कहा है कि ''अंतरराष्ट्रीयवाद का मार्ग राष्ट्रवाद से ही गुजरता है''?

(a) एफ.एल. शुमॉ (b) ए.ई. जिम्मर्न

(c) मॉर्टिन किंग्सले (d) आर.एम. हचिन्स

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

ए.ई. जिम्मर्न का विचार है कि अंतरराष्ट्रीयवाद, राष्ट्रवाद का ही विस्तारित रूप है और यहां पहुंचने के लिए राष्ट्रवाद के मार्ग से गुजरना पड़ेगा।

5. 1688 में हुई गौरवपूर्ण क्रांति का संबंध निम्न में से किस देश से था?

(a) फ्रांस से (b) अमेरिका से

(c) जर्मनी से (d) इंग्लैंड से

T.G.T. परीक्षा, 2010

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

1688 ई. में हुई गौरवपूर्ण क्रांति का संबंध इंग्लैंड से था। जेम्स द्वितीय के शासन (1685-88) में राजा तथा ब्रिटिश संसद के मध्य संघर्ष अपने चरम बिंदु पर पहुंच गया। उसकी निरंकुशता, अड़ियलपन तथा मनमाने ढंग से त्रस्त होकर जनता ने विद्रोह कर दिया। फलस्वरूप जेम्स द्वितीय की पुत्री मरियम (मेरी) तथा उसके पति विलियम को इंग्लैंड की सत्ता प्राप्त हुई।

6. ''यहां एक दैत्य सो रहा है, उसको सोने दो क्योंकि यदि वह जग गया तो दुनिया को हिला देगा''-यह कथन किसके बारे में था?

(a) फ्रांस (b) जर्मनी

(c) जापान (d) चीन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

''यहां एक दैत्य सो रहा है, उसको सोने दो क्योंकि यदि जग गया तो दुनिया को हिला देगा''- नेपोलियन ने यह कथन चीन के संदर्भ में कहा था।

7. फ्रांस की राज्यक्रांति का स्वरूप था-

(a) बुर्जुआ (मध्यवर्ग) (b) सर्वहारा

(c) समाजवाद (d) नव लोकतांत्रिक

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

फ्रांस की राज्यक्रांति का स्वरूप बुर्जुआ था क्योंकि 16वीं-17वीं शताब्दी में फ्रांस में मध्यवर्ग सचेत और सुसंगठित हो चला था क्योंकि बढ़ता हुआ व्यवसाय उसके हाथ में था लेकिन इस समय राजतंत्र का केंद्रीयकरण बढ़ता ही जा रहा था। पुरातन सामंती व्यवस्था में बूर्बो वंश का लुई चौदहवां जैसे शासक यहां हुए जो कहा करता था कि ''मैं ही राज्य हूँ।'' लुई 16वां के काल में 1789 में फ्रांस में क्रांति हुई। फ्रांस की क्रांति में वैचारिक योगदान रूसो, वाल्टेयर, मॉन्टेस्क्यू आदि ने दिया।

8. कथन (A) : यह मानने के लिए कारण है कि राष्ट्र का युग अब समाप्ति की ओर है।

कारण (R) : राष्ट्रवाद के कारण नए राज्यों का जन्म साम्राज्यों के विघटन और सीमाओं का पुनर्निर्धारण हुआ है।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

जिस प्रकार परिवार और समुदाय अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, उसी प्रकार राष्ट्र का अस्तित्व भी बना रहेगा। इन सभी संस्थाओं का संबंध भावनात्मक स्थिति से है, जिसे कभी समाप्त नहीं किया जा सकता। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) गलत है और कारण (R) सही है।

9. विकासशील देशों के अल्प विकास का कारण है-

(a) ढांचागत सुविधाओं का अभाव

(b) परंपरागत कृषि

(c) दक्ष एवं ईमानदार प्रशासकों का अभाव

(d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

विकासशील देशों के अल्प विकास के लिए अनेक कारण उत्तरदायी हैं, इनमें प्रमुख हैं-

(i) ढांचागत सुविधाओं का अभाव, (ii) परंपरागत कृषि, (iii) दक्ष व ईमानदार प्रशासकों का अभाव, (iv) लोगों की जीवन प्रत्याशा में कमी, (v) शिक्षितों तथा स्तरीय शिक्षा का अभाव, (vi) कम प्रति व्यक्ति आय आदि।

10. सन् 1965 ई. में भारत-पाक युद्ध के समय पाकिस्तान का शासक कौन था?

(a) यहिया खान (b) जेड.ए. भुट्टो

(c) सिकंदर मिर्जा (d) अयूब खान

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

सन् 1965 ई. में भारत-पाक युद्ध के समय पाकिस्तान के शासक (राष्ट्रपति) अयूब खान थे। वे 27 अक्टूबर, 1958 से 25 मार्च, 1969 तक (लगातार दो कार्यकाल) पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे।

11. भारत-पाकिस्तान संबंधों के विषय में द्विपक्षीयता के सिद्धांत का निम्न में से किसमें समावेश किया गया?

(a) ताशकंद समझौता

(b) शिमला समझौता

(c) कश्मीर पर संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रस्ताव

(d) गुजराल सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

सन् 1972 में भारत-पाक युद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान के मध्य शिमला में एक समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इसे 'शिमला समझौता' कहते हैं। इसमें भारत की तरफ से इंदिरा गांधी और पाकिस्तान की तरफ से जुल्फिकार अली भुट्टो शामिल थे। इस समझौते में भारत-पाकिस्तान संबंधों के विषय में द्विपक्षीयता के सिद्धांत का समावेश किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

इस समझौते के प्रमुख प्रावधान निम्नवत हैं-

- दोनों देश अपने संघर्ष और विवाद समाप्त करने का प्रयास करेंगे।
- उप-महाद्वीप में स्थायी मित्रता के लिए कार्य किया जाएगा।
- एक-दूसरे के विरुद्ध बल प्रयोग नहीं करेंगे और न ही प्रादेशिक अखंडता की अवहेलना करेंगे।
- व्यापार तथा संचार को बढ़ावा दिया जाएगा।
- आर्थिक, सांस्कृतिक, व्यावसायिक संबंधों को बेहतर बनाया जाएगा।
- दोनों अपने विवादित मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से निपटाएगें।

12. शिमला समझौता निम्न में से किन देशों के बीच हुआ था?

(a) भारत-बांग्लादेश (b) भारत-श्रीलंका

(c) भारत-भूटान (d) भारत-पाकिस्तान

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. बांग्लादेश में 1971 में भारत के हस्तक्षेप का कारण था-

(a) शक्ति संतुलन के लिए हस्तक्षेप

(b) मानवीय हस्तक्षेप

(c) वित्तीय हस्तक्षेप

(d) आत्मरक्षा के लिए हस्तक्षेप

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

वर्ष 1955 में पाकिस्तान सरकार ने पूर्वी बंगाल का नाम बदलकर 'पूर्वी पाकिस्तान' कर दिया। पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान की उपेक्षा और दमन की शुरुआत यहीं से हुई। यही तनाव सत्तर का दशक आते-आते

अपने चरम पर पहुंच गया। पाकिस्तानी शासक याहया खां द्वारा लोकप्रिय अवामी लीग और उसके नेताओं को प्रताड़ित किया जाने लगा। इसी के फलस्वरूप बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की अगुवाई में बांग्लादेश का स्वाधीनता आंदोलन शुरू हुआ। बांग्लादेश में खून की नदियां बहीं, लाखों बंगाली मारे गए तथा वर्ष 1971 के खूनी संघर्ष में दस लाख से ज्यादा बांग्लादेशी शरणार्थी भारत में शरण लेकर रहने लगे। इन शरणार्थियों की समस्या न केवल एक आर्थिक समस्या थी बल्कि भारत के लिए यह राजनीति स्थायित्व एवं एकीकरण की भी समस्या थी। अतः भारत को इस संघर्ष में आत्मरक्षा के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा जिसके फलस्वरूप 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ। पाकिस्तानी सेना ने अंततः 16 दिसंबर, 1971 को भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया; जिसके बाद बांग्लादेश एक स्वतंत्र देश बना तथा मुजीबुर्रहमान इसके प्रथम प्रधानमंत्री बने।

14. भारत-श्रीलंका समझौता संपन्न हुआ था :

(a) 1985 में (b) 1986 में

(c) 1987 में (d) 1988 में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

भारत व श्रीलंका के बीच तमिल जातीय समस्या से उत्पन्न तनाव को दूर करने के लिए भारत-श्रीलंका समझौते पर कोलम्बो में 29 जुलाई, 1987 को तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी और श्रीलंका के राष्ट्रपति जयवर्द्धने ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अंतर्गत भारत ने अपनी शांति सेना को श्रीलंका भेजा।

15. मित्र राष्ट्रों द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था बनाने में किस सम्मेलन का महत्वपूर्ण योगदान था?

(a) माल्टा सम्मेलन, 1945 (b) याल्टा सम्मेलन, 1945

(c) पेरिस सम्मेलन, 1943 (d) वियना सम्मेलन, 1944

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

मित्र राष्ट्रों के द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था बनाने के लिए रूस के क्रीमिया प्रायद्वीप के याल्टा नामक स्थान पर 4 से 11 फरवरी, 1945 के मध्य एक सम्मेलन आयोजित किया गया इसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया था।

16. 'भारत-सोवियत संधि' पर हस्ताक्षर हुए थे :

(a) 1955 में (b) 1972 में

(c) 1971 में (d) 1969 में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

भारत और सोवियत संघ के बीच 9 अगस्त, 1971 में 'शांति, मित्रता और सहयोग' की संधि पर हस्ताक्षर हुए थे।

17. चीन के नेताओं की भारत यात्रा के दौरान किन स्थानों पर चीनी सेनाओं की घुसपैठ पर समस्या हुई?

(a) लद्दाख के न्वांग और अरुणाचल के डेप्सांग में

(b) लद्दाख के डेप्सांग और चुमार में

(c) लद्दाख के चुमार और अरुणाचल के डेप्सांग में

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

प्रश्नकाल के दौरान चीन के नेताओं की भारत यात्रा के समय जिन स्थानों पर घुसपैठ की समस्या हुई थी, वे जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख क्षेत्र में आते हैं और उनके नाम डेप्सांग और चुमार हैं।

18. 'मार्शल योजना' का संबंध है :

(a) जर्मनी की सहायता से

(b) सोवियत संघ की सहायता से

(c) पश्चिमी यूरोप की सहायता से

(d) पूर्वी यूरोप की सहायता से

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

अमेरिकी विदेश सचिव जार्ज मार्शल ने 5 जून, 1947 को अपनी योजना की घोषणा हार्वर्ड विश्वविद्यालय में की। इस योजना को 'यूरोपीय पुनरुत्थान योजना' (European Recovery Plan) के नाम से जाना जाता है, जिसे सामान्यतः 'मार्शल योजना' (Marshal Plan) कहते हैं।

19. भूतपूर्व सोवियत संविधान ने अपनी संघीय इकाइयों को कुछ ऐसे अधिकार दिए थे जो भारतीय तथा अमेरिकी संघों ने अपनी इकाइयों को नहीं दिए हैं।

ये दो अधिकार थे-

(1) विदेशी शक्तियों के साथ संबंध स्थापित करना

(2) संघ से अलग हो सकना

(3) अलग सेना रखना

(4) किसी क्षेत्रीय संगठन में सम्मिलित होना

कूट :

(a) 1 और 2 सही हैं (b) 1 और 3 सही हैं

(c) 2 और 4 सही हैं (d) 3 और 4 सही हैं

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

भूतपूर्व सोवियत संघ के संविधान में संघीय इकाइयों (राज्यों) को संघ से पृथक होने का अधिकार दिया गया था। साथ ही संघीय इकाइयां विदेशी शक्तियों के साथ संबंध स्थापित कर सकती थीं। अतः स्पष्ट है कि कथन (1) और (2) सही है।

20. मिखाइल गोर्बाचोव ने प्रस्तावित किया :

(a) पूंजीवादी देशों के साथ मित्रता

(b) ग्लासनॉस्त और पेरेस्त्रोइका

(c) चीन के साथ संधि

(d) पूर्वी यूरोप का सैन्यीकरण

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव ने 'पेरेस्त्रोइका' (पुनर्निमाण) और 'ग्लासनोस्त' (खुलापन) नामक कार्यक्रमों को प्रारंभ किया। पेरेस्त्रोइका के द्वारा गोर्बाचोव आर्थिक विकास को तेज करके आर्थिक पुनर्निर्माण चाहते थे। ग्लासनोत्स, पेरेस्त्रोइका का सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में विस्तार था।

21. जब 1967 में आसियान की स्थापना हुई निम्नलिखित में से कौनसा देश इसका सदस्य नहीं था?

(a) मलेशिया (b) सिंगापुर

(c) लाओस (d) फिलीपींस

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

8 अगस्त, 1967 में आसियान की स्थापना पांच मूल सदस्यों के साथ हुई जिनमें मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाइलैंड और फिलीपींस सम्मिलित थे। वर्तमान में आसियान के 10 सदस्य हैं। ब्रुनेई 1994 में, वियतनाम 1995 में, लाओस व म्यांमार 1997 में, और कंबोडिया 1999 में आसियान के सदस्य बने।

22. जी-15 देशों के प्रथम शिखर सम्मेलन, 1990 का स्थल था :

(a) नई दिल्ली (b) कुआलालम्पुर

(c) इस्लामाबाद (d) ढाका

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

जी-15 का गठन बेलग्रेड में सितंबर, 1989 में आयोजित हुए गुट-निरपेक्ष आंदोलन के 9वें शिखर सम्मेलन में किया गया था। इसका उद्देश्य दक्षिण-दक्षिण सहयोग तथा उत्तर-दक्षिण संवाद स्थापित करना है। जी-15 देशों का प्रथम शिखर सम्मेलन मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में 1-3 जून, 1990 को आयोजित हुआ। प्रारंभ में जी-15 में 15 सदस्य थे लेकिन वर्तमान में 17 सदस्य हैं।

23. उरुग्वे चर्चा के दौर का परिणाम हुआ :

(a) एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग की स्थापना

(b) एन.ए.एफ.टी.ए. की स्थापना

(c) 77वें समूह की स्थापना

(d) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के 8वें एवं अंतिम चक्र का प्रारंभ दिसंबर, 1986 में पुंटा-डेल-एस्टे, उरुग्वे में हुआ। अंतिम रूप से उरुग्वे समझौते पर अप्रैल, 1994 में मराकेश (मोरक्को) में हस्ताक्षर किए गए। इसी समझौते पर 1 जनवरी, 1995 को विश्व व्यापार संगठन की स्थापना की गई।

24. नाटो (NATO) संधि पर किस वर्ष में हस्ताक्षर हुए थे?

(a) सन् 1948 में (b) सन् 1949 में

(c) सन् 1950 में (d) सन् 1951 में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

नाटो (NATO- North Atlantic Treaty Organization) एक सैन्य संगठन है, जिसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को उत्तर अटलांटिक संधि पर हस्ताक्षर के साथ हुई। नाटो का मुख्यालय ब्रुसेल्स (बेल्जियम) में है। इस संगठन के अंतर्गत सामूहिक सुरक्षा के दृष्टिकोण से सदस्य राज्य बाहरी हमले की स्थिति में सहयोग करने के लिए सहमत होंगे। वर्तमान में 28 राज्य इसके सदस्य हैं।

25. नाटो (एन.ए.टी.ओ.) का मुख्यालय स्थित है :

(a) ब्रुसेल्स में (b) न्यूयॉर्क में

(c) लंदन में (d) उपर्युक्त में से कहीं भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. सेन्टो की स्थापना कब हुई थी?

(a) 1954 में (b) 1955 में

(c) 1956 में (d) 1957 में

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

सेन्टो (Central Treaty organization) संधि का जन्म 1955 को बगदाद समझौते के रूप में हुआ था। यह एक सैनिक संधि थी। टर्की, ईरान ब्रिटेन और पाकिस्तान ने मिलकर इसे सेन्टो नाम दिया था।

27. निम्नलिखित में से कौन सा सैन्य संगठन नहीं है?

(a) नाटो (b) सेन्टो

(c) सीटो (d) अमरीकी राज्यों का संगठन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

नाटो, सीटो तथा सेन्टो तीनों ही सैन्य संगठन हैं।

28. उत्तर अटलांटिक संधि संगठन है-

(a) एक सैनिक गठबंधन

(b) एक आर्थिक संगठन

(c) एक सांस्कृतिक संगठन

(d) एक बहु-उद्देशीय क्षेत्रीय संगठन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) एक सैनिक संगठन है। इसका वर्ष 1949 में गठन किया गया था। साम्यवादी साम्राज्यवाद का डर तथा अंतरराष्ट्रीय शांति तथा सुरक्षा बनाए रखने के लिए सोवियत विस्तारवाद के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र की सफलता के प्रति गंभीर शंका इत्यादि कारणों ने नाटो के गठन का मार्ग प्रशस्त किया था।

29. इनमें से किस घटना को तनाव शैथिल्य से जोड़ना अनुचित होगा?

(a) नाटो (NATO) का गठन

(b) निक्सन की चीन यात्रा

(c) साल्ट (SALT) की संधियां

(d) अमेरिका की वियतनाम से वापसी

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

नाटो (नार्थ एटलांटिक ट्रीटी आर्गेनाइजेशन) एक सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को हुई थी। इस संगठन ने सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था अपनायी है जिसके अनुसार इस संगठन के किसी सदस्य देश के ऊपर किसी अन्य देश द्वारा हमले की स्थिति में संगठन के सदस्य देश उसकी आक्रमणकारी देश से रक्षा करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीनों घटनाएं तनाव शैथिल्य से संबंधित हैं।

30. 'तृतीय विश्व' पदावली का सर्वप्रथम प्रयोग किया गया था :

(a) अल्फ्रेड सॉवी द्वारा (b) फ्रांट्स फैनन द्वारा

(c) बर्नार्ड बारूच द्वारा (d) विली ब्रांट द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

तृतीय विश्व (Third World) शब्द का प्रयोग सबसे पहले फ्रांसीसी लेखक अल्फ्रेड सॉवी ने वर्ष 1952 में किया था। इस शब्द से सॉवी का संकेत उन अफ्रीकी, एशियाई देशों की तरफ था जो सदियों तक उपनिवेश वाद और साम्राजयवाद की जकड़ में थे। तृतीय विश्व के देश प्राय: आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए तथा कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। यहां तीव्र जनसंख्या वृद्धि, अस्थिर राजनीतिक व्यवस्था तथा भ्रष्टाचार जैसी समस्या पाई जाती है।

31. तीसरी दुनिया से तात्पर्य है-

(a) तेल उत्पादक अरब राष्ट्र

(b) पूर्वी यूरोप के देश

(c) अफ्रीकी देश

(d) एशिया, अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिका के देश जो पहले गुलाम थे

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

'तीसरी दुनिया' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग फ्रांसीसी जनांकिकीयविद् मानव-शास्त्री एवं इतिहासकार अल्फ्रेड सॉवी (Afred Sauvy) ने फ्रांसीसी पत्रिका एल 'आब्जर्वफीयूर (L' Observafeur) में अपने एक प्रकाशित लेख में 14 अगस्त, 1952 को किया। तीसरी दुनिया के देशों में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, ओशीनिया तथा एशिया क्षेत्र के देश आते हैं जो यूरोपीय देशों के उपनिवेश रह चुके हैं। इनमें तटस्थ तथा गुट निरपेक्ष देश शामिल हैं। पहली दुनिया के देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन तथा उनके गठबंधन देश तथा दूसरी दुनिया में सोवियत संघ, चीन तथा उनके गठबंधन देश शामिल हैं। तीसरी दुनिया के देशों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नाइजीरिया इत्यादि शामिल हैं।

32. निम्नलिखित में से कौन तृतीय विश्व के सदस्य हैं?

(a) जापान, कनाडा, पूर्व सोवियत संघ

(b) अमेरिका, जर्मनी, नीदरलैंड

(c) भारत, नाइजीरिया, श्रीलंका

(d) भारत, जापान, कनाडा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. परमाणु अप्रसार संधि अस्तित्व में आई :

(a) 1968 में (b) 1970 में

(c) 1962 में (d) 1972 में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

1 जुलाई, 1968 को अमेरिका एवं अन्य 61 देशों ने परमाणु अप्रसार संधि (Non-Proliferation Treaty) पर हस्ताक्षर किए। परंतु यह संधि वास्तव में 5 मार्च, 1970 को प्रभावी हुई।

34. परमाणु अप्रसार संधि पर अमेरिका और सोवियत संघ ने कब हस्ताक्षर किया था?

(a) 1971 के पूर्व (b) 1971 के पश्चात

(c) 1975 के पश्चात (d) उपर्युक्त सभी असत्य हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

परमाणु अप्रसार संधि पर अमेरिका और सोवियत संघ ने 1971 के पूर्व वर्ष 1968 में हस्ताक्षर किए थे।

35. 'शीत युद्ध' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(a) बर्नार्ड बारुच (b) मार्गेन्थाऊ

(c) प्रो. लिपमैन (d) जार्ज केनन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

विशिष्टतः बर्नार्ड बारुच ने 1946 में पहली बार 'शीतयुद्ध' शब्द का प्रयोग किया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच वैचारिक संघर्ष तथा तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई जिसे शीत युद्ध कहा गया। यह युद्ध पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो तथा प्रचार के साधनों से लड़ा गया। यह वास्तविक युद्ध न होकर युद्ध का वातावरण था। पं. जवाहर लाल नेहरू ने इसे निलंबित मृत्युदण्ड की संज्ञा दी थी। के.पी. एस मेनन के अनुसार यह दो विचार धाराओं (पूंजीवाद बनाम साम्यवाद) के बीच युद्ध था, दो पद्धतियों (लोकतंत्र बनाम जनतंत्र) के बीच युद्ध था, दो गुटो (नाटो तथा वारसा पैक्ट) के बीच युद्ध था, दो राज्य (अमेरिका तथा रूस) के बीच युद्ध था। सामान्यतः शीत युद्ध शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अंग्रेज लेखक जॉर्ज ऑरवेल ने 19 अक्टूबर, 1945 को 'यू एण्ड द, एटोमिक बॉम्ब' नाम से प्रकाशित अपने निबंध में किया था।

36. 'शीत-युद्ध' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया गया था :

(a) बर्नार्ड बारुच द्वारा (b) मॉर्गेन्थाऊ द्वारा

(c) हार्टमैन द्वारा (d) जोसेफ फ्रैंकेल द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. शीत युद्ध का अर्थ है :

(a) शीतकाल में लड़ा जाने वाला युद्ध

(b) महाशक्तियों के बीच तनावपूर्ण संबंध

(c) दो पड़ोसी राष्ट्रों के मध्य वैमनस्य

(d) सियाचिन में लड़ा जाने वाला युद्ध

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

शीत युद्ध का अर्थ है- 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में दो विरोधी महाशक्तियों के बीच तनावपूर्ण संबंध'। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के काल में 'शीतयुद्ध' शब्द का प्रयोग उन भारी तनावपूर्ण संबंधों का वर्णन करने के लिए किया जाता रहा जो सोवियत संघ तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच धीरे-धीरे विकसित हुए थे।

38. बेल्जियम और हालैंड किन देशों के बीच मध्यवर्ती राज्य का कार्य करते थे?

(a) फ्रांस और इंग्लैंड (b) फ्रांस और जर्मनी

(c) जर्मनी और इंग्लैंड (d) स्पेन और डेनमार्क

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए मध्यवर्ती राज्य आवश्यक होते हैं। 'मध्यवर्ती राज्य' (Buffer State) का काम है 'दोनों बड़े अमित्र देशों को अलग रखकर उनमें युद्ध छिड़ने की गुंजाइश कम करना'। उदाहरण के लिए, प्रथम विश्वयुद्ध से पहले रूस और जर्मनी के बीच पोलैंड मध्यवर्ती था, बेल्जियम और हालैंड दोनों फ्रांस तथा जर्मनी के बीच मध्यवर्ती थे। जर्मनी, इटली, फ्रांस और ऑस्ट्रिया के बीच स्विट्जरलैंड मध्यवर्ती था।

39. फ्रांसीसी और अमेरिकी क्रांतियों ने किस अवधारणा का समर्थन किया?

(a) प्राकृतिक अधिकार (b) वैधिक अधिकार

(c) संवैधानिक अधिकार (d) बाइबिल में उल्लिखित अधिकार

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

फ्रांसीसी और अमेरिकी क्रांतियां, दोनों ही ऐसे विचारों एवं आदर्शों की उपज थीं जिन्होंने प्राकृतिक तथा समानता के अधिकारों के आधार पर देश तथा समाज की उन्नति की मांग की थी।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा वर्ष 'क्यूबा संकट' से जुड़ा हुआ है?

(a) 1960 (b) 1962

(c) 1961 (d) 1963

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

वर्ष 1962 में क्यूबा में सोवियत संघ ने मिसाइल अड्डा बनाने का निर्णय लिया। इसके विरोधस्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका ने 23 अक्टूबर, 1962 को अमेरिका महाद्वीप की शांति व सुरक्षा को समाप्त करने का निर्णय लिया तथा क्यूबा के बंदरगाहों की नाकेबंदी कर दी। यही घटना 'क्यूबा संकट' कहलाती है।

41. श्रीलंका के प्रधानमंत्री कौन हैं?

(a) रानिल विक्रमसिंघे (b) चंद्रिका कुमारतुंगा

(c) अमृता अतुलेथामुदाली (d) तिलकरत्ने

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

प्रश्नकाल में 2001 में श्रीलंका में हुए राष्ट्रीय चुनावों में यूनाईटेड लिबरेशन पार्टी को बहुमत मिला। यू.एल.एफ. के नेता रानिल विक्रमसिंघे ने 9 दिसंबर, 2001 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। ज्ञातव्य है कि 16 दिसंबर, 2018 को इन्हें पुनः श्रीलंका का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरीसेना हैं।

42. 'कोलंबो प्रस्ताव' का संबंध है :

(a) भारत-चीन सीमा विवाद से

(b) भारत-श्रीलंका की तमिल समस्या से

(c) भारत-श्रीलंका के आपसी मतभेद से

(d) उपर्युक्त में से किसी से भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

21 नवंबर, 1962 को चीन ने भारत के साथ युद्ध विराम की घोषणा की। भारत-चीन सीमा विवाद के हल के लिए श्रीलंका, घाना, इंडोनेशिया, मिस्र, म्यांमार और कंबोडिया-एशिया और अफ्रीका के इन गुटनिरपेक्ष राष्ट्रों ने दिसंबर, 1962 में कोलंबो में सम्मेलन किया जिसके फलस्वरूप 12 दिसंबर, 1962 को भारत-चीन विवाद के समाधान के लिए 'कोलंबो प्रस्ताव' सामने आया। भारत ने इसे स्वीकार कर लिया परंतु चीन ने अस्वीकार कर दिया।

43. कोलम्बो समझौता, 1962 का संबंध है :

(a) भारत-चीन सीमा विवाद से

(b) श्रीलंका की तमिल समस्या से

(c) भारत और श्रीलंका के आपसी मतभेद से

(d) उपर्युक्त में से किसी से नहीं

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. भारत और चीन के बीच की लड़ाई किस साल लड़ी गई थी?

(a) 1959 (b) 1962

(c) 1964 (d) 1967

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

20 अक्टूबर, 1962 को चीन ने भारत पर आक्रमण किया क्योंकि चीन मैकमोहन रेखा को सीमा रेखा स्वीकार नहीं करता।

45. मैकमोहन रेखा स्थित है :

(a) भारत एवं पाकिस्तान के मध्य

(b) भारत एवं चीन के मध्य

(c) भारत एवं श्रीलंका के मध्य

(d) चीन एवं पाकिस्तान के मध्य

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

चीन भारत से मैकमोहन रेखा द्वारा पृथक होता है। भारत एवं पाकिस्तान के मध्य रेडक्लिफ रेखा अवस्थित है। पाक जलसंधि के द्वारा भारत एवं श्रीलंका का विभाजन होता है।

46. हांगकांग ब्रिटेन द्वारा चीन को कब हस्तांतरित किया गया?

(a) 30 जून, 1996 की आधी रात को

(b) 30 जुलाई, 1997 की आधी रात को

(c) 30 जुलाई, 1998 की आधी रात को

(d) 30 अगस्त, 1997 की आधी रात को

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(*)

वर्ष 1984 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर और चीनी समकक्ष झाओ जिआंग ने एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए जिसमें यह तय किया गया था कि ब्रिटेन हांगकांग की प्रभुसत्ता 30 जून, 1997 को मध्य रात्रि के समय चीन को सौंप देगा। समझौते के अनुसार 1 जुलाई, 1997 को हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर क्रिस पैटन ने हांगकांग छोड़ दिया।

47. 'वारसा पैक्ट' समाप्त हुआ :

(a) जुलाई, 1990 में (b) जुलाई, 1991 में

(c) अगस्त, 1990 में (d) इनमें से किसी में भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

14 मई, 1955 को सोवियत संघ ने 'वारसा पैक्ट' की स्थापना की। वारसा पैक्ट नाटो का साम्यवादी प्रत्युत्तर था। इसका प्रधान कार्यालय मॉस्को में था। सोवियत संघ के अतिरिक्त इसके अन्य सदस्य-अल्बानिया, बुल्गारिया, पूर्वी जर्मनी, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, पोलैंड और रोमानिया थे। इस पैक्ट के अनुच्छेद 4 में कहा गया कि किसी सदस्य पर आक्रमण होने पर सभी सदस्य सभी प्रकार की सहायता करेंगे। 1 जुलाई, 1991 को एक सैनिक संगठन के रूप में वारसा पैक्ट को समाप्त कर दिया गया।

48. 'वारसा पैक्ट' का गठन कब हुआ था?

(a) 1949 में (b) 1950 में

(c) 1955 में (d) 1967 में

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें

49. निम्नलिखित में से किसका संबंध गुटनिरपेक्ष आंदोलन से नहीं था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) कर्नल नासिर

(c) विंस्टन चर्चिल (d) मार्शल टीटो

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

गुटनिरपेक्ष आंदोलन के तीन बड़े स्तंभ जवाहरलाल नेहरू, कर्नल नासिर (मिस्र), मार्शल टीटो (यूगोस्लाविया) सामाजिक व राजनीतिक दर्शन के आधार पर सिद्धांत आधारित स्वतंत्र विदेश नीति के निर्माण के पक्षधर थे। विंस्टन चर्चिल द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे।

50. शांति के लिए एकता प्रस्ताव कब पारित किया गया था?

(a) कोरिया संकट के समय

(b) स्वेज संकट के समय

(c) कांगो संकट के समय

(d) क्यूबा संकट के समय

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

जून, 1950 में उत्तरी कोरिया द्वारा दक्षिणी कोरिया पर आक्रमण किया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उत्पन्न हुए गतिरोध को समाप्त करने के लिए सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत महासभा द्वारा 3 नवंबर, 1950 को 'शांति के लिए एकता प्रस्ताव' के रूप में इसे स्वीकार किया गया।

51. एक ध्रुवीय विश्व-व्यवस्था के उदय का कारण था-

(a) चेकोस्लोवाकिया का विघटन

(b) सोवियत संघ का विघटन

(c) यूगोस्लाविया का विघटन

(d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद सोवियत संघ के विघटन के कारण विश्व शक्ति संरचना में संयुक्त राज्य अमेरिका का वर्चस्व स्थापित हो गया। इसलिए एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था का उदय हुआ। वर्ष 1990 के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व की एकमात्र शक्ति के रूप में उदय हुआ।

52. शीत युद्ध के अंत का प्रमुख परिणाम था :

(a) समाजवाद का सुदृढ़ होना

(b) साम्यवादी देशों की शक्ति में वृद्धि

(c) बाजार अर्थव्यवस्था की लोकप्रियता

(d) चीन में साम्यवाद का अवसान

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

शीत युद्ध के अंत का परिणाम रहा कि पूंजीवादी बाजार आधारित अर्थव्यवस्था अधिक लोकप्रिय हुई। सोवियत संघ के विघटन तथा यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना से अर्थव्यवस्था के नियंत्रण की जगह बाजार अर्थव्यवस्था को लोकप्रियता प्राप्त हुई। इसी का परिणाम रहा कि विश्व व्यापार संगठन अस्तित्व में आया।

53. इनमें से किस घटना को शीत युद्ध के समापन का महत्वपूर्ण कारण माना जाता है?

(a) गुट-निरपेक्ष आंदोलन का जन्म

(b) परमाणु अप्रसार संधि की रचना

(c) गुट निरपेक्ष आंदोलन में बिखराव

(d) सोवियत संघ का पतन

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

शीत युद्ध के अंत का मुख्य कारण सोवियत संघ रूस में उभरता हुआ आर्थिक एवं राजनीतिक संकट था जिससे उसका पतन हो गया तथा साथ ही पूर्वी यूरोप में साम्यवाद का ध्वस्त होना भी शीत युद्ध के अंत का कारण बना।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ शीत युद्ध की समाप्ति के परिणामस्वरूप खाड़ी संकट (1989-90) के समय सोवियत संघ और अमेरिका ने मिलकर सुरक्षा परिषद् के प्रस्तावों का समर्थन किया। जर्मनी का एकीकरण हो गया, बर्लिन की दीवार का पतन हो गया, वारसा पैक्ट भंग कर दिया गया तथा दो महाशक्तियों (संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ रूस) के मध्य में मधुर संबंधों का सूत्रपात्र हुआ।

54. ''नेहरू विश्व के सामने अपने देश की आवाज थे। वे शेष दुनिया के साथ अपने देश की नीति के दार्शनिक निर्माता और मंत्री थे। अन्य किसी देश में कोई व्यक्ति विदेश नीति के निर्माण में इतनी प्रभावी भूमिका अदा नहीं करता, जितनी नेहरू भारत में करते हैं।" यह कथन किसका है?

(a) माइकेल ब्रेशर (b) विंस्टन चर्चिल

(c) एम.ओ.मथाई (d) रजनी कोठारी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

माइकेल ब्रेशर ने अपनी पुस्तक 'नेहरू ए पॉलिटिकल बायोग्राफी' में उपरोक्त विचार व्यक्त किए हैं।

55. 'ब्रांट आयोग' के अध्यक्ष विली ब्रांट किस देश के रहने वाले थे?

(a) यू.एस.ए. (b) इंग्लैंड

(c) मैक्सिको (d) पश्चिमी जर्मनी

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

29 नवंबर, 1977 को संयुक्त राष्ट्र ने पश्चिमी जर्मनी के भूतपूर्व चांसलर विली ब्रांट की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय विकास विषयों पर एक स्वतंत्र आयोग की स्थापना की। इस 18 सदस्यीय उत्तर-दक्षिण के संयुक्त आयोग का उद्देश्य 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों को पुनर्गठित करने के उन उपायों का नामांकन करना था, जिन्हें व्यापकतम समर्थन प्राप्त हो सके। ब्रांट आयोग ने दिसंबर, 1979 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

56. लैटिन अमेरिका में 'ट्लाटिलोलको की संधि' का संबंध किस विषय से है?

(a) रसायन हथियार (b) परमाणु हथियार

(c) मानव अधिकार (d) पर्यावरण

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

टलाटिलोलको की संधि (Treaty of Tlatelalco) का संबंध परमाणु हथियार से था। यह संधि 14 फरवरी, 1967 को हस्ताक्षरित हुई तथा 22 अप्रैल, 1968 को प्रभावी हुई। इस संधि के द्वारा लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियाई देश इस क्षेत्र को परमाणु मुक्त रखने पर सहमत हुए थे।

57. बराक ओबामा की चीन नीति को किस नाम से जाना जाता है?

(a) पैसिफिक प्वाइंट पालिसी (b) लुक पैसिफिक पालिसी

(c) पिवट टु एशिया पालिसी (d) एशियन आस्पेक्ट पालिसी

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

बराक ओबामा की चीन नीति को पिवट टू एशिया पॉलिसी (Pivot to Asia Policy) के नाम से जाना जाता है। बराक ओबामा प्रशासन ने जनवरी, 2012 से इसे प्रारम्भ किया है। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय सुरक्षा संबंधों को और विकसित करना है तथा उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं के साथ संबंधों को और गहरा करना है।

58. आत्म-निर्णय के अधिकार का विस्तृत प्रयोग कब हुआ?

(a) प्रथम विश्व युद्ध के समय और उसके पश्चात

(b) प्रथम खाड़ी युद्ध के समय

(c) बोल्शेविक क्रांति में

(d) अल्जीरियाई क्रांति के समय और उसके पश्चात

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

आत्म-निर्णय के अधिकार का विस्तृत प्रयोग प्रथम विश्व युद्ध के समय और उसके पश्चात हुआ।

59. वैश्विक स्तर पर परमाणु ऊर्जा संबंधी मामलों के लिए गठित संगठन का नाम है-

(a) अंतर्राष्ट्रीय आण्विक ऊर्जा अधिकरण

(b) अंतर्राष्ट्रीय आण्विक नियंत्रण आयोग

(c) अंतर्राष्ट्रीय परमाणु अप्रसार अधिकरण

(d) अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

वैश्विक स्तर पर परमाणु ऊर्जा संबंधी मामलों के लिए गठित संगठन का नाम अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (IAEA– International Atomic Energy Agency) है। यह अभिकरण नाभिकीय ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसके सैन्य उपयोग को नियंत्रित करने का प्रयास करता है।

60. अमेरिका से खाद्य सुरक्षा पर सहमति के पश्चात भारत ने किस प्रस्ताव पर सहमति दिया है?

(a) अमेरिका के द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर

(b) विश्व व्यापार संगठन के व्यापार सरलीकरण समझौते पर

(c) विश्व व्यापार संगठन के मुक्त व्यापार समझौते पर

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

दिसंबर, 2013 में बाली इंडोनेशिया में दोनों देशों (भारत तथा अमेरिका) के बीच खाद्य सुरक्षा पर सहमति के बाद भारत ने विकासशील देशों द्वारा अनुरक्षित विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) के व्यापार सरलीकरण समझौते पर अपनी सहमति व्यक्त की।

61. 'स्टार वार' कार्यक्रम के नाम से प्रसिद्ध रीगन के एक सशस्त्रीकरण कार्यक्रम का नाम-

(a) फोर्स फार फ्रीडम था

(b) पनिश दि गिल्टीज था

(c) फोर्स फारएवर था

(d) स्ट्रेटजिक डिफेंस इनीशियेटिव था

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

'स्टार वार' कार्यक्रम के नाम से प्रसिद्ध अमेरिका के राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के इस शस्त्रीकरण कार्यक्रम का नाम 'स्ट्रेटजिक डिफेंस इनीशियेटिव' (Strategic Defence Initiative) था।

62. बराक ओबामा के 'इस्लामिक स्टेट' विरोधी गठबंधन में कौन देश सम्मिलित नहीं है?

(a) इरान (b) सऊदी अरब

(c) जार्डन (d) संयुक्त अरब अमीरात

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

बराक ओबामा के इस्लामिक स्टेट विरोधी गठबंधन में इरान सम्मिलित नहीं है। इस्लामिक स्टेट विरोधी गठबंधन में संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, जार्डन, बहरीन, सऊदी अरब तथा संयुक्त अरब अमीरात आदि सम्मिलित हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य संगठन

1. संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा कौन-सा वर्ष प्रथम मानवाधिकार वर्ष के रूप में घोषित किया गया?

(a) 1963 (b) 1966
(c) 1968 (d) 1970

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

वर्ष 1968 में मानव अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तेहरान में संपन्न हुआ। इसमें 84 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में ही वर्ष 1968 को प्रथम मानवाधिकार वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा हुई।

2. यू.डी.एच.आर. (UDHR) का विस्तार कीजिए।

(a) यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट
(b) यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ होम राइट
(c) यूनाइटेड डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट
(d) यूनिवर्सल डिसीजन ऑफ ह्यूमन राइट

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

(UDHR) यू.डी.एच.आर. का विस्तार है- यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट।

3. हर वर्ष मानव अधिकार दिवस, इस दिन मनाया जाता है।

(a) 20 जनवरी (b) 30 दिसंबर
(c) 10 दिसंबर (d) 10 नवंबर

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

वर्ष 1946 में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना हुई थी तथा 10 दिसंबर, 1948 के दिन मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा जारी की गई। इस घोषणा के कारण ही 10 दिसंबर को प्रत्येक वर्ष मानवाधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है।

4. संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में कुल कितनी धाराएं हैं?

(a) 111 (b) 119
(c) 121 (d) 123

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

संयुक्त राष्ट संघ के चार्टर में 111 अनुच्छेद या धाराएं हैं।

5. संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम अधिवेशन कहां हुआ था?

(a) लंदन (b) यू.एस.ए.
(c) जेनेवा (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

संयुक्त राष्ट्र का प्रथम अधिवेशन 10 जून, 1946 को लंदन में हुआ था।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा सीटों का एक अंग नहीं है?

(a) सभा (b) परिषद
(c) सचिवालय एवं कार्य समूह (d) पहरुआ समितियां

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

8 सितंबर, 1954 को गठित क्षेत्रीय सुरक्षा संगठन के रूप में सीटो (SEATO) दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों का सैन्य गठबंधन था। सभा इस संगठन का अंग नहीं है। इसके प्रमुख सदस्य थे, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, फिलीपींस, थाईलैंड, ग्रेट ब्रिटेन और सं.रा. अमेरिका। 30 जून, 1977 को इसका अस्तित्व समाप्त हो गया था।

7. संयुक्त राष्ट संघ के चार्टर के किस अनुच्छेद में महासभा की शक्तियों और कार्यों का वर्णन किया गया है?

(a) चार्टर के छठवें अनुच्छेद में (b) चार्टर के दसवें अनुच्छेद में
(c) चार्टर के ग्यारहवें अनुच्छेद में (d) चार्टर के आठवें अनुच्छेद में

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के ग्यारहवें अनुच्छेद में महासभा की शक्तियों और कार्यों का उल्लेख है। अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा, निःशस्त्रीकरण के अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर महासभा विचार करती है तथा अन्य अभिकरणों को सिफारिश करती है।

8. संयुक्त राष्ट्र चार्टर को निम्नलिखित में से किस एक सम्मेलन में अंगीकृत किया गया था?

(a) मॉस्को सम्मेलन (b) याल्टा सम्मेलन
(c) डम्बरटन ओक्स सम्मेलन (d) सेनफ्रांसिस्को सम्मेलन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(b)

जून, 1945 को संयुक्त राष्ट्र चार्टर को सेनफ्रांसिस्को सम्मेलन में अंगीकृत किया गया था।

9. निम्न में से कौन-सा देश यू.एन. के सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है?

(a) भारत (b) ताइवान
(c) यूके (d) ब्राजील

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

संयुक्त राष्ट्र संघ में सुरक्षा परिषद महत्वपूर्ण अंग है, जिसके कंधे पर अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बनाए रखने का उत्तरदायित्व है। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर का अनुच्छेद 23 सुरक्षा परिषद की रचना तथा सदस्यता से संबंधित है। इस परिषद में 5 स्थायी तथा 10 अस्थायी सदस्य हैं। स्थायी सदस्यों में शामिल हैं-
1- संयुक्त राज्य अमेरिका, 2- रूस, 3- चीन, 4- यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) तथा 5- फ्रांस।

10. निम्न में से कौन एक संयुक्त राष्ट्र संघ का उद्देश्य नहीं है?
(a) युद्ध रोकना और शांति स्थापित करना।
(b) मानव अधिकार और अंतरराष्ट्रीय विधि के प्रति सम्मान जगाना।
(c) क्षेत्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना।
(d) अंतरिक्ष को जीतना और इस पर शोध करना।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

संयुक्त राष्ट्र संघ चार्टर के पहले अध्याय के पहले अनुच्छेद में संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों में उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) शामिल नहीं है।

11. मोर्टन काप्लान के अनुसार अंतरराष्ट्रीय राजनैतिक व्यवस्था के कितने प्रतिमान होते हैं?
(a) 4 (b) 6
(c) 8 (d) 10

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

काप्लान ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था सिद्धांत का व्यवस्थित विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'System and process in international Politics' में व्यवस्था सिद्धांत को 6 प्रतिमानों में विभाजित किया है-
1. शक्ति संतुलन निकाय
2. शिथिल द्विध्रुवीय निकाय
3. दृढ़ द्विध्रुवीय निकाय
4. सार्वत्रिक कार्यकर्ता निकाय
5. सोपानीय अंतरराष्ट्रीय निकाय
6. इकाई वीटो निकाय

12. संयुक्त राष्ट्र के घोषणा-पत्र पर कितने राष्ट्रों ने 26 जून, 1945 को हस्ताक्षर किए?
(a) 51 (b) 52
(c) 61 (d) 64

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(*)

26 जून, 1945 को संयुक्त राष्ट्र के घोषणापत्र में 50 राज्यों ने हस्ताक्षर किए थे। चूंकि पोलैण्ड में सरकार का गठन नहीं हुआ था। इसलिए वह अपना प्रतिनिधि नहीं भेज सका और उसका स्थान रिक्त छोड़ दिया गया। सरकार के गठन के पश्चात 15 अक्टूबर, 1945 को पोलैण्ड ने चार्टर पर हस्ताक्षर किए।

13. संयुक्त राष्ट्र आम सभा द्वारा प्रथम निःशस्त्रीकरण दशक घोषित किया गया-
(a) 1950-60 (b) 1960-70
(c) 1970-80 (d) 1980-90

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

16 दिसंबर, 1969 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव संख्या 2602 (XXIV) में 1970-80 दशक को प्रथम निःशस्त्रीकरण दशक घोषित किया था।

14. एशिया का कौन-सा भाग 'दुनिया की छत' के नाम से जाना जाता है?
(a) पश्चिमी एशिया (b) दक्षिण एशिया
(c) दक्षिण-पूर्व एशिया (d) मध्य एशिया

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

पामीर के पठार को दुनिया की छत कहा जाता है, इस पठार की स्थिति मध्य एशिया में है। इसलिए मध्य एशिया को दुनिया की छत के नाम से जाना जाता है।

15. किसने कहा, ''जब तक मोर्गेन्थो के सिद्धांत का प्रभाव बना रहेगा, तब तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति के वैज्ञानिक अध्ययन में कोई प्रगति संभव नहीं है''?
(a) हॉफ मैन (b) बेनो वासरमैन
(c) हेन्स कालसन (d) क्विन्सी राईट

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

बेनो वासरमैन ने ''द साइंटिफिक प्रेटेन्सिअंस ऑफ प्रोफेसर मार्गेन्थाउस थ्योरी ऑफ पावर पॉलिटिक्स'' में लिखा है कि मार्गेन्थो का सिद्धांत निरपेक्ष एवं अप्रमाणिक आवश्यकतावादी नियमों पर आधारित है। मानव प्रकृति संबंधी धारणा तथा अनुमानों पर आधारित धारणा मार्गेन्थो के सिद्धांत को अवैज्ञानिक बना देता है।

16. किसने कहा, ''शक्ति का प्रयोग करने वाले तथा जिसके विरुद्ध शक्ति प्रयुक्त होती है इन दो तरह के राष्ट्रों के बीच का मनोवैज्ञानिक संबंध ही राजनीतिक शक्ति है''?
(a) मोर्गेन्थो (b) कैटलिन

(c) आर.एच. टोनी (d) लासवैल

UttarakhandAsst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

मोर्गेन्थो ने 'Politics Among Nations' में लिखा है कि किन्हीं दो राष्ट्रों के पारस्पारिक संबंध कि वह स्थिति जिसमें एक राष्ट्र स्वभावतः दूसरे राष्ट्र की इच्छानुसार कार्य करने लगता है, शक्ति के स्वरूप को स्पष्ट करता है। इसमें जो शक्ति का प्रयोग करता है और जिन पर शक्ति का प्रयोग किया जाता है उनके बीच एक प्रकार का मनोवैज्ञानिक संबंध बन जाता है।

17. 'देतान्त' शब्द किस भाषा से लिया गया है?

(a) अंग्रेजी से (b) स्पेनिश से

(c) फ्रेंच से (d) ग्रीक से

UttarakhandAsst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

देतान्त एक फ्रांसीसी शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ है, 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों में तनाव की कमी। ऑक्सफोर्ड शब्द कोष देतान्त को दो तरह से परिभाषित करता है, इसके अनुसार यह ''राज्यों के बीच तनावपूर्ण संबंधों का अंत होता है।'' तथा ''राज्यों के बीच मित्रतापूर्ण समझ की स्थापना है।''

18. एकमात्र देश जिसने संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता का प्रत्याहरण किया है-

(a) चीन (b) जर्मनी

(c) इण्डोनेशिया (d) इथियोपिया

UttarakhandAsst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

शीतयुद्ध के दौरान इण्डोनेशिया को सोवियत संघ का समर्थक माना जाता था। 21 जनवरी, 1965 को इसने संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता को त्यागने की घोषणा कर दी, जिसका प्रमुख कारण था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में न चुना जाना।

19. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस को स्थायी सदस्यता उसकी किस योग्यता के आधार पर दी गई है?

(a) पूर्व सोवियत संघ का उत्तराधिकारी राज्य

(b) विश्व में द्वितीय सर्वाधिक शक्तिशाली देश

(c) क्षेत्र के संबंध में विश्व का सबसे बड़ा देश

(d) विश्व में सबसे प्राचीन सभ्यता

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

1991 में सोवियत संघ के विघटन के पश्चात राष्ट्रकुल के स्वतंत्र सदस्यों के साथ-साथ संघीय इकाइयों ने अपनी-अपनी स्वतंत्रता प्राप्त कर लिया। चूंकि पूर्व सोवियत संघ सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य था। अतः रिक्त पद के लिए उत्तराधिकार प्रश्न उत्पन्न हुआ। क्षेत्रफल, जनसंख्या और सैन्यशक्ति के आधार पर रूस को पूर्व सोवियत संघ का उत्तराधिकारी घोषित कर सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य चुन लिया गया।

20. सोवियत संघ के विघटन के लिए निम्नलिखित में से कौन सा नेता प्रमुखतः उत्तरदायी है?

(a) ब्लादिमिर पुतिन (b) ब्रेझनेव

(c) ख्रुश्चेव (d) गोर्बाचेव

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

मिख़ाइल गोर्बाचेव 1980 के दशक के मध्य में सोवियत संघ की कंयुनिस्ट पार्टी के महासचिव बने। गोर्बाचेव ने देश के अंदर आर्थिक-राजनीतिक सुधारों और लोकतंत्रीकरण की नीति चलायी। इन सुधार नीतियों का कंयुनिस्ट पार्टी के नेताओं द्वारा विरोध किया गया। इसी कारण से गोर्बाचेव को सोवियत संघ के विघटन का प्रमुख नेता माना जाता है।

21. भारत-सोवियत संघ शांति, मैत्री व सहयोग संधि पर किस वर्ष हस्ताक्षर किए गए?

(a) 1969 (b) 1970

(c) 1971 (d) 1972

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारत-सोवियत संघ शांति, मैत्री व सहयोग संधि पर अगस्त, 1971 में हस्ताक्षर हुआ था। इस संधि का उद्देश्य तत्कालीन समय में उत्पन्न खतरों से भारत को निपटना था। शांति, मैत्री एवं सहयोग संधि की धारा 9 में उल्लेख है कि बाहरी खतरे से उत्पन्न परिस्थिति पर दोनों देश मिलकर विचार करेंगे।

22. हित समूह पाये जाते हैं-

(a) केवल लोकतांत्रिक देशों में

(b) पूंजीवादी समाजों में

(c) केवल सर्वाधिकारवादी देशों में

(d) सभी देशों में

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

प्रत्येक प्रकार की राजनीतिक प्रणाली और प्रत्येक देश में हित-समूहों का अस्तित्व होता है। लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक प्रक्रिया खुली होती है, परंतु सर्वाधिकारी राज्यों में दबाव समूहों को सत्ता के अनुरूप चलना पड़ता है, जो भी समूह सत्ता की आलोचना करता है, उन्हें बलपूर्वक दबा दिया जाता है।

23. मोर्गेन्थो के अनुसार राष्ट्रीय हित की अभिवृद्धि का सबसे महत्वपूर्ण साधन है :

(a) राजनय
(b) प्रचार एवं राजनीतिक युद्ध
(c) राष्ट्रीय नीति के आर्थिक साधन
(d) युद्ध

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

मोर्गेन्थो राष्ट्रीय हित को प्राप्त करने के लिए शक्ति को महत्वपूर्ण साधन मानता है, परंतु वह शक्ति के अंतर्गत सैन्य शक्ति को शामिल नहीं करता, सैनिक शक्ति राष्ट्रीय शक्ति का अवयव मात्र है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक शक्ति है। युद्ध के माध्यम से राष्ट्रीय हित प्राप्त करने से सर्वत्र अराजकता और अशांति का वातावरण उत्पन्न हो जाएगा। अतः राजनय के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करने का सबसे उत्तम उपाय है।

24. परमाणु अप्रसार संधि से अलग होने वाला प्रथम देश कौन था?

(a) चीन (b) क्यूबा
(c) उत्तरी कोरिया (d) कनाडा

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उत्तर कोरिया परमाणु अप्रसार संधि से अलग होने वाला प्रथम देश है। दिसंबर, 1985 में वह इस संधि में शामिल हुआ तथा जनवरी 2003 में इस संधि से अलग होने की घोषणा कर दी तथा प्लूटोनियम संबंधी सुविधाओं को पुनः प्रारंभ कर दिया।

25. स्टीवन रोजन और वाल्टर जोंस के अनुसार राष्ट्रीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है-

(a) भूगोल (b) विचारधारा
(c) जनसंख्या (d) नेतृत्व

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

स्टीवन रोजन और वाल्टर जोन्स के अनुसार, राष्ट्रीय शक्ति का तात्पर्य एक अंतरराष्ट्रीय कर्ता के द्वारा अपने अतुलनीय संसाधनों और परिसंपत्तियों का इस प्रकार से उपयोग कर अपनी क्षमता को बढ़ाना है ताकि अपने अनुरूप अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के परिणामों को प्रभावित किया जा सके। अतः इन दोनों विचारकों ने राष्ट्रीय शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण तत्व नेतृत्व को माना है।

26. यूरोपियन एकता आंदोलन का जनक है :

(a) दि गॉल (b) कॉनार्ड एडन्योर
(c) जीन मोनेट (d) रॉबर्ट शुमैन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

राबर्ट शुमैन को यूरोपियन एकता का वास्तुकार माना जाता है। 1948 और 1952 में फ्रांस के विदेशमंत्री रहे। जीन मोनेट के सहयोग से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध 'Schuman Plan' तैयार की तथा 9 मई 1950 को प्रकाशित किया, जिसे अब यूरोपीय संघ के जन्म के रूप में माना जाता है।

27. भारत-पाकिस्तान संबंधो के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(i) शक्तिशाली राज्य द्विपक्षीय बातचीत को विशेष प्राथमिकता देते हैं जबकि कमजोर राज्य बहुपक्षीय पद्धति को चाहते हैं।

(ii) शक्तिशाली राज्य कमजोर राज्यों को दूर रखना चाहते हैं जबकि कमजोर राज्य शक्तिशाली राज्यों के साथ प्रगाढ़ राजनीतिक और आर्थिक संबंध चाहते हैं।

(iii) शक्तिशाली राज्य अन्य राज्यों से समर्थन लेकर अपनी ताकत को बढ़ाने का प्रयास करते हैं जबकि कमजोर राज्य शक्तिशाली राज्यों पर शक्ति का दबाव डालते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत हैं/है?

(a) केवल (i) (b) केवल (i) और (ii)
(c) केवल (ii) और (iii) (d) केवल (iii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में शक्तिशाली राष्ट्रों को कमजोर राज्यों के समर्थन एवं सहायता की आवश्यकता होती है। अंतरराष्ट्रीय मंचों में निर्णय प्रक्रिया लोकतांत्रिक ढंग से संचालित होने के कारण नीतियों को अपने पक्ष में करवाने के लिए कमजोर राज्य भी आवश्क है। उदाहरण विश्व व्यापार संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ, पर्यावरणीय सम्मेलन इत्यादि। कमजोर राज्य की आर्थिक और सैन्य सहायता प्राप्ति के लिए अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। साथ ही कमजोर राज्य उस स्थिति में नहीं होते कि वे शक्तिशाली राज्यों पर दबाव डाल सके।

28. नाटो व वर्साय संधि के मध्य निःशस्त्रीकरण संधि कब की गई?

(a) 1990 (b) 1991
(c) 1992 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

19 नवम्बर, 1990 को पेरिस सम्मेलन में नाटो और वारसा के मध्य परंपरागत शस्त्र कटौती संधि पर हस्ताक्षर हुए। इस संधि में टैंको, तोपों तथा सैनिक सशस्त्र-युद्धक गाड़ियों को समाप्त करने का निर्णय किया गया। दोनों गुटों के पास अधिक से अधिक 20000 टैंक, 30000 युद्धक गाड़ियां, 6800 लड़ाकू जहाज तथा 2000 हेलीकॉप्टर होने की व्यवस्था की गई।

29. यूगोस्लाविया का पांच पृथक राज्यों में विखंडन शीत युद्ध के अंत को चिह्नित करता है। निम्नलिखित राज्यों के समूह में से कौन-सा नए राज्यों को सही रूप से बताता है?

(a) स्लोवाकिया, मेसीडोनिया और आर्मीनिया

(b) आर्मीनिया, क्रोएशिया और सर्बिया

(c) सर्बिया, मेसीडोनिया और अजरबैजान

(d) बोस्निया-हर्जेगोविना, सर्बिया और स्लोवेनिया

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(*)

उपर्युक्त प्रश्न का कोई भी विकल्प सही क्रम में नहीं हैं। आर्मीनिया युगोस्लाकिया का भाग नहीं था। सर्बिया 5 जून, 2006 को अंतिम समय में स्वतंत्र हुआ था। यूगोस्लोकिया से विघटित राज्यों का सही क्रम है- स्लोवेनिया, क्रोएशिया, मेसेडोनिया, बोस्निया, हर्जेगोविना, मोंटेनेग्रो, सर्बिया।

30. कथन (A) : विदेश नीति में अधिकतम राष्ट्रीय स्वायत्तता के सिद्धांत की पुष्टि गुटनिरपेक्ष आंदोलन है।

कारण (R) : बगैर अपनी पहचान को खोए विश्व के विभिन्न देशों के मध्य अंर्तिक्रिया गुटनिरपेक्षता की भावना ने की थी।

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

(d) (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

गुटनिरपेक्ष आंदोलन की सदस्यता के लिए संबंधित देश को स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करना आवश्यक माना गया था। जो राज्य स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करते हैं, वे ही अंतरराष्ट्रीय जगत में अपनी पहचान बनाते हैं। अतः उपर्युक्त प्रश्न में कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, साथ ही कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या भी करता है।

31. अंतरराष्ट्रीय संबंध को कहा जाता है?

(a) विदेश नीति (b) आर्थिक नीति

(c) सामाजिक नीति (d) देशीय नीति

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

विदेश नीति को अंतरराष्ट्रीय संबंधों का पर्याय माना जाता है। कोई भी देश-विदेश नीति के माध्यम से ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने संबंधों का निरूपण करता है। विदेश नीति सिद्धांतों और व्यवहारों का समुच्चय है, जिनके आधार पर सभी देश अपने राष्ट्रीय हितों को प्राप्त करना चाहते हैं। राष्ट्रीय हितो के अनुरूप विदेश नीति भी सभी देशों की भिन्न होती है। इन सभी विदेश नीति का समामेलन अंतरराष्ट्रीय संबंध में ही जाता है।

32. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की स्थापना इस वर्ष हुई।

(a) 1948 (b) 1950

(c) 1945 (d) 1993

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना सरकार द्वारा अक्टूबर, 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अंतर्गत की गई थी। इस आठ सदस्यीय आयोग के सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष होता है?

33. मैग्नाकार्टा इस वर्ष पारित किया गया?

(a) 1210 (b) 1215

(c) 1315 (d) 1415

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

मैग्नाकार्टा जिसे स्वतंत्रता का अधिकार पत्र भी कहा जाता है। किंग जॉन द्वारा जून 1215 को पारित किया गया था। कुछ कानून आज भी हमारे लिए महत्वपूर्ण स्थान रखते है जैसे-

- बिना निष्पक्ष सुनवाई के किसी को सजा नहीं दी जा सकती है।
- गलत तरीके से कर चुकाने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

अमेरिका के 1776 में लिखित संविधान में भी मैग्नाकार्टा के कुछ भाग को शामिल किया गया था।

34. निम्नलिखित में से कौन सा विचारक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नव-यथार्थवाद से संबंधित है?

(a) कैनेथ वाल्ट्ज (b) हैन्स मॉर्गेन्थाऊ

(c) रेनहोल्ड नेबुर (d) जॉन रगी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

नव-यथार्थवाद या संरचनात्मक यर्थाथवाद का संबंध कैनेथ वाल्ट्ज से है। इन्होंने अपनी रचना 'Theory of International Politics' में यथार्थवाद का विश्लेषण व्यवस्था सिद्धांत से मिलकर किया है। अंतरराष्ट्रीय संरचना का विश्लेषण करते हुए वे इसे अराजकतापूर्ण मानते हैं, जिसका तात्पर्य है कि राष्ट्र-राज्यों के व्यवहार को नियंत्रित करने की कोई अंतरराष्ट्रीय संस्था नहीं है इसलिए अंतरराष्ट्रीय राजनीति नैतिकता और विधि के बजाय, राष्ट्रीय हितों से संचालित होती है।

35. किसने कहा कि 'शक्ति के रूप में परिभाषित राष्ट्रीय हित अंतरराष्ट्रीय राजनीति का मुख्य तत्व है?

(a) एन.जे. स्पाइकमन (b) मॉर्गेन्थाऊ

(c) हॉब्स (d) नीत्से

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

मॉर्गेन्थाऊ ने 'Politics Among Nations' में लिखा है 'शक्ति के रूप में परिभाषित राष्ट्रीय हित अंतरराष्ट्रीय राजनीति का मुख्य तत्व हैं। राष्ट्र हमेशा शक्ति के साधन द्वारा ही राष्ट्रीय हित को प्राप्त करने का प्रयत्न करते हैं। राजनीतिज्ञ शक्ति के रूप में परिभाषित हितों के अनुरूप ही सोचते तथा कार्य करते हैं तथा इतिहास इस तथ्य का साक्षी है।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के यथार्थवादी सिद्धांत का अंग नहीं है?

(a) राज्यवाद (b) सामूहिक हित

(c) सुरक्षा (d) अस्तित्व

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

'सामूहिक हित' अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के आदर्शवादी सिद्धांत का अंग है। इस अवधारणा के अंतर्गत राष्ट्रीय हित की अपेक्षा सामूहिक हित को प्राधानता प्राप्त होती है। यदि सभी राष्ट्र अपने संकीर्ण हितों की अपेक्षा सामूहिक हित को ध्यान में रखें तों अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को समाप्त किया जा सकता है।

37. सौदेबाजी सिद्धांत का आधार है?

(a) संधि वार्ता (b) राष्ट्रीय हित

(c) युद्ध (d) संघर्ष

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सौदेबाजी का सिद्धांत 'संधि वार्ता' पर आधारित है। इसके अंतर्गत दो पक्षों के पारस्परिक संबंध 'अधिकतम लाभ और न्यूनतम हानि' के सिद्धांत पर कार्य करते हैं।

38. अंतरराष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन मुख्यतः आधारित है।

(a) सत्ता की राजनीति पर

(b) सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों पर

(c) ऐतिहासिक संबंधों पर

(d) नैतिकता की राजनीति पर

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक का अध्ययन सत्ता या शक्ति की राजनीति पर आधारित है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति उन क्रियाओं का अध्ययन करना है जिसके अंतर्गत राज्य अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति हेतु शक्ति के आधार पर संघर्षरत रहते हैं। इस संदर्भ में राष्ट्रीय हित अंतरराष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख लक्ष्य होते हैं, संघर्ष इसका स्वरूप तय करती है तथा शक्ति इस उद्देश्य प्राप्ति का प्रमुख साधन है। इसी आधार पर मार्गेन्थाड शक्ति को साधन और साध्य दोनों मानता है।

39. निम्न में से कौन वैश्वीकरण को दर्शाता है?

1. राज्यों की अर्थव्यवस्थओं का बढ़ता विलय

2. राजनीतिक अस्थिरता

3. सूचना का बढ़ता हुआ प्रवाह

4. बढ़ती हुई भौगोलिक अंतर्निर्भरता

(a) 1 और 2 केवल (b) 2 और 4 केवल

(c) 1, 2 और 4 केवल (d) 1, 3 और 4

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

वर्तमान वैश्वीकरण के अनेक आयाम प्रकट होकर सामने आए है- जिनमें अर्थव्यवस्थाओं का एकीकरण, सूचना संजाल और अनेक देशों के मध्य भौगोलिक अंतर्निर्भरता प्रमुख हैं। विश्व बैंक- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसे संगठन अर्थव्यवस्थाओं के एकीकरण के नियमन के लिए बनी संस्थाएं हैं। सभी देशों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान का माध्यम जैसे रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, मोबाइल, कंप्यूटर इत्यादि से सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध निर्धारित होते हैं। इसी प्रकार औद्योगिकरण की आवश्यकताओं ने भौगोलिक अन्तर्निर्भरता का बढ़ावा दिया है- जैसे जापान को कोयले एवं लोहे के लिए आस्ट्रेलिया एवं भारत से संबंध बढ़ाना पड़ रहा है।

40. 'मानव अधिकारों' की अवधारणा विशेष रूप से संबंधित है-

(a) राजनीतिक समानता से

(b) आर्थिक स्थायित्व से

(c) मानव होने के नाते, मानव की गरिमा से

(d) इसमें से कोई भी नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

ऐतिहासिक आधार पर मानवाधिकारों का उल्लेख मैग्नाकार्टा (1215) में पाया जाता है, लेकिन प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात उत्पन्न विभीषिका और शरणार्थियों की समस्या ने इसके महत्व को अधिक स्पष्ट कर दिया। मानवाधिकार, मानववाद की इस मान्यता को स्वीकार करता है कि 'मनुष्य ही समस्त वस्तुओं का मापदण्ड हैं। मनुष्य होने के नाते मानवीय गरिमा के साथ जीना मानव अधिकारों का मूलमंत्र है।

41. वर्तमान विश्व परिदृश्य में एक नए परिवर्धन का उदय हुआ है, वह है-

(a) अमरीकी प्राधान्य

(b) रशिया की भूमिका

(c) 77 समूह की भूमिका

(d) तीसरी दुनिया के देशों की भूमिका

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

वर्तमान विश्व परिदृश्य में आर्थिक, राजनीतिक एवं सामारिक मामलों में तीसरी दुनिया के देशों की भूमिका बढ़ी हैं। भारत, ब्राजील, द. अफ्रीका जैसे देशों की अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि हो रही है जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं तत्व टी-20 जैसे संगठनों में इनकी भूमिका लगातार बढ़ रही है।

42. शीतयुद्ध की समाप्ति का प्रमुख कारण था-

(a) द्वितीय महायुद्ध की समाप्ति

(b) 1949 की चीन क्रांति

(c) 1945 में जर्मनी का विभाजन

(d) सोवियत संघ का विघटन

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

शक्तिशाली सोवियत संघ विचार धाराओं के संघर्ष में पूंजीवादी देशों से उलझा रहा तथा विश्व को साम्यवादी देशों से उलझा रहा तथा विश्व को साम्यवादी ढाँचे में ढालने की सनक ने शीतयुद्ध को जन्म दिया। आंतरिक और वाह्य कारणों से 1991 में सोवियत संघ का विघटन हो गया, अतः अब सोवियत संघ को अपने अस्तित्व को बचाने के लिए शीतयुद्ध की समाप्ति की घोषणा करनी पड़ी।

43. निम्नलिखित में से कौन-से निर्णयों में संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा में दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है?

(a) शांति और सुरक्षा

(b) नए सदस्य राज्यों का प्रवेश

(c) बजट संबंधी मामले

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सत्य है। क्योंकि उक्त सभी विषयों से संबंधित निर्णयों में महासभा को दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है।

44. निम्नलिखित संगठनों में से कौन सा 'शांति की संस्कृति' को प्रोत्साहित करता है?

(a) आइ.एल.ओ. (b) यूनेस्को

(c) यूनीसेफ (d) यू.एन.डी.पी.

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

यूनेस्को- 'UNITED NATION ORGANIZATION FOR EDUCATION, SCIENCE AND CULTURE' का संक्षिप्त नाम है, जिसकी स्थापना 16 नवंबर, 1945 में की गई थी। इसका मुख्यालय पेरिस में है तथा इसके सदस्यों की संख्या 195 है और एसोसिएट सदस्य 8 हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अंतर्गत यह वैश्विक संस्कृतियों के आदान-प्रदान के महत्व संगठन है। यह संगठन 'शान्ति की संस्कृति' को प्रोत्साहित करता है।

45. यूनेस्को का मुख्यालय स्थित है-

(a) लंदन में (b) पेरिस में

(c) रोम में (d) न्यूयार्क में

U.P. G.I.C. आ.प. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. प्रथम विश्व निःशस्त्रीकरण सम्मेलन कब हुआ?

(a) 1922 (b) 1932

(c) 1972 (d) 1993

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

विश्व निःशस्त्रीकरण सम्मेलन 2 फरवरी, 1932 में जिनेवा में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में 60 देशों के प्रतिनिधियों में बड़ी सेना व नौसैनिक बल बनाए रखने वाले सभी देश शामिल थे। सम्मेलन का उद्देश्य हथियारों को कम करना तथा सीमित करना था। लीग आफ नेशंस के अनुबंध के अनुच्छेद 8 के अनुपालन के व्यापक उद्देश्य के रूप में रेखांकित किया गया।

47. ब्रिक्स देशों में सम्मलित हैं-

(a) ब्रिटेन, रशिया, इरान, चिली और स्वाजीलैण्ड

(b) बहरीन, रशिया, इटली, चिली और सिंगापुर

(c) बोत्सवाना, रोडेशिया, इरीटेरीया, चाड और सूडान

(d) ब्राजील, रशिया, इण्डिया, चाइना और साऊथ अफ्रीका

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने मिलकर BRIC की स्थापना 2009 में किया था। जिसका उद्देश्य वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में सुधार करना था। दिसंबर, 2010 में दक्षिण अफ्रीका ने भी ब्रिक की सदस्यता ग्रहण की जिसे अब BRICS के नाम से जाना है।

48. ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन ब्राजील में हुआ था-

(a) 2009 में (b) 2010 में

(c) 2011 में (d) 2012 में

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

दूसरा (2010) ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में संपन्न हुआ था। इन देशों के समक्ष प्रमुख चर्चा के मुद्दे थे- वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति, वैश्विक वित्तीय संकट, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के निर्वाचन के तरीके, G-20 के मामले जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र में सुधार इत्यादि। अंत में ब्रिक्स देशों ने सहयोग और समंवय बढ़ावा देने के लिए ठोस उपायों पर सहमति व्यक्त की।

49. 'शीत युद्ध' वाक्यांश मूलत; संबंधित था-

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका एवं सोवियत संघ

(b) भारत और पाकिस्तान

(c) भारत और चीन

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

वर्ष 1945 और 1991 के मध्य संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच असैन्य संघर्ष को 'शीत युद्ध' कहा जाता है। विशेष रूप से दो विरोधी राजनीतिक प्रणालियों वाले देश जो प्रत्यक्ष सशस्त्र संघर्ष की बजाय अपनी विचार धारा के आधार पर स्वयं के प्रभाव को बढ़ाने तथा विरोधी के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया जाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात अमेरिका और सोवियत रूस के संबंधों को स्पष्ट करने के लिए इस शब्द का प्रयोग 'जार्ज लिस्का' ने किया था।

50. 'एक सभी के लिए तथा सभी एक के लिए सामूहिक सुरक्षा का रक्षक है।'' यह कथन किसका है?

(a) पामर एवं पार्किन्स (b) मार्गेन्थो

(c) श्लीचर (d) आर्गेन्सकी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

सामूहिक सुरक्षा के विषय में मोर्गेन्थो ने "POLITIC SAMONG NATION" में लिखा है कि यदि किसी देश की सुरक्षा को संकट हो तो बांकी सभी देश मिलकर उस संकट का सामना करेंगे। इसमें सभी देश प्रत्येक की सुरक्षा का ध्यान रखें मानो उनकी अपनी सुरक्षा खतरे में हो। तात्पर्य यह है कि ''एक सभी के लिए तथा सभी एक के लिए।"

51. 'एमनेस्टी इण्टरनेशनल' एक विश्वव्यापी संगठन है जिसका कार्यक्षेत्र है-

(a) मानवाधिकार

(b) युद्ध अपराध

(c) द्विध्रुवीय व्यवस्था के अस्थिर ब्लॉक

(d) अंतर्राष्ट्रीय विवाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

एमनेस्टी इंटरनेशनल एक गैर-सरकारी संगठन है जो मानवाधिकार संबंधी मामलों को देखता है। पीटर बेनसन ने जुलाई 1961 में लंदन में इसकी स्थापना की थी। इस विश्वव्यापी संगठन का मुख्यालय लंदन में है। विश्व के विभिन्न देशों में इसकी शाखाएं स्थापित हैं। भारत में 1960 में बिहार में इस संगठन की स्थापना की गई थी तथा मुख्यालय बंगलुरू में स्थित है।

52. यूनेस्को का मुख्यालय कहां है?

(a) लंदन (b) पेरिस

(c) रोम (d) न्यूयॉर्क

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

यूनेस्को (UNESCO) का पूरा नाम संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (United Nation Educational, Scienctific and Cultural Organization) है। इसकी स्थापना वर्ष 1945 में की गई थी। इसका मुख्यालय फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित है। यूनेस्को का मूल उद्देश्य शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान की सहायता से अंतरराष्ट्रीय शांति, विकास एवं संबंधों को बढ़ावा देना है।

53. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना कब हुई?

(a) 1919 (b) 1920

(c) 1921 (d) 1922

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO- International labour Organization) की स्थापना अप्रैल 1919 में की गई थी। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, श्रमिकों के विषय में संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी है। इसका मुख्यालय जेनेवा स्विट्जरलैंड में है। आई.एल.ओ. का मूल उद्देश्य रहन-सहन के स्तर एवं श्रम की अन्य दशाओं को सुधारने तथा पूर्ण रोजगार का लक्ष्य प्राप्त करने पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय क्रिया-कलापों को प्रोत्साहित करना है।

54. संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में कितने सदस्य अस्थायी हैं?

(a) 5 (b) 7

(c) 10 (d) 15

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं - 1. रूस, 2. संयुक्त राज्य अमेरिका, 3. यूनाइटेड किंगडम, 4. फ्रांस, और 5. चीन। इसके अतिरिक्त सुरक्षा परिषद में 10 अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका निर्वाचन होता है। इस प्रकार सुरक्षा परिषद में कुल 15 सदस्य हैं। अस्थायी सदस्यों का क्षेत्रीय आधार पर दो वर्षों के लिए निर्वाचन होता है। सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता इसके सदस्यों द्वारा मासिक आधार पर चक्रानुक्रम में की जाती है।

55. सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या है-

(a) 5 (b) 6

(c) 7 (d) 8

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. सुरक्षा परिषद् के स्थायी सदस्यों की संख्या है?

(a) 5 (b) 6

(c) 7 (d) 10

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यों की कुल संख्या हैं-

(a) 5 (b) 12

(c) 15 (d) 7

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. सुरक्षा परिषद् के अस्थायी सदस्य चुने जाते हैं किस अवधि के लिए?

(a) एक वर्ष (b) दो वर्ष

(c) तीन वर्ष (d) पाँच वर्ष

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

59. 'सुरक्षा परिषद' की कुल सदस्य संख्या है-

(a) 15 (b) 5

(c) 11 (d) 13

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. निम्नांकित में कौन-सा देश संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् का स्थायी सदस्य नहीं है?

(a) भारत (b) अमेरिका

(c) सोवियत संघ (d) ब्रिटेन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा की बैठकें होती हैं-

(a) एक वर्ष में एक बार

(b) एक वर्ष में दो बार

(c) दो वर्ष में एक बार

(d) तीन वर्ष में एक बार

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासभा का अधिवेशन (बैठक) वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य बुलाया जाता है, जो सामान्यतः सितंबर माह में न्यूयॉर्क में आयोजित होता है। असामान्य परिस्थितियों में महासचिव द्वारा चौबीस घंटे के भीतर इसकी बैठक बुलाई जा सकती है।

62. निम्न में से कौन एक संयुक्त राष्ट्र का प्रधान अंग है?

(a) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(b) अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन

(c) आर्थिक व सामाजिक परिषद

(d) अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

आर्थिक एवं सामाजिक परिषद संयुक्त राष्ट्र के छः प्रधान अंगों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के अन्य प्रधान अंगों में आम सभा, सुरक्षा परिषद, सचिवालय, ट्रस्टीशिप परिषद अंतरराष्ट्रीय न्यायालय, को शामिल किया जाता है। आर्थिक एवं सामाजिक परिषद में कुल 54 सदस्य देश हैं, जिनका चुनाव प्रत्येक तीन वर्ष पर आम सभा द्वारा किया जाता है।

63. निम्नलिखित में से कौन-सा एक संयुक्त राष्ट्र का अंग नहीं है?

(a) आर्थिक और सामाजिक परिषद

(b) न्यास परिषद

(c) सचिवालय
(d) विश्व स्वास्थ्य संगठन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. विश्व संगठन के चार्टर में संयुक्त राष्ट्र संघ के कुल कितने प्रधान अंगों का उल्लेख है?
(a) 4 (b) 5
(c) 6 (d) 8

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. संयुक्त राष्ट्र संघ का कौन-सा विशिष्ट अभिकरण नहीं है?
(a) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू. एच. ओ.)
(b) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई. एम. एफ.)
(c) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आई. सी. जे.)
(d) अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक विकास संगठन (यू.एन.आई.डी.ओ.)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख 6 अंगों में एक है। इसके प्रमुख 6 अंग हैं- महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक एवं सामाजिक परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, न्यास परिषद तथा सचिवालय। शेष संयुक्त राष्ट्र संघ के विशिष्ट अभिकरण हैं। विशिष्ट अभिकरण 6 प्रमुख अंगों से अलग हैं।

66. संयुक्त राष्ट्र संघ के कुल कितने मुख्य अंग हैं?
(a) 7 (b) 5
(c) 6 (d) 8

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. इनमें से कौन संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रमुख अंग नहीं है?
(a) सेक्युरिटी काउंसिल
(b) ट्रस्टीशिप काउंसिल
(c) यूनेस्को
(d) सेक्रेटेरिएट

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

68. निम्नलिखित में से कौन एक संयुक्त राष्ट्र का मुख्य अंग नहीं है?
(a) महासभा (b) सुरक्षा परिषद
(c) न्यास परिषद (d) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. संयुक्त राष्ट्र संघ का सचिवालय स्थित है-
(a) वाशिंगटन डी. सी. में (b) न्यूयॉर्क में
(c) लंदन में (d) पेरिस में

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

संयुक्त राष्ट्र संघ का सचिवालय अमेरिका के न्यूयॉर्क नगर में स्थित है।

70. संयुक्त राष्ट्र संघ के किस सदस्य को निषेधाधिकार (वीटो शक्ति) प्राप्त नहीं है?
(a) चीन (b) रूस
(c) जर्मनी (d) ब्रिटेन

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में किसी प्रस्ताव के पारित होने के लिए समस्त स्थायी सदस्यों की सहमति आवश्यक होती है। उनमें से किसी एक के भी असहमत होने पर प्रस्ताव पारित नहीं हो सकता। इसे ही 'निषेधाधिकार' या 'वीटो शक्ति' कहा जाता है क्योंकि कोई भी स्थायी सदस्य किसी प्रस्ताव को अपनी असहमति द्वारा पारित होने से रोक सकता है। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य रूस, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम हैं।

71. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में कितने न्यायाधीश होते हैं?
(a) 20 (b) 21
(c) 22 (d) 15

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(d)

संयुक्त राष्ट्र संघ के घोषणा-पत्र के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के उद्देश्य से एक अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना का प्रावधान रखा गया। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में 15 सदस्य होते हैं जो महासभा एवं सुरक्षा परिषद द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं। इनका कार्यकाल 9 वर्षों का होता है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय हेग (नीदरलैंड) में है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में गणपूर्ति (कोरम) के लिए कम से कम न्यायाधीशों की संख्या 9 होनी चाहिए।

72. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों का कार्यकाल होता है-

(a) 3 वर्ष का (b) 6 वर्ष का

(c) 9 वर्ष का (d) 12 वर्ष का

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों को निर्वाचित किया जाता है-

(a) महासभा द्वारा

(b) सुरक्षा परिषद द्वारा

(c) महासभा तथा सुरक्षा परिषद दोनों द्वारा

(d) न्यासिता परिषद द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

74. 'अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय' में गणपूर्ति के लिए न्यायाधीशों की कुल संख्या है-

(a) 15 (b) 7

(c) 11 (d) 9

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

75. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय स्थित है-

(a) न्यूयॉर्क में (b) वाशिंगटन में

(c) पेरिस में (d) हेग में

T.G.T. परीक्षा, 2001, 2005, 2009, 2010

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

P.G.T. परीक्षा, 2009

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय कहां है?

(a) वियेना (b) रोम

(c) न्यूयॉर्क (d) जिनेवा

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को की गई। इसका उद्देश्य विश्व के लोगों का स्वास्थ्य स्तर ऊंचा करना है। इसके 194 सदस्य देश तथा 2 संबद्ध सदस्य हैं। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में है।

77. राष्ट्र संघ की स्थापना निम्नांकित में से किस वर्ष हुई थी?

(a) 1914 (b) 1920

(c) 1919 (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

अमेरिकी राष्ट्रपति विल्सन की प्रेरणा से वर्ष 1920 में एक राष्ट्र संघ (लीग ऑफ नेशंस) की स्थापना की गई जिससे भविष्य में युद्धों को रोका जा सके।

78. संयुक्त राष्ट्र को मुख्यतः किस संगठन का परवर्ती रूप माना जा सकता है?

(a) लीग ऑफ ऑल नेशन्स

(b) लीग ऑफ यूरोपियन नेशन्स

(c) लीग ऑफ यूरोपियन एशियन नेशन्स

(d) लीग ऑफ नेशन्स

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

संयुक्त राष्ट्र को मुख्यतः लीग ऑफ नेशन्स (League of Nations) का परवर्ती रूप माना जाता है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद 'राष्ट्र संघ' (League of Nations) नामक संस्था की स्थापना की गई परंतु द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इस अंतर्राष्ट्रीय संगठन की असफलता ने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को समतापूर्ण और न्यायोचित बनाने के लिए 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ (United Nations) की स्थापना की।

79. यू.एन.ओ. (U.N.O.) की स्थापना कब हुई?

(a) 1945 (b) 1946

(c) 1947 (d) 1948

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

यू.एन.ओ. की स्थापना वर्ष 1945 में हुई थी। वर्तमान में विश्व के 193 देश इस संस्था के सदस्य हैं। पुर्तगाल के एंटोनियो गुटरेस वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव हैं, जिन्होंने 1 जनवरी, 2017 को यह पद धारण किया था।

80. यू.एन.ओ. का मुख्यालय कहां है?

(a) वाशिंगटन (b) न्यूयॉर्क

(c) हेग (d) जापान

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है। वर्तमान में इसके कुल सदस्यों की संख्या 193 है। संयुक्त राष्ट्र संघ वैश्विक स्तर पर स्थापित ऐसी संस्था है, जो अपने विभिन्न अंगों द्वारा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा मानवाधिकार की रक्षा न्याय प्राप्ति इत्यादि दायित्वों को निर्वहन करती है।

81. संयुक्त राष्ट्र संघ चार्टर आधिकारिक रूप से लागू हुआ था-

(a) 20 अगस्त, 1945 को (b) 24 सितंबर, 1945 को
(c) 24 अक्टूबर, 1945 को (d) 10 दिसंबर, 1948 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

26 जून 1945 को सैनफ्रांसिस्को में सर्वप्रथम संयुक्त राष्ट्र संघ चार्टर पर हस्ताक्षर हुआ था तथा इसे 24 अक्टूबर, 1945 को आधिकारिक रूप से लागू किया गया। चार्टर में संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्य, दायित्व, आधिकारिक भाषा, शांति स्थापना के तरीके आदि का विस्तृत वर्णन किया गया है।

82. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कहां की गई थी?

(a) हेग (b) सैन फ्रांसिस्को
(c) नीदरलैंड्स (d) जेनेवा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर प्रथम बार हस्ताक्षर कहां हुए थे?

(a) न्यूयॉर्क (b) सैन फ्रांसिस्को
(c) पेरिस (d) जेनेवा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई है?

(a) सन् 1919 ई. में (b) सन् 1945 ई. में
(c) सन् 1947 ई. में (d) सन् 1935 ई. में

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(b)

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकार-पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई। इसकी संरचना में सुरक्षा परिषद वाले सबसे शक्तिशाली देश (संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन) द्वितीय विश्व युद्ध में बहुत अहम देश थे। वर्तमान में 193 देश इसके सदस्य हैं इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क (संयुक्त राज्य अमेरिका) में है।

85. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के समय इसके प्रारंभिक सदस्य राज्यों की संख्या क्या थी?

(a) 48 (b) 49
(c) 50 (d) 51

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कब हुई?

(a) 24 अक्टूबर, 1945 (b) 8 अगस्त, 1947
(c) 6 जून, 1946 (d) 30 अगस्त, 1945

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई थी?

(a) 24 जनवरी, 1945 (b) 24 जून, 1945
(c) 24 अक्टूबर, 1945 (d) 4 अक्टूबर, 1945

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापित हुआ था?

(a) 24 अगस्त, 1943 को (b) 24 अगस्त, 1945 को
(c) 24 अगस्त, 1949 को (d) 24 अक्टूबर, 1945 को

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

89. 'पैकेज डील' का संबंध है :

(a) भारत-चीन वार्ता से
(b) भारत-पाक वार्ता से
(c) संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता से
(d) कॉमनवेल्थ की सदस्यता से

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

पैकेज डील का संबंध संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता से था।

90. संयुक्त राष्ट्र का कौन-सा अंग 1994 से कार्यशील नहीं है?

(a) आर्थिक व सामाजिक परिषद (b) सचिवालय
(c) महासभा (d) न्यासी परिषद

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

न्यासी परिषद संयुक्त राष्ट्र का अंग है जो न्यासी क्षेत्रों की सरकार का पर्यवेक्षण करने तथा उन्हें स्वशासन या स्वतंत्रता प्राप्त करने में समर्थ बनाने के लिए निर्मित की गई है। वर्ष 1994 में अंतिम न्यासी क्षेत्र पलाऊ (Palau) के स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने के पश्चात न्यासी परिषद ने अपना परिचालन समाप्त कर दिया। वर्ष 1994 के बाद परिषद हेतु नई भूमिका निर्धारित की गई है जिसके अंतर्गत यह अल्पसंख्यक और देशज लोगों हेतु एक मंच के रूप में सेवारत है।

91. संयुक्त राष्ट्र संघ के महामंत्री का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है?

(a) 4 वर्ष (b) 5 वर्ष

(c) 10 वर्ष (d) 12 वर्ष

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(b)

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। इसकी नियुक्ति सुरक्षा परिषद की सिफारिश पर सामान्य सभा (General Assembly) करती है।

92. संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम सेक्रेटरी-जनरल कौन था?

(a) डॉग हैमरशोल्ड (b) कोफी अन्नान

(c) यू थांट (d) ट्रिग्वेली

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के बाद 24 अक्टूबर, 1945 से 1 फरवरी, 1946 तक यूनाइटेड किंगडम के ग्लाडविन जेब (Gladwyn Jebb) कार्यवाहक महासचिव बनाए गए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामान्य सभा ने नॉर्वे के ट्रिग्वेली को स्थायी महासचिव पद पर नियुक्त किया। उन्होंने सफलतापूर्वक अपने 5 वर्ष का कार्यकाल (संपूर्ण कार्यकाल 2 फरवरी, 1946-10 नवंबर, 1952) पूर्ण करने के बाद 1951 में पुनर्नियुक्ति प्राप्त की, किन्तु 1952 में अपने पद से त्याग-पत्र दे दिया। वे संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रथम महासचिव (Secretary General) थे।

93. इनमें से कौन संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम महासचिव था?

(a) कुर्त वाल्दहीम (b) डाग हैमरशोल्ड

(c) ट्रिग्वेली (d) यू. थान्त

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा के सेक्रेटरी जनरल हैं-

(a) बुतरस घाली (b) कोफी अन्नान

(c) यासर अराफात (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

प्रश्नकाल में घाना के कोफी अन्नान (जनवरी, 1997 से दिसंबर, 2006) संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव थे। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा महासचिव (Secretary General) पुर्तगाल के एंटोनियों गुटेरस हैं।

95. 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के वर्तमान महासचिव हैं-

(a) जॉन मेजर (b) कोफी अन्नान

(c) हेनरी किसिंजर (d) यू. थॉन्ट

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित सामूहिक सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव निम्न प्रतिवेदन पर आधारित था-

(a) किसिंजर प्रस्ताव, 1971 (b) ग्रोम्यको प्रस्ताव, 1975

(c) बोर-रदरफोर्ड प्रस्ताव, 1956 (d) एचीसन प्रस्ताव, 1950

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित सामूहिक सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव एचीसन प्रस्ताव, 1950 पर आधारित था।

97. निम्नलिखित में से कौन गुट निरपेक्ष आंदोलन से नहीं जुड़े थे?

(a) नेहरू (b) द गॉल

(c) यासेर आराफात (d) टीटो

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

गुट निरपेक्ष आंदोलन (NAM-Non- Aligned Movement) राष्ट्रों की एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, जिन्होंने यह निश्चय किया है कि वे विश्व के किसी भी शक्तिशाली देश के साथ न तो आएंगे एवं न विरोध करेंगे। इस आंदोलन में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू मिस्र के द्वितीय राष्ट्रपति गमाल अब्देल नासिर, यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज टिटो रुमेल, बर्मा के प्रथम प्रधानमंत्री यू नू, इंडोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति सुकार्नो तथा घाना के प्रथम राष्ट्रपति क्वामे क्रुमाह ने भाग लिया। गुट निरपेक्ष आंदोलन का सर्वप्रथम प्रयोग भारतीय अधिकारी वी. के. कृष्ण मेनन ने वर्ष 1953 में संयुक्त राष्ट्र में किया था। द गॉल (चार्ल्स डि गॉल) का इस आंदोलन से कोई संबंध नहीं है। वे फ्रांस के राष्ट्रपति थे।

98. निम्न में से कौन 'गुट निरपेक्ष आंदोलन' का संस्थापक सदस्य नहीं था?

(a) नेहरू (b) नासिर
(c) मार्शल टीटो (d) फिदेल कास्ट्रो

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. निम्न में कौन निर्गुट-आंदोलन का संस्थापक नहीं था?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) कर्नल नासर
(c) मार्शल टीटो (d) कर्नल गद्दाफी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

100. इनमें से कौन निर्गुट आंदोलन का संस्थापक नेता नहीं है?

(a) पं. नेहरू (b) कर्नल नासिर
(c) मार्शल टीटो (d) कर्नल गद्दाफी

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त की व्याख्या देखें।

101. 'गुट निरपेक्ष' वैदेशिक नीति का प्रतिपादन किसने किया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू ने (b) मोरारजी देसाई ने
(c) अटल बिहारी बाजपेयी ने (d) लाल बहादुर शास्त्री ने

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

गुट निरपेक्ष वैदेशिक नीति का प्रतिपादन जवाहर लाल नेहरू ने किया था।

102. 'गुट निरपेक्षता' की नीति के प्रतिपादक थे-

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) महात्मा गांधी
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) डॉ.बी.आर. अम्बेडकर

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012, 2013
D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

103. प्रथम गुट निरपेक्ष सम्मेलन कहां आयोजित हुआ था?

(a) वैडुंग (b) बेलग्रेड
(c) लुसाका (d) मिस्र

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में प्रथम गुट निरपेक्ष सम्मेलन सितंबर, 1961 में हुआ, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। यह सम्मेलन यूगोस्लाविया के तत्कालीन राष्ट्रपति टीटो के सुझाव पर आमंत्रित किया गया था।

104. 'गुट निरपेक्ष' आंदोलन के संस्थापक थे?

(a) नेल्सन मंडेला (b) इंदिरा गांधी
(c) मार्शल टीटो (d) आईसन हॉवर

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. गुट निरपेक्ष देशों का पहला शिखर सम्मेलन कहां हुआ था?

(a) काहिरा में (b) हरारे में
(c) बेलग्रेड में (d) नई दिल्ली में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

106. गुट निरपेक्ष देशों का पहला सम्मेलन कहां हुआ था?

(a) नई दिल्ली (b) बेलग्रेड
(c) काहिरा (d) जकार्ता

P.G.T. परीक्षा, 2000
P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

107. भारत में गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन प्रथम बार आयोजित किया गया था-

(a) 1980 में (b) 1986 में
(c) 1983 में (d) 1981 में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

गुट निरपेक्ष शिखर सम्मेलन भारत में प्रथम बार 7 से 12 मार्च, 1983 के मध्य नई दिल्ली में आयोजित किया गया। यह 7वां गुट निरपेक्ष सम्मेलन था। इसका नवीनतम 16वां शिखर सम्मेलन ईरान की राजधानी तेहरान में 26 से 31 अगस्त, 2012 के मध्य आयोजित किया गया।

108. नयी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की माँग उठाई गई थी-

(a) बांडुंग सम्मेलन में (b) अल्जीयर्स सम्मेलन में

(c) बेलग्रेड सम्मेलन में (d) कार्टगेना सम्मेलन में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

नयी अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मांग सर्वप्रथम बाडुंग सम्मेलन में उठाई गई थी। बाडुंग सम्मेलन को क्षेत्रीय समस्याओं तक ही सीमित नहीं रखा बल्कि निरस्त्रीकरण और विश्व शांति सुरक्षा के लिए ठोस कदम भी उठाए। इस सम्मेलन ने अफ्रीकी-एशियाई, यूरोपीय एवं लैटिन अमेरिकी लोगों तथा नई विश्व व्यवस्था में उनकी इच्छित भूमिका के बीच खाई पाटने में पूर्ण सहयोग दिया।

109. गुट-निरपेक्ष शिखर क्रमशः निम्न नगरों में आयोजित हुए थे-

(a) लुसाका, 1970; अल्जीयर्स, 1973

(b) नई दिल्ली, 1970; लुसाका, 1976

(c) अल्जीयर्स, 1970; नई दिल्ली, 1976

(d) लुसाका, 1962; अल्जीयर्स, 1965

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

गुट- निरपेक्ष का तीसरा शिखर सम्मेलन 8 से 10 सितंबर, 1970 में जम्बिया की राजधानी लुसाका में तथा चौथा शिखर सम्मेलन 5 से 9 सितंबर, 1973 में अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स नगरों में आयोजित हुए थे जबकि गुट निरपेक्ष का सातवां शिखर सम्मेलन 7 से 11 मार्च, 1983 को भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित हुआ था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पहला सम्मेलन 1 से 6 सितंबर, 1961 तत्कालीन यूगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में।
- दूसरा सम्मेलन 5 से 10 अक्टूबर, 1964 मिस्र की राजधानी काहिरा में।
- पांचवां सम्मेलन 16 से 19 अगस्त, 1976 श्रीलंका की राजधानी कोलम्बों में।
- छठां सम्मेलन 3 से 9 सितंबर, 1979 क्यूबा की राजधानी हवाना में।
- आठवां सम्मेलन 1 से 6 सितंबर, 1986 जिम्बाम्वे की राजधानी हरारे में।
- नौवां सम्मेलन 4 से 7 सितंबर, 1989 युगोस्लाविया की राजधानी बेलग्रेड में।
- दसवां सम्मेलन 1 से 6 सितंबर, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में।
- ग्यारहवां सम्मेलन 14 से 20 अक्टूबर, 1995 कोलाम्बिया के शहर कार्टगेना में।
- बारहवां सम्मेलन 29 अगस्त से 3 सितंबर, 1998 दक्षिण अफ्रीका की राजधानी डरबन में।
- तेरहवां सम्मेलन 20 से 25 फरवरी, 2003 मलेशिया की राजधानी कुआलालम्पुर में।
- चौदहवां सम्मेलन 11 से 16 सितंबर, 2006 क्यूबा की राजधानी हवाना में।
- पंद्रहवा सम्मेलन 11 से 16 जुलाई, 2009 मिस्र के शर्म एल शेख में।
- सोलहवां सम्मेलन 26 से 31 अगस्त, 2012 ईरान की राजधानी तेहरान में।
- सत्रहवां सम्मेलन 13 से 18 सितंबर, 2016 को वेनेजुएला के पोर्लामार शहर में।

110. निम्नलिखित में से कौन 'पंचशील' का एक सिद्धांत नहीं है?

(a) गुट-निरपेक्षता

(b) शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व

(c) एक-दूसरे के अंतर्राष्ट्रीय मामलों में हस्तक्षेप नहीं

(d) एक-दूसरे के क्षेत्र और संप्रभुता का पारस्परिक आदर

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

मानव कल्याण तथा विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के 5 आधारभूत सिद्धांत हैं, जिन्हें 'पंचसूत्र' अथवा 'पंचशील' कहते हैं। ये सिद्धांत हैं- एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना, एक-दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्रवाई न करना, एक-दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना, समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। 'गुट निरपेक्षता' का अर्थ किसी भी शक्तिशाली देश के पक्ष अथवा विपक्ष में न रहकर तटस्थता की भूमिका निभाना है।

111. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय विदेश नीति में पंचशील का सिद्धांत नहीं है?

(a) अनाक्रमण (b) अहस्तक्षेप

(c) शांतिपूर्ण सहअस्तित्व (d) यथार्थवाद

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

112. पंचशील का सिद्धांत किससे संबंधित है?

(a) महात्मा गांधी (b) जवाहरलाल नेहरू

(c) जयप्रकाश नारायण (d) विवेकानंद

P.G.T. परीक्षा, 2004

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

'पंचशील' शब्द ऐतिहासिक बौद्ध अभिलेखों से लिया गया है जो कि बौद्ध भिक्षुओं का व्यवहार निर्धारित करने वाले 5 निषेध होते हैं। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने वहीं से ये शब्द लिया था। 29 अप्रैल, 1945 को तिब्बत संबंधी भारत-चीन समझौते में सर्वप्रथम इन पांच सिद्धांतों को आधारभूत मानकर संधि की गई।

113. पंचशील की प्रस्तावना किसने की?

(a) शास्त्री (b) इंदिरा गांधी
(c) अम्बेडकर (d) नेहरू

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

पंचशील की प्रस्तावना पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री नेहरू द्वारा की गई थी। पंचशील पांच सिद्धांतों का समूह है, जिसमें शामिल हैं-

- क्षेत्रीय अंखडता एवं संप्रभुता का सम्मान
- परस्पर अनाक्रमण के सिद्धांत का पालन
- एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना
- समानता और परस्पर मित्रता की भावना बनाए रखना
- शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखना

114. भारत की विदेश नीति आधारित है, इस एक पर-

(a) पश्चिमी गुट (b) साम्यवादी गुट
(c) गुट निरपेक्षता (d) जीयो और जीने दो

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

भारत की विदेश नीति गुट निरपेक्षता (असंलग्नता) पर आधारित है। इस नीति के तहत अपने साथ दूसरे देशों की संप्रभुता, क्षेत्रीय एकता व अखंडता एवं उनकी सुरक्षा में हस्तक्षेप न करना तथा किसी भी पक्ष में न रहकर निष्पक्ष की भूमिका में रहना है।

115. भारतीय विदेश नीति आधारित है-

(a) शक्ति संतुलन पर
(b) असंलग्नता पर
(c) सैन्य संलग्नता पर
(d) आवश्यकता आधारित उपागम पर

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

116. भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य नहीं है-

(a) अफ्रीकी एशियाई एकता
(b) पड़ोसी देशों के मध्य शक्ति विस्तार
(c) गुट निरपेक्षता
(d) नि:शस्त्रीकरण

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

पड़ोसी देशों के मध्य शक्ति विस्तार भारतीय विदेश नीति का प्रमुख उद्देश्य नहीं है। विकल्पों में दिए गए शेष उद्देश्य भारतीय विदेश नीति में शामिल हैं।

117. 'दक्षिण-पूर्व एशियाई सहयोग संगठन' (आसियान) का मुख्यालय स्थित है-

(a) काठमांडू में (b) सिंगापुर में
(c) बैंकॉक में (d) जकार्ता में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

'दक्षिण-पूर्व एशियाई सहयोग संगठन' (Association of South-East Asian Nation-ASEAN) 10 दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का समूह है जो आपस में आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने और क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता कायम करने के लिए भी कार्य करते हैं। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में है। आसियान की स्थापना 8 अगस्त, 1967 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में की गई थी। इसके संस्थापक सदस्य थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर थे। 8 जनवरी, 1984 को ब्रुनेई तथा 28 जुलाई, 1995 को वियतनाम इसके सदस्य बने। लाओस और बर्मा (म्यांमार) ने 23 जुलाई, 1997 को इसकी सदस्यता ग्रहण की। कोलम्बिया ने इसकी सदस्यता 30 अप्रैल, 1999 को ग्रहण की।

118. निम्नलिखित में से कौन-सा देश आसियान (ASEAN) का सदस्य नहीं है?

(a) म्यांमार (b) सिंगापुर
(c) थाईलैंड (d) फिलीपींस

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

119. 'आसियान' (दक्षिण-पूर्वी एशिया के राज्यों का संगठन) की स्थापना 1967 में हुई। इस संगठन का एक सदस्य है-

(a) थाईलैंड (b) ऑस्ट्रेलिया
(c) न्यूजीलैंड (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

120. आसियान के संगठन वर्ष 1967 में कितने मौलिक सदस्य थे?

(a) 6 (b) 5

(c) 3 (d) 4

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. सन् 1967 में जब 'आसियान' संगठन बना तब उसका उद्देश्य क्या था?

(a) सदस्य राष्ट्रों के मध्य परस्पर आर्थिक सहयोग

(b) चीन से लड़ने के लिए राजनैतिक प्लेटफार्म तैयार करना

(c) पश्चिमी साम्राज्यवाद के बढ़ते हुए प्रभाव को रोकना

(d) ऑस्ट्रेलिया के प्रभाव को रोकना

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(a)

8 अगस्त, 1967 को स्थापित आसियान (ASEAN) का तत्कालीन उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों के मध्य परस्पर आर्थिक सहयोग और समृद्धि को बढ़ावा देना था।

122. गतिविधियों के संदर्भ में दक्षेस (SAARC) की तुलना निम्न में से किस संगठन से करना उचित नहीं होगा?

(a) आसियान (ASEAN) (b) यूरोपी संघ (EU)

(c) अफ्रीकी संघ (AU) (d) नाटो (NATO)

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

गतिविधियों के संदर्भ में दक्षेस (SAARC) की तुलना नाटो (NATO) से नहीं की जा सकती क्योंकि नाटो एक सैन्य संगठन है और यह सामूहिक सुरक्षा की अवधारणा पर आधारित संगठन है जबकि दक्षेस, दक्षिण एशिया के आठ देशों का आर्थिक और राजनीतिक संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना और सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास में तेजी लाना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- दक्षेस की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान द्वारा की गई थी।
- अप्रैल, 2007 में संघ के 14वें शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान इसका आठवां सदस्य बन गया।
- 1 मार्च, 2014 से दक्षेस के महासचिव अर्जुन बहादुर थापा हैं।

123. निम्नलिखित में से कौन-सा 'दक्षेस' के कार्यपद्धति का आधार है?

(a) भारतीय दृष्टिकोण (b) बहु सदस्यों का दृष्टिकोण

(c) आम सहमति (d) दो-तिहाई बहुमत

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

दक्षेस अथवा दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संगठन की स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को ढाका (बांग्लादेश) में की गई। वर्तमान में इसके 8 सदस्य देश जिनमें, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान मालद्वीव तथा अफगानिस्तान, शामिल हैं। दक्षेस के चार्टर में आम सहमति के आधार पर निर्णय लेने की चर्चा की गई है। इस संगठन का मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में स्थित है।

124. निम्न में से कौन-सा उत्तर-दक्षिण संवाद का तात्पर्य नहीं है?

(a) नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की स्थापना का स्वप्न देखना

(b) अमीर और गरीब देशों के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास

(c) उत्तर से तात्पर्य है विकसित देश और दक्षिण से तात्पर्य है विकासशील तीसरी दुनिया के देश

(d) विश्व व्यापार संगठन की स्थापना करना

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

विश्व व्यापार पर नजर रखने एवं उनके नियमों का पालन कराने हेतु विश्व व्यापार संगठन की स्थापना वर्ष 1995 में की गई। गैट-वार्ताओं का दौर समाप्त होने के बाद 'गैट' के स्थान पर 1995 में विश्व व्यापार संगठन (WTO) आस्तित्व में आया। 'शेष' तीनों विकल्पों का तात्पर्य 'उत्तर-दक्षिण संवाद' से है।

125. गैट (GATT) के स्थान पर 1995 में किस नए संगठन की स्थापना हुई?

(a) विश्व बैंक (b) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

(c) विश्व स्वास्थ्य संगठन (d) विश्व व्यापार संगठन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. वार्ताओं के उरुग्वे चक्र से निम्नलिखित में से किसकी स्थापना हुई?

(a) आई.एम.एफ. (b) नाफ्टा

(c) नाटो (d) डब्ल्यू.टी.ओ.

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

वार्ताओं के उरुग्वे चक्र के द्वारा डब्ल्यू. टी. ओ. (विश्व व्यापार संगठन) की स्थापना हुई थी। डब्ल्यू.टी.ओ. का पूर्ववर्ती नाम व्यापार एवं टैरिफ पर सामान्य समझौता अर्थात गैट था। आर्थर डंकल प्रस्ताव का संबंध भी डब्लू.टी.ओ. से है।

127. सामूहिक सुरक्षा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(a) किसी एक राज्य पर किया गया आक्रमण सभी राज्यों पर आक्रमण नहीं माना जाएगा।

(b) किसी राष्ट्र विशेष की सुरक्षा अकेले उसी राष्ट्र की चिंता का विषय न हो, वरन् यह सारे अंतर्राष्ट्रीय समाज की चिंता का विषय हो।

(c) आक्रमणकारी के अलावा अन्य सभी राष्ट्रों के बीच सहयोग सामूहिक सुरक्षा का सार तत्व है।

(d) यदि एक राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र की सुरक्षा को खतरा पैदा करता है तो खतराग्रस्त राष्ट्र की ओर से सभी राष्ट्र कार्रवाई करें।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

सामूहिक सुरक्षा का आधार है- ''एक के लिए सब और सब के लिए एक'' (One for all, and all for one)। सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था में किसी एक राज्य पर किया गया आक्रमण सभी राज्यों पर आक्रमण माना जाता है। इस व्यवस्था में सभी राज्य आक्रमणकारी को पहचानते हैं।

128. सामूहिक सुरक्षा के लिए निम्नलिखित में से कौन सत्य है?

1. सभी राष्ट्र आक्रमणकारी को पहचानते हैं।

2. आक्रमणकारी की शक्ति राष्ट्रों की सामूहिक शक्ति से अधिक होती है।

3. एक सबके लिए और सब एक के लिए।

4. यह यथा स्थिति का विरोधी है।

(a) 1 एवं 4 (b) 2 एवं 3

(c) 1 एवं 3 (d) 1 एवं 2

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. सामूहिक सुरक्षा की वर्तमान व्यवस्था के संदर्भ में किस सम्मेलन का अत्यधिक महत्व है?

(a) सान फ्रांसिस्को सम्मेलन, 1970

(b) सान फ्रांसिस्को सम्मेलन, 1945

(c) वाशिंगटन अंतर-महाद्वीपीय सम्मेलन, 1953

(d) टोकियो प्रशांत-अटलांटिक सम्मेलन, 1960

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

सामूहिक सुरक्षा की वर्तमान व्यवस्था के संदर्भ में सान फ्रांसिस्को सम्मेलन, 1945 महत्वपूर्ण है। सान फ्रांसिस्को सम्मेलन का आयोजन 25 अप्रैल से 26 जून, 1945 के मध्य अमेरिका में हुआ था। इस सम्मेलन को 'यूनाइटेड नेशन्स कॉन्फ्रेन्स ऑन इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन' के नाम से भी जाना जाता है जिसमें 50 सम्बद्ध देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप 'यूनाइटेड नेशन चार्टर' की रचना हुई थी।

130. यूरोपियन यूनियन के कितने देश सदस्य हैं?

(a) 23 (b) 24

(c) 25 (d) 26

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

यूरोपियन संघ (European Union) के सदस्य देशों की संख्या वर्तमान में 28 है। प्रश्नगत वर्ष 2004 तक इनकी संख्या 25 थी। 1 जनवरी, 2007 को बुल्गारिया एवं रोमानिया तथा 1 जुलाई, 2013 को क्रोएशिया इस संघ के सदस्य बने। संस्थापक सदस्यों में बेल्जियम, फ्रांस, इटली, लक्जमबर्ग तथा नीदरलैंड्स शामिल हैं। यूरोपियन यूनियन मुख्यतः यूरोप में स्थित देशों का एक राजनैतिक एवं आर्थिक मंच है जिसमें आपस में प्रशासनिक साझेदारी होती है जो सभी सदस्य राष्ट्रों पर लागू होती है।

131. दक्षेस (सार्क) एक है-

(a) आर्थिक संगठन (b) सामाजिक संगठन

(c) सैनिक संगठन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(*)

दक्षेस (सार्क) के चार्टर में उल्लेख किया गया है कि यह संगठन दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लोगों के कल्याण तथा शांति को बढ़ावा देगा, इस क्षेत्र में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सांस्कृतिक विकास में तेजी लाने और सभी व्यक्तियों के गरिमापूर्ण रहन-सहन हेतु प्रयासरत रहेगा।

132. 'सार्क' देशों के सदस्यों की संख्या कितनी है?

(a) 6 (b) 7

(c) 8 (d) 9

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' (South Asian Association for Regional Cooperation- SAARC) दक्षिण एशिया के 8 देशों का आर्थिक और राजनीतिक संगठन है। इसकी स्थापना 8 दिसंबर, 1985 को हुई। इसके संस्थापक सदस्यों में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालद्वीव और भूटान शामिल हैं। अप्रैल, 2007 में 14वें शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान इस संगठन का आठवां सदस्य बना। इसका मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में है।

133. 1985 में, भारतीय प्रधामनंत्री ने एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया?

(a) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

(b) दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन

(c) बंगाल की खाड़ी का आर्थिक सहयोग संघ

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. सार्क (दक्षेस) कब औपचारिक तौर पर स्थापित किया गया?

(a) दिसंबर, 1980 (b) अगस्त, 1983

(c) दिसंबर, 1985 (d) जुलाई, 1987

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

135. इनमें से कौन-सा देश सार्क (SAARC) का सदस्य नहीं है?

(a) चीन (b) पाकिस्तान

(c) बांग्लादेश (d) श्रीलंका

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. सार्क का मुख्यालय कहां अवस्थित है?

(a) इस्लामाबाद (b) थीम्पू

(c) कोलंबो (d) काठमांडू

P.G.T. परीक्षा, 2002

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. 'सार्क दिवस' किस तिथि को मनाया जाता है?

(a) 11 जुलाई (b) 8 दिसंबर

(c) 1 मई (d) 14 फरवरी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. निम्नलिखित में से कौन-सा देश सार्क का सदस्य नहीं है?

(a) भूटान (b) मालदीव

(c) अफगानिस्तान (d) पाकिस्तान

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

139. दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन 'दक्षेस' में कितने देश हैं?

(a) 8 (b) 7

(c) 9 (d) 6

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

प्रश्नकाल में इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या 7 थी, परंतु वर्तमान में इसकी सदस्य संख्या 8 है।

140. सार्क के कितने सदस्य और प्रेक्षक देश हैं- (2017)?

(a) 7 सदस्य तथा 10 प्रेक्षक (b) 8 सदस्य तथा 9 प्रेक्षक

(c) 7 सदस्य तथा 9 प्रेक्षक (d) 8 सदस्य तथा 10 प्रेक्षक

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

सार्क के सदस्य देशों की संख्या 8 है जिनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, मालदीव तथा अफगानिस्तान शामिल हैं तथा प्रेक्षक देशों में ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपियन यूनियन, ईरान, जापान, कोरिया, म्यांमार, यू.एस.ए. तथा मॉरीशस अर्थात 9 देश शामिल हैं।

141. सार्क समूह के 8वें सदस्य के रूप में अफगानिस्तान को किस शिखर सम्मेलन द्वारा शामिल किया गया?

(a) 12वें शिखर सम्मेलन, 2004 इस्लामाबाद में

(b) 13वें शिखर सम्मेलन, 2005 ढाका में

(c) 14वें शिखर सम्मेलन, 2007 नई दिल्ली में

(d) 11वें शिखर सम्मेलन, 2002 काठमाण्डू में

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

14वें शिखर सम्मेलन, 2007 (नई दिल्ली) में सार्क समूह के 8वें सदस्य के रूप में अफगानिस्तान को शामिल किया गया। इस संबंध में सदस्य देशों के बीच सहमति 13वें शिखर सम्मेलन, 2005 (ढाका) में बनी थी।

142. 'सार्क' संगठन का 15 वां शिखर सम्मेलन अगस्त, 2008 में, कोलम्बो में संपन्न हुआ। इसकी विषय-वस्तु क्या थी?

(a) समावेशी विकास (b) भागीदारी के माध्यम से विकास

(c) पर्यावरणीय विकास (d) स्वदेशी तकनीकी से विकास

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

सार्क का 15वां शिखर सम्मेलन 2-3 अगस्त, 2008 को कोलंबो (श्रीलंका) में संपन्न हुआ। इसकी विषय-वस्तु 'अपने लोगों की भागीदारी' (Partnership for Our People) थी जिसमें सार्क विकास निधि के लांच पर फोकस किया गया।

143. जिन देशों को दक्षेस द्वारा 'ऑब्जर्वर का दर्जा' दिया गया है वे हैं :

(a) वियतनाम और अफगानिस्तान

(b) चीन और ऑस्ट्रेलिया

(c) चीन और अफगानिस्तान

(d) म्यांमार और बांग्लादेश

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

वर्तमान में 9 देशों को दक्षेस द्वार ऑब्जर्वर का दर्जा दिया गया हैं इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपियन, यूनियन, ईरान, जापान, कोरिया, म्यांमार, यू.एस.ए. तथा मॉरीशस शामिल हैं।

144. निम्नलिखित में से क्या विदेश नीति का एक निर्धारक तत्व नहीं है?

(a) सामाजिक न्याय (b) सैन्य शक्ति

(c) औद्योगिक क्षमता (d) नेतृत्व

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

सामाजिक न्याय, विदेश नीति का एक निर्धारक तत्व नहीं है, जबकि सैन्य शक्ति, औद्योगिक क्षमता तथा कुशल नेतृत्व विदेश नीति के निर्धारक तत्व हैं।

145. विदेश नीति के निर्धारक तत्व निम्नलिखित में से क्या है?

(a) राष्ट्रीय शक्ति (b) राष्ट्रीय हित

(c) राष्ट्रीय सुरक्षा (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

किसी देश की विदेश नीति मुख्यत: कुछ सिद्धांतों हितों एवं उद्देश्यों का समूह होता है। विदेश नीति के विभिन्न निर्धारण तत्व होते हैं जैसे- राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय हित, राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य शक्ति, औद्योगिक क्षमता, नेतृत्व इत्यादि।

146. बिमस्टेक (BIMSTEC) का दूसरा शिखर सम्मेलन, जो नवंबर, 2008 में आयोजित हुआ-कहां हुआ था?

(a) डरबन में (b) कोलंबो में

(c) नई दिल्ली में (d) रियो-डी-जनेरियो में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

बिमस्टेक (BIMSTEC- Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation) एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसमें दक्षिण एशिया एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के देश शामिल हैं। इनमें हैं-बांग्लादेश, भारत, म्यांमार, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान तथा नेपाल। इसका प्रथम शिखर सम्मेलन 31 जुलाई, 2004 को हुआ। द्वितीय शिखर सम्मेलन 13 नवंबर, 2008 को नई दिल्ली में तथा तीसरा शिखर सम्मेलन 4 मार्च, 2014 को नाय प्यी ताव (म्यांमार) में संपन्न हुआ।

147. मानव अधिकारों की सार्वदेशिक घोषणा कब की गई ?

(a) दिसंबर, 1948 में (b) दिसंबर, 1947 में

(c) दिसंबर, 1949 में (d) दिसंबर, 1950 में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

मानव अधिकारों की सार्वदेशिक या सार्वभौम घोषणा को 10 दिसंबर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा ने स्वीकृत और घोषित किया। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में यह कथन था कि संयुक्त राष्ट्र के लोग यह विश्वास करते हैं कि कुछ ऐसे मानवाधिकार हैं जो कभी छीने नहीं जा सकते हैं, वह मानव की गरिमा है और स्त्री-पुरुष के समान अधिकार हैं। इसी के तहत यह घोषणा स्वीकार की गई।

148. निम्नलिखित में से संयुक्त राष्ट्र संघ के किस एक अंग ने 10 दिसंबर, 1948 को मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा को अंगीकृत किया था?

(a) महासभा (b) सुरक्षा परिषद

(c) आर्थिक तथा सामाजिक परिषद (d) अंतरराष्ट्रीय न्यायालय

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग महासभा द्वारा पेरिस में 10 दिसंबर, 1948 को मानव अधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा को अंगीकृत किया गया था। मानवाधिकारों को लेकर की गई यह सार्वभौमिक घोषणा मानवों के अधिकारों के संबंध में मील का पत्थर साबित हुई। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर, को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। इस घोषणा-पत्र में मानवाधिकारों से संबंधित कुल 30 अनुच्छेद वर्णित हैं।

149. 10 दिसंबर, 1948 को मानवाधिकारों की विश्वव्यापी घोषणा में कितने अनुच्छेद थे?

(a) 30 (b) 31

(c) 32 (d) 33

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

150. अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस कब मनाया जाता है?

(a) 10 दिसंबर (b) 11 दिसंबर

(c) 13 दिसंबर (d) 14 दिसंबर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

151. मानव अधिकार पर पहला विश्व सम्मेलन यहां हुआ।

(a) सेनेगल (b) नई दिल्ली

(c) विएना (d) कोस्टा रिका में सॅन जोस

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

मानव अधिकारों पर पहले सम्मेलन का आयोजन जून, 1993 में विएना (आस्ट्रिया) में संपन्न हुआ था।

152. अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण के मुद्दे पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन कहां हुआ था?

(a) स्टॉकहोम (b) रियो-डी-जनेरियो

(c) लंदन (d) न्यूयॉर्क

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

मानव पर्यावरण पर स्टॉकहोम सम्मेलन वर्ष 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वाधान में स्टॉकहोम शहर में 5 जून से 16 जून, 1972 के मध्य आयोजित हुआ। यह सम्मेलन अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रथम सम्मेलन था। इसके तहत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवीय पर्यावरण के संरक्षण तथा सुधार की विश्वव्यापी समस्या में 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' (UNEP) का जन्म हुआ। इसी सम्मेलन में प्रत्येक वर्ष 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाने की घोषणा की गई।

153. बांडुंग सम्मेलन कब हुआ था?

(a) 1954 में (b) 1955 में
(c) 1956 में (d) 1959 में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

व्यापक स्तर पर 'एशियाई अफ्रीकी' या 'अफ्रो-एशियाई सम्मेलन' (Afro-Asian Conference) जिसे 'बांडुंग सम्मेलन' (Bandung Conference) के नाम से भी जानते हैं, की बैठक जिसमें अधिकतर एशियाई एवं अफ्रीकी राष्ट्रों के नव स्वतंत्र राष्ट्र शामिल थे, का आयोजन इंडोनेशिया के बांडुंग में 18 से 24 अप्रैल, 1955 के मध्य हुआ। इस सम्मेलन का आयोजन इंडोनेशिया, बर्मा, पाकिस्तान, सिलोन (श्रीलंका) तथा भारत द्वारा किया गया, जिसके समन्वयक (Coordinate) विदेशी मामलों के इंडोनेशियाई मंत्रालय के महासचिव रूसलन अब्दुलगनी (Ruslan Abdulgani) थे।

154. बान्डुंग सम्मेलन किस वर्ष घटित हुआ था?

(a) 1954 (b) 1955 (c) 1956 (d) 1957

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

शीतयुद्ध के दौरान दो ध्रुवों में विभाजित विश्व में नव स्वतंत्र राज्यों की क्या भूमिका हो? इस प्रश्न का उत्तर खोजने के लिए 18 अप्रैल, 1955 को बान्डुंग में अफ्रीका और एशिया के नव-स्वतंत्र देशों का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य एक ऐसी न्यायसंगत लोकतांत्रिक व्यवस्था करना था, जहां युद्ध की कोई संभावना न रहे।

155. शक्ति संतुलन अब 'आतंक के संतुलन' में बदल गया है क्योंकि

(a) शक्ति संतुलन के लिए युद्ध का प्रयोग अत्यधिक हानिकारक होगा
(b) प्रत्येक राज्य आतंक को परोक्ष प्रोत्साहन दे रहा है
(c) सुरक्षा परिषद ने 'आतंक के संतुलन' पर स्थायी निषेधाधिकार लगा दिया है।
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

वर्तमान समय में शक्ति संतुलन आतंक के संतुलन में बदलता जा रहा हैं क्योंकि अब परमाणु युग में परमाणु हथियारों के प्रयोग से युद्ध की भयावहता तथा विनाशकता आश्चर्यजनक रूप से बढ़ गई है। अतः शक्ति संतुलन अब आतंक के संतुलन में बदल गया है।

156. 'शांति के लिए एकता प्रस्ताव' संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में पारित हुआ था-

(a) 3 नवंबर, 2001 को (b) 3 नवंबर, 1950 को
(c) 3 नवंबर, 1949 को (d) 3 नवंबर, 1948 को

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा में शांति के लिए एकता प्रस्ताव 9 अक्टूबर, 1950 में पेश किया गया जिसमें संयुक्त रूप से सात शक्तिशाली देश (यूनाइटेड स्टेट्स, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, कनाडा, तुर्की, फिलीपींस तथा उरुग्वे) शामिल थे। महासभा द्वारा 3 नवंबर, 1950 को 'शांति के लिए एकता प्रस्ताव' को स्वीकार किया गया। यह प्रस्ताव कोरियाई युद्ध (25 जून, 1950-27 जुलाई, 1953) के दौरान 52-85 मत से ग्रहण किया गया।

157. किसी देश के विरुद्ध सैनिक कार्रवाई करने की शक्ति संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के किस भाग में दी गई है?

(a) 5वें (b) 6वें
(c) 7वें (d) 8वें

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के अध्याय 7 में शांति के लिए धमकी के विरुद्ध कार्रवाई, शांति उल्लंघन तथा अतिक्रमण का उल्लेख किया गया है जिसके विरुद्ध सैनिक कार्रवाई की जा सकती है।

158. किस संधि से यूरोपियन यूनियन के सदस्य देशों ने एक समान मुद्रा पर सहमति दी?

(a) पेरिस संधि (b) एम्सटरडम संधि
(c) मासस्ट्रिक्स संधि (d) नाइस संधि

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

यूरोपियन यूनियन के सदस्य देशों ने एक समान मुद्रा 'यूरो' पर सहमति प्रदान की। यूरो को अस्थायी रूप से वर्ष 1992 में मास्ट्रिक्स संधि के द्वारा सहमति प्रदान की गई। यूरो नाम आधिकारिक रूप से मैड्रिड में 16 दिसंबर, 1995 को अंगीकार कर लिया गया। 'यूरो' नाम यूरोपियन आयोग के अध्यक्ष जैक्स सैंटर (Jacques Santer) द्वारा 4 अगस्त, 1995 को सुझाया गया था।

159. भारत ने निम्नांकित में से किस संधि पर हस्ताक्षर किया है?

(a) सी.टी.बी.टी. (b) एन.पी.टी.
(c) आई.सी.सी.पी.आर. (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

भारत ने उपर्युक्त किसी भी संधि पर हस्ताक्षर नहीं किया है। 10 अप्रैल, 1979 को भारत ने I.C.C.P.R. (International Covenant on Civil and Political Rights) को मान लिया है किंतु हस्ताक्षर नहीं किया है।

160. भारत की विदेशी नीति की प्रमुख विशेषता है-

(a) शांति की नीति (b) शांतिप्रिय साधनों की नीति

(c) पंचशील (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012, 2015

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

अन्य देशों के साथ संबंधों को स्थापित करने से संबंधित नीति को किसी देश की विदेश नीति कहते हैं। भारत की विदेश नीति में शांति की नीति, शांतिप्रिय साधनों की नीति, पंचशील, गुटनिरपेक्षता, औपनिवेशिक शोषण तंत्र का विरोध आदि आधारभूत सिद्धांत हैं। पंचशील सिद्धांत के अंतर्गत निम्न को शामिल किया जाता है-

- क्षेत्रीय संप्रभुता एवं अखंडता का सम्मान करना
- परस्पर अनाक्रमण के सिद्धांत का पालन
- एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना
- समानता और परस्पर मित्रता की भावना बनाए रखना
- शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखना।

161. राष्ट्रीय हित विदेश नीति का ..... है।

(a) सारभूत तत्व (b) मुख्य घटक

(c) निर्धारक तत्व (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

राष्ट्रीय हित विदेश नीति का निर्धारक तत्व है क्योंकि राष्ट्रीय हित ही किसी राज्य की आकांक्षाओं को परिभाषित करते हैं। किसी देश की विदेशी नीति उसके विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संचालित कार्य-योजनाओं के कुल योग से कहीं अधिक होती है।

162. भारत की विदेश नीति का 'गुजराल सिद्धांत' निम्नलिखित किस वर्ष में अस्तित्व में आया?

(a) 1996 (b) 1997

(c) 1998 (d) 1999

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

गुजराल सिद्धांत भारत की विदेश नीति में मील का पत्थर है, इसका सूत्रपात देवगौड़ा सरकार में विदेश मंत्री तथा बाद में प्रधानमंत्री रहे श्री इंद्र कुमार गुजराल ने किया था। वर्ष 1996 में तैयार गुजराल सिद्धांत के अंतर्गत यह स्पष्ट किया गया है कि दक्षिण एशिया में सबसे बड़ा देश होने के कारण भारत उप-महाद्वीप के पड़ोसी देशों को स्वेच्छा से कुछ एकतरफा रियायतें दे सकता है।

163. एन.पी.टी. और सी.टी.बी.टी. पर भारत की स्थिति क्या है?

(a) भारत ने दोनों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

(b) भारत ने किसी पर भी हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

(c) भारत ने एन.पी.टी. पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन सी.टी.बी.टी. पर नहीं किए हैं।

(d) भारत ने सी.टी.बी.टी. पर हस्ताक्षर कर दिए लेकिन एन.पी.टी. पर नहीं किए हैं।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

एन.पी.टी. अर्थात परमाणु अप्रसार संधि का उद्देश्य विश्व में परमाणु परीक्षण को रोकने के साथ ही परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना था। सी.टी.बी.टी. अर्थात व्यापक परमाणु अप्रसार संधि, यह संधि वर्ष 1996 में अस्तित्व में आयी तथा इसके अंतर्गत सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों को प्रतिबंधित किया गया है। इन दोनों संधियों के विभेदीकारी स्वरूप के कारण भारत ने हस्ताक्षर नहीं किया है।

164. फाली, सॉटलॉफ और हेन्स-

(a) सीरिया भेजे गए अमेरिकी दूत हैं

(b) इराक भेजे गए अमेरिकी वार्ताकार हैं

(c) इरान से वार्ता के लिए अधिकृत यूरोपीय वार्ताकार हैं

(d) इस्लामिक स्टेट के आतंकियों द्वारा मारे गए व्यक्ति हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

जेम्स फाली, स्टीवन सॉटलॉफ और डेविड हैंस इस्लामिक स्टेट के आतंकियों द्वारा मारे गए व्यक्ति हैं। जेम्स फाली और स्टीवन सॉटलॉफ अमेरिकी पत्रकार थे जबकि डेविड हैंस एक ब्रिटिश नागरिक थे। इन तीनों व्यक्तियों को सितंबर, 2014 में इस्लामिक स्टेट के आतंकियों द्वारा जान से मार दिया गया था।

165. पशमर्गा और नुस्रा फ्रंट क्रमशः-

(a) कुर्द और यजीदी लड़ाके हैं

(b) अल-कायदा के अरब लड़ाके हैं

(c) इस्लामिक स्टेट संगठन के समर्थक सीरियाई सुन्नी हैं

(d) कुर्द और असद-विरोधी लड़ाके हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

पशमर्गा और नुस्रा फ्रंट कुर्द और असद- विरोधी गुट के लड़ाके हैं।

166. इस्लामिक स्टेट नामक आतंकी संगठन के पूरे नाम ISIS या ISIL में क्रमशः आने वाले अंतिम दो अक्षरों IS और IL का अर्थ है-

(a) इराक एंड सीरिया तथा इराक एंड लीवांट

(b) इराक एंड सऊद तथा इराक एंड लेबनान

(c) इराकी सुन्नीज तथा इराकी लिबरेटर्स

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

इस्लामिक स्टेट नामक आतंकी संगठन के पूरे नाम ISIS या ISIL में क्रमशः आने वाले अंतिम दो अक्षरों IS और IL का अर्थ इराक एंड सीरिया तथा इराक एंड लीवांट है।

लोक प्रशासन-सिद्धांत एवं व्यवहार

1. निम्न में से किसने संगठन के सिद्धांतों को 'मिथक' तथा 'लोकोक्तियां' कहते हुए अस्वीकृत किया है?

(a) टेरी (b) साइमन
(c) व्हाइट (d) टेलर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

हर्बर्ट साइमन ने संगठन के सिद्धांत को 'मिथक' तथा 'लोकोक्तियां' कहकर अस्वीकृत किया है। साइमन ने अपनी कृति 'The Proverbs of Administration' में लिखा है कि प्रत्येक सिद्धांत के लिए हमें उतना ही सत्य प्रतीत होने वाला स्वीकार्य विरोधी सिद्धांत मिल सकता है। सिद्धांत में यह संकेत नहीं मिलता कि कौन-सा नियम प्रयुक्त किए जाने के लिए उपयुक्त है।

2. निम्न में से किसने संगठन के सिद्धांतों को 'मिथ' तथा 'लोकोक्तियां' कहते हुए अस्वीकृत किया है?

(a) टेरी (b) टेलर
(c) व्हाइट (d) साइमन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी क्षमता निर्माण की पद्धति नहीं है?

(a) प्रशिक्षण (b) सुधार
(c) प्रौद्योगिकी (d) लोचशीलता

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

किसी भी कार्य को निश्चित समयावधि के अंतर्गत कुशलता से सम्पन्न करा लेना क्षमता निर्माण का उद्देश्य है। प्रशिक्षण, सुधार और प्रौद्योगिकी किसी कार्य सम्पादन करने वाले कर्ता की क्षमता में वृद्धि करते हैं। लोचशीलता संबंध कार्य करने की रणनीति से है इस रणनीति का अनुप्रयोग करते हुए उद्देश्य की प्राप्ति सरलतम ढंग से किया जा सकता है।

4. निम्नलिखित में से कौन सा सुशासन का संकेतक नहीं है?

(a) कानून का शासन
(b) भ्रष्टचार की समाप्ति
(c) प्रभावी एवं अनुक्रियाशील प्रशासन
(d) नौकरशाही प्रशासन

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

नौकरशाही प्रशासन सुशासन का संकेतक नहीं है, यह दुःशासन का संकेतक भी नहीं है बल्कि आधुनिक शासन प्रणाली की अनिवार्य विशेषता है। कानून का शासन, भ्रष्टाचार की समाप्ति एवं प्रभावी तथा अनुक्रियाशील प्रशासन सुशासन के आधार हैं।

5. निम्नलिखित में से नागरिक समाज (सिविल सोसायटी) की एक महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?

(a) बाध्यकारिता (b) सामीप्य
(c) स्वेच्छा (d) दया

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

आधुनिक लोकतांत्रिक तरीके से गठित नागरिक समाज की विशेषता स्वेच्छा है। हीगल जैसे सर्वसत्तावादी विचारक तथा मार्क्सवादी विचारधारा का समर्थन करने वाले विद्वान नागरिक समाज की विशेषता बाध्यकारिता बताते हैं। ग्राम्सी ऐसे विचारक हैं, जिन्होंने 'नागरिक समाज' को अपने अध्ययन का केंद्र बनाया। इन्होंने अपनी प्रसिद्ध रचना 'The Prison Note Books' में 'आधिपत्य' शब्द का प्रयोग किया है। परंतु यहां पर आधिपत्य का अर्थ परम्परागत अर्थ से भिन्न है। यहां पर आधिपत्य का तात्पर्य 'सहमति' है।

6. प्रतिबद्ध नौकरशाही प्रतिबद्ध होती है-

(a) राज्य के प्रमुख से (b) संविधान से
(c) निश्चित विचारधारा से (d) उपर्युक्त सभी से

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

प्रतिबद्ध नौकरशाही का स्वरूप समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप बदलता रहता है। अधिनायकवादी या तानाशाही राज्यों में नौकरशाही की प्रतिबद्धता राज्य के प्रमुख के प्रति रहती है। जर्मनी से हिटलर तथा इटली में मुसोलिनी इसके उदाहरण हैं। साम्यवादी या समाजवादी व्यवस्थाओं में एक निश्चित विचारधारा को घोषित किया जाता है और नौकरशाही को विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करनी पड़ती है। उन देशों में जहां का शासन का संचालन, संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप चलाया जाता है और नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हैं, वहां पर नौकरशाही की प्रतिबद्धता संविधान के प्रति होती है।

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

(i) उदारवादी वर्गीय अधीनस्थता के यंत्र के रूप में नौकरशाही की आलोचना करते हैं।

(ii) नव दक्षिणपंथ नौकरशाही की स्वार्थी और अयोग्य के रूप में व्याख्या करता है।

(iii) मार्क्सवादी खुलेपन और दायित्व बोध की कमी के लिए नौकरशाही की भर्त्सना करते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन गलत है/हैं?

(a) केवल (i) और (ii) (b) केवल (ii) और (iii)

(c) केवल (i) और (iii) (d) सभी (i), (ii) और (iii)

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त पूछे गए प्रश्नों में (i) और (iii) गलत हैं क्योंकि उदारवादी खुलेपन और दायित्व बोध की कमी के लिए नौकरशाही की भर्त्सना करते हैं, और मार्क्सवादी वर्गीय अधीनता के यंत्र के रूप में आलोचना करते हैं। उपर्युक्त गलत कथनों को एक-दूसरे स्थान पर परिवर्तित कर दिया गया है।

8. 'सूत्र एवं स्टॉफ सत्ता-संबंधों की विशेषता है न कि विभागीय क्रिया कलापों की'। यह कथन किसका है?

(a) ओलीवर शैल्डॉन (b) कुंज एवं ओ' डनैल

(c) एल.डी. व्हाईट (d) पिफनर व प्रैस्थम

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त कथन कुंज एवं ओ 'डनैल का है।

9. कौन सी विचारधारा यह प्रतिपादित करती है कि उत्पादन में वृद्धि के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार तथा पहल का सहारा लिया जाना चाहिए?

(a) स्टालिनवाद (b) लेनिनवाद

(c) स्तेखानोवाद (d) माओवाद

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

सोवियत यूनियन में तकनीकी और राज्य-प्रायोजित पहल को उत्पादन की वृद्धि के लिए आवश्यक माना जाता था। स्तेखानोविज्य विचारधारा ने उत्पादन की वृद्धि के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार तथा पहल को आवश्यक माना।

10. निम्न में से कौन खेल सिद्धांत का समर्थक नहीं है?

(a) मॉर्टन काप्लान (b) आर्थर ली बर्न्स

(c) जॉन.एच हर्ट्ज (d) रिचर्ड ई. क्वाइन्ड्ट

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

जॉन.एच. हर्ट्ज खेल सिद्धांत के समर्थक नहीं हैं। इन्होंने परंपरागत यथार्थवादी सिद्धांत का समर्थन किया था और वर्तमान में हो रहे तकनीकी परिवर्तन का अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन किया था। उन्हें यथार्थवाद के पुनर्जीवन के लिए जाना जाता है।

11. कौन-सा सिद्धांत नेतृत्व के बहुआयामी तथ्य को प्रकाशित करता है-

(a) बिहैविरल थियरी (b) ट्रेट थियरी

(c) सिचुयेशनल थियरी (d) इनमें से कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

सिचुयेशनल थियरी नेतृत्व के बहुआयामी तथ्य को प्रकाशित करता है। नेता अपने अनुयायियों की इच्छाओं को पहचानता है और ऐसी विधियों का पालन करता है जो उन्हें संतुष्ट करता है। पारिस्थिति सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि नेतृत्व की कोई भी सबसे अच्छी सभी स्थितियों में सार्वभौम रूप से लागू नहीं होती है। नेता की स्थिति के अनुरूप अपनी शैली बदलनी पड़ती है।

12. 'अपवाद के सिद्धांत' का प्रतिपादन किसने किया था?

(a) टेलर (b) गिलब्रेथ दम्पत्ति

(c) मैकफरलैंड (d) थर्बलिंग

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

एफ.डब्लू. टेलर ने 'अपवाद के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया था। इस सिद्धांत के प्रतिपादन का उद्देश्य यह था कि प्रबंधक श्रमिकों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें और उन्हीं कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें जिनकी प्रकृति संवेदनशील है तथा जो संगठन के संपूर्ण लक्ष्य को व्यापक तौर पर प्रभावित करते हैं

13. किसने नौकरशाही को 'अधिनायकवाद के एक नये रूप' की तरह वर्णित किया है?

(a) लास्की (b) डायसी

(c) फाइनर (d) हेवार्ट

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

प्रदत्त व्यवस्थापन के आधार पर नौकरशाही की बढ़ती हुई शक्तियों की आलोचना लार्ड हेवार्ट ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'NEW DESPOTISM' में की है।

14. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) सिविल सर्विस : इट्स प्रॉब्लम्स एण्ड फ्यूचर- ई.एन. ग्लैडन

(b) नागरिक आधारित प्रशासन : शासन का हृदय - द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग

(c) एशियन ड्रामा - गुन्नार मिर्डल

(d) पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाईम ऑफ टरबूलैन्स-फ्रैंक मेरिनी

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

क्लीफोर्ड ड्वाइट वाल्डो ने 1971 में 'पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाईम ऑफ टरबूलैन्स' की रचना की थी। फ्रेंक मेरिनी ने 'ट्वार्ड ए न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : द मिन्नोबुक पर्सपेक्टिव' पुस्तक लिखा था।

15. निम्नलिखित में से कौन एक तथ्य प्रत्यक्ष भर्ती की विशेषता नहीं है?

(a) यह लोकतांत्रिक मापदण्डों के अनुरूप होता है।

(b) यह समाज में प्रतियोगिता को प्रेरित नहीं करता है।

(c) यह क्षमतावान तथा योग्य लोगों को आकर्षित करता है।

(d) यह भर्ती के लिए अधिक विस्तृत स्रोत प्रस्तुत करता है।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

प्रत्यक्ष भर्ती समाज में प्रतियोगियों को प्रेरित करती है विज्ञप्ति के माध्यम से खुली भर्ती प्रक्रिया में अच्छे पदों पर चयन के लिए प्रतियोगी प्रेरित होते हैं। योग्यता और निष्पक्षता इस भर्ती प्रक्रिया के मापदण्ड हैं, अतः लोकतांत्रिक ढंग से क्षमतावान तथा योग्य लोगों को आकर्षित करना इस प्रक्रिया का उद्देश्य है।

16. कूटनीति के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) अंतरराष्ट्रीय संबंधों का वार्ता के साधन द्वारा प्रबंधन की कूटनीति।

(b) कूटनीति राजनीति की ऐसी व्यवस्था में काम करती है जिसमें युद्ध एक संभावना है।

(c) कूटनीति तभी प्रासंगिक होगी जबकि पूर्ण असहमति हो।

(d) कूटनीति में सफलता का अर्थ यह होता है कि अन्य राष्ट्रों को अपने दृष्टिकोण पर आने के लिए मना लिया जाए।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

कूटनीति का प्रयोग वहां होता है, जहां असहमति या गलतफहमी के वास्तविक या संभावित क्षेत्र मौजूद हों। पर यह असहमति ऐसी होनी चाहिए कि वार्ताओं द्वारा दूर की जा सकती हो। जिन पर पूर्ण असहमति है, कूटनीति के दायरे से बाहर है।

17. निम्नलिखित में से लोक प्रशासन के किस विद्वान को नोबेल पुरस्कार प्राप्त हो चुका है?

(a) हरबर्ट साइमन (b) टैरी

(c) मिलेट (d) ड्रोर

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

हरबर्ट साइमन को 1978 में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जबकि वे अर्थशास्त्री नहीं थे। उनका महत्वपूर्ण योगदान 'प्रबंध विज्ञान' के क्षेत्र में था।

18. यह किसने लिखा, ''नौकरशाही मंत्री मंडलीय उत्तरदायित्व के लबादे में फलती-फूलती है।''

(a) लास्की (b) डब्ल्यू.ए. निस्कानेन

(c) मैक्स वेबर (d) रेम्जे म्योर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

नौकरशाही की बढ़ रही शक्तियों और अनुत्तरदायी व्यवहार के कारण कतिपय विद्वानों ने आलोचना की है। रेम्जे म्योर ने लिखा है कि ''नौकरशाही मंत्रीय उत्तरदायित्व की आड़ में फलती-फूलती है। उन्होंने नौकरशाही की तुलना अग्नि से की है, जो एक सेवक के रूप में तो बहुत उपयोगी सिद्ध होती है, परंतु जब वह स्वामी बन जाती है, तो घातक सिद्ध होती है।

19. प्रदत्त विधायन की व्यवस्था से निम्नांकित में से किसकी शक्तियों में वृद्धि हुई है?

(a) विधायिका की (b) विधायिनी समितियों की

(c) नौकरशाही की (d) मंत्रिपरिषद की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

प्रदत्त व्यवस्थापन में संसद जैसी विधि निर्माण की उच्चतर संस्था नियमों की एक मोटी रूपरेखा का निर्माण करती है, तथा कार्य संचालन की दृष्टि से ब्योरेवार वर्णन का अधिकार कार्यपालिका को सौंप देती है। इसे ही प्रदत्त व्यवस्थापन कहा जाता है। लार्ड हेवार्ट ने इसे नवीन निरंकुशता का नाम दिया है। इसमें नियम निर्माण की शक्ति नौकरशाही को प्रदान किया जाता है, इस प्रकार की अधिकारिता के कारण नौकरशाही की शक्तियों में वृद्धि हुई है।

20. निम्न में से कौन निर्णय-निर्माण प्रक्रिया सिद्धांत का समर्थक नहीं है?

(a) रिचर्ड स्नाईडर (b) एच.डब्ल्यू. ब्रन्क

(c) एच.जे. मोर्गेन्थो (d) बर्टन स्पेन

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

हैंस मार्गेन्थाऊ निर्णय-निर्माण प्रक्रिया सिद्धांत के समर्थक नहीं हैं। इन्हें अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवादी सिद्धांत का प्रतिपादक माना जाता है। 'Politics Among Nations' मार्गेन्थाऊ की महत्वपूर्ण कृति है। जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय शक्ति, राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसी संकल्पनाओं का विशेष रूप से उल्लेख किया है। स्नाईडर, ब्रक और सापिन निर्णय निर्माण प्रक्रिया सिद्धांत से जुड़े हैं।

21. निम्नलिखित में से किस राजनीतिक शास्त्री ने 'प्रक्रिया' की संकल्पना राजनीति शास्त्र में की है?

(a) गार्नर (b) पॉल जैनेट

(c) लीकॉक (d) बेंटले

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

आर्थर बेंटले ने राजनीतिशास्त्र में सर्वप्रथम प्रक्रिया की संकल्पना का उल्लेख अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'The Process Of Government' में किया है। इन्होंने किसी व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न समूहों के बीच पारस्परिक अंतक्रिया को राजनीतिक प्रक्रिया के संचालन का आधार माना है।

22. ''प्रभाव दो कर्ताओं के मध्य एक संबंध है, जिसमें एक कर्ता किसी दूसरे कर्ता को वह कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करता है जिसे वह अन्यथा निष्पादित नहीं करता।'' प्रभाव की यह परिभाषा किसकी है?

(a) बरट्रैंड रसेल (b) रॉबर्ट ए. डाल

(c) मैक्स वेबर (d) रॉबर्ट टकर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. ''प्रभावकर्ताओं के मध्य एक संबंध है जिसमें एक कर्ता अन्य कर्ताओं को यह कार्य करने के लिए अभिप्रेरित करता है जिसे उन्होंने अन्यथा निष्पादित नहीं किया होता।'' यह कथन किसका है?

(a) रॉबर्ट बायर्सटेड (b) रॉबर्ट डॉल

(c) हैरोल्ड लॉस्वेल (d) लिपसेट

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त कथन राबर्ट डहल का है।

24. 'Promotion' शब्द लिया गया है 'Promoverse' से यह किस भाषा का शब्द है?

(a) ग्रीक भाषा (b) लैटिन भाषा

(c) फ्रेंच भाषा (d) रोमन भाषा

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

'Promoverse' शब्द लैटिन भाषा का है। लैटिन के पश्चात फ्रेंच भाषा में इस शब्द को लिया गया तत्पश्चात अंग्रेजी में 'Promotion' शब्द का प्रयोग किया गया।

25. 'केस' पद्धति किस देश की देन है?

(a) अमेरिका (b) भारत

(c) इंग्लैंड (d) फ्रांस

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

केस पद्धति अमेरिका की देन है। अमेरिकी प्रशासन में केस पद्धति का विकास 1930 के दशक में विशेष परिस्थितियों में प्रशासक द्वारा निर्णय निर्माण करने के लिए हुआ। केस पद्धति निर्णय निर्माण करने वाले प्रशासक के निर्णयन, व्यवहार तथा उसको प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों (वैयक्तिक, विधिक तथा सांस्थानिक) पर विशेष बल देता है। वर्तमान समय में यह पद्धति लोक प्रशासन के अध्ययन और अध्यापन का स्थाई साधन बन गई है।

26. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (दृष्टिकोण)	सूची-II (विचारक)
A. शास्त्रीय उपागम	**1.** फ्रेडरिक टेलर
B. वैज्ञानिक प्रबंध उपागम	**2.** हर्बर्ट साइमन
C. मानवीय संबंध उपागम	**3.** हेनरी फेयोल
D. व्यवहारवादी उपागम	**4.** एल्टन मेयो

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	1	2	4
(d)	3	1	4	2

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

सही सुमेलन निम्नवत है-

सूची-I (दृष्टिकोण)	सूची-II (विचारक)
शास्त्रीय उपागम	हेनरी फेयोल
वैज्ञानिक प्रबंध उपागम	फ्रेडरिक टेलर
मानवीय संबंध उपागम	एल्टन मेयो
व्यवहारवादी उपागम	हर्बर्ट साइमन

27. 'पोस्डकार्ब' की अवधारणा दी गई है-

(a) लूथर गुलिक (b) एल.डी. व्हाइट

(c) विलोबी (d) गिलक्राइस्ट

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

लोक प्रशासन प्रशासन की प्रक्रियाओं का अध्ययन है। लोक प्रशासन के कार्य-क्षेत्र के संबंध में लूथर गुलिक ने जिस मत को प्रतिपादित किया है उसे 'पोस्डकोर्ब' कहा जाता है। पोस्डकोर्ब शब्द, अंग्रेजी के सात शब्दों के प्रथम अक्षरों से मिलाकर बनाया गया है, जो इस प्रकार हैं-

P – Planning (योजना बनाना),

O – Organizing (संगठन बनाना),

S – Staffing (कर्मचारियों की व्यवस्था करना),
D – Directing (निर्देशन करना),
Co – Co-ordination (समन्वय करना),
R – Reporting (रपट देना),
B – Budgeting (बजट तैयार करना)।

28. इनमें से किसने 'पोस्डकार्ब' का सिद्धांत दिया था-

(a) हेनरी फेयोल (b) लूथर गुलिक
(c) रेनसिस लाजइर्ट (d) एफ.डब्ल्यू.टेलर

P.G.T. परीक्षा, 2004
T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. किसने मुख्य प्रशासक के कार्यकारी कार्यों को POSDCORB (पोस्डकोर्ब) के अंतर्गत सम्मिलित किया है?

(a) एल.डी. व्हाइट (b) जे.एम. पिफनर
(c) गुलिक (d) कोई भी नहीं

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017
D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. 'पोस्डकार्ब' शब्द लोक प्रशासन के शब्द से जुड़ा है।

(a) क्षेत्र (b) अर्थ
(c) उद्देश्य (d) दर्शन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. लूथर गुलिक ने संगठन के सिद्धांतों को 'POSDCORB' शब्द में अभिव्यक्त किया है। इसमें 'CO' का तात्पर्य है।

(a) कॉरपोरेशन से (b) कोऑपरेशन से
(c) कोआर्डीनेशन से (d) कंपनी से

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. 'POSDCORB' दृष्टिकोण की आलोचना निम्न में से किसने की है?

(a) हेनरी फियोल (b) लेविस मेरियम
(c) उर्विक (d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

लेविस मेरियम के अनुसार ''पोस्डकोर्ब'' सिद्धांत अत्यंत स्वेच्छाचारी, काल्पनिक एवं संकुचित है जिसमें प्रशासन के वास्तविक तत्वों को कोई स्थान नहीं दिया गया है। इस सूत्र में पाठ्य-विषय के ज्ञान के तत्व को गौण माना गया है।''

33. निम्नलिखित में से किसने आदेश की एकता को संगठन की कार्यप्रणाली में स्वीकार नहीं किया है?

(a) हेनरी फेयोल (b) लूथर गुलिक
(c) जे.डी. मूने (d) एफ.डब्ल्यू. टेलर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

एफ.डब्ल्यू. टेलर ने आदेश की एकता को संगठन की कार्यप्रणाली में स्वीकार नहीं किया है। इस सिद्धांत की आलोचना करते हुए लिखा है कि इससे सैनिक प्रकार की चौधराहट' का विकास होता है। एक व्यक्ति को अपने कार्य के लिए विभिन्न टेक्नीशियन से निर्देश प्राप्त करने पड़ते हैं इसके बिना कर्मचारी दक्ष नहीं हो सकता।

34. 'अनौपचारिक संगठन' की अवधारणा किसने प्रतिपादित की है?

(a) हर्बर्ट साइमन (b) एफ.डब्ल्यू. टेलर
(c) एफ.एम. मार्क्स (d) एल्टन मेयो

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

'अनौपचारिक संगठन' की अवधारणा के प्रतिपादक एल्टन मेयो तथा उनके साथी हैं। इन लोगों ने वेस्टर्न इलेक्ट्रिक कंपनी के हॉथार्न संयंत्र के संबंध में प्रयोग किए। उन्होंने पाया कि जब कुछ व्यक्ति दीर्घकाल तक मिलकर कार्य करते हैं, तो उनमें भावात्मक तथा वैयक्तिक संबंध विकसित हो जाते हैं जो औपचारिक संबंधों से भिन्न होते हैं। इन संबंधों को ही अनौपचारिक संगठन कहा जाता है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा अनौपचारिक या अंगूरलता संचार का उदाहरण है?

(a) एकल छोर (b) गप्पें मारना
(c) संभावना (d) उपर्युक्त सभी

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

अनौपचारिक या अंगूरलता संचार का कोई क्रम नहीं होता किंतु उनका आधार (एकल छोर) अवश्य होता है जहां में संचार का प्रेषण होता है कई बार ये अनौपचारिक वार्ताएं अफवाहों (गप्पे मारना) का रूप ले लेती हैं। इन सभी कठिनाइयों के कारण अंगूरलता प्रणाली को संगठन में अधिक महत्व नहीं दिया जाता है। इस संचार प्रणाली में संभावना ही रहती है, सत्यता नहीं।

36. निम्नांकित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) आदेश की एकता-फेयोल (b) नियंत्रण का विस्तार-उर्विक

(c) पद्सोपान-मूने (d) प्रदत्तीकरण-फैरल हैडी

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सही सुमेलित नहीं है। फैरल हैडी मिशीगन यूनिवर्सिटी से संबद्ध थे। उनकी प्रसिद्धि लेखन के क्षेत्र में थी। उनकी प्रमुख रचना का नाम 'पब्लिक एडमिनीस्ट्रेसन ए कम्परेटिव पर्सपेक्टिव' था।

37. 'पद सोपान' का अर्थ है

(a) संगठन के विभिन्न स्तरों पर कर्मचारी

(b) उच्च का निम्न पर नियंत्रण

(c) गैंग प्लैंक

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

'पद सोपान' का अर्थ उच्च का निम्न पर नियंत्रण है। इसका आशय पिरामिड, शैली से बने एक ऐसे संगठन से है, जिसमें उच्चतर से निम्नतर की ओर सत्ता का संचालन बना रहता है। पदसोपान के अंतर्गत संगठन में सत्ता आदेश और नियंत्रण क्रमशः एक-एक स्तर में से गुजरते हुए ऊपर से नीचे की ओर जाते हैं।

38. निम्नांकित में से कौन पद्सोपान की मौलिक विशेषताओं में से एक विशेषता नहीं है?

(a) आदेश की एकता (b) निर्देश की बहुलता

(c) उत्तरदायित्व के अनुरूप सत्ता (d) उचित माध्यम का सिद्धांत

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

निर्देश की बहुलता पदसोपान की मौलिक विशेषातओं में नहीं है। इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं निम्न हैं-

- इसमें आदेश की एकता का पालन होता है।
- उत्तरदायित्व के अनुरूप सत्ता का प्रत्यायोजन होता है।
- कार्य करने का उचित माध्यम होना चाहिए।
- संगठन की इकाइयां परस्पर संबद्ध और एकीकृत होती हैं।
- स्तरों का विभाजन करके नेतृत्व का निर्धारण।
- इसमें संचार निश्चित माध्यम से होकर गुजरता है।

39. 'पद सोपान' बल देता है-

(a) संगठन की इकाइयों के विभाजन पर

(b) पिरामिडीय संरचना पर

(c) उत्तरदायित्व नीचे से शीर्ष की ओर पर

(d) उपर्युक्त सभी पर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

पदसोपान के अंतर्गत संगठन में प्रशासनिक क्रिया कलापों को इकाइयों और उपइकाइयों में विभाजित कर दिया जाता है। साथ ही साथ ये इकाइयां समाहित भी रहती हैं। इसमें संगठन का ढांचा पिरामिडीय आकार का होता है और सर्वोच्च अधिकारी शीर्ष पर विराजमान रहता है। उत्तरदायित्व का निर्धारण नीचे से शीर्ष की ओर होता है क्योंकि प्रत्येक नीचे का कर्मचारी अपने से उच्च अधिकारी के प्रति उत्तरदायी होता है।

40. ओ. और एम. संबंधित हैं-

(a) संगठन और पद्धति से (b) ओम से

(c) संगठन और प्रबंध से (d) संगठन और कार्यालय का प्रबंध

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

ओ. तथा एम. (O and M) अंग्रेजी भाषा में आर्गेनाइजेशन एण्ड मेथड्स (Orgenisation and Method) का संक्षिप्ताक्षर है। इसे हिंदी में संगठन एवं प्रणाली अथवा पद्धति कहते हैं। भारत तथा ब्रिटेन में O & M का यही अर्थ लिया जाता है। जबकि अमेरिका में कभी-कभी इसे विस्तृत अर्थ में लिया जाता है। वहां इसे 'संगठन तथा प्रबंध' के रूप में लिया जाता है। भारत में केन्द्रीय O & M डिवीजन 1954 में स्थापित की गई और इसको मंत्रिमंडलीय सचिवालय में स्थान दिया गया। इस समय प्रशासनिक सुधार तथा लोक शिकायत विभाग प्रशासनिक सुधारों तथा संगठन एवं प्रणाली के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी है।

41. लोक प्रशासन को अध्ययन विषय के रूप में प्रारंभ करने का श्रेय किसे प्राप्त है?

(a) एल.डी.ह्वाइट को (b) विलोबी को

(c) मेरी पार्कर फोले को (d) वुडरो विल्सन को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में सन् 1887 में हुआ। वुडरो विल्सन, जो उस समय प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में राजनीति शास्त्र के प्राध्यापक थे, लोक प्रशासन के जनक माने जाते हैं। इन्होंने अपने लेख 'प्रशासन का अध्ययन' (The Study of Administration) 1887 में राजनीति व प्रशासन को अलग-अलग बताया। वुडरो विल्सन एक तो लोक प्रशासन के जनक माने जाते हैं, दूसरे वे राजनीति और प्रशासन के पृथक्करण में विश्वास रखते हैं। वुडरो विल्सन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति भी रहे हैं।

42. लोक प्रशासन के पितामह कौन हैं?

(a) एल.डी. व्हाइट (b) वुडरो विलसन

(c) ल्यूथर गलिक (d) सायमन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. लोक प्रशासन का संबंध किससे है?

(a) राजनीति से (b) अर्थशास्त्र से

(c) मनोविज्ञान से (d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

1970 के बाद लोक प्रशासन का अंतर्विषयक दृष्टिकोण उभर कर आया। राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधशास्त्र के साथ लोक प्रशासन के गहरे संबंध स्थापित हुए। अब प्रशासन की गतिशीलता तथा तत्कालीन मुद्दों पर विशेष रूप से विचार किया जा रहा है।

44. लोक प्रशासन में 'लोक' शब्द का तात्पर्य है-

(a) जनता (b) समाज

(c) कार्यपालिका (d) सरकार

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

लोक प्रशासन में 'लोक' शब्द 'सार्वजनिकता' का सूचक है तथा यह आम जनता के लिए प्रशासन के द्वार खोलता है, अर्थात जो प्रशासन आम लोगों के लिए हो, वह लोक प्रशासन है।

45. 'लोक प्रशासन' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कब और कहां किया गया?

(a) 1810 यू.एस.ए. में (b) 1815 ब्रिटेन में

(c) 1919 यू.एस.एस.आर. में (d) 1812 फ्रान्स में

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

लोक प्रशासन शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 1812 में फ्रांस में हुआ था। फ्रेंच लेखक चार्ल्स जीन बोनिन ने 1812 में लोक प्रशासन के सिद्धांत (Principles D' Administration Publique) नामक इस विषय की पुस्तक लिखी। इन्होंने ही नेपोलियन के शासनकाल में सरकारी अधिकारियों के लिए प्रशासनिक संहिता का मसौदा तैयार किया।

46. लोक प्रशासन पर न्यायालय के नियंत्रण की दशा कौन-सी है?

(a) अधिकार क्षेत्र का अभाव (b) विवेक का अनुचित प्रयोग

(c) प्रक्रिया संबंधी त्रुटि (d) इनमें सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

लोक प्रशासन पर न्यायालय निम्नलिखित दशाओं में हस्तक्षेप कर नियंत्रण कर सकते हैं-

- अधिकारों या सत्ता का दुरुपयोग,
- अधिकार क्षेत्र का अभाव,
- वैधानिक त्रुटि,
- तथ्य शोधन या जांच में दोष, एवं
- प्रक्रिया संबंधी दोष।

47. नवीन लोक प्रशासन के उदय एवं विकास में कौन-सी घटना सहायक है?

(a) सार्वजनिक सेवाओं संबंधी उच्च शिक्षा पर हनी प्रतिवेदन, 1967

(b) मिन्नोब्रुक सम्मेलन, 1968

(c) ड्वाइट वाल्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाइम ऑफ टर्बुलेन्स', 1971

(d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

नवीन लोक प्रशासन के उदय एवं विकास में सार्वजनिक सेवाओं संबंधी उच्च शिक्षा पर हनी प्रतिवेदन, 1967 मिन्नोब्रुक सम्मेलन, 1968 तथा ड्वाइट वाल्डो द्वारा संपादित पुस्तक 'पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाइम ऑफ टर्बुलेन्स, 1971 विशेष रूप से सहायक हैं।

48. 1968 का मिन्नोब्रुक सम्मेलन संबंधित है :

(a) लोक प्रशासन से

(b) नवीन लोक प्रशासन से

(c) निजी प्रशासन से

(d) संगठन से

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

वर्ष 1968 के मिन्नोब्रुक सम्मेलन के पश्चात लोक प्रशासन के क्षेत्र में भी नवीन विचारों का सूत्रपात हुआ है और इन विचारों को 'नवीन लोक प्रशासन' की संज्ञा दी गयी है। वर्ष 1971 में फ्रेक मेरीनी द्वारा संपादित एक पुस्तक 'नवीन लोक प्रशासन की दिशाएं-मिन्नोब्रुक परिप्रेक्ष्य' के प्रकाशन के साथ ही 'नवीन लोक प्रशासन' को मान्यता प्राप्त हुई है।

49. मिन्नो ब्रुक्स सम्मेलन, 1968 में लोक प्रशासन के कौन से चार मुख्य मुद्दों पर बहस की गई?

(a) इतिहास, गुण, मूल्य और विकास

(b) मूलग्रंथ, संदर्भ, प्रासंगिकता और दर्जा

(c) मानक, मूल्य, संदर्भ और प्रगति

(d) प्रासंगिकता, मूल्य, समता और परिवर्तन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

1968 में संपन्न हुए मिन्नो ब्रुक्स सम्मेलन में 4 मौलिक उद्देश्य स्थापित किए गए-

- प्रासंगिकता
- मान्यताएं या सामाजिक मूल्य
- समता
- परिवर्तन

50. नवीन लोक प्रशासन मुख्यतः संबद्ध है-

(a) विकासशील देशों की प्रशासनिक व्यवस्था से
(b) प्रशासनिक व्यवस्था की उत्पादकता से
(c) प्रशासनिक व्यवस्था के अधिकारी तंत्रीकरण से
(d) लोक प्रशासन के मानवीय अभिमुखन से

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

लोक प्रशासन के शास्त्रीय मूल्य दक्षता, मितव्ययता, उत्पादकता एवं केंद्रीकरण रहे हैं। वहीं नवीन लोक प्रशासन मानववाद, विकेंद्रीकरण, प्रत्यायोजन, बहुवाद, व्यक्तिगत वृद्धि, वैयक्तिक गरिमा आदि का समर्थन करता है। नवीन लोक प्रशासन मूल्य तटस्थता अस्वीकार करता है। वह नागरिक सहभागिता, अधिकारी तंत्र पर नियंत्रण और नौकरशाही के उत्तरदायित्व का समर्थन करता है।

51. निम्नलिखित में से कौन-सी एक विशेषता नव लोक प्रबंध की नहीं है?

(a) स्थानीयकरण (b) बाह्यीकरण
(c) राजनीतिकरण (d) विनौकरशाहीकरण

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

'राजनीतिकरण' नव लोक प्रबंध की विशेषता नहीं है। इसके अंतर्गत राज्य की भूमिका को सीमित करने का प्रयास किया जाता है। कुशलता और मितव्ययिता नव लोक प्रबंध का सार है, अतः संस्थाओं की कार्यप्रणाली में स्वायत्तता आवश्यक है।

52. निम्नांकित में से कौन-सा कथन केंद्रीयकरण के गुणों के बारे में सत्य नहीं है?

(a) केंद्रीयकरण आपातकाल से निपटने में प्रभावी होता है।
(b) इससे कार्य पुनरावर्तन से बचाव होता है।
(c) यह कार्यपालिका की दूसरी पंक्ति के विकास के लिए उपयुक्त है।
(d) यह मानव एवं पूंजीगत संसाधनों के अधिकतम उपयोग में सहायक होता है।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

कार्यपालिका की दूसरी पंक्ति का विकास विकेंद्रीकरण का गुण है संघात्मक शासन प्रणाली में इस प्रकार की कार्यपालिका देखने को मिलती है। भारत जैसे देश में पंचायत राज प्रणाली की स्थापना के साथ कार्यपालिका की तीसरी पंक्ति का विकास दृष्टिगत होता है।

53. निम्नांकित में से कौन-सा दृष्टिकोण विकेंद्रीकरण को अपने आप में एक उद्देश्य मानता है?

(a) मतवादी या सिद्धांतवादी दृष्टिकोण
(b) राजनीतिक दृष्टिकोण
(c) प्रशासनिक दृष्टिकोण
(d) दोहरी-भूमिका दृष्टिकोण

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

सिद्धांतवादी दृष्टिकोण विकेंद्रीकरण को अपने आप में एक उद्देश्य मानता है। इसके अंतर्गत संगठनों की कार्यक्षमता और प्रभावोत्पादकता पर बल दिया जाता है। भारत में पंचायती राज प्रणाली को शक्ति संपन्न बनाकर इन उद्देश्यों को पूरा किया जा सकता है। इस दृष्टिकोण में यह आवश्यक है कि निर्णयकारी एवं प्रवर्तकारी सत्ताओं के द्वारा लोगों को शक्ति प्राप्त हो।

54. निम्नांकित में से किसने नियंत्रण के क्षेत्र को प्रभावित नहीं किया है?

(a) लोक सेवाओं में बढ़ती हुई व्यावसायिकता ने
(b) सूचना क्रांति ने
(c) संगठन में स्वचालित प्रक्रियाओं के अधिकाधिक प्रयोग ने
(d) सभी संगठनों में उच्च नियंत्रण के क्षेत्र पर बढ़ती सर्व सहमति ने

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

आधुनिक समय में नियंत्रण के क्षेत्र की समूची धारणा में ही परिवर्तन हो चुका है प्रशासन में विशेषज्ञों का बढ़ता महत्व, सूचना के क्षेत्र में क्रांति तथा प्रशासन में स्वचालन का अधिक प्रयोग इस परिवर्तन के लिए उत्तरदायी हैं। सभी संगठनों में उच्च नियंत्रण के क्षेत्र के विषय में अभी भी विद्वानों में मतभेद बने हुए हैं।

55. नेतृत्व के 'पथ-लक्ष्य सिद्धांत' के निम्न में से कौन समर्थक था/थे?

(a) मार्टिन जी. इवान्स
(b) राबर्ट जे. हाउस
(c) दोनों (a) तथा (b) में कोई नहीं
(d) दोनों ही (a) तथा (b)

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

मार्टिन जी. इवान्स तथा राबर्ट जे. हाउस दोनों ही विचारक नेतृत्व के 'पथ-लक्ष्य सिद्धांत' के समर्थक हैं।

56. 'अभिप्रेरणा के पुरस्कार सिद्धांत' के प्रतिपादक कौन थे?

(a) पीटर ड्रकर (b) एफ.डब्ल्यू.टेलर
(c) मैक्ग्रेगर (d) एस.ई.फाईनर

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

इस विचारधारा के प्रतिपादक एफ.डब्ल्यू. टेलर हैं। उनकी यह मान्यता है कि काम का संबंध पारिश्रमिक से जोड़ देने से कर्मचारी अधिक काम करने के लिए अभिप्रेरित होगा अर्थात अधिक पैसा कमाने के लिए वे अधिक कार्य करेंगे। इसी मान्यता के आधार पर उन्होंने 'विभेदात्मक मूल्य दर पद्धति' की अनुशंसा की।

57. 'मनोबल एक व्यक्ति अथवा एक समूह की अंतर्निहित संपत्ति है' यह कथन संबंधित है-

(a) एल.डी. व्हाईट (b) जे.डी. मूने

(c) डिमॉक एवं डिमॉक (d) इ.सी. डेविस

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त कथन एल.डी. व्हाईट से संबंधित है।

58. स्टाफ एजेंसी का सही कार्य निम्नलिखित में से कौन-सा है?

(a) अधीनस्थ या अवर कर्मचारियों को आदेश जारी करना।

(b) अवर कर्मचारियों की गतिविधियों को नियंत्रित करना।

(c) सांस्थानिक सेवाएं प्रदान करना।

(d) मुख्य कार्यपालिका को परामर्श देना।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

स्टाफ एजेंसी मुख्य कार्यपालिका के सहायक के रूप में कार्य करती है। इसका कार्य कार्यपालिका को परामर्श देना है। मूने ने स्टाफ अभिकरण के कार्यों के तीन पहलू माने हैं- सूचना संबंधी, परामर्श संबंधी तथा पर्यवेक्षण संबंधी। स्टाफ एजेंसी सूत्र एजेंसी को प्रशासन के प्रत्येक कार्य के संबंध में अपनी राय देती है। इससे निर्णय लेने में सुविधा होती है। उसके द्वारा दिए गए परामर्श को मानना या न मानना सूत्र अभिकरण पर निर्भर करता है।

59. संरचनात्मक कार्यात्मक उपागम का आधार है-

(a) आगत (इनपुट) एवं निर्गत (आउटपुट) कार्यों की विश्लेषणात्मक पद्धति है।

(b) यह व्यवस्था विश्लेषण का भाग नहीं है।

(c) यह एक अवैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

(d) यह अभाव की राजनीति से संबंधित है।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

आमण्ड और पावेल द्वारा प्रस्तुत संरचनात्मक-कार्यात्मक उपागम आगत एवं निर्गत कार्यों की विश्लेषणात्मक पद्धति है। ईस्टन के आगत-निर्गत मॉडल का सुधार करके विशेष कार्य के लिए विशिष्ट संरचना की उपयोगिता को इस उपागम में स्वीकार किया गया है।

60. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन हीगल के नौकरशाही संबंधी विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता?

(a) यह एक सार्वभौमिक वर्ग है। ,

(b) यह वर्ग जनसेवा से संबंधित है।

(c) यह वर्ग ईमानदारी से अपने कार्य करता है।

(d) हीगल आनुवंशिक नौकरशाही का समर्थन करता है।

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

हीगल आनुवांशिक नौकरशाही का समर्थन नहीं करते,वे मध्य वर्ग से नौकरशाही के लिए ऐसे लोगों के चयन का समर्थन करते हैं जो योग्य हैं। ईमानदारी और बुद्धिमत्ता किसी भी राजा के स्तंभ हैं। हीगल के अनुसार नौकरशाही के लिए ज्ञान और योग्यता की प्रमाणिकता आवश्यक है।

61. भारत जैसे विकासशील समाज में लोक प्रशासन की प्रत्यक्ष भूमिका निम्नलिखित में से कौन-सी है :

(a) राजस्व जुटाना (b) विधि और व्यवस्था

(c) सामाजिक-आर्थिक पुनर्निर्माण (d) सहभागितापूर्ण प्रबंध

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

भारत जैसे विकासशील समाज में लोक प्रशासन की प्रत्यक्ष भूमिका विकास संबंधी तथा उन्नति संबंधी कार्यों के लिए विधि एवं व्यवस्था से समन्वित पारंपरिक प्रशासन की है।

62. भारत में 'इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की स्थापना किस रिपोर्ट की सिफारिश के आधार पर हुई?

(a) गोरेवाला रिपोर्ट (b) संथानम रिपोर्ट

(c) एपलबी रिपोर्ट (d) आयंगर रिपोर्ट

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

वर्ष 1953 में लोक प्रशासन के प्रबुद्ध अमेरिकी विद्वान डीन पाल एपलबी ने भारतीय लोक सेवा के संदर्भ में अपनी अनुशंसाएं भारत सरकार को सौंपी। उनकी अनुशंसा के अनुसार 1954 में नई दिल्ली में भारतीय लोक -प्रशासन संस्थान (Indian Institute of Public Administration) की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य भारत में लोक प्रशासन के विधिवत अध्ययन एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करना तथा सरकारी कर्मचारियों को समुचित प्रशिक्षण प्रदान करना है।

63. निम्नलिखित में से किसने भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना की अनुशंसा की?

(a) संघ लोक सेवा आयोग (b) पॉल एच एप्पलबी रिपोर्ट

(c) योजना आयोग (d) ए.डी. गोरवाला रिपोर्ट

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

डॉ. पाल. एप्पलबी ने भारतीय प्रशासन संबंधी अपनी रिपोर्ट में लोक प्रशासन के लिए एक संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी, जिसके आधार पर सन् 1954 में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' की स्थापना हुई। सन् 1955 में इसके साथ 'इंडियन स्कूल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' की भी स्थापना कर दी गई।

64. भारत में 'एपलबी समिति' की स्थापना हुई थी, निम्नलिखित में सुधार करने के लिए-

(a) कैबिनेट प्रणाली
(b) केंद्र-राज्य संबंध
(c) आंग्ल-भारतीयों हेतु विशेष प्रावधान
(d) भारतीय प्रशासन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. किसकी देख-रेख में जिले में पुलिस बल शांति और व्यवस्था कायम करता है?

(a) जिलाधीश (b) पुलिस कप्तान
(c) राज्य के गृह मंत्री (d) मुख्यमंत्री

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखना जिलाधीश का कर्त्तव्य होता है। जिलाधीश के अन्य संबंधित कर्त्तव्य हैं-पुलिस और जेलों का पर्यवेक्षण, अधीनस्थ कार्यकारी मजिस्ट्रेट का पद का पर्यवेक्षण, दंड प्रक्रिया संहिता की निवारक खंड के अंतर्गत मामलों की सुनवाई, आदि।

66. निम्नलिखित में से किसने भारत में कलेक्टर के पद सृजन किया था?

(a) डलहौजी (b) कर्जन
(c) वारेन हेस्टिंग्स (d) रिपन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

भारत में कलेक्टर पद का सृजन वर्ष 1772 में वारेन हेस्टिंग्स ने किया था। भारत में जिला प्रशासन ब्रिटिश राज की देन है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1947 में भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारतीय सिविल सेवा का गठन किया गया।
- लोक सेवाओं का जो स्वरूप हमें विदेशियों से उत्तराधिकारस्वरूप प्राप्त हुआ, वह विदेशी शासन की स्वस्थ और प्रशंसनीय व्यवस्थाओं में से एक था।

67. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी यहां स्थित है-

(a) दिल्ली (b) बेंगलुर
(c) मंगलोर (d) मसूरी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी (उत्तराखंड) में स्थित है इसकी स्थापना 1959 में भारतीय प्रशासनिक सेवा ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा स्टाफ कालेज को मिलाकर, 'नेशनल एकडेमी ऑफ एडमीनिस्ट्रेशन' के रूप में हुई थी।

68. लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक एकेडमी स्थित है-

(a) मसूरी में (b) नैनीताल में
(c) हरिद्वार में (d) भवाली में

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. आई.ए.एस. के लिए भरती एजेंसी कौन-सी है?

(a) के.पी.एस.सी. (b) बी.पी.एस.सी.
(c) यू.पी.एस.सी. (d) एम.पी.एस.सी.

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है। यह भारतीय प्रशासनिक सेवा (I.A.S.) के योग्य उम्मीदवारों का चयन, प्रशिक्षण, अनुशासन एवं पदोन्नति संबंधी संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करता है। संविधान के अनुच्छेद 315-323 में संघ लोक सेवा आयोग और राज्यों में राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है।

70. प्रशासकीय स्टाफ कॉलेज स्थित है-

(a) मुंबई में (b) दिल्ली में
(c) हैदराबाद में (d) कोचीन में

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

वर्ष 1947 में स्थापित 'प्रशासकीय स्टाफ कालेज' हैदराबाद में स्थित है। इस संस्थान में सरकारी व गैर सरकारी उच्च पदाधिकारियों को व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है।

71. राष्ट्रीय पुलिस अकादमी का नामकरण निम्नलिखित में से किस राजनेता के नाम पर किया गया है?

(a) सरदार वल्लभभाई पटेल (b) लाल बहादुर शास्त्री
(c) वाई. बी. चव्हान (d) चरण सिंह

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

15 सितंबर, 1948 को माउंट-आबू (राजस्थान) में राष्ट्रीय पुलिस प्रशिक्षण कालेज की स्थापना की गई। बाद में इस प्रशिक्षण अकादमी का नाम सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से कर दिया गया। इसे 1975 में हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया।

72. लाइन एजेंसी का कार्य है-

(a) सेवा करना (b) कार्यान्वित करना
(c) प्रशिक्षित करना (d) इनमें से कोई नहीं

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

मूने और रैले ने सूत्र-स्टाफ के संगठन का एक सिद्धांत स्वीकार किया है। लाइन या सूत्र एजेंसी को विलोबी ने प्राथमिक या क्रियात्मक इकाई कहा है। संगठन के प्राथमिक उद्देश्यों की प्राप्ति लाइन एजेंसी का दायित्व है। स्टाफ एजेंसी इनकी सहायक भूमिका का निर्वहन करती है।

73. बाहर से भर्ती होती है

(a) नकारात्मक भर्ती (b) सकारात्मक भर्ती
(c) प्रत्यक्ष भर्ती (d) पदोन्नति भर्ती

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

बाहर से भर्ती को ही प्रत्यक्ष भर्ती भी कहा जाता है। भर्ती की यह विधि लोकतंत्र के अनुरूप है क्योंकि इससे सभी योग्य सार्वजनिक सेवा हेतु चयन के लिए समान अवसर पाते हैं। इससे चयन का क्षेत्र बढ़ जाता है। इसलिए देश के लिए योग्य व्यक्ति मिल जाते हैं।

74. एक सिविल सेवक का मुख्य कार्य है-

(a) बजट पास कराना।
(b) कानून लागू करना।
(c) चुनाव लड़ना।
(d) अपने पक्षधर अभ्यर्थियों को निर्वाचित होने में सहायता देना।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

कानून को लागू करना सिविल सेवक का मुख्य कार्य है। राजनीतिक कार्यपालिका बजट पास करती है। सिविल सेवक आचरण नियमावली में कोई भी सिविल सेवक, सेवा के दौरान न तो किसी राजनीतिक दल का सदस्य बन सकता है और न ही चुनाव लड़ सकता है। सक्रिय राजनीतिक गतिविधियों में संलिप्त होना सिविल सेवक के लिए आचरण संहिता का गठबंधन माना जाएगा जो विधि के अनुसार दंडनीय होगा।

75. डाक व तार प्रशिक्षण संस्थान कहां पर स्थित है?

(a) देहरादून (b) कानपुर
(c) शिमला (d) सहारनपुर

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

डाक व तार प्रशिक्षण संस्थान सहारनपुर में स्थित है।

76. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग की अध्यक्षता निम्नलिखित में से किसने की?

(a) प्रो. रंगराजन (b) श्री धर्मवीर
(c) न्यायमूर्ति सरकारिया (d) वीरप्पा मोईली

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन 31 अगस्त, 2005 को 'वीरप्पा-मोईली' की अध्यक्षता में किया गया था। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने 15 रिपोर्ट दी हैं, इन सभी 15 रिपोर्टों पर सरकार ने निर्णय ले लिए हैं और उनके सिफारिशों को स्वीकार कर लिया गया है।

77. द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग का चौथा प्रतिवेदन निम्नलिखित में से किससे संबंधित था?

(a) सूचना का अधिकार (b) मानव सम्पदा का व्यापक विस्तार
(c) संकट प्रबन्धन (d) शासन में नैतिकता

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग का चौथा प्रतिवेदन शासन की नैतिकता से संबंधित है। पहला प्रतिवेदन सूचना का अधिकार : सुशासन की मास्टर कुंजी तथा अंतिम या 15वीं रिपोर्ट राज्य और जिला प्रशासन से संबंधित है।

78. नौकरशाही की बढ़ती शक्तियों को निम्नलिखित में से किस लेखक ने नए प्रकार के अधिनायकवाद की संज्ञा दी?

(a) लॉर्ड हेवार्ट (b) राम्जे म्योर
(c) हेराल्ड लास्की (d) सर विलियम बेवरीज

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

लॉर्ड हेवार्ट ने वर्ष 1929 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'दि न्यू डेसपोटिज्म' (नई तानाशाही) में नौकरशाही की बढ़ती शक्तियों को नए प्रकार के अधिनायकवाद की संज्ञा दी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लॉर्ड हेवार्ट (7 जनवरी, 1870-5 मई, 1943) यूनाइटेड किंगडम के एक न्यायाधीश और राजनीतिक थे।
- उनकी किताब यूनाइटेड किंगडम में एक संवैधानिक तथा राजनीतिक तूफान का कारण बनी और अत्यधिक विवादास्पद रही।

79. एक्स (X) और वाइ (Y) सिद्धांत का संबंध-

(a) डगलस मैक्ग्रेगर के वित्तीय प्रबंध सिद्धांत से है
(b) गुलिक के प्रशासन-शासन द्वैधवाद से है
(c) अब्राहम मैस्लो के पुरस्कार दंड सिद्धांत से है
(d) डगलस मैक्ग्रेगर के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक उपागम से है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

एक्स (X) और वाइ (Y) सिद्धान्त का संबंध डगलस मैक्ग्रेगर के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक उपागम से है। यह सिद्धांत दि ह्यूमन साइड ऑफ इंटर प्राइज में 1960 में प्रतिपादित हुआ।

80. किसने इस बात पर जोर दिया कि नौकरशाही एक स्वतंत्र अस्तित्व है और समाज चाहे पूंजीवादी हो या समाजवादी वह बनी रहेगी?

(a) मैक्स वेबर (b) कार्ल मार्क्स
(c) साइमन (d) लियो ट्राट्स्की

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

''नौकरशाही एक स्वतंत्र अस्तित्व है और समाज चाहे पूंजीवादी हो या समाजवादी वह बनी रहेगी'', यह चिंतन मैक्स वेबर का है। वेबर के सूत्रीकरण में, नौकरशाही को लोक सेवा के साथ नहीं मिलाया जाता। इसका अर्थ सामूहिक गतिविधियों के तर्क संगतिकरण की समाजशास्त्रीय अवधारणा है। मैक्स बेवर ने नौकरशाही के अपने सूत्रीकरण को 'आदर्श प्रकार' कहा है। नौकरशाही का सर्वप्रथम सुव्यवस्थित अध्ययन इन्हीं ने किया तथा नौकरशाही को परिभाषित किया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- नौकरशाही पर क्लासिकीय लेखन कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर, रॉबर्ट मिशेल्स और गीटानो मोस्का ने किया।
- मैक्स वेबर एक जर्मन समाजशास्त्री, दार्शनिक और राजनीतिक अर्थशास्त्री थे।
- मैक्स वेबर का जन्म 21 अप्रैल, 1864 को एरफर्ट, जर्मनी में हुआ तथा उनकी मृत्यु 14 जून, 1920 को म्यूनिख, जर्मनी में हुई।

81. किसने नौकरशाही के सिद्धांत को व्यवस्थित रूप में प्रतिपादित किया?

(a) पैरेटो (b) मैक्स वेबर
(c) लैसवेल (d) ग्राम्सी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. इनमें से किसने नौकरशाही की परिभाषा दी थी?

(a) मैक्स वेबर (b) वुडरो विल्सन
(c) साइमन (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा प्रदत्त कूट से अपना उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. मार्टन कैपलान	**(i) निर्णयपरक सिद्धांत**
B. हंस मार्गेन्थो	**(ii) संतुलन सिद्धांत**
C. जार्ज लिस्का	**(iii) यथार्थवादी सिद्धांत**
D. स्नाइडर	**(iv) व्यवस्था सिद्धांत**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I		सूची-II
मार्टन कैपलान	–	व्यवस्था सिद्धांत
हंस मार्गेन्थो	–	यथार्थवादी सिद्धांत
जार्ज लिस्का	–	संतुलन सिद्धांत
स्नाइडर	–	निर्णयपरक सिद्धांत

84. अभिप्रेरणा का एक अत्यधिक लोकप्रिय सिद्धांत है-

(a) कीथ डेविस का सिद्धांत
(b) मैस्लो का आवश्यकता सोपान सिद्धांत
(c) फ्रेडरिक टेलर का वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत
(d) मैकफाइरलैंड का सिद्धांत

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

वर्ष 1938 में अब्राहम मैस्लो ने 'अभिप्रेरणा' (Motivation) शब्द का आधुनिक अर्थ प्रस्तुत किया था। मेस्लो का आवश्यकता सोपान सिद्धांत, अभिप्रेरणा का एक लोकप्रिय सिद्धांत है। वर्ष 1943 में मैस्लो ने अपने एक लेख 'A Theory of Human Motivation' के द्वारा यह सिद्ध किया कि मनुष्य की आवश्यकता अनन्त है, अतः उन्हें एक साथ संतुष्ट नहीं किया जा सकता है।

85. भारत के योजना आयोग और रेलवे को प्रमुख तौर पर क्रमशः क्या माना जाएगा?

(a) वित्तीय और संचार संस्था (b) पूर्ण और अपूर्ण स्टॉफ
(c) स्टॉफ और सूत्र संस्था (d) पूर्ण और अपूर्ण सूत्र संस्था

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

भारत के योजना आयोग और रेलवे को क्रमशः स्टॉफ और सूत्र संस्था माना जा सकता है। मुख्य कार्यपालिका को सहायता तथा परामर्श उपलब्ध कराने के संबंध में दो प्रकार के प्रशासनिक अभिकरण कार्य करते हैं-

i- सूत्र अभिकरण (Line Agencies)
ii- स्टाफ अभिकरण (Staff Agencies)

मुख्य कार्यपालिका या सरकार की नीतियों/निर्णयों का क्रियान्वयन सूत्र अभिकरण ही करते हैं। सूत्र अभिकरण का संबंध कमान की उस शृंखला से होता है जो शीर्ष स्तर से चलकर निम्नतर स्तर या कर्मचारी तक आती है। सरकार के मंत्रालय या विभाग जैसे- कृषि मंत्रालय, शिक्षा विभाग आदि सूत्र अभिकरण है। कर्मचारी या मंत्रणा या स्टॉफ अभिकरण का संबंध उन सेवाओं से है जो परामर्श या सहायता के रूप में मुख्य कार्यपालिका को दी जाती हैं। भारत में प्रधानमंत्री कार्यालय, योजना आयोग या मंत्रिमंडल सचिवालय आदि स्टॉफ अभिकरण की श्रेणी में आते हैं।

86. निम्न में से कौन-सा भारत का स्टाफ अभिकरण नहीं हैं?

(a) मंत्रिमंडलीय सचिवालय (b) प्रधानमंत्री कार्यालय
(c) योजना आयोग (d) रेल मंत्रालय

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था लोक शिकायतों से संबंधित नहीं है?

(a) योजना आयोग (b) लोकायुक्त
(c) उच्चतम न्यायालय (d) उच्चतर न्यायालय

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

योजना आयोग देश के विकास हेतु योजनाओं का निर्माण करने वाली संस्था है। यह लोक शिकायतों से संबंधित संस्था नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- योजना आयोग एक संविधानेतर एवं असांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना वर्ष 1950 में संघ के मंत्रिमंडल के एक संकल्प द्वारा की गई थी। योजना आयोग की स्थापना समवर्ती विधायी सूची की प्रविष्टि संख्या 20 (आर्थिक एवं सामाजिक योजना) के अंतर्गत की गई है।

88. निम्नलिखित में से कौन संगठन का आधार नहीं है?

(a) उद्देश्य (b) प्रक्रिया
(c) व्यक्ति (d) योजना

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

सामान्यतः विभागों को संगठित करने के चार मुख्य आधार स्वीकार किए गए हैं-
I. कार्य अथवा उद्देश्य (Purpose), II. प्रक्रिया (Process), III. व्यक्ति (Persons), IV. क्षेत्र या प्रदेश (Place)।
लूथर गुलिक ने कहा है कि चार 'पी' (Four 'Ps')– Purpose, Process, Persons तथा Place विभागीय संगठन के आधार हैं।

89. भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने किस संगठन का स्थान लिया है?

(a) प्रतिस्पर्धा नियंत्रण प्राधिकरण (CCA) का
(b) एकाधिकार नियंत्रण परिषद् (MCC) का
(c) भारतीय मुक्त व्यापार अधिकरण (IFTA) का
(d) एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार आयोग (MRTPC) का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार आयोग (MRTPC) का स्थान लिया है। प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002 के द्वारा एकाधिकार एवं प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार (MRTP) अधिनियम, 1969 को निरस्त करके 14 अक्टूबर, 2003 के प्रतिस्पर्धा आयोग का गठन किया गया। वर्ष 2009 से यह पूर्णतः कार्य करने लगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग उपभोक्ताओं के लिए निष्पक्ष प्रतियोगिता को बढ़ावा देता है।
- आयोग का मुख्य उद्देश्य प्रतिस्पर्धा पर विपरीत प्रभाव डालने वाले व्यवहारों को रोकना, बाजारों में प्रतिस्पर्धा का संवर्धन और उसे बनाए रखना, उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा करना और व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है।

90. 'नौकरशाही' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया?

(a) विंसेंट डिगोर्ने (b) हेराल्ड लास्की
(c) मार्क्स (d) मैक्स वेबर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

'नौकरशाही' शब्द की शुरुआत वर्ष 1746 में फ्रांसीसी अर्थशास्त्री विंसेंट डिगोर्ने ने की थी। उन्होंने कहा, ''फ्रांस में हमारी एक बीमारी है जो हमें तबाह कर रही है, यह बीमारी 'ब्यूरोमेनिया' कहलाती है''।

91. 'नौकरशाही' शब्द की सर्वप्रथम रचना की :

(a) मैक्स वेबर (b) अलेक्जेंडर पोप
(c) एम. क्रोजियर (d) विंसेट डी गूर्ने

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

92. हरबर्ट मॉरिसन के अनुसार नौकरशाही-

(a) तानाशाही की कीमत है (b) संसदीय जनतंत्र का मूल्य है
(c) राजतंत्र की कीमत है (d) संघवाद की कीमत है

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

हरबर्ट मॉरिसन (3 जनवरी, 1888-6 मार्च, 1965) एक ब्रिटिश श्रमिक नेता थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में ब्रिटिश कैबिनेट में गृह सचिव, विदेश सचिव तथा उप प्रधानमंत्री के पदों को सुशोभित किया। उनके विचार में नौकरशाही संसदीय जनतंत्र का मूल्य है।

93. निम्नलिखित में से किसने नौकरशाही को 'विवेकपूर्ण विधिक सत्ता' के रूप में चित्रित किया?

(a) पैरेटो (b) एफ.एम.मार्क्स
(c) मैक्स वेबर (d) बेंथम

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

मैक्स वेबर ने नौकरशाही को 'विवेकपूर्ण विधिक सत्ता' के रूप में चित्रित किया। उन्होंने प्राधिकार (नौकरशाही) के तीन रूप बताए हैं-(i) पारंपरिक प्राधिकार, (ii) करिश्माई प्राधिकार, (iii) कानूनी-तार्किक प्राधिकार। इनमें से तीसरा प्राधिकार 'विवेकपूर्ण विधिक सत्ता' से संबंधित है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- कानूनी तार्किक प्राधिकार के तहत प्रशासनिक वर्ग स्टाफ नौकरशाही होता है।
- कानूनी तार्किक प्राधिकार तंत्र में प्रशासनिक व्यवस्था का आधार नौकरशाही होती है।
- नौकरशाही से संबंधित वेबर की प्रसिद्ध पुस्तक 'दि थियरी ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक ऑर्गनाइजेशन' है।

94. निम्नलिखित में से किसने अधिकारी तंत्र (नौकरशाही) को विवेकपूर्ण विधिक सत्ता के रूप में चित्रित किया?

(a) एफ.एम.मार्क्स (b) विल्फ्रेडो पैरेटो
(c) मैक्स वेबर (d) हरबर्ड ए. सीमों

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. मैक्स वेबर के अनुसार निम्न में से कौन-सी नौकरशाही की विशेषता नहीं है?

(a) श्रम विभाजन (b) प्रतिबद्धता
(c) पद-सोपान (d) निष्पक्षता

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

वेबर के नौकरशाही सूत्रीकरण से संरचनात्मक गुणों तथा व्यवहारगत गुणों का बनने वाला एक समूह है, जिसमें प्रथम में शामिल हैं-कार्य विभाजन, पदानुक्रम, नियमों की व्यवस्था, भूमिका निर्धारण जबकि द्वितीय में शामिल हैं-तार्किकता, अवैयक्तिकता, नियम निर्देशिता, तटस्थता। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रतिबद्धता मैक्स वेबर के अनुसार नौकरशाही की विशेषता नहीं है।

96. ''जब प्रशासन का कार्य नहीं बढ़ता है, उस स्थिति में भी उसका आकार बढ़ता जाता है।'' उपर्युक्त अवधारणा के साथ किसका नाम जुड़ा हुआ है?

(a) पर्किन्सन का (b) जेनिंग्स का
(c) माइटरवे का (d) हिंग्लेएन का

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त अवधारणा के साथ ब्रिटिश सिविल सेवक सिरिल नार्थकोट पर्किन्सन का नाम जुड़ा हुआ है।

97. नौकरशाही के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(a) पदसोपान एवं अनुशासन
(b) राजनीतिक प्रतिबद्धता
(c) विवेक का प्रयोग
(d) निश्चितता एवं सरकारी कार्यों में गुप्तता

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

पदसोपान एवं अनुशासन, विवेक का प्रयोग तथा निश्चितता एवं सरकारी कार्यों में गुप्तता नौकरशाही की विशेषताएं (लक्षण) हैं। राजनीतिक प्रतिबद्धता नौकरशाही का लक्षण नहीं है।

98. निम्नलिखित में से कौन नौकरशाही का लक्षण नहीं है?

(a) स्थायित्व (b) तटस्थता
(c) अक्षमता (d) अनामता

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(c)

स्थायित्व, तटस्थता तथा अनामता नौकरशाही की विशेषताएं हैं जबकि अक्षमता नौकरशाही का लक्षण नहीं है।

99. निम्न में से कौन नौकरशाही की विशेषता नहीं है?

(a) स्थायित्व (b) तटस्थता
(c) अक्षमता (d) गोपनीयता

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

100. निम्न में से किस देश में नौकरशाही की शुरुआत 'लूट प्रथा' के रूप में हुई?

(a) ब्रिटेन (b) अमेरिका
(c) भारत (d) फ्रांस

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक सेवा (सिविल सर्विसेज) की शुरुआत वर्ष 1871 में हुई। 19वीं सदी के शुरुआती दौर में उच्च सरकारी पदों पर नियुक्तियां राष्ट्रपति की इच्छा तथा आज्ञा से होती थीं तथा नियुक्त नौकरशाहों को किसी भी समय सेवामुक्त कर दिया जाता था। नौकरशाही की इस लूट प्रणाली को राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से उपयोग किया गया। इसी समस्या के समाधनार्थ पेंडलेटन सिविल सेवा सुधार अधिनियम, 1883 तथा हैच अधिनियम, 1939 बना।

101. ऐसा कौन-सा देश है जहां 'लूट पद्धति' के आधार पर लोक सेवा में भर्ती का लंबा इतिहास रहा है?

(a) भारत (b) अमेरिका

(c) फ्रांस (d) चीन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

102. 'लूट पद्धति' निम्नलिखित में से किसका दूसरा नाम है?

(a) अभिभावक नौकरशाही (b) जातीय नौकरशाही

(c) संरक्षक नौकरशाही (d) योग्यता-आधारित नौकरशाही

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

'लूट पद्धति' (Spoils System) जिसे संरक्षक पद्धति (नौकरशाही) (Patronage System) भी कहा जाता है। यह प्रणाली अमेरिका में प्रचलित रही है जिसके अंतर्गत चुनावी समर्थकों को चुनाव जीतने के बाद राजनीतिक दलों द्वारा सरकारी पदों पर नियुक्ति करने से संबद्ध है। यह प्रणाली प्रशासन में अपरिहार्य लूट को प्रोत्साहित करती है जिससे भ्रष्टाचार बढ़ता है।

103. नौकरशाह की नियुक्ति का आधार है-

(a) अस्थायी आधार

(b) स्थायी आधार

(c) विशेष कार्य की समाप्ति तक (तदर्थ आधार)

(d) दिन के दिन वेतन पर (दैनिक वेतन)

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(b)

नौकरशाह की नियुक्ति का आधार 'स्थायी आधार' है। किसी बड़ी संस्था या सरकार के परिचालन के लिए निर्धारित की गई संरचनाओं एवं नियमों को समग्र रूप से 'नौकरशाही' या 'अफसरशाही' या 'ब्यूरो क्रेसी' कहते हैं। शक्ति का विभाजन (औपचारिक रूप से) एवं पदानुक्रम इसके मुख्य लक्षण हैं।

104. 'संथानम समिति' की रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना कब की गई?

(a) मार्च, 1964 ई. में (b) फरवरी, 1964 ई. में

(c) जुलाई, 1963 ई. में (d) मई, 1965 ई. में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

भारत का 'केंद्रीय सतर्कता आयोग' (CVC) भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित भ्रष्टाचार नियंत्रण की सर्वोच्च संस्था है। इसकी स्थापना फरवरी, 1964 में संथानम समिति की रिपोर्ट के आधार पर की गई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संथानम समिति का गठन वर्ष 1962 में किया गया।
- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.संथानम इसके अध्यक्ष थे।
- चार अन्य सांसदों सहित दो वरिष्ठ अधिकारी इसके सदस्य थे।

105. निम्न में से कौन-सा कार्य नौकरशाही का नहीं है?

(a) कानून और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करना

(b) अध्यादेशों की घोषणा करना

(c) राष्ट्रीय बजट को बनाने में मदद करना

(d) अंतर्राष्ट्रीय संधियों को तैयार करने में मदद करना

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

कानून और व्यवस्था बनाए रखने में मदद करना, राष्ट्रीय बजट को बनाने में मदद करना तथा अंतर्राष्ट्रीय संधियों को तैयार करने में मदद करना ये सभी नौकरशाही के अंतर्गत आने वाले कार्य हैं जबकि अध्यादेशों की घोषणा करना, राष्ट्रपति की अध्यादेश प्रस्थापित करने की शक्ति (अनु.123) तथा राज्यपाल की अध्यादेश जारी करने की शक्ति (अनु.213) के अंतर्गत आता है।

106. नौकरशाही है-

(a) ब्रिटेन की देन (b) मध्यवर्गीय सामंतों की कृति

(c) प्राचीन रोम की देन (d) एक आधुनिक विकास

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

नौकरशाही एक आधुनिक विकास का आयाम (व्यवस्था) है। व्यापक दृष्टिकोण में, नौकरशाही से एक ऐसी व्यवस्था का बोध होता है जहां कर्मचारियों को अनुभाग, प्रभाग एवं विभाग आदि श्रेणी शृंखला में विभक्त कर दिया जाता है। इसमें प्रशासकीय सत्ता का लक्ष्य व्यापक जनहित में होता है।

107. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II से कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. मिचेल्स	1. जन-मानस की संकल्पना
B. माओ	2. अवशेषों की संकल्पना
C. पेरेटो	3. लोकयुद्ध की संकल्पना
D. अरस्तू	4. क्रांति की संकल्पना

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	4	2	3
(d)	3	2	1	4

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

सूची-I तथा सूची-II में दिए गए विचारकों के विचारों का सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
मिचेल्स	जन-मानस की संकल्पना
माओ	लोकयुद्ध की संकल्पना
पेरेटो	अवशेषों की संकल्पना
अरस्तू	क्रांति की संकल्पना

108. ''प्रबंधक जो कुछ भी करता है, निर्णयों के द्वारा ही करता है।'' यह कथन किसका है?

(a) पीटर ड्रकर (b) जे.सी. ग्लोवर
(c) जॉर्ज टेरी (d) अर्नेस्ट डेल

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

पीटर ड्रकर निर्णयन सिद्धांत के समर्थक हैं। निर्णय के महत्व को परिभाषित करते हुए पीटर ड्रकर ने कहा था कि ''प्रबंधक जो कुछ भी करता है, निर्णयों के द्वारा ही करता है''।

109. इनमें से किसका नाम वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धांत के साथ जुड़ा हुआ है?

(a) साइमन ग्वोलो (b) विशप साइक्लो
(c) हैंड्रिक गेलर (d) फ्रेडरिक टेलर

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

फ्रेडरिक टेलर का नाम वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत के साथ जुड़ा हुआ है।

110. ''प्रशासन कार्यों के प्रबंध अथवा उनको पूर्ण करने की एक क्रिया है।'' यह व्याख्या किसकी है?

(a) डिमॉक (b) लूथर गुलिक
(c) एपिलबी (d) इनसाइक्लोपीडिया ब्रिटेनिका

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

लूथर गुलिक के अनुसार, ''प्रशासन कार्यों के प्रबंध अथवा उनको पूर्ण करने की एक क्रिया है''। अर्थात प्रशासन की चार विशेषताएं हैं- कार्य विभाजन, पदसोपान, निर्वैव्यक्तिता तथा कार्यकुशलता। गुलिक ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पोस्डकोर्ब शब्द का विशेष रूप से प्रयोग किया है।

111. भारत के जनगणना आयुक्त का कार्यालय संबद्ध होता है-

(a) प्रधानमंत्री सचिवालय (b) लोक सभा सचिवालय से
(c) गृह मंत्रालय से (d) वित्त मंत्रालय से

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

भारत के जनगणना आयुक्त का कार्यालय गृह मंत्रालय से संबंध होता है, जिसका प्रमुख कार्य दशकीय जनगणना कराना होता है।

112. व्हिट्लेवाद का इनमें से किसका संबंध है?

(a) भ्रष्ट कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई से
(b) वित्त विभाग की बजट तैयार करने की प्रक्रिया से
(c) कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की पद्धति से
(d) कर्मचारियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने से

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

वर्ष 1917 में जॉन हेनरी व्हिटले (John Henry Whitely) ने इंग्लैंड के उद्योगों में कर्मचारियों एवं प्रबंधकों के मध्य विवादों के समाधान हेतु अपनी रिपोर्ट दी। इस रिपोर्ट में उन्होंने कुछ कर्मचारियों एवं प्रबंधकों को मिलाकर एक परिषद के निर्माण का सुझाव दिया था जिसे 'व्हीटले परिषद' (Whitley Council) कहा जाता है। यह परिषद कर्मचारियों की समस्याओं एवं विवाद के कारण का समाधान करने का प्रयास करती है। इस मॉडल को कुछ अन्य देशों द्वारा भी अपनाया गया है।

113. 'डिसीजन मेकिंग' के संदर्भ में सटिस्फाइसिंग (Satisficing) का उल्लेख किसने किया था?

(a) क्रिस आर्गिरिस (b) हर्बर्ट साइमन
(c) फ्रेड लुथांस (d) फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

डिसीजन मेकिंग के संदर्भ में सटिस्फाइसिंग (Satisficing) सिद्धांत का प्रयोग हर्बर्ट साइमन ने किया था। 'सीमित तार्किकता' के आधार पर साइमन तुष्टिकरण की अवधारणा विकसित करते हैं। चूंकि पूर्ण तर्कसंगतता असंभव है इसलिए कार्यकारी एक अच्छे चयन से संतुष्ट होता है।

भारतीय संविधान

राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास

1. निम्न में से किसे ''भारतीय राष्ट्रवाद का पैगम्बर तथा आधुनिक भारत का पिता'' कहा जाता है?

(a) राजा राम मोहन राय (b) स्वामी विवेकानन्द
(c) महात्मा गांधी (d) जवाहरलाल नेहरू

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का पिता', भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर, 'अतीत और भविष्य के मध्य सेतु' : भारतीय राष्ट्रवाद का जनक, 'आधुनिक भारत का पिता', प्रथम आधुनिक पुरुष तथा 'युगदूत' कहा गया।

2. सर्वप्रथम किसने अपने लेखन के माध्यम से 'स्वराज्य' की मांग उठाई थी?

(a) राजा राममोहन राय (b) रामकृष्ण परमहंस
(c) स्वामी विवेकानंद (d) स्वामी दयानंद सरस्वती

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

सर्वप्रथम दयानंद सरस्वती ने 'स्वराज्य' शब्द का प्रयोग किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार किया। उन्होंने ही सबसे पहले विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया था। ये सभी विचार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के मुख्य अंग बने।

3. निम्न में से किस आधार पर स्वामी दयानन्द सरस्वती ने सर्वोच्चाता को निर्धारित करने का विरोध किया?

(a) कार्य (b) जन्म
(c) गतिविधि (d) मनोविज्ञान

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

दयानंद सरस्वती (मूलशंकर) ने 7 अप्रैल, 1875 को बंबई में आर्य समाज की स्थापना की, जिसका मुख्य उद्देश्य प्राचीन वैदिक धर्म की शुद्ध रूप से पुनः स्थापना करना था। जन्म के आधार पर स्वामी दयानंद सरस्वती ने सर्वोच्चता को निर्धारित करने का विरोध किया है।

4. सर्वप्रथम किसने 1857 के विद्रोह को 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' कहा?

(a) वी.डी. सावरकर (b) आर.सी. मजुमदार
(c) बिपिन चन्द्र (d) सर जॉन लारेन्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

वी.डी. सावरकर ने अपने पुसतक "The Indian War of Independence 1857" में इस विद्रोह को सुनियोजित स्वतंत्रता संग्राम की संज्ञा दी। उन्होंने इसे स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कहा था।

5. निम्न में किस कानून द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी से सत्ता ब्रिटिश साम्राज्य को हस्तांतरित कर दी गई?

(a) भारत सरकार अधिनियम, 1858
(b) भारत सरकार अधिनियम, 1861
(c) रॉयल टाइटिल्स एक्ट, 1876
(d) इंडियन काउन्सिल्स एक्ट, 1892

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

भारत सरकार अधिनियम 1858 के द्वारा भारत का शासन ब्रिटिश साम्राज्य को हस्तांतरित कर दिया गया। गवर्नर जनरल के पदनाम को बदलकर भारत का वायसराय कर दिया गया, जो ब्रिटिश ताज का प्रत्यक्ष प्रतिनिधि बन गया। लार्ड कैनिंग भारत के प्रथम वायसराय बने।

6. सावारकर जुड़े थे :

(a) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (b) स्वतंत्र लेबर पार्टी
(c) हिंदू महासभा (d) कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

विनायक दामोदर सावरकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रखर राष्ट्रवादी नेता थे। हिंदू राष्ट्र की राजनीतिक विचारधारा को विकसित करने का बहुत बड़ा श्रेय सावरकर को जाता है। सावरकर हिंदू महासभा के अग्रणी नेता थे।

7. भारत में प्रतिनिधि सरकार की नींव किस अधिनियम द्वारा पड़ी-

(a) भारतीय परिषद अधिनियम, 1892
(b) भारत सरकार अधिनियम, 1935

(c) भारतीय परिषद अधिनियम, 1861

(d) सुधार अधिनियम, 1909

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(c)

भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 ने भारत में प्रतिनिधि संस्थाओं को प्रारंभ किया। इसके द्वारा ही सर्वप्रथम भारतीयों को शासन में सम्मिलित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1861 का अधिनियम भारतीय सांविधानिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
- इस अधिनियम ने विधि बनाने के कार्य में भारतीयों के सहयोग का प्रारंभ किया।
- इस अधिनियम ने प्रांतीय विधान सभाओं को विधि बनाने का अधिकार भी दिया जिससे प्रांतीय स्वायत्तता की नींव पड़ी।

8. जब वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित किया गया तब भारत को गवर्नर-जनरल कौन था?

(a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड मैकाले

(c) लॉर्ड इरविन (d) लॉर्ड लिटन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

लॉर्ड रिपन ने 1882 ई. में वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट अथवा देशी भाषा प्रेस अधिनियम को रद्द कर दिया और भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों को अंग्रेजी भाषा के समाचार-पत्रों के समान हीं स्वतंत्रता दे दी। ज्ञातव्य है कि वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट, 1878 में लॉर्ड लिअन (तत्कालीन गवर्नर जनरल) के कार्यकाल (1876-1880 ई.) में पारित हुआ था। इस अधिनियम को 'मुंह बंद करने वाला अधिनियम कहा गया।

9. किसका काल ''भारतीय राष्ट्रवाद का बीजांकुरण काल'' कहा जाता है?

(a) लार्ड विलियम बेंटिक (b) लार्ड रिपन

(c) लार्ड लिट्टन (d) लार्ड कर्जन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

लार्ड लिट्टन (1876-80 ई.) की दमनकारी नीतियों ने भारतीयों को राष्ट्रीयकरण के लिए एकजुट होने के लिए प्रोत्साहित किया। आई.सी.एस. के लिए लिटन ने भारतीयों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 19 कर दिया जो भारतीयों के मांग की विपरीत थी। 1878 ई. के वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट एवं 1878 ई. के शसत्र अधिनियम ने भारतीयों के दमन को प्रभावी किया। इन सभी कृत्यों ने भारतीयों को अंग्रेजी शासन के खिलाफ एकजुट किया इसलिए लिट्टन के कार्यकाल को 'भारतीय राष्ट्रवाद का बीजांकुरण काल' के रूप में वर्णित किया गया है।

10. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए:

सूची-I (महत्वपूर्ण नारे)	सूची-II (नेता)
A. वेदों की ओर लोटो	1. सुभाषचंद्र बोस
B. दिल्ली चलो	2. दयानन्द सरस्वती
C. करो या मरो	3. भगत सिंह
D. इंकलाब जिंदाबाद	4. महात्मा गांधी

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012, 2009

उत्तर—(b)

सही सुमेलन है-

सूची-I (महत्वपूर्ण नारे)	सूची-II (नेता)
वेदों की ओर लोटो	दयानन्द सरस्वती
दिल्ली चलो	सुभाषचंद्र बोस
करो या मरो	महात्मा गांधी
इंकलाब जिंदाबाद	भगत सिंह

11. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का निर्वाचित प्रथम यूरोपीय अध्यक्ष था-

(a) ए.ओ.ह्यूम (b) जॉर्ज यूले

(c) अल्फ्रेड वेब (d) एनी बेसेण्ट

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम निर्वाचित यूरोपीय अध्यक्ष जॉर्ज यूले था। इसने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के चतुर्थ अधिवेशन (1888 ई.) की अध्यक्षता की थी।

12. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरमपंथियों का विश्वास था :

(a) शांतिपूर्ण संवैधानिक तरीकों में

(b) पृथक् सांप्रदायिक निर्वाचन पद्धति में

(c) स्वराज के लिए चरमपंथी तरीके में

(d) सरकारी सेवाओं के बहिष्कार में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नरम दल के नेताओं की आंदोलन की प्रमुख पद्धति राज-वामबध्य आंदोलन (Constitutional Agitation) अर्थात प्रशासन में भारतीयों की भागीदारी की मांग तथा जनता में राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न करना था।

13. भारत को औपनिवेशक स्टेटस दिए जाने की मांग किसने की थी?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) शहीद भगतसिंह

(c) चंद्रशेखर आजाद (d) रासबिहारी बोस

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

दादाभाई नौरोजी (Grand Old Man of India) प्रथम भारतीय थे, जो 1892 ई. में उदारवादी दल की ओर से फिंसबरी से ब्रिटिश संसद के सदस्य चुने गए। अपने प्रवास (1855-69 ई.) के दौरान उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों की समस्याओं से अवगत कराने के उद्देश्य से 'लंदन-इंडियन सोसाइटी' (1865 ई.) तथा 'ईस्ट इंडिया एसोसिएशन (1866 ई.) नामक संस्थाएं स्थापित की थी। दादाभाई नौरोजी तथा अन्य नरम दल के नेता ब्रिटिश शासन के अधीन स्वायत्ता की मांग करते रहे।

14. निम्नलिखित में से कौन से एक वक्तव्य से बाल गंगाधर तिलक संबंधित नहीं है?

(a) वह नरमपंथियों के उद्देश्य एवं तरीकों से प्रसन्न थे।

(b) वह नरमपंथियों के उद्देश्य एवं तरीकों से प्रसन्न नहीं थे।

(c) लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक तरीकों एवं हिंसा में विश्वास रखते थे।

(d) उन्होंने मराठी में केसरी और अंग्रेजी में मराठा नाम के दो साप्ताहिक पत्रों को प्रारंभ किया।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

कांग्रेस नेतृत्व की आवेदन-निवेदन नीति की असफलता ने देश के अंदर और खुद कांग्रेस के अंदर असंतोष पैदा किया। ब्रिटिश सरकार द्वारा लगातार कांग्रेस के प्रति अपनाई जाने वली उपेक्षापूर्ण नीति ने कांग्रेस के युवा नेताओं जैसे- बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय एवं विपिन चंद पाल को अंदर से आदोलित किया। शेष विकल्प सही है।

15. निम्नलिखित उदारवादी नेताओं में से किसे ''चांदी की वाणी वाला वक्ता' कहा गया था?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) गोपाल कृष्ण गोखले

(c) मदन मोहन मालवीय (d) एम.जी. रानाडे

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

गोपाल कृष्ण गोखले उदारवादी नेताओं में अग्रिम पंक्ति के नेता थे। गोखले महात्मा गांधी के राजनीतिक गुरु भी थे। इन्हें चांदी की वाणी वाला वक्ता भी कहा जाता था।

16. गांधीजी द्वारा किसकों अपना राजनीतिक गुरु माना गया?

(a) बी.जी. तिलक (b) जी.के. गोखले

(c) एम.जी. रानाडे (d) सी.आर. दास

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

गोखले अपने राजनैतिक दर्शन में सच्चे उदारवादी थे। वह स्वभाव और मृदु न्यायप्रियता में विश्वास करते थे। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि देश का पुनरुद्धर राजनैतिक उत्तेजना के बवंडरों में नहीं हो सकता। वह साध्य और साधन दोनों की पवित्रता में विश्वास करते थे। गोखले के इन्ही विचारों से प्रभावित होकर गांधीजी ने उन्हें अपना राजनीतिक गुरु बना लिया।

17. गोपाल कृष्ण गोखले किस वर्ष अखिल-भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बने थे?

(a) 1897 (b) 1905

(c) 1907 (d) 1912

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

गोपालकृष्ण गोखले वर्ष 1905 में बनारस अधिवेशन में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बने थे।

18. स्वदेशी आंदोलन प्रारंभ किया गया था-

(a) 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में

(b) 1907 में कांग्रेस के विभाजन के उपरान्त

(c) लखनऊ अधिवेशन के उपरान्त

(d) राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी का प्रवेश चिह्नित करने के लिए।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

कर्जन ने 19 जुलाई, 1905 को बंगाल विभाजन की घोषणा की जिसके परिणामस्वरूप 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता के टाउन हॉल में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा की गई। इसी बैठक में ऐतिहासिक बहिष्कार प्रस्ताव पारित हुआ। स्वेदशी आंदोलन के समय आंदोलन के प्रति जन समर्थन एकत्र करने के उद्देश्य से अश्विनी कुमार दत्त ने 'स्वदेश बांधव समिति' की स्थापना की। तिलक, लाला लाजपत राय तथा अरबिंद घोष ने पूरे देश में स्वदेशी एवं बहिष्कार का प्रचार किया।

19. बंगाल विभाजन के समय कौन-सा आंदोलन प्रारंभ किया गया था?

(a) खिलाफत (b) असहयोग

(c) स्वदेशी (d) सविनय अवज्ञा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. 'बंगाल विभाजन' का वास्तविक उद्देश्य क्या था?

(a) भारत के विभिन्न राष्ट्रवादियों के मध्य विभाजन।

(b) बंगाल में बढत्रती हुइ राष्ट्रीयता की भावना को रोकना।

(c) सुशासन के हित में एक अलग प्रशासकीय इकाई की स्थापना।

(d) मुसलमानों के बृहद् बहुमत को संतुष्ट करना।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

ऊपरी तौर पर यद्यपि ब्रिटिश सरकार ने इसका उद्देश्य प्रशासनिक सुविधा बताया था परंतु वास्तव में बंगाल विभाजन मुख्यत: बंगाली राष्ट्रवाद की वृद्धि को दुर्बल करने के लिए किया गया था। तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन के अनुसार- 'अंग्रेजी हुकूमत का यह प्रयास कलकत्ता को सिंहासनाच्युत करना तथा बंगाली आबादी का बंटवारा था, एक ऐसे केंद्र को समाप्त करना था, जहां से बंगाल एवं पूरे देश में कांग्रेस पार्टी का संचालन होता था। और साजिशे रची जाती थी।

21. सन् 1909 के एक्ट को दूसरे किस नाम से पुकारा जाता है?

(a) राज्य सभा सुधार बिल (b) मोर्ले-मिंटो सुधार

(c) होमरूल बिल (d) मोण्टेग्यू बिल

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

नवंबर, 1906 में लॉर्ड कर्जन के स्थान पर लॉर्ड मिंटो को भारत का वाइसराय नियुक्त किया गया और जॉन मोर्ले को भारत का राज्य-सचिव नियुक्त किया गया। भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 के तहत भारत के वाइसराय लॉर्ड मिंटो भारत के सेक्रेटरी जॉन मोर्ले के विचारों से सहमत थे। इनके द्वारा किए गए सुधारों को इसीलिए 'मोर्ले-मिंटो सुधार' के नाम से जाना जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मोर्ले उदारवादी विचारों के व्यक्ति थे और भारतीय प्रशासन में सुधारों के समर्थक थे।
- मोर्ले-मिंटो सुधार तमाम खासियतों के बावजूद भारतीयों की आकांक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका क्योंकि भारतीयों की मांग थी- एक उत्तरदायित्वपूर्ण सरकार की स्थापना, जो कि पूर्ण नहीं हो सकी।

22. बंगाल विभाजन कब रद्द किया गया?

(a) 1909 में (b) 1910 में

(c) 1911 में (d) 1912 में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

दिसंबर, 1911 में ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम और महारानी मेरी के भारत आगमन पर उनके स्वागत हेतु दिल्ली में एक दरबार का आयोजन किया गया। दिल्ली दरबार में ही 12 दिसंबर, 1911 को सम्राट ने बंगाल विभाजन को रद्द घोषित किया, साथ ही कलकत्ता की जगह दिल्ली को भारत की नई राजधानी बनाए जाने की घोषणा की। घोषणा के अनुरूप बंगाल को एक नए प्रांत के रूप में पुनर्गठित किया गया। उड़ीसा तथा बिहार को इससे अलग कर दिया गया।

23. निम्नलिखित में से कौन 'होम रूल आंदोलन' से संबंधित था?

(a) लाला लाजपत राय

(b) मदन मोहन मालवीय

(c) लोकमान्य तिलक

(d) एम.जी. रानाडे

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

28 अप्रैल, 1916 को तिलक ने पूना में 'होमरूल लीग' की स्थापना की। इसके प्रथम अध्यक्ष जोसेफ बापिस्ता एवं सचिव एन.सी. केलकर थे। तिलक द्वारा सीपित लीग के कमेटी के सदस्यों में जी.आर. खापर्डे, बी.एस. मुंजे एवं आर.पी. करंडीकर चुने गए। तिलक द्वारा स्थापित लीग का प्रभाव कर्नाटक, महाराष्ट्र (बंबई को छोड़कर), मध्य प्रांत एवं बरार तक फैला था।

24. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष कौन थी?

(a) श्रीमती सरोजिनी नायडू (b) श्रीमती एनी बेसेन्ट

(c) श्रीमती कमला नेहरू (d) श्रीमती इंदिरा गांधी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

श्रीमती एनी बेसेंट आंग्ल-आयरलैंड से थीं। वे 1907 से 1933 तक थियोसोफिकल सोसाइटी की प्रधान रहीं, 1916 ई. में होमरूल लीग का गठन किया तथा 1917 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यख बनीं। 1925 ई. में कानपुर में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 40वें अधिवेशन में सरोजनी नायडू कांग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं।

25. भारत में महात्मा गांधी को जन आंदोलन का प्रथम अनुभव हुआ :

(a) चम्पारण में (b) बारदोली में

(c) चौरी-चौरा में (d) डांडी में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

महात्मा गांधी ने भारत में सत्याग्रह आंदोलन की शुरुआत बिहार के चंपारन से की थी। चंपारन में किसानों को एक बीघा जमीन के 3/20 वें भाग (तीन कट्ठा) पर नील की खेती हेतु अंग्रेजों द्वारा बाध्य किया जाता था। इसे तिनकठिया पद्धति कहते थे।

26. निम्नांकित में से किस एक अधिनियम में सिख, यूरोपियन और भारतीय क्रिश्चियनों के लिए सांप्रदायिक निर्वाचन शामिल है?

(a) 1833 का चार्टर ऐक्ट
(b) 1909 का मार्ले-मिन्टो सुधार ऐक्ट
(c) 1919 का भारत शासन अधिनियम
(d) 1935 का भारत शासन अधिनियम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

1935 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा प्रांतों को दोहरे शासन के स्थान पर स्वशासन (Autonomy) मिल गया तथा आरक्षित एवं हस्तांतरित विषयों में भेद समाप्त हो गया। गवर्नरों को आरक्षित तथा बचाव की संज्ञा के अधीन व्यक्तिगत निर्णय तथा 'विवेकाधीन शक्तियों' का प्रयोग करने का भी अधिकार दे दिया गया। इस अधिनियम द्वारा सांप्रदायिक तथा वर्गीय मतदाता मंडलों का विस्तार हुआ और अनुसूचित जातियां, मुसलमान, सिकख, यूरोपीय, भारतीय-ईसाई, एंग्लो-इंडियन तथा भारतीय मुसलमान आदि को पृथक्-पृथक् प्रतिनिधित्व मिला।

27. द्वैध-शासन प्रणाली राज्यों में लागू की गई थी-

(a) 1909 के अधिनियम द्वारा
(b) 1919 के अधिनियम द्वारा
(c) 1935 के अधिनियम द्वारा
(d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

मांटेग्यू चेम्सफोर्ड ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में सांविधानिक सुधार से संबंधित है। भारत में प्रांतों में द्वैध शासन का प्रारंभ मांट-फोर्ड (मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड) सुधार 1919 से प्रारंभ किया गया, जिसे भारत सरकार अधिनियम, 1919 भी कहा जाता है। इस अधिनियम ने पहली बार 'उत्तरदायी शासन' शब्दों का स्पष्ट प्रयोग किया था। इस अधिनियम के तहत प्रांतों में विषयों को 'आरक्षित' एवं 'हस्तांतरित दो भागों में बांटा गया। इनमें हस्तांतरित विषयों का प्रशासन विधायिका के चयनित सदस्यों को सौंपा गया जबकि आरक्षित विषय गवर्नर की कार्यकारिणी के पास ही रहे। यह दोहरी शासन प्रणाली 1921 से 1937 तक 9 प्रांतों में चलता रहा, केवल बंगाल में 1924 से 1927 और मध्य प्रांत में 1924 से 1926 तक निलम्बित रहा।

28. भारत सरकार अधिनियम 1919 निम्न में किस पर आधारित है?

(a) मार्ले मिन्टो सुधार
(b) मान्टेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट
(c) रैमजे मैकडोनाल्ड एवार्ड
(d) नेहरू रिपोर्ट

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. रौलेट एक्ट किस वर्ष में पारित किया गया?

(a) 1931
(b) 1919
(c) 1920
(d) 1942

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

मार्च, 1919 में केंद्रीय विधान परिषद से पास हुआ विधेयक रौलेट एक्ट के नाम से जाना गया, जिसके अनुसार अंग्रेजी सरकार जिसको चाहे, जब तक चाहे, बिना मुकदमा चलाए जेल में बंद रख सकती थी। इस कानून द्वारा वैयक्तिक स्वतंत्रता को सीमित किया गया था।

30. भारत में किस वर्ष से राष्ट्रीय आंदोलन ने जन संगठित आंदोलन का रूप लिया?

(a) 1857
(b) 1885
(c) 1914
(d) 1919

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

रौलेट एक्ट मार्च, 1919 में लागू किया गया था जिसके विरुद्ध गांधीजी ने 6 अप्रैल, 1919 को देशव्यापी हड़ताल का आयोजन कराया था। गांधीजी ने रौलेट सत्याग्रह के लिए तीन राजनीतिक मंचों का उपयोग किया था- होमरूल लीग, खिलाफत एवं सत्याग्रह सभा। अतः राष्ट्रीय आंदोलन में जनसंगठित आंदोलन का रूप, 1919 ई. में रौलेट एक्ट के खिलाफ ही दिखता है।

31. खिलाफत आंदोलन का प्राथमिक उद्देश्य क्या था?

(a) तुर्की के खलीफा को समर्थन प्रदान करना।
(b) भारतीय मुसलमानों की सद्भावना प्राप्त करना।
(c) भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय आन्दोलन की मुख्य धारा में लाना।
(d) भारत में हिन्दू-मुस्लिम एकता सुनिश्चित करना।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

खिलाफत आंदोलन के साथ राष्ट्रवादी आंदोलन में एक नई धारा जुड़ गई। शिक्षित मुसलमानों की युवा पीढ़ी, परंपरागत ईश्वर भक्तों और धर्माचार्यों का एक वर्ग लगातार ज्यादा उग्र और राष्ट्रवादी हो रहा था। हिंदुओं और मुसलमानों द्वारा मिलकर राजनीतिक लड़ाई लड़ने की पृष्ठभूमि लखनऊ समझौते ने पहले ही तैयार कर दी थी। रौलेट एक्ट के विरुद्ध हुए राष्ट्रवादी आंदोलन ने सभी भारतीयों को समान रूप से प्रभावित किया। इसके परिणामस्वरूप राजनीतिक आंदोलन में हिन्दू एवं मुसलमान एक साथ हो गए। राजनीतिक रूप से सजग मुसलमान ब्रिटेन तथा उसके मित्र राष्ट्रों द्वारा तुर्की साम्राज्य के प्रति किए गए व्यवहार से क्षुब्ध थे। मित्र राष्ट्रों ने तुर्की साम्राज्य को विभाजित कर इससे थ्रेस ले लिया था। तुर्की के सुल्तान को कुछ मुस्लिम खलीफा स्वीकार करते थे।

इस मुस्लिमों ने तुर्की के सुल्तान को अपमानित किए जाने का विरोध किया। इसी संदर्भ में अली बंधुओं, मौलाना आजाद, हकीम अजमल खां तथा हसरत मोहानी के नेतृत्व में एक खिलाफ कमेटी बनाई गई। इसके साथ ही पूरे देश में आंदोलन शुरू हो गया। इस आंदोलन को खिलाफत आंदोलन कहते हैं। इस प्रकार खिलाफत आंदोलन का प्राथमिक उद्देश्य तुर्की के सुल्तान अथवा खलीफा को समर्थन प्रदान करना था।

32. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं है?

(a) मोतीलाल नेहरू - नेहरू रिपोर्ट
(b) जिन्ना - खिलाफत आंदोलन
(c) गांधीजी - चम्पारन सत्याग्रह
(d) सुभाष चंद्र बोस - फारवर्ड ब्लॉक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

मुहम्मद अली जिन्ना (जब वे राष्ट्रवादी थे) खिलाफत आंदोलन को देश की स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ने के विरोधी थे। उन्होंने गांधीजी को राजनीति में धर्म को न लाने की सलाह दी थी। उन्होंने खिलाफत आंदोलन में गांधीजी की भागीदारी के विरुद्ध गांधीजी को सावधान किया था कि वे मुस्लिम धार्मिक नेताओं एवं उनके अनुयायियों के कट्टरपन को प्रोत्साहित न करें। जबकि अन्य विकल्प में मोतीलाल नेहरू-नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.), चंपारन सत्याग्रह (1917 ई.) - गांधीजी से एवं सुभाष चंद्र बोस फारवर्ड ब्लॉक (1939 ई.) से सही सुमेलित है।

33. 1919 के जलियांवाला बाग की जांच के लिए जो समिति गठित की गई वह जानी जाती है-

(a) नेहरू समिति (b) प्रारूप समिति
(c) हंटर समिति (d) मुदीमेन समिति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

जलियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919 ई.) की जांच हेतु ब्रिटिश सरकार ने हंटर कमीशन का गठन किया था। कमीशन ने मार्च, 1920 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें इस दुर्घटना के लिए सरकार को दोषी नहीं बताया गया।

34. असहयोग आंदोलन की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं थीं :

1. नामित पदों से त्यागपत्र देना।
2. विधायिका का बहिष्कार।
3. न्यायालयों का बहिष्कार।
4. सरकार के बकाया करों का भुगतान।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) 1, 2, 4 (b) 1, 2, 3
(c) 1, 3, 4 (d) 2, 3, 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को प्रारंभ हुआ किंतु 5 फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड के कारण महात्मा गांधी ने इसे वापस ले लिया था। असहयोग आंदोलन का लक्ष्य 'एक वर्ष के भीतर स्वराज्य की प्राप्ति' था। इसके साथ ही सरकारी उपाधि, स्कूल, न्यायालयों, विदेशी सामानों एवं विधायिका का पूर्णतः बहिष्कार की योजना भी थी।

35. असहयोग आंदोलन के एजेंडा में निम्नलिखित कार्यक्रमों में से क्या सम्मिलित नहीं था?

(a) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार
(b) अदालतों का बहिष्कार
(c) कानूनों की अवमानना
(d) 1919 के अधिनियम के अंतर्गत चुनावों का बहिष्कार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

असहयोग आंदोलन के कार्यसूची में सरकारी उपाधि, स्कूल, न्यायालयों तथा विदेशी सामानों का पूर्णतः बहिष्कार की योजना थी, इसके अतिरिक्त 1919 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों का कांग्रेस ने गांधीजी के निर्देशानुसार बहिष्कार किया था, और 1920 के चुनावों में भाग नहीं लिया। कानूनों की अवमानना संबंधी कोई योजना असहयोग आंदोलन की कार्य सूची में नहीं थी।

36. फरवरी, 1922 में असहयोग आंदोलन के अचानक स्थगित किए जाने पर निम्नांकित में से किसने यह टिप्पणी की :

''जब जन-उत्साह अपनी चरम सीमा पर पहुंच रहा था, उस समय वापसी का आदेश देना एक राष्ट्रीय आपदा से कुछ भी कम नहीं था''?

(a) मोतीलाल नेहरू (b) सुभाष चन्द्र बोस
(c) सी.आर. दास (d) मोहम्मद अली

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

फरवरी, 1922 में असहयोग आंदोलन के अचानक स्थगित किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया में सुभाष चंद्र बोस ने कहा, जब जन-उत्साह अपनी चरम सीमा पर पहुंच रहा था, उस समय वापसी का आदेश देना एक राष्ट्रीय आपदा से कुछ भी कम नहीं था।

37. 'स्वराज दल' की स्थापना का मुख्य मुद्दा क्या था?

(a) जलियांवाला बाग हत्याकांड

(b) प्रांतीय स्वशासन

(c) काउंसिल प्रवेश

(d) बंगाल विभाजन

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(c)

चौरी-चौरा कांड के पश्चात महात्मा गांधी ने फरवरी, 1922 में असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया। सी.आर.दास और मोतीलाल नेहरू ने औपनिवेशिक सत्ता का विरोध जारी रखने के लिए एक नई रणनीति की वकालत करते हुए सुझाव दिया कि राष्ट्रवादी आंदोलनकारी विधान परिषदों (लेजिस्लेटिव काउंसिलों) का बहिष्कार बंद करें। इन काउंसिलों का सदस्य बनकर वे 'पाखंडी संसद' का पर्दाफाश करें। इसी उद्देश्य से सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने 1 जनवरी, 1923 को एक नई पार्टी 'कांग्रेस खिलाफत 'स्वराज पार्टी' के गठन की घोषणा की।

38. निम्नलिखित में से कौन स्वराज पार्टी से संबंधित था?

(a) गोखले (b) बी.जी. तिलक

(c) डॉ. एम.आर. जयकर (d) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

स्वराज पार्टी की स्थापना मार्च, 1923 में सी.आर.दास तथा मोतीलाल नेहरू ने की। डॉ. एम. आर. जयकर भी स्वराज पार्टी से संबंधित थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, गांधी के समर्थक थे तथा वह स्वराज पार्टी के समर्थक नहीं थे। जबकि गोखले एवं बी.जी. तिलक की स्वराज पार्टी (1923) की स्थापना से पूर्व ही मृत्यु हो चुकी थी।

39. महात्मा गांधी कब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष थे?

(a) 1923 में (b) 1924 में

(c) 1925 में (d) 1926 में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

महात्मा गांधी ने केवल एक बार 1924 ई. बेलगाम अधिवेशन की अध्यक्षता की थी। इसी समय कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों अलग हो गए।

40. गांधीजी द्वारा चलाया गया बादोली आंदोलन किसके विरुद्ध था?

(a) भारत में अंग्रेजी शासन (b) किसानों पर अन्याय

(c) न्यायिक व्यवस्था (d) भूमि कर में अधिक वृद्धि

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

1928 में सूरत जिले के बारदोली तालुके में गांधी वादी आंदोलन और सत्याग्रह को पर्याप्त सफलता मिली। बारदोली सत्याग्रह 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन' का सबसे संगठित, व्यापक एवं सफल आंदोलन रहा हैं। यह आंदोलन सरकार द्वारा बढ़ाये गए 30 प्रतिशत कर के विरोध में चलाया गया था।

41. नेहरू समिति रिपोर्ट में निम्नलिखित में से कौन एक संस्तुति नहीं की गई थी?

(a) भारत अन्य अधिराज्यों की तरह माना जाना चाहिए।

(b) केंद्र में मुस्लिमों के लिए सीटें आरक्षित नहीं होंगी।

(c) संसद द्विसदनात्मक हो।

(d) सिंध एक मुस्लिम बहुल प्रांत होगा।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

नेहरू समिति ने अपनी रिपोर्ट अगस्त, 1928 में पेश की, जिसे नेहरू रिपोर्ट कहा गया।

- उत्तरदायी सरकार की स्थापना हो।
- भारत के लिए डोमिनियन स्टेट का प्रावधान हो।
- संयुक्त निर्वाचन मंडल।
- द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका।
- मौलिक अधिकार की व्यवस्था।
- अल्पमत वाले क्षेत्रों में मुस्लिमों को आरक्षण।
- अवशिष्ट शक्तियां केंद्र को इत्यादि।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा एक नेहरू समिति रिपोर्ट, 1928 के स्रोत से भारत के संविधान में समाविष्ट किया गया है?

(a) संघीय शासन (b) निदेशक सिद्धांत

(c) मौलिक अधिकार (d) मौलिक कर्तव्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

संविधान द्वारा प्रतिपादित मौलिक अधिकारों का प्रयोजन संविधान का एक प्रमुख लक्षण है। मौलिक अधिकारों की व्यवस्था का विचार राष्ट्रवादी आंदोलन के दिनों से ही एक प्रबल विचार माना जा रहा था। 1928 की नेहरू रिपोर्ट में मूल अधिकारों का वर्णन किया गया था।

43. निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) मूल अधिकारों को भारतीय संविधान में सम्मिलित करने के लिए 1928 की नेहरू रिपोर्ट ने समर्थन किया था।

(b) 1935 के भारत सरकार अधिनियम में मूल अधिकारों का उल्लेख था।

(c) 1940 के अगस्त प्रस्ताव में मूल अधिकार सम्मिलित थे।

(d) 1942 के क्रिप्स मिशन में मूल अधिकारों का उल्लेख था।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. कांग्रेस ने अपने पूर्ण स्वराज्य के उद्देश्य को किस वर्ष में निर्धारित किया था?

(a) 1925 (b) 1926

(c) 1936 (d) 1929

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(d)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929 ई.) की अध्यक्षता जवाहर लाल नेहरू ने की थी। इसी अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज' का प्रस्ताव पारित कर दिया गया तथा 26 जनवरी को 'स्वतंत्रता दिवस' मनाने का निश्चय किया गया।

45. भारत को पूर्ण आजादी एवं 26 जनवरी को 'स्वतंत्रता दिवस' स्वीकार करने की मांग किसने की?

(a) गोपालकृष्ण गोखले (b) सुरेंद्रनाथ बनर्जी

(c) महात्मा गांधी (d) जवाहरलाल नेहरू

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

पूर्ण स्वराज के संकल्प को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929) में जवाहर लाल नेहरू द्वारा तैयार और प्रस्तुत किया गया था। अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए जवाहरलाल नेहरू ने कहा कि, ''आज हमारा'' बस एक ही लक्ष्य है स्वाधीनता का लक्ष्य''। हमारे लिए स्वाधीनता के मामले है ब्रिटिश साम्राज्यवाद से पूर्ण स्वतंत्रता। वर्ष 1930 की 26 जनवरी को प्रथम स्वाधीनता दिवस मनाया गया तथा उस वर्ष से प्रतिवर्ष 26 जनवरी को स्वाधीनता दिवस मनाया जाने लगा।

46. नमक कानून तोड़ने के लिए गांधीजी ने प्रसिद्ध 'दाण्डी यात्रा' प्रारंभ की थी-

(a) 26 फरवरी, 1929 को

(b) 12 मार्च, 1930 को

(c) 31 दिसंबर, 1930 को

(d) 2 अक्टूबर, 1930 को

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 को अपना प्रसिद्ध 'दांडी मार्च' शुरू किया। उन्होंने साबरमती आश्रम से 78 चुनें हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। 24 दिनों की लंबी यात्रा के बाद उन्होंने 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में सांकेतिक रूप से नमक कानून भंग किया और इस प्रकार नमक कानून तोड़कर उन्होंने औपचारिक रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन गांधीजी के नेतृत्व में पूरे देश में फैल गया। तमिलनाडु में गांधीवादी नेता सी. राजगोपालाचारी ने तिरुचेनगोड आश्रम से त्रिचरापल्ली के वेदारण्यम तक नमक यात्रा की।

47. किसने गांधीजी के 'नमक सत्याग्रह' की तुलना 'नैपोलियन की पेरिस यात्रा' से की थी?

(a) सुभाषचन्द्र बोस (b) जवाहर लाल नेहरू

(c) के.एम. पनिक्कर (d) विंस्टन चर्चिल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

'सुभाषचंद्र बोस' ने गांधीजी के 'नमक सत्याग्रह की तुलना 'नेपोलियन की पेरिस यात्रा' से की थी।

48. भारत में एक पृथक् स्वतंत्र मुस्लिम राज्य के विचार को सर्वप्रथम प्रस्तुत किया था।

(a) मोहम्मद इकबाल ने

(b) रहमत अली ने

(c) मोहम्मद अली जिन्ना ने

(d) सर सैयद अहमद खान ने

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

1930 ई. में मुस्लिम लीग के इलाहाबाद अधिवेशन में अध्यक्षीय भाषण में कवि और राजनैतिक चिंतक मुहम्मद इकबाल ने सर्वप्रथम एक पृथक् मुस्लिम राज्य का प्रस्ताव रखा था। जबकि भारतीय मुसलमानों के लिए पृथक् राज्य 'पाकिस्तान' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र रहमत अली (1933) ने अपने पत्र, जिसका शीर्षक था 'नाउ और नेवर' में प्रस्तुत किया था।

49. सविनय अवज्ञा आंदोलन के अनंतर गढ़वाल पलटन के जवानों ने जिस स्थान पर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था, वह है-

(a) अमृतसर (b) देहरादून

(c) नैनीताल (d) पेशावर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफ्फार के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान गढ़वाल रेजीमेंट के जवानों ने पेशावर में निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर गोली चालने से इंकार कर दिया था।

50. 1932 के सांप्रदायिक पंचाट का निम्न में से किसने विरोध किया था?

(a) एम.के. गांधी (b) बी.आर. अम्बेडकर

(c) बी.जी. तिलक (d) एम.जी. रानाडे

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

गांधीजी ने अपना पहला आमरण अनशन (Fast Unto Death) 20 सितंबर, 1932 को यरवदा जेल में रहते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्से मैक्डोनॉल्ड के 'सांप्रदायिक निर्णय' (Communal Award) के विरुद्ध प्रारंभ किया था जो कि 24 सितंबर, को अंबेडकर और गांधीजी के अनुयायियों के मध्य हुए पूना समझौते के बाद समाप्त हुआ।

51. महात्मा गांधी के अनुसार अहिंसा है-

(a) तीन प्रकार की (b) चार प्रकार की

(c) पांच प्रकार की (d) केवल एक प्रकार की

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

अहिंसा का शाब्दिक अर्थ है 'हिंसा न करना। महात्मा गांधी के अनुसार अहिंसा तीन प्रकार की होती है- प्रथम मनसा-अर्थात मन में किसी का अहित न सोचना, द्वितीय वाचा- किसी को कटु वाणी का प्रयोग कर आहत न करना, तृतीय कर्मणा- कर्म द्वारा भी किसी का अहित न करना।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा एक गांधी के स्वराज की अवधारणा है?

(a) कानून का शासन

(b) योग्य व्यक्तियों का शासन

(c) स्वशासन

(d) सत्ताधारी का शासन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

स्वराज का शाब्दिक अर्थ है- 'स्वशासन'। भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के समय प्रचलित यह शब्द आत्मनिर्णय तथा स्वाधीनता की मांग पर बल देता था। गांधीजी के अनुसार स्वराज का अर्थ है- जनप्रतिनिधियों द्वारा संचालित ऐसी व्यवस्था जो जन-आवश्यकताओं तथा जन-आकांक्षाओं के अनुरूप हो। गांधीजी को पुस्तक हिंदस्वराज, जिसका-शाब्दिक अर्थ है भारत में स्वशासन, 'स्वराज की अवधारणा' को स्पष्ट करती है।

53. सही विकल्प पहचानिये :

''गांधी और नेहरू के विचारों में भिन्नता थी किंतु वे जिस अवधारणा को स्वीकार करते थे वह थी''-

(a) संसदीय लोकतंत्र

(b) योजना द्वारा समाजवाद

(c) पंथ निरपेक्ष समाज की आवश्यकता

(d) देश का विभाजन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

''गांधी और नेहरू के विचारों में भिन्नता होने के बावजूद दोनों पंथ निरपेक्ष समाज की आवश्यकता पर बल देते थे।

54. प्रांतीय स्वायत्तता का प्रावधान निम्न में से किसके अंतर्गत किया गया?

(a) 1935 का भारत सरकार अधिनियम

(b) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम

(c) मार्ले-मिन्टो सुधार

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

भारत का वर्तमान संवैधानिक ढांचा सर्वाधिक 1935 के अधिनियम पर आधारित है। 1935 के मुख्य उपबंध इस प्रकार हैं- 1. संघात्मक सरकार की स्थापना, 2. केंद्र में द्वैध शासन की स्थापना, 3. प्रांतों में स्वायत्त शासन की स्थापना, 4. द्विसदनीय केंद्रीय विधानमंडल, 5. प्रांतीय शासन व्यवस्था, 6. प्रांतीय विधानमंडल, 7. केंद्र एवं प्रांतों में शक्तियों का विभाजन तथा 8. संघीय न्यायालय की स्थापना आदि।

55. भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने-

(a) भारतीय एकात्मक व्यवस्था प्रदान की

(b) अध्यक्षात्मक व्यवस्था प्रदान की

(c) राज्यपाल की शक्तियों की व्याख्या की

(d) भारतीय संघीय व्यवस्था का प्रबंध किया।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1935 का भारत शासन अधिनियम पारित किया गया। इसमें एक अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था। इस संघ का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश भारत के प्रांतों, चीफ कमिश्नर प्रांतों एवं देशी रियासतों से मिलकर होना था।

56. भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने निम्नलिखित में से क्या व्यवस्था की?

(a) अखिल भारतीय एकात्मक व्यवस्था प्रदान की

(b) अध्यक्षात्मक व्यवस्था प्रदान की

(c) राज्यपाल की शक्तियों की व्याख्या की

(d) अखिल भारतीय संघीय व्यवस्था का प्रबंध किया।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. संघ सरकार द्वारा राज्यों को आदेश देने का विचार भारत के संविधान निर्माताओं ने कहां से प्राप्त किया?

(a) 1935 के भारतीय अधिनियम से

(b) अमेरिका के संविधान से

(c) सोवियत संघ के संविधान से

(d) ऑस्ट्रेलियन संविधान से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

संघ सरकार द्वारा राज्यों को आदेश देने का विचार भारत के संविधान निर्माताओं ने भारत शासन अधिनियम, 1935 के तहत प्राप्त किया था।

58. अंबेडकर ने स्वतंत्र मजदूर दल की स्थापना किस वर्ष की थी?

(a) 1935 (b) 1936

(c) 1937 (d) 1938

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा स्वतंत्र मजदूर दल की स्थापना अगस्त 1936 में की गई थी।

59. भारत की संविधान सभा में अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ के सदस्य के रूप में शामिल हुए थे-

(a) बी.आर. अंबेडकर (b) जगजीवन राम

(c) मोतूरी सत्यनारायण (d) आर. शंकर

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

संविधान सभा के लिए निर्वाचित सदस्यों में भारतीय जनजीवन के प्रत्येक क्षेत्र की उत्कृष्टतम विभूतियां सम्मिलित थीं। उनमें भारत के विभिन्न दलों के अध्यक्ष एवं नेता शामिल थे। उदाहरण के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (जवाहरलाल नेहरू), अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ (जगजीवन राम), अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ (डॉ. बी. आर. अंबेडकर) आदि।

60. 1936 में किसने कहा ''गांधीवाद जैसी कोई चीज नहीं है''?

(a) जे.एल. नेहरू (b) मौलाना आजाद

(c) टैगोर (d) महात्मा गांधी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

वर्ष 1936 में गांधीजी ने कहा था ''गांधीवाद जैसी कोई चीज नहीं है और मैं अपने पीछे कोई वाद नहीं छोड़ कर जाना चाहता हूं।''

61. सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ा-

(a) 1940 (b) 1939

(c) 1938 (d) 1937

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन 1938 में सुभाष चंद्र बोस को अध्यक्ष के रूप में पहली बार चुना गया। पुनः 1939 में सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी की परंतु गांधीजी पट्टाभि सीतारमैया को अध्यक्ष बनाने के पक्ष में थे।

62. मुस्लिम लीग ने 'मुक्ति दिवस' मनाया-

(a) 22 दिसंबर, 1939 (b) 25 दिसंबर, 1938

(c) 26 जनवरी, 1939 (d) 15 अगस्त, 1939

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

भारत को द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने का विरोध करने के उद्देश्य से कांग्रेस के सदस्यों ने 22 दिसंबर, 1939 को प्रांतीय मंत्रिमंडल से त्याग पत्र दे दिया था। इसी दिन (22 दिसंबर, 1939) को मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस के रूप में मनाया था।

63. अक्टूबर, 1940 में गांधीजी द्वारा शुरू किया गया व्यक्तिगत सविनय अवज्ञा आंदोलन का प्रथम सत्याग्रही कौन था?

(a) आचार्य विनोबा भावे (b) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(c) डॉ. जे.बी. कृपलानी (d) सरदार वल्लभभाई पटेल

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

अगस्त प्रस्ताव को पूरी तरह अस्वीकार करते हुए कांग्रेस ने गांधीजी के नेतृत्व में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरु किया। यह सत्याग्रह ब्रिटिश सरकार की भारत नीति के प्रति नैतिक विरोध की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति थी। व्यक्तिगत सत्याग्रह की शुरुआत 17 अक्टूबर, 1940 को हुई। विनोबा भावे प्रथम सत्याग्रही थे तथा पं. जवाहरलाल नेहरू दूसरे सत्याग्रही थे।

64. निम्न में से किसने क्रिप्स प्रस्ताव को 'पोस्ट डेटेड चेक' कहा?

(a) जे. नेहरू (b) एम.के. गांधी

(c) बी.आर. अंबेडकर (d) चौधरी रहमत अली

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

ब्रिटिश सरकार ने ब्रिटिश मंत्रिमंडल के एक सदस्य सर स्टैफोर्ड क्रिप्स को भारत भेजने का निर्णय लिया ताकि भारतीय नेताओं के साथ बातचीत करके कोई समाधान ढूंढा जा सके। क्रिप्स भारत में तीन सप्ताह रहे और भारतीय नेताओं के साथ विचार-विमर्श करके उन्होंने अपने प्रस्ताव की घोषणा की। महात्मा गांधी ने इसे 'उत्तर तिथीय चेक' (Post Dated Cheque) की संज्ञा दी।

65. संविधान सभा का गठन प्रस्तावित किया गया था-

(a) क्रिप्स मिशन के द्वारा (b) कैबिनेट मिशन के द्वारा

(c) वेवेल योजना के द्वारा (d) मॉउंटबेटन योजना के द्वारा

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

क्रिप्स मिशन के तहत युद्ध के पश्चात भारत को डोमिनियन अधिराज्य का दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव था। इसके साथ क्रिप्स मिशन द्वारा संविधान निर्मात्री निकाय की रचना के लिए भी प्रस्ताव किया गया था।

66. निम्नलिखित में से कौन युग्म सुमेलित नहीं है?

(वायसराय)	(घटनाएं)
(a) लॉर्ड इरविन	क्रिप्स मिशन
(b) लॉर्ड वैवेल	शिमला पैक्ट
(c) लॉर्ड चेम्सफोर्ड	1919 अधिनियम पारित
(d) लॉर्ड माउंटबेटन	पाकिस्तान की मांग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(*)

स्टैफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन 1942 में भारत आया था। इस समय भारत का वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो (कार्यकाल- 1936 से 1944) था। अतः विकल्प (a) सही सुमेलित नहीं है। 23 मार्च, 1940 को मुस्लिम लीग का अधिवेशन लाहौर में हुआ। इसकी अध्यक्षता मुहम्मद अली जिन्ना ने की। इस अधिवेशन में भारत से अलग एक मुस्लिम राष्ट्र पाकिस्तान की मांग की गई। इस समय भी भारत का वायसराय लॉर्ड लिनलिथगो था। अतः विकल्प (d) भी सही सुमेलित नहीं है। यदि भारत एवं पाकिस्तान के विभाजन की बात की गई होती, तो विकल्प (d) सही सुमेलित होता।

67. 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' अखिल भारतीय कांग्रेस समिति द्वारा पारित किया गया था-

(a) जुलाई, 1942 को (b) अगस्त, 1942 को

(c) अगस्त, 1943 को (d) अगस्त, 1944 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

कांग्रेस कार्य समिति ने वर्धा की अपनी बैठक (14 जुलाई 1942) में संघर्ष के निर्णय को अपनी स्वीकृत दे दी। अगस्त, 1942 में अखिल भारतीय कांगेस समिति की बैठक में भारत छोड़ों प्रस्ताव को अनुमोदित (पारित) किया गया था।

68. महात्मा गांधी द्वारा 'भारत छोड़ो' आंदोलन किस वर्ष आरंभ किया गया था?

(a) 1922 (b) 1942

(c) 1935 (d) 1918

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. भारत छोड़ो आंदोलन कब प्रारंभ हुआ?

(a) 6 अगस्त, 1941 (b) 8 अगस्त, 1942

(c) 17 जुलई, 1943 (d) उपरोक्त में कोई सही नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

7 अगस्त, 1942 को बंबई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वार्षिक बैठक हुई, जिसमें वर्धा प्रस्ताव (भारत छोड़ो) की पुष्टि हुई। थोड़े बहुत संशोधन के बाद 8 अगस्त, 1942 को प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया और भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के तहत अंग्रेजों के विरुद्ध 'भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ करने की घोषणा की गई। 9 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन प्रारंभ हुआ। आंदोलन आरंभ होते ही ऑपरेशन जीरो ऑवर के तहत गांधीजी तथा अन्य चोटी के कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

70. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन की नायिका कौन थीं?

(a) डॉ. एनी बेसेन्ट (b) सुचेता कृपलानी

(c) अरुणा आसफ अली (d) सरोजिनी नायडू

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

अरुणा आसफ अली के बचपन का नाम अरुणा गांगुली था। सन् 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के समय इन्होंने बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन कराया। उनके इस साहसिक कदम से आंदोलन को ताकत मिली। भारत छोड़ो आंदोलन में वे पूर्णकालिक सक्रिय कार्यकर्ता बन गईं। इस आंदोलन के समय वे अपने समाजवादी मित्रों के साथ भूमिगत हो गईं, ताकि आंदोलन का संचालन करने के लिए एक गुप्त केन्द्र बनाया जा सके। सन् 1947 में अरुणा आसफ अली को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस समिति का अध्यक्ष चुना गया था।

71. अपने किस अधिवेशन में मुस्लिम लीग ने यह नारा दिया, ''विभाजन करो और यहां से जाओ''?

(a) लाहौर - 1940 (b) कराची - 1933

(c) लखनऊ - 1931 (d) कराची - 1943

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

23 मार्च, 1943 को मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान दिवस मनाने का आह्वान किया तथा दिसंबर, 1943 के कराची अधिवेशन में 'विभाजन करो और जाओ' नारा दिया गया।

72. निम्नांकित को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ

2. मुस्लिम लीग की स्थापना

3. भारत छोड़ो आंदोलन

4. कांग्रेस द्वारा स्वराज्य को अपना लक्ष्य घोषित करना।

कूट :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 4, 1, 3

(c) 1, 2, 4, 3 (d) 2, 1, 3, 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

स्वदेशी आंदोलन का प्रारंभ - 7 अगस्त, 1905
मुस्लिम लीग की स्थापना - 1906
भारत छोड़ो आंदोलन - 1942
कांग्रेस द्वारा स्वराज्य को अपना लक्ष्य घोषित करना - 1929

73. सूची-I तथा सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. पूना समझौता	**1. 8 अगस्त, 1940**
B. अगस्त प्रस्ताव	**2. 14 जुलाई, 1942**
C. वर्धा प्रस्ताव	**3. 4 जून, 1945**
D. वेवेल योजना	**4. 26 सितंबर, 1932**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	4	1	2	3
(c)	1	2	3	4
(d)	3	4	1	2

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

प्रश्नगत विकल्पों का सही सुमेलन इस प्रकार से है-

पूना समझौता	26 सितंबर, 1932
अगस्त प्रस्ताव	8 अगस्त, 1940
वर्धा प्रस्ताव	14 जुलाई, 1942
वेवेल योजना	4 जून, 1945

74. निम्नांकित युग्मों में कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) साइमन कमीशन 1927

(b) नमक सत्याग्रह 1930

(c) गांधी-इरविन समझौता 1931

(d) वेवेल योजना 1944

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

अक्टूबर, 1943 में लॉर्ड लिनलिथगो के स्थान पर लॉर्ड वेवेल भारत के वायसराय बने। उन्होंने भारतीय संवैधानिक गतिरोध को समाप्त करने के उद्देश्यों से एक विस्तृत योजना बनाई, जो उनके नाम वेवेल योजना से जानी जाती है। वेवेल योजना की घोषणा जून, 1945 में की गई। अतः विकल्प (d) सही सुमेलित नहीं है, जबकि अन्य विकल्पों का सुमेलन सही है।

75. निम्नलिखित में से कौन कैबिनेट मिशन का सदस्य नहीं था?

(a) लॉर्ड वेवेल (b) ए.वी. एलेक्जेंडर

(c) पेथिक लॉरेन्स (d) सर स्टेफोर्ड क्रिप्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 को दिल्ली आया। इसके अध्यक्ष भारत मंत्री लॉर्ड पैथिक लॉरेंस थे तथा अन्य दो सदस्य स्टेफोर्ड क्रिप्स तथा ए.बी. एलेक्जेंडर थे। लॉर्ड वेवेल 1944 में भारत के वायसराय बनकर आए थे।

76. कैबिनेट मिशन भारत कब आया?

(a) 20 अप्रैल, 1945 (b) 24 मार्च, 1946

(c) 26 मार्च, 1946 (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

77. वह स्थान, जहां नौसेना ने 1946 में, भारत में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खुला विद्रोह कर दिया था, है :

(a) बंबई (मुंबई) (b) कलकत्ता

(c) मद्रास (d) कोचीन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

नौसैनिक विद्रोह 18 फरवरी, 1946 को तलवार नामक जहाज पर मुंबई में शुरू हुआ। उन्होंने अपने संघर्ष की शुरुआत करते हुए मुंबई के तट पर तैनात जहाज पर जय हिंद एवं भारत छोड़ो के नारे लिखे। बाद में इस विद्रोह को सरदार वल्लभभाई पटेल के कहने पर समाप्त कर दिया गया।

78. निम्नलिखित में से किस एक ने संस्तुत किया कि समस्त अवशिष्ट शक्तियां प्रांतों में निहित होनी चाहिए?

(a) कैबिनेट मिशन (b) क्रिप्स मिशन
(c) गांधी-इरविन समझौता (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

16 मई, 1946 को कैबिनेट मिशन ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट के अनुसार संघ सूची के अतिरिक्त अन्य सभी विषयों एवं अवशिष्ट विषयों पर प्रांतों का अधिकार होगा।

79. इनमें से कौन अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का सभापति था जब, 6 जून, 1946 को कैबिनेट मिशन योजना पर विचार करने के लिए बंबई में उसका अधिवेशन हुआ था?

(a) सी. राजगोपालाचारी (b) राजेंद्र प्रसाद
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) ए.ओ. ह्यूम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

6 जून, 1946 को बंबई में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का सभापति जवाहर लाल नेहरू को चुना गया था।

80. भारत में प्रथम अंतरिम सरकार की घोषणा कब की गई थी?

(a) 23 अगस्त, 1946 (b) 24 अगस्त, 1946
(c) 25 अगस्त, 1946 (d) 26 अगस्त, 1946

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

कांग्रेस द्वारा वायसराय के नवीनतम प्रस्तावों को स्वीकार कर लेने के बाद 1 अगस्त, 1946 को लॉर्ड वेवेल ने कांग्रेस अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अंतरिम सरकार के गठन के लिए निमंत्रण दिया। 24 अगस्त, 1946 को पं. नेहरू के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरिम राष्ट्रीय सरकार की घोषणा हुई तथा 2 सितंबर, 1946 को इसका गठन हुआ।

81. केंद्र में अंतरिम सरकार की स्थापना हुई थी-

(a) क्रिप्स मिशन के आने के पहले
(b) क्रिप्स मिशन के आने के बाद
(c) कैबिनेट मिशन के आने के बाद
(d) माउंट बेटन की योजना के पेश करने के बाद

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

कैबिनेट मिशन, 1946 द्वारा भारत के लिए कई सुझाव दिए गए थे, जिनमें ''एक अंतरिम सरकार की स्थापना करना जिसे भारत के सभी प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त हो'' भी शामिल था। कैबिनेट मिशन के द्वारा दिए गए प्रस्तावों को भारतीयों ने स्वीकार कर लिया। इसी के अनुसरण में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में सितंबर, 1946 में अंतरिम सरकार की स्थापना की गई।

82. 1946 में भारत में अंतरिम सरकार का मुखिया कौन था?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) महात्मा गांधी
(c) सी. राजगोपालाचारी (d) जवाहरलाल नेहरू

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. संविधान सभा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

1. यह वयस्क मताधिकार पर आधारित नहीं हैं।
2. यह प्रत्यक्ष मतदान का प्रतिफल था।
3. यह बहुदलीय निकाय था।
4. इसने कार्य कई समितियों के माध्यम से किया।

नीचे दिए गए कोड में से सही उत्तर का चयन करें :

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(*)

- इसमें अनेक दलों को प्रतिनिधित्व प्राप्त था।
- संविधान सभा ने संविधान के निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्यों को करने के लिए 22 समितियों का गठन किया।

नोट- आयोग ने इस प्रश्न को मूल्यांकन से बाहर कर दिया गया था।

84. भारतीय संविधान का निर्माण निम्नलिखित में से किसने किया था?

(a) संसद ने
(b) संविधान सभा ने
(c) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने
(d) भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

कैबिनेट अथवा मंत्रिमंडल मिशन योजना, 1946 के अनुसार नवंबर, 1946 में संविधान सभा के सदस्यों का चुनाव किया गया। संविधान सभा की स्थापना 9 दिसंबर, 1946 को इसकी प्रथम बैठक के आरंभ होने के साथ हुई। संविधान सभा द्वारा ही भारतीय संविधान का निर्माण किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान सभा की बैठक में संविधान के प्रारूप पर 8 महीने बहस हुई और इस दौरान उसमें संशोधन किए गए।
- संविधान सभा के 11 अधिवेशन हुए।
- 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा द्वारा भारत को एक संविधान देने का उद्देश्य प्रस्ताव पारित किया गया था।
- 11वें अधिवेशन के अंतिम दिन 26 नवंबर, 1949 को संविधान को अंगीकृत किया गया था।

85. जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव को संविधान सभा ने कब पारित किया?

(a) 26 जनवरी, 1947 (b) 22 जनवरी, 1947
(c) 9 दिसंबर, 1946 (d) 15 अगस्त, 1947

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. भारत में संविधान सभा का निर्माण किस योजना के अंतर्गत हुआ?

(a) मंत्रिमंडल मिशन (b) बेवल योजना
(c) राजगोपालाचार्य योजना (d) शिमला सम्मेलन

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. 'भारतीय संविधान-सभा' (Constitutent Assembly) का स्थापना वर्ष है-

(a) 1946 (b) 1947
(c) 1948 (d) 1949

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

88. कौन-सी योजना के प्रस्ताव से संविधान-सभा की स्थापना हुई?

(a) द क्रिप्स मिशन प्लान
(b) द कैबिनेट मिशन प्लान
(c) द माउंट बेटन प्लान
(d) इनमें से कोई नहीं

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

89. संविधान सभा का गठन किसके अनुसार किया गया?

(a) माउंट-बेटन-योजना (b) वेवल योजना
(c) कैबिनेट मिशन (d) क्रिप्स मिशन

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

90. 'भारतीय संविधान निर्मात्री परिषद' की प्रथम बैठक हुई थी-

(a) 9 अगस्त, 1942 को (b) 26 जनवरी, 1950 को
(c) 15 अगस्त, 1947 को (d) 9 दिसंबर, 1946 को

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

91. भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष थे?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) इंदिरा गांधी
(c) महात्मा गांधी (d) डॉ. भीमराव अंबेडकर

T.G.T. परीक्षा, 2010
T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। 11 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष चुन लिया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान सभा की स्थापना 9 दिसंबर, 1946 को उसकी प्रथम बैठक के आरंभ होने के साथ हुई थी।
- संविधान सभा के सदस्यों का निर्वाचन प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा हुआ था।
- भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ, जबकि 26 नवंबर, 1949 को इसे अंगीकृत, अधिनियमित तथा आत्मार्पित किया गया था।
- भारतीय संविधान के निर्माण में कुल 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन का समय लगा।

92. भारत का संविधान बनने में समय लगा-

(a) 1 वर्ष, 10 माह, 15 दिन (b) 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन
(c) 3 वर्ष, 4 माह, 10 दिन (d) 4 वर्ष, 3 माह, 5 दिन

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

93. भारत के संविधान को अंगीकृत किया गया-

(a) 20 नवंबर, 1949 को (b) 22 नवंबर, 1949 को

(c) 26 नवंबर, 1949 को (d) 28 नवंबर, 1949 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. भारत के संविधान को अंगीकृत और स्वीकार निम्न वर्ष में किया गया:

(a) 1949 (b) 1950

(c) 1951 (d) 1948

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. भारत के संविधान-सभा की पहली बैठक इस दिन हुई।

(a) 26 जनवरी, 1950 (b) 26 नवंबर, 1949

(c) 9 दिसंबर, 1946 (d) 9 दिसंबर, 1949

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. संविधान सभा अंतरिक्ष अध्यक्ष कौन थे?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

(c) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा (d) महात्मा गांधी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

97. भारतीय संविधान के लागू होने की तिथि है-

(a) 26 जनवरी, 1950 (b) 15 अगस्त, 1947

(c) 15 जून, 1945 (d) 2 अक्टूबर, 1946

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) में उल्लेख किया गया है कि 26 नवंबर, 1949 को भारत के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया। संविधान को अपनाने, उसके पूर्ण होने तथा इसको अंतिम रूप देने की तारीख भी 26 नवंबर, 1949 को ही माना जाता है। इसी दिन नागरिकता, अंतः कालीन संसद, अस्थायी और संक्रमण-कालीन उपबंध लागू हो गए। तथापि संविधान के शेष उपबंध 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुए। अतः संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने तथा पूर्ण रूप से क्रियान्वित होने की तिथि के रूप में 26 जनवरी, 1950 को ग्रहण करते हैं। इसी दिन प्रत्येक वर्ष 'गणतंत्र दिवस' मनाया जाता है।

98. भारत का संविधान किस दिन से लागू हुआ?

(a) 15 अगस्त, 1947 (b) 26 नवंबर, 1949

(c) 26 जनवरी, 1950 (d) 9 दिसंबर, 1946

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. स्वाधीन भारत के संविधान पर संविधान सभा के सदस्यों का हस्ताक्षर हुआ था-

(a) जनवरी 20, 1950 को (b) जनवरी 22, 1950 को

(c) जनवरी 23, 1950 को (d) जनवरी 24, 1950 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी, 1950 दिन मंगलवार को राजेंद्र प्रसाद को अंतरिम राष्ट्रपति चुना गया। इसी दौरान सभा में उपस्थित 308 सदस्यों ने भारतीय संविधान पर हस्ताक्षर किया।

100. भारतीय संविधान को किसने अधिनियम बनाया?

(a) डॉ. बी. आर. अंबेडकर

(b) जवाहरलाल नेहरू

(c) महात्मा गांधी

(d) संविधान-सभा

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

101. निम्नलिखित में से कौन भारतीय संविधान सभा का सदस्य नहीं था?

(a) वी.टी. कृष्णामाचारी (b) एच.सी. मुखर्जी

(c) बी. एन. राव (d) के.एम. मुंशी

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

बी.एन. राव संविधान सभा के सदस्य नहीं थे। इन्हें संवैधानिक सलाहकार पद पर नियुक्त किया गया था। बी.टी. कृष्णमचारी राजस्थान से, एच.सी. मुखर्जी पश्चिम बंगाल से तथा के.एम. मुंशी महाराष्ट्र विधानमंडल से संविधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे।

102. भारतीय संविधान सभा में कुल कितनी महिला सदस्याएं थी?

(a) 10 (b) 12

(c) 13 (d) 15

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में कुल महिलाओं की संख्या 15 थी। जिनके नाम इस प्रकार हैं- 1. विजयलक्ष्मी पंडित, 2. राजकुमारी अमृत कौर, 3. सरोजनी नायडू, 4. सुचेता कृपलानी, 5. पूर्णिमा बनर्जी, 6. लीला राय, 7. जी. दुर्गाबाई, 8. हंसा मेहता, 9. कमला चौधरी, 10. रेणुका राय, 11. मालती चौधरी, 12. दक्षायनी वेलायुदन, 13. बेगम एजाज रसूल, 14. ऐनी मस्करीनी, 15. अम्मु स्वामीनाथन।

103. संविधान निर्मात्री परिषद के वैधानिक परामर्शदाता थे-

(a) डॉ. बी.आर. अंबेडकर (b) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(c) बी.एन.राव (d) सरदार वल्लभभाई पटेल

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

संविधान निर्मात्री परिषद (संविधान सभा) के वैधानिक परामर्शदाता (संविधानिक सलाहकार) बी. एन. राव थे। बी.एन. राव ने ही संविधान का पहला प्रारूप तैयार किया था, जिस पर विचार एवं परिवर्तन करके प्रारूप समिति द्वारा संविधान सभा के समक्ष संविधान का मसौदा प्रस्तुत किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान सभा ने 'संघ संविधान समिति' सहित कुछ प्रमुख समितियों का गठन किया था।
- ये मुख्य समितियां तथा उनके अध्यक्ष इस प्रकार हैं-
  (1) नियम समिति- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, (2) संचालन समिति- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, (3) रियासत समिति- डॉ. राजेंद्र प्रसाद, (4) प्रारूप समिति- डॉ. भीमराव अंबेडकर, (5) सलाहकार समिति- सरदार वल्लभ भाई पटेल, (6) संघ शक्ति समिति- जवाहरलाल नेहरू, (7) संघ संविधान समिति- जवाहरलाल नेहरू, (8) प्रांतीय संविधान समिति- सरदार वल्लभ भाई पटेल।

104. संविधान सभा का विधिक सलाहकार कौन था?

(a) सच्चिदानन्द सिन्हा (b) के.एम. मुंशी
(c) बी.एन. राव (d) टी.टी. कृष्णमाचारी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. भारत की संविधान निर्मात्री सभा का कानूनी सलाहकार कौन था?

(a) एच.एन.कुंजरू (b) बी.एन.राव
(c) सच्चिदानन्द सिन्हा (d) बी.आर. अंबेडकर

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

106. 'भारतीय संविधान के वास्तुकार' किसे माना जाता है?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) डॉ. बी. आर. अंबेडकर
(c) बी.एन. राव (d) महात्मा गांधी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

अधिकांश विद्वान 'भारतीय संविधान के वास्तुकार' डॉ. भीमराव अंबेडकर को मानते हैं। कुछ विद्वान बी.एन. राव को इस पदवी से विभूषित करते हैं। प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका को देखते हुए डॉ. अंबेडकर ज्यादा मान्य हैं।

107. भारतीय संविधान की प्रारूप समिति में कितने सदस्य थे?

(a) 9 (b) 5
(c) 7 (d) 11

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

संवैधानिक सलाहकार बी.एन. राव के निर्देशन में तैयार भारतीय संविधान के प्रारूप की समीक्षा के लिए संविधान सभा ने 29 अगस्त, 1947 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अध्यक्षता में 7 सदस्यों की प्रारूप समिति का गठन किया। इस समिति के निम्नलिखित सदस्य थे-
बी.आर. अंबेडकर (अध्यक्ष), एन. गोपाल-स्वामी अयंगर, के.एम. मुंशी, ए.के. स्वामी-अय्यर, सैयद मो. सादुल्ला, बी.एल. मित्र (इनके स्थान पर माधवराव सदस्य बने) डी.पी. खेतान (इनकी मृत्यु पर टी. कृष्णमचारी सदस्य बने)।

108. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संविधान सभा में निम्न में किसके अध्यक्ष थे?

(a) संघीय समिति (b) प्रारूप समिति
(c) प्रान्तीय समिति (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

109. संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष कौन था?

(a) एन.जी. आय्यंगर
(b) के.एम. मुंशी
(c) डी.पी. खेतान
(d) बी.आर. अंबेडकर

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

110. संविधान सभा के अपने समापन भाषण में डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने निम्न में से किसे अपनी 'त्रिमूर्ति' में नहीं चुना था?

(a) स्वतंत्रता (b) लचीलापन

(c) समानता (d) भ्रातृत्व

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

डॉ.बी. आर. अंबेडकर ने संविधान सभा में अपने समापन भाषण में लचीलेपन को त्रिमूर्ति के अंतर्गत नहीं रखा था। डॉ. अंबेडकर की त्रिमूर्ति में शामिल हैं।- स्वतंत्रता, समानता और भातृत्व।

111. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं, एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। इन वक्तव्यों के संदर्भ में, नीचे उल्लेखित कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए -

कथन (A) : भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ने भारत में ब्रिटिश शासन का अंत किया।

कारण (R) : भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ने भारत के लिए एक नए विस्तृत संविधान की व्यवस्था की।

कूट :

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) करता है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता।

(c) (A) सही है, किंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, किंतु (R) सही है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (c) सही उत्तर है। भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ब्रिटिश संसद द्वारा पारित वह विधान है जिसके अनुसार भारत स्वतंत्र हुआ और भारत का दो भागों में विभाजन हुआ। यह अधिनियम 18 जुलाई 1947 को स्वीकृत हुआ। अतः कथन (A) सत्य है।
किंतु भारत का संविधान भारत के लोगों द्वारा निर्वाचित संविधान सभा द्वारा बनाया गया। इसलिए कारण (R) सत्य नहीं है।

112. दी इंडियन इंडिपेंडेंस बिल, जिसका लक्ष्य भारत तथा पाकिस्तान के बीच ब्रिटिश इंडिया का विभाजन करना था, को ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत किया गया था-

(a) जुलाई 2, 1947 को (b) जुलाई 4, 1947 को

(c) जुलाई 8, 1947 को (d) अगस्त 10, 1947 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

'दी इंडियन इंडिपेंडेज बिल 4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश संसद में प्रस्तुत किया गया था। 18 जुलाई को पारित होने के पश्चात इस अधिनियम ने भारत शासन अधिनियम 1935 का स्थान ग्रहण किया। इस अधिनियम का उद्देश्य भारत और पाकिस्तान दो स्वतंत्र राज्यों की स्थापना था।

113. इनमें से कौन भारत का वायसराय था, जब अगस्त, 1947 में भारत तथा पाकिस्तान के बीच ब्रिटिश इंडिया का विभाजन हुआ था?

(a) लॉर्ड लुइस माउंटबैटेन (b) लॉर्ड कर्जन

(c) लॉर्ड इरविन (d) लॉर्ड डफरिन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

अगस्त, 1947 में ब्रिटिश इंडिया का भारत और पाकिस्तान की स्वतंत्रता और विभाजन के समय लार्ड लुइस माउंटबेटन भारत के वायसराय थे। 8 जून, 1947 को इनके द्वारा प्रस्तुत योजना के कार्यान्वयन के लिए इस अधिनियम को पारित किया गया।

114. निम्नलिखित में से किस कांग्रेस सदस्य ने माउंटबेटन योजना को अस्वीकार किया?

(a) जे.बी. कृपलानी

(b) जी.बी. पन्त

(c) मौलाना अबुल कलाम आजाद

(d) सरदार पटेल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

नेहरू और पटेल के पश्चात अंततः महात्मा गांधी ने भी माउंटबेटन योजना को स्वीकार कर लिए लेकिन मौलाना अबुल कलाम आजाद ने इस योजना का अंत तक विरोध किया।

115. भारत एक गणतंत्र राज्य बना-

(a) 1947 में (b) 1948 में

(c) 1949 में (d) 1950 में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

संविधान सभा ने कुल मिलाकर 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन के अथक और निरंतर परिश्रम के पश्चात 26 नवंबर, 1949 तक संविधान के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया। संविधान के कुछ उपबंध तो उसी दिन 26 नवंबर, 1949 को प्रवृत्त हो गए और शेष उपबंध 26 जनवरी, 1950 को प्रवृत्त हुए जिसे 'संविधान के प्रवर्तन की तारीख' कहा जाता है तथा इसी तिथि से भारत एक गणतंत्र राज्य बना।

116. भारत का संविधान निर्मित हुआ था-

(a) 2 जनवरी, 1930 को (b) 15 अगस्त, 1947 को

(c) 26 नवंबर, 1949 को (d) 26 जनवरी, 1950 को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

117. 'ऑपरेशन विजय' किसे मुक्त कराने के लिए प्राप्त किया गया था?

(a) पांडिचेरी

(b) जम्मू और कश्मीर

(c) अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह

(d) गोवा

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

भारत द्वारा वर्ष 1961 में गोवा को पुर्तगालियों से मुक्त कराने के लिए चलाए गए सैन्य अभियान का कूटनाम 'ऑपरेशन विजय' था।

118. राममनोहर लोहिया जाने जाते हैं-

(a) व्यक्तिवादी विचारक के रूप में

(b) दलीय व्यवस्था संबंधी विचारों के लिए

(c) मूल्य विहीन व्यवस्था के लिए

(d) समाजवादी अवधारणा के लिए

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

राम मनोहर लोहिया भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिन्तक तथा समाजवादी विचारक थे। वे समाजवादी भी इस अर्थ में थे कि समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था और वे अपने कार्यक्षेत्र को जनमंगल की अनुभूतियों से महकाना चाहते थे। प्रमुख रचनाएं- 'गिल्टी मैन आफ इंडियाज पार्टीशन', हवी ऑफ हिस्ट्री, मार्क्स, गांधी एवं शोशलिज्म।

119. यह किसने कहा था कि पूर्णतया 'वचनबद्ध नौकरशाही' ही वह सामाजिक परिवर्तन ला सकती है जो पंचवर्षीय योजनाओं और प्रगतिशील विधान में निहित है?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) इंदिरा गांधी

(c) वी.पी. सिंह (d) चन्द्रशेखर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

आपात काल के दौरान इंदिरा गांधी ने वचन बद्ध नौकरशाही की वकालत की। इस प्रतिबद्धता का अर्थ उस वक्त सरकार प्रतिबद्धता थी। उनकी इस अवधारणा का बहुत विरोध हुआ।

अनुच्छेद

1. भारतीय संविधान में अनुच्छेदों की संख्या है-

(a) 445 (b) 392

(c) 546 (d) 395

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग एवं 12 अनुसूचियां हैं। संशोधन द्वारा जो अनुच्छेद जोड़े जाते हैं, उन्हें मूल अनुच्छेदों में उपखंड के रूप में समायोजित कर दिया जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के मूल पाठ में 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं।
- वर्तमान में मूल अनुच्छेदों के साथ उपखंड (अर्थात् क, ख, ग) जोड़ने पर कुल अनुच्छेदों की संख्या लगभग 450 है, परंतु मूल अनुच्छेद 395 ही हैं।

2. ''भारत राज्यों का संघ है।'' यह किस अनुच्छेद के अंतर्गत घोषित है?

(a) अनुच्छेद 1 (b) अनुच्छेद 2

(c) अनुच्छेद 3 (d) अनुच्छेद 4

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

अनुच्छेद 1 के अनुसार, भारत अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा। राज्य और उनके राज्य-क्षेत्र वे होंगे जो पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं। भारत के राज्यक्षेत्र में- (क) राज्यों के राज्य क्षेत्र, (ख) पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट संघ राज्य क्षेत्र, और (ग) ऐसे अन्य राज्य क्षेत्र जो अर्जित किए जाएं, समाविष्ट होंगे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 2 नए राज्यों का प्रवेश या स्थापना से संबंधित है।
- अनु. 3 नए राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन संबंधी उपबंध करता है।
- अनु. 4 पहली अनुसूची और चौथी अनुसूची के संशोधन तथा अनुपूरक, आनुषंगिक और पारिणामिक विषयों का उपबंध करने के लिए अनु. 2 और 3 के अधीन बनाई गई विधियां संबंधी प्रावधान करता है।

3. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 1 भारत का वर्णन इस तहर करता है-

(a) अर्ध संघीय राज्य (b) संघीय राज्य

(c) ऐकिक राज्य (d) राज्यों का संघ

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. भारत का संविधान भारत को निम्नलिखित में से क्या घोषित करता है?

(a) एक स्वैच्छिक संघ (b) एक परिसंघ

(c) राज्यों का एक यूनियन (समूह) (d) एक संघ

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारतीय संविधान का जो अनुच्छेद, संसद को नागरिकता के अधिकार को नियमित करने की शक्ति प्रदान करता है, वह है-

(a) 8 (b) 9

(c) 10 (d) 11

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(d)

अनुच्छेद-11 के अनुसार संसद को नागरिकता के अर्जन और समाप्ति के तथा नागरिकता से संबंधित अन्य सभी विषयों के संबंध में नियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है।

6. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में 'राज्य' को परिभाषित किया गया है?

(a) 33 (b) 35

(c) 12 (d) 34

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-12 के अनुसार राज्य के अंतर्गत भारत की सरकार और संसद तथा राज्यों में से प्रत्येक राज्य की सरकार और विधान मंडल तथा भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर या भारत सरकार के नियंत्रण के अधीन सभी स्थानीय और अन्य प्राधिकारी हैं।

7. सर्वोच्च न्यायालय को संविधान के किस अनुच्छेद समूह से 'न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति' प्राप्त होती है?

(a) अनुच्छेद 12, 351 तथा 356 से

(b) अनुच्छेद 12, 151 तथा 156 से

(c) अनुच्छेद 13, 251 तथा 254 से

(d) अनुच्छेद 21, 24 तथा 25 से

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

उच्चतम न्यायालय को संविधान के अनुच्छेदों 13, 251 तथा 254 से न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति प्राप्त होती है। अनुच्छेद 13 में मूल अधिकारों से असंगत विधियों को शून्य घोषित करने की शक्ति उच्चतम न्यायालय को प्रदान की गई है। अनुच्छेद 251 और 254 में संघीय और राज्य विधियों में विसंगति होने पर राज्य विधियों के शून्य होने का प्रावधान है।

8. न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति संविधान के अंतर्गत किस अनुच्छेद में दी गई है?

(a) अनुच्छेद 13 में (b) अनुच्छेद 14 में

(c) अनुच्छेद 19 में (d) अनुच्छेद 21 में

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. भारतीय संविधान के निम्नांकित अनुच्छेदों में से कौन संसद तथा राज्य व्यवस्थापिकाओं की विधायन सत्ता पर नियंत्रण लगाता है?

(a) अनुच्छेद 13 (b) अनुच्छेद 245

(c) अनुच्छेद 246 (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

भारत के संविधान का अनुच्छेद-13, अनुच्छेद 245 तथा अनुच्छेद 246 संसद तथा राज्य व्यवस्थापिकाओं की विधायन सत्ता पर नियंत्रण लगाता है।

10. भारतीय संविधान में समानता के अधिकार मुख्यतः किन अनुच्छेदों में हैं?

(a) अनु. 14 से 18 (b) अनु. 14 से 20

(c) अनु. 18 से 22 (d) अनु. 22 से 26

P.G.T. परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

भारतीय संविधान के भाग III के अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों की व्यवस्था की गई है। जिसके अंतर्गत अनुच्छेद 14 से 18 तक समानता के अधिकार की व्यवस्था की गई है। अनुच्छेद 14, 15, 16, 17 एवं 18 में क्रमशः विधि के समक्ष समानता, धर्म, मूल जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव निषेध, लोक नियोजन में अवसर की समानता, अस्पृश्यता का अंत तथा उपाधियों का अंत का वर्णन है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 19 से 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार की व्यवस्था की गई है, जिसमें क्रमशः वाक् एवं विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनु. 19), अपराधों के लिए दोष-सिद्धि के संबंध में संरक्षण (अनु. 20), प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (अनु. 21), कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण (अनु. 22) का वर्णन है।
- अनुच्छेद 23 और 24 तक शोषण के विरुद्ध अधिकार की व्यवस्था की गई है, जिसमें क्रमशः मानव और दुर्व्यापार एवं बलातश्रम का प्रतिषेध (अनु. 23), कारखानों एवं जोखिम भरे कार्यों में बालकों के नियोजन पर रोक (अनु. 24) का वर्णन है।

- अनुच्छेद 25 से 28 तक धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार की व्यवस्था की गई है, जिसमें क्रमशः अंतःकरण की और धर्म को अबाधरूप से मानने, आचरण एवं प्रचार करने की स्वतंत्रता (अनु. 25), धार्मिक कार्यों के प्रबंधन की स्वतंत्रता (अनु. 26), किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता (अनु. 27) का वर्णन है।
- अनुच्छेद 29 से 30 तक संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार की व्यवस्था की गई है जिसमें क्रमशः अल्पसंख्यक वर्गों के हितों का संरक्षण (अनु. 29), शिक्षा संस्थाओं की स्थापना करने के अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार (अनु. 30) का वर्णन है।
- अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों के अधिकार की व्यवस्था की गई है।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

मौलिक अधिकार		**अनुच्छेद**
(a) समानता का अधिकार	:	**14-18**
(b) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार	:	**23-24**
(c) संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार	:	**29-30**
(d) स्वतंत्रता का अधिकार	:	**19-22**

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. भारतीय संविधान में समानता का अधिकार पांच अनुच्छेदों द्वारा प्रदत्त किया गया है। वे हैं-

(a) अनुच्छेद 16 से 20 (b) अनुच्छेद 14 से 18
(c) अनुच्छेद 15 से 19 (d) अनुच्छेद 13 से 17

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 की धारा 4 पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिए किसको विशेषाधिकार देती है?

(a) व्यक्ति (b) केंद्र
(c) सामाजिक समूह (d) राज्यों को

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 की धारा (4) पिछड़े वर्गों के आरक्षण के लिए केंद्र सरकार को विशेषाधिकार प्राप्त है।

14. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अस्पृश्यता का अंत किया गया?

(a) अनुच्छेद 15 (b) अनुच्छेद 16
(c) अनुच्छेद 17 (d) अनुच्छेद 18

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 15– धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग एवं जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध।
अनुच्छेद 16– लोक नियोजन के विषयों में अवसर की समानता।
अनुच्छेद 17– अस्पृश्यता का अंत।
अनुच्छेद 18– उपाधियों का अंत।

15. भारत के संविधान का अनुच्छेद 17 संबंधित है-

(a) उपाधियों के अंत से (b) अस्पृश्यता के अंत से
(c) प्रेस की स्वतंत्रता से (d) विधि के समक्ष समानता से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी किस अनुच्छेद द्वारा दी गई है?

(a) अनुच्छेद 17 (b) अनुच्छेद 18
(c) अनुच्छेद 19 (d) अनुच्छेद 20

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद-19 में प्रदत्त स्वतंत्रता का अधिकार नागरिकों को 6 प्रकार की स्वतंत्रताओं का आश्वासन देता है।

17. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में निम्नलिखित में से कौन-सी एक स्वतंत्रता प्रदत्त नहीं है?

(a) सभा की स्वतंत्रता
(b) भ्रमण की स्वतंत्रता
(c) धर्म की स्वतंत्रता
(d) निवास तथा बस जाने की स्वतंत्रता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

अनुच्छेद-19 के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित कुल छः प्रकार की स्वतंत्रताएं प्रदान की गई हैं।
1. वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
2. शांतिपूर्वक निरायुध सम्मेलन की स्वतंत्रता
3. संगत या संघ बनाने की स्वतंत्रता
4. भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र अवाध संचरण की स्वतंत्रता
5. राज्य क्षेत्र में निवास करने एवं बस जाने की स्वतंत्रता
6. कोई वृत्ति, व्यापार या कारोबार करने की स्वतंत्रता
इनमें धर्म की स्वतंत्रता की कही बात नहीं की गई है।

18. भारतीय संविधान में शोषण के विरुद्ध अधिकार किन अनुच्छेदों द्वारा प्रदान किए गए हैं?

(a) अनुच्छेद 16 से 20 (b) अनुच्छेद 23 से 24

(c) अनुच्छेद 25 से 28 (d) अनुच्छेद 29 से 30

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

भारतीय नागरिकों को छः प्रकार के मूल अधिकार प्राप्त हैं-

1- समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18 तक)

2- स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22 तक)

3- शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24 तक)

4- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28 तक)

5- संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30 तक)

6- संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

19. अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?

(a) 28 में (b) 29 में

(c) 29 और 30 में (d) 30 में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में अनुच्छेद-30 के अनुसार धर्म या भाषा आधारित सभी अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी रूचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन का अधिकार होगा। इस प्रकार अल्पसंख्यक शब्द का प्रयोग भारत के संविधान के अनुच्छेद-30 में किया गया है।

20. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अल्पसंख्यक वर्ग के हितों के संरक्षण से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 17 (b) अनुच्छेद 29

(c) अनुच्छेद 30 (d) अनुच्छेद 31

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अनुच्छेद संवैधानिक उपचारों का अधिकार प्रदान करता है?

(a) अनुच्छेद 29 (b) अनुच्छेद 30

(c) अनुच्छेद 31 (d) अनुच्छेद 32

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

संविधान का अनुच्छेद 32 संवैधानिक उपचार का अधिकार प्रदान करता है या मूल अधिकारों का संरक्षण का अधिकार स्वयं में ही मूल अधिकार है। डॉ. अंबेडकर के अनुसार, 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' संविधान की आत्मा है।

22. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में कितने प्रकार की रिटें हैं?

(a) 4 (b) 5

(c) 6 (d) 7

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

अनुच्छेद-32 के अनुसार नागरिक मूल अधिकार लागू कराने के लिए न्यायालय 5 प्रकार की रिटें जारी कर सकता है।

1. बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)
2. परमादेश (Mandamus)
3. प्रतिषेध लेख (Prohibition)
4. उत्प्रेषण (Certiorari)
5. अधिकार पृच्छा लेख (Quo-warranto)

23. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत पंचायतों के गठन का प्रावधान है?

(a) अनुच्छेद 39 (b) अनुच्छेद 40

(c) अनुच्छेद 41 (d) अनुच्छेद 42

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

संविधान का अनुच्छेद 40 ग्राम पंचायतों के गठन का प्रावधान करता है। इस अनुच्छेद के अनुसार, राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनकों ऐसी शक्तियां और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 39 'राज्य द्वारा अनुसरणीय कुछ नीति तत्व' संबंधी प्रावधान करता है।
- अनुच्छेद 41 'कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार' संबंधी प्रावधान करता है।
- अनुच्छेद 42 'काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध' करता है।

24. हमारे संविधान के किस अनुच्छेद में 'पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन' उपबंधित है?

(a) अनुच्छेद 48 (b) अनुच्छेद 48 (क)

(c) अनुच्छेद 47 (d) अनुच्छेद 47 (क)

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

भारत के संविधान में अनुच्छेद 48 (क) के अनुसार, राज्य, देश के पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन का तथा वन एवं वन्य जीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।
अनुच्छेद-48 के अनुसार, राज्य कृषि और पशुपालन को आधुनिक तथा वैज्ञानिक ढंग से संगठित करने का प्रयास करेगा।
अनुच्छेद-47 के अनुसार, राज्य लोगों के पोषाहार स्तर, जीवन स्तर ऊंचा करने तथा लोक स्वास्थ्य आदि सुधारने का प्रयास करेगा।

25. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को प्रोत्साहित करने की शक्ति है?

(a) अनुच्छेद 48 (b) अनुच्छेद 49
(c) अनुच्छेद 50 (d) अनुच्छेद 51

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 के तहत राज्य को अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को प्रोत्साहित करने की शक्ति प्राप्त है। उसी प्रकार-
अनु. 48 - कृषि एवं जीव संगठनों के संरक्षण।
अनु. 49 - राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण।
अनु. 50 - कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण।

26. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 50 (b) अनुच्छेद 51
(c) अनुच्छेद 52 (d) अनुच्छेद 53

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 के अंतर्गत राज्य के नीति निदेशक तत्वों में अंतरराष्ट्रीय और सुरक्षा की अभिवृद्धि का उल्लेख है। इसके अनुसार राज्य-(a) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का (b) राष्ट्रों के बीच न्याय संगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का (c) संगठित लोगों के एक-दूसरे से व्यवहारों में अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का और (d) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता (Arbitration) द्वारा निपटारे के लिए प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अनुच्छेद भारतीय संविधान में निर्दिष्ट भाग-4 के अंतर्गत पंचनिर्णय के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान को प्रोत्साहित करता है?

(a) अनुच्छेद 48 (b) अनुच्छेद 49
(c) अनुच्छेद 50 (d) अनुच्छेद 51

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद भारतीय विदेश नीति से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 51 (b) अनुच्छेद 60
(c) अनुच्छेद 312 (d) अनुच्छेद 380

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 50 (b) अनुच्छेद 51
(c) अनुच्छेद 52 (d) अनुच्छेद 53

Uttarakhand Asst. Pro. परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में है?

(a) 49 (b) 50
(c) 52 (d) 51 (ए)

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के भाग 4 (क) के अंतर्गत अनुच्छेद 51(क) के अंतर्गत मूल कर्तव्यों का प्रावधान है। स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया है।

31. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 51 (b) अनुच्छेद 51(A)
(c) अनुच्छेद 50 (d) अनुच्छेद 53

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. ''भारत के राष्ट्रपति की पद अवधि पद ग्रहण की तिथि से पांच वर्ष की होती है किंतु वह पुनर्निर्वाचन का पात्र है।'' यह व्याख्या है-

(a) अनुच्छेद 56-57 (b) अनुच्छेद 53-54
(c) अनुच्छेद 58-59 (d) अनुच्छेद 65-66

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 56 के अनुसार, राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तिथि से पांच वर्ष की अवधि तक अपने पद पर बना रहता है। अनुच्छेद 57 के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति पद पर पदस्थ व्यक्ति दूसरे कार्यकाल के लिए भी चुनाव में उम्मीदवार बन सकता है।

33. भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया का वर्णन संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?

(a) अनुच्छेद 52 (b) अनुच्छेद 61
(c) अनुच्छेद 57 (d) अनुच्छेद 59

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया का वर्णन संविधान के अनुच्छेद 61 में वर्णित है।
अनुच्छेद 52 में भारत का राष्ट्रपति।
अनुच्छेद 57 में राष्ट्रपति के पुनर्निर्वाचन के लिए पात्रता।
अनुच्छेद 59 में राष्ट्रपति की परिलब्धियां और उसके भत्ते उसके कार्यकाल में घटाये नहीं जा सकते हैं।

34. भारत के राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत मंत्रिमंडल की सलाह मानने को बाध्य हैं?

(a) 74वां (b) 76वां
(c) 78वां (d) 80वां

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

अनुच्छेद 74 में प्रावधान है कि राष्ट्रपति को सहायता एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान, प्रधानमंत्री होगा और राष्ट्रपति अपने कृत्यों का प्रयोग ऐसी सलाह के अनुसार करेगा। 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा इसमें एक महत्वपूर्ण उपबंध जोड़ा गया जिसके अनुसार, राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह को पुनर्विचार के लिए लौटा सकता है, पर पुनर्विचार के पश्चात दी गई सलाह के अनुसार कार्य करने को वह बाध्य होगा।

35. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत का राष्ट्रपति संघीय कैबिनेट की सलाह मानने के लिए बाध्य है?

(a) अनुच्छेद 78 (b) अनुच्छेद 80
(c) अनुच्छेद 81 (d) अनुच्छेद 74

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति को सूचना का अधिकार दिया गया है?

(a) अनुच्छेद 52 में (b) अनुच्छेद 61 में
(c) अनुच्छेद 78 में (d) अनुच्छेद 75 में

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 78 के अनुसार, प्रधानमंत्री का यह कर्तव्य होगा कि वह देश के प्रशासनिक एवं विधायी मामलों तथा मंत्रिपरिषद के निर्णयों के संबंध में राष्ट्रपति को सूचना दे, यदि राष्ट्रपति इस प्रकार की सूचना प्राप्त करना आवश्यक समझे।

37. संविधान के किस अनुच्छेद में धन विधेयक संबंधी विशेष प्रक्रिया का वर्णन किया गया है?

(a) 105 (b) 215
(c) 109 (d) 249

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

संविधान का अनुच्छेद 109 धन विधेयक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का उल्लेख करता है। धन विधेयक की परिभाषा अनुच्छेद 110 में वर्णित है।

38. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद का संबंध वित्त विधेयक से है?

(a) 260 (b) 355
(c) 109 (d) 365

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. धन विधेयक को परिभाषित किया गया है-

(a) अनुच्छेद 110 में (b) अनुच्छेद 111 में
(c) अनुच्छेद 112 में (d) अनुच्छेद 113 में

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक को परिभाषित किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

संविधान के अनुच्छेद 110 के अनुसार कोई विधेयक धन विधेयक समझा जाता है यदि उसमें केवल निम्न सभी या किन्हीं विषयों से संबंधित उपबंध हैं-

- किसी कर का अधिरोपण, उत्सादन, परिहार, परिवर्तन या विनियमन।
- सरकार द्वारा धन उधार लेने का विनिमयन।
- भारत की संचित निधि या आकस्मिकता निधि में धन जमा करना या निकालना।
- किसी व्यय को भारत की संचित निधि पर भारित घोषित करना या बढ़ाना।
- भारत की संचित निधि या भारत के लोक लेखा मदें धन प्राप्त करने अथवा ऐसे धन की अभिरक्षा या उसके निर्गमन अथवा संघ या राज्य के लेखाओं की संपरीक्षा आदि।

40. संविधान के किस अनुच्छेद में उच्चतम न्यायालय की स्थापना एवं संरचना का वर्णन किया गया है?

(a) अनुच्छेद 124 (b) अनुच्छेद 123

(c) अनुच्छेद 122 (d) अनुच्छेद 121

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय के गठन के संबंध में प्रावधान किया गया है तथा उच्चतम न्यायालय की संरचना की भी बात की गई है। प्रारंभ में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त सात थी। वर्ष 2008 में एक अधिनियम के तहत मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या 31 रखने का प्रावधान किया गया है।

41. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की व्यवस्था है?

(a) 124 (b) 125

(c) 126 (d) 127

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 127 के अनुसार मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्तियां भी कर सकता है उच्च न्यायालय के ऐसे न्यायाधीश जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता रखते हों, राष्ट्रपति संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के आधार पर तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है। भारत में संघीय न्यायालय की स्थापना 1 अक्टूबर, 1937 को की गई। इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर मौरिस ग्वेयर थे।

42. भारत के संविधान का निम्न में से कौन-सा एक अनुच्छेद राष्ट्रपति को नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक नियुक्त करने की शक्ति प्रदान करता है?

(a) अनुच्छेद 147 (b) अनुच्छेद 148

(c) अनुच्छेद 149 (d) अनुच्छेद 150

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

अनुच्छेद-148 के अनुसार भारत का एक नियंत्रक महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General of India) होगा, जिसको राष्ट्रपति नियुक्त करेगा तथा यह अपने पद से उसी रीति एवं आधारों से हटाया जाएगा। जिस रीति एवं आधारों से उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

अनुच्छेद 149 - नियंत्रक महालेखा परीक्षक के कर्तव्य एवं शक्तियां

अनुच्छेद 150 - संघ एवं राज्यों के लेखाओं का प्रारूप

अनुच्छेद 147 - निर्वचन

43. भारत के राष्ट्रपति को नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक नियुक्त करने का अधिकार है, भारत के संविधान के प्रावधान के अनुसार-

(a) अनुच्छेद 146 (b) अनुच्छेद 147

(c) अनुच्छेद 148 (d) अनुच्छेद 149

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

(a) अनुच्छेद 153 - राज्यपाल की नियुक्ति

(b) अनुच्छेद 154 - राज्यपाल का कार्यकाल

(c) अनुच्छेद 162 - राज्य का महाधिवक्ता

(d) अनुच्छेद 153 - मुख्यमंत्री के दायित्व

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

अनुच्छेद 153 - राज्यों के राज्यपाल

अनुच्छेद 154 - राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी।

अनुच्छेद 155 - राज्यपाल की नियुक्ति

अनुच्छेद 156 - राज्यपाल का कार्यकाल

अनुच्छेद 162 - राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार

अनुच्छेद 165 - राज्य का महाधिवक्ता

अनुच्छेद 167 - मुख्यमंत्री का दायित्व होगा कि वह राज्यों के कार्यों के प्रशासन संबंधी और विधान विषयक प्रस्थापनाओं संबंधी मंत्रिपरिषद के सभी विनिश्चय राज्यपाल को संसूचित करे।

45. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार उन बातों को छोड़कर जिनमें राज्यपाल स्वविवेक से कार्य करता है अन्य कार्यों के निर्वाह में उसे सहायता और सलाह प्रदान करने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा?

(a) 160 (b) 161

(c) 162 (d) 163

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 163 के अनुसार राज्यपाल के परामर्श तथा सहायता के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसका प्रधान मुख्यमंत्री होगा।

46. मुख्यमंत्री के कार्य व शक्तियों का उल्लेख भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में मिलता है?

(a) 162 (b) 167
(c) 168 (d) 169

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

अनुच्छेद 167 के अनुसार राज्यपाल को जानकारी देने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्त्तव्यों का उल्लेख है। अनुच्छेद 162 में राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है, इस संविधान के उपबंधों के अधीन रहते हुए किसी राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार उन विषयों पर होगा जिनके संबंध में उस राज्य के विधानमण्डल को विधि बनाने की शक्ति है। अनुच्छेद 168 में राज्यों के विधान मण्डल के गठन का प्रावधान है। अनुच्छेद 169 में राज्यों के विधान परिषद के गठन एवं उत्पादन की बात की गई है।

47. संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्यों में विधान परिषदों की समाप्ति एवं संरचना से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 167 (b) अनुच्छेद 168
(c) अनुच्छेद 169 (d) अनुच्छेद 170

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 169 के अनुसार राज्य विधान परिषद की स्थापना और उन्मूलन का अधिकार संसद को है।

48. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति की सलाह के लिए रख सकता है?

(a) अनुच्छेद 169 (b) अनुच्छेद 200
(c) अनुच्छेद 201 (d) अनुच्छेद 257

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

अनुच्छेद 200 के अनुसार जब कोई विधेयक राज्य की विधानसभा द्वारा या विधान परिषद वाले राज्यों में विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया है तब वह राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और राज्यपाल घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है अथवा वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है।

49. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल विधानमंडल द्वारा पारित किसी विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति हेतु सुरक्षित रख सकता है?

(a) अनुच्छेद 256 (b) अनुच्छेद 257
(c) अनुच्छेद 213 (d) अनुच्छेद 200

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. जिला जज की नियुक्ति का संबंध संविधान के किस अनुच्छेद से है?

(a) अनुच्छेद 233 (b) अनुच्छेद 231
(c) अनुच्छेद 232 (d) अनुच्छेद 230

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

अनुच्छेद 233 के अधीन किसी राज्य में जिला न्यायाधीश नियुक्त होने वाले व्यक्तियों की नियुक्ति तथा न्यायाधीश की पदस्थापना और प्रोन्नति उस राज्य का राज्यपाल ऐसे राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय से परामर्श करके करेगा।

51. भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियां निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में उपबंधित हैं?

(a) अनुच्छेद 135 (b) अनुच्छेद 248
(c) अनुच्छेद 247 (d) अनुच्छेद 245

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

अनुच्छेद 135- विद्यमान विधि के अधीन फेडरल न्यायालय की अधिकारिता और शक्तियों का उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रयोक्तव्य होना।
अनुच्छेद 245- के अनुसार, संसद भारत के संपूर्ण राज्य क्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बना सकेगी और किसी राज्य का विधानमंडल संपूर्ण राज्य या उसके किसी भाग के लिए विधि बना सकेगा।
अनुच्छेद 247- के तहत संसद को अधिकार है कि वह कुछ अतिरिक्त न्यायालयों की स्थापना कर सकती है।
अनुच्छेद 248- संविधान के अनुच्छेद 248 के अनुसार अवशिष्ट विधायी शक्तियां संघीय संसद को सौंपी गई हैं।

52. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्य सभा, विशेष बहुमत द्वारा राज्य सूची के किसी विषय पर संसद को कानून बनाने के लिए अधिकृत कर सकती है?

(a) अनुच्छेद 247 (b) अनुच्छेद 248
(c) अनुच्छेद 249 (d) अनुच्छेद 250

P.G.T. परीक्षा, 2005, 2010

उत्तर–(c)

संविधान के अनु. 249 के तहत यदि राज्य सभा अपने उपस्थित एवं मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो-तिहाई बहुमत से ऐसा संकल्प पारित करे कि राज्य सूची के किसी विषय पर विधि बनाना राष्ट्रीय हित में आवश्यक है, तो संसद उस विषय पर विधि बना सकती है। साथ ही ऐसी विधि संपूर्ण भारत या उसके किसी भाग के लिए बनाई जा सकती है। परंतु राज्य सूची में सम्मिलित विषय पर राष्ट्रीय हित में विधि राज्य सभा द्वारा प्रस्ताव पारित होने के उपरांत संसद बनाती है न कि केवल राज्य सभा।

53. भारत के संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को राज्य सूची के किसी विषय पर विधि निर्माण की शक्ति प्रदान करता है?

(a) अनुच्छेद 115 (b) अनुच्छेद 116
(c) अनुच्छेद 226 (d) अनुच्छेद 249

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत संसद राज्य सूची में दिए किसी विषय पर कानून बना सकती है?

(a) अनुच्छेद 229 (b) अनुच्छेद 230
(c) अनुच्छेद 248 (d) अनुच्छेद 249

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. अनुच्छेद 249 किसके अधिकारों से संबंधित है?

(a) लोक सभा (b) राज्य सभा
(c) राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. भारतीय संविधान में केंद्र-राज्य प्रशासनिक संबंध निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित हैं?

(a) 256 - 263 (b) 245 - 255
(c) 264 - 291 (d) 294 - 300

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(a)

भारत के संविधान के ग्यारहवें (xi) भाग में संघ और राज्यों के बीच संबंधों का वर्णन है। इसी भाग के दूसरे अध्याय में अनुच्छेद 256 से अनुच्छेद 263 तक केंद्र-राज्य प्रशासनिक संबंधों का वर्णन है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के ग्यारहवें भाग के पहले अध्याय में अनुच्छेद 245 से अनुच्छेद 255 तक संघ और राज्यों के बीच विधायी संबंध वर्णित हैं।

57. 'सरकारिया' कमीशन द्वारा अंतरराज्यीय परिषद के गठन की संस्तुति संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत की गई?

(a) अनुच्छेद 360 (b) अनुच्छेद 363
(c) अनुच्छेद 263 (d) अनुच्छेद 260

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 263 केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति को एक अंतरराज्य परिषद की स्थापना करने की शक्ति प्रदान करता है। यदि उसे यह प्रतीत हो कि उसकी स्थापना से लोक हितों की सिद्धि होगी। अतः अंतर्राज्यीय परिषदों का निर्माण स्रोत संवैधानिक है। संविधान में उल्लिखित प्रावधानों के तहत इसकी स्थापना होती है। ध्यातव्य है कि 'सरकारिया कमीशन' द्वारा अंतरराज्यीय परिषद के गठन की संस्तुति की गई थी।

58. अखिल भारतीय सेवाओं का उल्लेख है-

(a) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 260 में
(b) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 312 में
(c) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 में
(d) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 300 में

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय सेवाओं का उल्लेख है।

- अनुच्छेद 260- के अंतर्गत भारत के बाहर के राज्य क्षेत्रों के संबंध में संघ की अधिकारिता का उल्लेख है।
- अनुच्छेद 300- वाद और कार्यवाहियों का उल्लेख है।
- अनुच्छेद 315- संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग के गठन संबंधी प्रावधान उल्लिखित हैं।

59. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संसद साधारण बहुमत से विधि पारित कर संशोधन नहीं कर सकती है?

(a) अनुच्छेद 100(3) (b) अनुच्छेद 105
(c) अनुच्छेद 11 (d) अनुच्छेद 312

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

अनुच्छेद 312 अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के विषय में है। अनुच्छेद 312 में यह उपबंध है कि यदि राज्य सभा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम-से-कम दो तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा यह घोषित करती है कि राष्ट्रीय हित में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो संसद विधि बनाकर अखिल भारतीय सेवा का सृजन कर सकती है।

60. भारतीय संविधान के निम्न अनुच्छेदों में किसमें निर्वाचन आयोग का प्रावधान है?

(a) अनुच्छेद 320 (b) अनुच्छेद 324
(c) अनुच्छेद 326 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत संसद, राज्य विधानमंडलों, राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पदों के निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया है।

61. भारत में निर्वाचन आयोग का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार किया है।

(a) 321 (b) 322

(c) 323 (d) 324

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग के लिए प्रावधान है?

(a) अनुच्छेद 320 (b) अनुच्छेद 322

(c) अनुच्छेद 324 (d) अनुच्छेद 326

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत यह उपबंधित है कि 'निर्वाचक नामावली' धर्म, मूलवंश, जाति या लिंग के आधार पर तैयार नहीं की जाएगी?

(a) अनुच्छेद 17 (b) अनुच्छेद 29

(c) अनुच्छेद 325 (d) अनुच्छेद 326

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

संविधान के अनु. 325 के अनुसार, संसद के प्रत्येक सदन या किसी राज्य के विधानमंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए निर्वाचन के लिए प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन-क्षेत्र के लिए एक साधारण निर्वाचक-नामावली होगी और केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या इनमें से किसी के आधार पर कोई व्यक्ति ऐसी किसी नामावली में सम्मिलित किए जाने के लिए अपात्र नहीं होगा या ऐसे किसी निर्वाचन-क्षेत्र के लिए किसी विशेष निर्वाचक-नामावली में सम्मिलित किए जाने का दावा नहीं करेगा।

64. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा भारत के नागरिकों को वयस्क मताधिकार प्रदान किया गया है?

(a) अनु. 325 द्वारा (b) अनु. 327 द्वारा

(c) अनु. 326 द्वारा (d) अनु. 328 द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

संविधान के अनुच्छेद 326 द्वारा भारत के नागरिकों को वयस्क मताधिकार प्रदान किया गया है।

65. भारतीय संविधान में 'सार्वजनिक वयस्क मताधिकार' की व्यवस्था किस अनुच्छेद में उल्लिखित है?

(a) अनुच्छेद 324 (b) अनुच्छेद 325

(c) अनुच्छेद 326 (d) अनुच्छेद 327

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

66. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 333 सुनिश्चित करता है-

(a) राज्य की विधानसभा में एंग्लो-इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व

(b) राज्य की विधानसभा में अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए स्थानों का आरक्षण

(c) लोक सभा में एंग्लो-इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व

(d) लोक सभा में अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

संविधान का अनु. 333 'राज्यों की विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व' सुनिश्चित करता है। अनु. 333 के अनुसार यदि किसी राज्य के राज्यपाल की यह राय है कि उस राज्य की विधानसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व आवश्यक है, यदि उसमें उसका प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 330– लोक सभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए स्थानों का आरक्षण।
- अनु. 331– लोक सभा में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व।
- अनु. 332– राज्यों की विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के लिए स्थानों का आरक्षण।
- अनु. 333– राज्य की विधानसभाओं में आंग्ल-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व।

67. संविधान में राष्ट्रपति को राजभाषा संबंधित सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का उपबंध है यह किस अनुच्छेद में निहित है?

(a) अनुच्छेद 343 (b) अनुच्छेद 344

(c) अनुच्छेद 345 (d) अनुच्छेद 346

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

संविधान में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान अनुच्छेद 344 में किया गया है। 7 जून, 1955 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बी.जी. खेर की अध्यक्षता में प्रथम राजकीय भाषा आयोग का गठन किया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के भाग 17 में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है।
- अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।

68. भारत के राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा किसी राज्य के विधायी अधिकार संसद को सौंप सकते हैं?

(a) अनुच्छेद 256 (b) अनुच्छेद 356
(c) अनुच्छेद 456 (d) अनुच्छेद 328

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

भारत के राष्ट्रपति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 (1) (ख) के द्वारा राज्य विधानमंडल की शक्तियां संसद को सौंप सकते हैं। अनुच्छेद 356 के तहत यदि किसी राज्य के राज्यपाल के द्वारा राष्ट्रपति को यह लिखित सूचना प्रदान की जाए कि उस राज्य में शासनतंत्र विफल हो गया है तथा शासन संविधान के अनुरूप नहीं चलाया जा रहा है, तो राष्ट्रपति उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर देगा और राज्य की सभी प्राधिकारी शक्तियां अपने हाथों में ले लेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में राष्ट्रपति को तीन प्रकार की आपातकालीन शक्तियां प्राप्त हैं- (i) राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352), (ii) राज्यों में राष्ट्रपति शासन (अनुच्छेद 356) तथा (iii) वित्तीय आपात (अनुच्छेद 360)।
- युद्ध, वाह्य आक्रमण तथा सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर राष्ट्रपति, राष्ट्रीय आपात काल (अनुच्छेद 352) लागू करता है।
- जब राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाए कि भारत की वित्तीय साख को अथवा स्थायित्व को खतरा है, तो राष्ट्रपति वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360) लागू करता है।

69. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 356 निम्न में किससे संबंधित है?

(a) राज्यों में संवैधानिक तन्त्र के विफल हो जाने पर लगाए जाने वाले आपात से
(b) संघवाद
(c) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(d) राष्ट्रपति का महाभियोग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. भारत के संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन राष्ट्रपति द्वारा आपात-उद्घोषणा की जा सकती है :

(a) स्वयं उसके निर्णय के अनुसार
(b) लोक सभा के अनुरोध पर
(c) प्रधानमंत्री की अनुशंसा पर
(d) मंत्रिपरिषद के लिखित परामर्श पर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन किस प्रावधान के अनुसार लगाया जाता है?

(a) अनुच्छेद 360 (b) अनुच्छेद 352
(c) अनुच्छेद 368 (d) अनुच्छेद 356

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है-

(a) अनुच्छेद 74 के अतंर्गत (b) अनुच्छेद 75 के अतंर्गत
(c) अनुच्छेद 356 के अतंर्गत (d) अनुच्छेद 368 के अतंर्गत

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. वित्तीय आपातकाल की घोषणा किस अनुच्छेद के तहत की जाती है?

(a) 350 (b) 356
(c) 256 (d) 360

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

संविधान का अनु. 360 यह उपबंध करता है कि यदि राष्ट्रपति को समाधान हो जाए कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें भारत या उसके किसी भाग का वित्तीय स्वामित्व या प्रत्यय (साख) (Stability or Credit) संकट में है तो वह उद्घोषणा द्वारा वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 360 द्वारा जारी की गई उद्घोषणा की कालावधि 2 महीने होगी।
- यदि यह उक्त 2 महीने की समाप्ति के पूर्व संसद द्वारा पारित संकल्प द्वारा अनुमोदित नहीं कर दी जाती है, तो 2 महीने की समाप्ति पर प्रवर्तन में नहीं रहेगी।
- अब तक भारत में वित्तीय आपातकाल कभी भी लागू नहीं किया गया है।

74. निम्न में से किस भारतीय संविधान के अनुच्छेद का व्यवहार में कभी क्रियान्वयन नहीं हुआ है?

(a) अनुच्छेद 60 (b) अनुच्छेद 360

(c) अनुच्छेद 352 (d) अनुच्छेद 356

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

75. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संविधान संशोधन प्रक्रिया उल्लिखित है?

(a) 352 (b) 368

(c) 370 (d) 382

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर–(b)

अनु. 368 (1) संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है। अनु. 368 यह कहता है कि इस संविधान में किसी बात के होते हुए भी, संसद अपनी संविधायी शक्ति का प्रयोग करते हुए, इस संविधान के किसी उपबंध का परिवर्द्धन, परिवर्तन या निरसन के रूप में इस अनुच्छेद में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कर सकेगी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के सभी संशोधन विधेयक संसद के प्रत्येक सदन की कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उस सदन के उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई बहुमत द्वारा पारित किया जाएगा।
- संविधान के संशोधन के लिए विधेयक किसी भी सदन में आरंभ किया जा सकता है।
- बहुमत द्वारा पारित होने के बाद इसे राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा, जो इस पर अपनी अनुमति देने हेतु बाध्य होगा।

76. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत संशोधन की प्रक्रिया परिभाषित है?

(a) अनुच्छेद 367 (b) अनुच्छेद 368

(c) अनुच्छेद 369 (d) अनुच्छेद 370

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

77. भारत के संविधान के किस भाग में अनुच्छेद 370 को स्थान दिया गया?

(a) संविधान के अठारहवें भाग (b) संविधान के उन्नीसवें भाग

(c) संविधान के इक्कीसवें भाग (d) संविधान के बाइसवें भाग

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के भाग 21 के अंतर्गत एक 'अस्थायी संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध की व्यवस्था की गई है, जिसके तहत जम्मू कश्मीर के लिए विशेष उपबंध 'अनुच्छेद 370' में वर्णित हैं।

78. भारतीय संविधान में वर्णित विशिष्ट प्रावधानों के तहत अनुच्छेद 371 के अंतर्गत निम्न में से किस राज्य का वर्णन नहीं है?

(a) महाराष्ट्र (b) गुजरात

(c) तमिलनाडु (d) आंध्र प्रदेश

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 371 के अंतर्गत महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्यों के संबंध में विशेष उपबंध किया गया है, अनुच्छेद 371 (क) में नगालैंड राज्य के संबंध में विशेष उपबंध किया गया है। अनुच्छेद 371 (ख) में असम, अनुच्छेद, 371 (ग) में मणिपुर अनुच्छेद 371(घ) में आंध्र प्रदेश या तेलंगाना के संबध में विशेष उपबंध, अनुच्छेद 371(च) में सिक्किम, अनुच्छेद 371(ह) में मिजोरम, अनुच्छेद 371(ज) में अरुणाचल प्रदेश, अनुच्छेद 371(झ) में गोवा तथा अनुच्छेद 371(ञ) में कर्नाटक राज्य के संबंध में विशेष उपबंध किया गया है।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही सुमेलित नहीं है?

भारत का संविधान	विषय
(a) भाग II	नागरिकता
(b) भाग III	मौलिक अधिकार
(c) भाग IV	राज्य नीति के निदेशक तत्व
(d) भाग V	मौलिक कर्तव्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

भारत का संविधान		विषय
भाग II	–	नागरिकता
भाग III	–	मौलिक अधिकार
भाग IV	–	राज्य की नीति के निदेशक तत्व
भाग V	–	कार्यपालिक

नोट- मौलिक कर्तव्य का वर्णन अनुच्छेद 51 (क) के अंतर्गत भाग-4 (क) में है।

संविधान संशोधन

1. अनुच्छेद 368 निम्न का प्रतिनिधित्व करता है :

(a) नमनीयता (b) कठोरता

(c) कठोरता एवं नमनीयता (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 368 नम्यता एवं अनम्यता का मिश्रण है, इसमें संशोधन का प्रावधान किया गया है। भारतीय संविधान के भाग 20 के अंतर्गत अनुच्छेद 368 में संसद को संविधान संशोधन की शक्ति प्रदान की गई है।

2. भारतीय संविधान में निम्नलिखित में कौन-सी विशेषताएं पाई जाती हैं?

क. संशोधन की बहुल प्रक्रियाएं।

ख. राज्यों को संशोधन की पहल करने का अधिकार नहीं है।

ग. कुछ संशोधन केवल राज्य विधानमंडलों द्वारा ही पारित किए जा सकते हैं।

घ. संविधान-संशोधन संबंधी विवादों के समाधान के लिए संसद के सदनों की संयुक्त बैठकें।

नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए :

कूट :

(a) क, ख और घ (b) क और ख

(c) ख, ग और घ (d) क, ग और घ

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

संविधान के अनुच्छेद 368 में संशोधन की बहुल प्रक्रिया वर्णित है। संशोधन राज्यों द्वारा प्रारंभ नहीं किए जा सकते हैं, बल्कि कुछ संशोधनों में राज्यों का अनुसमर्थन आवश्यक है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान संशोधन संबंधी विधेयकों के बारे में संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान नहीं है क्योंकि उनके लिए अनुच्छेद 368 (2) में स्वयं पूर्ण प्रक्रिया है। इसलिए अनुच्छेद 108 में केवल साधारण विधेयकों के संबंध में संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान है।
- संविधान के संशोधन के लिए किसी विधेयक को संसद में पुर:स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति आवश्यक नहीं है।

3. अनुच्छेद 368 को निम्न संशोधन से संशोधित किया गया :

(a) 24 (b) 2

(c) 7 (d) 20

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

24 वें संविधान संशोधन (1971) द्वारा अनुच्छेद 13 और 368 में संशोधन किया गया तथा यह निर्धारित किया गया कि अनुच्छेद 368 में दी गई प्रक्रिया द्वारा मूल अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है।

4. निम्नलिखित किस एक वाद ने भारतीय संसद को 24वां संवैधानिक संशोधन लागू करने के लिए प्रेरित किया?

(a) शंकरी प्रसाद केस (b) केशवानन्द भारती केस

(c) गोलकनाथ केस (d) शाहबानो केस

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

गोलकनाथ मामले के निर्णय से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए 1971 में 24वें संविधान संशोधन द्वारा यह निश्चित किया गया कि संसद को संविधान के मूल अधिकारों सहित किसी भी उपबंध को संशोधित करने का अधिकार होगा।

5. भूतपूर्व राजाओं के विशेषाधिकार को किस संवैधानिक संशोधन द्वारा समाप्त किया गया?

(a) 25वां (b) 26 वां

(c) 27वां (d) इनमें से कोई नहीं।

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

26वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 द्वारा भूतपूर्व देशी रियासतों के शासकों का प्रिवीपर्स समाप्त कर दिया गया। इस संशोधन में अनुच्छेद 363 में 'क' उपखण्ड जोड़ा गया। अनुच्छेद 363 (क) में वर्णित प्रावधान निम्नलिखित हैं-

(क) ऐसा राजा, प्रमुख, या अन्य व्यक्ति जिसे 26वें संशोधन से पहले किसी समय राष्ट्रपति से देशी राज्य के शासक के रूप में या उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता प्राप्त थीं, उसे इस संशोधन के माध्यम से समाप्त कर दिया गया।

(ख) 26वें संशोधन से ऐसे देशी राजाओं या उनके उत्तराधिकारी को निजी थैलियों (प्रिवीपर्स) के संदाय को समाप्त कर दिया गया।

6. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 42वें संविधान संशोधन द्वारा कौन शब्द जोड़े गए?

(a) स्वतंत्रता एवं न्याय

(b) स्वतंत्रता एवं भ्रातृत्व

(c) समानता एवं न्याय

(d) समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष तथा राष्ट्र की अखंडता

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(d)

42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान की प्रस्तावना में तीन नए शब्दों, 'धर्मनिरपेक्ष', 'समाजवादी' तथा 'राष्ट्र की अखंडता' को जोड़ा गया। ये धारणाएं संविधान में पहले से ही निहित थीं। प्रस्तुत संशोधन द्वारा उन्हें स्पष्ट कर दिया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 42वां संविधान संशोधन अधिनियम अब तक पारित सभी संशोधनों में सबसे विशद था।
- इस संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में 2 नए अध्याय [(4- क) मूल कर्तव्य], [(14- क) अधिकरण] और 9 नए अनुच्छेद (39- क, 43- क, 131- क, 145-क, 127-क, 128-क, और 257-क) जोड़े गए तथा 52 अनुच्छेदों में संशोधन किया गया।

7. किस संविधान संशोधन द्वारा भारतीय संविधान की भूमिका में 'समाजवादी' एवं 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए?

(a) 41वां संशोधन (b) 42वां संशोधन
(c) 43वां संशोधन (d) 44वां संशोधन

P.G.T. परीक्षा, 2000, 2004
T.G.T. परीक्षा, 2004, 2011

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारत के संविधान में किस संशोधन द्वारा मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया?

(a) 40 संशोधन (b) 42 संशोधन
(c) 44 संशोधन (d) 45 संशोधन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. भारत के किस संविधान संशोधन में संविधान की प्रस्तावना में ''राष्ट्रीय एकता के साथ अखण्डता'' शब्द जोड़ा गया?

(a) 42वें संशोधन द्वारा (b) 43वें संशोधन द्वारा
(c) 44वें संशोधन द्वारा (d) 45वें संशोधन द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. किस संशोधन द्वारा संविधान में नागरिकों के मैलिक कर्तव्य जोड़े गए हैं?

(a) 42 वां (b) 25 वां
(c) 44 वां (d) 52 वां

T.G.T. परीक्षा, 2003, 2010
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

संविधान में मूल कर्तव्य संबंधी प्रावधान भाग 4 क के अनुच्छेद 51 क में अंतर्विष्ट हैं। इन्हें 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संविधान में समाविष्ट किया गया है। वर्तमान में मूल कर्तव्यों की संख्या 11 है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 26 जनवरी, 1950 को लागू संविधान में मूल कर्तव्यों का उल्लेख नहीं था।
- मूल कर्तव्यों का संविधान में समावेश स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया।
- मूल कर्तव्यों के पीछे कोई अधिशास्ति नहीं है। उनका पालन कराने या उनका उल्लंघन होने पर दंड देने का संविधान में कोई उपबंध नहीं है।
- 42वां संविधान संशोधन अधिनियम संसद को यह शक्ति प्रदान करता है कि वह विधि बनाकर मूल कर्तव्यों के उल्लंघन की दशा में दोषी व्यक्तियों के लिए दंड की व्यवस्था करे।
- संविधान (86 वां) संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा अनु. 51 क में एक नया खंड (ट) अंतःस्थापित किया गया।

11. भारतीय संविधान के किस संशोधन द्वारा आंतरिक अशांति पद के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' पद का प्रयोग किया गया है?

(a) 44वां संशोधन (b) 43वां संशोधन
(c) 42वां संशोधन (d) 41वां संशोधन

P.G.T. परीक्षा, 2003
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

44वें संविधान संशोधन द्वारा 'आंतरिक अशांति पद के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' पद का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार अनु. 352 (1) में आपात उद्घोषणा 'सशस्त्र विद्रोह' से आंतरिक अशांति होने पर ही की जा सकेगी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

44वें संविधान संशोधन द्वारा आपात उपबंधों में किए गए महत्वपूर्ण संशोधन इस प्रकार हैं-

- राष्ट्रपति द्वारा अनु. 352 के अंतर्गत आपातकाल की घोषणा तभी की जा सकेगी, जबकि मंत्रिमंडल लिखित रूप में राष्ट्रपति को ऐसा परामर्श दे।
- यह आपातकाल युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में ही घोषित किया जा सकेगा।
- ऐसी घोषणा के एक माह के अंदर संसद के विशेष बहुमत से इसकी स्वीकृति आवश्यक होगी।
- लोक सभा में उपस्थित एवं मतदान में भाग लेने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से आपातकाल की घोषणा समाप्त की जा सकती है।
- अनु. 356 के आधार पर राज्य में संवैधानिक व्यवस्था भंग होने की स्थिति में जो आपातकाल घोषित किया जाएगा, उसे एक बार प्रस्ताव पास कर संसद 6 माह के लिए लागू कर सकेगी।

12. निम्न में से कौन-सा संशोधन 'संविधान का मिनी सुधार' माना जाता है?

(a) 42वां संशोधन (b) 44वां संशोधन

(c) 52वां संशोधन (d) उपर्युक्त में कोई नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

बयालीसवां संविधान संशोधन, 1976 संविधान में किए गए अब तक के संशोधनों में सबसे व्यापक संशोधन है। इस संविधान संशोधन में एक प्रकार से संपूर्ण संविधान का पुनरीक्षण किया गया। इसकी व्यापकता को देखते हुए इसे मिनी संविधान कहा जाता है। 42वें संविधान संशोधन का मुख्य उद्देश्य उच्चतम न्यायालय द्वारा 1973 में केशवानंद भारतीय मामले में दिए गए निर्णय से उत्पन्न कठिनाई को दूर करना था, जिसमें संसद की संविधान संशोधन की शक्ति को इस मामले में निर्णीत संविधान के आधार भूत ढांचे' को संशोधित करने से रोका गया था।

13. किस संवैधानकि संशोधन ने राज्य की नीति निदेशक सिद्धांतों का विस्तार किया?

(a) बयालीसवां (b) चवालीसवां

(c) पच्चीसवां (d) पैंतालीसवां

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

42वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा नीति निदेशक सिद्धांतों को अधिक व्यापक बनाने और उन्हें उन मूल अधिकारों, जिनकी आड़ लेकर सामाजिक आर्थिक सुधारों को निष्फल बनाया जाता रहा है पर वरीयता देने के उद्देश्य से किए गए। 42वें संशोधन में जोड़े गए प्रावधान- शोषण से बच्चों एवं व्यस्कों की सुरक्षा : अनुच्छेद 39 (च), समान न्याय तथा निःशुल्क कानूनी सहायता : अनुच्छेद 39(क), उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी : अनुच्छेद 43 (क)।

14. निम्नलिखित में से संविधान के किस संशोधन द्वारा स्पष्ट रूप से यह बताया गया कि भारत का राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद द्वारा दिए गए परामर्श को मानने के लिए बाध्य है?

(a) 25वां (b) 38वां

(c) 42वां (d) 45वां

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के अनुसार राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य है।

15. भारत के संविधान में दसवीं अनुसूची जोड़ी गई है-

(a) 52वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा

(b) 55वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा

(c) 58वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा

(d) 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

संविधान की दसवीं अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून विषयक प्रावधान है यह अनुसूची 52वें संविधान संशोधन, 1985 के द्वारा जोड़ी गई। ध्यातव्य है कि दसवीं अनुसूची में 91 वें संविधान संशोधन 2003 द्वारा संशोधन किया गया है। इस संशोधन का उद्देश्य दल-बदल पर रोक लगाने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्यों में मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करना था।

16. भारत में वयस्क मताधिकार के लिए मूलतः 21 वर्ष की अवस्था निर्धारित थी, परंतु अब इसे घटाकर 18 वर्ष निर्धारण कर दिया गया है। यह किस वर्ष में हुआ?

(a) सन् 1961 में (b) सन् 1980 में

(c) सन् 1989 में (d) सन् 1991 में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1988 द्वारा मताधिकार की आयु को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किया गया था जो कि 28 मार्च, 1989 से प्रभावी हुआ। नवयुवकों द्वारा 18 वर्ष की आयु पर मताधिकार का प्रयोग पहली बार नवंबर, 1989 में संपन्न 9वीं लोक सभा के आम चुनावों में किया गया।

17. किस संविधान संशोधन ने मतदाता की आयु 21 वर्ष से घटा कर 18 वर्ष कर दी?

(a) 52वां संशोधन (b) 60वां संशोधन

(c) 61वां संशोधन (d) 62वां संशोधन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. कौन संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय राष्ट्रपति के निर्वाचन में संघीय क्षेत्रों की विधान सभा के सदस्यों के भाग लेने का प्रावधान करता है?

(a) 7वां संशोधन अधिनियम (b) 42वां संशोधन अधिनियम

(c) 50वां संशोधन अधिनियम (d) 70वां संशोधन अधिनियम

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

70वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के अनुसार, संघीय क्षेत्रों की विधान सभाओं के सदस्यों को भी राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में सम्मिलित किया गया है। इस संशोधन द्वारा अनु. 54 में एक व्याख्या जोड़कर यह स्पष्ट कर दिया गया है कि अनु. 54 और अनु. 55 में 'राज्य' शब्द के अंतर्गत राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली और संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी भी सम्मिलित हैं।

19. भारत संघ से किसी राज्य के पृथक होने को प्रतिबंधित किया गया है?

(a) संविधान (सोलहवां संशोधन) अधिनियम, 1963 द्वारा
(b) संविधान (बाइसवां संशोधन) अधिनियम, 1969 द्वारा
(c) संविधान (उन्तीसवां संशोधन) अधिनियम, 1972 द्वारा
(d) संविधान (पैंतीसवां संशोधन) अधिनियम, 1974 द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(*)

भारत और अमेरिका दोनों देशों में परिसंघीय व्यवस्था अपनाई गई है। लेकिन जहां अमेरिका में परिसंघ, प्रभुत्तासंपन्न और स्वतंत्र राज्यों के बीच सामान्य महत्व के कुछ विषयों के प्रशासन के लिए किए गए स्वैच्छिक करार का परिणाम है वहीं भारत में परिसंघ राज्यों के साथ किसी करार या संधि का परिणाम नहीं है। भारतीय राज्य प्रभुता संपन्न राज्य नहीं हैं। जम्मू कश्मीर को छोड़कर किसी राज्य को अपना संविधान बनाने का अधिकार नहीं है। संघ की संसद राज्यों का पुनर्गठन या उनकी सीमाओं का परिवर्तन कर सकती है। यह विधान की सामान्य प्रक्रिया के अनुसार सादे बहुमत से किया जा सकता है। Art. 4(2)। संविधान में यह अपेक्षा नहीं है कि संसद को ऐसी विधि बनाने के लिए राज्य के विधान मण्डल की सम्मति जानना आवश्यक है। केवल संसद को विधेयक की सिफारिश करने के प्रयोजन के लिए राष्ट्रपति को यह आवश्यक है कि वे प्रभावित राज्य के विधान मण्डल के विचार ज्ञात कर लें। यह बाध्यता पूरी तरह से आज्ञापरक नहीं है। राष्ट्रपति समय सीमा नियत कर सकते हैं जिसके भीतर राज्य को अपने विचार अभिव्यक्त करने होंगे। (यथा संशोधित अनुच्छेद 3 का परंतुक)। इस प्रकार भारत संघ से किसी राज्य को पृथक होने को संविधान द्वारा ही प्रतिबंधित कर दिया गया है। संविधान के 16वें संशोधन अधिनियम 1963 में इसे स्पष्ट कर दिया गया कि विलग होने के पक्षपोषण को वाक्स्वातंत्र्य (अनुच्छेद 19क) को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

20. संविधान का कौन सा संशोधन ग्राम पंचायतों को संवैधानिक मान्यता प्रदान करता है?

(a) 73वां (b) 74वां
(c) 75वां (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर—(a)

73वें संविधान संशोधन, 1992 के द्वारा ग्राम पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है। भारत के संविधान के भाग IX में पंचायतों से संबंधित उपबंध है और उसे संविधान (73वां संशोधन) अधिनियम 1992 द्वारा अंतः स्थापित किया गया है।

21. भारतीय संसद द्वारा किस वर्ष संविधान का 73वां संशोधन विधेयक पारित किया गया?

(a) 1990 (b) 1991
(c) 1992 (d) 1993

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. संविधान के किस संशोधन के द्वारा भारत में महिलाओं के लिए ग्राम पंचायतों में 1/3 स्थान आरक्षित किए गए है?

(a) 70वां (b) 71वां
(c) 73वां (d) 74वां

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

73वें संविधान संशोधन, 1992 के द्वारा पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है। इसमें अनुच्छेद 243-घ के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन से भरे जाने वाले कुल स्थानों में से 1/3 स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। इस आरक्षण से स्थानीय स्वशासन के स्तर पर महिलाओं में काफी जागरूकता आई है।

23. भारतीय संविधान का 79वां संशोधन अधिनियम निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) केंद्र राज्य संबंध
(b) दो राजनीतिक दलों की स्थापना
(c) मूल अधिकार
(d) लोक सभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का आरक्षण

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

79वें संविधान संशोधन (1999) द्वारा लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा एंग्लो इंडियंस के लिए आरक्षण की अवधि को दस वर्षों के लिए बढ़ाया गया था जिसे 87वें संविधान संशोधन (2003) द्वारा पुनः दस वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है।

24. संविधान के किस संशोधन के अंतर्गत 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों की शिक्षा मौलिक अधिकार बन गई है?

(a) 93वां संविधान संशोधन
(b) 86वां संविधान संशोधन
(c) 91वां संविधान संशोधन
(d) 92वां संविधान संशोधन

T.G.T. परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

संविधान के 86वें संशोधन के द्वारा 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों की शिक्षा मौलिक अधिकार बन गई है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए शिक्षा मौलिक अधिकार बना दी गई है। इसके लिए अनुच्छेद 21 (क) संविधान में जोड़ा गया है। इसके द्वारा अनुच्छेद 51 (क) में 11वां कर्तव्य भी जोड़ा गया है।

25. भारत के संविधान में 86वें संशोधन के पश्चात कितने मौलिक कर्तव्य हैं?

(a) 9 (b) 10
(c) 11 (d) 12

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

भारत के संविधान में 86वें संशोधन के पश्चात भारतीय संविधान के भाग-4क में वर्तमान में कुल ग्यारह (11) मूल कर्तव्यों का उल्लेख है।

26. भारत में किस संविधान संशोधन द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार के स्तर से वंचित किया गया?

(a) संख्या 40 (b) संख्या 42
(c) संख्या 44 (d) संख्या 46

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान संशोधन संख्या 44 (चौवालिसवां संविधान संशोधन अधिनियम, 1978) के द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार की श्रेणी से हटाकर अनुच्छेद 300 (क) में रखकर विधि का अधिकार बना दिया गया।

27. किस संविधान संशोधन से संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में समाप्त कर दिया गया?

(a) 42 संशोधन (b) 44 संशोधन
(c) 45 संशोधन (d) 43 संशोधन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. भारतीय संविधान का 79वां संशोधन अधिनियम, 1999 संबंधित है-

(a) केंद्र-राज्य संबंधों से
(b) राजनैतिक दलों की स्थापना से
(c) भाषाओं से
(d) लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण से

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

संविधान का 79वां संशोधन लोक सभा और राज्य की विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण से संबंधित है। 62वें संवैधानिक संशोधन के अनुसार लोक सभा तथा राज्य विधान सभाओं में SC तथा ST समुदाय के लिए आरक्षण की सीमा 26 जनवरी, 2000 में समाप्त हो रही थी। 79वां संविधान संशोधन 1999 के द्वारा इसे पुनः 26 जनवरी, 2010 तक बढ़ा दिया गया। वर्तमान समय में इस अवधि को भी 95वां संविधान संशोधन (2009) के द्वारा 26 जनवरी, 2020 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

29. किस संविधान संशोधन द्वारा यह व्यवस्था हुई है कि किसी मंत्रिमंडल में मंत्रियों की कुल संख्या सदन की कुल संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती?

(a) 90वां संविधान संशोधन
(b) 91वां संविधान संशोधन
(c) 85वां संविधान संशोधन
(d) 94वां संविधान संशोधन

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

91वां संविधान संशोधन, 2003 द्वारा केंद्र या राज्य की मंत्रिपरिषद के आकार को निम्न सदन के सदस्यों की संख्या के पंद्रह प्रतिशत करने की व्यवस्था की गई है। इसमें दल-बदल करने वाले सदस्यों को लाभ का राजनीतिक पद पाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इस संविधान संशोधन द्वारा एक राजनीतिक दल से दूसरे में दल-बदल कर जाने की प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
- इस संशोधन द्वारा वर्ष 1985 में निर्मित दलबदल कानून के तीसरे परिच्छेद को हटा दिया गया जिसके अंतर्गत एक-तिहाई सदस्यों के साथ दलबदल किया जा सकता था।

30. किस संविधान संशोधन द्वारा मंत्रियों की संख्या लोक सभा की कुल संख्या की 15% निश्चित की गई?

(a) 89वां संशोधन (b) 90वां संशोधन
(c) 91वां संशोधन (d) 92वां संशोधन

T.G.T. परीक्षा, 2013
Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

91वें संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 75 एवं अनुच्छेद 164 में संशोधन करके मंत्रिपरिषद के आकार को निर्धारित कर दिया गया है। अब केंद्र तथा राज्य में मंत्रिपरिषद के मंत्रियों की संख्या लोक सभा एवं विधान सभा की कुल सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती।

31. किस संविधान संशोधन द्वारा मंत्रिपरिषद में कुल मंत्रियों की संख्या लोक सभा के कुल सदस्यों के 15% तक सीमित कर दी गई है?

(a) 89 वां संशोधन (b) 90 वां संशोधन
(c) 91 वां संशोधन (d) 92 वां संशोधन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. किस संविधान संशोधन द्वारा केंद्रीय मंत्रियों की संख्या लोक सभा की कुल सदस्य संख्या के 15% पर सीमित कर दी गई है?

(a) 91वां (b) 92वां
(c) 93वां (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. भारतीय संविधान का कौन-सा संशोधन नगरीय स्थानीय संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान करता है?

(a) 73वां (b) 74वां
(c) 75वां (d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 से नगर पालिकाओं को संवैधानिक प्रस्थिति की गई है। इस अधिनियम द्वारा संविधान में एक नया भाग-9 क तथा 243 त से 243 या छ तक 18 नए अनुच्छेद एवं एक नई अनुसूची (बारहवीं अनुसूची) जोड़कर नगर प्रशासन के विषय में विस्तृत प्रावधान किया गया है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा संवैधानिक संशोधन राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग की संरचना तथा कार्यों से संबंधित है?

(a) 96वां संशोधन (b) 97वां संशोधन
(c) 98वां संशोधन (d) 99वां संशोधन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

99वां संविधान संशोधन, 2015 (2014) राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के निर्माण तथा कार्यों से संबंधित है।

35. भारत का 100वां संविधान संशोधन संबंधित है-

(a) भारत-नेपाल संबंध
(b) भारत-पाकिस्तान संबंध
(c) भारत-अफगानिस्तान संबंध
(d) भारत-बांग्लादेश संबंध

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

100वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2015 ने भारत और बांग्लादेश के मध्य भूमि समझौते से संबंधित है। इस विधेयक का उद्देश्य भारत एवं बांग्लादेश के मध्य हुए 41 साल पुराने भू-सीमा समझौता-LBA 1974 को प्रभाव में लाना है।

अनुसूची

1. भारतीय संविधान में कुल अनुसूचियां हैं-

(a) 4 (b) 6
(c) 11 (d) 12

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान में कुल 12 अनुसूचियां हैं। मूलतः संविधान में 8 अनुसूचियां थी। कालांतर में संविधान संशोधनों द्वारा नवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं अनुसूचियों को संविधान में शामिल किया गया।

2. भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियां हैं?

(a) 9 (b) 10
(c) 11 (d) 12

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारतीय संविधान की पहली अनुसूची का प्रावधान नहीं है?

(a) राज्य
(b) संघ राज्य क्षेत्र
(c) राज्यों के नाम और राज्य क्षेत्र
(d) नागरिकता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012
U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

पहली अनुसूची-राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों के बारे में उपबंध। अतः स्पष्ट है कि नागरिकता का प्रावधान प्रथम अनुसूची में नहीं है।

4. भारतीय संघ में एक नया राज्य सम्मिलित किया जाना हो तो संविधान की किस अनुसूची में संशोधन आवश्यक होता है?

(a) प्रथम अनुसूची (b) द्वितीय अनुसूची
(c) तृतीय अनुसूची (d) नौवीं अनुसूची

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

यदि भारत संघ के एक नए राज्य का सृजन करना हो, तो संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन आवश्यक होता है।

5. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (संविधान की अनुसूची)	सूची-II (विषय)
A. तृतीय	**(i) भूमि सुधार**
B. चतुर्थ	**(ii) शपथ**
C. षष्ठम्	**(iii) प्रतिनिधित्व**
D. नवम्	**(iv) जनजाति क्षेत्र**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(b)

प्रश्न में दी गई सूचियों का सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
तृतीय	शपथ
चतुर्थ	प्रतिनिधित्व
षष्ठम्	जनजाति क्षेत्र
नवम्	भूमि सुधार

6. भारतीय संविधान की निम्नलिखित में से कौन-सी अनुसूची राज्य सभा में स्थानों के आवंटन से संबंधित है?

(a) तीसरी अनुसूची (b) चौथी अनुसूची
(c) पांचवीं अनुसूची (d) छठीं अनुसूची

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान की चौथी अनुसूची राज्य सभा में स्थानों के आवंटन से संबंधित है।

7. संविधान की छठीं अनुसूची में दी गई स्वायत्त जिला परिषद उत्तर-पूर्व भारत के किस राज्य में लागू नहीं होती?

(a) असम (b) त्रिपुरा
(c) नगालैंड (d) मेघालय

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

छठीं अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा, और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में उपबंध का प्रावधान करती है।

8. एक विषय को समवर्ती सूची में शामिल किया जाता है जब इस पर एक कानून पास किया जा सकता है, इसके द्वारा-

(a) राज्य सरकार
(b) केंद्रीय सरकार
(c) केंद्रीय और राज्य सरकार
(d) राष्ट्रपति और राज्यपाल

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची (अनुच्छेद 246) में तीन सूचियों का उल्लेख है। प्रथम-संघ सूची, दूसरी-राज्य सूची तथा तीसरी समवर्ती सूची। संघ सूची में उल्लिखित विषयों पर संघ की संसद को तथा राज्य सूची में उल्लिखित विषयों पर राज्यों की विधानसभाओं को कानून बनाने का अधिकार है। समवर्ती सूची पर केंद्रीय और राज्य सरकारों दोनों को कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन राज्य द्वारा बनाया गया कानून उस विषय पर केंद्र द्वारा बनाए गए कानून पर विरोध की मात्रा तक शून्य हो जाती है।

9. संविधान की किस अनुसूची में केंद्र और राज्य के मध्य शक्तियों का विभाजन उपबंधित है?

(a) 5वीं अनुसूची (b) 6वीं अनुसूची
(c) 7वीं अनुसूची (d) 8वीं अनुसूची

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में निम्नलिखित में क्या शामिल नहीं है?

(a) जनसंख्या-नियंत्रण एवं परिवार-नियोजन
(b) आर्थिक एवं सामाजिक योजना
(c) लोक व्यवस्था
(d) विवाह और विवाह-विच्छेद

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में 'लोक व्यवस्था' राज्य सूची के अंतर्गत है। अन्य सभी विकल्प, जनसंख्या-नियंत्रण एवं परिवार-नियोजन, आर्थिक एवं सामाजिक योजना, विवाह और विवाह-विच्छेद समवर्ती सूची में शामिल हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन राज्य सूची का विषय नहीं है?

(a) लोक व्यवस्था (b) कब्रिस्तान
(c) लोक स्वास्थ्य (d) न्यायालय का अवमान

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

न्यायालय का अवमान समवर्ती सूची का विषय है जबकि लोक व्यवस्था, कब्रिस्तान तथा लोक स्वास्थ्य राज्य सूची के विषय हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- सातवीं अनुसूची के तीन अनुसूचियों में प्रथम-संघ सूची, दूसरी राज्य सूची तथा तीसरी में समवर्ती सूची वर्णित है।
- सूची-1 (संघ सूची) में प्रविष्टियों की संख्या 97 है।
- सूची-2 (राज्य सूची) में प्रविष्टियों की संख्या 66 है।
- सूची-3 (समवर्ती सूची) में प्रविष्टियों की संख्या 47 है।

संघ सूची में वर्णित कुछ विषय- रक्षा, नौसेना, परमाणु आयुध, बीमा, बैंक, डाकघर, जनगणना, कृषि आय से भिन्न आय पर कर आदि।

राज्य सूची में वर्णित कुछ विषय- लोक व्यवस्था, लोक स्वास्थ्य, कांजी हाउस, मल्स्य की, कृषि आय पर कर, पथकर, प्रतिव्यक्ति कर आदि।

समवर्ती सूची- विवाह, विवाह विच्छेद, न्यायालय का अवमान, वन, वन्य जंतुओं और पक्षियों का संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा, जन्म-मरण सांख्यिकी आदि।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा संघ सूची का विषय नहीं है?

(a) विदेशी ऋण (b) डाकघर बचत बैंक
(c) अंतरराज्यिक व्यापार (d) कृषि आय पर कर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय संघ सूची का विषय नहीं है?

(a) विवाह एवं तलाक (b) नागरिकता
(c) बैंकिंग (d) अन्तर्राज्य व्यापार

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय भारतीय संविधान के समवर्ती सूची के अंतर्गत आता है?

(a) विवाह तथा विवाह विच्छेद (b) संघीय लोक सेवाएं
(c) पुलिस (d) आयकर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत के संविधान में राज्य सूची का विषय नहीं है?

(a) दांव तथा द्युत क्रीड़ा
(b) मत्स्य-उद्योग
(c) राज्य के मंत्रियों के वेतन तथा भत्ते
(d) राजनयिक प्रतिनिधित्व

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

राजनयिक, कौंसलीय और व्यापारिक प्रतिनिधित्व संघ सूची के क्रम संख्या ग्यारह में वर्णित विषय हैं, जबकि शेष दांव तथा द्युत क्रीड़ा, मत्स्य उद्योग एवं राज्य के मंत्रियों के वेतन तथा भत्ते राज्य सूची के विषय हैं।

16. निम्न में से कौन-सा विषय भारत के संविधान की राज्य सूची में है?

(a) पुलिस (b) केंद्रीय लोक सेवाएं
(c) शिक्षा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

राज्य सूची- पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था
संघ सूची- केंद्रीय लोक सेवाएं
समवर्ती सूची- शिक्षा।

17. निम्न में से कौन-सा विषय समवर्ती सूची में नहीं है?

(a) फौजदारी कानून (b) विवाह तथा विवाह विच्छेद
(c) सार्वजनिक व्यवस्था (d) आर्थिक व सामाजिक नियोजन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

समवर्ती सूची की प्रविष्टि संख्या एक (1) फौजदारी कानून (Criminal Law) प्रविष्टि संख्या पांच (5), विवाह तथा विवाह विच्छेद तथा प्रविष्टि संख्या 20 आर्थिक व सामाजिक नियोजन का उल्लेख करती है, जबकि सार्वजनिक व्यवस्था राज्य सूची के प्रविष्टि संख्या एक (1) के अंतर्गत उल्लिखित है।

18. केंद्र-राज्य के मध्य शक्तियों का बंटवारा संविधान की किस अनुसूची में दिया गया है?

(a) पांचवीं (b) सातवीं
(c) दसवीं (d) बारहवीं

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

केंद्रीय और प्रांतीय सरकारों के मध्य शक्तियों का विभाजन संघात्मक संविधान का एक परमावश्यक तत्व है। यह विभाजन संविधान द्वारा ही किया जाता है। प्रत्येक सरकारें अपने-अपने क्षेत्र में सार्वभौम होती हैं और दूसरे के अधिकारों एवं शक्तियों पर अतिक्रमण नहीं कर सकतीं। केंद्र-राज्य के मध्य शक्तियों का बंटवारा संविधान की सातवीं अनुसूची (अनु. 246) द्वारा किया गया है।

19. भारत में केंद्र को शक्तिशाली बनाने का एक संवैधानिक कारण है :

(a) राज्य के नीति निर्देशक तत्व (b) केंद्रीकृत नियोजन
(c) क्षेत्रीय परिषदें (d) संघीय सूची

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में संघीय ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए विषयों को केंद्र और राज्यों के लिए निश्चित कर दिया गया है। इन्हें महत्व के आधार पर संघी सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची में विभाजित किया गया है। महत्वपूर्ण विषयों को संघ सूची एवं समवर्ती सूची दोनों में कानून बनाने के विशेष अधिकार के कारण केंद्र को शक्तिशाली बनाने का एक संवैधानिक कारण प्रतीत होता है। अवशिष्ट विषयों पर केंद्र को कानून बनाने का अधिकार है।

20. भारत का संविधान निम्नलिखित में से किसको अवशिष्ट शक्तियां देता है?

(a) राज्यों को (b) केंद्र को
(c) केंद्र तथा राज्य दोनों को (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

भारत का संविधान केंद्र को अवशिष्ट शक्तियां प्रदान करता है।

21. राज्य सूची के किसी विषय को राष्ट्रीय हित का विषय घोषित करने का अधिकार किसे है?

(a) राज्य सभा (b) केंद्रीय मंत्रिमंडल
(c) लोक सभा (d) राष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

संविधान के 11 वें भाग के अनुच्छेद 249 में यह वर्णित है कि यदि राज्य सभा ने उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम-से-कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा घोषित किया है कि राष्ट्रीय हित में यह आवश्यक या समीचीन है कि संसद राज्य सूची के ऐसे विषय के संबंध में जो उस संकल्प में विनिर्दिष्ट है, विधि बनाए तो उस संकल्प के प्रवृत्त होने तक उस विषय के संबंध में संसद द्वारा भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बनाना विधिपूर्ण होगा।

22. संघ सूची में शामिल हैं -

(a) 97 विषय (b) 66 विषय
(c) 47 विषय (d) 105 विषय

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

संघीय सूची में मूलतः 97 विषय (वर्तमान में 100) शामिल हैं।

23. संघीय सूची में कितने विषय सम्मिलित किए गए हैं?

(a) 97 (b) 100
(c) 74 (d) 72

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

संघीय सूची में मूलतः 97 विषय (वर्तमान में 100) शामिल हैं।

24. 42वें संविधान संशोधन के पश्चात भारत के संविधान की समवर्ती सूची में विषय हैं-

(a) 47 (b) 52
(c) 61 (d) 66

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर—(b)

समवर्ती सूची में मूलतः 47 विषय (वर्तमान में 52) शामिल हैं।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा एक समवर्ती सूची में परिभाषित विषयों पर विधियों का निर्माण कर सकता है?

(a) राज्य विधानमंडल (b) संसद
(c) दोनों (a) और (b) (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

समवर्ती सूची में कुल 47 विषयों (वर्तमान में 52) का उल्लेख है, जिन पर कानून बनाने का अधिकार संघ तथा राज्य दोनों को है।

26. आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाओं का उल्लेख किया गया है?

(a) 13 (b) 14

(c) 15 (d) 16

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(*)

भारतीय संविधान में किसी भी भाषा को आठवीं अनुसूची के अंतर्गत शामिल किया जाता है। संविधान के प्रारंभ में केवल 14 भाषाओं को राजकीय भाषा का दर्जा प्राप्त था। 92वें संविधान संशोधन 2003 द्वारा जनवरी, 2004 में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को राजकीय भाषा के रूप में मान्यता दी गई। इससे पहले वर्ष 1992 में 71वें संविधान संशोधन द्वारा नेपाली, कोंकणी तथा मणिपुरी को तथा वर्ष 1967 में 21वें संविधान संशोधन द्वारा सिंधी को राजकीय भाषा का दर्जा दिया गया था। इस प्रकार अभी तक 22 भाषाओं को संविधान में अनु. 344 के तहत मान्यता प्राप्त है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएं हैं- (1) असमिया, (2) बंगाली, (3) गुजराती, (4) हिंदी, (5) कन्नड़, (6) कश्मीरी, (7) कोंकणी, (8) मणिपुरी, (9) मलयालम, (10) मराठी, (11) नेपाली, (12) ओडिया, (13) पंजाबी, (14) संस्कृत, (15) सिंधी, (16) तमिल, (17) तेलुगू, (18) उर्दू, (19) बोडो, (20) डोगरी, (21) संथाली, एवं (22) मैथिली।

27. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाओं का उल्लेख है?

(a) 16 (b) 18

(c) 22 (d) 21

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में निम्न में कौन-सी भाषा सम्मिलित नहीं है?

(a) हिंदी (b) अंग्रेजी

(c) संस्कृत (d) संथाली

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी भाषाओं का उल्लेख है?

(a) 16 (b) 15

(c) 18 (d) 17

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. संविधान की आठवीं अनुसूची में कितनी प्रादेशिक भाषाओं को शामिल किया गया है?

(a) 14 (b) 16

(c) 22 (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची का संबंध है-

(a) भाषा से

(b) अनुसूचित जनजातियों से

(c) मौलिक अधिकारों से

(d) राज्य के नीति निदेशक तत्वों से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. भारतीय संविधान की दसवीं अनूसची का संबंध है-

(a) दल परिवर्तन निर्हयता प्रावधान

(b) अनुसूचित जनजाति से

(c) भारत के राज्यों के नाम से

(d) उपर्युक्त में से किसी से भी नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

संविधान की दसवीं अनुसूची में दल-बदल विरोधी कानून विषयक प्रावधान है। यह अनुसूची 52वें संविधान संशोधन, 1985 के द्वारा जोड़ी गई। ध्यातव्य है कि दसवीं अनुसूची में 91वें संविधान संशोधन, 2003 द्वारा संशोधन किया गया है। इस संशोधन का उद्देश्य दल-बदल पर रोक लगाने के साथ-साथ केंद्र एवं राज्यों में मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित करना था।

33. संविधान की बारहवीं अनुसूची किसके कार्यों से संबंधित है?

(a) ग्राम पंचायतों से (b) राष्ट्रपति से

(c) नगर पालिकाओं से (d) प्रधानमंत्री से

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

संविधान की बारहवीं अनुसूची नगर पालिकाओं के कार्यों से संबंधित है। इस अनुसूची के अंतर्गत नगरपालिकाओं को 18 विषय प्रदान किए गए हैं। इस अनुसूची को 74वें संविधान संशोधन द्वारा स्थापित किया गया है।

34. भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची में कितने विषय हैं?

(a) 10 (b) 12

(c) 18 (d) 29

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

संविधान की विशेषता

1. भारत के संविधान की विशेषता है-

(a) कठोर

(b) लचीला

(c) अंशतः कठोर और अंशतः लचीला

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012, 2009

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान का एक विशेष लक्षण यह भी है कि वह लिखित परिसंघ संविधान को लचीलापन प्रदान करता है। संविधान के कुछ उपबंधों के लिए ही राज्य विधानमंडल के समर्थन की आवश्यकता है। शेष संविधान का संशोधन संसद के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। संसद द्वारा अनेक प्रावधानों का संशोधन सामान्य बहुमत से भी किया जा सकता है।

2. भारत का संविधान है-

(a) सख्त

(b) लचीला

(c) बहुत सख्त

(d) अंशतः सख्त और अंशतः लचीला

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. लोक संप्रभुता भारतीय संविधान में है-

(a) सीमित और असीमित (b) परिभाषित और अपरिभाषित

(c) विधिक और वास्तविक (d) संपूर्ण और व्यापक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान में संपूर्ण संप्रभुता का प्राधिकार भारत के लोगों में है। संविधान की प्रस्तावना में हम भारत के लोग ..... अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मर्पित करते हैं। इस उद्घोषणा से स्पष्ट है कि संविधान में लोक-संप्रभुता का क्षेत्र संपूर्ण और व्यापक है।

4. भारतीय संघीय व्यवस्था के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सत्य नहीं है?

(a) इसमें न्यायालयों की दोहरी व्यवस्था नहीं है।

(b) राज्य सभा में राज्यों का समान प्रतिनिधित्व है।

(c) संघ तथा राज्यों के मध्य शक्तियों का वितरण है।

(d) सर्वोच्च न्यायालय संविधान का संरक्षक है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

अमेरिकी संघात्मक व्यवस्था के विपरीत भारत में संसद के उच्च सदन राज्य सभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व जनसंख्या के आधार पर भिन्न है। राज्य सभा के सदस्यों का चुनाव राज्य के विधानमण्डल द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व के एकल संक्रमणीय मत प्रणाली के आधार पर होता है।

5. सही कथन को चुने :

(a) अवशेष शक्तियां भारत में राज्यों के पास और अमेरिका में केंद्र में निहित होती है।

(b) अमेरिका में तीन तरह की विधायी शक्तियां होती हैं जबकि भारत में केवल एक प्रकार की शक्ति का निरूपण है।

(c) भारत और अमेरिका दोनों में अवशेष शक्तियां केंद्र के पास होती है।

(d) अवशेष शक्तियां भारत में केंद्र के पास और अमेरिका में राज्यों के पास है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

भारत के संविधान के अनुच्छेद-248 में अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने का अनन्य अधिकार संसद को प्राप्त है। संयुक्त राज्य अमेरिका में गणना और अवशेष के सिद्धांत पर शक्तियों का विभाजन किया गया है, जिसमें केंद्र की शक्तियों का उल्लेख कर अन्य शक्तियां राज्यों को प्रदान की गई हैं।

6. किसने यह दृष्टिकोण व्यक्त किया था कि (भारतीय) 'संविधान समय तथा परिस्थितियों की आवश्यकतानुसार एकात्मक एवं संघात्मक दोनों है'?

(a) के.सी. ह्वीयर (b) आर.एस. सरकारिया

(c) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (d) जेनिंग्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

जेनिंग्स ने अपनी प्रसिद्ध रचना 'सम करेक्टरिस्टिक ऑफ दि इंडियन कान्स्टीट्यूशन' में भारतीय संविधान को संघात्मक माना है, परंतु तीव्र केंद्रीयकरण की प्रवृत्ति को भी स्वीकार किया है। इन दोनों विशेषताओं का उद्देश्य समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप संविधान का सुगम संचालन है।

7. भारतीय संघीय व्यवस्था केंद्रमुखी है, क्योंकि-

(a) संपूर्ण भारत के लिए केवल एक ही नागरिकता है।

(b) आपातकाल में केंद्र की शक्ति बहुत बढ़ जाती है।

(c) संसद राज्यों के क्षेत्रों का पुनर्वितरण (पुनर्गठन) कर सकती है।

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

केंद्रमुखी का तात्पर्य संविधान के ऐसे प्रावधान जो राज्यों की अपेक्षा संघ को अधिक शक्तिशाली बनाते हैं। उपर्युक्त प्रश्न में सभी विकल्प सही है, क्योंकि भारत में केवल एक ही नागरिकता का प्रावधान है, जबकि अमेरिका में दोहरी नागरिकता का प्रावधान है।

- अनुच्छेद 352, 356 एवं 360 के अंतर्गत आपातकाल में संघ अत्यंत शक्तिशाली हो जाता है।
- संविधान के अनुच्छेद 3 और 4 में संसद को यह शक्ति दी गई है कि वह नए राज्यों के निर्माण और वर्तमान राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन कर सकेगी।

8. भारत के संविधान में 'फेडरल' शब्द कहां वर्णित है?

(a) प्रस्तावना में (b) भाग III में

(c) कहीं भी वर्णित नहीं है (d) अनुच्छेद 368 में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

भारत के संविधान में कहीं पर भी 'फेडरल' शब्द का उल्लेख नहीं है। भारतीय संघ प्रणाली को स्पष्ट करने के लिए संविधान के अनुच्छेद (1) में लिखा है कि भारत, अर्थात इंडिया, राज्यों का संघ होगा।

9. भारतीय संघ को पैरामाउंट फेडरेशन (परम संघ) किसने कहा है?

(a) सी.एच. एलेक्जेण्ड्रोविज (b) एम.पी. शर्मा

(c) के. सन्थानम (d) ए.सी. बनर्जी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

योजना आयोग की व्यापक शक्तियों के विस्तार को देखते हुए के. सन्थानम ने भारतीय संघ को 'पैरामाउंट फेडरेशन' कहा था।

10. भारतीय संघीय प्रणाली की विशेषता निम्नलिखित में से कौन-सी है?

1. शक्तियों का बंटवारा

2. शक्तियों का पृथक्करण

3. स्वतंत्र न्यायपालिका

4. प्रधानमंत्री का नेतृत्त्व

5. लिखित संविधान

सूत्र :

(a) 1, 3 एवं 4 (b) 1, 4 एवं 5

(c) 1, 2 एवं 5 (d) 1, 3 एवं 5

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

संघीय व्यवस्था की मुख्य विशेषताएं भारतीय संघीय प्रणाली में पायी जाती है। केन्द्र एवं इकाइयों के बीच शक्तियों का विभाजन, स्वतंत्र न्यायपालिका के रूप में सर्वोच्च एवं अधीनस्थ न्यायालय तथा एक व्यापक लिखित संविधान। शक्तियों का पृथक्करण तथा प्रधानमंत्री के नेतृत्व क्रमशः अध्यक्षात्मक एवं संसदीय शासन प्रणाली की विशेषताएं हैं न कि संघात्मक शासन प्रणाली की।

11. भारत एक गणतंत्र है, इसका अर्थ है-

(a) जनता संप्रभु है

(b) संसदीय शासन व्यवस्था है

(c) राज्यों का संघ है

(d) वंशानुगत शासक नहीं है

P.G.T. परीक्षा, 2010, 2000

उत्तर–(d)

'भारत एक गणतंत्र है' इसका अर्थ है कि भारत में वंशानुगत राजा की परंपरा का अंत हो गया है। भारत का राज्याध्यक्ष जनता का अप्रत्यक्ष चुना हुआ प्रतिनिधि होता है। भारत का राष्ट्रपति एक निश्चित अवधि (5 वर्ष) के लिए चुना जाता है। देश की समस्त कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होती है, किंतु वह उसका प्रयोग मंत्रिमंडल के परामर्श से करता है।

12. भारत एक गणराज्य है, क्योंकि-

(a) विधायिका कार्यपालिका से अधिक शक्तिशाली है।

(b) भारत एक लोकतांत्रिक देश है।

(c) केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन है।

(d) भारत में राज्याध्यक्ष (राष्ट्रपति) का निर्वाचन होता है

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. निम्न में से किस व्यवस्था की विशेषताओं को भारत के संविधान में सम्मिलित किया गया है?

(a) संघीय व्यवस्था की विशेषताएं

(b) एकात्मक व्यवस्था की विशेषताएं

(c) दोनों संघीय एवं एकात्मक व्यवस्था की विशेषताएं

(d) परिसंघ व्यवस्था की विशेषताएं

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

संविधान विशेषज्ञ डी.डी. बसु ने भारतीय संविधान को संघात्मक एवं एकात्मक विशेषताओं से युक्त बताया है। सामान्यतः संघात्मक व्यवस्था प्रचलन में बनी रहेगी, किंतु विशेष परिस्थितियों एवं राष्ट्रीय हित के प्रश्न पर भारतीय संविधान एकात्मक रूप ग्रहण कर लेता है।

14. संविधान के अनुसार भारत है, एक-

(a) संघीय राज्य (b) एकात्मक राज्य

(c) राज्यों का संघ (d) अर्ध-संघीय राज्य

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद एक में भारत को (Union Of State) राज्यों का संघ कहा गया है। डा. अंबेडकर के अनुसार इसके दो लाभ है- पहला- यह राज्यों के बीच किसी समझौते का परिणाम नहीं है; दूसरा- राज्यों को संघ से विलग होने का अधिकार नहीं है।

15. ''भारतीय संविधान वकीलों का स्वर्ग है।'' किसका कथन है?

(a) जवाहरलाल नेहरू (b) जेनिंग्स

(c) के. सी. व्हियर (d) ए.वी.डायसी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

''भारतीय संविधान वकीलों का स्वर्ग है'' यह कथन जेनिंग्स का है। इस कथन के पीछे कारण यह है कि भारतीय संविधान की विशदता उसका एक दुर्गुण है जो भ्रम तथा झगड़ों को उत्पन्न करता है; अतः अन्य कुछ विद्वानों ने भी जेनिंग्स के इस मत का समर्थन किया है कि ''भारतीय संविधान 'वकीलों का स्वर्ग' (Lawyer's Paradise) है''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- के.सी. व्हीयर का मत है कि भारतीय संविधान ऐसी शासन पद्धति की स्थापना करता है जो लगभग 'परिसंघीय कल्प' या 'अर्द्धसंघीय (Quasi-Federal) प्रकृति का है।
- डायसी ने विधि प्रशासन की व्याख्या की है। डायसी की विधि प्रशासन की व्याख्या 'विधि के शासन' (Rule ofLaw) नाम से जानी जाती है।

16. ''भारतीय संघ अधिक से अधिक अर्द्धसंघ है।'' यह किसने कहा?

(a) डॉ. अम्बेडकर (b) दुर्गादास बसु

(c) के.सी. ह्वीयर (d) जवाहरलाल नेहरू

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

के.सी. ह्वीयर के अनुसार, ''भारतीय संघ अधिक से अधिक अर्द्धसंघ है''। उनके अनुसार, भारतीय संविधान एक अर्द्ध-संघीय (Quasi–Federal) संविधान है। प्रो. ह्वीयर के अनुसार, परिसंघीय सिद्धांत के अंतर्गत संघ और इकाइयों में शक्तियों का विभाजन होता है, इस प्रकार परिसंघीय सिद्धांत का सार है- स्वतंत्रता एवं समन्वयकारिता। भारतीय संविधान के संबंध में निष्कर्षतः यह मानना उचित होगा कि यह एकात्मक प्रणाली का लक्षण लिए हुए मूल रूप से संघीय संविधान है।

17. ''भारत के संविधान ने अमेरिका की न्यायिक सर्वोच्चता प्रणाली और इंग्लैंड के संसदीय सर्वोच्चता के सिद्धांत के बीच आश्चर्यजनक रूप से एक मध्यम मार्ग खोज निकाला है।'' यह कथन किसका है?

(a) एम.वी. पायली

(b) दुर्गादास बसु

(c) सर आइवर जेनिंग्स

(d) ग्रेनविले जे. ऑस्टिन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

भारतीय संविधान में ब्रिटिश और अमेरिकी पद्धति के बीच का मार्ग अपनाया गया है। संविधान निर्माता ब्रिटेन की 'संसद की प्रभुता' के आदर्श से प्रभावित थे और उसे अपनाना चाहते थे लेकिन इसके साथ ही अमेरिका की संघात्मक व्यवस्था, लिखित एवं कठोर संविधान, मौलिक अधिकारों की व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायालय, न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था को भी अपनाना चाहते थे। इसी कारण भारतीय संविधान में ब्रिटेन की

'संसद की सर्वोच्चता' तथा अमेरिका की न्यायिक सर्वोच्चता के मध्य का मार्ग अपनाया गया है। इसी संदर्भ में उपरोक्त कथन दुर्गादास बसु ने कहा है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- **श्री एन. पालकीवाला-** ''भारतीय संविधान के अंतर्गत संसद की शक्तियां मर्यादित हैं। संसद न तो बुनियादी नागरिक स्वतंत्रताओं का हरण कर सकती है और न ही संविधान के अनिवार्य तथा स्थाई तत्वों को संशोधित कर सकती है।''
- **डॉ. सुभाष कश्यप-** ''भारत में सार्वभौम प्रभुसत्ता केवल जनता में निहित है, संसद के अधिकार संविधान निर्दिष्ट मात्र हैं।''

18. एक संसदात्मक सरकार में-

(a) व्यवस्थापिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी होती है
(b) कार्यपालिका व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है
(c) न्यायपालिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी होती है
(d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

भारत में संसदात्मक शासन प्रणाली अपनाई गई है। भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में कार्यपालिका, विधायिका के अधीन रहकर कार्य करती है, क्योंकि राजनीतिक कार्यपालिका का गठन विधायिका के सदस्यों में से होता है और कार्यपालिका (मंत्रिपरिषद) सामूहिक रूप से विधायिका (लोक सभा) के प्रति उत्तरदायी होती है।

19. संसदात्मक सरकार की निम्न में कौन विशेषता नहीं है-

(a) नाममात्र का अध्यक्ष
(b) कार्यपालिका का निश्चित कार्यकाल
(c) व्यवस्थापिका व कार्यपालिका में घनिष्ठ संबंध
(d) कार्यपालिका का सामूहिक उत्तरदायित्व

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

संसदात्मक शासन, वह शासन प्रणाली है जिसमें कार्यपालिका पर व्यवथापिका का नियंत्रण होता है। इस शासन में कानूनी रूप में मुख्य कार्यपालक केवल नाम मात्र की कार्यपालिका होती है, जबकि वास्तविक कार्यपालिका मंत्रिमंडल होता है। संसदीय शासन प्रणाली में कार्यपालिका और व्यवस्थापिका एक-दूसरे से पृथक न होकर परस्पर घनिष्ठ रूप से संबंधित होता है। कार्यपालिका, व्यवस्थापिका प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है। कार्यपालिका का कार्यकाल अनिश्चित होता है। अतः विकल्प (b) सही नहीं है।

संविधान के स्रोत

1. संघ को राज्यों को आदेश देने का विचार भारत के संविधान निर्माताओं ने कहां से प्राप्त किया?

(a) 1935 के भारत सरकार अधिनियम से।
(b) अमेरिका के संविधान से।
(c) सोवियत संघ के संविधान से।
(d) ऑस्ट्रेलिया के संविधान से।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

संघ को राज्यों को आदेश देने का विचार भारत के संविधान निर्माताओं ने 1935 के भारत सरकार अधिनियम से प्राप्त किया। संविधान के अनुच्छेद 256 और 257 में केंद्र को राज्यों को निर्देश देने का प्रावधान है।

2. भारत की संघात्मक व्यवस्था में शक्ति-विभाजन संबंधी तीन सूचियां जहां से ली गई हैं, वह है-

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका
(b) कनाडा
(c) ऑस्ट्रेलिया
(d) भारतीय शासन, अधिनियम, 1935

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

भारत की संघात्मक व्यवस्था में केंद्र और प्रांतों के बीच शक्तियों का विभाजन संबंधी तत्व (सूचियां) भारतीय शासन अधिनियम, 1935 से ली गई हैं। शक्ति विभाजन संबंधी तीन सूचियां हैं- संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।

3. भारत में राष्ट्रपति राज्य के राज्यपाल को नियुक्त करने के लिए प्राधिकृत है-

(a) यू.एस.ए. के प्रतिरूप पर
(b) कनाडा के प्रतिरूप पर
(c) ऑस्ट्रेलिया के प्रतिरूप पर
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारत में राज्यपाल को नियुक्त करने का प्रावधान कनाडा के संविधान से ग्रहीत है। कनाडा का संविधान-केंद्र द्वारा राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति संबंधी प्रावधान करता है जबकि प्रश्न में 'राष्ट्रपति' शब्द का प्रयोग किया गया है जो सही नहीं है अत; विकल्प (d) सही उत्तर होगा।

4. भारत में राष्ट्रपति राज्य के राज्यपाल को नियुक्त करने के लिए प्राधिकृत है-

(a) कनाडा के प्रतिरूप पर (b) यू.एस.ए. के प्रतिरूप पर

(c) ऑस्ट्रेलिया के प्रतिरूप पर (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भारतीय संविधान के बारे में सही है?

(a) यह एक मौलिक संविधान है।

(b) यह विकास का परिणाम है।

(c) यह एक उधार का झोला है।

(d) यह एक अनोखा संविधान है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान निर्माताओं का उद्देश्य एक व्यावहारिक और अच्छा संविधान बनाना था। इसलिए उन्होंने संसार के प्रमुख सफल संविधानों का गहन अध्ययन किया एवं स्वीकार्य तत्वों को भारतीय संविधान में सम्मिलित किया फलस्वरूप भारतीय संविधान विभिन्न संविधानों का मिश्रण हो गया। भारतीय संविधान सभा के सदस्य एवं समाजशास्त्री प्रा. के. टी. शाह ने भारतीय संविधान को 'एक उधार का थैला है' कहा था।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भारतीय संविधान के बारे में सही है?

(a) यह एक मौलिक संविधान है।

(b) यह विकास का परिणाम है।

(c) यह एक उधार का झोला है।

(d) यह एक अनोखा संविधान है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. भारतीय संविधान में संघ में अवशिष्ट शक्तियां निहित किए जाने में निम्नलिखित में से किसके नमूने को अपनाया गया है?

(a) कनाडा (b) अमरीका

(c) ऑस्ट्रेलिया (d) स्विट्जरलैंड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

कनाडा के संविधान से सशक्त केंद्र के साथ संघीय व्यवस्था, केंद्र द्वारा राज्यपालों की नियुक्ति उच्चतम न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन अवशिष्ट शक्तियों का केंद्र में निहित होना आदि ग्रहण की गई है।

8. भारत के संविधान निर्माताओं ने संघवाद की अवधारणा को ग्रहण किया था?

(a) कनाडा के संविधान से (b) ग्रेट ब्रिटेन के संविधान से

(c) ऑस्ट्रेलिया के संविधान से (d) नाइजीरिया के संविधान से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

भारत की संघात्मक व्यवस्था, भारतीय संविधान में कनाडा के संविधान से ली गई है।

9. भारत के समवर्ती सूची का विचार निम्नलिखित में से किस देश के संविधान से लिया?

(a) यू.एस.ए. (b) इटली

(c) ऑस्ट्रेलिया (d) फ्रांस

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारत के संविधान में समवर्ती सूची को ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है। इस सूची में ऐसे विषय शामिल हैं, जिन पर केंद्र एवं राज्य दोनों को कानून बनाने का अधिकार है। दोनों द्वारा निर्मित कानूनों में टकराव की स्थिति में केंद्र द्वारा निर्मित कानून ही मान्य होगा। इसे सातवीं अनुसूची में शामिल किया गया है।

10. भारत ने समवर्ती सूची का विचार किस देश के संविधान से ग्रहण किया?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) ऑस्ट्रेलिया

(c) इटली (d) फ्रांस

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I	सूची-II
A. समवर्ती सूची	**1. अमेरिका**
B. संसदीय शासन प्रणाली	**2. कनाडा**
C. राष्ट्रपति पर महाभियोग की व्यवस्था	**3. ऑस्ट्रेलिया**
D. संघात्मक स्वरूप	**4. ब्रिटेन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	2	3	1	4
(d)	3	4	1	2

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

सही सुमेलन है-

सूची-I		**सूची-II**
समवर्ती सूची	–	ऑस्ट्रेलिया
संसदीय शासन प्रणाली	–	ब्रिटेन
राष्ट्रपति पर महाभियोग की व्यवस्था	–	अमेरिका
संघात्मक स्वरूप	–	कनाडा

12. भारत के संविधान निर्माताओं ने राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों की अवधारणा को ग्रहण किया था-

(a) ग्रेट ब्रिटेन के संविधान से
(b) संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से
(c) आयरलैंड के संविधान से
(d) कनाडा के संविधान से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्वों की संकल्पना आयरलैंड के संविधान पर आधारित है। संविधान में इसे भाग-4 में अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51 तक में उपबंधित किया गया है।

13. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों को किस देश से लिया गया है?

(a) फ्रांस (b) कनाडा
(c) जापान (d) आयरलैंड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों की अवधारणा को निम्न में से किस संविधान से लिया गया है?

(a) फ्रांस (b) कनाडा
(c) आयरलैंड (d) जापान

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. भारतीय संविधान में नीति-निदेशक तत्वों का समावेश किस देश के संविधान से प्रेरित होकर किया गया था?

(a) सोवियत रूस (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
(c) आयरलैंड (d) ब्रिटेन

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. भारतीय संविधान में 'राज्यों का संघ' की अवधारणा को निम्न में से किस संविधान से लिया गया है?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका से
(b) कनाडा से
(c) आयरलैंड से
(d) फ्रांस से

U.P. G.I.C. (आ.प.)प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान में 'राज्यों का संघ' की संकल्पना ब्रिटिश नॉर्थ अमेरिका एक्ट (कनाडा) से प्रेरित है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1(1) के अनुसार, भारत ''राज्यों का संघ'' है।

17. ''इंडिया अर्थात् भारत, राज्यों का एक (यूनियन) संघ होगा।'' 'यूनियन' शब्द किस देश के संविधान से लिया गया है?

(a) संयुक्त राज्य अमेरिका (b) स्विट्जरलैंड
(c) कनाडा (d) ऑस्ट्रेलिया

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रयुक्त वाक्यांश 'कानून के समक्ष समानता' किस संविधान से लिया गया है?

(a) अमेरिका (b) फ्रांस
(c) कनाडा (d) ब्रिटेन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रयुक्त वाक्यांश 'कानून के समक्ष समानता' ब्रिटेन के संविधान से लिया गया है।

19. भारतीय संघ प्रमुखतः आधारित है संघ व्यवस्था जो पाई जाती है-

(a) कनाडा में (b) अमेरिका में
(c) नाइजीरिया में (d) ऑस्ट्रेलिया में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(a)

भारत की संघात्मक व्यवस्था, भारतीय संविधान में कनाडा के संविधान से ली गई है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में प्रस्तावना के शब्द (हम भारत के लोग), मूल अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, 'कानून का समान संरक्षण' शब्द, उपराष्ट्रपति का राज्य सभा का पदेन सभापति होना, संबंधी प्रावधान अमेरिकी संविधान से लिए गए हैं।
- समवर्ती सूची तथा प्रस्तावना की विशिष्ट भाषा ऑस्ट्रेलिया के संविधान से प्रेरित हैं।
- 7वीं अनुसूची की सूचियां, केंद्र-राज्य संबंध, केंद्र के पास अवशिष्ट शक्तियां, राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक सुरक्षित रखने का प्रावधान (अनुच्छेद 200, अनुच्छेद 201), राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति तथा पद-अवधि, कनाडा के संविधान से लिए गए हैं।

उद्देशिका

1. पं. जवाहरलाल नेहरू के 'उद्देश्य प्रस्ताव' को संविधान सभा ने स्वीकृत किया-

(a) 26 जनवरी, 1947 को (b) 22 जनवरी, 1947 को
(c) 9 दिसंबर, 1946 को (d) 15 अगस्त, 1947 को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा द्वारा भारत को एक संविधान देने का उद्देश्य प्रस्ताव पारित किया गया। 'उद्देश्य प्रस्ताव' को 13 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा में जवाहरलाल नेहरू द्वारा पेश किया गया था। आगे चलकर यही 'उद्देश्य प्रस्ताव' प्रस्तावना का प्रारूप बना।

2. भारत की संविधान सभा में 'उद्देश्य प्रस्ताव' (ऑब्जेक्टिव रिजॉल्यूशन) किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया था?

(a) बी.आर. अंबेडकर (b) जी.बी. पन्त
(c) सरदार पटेल (d) जवाहरलाल नेहरू

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द संविधान की प्रस्तावना में नहीं है?

(a) न्याय (b) व्यक्ति की गरिमा
(c) बन्धुत्व (d) संघीय

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

संघीय शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान की प्रस्तावना में नहीं किया गया है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा एक शब्द भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित नहीं है?

(a) संप्रभु (b) पंथनिरपेक्ष
(c) संघीय (d) लोकतांत्रिक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. भारत के संविधान की उद्देशिका में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है?

(a) राजनैतिक समानता (b) व्यक्ति की गरिमा
(c) प्रतिष्ठा की समानता (d) राष्ट्र की अखंडता

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

भारत के संविधान की उद्देशिका में राजनैतिक समानता का उल्लेख नहीं है, बल्कि राजनैतिक न्याय तथा प्रतिष्ठा और अवसर की समता का उल्लेख है। व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की अखंडता का उल्लेख भी उद्देशिका में किया गया है।

6. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग 'संविधान की आत्मा' कहलाता है?

(a) मौलिक अधिकार
(b) राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत
(c) संविधान की उद्देशिका
(d) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015
U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने अनुच्छेद 32 अर्थात संवैधानिक उपचारों के अधिकार को 'संविधान की आत्मा' कहा है। यहां यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि 'संविधान की उद्देशिका' को भी 'संविधान की आत्मा' माना गया है। यदि प्रश्न अंबेडकर के अनुसार पूछा जाए तो 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' उसका उत्तर होगा नहीं तो 'संविधान की उद्देशिका'।

7. भारतीय संविधान की दार्शनिक आधार भूमि है-

(a) राज्यनीति के निर्देशक तत्व
(b) मौलिक अधिकार
(c) संघीय संरचना
(d) प्रस्तावना

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान की दार्शनिक आधार भूमि प्रस्तावना है। यही कारण है कि बेरूबारी वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि, प्रस्तावना संविधान निर्माताओं के आशय को समझने में सहायक है और यह संविधान निर्माताओं के विचारों को जानने की कुंजी है।

8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना को कितनी बार संशोधित किया गया है-

(a) दो बार (b) एक बार

(c) चार बार (d) दस बार

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में अब तक केवल एक बार संशोधन किया गया है। 42वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान की प्रस्तावना में तीन शब्द-'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' (धर्मनिरपेक्ष) तथा 'अखंडता' जोड़े गए।

9. संविधान के उद्देशिका (Preamble) में 'समाजवादी व पंथनिरपेक्ष' (Socialist & Secular) किस वर्ष संशोधित कर जोड़ा गया?

(a) 1975 (b) 1976

(c) 1984 (d) 1985

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

42वें संविधान संशोधन 1976 अब तक पारित संशोधनों में सबसे बड़ा हैं इसलिए इसे लघु संविधान भी कहा जाता है। इस संशोधन द्वारा उद्देशिका में पंथनिरपेक्ष, समाजवादी तथा अखण्डता शब्द जोड़े गए है। साथ ही इस संशोधन द्वारा 10 मुल कर्तव्य भी नीति निदेशक तत्वों में जोड़े गए थे।

10. भारत के संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों का समावेश किस वर्ष किया गया?

(a) 1975 में (b) 1976 में

(c) 1977 में (d) 1978 में

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. भारत के संविधान की प्रस्तावना के संदर्भ में 'हम भारत के लोग' की सही व्याख्या है।

A. हम भारत में निवास करते हैं।

B. संविधान की शक्ति का स्रोत भारत की जनता है।

C. प्रभुत्व शक्ति जनता में निहित है।

D. इस संविधान का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया।

(a) A, B, C (b) A, C, D,

(c) A, B, D (d) B, C, D

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

संविधान की प्रस्तावना में 'हम भारत के लोग' की सही व्याख्या हम भारत में निवास करते है, संविधान की शक्ति का स्रोत भारत की जनता है एवं प्रभुत्व शक्ति जनता में निहित है होगा।

12. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निम्न में कौन शब्द प्रयुक्त नहीं हुआ है?

(a) उदारवादी (b) पंथनिरपेक्ष

(c) संप्रभु (d) लोकतांत्रिक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को एक सार्वभौम, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, प्रजातांत्रिक गणतंत्र के रूप में घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि संविधान की प्रस्तावना में उदारवादी शब्द नहीं प्रयुक्त हुआ है।

राज्य एवं संघ क्षेत्र

1. तेलंगाना विधानसभा में कुल कितनी सीटें हैं?

(a) 121 (b) 119

(c) 117 (d) 90

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

तेलंगाना विधान सभा में कुल सीटों की संख्या 120 है। जिसमें 119 निर्वाचित सदस्य के रूप में, तथा एक सदस्य राज्यपाल द्वारा आंग्लभारतीय समुदाय का मनोनीत किया जाता है। यदि निर्वाचित सदस्य की बात की जाए तो विकल्प (b) सही उत्तर हो सकता है।

2. जम्मू-कश्मीर का संविधान लागू हुआ-

(a) 26 जनवरी, 1955 को (b) 15 अगस्त, 1956 को

(c) 26 जनवरी, 1957 को (d) 15 अगस्त, 1958 को

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

जम्मू-कश्मीर का संविधान 26 जनवरी, 1957 को लागू हुआ था।

3. उत्तर प्रदेश में कितनी बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है?

(a) 14 (b) 11

(c) 9 (d) 7

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(*)

उत्तर प्रदेश में अब तक 10 बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है। उत्तर प्रदेश में अंतिम बार राष्ट्रपति शासन 8 मार्च, 2002 से 3 मई 2002 तक प्रभावी रहा था। अतः दिए गए विकल्पों में सही विकल्प का चयन संभव नहीं है।

4. वर्तमान समय में भारत में कितने राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं?

(a) 22 राज्य, 9 केंद्र शासित प्रदेश
(b) 21 राज्य, 10 केंद्र शासित प्रदेश
(c) 17 राज्य, 11 केंद्र शासित प्रदेश
(d) 28 राज्य, 7 केंद्र शासित प्रदेश

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

प्रश्न काल में भारत में 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश थे। वर्तमान समय में भारत में 29 राज्य तथा 7 केंद्रशासित प्रदेश हैं। तेलंगाना, भारत के आंध्र प्रदेश राज्य से अलग होकर बना भारत का 29वां राज्य है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 18 फरवरी, 2014 को तेलंगाना बिल लोक सभा से पास हो गया तथा दो दिन पश्चात इसे राज्य सभा से भी मंजूरी मिल गई। तत्पश्चात राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के साथ ही तेलंगाना भारत का 29वां राज्य बन गया है।
- हैदराबाद को 10 साल के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की संयुक्त राजधानी बनाया गया है।
- आंध्र प्रदेश के 23 जिलों में से 10 जिले तेलंगाना राज्य के अंतर्गत आते हैं।

5. भारत में संघशासित प्रदेश कितने है?

(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. निम्नलिखित में से किस एक राज्य को भारत में अपना संविधान निर्मित करने का अधिकार प्राप्त है?

(a) मिजोरम (b) मेघालय
(c) जम्मू और काश्मीर (d) नागालैण्ड

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद- 370 के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा प्रदान किया गया है। इस राज्य का अपना अलग संविधान है। यहां का प्रशासन एवं प्रावधान भारत के अन्य शेष राज्यों से पृथक है। संविधान के भाग-6 के अध्याय 1 के अनुच्छेद 152 में राज्य को परिभाषित करते हुए जम्मू एवं कश्मीर राज्य को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

7. निम्न में से कौन एक क्रमानुसार सही है जिसे भारतीय संघ में पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ?

(a) सिक्किम-अरुणाचल प्रदेश-हरियाणा-नगालैंड
(b) सिक्किम-हरियाणा-नागालैंड-अरुणाचल प्रदेश
(c) नगालैंड-अरुणाचल प्रदेश-सिक्किम-हरियाणा
(d) नगालैंड-हरियाणा-सिक्किम-अरुणाचल प्रदेश

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

(राज्य)		(स्थापना वर्ष)
नगालैंड	-	1963
हरियाणा	-	1966
सिक्किम	-	1975
अरुणांचल प्रदेश	-	1987

8. भारत में राज्यों का भाषा के आधार पर पुनर्गठन कब किया गया?

(a) 1954 (b) 1967
(c) 1955 (d) 1976

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(*)

भारत के स्वतंत्र होने के बाद भारत सरकार ने राज्यों को भाषायी आधार पर पुनर्गठित करने के लिए 'राज्य पुनर्गठन आयोग' की स्थापना की। 22 दिसंबर, 1953 को न्यायाधीश फजल अली की अध्यक्षता में प्रथम राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन हुआ। इस आयोग ने 30 सितंबर, 1955 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। वर्ष 1955 में इस आयोग की रिपोर्ट आने के बाद वर्ष 1956 में नए राज्यों का निर्माण हुआ और 14 राज्य और 6 केंद्रशासित राज्य बने।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1960 में पुनर्गठन का दूसरा दौर चला। लिहाजा 1960 में बंबई राज्य को तोड़कर महाराष्ट्र और गुजरात बनाए गए।
- वर्ष 1966 में पंजाब का बंटवारा हुआ और हरियाणा और हिमाचल प्रदेश राज्यों का गठन हुआ।
- वर्ष 1972 में मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा बनाए गए।
- वर्ष 1987 में मिजोरम का गठन किया गया और केंद्रशासित राज्य अरुणाचल प्रदेश और गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।
- वर्ष 2000 में उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आए।
- फरवरी, 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना भारत का 29 वां राज्य बना।

9. लक्षद्वीप की राजधानी का नाम है -

(a) ईटानगर (b) ऐंजाल

(c) पोर्टब्लेयर (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

लक्षद्वीप भारत के दक्षिण-पश्चिम में हिंद महासागर में स्थित एक भारतीय द्वीपसमूह है। इसकी राजधानी कवरत्ती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- समस्त केंद्र शासित प्रदेशों में लक्षद्वीप सबसे छोटा है।
- लक्षद्वीप भारत की मुख्यभूमि से लगभग 300 किमी. दूर पश्चिम दिशा में अरब सागर में अवस्थित है।
- पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार की राजधानी है।
- आइज़ाल (Aizawl) मिजोरम की राजधानी है।
- ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश की राजधानी है।

10. किन दो भाषाओं का उपयोग भारत के किसी भी हिस्से में भाषाओं के रूप में नहीं होता?

(a) सिंधी और संस्कृत (b) सिंधी और अंग्रेजी

(c) पंजाबी और उर्दू (d) तमिल और कश्मीरी

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

सिंधी तथा संस्कृत भाषा का उपयोग भारत के किसी भी हिस्से में भाषाओं के रूप में नहीं होता है। ये दोनों ही भाषाएं आठवीं अनुसूची में वर्णित 22 भाषाओं में सम्मिलित हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 343 (1) के अनुसार, संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी है।
- अनु. 345 राज्य की राजभाषा या राजभाषाएं संबंधी उपबंध करता है।
- अनु. 345 के अनुसार, अनु. 346 (दो राज्यों के बीच या किसी राज्य और संघ के बीच पत्रादि की राजभाषा) और अनु. 347 (किसी राज्य की जनसंख्या के किसी अनुभाग द्वारा बोली जाने वाली भाषा संबंधी विशेष उपबंध) के प्रावधानों के अधीन रहते हुए, किसी राज्य का विधान मंडल, विधि द्वारा उस राज्य में प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में से किसी एक या अधिक को या हिंदी को उस राज्य के शासकीय प्रयोजन में प्रयुक्त भाषा के रूप में अंगीकार कर सकेगा।
- अनु. 351 के प्रावधानों के अनुसार, संघ का कर्त्तव्य है कि वह हिंदी का प्रसार बढ़ाए तथा मुख्यतया संस्कृत और अन्य गौण भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे।

नागरिकता

1. भारत का संविधान अपने नागरिकों को प्रदान करता है-

(a) एकल नागरिकता

(b) दोहरी नागरिकता

(c) कुछ राज्यों में एकल और कुछ में दोहरी नागरिकता

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान एकल नागरिकता प्रदान करता है। भारत के प्रत्येक नागरिक की केवल एकल नागरिकता है- वह है भारतीय। अमेरिका की भांति संघ एवं राज्यों की दोहरी नागरिकता भारत में प्रचलित नहीं है। नागरिकता, भारतीय संविधान के भाग 2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक वर्णित है।

2. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग नागरिकता के प्रावधानों से संबंधित है?

(a) भाग I (b) भाग II

(c) भाग III (d) भाग IV

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. भारत में नागरिकता संबंधी विधान बनाने का प्राधिकार प्राप्त है-

(a) संसद को (b) लोक सभा को

(c) राज्य सभा को (d) राज्य विधानमंडलों को

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

भारत में एकल नागरिकता की व्यवस्था की गई है। नागरिकता के संबंध में भारतीय संविधान के भाग-2 तथा अनुच्छेद 5-11 में प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 11 द्वारा संसद को नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन करने की शक्ति है।

4. भारत में कौन नागरिकता के अर्जन हेतु शर्तों को नियत करने के लिए सक्षम है?

(a) चुनाव आयोग

(b) राष्ट्रपति

(c) संसद

(d) संसद एवं राज्य-विधायिका सम्मिलित रूप से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. प्रथम भारतीय नागरिकता अधिनियम संसद द्वारा कब पारित किया गया?

(a) 1954 (b) 1953

(c) 1955 (d) 1952

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 (बाद में संशोधित) द्वारा भारतीय नागरिकता प्राप्त करने संबंधी प्रावधान किए गए हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 11 के अनुरूप पारित नागरिकता अधिनियम, 1955 में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 1986; नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 1992; नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2003 तथा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2005 द्वारा संशोधन किए गए हैं।
- भारत के संविधान के दूसरे भाग में अनुच्छेद 5 से 11 तक में नागरिकता संबंधी प्रावधान हैं।
- अनुच्छेद 11 के अनुसार, संसद नागरिकता के अधिकार का विधि द्वारा विनियमन कर सकती है।
- यथासंशोधित भारतीय नागरिकता अधिनियम द्वारा भारतीय नागरिकता निम्नलिखित तरीकों से प्राप्त की जा सकती है- (1) जन्म द्वारा, (2) रक्त संबंध या वंशक्रम द्वारा, (3) रजिस्ट्रीकरण द्वारा, (4) देशीकरण द्वारा, (5) किसी भू-भाग के सम्मिलन द्वारा।

6. भारतीय संसद में नागरिकता अधिनियम पारित किया-

(a) 1960 में (b) 1955 में

(c) 1975 में (d) 1980 में

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. निम्नलिखित में से भारतीय संविधान में कौन-सा नागरिकता का आधार है?

(a) इतिहास से प्रमाणित उद्‌भव का आधार

(b) भौगोलिक आधारित उत्पत्ति

(c) जन्मना और भारतीय संस्कृति की स्वीकृति

(d) संविधान प्रारंभ होने का आधार

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 (बाद में संशोधित) द्वारा भारतीय नागरिकता निम्नलिखित तरीकों से प्राप्त की जा सकती है- (1) जन्म द्वारा, (2) रक्त संबंध या वंशक्रम द्वारा, (3) रजिस्ट्रीकरण द्वारा, (4) देशीकरण द्वारा एवं (5) किसी भू-भाग के सम्मिलिन द्वारा।

8. नागरिकता प्राप्त करने का निम्न में से कौन-सा साधन है?

(a) जन्म के आधार पर (b) शिक्षा के द्वारा

(c) धन सम्पत्ति होने पर (d) प्रधानमंत्री की कृपा पर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

मूल अधिकार

1. मौलिक अधिकार भारत के संविधान के किस भाग में दिए गए हैं?

(a) III (b) IV

(c) V (d) IX

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारत में मौलिक अधिकार राज्य कृत्य के विरुद्ध एक गारंटी है। इन्हें संविधान के भाग 3 में शामिल किया गया है।

2. संविधान को कौन-से भाग में मूलभूत अधिकारों के बारे में जानकारी मिलती है?

(a) भाग I (b) भाग II

(c) भाग III (d) भाग V

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. भारत के नागरिक कुल कितने मूलभूत अधिकार अनुभव करते हैं?

(a) 5 (b) 6

(c) 7 (d) 8

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। वर्तमान में कुल 6 मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा एक नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संशोधित करने के लिए प्राधिकृत है?

(a) लोक सभा (b) राज्य सभा

(c) संसद (d) सर्वोच्च न्यायालय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संसद नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संशोधित करने के लिए प्राधिकृत है, जबकि न्यायपालिका को मूल अधिकार का संरक्षक समझा जाता है।

5. निम्नलिखित में से किसे संविधान के मौलिक अधिकारों को संशोधन कर सकने की क्षमता प्राप्त हैं?

(a) सर्वोच्च न्यायालय (b) संसद

(c) राष्ट्रपति (d) मंत्रिपरिषद

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. भारतीय संविधान में निम्नलिखित में से कौन सा 'संवैधानिक उपचारों का अधिकार' में सम्मिलित नहीं है?

(a) बंदी प्रत्यक्षीकरण (b) परमादेश

(c) सर्वक्षमा (d) अधिकार-पृच्छा

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. निम्नलिखित में से किस अधिकार का वर्णन डॉ. अंबेडकर ने 'संविधान के हृदय एवं आत्मा' के रूप में किया है?

(a) समानता का अधिकार (b) स्वतंत्रता का अधिकार

(c) संपत्ति का अधिकार (d) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

डॉ. अंबेडकर ने अनुच्छेद 32 द्वारा प्रदत्त संवैधानिक उपचारों के अधिकार को 'संविधान के हृदय एवं आत्मा' के रूप में माना है। अनुच्छेद 32 मूल अधिकारों के प्रवर्तन हेतु एक प्रत्याभूत उपचार प्रदान करता है। यह उपचार का अधिकार भी मूल अधिकार है क्योंकि यह भाग-3 में सम्मिलित है। इस अनुच्छेद द्वारा उच्चतम न्यायालय को मूलाधिकारों का संरक्षक बनाया गया है।

8. निम्न में से किसे डॉ. अम्बेडकर ने संविधान के 'हृदय व आत्मा' की संज्ञा दी?

(a) समानता का अधिकार

(b) शोषण के विरुद्ध अधिकार

(c) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

(d) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. निम्नलिखित में से किस एक अधिकार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा संविधान की आत्मा कहा गया है?

(a) धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

(b) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

(c) संपत्ति का अधिकार

(d) समानता का अधिकार

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. निम्न में से कौन-सा मौलिक अधिकार बाल श्रम (बाल मजदूरी) को प्रतिबंधित करता है?

(a) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

(b) समानता का अधिकार

(c) स्वतंत्रता का अधिकार

(d) शोषण के विरुद्ध अधिकार

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

शोषण के विरुद्ध अधिकार के अंतर्गत भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24, चौदह वर्ष से कम की आयु के बालकों को कारखानों, खनन इत्यादि परिसंकटमय क्षेत्रों में नियोजन को निषिद्ध करता है।

11. भारत के संविधान के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकार आपातकाल में छीना नहीं जा सकता है?

(a) भाषण का अधिकार

(b) भ्रमण की स्वतंत्रता का अधिकार

(c) जीवन का अधिकार

(d) संगठित होने का अधिकार

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

44वें संविधान संशोधन के बाद अनुच्छेद 20 एवं 21 (जीवन का अधिकार) का आपात की घोषणा के काल में भी निलंबन नहीं किया जा सकता।

12. कौन-सा अधिकार संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत लागू आपातकाल के दौरान भी छीनी नहीं जा सकती-

(a) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार

(b) भ्रमण की स्वतंत्रता का अधिकार

(c) जीवन का अधिकार

(d) संगठित होने का अधिकार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की उद्घोषणा होने पर अनुच्छेद 358 के तहत अनुच्छेद 19 में वर्णित मूलअधिकार स्वतः ही निलंबित हो जाते हैं। परंतु अनुच्छेद 20 एवं 21 का निलंबन नहीं किया जा सकता है। चूंकि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार को सम्मिलित किया जाता है अत; विकल्प (c) सही उत्तर होगा।

13. निम्न में से कौन-से भारतीय संविधान में प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में शामिल नहीं हैं?

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

1. धर्म के अनुसरण और प्रचार का अधिकार।

2. टैक्स लगाना या राजकीय निधि का किसी धर्म के प्रोत्साहन या अनुरक्षण में उपयोग करना।

3. धर्म के मामलों का प्रबंधन।

4. धर्म के मामलों में धार्मिक निर्देशों को व्यवहृत करना।

कूट :

(a) 1 और 2 (b) 1, 3 और 4

(c) 1, 2 और 3 (d) 2 और 4

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार का वर्णन अनुच्छेद 25 से अनुच्छेद 28 तक वर्णित है।

अनुच्छेद 25- अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 26- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 27-किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।

अनुच्छेद 28-कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।

अतः स्पष्ट है कि टैक्स लगाना एवं धार्मिक मामलों में निर्देशों का व्यवहृत करना धार्मिक स्वतंतत्रा के अंतर्गत शामिल तत्व नहीं है।

14. भारत में मौलिक अधिकारों से संपत्ति के अधिकार को किस संवैधानिक संशोधन के द्वारा हटा दिया गया?

(a) 42वां (b) 43वां

(c) 56वां (d) 44वां

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर भाग-12 के अध्याय 4 में अनुच्छेद 300-क में स्थान दिया गया है। अब संपत्ति का अधिकार एक वैधानिक या विधि अधिकार है, जिसका विनियमन साधारण विधियों को बनाकर किया जा सकता है। इसके लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता नहीं होगी।

15. वर्तमान स्थिति में संपत्ति का अधिकार, मौलिक अधिकार के अध्याय से निकालने के बाद, किस रूप में है?

(a) कानूनी अधिकार के रूप में।

(b) नैतिक अधिकार के रूप में।

(c) न्यायसंगत अधिकार के रूप में।

(d) अन्यायसंगत अधिकार के रूप में।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भारत के नागरिकों का मौलिक अधिकार नहीं है?

(a) संवैधानिक उपचारों का अधिकार

(b) विधि के समक्ष समानता

(c) संपत्ति का अधिकार

(d) शोषण के विरुद्ध अधिकार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. निम्न में से कौन-सा सूचना के अधिकार के विषय में सही है?

(a) यह एक मौलिक अधिकार है।

(b) न तो यह मौलिक अधिकार है और न ही विधिक अधिकार।

(c) यह मौलिक और विधिक दोनों अधिकार हैं।

(d) यह एक विधिक अधिकार है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

सूचना का अधिकार मूल अधिकार के रूप में भारतीय संविधान में नागरिकों को नहीं दिया गया है। यह एक विधिक अधिकार है, जिसे सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नागरिकों को प्रदान किया गया है।

18. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में कौन से अधिकार उल्लिखित हैं?

(a) धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार

(b) अभिव्यक्ति के अधिकार

(c) अल्पसंख्यकों के अधिकार

(d) संवैधानिक उपचार के अधिकार

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों का अधिकार उल्लिखित है। संवैधानिक उपचारों का अधिकार के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय का पांच प्रकार का आदेश या रिट जारी करने का अधिकार है, जो इस प्रकार हैं-बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार-पृच्छा और उत्प्रेषण।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ **बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)–**

उच्चतम न्यायालय द्वारा यह रिट उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है, जिसे लगता है कि, उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इस रिट के द्वारा न्यायालय बंदी बनाने वाले अधिकारी को बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित समय के अंदर अपने सामने उपस्थित करने का आदेश देता है, जिससे उसके बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

➲ **परमादेश (Mandamus)–**

यह रिट उच्चतम न्यायालय द्वारा किसी पदाधिकारी को उसके सार्वजनिक कर्तव्यों के पालन करने के लिए जारी किया जाता है। इस रिट का अर्थ होता है- हम आदेश देते हैं।

➲ **प्रतिषेध (Prohibition)–**

यह आज्ञापत्र उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा अर्द्ध न्यायिक न्यायाधिकरणों को जारी करते हुए आदेश दिया जाता है कि, इस मामले में अपने यहां कार्यवाही न करें क्योंकि यह मामला उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

➲ **उत्प्रेषण (Certiorari)–**

इस रिट के द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को निर्देश दिया जाता है कि, वे अपने पास लम्बित मुकदमों को न्यायिक निर्णयन के लिए वरिष्ठ न्यायालय के पास भेजें।

➲ **अधिकार पृच्छा (Quo-Warranto)–**

यह रिट न्यायालय द्वारा उन पदाधिकारियों को जारी की जाती है, जो किसी काम को करने के लिए वैधानिक रूप से अधिकार नहीं रखते हैं, इस रिट के न्यायालय उनसे पूछता है कि, आप किस अधिकार से यह कार्य कर रहें हैं और जब तक उस व्यक्ति द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं मिल जाता है तब तक वह पदाधिकारी उस कार्य को नहीं कर सकता है।

19. यदि किसी व्यक्ति का जीवन या स्वतंत्रता का प्रश्न हो, तो जनसूचना अधिकारी का जवाब कितने समय में मिलना चाहिए?

(a) 24 घंटे (b) 12 घंटे

(c) 36 घंटे (d) 48 घंटे

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

यदि किसी व्यक्ति का जीवन या स्वतंत्रता का प्रश्न हो तो जनसूचना अधिकारी का जवाब 48 घंटे में मिलना चाहिए का प्रावधान किया गया है।

20. निम्न में से किसकी प्रत्याभूति भारतीय संविधान द्वारा नहीं दी गई है?

(a) समानता के अधिकार की।

(b) 14 वर्ष की आयु तक निःशुल्क शिक्षा के अधिकार की।

(c) धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की।

(d) संवैधानिक उपचारों के अधिकार की।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान में समानता के अधिकार को अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित किया गया है। धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार-अनुच्छेद 25 से 28 तक। संवैधानिक उपचारों का अधिकार-अनुच्छेद 32, यह तीनों संविधान में वर्णित मूल अधिकार है और इनका प्रतिस्थापन नहीं किया गया। यद्यपि संविधान (86वां संशोधन) अधिनियम, 2002 के द्वारा संविधान के भाग-III में नया अनुच्छेद 21(क) जोड़ा गया जिसके अनुसार, राज्य 6-14 वर्ष की आयु के सभी बालकों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था करेगा। इस अनुक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 संसद द्वारा पारित किया गया, जो 1 अप्रैल, 2010 से लागू हुआ। शिक्षा का अधिकार मानवाधिकार भी है।

राज्य के नीति निदेशक तत्व

1. भारत के संविधान की प्रस्तावना में भारतीय गणतंत्र के विशेषणों में समाजवाद शब्द का भी प्रयोग किया गया है। संविधान के किस भाग से इस लक्ष्य की पूर्ति होती है?

(a) मूलाधिकार
(b) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(c) (a) और (b) दोनों
(d) कहीं नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

नीति निदेशक ततवों में वे उद्देश्य एवं लक्ष्य निहित है जिनका पालन करना राज्य का कर्तव्य है। संविधान की उद्देशिका में परिकल्पित लोक हितकारी राज्य' एवं 'समाजवादी समाज' की स्थापना का आदर्श तभी प्राप्त किया जा सकता है, जबकि सरकार नीति निदेशक सिद्धांत एवं मूल अधिकार को लागू करने का प्रयास करें।

2. निम्न में से कौन-सा 'राज्य का नीति निदेशक तत्व' है?

(a) राज्य किसी व्यक्ति की विधि के समक्ष समता नहीं नकारेगा।
(b) राज्य धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर किसी व्यक्ति के विरुद्ध विभेद नहीं करेगा।
(c) राज्य ने अस्पृश्यता का अंत कर दिया है और उसका किसी भी रूप में आचरण विधि द्वारा दंडनीय होगा।
(d) राज्य पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करने का प्रयास करेगा।

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

संविधान के भाग 4 में नीति-निदेशक तत्वों का प्रावधान किया गया है जो अनुच्छेद 36 से 51 तक विस्तृत हैं। संविधान के 42 वें संशोधन अधिनियम द्वारा इस भाग में अनुच्छेद 48 क जोड़कर पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन तथा वन्य जीवों की रक्षा को राज्य का नीति-निदेशक तत्व बना दिया गया है।

3. मूल अधिकारों एवं नीति निर्देशक तत्वों में विवाद का पहला मामला कौन-सा है?

(a) चम्पाकम दोराईराजन बनाम मद्रास राज्य
(b) कामेश्वर सिंह बनाम बिहार राज्य
(c) सज्जन कुमार बनाम राजस्थान राज्य
(d) बेला बोस बनाम पश्चिम बंगाल राज्य

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

मूल अधिकारों एवं नीति निर्देशक तत्वों में विवाद का पहला मामला चम्पाकम दोराईराजन बनाम मद्रास राज्य (1951) था। उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट रूप से कथन किया है-
'निदेशक तत्वों को मूल अधिकार के अध्याय के अनुरूप और उनके सहायक के रूप में कार्य करना होगा।

4. निम्न में से कौन-सा राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों में सम्मिलित नहीं है?

(a) पुरुषों एवं महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन
(b) आजीविका के लिए समुचित संसाधनों का समान अधिकार
(c) अछूत प्रथा की समाप्ति
(d) कार्य करने की समुचित एवं मानवीय दशाएं

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 17 के अंतर्गत अस्पृश्यता का अंत (समता के अधिकार) मूल अधिकार के अंतर्गत वर्णित है, जबकि बाकी अन्य विकल्प नीति निदेशक सिद्धांतों में सम्मिलित है।

5. निम्नलिखित में से कौन एक राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों में सम्मिलित नहीं है?

(a) धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण तथा प्रचार की स्वतंत्रता
(b) समान न्याय तथा निःशुल्क विधिक सहायता
(c) कामगारों के लिए निर्वाह मजदूरी
(d) वनों तथा वन्य जीवों की रक्षा

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण तथा प्रचार की स्वतंत्रता अनुच्छेद 25 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार है, जबकि अन्य सभी प्रावधान नीति निर्देशक तत्वों के अंग हैं।

6. भारतीय संविधान में राज्य नीति के निदेशक तत्वों का उद्देश्य है-

(a) राष्ट्रवादी राज्य की स्थापना करना
(b) पूंजीवादी राज्य की स्थापना करना
(c) लोक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना
(d) अध्यक्षात्मक लोकतंत्र की स्थापना करना

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

संविधान के भाग 4 में दिए गए नीति-निदेशक तत्वों के विषय में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि ''इनमें एक कल्याणकारी राज्य का लक्ष्य निहित है।''

7. भारतीय संविधान में नीति-निदेशक तत्व किसके लिए हैं-

(a) भारतीय नागरिकों के लिए

(b) उच्च न्यायालय के लिए

(c) राष्ट्रपति के लिए

(d) सरकार के लिए

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. यदि राज्य सरकार राज्य-नीति के निदेशक सिद्धांतों का क्रियान्वयन नहीं करती है तो उसे पालन कराने के लिए कौन बाध्य कर सकता है?

(a) भारत का सर्वोच्च न्यायालय (b) मतदाता

(c) संसद (d) विपक्ष

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के भाग 4 में वर्णित नीति-निदेशक तत्व सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र या कल्याणकारी राज्य की अवधारणा से जुड़े होने के कारण और राज्य के द्वारा सक्रिय संकल्प के माध्यम से क्रियान्वित होने वाले उपबंध हैं। अतः इनका सीधा संबंध राज्य के मतदाताओं या जनता से है, इसलिए वही इसे लागू कराने के लिए बाध्य कर सकता है। नीति-निदेशक तत्व न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ग्राम पंचायतों के गठन से संबंधित उपबंध अनुच्छेद 40 में दिया गया है।
- नागरिकों के लिए समान सिविल संहिता का उल्लेख अनुच्छेद 44 में किया गया है।
- कार्यपालिका और न्यायपालिका का पृथक्करण अनुच्छेद 50 में वर्णित है।

9. निम्नलिखित में से किसने नीति-निदेशक तत्वों को ऐसा चेक बताया जिसका भुगतान बैंक की सुविधा पर निर्भर करता है?

(a) ए.के. अय्यर (b) हृदयनाथ कुंजरू

(c) एच.वी. कामथ (d) के.टी. शाह

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

संविधान सभा के सदस्य के.टी. शाह ने नीति-निदेशक तत्वों को ऐसा चेक बताया जिसका भुगतान बैंक की सुविधा पर निर्भर करता है।

10. भारतीय संविधान के 'राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों' को बनाने में किस देश का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा है?

(a) जापान (b) आयरलैंड

(c) फ्रांस (d) रूस

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51 तक राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों का उल्लेख किया गया है। भारतीय संविधान का यह उपबंध आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।

11. राज्य के नीति-निदेशक तत्व के विषय में क्या सत्य है-

(a) ये न्याय योग्य नहीं हैं (b) ये न्याय योग्य हैं

(c) दोनों (d) कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(a)

संविधान के भाग 4 में उल्लिखित नीति-निदेशक तत्वों के विषय में इसी भाग के अनुच्छेद 37 में कहा गया है कि इस भाग में अंतर्विष्ट उपबंध (नीति-निदेशक तत्व) किसी न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं होंगे, किंतु फिर भी इनमें अधिकथित तत्व देश के शासन में मूलभूत हैं और विधि बनाने में इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

12. भारतीय संविधान के कौन-से भाग में नीति-निदेशक तत्वों का वर्णन है?

(a) प्रथम (b) द्वितीय

(c) चौथे (d) अंतिम

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (विचारक)	सूची-II (नीति-निदेशक सिद्धांतों की प्रकृति पर विचार)
A. पनिक्कर	(i) पुण्य आकांक्षा
B. अंबेडकर	(ii) नैतिक उपदेश
C. बी.एन. राव	(iii) आर्थिक क्षेत्र में समाजवाद
D. जेनिंग्स	(iv) आर्थिक लोकतंत्र

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(d)

सूची-I तथा सूची-II निम्नवत सुमेलित हैं-

(विचारक)	(नीति-निदेशक सिद्धांतों की प्रकृति पर विचार)
पनिक्कर	आर्थिक क्षेत्र में समाजवाद
अंबेडकर	आर्थिक लोकतंत्र
बी.एन. राव	नैतिक उपदेश
जेनिंग्स	पुण्य आकांक्षा

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

नीति-निदेशक तत्वों पर अन्य विचार-

- ''इनका उद्देश्य सामाजिक क्रांति की प्राप्ति हैं''- ऑस्टिन
- ''ऐसा चेक जिसे बैंक सुविधानुसार भुनाएगा''- के.टी.शाह
- ''नैतिक आर्थिक सिद्धांत है जो कानून की शक्ति से हीन है''- जी.एन.जोशी

14. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 44 संबंधित है-

(a) समान नागरिक संहिता से।
(b) पंचायती राज से।
(c) फैक्ट्री के प्रबंधन में मजदूरों की साझेदारी से।
(d) गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता से।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य द्वारा भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता (Common Civil Code) प्राप्त कराने का प्रयास करना नीति-निदेशक तत्वों में शामिल किया गया है।

15. 'अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा' का संवर्धन भारत के संविधान के किस भाग में सम्मिलित किया गया है?

(a) संविधान की प्रस्तावना में
(b) मौलिक कर्तव्यों में
(c) राजनीति के निदेशक सिद्धांतों में
(d) नौंवी अनुसूची में

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-51 के अंतर्गत राज्य के नीति निदेशक तत्वों में अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का उल्लेख है। इसके अनुसार राज्य-

(a) अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का,
(b) राष्ट्रों के बीच न्याय संगत और सम्मानपूर्ण संबंधों को बनाए रखने का,
(c) संगठित लोगों के एक-दूसरे से व्यवहारों में अंतरराष्ट्रीय विधि और संधि बाध्यताओं के प्रति आदर बढ़ाने का और
(d) अंतरराष्ट्रीय विवादों के मध्यस्थता (Arbitration) द्वारा निपटारे के लिए प्रोत्साहन देने का प्रयास करेगा।

16. नीति-निदेशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य है-

(a) देश में राजनीति लोकतंत्र की स्थापना करना।
(b) देश में सामाजिक व आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना।
(c) देश में पुलिस राज्य स्थापित करना।
(d) जनता के नैतिक स्तर को उठाना।

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों को भारतीय संविधान में शामिल किए जाने का उद्देश्य है- 'सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्रा को स्थापित करना'। यह उद्देश्य एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना में सहायक हैं। जिसका संविधान निर्माता एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए प्रावधान करना चाहते थे।

17. राज्य के नीति-निदेशक तत्व दिशा-निर्देशन करते हैं-

(a) प्रेस को (b) नागरिकों को
(c) राज्यों को (d) अंतरराष्ट्रीय संप्रदाय को

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

नीति निदेशक तत्वों में वे उद्देश्य एवं लक्ष्य निहित है, जिनका पालन करना राज्य का कर्तव्य है। संविधान की उद्देशिका में परिकल्पित 'लोक हितकारी राज्य' एवं 'समाजवादी समाज' की स्थापना का आदर्श तभी प्राप्त किया जा सकता है, जबकि सरकार नीति निदेशक सिद्धांत को लागू करने का प्रयत्न करे।

18. नीति-निदेशक तत्व दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं-

(a) प्रेस को (b) नागरिक को
(c) राज्य को (d) अंतरराष्ट्रीय समुदाय को

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्नलिखित में से किसने नीति निर्देशक तत्वों को ऐसा चेक बताया जिसका भुगतान बैंक की सुविधा पर निर्भर करता है?

(a) ए.के. अय्यर (b) एच. कुंजरू
(c) एच.वी. कामथ (d) के.टी. शाह

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

के.टी. शाह ने कहा था कि ''राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत एक ऐसा चेक है, जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जाता है।''

20. नीति-निदेशक तत्व संविधान की किन धाराओं में दिए गए हैं?

(a) 29 से 50 (b) 36 से 50 अ

(c) 36 से 51 (d) 29 से 51

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. राज्य के नीति-निदेशक तत्वों में शामिल हैं-

1. सभी को आजीविका के अवसर

2. पुरुष एवं नारी को समान कार्य के लिए समान वेतन

3. कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन

4. मातृत्व सुरक्षा

(a) 1, 2 एवं 3 (b) 2, 4 एवं 1

(c) उपर्युक्त सभी (d) केवल 1

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

संविधान के भाग 4 में सम्मिलित नीति-निदेशक तत्वों में अनुच्छेद 39 (क) में पुरुष और स्त्री सभी नागरिकों को समान रूप से जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार शामिल है। अनुच्छेद 39 (घ) में पुरुषों और स्त्रियों दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है, जबकि अनुच्छेद 42 में काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं को सुनिश्चित करने और प्रसूति सहायता का उपबंध है। अनुच्छेद 43 में कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने का उपबंध है। अतः चारों कथन नीति-निदेशक तत्व में सम्मिलित हैं।

22. मूल भारतीय संविधान में शामिल राज्य के नीति-निदेशक तत्वों की संख्या थी-

(a) 11 (b) 12

(c) 13 (d) 14

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान में अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51 के बीच भाग 4 में नीति-निदेशक तत्वों को रखा गया है। अनुच्छेद 36 (राज्य की परिभाषा) तथा अनुच्छेद 37 (इस भाग के अंतर्विष्ट तत्वों को लागू होना) को सम्मिलित न करते हुए अनुच्छेद 38 से अनुच्छेद 51 तक कुल 14 अनुच्छेदों में नीति- निदेशक तत्वों का वर्णन मूल संविधान में किया गया है, जबकि अनुच्छेद 39-क, अनुच्छेद 43-क तथा अनुच्छेद 48-क बाद में जोड़ा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में नीति-निदेशक तत्व आयरलैंड के संविधान से लिए गए हैं।
- नीति-निदेशक तत्वों का उद्देश्य भारत में लोक-कल्याणकारी राज्य की स्थापना से है।
- नीति-निदेशक तत्वों के बारे में के.टी.शाह ने कहा कि ''यह एक ऐसा चेक है जिसका भुगतान बैंक की इच्छा पर छोड़ दिया गया है''।

23. भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत-

A. देश के शासन में मूलभूत महत्व के हैं।

B. किसी न्यायालय द्वारा लागू नहीं कराए जा सकते।

C. राज्य का कर्तव्य है कि विधि-निर्माण में उनका सम्मान करे।

निम्न कूटों की सहायता से इन नीति-निदेशक सिद्धांतों की वास्तविक प्रकृति बताइए-

कूट :

(a) A (b) A और C

(c) A और B (d) उपर्युक्त तीनों

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. संविधान के कौन से अनुच्छेद में यह प्रावधान है कि राज्य नीति के निर्देशक तत्वों को न्यायालय में नहीं ले जाया सकता?

(a) अनु. 40 (b) अनु. 37

(c) अनु. 42 (d) अनु. 45

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

संविधान के अनुच्छेद 37 के अंतर्गत यह प्रावधान है कि राज्य नीति के निर्देशक तत्वों को न्यायालय में नहीं ले जाया जा सकता किंतु ये तत्व देश के शासन के मूलभूत हैं और विधि बनाने में इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा।

25. सामाजिक-आर्थिक उपबंधों का वर्णन भारतीय संविधान में निम्न में से किस शीर्षक में मिलता है?

(a) नागरिकता उपबंधों में

(b) नीति-निदेशक तत्वों में

(c) संघीय व्यवस्था के उपबंधों में

(d) सर्वोच्च न्यायालय के उपबंधों में

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. ''राज्य के नीति-निदेशक तत्व एक ऐसा चेक है जिसका भुगतान बैंक की इच्छा पर है।'' यह कथन है-

(a) के.टी. शाह का (b) सुभाष कश्यप का

(c) डी.डी. बसु का (d) आइवर जेनिंग्स का

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

27. ''राज्य के नीति-निदेशक तत्वों का उद्देश्य एक आर्थिक प्रजातंत्र की स्थापना करना है।'' संविधान सभा में किसने यह कहा था ?

(a) डॉ. बी.आर. अंबेडकर

(b) डॉ. राजेंद्र प्रसाद

(c) पं. जवाहरलाल नेहरू

(d) डॉ. राधाकृष्णन

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

नीति-निदेशक तत्वों का महत्व इस तथ्य में निहित है कि ये भारत में एक वास्तविक लोकतंत्र के विकास का आश्वासन दिलाते हैं। डॉ. अंबेडकर ने कहा था, ''राजनीतिक लोकतंत्र की उपलब्धि के बाद हमारी अभिलाषा आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करने की है। नीति-निदेशक सिद्धांतों का उद्देश्य भारत में आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। अतः ये लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और इसके समृद्धिशाली होने की आशा दिलाते हैं''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

नीति-निदेशक तत्वों पर डॉ. अंबेडकर की टिप्पणियां निम्नवत हैं-

- ''अगर इसमें समाजवाद नहीं है तो मैं समझने में असमर्थ हूं कि आखिर समाजवाद क्या है?''
- ''हमने जान-बूझकर ऐसी भाषा का प्रयोग किया है जो न कठोर हो न अपरिवर्तनशील। विभिन्न विचारधारा के लोगों के लिए पर्याप्त गुंजाइश है।''
- ''मेरे विचार से नीति-निदेशक सिद्धांतों का बहुत महत्व है, क्योंकि वे इस तथ्य को प्रतिष्ठित करते हैं कि हमारा लक्ष्य आर्थिक लोकतंत्र है।''

28. निम्न में से कौन-सा राज्य का नीति-निदेशक सिद्धांत संविधान में बाद में जोड़ा गया?

(a) ग्राम पंचायतों का गठन

(b) गोवध निषेध

(c) मुफ्त (निःशुल्क) कानूनी सहायता

(d) समान नागरिक संहिता

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

मुफ्त कानूनी सलाह राज्य का नीति निदेशक सिद्धांत, संविधान के बाद में जोड़ा गया। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान के भाग IV में नीति निदेशक तत्व के अनुच्छेद 39 क में गरीबों के लिए मुफ्त कानूनी सलाह का प्रावधान किया गया है।

29. राज्य के नीति निदेशक तत्वों के संबंध में निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही है?

1. इन्हें आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।

2. इन्हें संविधान के भाग V में शामिल किया गया है।

3. इनका उद्देश्य प्रजातंत्र को समाजिक और आर्थिक आधार प्रदान करना है।

4. राज्यों को इन्हें अनिवार्यतः लागू करना होता है।

5. सब तत्व गांधीवादी विचारधाराओं से प्रेरित हैं।

(a) 1, 2, 3 और 5 (b) 1, 3 और 5

(c) 1, 3, 4 और 5 (d) 1 और 3

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक तत्व आयरलैंड के संविधान से प्रेरित है। यह गांधीवादी विचारधाराओं से प्रेरित संविधान के भाग IV में वर्णित है। इनका उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्र को स्थापित करना है।

मूल कर्तव्य

1. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रावधान मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है?

(a) भाग II (b) भाग III

(c) भाग IV (d) भाग IV-A

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान में भाग IV-A के तहत अनुच्छेद-51-A जोड़कर इसके अंतर्गत नागरिकों के मूल कर्तव्यों को 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा शामिल किया गया था, जो कि स्वर्ण सिंह समिति की संस्तुतियों पर आधारित था।

2. भारतीय नागरिक को मौलिक कर्तव्य संविधान के भाग में निहित है-

(a) संविधान के भाग एक में

(b) संविधान के भाग तीन में

(c) संविधान के भाग तीन-अ में

(d) संविधान के भाग चार-क में

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्तव्य निहित हैं-

(a) संविधान के भाग 9 में (b) संविधान के भाग 3 में

(c) संविधान के भाग 4 में (d) संविधान के किसी भाग में नहीं

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. वनों और पर्यावरण के संरक्षण हेतु भारतीय संविधान के किस भाग में प्रावधान पाए जाते हैं?

(a) सूची III (समवर्ती)

(b) राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत पर

(c) अनुच्छेद 51-A मूल कर्तव्य पर

(d) कहीं नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. निम्नलिखित में से भारतीय संविधान में नागरिकों के मौलिक कर्तव्य कौन-कौन से हैं?

(क) राष्ट्रध्वज तथा राष्ट्रगान का सम्मान करना

(ख) आह्वान करने पर राष्ट्र को सेवा अर्पित करना

(ग) सामाजिक सुधार का प्रयास करना

(घ) अपनी साझा संस्कृति की समृद्ध धरोहर को महत्व प्रदान करना तथा उसका संरक्षण करना

सही उत्तर निम्नलिखित कूट में चिह्नांकित कीजिए-

(a) क, ख, ग, घ (b) क, ख

(c) क, ख, घ (d) ख, घ

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

'राष्ट्रध्वज तथा राष्ट्रगान का सम्मान करना', 'आह्वान करने पर राष्ट्र को सेवा अर्पित करना, तथा 'अपनी साझा संस्कृति की समृद्ध धरोहर को महत्व प्रदान करना तथा उसका संरक्षण करना' अनु. 51– (क) अथवा (A) के अंतर्गत दी गई 11 मौलिक कर्तव्यों की सूची में शामिल हैं, जबकि 'सामाजिक सुधार का प्रयास करना' यह मौलिक कर्तव्य नहीं है। इस प्रकार विकल्प (c) सही उत्तर है।

6. भारत के संविधान में उल्लिखित नागरिकों के मौलिक कर्तव्य कितने हैं?

(a) 9 (b) 10

(c) 11 (d) 12

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. निम्न में से कौन-सा वाद मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है?

(a) केशवानंद वाद (b) गोलकनाथ वाद

(c) मिनर्वा मिल्स वाद (d) राम शरन वाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

गोलकनाथ वाद, केशवानंद वाद और मिनर्वा मिल्स का मामला मूल अधिकार के संशोधन से संबंधित वाद है, जबकि रामशरन वाद (1988) मौलिक कर्तव्यों से संबंधित वाद है।

8. भारत के संविधान में निम्न में से कौन-सा मौलिक कर्तव्य सम्मिलित नहीं है?

(a) संविधान के प्रति प्रतिबद्धता एवं उसके आदर्शों के प्रति आदर करना।

(b) जन संपत्ति का संरक्षण करना।

(c) जन निर्वाचनों में मतदान करना।

(d) वैज्ञानिक सोच विकसित करना।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

लोक चुनावों में मतदान करना भारतीय संविधान के अंतर्गत मूल कर्तव्य नहीं है। शेष सभी मौलिक कर्तव्य में वर्णित तत्व है। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य, पूर्व सोवियत संघ के संविधान से लिए गए है। इन्हें सरदार स्वर्ण सिंह समिति की संस्तुति के आधार पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया है।

9. किस समिति द्वारा भारत के संविधान में ''मौलिक कर्तव्य'' को सम्मिलित करने की संस्तुति की गई?

(a) मेहता समिति (b) त्रेहान समिति

(c) स्वर्ण सिंह समिति (d) आयंगर समिति

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिश पर मौलिक कर्तव्यों को भारतीय संविधान में जोड़ा गया?

(a) बलवन्त राय मेहता समिति

(b) आय्यंगर समिति

(c) स्वर्ण सिंह समिति

(d) ठक्कर समिति

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

राष्ट्रपति

1. राष्ट्रपति का रिक्त पद अवश्य भर लिया जाना चाहिए-

(a) 1 माह के भीतर (b) 3 माह के भीतर

(c) 6 माह के भीतर (d) 1 वर्ष के भीतर

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

संविधान के अनुच्छेद 62 (1) के अनुसार, राष्ट्रपति की पदावधि की समाप्ति से हुई रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन, पदावधि की समाप्ति से पहले ही पूर्ण कर लिया जाएगा। अनुच्छेद 62 (2) के अनुसार, यदि रिक्ति राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद से हटाए जाने के कारण हुई है तो उसके रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन, रिक्ति होने की तारीख के पश्चात यथाशीघ्र और प्रत्येक दशा में छः माह बीतने से पहले किया जाएगा और रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित व्यक्ति, अनुच्छेद 56 के उपबंधों के अधीन रहते हुए अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक पद धारण करने का हकदार होगा।

2. राष्ट्रपति पद का रिक्त स्थान भरा जाना चाहिए-

(a) 90 दिनों में (b) 1 वर्ष में

(c) 6 माह में (d) संसद द्वारा निर्धारित समय में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. राष्ट्रपति पद की रिक्ति पूर्ण की जानी चाहिए-

(a) 90 दिनों में (b) 6 माह में

(c) एक वर्ष में (d) संसद द्वारा निर्धारित समय में

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव किस से होता है?

(a) बहुल असंक्रमणीय मत

(b) एकल असंक्रमणीय मत

(c) एकल संक्रमणीय मत

(d) एकल संक्रमणीय-बहुल असंक्रमणीय मत

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

भारत के राष्ट्रपति का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति से गुप्त मतदान द्वारा होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 54 के तहत राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल द्वारा होता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य होते हैं।
- अनुच्छेद 71 के तहत राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों की जांच एवं निपटारा उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाता है।

5. भारत के राष्ट्रपति जिस निर्वाचक मंडल द्वारा चुने जाते हैं, वह मिलकर बनता है-

(a) संसद के सभी सदस्यों से

(b) संसद तथा राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों से

(c) संसद, राज्य विधान सभाओं तथा विधान परिषद के सदस्यों से

(d) संसद तथा राज्य विधान सभाओं के सभी सदस्यों से

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

संविधान का अनुच्छेद 54 राष्ट्रपति के निर्वाचित मंडल के सदस्यों का प्रावधान करता है। जिसमें निम्नलिखित सदस्य होते हैं-

- संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य
- राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य
- दिल्ली और पांडिचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य (70 वें संविधान संशोधन, 1992 द्वारा अन्तःस्थापित)।

6. निम्न में कौन भारत के राष्ट्रपति को निर्वाचित करने वाले निर्वाचक मण्डल के सदस्य होते हैं। नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनें-

1. लोक सभा के निर्वाचित सदस्य

2. राज्य सभा के निर्वाचित सदस्य

3. राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्य

4. राज्य विधान परिषद के निर्वाचित सदस्य

कूट :

(a) 1,2 (b) 1,4

(c) 1,2,3 (d) 1,2,3,4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. भारत का राष्ट्रपति निर्वाचित होता है-

(a) संसद द्वारा

(b) राज्यों की विधान सभाओं द्वारा

(c) लोक सभा द्वारा

(d) संसद तथा राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए बनाये गए निर्वाचक मंडल में रहते हैं-

(a) संसद के सभी सदस्य।

(b) संसद, राज्य विधान सभाओं तथा विधान परिषदों के सदस्य।

(c) संसद तथा राज्य विधान सभाओं के सभी सदस्य।

(d) संसद और राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. भारत के राष्ट्रपति का निर्वाचन करते हैं-

(a) संसद के निर्वाचित सदस्य

(b) राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य

(c) लोक सभा के निर्वाचित सदस्य

(d) संसद के दोनों सदनों एवं राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. राष्ट्रपति के चुनाव में निम्न में से कौन भाग नहीं लेता?

(a) राज्य सभा के निर्वाचित सदस्य

(b) लोक सभा के निर्वाचित सदस्य

(c) विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य

(d) विधान परिषदों के निर्वाचित सदस्य

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

राष्ट्रपति के चुनाव में विधान परिषदों के निर्वाचित सदस्य भाग नहीं लेते हैं। अनुच्छेद 54 के अनुसार, राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसे निर्वाचकगण के सदस्य करते हैं जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य होते हैं। अनुच्छेद 55 में राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति दी गई है।

11. राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाने के बाद उपराष्ट्रपति उसके कार्यभार को कब तक संभालता है?

(a) एक साल (b) छः महीने

(c) दो साल (d) कोई सीमा तय नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(b)

अनुच्छेद 62(2) के अनुसार राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद्च्युत या अन्य कारण से हुई उसके पद में रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन, रिक्त होने की तारीख से 6 मास के अंदर करा लिया जाएगा। इस प्रकार राष्ट्रपति की मृत्यु हो जाने पर उपराष्ट्रपति अधिकतम 6 माह तक राष्ट्रपति के पदभार को संभालता है।

12. भारत के राष्ट्रपति का वेतन है-

(a) पचास हजार रुपये प्रतिमाह

(b) एक लाख रुपये प्रतिमाह

(c) एक लाख पचास हजार रुपये प्रतिमाह

(d) पचहत्तर हजार रुपये प्रतिमाह

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

वर्तमान समय में भारत के राष्ट्रपति का वेतन बढ़ाकर एक लाख पचास हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान की दूसरी अनुसूची के भाग (क) में राष्ट्रपति और राज्यों के राज्यपालों के वेतन-भत्ते का उल्लेख है।
- कुछ अन्य संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के नए वेतनमान 1जनवरी, 2006 से प्रभावी हुए हैं-

रुपये प्रतिमाह में

- उपराष्ट्रपति- 125000
- राज्यपाल-110000
- उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश-100000
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश-90000
- उच्चतम न्यायालय के अन्य न्यायाधीश -90000
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-80000
- नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-90000

13. यदि राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाता है तो भारत का उपराष्ट्रपति कितनी अवधि तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर सकता है?

(a) पांच वर्ष तक (b) छः माह तक

(c) शेष अवधि तक (d) दो वर्षों के लिए

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. भारतीय संविधान के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 123 के तहत जारी अध्यादेश के संबंध में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) राष्ट्रपति अध्यादेश तभी जारी कर सकते हैं जब संसद के दोनों सदनों का सत्र न चल रहा हो।

(b) अध्यादेश का वही बल है जो संसद द्वारा निर्मित कानून का और उसकी मर्यादाएं संसद के अधिनियम के समान ही होती हैं।

(c) संसद के दोनों सदनों के पुनः समवेत होने पर उनके समक्ष रखा जाएगा।

(d) अध्यादेश जारी करने से यह समाधान होना जरूरी नहीं है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिनके कारण तुरंत कार्रवाई करना अपेक्षित है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

संसद के विश्रांतिकाल में, यदि राष्ट्रपति को यह समाधान हो जाए कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिसके कारण तुरंत कार्रवाई आवश्यक है, तो राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है (अनु.123)। इस अध्यादेश का वही बल व प्रभाव होगा जो संसद द्वारा पारित किए गए अधिनियम का होता है।

15. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौन-सा अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है?

(a) अनुच्छेद 74 (b) अनुच्छेद 78

(c) अनुच्छेद 123 (d) अनुच्छेद 124(2)

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. राष्ट्रपति अध्यादेशों को तभी लागू करते हैं, जब-

(a) प्रधानमंत्री उन्हें ऐसा करने को कहते हैं

(b) मंत्रिपरिषद उन्हें ऐसा करने को कहती है

(c) संसद का सत्र चालू नहीं होता है

(d) संसद इसके लिए उन्हें एक विशेष सत्र के दौरान शक्ति प्रदान करती है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

संसद के विश्रांतिकाल में, यदि राष्ट्रपति को यह समाधान हो जाए कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिसके कारण तुरंत कार्रवाई आवश्यक है, तो राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है (अनु. 123)। राष्ट्रपति द्वारा जारी किए गए अध्यादेश को संसद सत्र प्रारंभ होने के 6 सप्ताह के भीतर इसे अनुमोदित कराना आवश्यक होगा, अन्यथा यह प्रभाव में नहीं रहेगा।

17. राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने का अधिकार निम्न में से किसे प्राप्त है?

(a) सर्वोच्च न्यायालय को

(b) लोक सभा अध्यक्ष को

(c) संसद के दोनों सदनों को

(d) प्रधानमंत्री को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

महाभियोग प्रक्रिया का वर्णन अनुच्छेद 61 में किया गया है। अनुच्छेद 61(1) के अनुसार राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद का कोई सदन लगाएगा और खंड (3) के अनुसार दूसरा सदन उस आरोप का अन्वेषण करेगा या कराएगा और ऐसे अन्वेषण में स्वयं उपस्थित होने का अथवा अपना प्रतिनिधित्व कराने का राष्ट्रपति को अधिकार होगा।

18. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा नहीं की जाती?

(a) राजदूत (b) प्रधानमंत्री

(c) महान्यायवादी (d) उपराष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

उपराष्ट्रपति की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा नहीं की जाती है। अनुच्छेद 66 के अनुसार उपराष्ट्रपति का निर्वाचन होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 66 के अनुसार, उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल द्वारा होता है जिसमें-
- संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य (निर्वाचित तथा मनोनीत) भाग लेते हैं।
- राज्य की विधान सभाओं के सदस्य इसमें भाग नहीं लेते हैं।
- उपराष्ट्रपति अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को संबोधित करके लिखता है।
- इसे ऐसे संकल्प द्वारा हटाया जा सकता है, जिसे राज्य सभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित किया गया हो तथा जिससे लोक सभा सहमत हो।

19. राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र निम्नलिखित में से किसे संबोधित कर दे सकता है :

(a) उपराष्ट्रपति (b) लोक सभा स्पीकर

(c) प्रधानमंत्री (d) भारत के प्रधान न्यायाधीश

P.G.T. परीक्षा, 2000, P.G.T. परीक्षा, 2004, T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 56(1) (क) के अनुसार भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र उप-राष्ट्रपति को संबोधित करके देता है और उप-राष्ट्रपति इसकी सूचना लोक सभा अध्यक्ष को तुरंत देता है [अनुच्छेद 56(2)]।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान में सन्निहित राष्ट्रपति में संघ की कार्यपालिका शक्ति तथा संघ के रक्षा बलों का सर्वोच्च समादेश निहित करना संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।
- संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार, उपराष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा।
- उपराष्ट्रपति को राज्य सभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प तथा लोक सभा की सहमति से हटाया जा सकता है। इसके लिए उपराष्ट्रपति को 14 दिन की लिखित सूचना दी जानी चाहिए।
- संविधान के अनुच्छेद 94 (ग) के अनुसार, लोक सभा अध्यक्ष को उसके कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व लोक सभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प द्वारा अपने पद से हटाया जा सकेगा।
- अनुच्छेद 124 (क) के अनुसार, उच्चतम न्यायालय का कोई न्यायाधीश, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।

20. भारत का राष्ट्रपति एक संसद सदस्य नहीं होता है क्योंकि-

(a) उसे अपने कार्यालय की गरिमा को कायम रखना है

(b) उसे यह देखना है कि वह निष्पक्ष रहे

(c) वह सरकार के अधीन एक लाभदायक पद धारण करता है

(d) वह यह बनना नहीं चाहता

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 (1) के अनुसार, कोई व्यक्ति राष्ट्रपति निर्वाचित होने का पात्र तभी होगा जब वह-

(क) भारत का नागरिक हो,

(ख) पैंतीस वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो, और

(ग) लोक सभा का सदस्य निर्वाचित होने के लिए अर्हित हो।

परंतु राष्ट्रपति किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता क्योंकि अनुच्छेद 53 के अनुसार, संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है, और कार्यकारिणी सभी काम राष्ट्रपति के नाम से करती है। अतः औपचारिक राष्ट्राध्यक्ष के रूप उसकी निष्पक्षता बनी रहे इसीलिए संविधान में यह प्रावधान किया गया है।

21. केंद्र में राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है-

(a) लोक सभा चुनाव के दौरान

(b) आपातकाल (बाहरी या अंदरूनी) के दौरान

(c) यदि प्रधानमंत्री की मृत्यु हो जाती है

(d) कभी नहीं, संविधान में इसका प्रावधान नहीं है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

राष्ट्रपति शासन वस्तुतः अनुच्छेद 356 के तहत राज्यों में संवैधानिक तंत्र विफल होने की दशा में, राज्यों में लगाया जाता है। संविधान में केंद्र में राष्ट्रपति शासन लगाये जाने का प्रावधान नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान के भाग 18 में आपात संबंधी उपबंधों का उल्लेख है।
- राष्ट्रपति अनुच्छेद 352 के तहत युद्ध, वाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में आपात की घोषणा कर सकता है।
- ध्यातव्य है कि मूल संविधान के अनुच्छेद 352 के 'आंतरिक अशांति' शब्द के स्थान पर 44वें संशोधन (1978) से 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द का उल्लेख किया गया है।
- अनुच्छेद 355 के अनुसार, संघ का यह कर्त्तव्य है कि बाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से प्रत्येक राज्य की रक्षा करे।

22. संविधान के किस अनुच्छेद ने राष्ट्रपति को सरकार से सूचना प्राप्त करने का अधिकार प्रदान किया है-

(a) 78(1) (b) 75(1)

(c) 78(2) (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 78 में राष्ट्रपति को जानकारी देने के संबंध में प्रधानमंत्री के कर्त्तव्य का उल्लेख है। अनुच्छेद 78 (क) प्रधानमंत्री पर यह दायित्व डालता है कि संघ के कार्यों के प्रशासन के बारे में तथा विधान विषयक प्रस्थापनाओं के बारे में मंत्रिपरिषद जो भी निर्णय करे, वह उन सभी की सूचना राष्ट्रपति को दे। अनुच्छेद 78 (ख) के अनुसार संघ के कार्यकलाप के प्रशासन संबंधी और विधान विषयक प्रस्थापनाओं संबंधी जो जानकारी राष्ट्रपति मांगे वह दे।

23. राष्ट्रपति द्वारा जारी एक अध्यादेश संसद के पुनः जुटने के बाद कितने दिन तक प्रभावी रहता है?

(a) एक पखवाड़ा (b) एक महीना

(c) छह सप्ताह (d) आठ सप्ताह

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. सर्वसम्मति से निर्वाचित भारत के राष्ट्रपति थे-

(a) एस.राधाकृष्णन (b) वी.वी.गिरी

(c) एन. संजीव रेड्डी (d) ज्ञानी जैल सिंह

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

एन. संजीव रेड्डी सर्वसम्मति से (निर्विरोध) भारत के राष्ट्रपति चुने जाने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। उनका कार्यकाल 1977-1982 था।

25. निम्न में से कौन-से भारत के राष्ट्रपति निर्विरोध चुने गए?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) डॉ. राधाकृष्णन

(c) नीलम संजिव रेड्डी (d) के.आर. नारायणन

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. राष्ट्रपति के चुनाव में होने वाले विवादों का निपटारा होता है-

(a) भारत के सर्वोच्च न्यायपालिका में

(b) संसद में

(c) लोक सभा में

(d) चुनाव आयुक्त द्वारा

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

अगर भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में कोई विवाद है तो उस विवाद को अनुच्छेद 71(1) के अनुसार, भारत के सर्वोच्च न्यायालय को सौंपा जाएगा और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया गया विनिश्च अंतिम होगा।

27. भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित वाद कौन सुलझाता है?

(a) भारत का सर्वोच्च न्यायालय (b) संसद

(c) लोक सभा (d) निर्वाचन आयोग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2015

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

28. भारतीय राष्ट्रपति अपने पद से हटाया जा सकता है-

(a) प्रधानमंत्री द्वारा

(b) संसद द्वारा

(c) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा

(d) मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

महाभियोग प्रक्रिया का वर्णन अनुच्छेद 61 में किया गया है। अनुच्छेद 61(1) के अनुसार, राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद का कोई सदन लगाएगा और खंड (3) के अनुसार, दूसरा सदन उस आरोप का अन्वेषण करेगा या कराएगा और ऐसे अंवेषण में स्वयं उपस्थित होने का अथवा अपना प्रतिनिधित्व कराने का राष्ट्रपति को अधिकार होगा।

29. जब राष्ट्रपति एक विधेयक को पुनर्विचार हेतु (अनुच्छेद 111 के अन्तर्गत) वापस करता है तब यह उदाहरण है-

(a) पूर्ण निषेधाधिकार का (b) सीमित निषेधाधिकार का

(c) निलम्बित निषेधाधिकार का (d) पॉकेट निषेधाधिकार का

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 111 के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक पर स्वीकृति प्रदान करेगा या अपनी स्वीकृति रोक लेगा अथवा विधेयक (धन विधेयक के अतिरिक्त) को पुनर्विचार हेतु सदनों को लौटा सकेगा। राष्ट्रपति की विधेयकों पर इस प्रकार की शक्ति निलंबनकारी वीटो (Suspension vveto) कही जाती है।

30. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव संचालित कराया जाता है-

(a) लोक सभा के स्पीकर द्वारा

(b) भारत के अटॉर्नी-जनरल द्वारा

(c) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा

(d) भारत के प्रधानमंत्री द्वारा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत संसद, राज्य विधानमंडलों, राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पदों के निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया है।

31. राष्ट्रपति द्वारा घोषित अध्यादेश की अधिकतम अवधि हो सकती है-

(a) छः माह (b) साढ़े छः माह

(c) सात माह (d) साढ़े सात माह

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

अनुच्छेद 123(2) (क) के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश को संसद के सत्र शुरू होने के बाद छह सप्ताह के अंदर अनुमोदित होना चाहिए। जबकि राष्ट्रपति द्वारा घोषित अध्यादेश की अधिकतम अवधि साढ़े सात माह (Seven and a half months) की हो सकती है।

32. निम्नांकित में से कौन-सा अधिकार भारत में राष्ट्रपति को संसद के संबंध में नहीं है?

(a) राष्ट्रपति समय-समय पर, संसद के प्रत्येक सदन को ऐसे समय और स्थान पर जो ठीक समझे, अधिवेशन के लिए आहूत करेगा, किंतु एक सत्र से दूसरे सत्र के मध्य छः माह का अंतर होगा।

(b) सदनों या किसी सदन का सत्रावसान कर सकेगा।

(c) राज्य सभा का विघटन कर सकेगा।

(d) लोक सभा का विघटन कर सकेगा।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 83(1) के अनुसार, राज्य सभा का विघटन नहीं होगा अर्थात यह एक स्थायी सदन है, इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष की समाप्ति पर निवृत्त हो जाते हैं। इस प्रकार राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है। शेष विकल्प राष्ट्रपति के अधिकार के अंतर्गत शामिल है।

33. निम्न में कौन भारत के राष्ट्रपति के विशेषाधिकार हैं?

(a) लोक सभा को भंग करना

(b) प्रधानमंत्री की नियुक्ति

(c) संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करना

(d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

अनुच्छेद 85(2) (ख) के अनुसार राष्ट्रपति लोक सभा भंग कर सकता है, किंतु राष्ट्रपति की यह शक्ति अनुच्छेद 74(1) के अधीन है अर्थात वह ऐसा केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुशंसा पर ही कर सकता है। अनुच्छेद 75(1) के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है। संविधान के अनुच्छेद 108 के तहत किसी विधयक पर दोनों सदनों के मध्य गतिरोध की स्थिति में लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक राष्ट्रपति द्वारा आहूत की जा सकती है। अर्थात उपर्युक्त तीनों विकल्प राष्ट्रपति के विशेषाधिकार हैं।

34. निम्नलिखित अर्हताओं में से कौन भारत एवं अमेरिका दोनों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए उभयनिष्ठ है?

(a) नागरिकता

(b) न्यूनतम आयु

(c) आवासीय शर्त

(d) विधायिका के लोकप्रिय सदन के सदस्य होने की योग्यता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

न्यूनतम आयु (35 वर्ष) की अर्हता भारत एवं अमेरिका दोनों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के लिए उभयनिष्ठ है।

35. निम्न में से कौन द्वितीय वरीयता के मतों से भारत का राष्ट्रपति निर्वाचित हुआ?

(a) ज्ञानी जैलसिंह (b) नीलम संजीव रेड्डी

(c) जाकिर हुसैन (d) वी.वी. गिरि

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

राष्ट्रपति वी.वी. गिरि, राष्ट्रपति निर्वाचन में भ्रष्ट आचरण के आरोप में विवाद की सुनवाई के समय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एस.एम. सीकरी की अध्यक्षता वाली पीठ के संमुख उपस्थित हुए थे। धातव्य है कि 1969 के राष्ट्रपतीय चुनाव में वी.वी. गिरि स्वतंत्र उम्मीदवार तथा नीलम संजीव रेड्डी कांग्रेस पार्टी के घोषित उम्मीदवार थे। वी.वी. गिरि के निर्वाचन के समय दूसरे चक्र की मतगणना भी की गई थी, जिसमें वी.वी. गिरि ने विजय प्राप्त की थी।

उपराष्ट्रपति

1. भारत का उप-राष्ट्रपति चुना जाता है-

(a) राष्ट्रपति द्वारा

(b) राज्य विधान सभा के सदस्यों द्वारा

(c) राज्य सभा के सदस्यों द्वारा

(d) लोक सभा तथा राज्य सभा के सदस्यों द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2009

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

संविधान के अनुच्छेद 66 (1) के तहत उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचक गण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है।

2. उपराष्ट्रपति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं? अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों की सहायता से कीजिए।

1. वह राज्य सभा का पदेन सभापति होता है।

2. उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए उसे राज्यसभा का सदस्य होना अनिवार्य है।

3. **उसका निर्वाचन संसद के दोनों सदनों तथा राज्य विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा होता है।**
4. **यदि राष्ट्रपति त्यागपत्र दे दें अथवा उसकी मृत्यु हो जाए तो उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है, परंतु यह अवधि छः महीने से अधिक नहीं हो सकती।**

कूट :

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 3 और 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। अनुच्छेद 64 के तहत उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति (Ex-officio Chirmans) होता है। अनुच्छेद 62(2) के अनुसार राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पदच्युत या अन्य कारण से हुई उसके पद में रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन, रिक्ति तिथि से छहः माह बीतने से पहले किया जाएगा अर्थात अनुच्छेद 65(1) के अनुसार ऐसी दशा में उपराष्ट्रपति छः माह तक राष्ट्रपति रह सकता है।

3. **भारत के उपराष्ट्रपति को पद की शपथ कौन दिलाता है?**

(a) भारत का मुख्य न्यायाधीश (b) भारत का राष्ट्रपति
(c) लोक सभा का अध्यक्ष (d) प्रधानमंत्री

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

भारत के उपराष्ट्रपति को पद की शपथ भारत का राष्ट्रपति दिलाता है।

4. **निम्नलिखित में से कौन एक सदन का सदस्य बने बगैर सदन की अध्यक्षता करता है?**

(a) लोक सभा का अध्यक्ष (b) भारत का उपराष्ट्रपति
(c) विधान परिषद का अध्यक्ष (d) विधान सभा का अध्यक्ष

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

राज्य सभा की अध्यक्षता (सभापतित्व) उपराष्ट्रपति द्वारा की जाती है परंतु वह राज्य सभा का सदस्य नहीं होता है।

5. **भारत के उपराष्ट्रपति को कौन पदमुक्त कर सकता है?**

(a) राज्य सभा
(b) लोक सभा
(c) राज्य सभा व लोक सभा दोनों
(d) निर्वाचन आयोग

T.G.T. परीक्षा, 2013
U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 67 के अनुसार, उपराष्ट्रपति को उसके पद से तभी हटाया जा सकता है जब इस हेतु संकल्प राज्य सभा के तत्कालीन सभी सदस्यों के बहुमत से पारित हो जाता है और जिससे लोक सभा सहमत है।

6. **भारत के उपराष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्ष का है?**

(a) 3 (b) 4
(c) 5 (d) 6

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार, भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। संविधान में उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी विशेष कार्य का उपबंध नहीं है। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है तथा राज्य सभा के सभापति के देय वेतन और भत्ते का हकदार होता है। उपराष्ट्रपति अपने पद ग्रहण करने की तारीख से 5 वर्ष तक पद धारण करेगा (अनुच्छेद-67)।

7. **भारत का उपराष्ट्रपति अपने पद पर पांच वर्ष की अवधि तक बना रहता है लेकिन वह अपने पद से इससे पहले भी त्यागपत्र दे सकता है जिसे वह संबोधित करेगा-**

(a) राज्य सभा के वरिष्ठ सदस्य को
(b) राष्ट्रपति को
(c) स्पीकर को
(d) भारत के प्रधान न्यायाधीश को

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

अनुच्छेद 67 (क) के अनुसार, उपराष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा परंतु वह राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 63 के अनुसार, भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा।
- अनु. 64 के अनुसार, उपराष्ट्रपति, राज्य सभा का पदेन सभापति होगा और अन्य कोई लाभ का पद धारण नहीं करेगा।
- जिस किसी अवधि के दौरान उपराष्ट्रपति अनु. 65 के अधीन राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है उस अवधि के दौरान वह राज्य सभा के सभापति के पद के कर्तव्यों का पालन नहीं करेगा।
- अनु. 66(1) के तहत उपराष्ट्रपति का चुनाव लोक सभा तथा राज्य सभा के सांसदों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। ऐसा निर्वाचन गुप्त मतदान द्वारा होता है।

8. यदि भारत के राष्ट्रपति अपना कार्य-काल समाप्त होने के पूर्व अपना पद छोड़ना चाहे, तो वह किसे संबोधित कर अपना त्याग-पत्र लिखेगा?

(a) उपराष्ट्रपति को (b) प्रधानमंत्री को

(c) लोक सभा अध्यक्ष को (d) भारतीय जनता को

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. निम्नलिखित में से कौन भारत का उपराष्ट्रपति नहीं था?

(a) डॉ. राधाकृष्णन (b) डॉ. जाकिर हुसैन

(c) बी.एस. शेखावत (d) फखरुद्दीन अली अहमद

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

भारत के उपराष्ट्रपति डॉ. राधा कृष्णन (1952-1962), डॉ. जाकिर हुसैन (1962-1967) एवं भैरो सिंह शेखावत (2002-2007) भारत के उपराष्ट्रपति रह चुके हैं। जबकि फखरुद्दीन अली अहमद (1974-1977) भारत के राष्ट्रपति रहें है।

10. भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति कौन हैं?

(a) डॉ. हामिद अंसारी (b) प्रतिभा पाटिल

(c) प्रणब मुखर्जी (d) राजनाथ सिंह

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

प्रश्नकाल के दौरान भारत के उपराष्ट्रपति डॉ. हामिद अंसारी थे जबकि वर्तमान में (2017 से) भारत के उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू हैं।

महान्यायवादी एवं महालेखा परीक्षक

1. निम्नलिखित में से कौन संसद के किसी भी सदन की सदस्यता के बिना संसद के दोनों सदनों की बैठकों में भाग ले सकता है?

(a) भारत का महान्यायाभिकर्ता

(b) भारत का उपराष्ट्रपति

(c) भारत का नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक

(d) भारत का महान्यायवादी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

महान्यायवादी को पद के आधार पर संसद के सदस्यों के समान विशेषाधिकार प्राप्त है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 88 में उल्लेख है कि महान्यायवादी को संसद की सदस्यता के बिना भी दोनों सदनों की बैठकों में भाग लेने का अधिकार है- किंतु मत देने का अधिकार नहीं है।

2. निम्नलिखित में से कौन संसद के किसी भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है?

(a) भारत का मुख्य न्यायाधीश

(b) उपराष्ट्रपति

(c) सॉलिसिटर-जनरल (महान्यायाभिकर्ता)

(d) महान्यायवादी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. बिना संसद सदस्य हुए निम्नांकित में से किसको संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है?

(a) भारत के प्रमुख कानूनी सलाहकार (सॉलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया) को

(b) भारत के महान्यायवादी (अटार्नी जनरल) को

(c) भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक (कांप्ट्रोलर एण्ड ऑडीटर जनरल ऑफ इंडिया) को

(d) भारत के मुख्य न्यायाधीश को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. संसद सदस्यों के अतिरिक्त निम्नलिखित में से किसे संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है-

(a) मंत्रिमंडल सचिव (Cabinet Secretary)

(b) महान्यायवादी (Attorney General)

(c) महालेखाकार (Accountant General)

(d) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(b)

संसद सदस्यों के अतिरिक्त महान्यायवादी को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है किंतु इसे मत देने का अधिकार नहीं है।

5. बिना संसद सदस्य हुए निम्नलिखित में से कौन संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकारी है?

(a) भारत का मुख्य न्यायाधीश

(b) भारत का महालेखा परीक्षक

(c) भारत का महान्यायवादी

(d) भारत का प्रमुख कानूनी सलाहकार

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. भारत के महान्यायवादी (Attorney-General of India) की नियुक्ति कौन करता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) संघ लोक सेवा आयोग

(c) राष्ट्रपति (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

अनुच्छेद 76(1) के अनुसार, राष्ट्रपति उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को भारत का महान्यायवादी नियुक्त करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 76(2) के अनुसरण में, महान्यायवादी भारत सरकार का विधि अधिकारी है और उसका कर्त्तव्य ऐसे विधि संबंधी विषयों पर मंत्रणा देना है जिन्हें राष्ट्रपति उसे भेजे या सौंपे।
- अनु. 76(3) के अनुसार, महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राज्यक्षेत्र में सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार प्राप्त है।
- अनु. 76(4) के अनुसार, महान्यायवादी राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करेगा और ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करेगा जो राष्ट्रपति अवधारित करे।
- अनुच्छेद 88 के अनुसार, महान्यायवादी को संसद के किसी सदन में बोलने तथा उसकी कार्यवाहियों में भाग लेने का अधिकार है, किंतु संसद में मतदान का अधिकार प्राप्त नहीं है।

7. भारत में नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक की नियुक्ति किस प्रकार होती है?

(a) राष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित वित्तीय कॉलेजियम द्वारा

(b) संसद की लोकलेखा समिति की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्वारा

(c) संविधान के अनुच्छेद 148 के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा

(d) नियंत्रक महालेखा परीक्षक अधिनियम के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (Comptroller and Auditor General) की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 148 (1) के तहत राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित अभिपत्र द्वारा करता है। उसे उसके पद से उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की रीति द्वारा अर्थात कदाचार अथवा असमर्थता का आरोप लगाकर संसद के दोनों सदनों द्वारा इस आशय का प्रस्ताव पारित करके हटाया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यकाल 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु (में जो पहले हो तक) होता है।
- यह सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है।
- नियंत्रक-महालेखा परीक्षक के कार्यालय के प्रशासनिक व्यय जिनके अंतर्गत उस कार्यालय में सेवा करने वाले व्यक्तियों को या उनके संबंध में सभी वेतन, भत्ते और पेंशन भारत की संचित निधि से प्रदान किए जाते हैं।

संसद, राज्य सभा, लोक सभा, समितियां आदि

1. भारत में कौन-सी विधि राज्य सभा के चुनाव में प्रयुक्त होती है?

(a) प्रत्यक्ष विधि (b) अप्रत्यक्ष विधि

(c) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

राज्य सभा के सदस्यों का निर्वाचन राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। अतः राज्य सभा के चुनाव में अप्रत्यक्ष विधि प्रयुक्त होती है।

2. भारत में, संघ के मंत्री के लिए पद की शपथ का प्रारूप उपबन्धित है :

(a) भारतीय संविधान की प्रथम अनुसूची में

(b) भारतीय संविधान की द्वितीय अनुसूची में

(c) भारतीय संविधान की तृतीय अनुसूची में

(d) भारतीय संविधान की चतुर्थ अनुसूची में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

भारत के मूल संविधान में 8 अनुसूचियां थीं। वर्तमान में कुल अनुसूचियों की संख्या 12 है। संविधान की तीसरी अनुसूची में भारतीय संघ के कुछ पदाधिकारियों के शपथ और प्रतिज्ञान का प्रारूप उपबन्धित है।

3. लोक सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन करते हैं-

(a) विधान सभा के सदस्य (b) लोक सभा के सदस्य

(c) राज्य सभा के सदस्य (d) मंत्री परिषद के सदस्य

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

संविधान के अनुच्छेद-93 के अनुसार लोकसभा अपने ही सदस्यों में अध्यक्ष का निर्वाचन करती है। लोक सभा अध्यक्ष लोक सभा का प्रमुख पदाधिकारी होता है और लोक सभा की सभी कार्यवाइयों का संचालन करता है। लोक सभा अध्यक्ष को सदन में साधारण मतदान का अधिकार नहीं है, वह केवल मत बराबर होने की दशा में निर्णायक मत दे सकता है।

4. भारत में लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?

(a) जी.वी.मावलंकर (b) ए.एस.अय्यंगार

(c) हुकुम सिंह (d) नीलम संजीव रेड्डी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(a)

26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। वर्ष 1951-52 के दौरान नए संविधान के अंतर्गत प्रथम आम चुनाव संपन्न हुआ। तत्पश्चात गठित प्रथम लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में जी.वी. मावलंकर को चुना गया तथा वे अपनी मृत्यु 27 फरवरी, 1956 तक इस पद पर रहे।

5. लोक सभा के पहले अध्यक्ष कौन थे?

(a) संजीव रेड्डी (b) बालयोगी

(c) जी.वी. मावलंकर (d) बी.डी. जत्ती

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

प्रथम लोकसभा का पहला अधिवेशन 13 मई, 1952 को हुआ था। 15 मई, 1952 को गणेश वासुदेव मावलंकर लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष बने।

6. लोक सभा का प्रथम अध्यक्ष (स्पीकर) कौन था?

(a) बलराम जाखड़ (b) रवि राय

(c) मीरा कुमार (d) जी.वी. मावलंकर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. यदि यह प्रश्न उठता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तो किसका विनिश्चय अंतिम होगा?

(a) राष्ट्रपति का विनिश्चय

(b) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का विनिश्चय

(c) भारत के महालेखापरीक्षक एवं नियंत्रक का विनिश्चय

(d) लोक सभा के अध्यक्ष का विनिश्चय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। यदि यह प्रश्न उठता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं तो उस पर लोकसभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है।

8. जब लोकसभा के अध्यक्ष को हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन हो, तब

1. अध्यक्ष को बोलने का अधिकार होगा।

2. वह अध्यक्षता नहीं करेगा।

3. वह प्रथमतः मत देने का हकदार होगा।

4. वह सदन में उपस्थित नहीं रहेगा।

अपना उत्तर कूट में से चुनिए :

(a) 2 तथा 4 सही हैं।

(b) 1, 2, 3 सही हैं।

(c) केवल 1 सही है।

(d) 2 तथा 3 सही हैं।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(*)

जब लोक सभा अध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्प विचाराधीन है तो अध्यक्ष पीठासीन नहीं होगा किंतु उसे लोकसभा में बोलने और उसकी कार्रवाई में भाग लेने का अधिकार होगा। ऐसी स्थिति में उसे मत देने का भी अधिकार होगा परंतु निर्णायक मत देने का अधिकार नहीं होगा।

9. भारतीय संसद की किस समिति को 'संसद की तीसरी आंख' कहा गया है?

(a) प्राक्कलन समिति (b) लोक लेखा समिति

(c) लोक उद्यम समिति (d) नियम समिति

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

भारतीय संसद की 'लोक लेखा समिति' को 'संसद की तीसरी आंख' कहा जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लोक लेखा समिति भारतीय संसद की सर्वाधिक प्राचीनतम समिति है।
- इस समिति में 22 सदस्य होते हैं, जिनमें से 15 लोक सभा और 7 राज्य सभा के सदस्य होते हैं।
- इस समिति में सदस्यों का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली द्वारा एकल संक्रमणीय प्रणाली के आधार पर किया जाता है।
- इस समिति का कार्य विभिन्न मंत्रालयों के व्यय और नियंत्रक महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन पर विचार करना है।

10. संघीय कार्यपालिका उत्तरदायी होती है-

(a) राष्ट्रपति के प्रति (b) प्रधानमंत्री के प्रति

(c) लोक सभा के प्रति (d) राज्य सभा के प्रति

T.G.T. परीक्षा, 2005

P.G.T. परीक्षा, 2009, 2010

उत्तर—(c)

भारत में संसदीय व्यवस्था को अपनाया गया है। संसदीय व्यवस्था का मूल लक्षण कार्यपालिका का जननिर्वाचित सभा (लोक सभा) के प्रति उत्तरदायित्व है। अतः भारत में संघीय कार्यपालिका लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। भारतीय संविधान में इसका स्पष्ट उल्लेख कर दिया गया है। अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद (कार्यपालिका) सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी है।

11. भारत में संघीय कार्यपालिका सामूहिक रूप से उत्तरदायी है-

(a) राष्ट्रपति के प्रति (b) राज्य सभा के प्रति

(c) लोक सभा के प्रति (d) प्रधानमंत्री के प्रति

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. मंत्रीपरिषद किसके प्रति उत्तरदायी होता है?

(a) राष्ट्रपति (b) लोक सभा

(c) उप-राष्ट्रपति (d) सर्वोच्च न्यायालय

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. केंद्रीय मंत्री परिषद सामूहिक रूप में उत्तरदायी होती है-

(a) राज्य सभा के प्रति (b) लोक सभा के प्रति

(c) राष्ट्रपति के प्रति (d) लोक सभा अध्यक्ष के प्रति

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. निम्नलिखित नेताओं के भारत के प्रधानमंत्री बनने का सही क्रम क्या है? अपना उत्तर नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए दें :

1. चन्द्रशेखर

2. वी.पी. सिंह

3. आई. के. गुजराल

4. देवगौड़ा

कूट :

(a) 1 2 3 4 (b) 2 1 4 3

(c) 1 2 4 3 (d) 2 3 1 4

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

विकल्प में दिए गए प्रधानमंत्रियों का कार्यकाल इस प्रकार है-

प्रधानमंत्री		**अवधि**
वी.पी. सिंह	-	2 दिसंबर, 1989 से 10 नवंबर, 1990
चन्द्रशेखर	-	10 नवंबर, 1990 से 21 जून, 1991
एच. डी. देवगौड़ा	-	01 जून, 1996 से 21 अप्रैल, 1997
आई. के. गुजराल	-	21 अप्रैल, 1997 से 18 मार्च, 1998

15. संसद की अनुमति से राष्ट्रीय आपातकाल बढ़ाया जा सकता है-

(a) अधिकतम तीन वर्ष के लिए

(b) अधिकतम एक वर्ष के लिए

(c) अनिश्चित काल के लिए

(d) अधिकतम छः महीने के लिए

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत भारत का राष्ट्रपति युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति उत्पन्न होने पर राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा कर सकता है। आपातकाल की उद्घोषणा का अनुमोदन संसद के दोनों सदनों द्वारा एक माह के भीतर होना आवश्यक है। संसद के दोनों सदनों से अनुमोदन के पश्चात आपातकाल 6 माह तक जारी रहेगा तथा प्रत्येक 6 माह में संसद के अनुमोदन से इसे आगे भी जारी रखा जा सकता है।

16. वास्तव में सभी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं?

(a) मंत्रिपरिषद द्वारा

(b) मंत्रिमण्डल द्वारा

(c) मंत्रिपरिषद और मंत्रिमण्डल की संयुक्त बैठक में

(d) प्रधानमंत्री द्वारा

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

नीति संबंधी सभी महत्वपूर्ण निर्णय मंत्रिमंडल द्वारा ही लिए जाते हैं तथा मंत्रिपरिषद केवल उन निर्णयों को लागू करती है।

17. भारत में संसदीय सरकार जाना जाता है-

(a) लोकतांत्रिक सरकार (b) अनुत्तरदायित्व सरकार

(c) उत्तरदायी सरकार (d) बहुल सरकार

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

सरकार की संसदीय व्यवस्था वह है जिसमें कार्यकारी अपनी नीतियों एवं कार्यों के लिए विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है। संसदीय सरकार को कैबिनेट सरकार या उत्तरदायी सरकार या सरकार का पाश्चात्य स्वरूप कहा जाता है। यह व्यवस्था ब्रिटेन, जापान, कनाडा, भारत आदि के बीच प्रचलित है।

18. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक होती है-

(a) संविधान संशोधन विधेयक के संबंध में

(b) धन विधेयक के संबंध में

(c) साधारण विधेयक के संबंध में

(d) भारत के उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के संबंध में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 108 के अनुसार संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन तब आयोजित किया जाता है, जब किसी साधारण विधेयक पर विचार करने और उसे पारित करने में दोनों सदनों में मतभेद हो।

19. निम्नलिखित में से कौन एक किसी राज्य की विधान परिषद को समाप्त करने के लिए प्राधिकृत है?

(a) राष्ट्रपति

(b) संसद

(c) राज्यपाल

(d) विधान परिषद का अध्यक्ष

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 169 के अनुसार विधान परिषद की स्थापना और उन्मूलन का अधिकार संसद को है।

20. लोक लेखा समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है-

(a) लोक सभा के समक्ष

(b) प्रधानमंत्री के समक्ष

(c) राष्ट्रपति के समक्ष

(d) वित्त मंत्री के समक्ष

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

लोक लेखा समिति (Public Account Committee) लोक व्ययों पर नियंत्रण रखने वाली एक संसदीय समिति है। इनमें लोक सभा के 15 और राज्य सभा के 7 सदस्यों समेत कुल 22 सदस्य होते हैं। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा की जाती है। लोक लेखा समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट लोक सभा के स्पीकर को प्रस्तुत की जाती है।

21. लोक लेखा समिति के सदस्य निम्नांकित होते हैं। सही उत्तर दीजिए :

	लोकसभा	राज्यसभा	कुल
(a)	11	05	16
(b)	15	07	22
(c)	10	05	15
(d)	17	10	27

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. भारत की संसद से व्यक्त होता है-

(a) लोक सभा, राज्य सभा एवं राष्ट्रपति

(b) लोक सभा

(c) राज्य सभा

(d) लोक सभा एवं राज्य सभा

P.G.T. परीक्षा, 2009

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 79के अनुसार, भारतीय संसद का गठन राष्ट्रपति एवं संसद के दोनों सदनों (राज्य सभा और लोक सभा) से मिलकर होता है।

23. भारतीय संसद में कौन-कौन सम्मिलित हैं?

(a) राज्य सभा

(b) लोक सभा

(c) लोक सभा व राज्य सभा

(d) भारत का राष्ट्रपति, लोक सभा व राज्य सभा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. संसद की संरचना होती है :

(a) लोक सभा से

(b) राज्य सभा से

(c) लोक सभा एवं राज्य सभा से

(d) लोक सभा, राज्य सभा एवं राष्ट्रपति से

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. भारत की संसद में सम्मिलित है-

(a) लोक सभा और राज्य सभा।

(b) लोक सभा, राज्य सभा और प्रधानमंत्री

(c) राष्ट्रपति, लोक सभा और राज्य सभा

(d) लोक सभा, राज्य सभा और लोकसभाध्यक्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. भारत का संविधान भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति प्रदान करता है-

(a) मंत्रिपरिषद को (b) राष्ट्रपति को

(c) प्रधानमंत्री को (d) संसद को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

भारत के संविधान में अनुच्छेद-53 के अनुसार, संघ की समस्त कार्यपालिका की शक्ति राष्ट्रपति में निहित है।

27. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक किस संबंध में आहूत होती है?

(a) संविधान संशोधन विधेयक

(b) वित्त विधेयक

(c) भारत के उप-राष्ट्रपति का निर्वाचन

(d) साधारण विधेयक

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

साधारण विधेयक के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में असहमति की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनु. 108 के तहत दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है जिसकी अध्यक्षता अनु. 118 (4) के तहत लोक सभाध्यक्ष (Speaker) करता है।

28. केंद्रीय मंत्रिपरिषद किसके प्रति उत्तरदायी होती है?

(a) जनता के प्रति

(b) राष्ट्रपति के प्रति

(c) लोक सभा के प्रति

(d) राज्य सभा के प्रति

P.G.T. परीक्षा, 2009

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

केंद्रीय मंत्रिपरिषद सदैव लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

29. एक संसदीय शासन-प्रणाली के अंतर्गत मंत्रिपरिषद के सदस्य सामूहिक रूप से उत्तरदायी होते हैं-

(a) राज्य के मुखिया के प्रति

(b) प्रधानमंत्री के प्रति

(c) संसद के लोकप्रिय (निम्न) सदन के प्रति

(d) संसद के दोनों सदनों के प्रति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. भारत में मंत्रिपरिषद निम्न में से किसके प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी है-

(a) लोक सभा (b) राष्ट्रपति

(c) उप-राष्ट्रपति (d) सर्वोच्च न्यायालय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. निम्न में से भारतीय संघ में नए राज्यों को प्रवेश कराने की शक्ति किसे प्राप्त है?

(a) राष्ट्रपति (b) उप-राष्ट्रपति

(c) उच्चतम न्यायालय (d) संसद

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

भारत के संविधान में अनुच्छेद-2 के अनुसार संसद विधि द्वारा ऐसे निबंधनों और शर्तों पर जो वह ठीक समझे संघ में नए राज्यों का प्रवेश या उनकी स्थापना कर सकेगी। इसी प्रावधान के अनुसार सिक्किम को नए राज्य में प्रवेश दिया गया था।

32. भारत के संविधान के अंतर्गत निम्नलिखित में किसे नये राज्यों को स्थापित करने की शक्ति प्राप्त है?

(a) राष्ट्रपति (b) संसद

(c) सर्वोच्च न्यायालय (d) मंत्रिमंडल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. संसद का एक गैर-सदस्य अधिकतम कितनी अवधि के लिए मंत्री बना रह सकता है?

(a) एक वर्ष (b) दो वर्ष

(c) तीन महीने (d) छः महीने

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

यदि कोई मंत्री बिना संसद की सदस्यता के मंत्री पद धारित करता है तो वह अधिकतम 6 माह तक मंत्री बना रह सकता है। मंत्री पद पर बने रहने के लिए उसे 6 माह के अंदर किसी भी सदन की सदस्यता प्राप्त करनी आवश्यक है।

34. संसद के किसी सदन की बैठक के लिए न्यूनतम गणपूर्ति कितनी होनी चाहिए?

(a) समस्त सदस्य संख्या का 1/10

(b) समस्त सदस्य संख्या का 1/5

(c) समस्त सदस्य संख्या का 1/6

(d) समस्त सदस्य संख्या का 1/12

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

अनुच्छेद 100 (3) के अनुसार, जब तक संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करे तब तक संसद के प्रत्येक सदन का अधिवेशन गठित करने के लिए गणपूर्ति सदन के सदस्यों की कुल संख्या का दसवां भाग होगी।

35. भारत में संसद के एक सदन की गणपूर्ति क्या होती है?

(a) सदन की कुल सदस्य संख्या का 1/2 भाग

(b) सदन की कुल सदस्य संख्या का 1/3 भाग

(c) सदन की कुल सदस्य संख्या का 2/3 भाग

(d) सदन की कुल सदस्य संख्या का 1/10 भाग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. भारत में संसद के एक सदन की गणपूर्ति क्या होती है?

(a) सदन की कुल सदस्यता का 1/2 भाग

(b) सदन की कुल सदस्यता का 1/3 भाग

(c) सदन की कुल सदस्यता का 2/3 भाग

(d) सदन की कुल सदस्यता का 1/10 भाग

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. राज्य सभा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है?

(a) इसके सदस्यों का एक-तिहाई प्रत्येक दो वर्षों में रिटायर होता है।

(b) इसके सदस्यों का एक-तिहाई प्रत्येक तीन वर्षों में रिटायर होता है।

(c) इसके सदस्यों का दो-तिहाई प्रत्येक दो वर्षों में रिटायर होता है।

(d) इसके सदस्यों का दो-तिहाई प्रत्येक तीन वर्षों में रिटायर होता है।

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

राज्य सभा स्थायी सदन है। इसका विघटन नहीं होता है, इसके सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है तथा एक-तिहाई सदस्यों का निर्वाचन प्रत्येक दो वर्ष पर होता है। साथ ही उप-राष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है तथा महान्यायवादी को संसद के दोनों सदनों में बोलने का अधिकार है।

38. राज्य सभा के संबंध में निम्नांकित में से कौन सा कथन सही है?

(a) यह विघटित की जा सकती है।

(b) इसके सदस्य प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते है।

(c) यह वास्तविक शक्तियों का प्रयोग करती है।

(d) यह विघटित किए जाने योग्य नहीं है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

39. राज्य सभा का सभापति निर्वाचित होता है-

(a) राज्य सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा

(b) राज्य सभा के सभी सदस्यों द्वारा

(c) संसद के निर्वाचित सदस्यों द्वारा

(d) संसद के सभी सदस्यों द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(d)

उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन अध्यक्ष होता है। संविधान के अनुच्छेद 89(1) में यह उल्लेखित है कि 'भारत का उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होगा'। अतः विकल्प (d) सही है। उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों राज्य सभा एवं लोक सभा के सदस्यों को मिलाकर बनने वाले निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है जिसका वर्णन संविधान के अनु. 66(1) में किया गया है।

40. राज्य सभा को धन विधेयक पर कितने दिनों के अंदर अपनी संस्तुति देनी होती है?

(a) 14 दिनों में (b) 15 दिनों में

(c) 21 दिनों में (d) 30 दिनों में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

संविधान के अनुच्छेद-109 के उपबंधों के अनुसार धन विधेयक के संबंध में राज्यसभा के पास सीमित शक्तियां होती हैं। किसी धन विधेयक के लोक सभा द्वारा पारित होने तथा राज्य सभा के पास इसकी सिफारिशों के लिए भेजे जाने के पश्चात् इसे राज्य सभा द्वारा प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों की अवधि के भीतर सिफारिशों सहित या सिफारिशों के बिना ही लोक सभा को वापस भेजा जाना होता है। धन विधेयक संसद के निम्न सदन अथवा लोक सभा में प्रस्तुत किया जाता है।

41. धन-विधेयक संसद के किस सदन में प्रस्तुत किया जाता है?

(a) राज्य सभा

(b) लोक सभा

(c) संसद के संयुक्त अधिवेशन में

(d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. राज्य सभा को अनन्य अधिकार है-

(a) राष्ट्रपति को हटाने की कार्यवाही प्रारम्भ करना।

(b) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ करना।

(c) नई अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन की संस्तुति करना।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत राज्य सभा द्वारा नई अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन की संस्तुति का एकाधिकार होता है।

43. अंतरराष्ट्रीय संधियों को कार्यान्वित करने के लिए संसद संपूर्ण देश या भारत के कुछ राज्यों के लिए कोई भी कानून बना सकती है यदि-

(a) सभी राज्य सहमत हों

(b) कुछ राज्य सहमत हों

(c) संबंधित राज्य सहमत हों

(d) किसी भी राज्य की सहमति के बिना

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 249 के तहत यदि राज्य सभा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से ऐसा प्रस्ताव पारित करे कि राष्ट्रीय हित में राज्य सूची के किसी विषय पर संसद द्वारा कानून बनाना आवश्यक है, तो संसद उस विषय पर कानून बना सकती है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 250 के तहत राष्ट्रीय आपात की स्थिति में, अनुच्छेद 252 के तहत दो या अधिक राज्यों के अनुरोध पर उन राज्यों के लिए अनुच्छेद 253 के तहत अंतरराष्ट्रीय समझौतों के अनुपालन के क्रम में तथा अनुच्छेद 356 के अधीन राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू रहने की अवस्था में अनुच्छेद 357 के तहत विधायी शक्तियों के प्रयोग द्वारा राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाया जा सकता है। अनुच्छेद 253 के तहत किसी भी राज्य की सहमति के बिना संसद कानून बना सकती है।

44. राज्य सभा में प्रतिनिधित्व की दृष्टि से सही क्रम पहचानिए : (कम से अधिक की ओर)

(a) राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश

(b) कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश

(c) मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश

(d) कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

विकल्पगत राज्यों में राज्य सभा की सीटों की संख्या इस प्रकार है-

राज्य		राज्य सभा में सीटों की संख्या
राजस्थान	-	10
मध्य प्रदेश	-	11
कर्नाटक	-	12
उत्तर प्रदेश	-	31

45. निम्न में से कौन से एक सदन की अध्यक्षता उस व्यक्ति के द्वारा की जाती है जो कि उस सदन का सदस्य नहीं होता है?

(a) लोक सभा (b) विधान सभा

(c) विधान परिषद (d) राज्य सभा

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा तथा अनुच्छेद 64 के तहत उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति (Ex-Officio Chairman) होता है। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का सदस्य न होते हुए भी सदन की अध्यक्षता करता है।

46. भारत के राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, यदि उपराष्ट्रपति उपलब्ध नहीं हैं, निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रपति की तरह कार्य कर सकता है?

(a) भारत के मुख्य न्यायाधीश (b) प्रधानमंत्री

(c) लोकसभाध्यक्ष (d) भारत के महान्यायवादी

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 65 के अनुसार यदि मृत्यु, त्याग-पत्र अथवा हटाए जाने की स्थिति में राष्ट्रपति का पद रिक्त हो तो पद का कार्यभार उपराष्ट्रपति संभालेगा तथा यदि किन्ही कारणों से उपराष्ट्रपति भी उपलब्ध नहीं है तो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश या उसके न रहने पर उसी न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश, जो उस समय उपलब्ध है, राष्ट्रपति के कृत्यों को संपादित करेगा (राष्ट्रपति उत्तराधिकार अधिनियम, 1969) (President's ofFunction Bill, 1969)।

47. लोक सभा में राष्ट्रपति कितने सदस्यों को मनोनीत करता है?

(a) 10 (b) 12

(c) 8 (d) 2

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

अनुच्छेद 331 के अनुसार लोक सभा में आंग्ल-भारतीय समुदाय से सदस्यों को मनोनीत करने की शक्ति राष्ट्रपति के पास है। राष्ट्रपति इस समुदाय के अधिकतम 2 सदस्यों को लोक सभा में नामित कर सकता है।

48. भारत का राष्ट्रपति राज्य सभा में कितने सदस्य मनोनीत करता है?

(a) 14 (b) 16

(c) 20 (d) 12

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80 में निहित उपबंधों के अधीन भारत का राष्ट्रपति राज्य सभा में 12 सदस्य मनोनीति करने का अधिकार दिया गया है। ये सदस्य साहित्य विज्ञान, कला एवं समाज सेवा से संबंधित उत्कृष्ट व्यक्ति होंगे।

49. राज्य सभा में कितने व्यक्ति मनोनीत किए जाते हैं?

(a) 12 (b) 14

(c) 10 (d) 15

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. निम्न में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) भारत का राष्ट्रपति राज्यसभा को विघटित कर सकता है।

(b) धन विधेयक केवल लोकसभा में प्रस्तुत किया जा सकता है।

(c) मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी है।

(d) राज्यपाल को राष्ट्रपति हटा सकता है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

राज्य सभा को काउंसिल ऑफ स्टेट्स भी कहा जाता है। यह संसद का ऊपरी सदन है। संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है। यह एक स्थायी सदन होता है। इसको विघटित नहीं किया जा सकता है।

51. निम्नलिखित में से कौन सी एक शक्ति केवल राज्य सभा में निहित है?

(a) राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग प्रारंभ करना

(b) नई अखिल भारतीय सेवाओं को निर्मित करने की संस्तुति करना

(c) उपराष्ट्रपति को पदच्युत करना

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

राज्य सभा अनुच्छेद 312 के तहत अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना (जिसमें न्यायिक सेवा भी शामिल है) के लिए यदि उपस्थित और मत देने वाले दो तिहाई सदस्यों से संकल्प पारित कर दे तो संसद ऐसी सेवा या सेवाओं की स्थापना कर सकेगी। अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन राज्य सभा की एकांतिक शक्ति है।

52. औपचारिक रूप से संघ की कार्यपालिका की शक्तियां निहित हैं-

(a) लोक सभा में

(b) राष्ट्रपति में

(c) प्रधानमंत्री में

(d) केंद्र में सत्तासीन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष में

P.G.T. परीक्षा, 2004

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

औपचारिक रूप से संघ की कार्यपालिका शक्तियां राष्ट्रपति में निहित हैं (अनु.53)। संघ की कार्यपालिका अर्थात भारत सरकार के सभी कार्य राष्ट्रपति के नाम से किये जाते है (अनुच्देद 77)।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के भाग V के अध्याय-1 में संघ की कार्यपालिका उल्लिखित है।
- संविधान में मंत्रिपरिषद के प्रधान के रूप में प्रधानमंत्री का उल्लेख अनुच्छेद-74 में है।
- संविधान में उपप्रधानमंत्री पद का प्रावधान नहीं है।
- संविधान केवल मंत्रियों का उल्लेख करता है। वह मंत्रिमंडल के मंत्रियों, उपमंत्रियों आदि के रूप में किसी वर्गीकरण का उल्लेख नहीं करता।

53. मंत्री व्यक्तिगत रूप से किसके समक्ष उत्तरदायी होते हैं?

(a) प्रधानमंत्री (b) लोक सभा

(c) राष्ट्रपति (d) जनता

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

मंत्री व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 (2) में उल्लिखित है कि मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे।

54. मंत्रिमण्डल का प्रमुख कौन होता है?

(a) राष्ट्रपति (b) वित्तमंत्री

(c) गृहमंत्री (d) प्रधानमंत्री

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति को सहायता एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। राष्ट्रपति इसके सलाह के अनुसार कार्य करेगा।

55. राष्ट्रपति शासन के लिए संसद का अनुमोदन कितनी अवधि के भीतर प्राप्त किया जाना चाहिए?

(a) 2 माह (b) 6 माह

(c) 1 वर्ष (d) अवधि निश्चित नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 356 (1) के तहत राष्ट्रपति राज्य के राज्यपाल से प्रतिवेदन मिलने पर या अन्यथा उसे इस बात का समाधान हो जाता है कि राज्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है जिससे उस राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता तो राष्ट्रपति उद्घोषणा द्वारा उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर सकता है। अनुच्छेद 356(3) के अनुसार इस उद्घोषणा को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखी जाएगी और वह 2 मास की समाप्ति पर प्रवर्तन में नहीं रहेगी यदि उस अवधि की समाप्ति से पहले संसद के दोनों सदनों के संकल्पों द्वारा उसका अनुमोदन नहीं कर दिया जाता।

56. लोक सभा और राज्य सभा संयुक्त रूप में बैठती हैं जब-

(a) उनकी इच्छा होती है

(b) दोनों के बीच कोई असहमति होती है

(c) राष्ट्रपति दोनों सदनों को बुलाते हैं

(d) उन्हें प्रत्येक पांच वर्ष में मिलना चाहिए

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

धन विधेयकों से इतर किसी विधेयक के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में असहमति की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनु. 108 के तहत दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है जिसकी अध्यक्षता अनु. 118 (4) के तहत लोक सभाध्यक्ष (Speaker) करता है।

57. राज्य सभा का उपाध्यक्ष-

(a) उपराष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है

(b) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है

(c) राज्य सभा के सदस्यों द्वारा अपने सदस्यों के बीच में चुना जाता है

(d) प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किया जाता है

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद 89 (2) के तहत राज्य सभा, यथाशक्ति शीघ्र अपने किसी सदस्य को अपना उपसभापति चुनेगी और जब-जब उपसभापति का पद रिक्त होगा तब-तब राज्य सभा किसी अन्य सदस्य को अपना उपसभापति चुनेगी। वर्तमान में राज्य सभा के उपाध्यक्ष पी.जे. कुरियन हैं। इन्होंने कांग्रेस के ही के.रहमान खान के स्थान पर पद ग्रहण किया।

58. चौदहवीं लोक सभा के उपाध्यक्ष पद पर किसे चुना गया?

(a) मोंटेक सिंह अहलूवालिया को

(b) भैरोंसिंह शेखावत को

(c) चरणजीत सिंह अटवाल को

(d) सुरजीत सिंह बरनाला को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

चौदहवीं लोक सभा (17 मई 2004 - 18 मई 2009 तक) के उपाध्यक्ष पद पर शिरोमणि अकाली दल के चरणजीत सिंह अटवाल को चुना गया था। वर्तमान में 16वीं लोक सभा के उपाध्यक्ष पद पर एआईएडीएमके (AIADMK) के डॉ.एम. थम्बिदुरई को चुना गया है। ज्ञातव्य है कि 16वीं लोक सभा के अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी की सांसद (इंदौर से) सुमित्रा महाजन को चुना गया है।

59. संसद के संयुक्त अधिवेशन को कौन संबोधित करता है?

(a) सभापति, राज्य सभा (b) अध्यक्ष, लोक सभा

(c) राष्ट्रपति (d) विरोधी दल का नेता

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 87 के अनुसार राष्ट्रपति, लोक सभा के लिए प्रत्येक साधारण निर्वाचन के पश्चात् प्रथम सत्र के आरंभ में और प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र के आरंभ में एक साथ समवेत संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेगा और संसद को उसके आह्वान के कारण बताएगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 86(1) के अनुसार राष्ट्रपति, संसद के किसी एक सदन में या एक साथ समवेत दोनों सदनों में अभिभाषण कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए सदस्यों की उपस्थिति की अपेक्षा कर सकेगा।
- अनुच्छेद 86(2) के अनुसार राष्ट्रपति, संसद को कोई संदेश भेज सकता है। ऐसे भेजे गए संदेश पर संसद शीघ्रता से विचार करेगी।

60. संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र की अध्यक्षता करते हैं :

(a) भारत के उप-राष्ट्रपति

(b) लोक सभा के अध्यक्ष

(c) राज्य सभा के सभापति

(d) भारत के प्रधानमंत्री

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

धन विधेयकों से इतर किसी विधेयक के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में असहमति की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनु. 108 के तहत दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है जिसकी अध्यक्षता अनु. 118 (4) के तहत लोक सभाध्यक्ष (Speaker) करता है।

61. स्पीकर निर्णायक मत का प्रयोग कब कर सकता है?

(a) महाभियोग प्रस्ताव पर

(b) अनुच्छेद 368 से संबंधित विधेयक पर

(c) अनुच्छेद 52 से संबंधित विधेयक पर

(d) समान मत आने पर

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

अनु 100 (I) के तहत लोक सभा अध्यक्ष (स्पीकर) अपने 'कॉस्टिंग वोट' (निर्णायक मत) का प्रयोग केवल तब करते हैं, जब किसी विषय के संदर्भ में हुए मतदान में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों के वोट बराबर-बराबर होने के कारण 'टाई' (Tie) की स्थिति हो। परंतु अनु. 96 (2) के तहत वह, उसे पद से हटाने के प्रस्ताव पर प्रथमतः मत देने का हकदार है किंतु मत बराबर रहने की दशा में मत देने का हकदार नही हैं।

62. भारतीय संविधान के अनुसार संसद की बैठक एक साल में कम से कम कितनी बार होनी चाहिए?

(a) एक बार (b) दो बार

(c) तीन बार (d) चार बार

T.G.T. परीक्षा, 2001

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

अनुच्छेद 85(1) के अनुसार संसद के प्रत्येक सदन के एक सत्र की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की प्रथम बैठक के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होगा। इस प्रकार एक वर्ष में कम से कम 2 बार बैठक होना अनिवार्य है।

63. निम्नलिखित में से कौन अनुच्छेद कहता है कि राज्य सभा विघटित नहीं की जा सकती?

(a) अनुच्छेद 83 (b) अनुच्छेद 84

(c) अनुच्छेद 90 (d) अनुच्छेद 91

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 83(1) के अनुसार राज्य सभा का विघटन नहीं होता अर्थात यह एक स्थायी सदन है, इसके एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष की समाप्ति पर निवृत हो जाते हैं। राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।

64. राज्य सभा का उपसभापति निर्वाचित होता है-

(a) राज्य सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा

(b) राज्य सभा के सभी सदस्यों द्वारा

(c) संसद के निर्वाचित सदस्यों द्वारा

(d) संसद के सभी सदस्यों द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. संसदीय व्यवस्था में 'जीरो आवर' किस देश की देन है?

(a) अमेरिका (b) ब्रिटेन

(c) भारत (d) स्विट्जरलैंड

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

'शून्य काल' (Zero Hour) विशिष्ट भारतीय संसदीय व्यवहार है। प्रश्न काल और सभापटल पर पत्र रखे जाने के तत्काल पश्चात तथा किसी सूचीबद्ध कार्य को सभा द्वारा शुरू करने के पहले का लोकप्रिय नाम 'शून्य काल' है। चूंकि यह मध्याह्न 12 बजे शुरू होता है इसीलिए इसे शून्य काल कहते हैं। संसदीय प्रक्रिया में शून्य काल शब्द को औपचारिक मान्यता नहीं प्राप्त है। शून्य काल में किसी मामले को उठाने के लिए सदस्य प्रतिदिन पूर्वाह्न 10.00 से पूर्व अध्यक्ष को सूचना देते हैं। किसी मामले को उठाने या न उठाने की अनुमति या मामलों के क्रम का निर्णय अध्यक्ष पर निर्भर करता है। वर्तमान में शून्य काल के दौरान 20 मामले उठाए जाने की अनुमति है।

66. भारतीय संसद की कार्यवाही में 'शून्यकाल' (जीरो आवर) का अर्थ है-

(a) सत्र का प्रथम घण्टा
(b) जब विशेषाधिकार प्रस्ताव स्वीकृति होता है
(c) प्रश्नकाल के पूर्व का काल
(d) प्रश्न काल एवं एजेण्डा के मध्य का समय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. संसद की कार्यवाही में 'शून्य काल' का अर्थ है-

(a) समय जिसमें सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं।
(b) प्रश्नकाल के बाद का 1 घंटे का समय जिसमें कोई कार्य सूची नहीं निश्चित रहती है।
(c) किसी दिवस के निश्चित कार्य सूची की समाप्ति के बाद का 1 घंटे का समय।
(d) भोजन अवकाश का समय

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

68. संसद में 'शून्य काल' का क्या अर्थ है?

(a) प्रश्नकाल एवं अन्य कार्यों के प्रारंभ होने के समय के बीच की अवधि
(b) सरकारी पक्ष को प्रदत्त समय जिसमें वह सदस्यों के प्रश्नों का उत्तर देता है
(c) संसद के एक अधिवेशन और आगामी अधिवेशन के बीच का समय
(d) कार्य स्थगन प्रस्ताव हेतु निर्धारित समय

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. लोक सभा के अध्यक्ष को अपना त्याग-पत्र किसे संबोधित करना पड़ता है?

(a) भारत के प्रधानमंत्री को (b) लोक सभा के उपाध्यक्ष को
(c) भारत के राष्ट्रपति को (d) भारत के उपराष्ट्रपति को

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

लोक सभा का अध्यक्ष (Speaker) अपना हस्ताक्षर सहित त्यागपत्र (Resign) लोक सभा उपाध्यक्ष को सौंपता है [अनुच्छेद 94 (ख)]। लोक सभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन मतदान पद्धति से उपस्थित संसद सदस्यों में से होता है।

70. लोक सभा में दिए गए सभी भाषण और अभ्युक्तियां किसे संबोधित की जाती हैं?

(a) भारत के राष्ट्रपति (b) प्रधानमंत्री
(c) अध्यक्ष (d) संबंधित मंत्री

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद 93 में उपबंधित है कि लोक सभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को अपना अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष चुनेगी और जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद रिक्त होगा तब लोक सभा किसी अन्य सदस्य को अध्यक्ष या उपाध्यक्ष चुनेगी। सदन के कार्य का संचालन शांत एवं व्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष को बहुल शक्तियां प्राप्त हैं। लोक सभा में दिए गए सभी भाषण और अभ्युक्तियां अध्यक्ष को संबोधित की जाती हैं।

71. केंद्रीय मंत्रिपरिषद का उत्तरदायित्व होता है :

(a) लोक सभा के प्रति
(b) लोक सभा एवं राज्य सभा दोनों के प्रति
(c) प्रधानमंत्री के प्रति
(d) राष्ट्रपति के प्रति

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 75 (3) के अनुसार, मंत्रिपरिषद का लोक सभा के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व होता है।

72. यदि सदन का सत्रावसान हो गया है, तो इसे आहूत करने के लिए कौन अधिकृत है?

(a) अध्यक्ष (b) उपराष्ट्रपति
(c) प्रधानमंत्री (d) राष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

यदि सदन का सत्रावसान हो गया है तो इसे आहूत करने हेतु केवल राष्ट्रपति ही अधिकृत है। अनुच्छेद 85 के अनुसार राष्ट्रपति को किसी सदन का अधिवेशन आहूत करने, सत्रावसान करने एवं लोक सभा का विघटन करने की शक्ति प्राप्त है।

73. भारतीय संसद के दो सत्रों में कितना अंतर होता है?

(a) एक माह (b) तीन माह
(c) नौ माह (d) छः माह

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

अनुच्छेद 85(1) के अनुसार संसद के प्रत्येक सदन के एक सत्र की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की प्रथम बैठक के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होगा। इस प्रकार एक वर्ष में कम से कम 2 बार बैठक होना अनिवार्य है।

74. यदि लोक सभा और राज्य सभा के बीच एक धन विधेयक पर मतभेद हो तो-

(a) दोनों सदनों का एक संयुक्त सत्र बुलाया जाता है

(b) राज्य सभा इसे अस्वीकृत कर सकती है

(c) राज्य सभा अपनी सिफारिशें भेज सकती है जिसे लोक सभा स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है

(d) लोक सभा को राज्य सभा की राय की आवश्यकता नहीं होती।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

राज्य सभा किसी धन विधेयक को न तो रद्द कर सकती है और न ही उसे ऐसे विधेयक में संशोधन की शक्ति प्राप्त है। राज्य सभा के लिए विधेयक की प्राप्ति की तिथि से 14 दिन की अवधि के भीतर ऐसे विधेयक को अपनी सिफारिशों के साथ लौटाना अनिवार्य है। तत्पश्चात लोक सभा या तो राज्य सभा की किसी एक या सभी सिफारिशों को स्वीकार कर सकती है या रद्द कर सकती है।

वस्तुतः किसी धन विधेयक पर राज्य सभा का अनुमोदन व्यवहार में मात्र एक औपचारिकता है।

75. यदि राज्य सभा किसी संविधान संशोधन विधेयक पर लोक सभा से असहमत हो तो ऐसी स्थिति में-

(a) संशोधन विधेयक पारित नहीं माना जाएगा

(b) दोनों सदनों की संयुक्त बैठक द्वारा इसका निर्णय होगा

(c) लोक सभा द्वारा दो-तिहाई बहुमत से यह विधेयक पारित कर दिया जाएगा

(d) लोक सभा राज्य सभा के मत को अस्वीकृत कर देगी

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

संविधान संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा अलग-अलग विशेष बहुमत से स्वीकृत किया जाना आवश्यक है। दोनों सदनों में असहमति की स्थिति में विधेयक अंतिम रूप से समाप्त हो जाएगा क्योंकि संविधान संशोधन के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की संविधान में कोई व्यवस्था नहीं है।

76. भारतीय संसदीय शासन प्रणाली में मंत्रिमंडल किसके प्रति उत्तरदायी होता है?

(a) राष्ट्रपति के प्रति (b) लोक सभा के प्रति

(c) राज्य सभा के प्रति (d) सर्वोच्च न्यायालय के प्रति

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

मंत्रिमंडल (Cabinet), मंत्रिपरिषद (Council of Ministers) की एक छोटी इकाई है। हमारे संविधान में 'मंत्रिमंडल' शब्द का उल्लेख अनुच्छेद 352 (3) में किया गया है। ब्रिटेन की परंपरा के अनुसार हमारे यहां भी मंत्रिमंडल का अस्तित्व चला आ रहा है। यह हमारी सांविधानिक प्रणाली का एक आवश्यक अंग बन गया है। मंत्रिमंडल नीति-निर्धारण करने वाली सर्वोच्च संस्था है। चूंकि संसदीय प्रणाली सामूहिक उत्तरदायित्व के आधार पर कार्य करती है, अतः अनुच्छेद 75(3) के अंतर्गत यह उत्तरदायित्व लोक सभा (निम्न सदन) के प्रति होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 75(3) के अनुसार, मंत्रिपरिषद, लोक सभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होगी।
- इसी कारण कोई ऐसा ही व्यक्ति प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाता है जिसे लोक सभा के बहुमत का विश्वास प्राप्त हो।
- राष्ट्रपति मात्र उसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त कर सकता है जो या तो लोक सभा में बहुमत-दल का नेता हो, या जो लोक सभा के बहुमत-दल का विश्वास प्राप्त करने की स्थिति में हो।

77. भारतीय 'राज्य सभा' की वर्तमान सदस्य संख्या है-

(a) 212 (b) 249

(c) 213 (d) 245

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा की संरचना का उल्लेख है। इसमें उल्लिखित है कि राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 238 से अनधिक प्रतिनिधियों तथा राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित किए जाने वाले 12 सदस्यों से मिलकर राज्य सभा बनेगी। वर्तमान में राज्य सभा में कुल 245 सदस्य हैं, जिसमें 229 सदस्य राज्य विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा एवं 4 संघीय क्षेत्रों (3- दिल्ली, 1- पुडुचेरी) से एकल संक्रमणीय मत पद्धति से निर्वाचित होते हैं, जबकि 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

78. कितने वर्ष की आयु में कोई भारतीय नागरिक भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है?

(a) 18 वर्ष (b) 21 वर्ष

(c) 25 वर्ष (d) 35 वर्ष

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

संविधान के अनु. 75 (1) के अनुसार राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की नियुक्ति करेगा। प्रधानमंत्री का संसद सदस्य (लोक सभा या राज्य सभा) होना अनिवार्य है (अथवा छः माह के भीतर उसे संसद का सदस्य होना होगा)। अतः इस हेतु न्यूनतम आयु 25 वर्ष (लोक सभा सदस्य हेतु) है।

79. निम्नलिखित में से कौन सही है?

(a) 'कैबिनेट (मंत्रिमण्डल)' शब्द भारतीय संविधान में उल्लिखित नहीं है।

(b) 'मंत्रिमण्डल' शब्द भारतीय संविधान के केवल अनुच्छेद 74 में उल्लिखित है।

(c) 'मंत्रिमण्डल' शब्द भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची में उल्लिखित है।

(d) 'मंत्रिमण्डल' शब्द भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 में उल्लिखित है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

भारत के संविधान में अनुच्छेद 352 (3) में मंत्रिमंडल शब्द का उल्लेख किया गया हैं बाकी दिए गए विकल्प में कही भी मंत्रिमंडल शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है।

80. संसद के अधिवेशन के दौरान संसद सदस्यों को किन मुकदमों में बंदीकरण से उन्मुक्ति प्रापत है?

(a) दीवानी मुकदमे (b) फौजदारी मुकदमे

(c) राष्ट्रविरोधी मुकदमे (d) उपरोक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

सिविल प्रक्रिया की धारा 135 क, सदस्य को सदन या उसकी किसी समिति के जिसका वह सदस्य है, अधिवेशन के चलते रहने के दौरान या सदनों या समितियों की संयुक्त बैठक के दौरान तथा बैठक या अधिवेशन के पूर्व या पश्चात् 40 दिन की अवधि के दौरान गिरफ्तारी से छूट देती है। यह उन्मुक्ति केवल दीवानी मामलों (Civil cases) में गिरफ्तारी तक ही सीमित है, अपराधिक मामले या निवारक निरोध कानून के अधीन गिरफ्तारी की जा सकती है।

81. भारत में प्रधानमंत्री-

(a) निर्वाचित होता है। (b) चयनित होता है।

(c) नामित होता है। (d) नियुक्त होता है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 74(1) में स्पष्ट उल्लेख है कि राष्ट्रपति को सहायता एवं सलाह के लिए मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान : प्रधानमंत्री होगा। वह अनिवार्यतः ऐसे व्यक्ति को प्रधानमंत्री नियुक्त करता है, जो उस दल का नेता है जिसका लोक सभा में बहुमत है या ऐसा व्यक्ति है जो अन्य राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त करके लोक सभा का विश्वास जीत लेगा।

82. वित्त विधेयक के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह राज्य सभा में प्रस्तुत होता है।

(b) यह संसद के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।

(c) यह लोक सभा में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

(d) यह लोक सभा में प्रस्तुत किया जाता है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

धन विधेयक का उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110(1) में किया गया है। प्रत्येक धन विधेयक वित्त विधेयक होता है किंतु प्रत्येक वित्त विधेयक, धन विधेयक नहीं होता है। वित्त एवं धन विधेयक दोनों को लोक सभा में ही पेश किया जाता है, जिसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति आवश्यक है। राष्ट्रपति वित्त विधेयक को पुनर्विचार के लिए सदनों को वापस लौटा सकता है।

83. संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है :

(a) लोक सभा का स्पीकर (b) भारत का राष्ट्रपति

(c) राज्य सभा का सभापति (d) भारत का प्रधानमंत्री

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद-108 के अंतर्गत संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत किसी विधेयक पर गतिरोध उत्पन्न होने की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संयुक्त बैठक बुलाई अथवा आहूत की जा सकती है। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा उसकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की जाती है।

84. भारतीय संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है?

(a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमंत्री

(c) राज्य सभा का सभापति (d) लोक सभा का अध्यक्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 118(4) के अनुसार, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोक सभा का अध्यक्ष करता है।

85. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 108 के अंतर्गत लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक कौन आहूत करता है?

(a) भारत का राष्ट्रपति (b) लोकसभाध्यक्ष

(c) प्रधानमंत्री (d) राज्य सभा का सभापति

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

86. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक किस संबंध में होती है?

(a) संविधान संशोधन विधेयक

(b) धन विधेयक

(c) सामान्य विधेयक

(d) उपराष्ट्रपति का निर्वाचन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-108 के तहत संयुक्त बैठक की व्यवस्था की गयी है। संयुक्त बैठक केवल साधारण विधेयक के संबंध में बुलाई जा सकती है। अब तक दोनों सदनों की तीन बार संयुक्त बैठक बुलाई गई है। इसकी अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष करता है।

87. निम्नांकित संसदीय समितियों में कौन सी वित्तीय समिति नहीं है?

(a) प्राक्कलन समिति (b) आश्वासन समिति

(c) लोक लेखक समिति (d) लोक उपक्रम समिति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

संविधान में वित्त समितियों के अंतर्गत लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति तथा सार्वजनिक उपक्रम समिति को शामिल किया जाता है। आश्वासन समिति वित्तिय समिति नहीं होती है।

88. भारतीय संसद में विभागों से संबंधित कितनी समितियों का गठन किया गया है?

(a) 03 (b) 16

(c) 24 (d) 30

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

विभागों से संबद्ध स्थायी समितियों की संख्या 24 है जिनके क्षेत्राधिकार में भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग आते हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं- जिनमें 21 लोक सभा से तथा 10 राज्य सभा से जिन्हें क्रमशः लोक सभा अध्यक्ष तथा राज्य सभा के सभापति द्वारा नाम-निर्दिष्ट किया जाता है इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष से अनधिक होगा।

89. राज्य सभा में विभागों से संबंधित स्थायी समितियों की संख्या कितनी है?

(a) 16 (b) 10

(c) 8 (d) 6

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

राज्य सभा में विभागों से संबंधित स्थायी समितियों की संख्या 8 है।

90. राज्यसभा में विशिष्ट ज्ञान अथवा व्यवहारिक अनुभव सम्पन्न कुछ सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। वे निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के होते हैं?

(a) साहित्य (b) विज्ञान

(c) कला एवं समाज सेवा (d) उपर्युक्त सभी

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80 के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में साहित्य, विज्ञान, कला एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष ज्ञान या अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए 12 सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।

91. निम्नलिखित में से किन सिद्धांतों के आधार पर भारत में संसदीय प्रणाली वाली सरकार कार्य करती है?

(1) नाममात्र का कार्यकारी अध्यक्ष

(2) उपराष्ट्रपति की उच्च सदन की अध्यक्षता

(3) मंत्री परिषद में वास्तविक कार्यकारी अधिकारों का होना

(4) कार्यकारिणी का निम्न सदन के प्रति उत्तरदायित्व

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a) 1, 2 और 3 (b) 1, 2 और 4

(c) 1, 3 और 4 (d) 2, 3 और 4

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

भारतीय संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका के समस्त कार्य राष्ट्रपति के नाम से किए जाते हैं। परंतु उसके लिए यह अपेक्षित है कि वह मंत्रिपरिषद की सहायता एवं परामर्श से ही कार्य करे। इस प्रकार राष्ट्रपति केवल औपचारिक संवैधानिक या नाममात्र का प्रमुख होता है। वास्तविक कार्यपालिका शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित होती है। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा (निम्न सदन) के प्रति उत्तरदायी है। इस प्रकार कथन 1, 3, 4, सही हैं। कथन 2 गलत है क्योंकि संविधान में उपराष्ट्रपति को कोई कृत्य नहीं सौंपे गए हैं। यद्यपि राष्ट्रपति के बाद अधिकृत अग्रता-अधिपत्र में सर्वोच्च स्थान उपराष्ट्रपति को दिया गया है। अनुच्छेद 64 के अनुसार, उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है।

92. निम्नलिखित में से कौन लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति करता है?

(a) केंद्रीय वित्त मंत्री

(b) लोक सभा में विपक्ष का नेता

(c) राज्य सभा का सभापति

(d) लोक सभा का अध्यक्ष

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

लोक लेखा समिति लोक व्ययों पर नियंत्रण रखने वाली एक संसदीय समिति है। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोक सभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है। सामान्यतः विपक्ष के लोक सभा सदस्य को इसका अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की प्रथा (1967-68 से) है। लोक लेखा समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट लोक सभा के अध्यक्ष को प्रस्तुत की जाती है।

93. संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष का नाम मनोनीत कौन करता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) लोकसभा का अध्यक्ष (d) राज्यसभा का सभापति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. भारतीय संसद की समितियों में सबसे महत्वपूर्ण है-

(a) लोक लेखा समिति

(b) प्राक्कलन समिति

(c) सार्वजनिक उपक्रमों की समिति

(d) अधीनस्थ विधायन की समिति

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

भारतीय संसद की समितियों में 'लोक लेखा समिति' (Public Account Committee) सबसे महत्वपूर्ण समिति है। इसका उद्देश्य लोक व्यय के दुरुपयोग एवं अनियमितताओं को सदन के समक्ष उजागर करना होता है। यह उन लोक प्राधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की सिफारिश करती है जो व्यय के दुरुपयोग हेतु उत्तरदायी पाए जाते हैं। समिति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट को आधार मानकर लोक व्ययों का प्रतिपरीक्षण करती है। सामान्यतः विपक्ष के लोक सभा सदस्य को इसका अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की प्रथा (1967-68 से) है। लोक लेखा समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट लोक सभा के स्पीकर को प्रस्तुत की जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संसदीय समितियां दो प्रकार की होती हैं 1. स्थायी समितियां तथा 2. तदर्थ समितियां।
- स्थायी समितियां स्थायी एवं नियमित समितियां हैं। इनका कार्य अनवरत प्रकृति का होता है। वित्तीय समितियां, विभागों से संबद्ध स्थायी समितियां तथा कुछ अन्य समितियां स्थायी समितियों की श्रेणी के अंतर्गत आती हैं।
- तदर्थ समितियां किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए नियुक्त की जाती हैं और जब वे अपना काम समाप्त कर लेती हैं तथा अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर देती हैं, तब उनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। प्रमुख तदर्थ समितियां विधेयकों संबंधी प्रवर तथा संयुक्त समितियां हैं। रेल अभिसमय समिति, संसद भवन परिसर में खाद्य प्रबंधन संबंधी संयुक्त समिति इत्यादि भी तदर्थ समितियों की श्रेणी में आती हैं।

95. भारतीय संसद की सबसे महत्वपूर्ण समिति कौन सी है?

(a) लोक लेखा समिति (b) प्राक्कलन समिति

(c) लोक आश्वासन समिति (d) याचना समिति

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

लोक लेखा समिति (Public Account Committee) लोक व्ययों पर नियंत्रण रखने वाली एक संसदीय समिति है। यह समिति भारत सरकार के विनियोग लेखा और उन पर नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन की जांच करती है। दोनों सदनों द्वारा निर्वाचित कुल 22 सदस्य इस समिति के सदस्य होते हैं, जिनमें 15 सदस्य लोक सभा से और 7 सदस्य राज्य सभा से आते हैं। इस समिति का कार्यकाल 1 वर्ष होता है।

96. लोक लेखा समिति के सदस्य निर्वाचित किए जाते हैं

(a) एक वर्ष के लिए (b) दो वर्ष के लिए

(c) तीन वर्ष के लिए (d) पांच वर्ष के लिए

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

97. लोक लेखा समिति में निम्नांकित सदस्य होते हैं। सही उत्तर दीजिये-

	लोक सभा	राज्य सभा	कुल
(a)	11	5	16
(b)	15	7	22
(c)	10	5	15
(d)	17	10	27

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

98. लोक सभा की प्राक्कलन (Estimates) समिति की समयावधि क्या होती है?

(a) 2 वर्ष (b) 5 वर्ष

(c) 3 वर्ष (d) 1 वर्ष

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(d)

प्राक्कलन समिति में लोक सभा के 30 सदस्य होते है इसमें राज्य सभा के सदस्य सहयोजित नहीं किए जाते हैं। इसे स्थायी मितव्यता समिति भी कहते हैं। लोक लेखा समिति तथा प्राक्कलन समिति को जुड़वां बहनें कहा जाता है। इसका अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल का सदस्य होता है जो लोक सभा के स्पीकर द्वारा नामित किया जाता है। तीनों वित्तीय समितियों (प्राक्कलन समिति, लोक लेखा समिति तथा सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति) का कार्यकाल एक वर्ष होता है। किसी भी मंत्री को इन समितियों का सदस्य नहीं बनाया जा सकता है।

99. लोक लेखा समिति में शामिल होते हैं-

I. लोक सभा के 30 सदस्य

II. लोक सभा के 15 सदस्य

III. राज्य सभा के 7 सदस्य

IV. राज्य सभा का कोई सदस्य नहीं

(a) I और II (b) II और III

(c) III और IV (d) IV और II

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

लोक लेखा समिति भारतीय संसद की सबसे प्राचीन समिति है। इसमें 22 सदस्य होते हैं (15 लोक सभा के तथा 7 राज्य सभा के)। 1967 से चली आ रही प्रथा के अनुसार विपक्ष के किसी सदस्य को इसका सभापति नियुक्त किया जाता है। लोक सभा के स्पीकर द्वारा सभापति की नियुक्ति की जाती है। इसका मुख्य कार्य नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के रिपोर्टों की जांच करनी है। इसका गठन एक वर्ष के लिए किया जाता है। लोक लेखा समिति को प्राक्कलन समिति की 'जुड़वां बहन' कहा जाता है।

100. भारत में केंद्र में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन कब हुआ था?

(a) 1968 में (b) 1971 में

(c) 1977 में (d) 1979 में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल (1975–1976) के बाद जनसंघ सहित भारत के प्रमुख राजनैतिक दलों का विलय करके एक नए दल 'जनता पार्टी' का गठन किया गया। जनता पार्टी ने वर्ष 1977 से 1980 तक भारत सरकार का नेतृत्व किया। इसके नेता मोरारजी देसाई थे। आंतरिक मतभेदों के कारण वर्ष 1980 में जनता पार्टी टूट गई। लोकसभा चुनाव 2014 के पूर्व डॉ. सुब्रमणियन स्वामी जनता पार्टी का विलय भारतीय जनता पार्टी में कर चुके हैं।

101. कोई विधेयक वित्त विधेयक है अथवा नहीं, इसका निर्णय कौन करता है?

(a) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

(b) लोक सभा का अध्यक्ष

(c) प्रधानमंत्री

(d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

कोई विधेयक वित्त विधेयक है अथवा नहीं, इसके लिए निर्णय की आवश्यकता नहीं होती क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 117 में वित्त विधेयक के संबंध में विशेष उपबंध का उल्लेख है। सामान्य रूप से कोई ऐसा विधेयक वित्त विधेयक होता है जो राजस्व व्यय से संबंधित हो। वित्त विधेयकों में किसी धन विधेयक के लिए संविधान में उल्लिखित किसी मामले का उपबंध करने के अतिरिक्त, अन्य मामलों का भी उपबंध किया जाता है। वित्त विधेयकों को निम्नलिखित दो श्रेणियों में रखा जा सकता है-

श्रेणी (क) ऐसे विधेयक जिसमें धन विधेयक के लिए अनुच्छेद 110 में उल्लिखित किसी भी मामले के लिए उपबंध किए जाते हैं परंतु केवल उन्हीं मामलों के लिए ही उपबंध नहीं किए जाते, उदाहरणार्थ कोई विधेयक जिसमे करारोपण का खंड होता है परंतु वह केवल करारोपण के संबंध में नहीं होता।

श्रेणी (ख) ऐसे विधेयक जिसमें संचित निधि से व्यय संबंधी उपबंध हों, जबकि कोई विधेयक 'धन विधेयक' है या नहीं इसका विनिश्चय संविधान के अनुच्छेद 110 (3) के अनुसार लोक सभा अध्यक्ष द्वारा किया जाता है और उसका विनिश्चय अंतिम होता है।

102. यह कौन निश्चित करता है कि कोई विधेयक वित्त विधेयक है, अथवा नहीं ?

(a) भारत का राष्ट्रपति

(b) भारत का वित्त मंत्री

(c) लोक सभा का स्पीकर

(d) राज्य सभा का सभापति

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

103. इनमें से कौन देश की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है?

(a) राष्ट्रपति (b) कैबिनेट

(c) संसद (d) सशस्त्र बल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

भारतीय सशस्त्र सेनाओं की कमान राष्ट्रपति के पास है और देश की रक्षा की जिम्मेदारी मंत्रिमंडल (कैबिनेट) के पास है। यह कार्य रक्षा मंत्रालय द्वारा होता है जो देश में रक्षा के संदर्भ में नीतिगत ढांचे और सशस्त्र बलों को जिम्मेदारियां प्रदान करता है। रक्षा मंत्री, रक्षा मंत्रालय का प्रमुख होता है।

104. भारत में प्रथम गैर-कांग्रेसी सरकार का प्रधानमंत्री कौन था?

(a) वी.पी.सिंह (b) चंद्रशेखर

(c) मोरारजी देसाई (d) चरण सिंह

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर—(c)

मोरारजी देसाई भारत के स्वाधीनता सेनानी और छठें प्रधानमंत्री (1977 से 1979) थे। वह प्रथम प्रधानमंत्री थे जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बजाए अन्य दल (जनता पार्टी) से थे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मोरारजी देसाई एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न एवं पाकिस्तान के सर्वोच्च सम्मान निशान-ए-पाकिस्तान से सम्मानित किया गया।
- चौधरी चरण सिंह 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। उनके पूरे कार्यकाल के दौरान लोक सभा की बैठक ही नहीं हुई।
- वी.पी. सिंह भारत के दसवें प्रधानमंत्री (2 दिसंबर, 1989 से 10 नवंबर, 1990) थे।
- चंद्रशेखर भारत के ग्यारहवें प्रधानमंत्री (10 नवंबर, 1990 से 21 जून, 1991 तक) थे।

105. भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री थे-

(a) डॉ. जाकिर हुसैन (b) मोरारजी देसाई

(c) सरदार पटेल (d) लाल कृष्ण आडवाणी

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल थे।

भारत के उपप्रधानमंत्रियों की सूची-

क्र.स.	नाम	पदासीन	पदच्युत	राजनैतिक पार्टी
1.	सरदार पटेल	15 अग., 1947	15 दिस., 1950	भारतीय राष्ट्रीय का.
2.	मोरारजी देसाई	21 मार्च, 1967	6 दिस., 1969	भारतीय राष्ट्रीय का.
3.	चौधरी चरण सिंह	28 जु., 1979	9 अक्टू., 1979	जनता पार्टी
4.	जगजीवन राम	9 अक्टू., 1979	10 दि., 1979	जनता पार्टी
5.	यशवंत राव चव्हाण	28 जु., 1979	14 जन.,1980	कांग्रेस (s)
6.	चौधरी देवी लाल	2 दि., 1989	21 जून, 1991	जनता दल
7.	लालकृष्ण आडवाणी	29 जून, 2002	20 मई, 2004	भारतीय जनता पार्टी

106. अधिकतम कितने दिनों के अंदर राज्य सभा एक निश्चित विधेयक को अस्वीकृत या स्वीकृत होने के पश्चात लोक सभा को वापस कर सकती है?

(a) 30 (b) 10

(c) 14 (d) 15

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न अस्पष्ट है अतः यदि प्रश्न में एक निश्चित विधेयक के स्थान पर निश्चित धन विधेयक जोड़ दिया जाए तो उत्तर स्पष्ट हो जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 109 में धन विधेयक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का उल्लेख है। अनुच्छेद 109 (1) के अनुसार, धन विधेयक राज्य सभा में पुरःस्थापित नहीं किया जाएगा तथा अनुच्छेद 109 (2) के अनुसार, धन विधेयक लोक सभा द्वारा पारित किए जाने के पश्चात राज्य सभा को उसकी सिफारिशों के लिए पारेषित किया जाता है जिसे राज्य सभा अधिकतम 14 दिनों तक ही रोक सकती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- विधि का निर्माण करना संसद का प्रमुख कृत्य है। सभी विधायी प्रस्ताव विधेयकों के रूप में संसद में पेश किए जाते हैं। ऐसे सभी विधेयक, जो संविधान संशोधन तथा धन विधेयक नहीं होते हैं, किसी एक सदन में पास होने के पश्चात उसे सहमति के लिए दूसरे सदन में भेजा जाता है। दूसरा सदन उस विधेयक को या तो पूर्णतया अस्वीकार कर सकता है या संशोधनों के साथ पास कर सकता है या यह भी हो सकता है कि वह सदन विधेयक पर कोई कार्यवाही न करे अर्थात उसे सभा पटल पर पड़ा रहने दे। ऐसी स्थिति में, यदि विधेयक प्राप्त होने की तिथि से छः माह बीत जाते हैं तो यह मान लिया जाता है कि गतिरोध उत्पन्न हो गया है। ऐसी स्थिति में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान है। संविधान के अधीन राष्ट्रपति को यह शक्ति प्राप्त है कि वह उस विधेयक पर विचार करने और मतदान कराने के प्रयोजन से दोनों सदनों को संयुक्त बैठक के लिए आमंत्रित करे। ऐसी संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोक सभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है।

107. वर्तमान में लोक सभा की बैठक के लिए क्या गणपूर्ति है?

(a) 54 सदस्यगण (b) 55 सदस्यगण

(c) 56 सदस्यगण (d) 57 सदस्यगण

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 100 (3) के अनुसार, किसी सदन की गणपूर्ति हेतु आवश्यक है कि उस सदन के कम से कम 1/10 सदस्य उपस्थित हों। अतः वर्तमान में लोक सभा की बैठक की गणपूर्ति के लिए 55 सदस्यगण आवश्यक हैं।

108. भारतीय लोक सभा की अधिकतम सदस्य संख्या हो सकती है-

(a) 552 (b) 550

(c) 545 (d) 548

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 81 में लोक सभा की संरचना उल्लिखित है। भारतीय लोक सभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 हो सकती है। इसमें राज्यों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुने गए अधिकतम 530 सदस्य और संघ राज्य क्षेत्रों के अधिकतम 20 प्रतिनिधियों और 2 से अनधिक नाम-निर्देशित एंग्लो-इंडियन हो सकते हैं।

109. लोक लेखा-समिति अपना प्रतिवेदन सौंपती है-

(a) राष्ट्रपति को (b) प्रधानमंत्री को

(c) लोक सभा को (d) वित्त मंत्री को

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

लोक लेखा समिति अपना प्रतिवेदन लोक सभा के स्पीकर (अध्यक्ष) को प्रस्तुत करती है क्योंकि यह वित्तीय समिति है साथ ही यह समिति लोक सभा की समिति है। राज्य सभा के सदस्य इसमें सहयुक्त होते हैं जिससे समिति सुदृढ़ हो जाए।

110. लोक सभा में किसी विधेयक पर आम बहस किस स्तर पर होती है?

(a) विधेयक की प्रस्तुति के समय

(b) द्वितीय वाचन के समय

(c) तृतीय वाचन के समय

(d) प्रतिवेदन स्तर पर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

विधेयक को पुर:स्थापित करने का प्रक्रम उसका प्रथम वाचन होता है। द्वितीय वाचन में विधेयक पर विचार-विमर्श होता है। सभा के सदस्य उसी स्तर पर आम बहस करते हैं। द्वितीय वाचन में ही सभा विधेयक को प्रवर समिति या दोनों सभाओं की संयुक्त समिति को सौंप सकती है। द्वितीय वाचन में ही विधेयक पर खंडशः विचार भी होता है। प्रभारी सदस्य का यह प्रस्ताव कि विधेयक या यथासंशोधित विधेयक पारित किया जाए विधेयक का तृतीय वाचन कहलाता है।

111. भारतीय संसद निर्मित होती है-

(a) राष्ट्रपति राज्य सभा एवं लोक सभा द्वारा

(b) राज्य सभा एवं लोक सभा द्वारा

(c) राज्य सभा, लोक सभा एवं एटॉर्नी जनरल द्वारा

(d) राज्य सभा, लोक सभा एवं निर्वाचन आयोग द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 79 के अनुसार भारतीय संसद राष्ट्रपति और दो सदनों से अर्थात लोक सभा और राज्य सभा से मिलकर बनती है।

उच्चतम न्यायालय

1. भारत में न्यायिक सक्रियता संबंधित है-

(a) प्रतिबद्ध न्यायपालिका से (b) न्यायिक समीक्षा से

(c) न्यायिक स्वतंत्रता से (d) जनहित विवाद से

P.G.T. परीक्षा, 2000

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

आमतौर पर न्यायिक सक्रियता से जनहित विवादों का ही बोध होता है। भारत में जनहित विवादों के अग्रणी न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. आर. कृष्णा अय्यर और न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती को प्रमुख माना जाता है। जनहित विवाद या जनहित याचिका से तात्पर्य है कि लोकहित के मामले में कोई व्यक्ति या संगठन, किसी तृतीय पक्ष का, जिसके मौलिक अधिकार का हनन हुआ हो, अनुच्छेद-32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय तथा अनुच्छेद-226 के तहत उच्च न्यायालय की शरण ले सकता है। इसके अलावा विगत कुछ वर्षों से सर्वोच्च न्यायालय ने साधारण पोस्टकार्ड के माध्यम से या समाचार पत्रों में छपी खबर को जो जनहित से जुड़े हो, को एक वाद के रूप में स्वीकार किया और उस पर जनहित में निर्णय दिया। उच्चतम न्यायालय की इस प्रक्रिया को ही न्यायिक सक्रियता कहा जाता है। इस प्रकार न्यायिक सक्रियता जनहित विवाद से सीधे संबंधित है।

2. 'न्यायिक सक्रियता' का अर्थ है-

(a) न्यायपालिका द्वारा विधायिका के कार्यों को ग्रहण करना

(b) न्यायपालिका द्वारा प्रशासनिक कार्यों को ग्रहण करना

(c) न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को ग्रहण करना

(d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(c)

न्यायिक सक्रियता को परिभाषित करते हुए प्रो. एस.एम. सईद अपनी पुस्तक भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में लिखते है कि न्यायिक सक्रियता का अर्थ है न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका के कार्यो को ग्रहण करना। इसी को 'न्यायपालिका द्वारा शासन' (Goveming by Judiciary) की संज्ञा दी गई है। इस संदर्भ में न्यायमूर्ति डी.पी. मदन ने लिखा है कि ''यदि न्यायिक सक्रियता को हटा लिया गया तो खाली स्थान पर निरंकुशता अधिकार जमा लेगी। न्यायिक सक्रियता का आधार संवैधानिक है। इसके आधार मुख्य रूप से पांच अनुच्छेद हैं। जिन्हें 'पवित्र पंचभुज' कहा जाता है। ये पांच अनुच्छेद हैं- Arti. 14, 19, 21, 32 तथा 39A।

3. पी.आई.एल. (PIL) का मतलब है-

(a) पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन

(b) पोलिस इनवेस्टीगेशन लिमिटेड

(c) परसनल इनफारमेशन लिमिटेड

(d) पब्लिक इनफारमेशन लिमिटेड

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

पी.आई.एल. (PIL) का मतलब पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (Public Interest Litigations) अर्थात जनहित याचिका। जनहित याचिका उच्च न्यायालयों एवं उच्चतम न्यायालय दोनों में प्रस्तुत की जा सकती है।

4. भारतीय संविधान में न्यायिक पुनरावलोकन का आधार है-

(a) विधि की उचित प्रक्रिया

(b) विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया

(c) विधि का शासन

(d) पूर्वोदाहरण तथा अभिसमय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 13, 32, 131- 136, 141, 143, 226, 227, 245, 246 तथा 372 आदि के तहत न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था निहित है। न्यायिक पुनरावलोकन का आधार **विधि के शासन** को बनाए रखना तथा विधि की सर्वोच्चता को स्थापित करना है।

5. निम्नलिखित में से किन देशों में न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था है?

(a) केवल भारत में

(b) केवल यू.के. में

(c) केवल यू.एस.ए. में

(d) भारत और यू.एस.ए. दोनों में

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2012

उत्तर–(d)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 13 द्वारा न्यायिक पुनरावलोकन का प्रावधान किया गया है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से प्रेरित है, जबकि यू.के. (यूनाइटेड किंगडम) में संसद सर्वोच्च है और उसके द्वारा बनाए गए कानूनों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

6. संविधान का रक्षक किसे कहा जाता है?

(a) राष्ट्रपति को (b) संसद को

(c) उच्चतम न्यायालय को (d) लोक सभा को

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2015

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

भारत का उच्चतम न्यायालय 'संविधान के रक्षक' की भूमिका निभाता है। वह संविधान का निर्वचन करता है और संसद द्वारा पारित विधियों की सांविधानिकता की जांच अपनी न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति द्वारा करता है। साथ ही, नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों के उल्लंघन की दशा में वह रिटें जारी कर नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा करता है।

7. भारत में मौलिक अधिकारों का संरक्षक कौन है?

(a) न्यायपालिका (b) कार्यपालिका

(c) संसद (d) संविधान

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. संविधान का संरक्षक कौन है?

(a) राष्ट्रपति (b) विधि मंत्रालय

(c) सर्वोच्च न्यायालय (d) संसद

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. निम्न में किस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने संसद को मूल अधिकारों में संशोधन करने से रोक दिया था-

(a) शंकरी प्रसाद बनाम भारत सरकार
(b) चम्पाकम दोराई राजन बनाम मद्रास सरकार
(c) गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार
(d) सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(c)

गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार के वाद (1967) में उच्चतम न्यायालय ने यह निर्णीत किया कि संसद संविधान में प्रदत्त मूल अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती। यद्यपि बाद में इस निर्णय को केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के वाद (1973) में उलट दिया गया था।

10. ''संसद संविधान के किसी भी भाग को संशोधित कर सकती है किंतु यह संविधान के मूलभूत ढांचे को परिवर्तित नहीं कर सकती है।'' भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने किस ऐतिहासिक वाद में कहा?

(a) केशवानंद भारती वाद (b) गोलकनाथ वाद
(c) मिनर्वा मिल्स वाद (d) मेनका गांधी वाद

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले (1973) में उच्चतम न्यायालय की 13 सदस्यीय संविधान पीठ ने संविधान के मूल ढांचे का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। इस निर्णय में यद्यपि संविधान संशोधन की संसद की शक्ति को स्वीकार किया गया था परंतु यह भी कहा गया कि अनुच्छेद 368 संसद को संविधान की मूल संरचना या सांचे-ढांचे में परिवर्तन की शक्ति प्रदान नहीं करता है।

11. निम्न में से किस मुकदमे में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 'संविधान का मूल ढांचा' सिद्धांत प्रतिपादित किया?

(a) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
(b) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
(c) सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य
(d) शंकरी प्रसाद बनाम भारत राज्य

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. भारत का सर्वोच्च न्यायालय केंद्र तथा राज्यों के मध्य विवादों का निर्णय करता है-

(a) परामर्शदात्री क्षेत्राधिकार के अंतर्गत
(b) अपीलीय क्षेत्राधिकार के अंतर्गत
(c) संवैधानिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत
(d) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के अनुसार, यदि कोई विवाद-

- भारत सरकार एवं राज्य सरकारों के बीच हो या
- एक ओर भारत सरकार और राज्य/राज्यों तथा दूसरी ओर एक राज्य/राज्यों के बीच हो या
- दो या अधिक राज्यों के बीच हो, का निर्धारण उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाएगा और यह उसकी आरंभिक अधिकारिता के अंतर्गत आएगा।

13. सर्वोच्च न्यायालय की सीट नई दिल्ली में है, पर यह कहीं भी अपनी सीट रख सकता है। सीट कहां होगी इसका निर्णय कौन करता है?

(a) प्रधानमंत्री
(b) कानून मंत्री
(c) मुख्य न्यायाधीश
(d) मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रपति की स्वीकृति से

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

भारत के संविधान के पांचवें भाग में अनुच्छेद 130 में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय दिल्ली में अथवा ऐसे अन्य स्थान या स्थानों में अधिविष्ट होगा जिन्हें भारत का मुख्य न्यायमूर्ति, राष्ट्रपति के अनुमोदन से समय-समय पर नियत करे।

14. एक रिट का अर्थ है-

(a) एक व्यापारी द्वारा जारी एक आदेश
(b) एक राजनीतिज्ञ द्वारा जारी एक आदेश
(c) एक प्रभुतासंपन्न सरकार के नाम न्यायालय द्वारा मोहर के अधीन जारी एक औपचारिक आदेश, जो एक अधिकारी को कुछ विशिष्ट कार्य करने से रोकने के लिए जारी किया गया हो
(d) भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी एक आदेश

P.G.T. परीक्षा, 2

उत्तर—(c)

रिट (Writ) न्यायालय द्वारा एक प्रभुतासंपन्न सरकार को जारी एक औपचारिक आदेश है, जो किसी अधिकारी को कोई 'कार्यवाही करने' या 'न करने देने' से संबंधित होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत के संविधान में अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के अधीन मूल अधिकारों के प्रवर्तन के लिए रिट निकालने की शक्ति क्रमशः उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय को दी गई है।
- ये रिट पांच प्रकार की हो सकती है-
  (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण, (2) परमादेश, (3) प्रतिषेध, (4) अधिकार पृच्छा, (5) उत्प्रेषण।

15. भारतीय संविधान में 'न्याय' शब्द का उल्लेख कहां पर है?

(a) प्रस्तावना में

(b) मौलिक अधिकार के अध्याय में

(c) नीति-निदेशक तत्वों के अध्याय में

(d) कहीं नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारत के संविधान की उद्देशिका या प्रस्तावना (Preamble) में सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय का उल्लेख किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त अन्य महत्वपूर्ण शब्द हैं- संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य, स्वतंत्रता, समता, बंधुता।

16. भारत में किसी राज्य-विधि की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी जा सकती है?

(a) केवल उच्च न्यायालय में

(b) केवल सर्वोच्च न्यायालय में

(c) केवल किसी प्रशासनिक न्यायाधिकरण में

(d) उच्च और सर्वोच्च दोनों न्यायालयों में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(d)

भारत में किसी राज्य-विधि की संवैधानिक वैधता को उच्च और उच्चतम दोनों न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है।

17. भारत में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की कुल संख्या (मुख्य न्यायाधीश को सम्मिलित करके) कितनी निश्चित की गई है?

(a) 15 (b) 26

(c) 28 (d) 17

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

प्रश्नकाल में मुख्य न्यायाधीश को सम्मिलित करते हुए उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की कुल संख्या 26 थी, परंतु वर्ष 2008 में संसद द्वारा न्यायाधीशों की संख्या बढ़ा दी गई और तब से मुख्य न्यायाधीश को सम्मिलित करते हुए न्यायाधीशों की कुल संख्या 31 है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ संविधान के अनुच्छेद 124 (1) के अनुसार, संसद विधि द्वारा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि कर सकती है।

18. निम्नलिखित में से किस 'रिट' का अर्थ है 'हम आदेश देते है'-

(a) परमादेश (b) बंदी प्रत्यक्षीकरण

(c) उत्प्रेषण (d) अधिकार पृच्छा

T.G.T. परीक्षा, 1999

T.G.T. परीक्षा, 2013

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

'परमादेश रिट' का अर्थ है 'हम आदेश देते हैं' या 'हमारा आदेश है'। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई पदाधिकारी अपने विधिक कर्त्तव्यों का पालन नहीं करता है तो न्यायालय द्वारा उसे अपने कर्त्तव्यों के पालन का आदेश दिया जाता है।

19. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद शपथ किसके द्वारा दिलाई जाती है?

(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति

(c) लोक सभा के अध्यक्ष (d) कानून मंत्री

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 (6) के अनुसार, उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश होने के लिए नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, अपना पद ग्रहण करने के पहले राष्ट्रपति या उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त व्यक्ति के समक्ष शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा और उस पर अपने हस्ताक्षर करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ संविधान की तीसरी अनुसूची में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति या न्यायाधीश द्वारा ली जाने वाली शपथ का प्रारूप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति द्वारा भी राष्ट्रपति या उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष शपथ ली जाती है।

20. विधि के प्रश्न पर भारतीय सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार किसको है?

(a) राष्ट्रपति को (b) प्रधानमंत्री को

(c) किसी भी उच्च न्यायालय को (d) इनमें से सभी को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 143 के अनुसार, यदि किसी समय राष्ट्रपति को प्रतीत होता है कि विधि या तथ्य का कोई ऐसा प्रश्न उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की संभावना है, जो ऐसी प्रकृति और व्यापक महत्व का है कि उस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना समीचीन है तो वह उस प्रश्न को उच्चतम न्यायालय की राय जानने के लिए निर्देशित कर सकता है।

21. निम्नलिखित युग्मों का सही मिलान करें तथा सही कूट चुनें :

स्तंभ-I	स्तंभ-II
A. गोलकनाथ केस	1. आधारभूत संरचना का सिद्धांत
B. शमशेर सिंह केस	2. मौलिक अधिकार
C. मिनर्वा मिल्स केस	3. राज्य के नीति निदेशक तत्व
D. केशवानंद भारती केस	4. राष्ट्रपति के अधिकार
	5. आपातकालीन उपबंध

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	5	3	4
(b)	2	4	3	1
(c)	1	3	4	2
(d)	2	3	4	5

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर–(b)

प्रश्न में दिए स्तंभ-I और स्तंभ-II का सुमेलन इस प्रकार है-

स्तंभ- I		स्तंभ-II
गोलकनाथ केस	–	मौलिक अधिकार
शमशेर सिंह केस	–	राष्ट्रपति के अधिकार
मिनर्वा मिल्स केस	–	राज्य के नीति निदेशक तत्व
केशवानंद भारतीय केस	–	आधारभूत संरचना का सिद्धांत

22. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की आयु 65 वर्ष करने वाला संवैधानिक संशोधन कौन-सा है?

(a) 124 (2) (b) 125

(c) 128 (d) 129

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(a)

भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 (2) के अनुसार, राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्चतम न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा और वह न्यायाधीश तब तक पद धारण करेगा, जब तक वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को अवकाश ग्रहण की आयु 62 वर्ष है।

23. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा-निवृत्ति आयु है-

(a) 75 वर्ष (b) 70 वर्ष

(c) 65 वर्ष (d) 62 वर्ष

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवा-निवृत्ति की आयु क्या है?

(a) 58 वर्ष (b) 60 वर्ष

(c) 62 वर्ष (d) 65 वर्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

25. 'न्यायिक पुनरीक्षण' दर्शाता है कि सर्वोच्च न्यायालय-

(a) राज्य के किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर सकता है।

(b) सभी मामलों में अंतिम प्राधिकार रखता है।

(c) उच्च न्यायालय द्वारा जिन मामलों पर निर्णय दिए गए हैं, समीक्षा कर सकता है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

भारत में सर्वोच्च न्यायालय को न्यायिक पुनरीक्षण की शक्ति प्राप्त है इसके तहत वह केंद्र व राज्य दोनों स्तरों पर विधियों और कार्यपालिक आदेशों की सांविधानिकता की जांच कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अधिकारातीत पाए जाने पर इन्हें असंवैधानिक और अवैध तथा उस स्तर तक शून्य घोषित किया जा सकता है, जिस स्तर तक वह संविधान का उल्लंघन करता हो। संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों यथा अनुच्छेद 13, 32, 131-136, 141, 143, 226, 245, 246 तथा 372 के उपबंध प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न्यायिक पुनरीक्षण की शक्ति प्रदान करते है।

26. भारतीय एवं अमरीकी संघीय व्यवस्था में निम्न में से कौन-सा एक लक्षण समान रूप से विद्यमान है?

(a) संविधान में तीन सूचियां

(b) दोहरी न्यायपालिका

(c) एक संघीय सर्वोच्च न्यायालय जो कि संविधान की व्याख्या करता है

(d) इकहरी नागरिकता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

भारतीय एवं अमरीकी संघीय व्यवस्था में एक संघीय सर्वोच्च न्यायालय जो कि संविधान की व्याख्या करता है लक्षण समान रूप से विद्यमान है।

27. संविधान समीक्षा हेतु बनाई गई नवीनतम (अब तक की अंतिम) समिति के अध्यक्ष कौन थे?

(a) जस्टिस नानावती (b) जस्टिस वैंकटचलैया

(c) जस्टिस पाठक (d) जस्टिस खरे

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एम. एन. वैंकटचलैया की अध्यक्षता में 22 फरवरी, 2000 को संविधान समीक्षा हेतु नवीनतम समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने मार्च, 2002 में अपनी रिपोर्ट तत्कालीन केंद्रीय सरकार को सौंप दी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत का संविधान संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949 को अंगीकृत हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ।
- भारत के मूल संविधान में 395 अनुच्छेद (जो 22 भागों में विभाजित थे) तथा 8 अनुसूचियां थीं।
- संविधान में सरकार के संसदीय स्वरूप की व्यवस्था की गई है जिसकी संरचना कुछ अपवादों के अतिरिक्त संघीय है।

28. निम्नलिखित में से किस एक वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि प्रस्तावना (उद्देशिका) भारत के संविधान का एक अंग है?

(a) बेरूबारी विवाद (b) सज्जन सिंह वाद

(c) गोलकनाथ वाद (d) केशवानंद भारती वाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना (उद्देशिका) को भारतीय संविधान की मौलिक संरचना का भाग स्वीकार किया। सर्वोच्च न्यायालय के शब्दों में ''हमारे संविधान का प्रासाद उद्देशिका में वर्णित बुनियादी तत्वों पर खड़ा है। यदि इनमें से किसी भी तत्व को हटा दिया जाए, तो सारा ढांचा ही ढह जाएगा अर्थात संविधान वही नहीं रह जाएगा अर्थात अपना व्यक्तित्व व पहचान खो देगा।

29. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की जाती है-

(a) संसद द्वारा (b) प्रधानमंत्री द्वारा

(c) विधि मंत्री द्वारा (d) राष्ट्रपति द्वारा

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के भाग-5 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय से संबंधित प्रावधान अनुच्छेद 124 से 147 में उल्लिखित है। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की कुल संख्या मुख्य न्यायाधीश सहित 31 है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति अन्य न्यायाधीशों एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के सलाह के बाद करता है।

30. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं-

(a) राष्ट्रपति (b) प्रधानमंत्री

(c) मुख्यमंत्री (d) विधि मंत्री

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217 (1) के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। इसके लिए भारत के मुख्य न्यायमूर्ति से उस राज्य के राज्यपाल से और मुख्य न्यायमूर्ति से भिन्न किसी न्यायाधीश की नियुक्ति की दशा में उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श के पश्चात, राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा।

31. किस अधिनियम के द्वारा भारत में संघीय न्यायालय स्थापित किया गया था?

(a) भारतीय परिषद अधिनियम, 1892

(b) मोर्ले-मिंटो सुधार अधिनियम, 1909

(c) भारत शासन अधिनियम, 1919

(d) भारत शासन अधिनियम, 1935

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के तहत एकीकृत न्याय व्यवस्था की स्थापना की गई है, जिसमें शीर्ष पर सर्वोच्च न्यायालय व उसके अधीन उच्च न्यायालय तथा अधीनस्थ न्यायालयों की श्रेणियां है। न्यायपालिका की यह एकल प्रणाली, भारत सरकार अधिनियम, 1935 से ली गई है।

32. भारत का संघीय न्यायालय स्थापित किया गया-

(a) 1947 (b) 1946

(c) 1935 (d) 1937

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारत में संघीय न्यायालय की स्थापना 1 अक्टूबर, 1937 को भारत सरकार अधिनियम, 1935 के अंतर्गत की गई थी। इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर मॉरिस ग्वेयर थे।

33. निम्न में से कौन भारत के राष्ट्रपति के निर्वाचन संबंधी विवादों का निपटारा करता है?

(a) राज्य सभा (b) लोक सभा

(c) सर्वोच्च न्यायालय (d) मुख्य निर्वाचन आयुक्त

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

राष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों का निपटारा उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाएगा। निर्वाचन अवैध घोषित होने पर उसके द्वारा किए गए कार्य अवैध नहीं होते हैं।

34. भारत में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या किस प्रकार से बढ़ाई जा सकती है?

(a) राष्ट्रपति की अधिसूचना द्वारा

(b) संसद के अधिनियम द्वारा

(c) भारत के संविधान में संशोधन करके

(d) उच्चतम न्यायालय से प्रतिवेदन द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय के गठन के संबंध में प्रावधान किया गया है, जिसमें यह कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा 7 अन्य न्यायाधीश होंगे तथा संसद समय-समय पर न्यायाधीशों की संख्या का निर्धारण कर सकती है। संसद ने न्यायाधीशों की संख्या को निर्धारित करने के लिए वर्ष 1956 में उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 पारित किया और न्यायाधीशों की संख्या 11 कर दी। इस अधिनियम में संशोधन करके न्यायाधीशों की संख्या समय-समय पर बढ़ाई गई है। वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त 30 है।

35. भारतीय संविधान तदर्थ न्यायाधीश की नियुक्ति व्यवस्था करता है-

(a) सर्वोच्च न्यायालय में

(b) उच्च न्यायालय में

(c) जिला एवं सत्र न्यायालय में

(d) उपरोक्त सभी में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(a)

संविधान के अनुच्छेद 127(1) के अनुसार यदि किसी समय सर्वोच्च न्यायालय के सत्र को आयोजित करने या चालू रखने के लिए उस न्यायालय के न्यायाधीशों की गणपूर्ति पर्याप्त न हो तो भारत का मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों से सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है। वह ऐसा राष्ट्रपति की पूर्व सहमति एवं संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद करता है। तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति संबंधी प्रावधान केवल सर्वोच्च न्यायालय के संदर्भ में है, अन्य न्यायालयों के लिए नहीं है।

36. निम्नलिखित में से किसके कारण अनुच्छेद 32 तथा अनुच्छेद 226 के बीच का अंतर समाप्त हो गया है?

(a) रिट याचिका

(b) न्यायिक पुनरावलोकन

(c) रिट अधिकारिता

(d) लोकहित वाद

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

मूल अधिकारों का संरक्षण उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों की अधिकारिता में आते हैं। अतः इस हेतु उच्चतम न्यायालय को अनुच्छेद 32 के अंतर्गत एवं उच्च न्यायालय को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट जारी करने की शक्ति दी गई है।

37. बंदी प्रत्यक्षीकरण का संबंध इनमें से किससे है?

(a) लोक सभा अध्यक्ष द्वारा बंदी सांसदों की मुक्ति का आदेश देने से

(b) न्यायिक अवमानना के आरोप में बंदी बनाने से

(c) जेल व्यवस्था में सुधार से

(d) मौलिक अधिकार से

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

बंदी प्रत्यक्षीकरण का संबंध मौलिक अधिकार से है। भारतीय संविधान के भाग-3 में अनुच्छेद 12 से 35 के अंतर्गत मौलिक अधिकारों की व्यवस्था की गई है। जिसमें अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों के अधिकार के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय को बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण, पांच प्रकार की रिट (Writ) जारी करने का अधिकार है। बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus) उच्च न्यायालय द्वारा उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जिसे लगता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इस रिट के द्वारा न्यायालय बंदी बनाने वाले अधिकारी को, बंदी बनाए गए व्यक्ति को अपने सामने उपस्थित करने का आदेश देता है जिससे उसके बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

38. निम्नलिखित में से किस एक 'लेख' (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है, हम आदेश देते हैं'?

(a) बंदी प्रत्यक्षीकरण (b) परमादेश

(c) अधिकारपृच्छा (d) उत्प्रेषण

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

मैंडमस (परमादेश) का आशय है- हम आदेश देते हैं। इस प्रकार इस याचिका द्वारा कार्यपालिका से उस कार्य को करने के लिए कहा जाता है, जो उसे प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत करना चाहिए।

39. निम्नांकित में से कौन सी याचिका अधीनस्थ न्यायालयों की कार्य पद्धति का परीक्षण करती है?

(a) अधिकार पृच्छा (b) परमादेश

(c) बंदी प्रत्यक्षीकरण (d) उत्प्रेषण

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

उत्प्रेषण एवं प्रतिषेध याचिकाएं अधीनस्थ न्यायालयों की कार्य पद्धति का परीक्षण करती हैं। जब अधीनस्थ न्यायालय अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर किसी विषय पर सुनवाई करता है तो ऊपरी न्यायालय प्रतिषेध याचिका द्वारा मामले को अपने पास मंगा लेता है।

40. भारत के संविधान में 'अधिकार-पृच्छा' रिट जारी करने का अधिकार है-

(a) उच्च न्यायालय को

(b) सर्वोच्च न्यायालय को

(c) जिला न्यायालय को

(d) सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय को

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2008

उत्तर—(d)

संविधान में इस बात का प्रावधान है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय रिट या लेख जारी कर सकते है। रिटों या लेखों के पांच प्रकार होते हैं- (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण (2) परमादेश (3) उत्प्रेषण (4) प्रतिषेध (5) अधिकार-पृच्छा। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय को छोड़कर किसी अन्य न्यायालय को इन रिटों को जारी करने की शक्ति नहीं है।

41. निम्नलिखित में से किस 'रिट' लेख का शाब्दिक अर्थ होता है : ''दावा की वैधता की जाँच पड़ताल करना''?

(a) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (b) अधिकार-पृच्छा

(c) उत्प्रेषण (d) निषेधादेश

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

अधिकार पृच्छा को अंग्रेजी में को वारंटो कहते हैं। अंग्रेजी के इस पद का अर्थ होता है कि आपकी नियुक्ति का आधार क्या है? इस रिट द्वारा न्यायालय किसी व्यक्ति के किसी लोक पद या विशेषाधिकार के दावे की वैधता की परीक्षा करता है। यदि वह अपना विधिक अधिकार नहीं दिखा पाता है तो न्यायालय उसे हटा सकता है।

42. निम्न में से कौन-से परमादेश का मतलब अक्षरशः 'आपका अधिकार क्या है' होता है?

(a) बन्दी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus)

(b) सर्टियोररि (Certiorari)

(c) अधिकार पृच्छा (Quo Warranto)

(d) निषेध

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

अधिकार पृच्छा रिट के अंतर्गत जब कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक पद को गैर-कानूनी तरीके से प्राप्त कर लेता है या गैर-कानूनी तरीके से अपने पद पर बना रहता है तो न्यायालय यह प्रश्न कर सकता है कि उसे उसके पद पर बने रहने का क्या हक है और उसने किस अधिकार से यह पद धारण किया है?

43. सर्वोच्च न्यायालय के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यह केवल मूल क्षेत्राधिकार रखती है।

(b) यह केवल अपीलीय क्षेत्राधिकार रखती है।

(c) यह केवल परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार रखती है।

(d) यह मूल, अपीलीय और परमार्श संबंधी क्षेत्राधिकार रखती है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में अनुच्छेद 131 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के मूल क्षेत्राधिकार (Original Jurisdiction), अनुच्छेद 132-136 के तहत अपीलीय क्षेत्राधिकार तथा अनुच्छेद 143 के तहत परामर्श संबंधी क्षेत्राधिकार का विवरण है।

44. भारत में 'संविधान की मूल संरचना (बुनियादी ढाँचा) के सिद्धांत' का स्रोत है-

(a) संविधान (b) न्यायिक व्याख्या

(c) न्यायविदों के मत (d) संसदीय परिनियम

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

भारत में 'संविधान की मूल संरचना' (बुनियादी ढांचा) के सिद्धांत का स्रोत न्यायिक व्याख्या है।

45. निम्न में से कौन कभी भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं रहा?

(a) डी.वी. चन्द्रचूड़ (b) एम.सी. महाजन

(c) एस. मुखर्जी (d) पी.एन. भगवती

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

डी.वी. चन्द्रचूड़ कभी भी देश के मुख्य न्यायाधीश नहीं रहें जबकि एम.सी. महाजन (जनवरी, 1954- दिसंबर, 1954), एसमुखर्जी (दिसंबर, 1989 सितंबर, 1990) एवं पी.एन. भगवती (जुलाई, 1985- दिसंबर, 1986) भारत के मुख्य न्यायाधीश रहे।

46. शब्द 'कॉलेजियम' का संबंध है-

(a) केवल उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति से।

(b) केवल उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति से।

(c) उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति से।

(d) उपरोक्त में से किसी से नहीं।

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रणाली को कॉलेजियम प्रणाली कहा जाता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए वर्ष 1993 में कॉलेजियम व्यवस्था को अपनाया। वर्ष 1993 में अधिवक्ता बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की स्थापना का निर्णय दिया गया।

47. निम्न में से किस उच्च न्यायालय के सेवा अधिकार में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह आते हैं?

(a) कलकत्ता उच्च न्यायालय (b) मद्रास उच्च न्यायालय

(c) मुंबई उच्च न्यायालय (d) आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

कलकत्ता उच्च न्यायालय भारत का सबसे प्राचीन उच्च न्यायालय है। इसकी स्थापना 1 जुलाई, 1862 में हुई थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय की मुख्य बेंच पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में है। कलकत्ता उच्च न्यायालय अधिनियम, 1953 के अनुसार कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधिक्षेत्र को प्रसारित कर अण्डमान निकोबार द्वीप समूह को शामिल किया गया। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अपना सर्किट बेंच अण्डमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर में स्थापित की है।

राज्यपाल एवं राज्य विधान मण्डल

1. एक राज्य के राज्यपाल के संबंध में क्या सत्य है?

(a) उसे कोई विवेकाधीन शक्ति नहीं है।

(b) उसके विवेक को प्रश्नगत किया जा सकता है।

(c) वह अपने विवेकगत कार्यों के लिए राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

(d) मंत्रियों द्वारा राज्यपाल को दी गई सलाह की उच्च न्यायालय जांच कर सकता है।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियों के विषय में संविधान में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है जो विवेकगत कार्यों के लिए राज्यपाल को राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी ठहराता हो। अतः उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (c) सत्य है।

2. किसी प्रांत के राज्यपाल को-

(a) कोई विवेकाधिकार नहीं है।

(b) बहुत व्यापक विवेकाधिकार है।

(c) कुछ निश्चित मामलों में विवेकाधिकार (विशेषाधिकार) है।

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

किसी प्रांत के राज्यपाल को कुछ निश्चित मामलों में विवेकाधिकार (विशेषाधिकार) प्राप्त होते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

राज्यपाल को मुख्यतः निम्न विवेकाधिकार प्राप्त हैं-

- अनुच्छेद 200 के अनुसार, राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित कर सकता है।
- राज्यपाल किसी विधेयक को पुनर्विचार हेतु विधानमंडल को वापस कर सकता है (अनुच्छेद 200)।
- राज्यपाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकता है (अनु. 356)।
- राज्यपाल किसी अध्यादेश को राष्ट्रपति की अनुमति हेतु रख सकता है (अनु. 213) आदि।

3. राज्यपाल की अनुपस्थिति में उसके पद को निम्न में से कौन ग्रहण करता है?

(a) राष्ट्रपति

(b) प्रधानमंत्री

(c) मुख्यमंत्री

(d) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

अनुच्छेद 160 'कुछ आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कृत्यों का निर्वहन' संबंधी प्रावधान करता है, जिसके अनुसार, राष्ट्रपति ऐसी किसी आकस्मिकता में, जो इस अध्याय में उपबंधित नहीं है, राज्य के राज्यपाल के कृत्यों के निर्वहन के लिए ऐसा उपबंध कर सकेगा जो वह ठीक समझता है।

4. राज्यपाल की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) लोक सभा अध्यक्ष (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

अनुच्छेद 155 के अनुसार, राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 156(1) के अनुसार, राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करेगा।
- अनु. 156 (2) के अनुसार, राज्यपाल, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।
- अनु. 156(3) के अनुसार, राज्यपाल अपने पदग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा।
- राज्यपाल, अपने पद की अवधि समाप्त हो जाने पर भी, तब तक पद धारण करता रहेगा जब तक उसका उत्तराधिकारी अपना पद ग्रहण नहीं कर लेता है।
- अनु. 157 के अनुसार, कोई व्यक्ति राज्यपाल नियुक्त होने का पात्र तभी होगा जब वह भारत का नागरिक हो और 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

5. भारत में किसी राज्य के राज्यपाल-

(a) निर्वाचित होते हैं (b) चयनित होते हैं

(c) मनोनीति होते हैं (d) नियुक्त होते हैं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. क्या एक व्यक्ति को एक राज्य से अधिक का राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है?

(a) हां (b) नहीं

(c) केवल अस्थायी तौर पर (d) कभी नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

केंद्र की तरह राज्यों में भी प्रशासन का स्वरूप संसदात्मक है। कार्यपालिका का प्रधान एक संवैधानिक प्रधान होता है जिसे मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना होता है। भारतीय संविधान के अनु. 153 के अंतर्गत राज्यपाल के पद का उपबंध किया गया है, जिसके अनुसार प्रत्येक राज्य में एक राज्यपाल होगा। दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही राज्यपाल हो सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी।
- राज्यपाल अपनी कार्यपालिकीय शक्तियों का उपयोग या तो स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से करता है।
- 'अधीनस्थ अधिकारियों' पदावली के अंतर्गत 'मंत्रीगण' भी आते हैं।
- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- अनु. 156 के अनुसार, राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है।
- सामान्य रूप से राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्ष होता है।

7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अधीन राज्यपाल राष्ट्रपति के विचारार्थ किसी विधेयक को आरक्षित रख सकता है?

(a) अनुच्छेद 169 (b) अनुच्छेद 200

(c) अनुच्छेद 256 (d) अनुच्छेद 201

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

अनुच्छेद 200 के अनुसार, जब कोई विधेयक राज्य की विधान सभा द्वारा या विधान परिषद वाले राज्य में विधान मंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित कर दिया गया हो तब वह राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा और राज्यपाल घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है अथवा वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 201 के अनुसार, जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख लिया जाता है तब राष्ट्रपति घोषित करेगा कि वह विधेयक पर अनुमति देता है या अनुमति रोक लेता है।
- अनु. 169 राज्यों में विधान परिषदों का उत्सादन या सृजन से संबंधी प्रावधान करता है।
- अनु. 256 राज्यों की और संघ की बाध्यता संबंधी प्रावधान करता है।

8. यदि किसी राज्य के राज्यपाल की मृत्यु हो जाए, तो राज्यपाल कौन बनेगा?

(a) राष्ट्रपति जिसे मनोनीत करे

(b) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

(c) मुख्यमंत्री

(d) मुख्य सचिव

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

यदि किसी राज्य के राज्यपाल की मृत्यु हो जाए तो राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत व्यक्ति उस राज्य का राज्यपाल बनेगा। संविधान का अनु. 160 'कुछ आकस्मिकताओं में राज्यपाल के कृत्यों का निर्वहन' संबंधी उपबंध करता है जिसके अनुसार, राष्ट्रपति किसी आकस्मिकता की स्थिति में राज्य के राज्यपाल के कृत्यों के निर्वहन के लिए ऐसा उपबंध कर सकेगा, जो वह ठीक समझता है।

9. राज्य कार्यपालिका के संवैधानिक अध्यक्ष होते हैं-

(a) मुख्यमंत्री (b) उच्चा न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

(c) गवर्नर

(d) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

संविधान के प्रावधानों के अनुसार राज्य की समस्त कार्यकारी शक्तियां राज्यपाल में निहित हैं, किंतु व्यवहार में इन शक्तियों का प्रयोग मंत्रि परिषद करती है। संविधान के अनुच्छेद 154 और 163 के प्रावधानों का सम्मिलित निष्कर्ष यह है कि गवर्नर राज्य की कार्यपालिका का संवैधानिक अध्यक्ष होता है।

10. निम्न में से किसकी नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा नहीं की जाती है?

(a) मुख्यमंत्री

(b) महाधिवक्ता

(c) राज्य लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष

(d) उच्च न्यायालय के न्यायाधीश

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल के द्वारा नहीं की जाती है। संविधान के अनुच्छेद 217 के अनुसार राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश, उस समय के राज्यपाल और मुख्य न्यायमूर्ति से भिन्न किसी न्यायाधीश की नियुक्ति की दशा में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श करने के पश्चात् अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश की नियुक्ति करेगा।

11. राज्य की कार्यपालिका शक्ति किसमें निहित होती है?

(a) मंत्रिमंडल (b) विधानमंडल

(c) मुख्यमंत्री (d) राज्यपाल

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

संविधान के अनुच्छेद 154(1) के अनुसार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी, जिसका प्रयोग वह इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान के भाग-6 के अध्याय-2 में राज्य की कार्यपालिका का उल्लेख है।
- जम्मू-कश्मीर एकमात्र राज्य है जिसका अपना अलग संविधान है।
- इसके अतिरिक्त संविधान में अनेक राज्यों को विशेष दर्जा प्राप्त है और उनके संबंध में कतिपय विशेष उपबंध है यथा- महाराष्ट्र तथा गुजरात राज्य (अनुच्छेद 371), नगालैंड (371 क), असोम (371ख), मणिपुर (371 ग), सिक्किम (371च), मिजोरम (371 छ), अरूणाचल प्रदेश (371 ज) तथा गोवा (371 झ)।

12. हमारे देश में किसी राज्य की कार्यपालिका शक्ति का प्रधान होता है?

(a) मुख्यमंत्री (b) कैबिनेट मंत्री

(c) राज्यपाल (d) मुख्य सचिव

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(c)

संविधान के अनुच्छेद 154(1) के अनुसार राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होगी, जिसका प्रयोग वह इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा।

13. निम्नलिखित में से एक मुख्यमंत्री का राज्यपाल के प्रति कर्तव्य नहीं है?

(a) अपने दल की नीतियों के बारे में सूचित करना।

(b) मंत्री परिषद के सभी विनिश्चयों को सूचित करना।

(c) प्रशासन संबंधी सूचनाओं की जानकारी देना।

(d) विधान विषयक प्रस्थापनाओं के बारे में सूचित करना।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

मुख्यमंत्री राज्यपाल को अपने दल की नीतियों के बारे में सूचना नहीं देता है। अनुच्छेद 167 के अनुसार, मुख्यमंत्री राज्यपाल को मंत्री परिषद के सभी विनिश्चयों, प्रशासन संबंधी, विधान विषयक प्रस्थापनाओं के संबंध में सूचित करता है और यह उसका कर्त्तव्य भी होता है।

14. उत्तर प्रदेश में विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या है-

(a) 425 (b) 403

(c) 402 (d) 401

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

उत्तर प्रदेश में विधान सभा के कुल सदस्यों की संख्या 403 है। एंग्लो-इंडियन समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक मनोनीत सदस्य (राज्यपाल द्वारा) को मिलाकर यह संख्या 404 हो जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 16वीं विधान सभा 8 मार्च, 2012 से अस्तित्व में है।
- वर्तमान में समाजवादी पार्टी के माता प्रसाद पाण्डेय 13 अप्रैल, 2012 से इसके सभापति हैं।

15. उत्तर प्रदेश विधानसभा की निर्वाचित सदस्य संख्या कितनी है?

(a) 400 (b) 402

(c) 403 (d) 404

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. उत्तर प्रदेश की विधान सभा में सदस्यों की कुल संख्या कितनी है?

(a) 400 (b) 401

(c) 402 (d) 403

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. संघ राज्यक्षेत्रों, जिनकी अपनी कोई विधायिका नहीं होती, के लिए विधि का निर्माण किया जाता है इनके द्वारा-

(a) उप-राज्यपाल (b) राष्ट्रपति

(c) संघीय-मंत्रिपरिषद (d) संसद

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

अनुच्छेद 239(1) के अनुसार, संसद द्वारा बनाई गई विधि द्वारा यथा-अन्यथा उपबंधित के सिवाय, प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा, और वह अपने द्वारा ऐसे पदाभिधान सहित, जो वह विनिर्दिष्ट करे, नियुक्त किए गए प्रशासक के माध्यम से उस मात्रा तक कार्य करेगा जितनी वह ठीक समझता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 239 (2) के अनुसार, राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल को किसी निकटवर्ती संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासक नियुक्त कर सकेगा।
- जब कोई राज्यपाल इस प्रकार नियुक्त किया जाता है तो ऐसे प्रशासक के रूप में वह अपने कृत्यों का प्रयोग अपनी मंत्रि-परिषद से स्वतंत्र रूप से करेगा।

18. संघ राज्यक्षेत्रों का प्रशासन कौन करता है?

(a) राष्ट्रपति अपने द्वारा नियुक्त प्रशासकों के माध्यम से

(b) भारत का प्रधानमंत्री

(c) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रशासक

(d) भारत का महान्यायवादी

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा लोक सभा के कितने सदस्य चुने जाते हैं?

(a) 13 (b) 18

(c) 19 (d) 20

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा लोक सभा के वर्तमान में 13 सदस्य चुने जाते हैं, जबकि अधिकतम 20 सदस्य चुने जा सकते हैं।

20. केंद्रशासित क्षेत्रों को लोक सभा में कितनी सीटें आबंटित हैं?

(a) 30 (b) 27

(c) 25 (d) 20

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. विधान परिषद् धन विधेयक पर अधिकतम देरी कर सकती है-

(a) 15 दिन के लिए (b) 14 दिन के लिए

(c) 1 माह के लिए (d) 2 माह के लिए

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

केंद्र में संसद की भांति ही राज्य के विधानमंडल में धन-विधेयक के संबंध में उच्च सदन के अधिकार सीमित हैं। विधान-परिषद अधिकतम 14 दिन के लिए ही विधान सभा द्वारा पारित किसी धन विधेयक को अपने पास रख सकती है।

22. निम्न में से किसे भंग नहीं किया जा सकता है परंतु समाप्त किया जा सकता है?

(a) लोक सभा (b) राज्य सभा

(c) राज्य विधान-सभा (d) राज्य विधान परिषद्

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

राज्य सभा के समान ही राज्य विधान परिषद एक स्थायी निकाय है, इसका विघटन नहीं किया जा सकता है। किंतु राज्य विधान सभा द्वारा संकल्प पारित (विशेष बहुमत से) करके, जिसके अनुसरण में संसद एक कानून बनाएगी, जिससे विधान परिषद का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। अतः स्पष्ट है कि विधान परिषद का सृजन और उत्पादन कभी भी किया जा सकता है।

23. भारत में विधान-सभा की अधिकतम सदस्य संख्या क्या हो सकती है?

(a) 400 (b) 450

(c) 500 (d) 550

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

विधान-सभा की अधिकतम सदस्य संख्या 500 तथा न्यूनतम 60 हो सकती है। इस संबंध में संविधान का अनुच्छेद 170 यह कहता है कि प्रत्येक राज्य की विधान सभा प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से वयस्क मतदान के आधार पर प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बनेगी। विधान सभा के सदस्यों की संख्या पांच सौ से अधिक और साठ से कम नहीं होगी।

24. धन विधेयक विधान-सभा में किसकी अनुमति से प्रस्तुत किया जाता है?

(a) विधान-सभा अध्यक्ष (b) वित्त मंत्री

(c) राज्यपाल (d) मुख्यमंत्री

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका अंतिम निर्णय विधानसभा अध्यक्ष ही करता है। विधान सभा अध्यक्ष की पुष्टि के पश्चात् धन विधेयक विधान-सभा में प्रस्तुत किया जाता है। अनुच्छेद 199(3)।

25. निम्न में से राज्य मंत्रिपरिषद् का कार्य नहीं है-

(a) शासन की नीति का निर्धारण

(b) उच्च पदों पर नियुक्ति के समय राज्यपाल को परामर्श

(c) बजट निर्माण

(d) बहुमत सिद्ध करने हेतु समय सीमा निर्धारण/परामर्श

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

बहुमत सिद्ध करने हेतु समय सीमा का निर्धारण/परामर्श राज्यपाल का कार्य है, राज्य मंत्रिपरिषद् का नहीं। राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 163(1) में 'स्वविवेकीय' शक्ति प्राप्त है, उक्त शक्ति के अंतर्गत राज्यपाल मंत्रिपरिषद को सदन में बहुमत सिद्ध करने हेतु परामर्श दे सकता है।

26. राज्य के गवर्नर किसके प्रसाद पर्यन्त पद पर बने रहते हैं?

(a) मुख्यमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) उप-राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में गवर्नर की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और गवर्नर राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त अपना पद धारण करता है।

27. राज्य के गवर्नर की नियुक्ति करते हैं-

(a) राष्ट्रपति

(b) उप-राष्ट्रपति

(c) प्रधानमंत्री

(d) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

राज्य के गवर्नर की नियुक्ति के संबंध में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 155 में यह प्रावधान है कि गवर्नर की नियुक्ति राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा करता है।

28. राज्य के गवर्नर की आयु नियुक्ति के समय कम से कम कितनी होनी चाहिए?

(a) 30 वर्ष (b) 35 वर्ष

(c) 25 वर्ष (d) 40 वर्ष

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

राज्य के गवर्नर की नियुक्ति के लिए मुख्यतः दो अर्हताएं है, जिनका उल्लेख अनुच्छेद 157 में किया गया है-

1- वह भारत का नागरिक होना चाहिए।

2- नियुक्ति के समय वह 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

29. निम्न में से कौन उत्तर प्रदेश का प्रथम राज्यपाल था?

(a) विजयलक्ष्मी पंडित (b) एस.एन. सिन्हा

(c) सरोजिनी नायडू (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

15 अगस्त, 1947 को 'भारत कोकिला' सरोजिनी नायडू को उत्तर प्रदेश का प्रथम राज्यपाल नियुक्त किया गया। श्रीमती नायडू भारत की प्रथम महिला राज्यपाल भी हैं।

30. मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करते हैं?

(a) राष्ट्रपति

(b) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

(c) उप-राष्ट्रपति

(d) गवर्नर

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

राज्य की मंत्रिपरिषद का प्रधान मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री की नियुक्ति गवर्नर करता है और अन्य मंत्री मुख्यमंत्री की सलाह पर गवर्नर द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

31. राज्य विधान सभा का नेता कौन होता है?

(a) विरोधी दल का नेता (b) मुख्यमंत्री

(c) विधान सभा अध्यक्ष (d) विधान सभा उपाध्यक्ष

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

विधान सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को राज्यपाल मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। मुख्यमंत्री न केवल अपनी राजनीतिक पार्टी का विधान सभा में प्रति निधित्व करता है, अपितु वह संपूर्ण सदन का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए उसे विधान सभा का नेता कहा जाता है।

32. राज्य विधान परिषद का गठन होता है-

(a) प्रत्यक्ष मतदान द्वारा (b) निर्वाचक मंडल द्वारा

(c) मुख्यमंत्री के मनोनयन द्वारा (d) संसद के सदस्यों द्वारा

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

राज्य विधान परिषद का गठन निर्वाचक मंडल द्वारा होता है, जिसमें निम्न शामिल होते हैं-

- राज्य की नगरपालिका, जिला बोर्डों और अन्य ऐसे स्थानीय प्राधिकारी, जो संसद विधि द्वारा विनिर्दिष्ट करें।
- भारत के राज्य क्षेत्र में किसी विश्वविद्यालय के कम से कम तीन वर्ष के स्नातक।
- राज्य के भीतर माध्यमिक पाठशालाओं से निम्न स्तर की पाठशालाओं में कम से कम तीन वर्ष से अध्यापन कार्य में लगे व्यक्ति।
- राज्य की विधानसभा के सदस्य।

33. निम्न में से किस राज्य में विधान परिषद् नहीं है?

(a) राजस्थान (b) उत्तर प्रदेश

(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

राजस्थान में एक सदनीय विधान मंडल है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार में विधान सभा और विधान परिषद दोनों का अस्तित्व है।

34. राज्य विधान सभा द्वारा पारित धन विधेयक कितनी अवधि में विधान परिषद द्वारा पारित हो जाना चाहिए?

(a) 30 दिन (b) 14 दिन

(c) 60 दिन (d) 90 दिन

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 198 में राज्य विधान मंडल में धन विधेयक के संबंध में विशेष प्रक्रिया का वर्णन है। धन विधेयक राज्य विधान सभा द्वारा पारित किए जाने के पश्चात् विधान परिषद को उसकी सिफारिशों के लिए पारेषित किया जाएगा और विधान परिषद विधेयक की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिन की अवधि के भीतर विधेयक को अपनी सिफारिशों सहित विधान सभा को लौटा देगी। अन्ततः सिफारिशों को स्वीकार या अस्वीकार करना विधान सभा पर निर्भर है।

35. किसी राज्य का राज्यपाल-

(a) निर्वाचित होता है (b) चयनित होता है

(c) मनोनीत होता है (d) नियुक्त होता है

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

किसी राज्य का राज्यपाल राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है और राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यन्त पद धारण करता है। किसी राज्य के राज्यपाल के पद में नियुक्त होने के लिए आवश्यक है-

- भारत का नागरिक हो।
- 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
- कोई लाभ का पद धारण न करता हो।
- संघ या राज्य विधानमंडल का सदस्य न हो।

36. निम्नलिखित राज्यों में से किसमें विधान परिषद् नहीं है?

(a) उत्तर प्रदेश (b) उत्तराखंड

(c) जम्मू और कश्मीर (d) कर्नाटक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

भारत के कुछ राज्यों में विधान मण्डल दो सदनों में मिलकर बना है, विधानसभा और विधान परिषद। बिहार, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में द्विसदनीय विधान मंडल हैं, जबकि उत्तराखंड में एक ही सदन अर्थात विधान सभा है।

37. निम्न में से किस राज्य में एक सदनीय व्यवस्थापिका है?

(a) कर्नाटक (b) ओडिशा

(c) महाराष्ट्र (d) बिहार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. निम्नलिखित में किस आयोग ने राज्यपाल पद की समाप्ति की अनुशंसा की थी?

(a) प्रशासनिक सुधार आयोग

(b) सरकारिया आयोग

(c) राजमन्नार आयोग

(d) संविधान समीक्षा आयोग

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

तमिलनाडु के द्रविण मुनेत्र कड़गम (डी.एम.के.) सरकार ने 1969 में केंद्र राज्य संबंधों की समीक्षा के लिए राजमन्नार आयोग का गठन किया। इस आयोग ने अपने प्रतिवेदन में राज्यपाल पद को समाप्त करने की अनुशंसा की थी।

39. निम्नलिखित में किस आयोग ने राज्यपाल का पद समाप्त करने की संस्तुति की थी?

(a) प्रशासनिक सुधार आयोग

(b) सरकारिया आयोग

(c) संविधान समीक्षा आयोग

(d) राजमन्नार आयोग

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. निम्न में किसे भंग नही किया जा सकता, पर समाप्त किया जा सकता है?

(a) लोक सभा (b) राज्य सभा

(c) राज्य विधानसभा (d) राज्य विधान परिषद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

विधान परिषद एक स्थायी सदन है। इसके प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता हैं किंतु प्रति दूसरे वर्ष एक-तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं। यदि किसी राज्य की विधानसभा अपने कुल सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करे तो संसद उस राज्य में विधान परिषद स्थापित कर सकती है या उसका लोप (समाप्त) कर सकती है।

41. विधान परिषद् के कितने सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाते हैं?

(a) 1/10 (b) 1/3

(c) 1/4 (d) 1/6

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

विधान परिषद भागतः निर्वाचित और भागतः नामनिर्दिष्ट निकाय है। परिषद की कुल सदस्य संख्या के 5/6 सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होंगे और 1/6 सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाएंगे।

संविधान के अनुच्छेद 171 के खण्ड (ङ) में यह प्रावधान है कि राज्यपाल द्वारा ऐसे व्यक्तियों को मनोनीत किया जाएगा जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला, समाज सेवा और सहकारी आन्दोलन के संबंध में विशेष ज्ञान या जानकारी का अनुभव है।

42. राज्य की विधान परिषद का सदस्य होने के लिए व्यक्ति की आयु कम नहीं होनी चाहिए-

(a) 25 वर्ष से (b) 30 वर्ष से

(c) 35 वर्ष से (d) 18 वर्ष से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

विधान परिषद की सदस्यता के लिए कोई व्यक्ति अर्हित तभी होगा जब-

- वह भारत का नागरिक हो।
- कम से कम तीस वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
- लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत कोई व्यक्ति किसी विधान परिषद के लिए निर्वाचित नहीं होगा जब तक कि वह उस राज्य में किसी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता न हो।

43. राज्य सरकार के विधिक सलाहकार को कहा जाता है-

(a) एटार्नी जनरल (b) सॉलिसिटर जनरल

(c) एडवोकेट जनरल (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

राज्य सरकार के विधिक सलाहकार को महाधिवक्ता (Advocate General) कहा जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 162 (2) के तहत महाधिवक्ता का यह कर्त्तव्य होगा कि वह उस राज्य की सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दे और विधिक स्वरूप के ऐसे अन्य कर्त्तव्यों का पालन करे जो राज्यपाल उसको समय-समय पर निर्देशित करें या सौंपे तथा उन कृत्यों का पालन करें जो संविधान द्वारा उसे प्रदान किए गए हों।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 (1) के तहत प्रत्येक राज्य के राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता रखने वाले व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करते हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 165 (3) के तहत महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है तथा ऐसा पारिश्रमिक प्राप्त करता है जो राज्यपाल अवधारित करते हैं।

44. राज्य सरकार को विधिक मामलों में कौन परामर्श देता है?

(a) महान्यायवादी

(b) एडवोकेट जनरल

(c) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

(d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

45. राज्य विधान-सभा का चुनाव कराता है -

(a) मुख्यमंत्री (b) मुख्य चुनाव अधिकारी

(c) गवर्नर (d) मुख्य सचिव

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(b)

विधान सभा जनता के प्रतिनिधियों का सदन है। इसकी न्यूनतम सदस्य संख्या 60 तथा अधिकतम सदस्य संख्या 500 है। राज्य से चुनाव क्षेत्रों के वयस्क मताधिकार के आधार पर सीधे मतदान द्वारा विधान सभा के सदस्यों का चुनाव होता है। राज्य विधान सभा का चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी (चुनाव आयोग) कराता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रत्येक चुनाव क्षेत्र की जनसंख्या के आधार पर ही सदनों में सदस्यों का प्रतिनिधित्व होता है।
- इस जनसंख्या का निर्धारण साधारणतया गत जनगणना के आधार पर ही किया जाता है।
- जनसंख्या के आधार पर राज्य में अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के लिए राज्य की विधान सभा में उनकी सदस्य संख्या निर्धारित की जाएगी (अनु. 335)।
- राज्यपाल यदि यह समझता है कि ऐंग्लो-इंडियन जाति को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है तो वह विधान सभा में उक्त समुदाय के एक सदस्य को नामजद कर सकता है (अनु. 333)।

46. राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश अधिकतम किस अवधि के लिए वैध होता है?

(a) 1 वर्ष (b) 2 वर्ष

(c) 3 वर्ष (d) 6 माह

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(*)

अनुच्छेद 213 के अंतर्गत राज्यपाल को राष्ट्रपति की ही भांति अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है। इस अनुच्छेद के अनुसार, जब राज्य का विधान मंडल (द्विसदनीय होने पर दोनों सदन) सत्र में नहीं है और राज्यपाल को इस बात का समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियां विद्यमान हैं जिसमें तुरन्त कार्यवाही करना आवश्यक है, तो वह अध्यादेश जारी कर सकता है। राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश विधान मण्डल के पुनः समवेत होने की तारीख से छः सप्ताह के बाद वह अपने आप समाप्त हो जाएगा। यदि विधान मंडल इसके पहले ही उसका निरनुमोदन कर देता है तो वह पहले ही समाप्त हो जाएगा।

प्रश्नानुसार अध्यादेश के वैध होने की अधिकतम अवधि

- चूंकि विधान मंडल के दोनों सत्रों के बीच का अधिकतम समय छः माह का होता है। यदि राज्यपाल द्वारा सत्रावसान के तुरन्त बाद ही अध्यादेश जारी कर दिया जाता है तो अध्यादेश विधान मंडल के पुनः समवेत होने अर्थात 6 माह तक वैध होगा।
- विधान मंडल के पुनः समवेत होने के बाद अध्यादेश अधिकतम 6 सप्ताह जारी रह सकता है (निरनुमोदन न करने की स्थिति में)
- इस प्रकार वैध अधिकतम अवधि 6 माह + 6 सप्ताह (लगभग 1.5 माह) = $7\frac{1}{2}$ माह।

47. एक राज्य की विधान सभा और विधान परिषद के संयुक्त सत्र का सभापतित्व कौन करता है?

(a) राज्य का मुख्यमंत्री
(b) विधान परिषद का सभापति
(c) विधान सभा का अध्यक्ष
(d) राज्य का राज्यपाल

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(*)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 197 के अनुसार राज्यों में विधायी प्रक्रिया में विधान सभा व विधान परिषद के संयुक्त सत्र का प्रावधान नहीं है।

उच्च न्यायालय

1. एक राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करेगा?

(a) राज्यपाल (b) मुख्यमंत्री
(c) राष्ट्रपति (d) भारत का मुख्य न्यायाधीश

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217 (1) के अनुसार, उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। इसके लिए भारत के मुख्य न्यायामूर्ति से उस राज्य के राज्यपाल से और मुख्य न्यायामूर्ति से भिन्न किसी न्यायाधीश की नियुक्ति की दशा में उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श के पश्चात् राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा।

2. भारत में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?

(a) राज्यपाल (b) संबंधित राज्य का मुख्यमंत्री
(c) भारत का राष्ट्रपति (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, पेंशन, सेवा शर्तें आदि के निर्णय का अधिकार किस पर है?

(a) राज्यपाल (b) संसद
(c) राष्ट्रपति (d) उच्चतम न्यायालय

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, पेंशन, भत्ते एवं सेवा शर्तों आदि के विषय में निर्णय का अधिकार संसद के पास है।

4. राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के स्वीकृत पद हैं (30 अप्रैल, 2016 तक)

(a) 30 (b) 40
(c) 45 (d) 50

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना 1949 में की गई थी। वर्तमान में राजस्थान उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर 30 है।

5. राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष में हुई थी?

(a) 1950 में (b) 1956 में
(c) 1949 में (d) 1952 में

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को उसके कार्य से सिद्ध कदाचार या अयोग्यता के आधार पर हटाया जा सकता है, किसके द्वारा?

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति
(c) राज्यपाल (d) मुख्यमंत्री

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

संविधान में उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों को हटाने की समान प्रक्रिया है। प्रश्नानुसार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीश को उसके सिद्ध कदाचार या दुर्व्यवहार के आधार पर संसद द्वारा विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर, राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 216 में उच्च न्यायालयों के गठन संबंधी प्रावधान दिए गए हैं।
- अनुच्छेद 217 में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उनके पद की शर्तें वर्णित हैं।
- अनुच्छेद 231 में दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही उच्च न्यायालय की स्थापना का उल्लेख है।

7. राज्य में जिला न्यायाधीश को निम्न में से कौन नियुक्त करता है?

(a) राज्य का राज्यपाल
(b) भारत का राष्ट्रपति
(c) राज्य का मुख्यमंत्री
(d) राज्य के उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

अनु. 233(1) के अनुसार, किसी राज्य में जिला न्यायाधीश नियुक्त होने वाले व्यक्तियों की नियुक्ति तथा जिला न्यायाधीश की पदस्थापना और प्रोन्नति उस राज्य का राज्यपाल, ऐसे राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय से परामर्श करके करेगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 233 (2) के अनुसार, वह व्यक्ति जो संघ की या राज्य की सेवा में पहले से ही नहीं है- जिला न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए केवल तभी पात्र होगा जब वह कम से कम सात वर्ष तक अधिवक्ता या प्लीडर रहा है और उसकी नियुक्ति के लिए उच्च न्यायालय ने सिफारिश की है।

8. एक राज्य में जिला न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है?

(a) मुख्यमंत्री (b) राज्यपाल

(c) विधानसभा का सभापति (d) विधान परिषद का सभापति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

केंद्र-राज्य संबंध

1. सरकारिया आयोग किनके बीच के संबंधों के पुनरावलोकन करने हेतु बनाया गया था-

(a) प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति

(b) विधानमंडल और कार्यपालिका

(c) कार्यपालिका और न्यायपालिका

(d) केंद्र और राज्य

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

सरकारिया आयोग का गठन भारत सरकार ने जून, 1983 में किया था। इसके अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजिंदर सिंह सरकारिया थे। इस आयोग का कार्य भारत के केंद्र-राज्य संबंधों से संबंधित शक्ति-संतुलन पर अपनी संस्तुति देना था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- न्यायमूर्ति सरकारिया ने केंद्र-राज्य संबंधों और राज्यों में संवैधानिक मशीनरी ठप हो जाने की स्थितियों की व्यापक समीक्षा की।
- उन्होंने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1988 में प्रस्तुत की।
- उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राज्यपालों के पक्षपातपूर्ण आचरण पर अंकुश लगाने हेतु कदम उठाए जाने चाहिए तथा राज्यपालों की नियुक्ति में मुख्यमंत्रियों से सलाह ली जानी चाहिए।

2. निम्नलिखित में से किस समिति की रिपोर्ट का संबंध केंद्र राज्य संबंधों से है-

(a) राजमन्नार समिति रिपोर्ट

(b) करारोपण प्रणाली जांच आयोग रिपोर्ट

(c) पॉल-एपलेबी रिपोर्ट

(d) सरकारिया आयोग की रिपोर्ट

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. किस आयोग ने केंद्र-राज्य संबंधों का अध्ययन किया था-

(a) शाह आयोग (b) मंडल आयोग

(c) सरकारिया आयोग (d) ठक्कर आयोग

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. सरकारिया आयोग का संबंध किसके बीच संबंधों से है?

(a) प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति

(b) विधायिका एवं कार्यपालिका

(c) कार्यपालिका एवं न्यायपालिका

(d) केंद्र एवं राज्य

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

सरकारिया आयोग का गठन भारत सरकार ने जून, 1983 में किया था। इसके अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजिंदर सिंह सरकारिया थे। इस आयोग का कार्य केंद्र-राज्य संबंधों से संबंधित शक्ति-संतुलन पर अपनी संस्तुति देना था। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट वर्ष 1988 में प्रस्तुत की।

5. सरकारिया आयोग का संबंध है-

(a) केंद्र-राज्य संबंधों से

(b) नियोजन एवं सामाजिक कल्याण से

(c) लेखांकन एवं लेख-परीक्षण से

(d) विधायिका एवं कार्यपालिका के मध्य समन्वय से

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. सरकारिया आयोग संबंधित था :

(a) न्यायिक सुधारों से (b) निर्वाचन सुधारों से

(c) वित्तीय सुधारों से (d) केंद्र राज्य संबंधों से

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. केंद्र-राज्य संबंधों की समीक्षा हेतु किस आयोग की नियुक्ति की गई थी?

(a) सन्थानम आयोग (b) सरकारिया आयोग

(c) शाह आयोग (d) ठक्कर आयोग

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारतीय संविधान के किस भाग में संघ (केंद्र)- राज्य संबंधों का उल्लेख किया गया है?

(a) भाग X (दस) (b) भाग XI (ग्यारह)

(c) भाग XIV (चौदह) (d) भाग XV (पन्द्रह)

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

भारतीय संविधान के भाग-11 में अनुच्छेद 245 से 263 तक संघ एवं राज्य संबंधो का उल्लेख किया गया है।

9. भारत के संविधान के किस भाग में संघ-राज्य संबंधों का उल्लेख किया गया है?

(a) भाग X (b) भाग XI

(c) भाग XIV (d) भाग XV

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारतीय संविधान के किस एक भाग में संघ-राज्य संबंधों का वर्णन किया गया है?

(a) भाग X (b) भाग XI

(c) भाग XIV (d) भाग XV

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

वित्त आयोग एवं बजट

1. बजट स्वीकृति के लिए कौन जिम्मेदार है?

(a) संसद (b) कार्यकारिणी

(c) न्यायपालिका (d) राष्ट्रपति

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

भारत सरकार के बजट की स्वीकृति संसद द्वारा की जाती है।

2. बजट यह तैयार करने हैं-

(a) प्रधानमंत्री (b) वित्तमंत्री

(c) रक्षामंत्री (d) गृहमंत्री

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

भारत सरकार में बजट तैयार करने की जिम्मेदारी वित्त मंत्रालय की होती है अत: वित्तमंत्री बजट तैयार करने में मुख्य भूमिका का निर्वहन करता है।

3. भारत में केंद्र का बजट कौन तैयार करता है?

(a) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

(b) रिजर्व बैंक का गवर्नर

(c) वित्त मंत्रालय

(d) केंद्रीय मंत्रिमण्डल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

भारत में केंद्र सरकार के बजट के निर्माण का कार्य मुख्य रूप से वित्त मंत्रालय करता है। इस कार्य में सहायक के रूप में योजना आयोग तथा नियंत्रक महालेखा परीक्षक संलग्न रहते है।

4. संवैधानिक प्रावधान के अनुसार वित्त आयोग अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है-

(a) संसद को (b) राष्ट्रपति को

(c) प्रधानमंत्री को (d) वित्तमंत्री को

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

संविधान का अनुच्छेद 280 प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर एक वित्त आयोग के गठन का प्रावधान करता है। इसका मुख्य कार्य संघ और राज्यों के बीच करों के शुद्ध आगमों के आवंटन के बारे में और राज्यों के बीच वितरण करने के तरीके के संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिश प्रस्तुत करना है।

5. भारत में केंद्रीय वित्त मंत्री बजट पेश करता है

(a) राज्य सभा में

(b) लोक सभा में

(c) संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में

(d) राष्ट्रपति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान में बजट शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है बल्कि अनुच्छेद 112 के तहत वार्षिक वित्तीय विवरण शब्द का प्रयोग हुआ है और इसी को लोकप्रिय शब्दों में 'बजट' कहा जाता है। बजट पारित करने के क्रमा निम्नलिखित है।

(i) बजट, लोक सभा में प्रस्तुत होता है

(ii) बजट पर सामान्य चर्चा

(iii) लेखानुदान की मांग

(iv) बजट पर विस्तृत चर्चा

(v) सरकार द्वारा अनुदान की मांग

(vi) कटौती प्रस्ताव

(vii) विनियोग विधेयक

(viii) वित्त विधेयक

वित्त विधेयक, बजट पारित करने का यह आखिरी चरण है, जिसके द्वारा सरकार विभिन्न प्रकार के करों के प्रस्ताव संसद के समक्ष प्रस्तुत करती है।

6. भारत में कार्य निष्पादन बजट किसकी सिफारिशों पर प्रारंभ किया गया था?

(a) गोरवाला रिपोर्ट (b) सन्थानम रिपोर्ट

(c) प्रशासकीय सुधार आयोग (d) पाल एच. एपलबी रिपोर्ट

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

निष्पादन बजट का जन्म अमेरिका में 'वर आयोग' द्वारा वर्ष 1949 में किया गया। राष्ट्रपति टू मैन ने निष्पादन बजट को लागू किया था। इसमें खर्च के बजाय, खर्च के उद्देश्य पर जोर दिया जाता है। यह बजट को कार्यकलापों, कार्यक्रमों, क्रियाशीलताओं और परियोजनाओं के अर्थों में प्रस्तुत करती है।

भारत में निष्पादन बजटिंग को प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) की सिफारिश पर वर्ष 1968-69 चार केंद्रीय मंत्रालेय हेतु निष्पादन बजट तैयार किया गया। और वर्ष 1975-76 में सभी केंद्रीय मंत्रालयों में लागू किया गया। 1970-71 में अनेक राज्यों केरल, कर्नाटक, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश में इसे अपनाया गया।

7. भारत में वित्त मंत्री बजट किसकी सलाह से तैयार करता है?

(a) प्राक्कलन समिति (b) प्रवर समिति

(c) संयुक्त समिति (d) प्रशासकीय सुधार समिति

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(*)

प्रवर या संयुक्त समिति- प्रवर समिति तदर्थ (Adhoe) समितियों में सबसे महत्वपूर्ण होती है। किसी विशेष विधेयक पर विचार करने के लिए इस समिति का गठन किया जाता है। जब संसद के दोनों सदन किसी विधेयक पर विचार करने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन करते है तब उन समितियों को प्रवर समिति कहा जाता है।

किन्तु जब संसद के दोनों सदन किसी विधेयक पर विचार करने के लिए संयुक्त रूप से समिति गठित करते है तब उसे संयुक्त प्रवर समिति कहते है। प्रवर समिति में 30 और संयुक्त प्रवर समिति में 45 सदस्य (लोक सभा से 30 और राज्य सभा 15)।

प्राक्कलन समिति संसद की स्थायी समितियों में सबसे बड़ी समिति है इसमें सिर्फ लोकसभा के सदस्य होते है जिनकी संख्या 30 होती है। जब सरकार द्वारा अधिक नीतियां बनाकर उसे क्रियान्वित करने के लिए संसद के समक्ष मांग प्रस्तुत किया जाता है, तो सरकार द्वारा प्रस्तावित व्यय पर समीक्षा के लिए इस समिति का गठन किया जाता हैं यह सरकारी अपव्यय रोकने की सिफारिश करती है। अतः इसे स्थायी वितव्यायिता समिति भी कहते है। यह समिति बजट प्रावकलनों की जांच तभी कर सकती है जबकि इसके लिए संसद में मतदान हो चुका हो।

8. किसे 'कार्यपालिका के हाथों कोरे चेक' की संज्ञा दी गई है?

(a) लेखानुदान को (b) प्रत्ययानुदान को

(c) अतिरेक अनुदान को (d) अनुपूरक अनुदान को

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

किसी राष्ट्रीय आपात के कारण सरकार को धन की अप्रत्याशित मांग को पूरा करने के लिए निधियों की आवश्यकता हो सकती है जिसके विस्तृत अनुमान देना शायद संभव न हो। ऐसी स्थिति में सदन बिना ब्यौरा दिए प्रत्ययानुदान के माध्यम से एकमुश्त धनराशि दे सकता है। इसीलिए इसे 'कार्यपालिका के हाथों कोरे चेक' की संज्ञा दी गई है।

9. बजट शब्द बूजट (Bougette) शब्द से बना है। यह शब्द किस भाषा का है?

(a) फ्रेंच (b) लैटिन

(c) इंग्लिश (d) ग्रीक

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(a)

'बजट' शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द 'बूजट' (Bougette) से बना है जिसका अर्थ चमड़े का पर्स, थैला या झोला होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'बजट' धन (राजस्व) के आय और उसके व्यय की सूची को कहते हैं।
- व्यष्टि अर्थशास्त्र में बजट एक महत्वपूर्ण अवधारणा है।
- बजट किसी देश का, संस्था का, या व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक हो सकता है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में भारत के केंद्रीय बजट को 'वार्षिक वित्तीय विवरण' के रूप में निर्दिष्ट किया गया है।
- अनु. 112 के अनुसार, राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में संसद के दोनों सदनों के समक्ष एक वार्षिक वित्तीय विवरण रखवाएगा।
- बजट में भारत सरकार की प्राप्तियों और व्ययों का विवरण होता है।

10. केंद्रीय वित्त मंत्री ने किस वर्ष को ग्राम सभा वर्ष घोषित किया था?

(a) 1996 (b) 1997

(c) 1998 (d) 1999

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

वर्ष 1999 में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा द्वारा वर्ष 1999-2000 को 'ग्राम सभा वर्ष' के रूप में घोषित किया गया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान का अनुच्छेद 243 क उपबंधित करता है कि 'ग्राम सभा' गांव स्तर पर ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगी और ऐसे कार्यों को करेगी जो राज्य विधानमंडल विधि बनाकर उपबंध करे।
- संविधान के 73वें संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को सांविधानिक मान्यता प्रदान की गई।
- 'ग्राम सभा' से ग्राम स्तर पर पंचायत के क्षेत्र के भीतर समाविष्ट किसी ग्राम से संबंधित निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों से मिलकर बना निकाय अभिप्रेत है।

11. धन अनुदान के लिए -

(a) राष्ट्रपति की सहमति आवश्यक नहीं है।

(b) राष्ट्रपति की पूर्वसहमति आवश्यक है।

(c) उसके सफलतापूर्वक पास हो जाने के बाद सहमति आवश्यक है।

(d) राज्य सभा किसी भी विधेयक को प्रस्तुत कर सकती है।

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट के माध्यम से पूरे वर्ष के लिए खर्च होने वाले अनुमानित धन का प्रावधान कर दिया जाता है। लेकिन यदि ऐसी विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती जिसके लिए धन का प्रावधान बजट में या तो पर्याप्त नहीं है या उस मद में धन का प्रावधान ही नहीं है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति उस व्यय की अनुमानित राशि दर्शाने वाला (अनुदानों की मांग दर्शाने वाला) विवरण संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखवाता है। ये निम्न प्रकार के होते हैं-

अनुपूरक अनुदान- इसे संसद द्वारा तब स्वीकृत किया जाता है जब किसी विशेष सेवा हेतु प्रावधानित राशि उस वित्तीय वर्ष में अपर्याप्त पाई जाए।

अतिरिक्त अनुदान- यह तब प्रदान की जाती है जब चालू वित्तीय वर्ष के दौरान किसी नई सेवा पर धन खर्च करने की आवश्यकता आ गई हो जिसका बजट में प्रावधान नहीं किया गया है। **प्रत्ययानुदान-** यह तब प्रदान किया जाता है जब किसी राष्ट्रीय आपात के कारण सरकार को धन की अप्रत्याशित मांग को पूरा करने के लिए निधियों की आवश्यकता हों।

अपवादानुदान- यह किसी विशेष प्रयोजन के लिए दिया जाता है जो वित्तीय वर्ष के साधारण खर्च का भाग नहीं होता है।

12. भारत में बजट निर्माण में संलग्न रहते हैं :

क. वित्त मंत्रालय

ख. योजना आयोग

ग. नियंत्रक महालेखा परीक्षक

घ. समस्त लोक आयुक्त

(a) क, ख एवं ग (b) ख, ग एवं घ

(c) केवल घ (d) ख एवं ग

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

भारत में बजट निर्माण में वित्त मंत्रालय, योजना आयोग तथा नियंत्रक महालेखा परीक्षक संलग्न रहते हैं।

13. अब तक गठित विभिन्न वित्त आयोगों के अध्यक्ष पद पर निम्नलिखित में से कौन व्यक्ति कभी नहीं रहा?

(a) श्री संतानम (b) श्री ए.के. चंद्रा

(c) डॉ. राजमन्नार (d) श्री बी.पी. मंडल

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

अब तक गठित वित्त आयोगों के अध्यक्षों की सूची निम्नवत है- 1. के.सी.नियोगी, 2. के. संथानम, 3. ए.के. चंद्रा, 4. पी.वी. राजमन्नार, 5. महावीर, त्यागी, 6. के. ब्रह्मानंद रेड्डी, 7. जे.एम. शेलत, 8. वाई. बी. चह्वाण, 9. एन. के.पी. साल्वे, 10. के. सी. पंत, 11. ए.एम. खुसरो, 12. सी. रंगराजन, 13. डॉ. विजय एल.केलकर, 14. डॉ. वाई.वी. रेड्डी (वर्तमान में)। इस प्रकार स्पष्ट है कि श्री बी.पी. मंडल वित्त आयोग के अध्यक्ष नहीं रहे। वे वर्ष 1978 में गठित पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष थे।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रथम वित्त आयोग का गठन वर्ष 1951 में किया गया था जिसकी अवधि 1952-57 थी।
- संविधान के अनु. 280 में वित्त आयोग की व्यवस्था की गई है।

14. वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किस अनुच्छेद में निहित है?

(a) अनुच्छेद 279 में (b) अनुच्छेद 280 में

(c) अनुच्छेद 281 में (d) अनुच्छेद 282 में

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

संविधान का अनुच्छेद 280 प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर एक वित्त आयोग के गठन का प्रावधान करता है। इसका मुख्य कार्य संघ और राज्यों के बीच करों के शुद्ध आगमों के आवंटन के विषय में और राज्यों के बीच वितरण करने के तरीके के संबंध में राष्ट्रपति को सिफारिश प्रस्तुत करना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पहले वित्त आयोग का गठन के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में 12 नवंबर, 1951 को किया गया था। इस समिति ने अपनी सिफारिश वर्ष 1953 में दी थी।
- अब तक 14 वित्त आयोग गठित किए जा चुके हैं। 14वें वित्त आयोग का गठन जनवरी, 2013 में वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में किया गया।

15. भारत सरकार संचित निधि से राज्यों को अनुदान किसके प्रतिवेदन पर देती है?

(a) नीति आयोग (b) वित्त आयोग

(c) लोक लेखा समिति (d) प्राक्कलन समिति

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

संविधान के अनुच्छेद 280(1) के अंतर्गत वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के प्रतिवेदन पर भारत की संचित निधि में से राज्यों के राजस्व में सहायता अनुदान, के रूप में राज्यों को संदत्त की जाने वाली धनराशियों को दिया जाता है। 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष एन.के. सिंह हैं।

16. भारतीय संसद बजट के लेखा परीक्षण पर अपनी किस समिति द्वारा नियंत्रण रखती है?

(a) लोक लेखा समिति

(b) प्राक्कलन समिति

(c) राजकीय उद्यम समिति

(d) आश्वासन समिति

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

भारतीय संसद बजट के लेखा परीक्षण पर 'लोक लेखा समिति' द्वारा नियंत्रण रखती है। इस समिति का प्रमुख कार्य ही भारत सरकार के खर्चों की लेखा परीक्षा (Auditing) करना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- लोक लेखा समिति भारतीय संसद की सर्वाधिक प्राचीनतम समिति है।
- इस समिति में 22 सदस्य होते हैं जिनमें से 15 लोक सभा और 7 राज्य सभा के सदस्य होते हैं।
- इस समिति के सदस्यों का चुनाव संसद द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली द्वारा एकल संक्रमणीय प्रणाली के आधार पर किया जाता है।
- इस समिति का कार्य विभिन्न मंत्रालयों के व्यय और नियंत्रक महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन पर विचार करना है।

17. भारत में कैग की भूमिका के बारे में निम्नांकित वक्तव्यों में से कौन-सा वक्तव्य सही है?

(a) कैग वित्तीय असावधानी का पता लगाने का यंत्र है।

(b) इसके कार्यों को संघीय स्तर पर वित्त मंत्रालय परिभाषित कर सकता है।

(c) कैग की सिफारिशों की जांच न्यायापालिका कर सकती है।

(d) कैग, प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है।

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

अनुच्छेद 148 के तहत भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (CAG) के पद का सृजन किया गया है, जिसे संघ के और राज्यों के लेखाओं के संबंध में विशेष नियंत्रण एवं अधीक्षण शक्तियां प्रदान की गई हैं। इसके द्वारा प्रस्तुत लेखाओं पर संसद की लोक लेखा समिति में विचार विमर्श होता है। अतः यह कहा जा सकता है कि कैग वित्तीय असावधानी का पता लगाने का यंत्र है।

18. निम्न में से कौन-सा तथ्य वित्त आयोग के बारे में सही नहीं है?

(a) इसके सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं।

(b) यह भारत के वित्तीय संघवाद का संतुलन चक्र है।

(c) इसके सदस्यों की योग्यताएं, राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है।

(d) यह संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत स्थापित किया जाता है।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

संविधान में संसद को वित्त आयोग के सदस्यों की योग्यता और उनके चयन के ढंग का निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है। इसके अनुरूप ही संसद ने वित्त आयोग अधिनियम 1951 के द्वारा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की योग्यता का निर्धारण किया है। अतः कथन (c) गलत है।

चुनाव आयोग

1. भारत में प्रशासकीय सुधार आयोग का गठन किया गया था-

(a) 1961 में (b) 1962 में

(c) 1963 में (d) 1966 में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

भारत में प्रथम प्रशासकीय सुधार आयोग 5 जनवरी, 1966 को नियुक्त किया गया था। श्री मोरारजी देसाई इस आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किए गए, परंतु बाद में के. हनुमन्थैया को इस आयोग का अध्यक्ष बनाया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) एक समिति है जो भारत के लोक प्रशासन को और अधिक कारगार बनाने के लिए सुझाव देने हेतु भारत सरकार द्वारा नियुक्त की गई है।
- द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग 31 अगस्त, 2005 को बनाया गया था जिसके अध्यक्ष वीरप्पा मोइली थे।

2. 'ओम्बुड्समैन' का भारतीय प्रतिमान है-

(a) लेखपाल (b) तहसीलदार

(c) राज्यपाल (d) लोकपाल

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

वर्ष 1907 में गठित स्वीडिश संस्था 'ओम्बुड्समैन' का भारतीय प्रतिमान लोकपाल है।

3. भारत में लोकपाल की नियुक्ति के लिए सर्वप्रथम विधेयक कब पेश किया गया?

(a) 1968 में (b) 1977 में

(c) 1985 में (d) 1989 में

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

लोकपाल की नियुक्ति के लिए अभी तक संसद में नौ बार विधेयक पेश किया जा चुका है। किन्तु अभी तक कोई भी विधेयक अधिनियम नहीं बन पाया। इस विषय पर सर्वप्रथम विधेयक मई 1968 में प्रधानमंत्रीइंदिरा गांधी के कार्यकाल में पेश किया गया था।

4. लोकायुक्त अपना प्रतिवेदन किसके समक्ष प्रस्तुत करता है?

(a) मुख्यमंत्री को

(b) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को

(c) राज्यपाल को

(d) विधानसभा अध्यक्ष को

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

भ्रष्टाचार पर नियंत्रण लाने के लिए केंद्र में लोकपाल तथा राज्यों में लोकायुक्त का प्रावधान है। लोकायुक्त अपना प्रतिवेदन राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करता है और राज्यपाल इसे विधानमण्डल के समक्ष रखवाता है।

5. भारत में अंतरराज्य परिषद् कब स्थापित की गई थी?

(a) 1987 (b) 1989

(c) 1990 (d) 1992

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 में अंतर्राज्य परिषद का उल्लेख है। केंद्र एवं राज्यों में समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रपति द्वारा सर्वप्रथम अप्रैल 1990 में अंतरराज्य परिषद की स्थापना की गई, जिसकी पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 को हुई थी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित इस परिषद में प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत 6 केबिनेट स्तर के मंत्री, सभी राज्यों व संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्यमंत्री एवं संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासक सम्मिलित हैं।

6. भारत में अंतर्राज्य परिषद की स्थापना कब हुई?

(a) 1987 (b) 1989

(c) 1990 (d) 1992

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

संविधान के अनुच्छेद 263 में अंतरराज्यीय परिषद के गठन का प्रावधान है। वर्ष 1988 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में गठित आयोग की सिफारिश पर वर्ष 1990 में अंतरराज्यीय परिषद का गठन किया गया था। 1 नवंबर, 2017 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में अंतराज्यीय परिषद का पुनर्गठन किया गया। इस परिषद में प्रधानमंत्री पदेन अध्यक्ष होता है। परिषद में छः केंद्रीय मंत्रियों और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

7. एक अंतरराज्यीय परिषद की स्थापना की जा सकती है

(a) राष्ट्रपति द्वारा (b) संसद द्वारा

(c) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा (d) क्षेत्रीय परिषद द्वारा

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. भारत में अंतर राज्य परिषद कब स्थापित की गई थी?

(a) 1967 (b) 1989

(c) 1990 (d) 1992

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. भारत में अन्तर्राज्य परिषद कब गठित की गई?

(a) 1987 (b) 1989

(c) 1990 (d) 1992

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. क्षेत्रीय परिषदें-

(a) विधि निर्माणकारी इकाइयां होती हैं।

(b) परामर्शदात्री इकाइयां होती हैं।

(c) प्रशासकीय इकाइयां होती हैं।

(d) उपर्युक्त सभी होती हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

क्षेत्रीय परिषदें परामर्शदात्री इकाइयां है। इनका गठन राज्य पुर्नगठन अधिनियम, 1956 के द्वारा किया गया है। इस प्रकार ये संविधानेतर इकाइयां है। भारत में 5 क्षेत्रीय परिषदें है- ये है- उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी, तथा केन्द्रीय क्षेत्र।

I- केंद्रीय क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश आते हैं।

II- उत्तरी क्षेत्र में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू कश्मीर तथा दिल्ली और चंडीगढ़ आते हैं।

III- पूर्वी क्षेत्र में बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और सिक्किम आते है।

IV- पश्चिमी क्षेत्र में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा नगर हवेली, दमण और दीव आते हैं।

V- दक्षिणी क्षेत्र में आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल तथा पांडिचेरी आते हैं।

इसके अलावा पूर्वोत्तर के सात राज्यों के लिए एक अलग पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिषद बनाया गया है। क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष संघ का गृहमंत्री होता है तथा प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में उस क्षेत्र के प्रत्येक राज्य का मुख्यमंत्री तथा अन्य दो मंत्री होते है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ज्ञातव्य है कि अंतर्राज्य परिषद संविधान के अनु. 263 के तहत गठित एक संवैधानिक निकाय है।

11. भारत में राष्ट्रीय विकास परिषद कब गठित की गई थी?

(a) 26 जनवरी, 1950 (b) 6 अगस्त, 1951

(c) 15 मार्च, 1950 (d) 6 अगस्त, 1952

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

भारत में राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन 6 अगस्त, 1952 को किया गया था। इसका उद्देश्य योजना-निर्माण में राज्यों की भागीदारी सुनिश्चित करना था।

– भारत का प्रधानमंत्री परिषद का अध्यक्ष तथा योजना आयोग का सचिव इसका सचिव होता था। भारतीय संघ के राज्यों के मुख्यमंत्री एवं योजना आयोग के सभी सदस्य इसके पदेन सदस्य होते है।

12. 'राष्ट्रीय विकास परिषद' का पदेन सचिव होता है-

(a) लोक सभा का महासचिव

(b) वित्त मंत्रालय का सचिव

(c) योजना आयोग का सचिव

(d) योजना आयोग का उपाध्यक्ष

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(c)

राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन वर्ष 1952 में किया गया था। योजना आयोग की ही तरह यह न तो संवैधानिक निकाय है और न ही कानूनी निकाय है। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। राष्ट्रीय विकास परिषद का पदेन सचिव, योजना आयोग का सचिव होता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इस परिषद के प्रमुख उद्देश्य हैं- (1) योजनाओं के निर्माण में राज्यों का सहयोग प्राप्त करना, (2) देश में संसाधनों को बढ़ाने का प्रयास करना, (3) सामूहिक रूप से आर्थिक नीतियां बनाना व लागू करना, (4) संतुलित व तीव्र विकास करना।
- इस परिषद के प्रमुख कार्य हैं- (1) योजना निर्माण में दिशा-निर्देश व सुझाव देना, (2) योजना आयोग द्वारा बनाई गई योजना की रूपरेखा की सिफारिश करना, (3) योजना क्रियान्वयन के संसाधनों का अनुमान लगाना, (4) पंचवर्षीय योजना की समय-समय पर समीक्षा करना, (5) योजना के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करना तथा उनमें परिवर्तन करना।

13. निम्नलिखित में से कौन-सा एक संवैधानिक निकाय नहीं है?

(a) वित्त आयोग (b) लोक सेवा आयोग

(c) नीति आयोग (d) निर्वाचन आयोग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

1 जनवरी, 2015 में स्थापित नीति आयोग संवैधानिक निकाय नहीं है। योजना आयोग को प्रतिस्थापित कर नीति आयोग का गठन केंद्रीय मंत्रिमण्डल के निर्णय द्वारा किया गया था। इस निकाय का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।

14. निम्नांकित में से कौन संविधानेत्तर संस्था है?

(a) वित्त आयोग (b) निर्वाचन आयोग

(c) योजना आयोग (d) अंतरराज्यीय परिषद

P.G.T. परीक्षा, 2004, P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

योजना आयोग एक संविधानेतर संस्था है। इसका संविधान में कोई उल्लेख नहीं है। इसका गठन केंद्रीय मंत्रिमण्डल के एक संकल्प द्वारा 15 मार्च, 1950 को किया गया था। प्रधानमंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होता है तथा इसका कार्य पंचवर्षीय योजनाओं का निर्माण करना है। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एन.डी.ए. सरकार ने योजना आयोग को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर 1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग का गठन किया। नीति आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य-

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- नीति आयोग (NITI- National Institution for Transforming India) अर्थात 'राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था' की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को किया गया।
- इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। अतः वर्तमान समय में श्री नरेन्द्र मोदी इसके अध्यक्ष है।
- इसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत हैं।
- इसकी गवर्निंग काउंसिल में राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों में जहां विधानसभा है वहां के मुख्यमंत्री तथा जहां विधान सभा नहीं है वहां के राज्यपाल शामिल होते है।

15. नीति आयोग का अध्यक्ष कौन है?

(a) राजीव कुमार (b) नरेंद्र मोदी

(c) राजनाथ सिंह (d) अमित शाह

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. निम्न में कौन संवैधानिक संस्थान नहीं है?

(a) संघ लोक सेवा आयोग (b) राज्य लोक सेवा आयोग

(c) वित्त आयोग (d) नीति आयोग

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) वित्त मंत्री

(c) उपराष्ट्रपति (d) रिज़र्व बैंक का गवर्नर

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. योजना आयोग का अध्यक्ष कौन होता है?

(a) प्रधानमंत्री (b) वित्त मंत्री

(c) उपराष्ट्रपति (d) रिज़र्व बैंक का गवर्नर

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. इनमें से योजना आयोग के विषय में क्या सत्य नहीं है?

(a) यह संविधान में अंकित है।

(b) इसे सरकार के एक आदेश से बनाया गया था।

(c) यह सन् 1950 ई. में बना था।

(d) प्रधानमंत्री इसका अध्यक्ष होता है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

योजना आयोग का गठन 15 मार्च, 1950 को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में किया गया। योजना आयोग का उल्लेख संविधान में नहीं है। प्रधानमंत्री योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष होता है। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रश्न में दिया गया कथन (a) सत्य नहीं है जबकि अन्य तीनों कथन सत्य हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- योजना आयोग भारत सरकार की एक संस्था है जिसका प्रमुख कार्य पंचवर्षीय योजनाएं बनाना है।
- प्रथम पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल वर्ष 1951 से 1956 रहा।
- वर्तमान में 12वीं पंचवर्षीय योजना चल रही है जिसका कार्यकाल वर्ष 2012 से 2017 तक है।
- वर्तमान में मोदी सरकार ने योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को की है।
- नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री ही रहेंगे। नीति आयोग के उपाध्यक्ष वर्तमान में प्रो. अरविन्द पनगड़िया हैं।
- हाल ही में हुई राजनेताओं, अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों की एक बैठक में योजना आयोग को खत्म करने पर आम सहमति बनी है।

20. भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल था-

(a) सन् 1951 – 56 ई. (b) सन् 1947 – 52 ई.

(c) सन् 1952 – 57 ई. (d) सन् 1956 – 61 ई.

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री स्व. जवाहरलाल नेहरू ने 8 दिसंबर, 1951 को भारतीय संसद में प्रथम पंचवर्षीय योजना प्रस्तुत की। इस योजना का कार्यकाल सन् 1951–56 ई. था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा भारत के योजना आयोग द्वारा विकसित, कार्यान्वित और इसकी देखरेख में चलने वाली पंचवर्षीय योजनाओं पर आधारित है।
- योजना आयोग का पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।
- आयोग का एक मनोनीत उपाध्यक्ष भी होता है जिसका ओहदा कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है।
- वर्तमान में बारहवीं पंचवर्षीय योजना चल रही है। इसका कार्यकाल 2012–2017 है।

21. 'सामुदायिक विकास कार्यक्रम' का आरंभ किया गया था-

(a) सन् 1950 ई. में (b) सन् 1952 ई. में

(c) सन् 1951 ई. में (d) सन् 1953 ई. में

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

'सामुदायिक विकास कार्यक्रम' का उद्घाटन 2 अक्टूबर, 1952 को किया गया था। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- जवाहरलाल नेहरू की पहल पर ही इस कार्यक्रम का आरंभ हुआ क्योंकि उनका लोकतांत्रिक तरीकों में अटूट विश्वास था।
- 'ग्रामीण विकास' का अभिप्राय एक ओर जहां लोगों का बेहतर आर्थिक विकास करना है, वहीं दूसरी ओर वृहत सामाजिक कायाकल्प करना भी है।
- यह कार्यक्रम इसलिए प्रारंभ किया गया ताकि सरकारी प्रयासों में बुनियादी स्तर पर लोगों की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भागीदारी हो।

22. राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्यों को हटाया जा सकता है केवल-

(a) राज्य के राज्यपाल द्वारा

(b) राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा

(c) राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा

(d) भारत के राष्ट्रपति द्वारा

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्यों को उच्चतम न्यायालय के द्वारा उन संबंध में विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई जांच पर यह रिपोर्ट देने के बाद कि सदस्य कदाचार या अक्षमता का दोष सिद्ध है, राष्ट्रपति के आदेश द्वारा हटाया जाता है।

23. भारत में संथानम और वोहरा समितियों ने क्रमशः किन विषयों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था?

(a) भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन पर

(b) भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर

(c) आतंकवाद और दल-बदल पर

(d) भ्रष्टाचार और अपराधीकरण पर

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

भारत में संथानम और वोहरा समितियों ने भ्रष्टाचार और अपराधीकरण पर अपना-अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था।

24. भारत में लोकपाल एवं लोकायुक्त के पदों की स्थापना की सिफारिश की गई-

(a) सरकारिया आयोग द्वारा (b) विधि आयोग द्वारा

(c) ठक्कर आयोग द्वारा (d) प्रशासनिक सुधार आयोग-I द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

5 जनवरी, 1966 को श्री मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में गठित प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग ने जन अभियोग निवारण तथा दुराचारपूर्ण व्यवस्था से उत्पन्न भ्रष्टाचार और अन्याय का अभिकथन करने वाली शिकायतों की जांच के लिए केंद्र में लोकपाल तथा राज्यों में लोकायुक्त नामक संस्था की स्थापना के लिए सिफारिश की।

25. निम्न में से वर्तमान में उत्तर प्रदेश का लोकायुक्त कौन है?

(a) न्यायमूर्ति संजय मिश्र (b) न्यायमूर्ति राजमणि चौहान

(c) न्यायमूर्ति मुर्तजा हुसैन (d) न्यायमूर्ति आर.एन. मेहरोत्रा

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

वर्तमान में उत्तर प्रदेश के लोकायुक्त न्यायमूर्ति संजय मिश्र हैं। इस पद पर इनकी नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई थी।

26. राष्ट्रीय महिला आयोग बनाया गया-

(a) संघीय मंत्रिमंडल के निर्णय द्वारा

(b) संविधान में संशोधन द्वारा

(c) संसद के द्वारा पारित कानून द्वारा

(d) भारत के राष्ट्रपति के एक आदेश द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

भारतीय संसद द्वारा 1990 में पारित अधिनियम के तहत जनवरी 1992 में गठित एक सांविधिक निकाय है। यह ऐसा निकाय है जो शिकायत या स्वतः संज्ञान के आधार पर महिलाओं के संवैधानिक हितों और उनके लिए कानूनी सुरक्षा उपायों को लागू कराती है।

27. भारत में संघीय विधान मंडल द्वारा कब बंधुआ मजदूर प्रथा उन्मूलन कानून पारित किया गया?

(a) 1973 (b) 1975

(c) 1976 (d) 1977

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

बंधुआ मजदूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 को लागू करके बंधुआ मजदूरी प्रणाली को संपूर्ण देश से समाप्त कर दिया गया इस गुलामी की प्रथा को कानून द्वारा एक संज्ञेय दंडनीय अपराध बना दिया गया।

28. 'राष्ट्रीय एकता परिषद' का उद्भव किस सन् में हुआ था?

(a) सन् 1950 (b) सन् 1952

(c) सन् 1986 (d) सन् 1989

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर–(*)

राष्ट्रीय एकता परिषद का उद्भव सितंबर-अक्टूबर, 1961 में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा एक सम्मेलन के दौरान हुआ था। इसकी प्रथम बैठक जून, 1962 में हुई थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- इस परिषद के गठन का प्रयोजन भारत में सांप्रदायिकता, जातिवाद और क्षेत्रवाद की समस्याओं से निपटने के समाधान खोजना है।
- इस परिषद के वर्तमान अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।
- यह सरकार का सलाहकारी निकाय है और इसकी सदस्य संख्या 147 है।

29. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात पहला वित्त निगम था-

(a) जीवन बीमा निगम (b) इंडियन एयरलाइंस कॉर्पोरेशन

(c) पुनर्वास वित्त निगम (d) इंडिया इंटरनेशनल

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात स्थापित पहला निगम 'पुनर्वास एवं वित्त निगम' था। इसकी स्थापना वर्ष 1948 में हुई थी। इसके अतिरिक्त विकल्पों में दिए गए जीवन बीमा निगम की स्थापना वर्ष 1956, इंडियन एयर लाइंस कॉर्पोरेशन का स्थापना वर्ष 1953 तथा इंडिया इंटरनेशनल का स्थापना वर्ष 1953 था।

संघ लोक सेवा आयोग

1. संघ लोक सेवा आयोग का प्रधान कौन होता है?

(a) एक राष्ट्रपति

(b) एक अध्यक्ष

(c) सर्वोच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश

(d) मंत्रिमंडल का एक मंत्री

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(b)

संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार की लोक सेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग में एक अध्यक्ष तथा दस सदस्य होते हैं। आयोग का प्रधान, अध्यक्ष होता है। 22 नवंबर, 2014 से दीपक गुप्ता संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

2. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य कब तक अपने पद पर बने रह सकते हैं ?

(a) 65 वर्ष की आयु तक (b) 62 वर्ष की आयु तक

(c) 60 वर्ष की आयु तक (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

भारतीय संविधान के अनु. 316(2) के अनुसार, संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य 6 वर्ष की अवधि तक या तो 65 की आयु प्राप्त होने तक, जो भी इनमें से पहले हो अपना पद धारण करेगा।

3. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की जाती है-

(a) प्रधानमंत्री द्वारा (b) लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा

(c) गृह मंत्री द्वारा (d) राष्ट्रपति द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

अनुच्छेद 316(1) के अनुसार, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। आयोग के किसी भी सदस्य की सेवा शर्तों में उसकी नियुक्ति के उपरांत अलाभकारी परिवर्तन नहीं किए जा सकते हैं।

4. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की जाती है-

(a) प्रधानमंत्री द्वारा

(b) लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा

(c) गृह मंत्री द्वारा

(d) राष्ट्रपति द्वारा

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनु. 315 के अनुसार, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग तथा प्रत्येक राज्य के लिए लोक सेवा आयोग होगा। अनुच्छेद 316 (1) के अनुसार, संघ लोक सेवा आयोग या संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- दो या अधिक राज्य एक संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग रख सकते हैं और संसद उनकी प्रार्थना पर संयुक्त आयोग की स्थापना कर सकती है।
- यदि किसी राज्य का राज्यपाल संघ के लोक सेवा आयोग से राज्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कार्य करने की प्रार्थना करे तो राष्ट्रपति के अनुमोदन से संघ लोक सेवा आयोग राज्यों के लिए भी कार्य कर सकता है।

5. संघीय लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता हैं?

(a) केंद्रीय गृहमंत्री (b) संसद

(c) राष्ट्रपति (d) प्रधानमंत्री

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. भारतीय संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष सहित कितने सदस्य होते हैं?

(a) 15 सदस्य (b) 11 सदस्य

(c) 10 सदस्य (d) 5 सदस्य

U.P. G.I.C. (आ.प्र.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

भारतीय संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या और उनकी सेवा शर्ते संविधान के अनुच्छेद 316 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा अवधारित की जाती हैं। वर्तमान में संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष सहित 11 सदस्य हैं।

7. अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों की सेवा शर्तें निर्धारित होती हैं-

(a) भारत के राष्ट्रपति द्वारा (b) भारतीय संविधान द्वारा

(c) भारतीय संसद द्वारा (d) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों की सेवा शर्तों का निर्धारण भारतीय संसद करती है। संसद ने इस शक्ति के आधार पर अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 बनाया था।

8. एक नई अखिल भारतीय सेवा गठित की जा सकती है-

(a) संविधान में एक संशोधन द्वारा

(b) एक कार्यकारी आदेश द्वारा

(c) एक संविधि द्वारा

(d) संविधान के अनुच्छेद 312 के अंतर्गत एक प्रस्ताव के द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

अखिल भारतीय सेवाओं के गठन का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 312 में उल्लिखित है। यदि राज्य सभा में उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित प्रस्ताव में घोषित किया है कि राष्ट्रीय हित में यह आवश्यक है तो संसद एक या अधिक अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन का उपबंध कर सकेगी।

9. भारत में कुछ लोक सेवाओं और उनके प्रशिक्षण केन्द्रों को नीचे दिया गया है। उनको ठीक-ठीक जोड़ें-

A. भारतीय प्रशासनिक सेवा

B. भारतीय पुलिस सेवा

C. भारतीय रेल सेवा प्रथम श्रेणी

D. आयकर सेवा

1. केन्द्रीय प्रशिक्षण कॉलेज, माउन्ट आबू

2. राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

3. प्रशिक्षण स्कूल, नागपुर

4. स्टॉफ कॉलेज, बड़ौदा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	4	3

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सही उत्तर है। विभिन्न लोक सेवाओं और उनके प्रशिक्षण केंद्रों का सही सुमेलन निम्नवत है-

भारतीय प्रशासनिक सेवा	राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी
भारतीय पुलिस सेवा	केन्द्रीय प्रशिक्षप कॉलेज, माउन्ट आबू
भारतीय रेल सेवा प्रथम श्रेणी	स्टॉफ कॉलेज, बड़ौदा
आयकर सेवा	प्रशिक्षण स्कूल, नागपुर

10. भारत में लोक सेवाओं में भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा पद्धति की सर्वप्रथम अनुशंसा की गई थी-

(a) एपलबी प्रतिवेदन में
(b) गोरवाला प्रतिवेदन में
(c) प्रशासनिक सुधार आयोग (ए.आर.सी.) प्रतिवेदन में
(d) कोठारी प्रतिवेदन में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

लोक सेवाओं में भर्ती की नीति एवं चयन प्रक्रिया पद्धति पर विचार करने तथा सुझाव देने हेतु डी.एस. कोठारी की अध्यक्षता में एक आयोग गठित किया गया था। इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा तथा प्रशिक्षण के समय परीक्षा कराने का सुझाव दिया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1919 के भारत शासन अधिनियम के अंतर्गत भारत में प्रथम लोक सेवा आयोग, 1926 ई. में स्थापित किया गया।
- 1935 के अधिनियम द्वारा इसका नाम 'संघीय लोक सेवा आयोग' रखा गया।
- संविधान के अनु. 315 के अंतर्गत संघ एवं राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।

11. भारत में संघ लोक सेवा आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का गठन क्रमशः किस प्रकार हुआ है?

(a) संवैधानिक संशोधन और उच्च शिक्षा आयोग द्वारा
(b) संवैधानिक संशोधन और बयालिसवीं अनुसूची द्वारा
(c) संविधान और अधिनियम (विधि) द्वारा
(d) संविधान और प्रदत्त विधायन द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

भारत में संघ लोक सेवा आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का गठन क्रमशः संविधान और अधिनियम द्वारा हुआ। संघ लोक सेवा आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के तहत तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का गठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के तहत किया गया है जिसे 20 दिसंबर, 1985 को संशोधित भी किया गया।

12. भारत में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन किसके समक्ष प्रस्तुत किया जाता है?

(a) प्रधानमंत्री
(b) मुख्य न्यायाधीश
(c) राष्ट्रपति
(d) महान्यायवादी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

संविधान के अनुच्छेद 323 (1) के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन (आयोग द्वारा किए गए कार्यों की वार्षिक रिपोर्ट) राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। राष्ट्रपति इस प्रतिवेदन को संसद के समक्ष रखता है। राज्य लोक सेवा आयोग वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल को प्रस्तुत करते हैं। ऐसे प्रतिवेदन राज्यपाल द्वारा राज्य विधानमण्डल के समक्ष रखवाए जाते हैं [अनुच्छेद-323 (2)]।

13. इनमें से कौन-सा तथ्य संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों के संदर्भ में सत्य नहीं है?

(a) वे राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं
(b) उनकी नियुक्ति 6 वर्ष या जब तक वे 65 वर्ष के हों, जो भी पहले हो, के लिए होती है
(c) वे प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त होते हैं
(d) वे निष्पक्ष होते हैं

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों तथा अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य 6 वर्ष या जब तक वह 65 वर्ष आयु के हों, जो भी पहले हो, पद पर बने रहते हैं। अपने कार्यकाल के दौरान निष्पक्षता से कार्य करने हेतु वे कर्त्तव्यबद्ध होते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि कथन-3 असत्य है।

आपातकाल

1. भारत का राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कैबिनेट की लिखित सलाह पर कर सकता है, यह व्यवस्था जोड़ी गई-

(a) भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा
(b) संविधान निर्मात्री सभा द्वारा
(c) 42वें संवैधानिक संशोधन द्वारा
(d) 44वें संवैधानिक संशोधन द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

44वें संवैधानिक संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई थी कि भारत का राष्ट्रपति आपात की घोषणा कैबिनेट (मंत्रिमंडल) की लिखित सलाह पर कर सकता है।

2. भारत में आर्थिक आपातकाल कितनी बार लागू किया गया है?

(a) तीन बार (b) दो बार

(c) केवल एक बार (d) कभी नहीं

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

अनुच्छेद 360 के तहत वित्तीय आपात काल का उपबंध किया गया। भारत में वित्तीय आपात काल कभी भी लागू नहीं हुआ है।

3. भारतीय संविधान के अंतर्गत कितने प्रकार का आपातकाल होता है?

(a) दो (b) चार

(c) तीन (d) एक

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान में तीन प्रकार के आपात काल का उपबंध किया गया है-

1. अनुच्छेद 352 के तहत युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में राष्ट्रीय आपात काल की घोषणा।
2. अनुच्छेद 356 के तहत राज्य में राष्ट्रपति शासन।
3. अनुच्छेद 360 के तहत वित्तीय आपात काल की घोषणा।

4. भारतीय संविधान में राष्ट्रपति को कितने प्रकार की आपातकालीन शक्तियां प्रदान की गई हैं?

(a) चार (b) तीन

(c) दो (d) सात

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान में असामान्य और असाधारण परिस्थितियों का सामना करने के लिए राष्ट्रपति को आपातकालीन शक्तियां प्रदान की गई हैं। संविधान में तीन प्रकार के आपात का उल्लेख है-

(i) युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न आपातकाल (अनु.352)। (ii) किसी राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल (अनु.356)।

(iii) वित्तीय आपातकाल (अनु. 360)।

5. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 356 का क्या महत्व है?

(a) इसके अंतर्गत किसी राज्य में सशस्त्र विद्रोह होने पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।

(b) इसके अंतर्गत किसी राज्य में संवैधानिक मशीनरी विफल होने पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।

(c) किसी राज्य में आंतरिक अशांति होने पर आपातकाल की घोषणा की जा सकती है।

(d) उपर्युक्त सभी।

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

अनु. 356 यह उपबंधित करता है कि यदि किसी राज्य के राज्यपाल से प्रतिवेदन मिलने पर या अन्यथा राष्ट्रपति को समाधान हो जाए कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें कि उस राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता तो राष्ट्रपति उद्घोषणा द्वारा उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 356 में प्रयुक्त ''राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता'' पदावली बहुत व्यापक अर्थ रखती है।
- किसी राज्य में सांविधानिक तंत्र विफल हो गया है अथवा नहीं, इसका निर्णय राष्ट्रपति का स्वयं का निर्णय नहीं होता है, बल्कि मंत्रिमंडल का निर्णय होता है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति

1. निम्नलिखित में से किसे किसी जाति या जनजाति को पिछड़ी हुई जाति या जनजाति घोषित करने का अधिकार है?

(a) भारत के राष्ट्रपति को

(b) संसद को

(c) गृहमंत्री को

(d) पिछड़ी हुई जातियों या जनजातियों के राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष को

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति को पिछड़े वर्गों में विनिर्दिष्ट किया गया है, क्योंकि इनका पिछड़ापन स्पष्ट है। संविधान के अनुच्छेद 341 एवं 342 में राष्ट्रपति को यह शक्ति दी गई है कि वह प्रत्येक राज्य के राज्यपाल से परामर्श करके एक सूची बनाए तथा राज्यों में अनुसूचित जातियों और जनजातियों को विनिर्दिष्ट करते हुए आदेश निकाले।

2. भारत के किस प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के लिए सर्वाधिक सीटें आरक्षित हैं?

(a) राजस्थान (b) उड़ीसा

(c) बिहार (d) मध्य प्रदेश

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न में यह स्पष्ट नहीं है कि अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सर्वाधिक सीटों की संख्या का संबंध लोक सभा से है न कि संबंधित राज्य की विधानसभा से। यद्यपि दोनों ही मामलों में अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटें मध्य प्रदेश में सर्वाधिक हैं। लोक सभा के लिए मध्य प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों के लिए 6 सीटें आरक्षित हैं।

3. लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों को कितनी सीटें दी गई हैं?

(a) 45 (b) 52

(c) 30 (d) 38

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(*)

वर्ष 2008 में हुए परिसीमन के पूर्व अनुसूचित जनजातियों के लिए 41 लोकसभा सीटें आरक्षित थी। वर्तमान में परिसीमन के बाद लोकसभा में अनुसूचित जातियों के लिए 84 तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए 47 सीटें आरक्षित हैं।

निर्वाचन

1. संसद के दोनों सदनों में सदस्य की सदस्यता समाप्त करने के निर्णय से पहले राष्ट्रपति किस का परामर्श प्राप्त करेगा?

(a) सर्वोच्च न्यायालय (b) निर्वाचन आयोग

(c) भारत का अटार्नी जनरल (d) भारत का सालिसिटर जनरल

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

जब संसद सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित प्रश्न उत्पन्न होता है तो उसका निर्णय राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। इस संबंध में राष्ट्रपति का निर्णय अंतिम माना जाता है तथा इस निर्णय के विरुद्ध न्यायालय में याचिका दाखिल नहीं की जा सकती है। राष्ट्रपति संसद सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित प्रश्न का निर्णय करते समय चुनाव/निर्वाचन आयोग की सलाह लेता है।

2. भारत में दल-बदल संबंधी मामले पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार है-

(a) सदन के अध्यक्ष को (b) सत्ता पक्ष के नेता को

(c) संबंधित दल के नेता को (d) निर्वाचन आयोग को

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची जिसे दल-बदल विरोधी कानून (Anti-Defection Law) कहा जाता है। यह कानून वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन के द्वारा लागू किया गया। इस कानून के अनुसार दल-बदल से संबंधित मामले में संसद सदस्य की योग्यता का अंतिम निर्णय लोक सभा अध्यक्ष द्वारा किया जाता है।

3. सामान्य निर्वाचन हेतु एक निर्वाचन क्षेत्र का निर्धारण किया जाता है-

(a) राष्ट्रपति द्वारा (b) भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा

(c) जनगणना आयोग द्वारा (d) परिसीमन आयोग द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार प्रत्येक जनगणना के पश्चात संसद विधि द्वारा परिसीमन अधिनियम को अधिनियमित करती है। अधिनियम के प्रवृत्त होने के पश्चात् केंद्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करती है। यह परिसीमन आयोग परिसीमन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण करता है।

4. मुख्य चुनाव आयुक्त अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले कैसे हटाया जा सकता है?

(a) संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की तरह

(b) सर्वोच्च न्यायालय के जजों की तरह

(c) सर्वोच्च न्यायालय की संस्तुति पर

(d) मंत्रिमंडल की संस्तुति पर

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

मुख्य चुनाव आयुक्त को अपनी निर्धारित पदावधि में काम करने की सुरक्षा है। मुख्य चुनाव आयुक्त को उसके पद से उसी रीति से व उन्हीं आधारों पर ही हटाया जा सकता है जिस रीति व आधारों पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाया जाता है।

5. भारत के निर्वाचन आयुक्त को उसके पद से कौन हटा सकता है?

(a) मुख्य निर्वाचन आयुक्त

(b) प्रधानमंत्री

(c) मुख्य निर्वाचन आयुक्त के प्रतिवेदन पर राष्ट्रपति

(d) भारत का मुख्य न्यायाधीश

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

मुख्य चुनाव आयुक्त को उन्हीं तरीकों से हटाया जा सकता है, जो अनुच्छेद 124(4) में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने के लिए वर्णित हैं। साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर हटाये जाने के लिए संसद के प्रत्येक सदन द्वारा अपनी कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम-से-कम दो तिहाई बहुमत द्वारा समर्थित समावेदन' जो उसी सत्र में राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित कर दिया गया हो द्वारा ही हटाया जा सकता है। जबकि निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के परामर्श पर राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

6. भारत का प्रथम निर्वाचन आयुक्त कौन था?

(a) डॉ. नगेन्द्र सिंह (b) एस.पी.सेन वर्मा

(c) सुकुमार सेन (d) टी. स्वामीनाथन

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

भारत के प्रथम निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन थे। उन्होंने 21 मार्च 1950 को पदभार ग्रहण किया और 19 दिसंबर, 1958 तक अपने पद पर बने रहे।

7. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त की अवधि है-

(a) 5 वर्ष

(b) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो

(c) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो

(d) 6 वर्ष या 70 वर्ष की आयु जो भी पहले हो

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

वर्तमान प्रावधान के अनुसार, सामान्य परिस्थितियों में मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल पदग्रहण की तारीख से 6 वर्ष तक होता है, परंतु 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर 6 वर्ष से पहले ही सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

8. वोट देने का अधिकार एक-

(a) सामाजिक अधिकार है।

(b) व्यक्तिगत अधिकार है।

(c) संवैधानिक अधिकार है।

(d) विधिक अधिकार है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c/d)

मा.शि.से.च. बोर्ड द्वारा इस प्रश्न का उत्तर (c) अर्थात् वोट देने के अधिकार को संवैधानिक अधिकार माना गया है।

परंतु बोर्ड का यह उत्तर सही नहीं है क्योंकि पीपल्स यूनियन फार सिविल लिबर्टीज एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य के वाद (2004) में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने वोट देने के अधिकार को न तो मौलिक अधिकार (Fundamental Right) और न संवैधानिक अधिकार (Constitutional Right) माना है बल्कि इसे वैधानिक या विधिक अधिकार (Statutory Right) माना है। इसी प्रकार का प्रश्न उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा भी पूछा गया था। प्रारंभिक उत्तर पत्रक में आयोग ने वोट देने के अधिकार को संवैधानिक अधिकार माना था परंतु उसी के द्वारा जारी संशोधित उत्तर पत्रक में वोट देने के अधिकार को संवैधानिक एवं सांविधिक दोनों अधिकार मान लिया गया था। वोट देने का अधिकार राजनीतिक अधिकारों में भी आता है।

9. वोट देने का अधिकार एक-

(a) सामाजिक अधिकार है (b) राजनीतिक अधिकार है

(c) विधिक अधिकार है (d) व्यक्तिगत अधिकार है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(b/c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. भारत में मान्यता-प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी कौन नहीं है?

(a) मार्क्सवादी (साम्यवादी) पार्टी

(b) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (इ) पार्टी

(c) समाजवादी पार्टी

(d) बहुजन समाज पार्टी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

समाजवादी पार्टी, भारत में मान्यता-प्राप्त राष्ट्रीय पार्टी नहीं है जबकि अन्य विकल्पों में दी गई पार्टियां मान्यता-प्राप्त राष्ट्रीय पार्टियां हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ वर्तमान में भारत में 6 राष्ट्रीय पार्टियां हैं, जो हैं- (1) भारतीय जनता पार्टी, (2) इंडियन नेशनल कांग्रेस, (3) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी), (4) कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, (5) बहुजन समाज पार्टी, (6) नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी।

11. भारत में निर्वाचन परिणाम की घोषणा के कितने दिन पश्चात एवं उम्मीदवार को अपना निर्वाचन व्यय संबंधित अधिकारी को सौंप देने चाहिए?

(a) 20 दिन (b) 30 दिन

(c) 40 दिन (d) 50 दिन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(b)

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77 के अनुसार, भारत में निर्वाचन परिणाम की घोषणा के 30 दिन के अंदर उम्मीदवार को स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपना निर्वाचन व्यय संबंधित अधिकारी को सौंप देना चाहिए।

12. भारत में एक राजनीतिक दल को मान्यता प्रदान की जाती है, इसके द्वारा-

(a) चुनाव आयोग (b) उच्चतम न्यायालय

(c) संसद (d) राष्ट्रपति

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

भारत में राजनीतिक दलों को मान्यता चुनाव आयोग द्वारा प्रदान की जाती है। भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए संविधान के अनु. 324 में निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया है जिसमें एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्त होंगे जिनकी संख्या समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जा सकती है।

चुनाव आयोग के कार्य

- संसद, राज्य विधायिका, राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के चुनावों एवं उपचुनावों को सम्पन्न कराना एवं निरीक्षण करना।
- मतदाता सूची तैयार करना, पुनरीक्षण करना तथा नवीकरण करना।
- चुनाव क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण करना।
- राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों तथा मतदाताओं के लिए दिशा निर्देश तैयार करना।
- चुनाव में खर्च किये जाने वाले धन की बीमा तय करना।
- राजनीतिक दलों को मान्यता देना तथा चुनाव चिन्हों का निर्धारण करना।
- निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए ''स्वतंत्र चिह्नों'' की सूची तैयार करना।

13. राज्य निर्वाचन आयुक्त अपदस्थ किया जा सकता है-

(a) राज्य के राज्यपाल के द्वारा
(b) राज्य विधान सभा के द्वारा
(c) मुख्यमंत्री द्वारा जारी आदेश के द्वारा
(d) उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को अपदस्थ करने की प्रक्रिया के समान प्रक्रिया के द्वारा।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(d)

संविधान के 73वें संशोधन द्वारा अन्तःस्थापित अनुच्छेद 243-ट (2) के अनुसार राज्य निर्वाचन आयुक्त को उसके पद से उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है, अन्यथा नहीं, और राज्य निर्वाचन आयुक्त की सेवा की शर्तों में उसकी नियुक्ति के पश्चात उसके लिए अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनुच्छेद 243-ट (1) के अनुसार पंचायतों के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन, अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण एक राज्य निर्वाचन आयोग में निहित होगा जिसमें राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया गया एक राज्य निर्वाचन आयुक्त होगा।
- भारत निर्वाचन आयोग का राज्य स्तरीय प्रतिनिधि मुख्य निर्वाचन अधिकारी होता है।

14. राष्ट्रीय पार्टी की श्रेणी प्राप्त करने के लिए किसी भारतीय राजनीतिक पार्टी को कम-से-कम कितने राज्यों से मतों के आधार पर मान्यता प्राप्त करना आवश्यक है-

(a) तीन (b) चार
(c) पांच (d) छः

T.G.T. परीक्षा, 2009
T.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

किसी राजनीतिक पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में निर्वाचन आयोग द्वारा तभी स्वीकृति प्रदान की जाती है, जबकि निम्नलिखित तीन शर्तों में से कोई एक पूरी होती हो-

(I) उस राजनीतिक पार्टी द्वारा खड़े किए गए प्रत्याशियों को किन्हीं चार या अधिक राज्यों में गत लोक सभा चुनावों या उन राज्यों के विधान सभा चुनावों में पड़े कुल वैध मतों का कम से कम 6 प्रतिशत मत और साथ ही कम से कम चार लोक सभा सीटें प्राप्त हों।
(II) उस पार्टी को लोक सभा की कुल सदस्य संख्या की कम से कम 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त हों तथा ये सदस्य कम से कम 3 राज्यों से चुने गए हों।
(III) वह पार्टी कम से कम 4 राज्यों में राज्य स्तरीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

15. भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त को संविधान में दी गई एक विशेष प्रक्रिया का पालन किए बगैर हटाया नहीं जा सकता। यह प्रक्रिया वही है, जो इनको हटाने के लिए अपनाई जाती है-

(a) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश (b) राष्ट्रपति
(c) उपराष्ट्रपति (d) सं.लो.से.आ.के अध्यक्ष

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों के अधिकार, वेतन, भत्ते आदि समान हैं और उन्हें वही वेतन मिलता है जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को प्राप्त होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद पर 6 वर्ष तक या अधिकतम 65 वर्ष तक बने रहते हैं (जो भी पहले आए) तथा उन्हें उसी रीति से हटाया जा सकता है जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए वर्णित है। ज्ञातव्य है कि चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष आयु (जो पहले आए) होता है।

16. निम्न में से किस चुनाव में चुनाव आयोग की कोई भूमिका नहीं है?

(a) राष्ट्रपति (b) उपराष्ट्रपति
(c) राज्य सभा के सदस्य (d) लोक सभा का अध्यक्ष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

भारत निर्वाचन आयोग एक स्थायी संवैधानिक निकाय है। निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गई थी। भारत के संविधान ने संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल तथा भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के निर्वाचनों के संचालन की पूरी प्रक्रिया का अधीक्षण निदेशन तथा नियंत्रण का उत्तरदायित्व भारत निर्वाचन आयोग को सौंपा है।

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण एवं पंचायती राज

1. निम्नलिखित में से किस एक कार्य को पंचायत समिति सम्पादित करती है?

(a) निरीक्षणात्मक कार्य (b) सामुदायिक विकास कार्य

(c) प्रदत्त कार्य (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत, पंचायत समिति मध्यवर्ती पंचायत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है यह ग्राम पंचायत एवं जिला परिषद के बीच कड़ी का कार्य करता है। पंचायत समिति निरीक्षणात्मक कार्य (Supervi Sory Functions). सामुदायिक विकास कार्य (Community Development functions) एवं प्रदत्त कार्य (Delegated functions) तीनों प्रकार के कार्य करती है।

2. भारत में पहला नगर निगम कहां स्थापित किया गया?

(a) कलकत्ता (b) मद्रास

(c) बंबई (d) दिल्ली

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

मद्रास नगर निगम भारत का सबसे पुराना नगर निगम है। जिसकी स्थापना 1688 ई. में की गई थी।

3. भारत में स्थानीय शासन के विषय में सही क्रम पहचानिए :

(A) मुकामी बोर्ड

(B) 73वां संविधान संशोधन

(C) थुंगन समिति की सिफारिश

(D) सामुदायिक विकास कार्यक्रम

(a) A, B, C, D (b) A, C, B, D

(c) A, D, C, B (d) A, C, D, B

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

भारत में स्थानीय शासन का सही क्रम है-

मुकामी बोर्ड, सामुदायिक विकास कार्यक्रम (1952) – थुंगन समिति की सिफारिश (1988) – 73वां संविधान संशोधन (1992)।

4. 74वें संशोधन अधिनियम के अनुसार छोटे नगरीय क्षेत्र के लिए नगरपालिका का गठन होगा, जिसकी आबादी हो-

(a) 25,000 तथा 2 लाख के बीच

(b) 20,000 तथा 3 लाख के बीच

(c) 30,000 तथा 4 लाख के बीच

(d) 50,000 तथा 5 लाख के बीच

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

संविधान के 74वें संशोधन 1992 के अनुसार सभी राज्यों ने अपने नगरपालिका अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए हैं इस प्रकार नगरपालिका को वर्तमान में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। नए अधिनियम के अनुसार नगरी क्षेत्र की इकाइयों के गठन का आधार (1) नगर पंचायत/नगरपालिका समिति-10 से 20 हजार तक जनसंख्या (2) नगरपालिका परिषद 20 हजार से 3 लाख तक जनसंख्या (3) नगर निगम 3 लाख से ऊपर की जनसंख्या में।

5. नगर निगम की स्थापना की जाती है-

(a) राज्यपाल द्वारा

(b) राज्य विधानमंडल के अधिनियम द्वारा

(c) संसद द्वारा

(d) मुख्यमंत्री द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

नगर निगम नगरीय शासन की उच्चतम इकाई है। दिल्ली को छोड़कर सभी नगर निगम राज्य विधायिका द्वारा पारित एक विशेष अधिनियम के अंतर्गत स्थापित किए गए है जबकि दिल्ली नगर निगम की स्थापना का अधिकार संसद के अधीन है।

6. निम्न में से कौन-सा विचार जे.पी. ने विनोबा भावे से लिया?

(a) भू-दान (b) ग्राम-दान

(c) जीवन-दान (d) दोनों (a) और (b)

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

भूदान आंदोलन आचार्य विनोबा भावे द्वारा आंध्र प्रदेश के तेलंगाना क्षेत्र के पोचमपल्ली ग्राम से शुरू किया गया। जय प्रकाश नारायण भी इस आंदोलन के प्रचार-प्रसार से जुड़े रहे तथा भू-दान एवं ग्राम-दान का विचार उन्होंने विनोबा भावे से ही प्राप्त किया।

7. भारत में स्थानीय स्वशासन के जनक के रूप में कौन जाना जाता है?

(a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड रिपन

(c) लॉर्ड डलहौजी (d) लॉर्ड बेन्टिंक

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

लार्ड रिपन के कार्यकाल में प्रस्तुत स्थानीय स्वशासन प्रस्ताव 1882 ई. से भारत में आधुनिक स्थानीय स्वशासन का प्रारंभ माना जाता है। लार्ड रिपन को स्थानीय स्वशासन का पिता कहा जाता है। इन्होंने प्रांतीय सरकारों को आज्ञा दी कि वे प्रांतीय तथा स्थानीय नागरिक वित्तीय साधनों का एक सर्वेक्षण करें, जिससे यह निश्चय किया जा सके कि किन-किन मदों का आम व्यय स्थानीय प्रशासन के सुपुर्द किया जा सकता है।

8. स्थानीय प्रशासन को प्राप्त शक्तियाँ हैं-

(a) मौलिक शक्तियाँ

(b) संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ

(c) राज्यों द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

भारतीय संविधान के अनुसार स्थानीय शासन के लिए उपबंध अनुच्छेद 40 एवं भाग 9 तथा भाग-9 क में किए गए है। एक नई अनुसूची (बारहवीं अनुसूची) जोड़कर नगर प्रशासन के विषय में विस्तृत प्रावधान किया गया है।

9. भारत में सबसे पहले पंचायती राज व्यवस्था किस राज्य में लागू की गई?

(a) राजस्थान (b) पंजाब

(c) उत्तर प्रदेश (d) बिहार

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009, 2015

T.G.T. परीक्षा, 1999

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राजव्यवस्था की स्थापना की सिफारिश बलवंत राय मेहता समिति (1957) ने की थी। समिति की सिफारिशों के आधार पर ही राजस्थान की विधान सभा ने 2 सितंबर, 1959 को पंचायती राज अधिनियम पारित किया। इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप पं. जवाहरलाल नेहरू ने 2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज का उद्घाटन किया। आंध्र प्रदेश पंचायती राज प्रणाली लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य है।

10. बलवन्त राय मेहता समिति निम्न में किससे संबंधित है?

(a) मौलिक अधिकार (b) नीति निर्देशक तत्व

(c) भ्रष्टाचार (d) पंचायती राज

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. भारत में पंचायती राज का प्रारंभ किस वर्ष में हुआ?

(a) 1952 (b) 1957

(c) 1959 (d) 1960

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सर्वप्रथम उद्घाटन 1959 में किया गया था-

(a) मध्य प्रदेश में (b) कर्नाटक में

(c) राजस्थान में (d) पश्चिम बंगाल में

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

13. निम्नलिखित में से किसके द्वारा पंचायती राज की अनुशंसा की गई?

(a) भारत सरकार अधिनियम, 1935

(b) क्रिप्स मिशन, 1942

(c) भारत का स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

(d) बलवंत राय मेहता समिति रिपोर्ट, 1957

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. पंचायती राज व्यवस्था का उद्घाटन राजस्थान में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा किस वर्ष में किया गया था?

(a) 1952 (b) 1956

(c) 1962 (d) 1959

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. बलवंत राय मेहता समिति ने प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण स्कीम कब प्रस्तुत की?

(a) 1955 (b) 1956

(c) 1957 (d) 1959

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II से कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (समिति)	सूची-II (स्थापित वर्ष)
A. बलवंत राय मेहता	**1. 1985**
B. अशोक मेहता	**2. 1956**
C. जी.वी.के. राव	**3. 1977**
D. डॉ. एल.एम. सिंघवी	**4. 1986**

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	3	1	2	4
(d)	4	2	3	1

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

सही सुमेलन निम्नवत है-

समिति		स्थापना वर्ष
बलवंत राय मेहता समिति	–	1956
अशोक मेहता समिति	–	1977
जी.वी.के. राव समिति	–	1985
डॉ. एल.एम. सिंघवी समिति	–	1986

17. पंचायती राज से संबंधित निम्नलिखित समितियों पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

1. अशोक मेहता समिति

2. बलवंत राय मेहता समिति

3. एल.एम. सिंघवी समिति

4. थुंगन समिति

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए।

कूट :

(a) 1 2 3 4

(b) 2 1 3 4

(c) 3 2 1 4

(d) 4 3 2 1

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. पंचायती राज से संबंधित निम्नलिखित समितियों का क्रम बतलाइए :

1. राव समिति

2. एल.एम. सिंघवी समिति

3. बी.आर. मेहता समिति

4. अशोक मेहता समिति

कूट :

(a) 2, 3, 1 और 4 (b) 1, 3, 4 और 2

(c) 3, 4, 1 और 2 (d) 4, 3, 2 और 1

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. निम्नलिखित में से कौन-सी समिति भारत में पंचायती राज से संबंधित नहीं है?

(a) सादिक अली समिति

(b) एल.एम. सिंघवी समिति

(c) पी.के. थुगन समिति

(d) दिनेश गोस्वामी समिति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

दिनेश गोस्वामी समिति पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित नहीं है। यह समिति चुनाव सुधारों से संबंधित है, जबकि एल.एम. सिंघवी समिति, सादिक अली समिति और पी.के. थुगन समिति पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सी समिति भारत में पंचायती राज से संबंधित नहीं है?

(a) वोहरा समिति (b) सादिक अली समिति

(c) एल.एम. सिंघवी समिति (d) पी.के. थुगन समिति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

वोहरा समिति, जिसने राजनीतिज्ञों व अपराधियों के गठबंधन की जांच की व रिपोर्ट से संबंधित है जबकि शेष तीनों विकल्प पंचायती राज से संबंधित है।

21. 'लोकतांत्रिक-विकेंद्रीकरण' से तात्पर्य है-

(a) पंचायत राज की स्थापना

(b) राज्यों के पक्ष में अधिक आर्थिक विकेंद्रीकरण

(c) नौकरशाही संरचना में शक्ति का विकेंद्रीकरण

(d) सरकार के तीनों अंगों में शक्तियों का बंटवारा

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

वर्ष 1952 में प्रारंभ 'सामुदायिक विकास कार्यक्रम' (CDP) और वर्ष 1953 में प्रारंभ 'राष्ट्रीय विस्तार योजना' (NES) के पुनर्गठन के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा बलवंत राय मेहता समिति का गठन वर्ष 1956 में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। इस समिति ने ग्रामीण क्षेत्रों में त्रि-स्तरीय पंचायत प्रणाली की अनुशंसा की थी तथा पंचायती राज संस्थाओं को 'लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण' नाम दिया था।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- पंचायतों में सुधार के लिए गठित अन्य समितियां हैं-

अशोक मेहता समिति	- 1977
जी.वी. के. राव समिति	- 1985
डॉ. एल. एम. सिंघवी समिति	- 1986

- भारत में पंचायती राज की स्थापना ग्रामीण जनता के सर्वांगीण विकास के लिए की गई है। यह शक्तियों के विकेंद्रीकरण, लोगों की भागीदारी एवं सामुदायिक विकास इन तीनों का प्रतिनिधित्व करता है।

22. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण इंगित करता है-

(a) ग्रामीण योजना की शुरुआत (b) पंचायती राज की व्यवस्था

(c) शक्ति का वितरण (d) इनमें से कोई भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2004

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. पंचायती राज जिस सिद्धांत पर आधारित है, वह है

(a) विकेंद्रीकरण (b) असंकेन्द्रीकरण

(c) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण (d) लोकतांत्रिक केन्द्रीयतावाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा भारत में 'पंचायती राज व्यवस्था' को लागू किया गया है?

(a) 72वां (b) 73वां

(c) 74वां (d) 75वां

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

73 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा संविधान में भाग 9 जोड़ा गया है। इस भाग में 16 नए अनुच्छेद और एक नई अनुसूची-ग्यारहवीं अनुसूची जोड़ी गई है। इस भाग में ग्रामों में पंचायतों के गठन, उनके निर्वाचन, शक्तियों और उत्तरदायित्व के लिए पर्याप्त उपबंध किए गए हैं। इस प्रकार इस महत्वपूर्ण संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई है।

25. भारतीय संविधान के किस संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया है?

(a) 71 वां (b) 72 वां

(c) 73 वां (d) 74 वां

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

26. भारतीय संविधान के किस भाग में पंचायतों का वर्णन है?

(a) भाग VIII (b) भाग IX

(c) भाग X (d) भाग XI

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

हमारे संविधान के भाग 9 में तीन सोपानों में पंचायतें बनाने की परिकल्पना की गई है। भाग 9 के अनुच्छेद 243 (ख) के अनुसार, प्रत्येक राज्य में ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर पर पंचायतों के गठन का प्रावधान है।

27. किस अनुच्छेद के अंतर्गत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है?

(a) 243 (b) 12

(c) 356 (d) 360

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

संविधान के भाग 9 के अंतर्गत अनुच्छेद 243 से 243 ण के तहत पंचायत से संबंधित प्रावधान उल्लिखित है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा संविधान के भाग 9 के तहत पंचायतों को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है।

28. पंचायत व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है—

(a) उच्च न्यायालय (b) संघीय सरकार

(c) सर्वोच्च न्यायालय (d) ग्राम सभा

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

73वां संविधान संशोधन अधिनियम पंचायती राज के 'ग्राम सभा' का प्रावधान करता है। पंचायत व्यवस्था का यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। ग्राम सभा में गांव स्तर पर गठित पंचायत क्षेत्र में निर्वाचक सूची में पंजीकृत व्यक्ति होते हैं। अतः यह पंचायत क्षेत्र में पंजीकृत मतदाताओं की एक ग्राम स्तरीय सभा है।

29. पंचायत के चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है?

(a) केंद्र सरकार द्वारा (b) राज्य सरकार द्वारा

(c) चुनाव आयोग द्वारा (d) जिला न्यायाधीश द्वारा

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(b)

पंचायतों को संविधान की 7वीं अनुसूची में राज्य सूची की प्रविष्टि 5 का विषय माना गया है। इस प्रकार पंचायत राज्य सरकार का विषय है। इसके गठन तथा चुनाव कराने का अधिकार राज्यों को ही है।

30. पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव एवं मतदाता सूचियों की तैयारी करवाने का कार्य करता है।

(a) राज्य चुनाव आयोग (b) केंद्रीय चुनाव आयोग

(c) जिला परिषद (d) पंचायत समिति

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

अनुच्छेद 243(ट) के अंतर्गत पंचायतों के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण निर्देशन और नियंत्रण एक राज्य निर्वाचन आयोग में निहित होगा। जिसमें एक राज्य निर्वाचन आयुक्त होगा, जो राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

31. भारतीय संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची का संबंध है-

(a) दल-बदल संबंधी प्रावधान से

(b) भारतीय भाषाओं से

(c) पंचायती राज से

(d) संघ-सूची, राज्य-सूची एवं समवर्ती सूची से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची का संबंध पंचायती राज से है। ग्यारहवीं अनुसूची में कुल 29 विषयों का उल्लेख किया गया है। जिन पर पंचायतों को विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है। पंचायती राज, राज्य सूची का विषय है।

32. भारतीय संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में उल्लेखित ग्रामीण स्थानीय निकायों के निर्दिष्ट विषयों की संख्या हैं-

(a) 15 (b) 29

(c) 19 (d) 20

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. भारतीय संविधान का XIth परिशिष्ट संबंधित है-

(a) पंचायत से

(b) अनुसूचित जनजातियों से

(c) भारत के राज्यों के नाम से

(d) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. नीचे से योजना बनाना हिस्सा है-

(a) दबाव समूह के स्तर पर उपभोक्ताओं की पसंद का

(b) तृणमूल लोकतंत्र का

(c) उच्च स्तर पर उपभोक्ताओं की पसंद का

(d) इनमें से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(b)

'तृण मूल लोकतंत्र' (Grass Root Democracy) अर्थात 'जमीनी स्तर पर लोकतंत्र' का संबंध लोकतंत्र के विकेंद्रीकरण से है। इस लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को ही 'पंचायती राज' कहा जाता है। इसका उद्देश्य जनभागीदारी को बढ़ाकर विकास को निचले स्तर तक ले जाना।

35. स्थानीय स्वशासन किस शासन व्यवस्था का आधार है?

(a) लोकतंत्र (b) राजतंत्र

(c) अधिनायकतंत्र (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

स्थानीय स्वशासन, लोकतंत्र का आधार है। लोकतंत्रात्मक सरकार का समूचा प्राधिकार जनता में निहित होता है और ये जनता के लिए तथा जनता द्वारा स्थापित की जाती है। इसमें जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि अपने प्रशासकीय कार्यों के लिए जनता के प्रति ही उत्तरदायी होते हैं। पंचायती राजव्यवस्था का त्रि-स्तरीय स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र का आधार है।

36. नगर-निगम का औपचारिक प्रमुख होता है-

(a) नामित सभापति (b) नामित आयुक्त

(c) चुना हुआ मेयर (d) चुना हुआ आयुक्त

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

नगर निगम का औपचारिक प्रमुख चुना हुआ मेयर होता है। नगर का मेयर, 'नगर का प्रथम नागरिक' होता है। वह नगर निगम का पदेन सदस्य होता है तथा कार्यकारिणी समिति का पदेन सभापति भी होता है, परंतु वह कार्यपालिका मशीनरी पर पूर्ण नियंत्रण नहीं करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- नगरपालिका एक प्रशासनिक इकाई होती है, जिसमें स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र होता है और इसकी जनसंख्या भी अंकित होती है।
- एक नगर निगम (नगरपालिका) में प्रायः एक महापौर प्रशासनिक अधिकारी होता है व इसके ऊपर नगर परिषद या नगरपालिका परिषद का नियंत्रण होता है।
- प्रायः नगरपालिका अध्यक्ष ही प्रशासनिक अध्यक्ष होता है।
- एक नगरपालिका 20,000 या उससे अधिक लोगों को मिलाकर बनती है लेकिन अगर यह 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाली हो जाती है तो यह निगम बन जाता है।

37. निम्नलिखित में से किस पर कर लगाने के लिए नगर-निगम को अधिकार नहीं होता?

(a) संपत्ति (b) वाहन

(c) बिक्री (d) मनोरंजन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

नगर निगम की आय के स्रोत हैं- जल कर, गृह कर, बाजार कर, मनोरंजन कर, वाहन कर तथा राज्य सरकार द्वारा अनुदान। बिक्री कर राज्य सूची का विषय है। बिक्री कर राज्य द्वारा लगाया तथा वसूला जाता है।

38. निम्नलिखित में से कौन निकाय निगम की शक्ति को व्यवहार में लाने में समर्थ नहीं है?

(a) आम परिषद (b) विकास अधिकारी

(c) नगरपालिका आयुक्त (d) स्थायी समिति

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

विकास अधिकारी निगम की शक्ति को व्यवहार में लाने में समर्थ नहीं है। आम परिषद, नगरपालिका आयुक्त तथा स्थायी समिति निगम की शक्ति को व्यवहार में लाने में समर्थ हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा नगरों में नगरपालिकाओं के गठन, संरचना, निर्वाचन, सदस्यों की अर्हताएं एवं निरर्हताएं, नगर पंचायतों की शक्तियों, प्राधिकार और उत्तरदायित्व संबंधी उपबंध किए गए।
- इस संशोधन द्वारा जोड़ी गई 12वीं अनुसूची में 18 विषयों का उल्लेख है जिन पर नगरपालिकाओं को विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है।
- इस संशोधन द्वारा नगरों में भी लोकतांत्रिक प्रणाली को सफल बनाने का प्रयास किया गया है।

39. निम्नलिखित में से कौन पंचायती राज की स्थानीय स्व सरकार की तीन स्तरीय संरचना का एक संघटक नहीं है?

(a) ग्राम (b) प्रखंड

(c) जिला (d) क्षेत्र

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

पंचायती राज की त्रि-स्तरीय प्रणाली में ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत समिति तथा जिला परिषद आते हैं जबकि प्रखंड इसमें सम्मिलित नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 243–क यह उपबंधित करता है कि ग्राम सभा गांव स्तर पर ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेंगी और ऐसे कार्यों को करेंगी जो राज्य विधान मंडल विधि बनाकर उपबंध करे।
- अनु. 243–ख उपबंधित करता है कि प्रत्येक राज्य में ग्राम स्तर, मध्यवर्ती स्तर और जिला स्तर पर पंचायतों का गठन किया जाएगा।
- अनु. 243 (ग) (1) के अधीन राज्य विधान मंडल को विधि द्वारा पंचायतों की संरचना के लिए उपबंध करने की शक्ति प्रदान की गई है।
- अनु. 243–घ पंचायतों में आरक्षण, अनु. 243–ङ पंचायतों की अवधि, अनु. 243–च पंचायत सदस्यों हेतु निरर्हताएं, अनु. 243–छ पंचायतों की शक्तियां, प्राधिकार तथा उत्तरदायित्व संबंधी उपबंध करता है।

40. निर्वाचन के बाद, सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा सकता है-

(a) 3 माह के बाद (b) 6 माह बाद

(c) 1 वर्ष बाद (d) 2 वर्ष बाद

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

निर्वाचन के बाद, सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव 2 वर्ष बाद ही प्रस्तुत किया जा सकता है। सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए ग्राम पंचायत के कुल मतदाताओं का न्यूनतम पांचवां भाग अर्थात 20% मतदाताओं के हस्ताक्षर से युक्त एक आवेदन पत्र जिला पंचायत राज अधिकारी को दिया जाता है। जिला पंचायत राज अधिकारी 15 दिन के भीतर ग्राम सभा की एक विशेष बैठक का आयोजन करते हैं जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत राज अधिकारी स्वयं करते हैं। इस बैठक में दो तिहाई बहुमत से अविश्वास प्रस्ताव पारित करके सरपंच को हटाया जा सकता है परंतु अविश्वास प्रस्ताव पारित न होने की दशा में पुनः इस दिन से अगले एक वर्ष की अवधि तक सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है। सरपंच के कार्यकाल के अंतिम छः माह की अवधि में भी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता है।

41. सामान्यतः ग्राम पंचायत उत्तरदायी नहीं है इसके लिए-

(a) ग्राम की सड़कों और तालाबों का निर्माण
(b) स्वच्छता, प्रसूति और बाल कल्याण
(c) कृषकों को वित्त देना
(d) कृषि उत्पादन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

संविधान का अनु. 243 (छ) पंचायतों की शक्तियों, प्राधिकार तथा उत्तरदायित्व संबंधी प्रावधान करता है। 11वीं अनुसूची में ग्राम की सड़कों और तालाबों का निर्माण, स्वच्छता, प्रसूति और बाल कल्याण, कृषि उत्पादन आदि हेतु ग्राम पंचायतों को उत्तरदायी बनाया गया है जबकि कृषकों को वित्त देना इस अनुसूची में वर्णित नहीं है।

42. ग्राम पंचायत अपने सभी कार्यों के लिए-

(a) सरपंच के प्रति उत्तरदायी है।
(b) ग्राम सभा के प्रति उत्तरदायी है।
(c) क्षेत्र समिति के प्रति उत्तरदायी है।
(d) जिलाधिकारी के प्रति उत्तरदायी है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

ग्राम पंचायत अपने सभी कार्यों के लिए ग्राम सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा ग्राम सभा को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। किसी ग्राम की निर्वाचक नामावली में दर्ज नामों वाले व्यक्तियों को सामूहिक रूप से ग्राम सभा कहा जाता है। ग्राम पंचायत ग्राम सभा की कार्यकारी संस्था है तथा ग्राम सभा, ग्राम पंचायत के कार्य का निरीक्षण तथा मूल्यांकन करती हैं।

43. पंचायत राज सम्मिलित है-

(a) संघीय सूची में (b) राज्य सूची में
(c) समवर्ती सूची में (d) अवशिष्ट सूची में

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

पंचायतों को संविधान की 7वीं अनुसूची में राज्य सूची की प्रविष्टि 5 का विषय माना गया है। इस प्रकार पंचायत, राज्य सरकार का विषय है। इसके गठन तथा चुनाव कराने का अधिकार राज्यों को ही है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भाग 9, संविधान के 73वें और भाग 9–क, संविधान के 74वें संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा संविधान में जोड़े गए हैं।
- 73वें संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को और 74वें संशोधन द्वारा नगरपालिकाओं में लोकतांत्रिक प्रणाली की स्थापना को सांविधानिक मान्यता प्रदान की गई है।
- भाग 9 द्वारा संविधान में 16 अनुच्छेद और एक अनुसूची (11वीं) जोड़ी गई।
- भाग 9–क द्वारा 18 अनुच्छेद और एक अनुसूची (12वीं) जोड़ी गई।

44. निम्नलिखित में से किस अध्ययन समिति द्वारा 'पंचायती राज' संवैधानिक दर्जा देने की सिफारिश की गई?

(a) बलवंत राय मेहता समिति (b) अशोक मेहता समिति
(c) सरकारिया आयोग (d) एम.एल. सिंघवी समिति

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(d)

पंचायती राज को संवैधानिक स्थिति प्रदान करने की संस्तुति 'एल.एम. सिंघवी समिति' (1986) द्वारा की गई थी। साथ ही सिंघवी समिति ने पंचायत चुनावों को गैर-दलीय आधार पर कराने की भी अनुशंसा की थी।

45. भारत में पंचायती राज व्यवस्था को द्विस्तरीय बनाने का सुझाव था-

(a) के. संथानम समिति का
(b) बलवंत राय मेहता समिति का
(c) अशोक मेहता समिति का
(d) संविधान प्रारूप समिति का

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(c)

वर्ष 1977 में गठित अशोक मेहता समिति ने अगस्त, 1978 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिसमें पंचायती राज के लिए त्रि-स्तरीय प्रतिमान के स्थान पर द्वि-स्तरीय प्रतिमान की संस्तुति की गई थी। इसमें जनपद स्तर पर जिला परिषद तथा 15000 से 20000 जनसंख्या (गांवों के समूह) पर मंडल पंचायत के गठन का सुझाव था।

46. मुख्य लेखा अधिकारी इनमें से किसके आय-व्यय की जांच नहीं करते?

(a) राज्य सरकार की (b) केंद्रीय सरकार की

(c) नगर निगम की (d) सरकारी उद्योग की

T.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर-(c)

अनुच्छेद 149 के अनुसार, मुख्य लेखा अधिकारी (नियंत्रक महालेखा परीक्षक) के दो प्रमुख कर्त्तव्य हैं- (1) एकाउंटेंट के रूप में वह भारत की संचित निधि से निकाली जाने वाली सभी रकमों पर नियंत्रण रखता है, (2) ऑडीटर के रूप में वह संघ और राज्यों के सभी खर्चों की लेखा-परीक्षा (Audit) करता है। इनमें सरकारी उपक्रमों के आय-व्यय की लेखा-परीक्षा भी सम्मिलित है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधान के अनुच्छेद 148 से 151 तक में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक संबंधी प्रावधान हैं।
- अनु. 148 के अनुसार, भारत का एक नियंत्रक महालेखा परीक्षक होगा जिसको राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा नियुक्त करेगा।
- इसे इसके पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है जिस रीति और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।
- अनु. 151(1) के अनुसार, संघ लेखा संबंधी नियंत्रक महालेखा परीक्षक का प्रतिवेदन राष्ट्रपति के समक्ष रखा जाएगा जो उसे संसद के समक्ष पेश करवाएगा।
- अनु. 151(2) के अनुसार, किसी राज्य के लेखा से संबंधित महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदनों को राज्यपाल के समक्ष रखा जाएगा जो उनको राज्य विधान मंडल के समक्ष रखवाएगा।

47. भारतीय संविधान की बारहवीं अनुसूची में उल्लिखित नगरीय निकायों के निर्दिष्ट विषयों की संख्या है-

(a) 18 (b) 15

(c) 19 (d) 20

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान की बारहवीं अनुसूची- (अनुच्छेद 243 ब) में उल्लिखित नगरीय निकायों के निर्दिष्ट विषयों की संख्या 18 है।

48. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के गठन का प्रावधान है?

(a) अनुच्छेद 39 (b) अनुच्छेद 40

(c) अनुच्छेद 41 (d) अनुच्छेद 42

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

संविधान का अनु. 40 ग्राम पंचायतों के गठन का प्रावधान करता है। इस अनुच्छेद के अनुसार, राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनको ऐसी शक्तियां और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्त शासन की इकाइयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अनु. 39 'राज्य द्वारा अनुसरणीय कुछ नीति तत्व' संबंधी प्रावधान करता है।
- अनु. 41 'कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार' संबंधी प्रावधान करता है।
- अनु. 42 'काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध' करता है।

49. ग्राम पंचायत अपने सभी कार्यों के लिए-

(a) सरपंच के प्रति उत्तरदायी है।

(b) ग्राम सभा के प्रति उत्तरदायी है।

(c) क्षेत्र समिति के प्रति उत्तरदायी है।

(d) जिलाधिकारी के प्रति उत्तरदायी है।

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

ग्राम पंचायत अपने सभी कार्यों के लिए ग्राम सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा ग्राम सभा को संवैधानिक दर्जा दिया गया है। किसी ग्राम की निर्वाचक नामावली में दर्ज नामों वाले व्यक्तियों को सामूहिक रूप से ग्राम सभा कहा जाता है। ग्राम पंचायत ग्राम सभा की कार्यकारी संस्था है तथा ग्राम सभा, ग्राम पंचायत के कार्य का निरीक्षण तथा मूल्यांकन करती हैं।

50. भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात पहला वित्त निगम था-

(a) जीवन बीमा निगम (b) इंडियन एयरलाइंस कॉर्पोरेशन

(c) पुनर्वास वित्त निगम (d) इंडिया इंटरनेशनल

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात स्थापित पहला निगम 'पुनर्वास एवं वित्त निगम' था। इसकी स्थापना वर्ष 1948 में हुई थी। इसके अतिरिक्त विकल्पों में दिए गए जीवन बीमा निगम का स्थापना वर्ष 1956, इंडियन एयर लाइंस कॉर्पोरेशन का स्थापना वर्ष 1953 तथा इंडिया इंटरनेशनल का स्थापना वर्ष 1953 था।

51. सामान्यतः ग्राम पंचायत उत्तरदायी नहीं है इसके लिए-

(a) ग्राम की सड़कों और तालाबों का निर्माण

(b) स्वच्छता, प्रसूति और बाल कल्याण

(c) कृषकों को वित्त देना

(d) कृषि उत्पादन

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

संविधान का अनु. 243 (छ) पंचायतों की शक्तियों, प्राधिकार तथा उत्तरदायित्व संबंधी प्रावधान करता है। 11वीं अनुसूची में ग्राम की सड़कों और तालाबों का निर्माण, स्वच्छता, प्रसूति और बाल कल्याण, कृषि उत्पादन आदि हेतु ग्राम पंचायतों को उत्तरदायी बनाया गया है जबकि कृषकों को वित्त देना इस अनुसूची में वर्णित नहीं है।

52. बलवंत राय मेहता समिति ने प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण स्कीम कब प्रस्तुत की?

(a) 1955 (b) 1956

(c) 1957 (d) 1959

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. सूची-I के समूहों का मिलान सूची-II से कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (समिति)	सूची-II (स्थापित वर्ष)
A. बलवंत राय मेहता	**1. 1985**
B. अशोक मेहता	**2. 1956**
C. जी.वी.के. राव	**3. 1977**
D. डॉ. एल.एम. सिंघवी	**4. 1986**

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	3	1	2	4
(d)	4	2	3	1

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

सही सुमेलन निम्नवत है-

समिति		स्थापना वर्ष
बलवंत राय मेहता समिति	–	1956
अशोक मेहता समिति	–	1977
जी.वी.के. राव समिति	–	1985
डॉ. एल.एम. सिंघवी समिति	–	1986

54. भारत में सबसे पहले पंचायती राज व्यवस्था किस राज्य में लागू की गई?

(a) राजस्थान (b) पंजाब

(c) उत्तर प्रदेश (d) बिहार

T.G.T. परीक्षा, 1999

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

भारत में त्रि-स्तरीय पंचायती राजव्यवस्था की स्थापना की सिफारिश बलवंत राय मेहता समिति (1957) ने की थी। समिति की सिफारिशों के आधार पर ही राजस्थान की विधान सभा ने 2 सितंबर, 1959 को पंचायती राज अधिनियम पारित किया। इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप पं. जवाहरलाल नेहरू ने 2 अक्टूबर, 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज का उद्घाटन किया। आंध्र प्रदेश पंचायती राज प्रणाली लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य है।

55. पंचायत समिति के सदस्यों को-

(a) खण्ड विकास अधिकारी मनोनीत करते हैं

(b) जिला पंचायत के अध्यक्ष मनोनीत करते हैं

(c) जनता प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित करती है

(d) ग्राम पंचायत के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित करते हैं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

त्रिस्तरीय पंचायती राज्य व्यवस्था के अंतर्गत पंचायत समिति मध्यवर्ती पंचायत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ग्राम पंचायत एवं जिला पंचायत के बीच कड़ी का कार्य करता है। लगभग 5000 की आबादी पर निर्धारित प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र से पंचायत समिति के लिए एक प्रतिनिधि पंचायत समिति सदस्य के रूप में मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

56. राज्य सरकार और स्थानीय सरकारों के मध्य राजस्व विभाजन के लिए निम्न में कौन उत्तरदायी है?

(a) मुख्यमंत्री (b) राज्यपाल

(c) राज्य वित्त आयोग (d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

राज्य वित्त आयोग देश के विभिन्न राज्यों में भारत के संविधान में निर्धारित अनुच्छेद 243(I) के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्थापित किए गए हैं। राज्य वित्त आयोग राज्य की विभिन्न पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने के लिए, राज्य की संचित निधि से राज्य के विभिन्न पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों को धन आवंटन, वित्तीय मुद्दों के संबंध में राज्य और केंद्रीय सरकारों के बीच एक मध्यस्थ के रूप में कार्य एवं राज्य सरकार द्वारा कर, फीस, टोल के रूप में दी गई निधि को राज्य के विभिन्न नगर निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं के बीच वितरित करने के लिए किया गया है।

भारतीय राजनीति-जाति एवं संप्रदाय

1. जाति प्रथा का तत्व है-

(a) चेतनाबोध (b) आधुनिकतावाद

(c) राजनीतिकरण (d) संप्रदायवाद

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

जाति प्रथा का मूल तत्व चेतनाबोध है। इसी जातीय चेतनाबोध के कारण कई राज्यों में संख्या के आधिक्य के कारण कुछ जातियां सत्ता पर वर्चस्व स्थापित करने में समर्थ हो जाती हैं।

2. ''जिसे राजनीति में जातिवाद कहा जाता है, वह जातियों के राजनीतिकरण से अधिक और कुछ नहीं है।'' यह कथन किसका है?

(a) लायड रूडाल्फ (b) मोरेस जोंस

(c) एम.एन. श्रीनिवास (d) रजनी कोठारी

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(d)

प्रो. रजनी कोठारी ने अपनी पुस्तक 'कास्ट इन इंडियन पॉलिटिक्स' में भारतीय राजनीति में जाति की भूमिका का विस्तृत विश्लेषण किया है। भारत की जनता जातियों के आधार पर संगठित है। अतः न चाहते हुए भी राजनीति को जाति संस्था का उपयोग करना ही पड़ेगा। अतः जिसे राजनीति में 'जातिवाद' कहा जाता है, वह जातियों के राजनीतिकरण से अधिक और कुछ नहीं है। जाति को अपने दायरे में खींचकर राजनीति उसे अपने काम में लाने का प्रयत्न करती है।

3. 'धर्मनिरपेक्षता' से तात्पर्य है :

(a) धर्म की राजनीति से पृथकता

(b) धार्मिक स्वतंत्रता

(c) राज्य का कोई धर्म न होना

(d) धार्मिक समानता

T.G.T. परीक्षा, 2005, 2009

उत्तर—(c)

'धर्मनिरपेक्षता' से तात्पर्य है- 'राज्य का अपना कोई धर्म नहीं होना'। राज्य न तो किसी धर्म विशेष से संबंधित होता है न उसमें हस्तक्षेप करता है और न किसी धर्म की उन्नति के लिए कोई सहायता ही देता है।

4. 'मंडल आयोग' का संबंध है :

(a) पिछड़ी जाति (b) अनुसूचित जाति

(c) अनुसूचित जनजाति (d) उपरोक्त सभी से

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर—(a)

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की अध्यक्षता में द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन सन 1979 में किया गया। मंडल आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1980 में प्रस्तुत की। आयोग ने जाति को पिछड़ेपन का आधार मानते हुए सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक पिछड़ेपन के 11 मापदंड प्रस्तुत किए। इस आयोग की सिफारिश पर ही 27% आरक्षण का प्रावधान पिछड़े वर्गों के लिए किया गया।

5. 'मंडल आयोग' गठित किया गया था :

(a) सन 1953 ई. में (b) सन 1982 ई. में

(c) सन 1980 ई. में (d) सन 1979 ई. में

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

वर्ष 1979 ई. में मोरारजी देसाई की जनता पार्टी सरकार ने द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन संसद सदस्य बी.पी.मंडल की अध्यक्षता में किया। आयोग ने अपनी रिपोर्ट 1980 में प्रस्तुत की और 3743 जातियों की पहचान की जो सामाजिक एवं शैक्षणिक आधार पर पिछड़ी थीं। ज्ञातव्य है कि 1953 में काका कालेलकर की अध्यक्षता में प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग गठित किया गया। इसने अपनी रिपोर्ट 1955 में प्रस्तुत की।

6. निम्नलिखित में से कौन-से तत्व भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

(i) जाति **(ii) क्षेत्र**

(iii) धर्म **(iv) राष्ट्रीय दृष्टिकोण**

कूट :

(a) i ii एवं iii

(b) i ii iii iv

(c) ii iii एवं iv

(d) i ii एवं iv

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(a)

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में जाति, धर्म, भाषा एवं क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये तत्व भारतीय राजनीतिक व्यवस्था को निर्धारित एवं प्रभावित करते हैं।

7. भारत में क्षेत्रवाद के उदय का प्रमुख कारण है-

(a) पृथकतावाद

(b) अल्पसंख्यकों की स्थिति

(c) पृथक राज्यों की मांग

(d) भाषा के आधार पर राज्यों का गठन व निर्माण

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(d)

भारत में क्षेत्रवाद के उदय का प्रमुख कारण, भाषा के आधार पर राज्यों का गठन व निर्माण है। भाषावार प्रांतों के बनने के बाद भी इन प्रांतों के एक क्षेत्र के लोग दूसरे क्षेत्र के लोगों से काफी भिन्न हैं। इसलिए विभिन्न प्रांतों में क्षेत्रीय भावनाओं की संतुष्टि एवं क्षेत्रीय हितों के लिए आंदोलन होते रहते हैं।

8. क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष होता है :

(a) प्रधानमंत्री (b) राष्ट्रपति

(c) गृह मंत्री (d) वित्त मंत्री

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 द्वारा पांच क्षेत्रीय परिषदें बनाई गई हैं। संघ के गृह मंत्री को सभी क्षेत्रीय परिषदों का अध्यक्ष नाम-निर्दिष्ट किया गया है। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में उस क्षेत्र के राज्यों में से प्रत्येक के मुख्यमंत्री और दो मंत्री तथा संघ राज्यक्षेत्र का प्रशासक होता है।

9. सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व का अर्थ होता है-

(a) धन के आधार पर प्रतिनिधित्व

(b) धार्मिक आधार पर प्रतिनिधित्व

(c) जाति के आधार पर प्रतिनिधित्व

(d) संपत्ति के आधार पर प्रतिनिधित्व

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

धर्म के आधार पर प्रतिनिधित्व प्रदान करना ही 'सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व' कहलाता है। भारत सरकार अधिनियम, 1909 के द्वारा पहली बार ब्रिटिश सरकार ने सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की शुरुआत की थी, परंतु स्वतंत्र भारत के संविधान में धर्म के आधार पर प्रतिनिधित्व को निषेध कर दिया गया है।

10. सुश्री मायावती उत्तर प्रदेश की मुख्य मंत्री पहली बार बनी थीं?

(a) 1994 (b) 1995

(c) 1997 (d) 2007

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर—(b)

सुश्री मायावती उत्तर प्रदेश की पहली बार मुख्यमंत्री 3 जून, 1995 को बनी थीं। अब तक वे चार बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बन चुकी हैं। सुश्री मायावती का मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल इस प्रकार है-

पहली बार-03-06-1995 से 27-10-1995 तक

दूसरी बार-21-03-1997 से 20-08-1997 तक

तीसरी बार-03-05-2002 से 26-08-2002 तक

चौथी बार–13 मई, 2007 से 14 मार्च 2012 तक।

लोकपाल एवं लोकायुक्त

1. 'ओम्बुड्समैन' का प्रस्तावित भारतीय प्रतिरूप है-

(a) तहसीलदार (b) डिप्टी कलेक्टर

(c) कलेक्टर (d) लोकपाल और लोकायुक्त

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

'ओम्बुड्समैन' का भारतीय प्रतिरूप केंद्र में लोकपाल तथा राज्यों में लोकायुक्त है। सर्वप्रथम 'ओम्बुड्समैन' संस्था को स्कैण्डीनेवियन देशों ने स्थापित किया था। 1809 में स्वीडन में 'न्यायिक ओम्बुड्समैन' की नियुक्ति हुई। इसके पश्चात डेनमार्क और फिनलैंड ने इसे अपनाया। भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ नागरिकों की शिकायतों की जांच के लिए लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013 संसद द्वारा बनाया गया है।

2. लोकपाल और लोकायुक्त पदों की स्थापना संसद ने किस वर्ष अधिनियम पारित कर की?

(a) 1958 (b) 1960 (c) 1965 (d) 1969

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(*)

भारत में केंद्र स्तर पर लोकपाल एवं राज्य स्तर पर लोकायुक्त पद के गठन की सर्वप्रथम अनुशंसा वर्ष 1966 में गठित मोरारजी देसाई की अध्यक्षता वाले प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग (बाद में के. हनुमनथैय्या-अध्यक्ष) द्वारा की गई थी। लोकपाल विधेयक को वर्ष 1968 में पहली बार चौथी लोक सभा की अवधि में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में पेश किया गया था। इस सदन से यह विधेयक वर्ष 1969 में पारित भी हो गया लेकिन राज्य सभा में अटका रहा। इसी बीच लोक सभा के भंग हो जाने के चलते यह विधेयक पहली बार में ही समाप्त हो गया। इस प्रकार कोई भी विकल्प सत्य नहीं है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 18 दिसंबर, 2013 को लोक सभा द्वारा केंद्र स्तर पर लोकपाल और राज्यों के स्तर पर लोकायुक्त संस्था की स्थापना संबंधी 'लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक, 2013' पारित कर दिया गया।
- 17 दिसंबर, 2013 को राज्य सभा ने कुछ संशोधनों के साथ इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया था।

➲ इससे पूर्व यह कुल 11 बार (1968, 1971, 1977, 1985, 1989, 1996, 1998, 2001, 2005, 2008 और वर्ष 2011 में) संसद के किसी न किसी सदन में प्रस्तुत किया गया किंतु कभी दोनों सदनों द्वारा पारित नहीं हुआ।

3. लोकपाल विधेयक संसद में प्रथम बार कब प्रस्तुत किया गया?

(a) सन् 1962 में (b) सन् 1968 में
(c) सन् 1971 में (d) सन् 1985 में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. 'लोकपाल विधेयक' अपने देश में पारित हुआ था-

(a) सन् 1986 ई. में (b) सन् 1989 ई. में
(c) सन् 1990 ई. में (d) सन् 1996 ई. में

T.G.T. परीक्षा, 2005
T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(*)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. लोकायुक्त पद की स्थापना सर्वप्रथम सन् 1971 ई. में कहां की गई?

(a) बिहार में (b) महाराष्ट्र में
(c) राजस्थान में (d) तमिलनाडु में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

वर्ष 1970 में लोकायुक्त और लोकायुक्त अधिनियम के माध्यम से लोकायुक्त की संस्था को प्रस्तुत करने वाला उड़ीसा भारत का प्रथम राज्य था जबकि वर्ष 1971 में लोकायुक्त पद की सर्वप्रथम स्थापना करने वाला प्रथम राज्य महाराष्ट्र था।

6. ओम्बुड्समैन की संस्था सर्वप्रथम कहां स्थापित की गई?

(a) ऑस्ट्रेलिया में (b) नॉर्वे में
(c) फिनलैंड (d) स्वीडन में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

लोकपाल या ओम्बुड्समैन उच्च सरकारी पदों पर आसीन व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायतें सुनने एवं उस पर कार्यवाही करने के निमित्त पद है। ओम्बुड्समैन प्रथा स्केण्डोनेवियन देशों द्वारा विकसित पद्धति है। सर्वप्रथम स्वीडन में वर्ष 1809 में संविधान के अंतर्गत इसकी स्थापना की गई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ फिनलैंड में 1918 में, डेनमार्क में 1954 में, नॉर्वे में 1961 में तथा ब्रिटेन में 1967 में ओम्बुड्समैन की स्थापना भ्रष्टाचार समाप्ति हेतु की गई।

➲ इंग्लैंड में इसे 'संसदीय आयुक्त', सोवियत संघ में 'वक्ता' अथवा 'प्रोसिक्यूटर' व डेनमार्क तथा न्यूजीलैंड में भी इसे 'संसदीय आयुक्त' के नाम से जानते हैं।

➲ वर्ष 1967 तक ओम्बुड्समैन (लोकपाल) संस्था 12 देशों में फैल गई थी।

7. ओम्बुड्समैन की अवधारणा का प्रारंभ हुआ-

(a) फिनलैंड में (b) स्वीडन में
(c) नॉर्वे में (d) इंग्लैंड में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. ओम्बुड्समैन की अवधारणा निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

(a) प्रशासनिक अभिकरण (b) लोकपाल, लोक आयुक्त
(c) लोक सेवा आयोग (d) सी.बी.आई.

T.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(b)

ओम्बुड्समैन की अवधारणा 'लोकपाल' व 'लोक आयुक्त' से संबंधित है। ये उच्च सरकारी पदों पर आसीन व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायतें सुनने एवं उस पर कार्यवाही करने के निमित्त पद हैं।

9. न्यायपालिका प्रशासन की निरंकुशता पर कैसे अंकुश लगा सकती है?

(a) सरकार के विरुद्ध अभियोग द्वारा (b) मंत्रिमंडल में परिवर्तन द्वारा
(c) राष्ट्रपति को अपदस्थ कर (d) लोकपाल के माध्यम से

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

न्यायपालिका प्रशासन की निरंकुशता पर लोकपाल के माध्यम से अंकुश लगा सकती है। लोकपाल उच्च सरकारी पदों पर आसीन व्यक्तियों द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार की शिकायतें सुनने एवं उस पर कार्यवाही करने के निमित्त पद है।

10. भारत में महान्यायवादी के पद के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है?

(a) उसे भारत के राज्यक्षेत्र के अंतर्गत सभी न्यायालयों में सुने जाने का अधिकार होगा।
(b) वह अपने कर्त्तव्य का निष्पादन सिर्फ सर्वोच्च न्यायालय में करेगा।
(c) उसका एक निश्चित कार्यकाल होता है।
(d) भारत के राष्ट्रपति उस व्यक्ति को महान्यायवादी नियुक्त करते हैं जिसे उच्च न्यायालय में न्यायाधीश बन सकने के लिए योग्यता प्राप्त है।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

संविधान के अनुच्छेद 76(1) के अनुसार, राष्ट्रपति, उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को भारत का महान्यायवादी नियुक्त करेगा तथा अनुच्छेद 76(3) के अनुसार, महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राज्यक्षेत्र में सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होगा।

विभिन्न देशों के संवैधानिक तथ्य

1. किसके द्वारा लोक निगमों को ''बीसवीं सदी की सबसे बड़ी संवैधानिक मौलिकता'' कहा गया?

(a) ए.एच. हैन्सन (b) डब्ल्यू.ए. रॉबसन

(c) ए.डी. गोरवाला (d) डिमॉक

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

डब्ल्यू.ए.रॉबसन ने लोक निगमों को 'बीसवीं सदी की सबसे बड़ी संवैधानिक मौलिता' कहा है।

2. कौन यह स्वीकार करता है, ''संविधान उन नियमों को कहते हैं जो सर्वोच्च सरकार की रूपरेखा निर्धारित करते हैं''?

(a) पायली (b) लीकॉक

(c) ऑस्टिन (d) सी.एफ. स्ट्रांग

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

सी.एफ. स्ट्रांग यह स्वीकार करते है कि 'संविधान उन नियमों को कहते हैं जो सर्वोच्च सरकार की रूप रेखा निर्धारित करते है।'

अपनी पुस्तक 'लॉ ऑफ दी कांस्टीट्यूसन' में डायसी ने लिखा है कि संविधान प्रभुत्व शक्ति के प्रयोग एवं वितरण की व्यवस्था है।'

स्ट्रांग का कहना है कि संविधान का उद्देश्य सरकार के कार्यों को सीमित करना है।

3. ''लिखित तथा अलिखित संविधानों में भेद मात्रा का है, गुण का नहीं'' यह कथन किस विचारक का है?

(a) अरस्तू (b) गार्नर

(c) जे.एस. मिल (d) लास्की

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर–(b)

'लिखित तथा अलिखित संविधानों में केवल मात्रा का भेद है, प्रभार का नहीं।' - यह कथन गार्नर का है।

लार्ड ब्राइस ने कहा- 'संविधानों का लिखित और अलिखित रूप में वर्गीकरण पूर्णत:संतोषप्रद नहीं है।'

स्ट्रांग के अनुसार 'यह मिथ्य भेद है क्योंकि कोई भी ऐसा संविधान नहीं है जो पूर्ण रूप से लिखित हो।'

गार्नर, ब्राइस, स्ट्रांग, लीकांक, एम. स्टीवर्ट आदि विद्वानों ने लिखति अलिखित संविधान के वर्गीकरण का विरोध किया है।

4. संविधान है-

(a) देश का मूलभूत कानून

(b) एक ऐतिहासिक दस्तावेज

(c) एक सामाजिक-आर्थिक दस्तावेज

(d) इनमें से कोई नहीं

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

संविधान एक ऐसा लेख पत्र या दस्तावेज है जो सरकार की रूपरेखा व प्रमुख कार्यों का वर्णन करता है। इसे देश का सर्वोत्तम एवं मूलभूत विधि (कानून) कहा जा सकता है। संविधान राज्य के समस्त अंगों (विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका) को शक्तियां प्रदान करता है।

5. निम्न में से किस देश में एकात्मक शासन व्यवस्था नहीं है?

(a) फ्रांस (b) जापान

(c) चीन (d) आस्ट्रेलिया

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(d)

संघीय शासन व्यवस्था में सर्वोच्च सत्ता केंद्रीय प्राधिकार और उसकी विभिन्न आनुषंगिक इकाइयों के मध्य बंट जाती है। आमतौर पर संघीय व्यवस्था में दो स्तर पर सरकारें होती हैं। इसमें एक सरकार पूरे देश के लिए होती है जिसके जिम्में राष्ट्रीय महत्व के विषय होते हैं। फिर, राज्य या प्रांतों के स्तर की सरकारें होती हैं जो शासन के दैनंदिन कामकाज को देखती हैं। दोनों स्तर की सरकारें अपने-अपने स्तर पर स्वतंत्र होकर अपना काम करती हैं। जबकि एकात्मक शासन व्यवस्था में शासन का एक ही स्तर होता है बाकी इकाइयां उसके अधीन होकर काम करती हैं।

विश्व के प्रमुख देशों की शासन प्रणाली

देश	-	**शासन प्रणाली**
फ्रांस	-	संसदीय एवं अध्यक्षीय व्यवस्था का मिश्रण (अर्द्ध अध्यक्षीय व्यवस्था)
भारत	-	संसदीय व्यवस्था
अमेरिका	-	अध्यक्षीय शासन प्रणाली
ब्रिटेन	-	संसदीय शासन प्रणाली
कनाडा	-	संघात्मक शासन (संसदीय प्रणाली)
आस्ट्रेलिया	-	संसदीय शासन प्रणाली
चीन	-	समाजवादी गणराज्य।

6. संविधान की अवधारणा सर्वप्रथम कहां उत्पन्न हुई?

(a) भारत (b) चीन

(c) ब्रिटेन (d) अमेरिका

T.G.T. परीक्षा, 1999

उत्तर-(c)

संविधान की अवधारणा सर्वप्रथम ब्रिटेन में उत्पन्न हुई। ब्रिटेन में आज भी संविधान का निर्माण लिखित रूप में नहीं किया गया है। ब्रिटेन का संविधान परंपराओं व रीति-रिवाजों के सम्मिलन से बना है।

7. निम्नलिखित में से कौन विकसित संविधान का उदाहरण है?

(a) स्विट्जरलैंड (b) ब्रिटिश

(c) भारतीय (d) जर्मन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

ब्रिटिश संविधान एक विकसित संविधान है जबकि जर्मनी, स्विट्जरलैंड एवं भारत का संविधान लिखित या निर्मित संविधान है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ब्रिटेन के संविधान के संबंध में प्रमुख उक्तियां निम्नलिखित हैं-
- ब्रिटेन में संविधान जैसी कोई चीज नहीं है- बेजहार्ट।
- ब्रिटिश संसद इतनी शक्तिशाली है कि शिशु को प्रौढ़ करार दे सकती है- डायसी।
- ब्रिटिश प्रधानमंत्री मंत्रिमंडल के निर्माण, अवधि और मरण का केंद्र बिंदु है- लास्की।
- ब्रिटेन की संसद के स्पीकर 'सर टामस हैंगरफोर्ड' विश्व के पहले स्पीकर थे।
- जर्मनी के संविधान को 'वाइमर संविधान' कहा जाता है।

8. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिए :

सूची-I	सूची-II
A. अमेरिका का संविधान	(i) 1215 के मेग्नाकार्टा एवं 1628 के पेटीशन ऑफ राइट्स
B. फ्रांस का संविधान	(ii) दिसंबर, 1982
C. ब्रिटेन का संविधान	(iii) 1789 में लागू
D. चीन का संविधान	(iv) 4 अक्टूबर, 1958

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

सही सुमेलन निम्नवत है-

सूची-I	सूची-II
अमेरिका का संविधान	1789 में लागू
फ्रांस का संविधान	4 अक्टूबर, 1958
ब्रिटेन का संविधान	1215 के मेग्नाकार्टा एवं 1628 के पेटीशन ऑफ राइट्स
चीन का संविधान	दिसंबर, 1982

9. निम्न में से कौन विधि के शासन से घनिष्ठ संबंध रखता है?

(a) सैनिक-विधि (मार्शल लॉ) (b) न्यायिक सर्वोच्चता

(c) संविधानवाद (d) शक्ति-पृथक्करण

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(c)

'विधि का शासन' संविधानवाद (Constitutionalism) की मुख्य विशेषता है। संविधानवाद उन विचारों एवं सिद्धांतों की ओर संकेत करता है जो उस संविधान का विवरण व समर्थन करते हैं जिनके माध्यम से राजनीतिक शक्ति पर प्रभावशाली नियंत्रण स्थापित किया जा सके। यह संविधान पर आधारित विचारधारा है जिसकी मान्यता है कि शासन संविधान में लिखे नियमों व विधियों के अनुरूप संचालित हो।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधानवाद शासन की वह पद्धति है जिसमें शासन जनता की आस्थाओं, मूल्यों व आदर्शों को परिलक्षित करने वाले संविधान के नियमों व सिद्धांतों के आधार पर किया जाए व ऐसे संविधान के माध्यम से ही शासकों को प्रतिबंधित व सीमित रखा जाए जिससे राजनीतिक व्यवस्था की मूल आस्थाएं सुरक्षित रहें।
- पिनॉक एवं स्मिथ के अनुसार, '' संविधानवाद केवल प्रक्रिया या तथ्य (Substance) का नाम ही नहीं है अपितु राजनीतिक सत्ता के सुविस्तृत समूहों, दलों व वर्गों पर प्रभावशाली नियंत्रणों, अमूर्त तथा व्यापक प्रतिनिध्यात्मक मूल्यों, प्रतीकों, अतीतकालीन परंपराओं और भावी महत्वाकांक्षाओं से संबद्ध भी है।
- विलियम जी. ऐन्ड्रूज के अनुसार, ''संविधानवाद सरकार व नागरिक तथा एक सरकारी सत्ता के दूसरी सरकारी सत्ता से संबंधों की ठोस व्यवस्था है।
- विलियम जी. ऐन्ड्रूज के अनुसार, संविधानवाद के प्रमुख चार आधार हैं- (1) समाज के समान उद्देश्यों पर सहमति, (2) विधि के शासन पर सहमति, (3) संस्थाओं के ढांचे एवं प्रक्रियाओं पर सहमति, (4) विशेष नीतिगत मुद्दों पर सहमति।

10. 'संविधानवाद' से क्या तात्पर्य है?

(a) निरंकुश राजतंत्र (b) असीमित सत्ता

(c) कानून का शासन (d) असीमित सरकार

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. संविधानवाद होता है-

(a) कठोर (b) गतिशील

(c) स्थायी (d) अपरिवर्तनशील

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

संविधानवाद एक गत्यात्मक अवधारणा है। इसमें स्थायित्व के साथ-साथ गत्यात्मकता भी पाई जाती है जिससे यह प्रगति में बाधक नहीं बल्कि प्रगति का साधक बना रहता है। चूंकि विकास के लिए स्थायित्व भी अति आवश्यक है, अन्यथा विकास दिशाहीन होगा। इसलिए संविधानवाद की धारणा स्थिरता-युक्त गत्यात्मकता की सूचक है। इसकी गतिशील प्रकृति अति आवश्यक है क्योंकि समय परिवर्तन के साथ मूल्यों में परिवर्तन आता है तथा संस्कृति विकसित होती है जिससे संविधानवाद गत्यात्मकता प्राप्त करता है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- संविधानवाद एक मूल्य संबद्ध अवधारणा है।
- संविधानवाद संस्कृति संबद्ध अवधारणा है।
- संविधानवाद प्रधानतः साध्य मूलक अवधारणा है।
- संविधानवाद सामान्यतः संविधान जन्य अवधारणा है।

12. ब्रिटेन में वित्त मंत्रालय को कहते हैं-

(a) राजकोष विभाग (b) वित्त विभाग

(c) ब्यूरो ऑफ बजट (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

ब्रिटेन में वित्त मंत्रालय को 'राजकोष विभाग' (Her Majesty's Treasury) कहते हैं तथा इस विभाग के प्रमुख (कैबिनेट मंत्री) को 'चांसलर ऑफ द एक्सचेकर' (Chancellor of the Exchequer) कहते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में इस पद पर जॉर्ज ओस्बर्न (12 मई, 2010 से) हैं।

13. निम्नलिखित में से कौन एक देश कठोर संविधान का एक सर्वोत्तम उदाहरण है?

(a) ग्रेट ब्रिटेन (b) कनाडा

(c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) भारत

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

संविधान को नम्यता और अनम्यता की दृष्टि से भी वर्गीकृत किया जाता है। कठोर या अनम्य संविधान उसे माना जाता है जिसमें संशोधन करने के लिए विशेष प्रक्रिया की आवश्यकता हो, उदाहरण के लिए अमेरिकी संविधान। लचीला या नम्य संविधान वह कहलाता है जिसमें संशोधन की प्रक्रिया वही हो जैसी किसी आम कानून के निर्माण की, जैसे ब्रिटेन का संविधान। भारत का संविधान न तो लचीला है और न ही कठोर बल्कि यह दोनों का मिला-जुला रूप है।

14. अमेरिकी संविधान द्वारा किसकी शक्तियां निश्चित कर दी गयी हैं?

(a) संघ की

(b) राज्यों की

(c) (a) तथा (b) दोनों की

(d) किसी की भी नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर—(a)

अमेरिकी संविधान संयुक्त राज्य अमेरिका का सर्वोच्च कानून है। इसकी आधारशिला संघवाद है। अमेरिकी संविधान में संघीय सरकार की शक्तियां निश्चित कर दी गई हैं तथा अन्य शक्तियां राज्यों को प्रदान कर दी गई हैं।

15. कौन-सा विचारक संविधान एवं संविधानवाद में अंतर नहीं मानता?

(a) ब्लैकस्टोन (b) लासवेल

(c) सी.एफ.स्ट्रांग (d) के.सी.व्हीयर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

सी.एफ. स्ट्रांग संविधान एवं संविधानवाद में अंतर नहीं मानते हैं। इनके अनुसार संविधान पर आधारित शासन ही संविधानवाद तथा संविधान में कोई अन्तर नहीं है। इनके विचार का समर्थन कोरी तथा अब्राहम जैसे विद्वान भी करते हैं। सी.एफ. स्ट्रांग के अनुसार ''संविधान उन सिद्धांतों का समूह है जिसके अनुसार राज्य के अधिकारों, नागरिकों के अधिकारों, तथा दोनों के संबंधों में सामंजस्य स्थापित किया जाता है। कोरी एवं अब्राहम के अनुसार ''स्थापित संविधान के निर्देशों के अनुसार शासन को संविधानवाद माना जाता है।''

संविधानवाद की विशेषताएं

- संविधानवाद मूल्य संबद्ध अवधारणा है।
- संविधानवाद संस्कृति संबद्ध अवधारणा है।
- यह गत्यात्मक अवधारणा है।
- यह संविधान पर आधारित अवधारणा है।
- यह मूल अधिकारों पर आधारित शासन है तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता में विश्वास करता है।
- यह विधि सम्मत शासन तथा जनता के प्रति उत्तरदायी या लोकतंत्रीय शासन है।

16. अमेरिकी प्रणाली में निहित शक्तियों का अर्थ है कि-

(a) संघीय सरकार आपात काल लागू कर सकती है

(b) संघीय शक्तियां संसद में निहित हैं

(c) संघीय शक्तियां राष्ट्रपति में निहित हैं

(d) संघीय सरकार को वे शक्तियां भी मिल सकती हैं जो संविधान में स्पष्टतः उल्लिखित नहीं हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

अमेरिकी प्रणाली में निहित शक्तियों का अर्थ है कि संघीय सरकार को वे शक्तियां भी मिल सकती है जो संविधान में स्पष्टतः उल्लिखित नहीं हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ अमेरिकी संविधान में संघ सरकार एवं राज्य सरकार की शक्तियों के प्रकार स्पष्टतः उल्लिखित किए गए हैं। जैसे-

i. **प्रत्यायोजित शक्तियां-** ये वे शक्तियां हैं जो संघ सरकार को प्राप्त हैं।

ii. **आरक्षित शक्तियां-** इसके अंतर्गत वे शक्तियां आती हैं जो राज्य सरकारों को प्राप्त हैं।

iii. **समवर्ती शक्तियां-** ये वे शक्तियां हैं जो राज्य एवं संघ सरकार को समान रूप से प्राप्त हैं।

iv. **निहित/गर्भित शक्तियां-** ये वे शक्तियां हैं जो कांग्रेस द्वारा प्रयोग की जाती है और जो संविधान में प्रत्यक्ष रूप से उल्लिखित नहीं हैं किंतु कांग्रेस को प्राप्त शक्तियों के कार्यान्वयन हेतु अनिवार्य हैं।

v **अस्वीकृत शक्तियां-** ये वे शक्तियां हैं जो न तो संघ सरकार और न ही राज्य सरकार को दी गई हैं।

17. ''राजनीतिक दल न्यूनाधिक संगठित उन नागरिकों का समूह होता है जो राजनैतिक इकाई के रूप में कार्य करता है और जिसका उद्देश्य अपने मतदान बल के प्रयोग द्वारा सरकार पर नियंत्रण करना व अपनी सामान्य नीतियों को क्रियान्वित करना होता है।'' निम्नलिखित में से किस राजनीतिक विचारक ने दल की उपर्युक्त परिभाषा दी?

(a) बर्क (b) गेटेल

(c) लॉर्ड ब्राइस (d) दुवर्जर

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(b)

राजनीतिक दल की उपरोक्त परिभाषा गेटेल द्वारा दी गई है। राजनीतिक दल लोकतंत्र के प्राण है बिना राजनीतिक दल के लोकतंत्र सुचारू रूप से कार्य नहीं कर सकता। प्रो. मनुरो के अनुसार ''लोकतंत्रात्मक शासन दलीय शासन का ही दूसरा नाम है।''

अन्य विद्वानों की परिभाषाएं

➲ **एडमण्ड बर्क-** राजनीतिक दल कुछ लोगों का एक समूह है जो कुछ सिद्धांतों पर सहमत होकर अपने संयुक्त प्रयासों द्वारा जनहित को आगे बढ़ाने के लिए संगठित रहता है।

➲ **न्यूमैन-** ''राजनीतिक दल एक स्वतंत्र समाज में नागरिक के उस व्यवस्थित समुदाय को कहते हैं जो शासन तंत्र को नियंत्रित करना चाहता है और उनके लिए जन सहमति में भाग लेकर कुछ सदस्यों को सरकारी पदों पर भेजने का प्रयास करता है।''

18. फ्रांस में सरकार और राष्ट्रपति के बीच जटिल संबंध हैं। इसका कारण है :

(a) राष्ट्रपति का प्रत्यक्ष चुनाव

(b) शक्तियों का केंद्रीकरण

(c) एक मिली-जुली राष्ट्रपति-संसदीय प्रणाली की सरकार

(d) सरकार को नियंत्रित करने की संसद की लघुकृत शक्तियां

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर–(c)

फ्रांस के संविधान में न तो अध्यक्षात्मक सरकार का प्रावधान है और न ही संसदीय सरकार का। बल्कि इसमें इन दोनों ही तत्वों का मिश्रण है। एक ओर तो इसमें शक्तिशाली राष्ट्रपति का प्रावधान किया गया है जिसका प्रत्यक्ष निर्वाचन सात साल के कार्यकाल के लिए किया जाता है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक मनोनीत मंत्रिपरिषद होती है जिसका उत्तरदायित्व संसद के प्रति होता है, परंतु मंत्री संसद के सदस्य नहीं होते हैं। इस प्रकार फ्रांस में सरकार और राष्ट्रपति के मध्य जटिल संबंध का कारण 'अर्द्ध-अध्यक्षात्मक और अर्द्ध-संसदीय' प्रणाली है।

19. फ्रांसीसी व्यवस्था-

(a) शुद्ध अध्यक्षात्मक और प्रत्यक्ष जनतंत्रात्मक है

(b) शुद्ध अध्यक्षात्मक और प्रभावी संघात्मक है

(c) शुद्ध अध्यक्षात्मक नहीं है और शुद्ध संसदीय भी नहीं है

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. ''हम एक संविधान के अंतर्गत कार्य करते हैं, किंतु संविधान वह है जैसा कि न्यायाधीश बतलाते हैं कि वह यह कहता है।'' यह जिस न्यायपालिका के विषय में है, वह :

(a) भारत में है (b) इंग्लैंड में है

(c) सं.रा.अमेरिका में है (d) चीन में है

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(c)

अमेरिका में न्यायिक सर्वोच्चता के सिद्धांत को अपनाया गया है। न्यायिक पुनरावलोकन की विस्तृत शक्ति इसे प्राप्त है। सर्वोच्च न्यायालय ही वहां संविधान एवं नागरिक अधिकारों का रक्षक है। इसकी व्यापक शक्ति को देखते हुए जस्टिस हूज ने कहा है कि हम (अमेरिकी जनता) एक संविधान के अधीन तो हैं किंतु संविधान वही है जो नयायाधीश कहते है। जस्टिस फ्रैंकफर्टर ने तो यहां तक कह दिया कि ''सर्वोच्च न्यायालय ही संविधान है।''

21. 'लौह आवरण' शब्द को किसने प्रचलित करवाया?

(a) चर्चिल ने फुल्टन भाषण द्वारा

(b) रीगन ने राष्ट्र के नाम संबोधन द्वारा

(c) निक्सन ने रेडियो संदेश द्वारा

(d) जॉर्ज एच. बुश द्वारा राष्ट्रपति चुनाव के समय

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

'लौह आवरण' (शब्द) का प्रयोग चर्चिल ने फुल्टन भाषण 5 मार्च, 1946 में किया था।

22. निम्नलिखित में से शक्ति संतुलन की विशेषता कौन-सी नहीं है?

(a) इतिहासकार शक्ति संतुलन को वस्तुनिष्ठ दृष्टि से देखता है जबकि राजनीतिज्ञ उसे व्यक्तिनिष्ठ दृष्टि से देखता है।

(b) शक्ति-संतुलन की नीति गतिशील होती है।

(c) शक्ति-संतुलन की स्थापना स्वतः हो जाती है।

(d) विश्व के राष्ट्रों के बीच शक्ति-संतुलन सदैव बना रह सकता है।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

'शक्ति संतुलन' अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सबसे पुराने व महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है। शक्ति संतुलन की निम्नलिखित मुख्य विशेषताएं हैं-(1) इतिहासकार शक्ति संतुलन को वास्तुनिष्ठ दृष्टि से देखता है जबकि राजनीतिज्ञ उसे व्यक्तिनिष्ठ दृष्टि से देखता है। (2) इसकी स्थापना हेतु राज्यों/राष्ट्रों को सदैव प्रयत्नशील रहना पड़ता है। (3) शक्ति संतुलन की नीति गतिशील होती है। (4) शक्ति संतुलन मात्र बड़े राष्ट्रों द्वारा किया जाता है। (5) शक्ति संतुलन की स्थापना स्थायी रूप से भी हो सकती है। अतः स्पष्ट है कि प्रश्न का कथन (3) गलत है क्योंकि शक्ति संतुलन की स्थापना की जाती है, यह स्वतः स्थापित नहीं होता है।

23. फ्रांस की राज्य-क्रांति का स्वरूप क्या था?

(a) बुर्जुआ (मध्यवर्ग) (b) सर्वहारा

(c) समाजवादी (d) नव लोकतांत्रिक

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(a)

फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799) फ्रांस के इतिहास में राजनैतिक और सामाजिक उथल-पुथल और आमूल परिवर्तन की अवधि थी। इसके दौरान फ्रांस की सरकारी संरचना, जो पहले कुलीन और कैथोलिक पादरियों के लिए सामंती विशेषाधिकारों के साथ पूर्णतया राजशाही पद्धति पर आधारित थी, में आमूल परिवर्तन हुए और यह नागरिकता और अविच्छेद्य अधिकारों के प्रबोधन सिद्धांतों पर आधारित हो गई। फ्रांस की राज्य-क्रांति का स्वरूप बुर्जुआ (मध्य वर्ग) था।

24. फ्रांसीसी क्रांति का नारा था-

(a) स्वतंत्रता, संप्रभुता, बंधुत्व

(b) समानता, एकता, संप्रभुता

(c) स्वतंत्रता, राष्ट्रीयता, एकता

(d) स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

फ्रांसीसी क्रांति का नारा स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व था। इन शब्दों को फ्रांस का आदर्श वाक्य भी माना जाता है। फ्रांस की क्रांति वर्ष 1789 ई. में हुई थी।

25. नव उपनिवेशवाद के संबंध में क्या सही है?

(a) नव उपनिवेशवाद 'प्रभाव क्षेत्र' का साम्राज्य है एवं यह आधुनिक साम्राज्यवाद है।

(b) नव उपनिवेशवाद में एक शक्तिशाली राष्ट्र से और अपेक्षाकृत एक कम शक्तिशाली राष्ट्र का संबंध एक आर्थिक उपनिवेश अथवा उपग्रह का होता है।

(c) इसमें बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा खनिज संपदा एक उपभोक्ता व्यापार पर नियंत्रण आदि साधनों का प्रयोग किया जाता है।

(d) उपर्युक्त सभी।

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(d)

विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के आंतरिक मामलों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किए जाने वाले हस्तक्षेप को 'नव-उपनिवेशवाद' (Neo Colonialism) कहा जाता है। प्रश्न में दिए गए तीनों कथन नव-उपनिवेशवाद के संबंध में सही हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- किसी एक भौगोलिक क्षेत्र के लोगों द्वारा किसी दूसरे भौगोलिक क्षेत्र में उपनिवेश (कॉलोनी) स्थापित करना और यह मान्यता रखना कि यह एक अच्छा काम है, 'उपनिवेशवाद' (Colonialism) कहलाता है।
- लैटिन भाषा के शब्द 'कोलोनिया' का मतलब है, 'एक ऐसी जायदाद जिसे योजनाबद्ध ढंग से विदेशियों के बीच कायम किया गया हो'।

26. जीवन, स्वतंत्रता एवं सुखानुसरण तथ्य है :

(a) अमेरिकी स्वतंत्रता के घोषणापत्र का
(b) भारत के संविधान की प्रस्तावना का
(c) पूर्व सोवियत संघ के संविधान का
(d) अमेरिका के संविधान के अधिकारपत्र का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(a)

अमेरिकी स्वतंत्रता का घोषणापत्र (Declaration of Independence) एक राजनैतिक दस्तावेज है जिसके आधार पर इंग्लैंड के 13 उत्तर-अमेरिकी उपनिवेशों ने 4 जुलाई, 1776 ई. को स्वयं को इंग्लैंड से स्वतंत्र घोषित कर लिया। इस घोषणापत्र में कहा गया कि ''हम इन सिद्धांतों को स्वयंसिद्ध मानते हैं कि सभी मनुष्य समान पैदा हुए हैं और उन्हें अपने सृष्टा द्वारा कुछ अविच्छिन्न अधिकार मिले हैं। जीवन, स्वतंत्रता और सुख की खोज इन्हीं अधिकारों में है''।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- अमेरिकी निवासियों ने ब्रिटिश शासनसत्ता की दमननीति के विरोध में 1775 ई. में संघर्ष प्रारंभ किया जो जल्द ही स्वतंत्रता संग्राम में परिणत हो गया।
- थॉमस जेफरसन ने यह घोषणापत्र तैयार किया था जो कि प्राकृतिक अधिकारों के दार्शनिक सिद्धांतों पर आधारित था।

27. ब्रिटिश युग में कौन-सा प्रशासनिक सुधार आयोग नहीं बना?

(a) ऐचिसन आयोग (b) ली आयोग
(c) माउंटबेटन आयोग (d) इस्लिंगटन आयोग

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(c)

भारत में प्रशासनिक सुधार के दृष्टिकोण से ब्रिटिश शासन के दौरान ऐचिसन आयोग (1886), ली आयोग (1923) तथा इस्लिंगटन आयोग (1912) बनाए गए जबकि माउंटबेटन योजना वर्ष 1947 में भारत विभाजन से संबंधित है।

28. ''स्व निर्णय का सिद्धांत दुधारी तलवार है'' किसने कहा?

(a) वुड्रो विल्सन (b) लॉर्ड कर्जन
(c) रबींद्र नाथ टैगोर (d) बर्टेण्ड रसेल

P.G.T. परीक्षा, 2001

उत्तर–(b)

'स्व निर्णय का सिद्धांत दुधारी तलवार है।' यह कथन लार्ड कर्जन का है जिसे उन्होंने 1923 के 'लुसाने पीस कांफ्रेंस में स्वनिर्णय के अधिकार की आलोचना करते हुए कहा था।

29. फ्रांस का वर्तमान संविधान किस गंणतंत्र के नाम से जाना जाता है?

(a) तृतीय (b) चतुर्थ
(c) पंचम (d) षष्ठम

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

फ्रांस का वर्तमान संविधान पंचम गंणतंत्र के नाम से जाना जाता है। फ्रांस में राजतंत्र को समाप्त करने के लिए कई महान क्रांतियां हुई जिससे प्रभुसत्ता को जनसाधारण में निहित करने और व्यक्तिगत अधिकारों को व्यापक बनाने तथा साथ ही केंद्रीकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिली। क्रांति के परिणामस्वरूप तृतीय गणतंत्र में संसद को अत्यधिक शक्ति संपन्न करके राष्ट्रपति को निर्बल बना दिया गया, राज्य का विकेंद्रीकरण नहीं हुआ। वर्ष 1946 में चतुर्थ गणतंत्र की स्थापना हुई जिसके द्वारा केंद्र की शक्ति को कम करके स्थानीय संस्थाओं को शक्ति प्रदान की गई। फ्रांस का चौथा गणतंत्र अधिक समय तक नहीं चला और एक जनमत संग्रह के उपरांत 5 अक्टूबर, 1958 को वर्तमान पंचम गणतंत्र का संविधान प्रवर्तित हुआ जो फ्रांस का 15वां संविधान है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- 'मैं ही राज्य हूं।' यह कथन फ्रांस के शासक लुई चौदहवां का था।
- फ्रांस राज्यों का एक संघ है।
- फ्रांस में एकात्मक शासन व्यवस्था है।

30. निम्न में से कौन-सा युग्म गलत है?

(a) फ्रांस - संवैधानिक परिषद
(b) स्विट्जरलैंड - लैंड्सजीमाइंड
(c) चीन - केंद्रीय सैन्य आयोग
(d) अमरीका - एक बार स्पीकर, सदैव स्पीकर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

फ्रांस में संवैधानिक परिषद को सर्वोच्च संवैधानिक अधिकारिता प्राप्त है। स्विट्जरलैंड में लैंड्सजीमाइंड (कैंटोनल असेंबली) प्रत्यक्ष लोकतंत्र का एक प्राचीनतम प्रकार है। केंद्रीय सैन्य आयोग का गठन, 18 जून, 1983 को चीन में किया गया। अमेरिका में स्पीकर का चुनाव बहुमत द्वारा होता है, एक बार स्पीकर, सदैव स्पीकर नहीं होता है।

31. निम्नलिखित में से किसने सर्वोच्च न्यायालय को कांग्रेस का तृतीय सदन' कहा था?

(a) लास्की (b) जेफरसन

(c) जैक्सन (d) लिंकन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(a)

अमेरिका में न्यायिक सर्वोच्चता के सिद्धांत को अपनाया गया है जिससे वहां सर्वोच्च न्यायालय को काफी विस्तृत शक्तियां प्रदान की गई है। विधि की उचित प्रक्रिया के आधार पर उसे न्यायिक पुनरावलोकन की विस्तृत शक्ति प्राप्त है जिसके द्वारा वह कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के द्वारा बनाए गए कानूनों का परीक्षण कर सकता है। इसी संदर्भ में लास्की ने इसे 'कांग्रेस का तृतीय सदन' कहा है। इसके अलावा लास्की इसे तृतीय सदन (Third Chamber) या सुपर चैम्बर (Super Chamber) की भी संज्ञा देते हैं। ज्ञातव्य है कि लास्की ब्रिटेन के प्रमुख राजनीतिक सिद्धांतकार, अर्थशास्त्री तथा प्रवक्ता थे। इनकी प्रमुख रचनाएं इस प्रकार है- अथॉरिटी इन मॉडर्न स्टेट, ए ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स, लिबर्टी इन मॉडर्न स्टेट तथा दि अमेरिकन प्रेसीडेंसी।

32. निम्नलिखित में से किस देश में प्रशासनिक न्यायालयों की विस्तृत व्यवस्था है?

(a) फ्रांस (b) ब्रिटेन

(c) अमरीका (d) स्विट्जरलैंड

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

फ्रांस में प्रशासनिक न्यायालयों की विस्तृत व्यवस्था है। फ्रांस में प्रशासनिक कानून व्यवस्था स्थापित है जिसका संबंध सार्वजनिक प्रशासन (नागरिक कानून) से है। फ्रांस में प्रशासकीय न्यायालयों को देश के साधारण न्यायालयों का ही स्तर (शक्ति तथा क्षेत्राधिकार) प्राप्त है।

33. 'प्रशासकीय विधि' किस संविधान की मुख्य विशेषता है?

(a) इंग्लैंड के (b) फ्रांस के

(c) स्विट्जरलैंड के (d) भारत के

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

'प्रशासकीय विधि' फ्रांस के संविधान की मुख्य विशेषता है।

34. विधि का शासन जिस प्रकार की समानता को प्रतिष्ठापित करता है, वह है :

(a) मूल विषयक (b) प्रक्रियात्मक

(c) वितरक (d) प्रतिमानित

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

'विधि का शासन' या 'कानून का शासन' (Rule of Law) का अर्थ है ''कानून सर्वोपरि है तथा वह सभी लोगों पर समान रूप से लागू होता है''। विधि का शासन जिस प्रकार की समानता को प्रतिष्ठापित करता है वह प्रक्रियात्मक समानता है।

35. 'विधि की उचित प्रक्रिया' न्यायिक व्यवस्था का एक आवश्यक लक्षण है :

(a) यू.के. में (b) फ्रांस में

(c) यू.एस.ए. में (d) भारत में

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

अमेरिकी संविधान में 'कानून की उचित प्रक्रिया' (Due Process of Law) शब्दावली अपनाया गया है जबकि भारतीय संविधान में जापानी संविधान की शब्दावली 'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया' (Procedure Established by Law) को अपनाया गया है। इस आधार पर अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय विधि की वैधता की जांच दो आधार पर कर सकता है। प्रथम कानून विधायिका की विधि निर्माण क्षमता के आधार पर तथा दूसरा कानून के औचित्यता के आधार पर। अर्थात अमेरिकी न्यायालय किसी विधि को इस आधार पर भी अवैध घोषित कर सकती है कि वह विधि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के आधार पर उचित है या नहीं। यह शक्ति अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के पुनरावलोकन शक्ति को बहुत अधिक बढ़ा देती है। ज्ञातव्य है कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय किसी विधि को असंवैधानिक तभी घोषित कर सकती है जब वह विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया अर्थात विधायिका के विधि निर्माण क्षमता के बाहर हो। यह अपनी उचित-अनुचित धारणाओं के आधार पर उसे असंवैधानिक नहीं घोषित कर सकती यही कारण है कि इसकी न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति अमेरिकी न्यायालय की तुलना में कम है।

36. निम्नलिखित में से किस वाद में अमेरिकी मुख्य न्यायाधीश मार्शल ने न्यायिक पुनरावलोकन की अवधारणा को परिभाषित किया था?

(a) गिब्बन बनाम ओगड्यू

(b) स्काट बनाम स्टैनफोर्ड

(c) मारबरी बनाम मेडीसन

(d) मैक्स्यूलोच बनाम गैरीलैंड

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

मारबरी बनाम मेडीसन, 5 यू.एस. 137 (1803) के वाद में अमेरिकी मुख्य न्यायाधीश मार्शल ने न्यायिक पुनरावलोकन की अवधारणा को परिभाषित किया था। इसका उद्देश्य कानून की वैधानिकता की जांच करना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारतीय संविधान का अनु.137 उच्चतम न्यायालय को अपने निर्णयों के पुनर्विलोकन की शक्ति प्रदान करता है।
- अनु.137 संसद को विधि द्वारा उच्चतम न्यायालय को ऐसी अनुपूरक शक्तियां (Supplementary Powers) प्रदान करने की शक्ति प्रदान करता है जो न्यायालय को संविधान द्वारा प्रदत्त क्षेत्राधिकार के अधिक कार्यसाधक रूप से प्रयोग करने योग्य बनाने हेतु आवश्यक या वांछनीय हो।
- ऐसी अनुपूरक शक्तियां संविधान के उपखंडों से किसी प्रकार से असंगत नहीं होनी चाहिए।

37. निम्न में से किस एक विवाद में अमेरिकी मुख्य न्यायाधीश मार्शल ने न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति को मान्यता दी थी?

(a) मेकस्यूलोच बनाम मेरीलैंड (b) मारबरी बनाम मेडीसन
(c) गिब्बन बनाम ओगड्यू (d) स्कॉट बनाम स्टैनफोर्ड

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. चीन के राष्ट्रीय संसदीय निकाय को कहते हैं :

(a) राज्य परिषद (b) राष्ट्रीय जन कांग्रेस
(c) जन-सभा (d) सर्वोच्च सोवियत

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(b)

चीन के राष्ट्रीय संसदीय निकाय को 'राष्ट्रीय जन कांग्रेस' (नेशनल पीपुल्स कांग्रेस) कहते हैं। यह चीन गणराज्य की राष्ट्रीय विधायिका है। इसका चुनाव 5 वर्ष के कार्यकाल के लिए होता है।

39. निम्न में से कौन-सा एक कथन चीन के संदर्भ में सही नहीं है?

(a) सांस्कृतिक क्रांति (1964-1974) सफल नहीं हुई।
(b) चीन का साम्यवादी दल प्रजातांत्रिक केंद्रवाद के आधार पर संगठित है।
(c) चीन का संविधान एकरूप न्यायिक व्यवस्था प्रदान करता है।
(d) चीन में माओ के 'नवीन प्रजातंत्र' के विचार को व्यवहार में लाया गया।

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर—(a)

सांस्कृतिक क्रांति, जनवादी गणराज्य चीन में माओत्से तुंग द्वारा चलाए गए एक सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा थी। 16 मई, 1966 को शुरू हुई यह क्रांति 10 वर्षों तक (1966 से 1976 तक) चली और इसने चीन के सामाजिक ढांचे में कई बड़े परिवर्तन किए। अंत में यह क्रांति सफल रही। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रश्न का कथन (1) गलत है जबकि अन्य तीनों कथन सही हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- माओत्से तुंग या माओ जदोंग (जन्म 26 दिसंबर, 1893 मृत्यु 9 सितंबर, 1976) चीनी क्रांतिकारी, राजनैतिक विचारक और साम्यवादी (कम्युनिस्ट) दल के नेता थे।
- इन्हीं के नेतृत्व में चीन की क्रांति सफल हुई।
- इनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत 'माओवाद' के नाम से जाना जाता है।

40. आइसा बर्लिन ने 'टू कॉन्सेप्ट ऑफ लिबर्टी' में क्या प्रतिपादित नहीं किया?

(a) स्वतंत्रता और समानता दो स्वतंत्र मूल्य हैं
(b) स्वतंत्रता केंद्रीय मूल्य है
(c) सामाजिक-आर्थिक असमानता को राज्य के कार्यक्षेत्र के भीतर माना
(d) सकारात्मक स्वतंत्रता व्यक्ति का मामला है

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

आइसा बर्लिन ने अपने निबंध 'टू कॉन्सेप्ट्स ऑफ लिबर्टी' के अंतर्गत स्वतंत्रता और समानता को दो स्वतंत्र मूल्यों के रूप में प्रतिपादित किया है परंतु बाद में उन्होंने स्वतंत्रता को केंद्रीय मूल्य माना है। उनके अनुसार, सामाजिक-आर्थिक असमानता को राज्य के कार्यक्षेत्र के भीतर नहीं माना जा सकता है। राज्य मात्र नकारात्मक स्वतंत्रता की रक्षा कर सकता है जबकि सकारात्मक स्वतंत्रता व्यक्ति का व्यक्तिगत मामला है।

41. लॉर्ड सभा जब ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय के रूप में कार्य करती है, तो उस समय हाउस ऑफ लॉर्ड्स में कितने सदस्य कार्यवाही में भाग लेते हैं?

(a) सभी सदस्य (b) सिर्फ वंशानुगत पियर
(c) सिर्फ कानूनी सदस्य (d) सिर्फ आध्यात्मिक पियर

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

लॉर्ड सभा जब ब्रिटेन के सर्वोच्च-न्यायालय के रूप में कार्य करती है, तो उस समय हाउस ऑफ लॉर्ड्स में मात्र कानूनी सदस्य, जिन्हें न्यायिक क्षेत्र में उच्च स्थान या विशेषज्ञता प्राप्त हो, या ऐसे किसी पद पर रहे हों, न्यायाधीश के रूप में बैठते हैं। इनके निर्णय अंतिम होते हैं।

42. अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में यदि कोई भी प्रत्याशी आवश्यक बहुमत प्राप्त नहीं करता है, तब इसे निर्णय के लिए निर्देशित किया जाता है :

(a) निर्वाचक-मंडल (इलेक्टोरेट) को

(b) निर्वाचक-गण (इलेक्टोरल कॉलेज) को

(c) प्रतिनिधि सभा को

(d) सीनेट को

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

अमेरिका के राष्ट्रपति के चुनाव में यदि कोई भी प्रत्याशी आवश्यक बहुमत प्राप्त नहीं करता है, तब राष्ट्रपति के निर्वाचन का यह प्रश्न प्रतिनिधि सभा द्वारा निर्णय किया जाता है। यह सर्वाधिक मत पाने वाले तीन प्रत्याशियों में से किसी एक को राष्ट्रपति चुनती है। उपराष्ट्रपति के विषय में ऐसी ही स्थिति में सीनेट द्वारा निर्णय किया जाता है।

43. किस देश में उच्च सदन अथवा द्वितीय सदन विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली सदन माना जाता है?

(a) अमरीका (b) भारत

(c) इंग्लैंड (d) भूटान

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

विश्व के अधिकांश उच्च सदन या द्वितीय सदन अपनी शक्ति खो बैठे हैं। वे केवल अपनी संवैधानिक प्रतिष्ठा के हकदार बनकर रह गए हैं विश्व के द्वितीय सदनों की शक्ति में सामान्य ह्रास के बावजूद अमेरिका के सीनेट अर्थात वहां के द्वितीय सदन ने अपना प्रथम स्थान बरकरार रखा है। अमेरिका के द्वितीय सदन के विश्व का सर्वाधिक शक्तिशाली सदन होने के पीछे उसकी स्थापना में विशेष उद्देश्यों का होना प्रतीत होता है, इसे संविधान में संतुलन और संरक्षण की शक्ति दी गई है।

44. वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति का यह कौन-सा कार्यकाल है?

(a) प्रथम

(b) द्वितीय

(c) तृतीय

(d) मध्यावधि चुनाव जीतने के कारण तकनीक रूप से प्रथम

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का यह द्वितीय कार्यकाल है। इनका प्रथम कार्यकाल 20 जनवरी, 2009 को प्रारंभ हुआ था जबकि द्वितीय कार्यकाल 20 जनवरी, 2013 को प्रारंभ हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- बराक ओबामा अमेरिका के 44वें राष्ट्रपति हैं।
- बराक ओबामा अमेरिका के प्रथम अफ्रीकन-अमेरिकन राष्ट्रपति हैं।
- वर्ष 2009 में बराक ओबामा को शांति का नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- बराक ओबामा ने दो पुस्तकों 'ड्रीम्स फार माई फादर' तथा 'द आउडसिटी ऑफ होप' की रचना की है।

45. अमेरिकी राजनीति में चुनाव क्षेत्रों को राजनैतिक लाभ की दृष्टि से परिसीमित करने की प्रवृति को क्या कहते हैं?

(a) गेरीमांडरिंग (b) पालिटिकिंग

(c) फिलिबस्टरिंग (d) सीनेटीय शिष्टता

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

अमेरिकी राजनीति में चुनाव क्षेत्रों को राजनैतिक लाभ की दृष्टि से परिसीमित करने की प्रवृत्ति को 'गेरीमांडरिंग' कहते हैं। गेरीमांडरिंग प्रणाली का प्रयोग सर्वप्रथम वर्ष 1812 में मैसाचुसेट्स के गवर्नर एलब्रिज गैरी (Elbridge Gerry) द्वारा अपने दल को राजनीतिक लाभ प्रदान करने हेतु जिलों की सीमा में परिवर्तन के द्वारा किया गया था।

46. अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियां-

(a) प्रमुखतः कार्यकारी हैं

(b) प्रमुखतः विधायी हैं

(c) कार्यकारी और विधायी भागों में समानतः विभक्त हैं

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

राष्ट्रपति नियमों, विनियमों तथा अनुदेशों को, जिन्हें कार्यकारी आदेश कहते हैं, जारी कर सकता है जो संघीय अभिकरणों के लिए कानूनी रूप से अभिमान्य होते हैं तथा इनके लिए कांग्रेस के अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होती है।

47. अमरीका की प्रतिनिधि सभा के सदस्यों की कुल संख्या है :

(a) 535 (b) 538

(c) 435 (d) 335

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर—(c)

यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव' अमेरिकी कांग्रेस की निचली प्रतिनिधि सभा है तथा 'युनाइटेड स्टेट्स सीनेट' ऊपरी प्रतिनिधि सभा है। वर्ष 1929 में निर्मित तथा वर्ष 1941 में संशोधित पुनः निर्धारण एक्ट द्वारा प्रतिनिधि सभा की सदस्य संख्या 435 निश्चित कर दी गई है।

48. जो बाइडन अमेरिका के वर्तमान-

(a) विदेश मंत्री हैं (b) रक्षा मंत्री हैं

(c) उपराष्ट्रपति हैं (d) सीनेट के अध्यक्ष हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(c)

जो बाइडन अमेरिका के वर्तमान उपराष्ट्रपति हैं।

49. बहुदलीय व्यवस्था नहीं पायी जाती है :

(a) फ्रांस में (b) जर्मनी में

(c) ऑस्ट्रेलिया में (d) क्यूबा में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(d)

क्यूबा लैटिन अमेरिका का एक समाजवादी गणतंत्र है। वर्ष 1959 में फिदेल कास्त्रो के नेतृत्व में क्रांति के फलस्वरूप क्यूबा ने तानाशाही और सर्वाधिकारवादी व्यवस्था से मुक्ति प्राप्त की और एकदलीय जनतंत्र की नींव रखी गई।

50. अमेरिकी सीनेट विधायिका का-

(a) ऊपरी और प्रबल सदन है

(b) ऊपरी और निर्बल सदन है

(c) निचला और प्रबल सदन है

(d) निचला और शक्तिहीन सदन है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

अमेरिकी सीनेट विधायिका का ऊपरी और प्रबल सदन होता है। इसके सदस्यों की संख्या 100 है जिनका कार्यकाल 6 वर्ष होता है।

51. निम्नलिखित में से कौन-सी शक्ति अमेरिकी सीनेट के पास नहीं है?

(a) संधि पास करना

(b) महत्वपूर्ण नियुक्तियों को स्वीकृत करना

(c) धन विधेयक प्रस्तावित करना

(d) कमेटी के द्वारा जांच करना

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

संधि पास करना, महत्वपूर्ण नियुक्तियों को स्वीकृत करना तथा कमेटी के द्वारा जांच करना आदि शक्तियां अमेरिकी सीनेट को प्राप्त हैं। परंतु धन विधेयक प्रस्तावित करना सीनेट की शक्तियों में सम्मिलित नहीं है।

52. निम्नलिखित में से किस देश का संविधान अलिखित है?

(a) कनाडा (b) इंग्लैंड

(c) यू.एस.ए. (d) जापान

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

इंग्लैंड (ब्रिटेन) में कोई लिखित संविधान नहीं है, वहां एकात्मक शासन के रूप में एक केंद्रीय सरकार है। ब्रिटेन में स्थानीय सरकारें भी हैं। लेकिन इन सरकारों को संविधान के द्वारा शक्तियां नहीं दी गई हैं, बल्कि ये शक्तियां केंद्रीय सरकार द्वारा ही दी गई हैं।

53. वर्तमान समय में संवैधानिक राजतंत्र है :

(a) जर्मनी में (b) फ्रांस में

(c) इंग्लैंड में (d) अमेरिका में

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर–(c)

यूनाइटेड किंगडम एक संवैधानिक राजशाही और एकात्मक राज्य है जिसमें चार क्षेत्र इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स शामिल हैं। इंग्लैंड (ब्रिटेन) का राज्याध्यक्ष देश का संवैधानिक प्रधान होता है जो राजा या रानी होते हैं। यह आनुवांशिक पद्धति पर आधारित पद है।

54. बहुल कार्यपालिका पायी जाती है :

(a) अमेरिका में (b) भारत में

(c) कनाडा में (d) स्विट्जरलैंड में

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर–(d)

संसार में जहां सभी देशों की कार्यपालिका शक्ति सम्राट या राष्ट्रपति में निहित होती है वहां स्विट्जरलैंड में कार्यपालिका शक्तियां सात सदस्यों की एक संघीय परिषद को प्रदान की गई है। इसीलिए इसे बहुल कार्यपालिका कहते है। इन सातों सदस्यों की शक्तियां समान होती है। इनका अध्यक्ष इन्हीं सात सदस्यों में से क्रमशः बनता रहता है।

55. यह किसका मत है कि ब्रिटिश संविधान का अस्तित्व नहीं है?

(a) डी. टॉकविल (b) रैम्जे म्योर

(c) एच.लास्की (d) ब्रोगन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर–(a)

फ्रेंच विचारक डी टॉकविल के मतानुसार इंग्लैण्ड में संविधान जैसी कोई वस्तु नहीं है।'' अमेरिका के टॉमस पेन ने भी इसी विचार का समर्थन किया है। जार्ज बर्नार्ड शा ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए है इनके अनुसार, ''हमारा एक ब्रिटिश संविधान नहीं है, लेकिन कोई नहीं जानता कि यह क्या है। यह कहीं भी लिखा हुआ नहीं है और न ही इसमें संशोधन किया जा सकता है।''

56. ब्रिटेन में संविधान नहीं है, यह कथन किसका है?

(a) डी. टॉकविल

(b) हेमिल्टन

(c) हरमन फाइनर

(d) सी.एफ.स्ट्रांग

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. निम्न में से कौन-सा इंग्लैंड का 'अपर हाऊस' है?

(a) हाऊस ऑफ कॉमन्स (b) राज्य सभा

(c) हाऊस ऑफ लॉर्ड्स (d) सिनेट

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

इंग्लैंड की संसद के निचले सदन को हाउस ऑफ कॉमन्स तथा संसद के ऊपरी सदन को हाउस ऑफ लॉर्ड्स कहा जाता है।

58. पाकिस्तान के खुफिया संगठन ISI का अर्थ है-

(a) इंटर सर्विसेज इंटिलिजेंस

(b) इंटरनेशनल सर्विसेज ऑफ इंटिलिजेंस

(c) इंटरनेशनल स्टेट इंटिलिजेंस

(d) इंस्टीच्यूशनल स्ट्रक्चर फार इंटिलिजेंस

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

पाकिस्तान के खुफिया संगठन ISI का अर्थ इंटर सर्विसेज इंटिलिजेंस है।

59. 'ब्रिटिश सम्राट कोई गलती नहीं करता' क्योंकि-

(a) वह सैद्धांतिक रूप से सर्वज्ञाता है

(b) वह सैद्धांतिक रूप से राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है

(c) वह सदैव पुराने निर्णयों के आधार पर ही कार्य करता है

(d) वह सदैव कैबिनेट की सलाह पर ही काम करता है

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

'ब्रिटिश सम्राट कोई गलती नहीं करता' क्योंकि वह सदैव कैबिनेट की सलाह पर ही काम करता है। वस्तुतः ब्रिटिश शासन प्रणाली में ब्रिटिश सम्राट की भूमिका 'शानदार या भव्य शून्य' की भांति है जिसके नाम से संपूर्ण शासन प्रणाली का संचालन सिद्धांततः होता है किंतु व्यवहार में ब्रिटिश सम्राट अपने मंत्रियों द्वारा निर्मित नीतियों को अनुमति प्रदान करने के अतिरिक्त कुछ नहीं करता।

60. ब्रिटेन की 'छाया कैबिनेट' का अर्थ है कि-

(a) ब्रिटिश कैबिनेट प्रधानमंत्री की छाया में कार्य करती है

(b) ब्रिटिश कैबिनेट संसद की छाया में कार्य करती है

(c) विपक्षी दल ने एक समांतर और अनौपचारिक कैबिनेट बनाया है

(d) ब्रिटिश कैबिनेट की शक्तियां 'छाया' मात्र हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

'छाया कैबिनेट' वेस्टमिंस्टर प्रणाली के अंतर्गत एक प्रकार की राजनैतिक संस्था है। इसके अंतर्गत संसद में विपक्षी दल के सदस्य नेता विपक्ष के नेतृत्व में सरकार के आधिकारिक मंत्रिमंडल के विरुद्ध एक 'छाया मंत्रिमंडल' या दूसरा मंत्रिमंडल बनाते हैं, जिसका हर एक सदस्य किसी एक सरकारी मंत्री एवं उसके मंत्रालय के कामकाज की समीक्षा करता है, उसकी गलतियां ढूंढता है और उसके द्वारा बनाई गई नीतियों के विकल्प बताता है और उन्हें जनता के समक्ष ले जाता है।

चुनाव के बाद यदि विपक्षी दल सत्ता में आता है तो छाया मंत्रिमंडल के मंत्री को सामान्यतः उस मंत्रालय का मंत्री बना दिया जाता है जिसकी उसने विपक्ष में रहते हुए समीक्षा की थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ यूनाइटेड किंगडम, कनाडा और न्यूजीलैंड में 'छाया मंत्रिमंडल' को 'हिज या हर मैजेस्टीज लोयल अपोजिशन' कहा जाता है क्योंकि यह सरकार की वैधता एवं संवैधानिक अधिकार को चुनौती नहीं देता और मात्र उसकी कमियों एवं दोषों को ही उजागर कर जनता के समक्ष रखता है।

पुस्तकें

1. निम्नलिखित में से किस पुस्तक में रूसो ने सामान्य इच्छा की अवधारणा का उल्लेख किया है?

(a) द इमाइल

(b) नावले हेलॉयज, 1761

(c) द सोशल कॉन्ट्रेक्ट

(d) डिस्कोर्स ऑन द ओरीजिन ऑफ इनइक्वेलिटी

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

रूसों एक फ्रांसीसी विचारक है, इन्होंने सामान्य इच्छा की अवधारक का उल्लेख अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'द सोशल कॉन्ट्रेक्ट' (1762) में किया है। इसी पुस्तक में रूसों ने कहा है कि ''मनुष्य स्वतंत्र जन्मा है, लेकिन सर्वत्र जंजीरों में जकड़ा हुआ है।'' रूसो कहता है कि समाज के विकास और संपत्ति के उदय से मानव की स्वतंत्रता लुप्त होने लगी है। इसी स्वतंत्रता को फिर से प्राप्त करना मूल उद्देश्य है। रूसों का यह भी कथन है कि प्रकृति की ओर लौट चलो। इसका अर्थ एतिहासिक रूप में लौटना नहीं है बल्कि मनुष्य का नैतिक प्रवृत्ति द्वारा निर्देशित जीवन है। इसी प्राकृतिक स्वतंत्रता को प्राप्त करने के लिए रूसों सामान्य इच्छा का सिद्धांत देता है।

2. निम्नलिखित में से किस पुस्तक की रचना बेंथम ने ब्लैक-स्टोन की पुस्तक ''द कमेन्ट्रीज ऑन द लॉज ऑफ इंग्लैंड'' की आलोचना करने के लिए की थी?

(a) ए फ्रैगमेंट ऑन गवर्नमेंट

(b) डिस्कोर्स ऑन सिविल एंड पैनल लेजिसलेशन

(c) एस्से ऑन पॉलिटिकल टेक्टिस

(d) थ्योरी ऑफ पनिशमेंट एन्ड रिवार्ड्स

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

ब्लैक स्टोन की पुस्तक 'द कमेन्ट्रीय आन द लॉज ऑफ इंग्लैंण्ड' की आलोचना जर्मी वेंथम ने अपनी पुस्तक 'ए फ्रैगमेंट आन गवर्नमेंट' में की है। वेंथम एक ब्रिटिश विचारक है। वेंथम उपयोगितावाद के पहले व्यवस्थित प्रतिपादक है, उपयोगितावादी मान्यताओं का प्रतिपादन करते हुए उसने कहा कि ''यदि सुखों की मात्रा समान हो, तो पुष्पिन खेलन उतना ही अच्छा है, जितना इच्छा काव्य पढ़ना है।''

3. हॉब्स ने 'लेवियाथन' पुस्तक लिखी निम्न वर्ष में-

(a) 1650 (b) 1651

(c) 1652 (d) 1653

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

'लेवियाथन' अंग्रेजी भाषा में लिखी जाने वाली राजनीतिक दर्शन की सर्वश्रेष्ठ पुस्तक है। थॉमस हॉब्स द्वारा लिखित इस पुस्तक का प्रकाशन 1651 ई. हुआ। हॉब्स ने भी एक राजनीतिक विचारक के रूप में ख्याति इसी पुस्तक से पाई। इस पुस्तक में हॉब्स ने राजनीति विज्ञान का क्रमबद्ध एवं वैज्ञानिक विवेचन किया है।

4. 'लेवियाथन' किताब किसने लिखी?

(a) लॉक (b) रूसो

(c) हॉब्स (d) सेंट थॉमस

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. 'गीता बोध' किसने लिखा है?

(a) रामकृष्ण परमहंस (b) स्वामी विवेकानंद

(c) महात्मा गांधी (d) बाल गंगाधर तिलक

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

'गीता बोध' की रचना महात्मा गांधी ने वर्ष 1930 से 1932 के मध्य यरवदा जेल में कारावास के समय की।

6. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक मार्क्स की लिखी हुई नहीं है?

(a) दि कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो

(b) दास कैपिटल

(c) वेल्थ ऑफ दि नेशन्स

(d) दि क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(c)

'दि वेल्थ ऑफ नेशन्स' एडम स्मिथ द्वारा लिखित पुस्तक है, जबकि दि कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो, दास कैपिटल एवं दि क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी कार्ल मार्क्स द्वारा लिखित रचनाएं हैं।

7. निम्न में से कौन-सी पुस्तक मार्क्स द्वारा लिखित है?

(a) हीगल की अधिकार संबंधी धारणा की आलोचना की प्रस्तावना

(b) पवित्र परिवार

(c) दर्शन की दरिद्रता

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

प्रश्नगत सभी विकल्प (पुस्तकें) कार्ल मार्क्स द्वारा लिखित हैं।

8. निम्नलिखित में से कौन-सी एक पुस्तक कार्ल मार्क्स ने नहीं लिखी है?

(a) कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो

(b) क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी

(c) दि सिविल वार इन फ्रांस

(d) ऑन लिबर्टी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

'ऑन लिबर्टी' पुस्तक की रचना जॉन स्टुवर्ट मिल द्वारा की गई है, जबकि कम्युनिस्ट मेनिफेस्टो, क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एवं दि सिविल वार इन फ्रांस की रचना कार्ल मार्क्स द्वारा की गई है।

9. निम्नलिखित में से कौन युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) कार्ल मैनहीम - हिस्ट्री ऑफ अर्ली इंस्टीट्यूशन्स

(b) लिपमैन - पब्लिक ऑपिनियन

(c) आर.एम. मैकाइवर - द मॉडर्न स्टेट

(d) रॉबर्ट मिचेल्स - पॉलिटिकल पार्टीज

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(a)

सही सुमेलन है-

हेनरी सुमनेर मेन	-	हिस्ट्री ऑफ अर्ली इंस्टीट्यूशन्स
लिपमैन	-	पब्लिक ऑपिनियन
आर.एम. मैकाइवर	-	द मॉडर्न स्टेट
रॉबर्ट मिचेल्स	-	पॉलिटिकल पार्टीज

10. निम्नलिखित सूचियों I व II को सुमेलित कीजिए :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (कृतियां)**
A. जेरमी बेंथम	**1. मैनेजेरियल रिवोल्यूशन**
B. जेम्स बर्नहैम	**2. फ्रैग्मेन्ट्स ऑन गवर्नमेंट**
C. पी. क्रोपोट्किन	**3. कन्सीडरेशन्स ऑन रिप्रेजेन्टेटिव गवर्नमेंट**
D. जॉन स्टुअर्ट मिल	**4. फील्ड, फैक्टरीज एंड वर्कशॉप**

अपने उत्तर का चयन निम्नलिखित कूट में से कीजिए :

कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	2
(b)	3	2	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	3	2	1

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(c)

सही सुमेलन है-

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (कृतियां)**
जेरमी बेंथम	फ्रैग्मेन्ट्स ऑन गवर्नमेंट
जेम्स बर्नहैम	मैनेजेरियल रिवोल्यूशन
पी. क्रोपोट्किन	फील्ड, फैक्टरीज एंड वर्कशॉप
जॉन स्टुअर्ट मिल	कन्सीडरेशन्स ऑन रिप्रेजेन्टेटिव गवर्नमेंट

11. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए :

सूची-I (लेखक)	**सूची-II (पुस्तक)**
A. चार्ल्स मेरियम	**1. दी प्रोसेसे ऑफ गवर्नमेंट**
B. एम.पी. फालेट	**2. दी सब्सटैन्स ऑफ पॉलिटिक्स**
C. आर्थर बेन्टले	**3. दी न्यू स्टेट**
D. ए. अप्पादोराई	**4. न्यू एस्पेक्ट ऑफ पॉलिटिक्स**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	1	2

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर—(d)

सही सुमेलन है-

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
चार्ल्स मेरियम	न्यू एस्पेक्ट ऑफ पॉलिटिक्स
एम.पी. फालेट	दी न्यू स्टेट
आर्थर बेन्टले	दी प्रोसेसे ऑफ गवर्नमेंट
ए. अप्पादोराई	दी सब्सटैन्स ऑफ पॉलिटिक्स

12. ''डिलेमास ऑफ पॉलिटिक्स'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) मॉर्गेन्थाऊ (b) रुजवेल्ट

(c) जॉर्ज शुल्ट्ज (d) हेनरी किसिंजर

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

'डिलेमास ऑफ पॉलिटिक्स' नामक पुस्तक के लेखक हैंस जे. मॉर्गेन्थाऊ हैं। मॉर्गेन्थाऊ बीसवीं सदी के अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन में अग्रणी विद्वानों में से एक थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत और अंतरराष्ट्रीय कानून के अध्ययन में ऐतिहासिक योगदान दिया है।

13. ए थ्योरी ऑफ जस्टिस नामक ग्रंथ का लेखक कौन हैं?

(a) एन.पी. बेरी (b) जॉन रॉल्स

(c) रॉबर्ट नोजिक (d) प्लेटो

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' नामक पुस्तक के लेखक जॉन रॉल्स हैं।

14. 'हिस्ट्री ऑफ अर्ली इन्स्टीट्यूशन्स' नामक प्रसिद्ध पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) प्रोधाँ (b) मैक्सी

(c) मैकियावेली (d) सर हेनरी मेन

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(d)

'हिस्ट्री ऑफ अर्ली इन्स्टीट्यूशन्स' नामक प्रसिद्ध पुस्तक के लेखक सर हेनरी मेन हैं।

15. निम्न में से कौन-सी कृति लेनिन द्वारा लिखी गई है?

(a) मैटिरियलिज्म एवं इम्पीरियोक्रिटीसिज्म

(b) थ्री हु मेड रिवोल्युशन

(c) दि पैटर्न ऑफ अम्पीरियलिज्म

(d) सोवियत मार्क्सिज्म : ए क्रीटिकल एनालिसिस

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

ब्लादिमीर इली इच उल्यानेव, जिन्हें लेनिन के नाम से भी जाना जाता है, एक रूसी साम्यवादी क्रांतिकारी, राजनीतिज्ञ तथा राजनीतिक सिद्धांतकार थे। मैटिरियलिज्म एवं इम्पीरियोक्रिटीसिज्म (Materialism and Empirio-Criticism) लेनिन द्वारा लिखित प्रसिद्ध पुस्तक है। जबकि अन्य पुस्तकों थ्री हु मेड रिवोल्युशन (Three who mode Revolution) बर्तन डी. वोल्फ (Bertam D. Wolf) द्वारा, दि पैटर्न ऑफ इम्पीरियलिज्म (The Patterns of imperialism) टोनी स्मिथ (Tony simth) द्वारा एवं सोवियत मॉर्क्सिज्म : ए क्रीटिकल एनालिसिस-हर्बर्ट मार्क्सस (Herbert Marcuse) द्वारा लिखा गया है।

16. ''द न्यू स्टेट'' नामक पुस्तक की रचना किसने की?

(a) एम.पी. फालेट (b) लिविंगस्टोन

(c) मार्क ट्वेन (d) बैटमैन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

एम.पी. फालेट (1868-1933 ई.) को संगठन के क्लासिकीय उपागम और व्यावहारीय मानव संबंध उपागम के बीच का पुल माना जाता है। दि स्पीकर ऑफ दि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (1896 ई.), दि न्यू स्टेट (1918 ई.) एवं क्रिएटिव एक्सपीरियंस (1924 ई.) फालेट द्वारा रचित प्रसिद्ध पुस्तकें हैं।

17. निम्नलिखित में से कौन-सा बेमेल है?

(a) श्री अरविंदो– द स्पिरिट एण्ड फार्म ऑफ इंडियन पॉलिसी

(b) एम.के. गांधी– द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरीमेंट्स विद ट्रुथ

(c) श्रीमन नारायण– गांधियन कॉन्स्टीट्यूशन फार इंडिया

(d) के.पी. करुणाकरण– एन्शिएंट इंडियन पॉलिटिकल ट्रेडिशन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

द स्टडी ऑफ एन्शियन्ट इंडियन पॉलिटिकल ट्रेडिशन (The study of Ancient Indian Political traditions) पुस्तक से कौशल किशोर मिश्रा संबंधित हैं न कि के.पी. करुणाकरण। के.पी. करुणाकरण ने मॉडर्न इंडियन पॉलिटिकल ट्रेडिशन पुस्तक का संपादन किया है। ध्यातव्य है कि प्रश्न में एन्शियन्ट इंडियन पॉलिटिकल ट्रेडिशन दिया है, जो कि शब्दों की अपूर्णता को प्रतीत करा रहा है पूर्ण शब्द द स्टडी ऑफ एन्शियन्ट इंडियन पॉलिटिकल ट्रेडिशन है, शेष सभी विकल्प सुमेलित हैं।

18. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रसिद्ध रचना जॉन आस्टिन द्वारा लिखी गई है?

(a) दि वेब ऑफ गवर्नमेंट

(b) ऑरिजीन ऑफ द फेमिली, प्राईवेट प्रापर्टी एण्ड द स्टेट

(c) लेक्चर्स ऑन जूरिसप्रुडेन्स

(d) दि मॉडर्न स्टेट

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

जॉन ऑस्टिन अंग्रेज कानूनविद थे। उन्होंने विधि के दर्शन तथा विधिशास्त्र पर पुस्तकें लिखी हैं। लेक्चर्स ऑन जूरिसप्रुडेन्स (Lecture on Jurisprudence) इनकी प्रसिद्ध रचना है।

19. ''कैपिटालिज्म, सोशलिज्म व डेमोक्रेसी'' नामक पुस्तक की रचना किसने की?

(a) शुम्पीटर (b) मोस्का

(c) मिचेल्स (d) रॉबर्ट डहल

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

जोसेफ एलोइस शुम्पीटर (Joseph A. Schumpeter) ऑस्ट्रियाई राजनीतिक अर्थशास्त्री थे। कैपिटलिज्म, सोशलिज्म व डेमोक्रेसी'' नामक पुस्तकों की रचना शुम्पीटर ने की है।

20. ''ऑरिजिन ऑफ फेमिली, प्राइवेट प्रोपर्टी एंड द स्टेट'' पुस्तक, जो कि राज्य की उत्पत्ति के संबंध में विस्तार से वक्तव्य समावेशित करती है, की रचना की गई थी-

(a) कार्ल मार्क्स द्वारा (b) लेनिन द्वारा

(c) प्रोधाँ द्वारा (d) एंजिल द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

'ऑरिजिन ऑफ फेमिली, प्राइवेट प्रोपर्टी एंड द स्टेट पुस्तक की रचना फ्रेडरिक एंजिल द्वारा किया गया था। पुस्तक में राज्य की उत्पत्ति के संबंध में विस्तार से वर्णन किया गया है।

21. 'लेक्चर्स ऑन दी प्रिन्सिपल्स ऑफ पॉलिटिकल ऑब्लिगेशन' का रचयिता कौन है?

(a) रूसो (b) हीगल

(c) टी.एच. ग्रीन (d) जी.डी.एच. कोल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

ब्रिटिश आदर्शवादी विचारक टी.एच.ग्रीन ब्रिटिश उदारवाद तथा जर्मन आदर्शवाद का समन्वित प्रतिनिधित्व करते हैं। 'लेक्चर्स ऑन दी प्रिन्सिपल्स ऑफ पॉलिटिकल ऑब्लिगेशन पुस्तक टी.एच. ग्रीन की प्रसिद्ध रचना है।

22. 'आधुनिकीकरण की राजनीति' नामक पुस्तक के रचयिता कौन थे?

(a) मैक्स वेबर

(b) जेम्स एस कोल मैन

(c) डेविड आप्टर

(d) एस.पी. हन्टिगटन

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

Politics of Modemization (आधुनिकीकरण की राजनीति) नामक पुस्तक के रचयिता डेविड आप्टर थे।

23. दादाभाई नौरोजी ने जिस पुस्तक में 'ड्रेन ऑफ वेल्थ' के सिद्धांत का वर्णन किया है, वह है-

(a) पावर्टी एंड ब्रिटिश रूल इन इंडिया।

(b) एक्सोप्लायटेटिव नेचर ऑफ ब्रिटिश रूल इन इंडिया।

(c) ब्रिटिश रूल एंड इट्स कान्सीक्वेन्सेज।

(d) नेचर ऑफ ब्रिटिश कॉलोनियल रूल।

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया के लेखक दादाभाई नौरोजी थे। पुस्तक में इन्होंने धन के अपवाह सिद्धांत (Drain Theory) पर प्रकाश डाला है। धन के अपवाह सिद्धांत से तात्पर्य भारत से धन-संपत्ति एवं माल का इंग्लैंड में हस्तांतरण था, जिसके बदले में भारत को इसके समतुल्य कोई भी आर्थिक, वाणिज्यिक या भौतिक लाभ नहीं प्राप्त होता था। अर्थात आयात की तुलना में अधिक निर्यात का होना।

24. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक की रचना जॉन लॉक ने नहीं की थी?

(a) परसियन लेटर

(b) सहिष्णुता पर पहला पत्र, 1689

(c) शासन पर दो प्रबन्ध : 1690

(d) कैरोलीन के संविधान के मूल तत्व : 1692

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

परसियन लेटर की रचना चार्ल्स लुइस डी सेकेंड मॉन्टेस्क्यू (Charles louix de secondat Montesquieu) ने की थी। जबकि शेष विकल्पों में उल्लिखित रचनाएं जॉन लॉक की हैं।

25. 'द मैन वरसेज द स्टेट' पुस्तक का लेखक कौन हैं?

(a) जे.एस. मिल (b) एफ.एच. ब्रेडले

(c) हर्बर्ट स्पेन्सर (d) हर्बर्ट मारक्यूज

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर–(c)

'द मैन वरसेज द स्टेट' पुस्तक के लेखक हर्बर्ट स्पेंसर हैं। यह हर्बर्ट स्पेंसर द्वारा लिखित एक राजनीतिक सिद्धांत पुस्तिका है।

26. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' के लेखक कौन हैं?

(a) नौरोजी (b) अरविंद

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) अम्बेडकर

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

भारत की खोज (Discovery of India) जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध पुस्तक है, जिसकी रचना वर्ष 1944 में अप्रैल-सितंबर के बीच अहमदनगर जेल में हुई। इस पुस्तक में जवाहरलाल नेहरू ने सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर भारत की आजादी तक विकसित हुई भारत की बहुविध समृद्ध संस्कृति, धर्म और जटिल अतीत को वैज्ञानिक दृष्टि से लिखा है।

27. निम्न में से कौन 'पॉलिटिकल ऑर्डर इन चेंजिंग सोसाइटिज' के लेखक हैं?

(a) कॉलिन लेज (b) लूसियन पाई

(c) सैम्युअल हंटिग्टन (d) मारिऑन लेवी जू.

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

'पॉलिटिकल ऑर्डर इन चेंजिंग सोसाइटिज' (Political Order in chandging Societies) पुस्तक के लेखक सैम्युअल पी. हंटिग्टन हैं। वर्ष 1968 में प्रकाशित पुस्तक द्वारा लेखक ने राजनीतिक प्रणालियों एवं राजनीतिक संस्थानों में बदलाव का विश्लेषण किया है।

28. निम्नलिखित में से कौन 'अर्थशास्त्र' पुस्तक का लेखक है?

(a) चाणक्य (b) कौटिल्य

(c) विष्णुगुप्त (d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(d)

अर्थशास्त्र, कौटिल्य या चाणक्य या विष्णुगुप्त द्वारा रचित संस्कृत का एक ग्रंथ है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र द्वारा चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल की बहुत-सी बातों का ज्ञान प्राप्त होता है। यह वस्तुतः ऐतिहासिक ग्रंथ नहीं है, अपितु राजनीति शास्त्र का अद्वितीय ग्रंथ है। इसमें मुख्यतः राजनीतिक नीतियों पर प्रकाश डाला गया है।

29. ''पॉलिटिकल कल्चर और पॉलिटिकल डेवलपमेंट'' नामक पुस्तक संपादित की गई-

(a) ल्यूसियन पाई एवं सिडनी वर्बा द्वारा

(b) पॉमेर एवं पर्किन्स द्वारा

(c) ऑमण्ड एवं पॉवेल द्वारा

(d) मैकाइवर एवं पेज द्वारा

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

पॉलिटिकल कल्चर और पॉलिटिकल डेवलपमेंट (Political culture and Political Development) नामक पुस्तक ल्यूसियन डब्ल्यू. पाई एवं सिडनी वर्बा द्वारा संपादित की गई है।

30. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर की चयन कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
A. रॉबर्ट नाजिक	**1. एसेज ऑन वेल्फेयर स्टेट**
B. डी.एल. हॉबमैन	**2. दि वेल्फेयर स्टेट**
C. टिटमस	**3. एनार्की, स्टेट एण्ड यूरोपिया**
D. एलेक्जेण्डर डी इंट्रीव्स	**4. दि नोशन ऑफ दि स्टेट**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	3	2	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	2	3	1

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(b)

सही सुमेलन है-

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
रॉबर्ट नाजिक	एनार्की, स्टेट एण्ड यूटोपिया
डी.एल. हॉबमैन	दि वेल्फेयर स्टेट
टिटमस	एसेज ऑन वेल्फेयर स्टेट
एलेक्जेण्डर डी इंट्रीव्स	दि नोशन ऑफ दि स्टेट

31. 'फेनोमेनोलॉजी ऑफ स्पिरिट' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) हीगल (b) टी.एच. ग्रीन

(c) कार्ल मार्क्स (d) बोसांके

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

जॉर्ज विलहेम फ्रेड्रिक हेगेल सुप्रसिद्ध दार्शनिक थे। फेनोमेनोलॉजी ऑफ स्पिरिट' नामक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना हेगेल द्वारा की गई थी।

32. ''पॉलिटी ऑफ द डेवलपिंग एरिया'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) नॉर्बर्ट वीनर (b) रॉबर्ट नॉर्थ

(c) कार्ल डायच (d) आल्मंड और कौलमैन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

''पॉलिटी ऑफ द डेवलपिंग एरिया'' पुस्तक के लेखक गैब्रियल आलमंड और जेम्स एस. कौलमैन हैं।

33. 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' के लेखक हैं-

(a) मैकफरसन (b) रॉल्स

(c) नोजिक (d) चार्ल्स टेलर

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस (न्याय का सिद्धांत) अमेरिकी राजनीतिक विचारक जॉन रॉल्स द्वारा रचित राजनीतिक दर्शन एवं नीतिशास्त्र (एथिक्स) की पुस्तक है।

34. 'पब्लिक ओपीनियन' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) ब्राइस (b) लॉवेल

(c) हरमन फाइनर (d) वाल्टर लिपमेन

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

'पब्लिक ओपीनियन (Public Opinion) नामक पुस्तक वाल्टर लिपमेन ने लिखी है।

35. 'इंडिया डिवाइडेड' पुस्तक किसने लिखी?

(a) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (b) एम.ए. जिन्ना

(c) सरदार पटेल (d) श्यामा प्रसाद मुखर्जी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2009

उत्तर–(a)

'इंडिया डिवाइडेड' पुस्तक के लेखक भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे।

36. सुमेलित कीजिए :

A. लांग वाक टू फ्रीडम	**I. आंग सान सू की**
B. फ्रीडम फ्रॉम फीयर	**II. जे.एस. मिल**
C. ऑन लिबर्टी	**III. इसियाह बर्लिन**
D. टू कांसेप्ट्स ऑफ लिबर्टी	**IV. नेल्सन मण्डेला**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	IV	I	II	III
(b)	IV	II	III	I
(c)	IV	III	II	I
(d)	II	IV	I	III

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(a)

सही सुमेलन है-

लांग वाक टू फ्रीडम	–	नेल्सन मण्डेला
फ्रीडम फ्रॉम फीयर	–	आंग सान सू की
ऑन लिबर्टी	–	जे.एस. मिल
टू कांसेप्ट्स ऑफ लिबर्टी	–	इसियाह बर्लिन

37. निम्नांकित में से कौन 'फेडरल गवर्नमेंट' का लेखक है?

(a) जेनिंग्स (b) के.सी. व्हीयर

(c) ब्राइस (d) लास्की

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

के.सी. व्हीयर, फेडरल गवर्नमेंट के लेखक हैं।

38. ऑस्टिन ने अपने संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन अपनी पुस्तक में किया-

(a) मॉडर्न स्टेट

(b) टू ट्रीटाइजिज ऑन गवर्नमेंट

(c) लेक्चर्स ऑन जूरिस्प्रूडेन्स

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(c)

जॉन ऑस्टिन एक अंग्रेज कानूनविद थे। उन्हें विधि के दर्शन तथा विधिशास्त्र पर लिखने के लिए जाना जाता है। ऑस्टिन ने अपने संप्रभुता के सिद्धांत का प्रतिपादन अपनी पुस्तक 'लेक्चर्स ऑन जूरिस्प्रूडेन्स' (Lectures on Jurisprudince) में किया है।

39. मॉडर्न पॉलिटिकल एनालिसिस एक ग्रंथ है, जिसको लिखा है-

(a) रॉबर्ट डाल ने (b) डेविड ईस्टन ने

(c) हेरोल्ड लासवेल ने (d) गैब्रियल आमण्ड ने

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

मॉडर्न पॉलिटिकल एनालिसिस नामक पुस्तक के लेखक रॉबर्ट डहल है। पुस्तक में लोकतंत्र, राजनीतिक व्यवहार, राजनीतिक मूल्यांकन, नीति बनाने और तुलनात्मक राजनीतिक प्रणालियों का विश्लेषण एवं विवरण प्रस्तुत किया गया है।

40. निम्नलिखित में से किस एक ग्रंथ को जे.एस. मिल ने नहीं लिखा है?

(a) ऑन लिबर्टी

(b) दी सबजेक्शन ऑफ विमेन

(c) कॉन्सिडरेशंस ऑन रिप्रेजेंटेटिव गवर्नमेंट

(d) दी डिस्कोर्सेज

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर–(d)

जे.एस. मिल ने अनेक कृतियों की रचना की। उनकी मौलिक रचनाओं में 'सिस्टम ऑफ लॉजिक' (1843), 'प्रिंसिपल ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी (1848), 'ऑन लिबर्टी' (1859), कॉन्सिड्रेशन्स ऑन रिप्रजेन्टेटिव गवर्नमेंट (1861), 'यूटिलिटेरियनिज्म' (1863) 'द सब्जेक्शन ऑफ विमेन' (1869) आदि प्रमुख हैं। ध्यातव्य है कि दी डिस्कोर्सेज की रचना मिल ने नहीं अपितु मैकियावेली की है।

41. 'मॉडर्न डेमोक्रेसीज' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) डाइसी (b) लॉर्ड ब्राइस

(c) लॉवेल (d) सीले

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

'मॉडर्न डेमोक्रेसीज' पुस्तक के लेखक जैमस ब्राइस हैं, जबकि प्रश्न के अंग्रेजी रूपांतरण में मॉडर्न डेमोक्रेसीजी (Modern Democracies) का लेखक पूछा गया है एवं स्पष्ट नहीं है कि प्रश्न में पुस्तक या आर्टिकल का लेखक पूछ रहा है। यदि अंग्रेजी के रूपांतरण को सही माना जाए तो, 'मॉडर्न डेमोक्रेसीज' आर्टिकल के लेखक लॉर्ड ब्राइस होंगे जो सही है।

42. 'न्यू डेस्पॉटिज्म' नामक पुस्तक निम्नलिखित में से किसके द्वारा लिखी गई है?

(a) मेरटोन (b) लॉर्ड हेवर्ट

(c) सुसेन रुडाल्फ (d) वेबर

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(b)

'न्यू डेस्पॉटिज्म नामक पुस्तक 'लॉर्ड हेवर्ट' (Lord hewart) द्वारा लिखी गई है।

43. लोक प्रशासन की पहली पुस्तक कब प्रकाशित हुई?

(a) 1926 (b) 1929

(c) 1927 (d) 1928

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर–(a)

वर्ष 1926 में एल.डी. व्हाईट की पुस्तक "Introduction to the study of Public Adminstration" (लोक प्रशासन के अध्ययन की भूमिका) प्रकाशित हुई। वह लोक-प्रशासन की पहली पाठ्य पुस्तक थी, जिसने राजनीति-प्रशासन के अलगाव में विश्वास व्यक्त किया। व्हाईट ने यह मान्यता प्रकट की कि लोक-प्रशासन का मुख्य लक्ष्य दक्षता और मितव्ययता है।

44. 'स्मृति' के लेखक हैं-

(a) कौटिल्य (b) मनु

(c) व्यास (d) कामन्दक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

स्मृति हिंदू धर्म के उन धर्म ग्रंथों का समूह है, जिनकी मान्यता श्रुति से नीचे श्रेणी की है। 'स्मृति का शाब्दिक अर्थ है- याद किया हुआ''। स्मृति के लेखक 'मनु' हैं।

45. 'पोलिटिक्स' किताब के लेखक कौन थे?

(a) हेगल (b) सॉक्रेटिस

(c) ॲरिसटॉटल (d) जे.एस. मिल

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

अरस्तू (Aristotle) की सबसे महान कृति 'Politics' है, जो भावना व कलपना पर आधारित न होकर व्यवहारवादी व यथार्थवादी विचारों से ओत-प्रोत है, जिसे बार्कर ने राजनीतिक चिंतन के क्षेत्र में 'महान कार्य' (magnum-opus) की संज्ञा दी है।

46. प्लेटो की पुस्तक 'रिपब्लिक' का केंद्रीय विषय है-

(a) आदर्श राज्य की स्थापना

(b) आदर्श शिक्षा पद्धति

(c) न्याय की व्याख्या एवं प्राप्ति

(d) समाजवाद की स्थापना

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

'रिपब्लिक' की रचना प्लेटो ने की है। प्लेटो ने रिपब्लिक में विभिन्न व्यक्तियों के मध्य हुए लम्बे संवादों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि हमारा न्याय से सरोकार होना चाहिए। रिपब्लिक का केंद्रीय विषय न्याय की व्याख्या एवं प्राप्ति से संबंधित है, जिनमें वह न्याय की स्थापना हेतु व्यक्तियों के कर्तव्य-पालन पर बल देता है।

47. निम्न में से कौन-सी एक किताब प्लेटो द्वारा नहीं लिखी गई है?

(a) द रिपब्लिक (b) द स्टेट्समैन

(c) द लॉज (d) कॉन्स्टीट्यूशन्स

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

कॉस्टीट्यूशन्स प्लेटो द्वारा लिखित पुस्तक नहीं है जबकि द रिपब्लिक, द स्टेट्समैन, मेनो, सिम्पोजियम एवं द लॉज प्लेटो द्वारा लिखी गई पुस्तकें हैं।

48. ''राजनीतिक अर्थशास्त्र की एक समीक्षा'' नामक पुस्तक का लेखक था-

(a) कौटिल्य (b) कार्ल मार्क्स

(c) रूसो (d) स्पेन्सर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

मार्क्स ने अपनी पुस्तक A contribution to the critique of Political Economay' 1859 में सामाजिक जीवन एवं सामाजिक चेतना के बीच संबंध स्थापित किया। 'Das Kapital (1867) का पूरा नाम 'Contribution to the critigue of Political economy' है। दास कैपिटल का पहला खण्ड मार्क्स ने, बाकी दो खण्ड मार्क्स की मृत्यु के पश्चात् एंगेल्स ने लिखा। दूसरा खण्ड 1885 और तीसरा खण्ड 1894 में प्रकाशित हुआ।

49. 'ऑन लिबर्टी' के लेखक कौन हैं?

(a) लास्की (b) रूसो

(c) जे.एस. मिल (d) टी.एच. ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

ऑन लिबर्टी (On Liberty) जे.एस. मिल का सूक्ष्म निबंध है, जो 1859 ई. में प्रकाशित हुआ। यह निबंध मिल ने अपनी पत्नी हेरियट टेलर मिल (Harriet Taylor Mill) को समर्पित किया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

जे.एस. मिल की अन्य महत्वपूर्ण रचनाएं हैं- वार एक्सपेंडिचर, द स्प्रिट ऑफ द एज, ह्वाट इज पोयट्री, सिविलाइजेशन, एस्से ऑन बेंथम, ए सिस्टम ऑफ लॉजिक, थ्री एस्सेज ऑन रिलिजन।

50. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक प्लेटो द्वारा नहीं लिखी गई थी?

(a) क्रीतो (b) रिपब्लिक

(c) एथिक्स (d) अपोलॉजी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(c)

एथिक्स अरस्तू की कृति है, जबकि शेष कृतियां प्लेटो की हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

प्लेटो द्वारा लिखी गई अन्य महत्वपूर्ण कृतियां इस प्रकार हैं- इथाफ्रो, फायडो, क्रैटाइलस, थीयेटियस, साफिस्ट, स्टेट्समैन, लायसिस, प्रोटैगोरस, जार्जियस, मेनो, क्रिटिअस, टाइमाइअस।

51. 'लेक्चर्स ऑन दी प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल ऑब्लिगेशन' के लेखक कौन हैं?

(a) टी.एच. ग्रीन (b) बोसांके

(c) अर्नाल्ड टायनबी (d) जे.एस. मिल

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(a)

'लेक्चर्स ऑन दी प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल ऑब्लिगेशन' थॉमस हिल ग्रीन (T.H. Green) की रचना है, जो राजनीतिक सिद्धांतों का सार है। इसमें राजाज्ञा पालन के सिद्धांतों पर व्यापक रूप से लिखा गया है। यह रचना ग्रीन के भाषणों का संकलन है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ग्रीन के जीवनकाल में कोई रचना प्रकाशित नहीं हुई। उनके सबसे प्रिय शिष्य आर.एल. नटलशिप ने उनकी रचनाओं को तीन भागों में प्रकाशित कराया।
- लिबरल लेजिस्लेशन एंड फ्रीडम ऑफ कांटेक्स' ग्रीन की सर्वश्रेष्ठ और महत्वपूर्ण रचना है।
- 'प्रोलेगोमेना टू एथिक्स' ग्रीन द्वारा प्राध्यापक के तौर पर दिए गए नीति उपदेशों का सार संकलन है।
- लेक्चर्स ऑन इंग्लिश रिवोल्यूशन ग्रीन द्वारा 'शानदार क्रांति' (Gleorius Revolution) के बारे में प्रस्तुत किए गए भाषणों के संकलित अंश हैं।

52. 'लॉ ऑफ दी कांस्टीट्यूशन' का प्रख्यात लेखक कौन है?

(a) ए.वी. डायसी (b) हरमन फाइनर

(c) आर.जी. गेटेल (d) एफ. डब्ल्यू. विलोबी

P.G.T. परीक्षा, 2003

उत्तर-(a)

'एन इंट्रोडक्शन ऑफ दि लॉ ऑफ दि कांस्टीट्यूशन (1885)' के लेखक ए. वी. डायसी (A.V. Dicey) हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- ए. वी. डायसी की अन्य महत्वपूर्ण कृतियां हैं- ए लीप इन दि डार्क, इंग्लैंड्स केस अगेंस्ट होमरूल (1887), ए डाइजेस्ट ऑफ दि लॉ ऑफ इंग्लैंड विथ रिफेरेंस टू दि कांफ्लिक्ट ऑफ लॉज।

53. कार्ल मार्क्स और एफ. एंगेल्स सहलेखक हैं-

(a) दास कैपिटल के

(b) एंटी-डुहरिंग के

(c) जर्मन आइडियालॉजी के

(d) क्रिटिक ऑफ दि गेथा प्रोग्राम के

P.G.T. परीक्षा, 2003

P.G.T. परीक्षा, 2005

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर-(c)

'दि जर्मन आइडियालॉजी' कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंगल्स द्वारा 1846 ई. में लिखी गई । इसका प्रथम प्रकाशन वर्ष 1932 में किया गया।

54. 'प्रतिनिध्यात्मक शासन पर विचार' ग्रंथ के लेखक का नाम है-

(a) जे.एस. मिल (b) लास्की

(c) कोल (d) बेंथम

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

'प्रतिनिध्यात्मक शासन पर विचार' (Considerations on Representative Government) नामक ग्रंथ के लेखक जॉन स्टुअर्ट मिल (John Stuert Mill) हैं, जो 1861 ई. में प्रकाशित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ जे. एस. मिल की प्रमुख पुस्तकें हैं- ऑन लिबर्टी, दि सबजेक्शन ऑफ वुमेन, प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी, ए सिस्टम ऑफ लॉजिक इत्यादि।

55. 'प्रतिनिधि सरकार' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) प्लेटो (b) बेंथम

(c) जे.एस. मिल (d) टी.एच. ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. 'रिप्रेजेन्टेटिव गवर्नमेंट' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) एच.जी. बेल्स (b) सी.डी. बर्न्स

(c) जे.एस. मिल (d) अरस्तू

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. 'दि पावर्टी ऑफ फिलॉसफी' के लेखक कौन थे?

(a) माओ (b) लेनिन

(c) मार्क्स (d) स्टालिन

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

'द पावर्टी ऑफ फिलॉसफी' (The Poverty of Philosophy) के लेखक कार्ल मार्क्स हैं। मार्क्स ने इस ग्रंथ की रचना प्रूधां के ग्रंथ 'Philosophy of Poverty' (फिलॉसफी ऑफ पावर्टी) के प्रत्युत्तर में की। अपने ग्रंथ की रचना में मार्क्स का उद्देश्य तत्कालीन जर्मन विचार धारा को क्रांतिकारी स्वरूप देना था।

58. निम्न में से किस पुस्तक का लेखक प्लेटो है?

(a) रिपब्लिक (b) स्टेट्समैन

(c) द लाज (d) इनमें से सभी

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

प्लेटो महान यूनानी दार्शनिक था। इसने लगभग 36 या 38 ग्रंथों की रचना की। प्लेटो द्वारा किया गया राजशास्त्र पर विशद् विवेचन उसकी प्रमुख तीन कृतियों रिपब्लिक, स्टेट्समैन और लाज में मिलते हैं। इन तीनों ग्रंथो में प्लेटो ने सर्वप्रथम 'रिपब्लिक' उसके बाद स्टेट्समैन तथा उसके बाद 'द लाज' की रचना की। इसके अलावा प्लेटो के अन्य ग्रंथ निम्नलिखित हैं- 1- अपोलॉजी 2- क्रोटो 3- प्रोटागोरस 4- जोर्जियाज

59. किसने 'द रिपब्लिक' की रचना की?

(a) अरस्तू (b) प्लेटो

(c) हीगल (d) बेंथम

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. 'ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स' के लेखक-

(a) लॉर्ड ब्राइस हैं (b) हरमन फाइनर हैं

(c) जॉन आस्टिन हैं (d) हेरोल्ड लास्की हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

'ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स' के लेखक हेरोल्ड लास्की हैं। इसकी रचना हेरोल्ड लास्की ने अक्टूबर, 1925 में किया था।

61. ''ए ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स'' नामक ग्रंथ का लेखक है-

(a) लास्की (b) गार्नर

(c) रूसो (d) हॉब्स

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' किसने लिखी है?

(a) जॉन रॉल्स ने (b) नेहरू ने

(c) अम्बेडकर ने (d) लॉक ने

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(a)

'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' के लेखक जॉन रॉल्स हैं। राजनीतिक दर्शन एवं नीतिशास्त्र की यह पुस्तक वर्ष 1971 में प्रकाशित हुई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ जॉन रॉल्स की कुछ महत्वपूर्ण कृतियां इस प्रकार हैं- पॉलिटिकल लिबरलिज्म, दि लॉ ऑफ पीपुल्स, जस्टिस ऐज फेयरनेस : ए रिस्टेटमेंट।

63. जॉन राल्स की प्रसिद्ध पुस्तक का शीर्षक है-

(a) ए थ्योरी ऑफ जस्टिस

(b) हाउ टू इस्टेब्लिश ए जस्ट सोसायटी

(c) माई व्यूज ऑन जस्टिस

(d) दि जस्ट एंड अनजस्ट

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

64. 'पॉलिटिकल लिबरलिज़्म' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) सी.बी. मैक्फर्सन (b) एच.जे. लास्की

(c) जॉन राल्स (d) एल.टी. हॉबहाउस

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

65. 'वेल्थ ऑफ नेशंस' किसकी रचना है?

(a) स्पेंसर की (b) एडम स्मिथ की

(c) रिकार्डो की (d) लास्की की

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

'एन इंक्वायरी इन टू दि नेचर एंड कॉलेज ऑफ दि वेल्थ ऑफ नेशंस' एडम स्मिथ द्वारा लिखी गई है, जिसका संक्षिप्त शीर्षक, 'वेल्थ ऑफ नेशंस' है। इसका प्रकाशन 1776 ई. में किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ एडम स्मिथ की प्रथम कृति 'दि थ्योरी ऑफ मॉरल सेंटिमेंट्स' है, जो 1759 ई. में प्रकाशित हुई।

66. 'The Wealth of Nations' नामक अर्थशास्त्रीय कृति के लेखक हैं-

(a) मार्शल (b) रिकार्डो

(c) एडम स्मिथ (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

67. 'पॉलिटिक्स एमंग नेशंस' के लेखक कौन हैं?

(a) ओपनहिमर (b) मार्गेन्थाउ

(c) महेंद्र कुमार (d) एम.एस. राजन

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

'पॉलिटिक्स एमंग नेशंस' : दि स्ट्रगल फार पॉवर एंड पीस' हैंस मार्गेन्थाउ (Hans Morgenthau) द्वारा लिखित है, जो वर्ष 1948 में प्रकाशित हुई।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ हैंस मार्गेन्थाउ की प्रमुख कृतियों में शामिल है- साइंटिफिक मैन वर्सेस पॉवर पॉलिटिक्स (1946), इन डिफेंस ऑफदि नेशनल इंटरेस्ट (1951), दि पर्पज़ ऑफ अमेरिकन पॉलिटिक्स (1960), ट्रूथ एंड पॉवर : एस्सेज ऑफ डिकेट (1960-70) तथा एस्सेज : ऑन लिंकन्स फेथ एंड पॉलिटिक्स (1983)।

68. ''पॉलिटिक्स'' नामक पुस्तक की रचना की-

(a) प्लेटो ने (b) अरस्तू ने

(c) मॉन्टेस्क्यू ने (d) लॉक ने

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

'पॉलिटिक्स' और 'द कांस्टीट्यूशन' अरस्तू द्वारा लिखे गए दो राजनीतिक विज्ञान विषय के ग्रंथ हैं।

69. 'पॉलिटिक्स एमंग नेशंस' का लेखक कौन है?

(a) मॉर्गेन्थो (b) फेलिक्स ग्रॉस

(c) क्विन्सी राइट (d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

70. 'इंट्रोडक्शन टू दि स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' पुस्तक के लेखक हैं-

(a) आर. आर. माहेश्वरी (b) ए.पी. शर्मा

(c) एल.डी. व्हाइट (d) वुड्रो विल्सन

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(c)

'इंट्रोडक्शन टू दि स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' पुस्तक के लेखक लेनॉर्ड डी. व्हाइट हैं। यह पुस्तक उनके मृत्यु वर्ष 1958 में प्रकाशित हुई, जो उनके सहयोगी जीन श्निडर (Jean Schneider) द्वारा प्रकाशित की गई।

71. 'पॉलिटिक्स : हू गेट्स, व्हाट एंड हाउ?' इस पुस्तक के लेखक-

(a) चार्ल्स मेरियम हैं (b) जान बोल्टन हैं

(c) हेरोल्ड लॉस्वेल हैं (d) नेभन ग्लेजर हैं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

पॉलिटिक्स : हू गेट्स, व्हाट एंड हाउ? पुस्तक के लेखक हेरोल्ड लॉस्वेल हैं।

72. इंट्रोडक्शन टू दी स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के लेखक कौन हैं?

(a) एल.डी. ह्वाइट (b) डब्लू. एफ. विलोबी

(c) हेनरी फेयोल (d) ऊरविक

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. किस ग्रंथ को साम्यवाद की बाइबिल कहा जाता है?

(a) मार्क्सिज्म ऑफ्टर मार्क्स को

(b) ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स को

(c) कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो को

(d) दास कैपिटल को

P.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(d)

'दास कैपिटल' को 'साम्यवाद की बाइबिल' कहा जाता है। यह रचना कार्ल मार्क्स की है, जो पूंजीपतियों द्वारा उनकी शोषणकारी नीतियों की आलोचना पर आधारित है।

74. किस विचारक ने अपनी पुस्तक 'इंटरनेशनल इक्विलिब्रियम' में संतुलन सिद्धांत की सुसंगत व्याख्या की है?

(a) जॉर्ज लिस्का (b) मार्टन कैप्लन

(c) मॉर्गेन्थाउ (d) रेमैण्ड ऐरन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

इंटरनेशनल इक्विलिब्रियम : ए थ्योरिटिकल एस्से ऑन दि पॉलिटिक्स एंड ऑर्गनाइजेशन ऑफ सिक्यूरिटी' जॉर्ज लिस्का की पुस्तक है, जो वर्ष 1957 में प्रथम बार प्रकाशित हुई। इस पुस्तक में उन्होंने राजनैतिक एवं सुरक्षा संगठन पर संतुलन सिद्धांत की व्याख्या प्रस्तुत की है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- जॉर्ज लिस्का की प्रमुख कृतियां इस प्रकार हैं- रिटर्न टू दि हर्टलैंड और रिबर्थ ऑफ दि ओल्ड ऑर्डर : रिकंसेपच्यूअलिनिंग द एनवायरेनमेंट ऑफ स्ट्रेटेजीज फार ईस्ट-सेंट्रल यूरोप और बीयान्ड,इम्पीरियल अमेरिका, स्टेट्स इन इवैल्यूशन, रसिया एंड वर्ल्ड ऑर्डर : स्ट्रेटेजिक च्वाइस एंड दि लॉज ऑफ पॉवर इन हिस्ट्री, नेशंस इन, एलाइंस दि लिमिट्स ऑफ इंटरडिपेंडेंस, एसडीआई एंड यूएस फारेन पॉलिसी इत्यादि।

75. 'इंटरनेशनल इक्विलिब्रियम' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) जार्ज लिस्का (b) मार्टेन कैप्लान

(c) कार्ल डायच (d) मार्टिन शुबिक

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. 'डेमोक्रेसी एंड इकोनॉमिक चैलेंज' नामक पुस्तक के लेखक हैं -

(a) जे. एस. मिल (b) मैकाइवर

(c) डेविड मार्श (d) लास्की

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

'डेमोक्रेसी एंड इकोनॉमिक चैलेंज' नामक पुस्तक के लेखक आर.एम. मैकाइवर हैं। यह पुस्तक जनवरी, 1952 में प्रकाशित हुई ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- रॉबर्ट मॉरिसन मैकाइवर की प्रमुख कृतियां इस प्रकार हैं- कम्युनिटी (1917), लेबर इन दि चेंजिंग वर्ल्ड (1919), एलीमेंट्स ऑफ सोशल साइंस (1921), दि मॉडर्न स्टेट्स, इकोनॉमिक रिकंस्ट्रक्शन, द वेब ऑफ गवर्नमेंट इत्यादि।

77. 'म्युच्युल एड' पुस्तक में क्रोपोटिकन ने किस विचार का विरोध किया?

(a) डार्विन के संघर्ष सिद्धांत का

(b) लॉस्की के बहुलवाद का

(c) हीगल के आदर्शवाद का

(d) उपर्युक्त में कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

'म्युच्युल एड' पुस्तक पिटर क्रोपोटिकन द्वारा लिखी गई है। इन्होंने सामाजिक डार्विनवाद के उत्तर में इस पुस्तक का लेखन किया था और डार्विन के संघर्ष सिद्धांत का विरोध किया और बताया कि जीव परस्पर सहयोग से अपनी उत्तरजीविता को बढ़ा सकता है।

78. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तकें)
A. एफ.डब्ल्यू. विलोबी	**(i) एडमिनिस्ट्रेटिव बिहैवियर**
B. एम. पी. फालेट	**(ii) प्रिंसिपल्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन**
C. वुडरो विल्सन	**(iii) क्रिएटिव एक्सपीरियंस**
D. हर्बर्ट साइमन	**(iv) द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(c)

सूची-I एवं सूची-II इस प्रकार सुमेलित हैं-

लेखक	पुस्तकें
एफ.डब्ल्यू. विलोबी	प्रिंसिपल्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन
एम. पी. फालेट	क्रिएटिव एक्सपीरियंस
वुडरो विल्सन	द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन
हर्बर्ट साइमन	एडमिनिस्ट्रेटिव बिहैवियर

79. निम्न में कौन सही सुमेलित नहीं है?

(a) ह्यू टोये : स्प्रिंगिंग टाइगर

(b) एस.सी.बोस : इंडियन स्ट्रगिल

(c) लुई फिशर : द लाइफ ऑफ महात्मा गांधी

(d) एम.के. गांधी : इंडिया डिवाइडेड

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

वर्ष 1947 में भारत-पाक विभाजन के संदर्भ में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 'इंडिया डिवाइडेड' नामक महत्वपूर्ण पुस्तक की रचना की थी। अतः उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) गलत है। अन्य तीनों विकल्प सही हैं।

80. 'ऑन न्यू डेमोक्रेसी' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) सी. डी. बर्न्स (b) ब्राइस

(c) लास्की (d) माओ-त्से-तुंग

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(d)

'ऑन न्यू डेमोक्रेसी' नामक पुस्तक के लेखक माओ त्से-तुंग हैं, जिन्हें 'माओ जेडांग' भी कहा जाता है। यह पुस्तक वर्ष 1940 में प्रकाशित हुई थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ ऑन प्रैक्टिस, ऑन कंट्राडिक्शन, ऑन प्रोट्रेक्टेड वार, इन मेमरी ऑफ नॉर्मन बेथून, सर्व दि पीपुल इत्यादि माओ-त्से-तुंग की महत्वपूर्ण कृतियां हैं।

81. 'फेडरल गवर्नमेंट' की रचना किसने की-

(a) के.सी. व्हीयर (b) मोरिस जोन्स

(c) आइवर जेनिग्स (d) डॉयसी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(a)

फेडरल गवर्नमेंट के लेखक के.सी. व्हीयर थे।

82. 'ट्रीटीज (Treatises) ऑन सिविल गवर्नमेंट' का लेखक कौन है?

(a) लॉक (b) हॉब्स

(c) रूसो (d) मिल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

टू ट्रीटीज ऑफ गवर्नमेंट (टू ट्रीटीज ऑफ गवर्नमेंट : इन द फार्मर, दि फाल्स प्रिंसिपल्स, एंड फाउंडेशन ऑफ सर रॉबर्ट फिल्मर, एंड हिज़ फालोवर्स, आर डिटेक्टेड एंड ओवर थ्रोन, द लेटर इज एन एस्से कंसर्निंग दि टू ओरिजिनल, एक्सटेंट एंड इंड ऑफ सिविल गवर्नमेंट) के लेखक जॉन लॉक (John Locke) हैं जिसका प्रकाशन 1689 ई. में किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ एन एस्से कंसर्निंग ह्यूमन अंडर स्टैंडिंग (1690), सम थॉट्स कंसर्निंग एजुकेशन (1693) इत्यादि जॉन लॉक की प्रमुख कृतियां हैं।

83. ''द ट्रीटीज ऑन गवर्नमेंट'' नामक पुस्तक की रचना किसने की?

(a) बेन्थम ने (b) हेनरी मेन ने
(c) रूसो ने (d) लॉक ने

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. 'ए स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' नामक लेख, जिसमें लोक प्रशासन को एक अलग विषय के रूप में अध्ययन करने पर बल दिया गया है, के लेखक थे-

(a) फैंक जे. गुडनो (b) वुडरो विल्सन
(c) हेनरी फेयोल (d) मार्शल

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(b)

'ए स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' लेख वुडरो विल्सन ने प्रकाशित कराया था, जिसमें लोक प्रशासन को एक अलग विषय के रूप में अध्ययन करने पर बल दिया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ वुडरो विल्सन की महत्वपूर्ण कृतियां इस प्रकार हैं- कांग्रेसनल गवर्नमेंट, ऑन बीइंग ह्यूमन, द इसेंशियल पॉलिटिकल राइटिंग्स, द न्यू फ्रीडम, ह्वेन ए मैन कम्स टू हिमसेल्फ इत्यादि।

85. इनमें से कौन-सी पुस्तक प्लेटो ने नहीं लिखी थी-

(a) सोफिस्ट (b) लॉज
(c) इमेजनरी कन्वरसेशंस (d) स्टेट्समेन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

इमेजनरी कन्वरसेशंस (Imaginary Conversations) वाल्टर सैवेज लैंडर (Walter Savage Landor) द्वारा लिखी गई पुस्तक है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ दि रिपब्लिक, सिम्पोसियम, फाइडो, क्रिटो, मेनो, लॉज, स्टेट्समैन, जार्जियस, लामासिस, प्लेटोज सोफिस्ट इत्यादि प्लेटो की प्रमुख पुस्तकें हैं।

86. ''रिपब्लिक'' ग्रंथ की रचना किसने की?

(a) अरस्तू (b) रूसो
(c) प्लेटो (d) गार्नर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

87. 'कन्फेशन' नामक पुस्तक के रचयिता हैं-

(a) लॉक (b) मॉन्टेस्क्यू
(c) रूसो (d) लेनिन

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

कन्फेशन (Confession) रूसो की पुस्तक है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ सोशल कान्ट्रैक्ट, दि इमाइल, डिसकोर्स ऑन पॉलिटिकल इकोनॉमी, एस्से ऑन दि ओरिजिन ऑफ लैंग्वेज, दि सोशल कांट्रेक्ट, डिस्कोर्स ऑन दि ओरिजिन एंड बेसिस ऑफ इनइक्वलिटी एमंग मेन इत्यादि रूसो की प्रमुख अन्य कृतियां हैं।

88. ''सोसल कॉन्ट्रैक्ट'' नामक पुस्तक का लेखक था-

(a) रूसो (b) हॉब्स
(c) अरस्तू (d) प्लेटो

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

89. 'दि एंड ऑफ हिस्ट्री' का संकल्प किसका दिया हुआ है?

(a) जॉन बर्टन (b) सैमुएल हंटिंगटन
(c) केनेथ वाल्ट्ज (d) फ्रांसिस फूकूयामा

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(d)

'दि एंड ऑफ हिस्ट्री' फ्रांसिस फूकूयामा द्वारा वर्ष 1989 में प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मामलों का एक जर्नल है। बाद में इसी को विस्तारित करते हुए वर्ष 1992 में पुस्तक के रूप में 'दि एंड ऑफ हिस्ट्री एंड दि लास्ट मैन' नाम से प्रकाशित किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ ट्रस्ट : दि सोशल वर्च्यूज एंड दि क्रिएशन ऑफ प्रॉसपैरिटि, ऑवर पॉसथुमान फ्यूचर : कन्सिक्वेंसेंस ऑफ दि रिकांस्टिट्यूशन ऑफ सोशल ऑर्डर इत्यादि फ्रांसिस फूकूयामा की प्रमुख कृतियां हैं।

90. सर आइवर जेनिंग्स द्वारा लिखित पुस्तक कौन नहीं है?

(a) सम कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ दी इंडियन कांस्टीट्यूशन
(b) दी लॉ एंड दी कांस्टीट्यूशन
(c) माडर्न कांस्टीट्यूशन
(d) कैबिनेट गवर्नमेंट

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

'मॉडर्न कांस्टीट्यूशंस' नामक पुस्तक के.सी. व्हीयर द्वारा लिखी गई है। शेष पुस्तकों को सर आइवर जेनिंग्स द्वारा लिखा गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ सर आइवर जेनिंग्स द्वारा लिखी गई महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं- कांस्टीट्यूशनल लॉज ऑफ दि ब्रिटिश इम्पायर पार्लियामेंट, दि फेडरेशन फार वेस्टर्न यूरोप, कैबिनेट गवर्नमेंट तथा दि ब्रिटिश कांस्टीट्यूशन इत्यादि।

91. प्लेटो ने अपनी किस रचना में न्याय सिद्धांत का वर्णन किया है?

(a) स्टेट्समैन (b) दि लॉज
(c) रिपब्लिक (d) लिबर्टी

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

प्लेटो ने अपनी पुस्तक रिपब्लिक में न्याय सिद्धांत का वर्णन किया है। इसमें सुकरात के विचारों का वर्णन है।

92. 'लेक्चर्स ऑन ज़्यूरिसप्रूडेंस' पुस्तक के लेखक निम्न में से कौन हैं?

(a) ऑस्टिन (b) बार्कर
(c) लास्की (d) मैकाइवर

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(a)

'लेक्चर्स ऑन ज़्यूरिसप्रूडेंस' के लेखक जॉन ऑस्टिन हैं। यह पुस्तक 1885 ई. में प्रकाशित हुई थी। ध्यातव्य है कि इसी शीर्षक के नाम से एडम स्मिथ की भी एक पुस्तक है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ मिनी वेपंस ऑफ मास डिस्ट्रक्शन : बिल्ड इम्प्लीमेंट्स ऑफ स्पिटबाल वारफेयर, हॉलीवुड्स अनसाल्वड मिस्टरीज इत्यादि जॉन ऑस्टिन की प्रमुख पुस्तकें हैं।

93. ''विधि शास्त्र पर व्याख्यान'' नामक पुस्तक के लेखक का नाम है-

(a) जॉन ऑस्टिन (b) प्लेटो
(c) अरस्तू (d) गार्नर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. न्यू आस्पेक्टस ऑफ पॉलिटिक्स' (New Aspects of Politics) नामक पुस्तक के लेखक हैं-

(a) ग्राहम वालास (b) चार्ल्स ई. मेरियम
(c) ए.एफ. बैंटले (d) जॉन लॉक

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

'न्यू आस्पेक्टस ऑफ पॉलिटिक्स' (1925), पुस्तक के लेखक चार्ल्स ई. मेरियम हैं। इसी पुस्तक से मेरियम ने राजनीति में व्यवहारवाद का सूत्रपात किया। चार्ल्स मेरियम को व्यवहारवाद का बौद्धिक जनक माना जाता है। बेन्टले ने 'द प्रोसेस ऑफ गवर्नमेंट' तथा ग्राह्म वालास ने ''ह्यूमन नेचर इन पॉलिटिक्स' नामक पुस्तक लिखा है।

95. 'साम्राज्यवाद : पूंजीवाद का अंतिम चरण' पुस्तक के लेखक कौन थे?

(a) मार्क्स (b) लेनिन
(c) स्टालिन (d) माओ

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

'साम्राज्यवाद : पूंजीवाद का अंतिम चरण' (Imperialism: The Highest Stage of Capitalism) लेनिन द्वारा लिखी गई पुस्तक है। यह वर्ष 1917 में लिखी गई है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ दि डेवलपमेंट ऑफ कैपिटलिज्म इन रशिया, व्हाट इज़ टूबी डन?, दि स्टेट एंड रिवोल्यूशन, दि अप्रैल थीसिस, दि राइट ऑफ नेशंस टू सेल्फ-डिटरमिनेशन इत्यादि लेनिन की महत्वपूर्ण कृतियां हैं।

96. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तकें जे. एस. मिल द्वारा नहीं लिखी गई थी?

(a) प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी
(b) इंट्रोडक्शन टू दि प्रिंसिपल्स ऑफ मोरल्स एंड लेजिसलेशन
(c) एसेज़ ऑन लिबर्टी
(d) यूटीलीटेरियनिज्म

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

'एन इंट्रोडक्शन टू दि प्रिंसिपल्स ऑफ मोरल्स एंड लेजिसलेशन' जेरेमी बेंथम की पुस्तक है जबकि शेष पुस्तकें जे.एस. मिल की हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ कंसिडरेशंस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव गवर्नमेंट, ऑगस्ट कॉम्टे एंड पॉजिटिविज्म, थॉट ऑफ पार्लियामेंट्री रिफार्म, क्लेम्स ऑफ लेबर इत्यादि जे. एस. मिल की प्रमुख पुस्तकें हैं।

97. निम्नलिखित पुस्तकों को उनके लेखकों से मिलाइए और सूची-I को सूची-II से सुमेलित करके प्रदत्त कूट से अपने उत्तर का चयन कीजिए :

सूची-I (पुस्तक)	सूची-II (लेखक)
A. स्टेट एंड रिवोल्यूशन	**(i) प्लेटो**
B. क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी	**(ii) कार्ल मार्क्स**
C. लॉज	**(iii) मॉन्टेस्क्यू**
D. स्पिरिट ऑफ लॉज	**(iv) लेनिन**

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

सूची-I तथा सूची-II का सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
स्टेट एंड रिवोल्यूशन	लेनिन
क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी	कार्ल मार्क्स
लॉज	प्लेटो
स्पिरिट ऑफ लॉज	मॉन्टेस्क्यू ।

98. 'स्पिरिट ऑफ लॉज' पुस्तक के लेखक का नाम है-

(a) रूसो (b) मॉन्टेस्क्यू

(c) हेनरीमेन (d) दुर्गादास बसु

T.G.T. परीक्षा, 2005

T.G.T. परीक्षा, 2009

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. ''द स्टेट एंड रिवोल्यूशन' नामक पुस्तक किसने लिखी है?

(a) स्टालिन (b) मार्क्स

(c) लेनिन (d) माओ

T.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

100. निम्नलिखित में से कौन सही ढंग से नहीं मिला है?

(a) जे.एस.मिल- पॉलिटिकल इकोनॉमी

(b) टी टॉकविल डेमोक्रेसी इन अमेरिका

(c) हेगेल - फिलॉसफी ऑफ हिस्ट्री

(d) लेनिन- क्रिटिक ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

101. मोरिस जोन्स की रचना है-

(a) दि इंडियन कांप्रिहेंसिंग

(b) दि गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया

(c) स्टेट पॉलिटिक्स इन इंडिया

(d) इनमें से कोई नहीं

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

'द गवर्नमेंट एंड पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया' मोरिस जोन्स की रचना है। यह भारत की राजनीति एवं शासन पर विशद विवेचन करने वाली महत्वपूर्ण पुस्तक है। मोरिश जोन्स ने भारत की संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था पर भी 'पार्लियामेंट ऑफ इंडिया' नामक पुस्तक लिखी है।

102. 'दि एंड ऑफ आइडियोलोजी' के लेखक हैं-

(a) डेनियल पर्ल (b) आक्टो ह्यूमो

(c) हर्बर्ट स्पेंसर (d) डेनियल बेल

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

'दि एंड ऑफ आइडियोलॉजी' के लेखक डेनियल बेल हैं। डेनियल बेल हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में सोशल साइंस विभाग के प्रोफेसर थे।

103. रॉबर्ट फिल्मर ने कौन-सी पुस्तक लिखी थी?

(a) पॉलिटिक्स (b) पैट्रीआर्क

(c) सोशल कांट्रैक्ट (d) दास कैपिटल

P.G.T. परीक्षा, 2010

उत्तर-(b)

रॉबर्ट फिल्मर की पुस्तक का नाम 'पैट्रीआर्क' (Patriarch) है। पॉलिटिक्स-अरस्तू, सोशल कांट्रैक्ट-रूसो तथा दास कैपिटल-कार्ल मार्क्स की पुस्तकें हैं।

104. निम्न में से कौन-सा युग्म सही रूप से सुमेलित नहीं है?

(a) हॉब्स : पैट्रीआर्क

(b) मार्क्स : मैनिफेस्टो ऑफ द कम्युनिस्ट पार्टी

(c) अरस्तू : पॉलिटिक्स

(d) रूसो : सोशल कॉन्ट्रैक्ट

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. 'सोशल कॉन्ट्रैक्ट' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) हॉब्स (b) लॉक

(c) रूसो (d) ह्यूगो ग्रोशियस

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

106. निम्नलिखित में से अरस्तू की प्रसिद्ध पुस्तक कौन-सी है?

(a) द रिपब्लिक (b) द सोशल कॉन्ट्रैक्ट

(c) लॉज (d) पॉलिटिक्स

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

107. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I (चिंतक)	सूची-II (कृति)
A. हॉब्स	1. द सोशल कॉन्ट्रैक्ट
B. लॉक	2. लेवियाथन
C. रूसो	3. टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट

कूट :

	A	B	C
(a)	1	2	3
(b)	1	3	2
(c)	2	3	1

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(c)

सही सुमेलन है-

(चिंतक)		(कृति)
हॉब्स	-	लेवियाथन
लॉक	-	टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट
रूसो	-	द सोशल कॉन्ट्रैक्ट

108. 'पब्लिक ओपिनियन एंड पॉपुलर गवर्नमेंट' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) वाल्टर लिपमैन (b) ए.एल. लॉवेल

(c) जेम्स ब्राइस (d) ब्रॉगन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

'पब्लिक ओपिनियन एंड पॉपुलर गवर्नमेंट' नामक पुस्तक की रचना ए. लॉरेंस लावेल ने वर्ष 1909 में की थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ ए. लॉरेंस लावेल ने अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की रचना की जो इस प्रकार हैं- एस्सेज ऑन गवर्नमेंट (1889), कोलोनियल, सिविल सर्विस, पब्लिक ओपिनियन इन वार एंड पीस (1923)।

109. निम्नांकित पुस्तकों में से किसके लेखक एच. जे. लास्की नहीं हैं?

(a) 'डेमोक्रेसी इन क्राइसिस'

(b) 'द रीयल वर्ल्ड ऑफ डेमोक्रेसी'

(c) 'कम्युनिज़म'

(d) 'द अमेरिकन डेमोक्रेसी'

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

'द रीयल वर्ल्ड ऑफ डेमोक्रेसी' पुस्तक की रचना सी.बी. मैकफर्सन ने की थी, जिसका प्रकाशन वर्ष 1965 में हुआ। शेष पुस्तकों के रचनाकार एच.जे. लास्की हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ एच. जे. लास्की की कुछ महत्वपूर्ण पुस्तकें इस प्रकार हैं- अथॉरिटी इन द मॉर्डन स्टेट (1919), कार्ल मार्क्स (1921), ए ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स (1925), द अमेरिकन प्रेसिडेंसी (1940), फेथ, रीजन एंड सिविलाइजेशन (1948)।

110. 'द मेटाफिजिकल थ्योरी ऑफ द स्टेट' नामक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) एल.टी. हाबहाउस (b) बी. बोसांके

(c) एफ. एच. ब्रेडले (d) टी.एच. ग्रीन

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

'द मेटाफिजिकल थ्योरी ऑफ द स्टेट : ए क्रिटिज्म' पुस्तक की रचना एल.टी. हाबहाउस ने की है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ द लेबर मूवमेंट (1893), थ्योरी ऑफ नॉलेज : ए कांट्रिब्यूशन टू सम प्रॉब्लम्स ऑफ लॉजिक एंड मेटाफिजिक्स (1896), माइंड इन वैल्यूएशन (1901), डेमोक्रेसी एंड रिएक्शन (1905), द एलीमेंट्स ऑफ सोशल जस्टिस (1922) इत्यादि एल.टी. हाबहाउस की प्रमुख रचनाएं हैं।

111. 'कार्यपालिका के कार्य' (फंक्शन ऑफ द एक्जीक्यूटिव) का लेखक कौन है?

(a) चेस्टर बर्नार्ड (b) मेरी पार्कर फालेट

(c) हर्बर्ट साइमन (d) रॉबर्ट डाल

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

'फंक्शन ऑफ द एक्जीक्यूटिव' (कार्यपालिका के कार्य) के लेखक चेस्टर आई. बर्नार्ड हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन वर्ष 1938 में किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ डाइलेमस ऑफ लीडरशिप इन द डेमोक्रेटिक प्रॉसेस (1939), ए रिपोर्ट ऑन द इंटरनेशनल कंट्रोल ऑफ एटॉमिक एनर्जी (1946), ऑर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट (1948) इत्यादि चेस्टर आई. बर्नार्ड की महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं।

112. राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत का प्रथम लेखक कौन था?

(a) ह्यूगो ग्रोशियस (b) अल्थ्यूशियस

(c) रिचर्ड हूकर (d) हॉब्स

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(c)

राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत का प्रथम लेखक रिचर्ड हूकर को माना जा सकता है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'ऑफ द लॉजेज ऑफ इक्सलेसिएस्टिकल पॉलिटी' (Ofthe lowes of Eccecsiastical politie) का प्रकाशन वर्ष 1594 में कराया जिसमें इस बात का उल्लेख किया कि मनुष्य की आदिम अवस्था काफी संघर्षपूर्ण थी। अतः उन्होंने समझौते के तहत 'राज्य' नामक संस्था की स्थापना की।

113. 'पब्लिक ओपिनियन एंड प्रोपेगेण्डा' नामक पुस्तक के लेखक हैं-

(a) जोज वाइ. गैसेट (b) एल. डब्ल्यू. डूब

(c) वाल्टर लिपमैन (d) ए. एल. लोवेल

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(b)

'पब्लिक ओपिनियन एंड प्रोपेगेण्डा' नामक पुस्तक की रचना डब्ल्यू. लियोनार्ड डूब (W. Leonard Doob) ने वर्ष 1948 में की थी।

114. 'ए फ्रेमवर्क ऑफ पॉलिटिकल एनालिसिस' शीर्षक पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) डेविड ईस्टन (b) आमंड एवं पावेल

(c) जीन ब्लोण्डेल (d) सिडनी वर्बा

P.G.T. परीक्षा, 2005

उत्तर-(a)

'ए फ्रेमवर्क ऑफ पॉलिटिकल एनालिसिस' पुस्तक की रचना डेविड ईस्टन (David Easton) ने वर्ष 1965 में की थी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ 'ए सिस्टम एनालिसिस ऑफ पॉलिटिकल लाइफ तथा वैराइटीज ऑफ पॉलिटिकल थ्योरी डेविड ईस्टन की महत्वपूर्ण कृतियां हैं।

115. 'दि पावर इलिट' पुस्तक के लेखक हैं-

(a) कार्ल मेनहीम (b) मैक्स वेबर

(c) सी. राइट मिल्स (d) मोस्का

P.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(c)

'दि पॉवर इलिट' पुस्तक सी. राइट मिल्स ने वर्ष 1956 में लिखी।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

➲ दि सोशियोलॉजिकल इमैजिनेशन (1959) सी. राइट मिल्स की महत्वपूर्ण पुस्तक है।

116. डॉ. अम्बेडकर ने निम्न में से किसका लेखन नहीं किया है?

(a) कास्ट्स :कान्फ्लिक्ट, कोऑपरेशन एंड कोआर्डिनेशन

(b) एन्हीलेशन ऑफ कास्ट

(c) पाकिस्तान और पार्टिशन ऑफ इंडिया

(d) हू वेयर दि शूद्राज.....

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(a)

डॉ. अम्बेडकर ने एन्हीलेशन ऑफ कास्ट (1936), पाकिस्तान और पार्टिशन ऑफ इंडिया (1945), हू वेयर दि शूद्राज ... का लेखन किया था। डॉ. अम्बेडकर का जीवन परिचय से लिया गया है।

117. ''हू वेयर द शूद्राज' के लेखक कौन हैं?

(a) महात्मा गांधी (b) अम्बेडकर

(c) मनु (d) कौटिल्य

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

118. मानवधर्मशास्त्र का प्रणेता कौन है?

(a) कौटिल्य (b) मनु

(c) शुक्र (d) भीष्म

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

119. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति बी.आर. अम्बेडकर द्वारा नहीं लिखी गई है?

(a) हु आर द शूद्रा?

(b) स्टेट्स एण्ड माइनोरिटिज

(c) दि अनटचेबल्स, हू आर दे?

(d) व्हील ऑफ हिस्ट्री

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

Uttarakhand Asst. Pro., परीक्षा, 2017

उत्तर–(d)

व्हील ऑफ हिस्ट्री (कालचक्र) राम मनोहर लोहिया द्वारा लिखित पुस्तक है, जबकि अन्य पुस्तकें डॉ. अंबेडकर द्वारा लिखी गई हैं।

120. 'फेडरेशन वर्सेस फ्रीडम' नामक पुस्तक के रचनाकार कौन थे?

(a) डायसी (b) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

(c) सरदार पटेल (d) जवाहरलाल नेहरू

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(b)

'फेडरेशन वर्सेस फ्रीडम' नामक पुस्तक के रचनाकार डॉ. बी. आर. अम्बेडकर थे।

121. निम्न में से कौन-सा बी.आर. अम्बेडकर का कार्य नहीं है?

(a) कास्ट इन इंडिया

(b) बुद्धा एण्ड हिज धर्मा

(c) मॉडर्न इंडिया

(d) इवोल्यूशन ऑफ प्राविन्सियल फाइनेन्सेज इन ब्रिटिश इंडिया

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(c)

'माडर्न इंडिया' नामक पुस्तक के लेखक सुमित सरकार है। कास्ट इन इंडिया (May 1917), बुद्ध एण्ड हिज धर्मा, इवोल्यूशन ऑफ प्राविन्सियल फाइनेन्स इन इंडिया, इन सभी पुस्तकों के लखक अम्बेडकर है।

122. ''बुद्ध और उनका धम्म'' शीर्षक ग्रंथ के लेखक हैं-

(a) बी.जी. तिलक (b) एम.के. गांधी

(c) जे.एल. नेहरू (d) बी.आर. अम्बेडकर

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

''बुद्ध और उनका धम्म'' शीर्षक ग्रंथ के लेखक बी.आर. अम्बेडकर हैं। यह ग्रंथ उनके मृत्योपरांत वर्ष 1957 में प्रकाशित हुआ।

123. गांधीजी की आत्मकथा का शीर्षक है-

(a) गिरि प्रवचन (b) हिन्द स्वराज

(c) भारत की खोज (d) सत्य के साथ मेरा प्रयोग

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(d)

गांधीजी की आत्मकथा का शीर्षक है- सत्य के साथ मेरा प्रयोग।

124. गांधीजी की आत्मकथा का नाम है-

(a) गिरि प्रवचन (b) सत्य के साथ मेरे प्रयोग

(c) सविनय अवज्ञा (d) भारत की खोज

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक लोकमान्य तिलक ने नहीं लिखी है?

(a) हिन्द स्वराज (b) द ओरिअन

(c) गीता रहस्य (d) आर्कटिक होम इन द वेदाज़

T.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

'हिन्द स्वराज' नामक पुस्तक के लेखक महात्मा गांधी हैं, जबकि अन्य सभी पुस्तकों के लेखक लोकमान्य तिलक हैं।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

लोकमान्य तिलक द्वारा रचित पुस्तकें हैं-

- द ओरियन
- द आर्कटिक होम इन द वेदाज़
- वैदिक क्रोनोलॉजी एण्ड वेदांग ज्योतिष
- गीता रहस्य

126. 'हिन्द-स्वराज' किसने लिखी?

(a) नेहरू (b) गांधीजी

(c) अम्बेडकर (d) इंदिरा गांधी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

127. निम्नलिखित में से किस पुस्तक के लेखक बाल गंगाधर तिलक हैं?

(a) द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज

(b) गीता रहस्य

(c) द ओरियन

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. सहायक अध्यापक परीक्षा, 2018

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. 'वन ईयर ऑफ नॉन-कोऑपरेशन किसने लिखा?

(a) एम.के. गांधी (b) बी.आर. अम्बेडकर

(c) एम.एन. रॉय (d) अरविन्द घोष

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

'वन ईयर ऑफ नॉन-कोऑपरेशन : फ्रॉम अहमदाबाद टू गया' नामक पुस्तक की रचना मानवेन्द्रनाथ रॉय ने की थी। इस किताब के माध्यम से एम.एन. रॉय ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन की मार्क्सवादी दृष्टिकोण ने आलोचना की थी।

129. गीता रहस्य किसने लिखी?

(a) स्वामी विवेकानन्द

(b) स्वामी दयानन्द सरस्वती

(c) बाल गंगाधर तिलक

(d) स्वामी विरजानन्द

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. 'द आइडिया ऑफ जस्टिस' पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) जॉन लॉक (b) जॉन रॉल्स

(c) अमर्त्य सेन (d) जे.एस. मिल

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

'द आइडिया ऑफ जस्टिस' पुस्तक के लेखक अमर्त्य सेन हैं। अमर्त्य सेन एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं। इन्होंने इस पुस्तक में अर्थशास्त्र को परम्परागत संकुचित दायरे के बाहर विकासशील देशों की समस्याओं, जैसे गरीबी की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं के साथ जोड़ा है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1998 में अमर्त्य सेन को अर्थशास्त्र के नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- अमर्त्य सेन अमेरिका के हार्वर्ड युनिवर्सिटी में दर्शन और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं।

131. ''माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ'' किसने लिखी?

(a) वी.पी. सिंह (b) एम.के. गांधी

(c) जे.पी. (d) पटेल

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

'माई एक्सपेरिमेंट विद ट्रुथ मोहन दास करमचंद गांधी द्वारा लिखित उनकी आत्मकथा है।

132. बंदी-जीवन पुस्तक का लेखक कौन है?

(a) दीन बन्धु मित्रा

(b) अतुल प्रसाद सेन

(c) रामप्रसाद बिस्मिल

(d) शचीन्द्र नाथ सान्याल

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर—(d)

बंदी-जीवन हमारे इस क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास का वह भाग है, जिसमें उन रोमांचकारी घटनाओं का सजीव वर्णन है। बंदी जीवन के लेखक शचींद्र नाथ सान्याल थे।

133. 'द आइडिया ऑफ जस्टिस' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) अमर्त्य सेन

(b) जॉन रॉल्स

(c) कार्ल पापर

(d) रॉबर्ट नॉजिक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. ''नैतिकता तथा व्यवस्थापन के सिद्धांत का परिचय'' नामक पुस्तक का लेखक था-

(a) बैन्थम (b) मिल

(c) रूसो (d) स्पेन्सर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

नैतिकता तथा व्यवस्थापन के सिद्धांत का परिचय [An introduction to the principles of Morals and Legislation 1989] नामक पुस्तक वेंथम ने लिखी है। इसी पुस्तक में बेंथम ने लिखा है कि 'मानव जीवन के दो स्वामी है, सुख और दुख।'' ऐसी कार्य जो मानव को ज्यादा से ज्यादा सुख प्रदान करें, वह उपयोगी है इसी को आधार मानकर वेंथम कहते है कि वह समाज अच्छा होता है, 'जहां अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख हो।' वेंथम, एक उपयोगितावादी विचारक है। उपयोगिता वाद को 'परिणामवाद' भी कहा जाता है।

135. ''पॉलिटिक्स आइडियल्स'' नामक पुस्तक के लेखक है-

(a) सी.डी. बर्नस (b) लॉस्की

(c) जे.एस. मिल (d) बैन्थम

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(*)

'पॉलिटिक्स आइडियल्स' (1917) नामक पुस्तक के लेखक ब्रट्रण्ड रसेल है। प्रश्न के सभी विकल्प गलत है।

136. थॉमस हॉब्स ने राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत को प्रतिपादित किया है, अपने ग्रंथ-

(a) लेवियाथन में

(b) दी प्रिंस में

(c) टू ट्रीटाइज़ेज ऑफ गवर्नमेंट में

(d) ए फ्रैगमेंट ऑन गवर्नमेंट में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

थॉमस हॉब्स की सबसे महत्वपूर्ण रचना 'लेवियाथन' (Leviathen) हैं, जो उसने अंग्रेजी में लिखी। लोखिया धन में ही हॉब्स ने राज्य की उत्पत्ति के सामाजिक अनुबंध सिद्धांत' का प्रतिपादन किया है। माइकल ओकशाट ने 'लेवियाधन' को अंग्रेजी साहित्य में लिखी गई सबसे बेहतर रचना कहा है।'' लेकिन क्लेरेण्डन हॉब्स के समकालीन विचारक थे, जो हॉब्स के घोर आलोचक थे। उन्होंने 'लेवियाथन' को जला दिया था।

137. महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन किस प्रकार आरंभ किया?

(a) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करके

(b) नमक कानून तोड़कर

(c) कर चुकाने से मना करके

(d) राष्ट्रीय शालाएं खोलकर

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(b)

वर्ष 1930 में कांग्रेस की कार्यकारिणी ने महात्मा गांधी को सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाने का अधिकार प्रदान किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil Disobedience Movement) की शुरुआत नमक कानून तोड़कर हुई। गांधी ने समुद्र तट के एक गांव डांडी (गुजरात) जाकर नमक कानून को तोड़ा।

138. ''डिस्कार्सेस ऑन आर्ट एण्ड साइंस'' नामक पुस्तक का लेखक था-

(a) रूसो (b) लॉक

(c) हॉब्स (d) इनमें से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

''डिस्कार्सेस ऑन आर्ट एण्ड साइंस'' नामक पुस्तक के लेखक रूसो थे। यह पुस्तक 1750 ई. में फ्रेंच भाषा में लिखी गई। अंग्रेजी भाषा में इसका अनुवाद 1751 ई. किया गया। रूसों ने इस पुस्तक में प्रकृति बनाम समाज के बारे में अपने दार्शनिक विचार को अभिव्यक्त किया था। यह विचार उसके बौद्धिक जीवन में आगे भी जारी रहा।

139. 'दि रिफ्लेक्शंस ऑन वायलेंस' में जॉर्ज सोरेल ने दिखाया है कि लोग उन राजनैतिक मिथकों से प्रभावित होते हैं, जो-

(a) सदैव सत्य होते हैं।

(b) परम्परा पर आधारित होते हैं।

(c) तर्क पर आधारित होते हैं।

(d) भले ही असत्य हों किंतु आकर्षक होते हैं।

P.G.T. परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

'दि रिफ्लेक्शंस ऑन वायलेंस' में जॉर्ज सोरेल ने दिखाया है कि लोग उन राजनीतिक मिथकों से प्रभावित होते हैं, जो भले ही असत्य हों किंतु आकर्षक होते हैं। जॉर्ज सोरेल फ्रांसीसी विचारक थे जिन्होंने क्रांतिकारी श्रमिक संघवाद सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। सोरेल ने अपनी पुस्तक में मिथकों एवं हिंसा की उत्कृष्टता पर बल दिया। सोरेल के अनुसार, मिथक 'वस्तुओं का यथार्थ वर्णन नहीं हैं बल्कि कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्प की अभिव्यक्ति' हैं। सोरेल के अनुसार, वर्ग संघर्ष में सर्वहारा की सफलता आम हड़ताल द्वारा भयावह एवं हिंसक क्रांति के निर्माण पर निर्भर करता है।

विविध

1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन कहां संपन्न हुआ था?

(a) बंबई (b) मद्रास

(c) पूना (d) कलकत्ता

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

भारतीय राष्ट्रीय संघ का पहला अधिवेशन 28 दिसंबर, 1885 को तेजपाल संस्कृत विद्यालय बंबई में संपन्न हुआ। इसी सम्मेलन में दादाभाई नौरोजी के सुझाव पर इस संगठन का नाम बदलकर 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' कर दिया गया।

2. वार्नकुलर प्रेस कानून किसने प्रस्तावित किया?

(a) लॉर्ड रिपन (b) लॉर्ड लिटन

(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड हेस्टिंग्स

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(b)

'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट 1878 ई. में लॉर्ड लिटन के कार्यकाल (1876-1880 ई.) में पारित हुआ। इस अधिनियम को 'मुंह बंद करने वाला अधिनियम' कहा गया। इस अधिनियम का सबसे घिनौना पक्ष यह था कि इसके अनुसार देशी भाषा तथा अंग्रेजी भाषा के समाचार-पत्रों में भेदभाव किया गया था और इसमें अपराधी को अपील करने का अधिकार नहीं था। इस एक्ट के तहत जिला मजिस्ट्रेट को यह अधिकार था कि वह किसी भी भारतीय भाषा के समाचार-पत्र से बॉण्ड पेपर (Bond Paper) पर हस्ताक्षर करवा लें कि वह कोई भी ऐसी सामग्री नहीं छापेगा, जो सरकार विरोधी हो। कानून का विरोध करने वाले मुद्रणालयों की जमानत को मजिस्ट्रेट रद्द कर सकता है। लॉर्ड रिपन ने 1882 ई. में वर्नाकुलर प्रेस एक्ट अथवा देशी भाषा प्रेस अधिनियम को रद्द कर दिया।

3. मुस्लिम लीग ने सीधी कार्यवाही दिवस कब मनाया?

(a) 12 अगस्त, 1942

(b) 16 अगस्त, 1943

(c) 16 अगस्त, 1946

(d) 14 अगस्त, 1947

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(c)

16 अगस्त, 1946 की तिथि मुस्लिम लीग द्वारा 'सीधी कार्यवाही दिवस' हेतु सुनिश्चित की गई थी। वायसराय के अंतरिम सरकार के फैसले को नामंजूर करते हुए मुस्लिम लीग ने स्वतंत्र एवं संपूर्ण प्रभुत्तासंपन्न पाकिस्तान राज्य की स्थापना की मांग की। उक्त तिथि को दंगे फैलाना एवं आतंक का माहौल बनाकर यह प्रदर्शित करना था कि हिंदू और मुसलमान एक साथ नहीं रह सकते। इस कार्यवाही में 'नोआखाली' दंगे का प्रमुख केंद्र रहा।

4. 'गदर पार्टी' की स्थापना किसने की?

(a) लाला हरदयाल (b) रामचन्द्र

(c) भीकाजी कामा (d) चंद्रशेखर आजाद

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

वर्ष 1913 में सोहन सिंह भाकना ने 'हिंदुस्तान एसोसिएशन ऑफ दि' पैसिफिक कोस्ट' नामक संस्था की स्थापना की। इस संस्था ने 'गदर' नामक एक अखबार निकाला जिससे इस संस्था का नाम भी गदर पार्टी पड़ गया। लाला हरदयाल इस संस्था के मनीषी पथ-प्रदर्शक थे। गदर-पार्टी के सदस्यों में रामचंद्र, बरकतुल्ला, रासबिहारी बोस, भाई परमानंद, करतार सिंह सराभा तथा पंडित काशीराम प्रमुख थे।

5. ब्रह्म समाज का संस्थापक कौन था?

(a) राममोहन राय (b) रवीन्द्र नाथ टैगोर

(c) दयानन्द सरस्वती (d) स्वामी विवेकानन्द

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

हिंदू धर्म का पहला सुधार आंदोलन 'ब्रह्म समाज' था, जिस पर आधुनिक पाश्चात्य विचारधारा का बहुत प्रभाव पड़ा था। इसकी स्थापना मूलतः 'ब्रह्म सभा' के रूप में 1828 ई. में राजा राममोहन राय ने की थी।

6. सती-प्रथा उनमूलन के लिए किसने दृढ़ता से वकालत की?

(a) राजा राममोहन राय

(b) स्वामी दयानन्द सरस्वती

(c) देवेन्द्र नाथ टैगोर

(d) उपरोक्त में कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

राजा राम मोहनराय जैसे प्रबुद्ध भारतीय सुधारकों ने विलियम बेंटिक को इस (सती-प्रथा) प्रथा को अवैध घोषित करने की प्रेरणा दी। बहुत से समकालीन प्रगतिशील समाचार-पत्रों ने इनका समर्थन किया और विलियम बेंटिक ने कानून बना कर सती प्रथा को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया। दिसंबर, 1829 के नियम 17 (XVII) द्वारा विधवाओं को जलाना अवैध घोषित कर दिया गया। आरंभ में यह कानून केवल बंगाल प्रेसीडेंसी में लागू किया गया और 1830 ई. में यह नियम बंबई और मद्रास प्रेसीडेंसी में भी लागू कर दिया गया।

7. भारत के किसी भी राज्य में प्रथम महिला मुख्यमंत्री किस राज्य में बनीं?

(a) उत्तर प्रदेश (b) बिहार

(c) केरल (d) तमिलनाडु

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

सुचेता कृपलानी, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनीतिज्ञ थीं। ये उत्तर प्रदेश की की मुख्यमंत्री वर्ष 1963 में बनीं। भारत के किसी भी राज्य में प्रथम महिला मुख्यमंत्री होने का गौरव सुचेता कृपलानी को ही प्राप्त है।

8. 'सर्वेण्टस ऑफ इंडिया सोसाइटी' की स्थापना किसने की?

(a) गोपाल कृष्ण गोखले

(b) महादेव गोविंद रानाडे

(c) मदन मोहन मालवीय

(d) बाल गंगाधर तिलक

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2017

उत्तर–(a)

वर्ष 1905 में पूना में गोपाल कृष्ण गोखले ने भारत सेवक मंडल (Servants of India Society) की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत सेवा के लिए प्रचारक तैयार करना था और संवैधानिक दंगों से भारतीय जनता के सच्चे हितों को प्रोत्साहन देना था। इस मंडल ने वी. श्रीनिवास शास्त्री, जी. के. देवधर, एन.एम. जोशी, पंडित हृदयनाथ कुंजरू जैसे महान समाज सेवक पैदा किए। एम.सी. सीतलवाड़, वी.एन. राव तथा अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर इसके प्रख्यात सदस्य थे।

9. दीपा मेहता की फिल्म 'वाटर' के विरुद्ध सांस्कृतिक-राजनीतिक आंदोलन का नेता कौन था?

(a) वीरभट्ट मिश्रा (b) आर.एस.एस.

(c) डॉ. कौशल किशोर मिश्रा (d) अरुण जेटली

H.P. Asst. Pro., परीक्षा, 2014

उत्तर–(b)

दीपा मेहता फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और फिल्म निर्माता हैं। दीपा मेहता की विवादित फिल्म 'वाटर' (Water) के विरुद्ध राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) ने सहयोगी संगठनों के साथ सांस्कृतिक-राजनीतिक आंदोलन चलाया था।

10. निम्नलिखित में से किस भारतीय महिला ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान क्रांतिकारी साधनों का समर्थन नहीं किया?

(a) मणिबेन पटेल (b) दुर्गा भाभी

(c) सत्यवती देवी (d) खुर्शीद बहन

46th U.P. Asst. Pro. परीक्षा, 2015

उत्तर–(a)

मणिबेन पटेल, सरदार बल्लभभाई पटेल की पुत्री थी, मणिबेन गांधीवादी विचारधारा की समर्थक थी। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में क्रांतिकारी साधनों के प्रयोग का कभी समर्थन नहीं किया जबकि शेष अन्य महिला नेताओं ने स्वतंत्रता संघर्ष आंदोलन में क्रांतिकारी साधनों की समर्थक रही हैं।

11. भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

1. इसका अध्यक्ष अनिवार्य रूप से भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए।

2. इसकी प्रत्येक राज्य में राज्य मानवाधिकार आयोग के नाम से शाखा है।

3. इसकी शक्तियां केवल सिफारिशी प्रकृति की हैं।

4. आयोग के एक सदस्य के रूप में एक महिला को नियुक्त करना आवश्यक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-कौन से सही हैं?

(a) 1, 2, 3 और 4 (b) 2 और 4

(c) 2 और 3 (d) 1 और 3

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर–(a)

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, एक वैधानिक निकाय है। इसका गठन संसद से पारित अधिनियम के अंतर्गत हुआ। इस अधिनियम का नाम मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 है। विस्तार जम्मू-कश्मीर को छोड़कर शेष भारत पर है। राज्यों में राज्य मानवाधिकार आयोग की स्थापना की गई है, जो वर्ष 1993 के अधिनियम से ही शक्तियां प्राप्त कर कार्य करती हैं। * आयोग का अध्यक्ष भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए। (आयोग एक बहु-सदस्यीय संस्था है, जिसका एक अध्यक्ष

व चार सदस्य होते हैं) पूर्ण कालिक सदस्यों के अतिरिक्त आयोग में तीन अन्य सदस्य भी होते हैं। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग व राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गठित समिति की सिफारिश पर होती है। राष्ट्रीय मानव हितकर आयोग की शक्तियां सिफारिश प्रकृति की होती है।

12. भारतीय संघीय व्यवस्था केंद्राभिमुखी है क्योंकि-

(a) संपूर्ण भारत के लिए केवल एक ही नागरिकता है।

(b) आपातकाल में केंद्र की शक्ति बढ़ जाती है।

(c) संसद राज्यों के क्षेत्रों का पुनर्वितरण कर सकती है।

(d) उपर्युक्त सभी

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में भारत का उल्लेख राज्यों के संघ (Union of States) के रूप में किया गया है। भारतीय संघीय व्यवस्था में संघात्मक लक्षणों के साथ-साथ एकात्मक तत्व भी विद्यमान हैं, यथा- सशक्त केंद्र, एकल नागरिकता, केंद्र द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति, अखिल भारतीय सेवाएं, राज्य सभा में असमान प्रतिनिधित्व, आपातकालीन प्रावधान आदि। स्पष्ट है कि भारतीय संविधान द्वारा भारत में एकात्मकता की ओर झुकाव के साथ संघीय व्यवस्था स्थापित की गई।

13. निम्नांकित में से कौन-सी एक विशेषता राज्यों के पुनर्गठन की नहीं है?

(a) अविनाशी

(b) परवर्ती

(c) संसद को किसी राज्य के नाम को बदलने का अधिकार है।

(d) केंद्रीय संसद को नए राज्य के निर्माण का अधिकार है।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 3 राज्यों के पुनर्गठन संबंधी संसद की शक्ति का वर्णन करता है- (a) किसी राज्य में से उसका राज्य क्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों को या राज्यों के भागों को मिलाकर अथवा किसी राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नए राज्य का निर्माण कर सकेगी।

(b) किसी राज्य के क्षेत्र को बढ़ा सकेगी।

(c) किसी राज्य का क्षेत्र घटा सकेगी।

(d) किसी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी।

(e) किसी राज्य के नाम में परिवर्तन कर सकेगी।

14. निम्नलिखित में से कौन-सी एक मुगल विरासत है, जो अंग्रेजों ने भारतीय प्रशासन तक पहुंचा दी?

(a) सरकार की संघीय व्यवस्था

(b) जिला प्रशासन

(c) सैनिक प्रशासन

(d) सचिवालय व्यवस्था

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

मौर्य काल से लेकर मुगल काल तक के शासकों को वृहद् क्षेत्र पर आधिपत्य स्थापित करने तथा उसे बनाएं रखने के लिए एक वृहद सेना की आवश्यकता थी। मुगलों ने सैनिक प्रशासन में रुचि दिखाई और उसे वर्गों में बांटकर प्रशासन का संचालन किया उनके उत्तर-वर्ती अंग्रेजों ने भी क्रमोबेश उसी सैनिक व्यवस्था को अपनाकर दो सौ वर्षों तक भारत पर शासन किया। स्वतंत्र भारतीय प्रशासन में आज भी सैनिक प्रशासन के लक्षण दृष्टिगोचर होते हैं।

15. निम्नलिखित दिए गए मूल अधिकारों तथा नीति-निदेशक तत्व के संबंध में दिए गए वक्तव्यों में कौन-सी अद्यतन स्थिति सही है?

(a) किसी भी हालत में नीति निदेशक तत्वों को मूल अधिकारों पर प्राथमिकता नहीं दी जा सकती।

(b) राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों को मौलिक अधिकारों पर प्राथमिकता प्राप्त होती है।

(c) मौलिक अधिकारों की राज्य के नीति-निदेशक तत्वों पर सदैव प्राथमिकता प्राप्त होती है।

(d) कुछ मामलों में नीति-निदेशक तत्वों को मूल अधिकारों पर प्राथमिकता दी जा सकती है।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

25वां संविधान संशोधन यह प्रावधानित करता है कि कोई कानून जो राज्य के उन नीति-निदेशक सिद्धांतों को जो अनुच्छेद 39(b) और (c) में वर्णित है, प्रभावी बनाने हेतु पारित किया जाए, इस कारण से निरस्त नहीं किया जाएगा कि वह अनुच्छेद 14 और 19 में प्रदत्त आय को सीमित करता है।

16. संघ सरकार का राज्यों को विशेष दर्जा दिए जाने का क्या तात्पर्य है?

(a) केंद्रीय सहायता का एक बड़ा प्रतिशत अनुदान सहायता में दिया जाएगा।

(b) संघ सरकार वर्तमान बजट के घाटे का वहन करेगी।

(c) ऋण प्रदान करने की मात्रा कुल सहायता में बढ़ायी जाएगी।

(d) विशेष दर्जे के दौरान राज्य का कुल आय-व्यय केंद्रीय सरकार के द्वारा वहन किया जाएगा।

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

वर्तमान में 29 राज्यों में से 11 राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त है। जिन राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाता है उनको केंद्र द्वारा प्राप्त राशि का 90% अनुदान एवं 10% बिना ब्याज के कर्ज के रूप में दिया जाता है।

17. भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है-

(a) अभिजन वर्ग की भूमिका (b) जाति की राजनीति

(c) एकात्मक व्यवस्था (d) द्विदलीय व्यवस्था

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(b)

भारतीय लोकतंत्र की गणना विश्व के महानतम लोकतंत्र में होती है। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के संचालन में दिनोंदिन पारदर्शिता आने की वजह से भारत का लोकतंत्र चुनाव दर चुनाव निखरता जा रहा है। वर्तमान परिदृश्य में राजनीति से आमजनों का मोहभंग होता जा रहा है जिसका कारण राजनीतिक दल जनआकांक्षाओं पर पूरी तरह से खरा नहीं उतर पाना है। भारतीय लोकतंत्र को प्रभावित करने वाले कुछ महत्वपूर्ण कारक निम्न हैं- निर्धनता, सांप्रदायिकता, जाति की राजनीति अपराध का राजनीतिकरण, निरक्षरता आदि।

18. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन किस प्रावधान के अनुसार लगाया जा सकता है?

1. अनुच्छेद 356 **2. अनुच्छेद 360**

3. अनुच्छेद 352 **4. अनुच्छेद 365**

(a) केवल 1 (b) 1 और 3

(c) 1 और 4 (d) 1 और 2

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 356- यदि राष्ट्रपति का किसी राज्य के राज्यपाल से प्रतिवेदन मिलने पर या अन्यथा, यह समाधान हो जाता है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई हैं जिससे उस राज्य का शासन इस संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता तो राष्ट्रपति इस अनुच्छेद का प्रयोग कर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा सकते हैं।

अनुच्छेद 365- यदि कोई राज्य केंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने या उसे प्रभावी करने में असफल होता है, तो यह राष्ट्रपति के लिए विधि संगत होगा कि सत्ता संभाले। यह स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें अब राज्य सरकार संविधान की प्रबंध व्यवस्था के अनुरूप नहीं चल सकती।

19. अखिल भारतीय सिविल सविर्सेज के अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है-

(a) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा (b) भारत के राष्ट्रपति द्वारा

(c) संसद द्वारा (d) प्रधानमंत्री द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

संघ लोक सेवा आयोग एक संवैधानिक संस्था है क्योंकि इसकी स्थापना संविधान के अनुच्छेद 315 के अंतर्गत हुई है। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज के अभ्यार्थियों का चयन संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा ही किया जाता है।

20. भारत में कौन-सी शासन प्रणाली है?

(a) संघात्मक

(b) एकात्मक

(c) संघात्मक होते हुए भी एकात्मक

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

T.G.T. परीक्षा, 2011

उत्तर—(a)

भारत का संविधान संघीय शासन प्रणाली की स्थापना करता है। इसमें संघ के सभी आम लक्षण विद्यमान है; जैसे- दो सरकार, शक्तियों का विभाजन, लिखित संविधान, संविधान की सर्वोच्चता, संविधान की कठोरता, स्वतंत्र न्यायपालिका आदि। यद्यपि भारतीय संविधान में बड़ी संख्या में एकात्मक लक्षण भी विद्यमान है। जैसे- सशक्त केंद्र, एक संविधान, एकत्र नागरिकता आदि।

21. साइमन कमीशन की नियुक्ति का एक कारण नहीं बताया जाता, वह है-

(a) ब्रिटेन में आम चुनाव

(b) गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन आरंभ करने की धमकी

(c) स्वराज दल को कमजोर करना

(d) राष्ट्रवाद को कमजोर करना

U.P. G.I.C. (आ.प.) प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(b)

वर्ष 1919 के मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड एक्ट में 10 वर्ष पर इसकी समीक्षा हेतु एक संवैधानिक आयोग के गठन का प्रावधान था। आयोग को यह देखना था कि यह अधिनियम व्यवहार में कहां तक सफल रहा तथा उत्तरदायी शासन की दिशा में कहां तक प्रगति करने की स्थिति में है। किंतु ब्रिटेन में आम चुनाव के कारण कंजरवेटिव सरकार ने इसकी समीक्षा हेतु दो वर्ष पूर्व ही नवंबर, 1927 में साइमन कमीशन की नियुक्ति कर दी। जॉन साइमन की अध्यक्ष में गठित इस आयोग में कुल 7 सदस्य थे। चूंकि इसमें सभी सदस्य अंग्रेज थे तथा कोई भी भारतीय इसका सदस्य नहीं था, इसलिए भारतीयों ने इसे श्वे कहकर इसका बहिष्कार एवं विरोध साइमन कमीशन 3 फरवरी, 1928 को बंबई पहुंचा स्वराज दल को कमजोर कर एवं भारतीयों की उभरती राष्ट्रवाद की भावना को कमजोर करना भी साइमन कमीशन की नियुक्ति का कारण माना जाता है।

22. निम्नलिखित में से कौन-सा असहयोग आंदोलन 1921-22 के कार्यक्रम से संबंधित नहीं था?

(a) देश में राष्ट्रीय संस्थाओं की स्थापना करना

(b) विदेशी वस्तुओं एवं सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार

(c) स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग

(d) ब्रिटिश अधिकारियों का अपमान करना।

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

असहयोग आंदोलन 1 अगस्त, 1920 को प्रारंभ हुआ किंतु 5 फरवरी, 1922 को हुए चौरी-चौरा कांड के कारण महात्मा गांधी ने इसे वापस ले लिया था। असहयोग आंदोलन का लक्ष्य 'एक वर्ष के भीतर स्वराज्य की प्राप्ति था। इसके साथ ही सरकारी उपाधि, स्कूल न्यायालयों तथा विदेशी सामानों का पूर्णतः बहिष्कार की भी योजना थी। असहयोग आंदोलन के दौरान देश में, राष्ट्रीय संस्थाओं की स्थापना हुई एवं स्वेदशी को कई प्रोत्साहन मिला। ब्रिटिश अधिकारियों के अपमान संबंधित कोई प्रस्ताव या कार्यक्रम असहयोग आंदोलन से संबंधित नहीं था।

23. राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत प्रतिबिंबित करते हैं-

(a) संविधान निर्माताओं के सामाजिक तथा आर्थिक न्याय के दर्शन को

(b) संविधान निर्माताओं के समाजिक तथा राजनीतिक न्याय के दर्शन को

(c) संविधान निर्माताओं के आर्थिक तथा शैक्षिक न्याय के दर्शन को

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(a)

राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों को भारतीय संविधान में शामिल किए जाने का उद्देश्य है- सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्र को स्थापित करना। यह उद्देश्य एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना में सहायक है। जिसका संविधान निर्माता एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए प्रावधान करना चाहते थे।

24. निम्नांकित में से कौन-सा प्रावधान 'राज्य के नीति-निदेशक तत्वों' के अंतर्गत उल्लिखित नहीं है?

(a) लोक स्वास्थ्य में सुधार

(b) गोवध का निषेध

(c) नैसर्गिक स्वतंत्रता का संरक्षण

(d) लोक सेवाओं में न्यायपालिका का कार्यपालिका से अलग होना

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

कल्याणकारी राज्य की संकल्पना का समावेश भारतीय संविधान में राज्य के नीति-निदेशक तत्वों में किया गया है। ये संविधान में भाग-4 के तहत अनुच्छेद 36 से 51 के अंतर्गत शामिल किए गए हैं। अनुच्छेद 47 के अंतर्गत राज्य, लोगों के पोषाहार स्तर, जीवन स्तर ऊंचा करने तथा लोक स्वास्थ्य आदि सुधारने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद-48 के अंतर्गत राज्य, कृषि और पशुपालन को आधुनिक तथा वैज्ञानिक ढंग से संगठित करने का प्रयास करेगा और गाय, बछड़ों तथा अन्य दुधारू और वाहक मवेशियों के वध का प्रतिषेध करने के लिए प्रयास करेगा। अनुच्छेद-50 के अंतर्गत राज्य की लोक सेवाओं में, न्यायापालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए राज्य प्रयास करेगा।

25. निम्नलिखित में से कौन-सा एक राज्य के नीति-निदेशक तत्वों में शामिल नहीं है?

(a) काम का अधिकार

(b) लोक स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करना

(c) गोवध निषेध

(d) महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करना

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारतीय संविधान में नीति-निदेशक तत्व आयरलैंड के संविधान से प्रेरित है। महिला सशक्तीकरण सुनिश्चित करना जैसा की तत्व नीति-निदेशक तत्वों में वर्णित नहीं है यद्यपि संविधान में ऐसे कई अनुच्छेद वर्णित है जो महिलाओं के सशक्तीकरण संबंधी कारकों की पृष्ठभूमि तैयार करते हैं। जबकि अनुच्छेद 41- राज्य कुछ दशाओं में काम, शिक्षा तथा लोक सहायता पाने के अधिकार को प्राप्त कराने का प्रभावी उपबंध करेगा। अनुच्छेद 47 के अंतर्गत राज्य, लोगों के पोषाहार स्तर, जीवन स्तर ऊंचा करने तथा लोक स्वास्थ्य आदि सुधारने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद 48 गोवध निषेध का प्रावधान करता है।

26. निम्न में से कौन-सा गांधी के स्वराज्य की अवधारणा है?

(a) कानून का शासन (b) योग्य व्यक्तियों का शासन

(c) स्वशासन (d) सत्ताधारी का शासन

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(c)

'स्वराज्य' के अर्थ को परिभाषित करते हुए गांधीजी ने लिखा- 'स्वराज्य एक पवित्र शब्द है, वह एक वैदिक शब्द है, जिसका अर्थ आत्म शासन (स्वशासन) और आत्म संयम है। अंग्रेजी शब्द 'इंडिपेडेंस' अकसर सब प्रकार की मर्यादाओं से मुक्त निरंकुश आजादी का, या स्वच्छता का अर्थ देता है, वह अर्थ स्वराज्य शब्द में नहीं है।''

27. द्वैध शासन-प्रणाली प्रांतों में लागू की गई थी-

(a) 1909 के अधिनियम द्वारा

(b) 1919 के अधिनियम द्वारा

(c) 1935 के अधिनियम द्वारा

(d) 1892 के अधिनियम द्वारा

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(b)

मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड प्रस्ताव ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में सांविधानिक सुधार से संबंधित है। भारत में प्रांतों में द्वैध शासन का प्रारंभ मांट-फोर्ड (मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड) सुधारों वर्ष 1919 से प्रारंभ किया गया, जिसे भारत सरकार अधिनियम, 1919 भी कहा जाता है। इस अधिनियम ने पहली बार 'उत्तरदायी शासन' शब्दों का स्पष्ट प्रयोग किया था। इस अधिनियम के तहत प्रांतों में विषयों को 'आरक्षित एवं हस्तांतरित दो भागों में बांटा गया। इनमें हस्तांतरित विषयों का प्रशासन विधायिका के चयनित सदस्यों को सौंपा गया जबकि आरक्षित विषय गवर्नर की कार्यकारिणी के पास ही रहे। यह दोहरी शासन प्रणाली वर्ष 1921 से 1937 तक 9 प्रांतों में चलता रहा, केवल बंगाल में वर्ष 1927 से 1927 के मध्य प्रांत में 1924 से 1926 तक मिलता रहा।

28. अध्यक्ष सदन के किसी भी सदस्य को बोलने से रोक सकता है और अन्य किसी सदस्य को बोलने दे सकता है। यह धारणा कहलाती है-

(a) मर्यादा (b) पक्षत्याग

(c) अंतप्रश्न (d) बैठ जाना

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(d)

मर्यादा-विनम्र एवं स्वीकार्य व्यवहार बनाए रखना।

पक्ष त्याग- सदन के किसी सदस्य द्वारा, वह जिस दल से चुनकर आया है, उसका त्याग कर दूसरे दल में शामिल होना पक्ष त्याग कहलाता है।

अंतर्प्रदन- किसी सरकारी अधिकारी से किसी नीति या कार्य के विवरण की मांग हेतु संसदीय प्रक्रिया अंतप्रर्दन कहलाती है।

बैठ जाना- अध्यक्ष किसी भी सदस्य को बोलनेसे रोककर अन्य को बोलने के लिए कह सकता है।

29. निम्नलिखित में से कौन एक सदन का सदस्य बने बिना सदन की अध्यक्षता करता है?

(a) लोक सभा का स्पीकर

(b) भारत का उपराष्ट्रपति

(c) विधान परिषद का अध्यक्ष

(d) विधान सभा का स्पीकर

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2009

उत्तर—(b)

राज्य सभा का पदेन सभापति उपराष्ट्रपति होता है और वह राज्य सभा का सदस्य नहीं होता है, परंतु उसका निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा होता हैं। संविधान के अनुच्छेद 89(1) एवं अनुच्छेद 64 के अनुसार, वह राज्य सभा का पदेन सभापति होता है।

30. लोक सेवाओं में नियुक्ति का कौन-सा तरीका नहीं है?

(a) लिखित परीक्षा व साक्षात्कार

(b) केवल साक्षात्कार

(c) केवल लिखित परीक्षा

(d) निर्वाचन

U.P. G.D.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

चुनाव या निर्वाचन, लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जिसके द्वारा जनता (लोग) अपने प्रतिनिधियों को चुनती है। जबकि लोक सेवाओं में नियुक्त के लिए लिखित परीक्षा व साक्षात्कार का आयोजन होता है।

31. भारत का राष्ट्रीय ध्वज संविधान सभा ने स्वीकार किया?

(a) 22 जुलाई, 1949

(b) 26 नवंबर, 1949

(c) 26 जनवरी, 1950

(d) 22 जुलाई, 1947

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारत की संविधान ने अपनी चौथे अधिवेशन (14 जुलाई, 1947 से 31 जुलाई, 1947 तक) में 22 जुलाई, 1947 को भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया। राष्ट्रीय ध्वज के बीच चक्र में 24 तीलियां हैं तथा राष्ट्रीय ध्वज की चौड़ाई-लंबाई का अनुपात 2 : 3 है।

32. कर्नाटक की 'प्रथम प्रजा' कौन है?

(a) राज्यपाल (b) मुख्यमंत्री

(c) राष्ट्रपति (d) मुख्य कार्यदर्शि

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

किसी राज्य का प्रथम नागरिक वहां का राज्यपाल होता है। अतः कर्नाटक की 'प्रथम प्रजा' भी वहां के राज्यपाल हैं।

33. 'बंदी प्रत्यक्षीकरण' आलेख जारी करने का अधिकार निहित है -

(a) उच्च न्यायालयों को

(b) सर्वोच्च न्यायालय को

(c) सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों दोनों को

(d) अधीनस्थ न्यायालयों को

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध अनुच्छेद 32 के तहत संवैधानिक उपचारों का अधिकार प्रदान किया गया है। इसके तहत कोई व्यक्ति मौलिक अधिकारों के हनन की स्थिति में न्यायपालिका की शरण ले सकता है। अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय तथा अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में उपचार प्रदान कर सकते हैं।

बंदी प्रत्यक्षीकरण प्रलेख को किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का महानतम रक्षक माना जाता है। यह उस व्यक्ति के संबंध में न्यायालय द्वारा जारी आदेश है। जिसे दूसरे द्वारा हिरासत में रखा गया है। इसके द्वारा बंदीकरण अधिकारों को आदेश दिया और बंदी व्यक्ति को निश्चित समय के अंदर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें।

34. राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया-

(a) केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय द्वारा

(b) संविधान के संशोधन द्वारा

(c) संसद के पारित एक अधिनियम के द्वारा

(d) भारत के राष्ट्रपति के एक आदेश द्वारा

U.P. G.I.C. (आ.प.) परीक्षा, 2012

उत्तर—(c)

राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1990 में पारित अधिनियम के तहत जनवरी, 1992 में एक सांविधिक निकाय के रूप में किया गया था।

35. निम्न में से क्षेत्रीय राजनीतिक दल को चुनिए :

(a) कांग्रेस पार्टी

(b) साम्यवादी पार्टी

(c) भारतीय जनता पार्टी

(d) ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कज़गम पार्टी (AIADMK)

Raj. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

वर्तमान में देश में राष्ट्रीय दलों की कुल संख्या 7 है। इस समय देश में भारतीय जनता पार्टी (BJP), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC), बहुजन समाज पार्टी (BSP), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी एम (CPI-M), राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (NCP) तथा अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (IMC) को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त है। जबकि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (AIADMK) तमिलनाडु और पुडुचेरी में मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल है।

36. राजदूतों की नियुक्ती कौन करता है?

(a) प्र. मं. (b) विदेशी मंत्री

(c) राष्ट्रपति (d) रक्षा मंत्री

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 53(1) के अनुसार, संघ के सभी अधिकारी उसके अधीनस्थ होते हैं। राष्ट्रपति राजदूतों, उच्च आयुक्तों आदि की नियुक्ति करता है। अन्य देशों के साथ होने वाली संधियां भी राष्ट्रपति के नाम से की जाती हैं।

37. जब आपातकाल की उद्घोषणा जारी हो तब मूल अधिकारों को स्थगित करने संबंधी प्रावधान लिया गया है-

(a) ब्रिटिश संविधान से

(b) जर्मनी के वायमर संविधान से

(c) अमेरिकी संविधान से

(d) कनाडा के संविधान से

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2008

उत्तर—(b)

आपातकाल के समय मूल अधिकारों का स्थगन संबंधी प्रावधान जर्मनी के वायमर संविधान से ग्रहित किया गया है।

38. पंथ निरपेक्षता के दर्शन में निहित है-

(a) धर्मों की अनुपस्थिति

(b) धर्मों की प्रतिद्वन्द्विता

(c) नागरिकों के धार्मिक मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप

(d) सभी धर्मों के प्रति सम्मान

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(d)

भारत के पंथनिरपेक्ष/धर्म निरपेक्ष राज्य होने का सही भाव यह है कि भारत में राज्य का कोई धर्म नहीं है, तदनुसार सभी धर्मों को राज्य द्वारा समान प्रश्रय और सम्मान अपेक्षित है।

39. जातिसंहार है-

(a) सामूहिक हत्या (b) आत्महत्या

(c) बच्चों की हत्या (d) स्त्रियों की हत्या

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(a)

जाति संहार (Genocide means) का तात्पर्य बहुत सारे व्यक्तियों जो एक कुल, वर्ग या जाति से संबंधित हो, की सामूहिक हत्याओं से है। यह हत्याएं अकारण निजी स्वार्थ हेतु अथवा अपराध या युद्धजनित हो सकती हैं।

40. आणविक उत्तरदायित्व विधेयक संसद में कब पारित हुआ?

(a) 2010 में (b) 2009 में

(c) 2008 में (d) 2011 में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2012

उत्तर—(a)

परमाणु दायित्व विधेयक संसद में वर्ष 2010 में पारित हुआ। इसके अंतर्गत भारत को भौगोलिक सीमा के भीतर किसी भी गैर-सैनिक परमाणु संयंत्र में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने की स्थिति में संचालक उत्तरदायित्व तय किया जा सकेगा। इस कानून के माध्यम से दुर्घटना से प्रभावित लोगों को क्षतिपूर्ति या मुआवजा मिल सकेगा।

41. भारत में सूचना का अधिकार अधिनियम पारित हुआ था, वर्ष -

(a) 2001 में (b) 2002 में

(c) 2004 में (d) 2005 में

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2015

उत्तर—(d)

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 भारत की संसद द्वारा पारित एक कानून है, जो 12 अक्टूबर, 2005 को लागू हुआ। सूचना का अधिकार अधिनियम एक विधिक अधिकार है जिसे सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत नागरिकों को प्रदान किया गया है।

42. राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर वर्ष इस दिन मनाते हैं-

(a) 26 जनवरी (b) 15 अगस्त

(c) 14 नवंबर (d) 25 जनवरी

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(d)

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (नेशनल वोटर्स डे) 25 जनवरी को मनाया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना के उपलक्ष्य में और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए यह दिवस 25 जनवरी, 2011 से शुरू किया गया था। उल्लेखनीय है कि 25 जनवरी, 1950 को भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी।

43. भारत में अंतर्राज्यीय परिषद कब स्थापित की गई थी?

(a) 1987 (b) 1989

(c) 1990 (d) 1992

U.P. G.I.C. प्रवक्ता परीक्षा, 2013

उत्तर—(c)

अनुच्छेद 263 केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति को एक अंतर्राज्य परिषद की स्थापना करने की शक्ति प्रदान करता है। वर्ष 1988 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में गठित आयोग (सरकारिया आयोग) की सिफारिश पर वर्ष 1990 में अंतरराज्यीय परिषद का गठन किया गया था। 1 नवंबर, 2017 को प्रधानमंत्री नरंद्र मोदी की अध्यक्षता में अंतरराज्यीय परिषद का पुनर्गठन किया गया। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री इस परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है। इस परिषद में छः केंद्रीय मंत्रियों और सभी राज्यों के मुख्य मंत्रियों को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

44. आई पी सी (IPC) का मतलब है-

(a) इंडियन पिपलज कोर्ट

(b) इंडियन पीनल कोर्ट

(c) इंडियन पीनल कोड

(d) इंडियन पोस्टल कोड

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

आई.पी.सी. (IPC) का मतलब इंडियन पीनल कोड (Indian Penal Code) या भारतीय दण्ड संहिता से होता है। भारतीय दण्ड संहिता ब्रिटिश काल में 1862 ई. में लागू की गई थी। यह भारत में यहां के किसी भी नागरिक द्वारा किए गए कुछ अपराधों को परिभाषित और दण्ड का प्रावधान करती है।

45. भारत सरकार ने खाद्य मिलावट निवारण नियम इस वर्ष पारित किया?

(a) 1934 (b) 1944

(c) 1954 (d) 1964

D.S.S.S.B. P.G.T. परीक्षा, 2014

उत्तर—(c)

वर्ष 1954 में खाद्य अपमिश्रण निवारक अधिनियम (Prevention of Food Aduleration Act) समस्त देश में लागू किया और वर्ष 1955 में इसके अंतर्गत आवश्यक नियम बनाकर जारी किया गया। इस कानून द्वारा अपद्रव्यीकरण तथा झूठे नाम से खाद्यों का बेचना दण्डनीय है।

46. संसदीय लोकतंत्र का अर्थ है-

(a) संसद सार्वभौम संस्था है

(b) वास्तविक कार्यपालिका उत्तरदायी होती है, विधायिका के प्रति

(c) राज्य का प्रधान लोगों द्वारा चुना जाता है

(d) विधायिका में दो सदन होते हैं

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(b)

संसदीय लोकतंत्र प्रणाली में राष्ट्रपति कार्यपालिका का नाममात्र का प्रधान होता है। वास्तविक कार्यपालिका-शक्ति जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों में, जिसे 'मंत्रिपरिषद' कहते हैं, निहित होती है। मंत्रिपरिषद का प्रधान 'प्रधानमंत्री' होता है। मंत्रिपरिषद, सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होती है। यद्यपि संविधान के अनुसार, भारत में समस्त कार्यपालिका - शक्ति राष्ट्रपति में निहित है, किंतु वह उसका प्रयोग मंत्रिपरिषद की सलाह से ही करता है।

47. सरकार की संघीय व्यवस्था में, शक्तियां बंटी होती हैं इनके बीच में-

(a) केंद्र और राज्य इकाइयों के बीच

(b) विधायिका के दो सदनों के बीच

(c) कार्यपालिका और विधायिका के बीच

(d) राष्ट्रपति और मंत्रिमंडल के बीच

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर-(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. एक संघात्मक सरकार में केंद्र एवं राज्यों के बीच शक्ति का विभाजन होता है-

(a) संसद द्वारा (b) संविधान द्वारा

(c) बहुमत के निर्णय से राज्यों द्वारा (d) केंद्र (संघ) सरकार द्वारा

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर-(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. निम्नलिखित में से कौन गणराज्य नहीं है?

(a) भारत (b) नेपाल

(c) जर्मनी (d) फ्रांस

P.G.T. परीक्षा, 2002

उत्तर—(b)

प्रश्नकाल में नेपाल संवैधानिक राजतंत्र था तथा यहां का राजा आनुवंशिक होता था। वर्ष 2006 के लोकतांत्रिक आंदोलन के पश्चात राजा ने देश की सार्वभौम सत्ता जनता को हस्तांतरित कर दी तथा 24 अप्रैल, 2006 को संसद की पुनर्स्थापना हुई। 18 मई, 2006 को अपनी पुनर्स्थापित सार्वभौमिकता का उपयोग करके नई प्रतिनिधि सभा ने राजा के अधिकार में कटौती कर दी तथा नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित कर दिया। नव-निर्वाचित संविधान निर्माण करने वाली संविधान सभा की पहली बैठक द्वारा 28 मई, 2008 को नेपाल को अधिकारिक रूप में एक संघीय गणतंत्रात्मक राज्य घोषित किया गया।

50. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एशिया में वह कौन पहला देश था, जिसने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की?

(a) भारत (b) बर्मा

(c) इंडोनेशिया (d) श्रीलंका

T.G.T. परीक्षा, 2004

उत्तर—(c)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एशिया में इंडोनेशिया ने 17 अगस्त, 1945 को हॉलैण्ड के अधिकार से मुक्त होकर स्वतंत्रता प्राप्त की।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत ने 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटेन के अधिकार से स्वतंत्रता प्राप्त की।
- बर्मा जिसे वर्तमान में म्यांमार कहा जाता है। इसने 4 जनवरी, 1948 को ब्रिटेन से स्वाधीनता प्राप्त की।
- श्रीलंका 4 फरवरी, 1948 को ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

51. निम्न में से संविधान द्वारा क्या सुनिश्चित किया जाता है-

(a) कार्यपालिका की शक्तियां

(b) शासक एवं शासित के बीच संबंध

(c) सरकार की विभिन्न संस्थाओं के बीच संबंध, उनकी संरचना

(d) उपर्युक्त सभी

P.G.T. परीक्षा, 2000

उत्तर—(d)

संविधान राजकीय आचरण का विधान होता है, जो यह निर्धारण करता है कि राज्य में विविध अंगों का क्या आचरण हो। संविधान का संबंध राज्य की सरकार के स्वरूप, संगठन, शक्ति, विविध अंगों, उसके अधिकारों एवं कर्त्तव्यों और शासक एवं शासितों के पारस्परिक संबंधों तथा उसके अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की व्यवस्था से होता है।

सम-सामयिक

घटना चक्र

नागरिक शास्त्र

NET/JRF परीक्षा

चयनित विषय आधारित प्रश्न

जून, 2012 से जुलाई, 2018 तक

संपन्न

---

27 प्रश्न पत्र

तथ्यात्मक प्रस्तुति

यहां जून, 2012 से जुलाई, 2018 के मध्य संपन्न NET/JRF के 27 प्रश्न पत्रों का सार तथ्य रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। सभी प्रश्नों के उत्तरों का मिलान UGC/CBSC द्वारा प्रस्तुत उत्तर पत्रकों से कर लिया गया है। उत्तर पत्रकों की त्रुटियों को यथा स्थान उल्लेख किया गया है। इन्हें परीक्षार्थी स्वयं ही जांच कर देख सकते हैं।

☞ कौटिल्य की दृष्टि से सही कथन है – **वे राजनीतिक अर्थशास्त्र को एक स्वतंत्र विषय बनाने वाले प्रथम व्यक्ति थे, उन्होंने राजनीति के एक ऐसे सिद्धांत का प्रतिपादन किया जो राजव्यवस्था के प्रत्यक्ष व्यावहारिक सरोकारों से संबंधित था, पहली बार उन्होंने भारत में एक सुदृढ़ राजनीतिक नियंत्रण की जरूरत पर जोर दिया।**

☞ किसने कहा कि रिपब्लिक इस कारण से एक आदर्श-राज्य की तस्वीर नहीं देता है कि यह एक रोमांस है बल्कि प्लेटों चाहते थे कि यह ''भलाई के विचार'' पर एक वैज्ञानिक आक्रमण की शुरुआत बने? **– डनिंग ने**

☞ किसने कहा कि काल के क्रम में राज्य परिवार या व्यक्ति के बाद आता है लेकिन प्रकृति के क्रम में उनसे पहले आता है? **– अरस्तू ने**

☞ लॉक के सामाजिक संविदा के दृष्टि से सही है – **संविदा, एक बार किए जाने पर, अपरिवर्तनीय हो जाती है, संविदा जिसमें व्यक्ति वे कुछेक अधिकार छोड़ देते हैं, जो वे प्रकृति की स्थिति में रखते थे, संविदा प्रकृति के नियम पर विराम नहीं लगाती है।**

☞ रूसो के अनुसार सही है – **व्यक्ति के आत्म-प्रेम, जो उसकी वास्तविक जरूरतों की पूर्ति करता है, सिर्फ गौरव बनने के लिए वरण करने के निमित्त है, गौरव सहानुभूति से असंगत बन जाता है, गौरव से सभी बुराई उत्पन्न हुई है।**

☞ **अभिकथन (A) :** जे.एस. मिल के लिए इच्छाशक्ति राज्य सहित सभी संस्थाओं का आधार है।

कारण (R) : इच्छाशक्ति न केवल संख्या पर निर्भर है, बल्कि इसका एक गुणवत्तापरक आधार है और वह इच्छाशक्ति जो संस्थाओं को बनाती हैं, विश्वास का रूप ले लेती हैं।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ सुमेलित है-

स्रोत	प्रमुख विचार
जैन धर्म	अहिंसा पर बल
वैष्णव धर्म	दृष्टिकोण की विश्वजनीनता
रस्किन और टॉलस्टाय	औद्योगिक सभ्यता और निश्चेष्ट प्रतिरोध के विचारों के लिए तिरस्कार
प्लेटो	आदर्शवाद और नैतिक मूल्यों के लिए चिंता

☞ किसने साप्ताहिक पत्रिका, कर्मयोगी और धर्म को शुरू किया था? **– अरबिंदो**

☞ **अभिकथन (A) :** एम.एन. रॉय ने मार्क्स के इतिहास के भौतिकवादी व्याख्या को नहीं स्वीकार किया।

कारण (R) : इसमें निर्धारणवाद और आदर्शवाद का तत्व था।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट के संदर्भ में किसने कहा, ''मेमनों से ऊन कतर लिए गए है'' और ''वे सर्दी की तीव्रता महसूस कर रहे हैं''? **– बी.आर. अम्बेडकर ने**

☞ सही कथन है – **पारंपरिक राजनीतिक सिद्धांत अनुशासन मूलक और मानकीय है, व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत एकरूपताओं और नियमितताओं से जुड़ा हुआ है, उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत कार्रवाई और संगतता से जुड़ा हुआ है।**

☞ आईसा बर्लिन का कौन-सा तर्काधार राजनीतिक सिद्धांत (राजनीतिक दर्शन) के पुनरुत्थान के संदर्भ में सही है? **– राजनीति समाज में विद्यमान रहती है, जहां उद्देश्य टकराते हैं। उदारवादी व्यवस्था में, राजनीतिक सिद्धांत का कभी भी अंत नहीं हो सकता। राजनीतिक सिद्धांत के पतन के लिए पक्के अनुभववादियों को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है जिन्होंने क्लासिकी परंपरा को प्रतिस्थापित कर दिया है। आदमी के जिज्ञासु और तर्क संगत पृच्छा के परिणाम स्वरूप राजनीतिक सिद्धांत का अस्तित्व बना रहेगा।**

☞ किसने समाज के 'परस्पर फायदे के लिए एक सहकारी उद्यम, कमोबेश आत्म-निर्भर और अवश्यतया नियमों के द्वारा शासित' के रूप में परिकल्पना की? **– जॉन राल्स ने**

☞ किसने आलेख, ''दी जिगजैग ऑफ पॉलिटिक्स'' लिखा है? **– आर. नोजिक ने**

☞ एलसडेयर माकिनटीयर, माइकल सांडले, माइकल वालजर एवं फ्रेडरिक हाइक में से कौन समुदायवाद के प्रतिपादक हैं **– एलसडेयर माकिनटीयर, माइकल सांडेल एवं माइकल वालजर।**

☞ लोकतंत्र की विशेषताएं हैं **– लोकतंत्र के लिए राजनीतिक समानता अपेक्षित है, सभी नागरिकों को निर्वाचन में खड़े होने का हक प्राप्त है, चाहे उनकी नस्ल, लिंग, रंग या धर्म कुछ भी हों सभी नागरिकों के पास एक मत अवश्य होना चाहिए (सर्वसुलभ वयस्क मताधिकार) राजनीतिक समानता का अर्थ 'एक व्यक्ति एक मत, एक मत एक मान' है।**

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	पुस्तक
ब्रीयां बेरी	द लिबरल थ्योरी ऑफ जस्टिस
सुसन मोलर ओकिन	जस्टिस, जेंडर एंड फेमिली
अमर्त्य के. सेन	आइडिया ऑफ जस्टिस
टॉम कैम्पबेल	जस्टिस

☞ मार्क्स के अधिशेष मूल्य सिद्धांत की विशेषताएं हैं

– यह रिकार्डो के सिद्धांत का विस्तारित रूप है, श्रम शक्ति श्रमिक की मस्तिष्क, मांसपेशी और तंत्रिका के बराबर होती है एवं उत्पादन में जितने श्रम घंटे लगे, कामगार को उसकी संख्या के अनुपात में अवश्य भुगतान किया जाना चाहिए।

☞ कौन मार्क्सवादी सिद्धांत में लेनिन का योगदान है? **– 'सर्वहारा के अग्र-दल' के रूप में पार्टी का उनका सिद्धांत जो क्रांति के पहले और बाद दोनों में जनसाधारण का मार्गदर्शन करता है, दुनिया के पहले सर्वहारा राज्य के पुनर्निर्माण के लिए उनका विचार एवं क्रांति की रणनीति और दांव-पेंच का उनका सिद्धांत**

☞ किसने तुलनात्मक राजनीति की परिभाषा दलों, हितों और नेतृत्व संरचना से मुख्य रूप से संबंधित होने के रूप में दी?

– राय सी. मैक्रिडीस और वार्ड ने

☞ ''द प्रेसिडेंशियल रिपब्लिक'' पुस्तक के लेखक कौन थे?

– जीन ब्लोंडेल

☞ **अभिकथन (A) :** तुलनात्मक राजनीति के सिस्टम के सिद्धांत में साम्यता बनाएं रखने के लिए आगम संरचना और निर्गम संरचना के मध्य संतुलन को मान्यता दी गई है।

तर्क (R) : सिस्टम के सिद्धांत की आलोचना यथापूर्व स्थिति-परक निदर्श के रूप में की जाती है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ सुमेलित युग्म हैं-

चार्टिस्ट आंदोलन	इंग्लैंड में पौरुष मत संग्रह की मांग
फिलाडेल्फिया अभिसमय	संयुक्त राज्य अमेरिका में आजादी की घोषणा और संविधान पर हस्ताक्षर किया जाना
मेफ्लावर समझौता	इंग्लैंड के उपनिवेशियों द्वारा स्वशासन स्थापित करने के लिए नियम तैयार करना
1832 का सुधार अधिनियम	ब्रिटेन की निर्वाचन प्रणाली में परिवर्तन

☞ **अभिकथन (A) :** द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात बहुत से अफ्रीकी एशियाई राष्ट्र स्वतंत्र हो गए।

तर्क (R) : आर्थिक विकास नहीं होने के कारण उनकी स्वतंत्रता यथार्थपरक होने की बजाए अधिक औपचारिकता की ओर प्रवृत्त होने लगी।

– (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ सुमेलित हैं-

पॉलिटिकल कंटीन्यूटी एंड चेंज	पीटर एच. मर्केल
द मैन ऑन द हॉर्सबैंक	सैम्युल फाइनर
मॉडर्न पॉलिटीकल सिस्टम्स : एशिया	आर. सी. मैक्रिडिस

☞ किसी क्रांति के संबंध में सही तत्व हैं **– संविधान में परिवर्तन, एक शासक वर्ग दूसरे शासक वर्ग द्वारा प्रतिस्थापित होता है, राजनीतिक संस्थाओं में रूप भेद एवं सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक संरचनाओं में मौलिक परिवर्तन**

☞ सरकार की एकात्मक प्रणाली के बारे में सही कथन है

– यह राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने में सर्वाधिक प्रभावी है, प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से शक्ति स्थानीय इकाइयों को प्रत्यायोजित की जाती है, इसमें एकल विधि-निर्माण निकाय होता है एवं स्थानीय प्रशासनिक इकाइयां संविधान से अपनी शक्ति नहीं प्राप्त करती हैं।

☞ अमेरिकी संविधान के किन संशोधनों में विधायी और कार्यकारी कृत्यों की न्यायिक संवीक्षा के संबंध में ''विधि की सम्यक प्रक्रिया'' का उल्लेख किया गया? **– पांचवां संशोधन, चौदहवां संशोधन**

☞ सुमेलित हैं

प्रशासनिक विधि	फ्रांस
सीनेट सभा में राज्यों का एकसमान प्रतिनिधित्व	संयुक्त राज्य अमेरिका
विधि का शासन	इंग्लैंड

☞ किसने राजनीतिक विकास की व्याख्या ''प्रशासनिक और विधिक विकास'' के रूप में की? **– मैक्स वेबर ने**

☞ **अभिकथन (A) :** लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी व्यक्तियों को एक समान माना जाता है और यह आम आदमी की सरकार का द्योतक है।

तर्क (R) : आम धारणा है कि सरकार ज्यादातर शक्ति अभिजन के नियंत्रण व प्रबंधन में कार्य करती है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ मैक्स वेबर के नौकरशाही के सिद्धांत के बारे में सही कथन है

– यह नियम-आधारित युक्तिसंगत नियंत्रण का लोहे का पिंजरा है, यह युक्तियुक्त-विधिक प्राधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, एवं नौकरशाही से मेधा के रूप में ''ज्ञान के माध्यम से प्रभुत्व'' अभिप्रेत है।

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	कृति
रॉबर्ट डल	पॉलिआर्की : पार्टिसीपेशन एंड अपोजीशन
एस.एम. लिप्सेट	पॉलिटीकल मैन
स्कमीटकार्ल	लिगैलिटी एंड लेजिटीमेसी
रोजर चार्ल्टन	पॉलिटीकल रियलीटिज : कम्पेरेटिव गवर्नमेंट

☞ **अभिकथन (A) :** राष्ट्रपति शासन-प्रणाली में पूर्ण कार्यकाल के लिए स्थायी शासन व्यवस्था का उपबंध है।

तर्क (R) : राष्ट्रपति-शासन प्रणाली में शक्ति का अभिकेंद्रण अंतर्जात है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ सुमेलित हैं

इस्लामिक क्रांति	ईरान में चलाया गया आधुनिकीकरण-विरोधी आंदोलन
रूसी क्रांति	का नेतृत्व बोल्शेविक पार्टी द्वारा किया गया था
गौरवपूर्ण क्रांति	इंग्लैंड में संवैधानिक सरकार की स्थापना
अति-नैतिक क्रांति	चार्ल्स द्वितीय की यादृच्छिक शक्ति को परिसीमित करने के लिए 1649 की क्रांति

☞ आधुनिकीकरण को सामान्यतया किसके सादृश्य माना जाता है?

– पश्चिमीकरण, यूरोपीकरण, राष्ट्र-राज्य तंत्र का उदय एवं औद्योगीकरण

☞ सही कथन है **–समकालिक लोकतंत्र में प्रिंट मीडिया की भूमिका हाशिए पर आ गई है, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका निर्णायक हो गई है एवं मीडिया के अभिकरण औद्योगिक और कॉर्पोरेट समूहों के नियंत्रण में रहते हैं।**

☞ सुमेलित हैं

लेखक	अवधारणा
डाइसी	विधि का शासन
एस.पी. हंटिंग्टन	राजनीतिक क्षय
आल्मंड	अप्रत्याशित हित समूह
मैर्बरी बनाम मेडिसन	न्यायिक समीक्षा

☞ कौन भारत सरकार अधिनियम, 1919 की विशेषता है?

– केंद्र में द्विसदनीय विधानमंडल की व्यवस्था, सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व न केवल बरकरार रखा गया बल्कि उसे बढ़ाया गया एवं प्रांतों और इम्पीरियल विधान मंडल दोनों के लिए निर्वाचकों को बढ़ा दिया गया।

☞ किसने भारतीय राजनीति का अध्ययन करने के लिए स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वतंत्रता-उपरांत सांस्थानिक फ्रेमवर्क उपलब्ध कराया?

– मॉरिस जोंस ने

☞ भारतीय संविधान के अंतर्गत मौलिक अधिकारों के बारे में सही है

– इसे संविधान द्वारा संरक्षित और प्रवर्तित किया गया है एवं उच्चतम न्यायालय मौलिक अधिकारों का अभिभावक है।

☞ सुमेलित हैं

विचार/अवधारणा	संबद्ध व्यक्ति
मृदु राज्य	गुन्नार मिर्डल
अभाव की राजनीति	मायरॉन वाइनर
शासनशीलता का संकट	अतुल कोहली
विवादास्पद लोकतंत्र	सुब्रत के मित्र

☞ अनुच्छेद 368 के अंतर्गत संविधान के संशोधन के बारे में सही है-

– विधेयक संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है, विधेयक विशेष बहुमत (2/3 उपस्थित एवं मतदान में भाग लिया तथा कुल सदस्यता के 50% से अधिक) द्वारा अवश्य पारित होना चाहिए, एवं राष्ट्रपति विधिवत रूप से पारित एवं अनुसमर्थित विधेयक को अपनी मंजूरी देने के लिए बाध्य है।

☞ वर्ष 1989 से भारत के राष्ट्रपतियों के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, आर.वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा एवं प्रतिभा पाटिल, का सही क्रम है **– आर. वेंकटरमण, शंकर दयाल शर्मा, के.आर. नारायणन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, प्रतिभा पाटिल**

☞ भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को इस बात के लिए समर्थ बनाता है कि वह राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति के पदों का मृत्यु, त्यागपत्र, हटाए जाने या अन्यथा की वजह से रिक्त हो जाने पर आकस्मिकता के लिए प्रावधान करें? **– अनुच्छेद 70**

☞ ''या तो मार्गरेट थैचर या टोनी ब्लेयर के अंतर्गत यूनाइटेड किंगडम में प्रधानमंत्रियों द्वारा सत्ता का जितना दुरुपयोग किया गया उसकी तुलना में वर्ष 1989 से भारत में प्रधानमंत्रियों द्वारा सत्ता का अपेक्षाकृत कम दुरुपयोग देखा गया।'' यह कथन किनका है? **– जेम्स मेनर का**

☞ कौन भारत के उच्चतम न्यायालय का दोहरा व्यक्तित्व (स्वरूप) मानते हैं- एक विधिक संस्था और एक लोक संस्था?

– माधव खोसला एवं अनंत पद्मनाभन

☞ कौन भारत निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचनों का एक प्रभावी कवच कहते हैं? **– लॉयड एवं सुसान रूडोल्फ**

☞ सुमेलित हैं-

पुस्तक	**लेखक**
एन अनडाक्युमेंटेड वंडर : दी मेकिंग ऑफ दी ग्रेट-इंडियन इलेक्शन	एस.वाई. कुरैशी
दी फ्रेमिंग ऑफ इंडियाज कॉन्स्टीट्यूशन : ए स्टडी	बी.एस. राव
वर्किंग ए डेमोक्रेटिक कॉन्स्टीट्यूशन : दी इंडियन एक्सपीरिएंस	ग्रेनविले ऑस्टिन
दी पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया सिंस इंडीपेंडेंस	पॉल आर. ब्रॉस

☞ सुमेलित हैं-

राज्य	**मुख्यमंत्री**
उत्तर प्रदेश	योगी आदित्यनाथ
असम	सर्बानंद सोनोवाल
केरल	पिनराई विजयन
हिमाचल प्रदेश	जयराम ठाकुर

☞ कौन भारतीय संघवाद को एक ''धारित किया हुआ'' फेडरेशन के रूप में वर्णित करते हैं और न कि 'एक साथ आने वाले' फेडरेशन के रूप में? **– पी. बर्धन**

☞ भारत में पंचायती राज पर कौन-सी समिति तीन चरणों की बात करती है: ''प्रभुत्व का चरण, प्रगति-रोध का चरण और अवनति का चरण''? **– अशोक मेहता समिति**

☞ वे कौन-कौन-से आधार हैं जिन पर भारत में राज्यों में राष्ट्रपति शासन अधिरोपित किया गया है? **– यदि कोई स्थिर सरकार का गठन नहीं किया जा सकता, यदि मंत्रिमंडल ने बहुमत गंवा दिया है और विधानसभा में बहुमत रखने वाले कोई भी अन्य मंत्रिमंडल का तुरंत गठन नहीं किया जा सकता, यदि राज्य सरकार, संघ सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं करता है या संघीय ढांचा विभंग हो गया है एवं भ्रष्टाचार**

☞ सुमेलित हैं-

आंदोलन	**राज्य**
तेभागा आंदोलन	पश्चिम बंगाल
साइलैंट वैली प्रोजेक्ट	केरल
वनवासी सेवा आंदोलन	उत्तर प्रदेश
चिलका बचाओ आंदोलन	उड़ीसा

☞ पॉल आर. ब्रॉस द्वारा अपनी पुस्तक, दी पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया सिंस इंडीपेंडेंस में किसका भारत की राष्ट्रीय एकता के संकट के रूप में वर्णन किया गया है? **– पंजाब, उत्तर-पूर्व एवं कश्मीर**

☞ **अभिकथन (A) :** लांट प्रिटचेट भारत को ''एक असफल होता राज्य'' कहते हैं।

तर्क (R) : भारत में राज्य अत्यंत जटिल कार्यों को सापेक्षिक कार्यकुशलता के साथ-हाथ में लेता प्रतीत होता है- जैसे आण्विक हथियार कार्यक्रम को चलाना या मौद्रिक नीति को विनियमित करना- जबकि वह शासन के अधिक साधारण कार्यों को निष्पादित करने में संघर्ष करता है- जैसे बुनियादी स्वास्थ्य एवं शिक्षा उपलब्ध कराना।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ बख्शी आयोग, मंडल आयोग, हैवनूर आयोग एवं शाह आयोग में से किसका संबंध पिछड़ा वर्ग से नहीं है? **– शाह आयोग का**

☞ ''यदि ह्यूम और दूसरे इंग्लिश उदारवादी कांग्रेस का एक सेफ्टी-वाल्व के रूप में इस्तेमाल करने की उम्मीद करते थे तो कांग्रेस नेतागण ह्यूम का एक लाइटनिंग-कंडक्टर के रूप में इस्तेमाल करने की उम्मीद करते है।'' यह कथन किसका है? **– बिपिन चन्द्र का**

☞ किसने सर्वप्रथम प्रबंधन में कामगार की भागीदारी के विचार को प्रस्तुत किया **– मैरी पार्कर फोलेट ने**

☞ सुमेलित हैं-

व्यवहारात्मक	प्रशासनिक व्यवस्था में मानव व्यवहार का विश्लेषण
नौकरशाही	विधिक- विवेकशील प्राधिकारी
पारिस्थितिकीय	एग्रेरियन- ट्रांजिटिया-इंडस्ट्रिया
सामान्य प्रणाली	समाज की उप-प्रणाली के रूप में प्रशासनिक प्रणाली

☞ नया लोक प्रबंधन की विशेषता है **– संविदा देना, प्राधिकार का हस्तांतरण, निष्पादन मूल्यांकन पर ध्यान एवं प्रबंधन पर ध्यान**

☞ 'किसने क्लासिकल सिद्धांत की समालोचना' सुखकर लोकोक्ति, मिथक, नारा और आडंबरपूर्ण समरूपताओं' के रूप में की है? **– हर्बर्ट साइमन ने**

☞ किसने कहा कि प्रशासन में व्यवहार का अध्ययन मनो-विश्लेषण के जरिए किया जाना चाहिए? **– अब्राहम मैसलो ने**

☞ हवथोर्न के प्रयोग किस काल के हैं **– 1920 के दशक के अंत के**

☞ किसने नौकरशाही को 'महाद्वीपीय उपद्रव' बताया?

– थॉमस कारलाइल

☞ किसी राज्य का राज्यपाल निकटवर्ती संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक के रूप में भारत का राष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्रिमंडल, केंद्रीय गृह मंत्री एवं राज्य मंत्रिपरिषद में से स्वतंत्र रूप से अपने कार्य का निर्वहन करता है

– राज्य मंत्रिपरिषद

☞ नियंत्रण काल की अवधि निर्धारित करने वाले कारक हैं

– संगठन की अवधि, पर्यवेक्षक का व्यक्तित्व, अधीनस्थ व्यक्तियों की क्षमता एवं संगठनात्मक ढांचा

☞ ई-गवर्नेंस के लाभ हैं **– यह सरकार को अधिक उत्तरदायी बनाता है, इससे लेन-देन के खर्चे में कमी आती है एवं इससे सरकार और नागरिक के बीच विश्वास निर्माण में मदद मिलती है।**

☞ **अभिकथन (A) :** ग्लीन स्टाल के अनुसार, जब तक भर्ती दुरुस्त नहीं होगी, उत्तम कर्मचारी के भर्ती होने की आशा नहीं होती है।

तर्क (R) : वह भर्ती को संपूर्ण सार्वजनिक कर्मचारी ढांचे के आधारशिला के रूप में मानते हैं।

– (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ **अभिकथन (A) :** क्लासिकल सिद्धांत सार्वभौमिक सिद्धांतों के आधार पर संगठन को प्राधिकार का औपचारिक ढांचा के रूप में देखता है।

तर्क (R) : क्लासिकल सिद्धांत संगठन को चलाने वाली मानव जाति को केवल मशीन में चक्रदंत के रूप में देखता है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ सुमेलित हैं-

सूची-I	सूची-II
नियंत्रण की अवधि	पर्यवेक्षण
पदक्रम	उचित माध्यम के द्वारा
प्रत्यायोजन	प्राधिकार का प्रवाह
नियंत्रण की एकता	एक मात्र बॉस

☞ 73वें और 74वें संशोधन अधिनियमों के परिणाम हैं

– सरकार में पारदर्शिता, सरकार में उत्तरदायित्व, महिला सशक्तीकरण एवं जनतंत्र की मजबूती

☞ स्वतंत्रता के बाद, जिला अधिकारी की भूमिका में मुख्य रूप से राजनीतिक जागरण, जनसंचार की भूमिका, जनतांत्रिक विकेंद्रीकरण एवं आवधिक चुनाव में से किसके कारण बहुत अधिक परिवर्तन हुआ

– जनतांत्रिक विकेंद्रीकरण

☞ राइट टू इनफॉर्मेशन : मास्टर की टू गुड गवर्नेंस' प्रतिवेदन किसके द्वारा प्रस्तुत किया गया- **– दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग**

☞ किस आयोग/समिति/चिंतक ने भ्रष्टाचार के 27 रीतियों की पहचान की है? **– केंद्रीय सतर्कता आयोग ने**

☞ भारत में संयुक्त परामर्शी तंत्र किसकी सिफारिश पर स्थापित किया गया **– द्वितीय वेतन आयोग की**

☞ किन आयोगों/समितियों ने भारत में भ्रष्टाचार के मुख्य कारण के रूप में 'कमजोर शासन' की पहचान की है

– दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग ने

☞ कौन-सा एक राष्ट्रों का स्वीकृत परमाणु शक्ति बनने का कालानुक्रमिक क्रम है? **– अमेरिका, सोवियत यूनियन, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन**

☞ **अभिकथन (A) :** शीत युद्ध और राजनैतिक स्वतंत्रा की प्रक्रिया ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा राष्ट्र में अधिक सक्रिय भागीदारी को निरुत्साहित किया।

तर्क (R) : राष्ट्रों का राष्ट्रीय हित उनका प्रमुख हित है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ भारत और आसियान (ए.एस.ई.ए.एन.) के संबंध में सही कथन है

– भारत 1992 में आसियान का क्षेत्रीय भागीदार बना एवं भारत 1996 में आसियान का वार्ता भागीदार बन गया।

☞ सार्क के बारे में सही कथन है

– भारतीय दो बार सार्क के महासचिव बने एवं सार्क का दूसरा शिखर सम्मेलन भारत में हुआ।

☞ किसने यह तर्क दिया है कि वस्तुपरक यथार्थ से हटकर, अंतरराष्ट्रीय राजनीति 'हमारे निर्माण का विश्व' है? **– निर्माणवादी ने**

☞ सही कथन हैं **– 'प्रोजेक्ट मौसम' हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग के लिए भारतीय पहल है एवं भारत शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बन गया है।**

☞ **अभिकथन (A) :** सुरक्षा विवादित अवधारणा है।

तर्क (R) : सुरक्षा अपनी अनुभूति में बहुआयामी है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ लोकतांत्रिक शांति सिद्धांत व्यापक रूप से किसके लेखों से संबंधित है? **– माइकल डॉयल और ब्रूस रूसेट्ट के**

☞ राष्ट्र के अधिकारों और कर्तव्यों पर वर्ष 1993 में मॉण्टीविडियो सम्मेलन द्वारा निर्धारित चार मुख्य मानदंडों का हिस्सा है **– अन्य राष्ट्रों के साथ संबंध प्रारंभ करने की क्षमता, निर्धारित क्षेत्र, सरकार एवं स्थायी जनसंख्या**

☞ सुमेलित हैं

संधि	समझौते का उद्देश्य
जेनेवा प्रोटोकॉल	रासायनिक शस्त्रों का निषेध
एस.टी.ए.आर.टी-2	वाहनों का स्वतंत्र पुनःप्रवेश निषेध करता है
आई.एन.एफ.	दो वर्गों के भू-आधारित मिसाइलों का निषेध
एस.टी.ए.आर.टी-1	सामरिक शस्त्रों की कटौती

☞ सही कथन हैं **– सामूहिक सुरक्षा यथापूर्व स्थिति की रक्षा का लक्ष्य करती है, सामूहिक सुरक्षा सांस्थानिक रूपरेखा में कार्य करती है एवं गल्फ संकट 1990-91 का विसरण सामूहिक सुरक्षा का सफल प्रयोग है।**

☞ विचारधाराओं के मॉर्गनथाऊ वर्गीकरण में क्या सम्मिलित है? **– यथापूर्व स्थिति की विचारधारा, साम्राज्यवाद की विचारधारा एवं अस्पष्ट विचारधाराएं**

☞ पांच वैश्विक सर्वसामान्य हैं- **– महासागर, वायुमंडल, बाह्य अंतरिक्ष, अंटार्कटीक एवं साइबर स्पेस**

☞ शस्त्र नियंत्रण के बारे में सही कथन है **– सिद्धांततः यह रक्षात्मक कूटनीति है एवं यह पक्षों के बीच पारस्परिक सुरक्षा और अतिस्थायित्व का लक्ष्य करता है।**

☞ सुमेलित हैं

पुस्तकें	लेखक
दी रेचिड ऑफ दी अर्थ	फ्रेंज फैनॉन
वर्ल्ड ऑर्डर	हेनरी किसिंजर
इंप्लोजन ऑफ कैपिटलिज्म	समीर अमीन

NET/JRF November, 2017 (Paper II)

☞ यह किसका कथन है ''कौटिल्य का अर्थशास्त्र उग्र मैकियावेलिवाद का उदाहरण है, इसकी तुलना में मैकियावेली का प्रिंस अहानिकारक है''? **– वेबर का**

☞ प्लेटो के अनुसार, न्याय है **– एक व्यक्ति एक कार्य, एक वर्ग एक कर्तव्य**

☞ **अभिकथन (A) :** ओकशॉट का कहना है कि हॉब्स अंग्रेजी बोलने वाले लोगों में पैदा होने वाला सबसे महान राजनीतिक चिंतक है।

तर्क (R) : कोई अन्य चिंतक उसके दार्शनिक आधार तथा विचार की स्पष्टता की बराबरी नहीं कर सकता।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ हीगेल की द्वंद्वात्मक विधि थी **– प्रतिवाद की समस्या सुलझाना**

☞ किसने युवा मार्क्स और वृद्ध मार्क्स के बीच अंतर बताया? **– अल्थूसर ने**

☞ ग्रामशी ने फासीवाद की विशेषता बताई है **– निष्क्रिय क्रांति**

☞ **अभिकथन (A) :** गांधी भौतिक सभ्यता के आलोचक थे और वह विशेष रूप से औद्योगिक क्रांति को पंसद नहीं करते थे।

तर्क (R) : उनका विश्वास था कि औद्योगिक क्रांति गहरे मूल्यों को नष्ट कर रही है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ रॉय-लेनिन बहस किसके इर्द-गिर्द केंद्रित थी?**– औपनिवेशिक प्रश्न के**

☞ विमर्शिय लोकतंत्र है **– एक सिद्धांत जो उदारवादी लोकतंत्र के सदृश ढांचे को परिमार्जित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।**

☞ व्यवहारवाद अल्पकालिक क्यों था? **– क्योंकि वह सर्वसम्मति प्राप्त करने में अक्षम था।**

☞ **अभिकथन (A) :** वेबर के अनुसार, तुलनात्मक राजनीति को संस्कृति के वृहतर ढांचे में समझा जा सकता है, और उन्होंने यह कार्य मार्क्स के आर्थिक नियतिवाद के सिद्धांत की धज्जियां उड़ा कर किया।

तर्क (R) : क्योंकि इस अस्वीकृति के बिना उनका सिद्धांत पूर्णतः अतर्कसंगत था।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ **अभिकथन (A) :** संस्थागत उपागम से राजनीति के परिदृश्य का खाका तैयार करने में मदद मिल सकती है।

तर्क (R) : क्योंकि उस कार्य-कलाप का उद्देश्य व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं सामूहिक समानता के प्रतिस्पर्धी मूल्यों में सामंजस्य स्थापित करना है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ ईस्टन के अनुसार, कौन-सी सदी वैज्ञानिक विधि का युग है?
– उन्नीसवीं सदी

☞ अरस्तू द्वारा किया गया संविधानों का वर्गीकरण इस पर आधारित था कि **– कौन शासन करता है और शासन से कौन लाभान्वित होता है।**

☞ किस देश में अर्ध-राष्ट्रपति प्रणाली प्रचलित है?**– श्रीलंका एवं फ्रांस में**

☞ किसने इस स्थापित मत को अस्वीकार किया कि ग्रेट ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी अभिजनवादी है तथा इस पर नेतृत्व का वर्चस्व होता है और लेबर पार्टी आंतरिक लोकतंत्र के उच्च मानदंड वाली पार्टी है?
– राबर्ट मेकेन्जी ने

☞ नौकरशाही सत्तावाद का प्रकार है **– सैनिक शासन**

☞ यह किस सिद्धांत का मत है कि जैसे ही समाज का विकास होगा, वह पूंजीपति लोकतंत्र बन जाएगा जिसमें मूल्यों एवं अभिलक्षणों का एक सम्मिलित समुच्चय होगा? **– आधुनिकीकरण सिद्धांत**

☞ वैधता के वेबर उपागम के विकल्प के रूप में वैधीकरण संकट विकसित किया गया **– हेबरमास और ओफे द्वारा**

☞ यह किसने कहा है क्रांति का अभिप्राय किसी एक भू-भागीय राजनीतिक सत्ता को चलाने वाले किसी प्रभारी समूह का किसी अन्य समूह द्वारा सशक्त आकस्मिक प्रतिस्थापन है? **– क्रेन ब्रिंटन**

☞ घटनाओं का सही क्रम है **– स्वराज पार्टी, नेहरू रिपोर्ट, कम्युनल अवॉर्ड, पूना पैक्ट, तीसरा गोलमेज सम्मेलन**

☞ मुस्लिम लीग, कांग्रेस, सिख, एवं द प्रिंसेस गिल्ड में से किस दल/समूह को कैबिनेट मिशन ने मान्यता प्रदान नहीं की? **– सिख**

☞ भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के क्षेत्र में आते हैं
– आश्रय का अधिकार, अच्छी सड़कों का अधिकार, ख्याति का अधिकार एवं शुद्ध पेयजल का अधिकार

☞ कौन-से मामले भारतीय संविधान को आधारभूत ढांचे के मूल तत्व पर विचार करते हैं? **– इंदिरा नहेरू गांधी बनाम राज नारायण, केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, एस.पी. गुप्ता बनाम भारत संघ एवं मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ**

☞ भारत में विभागों से संबंधित संसदीय स्थायी समितियों के बारे में नियम कब बनाए गए? **– वर्ष 1989 में**

☞ किस राज्य की विधानसभा में एक सीट धर्म के आधार पर आरक्षित है? **– सिक्किम**

☞ सुमेलित है-

चल कार्यक्रम (रोलिंग प्लान)	जनता पार्टी सरकार
20 सूत्री कार्यक्रम	कांग्रेस सरकार
संविधान की पुनरीक्षा हेतु राष्ट्रीय आयोग	एन.डी.ए. -I सरकार
राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम	यू.पी.ए.-I सरकार

☞ आर.एस. सरकारिया, श्री. वी. रामकृष्ण, बी. शिवरमन एवं डॉ. एस. आर. सेन में से कौन केंद्र-राज्य संबंध के विषय में सरकारिया आयोग का सदस्य नहीं था? **– जी.वी. रामकृष्ण**

☞ किस समय से भारत के चुनाव आयोग को तीन सदस्य वाला निकाय बनाया गया? **– वर्ष 1993 से**

☞ किसान आंदोलनों का सही क्रम है **– चंपारण, बारदोली, तेभागा एवं सिंगूर**

☞ कौन-सा पारिस्थितिकी उपागम का पूर्ववर्ती है? **– व्यवस्था उपागम**

☞ सुमेलित हैं-

सिद्धांत	**चिंतक**
परंपरागत सिद्धांत	हेनरी फेयोल
मानव संबंध सिद्धांत	एल्टन मेयो
निर्णय-निर्माण सिद्धांत	हर्बर्ट साइमन
लोक वरण सिद्धांत	वी. ओस्ट्रोम

☞ किसने किसी प्रशासक/प्रबंधक की छह विशेषताएं विनिर्दिष्ट की हैं- शारीरिक, मानसिक, नैतिक, सामान्य शिक्षा, विशिष्ट ज्ञान और अनुभव?
– फेयोल ने

☞ रक्षा विभाग, गृह विभाग, प्रधानमंत्री कार्यालय एवं लोक निर्माण विभाग में से कौन सहायक एजेंसी का एक उदाहरण है?
– लोक निर्माण विभाग

☞ नौकरशाही का जाति, संरक्षण, संरक्षक एवं सत्ताधारी में से कौन-सा प्रकार दलगत हितों के प्रति पूर्वाग्रह दर्शाता है?**– संरक्षण नौकरशाही**

☞ किन्हें सूचना का अधिकार अधिनियम में शामिल नहीं किया गया है?
– केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.), रिसर्च एंड एनालाइसिस विंग (रॉ) एवं केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.)

☞ किस आयोग/समिति ने यह सिफारिश की है कि वित्त वर्ष 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक हो? **– एल.के. झा समिति ने**

☞ किस प्रकार के प्रशिक्षण द्वारा लोक सेवा हेतु भावी भर्ती किए जाने वालों को तैयार किया जाता है? **– प्रवेश पूर्व प्रशिक्षण द्वारा**

☞ केंद्रीय सतर्कता आयोग के संदर्भ में सत्य कथन है
– इसकी स्थापना सन्थानम समिति की सिफारिश पर की गई थी, यह एक सांविधिक निकाय है, यह अनेक सदस्यों वाला एक आयोग है एवं यह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.) के कार्य का पर्यवेक्षण करता है।

☞ **अभिकथन (A) :** भारत की संचित निधि पर भारित व्यय संसद के मत के अध्यधीन नहीं है।

तर्क (R) : इसका स्वरूप बाध्यकर भुगतान का है।
– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ वह कौन-सा समुच्चय है जिसका उपयोग खेल सिद्धांत (गेम थ्योरी) में निर्णय करने वालो के बीच रणनीतिक संवाद का विश्लेषण करने हेतु किया जाता है? **– तर्क और युक्तिमूलकता**

☞ एम.टी.सी.आर. के संबंध में सही कथन है **– चीन एम. टी. सी. आर. का सदस्य नहीं है, भारत एम. टी. सी. आर. का सदस्य है एवं इसका लक्ष्य पूर्ण रॉकेट प्रणाली को सीमित करना है।**

☞ न्याय युद्ध का एक मापदंड है **– संप्रभु राजकुमार द्वारा अधिकृत होना, आनुपातिक होना एवं न्यायसंगत उद्देश्य के लिए किया जाना**

☞ अमेरिका में किस राष्ट्रपति के कार्यकाल को 'आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई' के दौर के रूप में जाना जाता है? **– जॉर्ज डब्ल्यू बुश जूनियर**

☞ एक एकध्रुवीय स्थिति जिसका उल्लेख जॉर्ज डब्ल्यू बुश जूनियर ने शक्ति के संतुलन के रूप में किया है, जो हिमायती है **– स्वतंत्रता का**

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	ग्रंथ
एन्ड्रयू लिंकलेटर	द ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ पॉलिटिकल कम्यूनिटी
एफ. क्लार्क	हेजेमॉनी इन इंटरनेशनल स्टडीज
केनेथ ओय	कॉपरेशन अंडर एनार्की
जे.ए. टिकनर	जेंडरिंग वर्ल्ड पॉलिटिक्स

☞ **अभिकथन (A) :** भारत संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनना चाहता है।

तर्क (R) : भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है। **– (A) और (R) दोनों सत्य है, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।**

☞ सुमेलित हैं-

सूची-I	सूची-II
निक्सन सिद्धांत	मित्र राष्ट्रों के साथ भागीदारी द्वारा शांति का प्रयास
केनेडी सिद्धांत	लैटिन-अमेरिकी राष्ट्रों के प्रति विदेश नीति की पहल
रीगन सिद्धांत	गुरिल्ला विरोधी आंदोलनों का समर्थन
क्लिंटन सिद्धांत	नर संहार रोकने हेतु हस्तक्षेप

☞ सही कथन है- **– जुलियस न्यरेरे निर्गुट आंदोलन (नैम) के एक संस्थापक सदस्य थे एवं सत्रहवीं नैम शिखर बैठक वेनेजुएला में आयोजित की गई थी।**

☞ कौन आर 2 पी (संरक्षण का दायित्व) के 'तीन स्तंभों' का भाग है **– यदि राज्य अपनी जनसंख्या को संरक्षण प्रदान करने में विफल रहता है, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के अनुसार सामूहिक कार्यवाही करेगा, यह राज्य का दायित्व है कि वह अपनी जनसंख्या को चार सामूहिक अत्याचार अपराधों से संरक्षण प्रदान करे एवं प्रत्येक राज्य के दायित्व के निर्वहन में उसकी सहायता हेतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय का दायित्व**

NET/JRF November, 2017 (Paper III)

☞ राजनीतिक सिद्धांत की शास्त्रीय परंपरा को जांच की एक साझा विचारधारा माना जाता है, क्योंकि इसमें **– तर्क की शैली एवं तरीके में एकत्व है।**

☞ किसने शास्त्रीय परंपरा का उल्लेख 'एपिक थ्योरी' के रूप में किया है? **– शेल्डन बोलिन ने**

☞ सुमेलित हैं

अवधारणा	चिंतक
मौन सहमति	लॉक
स्वयं से संबंधित और दूसरे से संबंधित कार्य	बेंथम
नकारात्मक तथा सकारात्मक स्वतंत्रता	बर्लिन
सुव्यवस्थित समाज	रॉल्स

☞ यह आशंका किसने व्यक्त की थी कि मार्क्स के सर्वहारा वर्ग की तानाशाही सर्वहारा वर्ग पर तानाशाही हो जाएगी? **– बाकुनिन ने**

☞ **अभिकथन (A) :** इस तथ्य के बावजूद कि रॉल्स के सिद्धांत की प्रबल प्रक्रियागत विशेषताएं हैं, इसे सामाजिक न्याय में प्रमुख योगदान के रूप में भी देखा जा सकता है।

तर्क (R) : वह साफ-साफ बताते हैं कि समानता से सभी विचलनों के युक्तिसंगत औचित्य की आवश्यकता है। **– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

☞ अभिसरण सिद्धांत में किसके बीच अभिसरण का उल्लेख किया गया है **– उन्नत पूंजीवाद और विकसित समाजवाद**

☞ **अभिकथन (A) :** लेनिन का शक्ति पर क्रांतिकारी कब्जा होना आकस्मिक शासन परिवर्तन के समान है तथा यह मार्क्सवाद को नकारता है।

तर्क (R) : मार्क्स का विचार था कि कम्युनिस्ट पार्टी शांतिपूर्ण ढंग से शक्ति हथिया लेगी।

– (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

☞ किसकी क्रांतिकारी भूमिका पर बल देना माओ का सर्वाधिक मौलिक योगदान था **– कृषक वर्ग**

☞ किसने इस विचार पर संदेह प्रकट किया कि लॉक गौरवपूर्ण क्रांति के समर्थक थे **– एशक्राफ्ट ने**

☞ कौन-सा राजनीतिक चिंतक अरस्तू के विचारों को पूरी तरह अस्वीकार करता है **– हॉब्स**

☞ किसने रूसो को अधिनायकवादी लोकतंत्री बताया है– **जैकब टालमोन ने**

☞ हॉब्स के लिए केंद्र बिंदु सत्ता है, न कि अधिकार क्योंकि **– व्यक्तियों के बीच सहमति जुटाना कठिन है**

☞ सुमेलित हैं

मार्क्स की रचनाएं	**विषय**
पेरिस मैन्युस्क्रिप्ट्स	विसंबंधन
दास कैपिटल	अधिशेष मूल्य
एइटीन्थ ब्रुमेअर ऑफ लुई बोनापार्ट	राज्य की आपेक्षित स्वायत्तता
क्रिटिक ऑफ द गोथा प्रोग्राम	सर्वहारा वर्ग की तानाशाही

☞ मैकियावेली के राजनीतिक सिद्धांत के बारे में सही है **– इसमें प्राचीन रोम को देवत्व प्रदान किया गया है, इसमें इतिहास का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, ताकि शासन-कला सीखी जा सके।**

☞ गांधी ने स्वयं को किस रूप में बताया है **– दार्शनिक रूप से अराजकतावादी**

☞ तुलनात्मक पद्धति में अरस्तू के योगदान के संबंध में सही है **– तत्कालीन विद्यमान राजनीतिक प्रणालियों का अध्ययन, राजनीति के एक आनुभविक विज्ञान का विकास करना।**

☞ नवसंस्थावाद बल देता है **– संस्थाओं पर न कि व्यक्तियों पर**

☞ ईस्टन ने वर्ष 1969 में राजनीति विज्ञान में प्रचण्ड संशोधन का वर्णन किया है **– वास्तविक क्रांति**

☞ उदारवादी राजनीतिक अर्थव्यवस्था की आवश्यक रूपरेखा प्रदान की गई थी- **– स्मिथ द्वारा**

☞ ग्रेट ब्रिटेन के अलिखित संविधान के विकास के मुख्य: कारण हैं **– ब्रिटेन में सामान्य कानून परंपरा**

☞ किस देश में 'एक बार अध्यक्ष सदा के लिए अध्यक्ष' प्रथा का अनुसरण किया जाता है? **– यू.के. में**

☞ उच्चतम न्यायालय द्वारा न्यायिक पुनरीक्षा के अधिकार को सर्वप्रथम स्थापित किया गया था **– यू.एस.ए.**

☞ किस देश में न्यायपालिका के उल्लेखनीय हस्तक्षेप द्वारा व्यक्ति के नागरिक अधिकारों का विकास हुआ है- **– यू.एस.ए. में**

☞ सुमेलित हैं

निर्वाचन प्रणाली	**देश**
फर्स्ट-पास्ट-द पोस्ट सिस्टम	यू.एस.ए.
द्वितीय मतदान प्रणाली (सेकंड बैलट सिस्टम)	फ्रांस
वैकल्पिक मत प्रणाली	ऑस्ट्रेलिया
अतिरिक्त सदस्य प्रणाली	जर्मनी

☞ **अभिकथन (A) :** 1950 के दशक में विकास के सिद्धांत यथा व्यवहारवाद, एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृति प्रतिमान के रूप में कभी विकसित नहीं हो पाया, क्योंकि वे स्थानीय रूप से सीमित रह गए।

तर्क (R) : उनका उद्भव शीत युद्ध के दौरान हुआ तथा परिणामस्वरूप पक्षपातपूर्ण था

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ राजनीतिक समाजीकरण का संबंध है **– राजनीतिक विचारों की निर्माण प्रक्रिया से**

☞ जन-भागीदारी संस्कृति संबंधित थी **– तत्कालीन साम्यवादी शासन से**

☞ किसका कथन है कि राजनीति विविधता तथा संघर्ष के बारे में है और अभाव इसके अस्तित्व का आवश्यक तत्व है- **– लास्वेल का**

☞ किसने अभिजनवाद को एक आर्थिक उपागम प्रदान किया **– बर्नहैम ने**

☞ किसके अनुसार भारतीय संविधान का लक्ष्य 'अखंड जाल' में अंतर्गुम्फित तीन विशिष्ट तत्वों के रूप में राष्ट्रीय एकता, लोकतंत्र तथा सामाजिक क्रांति के लक्ष्यत्रीय को प्राप्त करना है **– ग्रेनविल ऑस्टिन के**

☞ कौन-से आधार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत स्वतंत्रता का उपयोग करने पर राज्य द्वारा युक्तियुक्त निर्बंधन की परिधि में आते हैं **– राज्य की सुरक्षा, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार, न्यायालय की अवमानना**

☞ एक बार संसद द्वारा वित्तीय आपात की स्वीकृति मिलने के बाद इसकी उद्घोषणा जारी रह सकती है **– अनिश्चितकाल तक**

☞ भारत के उपराष्ट्रपति के संबंध में कथन सही हैं – **इनका निर्वाचन लोक आनुपातिक प्रतिनिधित्व के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है, इनका निर्वाचन लोक सभा तथा राज्य सभा के सभी सदस्यों द्वारा होता है, इनके निर्वाचन में राज्य विधानसभाओं के सदस्यों को मतदान का अधिकार नहीं होता है, वे राज्य सभा का सभापति होते हैं।**

☞ निम्नलिखित मामलें उनके कालक्रमिक क्रम में व्यवस्थित हैं – **ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ल, बंधुआ मुक्ति मोर्चा बनाम भारत संघ, एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ, बालकों कर्मचारी संघ बनाम भारत संघ**

☞ किन सिद्धांत की उत्पत्ति अनुच्छेद 356 के संबंध में बोम्मई मामलें में दिए गए फैसले से हुई है? – **अनुच्छेद 356 के अंतर्गत जारी की गई उद्घोषणा न्यायिक पुनरीक्षा के अध्यधीन है, राज्य विधानसभा को उद्घोषणा जारी किए जाने के बाद तुरंत भंग नहीं किया जाना चाहिए, उद्घोषणा को संसद की स्वीकृति मिलने के बाद ही राज्य विधानसभा को भंग किया जाना चाहिए, न्यायालय द्वारा केंद्र सरकार से यह बताने के लिए कहा जा सकता है कि उसने किस आधार पर अनुच्छेद 356 लागू करने का निर्णय लिया है।**

☞ न्यायमूर्ति पुंछी आयोग संबंधित है – **केंद्र-राज्य संबंध से**

☞ सुमेलित हैं

वह राज्य जिसके साथ केंद्र का समझौता हुआ	**वर्ष**
असम	1985
मिजोरम	1986
त्रिपुरा	1988
पंजाब	1985

☞ किस समिति का यह विचार था कि पंचायती राज संस्थाएं सम्यक ढंग से चलती रहती यदि ग्रामीण भारत में विकास के पुरोधा के रूप में उन्हें जिम्मेदारियां सौंपकर उन्हें समुचित ढंग से प्रोत्साहित किया जाता? – **अशोक मेहता**

☞ किस मुख्य चुनाव आयुक्त ने भारत के राष्ट्रपति को पत्र लिखकर चुनाव आयुक्त को हटाने की सिफारिश की थी – **एन. गोपालस्वामी**

☞ **अभिकथन (A) :** कानून और व्यवस्था जिलाधीश की जिम्मेदारी है।

तर्क (R) : कानून और व्यवस्था भारत में अभी भी एक प्रमुख समस्या बनी हुई है।

– **(A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

☞ सुमेलित हैं

राज्य	**राज्य स्तरीय दल**
बिहार	लोक जनशक्ति पार्टी
पश्चिम बंगाल	रिवोल्युशनरी सोशलिस्ट पार्टी
उत्तर प्रदेश	अपना दल
हरियाणा	भारतीय राष्ट्रीय लोक दल

☞ कौन टुवड्र्स इक्वालिटी रिपोर्ट के सदस्य थे? – **लोतिका सरकार, नीरा डोगरा, वीणा मजूमदार**

☞ सुमेलित हैं

दबाव समूहों का प्रकार	**दबाव समूहों का नाम**
पारंपरिक सामाजिक संरचना पर आधारित	नायर सर्विस
श्रमिक हित पर आधारित	हिंद मजदूर परिषद्
संस्थागत हित पर आधारित	दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ
व्यवसायिक हित पर आधारित	एसोसिएटेड चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री इन इंडिया

☞ भारत में राष्ट्र निर्माण की मुख्य समस्याएं – **निर्धनता, निरक्षरता, भ्रष्टाचार, आतंकवाद**

☞ वे कौन-से सुधार प्रतिमान हैं, जिनकी पीटर्स ने परंपरागत लोक प्रशासन के विकल्पों के रूप में पहचान की थी? – **बाजार प्रतिमान, भागीदारी आधारित राज्य प्रतिमान, नम्य सरकार प्रतिमान, विनियमित सरकार प्रतिमान**

☞ प्रशासनिक चिंतक कालक्रम में व्यवस्थित हैं – **एम.पी. फॉलेट, विलॉबी, रॉबर्ट डहल, एफ.डब्ल्यू. रिग्स**

☞ किसने विभागीय संगठन के लिए 4 पी-फॉर्मूला दिया? – **गुलिक ने**

☞ **अभिकथन (A) :** हरबर्ट साइमन ने संगठन के शास्त्रीय सिद्धांत की एक मशीन प्रतिमान सिद्धांत के रूप में खिल्ली उड़ाई है।

तर्क (R) : शास्त्रीयतावादी संगठन के औपचारिक संरचनात्मक भाग के प्रति अत्यंत तल्लीन रहते हैं और वे यह मानव कारकों की कीमत पर करते हैं।

– **(A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

☞ सूचना का अधिकार अधिनियम के बारे में कथन सही है – **सूचना का अधिकार अधिनियम 12 अक्टूबर, 2005 को लागू हुआ सूचना की स्वतंत्रता अधिनियम, 2002 निरस्त कर दिया गया है, केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों को गठित किया गया है।**

☞ 73वें संविधान संशोधन में व्यवस्था की गई है – **पंचायती राज की सभी संस्थाओं के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था**

☞ केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त होते हैं, जिनकी **– संख्या दस से अधिक नहीं होती है।**

☞ किसने कहा- ''विकास प्रशासन एक कार्य-उन्मुखी और उद्देश्य-उन्मुखी प्रशासनिक व्यवस्था है?'' **– एडवर्ड विडनर ने**

☞ 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 में स्वैच्छिक प्रावधान हैं **– पिछड़े वर्गों को आरक्षण प्रदान करना, पंचायतों को स्वायत्त निकाय बनाना, करों, फीस आदि के संबंध में पंचायतों को वित्तीय अधिकार प्रदान करना**

☞ सुमेलित हैं-

समिति/आयोग	**विषय**
होता समिति	सिविल सेवा में सुधार
संथानम समिति	भ्रष्टाचार की रोकथाम
सरकारिया आयोग	केंद्र-राज्य संबंध
यशपाल समिति	उच्च शिक्षा में सुधार

☞ उच्च पद पर प्रोन्नति में सम्मिलित है **– पद में परिवर्तन, वेतन में परिवर्तन, कर्तव्यों में परिवर्तन, उत्तरदायित्व में परिवर्तन**

☞ कौन-सी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक चयनित उम्मीदवार को नियुक्ति के लिए बुलावा भेजा जाता है? **– प्रमाणीकरण**

☞ नीति का बचाव कार्य है **– लाइन एजेंसी का**

☞ कौन नौकरशाही सिद्धांत के आलोचक हैं? **– टालकॉट पार्सन्स, माइकल क्रोज़ियर, रॉबर्ट प्रेस्थस, एफ.डब्ल्यू. रिग्स**

☞ किसने राजनीति-प्रशासन द्विभाजन को अस्वीकृत किया था? **– हर्बर्ट साइमन**

☞ किसका विचार था कि 'उत्तरजीविता राज्य की भौतिक क्षमता तथा अन्य राज्यों से इसकी संधियों पर निर्भर करती है?– **केनेथ वाल्ट्ज**

☞ सही कथन हैं **– नव यथार्थवाद और नव उदारवाद तर्कबुद्धिवादी उपागम हैं, नारीवाद और उत्तर-संरचनावाद अनुचिन्तनवादी उपागम हैं।**

☞ नम्र शक्ति के बारे में कथन सही हैं **– नम्र शक्ति का उपयोग राज्य कर्ताओं द्वारा किया जा सकता है, नम्र शक्ति का उपयोग गैर-राज्य कर्ताओं द्वारा किया जा सकता है, नम्र शक्ति शक्ति का दूसरा फलक है।**

☞ संघर्ष, हिंसा तथा शांति के बारे में जोहान गालतुंग के प्रतिमानों के बारे में सही कथन हैं **– उन्होंने सुझाव दिया कि संघर्ष को परस्पर विरोध, मनोवृत्ति तथा व्यवहार के त्रिकोण के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष युद्ध, छद्म युद्ध और अंतरा-राज्य युद्ध की व्याख्या की।**

☞ सुमेलित हैं

लेखक	**ग्रंथ**
स्टीफन क्रेसर	इंटरनेशनल रेजिम्स
जे. रोजनबर्ग	एम्पायर ऑफ सिविल सोसाइटी
ई.एम. वुड	एम्पायर ऑफ कैपिटल
बेरी बुजान	फ्रॉम इंटरनेशनल टू वर्ल्ड सोसाइटी

☞ सुमेलित हैं-

वर्ल्ड आर ग्लोबल सिक्यूरिटी	विश्व समुदाय अथवा मानव जाति
आर्थिक सुरक्षा	कल्याण
पर्यावरण सुरक्षा	संसाधन

☞ किसका प्रभाव भारत की परमाणु शक्ति निवारक पर है? **– कम संख्या तथा निवारण करने की क्षमता**

☞ कथन सत्य हैं **– 'ओटावा वार्ता' भारत-पाकिस्तान संबंधों के विषय में है, रायसीना वार्ता भू राजनीति तथा भू अर्थव्यवस्था के विषय में भारत का फ्लैगशिप सम्मेलन है।**

☞ संयुक्त राष्ट्र संघ के संदर्भ में भारत की भूमिका के विषय में सत्य कथन हैं **– भारत संयुक्त राष्ट्र लोकतंत्र निधि का प्रमुख अंशदाता है, भारत ने अन्य देशों के साथ चरणबद्ध तरीके से परमाणु हथियारों को समाप्त करने की कार्ययोजना 1996-2020 प्रस्तुत की।**

☞ **अभिकथन (A) :** राज्य अभी भी संप्रभु राज्य के रूप में विद्यमान हैं।

तर्क (R) : वैश्वीकरण से वेस्टफेलियन राज्य प्रणाली कमजोर हुई है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ सुमेलित हैं-

समझौता/समूह	**उद्देश्य**
वास्सेनार समझौता	पारंपरिक हथियारों तथा प्रौद्योगिकी के दोहरे उपयोग का निर्यात एवं नियंत्रण
ऑस्ट्रेलिया समूह	रासायनिक एवं जैविक हथियारों के प्रसार को रोकना
न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप	परमाणु हथियारों का अप्रसार
प्रक्षेपास्त्र प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था	सामूहिक विनाश वाले हथियारों की सुपुर्दगी हेतु प्रणाली का अप्रसार।

☞ सत्य कथन हैं- **– न्यू डवेलपमेंट बैंक ब्रिक्स राष्ट्रों द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय विकास बैंक हैं, एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक चीन के प्रयासों से स्थापित एक बैंक है, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) उन देशों को सर्वाधिक अल्प विकसित देशों की मान्यता प्रदान करता है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ ने ऐसा नामोद्दिष्ट किया है।**

☞ सुरक्षा परिषद के संबंध में सही कथन हैं **– भारत सुरक्षा परिषद का सदस्य सात बार बना, जापान सुरक्षा परिषद का सदस्य ग्यारह बार बना।**

☞ **अभिकथन (A) :** कौटिल्य मजबूत शासक की आवश्यकता पर बल देता है।
तर्क (R) : उसे समाज में अराजकता के खतरे तथा व्यवस्था स्थापित करने की अनिवार्यता का उत्कट बोध था।
– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सुमेलित है-

अरस्तू के कार्यकारण भाव का सिद्धांत	**स्पष्टीकरण**
निमित्त कारण	गति का कारण
अंतिम कारण	वह उद्देश्य जिसकी ओर गतिविधि लक्षित है।
भौतिक कारण	पदार्थ जिससे यह बना है।
औपचारिक कारण	वस्तु का पदार्थ एवं सार

☞ **अभिकथन (A) :** लॉक के लिए श्रम संपत्ति का स्रोत और औचित्य है।
तर्क (R) : इसका कार्य पृथ्वी को उपभोज्य सामान में बदल देना है।
– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

☞ रॉल्स के 'अज्ञानता के आवरण' की अवधारणा की विशेषता सही है
– समाज में अपना स्थान, अपनी वर्ग स्थिति अथवा सामाजिक हैसियत को कोई नहीं जानता, प्राकृतिक संपदाओं के वितरण तथा क्षमता में अपने भाग्य को कोई नहीं जानता, पक्षकार अच्छे की अपनी अवधारणा के बारे में (भी) नहीं जानते

☞ कल्याणकारी राज्य को एक प्रकार की दासता के रूप में वर्णन किया है
– आर. नॉजिक ने

☞ ई.एम.एस. नम्बूदिरीपाद की पुस्तक 'महात्मा एण्ड इज्म' के दृष्टिकोण से महात्मा गांधी का विश्लेषण है **– मार्क्सवाद**

☞ एम.एन. राय के मामले में कथन सही है
– उन्होंने स्वतंत्र भारत के लिए एक मॉडल संविधान तैयार किया। संप्रभु शक्ति जनता में निहित होनी चाहिए, गांवों, कस्बों तथा शहरों में जन समितियां गठित हों

☞ कथन सही है **– पारंपरिक राजनीतिक सिद्धांत गुणात्मक है, व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत मात्रात्मक है। उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत गुणात्मक तथा मात्रात्मक दोनों हैं**

☞ किसने तीन मानकों पर विशेष बल देते हुए 'लोकतंत्र के प्रक्रियामूलक सिद्धांत' पर बल दिया? **– आर.ए. डहल ने**

☞ मैक्स वेबर का निरूपण है **– तर्कशक्ति, कार्यमूलक विभेदन तथा विशिष्टीकरण जिनके फलस्वरूप व्यवस्था, सौहार्द्र तथा दक्षता का निर्माण होता है। आदर्श प्ररूपों के संबंध में विश्वास तथा संकेतों पर आधारित प्रभावी प्राधिकार, औचित्य स्थापन तथा आदर्श प्ररूपविज्ञान विधि**

☞ किसका कथन है कि संघवाद में ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता होती है ''जिनकी इच्छा संघ की होती है, परंतु उन्हें एकता की इच्छा बिलकुल नहीं होनी चाहिए''? **– ए.वी. डायसी**

☞ राजनीतिक संस्कृति तथा शासन के स्थायित्व के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है यह कथन है **– लिजफर्ट का**

☞ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति को अपने मार्ग को अपनाने की क्षमता में कांग्रेस, संघीय नौकरशाही, उच्चतम न्यायालय एवं मॉस मीडिया में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण कौन है? **– कांग्रेस**

☞ सी. राइट मिल्स की रचना 'द पावर एलिट' (1956) ने किसमें अभिजनों का सामान्य विश्लेषण प्रस्तुत किया?
– संयुक्त राज्य अमेरिका के विकसित पूंजीवाद में

☞ किसका निरूपण है कि शक्ति पैसा की तरह है?
– तालकॉट पार्सन्स का

☞ कैच ऑल पार्टी किसमें उत्तर द्वितीय विश्व युद्ध की दलीय व्यवस्था का वर्णन करती है **– पश्चिमी यूरोप**

☞ किसका विश्वास था कि कोई क्रांति तभी सफल होती है जब यह राजनीतिक रहती है तथा समाज तक विस्तारित नहीं होती है
– हन्ना अरेन्ट

☞ ''पूँजीवादी वैश्विक अर्थव्यवस्था उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं, विक्रेताओं एवं क्रेताओं की 'वस्तु शृंखला'' से बनी है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के केंद्र में देशों को जोड़ती हैं'' यह आधार है
– विश्व व्यवस्था सिद्धांत का

☞ **अभिकथन (A) :** सहवर्तन लोकतंत्र, लोकतंत्र का एक अपूर्ण सिद्धांत है।
तर्क (R) : क्योंकि यह वास्तविक विकल्प का मार्ग अवरुद्ध करता है।
– (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ कथन है, ''संविधान सभा अनिवार्यतः एक दलीय देश में एक दलीय निकाय थी। वह सभा कांग्रेस थी तथा कांग्रेस ही भारत था''?

– ग्रैनविल ऑस्टिन

☞ सही सुमेलित है-

ग्रंथ	लेखक
द चाइल्ड एंड द स्टेट इन इंडिया	मायरन वीनर
द हिंदू नेशनलिस्ट मूवमेंट एण्ड इंडियन पॉलिटिक्स	क्रिस्टोफर जेफरेलॉट
द पॉलिटिक्ल इकॉनॉमी ऑफ डेवलपमेंट इन इंडिया	प्रणब वर्धन
पॉवर्टी एमिड पलेंटी इन द न्यू इंडिया	अतुल कोहली

☞ किन्हें भारत के राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल द्वारा क्षमा प्रदान करने के अधिकार के प्रयोग में न्यायिक समीक्षा के लिए आधार के रूप में पहचान की गई है? **– कि आदेश को मस्तिष्क का प्रयोग किए बिना पारित किया गया है। कि आदेश दुर्भावनापूर्ण है। कि आदेश को बाह्य अथवा पूर्णतः असंगत अनुचिंतन के आधार पर पारित किया गया है। कि आदेश यादृच्छिकता से ग्रसित है**

☞ सही सुमेलित है-

पंचायती राज समिति	वर्ष
सी.एच. हनुमन्त राव	1984
जी.वी. के. राव	1985
अशोक मेहता	1977-78
एल.एम. सिंघवी	1986

☞ **अभिकथन (A) :** मूल कर्त्तव्य वादयोग्य नहीं हैं।

तर्क (R) : उनके द्वारा देशभक्त तथा संवेदनशील नागरिकता का भाव भरे जाने की अपेक्षा होती है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

☞ कौन भारत में विधायिका के विशेषाधिकार हैं? **– वाद-विवाद तथा सभा की कार्यवाहियों को प्रकाशित करने का अधिकार तथा अन्य को इनके प्रकाशन से रोकने का अधिकार, सदन से अजनबियों को अपवर्जित करने का विशेषाधिकार, आंतरिक मामलों को विनियमित करने का अधिकार, विशेषाधिकार का उल्लंघन करने के लिए सांसदों तथा बाहरी व्यक्तियों को सजा देने का अधिकार**

☞ किसान आंदोलनों का सही क्रम है-

– चम्पारण, बारदोली, तेभागा एवं सिंगूर

☞ भारत में संघवाद संबंधी घटनाओं के विकास का सही कालक्रम है

– राजमन्नार समिति, आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव, पश्चिम बंगाल ज्ञापन, पुंछी आयोग

☞ किसने भारतीय पूंजीवाद का वर्णन ''धर्मशाला पूंजीवाद'' के रूप में किया है? **– राज कृष्ण**

☞ भारत में निर्वाचन सुधारों से संबद्ध है **– तारकुंडे समिति, दिनेश गोस्वामी समिति, इन्द्रजीत गुप्त समिति**

☞ लोक प्रशासन के अध्ययन के उपागमों को आनुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए **– संस्थागत उपागम, व्यावहारिक उपागम, व्यवस्था उपागम, लोकनीति उपागम**

☞ **अभिकथन (A) :** भारत में लोक सेवकों के कोई राजनीतिक अधिकार नहीं होते हैं।

तर्क (R) : तटस्थता भारत में लोक सेवाओं की विशेषता है।

– (A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है

☞ किन्हें द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ने भारत में नागरिक-केंद्री प्रशासन में अवरोध के रूप में पहचान की है? **– लोक सेवकों के लचीला स्वस्थायीकरण तथा आभ्यंतरिक अवलोकन का दृष्टिकोण। लोक सेवकों के उत्तरदायित्व का अभाव। नागरिकों के अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की जानकारी का निम्न स्तर**

☞ भारत में बजट को लागू करने हेतु नोडल एजेंसी है

– वित्त मंत्रालय

☞ भारत में शब्द 'घाटा वित्तीयन' को सर्वप्रथम किसके द्वारा परिभाषित किया गया था? **– प्रथम पंचवर्षीय योजना द्वारा**

☞ कौन-सी प्रकार की नौकरशाही स्वयं को लोक हित का संरक्षक मानती है, परंतु वह लोकमत से स्वतंत्र है तथा प्रत्युत्तरदायी नहीं है?

– अभिभावक नौकरशाही

☞ 73वें संविधान संशोधन अधिनियम और 74वें संविधान संशोधन अधिनियम के बीच समान विशेषताएं हैं **– समय-समय पर निर्वाचन, सामाजिक और आर्थिक कमजोर समूहों का सशक्तिकरण, राज्य चुनाव आयोग का गठन**

☞ सांविधिक निकाय है **– विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, रेलवे बोर्ड, परमाणु ऊर्जा आयोग**

☞ सेवार्थीवृन्द सिद्धांत के आधार पर गठित मंत्रालय का एक उदाहरण है

– कृषि मंत्रालय

☞ किसका विचार है कि आयोजना, संगठन निर्माण, समन्वय कार्य तथा बजट निर्माण कार्य की प्रबंधकीय तकनीकें तथा कौशल सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन में एकसमान हैं? **– हेनरी फेयोल, एम.पी. फोलेट, लुथर गुलिक, एल. उर्विक**

☞ यथार्थवाद की ब्रितानी विचारधारा (ब्रिटिश स्कूल ऑफ रीएलिज्म) से संबंधित हैं **– हेडली बुल्ल**

☞ 'आतंक का संतुलन' का विचार किससे संबंधित है? **– परमाणु हथियारों से निकलने वाली दुनिया को बार-बार तबाह करने वाली क्षमता से**

☞ शक्ति संतुलन की मुख्य धारणा नहीं है **– राज्य दूसरों के व्यवहार का मूल्यांकन करने हेतु नैतिक मानदंडों को लागू करते हैं।**

☞ क्योटो प्रोटोकॉल का अनुपालन करते हुए उत्सर्जन में कमी लाने को विधिक रूप से अनिवार्य किए जाने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है **– भारत और चीन**

☞ यू.एस.एस.आर. के 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' की नीति शुरू की थी **– एन. ख्रुश्चेव ने**

☞ शीतकाल की समाप्ति पर फ्रांसिस फूकुयामा ने 'इतिहास का अंत' का विचार दिया जिसका अर्थ है **– सैद्धान्तिक संघर्ष अब समाप्त हो चुका**

☞ शांति कार्यक्रम के लिए नाटो को भागीदारी का उद्देश्य था **– भूतपूर्व पूर्वी गुट के राज्यों को इस संगठन में शामिल करना**

☞ किस घटना को शीत युद्ध की समाप्ति का संकेत माना जाता है? **– वर्ष 1989 में बर्लिन की दीवार को गिराया जाना**

☞ किस संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के परिणामस्वरूप यूरोपीय समुदाय (ई.सी.) का नाम बदलकर उसे नया नाम यूरोपीय संघ दिया गया? **– मास्ट्रिक्ट संधि**

☞ संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी हैं- **– मास्ट्रिक्ट संधि**

☞ संयुक्त राष्ट्र की विशिष्ट एजेंसी हैं **– डब्ल्यू.एच.ओ., आई.एम.एफ. तथा एफ.ए.ओ.**

NET/JRF Junuary, 2017 (Paper III)

☞ यह किसने कहा है, ''राजनीतिक सिद्धांत का एक महत्वपूर्ण कार्य केवल राजनीतिक व्यवहार को दर्शाना नहीं, बल्कि यह भी दर्शाना होता है कि इसका क्या अर्थ है। यह दर्शाने के लिए कि किसी प्रथा का क्या अर्थ है, अथवा इसका क्या अर्थ होना चाहिए, राजनीतिक सिद्धांत उसको बदल सकता है जो वह है''। **– जी.एच. सेबाइन ने**

☞ किसने इस विचार का खंडन किया कि मानव व्यवहार का यथेष्ट रूप में वर्णन शामिल कर्ता के आशय, उद्देश्य और कारणों के संदर्भ के बिना भी किया जा सकता है **– पीटर विंच ने**

☞ सुमेलित है-

लेखक	अवधारणा
जॉन रॉल्स	जस्टिस एज फेअरनेस
जॉन सी. हरसाण्यी	द मैक्सिमिन प्रिंसिपल
रिचर्ड जे. अर्नेसन	प्राइमरी गुड्स रिकंसीडर्ड
अलेक्स कैलिनिकोस	इक्वलिटी ऑफ ह्वाट

☞ **अभिकथन (A) :** लेनिन ने बुद्धिजीवियों के क्रांतिकारी कार्य का एक नया सिद्धांत प्रस्तुत किया।

तर्क (R) : क्रांति के प्रभावी कारण उत्पादन के विचार होते हैं, न कि उसकी भौतिक स्थितियां।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ यह घोषणा की थी- ''मेरे लिए आचार, नैतिकता तथा धर्म विनिमेय पद हैं। धर्म के संदर्भ के बिना एक नैतिक जीवन रेत पर निर्मित भवन के समान है।'' **– महात्मा गांधी ने**

☞ सही सुमेलित है-

प्लेटो के संवाद	मुख्य विषय
सिम्पोजियम	प्रेम की तत्त्वमीमांसा
फिलेबस	विचारों के सिद्धांत को नीति-शास्त्र के क्षेत्र पर लागू करना
टाइमेयस	भौतिक अस्तित्व के सिद्धांत का क्षेत्र
रिपब्लिक	राजनीति का क्षेत्र

☞ **अभिकथन (A) :** अरस्तू के किसी भी प्रामाणिक बोध के द्वारा इस विचार का समर्थन नहीं किया जा सकता कि उसकी दार्शनिक व्यवस्था प्लेटों के विपरीत थी।

तर्क (R) : अरस्तू की व्यवस्था प्लेटों की व्यवस्था की त्रुटियों से मुक्त आदर्शवाद को दार्शनिक रूप देने का एक प्रयास है। **– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

☞ **अभिकथन (A) :** मैकियावेलीवाद नैतिकता के दोहरे मानदंड का समर्थन करता है- जिसमें एक तो शासक के लिए है, जबकि दूसरा निजी नागरिकों के लिए।

तर्क (R) : राज्य के निर्माता के रूप में शासक न सिर्फ कानून से परे है बल्कि नैतिकता से भी परे है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ किसके विचारों को उपयोगितावाद के दार्शनिक अतिवाद में शामिल किया गया है? **– थॉमस हॉब्स के**

☞ **अभिकथन (A) :** कुछ लोग कार्ल मार्क्स की व्याख्या आर्थिक नियतिवादक के रूप में करते हैं, जबकि अन्य इन्हें मानवोचित समाजवादी के रूप में व्याख्या करते हैं।

तर्क (R) : समस्या उनकी अपनी रचनाओं की व्यापकता तथा उसके जटिल स्वरूप से पैदा होती है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ नागरिक शक्ति की परिभाषा इस प्रकार की है, ''.... संपत्ति को विनियमित करने तथा उसके संरक्षण करने, तथा ऐसे कानून को लागू करने में समुदाय की शक्ति का उपयोग करने के लिए शक्ति के साथ विधि बनाने का अधिकार ..... ये सभी सार्वजनिक हित के लिए होता है''? **– जॉन लॉक ने**

☞ यह किसका कथन है, ''विचारधारा सम्पूर्ण सामाजिक विज्ञान में सर्वाधिक भ्रामक अवधारणा है **– डेविड मैक्लेलन का**

☞ श्री अरविंद की पुस्तकों का सही कालक्रम है

– लव एण्ड डेथ, द लाइफ डिवाइन, सावित्री : ए लिजेन्ड एण्ड ए सिम्बल, एसेज ऑन गीता

☞ उदारवाद के विषय में कथन सही है **– उदारवादी विचार 'व्यक्तियों' के आवश्यकताओं एवं हितों पर ध्यान केंद्रित करते हैं न कि किसी समूह अथवा 'समष्टि' के। उदारवादी ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता का पूर्णरूपेण विकसित तथा समृद्ध करने में सक्षम हो। उदारवादियों के लिए वैयक्तिक स्वतंत्रता सर्वाधिक राजनीतिक मूल्य है**

☞ कौन इस बात से सहमत थे कि ''किसी सभ्य समुदाय के किसी सदस्य के ऊपर अधिकृत रूप में शक्ति का उपयोग करने का एकमात्र उद्देश्य अन्य को नुकसान पहुंचने से रोकना है'' **– जे.एस. मिल**

☞ वर्ष 1960 में आलमण्ड तथा पॉवेल द्वारा संरचनात्मक प्रकार्यात्मकवाद अनुप्रयोग था **– ईस्टन की राजनीतिक व्यवस्था का ढांचा**

☞ अर्थशास्त्र मूल्य मुक्त है परंतु राजनीतिक अर्थव्यवस्था अठारहवीं सदी के वैचारिक पराजय के संदर्भ में शुरू होती है। यह टिप्पणी है

– शूम्पीटर की

☞ उदारवादी संविधानवाद का अभिन्न अंग है

– व्यक्तिगत स्वतंत्रता, सहिष्णुता तथा सम्मति, अल्पसंख्यकों के अधिकार

☞ संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति प्रणाली सर्वाधिक सफलतापूर्वक कार्य करती है, जिसका कारण है **– समाज में अल्प अन्तर्विरोध**

☞ ग्रेट ब्रिटेन में हाउस ऑफ लार्डस को मुख्यतः रखा गया है क्योंकि

– यह एक संस्था के रूप में बनाए रखा गया है

☞ **अभिकथन (A) :** हंटिंग्टन का यह कहना सही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के राज्य तथा सरकार की भूमिका का सम्मिलन एक मध्ययुगीन प्रथा है।

तर्क (R) : यह ऐसा इसलिए है क्योंकि अन्य लोकतंत्र में ये दो भूमिकाएं एक साथ जुड़ी नहीं हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

☞ पिछले एक सौ वर्षों में उदारवादी लोकतंत्रों में न्यायिक शक्ति का विकास हुआ है **– मानवाधिकारों की रक्षा के कारण**

☞ पर्यावरण संबंधी हरित दलों का उद्भव किससे हुआ

– नवीन सामाजिक आंदोलन से

☞ दुवर्गर के सिद्धांत के अनुसार द्विदलीय प्रणाली किससे उभरकर आयी है? **– बहुसंख्यक राजनीतिक प्रणाली में**

☞ राजनीतिक संस्कृति की अवधारणा का सबसे पहले प्रयोग किसने किया था? **– गैब्रियल आलमण्ड ने**

☞ कौन-सा स्थिति-निर्धारण राजनीतिक संस्कृति के मूल प्रकार का भाग नहीं है? **– वैयक्तिक स्थिति-निर्धारण**

☞ राजनीतिक विकास में प्रगतिवादी तुलनावादी किस पर बल नहीं देते हैं? **– आधुनिकीकरण पर**

☞ आधुनिकीकरण और अपक्षय के सिद्धांत का निर्माता कौन है?

– हंटिंग्टन ।

☞ शूम्पीटर में लोकतंत्र के साथ अभिजातवर्गवाद को अनुकूल बनाने के लिए आवश्यक पूर्वापेक्षा है **– राजनीतिज्ञों का चरित्रबल ऊंचा होना ही चाहिए। अपेक्षाकृत सीमित क्षेत्र में प्रतियोगिता का होना। सुप्रशिक्षित स्वतंत्र नौकरशाही की उपस्थिति**

☞ मान्यता और प्रतीक किसके सत्ता के विचार की विशिष्ट विशेषताएं हैं?

– वेबर की

☞ वर्ष 1946 की अंतरिम सरकार के संबंध में सही हैं **– जवाहरलाल नेहरू को वायसराय की कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष का पद दिया गया था। वायसराय कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष बने रहे। अंतरिम सरकार के सदस्य वायसराय की कार्यकारी परिषद के सदस्य थे।**

☞ उत्प्रेषण-लेख के संबंध में कथन सही है **– कोई उच्च न्यायालय अपनी प्रशासनिक हैसियत से स्वयं के विरुद्ध याचिका जारी कर सकता है कोई उच्च न्यायालय किसी अन्य उच्च न्यायालय को याचिका जारी नहीं कर सकता है। कोई उच्च न्यायालय अपने क्षेत्राधिकार में अवस्थित किसी न्यायाधिकरण को उत्प्रेषण-लेख जारी कर सकता है**

☞ किस मामले में भारत के उच्चतम न्यायालय ने 'अविरत परमादेश' के सिद्धांत का उपयोग किया था?

– विनीत नारायण बनाम भारत संघ

☞ 'पॉकेट वीटो' का उपयोग करने वाले भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे

– ज्ञानी जैल सिंह

☞ किसने कहा था कि भारतीय संघवाद ''एक नए प्रकार का संघ है अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाला''

– ग्रेनविले ऑस्टिन ने

☞ आदि अम्बेडकर समाज आंदोलन किस राज्य से संबंधित है?

– पंजाब से

☞ जम्मू-कश्मीर के लिए संभाषणकर्ता समूह के अध्यक्ष थे

– दिलीप पडगांवकर

☞ पी.के. थुंगन समिति के गठन के विषय में सही है

– जिला आयोजना में आवश्यक राजनीतिक तथा प्रशासकीय संरचना के प्रारूप पर विचार करना

☞ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) एक पृथक् राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरकर आयी? **– 1964 में**

☞ सही सुमेलित है-

मामला	विषय
रूदल बनाम बिहार राज्य	मौद्रिक मुआवजा दिया जाना
ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिव कान्त शुक्ल	जीने का अधिकार
भारत संघ बनाम नवीन जिंदल	तिरंगा फहराने का अधिकार
भारत संघ बनाम एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्मस	चुनाव हेतु उम्मीदवारों के पूर्ववृत्त जानने का अधिकार

☞ किसने भारत में राजनीति की महत्वपूर्ण तथा रचनात्मक भूमिका का वर्णन ''विकास के भारतीय मॉडल'' के रूप में किया है

– रजनी कोठारी ने

☞ सही सुमेलित है-

घटना	वर्ष
सहस्राब्दि विकास लक्ष्य रिपोर्ट	2011
राष्ट्रीय महिला आयोग	1992
महिला और बाल विकास मंत्रालय	2006
राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण मिशन	2010

☞ किसने समकालीन भारत में सामाजिक प्रभुत्व तथा राज्य शक्ति के बीच परस्परिक प्रभाव को सिद्धांतबद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है

– फ्रैंसाइन आर. फ्रैंकेल तथा एम.एस.ए. राव ने

☞ किसने भारत में चुनाव का खर्च राज्य द्वारा किए जाने का विरोध किया है **– न्यायमूर्ति बी.पी. जीवन रेड्डी ने**

☞ किस समाचार-पत्र का प्रबंधन भारत में एक न्यास द्वारा किया जाता है

– ट्रिब्यून का

☞ किसका विचार है कि प्रशासन उन व्यक्तियों का कार्य होता है जो किसी संगठन में प्रबंधकीय प्रकार्यों को संपन्न करने में संलग्न रहते हैं

– लुथर गुलिक, हरबर्ट साइमन, विक्टर थामसन, हेनरी फेयोल

☞ लोक प्रशासन के विकास के किस चरण को राजनीति-शासन द्विभाजन का युग कहा जाता है **– प्रथम चरण को**

☞ कौन-सी नवीन लोक प्रबंधन की मुख्य विशेषताएं हैं

– नागरिकों का सशक्तीकरण, लोक नौकरशाही की वियुक्ति, लागत में कटौती करना

☞ मानव संबंध सिद्धांत में 'स्क्वीलर' है : **– वह व्यक्ति जो दूसरे के बारे में हानिकारक जानकारी पर्यवेक्षक को देता है**

☞ सही सुमेलित है-

प्रोवर्ब्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन	हरबर्ट साइमन
प्रिंसिपल्स ऑफ मैनेजमेंट	हेनरी फेयोल
फंक्शनज ऑफ एक्जिक्यूटिव	चेस्टर बर्नार्ड
एलिमेंट्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	मोरेस्टिन मार्क्स

☞ किसने बजट को 'लक्ष्यों की एक श्रृंखला जिसमें कीमत पर्चियां संलग्न हैं' के रूप में परिभाषित किया है **– विल्डाव्स्की**

☞ मार्क्स के नौकरशाही के वर्गीकरण का सही अनुक्रम है

– अभिभावक, जाति, संरक्षण तथा योग्यता

☞ किस पूर्व प्रधानमंत्री का विचार था कि ''केवल कार्यार्पित नौकरशाही ही सामाजिक परिवर्तन ला सकती है...''? **– इंदिरा गांधी**

☞ स्थगन प्रस्ताव का उद्देश्य है- **– अविलम्बनीय लोक महत्व के मामले की तरफ सदन का ध्यान आकृष्ट करना**

☞ किसके द्वारा ग्रामीण स्थानीय शासन को संवैधानिक दर्जा देने का पहला प्रयास किया गया था? **– 64वां सांविधानिक संशोधन विधेयक**

☞ **अभिकथन (A) :** किसी संगठन में आदेश की एकता का हमेशा सख्ती से पालन नहीं किया जा सकता।

तर्क (R) : कर्मचारी बहुधा दोहरे नियंत्रण- प्रशासनिक तथा तकनीकी के अध्यधीन होते हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

☞ ई-शासन है **– लागत दक्ष, पारदर्शी, इसमें समय की बचत होती है, अनुक्रियात्मक**

☞ किस आयोग/समिति ने ह्विस्ल ब्लोअरों के संरक्षण की सिफारिश की है? **– दूसरे प्रशासनिक सुधार आयोग ने**

☞ किस व्यवस्था की कल्पना मोर्टन कप्लान ने की थी?**– शक्ति संतुलन, कठोर द्विध्रुवीय प्रणाली, शिथिल द्विध्रुवीय प्रणाली**

☞ कौन-शक्ति संतुलन की तकनीक है?– **हथियारों को जमा करना, राज्य-क्षेत्र का अभिग्रहण, बफर राज्यों का निर्माण**

☞ वर्ष 1999 में नाटो ने सर्बिया पर कोसोवा में 'नृजातीय नरसंहार' का आरोप लगाया और उसके खिलाफ कार्रवाई की, इस पर रूस तथा चीन की प्रतिक्रिया भी – **रूस और चीन दोनों ने संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमोदन के बिना कार्रवाई करने के लिए नाटो की आलोचना की**

☞ किसे संयुक्त राज्य अमेरिका ने मार्च, 2003 में इराक पर आक्रमण करने का आधार बताया? – **इराक के पास सामूहिक विनाश का हथियार था। सद्दाम हुसैन का संबंध अल कायदा से था। इराक में सत्ता परिवर्तन**

☞ किसके द्वारा जलवायु उपशमन कार्यसूची के संबंध में 'साझा परंतु विभेदकारी' उत्तरदायित्व का सिद्धांत उभरकर आया – **क्योटो प्रोटोकोल**

☞ वर्ष 2008 के जार्जिया युद्ध में रूस द्वारा गणराज्यों को मदद दी गई – **दक्षिण ओसेट्टिया और अबखाजिया दोनों की**

☞ समुद्र के कानून संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) के अनुसार राज्य समुद्री जल पर क्षेत्राधिकार की हकदारी होगी – **समुद्र तट से तीन मील प्रादेशिक जल तक, पोतपरिवहन हेतु समुद्र तट से बारह मील, अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ई ई जेड) के रूप में दो सौ मील**

☞ भारत के अपारस्परिकता के सिद्धान्त पर आधारित अच्छे पड़ोसी की नीति का श्रेय दिया जाता है – **इन्दर कुमार गुजराल की**

☞ सर जॉन चिल्कॉट आयोग ने दोषी पाया – **वर्ष 2003 में इराक युद्ध पर यू के का आचरण।**

☞ वाशिंग्टन कन्सेन्स क्या है? – **राजकोषीय अनुशासन, कर सुधार, वित्तीय तथा व्यापार उदारीकरण।**

☞ बुश डॉक्ट्रिन के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका ने राज्य-क्षेत्र के भीतर कार्यकलापों के लिए राज्यों को जिम्मेदार ठहराया और क्या करने का अधिकार प्राप्त किया? – **खल तथा विफल राज्यों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई करना**

☞ सही सुमेलित है-

शांति प्रस्ताव के लिए एक होना	1950
स्वेज संकट	1956
इराकी हथियार संबंधी संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव	2002
कोसोवो में यू एन मिशन	1999

☞ सुमेलित है-

पारम्परिक हथियार कटौती संधि	1990
सामरिक हथियार कटौती संधि-I	1991
सामरिक हथियार कटौती संधि-II	1993
व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि	1996

☞ किस घटना के पश्चात अमेरिका ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ संबंध समाप्त कर दिए – **केन्या तथा तन्जानिया में अमरीकी दूतावासों पर आक्रमण**

☞ यू एस एस आर को 'दुष्ट साम्राज्य' की संज्ञा दी– **रोनाल्ड रीगन ने**

NET/JRF 28 August, 2016 (Paper II)

☞ अरस्तू के लिए सत्य कथन है – **विचार वास्तविकता नहीं होते, रूप और वस्तु की एक-दूसरे पर पूर्ण निर्भरता है जिसे पृथक नहीं किया जा सकता, वास्तविकता रूप और वस्तु के संयोजन के विचार में निहित है।**

☞ लॉक के संदर्भ में सत्य कथन है – **इच्छा सभी मानव कार्यों का स्त्रोत है, प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य समान हैं और प्राकृतिक कानून की सीमाओं के भीतर कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं, मनुष्य नागरिक समाज में प्रवेश के लिए संविदा स्थापित करता है।**

☞ बेंथम के संदर्भ में सत्य कथन है – **उपयोगिता का सिद्धांत एक सुखवादी सिद्धांत है, सुख मात्र व्यक्तिगत अनुभूति है, प्रसन्नता सभी सुखों का अंबार नहीं है।**

☞ हेगल के लिए सत्य कथन है – **विश्व पूर्ण सुसंगत है, विश्व का इतिहास हमें एक युक्ति प्रक्रिया के साथ प्रस्तुत करता है, युक्तिसंगत वास्तविकता है और वास्तविकता युक्तिसंगत है।**

☞ रॉल्स, टी.एच. ग्रीन, माइकल वालजर, आर. नोजिक में से किसने लोक कल्याणकारी राज्य को दासत्व का एक प्रकार बताया है? – **आर. नोजिक ने**

☞ भारत में जाति प्रथा के अंत के संदर्भ में अंबेडकर के द्वारा सही रणनीति है **– दलितों की विशिष्ट पहचान बनाना, विभेदकारी हितों की मान्यता, पृथक राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्राप्त करना।**

☞ सुमेलित हैं

लेखक	पुस्तकें
रॉबर्ट ए. डॉल	डेमोक्रेसी एंड इट्स क्रिटिक्स
आइरिस मैरिअन यंग	इन्क्लूजन एंड डेमोक्रेसी
जॉन ड्राईजैक	डिसकर्सिव डेमोक्रेसी : पॉलिटिक्स, पॉलिसी एंड पॉलिटिकल साइंस
एमी गटमैन और डेनिस थॉमसन	डेमोक्रेसी एंड डिस एग्रीमेन्ट

☞ **अभिकथन (A) :** गांधीवाद हिंसा के बिना अथवा ईश्वर के साथ मार्क्सवाद नहीं है।

तर्क (R) : मार्क्सवाद हिंसा पर आधारित था और ईश्वर को अस्वीकार करता है।

– दोनों (A) और (R) सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ किसने ''द बिहेवियरल एप्रोच इन पॉलिटिकल साइंस : एपिटैक फॉर मोन्यूमैन्ट टू ए सक्सैसफुल प्रोटेस्ट'' लेख लिखा है? **– आर.ए. डहल**

☞ सुमेलित हैं

जन अभियान	विचार
द ग्रेट लीप फॉरवर्ड	आर्थिक उत्पादकता में विशेष वृद्धि लाने के लिए निर्दिष्ट किया गया।
द हन्ड्रेड फ्लोवर्स	छात्रों और बौद्धिक व्यक्तियों को शासन की आलोचना के लिए सर्वप्रथम आमंत्रित किया गया था।
द ग्रेट प्रोलिटेरियन कल्चरल रिवोल्यूशन	इसका उद्देश्य दल और सरकार से माओ विरोधी तत्त्वों को समाप्त करना था।
द हिस्टोरिक लांग मार्च	इसे छापामार युद्ध के माध्यम से केएमटी ताकतों को हराने के लिए चलाया गया था।

☞ कौन-से उपागम राज्य को एक सामाजिक संगठन मानते हैं? **– राजनीतिक आर्थिक उपागम, मानकीय उपागम एवं तुलनात्मक उपागम**

☞ सुमेलित हैं

लेखक	पुस्तकें
जॉन ऑस्टिन	लेक्चर्स ऑन ज्यूरिस्प्रुडेन्स
ए.वी. डायसी	द लॉ ऑफ द कंस्टीट्यूशन
के.सी. व्हियर	मॉडर्न कंस्टीट्यूशन
नॉर्मन डी. पामर	इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल डेवलपमेंट : साउथ एशियन एक्सपिरियंस

☞ कौन यूनाइटेड किंगडम की न्यायिक प्रणाली की विशेषताएं हैं? **– विधि का शासन ज्यूरी प्रणाली**

☞ कौन-से लेखक आश्रित सिद्धांत (डिपेंडेंसी थ्योरी) से संबद्ध हैं? **– ए.जी. फ्रैंक वालेर स्टेन**

☞ **अभिकथन (A) :** एकल संक्रमणीय मत प्रणाली सहित आनुपातिक प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधित्व की दूसरी प्रणालियों से अधिक प्रतिनिधिक है।

तर्क (R) : बहुसंख्यकवादी प्रणाली में, अल्पसंख्यकों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता।

– (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ **अभिकथन (A) :** विधि के शासन का अभिप्राय है कानून की नजर में सभी समान हैं।

तर्क (R) : वर्गगत तथा जातिगत भेद समानता की क्षमता को कम कर देती है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ आधुनिक समय में सरकार को वैधता प्रदान करते हैं **– नियतकालिक चुनाव**

☞ कौन-से कथन व्यवस्था सिद्धांत के बारे में सही हैं **– यह यथास्थितिवादी प्रारूप है, यह अधिकांशतः पश्चिमी विकसित राष्ट्रों के लिए प्रासंगिक है, इसने तीसरी दुनिया के देशों की वास्तविकता का ध्यान नहीं रखा है।**

☞ किसने आधुनिक समय में कार्यपालिका के शक्तिशाली होने और व्यवस्थापिका के पतन में योगदान दिया **– प्रदत्त व्यवस्थापन, कार्यपालिका का करिश्मावादी नेतृत्व, दलीय व्यवस्था का उद्भव, विशिष्टीकरण के कारण विधायन की जटिल प्रकृति को बढ़ाना**

☞ क्रांति के बारे में कथन सही हैं **– क्रांति का अभिप्राय है अभिजन के वर्गीय स्वरूप में परिवर्तन, वैधानिक और गैर-वैधानिक साधनों द्वारा शक्ति का हस्तांतरण, समाज के मूल्यों और मिथकों में परिवर्तन तथा संस्थाओं में परिवर्तन**

☞ कैबिनेट मिशन के प्रस्तावों के बारे में सही हैं **– एक भारतीय संघ होगा जिसमें ब्रिटिश भारत और राज्य दोनों सम्मिलित होंगे, संघ की एक कार्यपालिका और व्यवस्थापिका होगी जिसमें प्रांतों और राज्यों के प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे, कार्यपालिकाओं और व्यवस्थापिकाओं के साथ समूह बनाने के लिए प्रांत स्वतंत्र होंगे।**

☞ प्रस्तावना में 'समाजवादी' शब्द का आशय है **– उत्पादन के प्रमुख साधनों का सामाजिक स्वामित्व, उत्पादन के साधनों का राष्ट्रीयकरण, श्रमिकों के लिए अच्छा जीवन स्तर**

☞ किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम से उन लोगों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वापस ले ली गई थी, जो भारतीय संघ से अपगमन की वकालत करते थे? **– 16वां संविधान संशोधन अधिनियम से**

☞ राज्यों के किस समूह में 30 से अधिक लोक सभा क्षेत्र हैं?

– बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु

☞ राज्यपाल की शक्तियों के बारे में कथन सही हैं-

– राष्ट्रपति की तुलना में राज्यपाल के पास उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति की कोई शक्ति नहीं है, राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और न्यायाधीशों की नियुक्ति में राष्ट्रपति को राज्यपाल से विचार-विमर्श करना पड़ता है।

☞ भारत के महान्यायवादी के बारे में कथन सही हैं **– महान्यायवादी मंत्रिमंडल के सदस्य नहीं हैं, संसद के किसी भी सदन में बोलने का अधिकार महान्यायवादी को प्राप्त है, महान्यायवादी की योग्यताएं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की योगयता के समान होती हैं।**

☞ सुमेलित हैं-

केंद्रशासित प्रदेश	उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार
लक्षद्वीप	केरल
अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	कलकत्ता
दादरा और नगर हवेली	बंबई
पुडुचेरी	मद्रास

☞ सुमेलित हैं

अनुच्छेद	प्रावधान
अनुच्छेद 243 K	राज्य चुनाव आयोग की स्थापना
अनुच्छेद 243 Q	नगरीय स्थानीय शासन संस्थाओं का गठन
अनुच्छेद 243 V	नगरीय स्थानीय शासन संस्थाओं में अर्हता माफदंड
अनुच्छेद 243 D	पंचायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों का आरक्षण

☞ किस प्रधानमंत्री ने सर्वाधिक लंबी अवधि के लिए कार्य किया?

– पी.वी. नरसिम्हा राव

☞ **अभिकथन (A) :** भारत के क्षेत्रीय अथवा आत्म-निर्णयन आंदोलनों के विषय में कहा जाता है कि उन्होंने प्रतिलोम मार्ग (यू-टर्न) को चुन लिया है।

तर्क (R) : समूह पहचानों की अत्यधिक लामबंदी के पश्चात वार्ताओं का दौर प्रारंभ होता है और अंततोगत्वा ये आंदोलन थकान के कारण क्षीण पड़ जाते हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ लोक प्रशासन के क्रमिक विकास के किस चरण में ध्यान 'कुशलता' पर केंद्रित कर दिया गया? **– द्वितीय चरण में**

☞ एल.डी. व्हाइट ने ओ एंड एम को कार्य करने के सभी पहलुओं में सुधार के रूप में परिभाषित किया है, जिसमें विशेष बल दिया गया है

– प्रक्रियाएं एवं संबंध पर

☞ किसका संबंध निर्णय निर्माण के 'गारबेज केन मॉडल' से है?

– माइकल डी कोहेन, जेम्स जी. मार्च एवं जोहान पी ऑलसन का

☞ किसके आगमन के दौरान तथा पश्चात भागीदारी प्रबंधन लोकप्रिय हुआ? **— मानव संबंध सिद्धांत के**

☞ कौन-से कथन निर्णय निर्माण संबंधी हरबर्ट साइमन की संकल्पना में सही हैं? **– एक संगठन में निर्णय किसी एक व्यक्ति द्वारा नहीं लिए जाते, साधन-साध्य के संबंध से क्रिया-कलापों को उनका मूल्य प्राप्त होता है, केवल तथ्यात्मक तत्त्व के आधार पर ही निर्णयों का मूल्यांकन किया जा सकता है।**

☞ कौन-से कारक पर्यवेक्षक के नियंत्रण क्षेत्र पर प्रभाव डालते हैं?

– संगठन का आकार, क्रिया-कलापों का विविधीकरण एवं पर्यवेक्षक का व्यक्तित्व

☞ सुमेलित हैं

विचारक	अवधारणाएं
एडवर्ड विडनर	विकास प्रशासन
मार्टिन	तुलनात्मक प्रशासन समूह
एमिटाई एटजियोनी	मिश्रित स्कैनिंग
हर्बर्ट साइमन	तर्कसंगत दृष्टिकोण

☞ आई.ए.एस. हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के घटक हैं

– बुनियादी प्रशिक्षण, पेशेवर प्रशिक्षण एवं जिला प्रशिक्षण

☞ कोठारी समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर पहली बार सिविल सेवा परीक्षा कब आयोजित की गई? **– वर्ष 1979 में**

☞ **अभिकथन (A) :** प्रेरणा का परंपरागत सिद्धांत एफ.डब्ल्यू. टेलर की 'इकोनॉमिक मैन' अवधारणा का पूरक है।

तर्क (R) : संगठनों के सदस्यों के लिए भौतिक पुरस्कार प्रोत्साहन होते हैं, ताकि वे और भौतिक लाभों हेतु और परिश्रम से कार्य करें।

– (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

☞ अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन में राष्ट्रीय हितों की अवधारणा को प्रमुख स्थान प्राप्त है **– यथार्थवादी उपागम**

☞ सर्वप्रथम 'लोक राजनय' शब्द का प्रयोग किया **– एडमंड गुलियन ने**

☞ एन टिकमेन विख्यात हैं **– नारीवादी**

☞ सुमेलित हैं-

पुस्तकें	**लेखक**
द थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिक्स	कैनेथ वाल्ट्ज
द ट्रेजडी ऑफ ग्रेट पॉवर पॉलिटिक्स	जॉन मर्शाईमर
ए वर्किंग पीस सिस्टम	डेविड मिट्रनी
द यूनाइटिंग ऑफ यूरोप	अर्नेस्ट हॉस

☞ कौन अंतरराष्ट्रीय विधि की 'नीति उन्मुखी उपागम के समर्थक हैं?
– मायर्स एस. मैक्डूगल, लॉसवेल एवं माइकल रेसमेन

☞ सुमेलित हैं

लेखक	**विचार**
एंथोनी गिडेन्स	भू-मंडलीकरण, आधुनिकीकरण का परिणाम है।
जे.एन. रोजेनाऊ	भू-मंडलीकरण तकनीकी विकास का परिणाम है।
गिलपिन	भू-मंडलीकरण के लिए राजनीतिक कारक उत्तरदायी हैं।
वालेरस्टीन	भू-मंडलीकरण पूंजीवाद की देन है।

☞ विश्व व्यापार संगठन के मंत्रिस्तरीय सम्मेलन कालानुक्रम में व्यवस्थित हैं **– सिंगापुर, सिएटल, दोहा एवं हांगकांग**

☞ **अभिकथन (A) :** नई अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था विकसित व विकासशील राष्ट्रों के मध्य अधिक सहयोग व समन्वयपूर्ण संबंधों को विकसित करना चाहती है।

तर्क (R) : व्यापार तथा तकनीकी हस्तांतरण संबंधी प्रावधान विकासशील राष्ट्रों के लिए लाभकारी नहीं हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने विकास के अधिकार को मानवाधिकार घोषित किया **– वर्ष 1986 में**

☞ संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद के अधिवेशन आयोजित हुए हैं
– आदिस अबाबा, 1972, पनामा सिटी, 1973, जेनेवा, 1990

NET/JRF 28 August, 2016 (Paper III)

☞ किसका मानना था कि राजनीतिक सिद्धांत पूरे अर्थ में राजनीति विज्ञान है और सिद्धांत के बिना कोई विज्ञान नहीं हो सकता ..... इसलिए, राजनीतिक सिद्धांत का राजनीति विज्ञान के साथ समानार्थक के रूप में वैध एवं सटीक रूप से उपयोग किया जा सकता है? **– जर्मिनो**

☞ राजनीतिक सिद्धांत के पतन का कारण है
– सकारात्मकतावाद, नैतिक सापेक्षवाद, ऐतिहासिकतावाद

☞ सही कथन हैं **– उदार विचार यूरोप में सामंतवाद की समाप्ति के परिणाम थे। उदारवादियों ने कुलीन भूपतियों के राजनीतिक एवं आर्थिक विशेषाधिकारों की आलोचना की थी। उदारवादी वैयक्तिक स्वतंत्रता और व्यक्तिवाद के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध होते हैं।**

☞ सही कथन हैं **– उत्तर-मार्क्सवाद ने इतिहास के अनुरेखित दर्शन की निंदा की थी उत्तर-मार्क्सवाद बाजारोन्मुख समाजवाद के सिद्धांत को शामिल करता है। उत्तर-मार्क्सवाद मार्क्सवादी बौद्धिक विचारधारा की अनेक परोक्ष और अपरोक्ष मीमांसा के चारों ओर घूमता है**

☞ जॉन रॉल्स के न्याय के सिद्धांत के संदर्भ में सही कथन है
– मुख्य रूप से इसका संबंध वितरणकारी न्याय से है। बुनियादी ढांचे-समाज की राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक संस्थाओं हेतु पालन के लिए निष्पक्षता के सिद्धांत को तैयार किया गया है। न्याय का प्रथम सिद्धांत एकसमान मूल स्वतंत्रता का सिद्धांत है।

☞ लेनिन के बारे में विरोधाभास सही हैं **– श्रम और पूंजी के बीच विरोधाभास विश्व बाजारों के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले साम्राज्यवादियों और कच्चे माल के बीच विरोधाभास, औपनिवेशिक जनता और साम्राज्यवादियों के बीच विरोधाभास औपनिवेशिक जनता और साम्राज्यवादियों के बीच विरोधाभास**

☞ **अभिकथन (A) :** अरस्तू ने 'रिपब्लिक' के 'आदर्श राज्य' को कभी भी एक आदर्श के रूप में सम्मान नहीं दिया था।

तर्क (R) : अरस्तू का आदर्श सदैव संवैधानिक था और यह कभी भी निरंकुश नहीं था।

– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ किसने अरबिन्दो को देशभक्ति के कवि, राष्ट्रवाद के ऋषि और मानवता के प्रेमी के रूप में वर्णित किया था? **– सी.आर. दास ने**

☞ प्लेटो के अनुसार सही कथन हैं– **साम्यवाद एक पृथक इकाई के रूप में स्व की गलत धारणा को नष्ट कर देगा। विवेक के बिना साम्यवाद निष्क्रिय रह सकता है या तृष्णा द्वारा क्षीण हो सकता है। आर्थिक और राजनीतिक शक्ति का संयोजन राज्य को धनिकतंत्र में पदानवत करेगा।**

☞ थॉमस हॉब्स के प्रकाशन उनके कालक्रमिक क्रम में व्यवस्थित हैं

– डि साइव, द एलिमेंट्स ऑफ लॉ, द लेवियाथन, डि कोरपोर

☞ जॉन लॉक के लिए सही कथन हैं **– सच्चे राज्य को संवैधानिक होना चाहिए, राज्य सीमित है, पूर्ण नहीं।**

☞ रूसो के लिए कथन सही हैं– **सामान्य इच्छा मेरी ''वास्तविक इच्छा'' है। सामान्य इच्छा सभी की भलाई के लिए सभी की आवाज है। सामान्य इच्छा ''समूह मस्तिष्क'' (ग्रुप माइंड) है। सामान्य इच्छा ''एक सामान्य मैं'' है।**

☞ जे.एस. मिल के ''एसे ऑन लिबर्टी'' की मिल्टन की एरिओप्पैजिटिका के साथ सटीक तुलना की जा सकती है? **– रु**

☞ **अभिकथन (A) :** कार्ल मार्क्स 19वीं शताब्दी का प्रथम समाजवादी लेखक नहीं था।

तर्क (R) : सेंट साइमन और गुइजोट ने वर्ग संघर्ष के विचार का प्रसार किया था।

– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ किसने कहा था कि गांधी गांधीवाद और हाल ही के भारतीय इतिहास में हमारे सभी नायकों से अत्यधिक महान है। छोटे कद का यह दुर्बल व्यक्ति सर्वोच्च था **– हीरेन मुखर्जी ने**

☞ जीन ब्लोन्डेल के अनुसार 20वीं शताब्दी की तुलनात्मक पद्धति के विकास में तीन चरण हैं **– विधि सम्मत चरण, व्यवहारवादी चरण तथा नव-संस्थानिक चरण**

☞ व्यवस्था सिद्धांत के सामाजिक विज्ञानों पर मुख्य प्रभाव का पता किया जा सकता है **– 1920 के दशक से**

☞ किसने 'संप्रेषणात्मक क्रिया के सिद्धांत' को विकसित किया था? **– जुरगन हैबरमास ने**

☞ किसका यह विचार है कि लोकतांत्रिक दल वास्तव में अल्पतंत्रीय संरचना वाले होते हैं? **– रॉर्ब्ट मिशेल्स**

☞ ब्रिटिश संसदीय प्रणाली के संवैधानिक अभिसमय (कन्वेंशंस) है

– मंत्री सामूहिक रूप से हाउस ऑफ कॉमन्स के प्रति उत्तरदायी होते हैं। संसद का एक वर्ष में एक बार सत्र अवश्य बुलाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री हाउस ऑफ कॉमन्स से संबंधित होना चाहिए। सभापति अपनी इच्छापर्यन्त अपने पद पर रह सकता है।

☞ विधानमंडल के चुनाव के लिए फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट सिस्टम का अनुसरण किया जाता है

– अमेरिका, भारत, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस

☞ तुलनात्मक राजनीति के बारे में आकृतिक उपागम का समर्थन किया

– आर.जी. न्यूमैन कार्टर एवं हर्ग

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	**अवधारणाएं / विचार**
हैबरमास	संप्रेषणात्मक क्रिया
विल्फ्रेडो पैरोटे	अभिजन का संचरण
हैराल्ड लासवेल	संप्रेषण मॉडल
डेविड एप्टर	आधुनिकीकरण के चरण

☞ सुमेलित हैं

लेखक	**पुस्तकें**
जॉन ब्लोन्डेल	एन इंट्रोडक्शन टू कम्पैरेटिव गवर्नमेंट
आलमंड एंड कोलमैन	द पॉलिटिक्स ऑफ डेवलपिंग एरियाज
कार्ल डॉयश	नेशनलिज्म एंड सोशल कम्युनिकेशन
डेविड आप्टर	एन इंट्रोडक्शन टू कम्पैरेटिव गवर्नमेंट

☞ लेबर पार्टी से संबंधित प्रधानमंत्रियों का कालक्रम है

– एडवर्ड हीथ, हेरल्ड विल्सन, जैम्स कैलाघन, जॉन मेजर

☞ पराश्रितता सिद्धांत के बारे में सही कथन हैं **– इसका उद्भव लैटीनी-अमेरिकी देशों के संदर्भ में हुआ था। इसका तर्क है कि परिधीय देश अंतरराष्ट्रीय पूंजीवादी प्रणाली में समेकित के साथ-साथ आत्मसात हो गए हैं। यह विकसित देशों द्वारा बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अन्य साधनों के माध्यम से तीसरी दुनिया के देशों के प्राकृतिक संसाधनों के शोषण की प्रक्रिया का वर्णन करता है। यह एक नव-औपनिवेशिक सिद्धांत है, जो विकसित देशों के नियंत्रण और वर्चस्व के नए रूपों का वर्णन करता है।**

☞ न्यायिक समीक्षा के बारे में सही कथन हैं **– एक संघ में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता के शीर्ष संवैधानिक संतुलन का परिरक्षण करना। सरकार के कार्यकारी और विधायी अंगों के बीच क्षैतिज संतुलन को बनाए रखना और परिरक्षण करना। बुनियादी मानवाधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना।**

☞ **अभिकथन (A) :** एक संसदीय व्यवस्था में एक कैबिनेट मंत्री को प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिपरिषद से पदच्युत किया जा सकता है।

तर्क (R) : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्रियों की नियुक्ति करता है।

– (A) गलत है, लेकिन (R) सत्य है।

☞ **अभिकथन (A) :** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, बहुत से अफ्रीकी-एशियाई देशों में लोकतांत्रिक गणतंत्रवादी व्यवस्था प्रारंभ हुई लेकिन शीघ्र ही उनका समापन सैन्य तानाशाही से हुआ।

तर्क (R) : इन देशों में से अधिकांश ने नृजातीय, धार्मिक और भाषायी विविधता के कारण गृह युद्धों का अनुभव किया, जो अंततः उनके लोकतंत्रों की समाप्ति का कारण बने।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ जीन ब्लोंडेल की पुस्तक ''द प्रेसीडेन्शियल रिपब्लिक'' के संदर्भ में कथन सही है **– यह लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और पूर्व-सोवियत गणतंत्र पर विशेष बल देते हुए संपूर्ण विश्व को विभिन्न अध्यक्षात्मक व्यवस्थाओं की तुलना करता है।**

☞ किसने भाषण में कहा था कि ''जो गरीब लोग भटकते फिर रहे हैं, जिन्हें कोई कार्य पारिश्रमिक नहीं मिल रहा है, जो भूखे हैं तथा जिनका जीवन दुख तथा घोर गरीबी से भरा है, वे संविधान अथवा उसके कानून पर गर्व नहीं कर सकते'' **– डॉ. एस. राधाकृष्णनन ने**

☞ राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांतों के बारे में सही कथन है **– नीति निदेशक सिद्धांतों को न्यायालयों में लागू नहीं किया जा सकता।**

☞ धन विधेयक के बारे में सही कथन है**– कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं, इस बारे में लोक सभा अध्यक्ष का निर्णय ही अंतिम होता है।**

☞ भारत की नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक संस्था के बारे में कथन सही है **– यह पद ब्रिटिश शासन की देन है।**

☞ भारत के पूर्व प्रधानमंत्रियों के सही वर्णानुक्रम है**– चन्द्रशेखर, पी.वी. नरसिम्हा राव, एच.डी. देवगौड़ा, आई.के. गुजराल**

☞ **अभिकथन (A) :** उच्चतम न्यायालय राज्य की ऐसी शाखा के रूप में उभरा है, जहां नागरिक विभिन्न प्रकार के मामलों जैसे कि प्राइमरी स्कूल में प्रवेश तथा पर्यावरण के बारे में अपील कर रहे हैं।

तर्क (R) : विधायी शिथिलता तथा कार्यपालिका की अकर्मण्यता के कारण उत्पन्न दरार ने न्यायिक अतिसक्रियता के खतरे के बारे में चिंता पैदा कर दी है।

– (A) और (R) दोनों अपने-अपने स्थान पर सही हैं तथा (A) की सही व्याख्या (R) है।

☞ सुमेलित हैं-

नए राज्य की मांग	**वर्तमान राज्य**
मिथिलांचल	बिहार
कुर्ग	कर्नाटक
पूर्वांचल	उत्तर प्रदेश
मरु प्रदेश	राजस्थान

☞ सुमेलित हैं-

सूची-I	**सूची-II**
लेखक	**प्रकाशन**
आसिमा सिन्हा	द रिजनल रुट्स ऑफ डेवलपमेंटल पॉलिटिक्स इन इंडिया : ए डिवाइडेड लेविएथन
सेलिग हैरीसन	इंडिया : द मोस्ट डेंजरस डेकेड्स
अरेन्ट लिजफा	द पजल ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी : द कोनसोशिएसनल इंटरप्रिटेशन
पॉल आर. ब्रास	द पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया सिन्स इंडिपेंडेंस

☞ चुनाव सुधार संबंधी दिनेश गोस्वामी समिति की सिफारिश है **– लोक महत्त्व के मुद्दों पर संविधान में जनमत संग्रह का उपबंध**

☞ सही रूप से सुमेलित है **– जी.एस.घुर्ये : 'जाति भक्ति'**

☞ **अभिकथन (A) :** लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण राजनीतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

तर्क (R) : लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में गरीबी, असमानता तथा सामाजिक अपवर्जन को कम करने की क्षमता है।

– (A) और (R) दोनों अपने-अपने स्थान पर सही हैं, परंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं है।

☞ भारतीय राजनीति के क्षेत्रीयकरण के बारे में सही कथन हैं **– भारतीय राजनीति के क्षेत्रीयकरण का तात्पर्य राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की बढ़ती भूमिका से है। क्षेत्रीय राजनीतिक दल, केंद्र सरकार को राजनीतिक समर्थन देने के बदले में अपने राज्य हेतु वित्तीय लाभ प्राप्त करने को प्राथमिकता देते हैं।**

☞ भारत में राजनीति के संघीयकरण की विशेषताएं हैं

– एक दल के वर्चस्व की समाप्ति, राजनीतिक दलों का प्रादेशीकरण तथा बहु-दलीय प्रणाली का उभरना।

☞ सुमेलित हैं

लेखक	तर्क
रॉब जेन्किन्स	गुप्त रूप से आर्थिक सुधार
अतुल कोहली	शासकीयता का सर्वांगीण संकट
रूडॉल्फस्	'बूलक पूंजीपतियों' का बढ़ता राजनीतिक प्रभाव
प्रणब वर्धन	पूंजीपतियों समृद्ध किसानों तथा नौकरशाही के बीच सह-क्रिया

☞ भारत में गठबंधन सरकारों के परिणाम है **– गठबंधन सरकार ने संसद को और अधिक संभ्रांतवादी तथा शहर केंद्रित बनाया है। गठबंधन सरकार ने लोक सभा अध्यक्ष के पद को कमजोर किया है।**

☞ नव लोक प्रबंधन की विशेषता है **– लागत में कमी लाना, उत्पादन लक्ष्यों और सीमित कार्यकाल के अनुबंधों पर बल तथा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना**

☞ तुलनात्मक लोक प्रशासन ध्यान केंद्रित करता है **– नौकरशाही पर**

☞ प्रेरणा का प्रत्याशा सिद्धांत किनके बीच कर्मचारियों की धारणा पर आश्रित है? **– प्रयास, निष्पादन और प्रतिफल के**

☞ संगठन के मूल प्रकारों को ब्लाऊ और स्कॉट द्वारा निरूपित कुई बोनो या कौन लाभ पाता है, के सिद्धांत के आधार पर प्राप्त किया जाता है **– पारस्परिक लाभ संघ, व्यावसायिक प्रतिष्ठान तथा सेवा संगठन**

☞ किसने सुझाव दिया था कि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के पद को समाप्त कर देना चाहिए? **– पाल एपलबी ने**

☞ नेतृत्व की लीडर-मैच थ्योरी (नेता मिलान सिद्धांत) को सामान्य रूप से किसके नाम से अधिक जाना जाता है **– आकस्मिकता सिद्धांत**

☞ भ्रष्टाचार के बारे में यू.एन.डी.पी. द्वारा क्लिटगार्ड फॉर्मूला के लिए कौन-से शब्दों को जोड़ा गया था, जिसने समीकरण- भ्रष्टाचार, आर्थिक किराया, स्वविवेकीय अधिकार और जवाबदेही (C = R + D – A) के रूप में प्रस्तुत किया था? **– सच्चाई पारदर्शिता**

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	पुस्तकें
थॉमस एल. फ्रीडमैन	द वर्ल्ड इज फ्लैट
जोसेफ ई. स्टिगलिट्ज	मेकिंग ग्लोबलाइजेशन वर्क
नॉम चोमस्की	द प्रोसपरस फ्यू एंड द रेस्टलेस मैनी
जगदीश भगवती	इन डिफेन्स ऑफ ग्लोबलाइजेशन

☞ पॉल एपलबी की लोक प्रशासन में ईमानदारी और निष्ठा के गुणों की पैरोकारी के पार जाकर स्टीफन बैली ने तीन अन्य को शामिल किया था **– आशावाद, साहस तथा निष्पक्षता**

☞ राष्ट्रपति द्वारा लोकपाल के सदस्यों की नियुक्ति एक चयन समिति की अनुशंसा पर की जाएगी, जिसमें होते हैं **– प्रधानमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष, राज्य सभा में विपक्ष का नेता, भारत का मुख्य न्यायाधीश या उसके द्वारा मनोनीत उच्चतम न्यायालय का एक न्यायाधीश**

☞ किसने कहा है कि ''निजीकरण भ्रष्टाचार के अधिक अवसरों को प्रोत्साहित करता है। लोक प्रशासकों को उपभोक्ता के रूप में नागरिकों के साथ व्यवहार की अवधारणा आधारित बाजार और उन्हें बाजार उत्पादों (कॉमोडिटीज) के रूप में पदावनत करने का प्रतिरोध करना चाहिए''? **– अली फराजमंड**

☞ केंद्रीय सूचना आयुक्त को हटाया जा सकता है **– राष्ट्रपति के संदर्भ देने पर उच्चतम न्यायालय की जांच में यह रिपोर्ट किए जाने पर कि उसको हटाया जा सकता है, के बाद भारत के राष्ट्रपति के आदेश द्वारा।**

☞ अनुच्छेद 243-बी के अंतर्गत 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम में कहा गया है कि किसी राज्य की कितने से अधिक जनसंख्या न होने पर मध्यवर्ती पंचायतों का गठन नहीं किया जा सकता है? **– 20 लाख**

☞ सतीश चंद्र समिति का गठन किया गया था **– उच्च नागरिक सेवाओं के चयन की प्रणाली की समीक्षा और मूल्यांकन**

☞ **अभिकथन (A) :** तर्कसंगतता की उच्चतम सीमा का प्रतिनिधित्व करने वाली नौकरशाही के बारे में वेबरवादी दावा लोक प्रशासन में जीवन की वास्तविक स्थिति के साथ मेल नहीं खाता है।

तर्क (R) : तर्कसंगतता को अधिकतम बनाना वह नहीं है, जो प्रशासन की वास्तविक प्रक्रिया में उद्देश्य था।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	पुस्तक
जयन्तनुज बान्द्योपाध्याय	द मेकिंग ऑफ इंडियाज फॉरेन पॉलिसी
जे.एन. दीक्षित	इंडियन फॉरेन पॉलिसी एंड इट्स नेबरस
आई.के. गुजराल	कंटीन्यूटी एंड चेंज : इंडियाज फॉरेन पॉलिसी
राजेन हर्षे और के.एम. सेठी	इंगेजिंग द वर्ल्ड

☞ निशस्त्रीकरण संबंधी समझौते/संधियां कालक्रमानुसार व्यवस्थित हैं

– परंपरागत शस्त्र कटौती संधि, स्टार्ट प्रथम संधि, नॉन-प्रोलिफरेशन ट्रीटी एक्सटेंशन तथा ट्रीटी ऑन स्ट्रेटिजिक ऑफेन्सिव रिडक्शन

☞ सुमेलित हैं-

लेखक	विचार
अर्नेस्ट हॉस	नव-प्रकार्यवाद
जॉन वॉन न्यूमेन और मार्गेन्स्टीन	खेल सिद्धांत
एलेक्जेन्डर बेन्ड	रचनावाद
रिचर्ड एशले	उत्तर-आधुनिकतावाद

☞ किसने ''वास्तविक गुट-निरपेक्षता'' की वकालत की थी?

– जनता पार्टी सरकार (1977) ने

☞ संरचनात्मक यथार्थवाद का प्रतिपादक **– केनेथ वाल्ट्ज**

☞ सुमेलित है-

निशस्त्रीकरण	स्पष्टीकरण
मानव निशस्त्रीकरण	यह सशस्त्र बलों को सीमित अथवा उनमें कटौती करने से संबंधित है।
गुणात्मक निशस्त्रीकरण	एक विशेष प्रकार के शस्त्रों को समाप्त अथवा उनमें कटौती करना।
सामान्य निशस्त्रीकरण	निशस्त्रीकरण का एक प्रकार जिसमें सभी राष्ट्र भाग लेते हैं।
पूर्ण अथवा व्यापक निशस्त्रीकरण	अभिप्राय है कि युद्ध संबंधी समस्त मानवीय व भौतिक यंत्रों की समाप्ति

☞ ''हरित राजनीति' के चार स्तंभ हैं **– पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, सामाजिक न्याय, अहिंसा और तृणमूल लोकतंत्र**

☞ बोतरस घाली के ''शांति के एजेन्डा'' में सम्मिलित था

– पीस कीपिंग, पीस बिल्डिंग, पीस मेकिंग,

☞ कौन-से देश सीटो के सदस्य थे

– ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस

☞ व्यापार उदारीकरण को बढ़ावा देते हैं

– यूरोपीय संघ एन.ए.एफ.टी.ए., ए.पी.ई.सी.

☞ कथन सही हैं **– उत्तर- 1971 के काल में भारतीय विदेश नीति का झुकाव सोवियत संघ की ओर था, बाह्य सुरक्षा संबंधी मसलों पर अधिक ध्यान दिया गया तथा भारत के पड़ोसी देशों की ओर से धमकियां बढ़ गई थीं।**

☞ कौन-सा कथन नेहरूवादी विदेश नीति का भाग/अंग हैं

– आक्रमण के विरुद्ध समुचित सुरक्षा व्यवस्था महत्त्वपूर्ण है, पाकिस्तान को बांधे रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय विधि व संस्थाओं के साथ द्विपक्षीय संधियों व समझौतों का प्रयोग करना तथा पाकिस्तान को उसके पैरोकारों व समर्थकों से दूर रखना।

☞ जी-8 के संबंध में कथन सही हैं **– औपचारिक रूप से इसका गठन वर्ष 1975 में हुआ। रूस वर्ष 1997 में इसमें सम्मिलित हुआ तथा यह अपने शिखर सम्मेलनों में वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर विचार करता है।**

☞ **अभिकथन (A) :** राष्ट्र की विदेश नीति राष्ट्रीय हितों पर न कि आदर्शवाद पर आधारित होती है।

तर्क (R) : अनेक अवसरों पर संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिगमक तंत्रीय शासनों को समर्थन दिया क्योंकि यह उसके राष्ट्रीय हितों के अनुकूल था।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ **अभिकथन (A) :** संपूर्ण विश्व में अन्योन्याश्रितता तथा सूचनाओं के प्रसार ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को शक्तिशाली बताया है तथा इसके फलस्वरूप राष्ट्रराज्य की शक्तियां व क्षेत्र सीमित हुई हैं।

तर्क (R) : विश्व व्यापार पर प्रमुखत; विकसित राष्ट्रों का नियंत्रण है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ प्लेटो के अनुसार कथन सही है **– विचार तत्व होते हैं, विचार सभी चीजों के सार होते हैं, विचार सार्वभौमिक होते हैं।**

☞ मैकियावली के प्रिन्स को किसने महान और एक वास्तविक राजनीतिक प्रतिभाशाली व्यक्ति की सच्ची धारणा की संज्ञा दी थी, जिसका सर्वोच्च एवं महान उद्देश्य होता है **– हीगल**

☞ सुमेलित हैं

लेखक	पुस्तकें
क्यिनटीन स्कीनर	द फाउंडेशन ऑफ मॉर्डन पोलिटीकल थॉट
माइकल संदेल	लिबरेलिज्म एंड लिमिट्स ऑफ जस्टिस
जिओवानी सार्तोरी	डेमोक्रेटिक थ्योरी
चार्ल्स टेलर	फिलोसॉफी एंड ह्यूमन साइंसेज

☞ कौन मार्क्सवाद को राजनीतिक सिद्धांत के बजाए एक विचारधारा मानता है **– जर्मिनो**

☞ इसायाह बर्लिन की कृतियां उनके प्रकाशन के कालक्रमिक क्रम में व्यवस्थित हैं

–कार्ल मार्क्स : हिज लाइफ एंड इनवायरनमेंट
फोर एसेज ऑन लिबर्टी
वीको एंड हर्डर : टू स्टडीज इन द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज
कॉन्सेप्ट एंड कैटेगरीज : फिलोसॉफिकल एसेज

☞ किसने समाज की पारस्परिक लाभ के लिए एक सहयोगात्मक चेष्ट (वेंचर) की संकल्पना की थी **– रॉल्स**

☞ **अभिकथन (A) :** रूसो के अनुसार एक चिंतनशील व्यक्ति दुराचारी पशु है।

तर्क (R) : समान भावनाएं जीवन को मूल्य देती हैं।

– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ किसने इस विचार को अस्वीकार किया कि जाति की स्थिति दैवीय प्रतिफल या दंड का परिणाम था **– एम.के. गांधी**

☞ किसने कहा था ''सिद्धांत के बिना शोध का शिक्षण तुच्छ साबित हो सकता है और आंकड़ों के समर्थन के बिना सिद्धांत निरर्थक साबित हो सकता है **– डेविड ईस्टन**

☞ **अभिकथन (A) :** फुकुयामा के अनुसार उदार लोकतंत्र मानव जाति के वैचारिक विकास के अंतिम बिंदु की रचना कर सकता है।

तर्क (R) : सरकार के पूर्व रूप गंभीर त्रुटियों और अतार्किकताओं से चित्रित किए जाते थे, जिन्होंने उनके अंतिम रूप से पतन का मार्ग प्रशस्त किया-

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ राजनीतिक अभिजन वर्ग में होते हैं **– अल्पतंत्र और कुलीनतंत्र (ऑलीगार्की एंड एरिस्ट्रोक्रेसी)**

☞ तुलनात्मक राजनीति के विकास के प्रारंभिक चरणों में संबद्ध है **– आर्थर बेल्टली**

☞ तुलनात्मक राजनीति की कौन सी शाखा औपचारिक एवं अनौपचारिक तंत्रों (मेकेनिजम्स) की जांच का प्रयास करती है, जिसके द्वारा अभिवृत्तियों (एट्टीट्यूडस) को मन में बिठाया जाता है?

– राजनीतिक सामाजीकरण

☞ किसने तर्क दिया था कि राजनीतिक विकास प्रशासनिक और विधिक विकास है **– आर.आर. रोस्टोव, मैक्स वेबर**

☞ कौन संसदीय सरकार में प्रथम प्रधानमंत्री बना था **– रॉबर्ट वालपोल**

☞ कौन संस्थानिक उपागम (इनस्टीट्यूशनल अप्रोच) से संबद्ध है **– हर्मन फाइनर, कार्ल फ्रेडरिक**

☞ क्रांतियां उनके घटित होने के क्रम में व्यवस्थित हैं

– शुद्धाचारवादी क्रांति (प्यूरिटन क्रांति), बोल्शेविक क्रांति, चीन की क्रांति, क्यूबाई क्रांति

☞ निवेश कार्यों (इनपुट फंक्शंस) के सही क्रम में चिह्नित हैं

– राजनीतिक सामाजीकरण और भर्ती, हित अभिव्यक्तिकरण, हित समुच्चयन, राजनीतिक संप्रेषण

☞ **अभिकथन (A) :** कुलीनतंत्र की लौह विधि (कानून) ने स्थापित किया कि राजनीतिक दलों सहित सभी लोकतांत्रिक संगठनों में कुछ नेताओं या लघु विशिष्ट समूह द्वारा अंतिम रूप से नीति निर्धारण किया जाता है।

तर्क (R) : नीति निर्धारण एक अत्यंत जटिल प्रक्रिया है, जिसमें आवश्यक रूप से कुछ लोग सम्मिलित होते है, जो अनेक लोगों की ओर से कार्य करते हैं।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ **अभिकथन (A) :** सेना का गैर-पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों में दबदबा होता है।

तर्क (R) : सामाजिक विखंडन और विदरण (क्लीवेजेज) राजनीतिक अस्थायित्व में अत्यधिक रूप से योगदान करते हैं।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ भारत में राजनीतिक दलों के निर्माण के सही कालक्रमिक क्रम की पहचान है **– जस्टिस पार्टी, शिरोमणि अकाली दल, हिंदू महासभा, नेशनल कॉन्फ्रेंस**

☞ सही सुमेलित हैं

– राज्यपाल की पात्रता की शर्तें : अनुच्छेद 158, राज्यपाल द्वारा विधान परिषद के सदस्यों का मनोनयन : अनुच्छेद 171(5), राज्यपाल का 'वित्त विधेयक' की अनुशंसा का अधिकार : अनुच्छेद 207

☞ **कथन (I) :** संशोधन के किसी प्रस्ताव को प्रारंभ करने का एकमात्र तरीका संघीय संसद के किसी एक सदन में विधेयक को प्रस्तुत करना है।

कथन (II) : यदि किसी विधेयक को पारित करने के बारे में संसद के दोनों सदनों के बीच असहमति होती है, तो दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन से इस गतिरोध का समाधान निकाला जा सकता है।

– कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं।

☞ सुमेलित है-

संवैधानिक संशोधन	प्रावधान
36 वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम	सिक्किम की एक पूर्णरूपेण राज्य के रूप में घोषणा
61वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम	मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करना
97वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम	कोऑपरेटिव सोसाइटीज का निर्माण एवं कार्यप्रणाली
99वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम	न्यायिक नियुक्तियों में पारदर्शिता

☞ सुमेलित हैं

लेखक	विचार
ग्रेनविल आस्टिन	'सहयोगात्मक संघवाद' (कोऑपरेटिव फेडरेलिज्म)
के.सी. व्हीयर	'अर्द्ध-संघीय'
एपलबी	'केंद्रीकरण की मजबूत प्रवृत्ति के साथ संघ (फेडरेशन)'
आइवर जेनिंग्स	'अत्यंत संघीय'

☞ सुमेलित हैं

अधिनियम	प्रावधान
भारत सरकार अधिनियम, 1858	भारत के राज्य सचिव का पूर्ण शाही नियंत्रण
भारतीय परिषद अधिनियम, 1861	पहली बार गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में गैर-सरकारी सदस्यों को शामिल करना।
भारतीय परिषद अधिनियम, 1909	मुस्लिम समुदाय का अलग प्रतिनिधित्व
भारत सरकार अधिनियम, 1919	पहली बार द्विसदनीय विधानमंडल को अपनाना

☞ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका के बारे में कथन सही हैं

– यह न केवल निजी व्यक्तियों, बल्कि कार्यपालिका के स्वेच्छाचारी कार्यों के खिलाफ जनता की सुरक्षा के लिए एक शक्तिशाली उपाय है।

☞ **अभिकथन (A) :** प्रथम तीन आम चुनावों के परिणामों से 'एकदलीय वर्चस्व मॉडल' उत्पन्न हुआ, जो एकदलीय प्रणाली से भिन्न है।

तर्क (R) : 1967 तक कांग्रेस का केंद्र और भारत के अधिकतर राज्यों में सरकारी शक्ति पर एकनिष्ठ नियंत्रण (एक्सक्लुसिव कंट्रोल) रहा था।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ भारत की लोक सभा के अध्यक्ष कालक्रमिक क्रम में व्यवस्थित हैं

– नीलम संजीव रेड्डी, डॉ. गुरदयाल सिंह ढिल्लो, बलि राम भगत, डॉ. बलराम जाखड़

☞ उच्च न्यायालयों में पीठें हैं **– इलाहाबाद, मुंबई, जबलपुर**

☞ पीटर सेल्फ के अनुसार लोक प्रशासन के अध्ययन को किसकी शाखा के रूप में विकसित किया गया था– **राजनीति विज्ञान या लोक विधि**

☞ संगठन के पारंपरिक या मेकेनिस्टिक (यांत्रिक) सिद्धांत के मूलभूत विचारों का भाग हैं **– यह मानव संबंध के बारे में एक प्रशासनिक दृष्टिकोण अपनाता है, यह आर्थिक प्रोत्साहकों (इंसेटिंव्स) को एकमात्र प्रेरक कारक मानता है। यह संगठनात्मक व्यवहार की बारीकियों की उपेक्षा करता है।**

☞ ओ.ई.सी.डी. ने आर्थिक सहायता की प्राप्ति के लिए शर्तों को निर्धारित करते हुए 'शासन' (गवर्नेन्स) के किन भागों की पहचान की थी

– भागीदारी- आधारित विकास, मानव अधिकार, लोकतंत्रीकरण

☞ 'साइबरनेटिक्स' का तात्पर्य है **– नियंत्रण और संप्रेषण का विज्ञान**

☞ किस विचारक ने संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 'एक मूलभूत पूर्व-आवश्यकता' के रूप में प्रभावोत्पादक संप्रेषण की हिमायत की थी

– चेस्टर बर्नार्ड

☞ किसने कहा था कि 'सभी संगठन लोक और निजी विशेषताओं को साझा करते हैं।' **– बैरी बोजमैन**

☞ **अभिकथन (A) :** कुछ विभाग न केवल विशुद्ध प्रशासनिक कार्य से संबंधित होते हैं, लेकिन विधानमंडल द्वारा उन्हें नियम एवं विनियम बनाने के कुछ अधिकार भी प्रदत्त किए जाते हैं।

तर्क (R) : जॉन एम. पिफनर कुछ परिस्थितियों के अंतर्गत विभाग के एकल मुखिया को वरीयता देते हैं।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं, पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ डंकन ब्लैक, एंथनी डोवास, जेम्स बुचनैन और केनेथ एरो के बीच समान है **– ये सभी लोक प्रशासन में लोक चयन सिद्धांत के पैरोकार हैं**

☞ सुमेलित है-

पुस्तकें	लेखक
एन इंट्रोडक्शन टू एडमिनिसट्रेटिव लॉ	जेम्स हार्ट
जस्टिस एंड एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ	डब्ल्यू.ए. रॉबसन
कंपेरेटिव एडमिनिस्ट्रेटिव लॉ	फ्रैंक जे. गुडनॉऊ
इंट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ द लॉ ऑफ द कॉन्स्टीट्यूशन	ए.वी. डाइसी

☞ कमेटीज/कमीशन्स/रिपोर्ट्स का सही कालक्रमिक क्रम है **– एचिसन कमीशन, ग्लैडस्टोन कमेटी, ब्राउन लॉ कमेटी, मास्टरमैन कमेटी**

☞ किसने घोषणा की थी कि राज्य वैश्वीकरण की उच्च शक्ति के समक्ष पीछे हट रहा है **– सुसन स्ट्रैन्ज ने**

☞ किसने तर्क दिया था कि 'यथार्थवाद के हमारी बौद्धिक उपकरण मंजूषा (टूल बॉक्स) में एकल सर्वाधिक उपयोगी उपकरण बने रहने की संभावना है? **– स्टीफन वॉल्ट ने**

☞ कौन-से शक्ति संतुलन प्रणाली के मूलभूत नियम हैं, जो उन स्टेट एक्टर्स में से प्रत्येक को स्पष्ट हैं, जो संतुलित करने की प्रक्रिया में संलिप्त है? **– कोई भी एक्टर या गठबंधन, जो वर्चस्व ग्रहण करने का प्रयास करें, उसको बाधित किया जाना चाहिए, राज्य क्षेत्र के अर्जन, अपनी जनसंख्या में वृद्धि और आर्थिक रूप से विकास कर अपनी क्षमताएं बढ़ाना चाहते हैं, लड़ाई की तुलना में वार्ता के जरिए समाधान ढूंढना बेहतर है।**

☞ सुमेलित हैं

अध्येता	कथन
मेकेलीन एवं मेकमिलन	शक्ति वह सक्षमता है, जो व्यक्तियों से वह कार्य करवाती है, जिसको अन्यथा उन्होंने नहीं किया होता।
मार्गेन्थो	अन्य व्यक्तियों के मस्तिष्कों और कार्यों पर व्यक्ति के नियंत्रण को शक्ति के रूप में परिभाषित किया।
जॉर्ज श्वार्जेनबर्जर	अनुपालन न होने के मामले में प्रभावोत्पादक प्रतिबंध पर निर्भर रह कर अन्य देशों पर अपनी इच्छा थोपने की क्षमता को शक्ति के रूप में परिभाषित किया।
वॉन डाइक	राज्य की पूर्ण शक्ति इतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितनी कि अन्य राज्यों की तुलना में उसकी शक्ति की स्थिति गिनी जाती है।

☞ संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद-25 के अनुसार **– संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य सुरक्षा परिषद के निर्णयों को अंगीकार करने और उन्हें लागू करने पर सहमत होते हैं।**

☞ भारतीय कानून में पूर्णरूपेण या आंशिक रूप से शामिल किया गया है **– द टोकियो कन्वेंशन एक्ट, 1975, द एंटी अपरथाइड (यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन) एक्ट, 1981, द जेनेवा कन्वेंशन एक्ट, 1960**

☞ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आई.सी.सी.) के बारे में कथन सही है **– अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय संयुक्त राष्ट्र का एक अंग नहीं है, लेकिन यह एक स्वतंत्र संगठन है। इसकी संविधि 1 जुलाई, 2002 को लागू हुई, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के चार अंग हैं : प्रेसीडेन्सी, जूडिशिएल डिवीजन, ऑफिस ऑफ द प्रोसीक्यूटर और रजिस्ट्री।**

☞ संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने किस वर्ष में विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर कन्वेंशन अंगीकृत किया था? **– वर्ष 2006 में**

☞ सुमेलित हैं-

संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की समिति	समिति से संबंधित मसले
प्रथम समिति	निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा
द्वितीय समिति	आर्थिक एवं वित्तीय
तृतीय समिति	सामाजिक, मानवीय और सांस्कृतिक
चतुर्थ समिति	विशिष्ट राजनीतिक एवं विऔपनिवेशीकरण

☞ **अभिकथन (A) :** शीत युद्ध की समाप्ति अंतरराष्ट्रीय संबंधों में वैचारिक राजनीति में परिवर्तन का सूचक था।

तर्क (R) : धार्मिक कट्टरतावाद सुरक्षा के प्रति एक खतरा पैदा कर रहा है।

– (A) और (R) दोनों सही है, पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ किसने कहा था कि राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक व्यवस्था के एक अमूर्त मॉडल का सूचक है? **– डब्ल्यू.टी. ब्लूह्म**

☞ सही कथन हैं **– शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांत गुणवत्तापरक होता है, व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत मात्रात्मक होता है, उत्तर-व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत गुणवत्तापरक और मात्रात्मक दोनों होता है, व्यवहारवादी सिद्धांत आंग्ल-अमेरिकी मॉडल के साथ विशेष रूप से संबंधित है**

☞ सही कथन है **– नव-उदारवाद का तात्पर्य शास्त्रीय उदारवाद में रुचि के महत्वपूर्ण पुनरुज्जीवन से है। ब्रिट्रेन में नव-दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों ने नव-उदारवादी विचार ग्रहण किए थे। शास्त्रीय उदारवाद का पुनरुज्जीवन 1970 के दशक में विश्वमंदी के प्रारंभ में एक प्रतिक्रिया के रूप में हुआ था**

☞ जॉन रॉल्स की सामाजिक न्याय की अवधारणा को किसने एक 'मरीचिका' के रूप में खारिज किया था? **– फ्रेडरिक हयाक**

☞ किसने कहा था कि 'विचारधारा को न तो विमोचक या उत्पीड़क या फिर सही या गलत के रूप में समझा जाना चाहिए। यह इनमें से कोई भी हो सकती है? **– एन्ड्रयू हेवुड**

☞ सुमेलित है-

वर्ष	घटना
1917	माओ ने लियु शाओ ची से मुलाकात की।
1918	माओ पीकिंग विश्वविद्यालय में पुस्तकालय सहायक बने।
1921	माओ ने सी.सी.पी. की पहली कांग्रेस में भाग लिया था।
1934	माओ ने अपना ऐतिहासिक लंबा मार्च प्रारंभ किया था।

☞ सुमेलित है-

दार्शनिक	विचार
मैकियावेली	नैतिक उदासीनता
हॉब्स	आत्म-परिरक्षण की वृत्ति
लॉक	संपत्ति का नैसर्गिक अधिकार
रूसो	तर्क के प्रति विद्रोह

☞ किसने कहा था - ''मैं जिन भी धार्मिक व्यक्तियों से मिला, उनमें से अधिकतर छद्मवेष में राजनीतिज्ञ थे। लेकिन, मैं राजनीतिज्ञ का वेष धारण करता हूं, जो छद्मवेष में हृदय से एक धार्मिक व्यक्ति है।'' **– एम.के. गांधी**

☞ **अभिकथन (A) :** विचारों के बारे में प्लेटो का सिद्धांत ज्ञान के सिद्धांत पर आधारित है।

तर्क (R) : उनके अनुसार ज्ञान धारणा होती है।

– (A) सही है, पर (R) गलत है।

☞ किसने कहा था : ''अरस्तु का नया सामान्य राजनीतिक विज्ञान न केवल अनुभवजन्य और वर्णनात्मक है, बल्कि कुछ मामलों में यह किसी भी नैतिक उद्देश्य से स्वतंत्र भी है क्योंकि राजनेता को बुरे राज्य के शासन में विशेषज्ञ बनने की आवश्यकता पड़ सकती है'' **– जी.एच. सेबाइन**

☞ लॉक के अनुसार सही कथन हैं- **– राज्य को संवैधानिक राज्य होना चाहिए, सरकार के पास स्वविवेकीय अधिकार होना चाहिए, यह एक सहनशील राज्य है, संपत्ति का अधिकार नैसर्गिक अधिकार है**

☞ रूसो के अनुसार सही कथन है **– दो मूल वृत्तियां- स्व-प्रेम और सहानुभूति मानव की प्रकृति का निर्माण करती है, एक विचारशील मानव दुराचारी पशु होता है, परिवार केवल प्राकृतिक समाज होता है, सामान्य इच्छा सार्वजनिक कल्याण पर आधारित है**

☞ जे.एस. मिल के अनुसार सही कथन है **– आनंद गुणवत्ता और मात्रा में भिन्न होता है, मिल गैर-उपयोगितावादी तर्कों का उपयोग करते हैं, सुखावह कलन (फेलिसिफिक केल्कुलस) असंगत है, आनंद को व्यक्तिनिष्ठ तरीके से मापा जा सकता है**

☞ अमर्त्य सेन की कृतियों का सही क्रम है **– चॉइस, वेल्फेयर एंड मेजरमेंट (1983), इन इक्वेलिटी रिएक्जामिंड (1992), डेवलपमेंट एज फ्रीडम (1999), आइडिया ऑफ जस्टिस (2009)**

☞ **अभिकथन (A) :** मैजिनी और अरबिंदो के विचारों में अत्यधिक समानता थी।

तर्क (R) : दोनों का मानना था कि ईश्वर में आस्था नैतिकता का आधार था और राजनीति को नैतिकता से अलग किया नहीं जा सकता है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ सामाजिक विज्ञान में अपनाए गए सामान्य व्यवस्था सिद्धांत के सही क्रम है **– नृविज्ञान, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान एवं राजनीतिशास्त्र**

☞ लोक संस्थाओं में विश्वास के क्षय के अर्थों में ''वैधीकरण संकट'' शब्दावली किसने विकसित की, जिसका परिणाम राज्य के अवपीड़क उपकरण बनने के रूप में सामने आता है **– जर्गेन हैबरमास ने**

☞ संविधान के बारे में सही कथन हैं

– यह राजनीतिक संस्थाओं की रक्षा करता है, यह सरकार के अंगों के सभी प्राधिकारों का स्रोत है, यह मूलभूत विधियों को सम्मिलित करता है

☞ परेटो, मोस्का, शुम्पीटर एवं लासवेल में से कौन-से यूरोपीय विचारक राजनीतिक अभिजन के सिद्धांत से संबद्ध हैं? **– परेटो और मोस्का**

☞ जीन ब्लोन्डेल, माइरन वीनर, रॉबर्ट सी. बोन एवं जेम्स कोलमैन में से कौन हित समूहों और दबाव समूहों के बीच कोई भेद नहीं करते हैं?

– जेम्स कोलमैन

☞ पराश्रितता सिद्धांत के मूल तर्कों के संबंध में सही कथन है

– तीसरी दुनिया के देश प्राकृतिक संसाधन और सस्ते श्रमिक प्रदान करते हैं, विकसित पश्चिमी देश विभिन्न साधनों से पराश्रितता की स्थिति बनाए रखते हैं

☞ भारतीय राजनीतिक प्रणाली और अमेरिकी राजनीतिक प्रणाली के बीच समान विशेषताएं हैं **– राष्ट्रपति के पास पॉकेट वीटो होता है**

☞ किस प्रकार की नौकरशाही दलीय हितों के प्रति पक्षपात दिखाती है?

– प्रश्रयदाता नौकरशाही

☞ एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली में प्रत्येक मतदाता के लिए क्या आवश्यक है? **– निर्वाचित होने वाले प्रत्यशियों जितनी वरीयताओं को इंगित करना**

☞ सरकार की अध्यक्षात्मक प्रणाली के बारे में सही कथन है

– राष्ट्रपति राज्य और सरकार दोनों का अध्यक्ष होता है, यह शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है, राष्ट्रपति के पद का कार्यकाल निश्चित होता है

☞ किस सदन में सदस्यों द्वारा सर्वाधिक लंबे भाषण दिए गए हैं?

– अमेरिकी सीनेट

☞ भारत और अमेरिका के उपराष्ट्रपति के बारे में कौन-सा कथन सही है?**– दोनों देशों के राष्ट्रपति का एक निर्धारित कार्यकाल होता है, ये उच्च सदन के सभापति होते हैं, उन्हें बराबर मतों की स्थिति में निर्णयक मत देने का अधिकार होता है**

☞ अनियमित हित समूहों के बारे में सही कथन है

– ये स्वतः प्रवर्तित समूह होते हैं, जो अचानक गठित किए जाते हैं, असंतोष की अभिव्यक्ति के लिए कुछ बार हिंसक व्यवहार का पैदा होना, ये अल्पकालिक और अस्थायी होते हैं, क्योंकि जब उद्देश्य प्राप्त हो जाता है तो कार्य करना बंद कर देते हैं

☞ **अभिकथन (A) :** पश्चिमी देशों के विकसित लोकतंत्र में सेना नागरिक सत्ता के अधीन होती है।

तर्क (R) : सेना उन देशों में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है, जहां लोकतंत्र ने संस्थागत रूप नहीं लिया है।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ सुमेलित है

लेखक	**मॉडल/अवधारणा**
राबर्ट मिशेल्स	अल्पतंत्र की लौह विधि
जेम्स बर्नहम	प्रबंधकीय क्रांति
सी राइट मिल्स	शक्ति अभिजन
हैरल्ड लॉसवेल	संप्रेषण मॉडल

☞ नकारात्मक मत के अधिकार के संबंध में सही कथन है

– भारत का चुनाव आयोग चाहता था कि मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में 'उपरोक्त में कोई नहीं' (नोटा) का बटन दिया जाए, यदि किसी उम्मीदवार को 'नोटा' मतों से कम मत भी प्राप्त होते हैं तो भी सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित किया जाएगा

☞ **अभिकथन (A) :** भारत में संघवाद का अवसान नहीं हुआ है।

तर्क (R) : नए क्षेत्र लगातार राज्य का दर्जा मांग रहे हैं।

– (A) और (R) दोनों सही हैं पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ सुमेलित है

– लक्ष्मी कांत पांडेय बनाम भारत का संघ : भारतीय बच्चों का अंतर-देशीय गोद लिया जाना, एस.पी. गुप्ता बनाम भारत के राष्ट्रपति तथा अन्य : सामाजिक उद्देश्य के लिए लोक हित याचिका दायर करने हेतु नागरिकों को समर्थ बनाना, मोहिनी जैन बनाम : कर्नाटक राज्य : शिक्षा पाने का प्रत्येक नागरिक का अधिकार, ओल्गा टेलिस बनाम बंबई नगर निगम : आजीविका का अधिकार

☞ सुमेलित हैं-

भारत के राष्ट्रपति	**कार्यकाल**
वराहगिरि वेंकटगिरि	अगस्त, 1969 – अगस्त, 1974
डॉ. जाकिर हुसैन	मई, 1967 – मई, 1969
आर. वेंकटरमन	जुलाई, 1987 – जुलाई, 1992
नीलम संजीव रेड्डी	जुलाई, 1977 – जुलाई, 1982

☞ लोक सभा चुनाव क्षेत्रों की संरचना का सही ब्यौरा है?

कुल चुनाव क्षेत्र	**सामान्य चुनाव क्षेत्र**	**अनुसूचित जाति चुनाव क्षेत्र**	**अनुसूचित जनजाति चुनाव क्षेत्र**
543	**412**	**84**	**47**

☞ भारत के उच्चतम न्यायालय के अनुसार, अनुच्छेद 51क के खंड (च) में यथा वर्णित 'मिश्रित संस्कृति' की नींव है

– संस्कृत भाषा और साहित्य

☞ भारत के नागरिकों को संस्कृति और शिक्षा का अधिकार, विधि के समक्ष समानता, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धर्म, नस्ल, जाति, लिंग अथवा जन्म स्थान के आधार पर भेद भाव के विरुद्ध सुरक्षा में से कौन-से मौलिक अधिकार प्रदान किए गए है **– संस्कृति और शिक्षा का अधिकार, धर्म, नस्ल, जाति, लिंग अथवा जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव के विरुद्ध सुरक्षा**

☞ सही कथन है

– संसद में विधायन के अध्याधीन किसी भी क्षेत्र को 'अनुसूचित क्षेत्र' के रूप में घोषणा करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है, संघ की कार्यपालक शक्ति 'अनुसूचित क्षेत्रों' के प्रशासन के बारे में संबंधित राज्यों को निर्देश देने तक विस्तारित होगी

☞ सुमेलित है

(लेखक)	(पुस्तकें)
आर.एम. जेनकिन्स	रीजनल रिफलेक्शंस : कंपेरिंग पोलिटिक्स अक्रोस इंडियाज स्टेटस
मायरन वीनर	स्टेट पोलिटिक्स इन इंडिया
क्रिस्टोफे जैफरलोट	इंडियाज साइलेन्ट रिवोलुशन : द राइज ऑफ द लो कास्ट्स इन नॉर्थ इंडियन पॉलिटिक्स
पॉल आर. ब्रास	लैंगवेज, रिलीजन एंड पोलिटिक्स इन नोर्थ इंडिया

☞ सुमेलित है

रजनी कोठारी	कांग्रेस सिस्टम
योगेन्द्र यादव	थर्ड इलेक्टोरल सिस्टम
पॉल ब्रास	डिसइंटीग्रेशन ऑफ कांग्रेस ओर्गेनाइजेशन
जेम्स मेनर	पोलिटिक्स एण्ड स्टेट सोसाइटी रिलेशन इन इंडिया

☞ किसने कहा था : ''वर्तमान समाज के संदर्भ में जाति प्रणाली एवं इसके साथ जो कुछ भी है, वे असंगत, प्रतिक्रियावादी, प्रतिबंधात्मक और प्रगति में बाधाएं हैं।'' **– जवाहरलाल नेहरू**

☞ अधीनस्थ न्यायालयों के बारे में सही कथन है **– पदसोपान में मुंसिफ न्यायालय अधिनस्थ न्यायाधीश के न्यायालय से नीचे होता है।**

☞ सुमेलित है

(पुस्तकें)	(लेखक)
द आर्ट ऑफ जजमेंट : ए स्टडी ऑफ पोलिसी मेकिंग	सर जिओफ्री वीकर्स
अंडरस्टेडिंग पब्लिक पोलिसी	थॉमस आर. डाई
द न्यू साइंस ऑफ मैनेजमेंट डिसिजन	हरबर्ट साइमन
पर्सनेलिटी एंड ऑर्गेनाइजेशन	क्रिस अर्गिरिस

☞ वर्तमान में लोक लेखा समिति में 22 सदस्य होते हैं, जिनमें से

– 15 लोक सभा से और 7 राज्य सभा से हैं

☞ किसी संगठन में प्राप्त किए गए विशिष्ट गतिविधियों का क्षैतिज समूहीकरण होता है **– विकेन्द्रित**

☞ सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के बारे में सही कथन है

– यह अधिनियम अक्टूबर, 2005 में लागू हुआ, यह केवल भारतीय नागरिकों को उपलब्ध है

☞ एल.डी. व्हाइट के अनुसार लोक सेवक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के कारण में शामिल है **– अकुशलता, अनैतिकता, नशा**

☞ **अभिकथन (A) :** नीति निर्धारण चयन की एक प्रक्रिया है और इसका उद्देश्य श्रेष्ठ विकल्प का चयन है।

तर्क (R) : नीति निर्धारण में तर्कसंगतता सम्मिलित है।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ रिग्सवादी एग्रेरिया मॉडल किसका सूचक है **– कुल आधारित संगठन, सामुदायिक मूल्य, देवीय सत्ता स्त्रोत**

☞ **अभिकथन (A) :** ''विकेंद्रीकरण का मसला सामान्य स्वीकृति की तुलना में अवधारणा और व्यवहार में अधिक जटिल है।''

तर्क (R) : 'विकेंद्रीकरण के बारे में दोहरी भूमिका का उपागम एक नए परिवेश में क्षेत्र-कार्य के विरोधाभास के पूर्वाभ्यास का एक प्रकार है।'

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ टेलर ने अपने वैज्ञानिक प्रबंधन सिद्धांत में किसका समर्थन किया था

– 'आर्थिक मानव' की अवधारणा, कार्यात्मक फोरमैनशिप, औजारों का मानकीकरण

☞ चेस्टर बरनार्ड ने एक अधीनस्थ की अपने प्रबंधक की सत्ता की स्वीकृति के बारे में एक अवधारणा विकसित की थी **– उदासीनता का क्षेत्र**

☞ मैक्स वेबर और फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स के बीच किसके संदर्भ में समानता है

– उन्होंने अपने पर्यावरणीय परिवेशों में प्रशासनिक प्रणालियों का अध्ययन किया था

☞ कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में सरकारी धन के गबन के कितने तरीकों का उल्लेख किया है? **– 40**

☞ सुमेलित है

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव	कार्यकाल
कोफी अन्नान	जनवरी, 1997 सेदिसंबर, 2006 तक
बुतरस बुतरस घाली	जनवरी, 1992 सेदिसंबर, 1996 तक
जेवियर पेरेज द कुल्लार	जनवरी, 1982 सेदिसंबर, 1991 तक
कुर्त वाल्दहीम	जनवरी, 1972 सेदिसंबर, 1981 तक

☞ मानव अधिकारों की दूसरी पीढ़ी में शामिल अधिकार हैं

– शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, आवास का अधिकार

☞ संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों में प्रथम पीढ़ी का शांति स्थापना अभियान है – **संयुक्त राष्ट्र युद्ध विराम परिवीक्षण संगठन, भारत एवं पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह, संयुक्त राष्ट्र आपातकालीन बल, संयुक्त राष्ट्र मुक्ति पर्यवेक्षक बल, कांगो में संयुक्त राष्ट्र का अभियान**

☞ सुमेलित है

लेखक	**विचार**
इमैनुएल वालर स्टीन	पराश्रितता सिद्धांत
वॉन न्यूमैन	खेल सिद्धांत
मोर्गेन्थाउ	यथार्थवाद
फ्रांसिस फुकुयामा	इतिहास का अंत

☞ **अभिकथन (A) :** गुट निरपेक्ष नीति शीत युद्ध के काल में अधिक प्रासंगिक थी।

तर्क (R) : गुट निरपेक्ष देश नृवंशीय और धार्मिक भेदों के आधार पर विभाजित हैं।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ **अभिकथन (A) :** अमेरिकी विदेश नीति ने लोकतांत्रिक सरकारों को समर्थन दिया।

तर्क (R) : समय-समय पर सैनिक व्यवस्थाओं कों भी अमेरिका द्वारा समर्थन दिया गया।

– (A) एवं (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ पराश्रितता सिद्धांत के बारे में सही कथन है – **मूल और परिधि के बीच असमान संबंध, तीसरी दुनिया के देशों में विकासात्मक प्रक्रिया अल्प-विकास पर पुनर्बल देती है, नव-उपनिवेशवाद को मजबूत बनाना**

☞ ''शांति के लिए एकजुटता प्रस्ताव'' को किस अन्य नाम से जाना जाता है? **– एचेसन प्लान**

☞ शक्ति संतुलन किसका एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है? **– अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवादी विचारधारा का**

☞ इरिस एल क्लॉड जु. के अनुसार कौन शक्ति के प्रबंधन का साधन है **– सामूहिक सुरक्षा, शक्ति संतुलन, विश्व सरकार ।**

☞ कितने एशियाई देश G – 20 के सदस्य हैं– **6 (भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरया, इंडोनेशिया, सऊदी अरब)**

नोट- यदि यूरेशियाई देश रूस एवं तुर्की को इसमें शामिल किया जाए तो इसकी संख्या 8 हो जाएगी।

परीक्षा संस्था द्वारा जारी उत्तर पत्रक में इस प्रश्न का सही उत्तर 7 एशियाई देश वाले विकल्प को चुना गया है। यह किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं है।

☞ यूरोप में अपनी प्रादेशिक संप्रभुता के साथ आधुनिक राज्य प्रणाली किस घटना के परिप्रेक्ष्य में पहली बार अस्तित्व में आई?

– वेस्टफेलिया संधि

☞ संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के बारे में सही कथन है

– इस परिषद में 54 सदस्य हैं। यह परिषद वर्ष भर में आमतौर पर नागरिक समाज के सदस्यों के साथ अनेक लघु सत्र एवं अनेक तैयारी बैठकें और पैनल चर्चा आयोजित करती है। इस परिषद में मतदान साधारण बहुमत से होता है और प्रत्येक सदस्य का एक मत होता है।

☞ कैरन ए. मिंग्स्ट के अनुसार प्रथम पीढ़ी के शांति स्थापना अभियानों को सर्वाधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक शर्त है – **एक स्पष्ट एवं व्यावहारिक अधिदेश या अभियान का उद्देश्य, अधिदेश और बल की संरचना में शामिल पक्षों की सहमति, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्यों का मजबूत वित्तीय एवं संभार तंत्रीय समर्थन**

☞ सुमेलित है

शब्दावली	**विषयवस्तु**
निवारक राजनय	इसमें विश्वास निर्माण उपाय, तथ्यों का पता लगाना और संयुक्त राष्ट्र अधिकृत बलों की निवारक तैनाती शामिल है।
शांति निर्माण	यह अंततः शांतिपूर्ण साधनों के माध्यम से शत्रु पक्षों को सहमत कराने के लिए किया जाता है।
शांति स्थापना	यह शास्त्रीय शांति स्थापना जैसा है। इसका तात्पर्य सभी पक्षों की सहमति के साथ संयुक्त राष्ट्र के बल की तैनाती से है।
उत्तर-संघर्ष शांति निर्माण	इसमें हिंसा को आगे भड़कने से रोकने और शांति को मजबूत बनाने के लिए सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (ढांचागत सुविधाएं) का विकास शामिल है।

☞ स्वामी, अमात्य, वर्ण-व्यवस्था तथा दण्ड में से कौन कौटिल्य के राज्य का अंग नहीं है? **— वर्ण-व्यवस्था**

☞ प्लेटो के परिवार तथा संपत्ति के साम्यवाद के सिद्धांत की व्युत्पत्ति स्टेगीरा, स्पार्टा, एथेंस तथा वेनिस में से किसके अनुभव से हुई है? **— स्पार्टा के**

☞ मध्यकाल के स्कोलास्टिसिज्म का उद्देश्य था-

— दर्शन के ऊपर धर्म का प्रभुत्व, चर्च के धार्मिक तत्वों के अधीन बुद्धिसंगत तत्वों को लाना

☞ सुमेलित है-

आधुनिक राजनीतिक विचारक	—	**मैकियावेली**
निश्चयात्मक विचाराधारा	—	**ऑगस्ट कॉम्टे**
निगमनात्मक राजनीतिक सिद्धांत	—	**प्लेटो**
वैज्ञानिक/आगमनात्मक विधि	—	**अरस्तू**

☞ **अभिकथन (A) :** शक्ति भ्रष्ट बनाती है तथा पूर्ण शक्ति पूर्णरूपेण भ्रष्ट बनाती है।

कारण (R) : लोकतंत्र में शक्ति के दुरुपयोग के विरुद्ध सर्वोत्तम नियंत्रण होता है क्योंकि शक्ति विभिन्न समूहों में विभाजित हो जाती है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सुमेलित है-

विचारक		**विचार**
जॉन लॉक	—	सम्मति का सिद्धांत
हॉब्स	—	पूर्ण संप्रभुता
जय प्रकाश नारायण	—	दलहीन लोकतंत्र
राबर्ट नॉजिक	—	नव उदार-वाद

☞ सुमेलित है-

विचारक		**सिद्धांत**
माओ त्से तुंग	—	सांस्कृतिक क्रांति
लेनिन	—	सर्वहारा वर्ग के अग्रणी के रूप में कंयुनिस्ट पार्टी
मार्क्स	—	सर्वहारा अधिनायकवाद
स्टॉलिन	—	एक राष्ट समाजवाद

☞ कार्ल मार्क्स की रचनाओं का उनके प्रकाशित होने के वर्ष के अनुसार सही कालक्रम है-

— द होली फैमिली, पॉवर्टी ऑफ फिलॉसफी, कंयूनिस्ट मेनिफेस्टो, क्रिटीक ऑफ पोलिटिकल इकोनॉमी

☞ समुदायवादी सिद्धांत बल देता है-

— अपरिहार्य आदर्श के रूप में समुदाय पर

☞ **अभिकथन (A) :** व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत का उद्देश्य मूल्यों की भूमिका समाप्त कर राजनीति विज्ञान को विशुद्ध विज्ञान तथा इसे मात्रात्मक बनाना था।

कारण (R) : एक सामाजिक विज्ञान होने के कारण राजनीति विज्ञान को कभी भी मूल्य विहीन नहीं बनाया जा सकता क्योंकि इसका संबंध मानव से है जो मूल्यों से बंधे होते हैं।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ किसके वर्णन में मौलाना आजाद, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल तथा राजेंद्र प्रसाद 'संविधान सभा में अल्पतंत्र' के रूप में थे? **— ग्रेनविल ऑस्टिन**

☞ सीमा सुरक्षा बल अधिनियम, पुलिस बल अधिनियम, सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम तथा सैन्य अधिनियम में से किस अधिनियम को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 34 के अंतर्गत पारित नहीं किया गया है? **— सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम**

☞ ''भारत का उच्चतम न्यायालय अंततः गणराज्य के बत्तीस वर्ष बाद, भारतीयों के लिए उच्चतम न्यायालय बन गया है।'' कथन है- **— उपेंद्र बक्शी का**

☞ ''भारत का लोकतंत्र के विचार-बहस में पवित्र स्थान है... परंतु यह कम सहिष्णु, कम पंथ निरपेक्ष, कम विधि अनुसरणकर्ता, कम उदार हो गया है और ये दोनों प्रवृत्तियां - लोकतंत्रीकरण तथा अनुदारवाद एक दूसरे से जुड़ी है।'' यह कथन है? **— फरीद जकारिया का**

☞ किस वाद में भारत के उच्चतम न्यायालय ने कार्य स्थलों में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं? **— विशाखा बनाम राजस्थान राज्य व अन्य**

☞ सुमेलित है-

नेता		राजनीतिक दल
राम विलास पासवान	—	**लोक जनशक्ति पार्टी**
एच.डी. कुमारस्वामी	—	**जनता दल (सेक्यूलर)**
प्रफुल्ल पटेल	—	**राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी**
अखिलेश यादव	—	**समाजवादी पार्टी**

☞ संविधान की बारहवीं अनुसूची द्वारा नगर पालिकाओं के क्षेत्र के अंदर कितनी कार्यात्मक मदें रखी गई हैं? **— 18**

☞ पुंछी आयोग, आनंदपुर साहिब का प्रस्ताव, प्रशासनिक सुधार आयोग तथा राजमन्नार समिति का कालक्रम के अनुसार व्यवस्था इस प्रकार है-

— प्रशासनिक सुधार आयोग-राजमन्नार समिति-आनंदपुर साहिब का प्रस्ताव - पुंछी आयोग

☞ रबि राय, हुकुम सिंह, बलिराम भगत एवं गोपाल स्वरूप पाठक में से कौन लोक सभा के अध्यक्ष नहीं थे? **— गोपाल स्वरूप पाठक**

☞ सुमेलित है-

लेखक		पुस्तकें
नार्मन डी.पामर	—	**एलेक्शन एंड पॉलिटिकल डेवलपमेंट : साउथ एशियन एक्सपेरियंस**
ग्रेनविल आस्टिन	—	**इंडियन कांस्टीट्यूशन : द कार्नरस्टोन ऑफ ए नेशन**
मायरोन वेनर	—	**पॉलिटिक्स ऑफ स्कार्सिटी**
अतुल कोहली	—	**द सक्सेज ऑफ इंडियाज डेमोक्रेसी**

☞ डेविड ईस्टन ने नियमितताएं, सत्यापन, तकनीकें तथा परिमाणन में से किन्हें प्रणाली विश्लेषण (सिस्टम एनालाइसिस) को बौद्धिक आधारशिला के रूप में वर्णित किया है **— सभी को**

☞ तुलनात्मक राजनीति का अध्ययन महत्त्वपूर्ण हो गया - **— द्वितीय विश्वयुद्ध तथा नए राष्ट्रों के उदय के बाद**

☞ किसे तुलनात्मक राजनीति शास्त्र का जनक माना जाता है? **— अरस्तू को**

☞ सुमेलित है-

लेखक		शीर्षक
सी.डब्ल्यू. मिल्स	–	शक्ति अभिजन
विल्फ्रेडो परेटो	–	अभिजनों का परिचलन
गैटेनो मोस्का	–	सत्ता वर्ग
रोबर्टो मिशेल्स	–	अल्पतंत्र का सख्त कानून

☞ हित अभिव्यक्त करना, राजनीतिक दलों का वित्त पोषण, सरकार की नीतियों को प्रभावित करना तथा नीतियों को लागू करना में से कौन दबाव समूहों के बारे में सही नहीं है? **— नीतियों को लागू करना।**

☞ सुमेलित है-

सूची-I		सूची-II
भारत	—	**न्यायिक पुनरीक्षा**
यू.एस.ए.	—	**कानून की उचित प्रक्रिया**
यू.के.	—	**कानून का शासन**
फ्रांस	—	**न्यायालयों के दो सेट**

☞ अरस्तू द्वारा किए गए सरकारों के वर्गीकरण के संबंध में सही नहीं है **— सरकार साझे हितों के वशीभूत होती है तथा संपूर्ण समुदाय के साझे हितों के प्रति असंवेदनशील होती है।**

☞ लियोनार्ड बिंडर आदि विचारकों द्वारा अपनी पुस्तक 'क्राइसिस एंड सेक्वेंसेज इन पॉलिटिकल डेवलपमेंट' में उल्लेख किए गए संकट हैं: **— पहचान का संकट, समेकन का संकट, वैधता का संकट तथा संसाधन जुटाने का संकट।**

☞ अनुक्रियाशीलता, विश्वस्तता, पृष्ठभूमि संगीत तथा तोड़-मरोड़ में से कौन-से कारक संचार सिद्धांत में लोड कैपेसिटी से संबंधित है? **— सभी संबंधित हैं।**

☞ ''शक्ति वह है जिससे लोगों से काम कराया जा सकता है तथा जिसके अभाव में वे काम नहीं करते।'' यह कथन है- **— राबर्ट डहल का**

☞ हेनरी फेयोल, एल.डी. व्हाइट, एल.एफ. उर्विक एवं लुथर गुलिक में से कौन संगठन के सिद्धांतों के विकास से संबंधित नहीं है- **— एल.डी. व्हाइट**

☞ वुडरो विल्सन, डी. वाल्डो, फ्रेड रिग्स एवं हर्बर्ट साइमन में से कौन दस वर्षों तक अमेरिकी कंपेरेटिव एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रुप का अध्यक्ष रहा **— फ्रेड रिग्स**

☞ वैज्ञानिक प्रबंधन में 'वन बेस्ट वे' का अर्थ है- **— कार्य विधियों का मानकीकरण**

☞ स्टेट डिपार्टमेंट, ऑफिस ऑफ बजट एंड मैनेजमेंट, नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल तथा द व्हाइट हाउस में से कौन यू.एस.ए. में एक स्टाफ एजेंसी नहीं है? **— स्टेट डिपार्टमेंट**

☞ एफ.एम. मार्क्स द्वारा नौकरशाही के वर्गीकरण का सही क्रम है

— अभिभावक - जाति - संरक्षण - प्रतिभा

☞ भारत में निष्पादन बजट निम्नलिखित में से किसकी सिफारिश पर शुरू किया गया था? **— प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग रिपोर्ट के**

☞ सरकारी नियुक्तियों में मूल अधिवास योग्यता का सर्वप्रथम उपयोग किया गया था- **— यू.एस.ए. में**

☞ भारत में मुख्य सूचना आयुक्त तथा सूचना आयुक्तों की नियुक्ति कितने वर्षों के लिए की जाती है? **— 5 वर्ष के लिए**

☞ **अभिकथन (A) :** कमान की एकता सिद्धांत का व्यावहारिक उपयोग हमेशा व्यवहार्य नहीं होता।

कारण (R) : सामान्यतः प्रशासनिक तथा तकनीकी कार्यों में विभिन्न प्रकार के पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ ई-शासन का लक्ष्य सरकार तथा नागरिकों के बीच पारस्परिक अंतः क्रिया को बनाना है-

— अधिक दोस्ताना, सुविधाजनक, पारदर्शी तथा किफायती।

☞ आर्थिक कूटनीति को अन्य किस नाम से भी जाना जाता है?

— विकास कूटनीति

☞ गुटनिरपेक्षता की विशेषताएं हैं -

— गुटनिरपेक्षता राष्ट्रों के समुदायों में बहुलवाद और लोकतांत्रिक समानता का पक्षधर है, यह नस्लवाद और भेदभाव की सभी ताकतों का विरोध करता है और मौलिक स्वतंत्रता का समर्थक है। आर्थिक और सामाजिक न्याय गुटनिरपेक्षता का उद्देश्य है, गुटनिरपेक्षता इस धारणा पर आधारित है कि राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रों की राष्ट्रीय शक्ति से जुड़ी हुई है।

☞ कूटनीति, आर्थिक शासनकला, सैन्य शक्ति का उपयोग तथा विश्व संगठन में शामिल होना आदि में से कौन राष्ट्रीय शक्ति के उपयोग की तकनीक नहीं है? **— विश्व संगठन में शामिल होना।**

☞ सुमेलित है-

पुस्तकें	लेखक
इंटरनेशनल रिलेंसस थ्योरी : द थ्री ट्रेडीसंस	**— मार्टिन वाइट**
द नार्थ साउथ डिवाइड एंड द इंटरनेशनल सिस्टम	**— एन.बी. एडम्स**
ह्यूमेन सिक्योरिटी	**— टैडबक्श शक्बेनॉन और अनुराधा चेनॉय**
इंडिया एंड द यूरोपियन यूनियन	**— गेरहार्ड वेलर्स**

☞ भोजन, परमाणु हथियार, औद्योगिक क्षमता एवं सैन्य तैयारी में से किसे शक्ति का प्रतीक (करेंसी ऑफ पावर) माना जा सकता है?

— परमाणु हथियार

☞ सत्य कथन है–

— चार्टर के अनुच्छेद 3 के अनुसार जिन देशों ने सनफ्रांसिसको सम्मेलन में जून, 1945 में भाग लिया था और जिन्होंने 1 जनवरी, 1942 को संयुक्त राष्ट्र घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए थे वे संयुक्त राष्ट्र के मूल सदस्य बने, आम सभा का सामान्य सत्र सितंबर में आरंभ होता है और आमतौर पर वर्ष के अंत तक जारी रहता है आर्थिक और सामाजिक परिषद के सेवानिवृत्त हो रहे सदस्य तत्काल पुनः निर्वाचित होने के पात्र भी होते हैं।

☞ ''शीत युद्ध का अंत आदर्श राज्य और उदारवादी पूंजीवाद के विजय का प्रतिनिधित्व करता है।'' यह कथन है

— फ्रांसिस फुकुयामा का

☞ सुमेलित है-

सूची-I		सूची-II
सोवियत संघ - जर्मन अनाक्रमण संधि	–	अगस्त, 1939
जर्मनी का सोवियत संघ पर आक्रमण	–	जून, 1941
जर्मनी का चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा	–	मार्च, 1939
पोलैंड पर जर्मनी का आक्रमण	–	सितंबर, 1939

☞ बांडुंग सम्मेलन के संबंध में सत्य कथन है-

— इस सम्मेलन के आयोजन के विचार का सोवियत रूस और चीन ने स्वागत किया था। बांडुंग सम्मेलन, 1955 के आयोजन का सुझाव श्रीलंका ने दिया था, इस सम्मेलन को आयोजित करने का तात्कालिक उकसावा ताईवान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक संधि और सीटों (एस.ई.ए.टी.ओ.) की स्थापना और बागदाद पैक्ट था। बांडुंग इंडोनेशिया में एक शहर है।

☞ संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर का कौन-सा अनुच्छेद यह उपबंधित करता है कि 'संयुक्त राष्ट्र संघ के सभी सदस्य यह वचन देते हैं कि वे सुरक्षा परिषद को इसकी मांग पर और विशेष समझौतों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य के लिए आवश्यक सशस्त्र बल और आवागमन के अधिकार सहित सहायता और सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे'?

— अनुच्छेद 43

☞ निम्नलिखित में कौन राजनीतिक सिद्धांत के 'पतन' को विनिर्दिष्ट करता है?

— डेविड ईस्टन और अल्फ्रेड कोब्बन तथा लेसलेट और रोबर्ट डाल

☞ राजनीतिक सिद्धांत के बारे में कथन सही है-

— राजनीतिक सिद्धांत दार्शनिक तथा वैज्ञानिक, नियामक तथा अनुभूतिमूलक, मूल्यांकनपरक तथा व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक तथा विश्लेषणात्मक है।

☞ आधुनिक उदारवाद के बारे में क्या सही है?

— कमजोरों की रक्षा के लिए राज्य विनियमन का समर्थन करता है तथा समूह के महत्त्व को मान्यता प्रदान करता है।

☞ माओ के विसंगित सिद्धांत के संबंध में सही कथन है-

— सभी काल और समाजों में विसंगतियां सार्वभौमिक होती हैं, प्रतिरोधात्मक विसंगतियां विद्वेषी वर्गों के बीच उत्पादक शक्तियों के स्वामित्व के रूप में मौजूद होती हैं, गैर-प्रतिरोधात्मक विसंगतियां लोगों के बीच हो सकती है, जिसका समाधान हिंसा का सहारा लिए बिना किया जा सकता है।

☞ **अभिकथन (A) :** जॉन लॉक के लिए प्राकृतिक अधिकार प्रकृति के परिणाम हैं।

कारण (R) : राज्य को इन अधिकारों की सुरक्षा और संरक्षा करनी पड़ती है।

— (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

☞ अरस्तु के राज्य सिद्धांत के बारे में सही कथन हैं-

— राज्य की जैव अवधारणा, राज्य आवर्धित व्यक्ति के रूप में, व्यक्ति के लक्ष्य और राज्य के लक्ष्यों के बीच कोई विरोध नहीं है।

☞ मैकियावेली को प्रथम आधुनिक राजनीतिक विचारक माना जाता है

— राजनीति से नीतिशास्त्र और धर्म को अलग रखने के कारण।

☞ हॉब्स के बारे में सही कथन हैं-

— प्राकृतिक अवस्था राजनीति-पूर्व और समाज-पूर्व की अवस्था थी, मानव स्वभाव में अर्जनशील प्रवृत्ति, स्वत्वबोधक प्रवृत्ति और ख्याति के लिए प्यार मुख्य रुप से पाए जाते थे, प्राकृतिक अवस्था में मनुष्य एकाकी, बुरा, निर्दयी और अल्पायु था।

☞ जॉन लॉक का योगदान मुख्यतः किस रूप में है?

— सहमति सिद्धांत, सीमित सरकार रूप में

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (अवधारणा)		सूची-II (विचारक)
वेल ऑफ इगनोरेंस	–	जॉन राउल
एलिनिएशन	–	कार्ल मार्क्स
पीसमील सोशल इंजीनियरिंग	–	कार्ल पोपर
नाइट वाचमैन स्टेट	–	राबर्ट नोजिक

☞ 'मनुष्य को सोचने के पूर्व खाना चाहिए। खाने के लिए उसे उत्पादन करना होगा। उत्पादन एक मूल कार्यकलाप है।'

— कार्ल मार्क्स

☞ किस विचारक का कहना था कि, 'आज्ञापालन का संभावित शरारत, विरोध के संभावित शरारतों से कम हैं।' **— बेंथम**

☞ कार्ल मार्क्स का द्वंद्वात्मक भौतिकवाद प्रतिपादित करता है कि:

— पदार्थ गति की अवस्था में हैं, पदार्थ में पर्यावरण के दबाव के कारण गति होती है, पदार्थ में विरोध निरंतर और अनंत हैं।

☞ जे.एस. मिल के संबंध में सत्य कथन है-

— दूसरों से संबंधित कार्यों में राज्य हस्तक्षेप उचित है।

☞ गांधी की सर्वोदय अवधारणा के संबंध में सही है-

— समाज के सभी वर्गों का कल्याण

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I		सूची-II
1813 का चार्टर एक्ट	–	ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार एकाधिकार की समाप्ति
1833 का चार्टर एक्ट	–	ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार एकाधिकार की पूर्ण समाप्ति
द गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1858	–	सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया
गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1909	–	पृथक निर्वाचक मंडल

☞ ऑल पार्टी कॉनफ्रेंस (1928) की अध्यक्षता की थी -

— डा. एम.ए. अंसारी

☞ कथन सही हैं-

— कानून का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु भारत संघ को किसी राज्य को निर्देश जारी करने की शक्ति है, विफलता की स्थिति में, राष्ट्रपति उस राज्य सरकार के सारे कार्यों को अपने हाथ में ले सकते हैं, किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है तथा उसकी पदावधि राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत होती है, राज्यपाल राज्य के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

☞ भारतीय संघ में तनाव वाले क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है-

— अनुच्छेद - 356 राज्यपाल की भूमिका एवं केंद्र-राज्य वित्तीय संबंध

☞ 74वां संविधान संशोधन 1992 राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एवं ओडिया राज्यों में से किन राज्यों के अनुसूचित क्षेत्र में लागू नहीं होता-

— हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश में

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (आंदोलन)		सूची-II (व्यक्ति)
चिपको आंदोलन	–	**सुंदर लाल बहुगुणा**
नर्मदा बचाओ आंदोलन	–	**मेधा पाटकर**
सूचना का अधिकार आंदोलन	–	**अरुणा रॉय**
तेलंगाना आंदोलन	–	**के. चंद्रशेखर राव**

☞ उपराष्ट्रपतियों का सही कालक्रम है-

— 1. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1952-1962),
2. जाकिर हुसैन (1962-1967),
3. वी.वी. गिरि (1967-1969),
4. गोपाल स्वरूप पाठक (1969-1974),
5. बी.डी. जत्ती (1974-1979),
6. मोहम्मद हिदायतुल्ला (1979-1984),
7. रामास्वामी वेंकटरमन (1984-1987),
8. शंकर दयाल शर्मा (1987-1992),
9. के.आर. नारायणन (1992-1997),
10. कृष्णकांत (1997-2002),
11. भैरोसिंह शेखावत (2002-2007) तथा
12. मोहम्मद हामिद अंसारी (2007- से अब तक)

☞ राज्य तथा प्रभावी जाति दर्शाने वाले सही युग्म हैं-

— पंजाब - जाट सिक्ख, राजस्थान - राजपूत, तेलंगाना - वेलमा, कर्नाटक - लिंगायत

☞ कौन भारत में क्षेत्रीय आंदोलन को 'नृजातीय' तथा 'स्वसंस्कृति' आंदोलन के पदों में वर्गीकृत करता है?

— मायरन वेनर

☞ भारत में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत अंतर-राज्य परिषद् का गठन किया गया- **— 1990 में**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (छात्र संगठन)		**सूची-II** (संबद्ध पार्टी)
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद	—	बी.जे.पी.
ऑल इंडियन स्टुडेंटस् फेडरेशन	—	सी.पी.आई
नेशनल स्टुडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया	—	कांग्रेस (आई)
स्टुडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	—	सी.पी.आई.एम.

☞ कब से भारत में इस बात पर सर्व सम्मति बनी कि उपाध्यक्ष (Dupty Speaker) का पद प्रतिपक्ष दल को दिया जाना चाहिए-**— 1996 से**

☞ सूची-I, सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (लेखक)		**सूची-II (पुस्तकें)**
सेलिग जी. हैरिसन	—	इंडिया: द मोस्ट डेंजरस डिकेड्स
रूडोल्फ तथा रूडोल्फ	—	इन परस्यूट ऑफ लक्ष्मी : द पॉलिटिकल इकानामी ऑफ द इंडियन स्टेट
मायनर वेनर	—	इंडियन पैराडॉक्स

☞ सूची-I, सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I		**सूची-II**
एस.पी. गुप्ता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया	—	न्यायाधीशों का अंतरण
एम.सी. मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया	—	ताज प्रदूषण
केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य	—	मूलभूत ढांचा
कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया	—	पेट्रोल पंप का आबंटन

☞ अधिनियम भारतीय संविधान की धारा 34 के अंतर्गत बनाया गया है?

— दी आर्मड् फोर्सेस स्पेशल पावर एक्ट (ए.एफ.एस.पी.ए.)

☞ सत्य कथन है-

— अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमंस की तुलना में कमजोर है, प्रतिनिधि सभा सीनेट की तुलना में कमजोर है, अमेरिका की कार्यपालिका अमेरिकी विधान मंडल (लेजिस्लेचर) के प्रति जिम्मेदार नहीं है।

☞ सत्य कथन है-

— स्विट्जरलैंड का फेडरल लेजिस्लेचर द्विसदनात्मक है, इसमें निम्न सदन को नेशनल काउंसिल कहा जाता है, इसमें उच्च सदन को काउंसिल ऑफ स्टेट्स कहा जाता है।

☞ यूनाइटेड किंगडम की न्यायपालिका की विशेषता है-

— यह सामान्य कानून परंपरा पर आधारित है, स्कॉटलैंड के न्यागमन से पारंपरिक रूप से नियंत्रित न्यायपालिका की संभावना बढ़ गयी है, वेल्स के न्यागमन से पारंपरिक रूप से नियंत्रित - न्यायपालिका की संभावना बढ़ गयी है।

☞ मैग्ना कार्टा, गौरवपूर्ण क्रांति तथा जॉन लॉक की रचनाएं आदि सब ने ग्रेट ब्रिटेन के किस तंत्र को मजबूत बनाने में योगदान दिया है?

— संसदीय लोकतंत्र

☞ सही सुमेलित हैं-

राबर्ट मिशेल - अल्पतंत्र का कठोर कानून

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I		**सूची-II**
परेटो	—	इतिहास अभिजनों का कब्रिस्तान है।
मोस्का	—	अभिजनों का परिचालन
मिशेल्स	—	अल्पतंत्र का कठोर कानून
गेसेट	—	आम जनता का सिद्धांत

☞ राजनीतिक संस्थायन में शामिल हैं :

— राजनीतिक लामबंदी, राजनीतिक समेकन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व

☞ अल्मोंड तथा वरबा की 'नागरिक संस्कृति' के अध्ययन में किन-किन देशों को आधार बनाया गया था?

— मेक्सिको, जर्मनी, इटली, यू एस, यू के

☞ डब्ल्यू. डब्ल्यू रोस्टो द्वारा प्रस्तावित आर्थिक विकास के पांच चरण हैं-

— पारंपरिक समाज, उत्कृष अवस्था की पूर्व शर्तें, उत्कृष अवस्था, परिपक्वता की ओर प्रवृत्ति, उच्च सामूहिक खपत का युग

☞ किस वैश्विक नेता ने द्वितीय महायुद्ध के पश्चात 'विकास' की विशेष अवधारणा प्रस्तुत की? **— हैरी ट्रूमैन ने**

☞ अल्मोंड तथा वरबा के अध्ययन ' नागरिक संस्कृति' के अनुसार तीन प्रकार के राजनीतिक सिद्धांत हैं **— सीमित, प्रजा, भागीदार**

☞ **अभिकथन (A) :** जब शक्ति का सत्ता से सम्मिलन हो, तभी इसकी वैधता है।

कारण (R) : शक्ति दूसरों के ऊपर बल का प्रयोग है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (लेखक)		सूची-II (पुस्तक का नाम)
गेन बेंटन	–	अनाटोमी ऑफ ए रिवोल्यूशन
टेड गर्र	–	व्हाई मेन रिबेल
चार्ल्स टिल्ली	–	यूरोपियन रिवोल्यूशंस
थेडा स्कॉकपॉल	–	स्टेट्स एंड सोशल रिवोल्यूशंस

☞ आधुनिकीकरण के सिद्धांत की आलोचना किनके द्वारा की गयी थी?

— निर्भरता का सिद्धांत, अविकासवाद का सिद्धांत एवं विश्व-व्यवस्था सिद्धांत के द्वारा

☞ कौन लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन में भेद नहीं करता?

— हेनरी फेयोल, एम.पी. फोल्लेट, लूथर गुलिक, एल. उरविक

☞ 'संगठन के सात सिद्धांत' निर्धारित किए

— गुलिक तथा उरविक

☞ संगठन का सिद्धांत है-

— पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र विस्तार एवं आदेश की एकता

☞ नवीन लोक प्रशासन संबंधी साहित्य बल देता है -

— संबद्धता, मूल्य, निष्पक्षता एवं परिवर्तन पर

☞ अनौपचारिक संगठन में, सत्ता हमेशा किस की ओर प्रवाहित होती है?

— तिरछी तथा अधोमुखी दिशाओं में

☞ किसने 'कचरा टोकरी मॉडल' का विकास किया था?

— माइकल डी. कोहेन, जेम्स जी. मार्च एवं जोहान पी. ओल्सेन

☞ संरक्षक नौकरशाही का पारंपरिक देश है **— यू.एस.ए.**

☞ 'प्रतिनिधिक नौकरशाही' शब्द को गढ़ा है

— डोनाल्ड किंग्सले ने

☞ किस देश ने बहुत पहले 1766 में ही - समाचार पत्रों की स्वतंत्रता अधिनियम - कानून को सबसे पहले अधिनियमित किया था?

— स्वीडेन ने

☞ लैंगिक बजट के बारे में सही कथन है-

— इसका उद्देश्य लैंगिक वचनबद्धता को बजट वचनबद्धता में परिणत करना होता है, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य रोजगार आदि के क्षेत्र में महिलाओं की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है।

☞ 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) के अनिवार्य प्रावधान हैं

— मध्यवर्ती स्तर पर पंचायतों के अध्यक्ष के पद का अप्रत्यक्ष चुनाव, महिलाओं के लिए एक-तिहाई स्थानों का आरक्षण तथा राज्य वित्त आयोग का गठन।

☞ सही कथन है-

— भारत ने भ्रष्टचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संघ के सम्मेलन में हस्ताक्षर किए हैं, पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय सूचकांक के अनुसार 178 देशों में भारत का स्थान 95वां है, केंद्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना संथानम समिति की सिफारिश पर की गई थी।

☞ **अभिकथन (A) :** सूचना का अधिकार अधिनियम (आर.टी.आई) के क्षेत्र का विस्तार किए जाने की आवश्यकता है।

कारण (R) : वर्तमान में निजीकरण तथा अनेक पूर्वकाल में सरकारी कार्यक्रमों का आउटसोर्स द्वारा कार्य किए जाने की प्रवृत्ति है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ **अभिकथन (A) :** सत्ता और जवाबदेही एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

कारण (R) : सत्ता विभाज्य है, परंतु जवाबदेही विभाज्य नहीं है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नही है।

☞ **अभिकथन (A) :** विकास प्रशासन की अवधारणा का उद्भाव हाल ही में हुआ है।

कारण (R) : द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् अनेक देश आजाद हो गए।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है

☞ निकॉलस ऑनफ ने अपनी पुस्तक - वर्ल्ड ऑफ आवर मेकिंग में अंतर्राष्ट्रीय संबंध के बारे में कौन-सा शब्द गढ़ा है? **— रचनावाद**

☞ सूची-I सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I		सूची-II
बी. बुजान	–	पीपल, स्टेट एंड फीयर
एल. हैंसेन	–	द इवॉल्यूशन ऑफ इंटरनेशनल सिक्यूरिटी स्टडीज
के.एन. वाल्त्ज	–	मैन, द स्टेट एंड वार
ए. वेंड्ज	–	सोशल थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल पॉलिटिक्स

☞ विश्व व्यापार संगठन के संबंध में सही कथन है-

— यह विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के व्यापार समझौतों का संचालन करता है, यह व्यापार वार्ताओं के लिए एक मंच का कार्य करता है, यह राष्ट्रीय व्यापार नीतियों की निगरानी करता है।

☞ कौन-सा देश अव्यक्त परमाणु क्षमता का उदाहरण है? **— जापान**

☞ नरम शक्ति (साफ्ट पावर) शब्द को गढ़ने के लिए किसे श्रेय दिया जाता है? **— जोसेफ नाइ**

☞ मार्शल प्लान, 1947 को औपचारिक रूप से किस रूप में भी जाना जाता है -**— यूरोपीय समुत्थान कार्यक्रम (यूरोपीयन रिकवरी प्रोग्राम)**

☞ के.जे होलस्टी के अनुसार समकालीन राज्य प्रणाली की विशेषता है-

— राज्यों की संख्या तथा प्रकार में वृद्धि, उन राज्यों के द्वारा विध्वंस की बड़ी क्षमता जिनके पास परमाणु हथियार तथा आधुनिक वितरण प्रणाली है, प्रभाव की आधिपत्य स्थिति जिसे तीन अनिवार्यतः गैर-यूरोपीय देशोंः रूस, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका ने हासिल की है।

☞ संयुक्त राष्ट्र संघ के परिप्रेक्ष्य में भारत की विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य तीन घनिष्ठ रूप से जुड़े लक्ष्य हैं -

— 21वीं सदी में अंतर्राष्ट्रीय संबंध को आकार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका, अहिंसक तथा मानवोचित अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली की दिशा में आंदोलन, अंतर्राष्ट्रीय विकास के सतत् तथा अपेक्षाकृत न्यायसंगत पैटर्न के लिए स्थितियों को बढ़ावा देना।

☞ पंचशील का सिद्धांत, 1954 में शामिल है?

— एक-दूसरे के क्षेत्रीय अखंडता तथा संप्रभुता के लिए पारस्परिक सम्मान, समानता तथा पारस्परिक लाभ, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, एक दूसरे के विरूद्ध आक्रामक कार्यवाही न करना।

☞ सूची-I सूची-II से सही सुमेलित हैं-

ओ.एस.सी.ई.	–	यूरो-अतलांतिक
वी 4	–	यूरोप
बी.एस.ई.सी.	–	यूरेशिया
नाफ्टा (एन.ए.एफ.टी.ए.)	–	उत्तरी अमेरिका

☞ भूमंडलीकरण की नवोदित शक्तियों की जड़ों का वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्द्ध तथा 1990 के दशक के पूर्वार्द्ध में विशिष्ट आर्थिक तथा राजनीतिक विकास में पता लगाया गया है। इस श्रेणी में शामिल हैं-

— शीत युद्ध की समाप्ति, यू.एस.एस.आर में राज्य समाजवाद का विघटन, बर्लिन की दीवार का गिरना

☞ कौन लोकतांत्रिक शांति सिद्धांत से संबद्ध है? **— माइकेल डायल**

☞ मार्च 2015 में सऊदी अरब ने किस देश में सैन्य हस्तक्षेप किया?

— यमन

☞ कौन अमेरिकी राज्यों के संगठन के अंग हैं?

— अंतर-अमरीकी सम्मेलन, विदेश मंत्रियों की विचार-विमर्श संधि तथा परिषद्

NET/JRF June, 2015 (Paper-II)

☞ कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में, सरकार के जितने विभागों का उल्लेख किया है, उनकी संख्या है **— 34**

☞ कौन इसलिए एथेंस से कालचिस भाग गया था कि 'एथेंसवासी दर्शनशास्त्र के विरूद्ध दूसरा अपराध न कर दें' ? **— अरस्तु**

☞ ''तर्क का उत्साही धर्मदूत, उन्होंने अविवेक के काल के लिए राह प्रशस्त करने हेतु, अधिकांश से अधिक किया है'' रुसो के संदर्भ में यह कथन किसका है? **— वेपर का**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I		**सूची-II**
हॉब्स	–	संप्रभुता की सुरक्षा और धर्म पर राजनीतिक सत्ता के दृढ़कथन का दावा
लॉक	–	संवैधानिक सरकार का सीमित रूप
रुसो	–	दावा कि संप्रभुता का मूल लोगों में समाहित है और लोगों के पास रहेगा
जे.एस. मिल	–	व्यक्ति के विचार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करना

☞ कौन नागरिक समाज के संगठनों की तुलना राज्य के पीछे खड़ी 'किलों और मिट्टी के बांधों की शक्तिशाली प्रणाली से करता है?

— ग्राक्सी

☞ जॉन रॉलस ने अपनी पुस्तक 'ए थ्योरी ऑफ जस्टिस' में हॉब्स, जॉन-लॉक, जे.जे.रुसो एवं इमेन्यूल कांट में से किसकी सामाजिक अनुबंध परंपराओं का पुनरुद्धार नहीं किया है? **— हॉब्स**

☞ ''धर्म में भक्ति आत्मा की मुक्ति का मार्ग हो सकता है। परंतु राजनीति में भक्ति या वीर-पूजा अपकर्ष और संभावित तानाशाही के लिए सुनिश्चित मार्ग है।'' यह कथन है **— बी. आर अंबेडकर का**

☞ ''इसलिए ब्रुट्स की तलवार पवित्र है इसलिए शिवाजी का बाघनख न्यायसंगत है। इसलिए चार्ल्स -I का सिर कटवा देना न्यायोचित कर्म है। इसलिए विलियम टैल का तीर दिव्य है।'' यह कथन है-

— बी.डी. सावरकर

☞ नियमितताएं, मान्यताएं, विशुद्ध विज्ञान एवं स्तरीकरण में से कौन-सा ईस्टन व्यवहारवाद की बौद्धिक आधार शिलाओं का लक्षण नहीं है?

— स्तरीकरण

☞ कौन-सा फुकुयामा के लिए, उदारवादी लोकतंत्र के विजयोल्लास का प्रमुख कारक है ?

— मान्यता के लिए संघर्ष, प्रकृति पर विज्ञान के अधिकार का तर्क एवं उदारवादी लोकतंत्र में प्रमुख विरोधाभासों का अभाव।

☞ 1950 के दशक के मध्य से तुलनात्मक राजनीति की प्रमुख प्रवृत्तियां जिन क्षेत्रों में रही वे हैं-

— व्यवस्था सिद्धांत, संस्कृति सिद्धांत, विकास सिद्धांत एवं वर्ग सिद्धांत

☞ सुमेलित है-

कार्ल डायच	**—**	**अभिग्राहक**
हंटिंग्टन	**—**	**आधुनिकीकरण-बहुपक्षीय प्रक्रिया**

पेरिटो — अभिजन्य का संचरण

डेविड ईस्टन — दि गेट-कीपर्स

☞ कौन व्यवस्था अनुरक्षण और व्यवस्था अवस्थिति में विभेद करते हैं?

— डेविड ईस्टन

☞ पुस्तकों के प्रकाशित होने का सही क्रम है-

— दि सिविक कल्चरः पॉलिटिकल एटीट्यूड एंड डेमोक्रेसी इन फाइव नेशंस, दि इंड ऑफ हिस्ट्री एंड दि लास्ट मैन, डेमोक्रेटाइजेशनः थ्योरी एंड प्रैक्टिस, कंपैरिटिव फेडरलिज्म

☞ संकल्पनाओं का काल की दृष्टि से सही क्रम है

— विधि की उचित प्रक्रिया, लोकतांत्रिक केंद्रीकरण, नवीन लोकतंत्र एवं प्रतिपुष्टि व्यवस्था।

☞ ''हम संविधान के अंतर्गत हैं, लेकिन संविधान वही है जो न्यायाधीश कहते हैं।'' संयुक्त राज्य अमेरिका के अतिरिक्त यह किस देश के लिए लागू हो सकता है? **— भारत**

☞ 'दि फेडरलिस्ट (Federalist) पेपर्स' लिखा है- **— जेंस मेडिसन**

☞ ''सत्ता के सिद्धांत में विश्वास, व्यवस्था को सुरक्षित रखने का एक मात्र विश्वसनीय माध्यम है।'' यह तर्क दिया है **— जोसेफ डी मैस्ट्रे (Joseph de Maistre)**

☞ निर्वाचन प्रणाली दलीय व्यवस्था की प्रकृति को निर्धारित करती है- यह तर्क दिया **— शुम्पीटर ने**

☞ **अभिकथन (A) :** 1960 के दशक के मध्य में राजनीतिक विकास उपागम की आलोचना की गई।

कारण (R) : संयुक्त राष्ट्र और पश्चिमी यूरोप के अनुभवों पर आधारित इस उपागम की तीसरी दुनिया में सीमित प्रासंगिकता थी।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ समानता, स्वतंत्रता, न्याय एंव भ्रातृत्व शब्दों का भारत के संविधान की प्रस्तावना में सही क्रम है **— न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व**

☞ कानून के समक्ष समानता, शिक्षा का अधिकार, भाषण की स्वतंत्रता एवं आवागमन की स्वतंत्रता में से कौन से अधिकार भारत में रहने वाले विदेशियों के लिए उपलब्ध है?

— कानून के समक्ष समानता एवं शिक्षा का अधिकार

☞ भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है

— भारत का महान्यावादी

☞ लोक सभा, राज्यसभा, राज्य विधान परिषद एवं राज्य विधान मंडल में से किसे भंग नहीं किया जा सकता परंतु समाप्त किया जा सकता है?

— राज्य विधान परिषद

☞ महाधिवक्ता, राज्य वित्त आयोग के सदस्य, राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य एवं राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति में से किसे राज्यपाल द्वारा तो नियुक्त किया जाता है परंतु उसके द्वारा हटाया नहीं जा सकता?

— राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य को

☞ अनुच्छेद 356 के अंतर्गत किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन की अधिकतम अवधि क्या हो सकती है? **— तीन वर्ष**

☞ भारत में संविधान संशोधन की प्रक्रिया के संबंध में सत्य कथन है-

— संसद एक विशेष बहुमत से संविधान में संशोधन कर सकती है।

☞ कौन-सी स्थिति में संसद राज्य सूची में उल्लिखित विषयों पर विधान बना सकती है?

— यदि दो या दो से अधिक राज्य विधानमंडल इस आशय से कोई संकल्प पारित करें, यदि आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी जाए, यदि किसी अन्य देश के साथ की गई संधि को लागू किया जाना हो।

☞ सुमेलित हैं-

(आंदोलन)		(नेता)
इंडिया अगेंस्ट करैप्शन	—	**अन्ना हजारे**
नर्मदा बचाओ आंदोलन	—	**मेधा पाटेकर**
राईट टू इंफोरमेशन मूवमेंट	—	**अरुणा राय**
भारतीय किसान यूनियन	—	**महेंद्र सिंह टिकैत**

☞ सुमेलित हैं-

(प्रशासनिक चिंतक)		(प्रशासनिक उपागम)
एम.पी. फॉलेट	—	**मनोवैज्ञानिक उपागम**
हरबर्ट साइमन	—	**तर्कसंगत उपागम**
माइकल डी. कोहन	—	**गारबैज कैन मॉडल**
एमिताई एट्झिओनी	—	**मिक्स्ड स्कैनिंग**

☞ उस खंड का नाम क्या था, जिसने अमेरिकन सोसायटी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के कंपेरेटिव एडमिस्ट्रेटिव ग्रुप को प्रतिस्थापित किया?

— सेक्शन ऑन इंटरनेशनल एंड कंपेरेटिव पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (एस.आई.सी.ए.)

☞ मास्लो की अभिविचारित मानवीय आवश्यकताओं का सही क्रम है-

— शारीरिक - सुरक्षा - तदीयत्वता - आत्मसम्मान - स्ववास्तविकीकरण

☞ **अभिकथन (A) :** ''स्टाफ और सहायक अभिकरण दोनों, लाइन अभिकरणों की सहायता करते हैं, परंतु ये एक-दूसरे से भिन्न होते हैं।''

कारण (R) : "सहायक अभिकरणों की कोई प्रचालनीय जिम्मेदारियां नहीं होती हैं।''

— (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

☞ मूनी एंड रीले के नेताओं के वर्गीकरण में औपचारिक नेता, उपाधिधारी नेता, नियंत्रक एवं अच्छे आयोजक में से किस एक प्रकार के नेताओं को शामिल नहीं किया गया है? **— औपचारिक नेता**

☞ आस्टिन रैमे की सार्वजनिक नीति के तत्वों में कौन-कौन सम्मिलित हैं?

— उद्देश्यों का एक समुच्चय, कार्यवाही की एक चयनित रूपरेखा, आशय सहित कार्यान्वयन

☞ आशेटन समिति (1944) ने सिविल सेवकों के प्रशिक्षण के उद्देश्यों में किस एक को सम्मिलित नहीं किया:**— नेतृत्व गुणों का विकास करना**

☞ अमेरिका में नियुक्त किए गए आयोगों/समितियों का सही आरोही क्रम है-
— टैफ्ट कमीशन, ब्राउनलो कमेटी, हूवर कमीशन, द ग्रेस कमीशन

☞ किसने नौकरशाह को 'सत्ताधारी सेवक' कहा था?**— रॉबर्ट के. मर्टन**

☞ किस संवैधानिक संशोधन के अंतर्गत भारत में प्रशासनिक न्यायाधिकरण का प्रावधान किया गया? **— 42वां संशोधन**

☞ कौन अंतरराष्ट्रीय राजनीति को स्वायत्त अनुशासन मानते हैं?
— सी.ए.डब्ल्यू. मैनिंग, कार्लिन एम. कूपर, हॉफसन

☞ सुमेलित हैं-

द कंट्रोल ऑफ द आर्म्स रेस	**- हेडले बुल**
सम इकोनॉमिक आस्पेक्ट्स ऑफ डिसआर्मामेंट	**- एल. ग्रामो एंड वी. स्ट्रिगचो**
द चैलेंज ऑफ द नाईंटीन सिक्सटीज	**- जेंस पी. वारबर्ग**

☞ कौन सौदेबाजी सिद्धांत से संबंधित है?
— जे.एफ. नैश, थॉमस शैलिंग, रोजर फिशर

☞ कौन-सी पुरानी कूटनीति की मुख्य विशेषता थी?
— सीमित, अभिजातवर्गीय, राजदूतों के लिए कार्य की स्वतंत्रता

☞ ब्रेझनेव ने एशियन सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था की अवधारणा का प्रतिपादन किस वर्ष किया था? **— 1969 में**

☞ संयुक्त राष्ट्र संगठन के चार्टर का कौन-सा अनुच्छेद क्षेत्रीय संगठनों से संबंधित है? **— अनुच्छेद-52, अनुच्छेद-53 एवं अनुच्छेद-54**

☞ लाओस, कंबोडिया, वियतनाम एवं उत्तर कोरिया में से कौन-सा देश आसियान (ASEAN) का सदस्य नहीं है? **— उत्तर कोरिया**

☞ मूलतः संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद् की कुल सदस्य संख्या कितनी थी? **— 11**

☞ हाल ही में फ्रांस, भारत में किस स्थान पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए सहमत हुआ है? **— जैतापुर**

☞ सुमेलित हैं-

सूची-I		**सूची-II**
दूसरा गुट निरपेक्ष शिखर संमेलन	—	**काहिरा**
तीसरा गुट निरपेक्ष शिखर संमेलन	—	**लुसाका**
चौथा गुट निरपेक्ष शिखर संमेलन	—	**अल्जियर्स**
पांचवां गुट निरपेक्ष शिखर संमेलन	—	**कोलंबो**

NET/JRF June, 2015 (Paper-III)

☞ ''उत्तर व्यवहारवाद सही अर्थों में क्रांति है न कि प्रतिक्रिया; संभवन है न कि संरक्षण; सुधार है न कि प्रति सुधार।'' यह कथन है
— डेविड ईस्टन

☞ ''हम अपने मूल्यों को उस प्रकार नहीं छोड़ सकते जैसे हम अपना कोट उतारते हैं" यह कथन है- **— डेविड ईस्टन**

☞ किसने आरंभिक उदारवाद को 'स्वत्वबोधक व्यक्तिवाद' के रूप में निरूपित किया? **— सी.बी. मेक्फर्सन**

☞ **अभिकथन (A) :** एफ. ए. हायेक के अनुसार राज्य का हस्तक्षेप और समूहवाद, अपने संयत स्वरूप में भी, निस्संदेह स्वतंत्रता का अपरदन करते हैं।
कारण (R) : वे निर्बाध व्यापार के समर्थक हैं और कींस के अर्थशास्त्र तथा कल्याणकारी राज्य के विरोधी हैं।
— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सत्य कथन हैं-
— मार्क्स ने विचारधारा और विज्ञान में अंतर किया, नैपोलियन ने विचारधारा को ऐसी तत्वमीमांसा मानकर समाप्त कर दिया जिसमें इतिहास और यथार्थ की उपेक्षा की जाती है, डि ट्रेसी ने आईडोलॉजी शब्द गढ़ा।

☞ किसके लिए 'विचार' न कि 'उत्पादन की भौतिक स्थिति' क्रांति के प्रभावी कारण हैं? **— लेनिन**

☞ प्लेटो की विचारधारा के संदर्भ में सत्य कथन हैं-
— राज्य को व्यक्तियों का वृहद रूप मात्र माना जाता है, एथेंस की महिलाओं को राजनीति में भाग लेने की अनुमति नहीं थी, राजनीतिज्ञों की अनभिज्ञता और अक्षमता लोकतंत्र का कारण है।

☞ अरस्तू के संवैधानिक नियम की अभिव्यक्ति है?
— सार्वजनिक हित में शासन, विधिसंमत शासन, इच्छुक प्रजा की सरकार

☞ किसका कथन है कि ''समय-समय पर व्यक्ति द्वारा इच्छा की जाने वाली वस्तुओं को प्राप्त करने में सतत सफलता" आनंद है?
— हॉब्स

☞ कौन राज्य की विधायी, कार्यकारी और संघीय शक्तियों के अस्तित्व की बात करता है? **— लाक**

☞ जे.एस.मिल के संदर्भ में सत्य कथन हैं-
— आनंद, गुणवत्ता की दृष्टि से भिन्न-भिन्न होता है, सुखद कैलकुलस व्यर्थ की बात है, स्वतंत्रता में वे कार्य शामिल होते हैं जिनकी इच्छा की जाती है।

☞ कार्ल मार्क्स के लिए सेंट साइमन, प्राउडवॉन, फ्यूरियन एवं एंजिल्स में से कौन आदर्शवादी समाजवादी नहीं है? **— एंजिल्स**

☞ **अभिकथन (A) :** गांधीजी के लिए सत्याग्रह निष्क्रिय विरोध के समान नहीं है।
कारण (R) : सत्याग्रह से तात्पर्य क्रूर राज्य सत्ता के विरूद्ध लोगों द्वारा विधिसम्मत, नैतिक और सच्चाईयुक्त राजनीतिक कार्रवाई है।
— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ किसने नारा दिया ''नियंत्रण नहीं तो सहयोग नहीं'' **— अरबिंद**

☞ राजनीतिक विकास की विशेषताओं का सही क्रम है

— समानता, क्षमता एवं विभेदीकरण

☞ डेविड ईस्टन के अनुसार विनियामक तंत्रों का सही क्रम है-

— गेट कीपिंग एट द बाउंड्री, सामाजिक सांस्कृतिक नियम, संचार चैनल एवं घटाव प्रक्रिया

☞ सुमेलित हैं-

(लेखक)	(पुस्तक)
एरेंड लिजफार्ट	– पैटनर्स ऑफ डेमोक्रेसी : गर्वमेंट फार्म्स एंड परफॉरमेंस इन थर्टी सिक्स कंट्रीज
थॉमस ह्यूगलिन	– कंपेरेटिव फेडरलिज्म
जियोवाननी सरतोरी	– कंपेरेटिव कांसटिट्यूशनल इंजीनियरिंग : एन इंकवायरी इनटू स्ट्रक्चर्स, इनसेंटिव्स एंड आउटकंस
रोनाल्ड एल. वॉट्स	– कंपेरिंग फेडरल सिस्टम

☞ सही कथन हैं-

— राजनीतिक संस्कृति मूल राजनीतिक प्रवृत्तियों का एक समूह है, राजनीतिक संस्कृति का अध्ययन लोगों की प्रवृत्ति और राजनीति पर उनके संभावित प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करता है, राजनीतिक संस्कृति में एक सहभागी दृष्टिकोण है जैसे राजनीतिक समाजीकरण।

☞ किन देशों में अवशिष्ट शक्तियां राज्यों/इकाईयों पर निर्भर करती हैं?

— संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्जरलैंड एवं ऑस्ट्रेलिया

☞ सत्य कथन है-

— संयुक्त राज्य अमेरिका में कैबिनेट संविधानेत्तर संस्था है, यह साधारणतः एक सलाहकारी निकाय है।

☞ आधुनिक काल में प्रत्यक्ष लोकतंत्र संभव नहीं है क्योंकि-

— आधुनिक राज्य के आकार और जनसंख्या द्वारा व्यावहारिक कठिनाईयों के कारण।

☞ किसने लोकतांत्रिक संस्कृति का 'स्लीपिंग डॉग्स' सिद्धांत दिया है?

— आलमंड और वेरबा

☞ किसने विचार-विमर्श को प्रभावित करने के लिए 'दि स्टिक', 'दि डील', 'दि किस' शब्दावली गढ़ी है? **— केइथ बौल्डिंग**

☞ 'सहकारी संघवाद' का लक्षण है?

— विकेंद्रीकरण और राज्य की अधिक जिम्मेदारी

☞ किसी विधायन विशेष में विलंब करने के लिए अमेरिकी विधायी प्रक्रिया में कौन-सी पद्धति अपनाई जाती है? **— फिलिबस्टरिंग**

☞ अमेरिका के उच्चतम न्यायालय को विधायिका का तीसरा चेंबर बनाने वाली शक्ति है- **— न्यायिक पुनरावलोकन**

☞ किसने 'राजनीतिक शक्ति' को ऐसे संबंध के रूप में परिभाषित किया है जिसमें एक व्यक्ति या समूह पूर्ववर्ती के निदेशों के अनुसार दूसरे की कार्रवाई का निर्धारण करने में समर्थ होता है?

— डेविड ईस्टन

☞ **अभिकथन (A) :** नौकरशाही सभी लोकतांत्रिक सरकारों की महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

कारण (R) : नौकरशाही एक प्राचीन संस्था है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ **अभिकथन (A) :** तुलनात्मक राजनीति, राजनीति का विज्ञान है।

कारण (R) : तुलनात्मक राजनीति, अध्ययन की आनुभाविक पद्धति पर निर्भर करती है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सुमेलित हैं-

(भारतीय राजनीति का अध्ययन करने के उपागम)	(पुस्तक और लेखक के नाम)
ऐतिहासिक उपागम	— दि इंटीग्रेशन ऑफ इंडियन, स्टेट्स, वी.पी.मेनन
संस्थागत उपागम	— पार्लियामेंट इन इंडिया, मॉरिस जोंस
विधिक उपागम	— दि रिपब्लिक ऑफ इंडिया, एलेन ग्लेडहिल
राजनीतिक-सामाजिक उपागम	— दि मॉडर्निटी ऑफ ट्रैडीशन, रूडोल्फ एंड रूडोल्फ

☞ भारत की संविधान सभा किनको शामिल कर बनी -

—ब्रिटिश प्रांतों से 292, चीफ कमीश्नर के क्षेत्रों से 4 और देशी रियासतों से 93 सदस्य

☞ सुमेलित हैं-

(दर्शन का नाम)		(निर्देशक सिद्धांत)
कल्याणवाद	–	बेहतर स्वास्थ्य और जीवन-स्तर
समाजवाद	–	समान कार्य हेतु समान वेतन
गांधीवादी दर्शन	–	कुटीर उद्योग का संवर्धन
अंतरराष्ट्रीयतावाद	–	अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा

☞ भारत के संविधान के किस भाग और अनुच्छेद में मौलिक कर्त्तव्यों का उल्लेख किया गया है? **— भाग IV (क) अनुच्छेद 51 (क)**

☞ **अभिकथन (A) :** अध्यादेश अल्पमत की सरकारों को उपयोगी साधन प्रदान करते हैं, परंतु संसद सत्र के शुरू होने पर इसे विधान के रूप में अब परिवर्तित करना उत्तरोत्तर रूप से मुश्किल है।

कारण (R) : हाल की गठबंधन सरकारों ने अपने सहयोगियों के साथ-साथ विपक्ष के साथ भी विधान पर वादविवाद से बचने के लिए अध्यादेशों का उपयोग किया है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ कौन-सा अनुच्छेद/अनुच्छेदों के अंतर्गत उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय याचिका जारी कर सकते हैं?**— अनुच्छेद 32 और 226**

☞ सुमेलित हैं-

(राज्य का नाम)		(नए राज्य की मांग)
गुजरात	—	सौराष्ट्र
पश्चिम बंगाल	—	गोरखालैंड
राजस्थान	—	मरूप्रदेश
महाराष्ट्र	—	विदर्भ

☞ किस समिति ने 'राजनीति के अपराधीकरण और अपराधियों के राजनीतिकरण' के बारे में चिंता व्यक्त की? **— वोहरा समिति**

☞ स्वायत्त शाखा के रूप में राज्य की राजनीति का अध्ययन प्रमुख रूप से किसका परिणाम रहा है? **— क्षेत्रीय दलों के उदय का**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (संकल्पना)		**सूची-II** (चिंतक)
बहु-संस्कृतिवाद	–	भीखू पारेख
उत्तर-आधुनिकतावाद	–	माइकेल फुकाट
स्वेच्छातंत्रवाद	–	फ्रेडरिक ए. हायक
समुदायवाद	–	एमीटाई इस्जियोनी

☞ सुमेलित हैं-

(लेखक)		**(पुस्तक)**
एस.एम. लिप्सेट	–	पॉलिटिकल मैन : दि सोशल बेसेज ऑफ पॉलिटिक्स
एल. एंडरसन	–	ट्रांजिशन्स टू डेमोक्रेसी
चार्ल्स टिली	–	फ्राम मोबिलाइजेशन टू रिवोल्यूशन

☞ कौन संविधान सभा के उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष थे? **— डॉ. सच्चिदानंद**

☞ सांविधिक निकाय हैं-
— विश्व विद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

☞ कंयुनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया भारत में पहली बार किस राज्य में सत्ता में आई? **— केरल**

☞ उच्चतम न्यायालय द्वारा सेल्वी मामले में दिए गए निर्णय (2010) से किस अधिकार को मान्यता प्रदान की गई? **— मानसिक निजता का अधिकार**

☞ लोक प्रशासन की प्रमुख शाखाओं के वैकासिक चरणों का सही क्रम है-
— राजनीति प्रशासन द्विभाजन, सिद्धांत उपागम, पारिस्थितिकीय उपागम, लोकनीति उपागम

☞ सुमेलित हैं-

(पुस्तक)		**(लेखक)**
फ्रंटियर्स ऑफ डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन	–	फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स
पॉलिटिकल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव डेवलपमेंट	–	ब्रैबंटी
ब्यूरोक्रेसी एंड पॉलिटिकल डेवलपमेंट	–	जे. ला पालोंबरा
पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : ए कंपरेटिव पर्सपेक्टिव	–	फेरेल हेडी

☞ संगठन के लिए व्यवस्था उपागम के बारे में सत्य कथन हैं-
— यह सामान्य व्यवस्था सिद्धांत से लिया जाता है, यह समग्र रूप से संगठन का इसके परिवेश के संबंध में अध्ययन करता है, यह संगठन और उसके माहौल को सूचनाओं और संसाधनों के लिए परस्पर आश्रित के रूप में देखता है।

☞ पिफनर ने अपने 'प्रिसिंपल्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन' में किसको शामिल नहीं किया? **— स्थानीय प्राधिकारियों के कार्य और शक्तियां**

☞ लोक प्रशासन के 'पब्लिक च्यॉयस एप्रोच' किस दशक में अस्तित्व में आया? **— 1960 का दशक**

☞ किसने नेतृत्व का विश्लेषण 'सर्कुलर रेस्पांस' के रूप में किया है? **— एम.पी. फोलेट**

☞ कौन-सी औपचारिक संगठन के बारे में बर्नार्ड के सिद्धांत की विशेषता है? **— सामान्य प्रयोजन, संचार, सहयोग करने की इच्छा**

☞ कौन-सी समिति ब्रिटेन के नौकरशाहों की राजनीतिक गतिविधियों से संबंधित थी? **— मास्टरमैन समिति**

☞ संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिक सेवा सुधार अधिनियम 1978 ने जारी किया-
— मध्यम प्रबंधकीय कार्मिकों के लिए योग्यता वेतन का प्रावधान एवं कार्मिक प्रबंधन का कार्यालय

☞ **अभिकथन (A) :** 'हेनरी फॉयल ने प्रबंधन गतिविधि के प्रमुख कार्य के रूप में पांच तत्वों की पहचान की।
कारण (R) : हेनरी फॉयल के अनुसार 'किसी संगठन के उच्चस्तर पर तकनीकी ज्ञान की अपेक्षा प्रशासनिक ज्ञान की आवश्यकता होती है।
— (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ भारतीय प्रशासनिक सेवा में कार्यात्मक विशेषज्ञता की सिफारिश किसके द्वारा की गई थी? **— प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग**

☞ अधीनस्थ विधायन, कार्यकारी विधायन, अध्यादेश बनाने की शक्ति तथा नियम बनाने की शक्ति में से कौन प्रदत्त विधायन नहीं है **— अध्यादेश बनाने की शक्ति**

☞ सुमेलित हैं-

(नागरिक शिकायत निवारण)		**(देश)**
प्रोक्यूरेटर प्रणाली	–	रूस
प्रशासनिक न्यायालय	–	फ्रांस
ओंबुड्समैन	–	स्वीडन
संसदीय आयुक्त	–	ब्रिटेन

☞ पदोन्नति के लिए लोक अधिकारियों के कार्य-निष्पादन का वैज्ञानिक रूप से मूल्यांकन करने के लिए दक्षता स्तर निर्धारण की प्रणाली का उद्भव हुआ **— यू.एस.ए. में**

☞ 1977 में अशोक मेहता समिति ने किसकी स्थापना की सिफारिश की थी? **— मंडल पंचायत**

☞ कौन यथार्थवादी उदारतावाद की संकल्पना से संबद्ध है? **— जॉन हर्ज**

☞ बैकरेक्ट और बैरेट्झ ने राज्यों के आचरण पर नियंत्रण के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंधों के तीन वर्गों का उल्लेख किया है। ये तीन वर्ग हैं-
— प्रभाव संबंध, वैध संबंध एवं शक्ति संबंध

☞ ई.एच.कार ने कौन-सी पुस्तक लिखी है **—दी ट्वन्टी ईयर्स क्राइसिस**

☞ सुमेलित हैं-

(लेखक)		(पुस्तक)
विलियम सी. ओल्सन	–	**द ग्रोथ ऑफ ए डिसिप्लिन**
जी.एफ. केन्नन	–	**अमेरिकन डिप्लोमेसी**
रसेल एच. फिफील्ड	–	**द इंट्रोडक्टरी कोर्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस**

☞ किसने गुट निरपेक्षता की एक स्वार्थी नीति के रूप में आलोचना की थी? **— श्वार्जेनबर्जर**

☞ कौन अंतराष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवादी उपागम के समर्थक हैं? **— फ्रेडरिक शुमैन, निकोलस स्पाईकमैन, ई.एच.कार**

☞ किसने घोषणा की थी कि शस्त्रास्त्रों की होड़ अपने आप में आतंक का अनुभव होता है? **— हैडली बुल**

☞ कौन-सा देश हाल में किए गए P5+1 नाभिकीय समझौते का एक अंग था? **— जर्मनी**

☞ कौन-सा राष्ट्रीय शक्ति का एक रूप नहीं है? **— सामाजिक शक्ति**

☞ मालदीव, म्यांमार, नेपाल, अफगानिस्तान में से कौन-सा देश 'सार्क' का सदस्य नहीं है? **— म्यांमार**

☞ अंतरराष्ट्रीय राजनीति के किस विद्वान ने इस विचार को सहमती नहीं दी कि आदर्शवादी पहलुओं के बिना कोई भी समाज विज्ञान अस्तित्व में बना नहीं रह सकता। **— एरनोल्ड वॉल्टर्स**

☞ किसे पूर्ण निरस्त्रीकरण भी कहा जाता है?**— व्यापक निरस्त्रीकरण**

☞ किसका कथन है ''अंतरराष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रों के बीच शांति की समस्याओं और राजनीतिक संबंधों का विश्लेषण किया जाता है'? **— एच. जे. मारगेंथॉऊ**

☞ 'एशियान' के किस सदस्य राष्ट्र ने वर्ष 1999 में इस क्षेत्रीय संगठन की सदस्यता ग्रहण की? **— कंबोडिया**

NET/JRF December, 2014 (Paper-II)

☞ ''दंड के साथ कानून बनाने का अधिकार..... संपत्ति का नियमन और संरक्षण और समुदाय की ताकत को ऐसे नियमों के कार्यान्वयन में लगाना.... उपर्युक्त सभी केवल आम जनता के भले के लिए है'' यह परिभाषा है **— जॉन लॉक की**

☞ ''कामगारों की मुक्ति का आधार स्वयं उनका कार्य है।'' यह कथन है- **— कार्ल मार्क्स का**

☞ ''साम्रज्यवादी युद्ध को नागरिक युद्ध में बदलना अपनी समग्रता में सर्वहारा क्रांति है।'' यह नारा दिया था **— लेनिन ने।**

☞ कौन सा 'उदारवादी सामुदायिक बहस' का लक्षण है?
— आत्म सम्प्रत्यय : 'भारग्रस्त' बनाम 'अभारग्रस्त', सार्वभौमवाद बनाम विशिष्टतावाद, राज्य की तटस्थता बनाम राज्य की अतटस्थता

☞ **अभिकथन (A) :** प्लेटो के अनुसार अत्यधिक धन का वैभिन्य अच्छे शासन केलिए असंगत है।
कारण (R) : जहाँ तक सैनिकों और शासक का संबंध हैं, स्वयं धन को समाप्त करने की अपेक्षा बुराई को समाप्त करने का और कोई उपाय उसे नहीं दिखा।
—(A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ सेन्ट ऑगस्टीन की पुस्तक 'डी सिविटेट डी' कितने भागों में विभाजित है **— 22 भागों में**

☞ राजनीतिक शक्ति का वितरण, चयनित निकायों द्वारा प्रतिनिधियों की सतत निगरानी, अधिकतम दुष्प्रचार तथा सापेक्षिक रूप से कम खर्चीला चुनाव में से कौन सा तथ्य जयप्रकाश नरायण के दलविहीन- लोकतंत्र का लक्षण नहीं है? **— अधिकतम दुष्प्रचार**

☞ 'लोकतंत्र के आर्थिक सिद्धांत' का प्रतिपादन किसने किया? **— एन्थनी डॉन्स**

☞ तुलनात्मक राजनीति एक स्वतंत्र विषय के रूप में विकसित हुआ **— 1930 के दशक में।**

☞ आमंड के अनुसार किसी व्यवस्था की विशेषताएँ है- **— व्यापकता, परस्पर निर्भता, सीमाओं का अस्तित्व**

☞ डेविड ईस्टन, कार्ल ड्यूश गेबिल आमण्ड तथा लुसियन पाई में से किसने लक्ष्य परिवर्तन, प्रतिपुष्टि और अधिगम की संकल्पनाओं का उपयोग किया है? **— कार्ल ड्यूश ने।**

☞ सही सुमेलित हैं-

सकारात्मक प्रतिपुष्टि	–	**कार्ल ड्यूश**
अविकसित का विकास	–	**आन्द्रे गुन्डर फ्रैंक**
कुलीन-तंत्र का आधुनिकीकरण	–	**एडवर्ड शिल्स**
राष्ट्र-एक संगठित मानव समूह	–	**ओटेगा गेसेट**

☞ तुलनात्मक राजनीति में संस्कृति पर बल देना किस वर्ष प्रमुख बना? **— 1960 के दशक में**

☞ संस्थागत हित समूह, संघ का हित समूह, गैर संघ का हित समूह तथा अप्रतिमानित हित समूह में से किसके उपद्रव और प्रदर्शन का उदाहरण हैं? **— अप्रतिमानित समूह**

☞ किसने वैधता को ''उस सदस्य के पक्ष में दोष-सिद्ध करना कि सत्ता को स्वीकार करना और उसका पालन करना सही और उचित है।'' के रूप में परिभाषित किया है? **— डेविड ईस्टन ने**

☞ किसने निर्भरता को ''उपनिवेशी निर्भरता'', ''वित्तीय औद्योगिक निर्भरता'' और ''प्रौद्योगिक औद्योगिक निर्भरता'' में वगीकृत किया है? **— डोस सन्टोज़**

☞ ''क्रांति उत्पीड़ित और शोषित लोगों का उत्सव है'' यह कथन है **— लेनिन का।**

☞ वेबर की नौकरशाही की विशेषताएँ-
— व्यावसायिक योग्यताओं के आधार पर चयन, अनुबन्ध के आधार पर नियुक्ति, स्टाफ के सदस्य व्यक्तिगत रूप से स्वतंत्र होते हैं, कार्मिक पद छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं।

☞ भारत में खिलाफ़त आंदोलन का आरंभ सऊदी अरब, तुर्की, ईरान तथा इराक़ में से किस सुल्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हुआ? **— तुर्की के**

☞ उत्प्रेषण, निषेध, अधिकारपृच्छा तथा परमादेश में से कौन सी रिट अवर न्यायाधिकरण के लिए जारी की जाती हैं जिसने अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करने से मना किया है? **— परमादेश।**

☞ 16वीं लोकसभा का अल्पकालीन अध्यक्ष था **— कमलनाथ**

☞ सही सुमेलित है

— एस. खिलनानी-द आइडिया ऑफ इंडिया

रजनी कोठारी-द स्टेट अगेंस्ट डेमोक्रेसी : इन सर्च ऑफ ह्यूमन गर्वनैंस

आर.गुहा-इंडिया आफ्टर गांधी : द हिस्ट्री ऑफ द वर्ल्ड्स लॉरजेस्ट डेमोक्रेसी

अतुल कोहली-द सक्सेस ऑफ इंडियाज डेमोक्रेसी

☞ मॉरिश जोन्स, पॉल आर. ब्रास, रजनी कोठारी तथा के. मित्रा में से कौन ''कांग्रेस प्रणाली'' संकल्पना से संबद्ध है **— रजनी कोठारी**

☞ भारत में 'कालेजियम व्यवस्था' सर्वप्रथम लागू की गयी **— न्यायपालिका में**

☞ राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक आदेश, शिष्टता, नैतिकता, स्वायत्तता की मांग तथा न्यायालय की अवमानना में से कौन भारत के संविधान के अनुसार बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कम करने के लिए अर्ह नहीं है **— स्वायत्तता की मांग**

☞ अभिकथन (A): भारत में दलीय व्यवस्था के रूपांतरण से सरकार के दो स्तरों पर विशेष रूप से राज्य स्तर पर शक्ति का केन्द्रीकरण हुआ है।
तर्क (R): क्षेत्रीय दल शक्तियों के विकेन्द्रीकरण के प्रति कम इच्छुक हैं।
उत्तर — (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त को कालक्रमानुसार व्यवस्थित है — **सुकुमार सेन, एस.पी.सेन वर्मा, टी.एन. शेषन, जे.एम. लिंगदोह**

☞ भारत के अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष हैं-
— लोक सभा और राज्य विधान सभाओं में सीटों का आरक्षण, केन्द्र सरकार द्वारा कल्याण हेतु विशेष अनुदान देना है, सार्वजनिक सेवाओं और रोजगार में सीटों का आरक्षण, शिक्षा संस्थाओं में सीटों का आरक्षण

☞ विनिमय प्रणाली, लूट प्रणाली, कार्यालय विक्रय तथा संरक्षण प्रणाली में से कौन सा पूर्व प्रचलित योग्यता प्रणाली का विकल्प नहीं है? **— विनिमय प्रणाली।**

☞ विनियोग विधेयक, मांग विधेयक, मुद्रानीति विधेयक तथा वित्त विधेयक में से किसमें लोक सभा द्वारा स्वीकृत की जाने वाली सभी माँगे तथा संचित निधि प्रभार शामिल होते हैं? **— विनियोग विधेयक**

☞ भारत सरकार द्वारा राज्य भविष्य निधि के अधीन प्राप्त धन को जमा किया जाता है **— लोक लेखा (पब्लिक अकाउंट में)**

☞ मास्लो द्वारा प्रतिपादित मानवीय आवश्यकताओं के पदक्रम में कालक्रमानुसार व्यवस्थित हैं

— जैविक - सुरक्षा - सामाजिक - आत्मसम्मान - आत्म प्रत्यक्षीकरण

☞ किस रिपोर्ट की सिफारिश पर ब्रिटेन में योग्यता आधारित भर्ती प्रक्रिया अपनायी गयी? **— नार्थकोटे ट्रेवेल्यान रिपोर्ट**

☞ साम्यता और समावेशन, कानून का शासन, नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था तथा पारदर्शिता में से किसे नायेफ अल-रोधन ने अपनी पुस्तक 'सस्टेनेबल हिस्ट्री एण्ड डिग्निटी ऑफ मैन' में राष्ट्रीय सुशासन सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम मानदंड सम्मिलित नहीं किया? **— नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था**

☞ सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्तियों की जिम्मेदारी के संबंध में, जब एक अधिकारी विधिक कर्त्तव्य अनुपालन में असफल हो जाता है तो यह कहलाता है **— कृत्याकरण।**

☞ स्वीडन में ओम्बड्समैन कार्य कर सकता है
— न्यायपालिका के विरूद्ध कार्य कर सकता है, व्यक्तिगत शिकायतों पर कार्यवाही कर सकता है, स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्य कर सकता है।

☞ सही सुमेलित है-

अशोक मेहता समिति	-	**1978**
कराधान जाँच समिति	-	**1953-54**
स्थानीय वित्त जाँच समिति	-	**1949-51**
जी.वी.के. राव समिति	-	**1985**

☞ राजनीति के संदर्भ में शक्ति का अर्थ है, ''एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति के मस्तिष्क और क्रियाओं पर शक्ति'' यह कथन है**— हांस मोर्गेंथाउ**

☞ सही सुमेलित हैं-

संधियां/प्रस्ताव		वर्ष
एस.ए.एल.टी.-II (सामरिक शस्त्र परिसीमन वार्ता)	-	**1979**
पी.टी.बी.टी. (आंशिक परीक्षण प्रतिबंध संधि)	-	**1963**
शांति प्रस्ताव के लिए अणु	-	**1953**
आई.एन.एफ.ट्रीटी (मध्यवर्ती परमाणु संधि)	-	**1987**

☞ किस कारक ने शीत युद्ध के पश्चात् 'नव शिथिलता' के विकास में योगदान दिया?
— रीगन और गार्बाचोव द्वारा आई.एन.एफ.ट्रीटी(मध्यवर्ती परमाणु बल संधि) पर हस्ताक्षर

☞ **अभिकथन (A) :** उत्तर स्वतंत्रताकाल में भारत ने विदेश नीति के अंतर्गत गुट निरपेक्षता को चुना।
तर्क (R) : गुट निरपेक्ष आंदोलन स्वतंत्रता, समानता और संप्रभुता के लिए अभिकथन था।
— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R),(A) का सही स्पष्टीकरण है

☞ नव अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था के लिए पहली बार माँग कब की गई **— अल्जीअर्स शिखर सम्मेलन में**

☞ इनमें से कौन 'दुकानदारी कूटनीति' का लक्षण नहीं है
— यह केवल युद्ध द्वारा राष्ट्रीयहित की रक्षा का प्रयास करता है

☞ युद्ध विराम, आत्मघाती दस्तों के गठन को रोकना, संबंधों का अंतरण तथा युद्ध की सामाजिक संरचना में से कौन सकारात्मक शांति का अभिप्राय है **— संबंधों का अंतरण**

☞ ''राजनीतिक सिद्धांत सामान्य शब्दों में व्यक्तियों को सजगता के साथ समझने और उनके सामूहिक जीवन और संगठन की समस्याओं को हल करने का प्रयास है।'' यह कथन है- **— जी. एच. सेबाइन**

☞ किसने राजनीतिक दर्शन की 'मृत्यु' पर दु:ख प्रकट किया? **— रॉबर्ट डहल**

☞ नव-उदारवाद के संदर्भ में सही नहीं है- **— यह आर्थिक अहस्तक्षेप नीति के पूर्णतः नकार के रूप में उत्पन्न हुआ है।**

☞ उत्तरमार्क्सवाद के संदर्भ सत्य कथन है- **— श्रमिक वर्ग क्रांतिकारी आंदोलनों में विकसित नहीं हुआ है, आर्थिक वर्ग हित अपेक्षतया विचारधारा और राजनीति से स्वायत्त होता है, श्रमिक वर्ग समाजवाद में अपनी आधारभूत स्थिति को बनाए नहीं रख पाता।**

☞ सही सुमेलित हैं-

थॉमस पॉग	–	वैश्विक न्याय
माइकल वाल्जर	–	न्याय का समुदायपरक परिप्रेक्ष्य
सुजान मोलर ओकिन	–	न्याय की स्त्रीवादी संकल्पना
जॉन रॉल्स	–	वितरण योग्य न्याय

☞ 'लेनिन की पार्टी इस रूप में संरचित थी कि कुछ लोग अभिजात्य तथा बौद्धिक और नैतिक रूप से श्रेष्ठ होकर अल्पमत श्रमिक वर्ग का महत्त्वपूर्ण हिस्सा और कर्णधार बन सकें'' यह कथन है- **— जी.एच. सेबाइन का**

☞ दि रिपब्लिक, द स्टेट्समैन तथा द लॉज में से किसमें प्लेटो ने श्रेष्ठ परिषद (नोक्टुरनल कौंसिल) का उल्लेख किया है? **— दि लॉज में**

☞ सही सुमेलित है-

लेखक		पुस्तकें
विल्मूर केंडल	–	जॉन लॉक एंड द डॉक्ट्रिन ऑफ मेजारिटी-रुल
जे.डब्ल्यू. गॉफ	–	जॉन लॉक्स पोलिटिकल फिलास्फी
एम.डब्ल्यू. क्रांस्टन	–	जॉन लॉक, ए बायोग्राफी
रिचर्ड कॉक्स	–	लॉक ऑन पीस एंड वार

☞ 'विज्ञान निष्क्रिय जिज्ञासा का परिणाम है', 'दर्शन केवल बौद्धिक सजावट है', शिष्ट जीवन की सुख-सुविधाएं चमकीले रंगीन फीते हैं।' यह कथन है - **— जे.जे. रूसो का।**

☞ उत्पाद से अलगाव, श्रम कार्यों से अलगाव, प्रजातिमात्र से अन-अलगाव तथा व्यक्ति से व्यक्ति का अलगाव में से कौन मार्क्स के अलगाव के सिद्धांत के संदर्भ में सत्य नहीं है? **— प्रजातिमात्र से अन-अलगाव**

☞ आर.आर. दिवाकर, सी.एफ. एंड्रयूज, जी.एन. धवन तथा लुईफिशर में से किसका विचार है कि गांधी ने सत्याग्राह को नहीं बनाया बल्कि सत्याग्रह ने गांधी को महात्मा बना दिया? **— आर.आर. दिवाकर**

☞ जावा, यू.एस.ए., जर्मनी तथा मेक्सिको में से किस देश में नरेंद्रनाथ भट्टाचार्य मानवेंद्र नाथ रॉय के नाम से बस गए? **— मेक्सिको**

☞ ''जेल में भगवान उसके सामने प्रकट हुए, उसे गीता दी और उसको सनातम धर्म के सरल सत्यों का बोध कराया।'' यह कथन है- **— अरबिंद घोष का।**

☞ तुलनात्मक राजनीति किसका अध्ययन है- **— सब प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों का-सरकारी व गैर-सरकारी एवं समस्त राजनीतिक संघटनाओं का।**

☞ 'तुलनात्मक राजनीति' के अध्ययन में विभिन्न उपागमों की उत्पत्ति का सही क्रम है - **— दार्शनिक उपागम, व्यवहारवादी उपागम, व्यवस्था उपागम, नव संस्थात्मक उपागम**

☞ आगत कार्य सही अनुक्रम में व्यवस्थित है- **— राजनीतिक सामाजीकरण तथा भर्ती, हित अभिव्यक्तिकरण, हित सामूहीकरण तथा राजनीतिक संचार**

☞ मैक्स वैबर, टॉलकॉट पारसंस, डेविड ट्रूमैन तथा कार्ल ड्यूश में से किसने आमंड के संरचनात्मक प्रकार्यवाद को प्रभावित किया - **— मैक्स वैबर तथा हॉलकॉट पारसंस**

☞ भारत के उपराष्ट्रपति और अमरीका के उप-राष्ट्रपति के लिए सही हैं? **— दोनों उप-राष्ट्रपति चुने हुए हैं, दोनों अपने-अपने देशों के उच्च सदनों के अध्यक्ष हैं, दोनों उप-राष्ट्रपति अपने संबंधित देशों के सदनों के सदस्य नहीं हैं।**

☞ स्विस, अमेरीकी, भारतीय तथा फ्रेंच में से कौन-सी शासन प्रणाली शक्तिपृथक्करण के सिद्धांत की उपज और उत्तराधिकारी समझी जाती है? **— अमेरिकी।**

☞ रिग्स के अनुसार, समानता व क्षमता में संतुलन की कमी कहलाती है- **— विकास की फांस (फंदा)**

☞ अनुच्छेद 1, अनुच्छेद 2, अनुच्छेद 3, अनुच्छेद 4 में से किस अनुच्छेद के द्वारा संयुक्त राज्य संघ के संविधान में राष्ट्रपति को कार्यकारी शक्तियां दी गई हैं? **— अनुच्छेद 2**

☞ सही सुमेलित हैं-

सूची-I		सूची-II
दोनों सदनों की समान शक्तियां हैं	–	स्विट्जरलैंड
उच्च सदन निम्न सदन की अपेक्षा अधिक शक्ति संपन्न है।	–	अमेरिका
निम्न सदन उच्च सदन की तुलना में अधिक शक्ति संपन्न है	–	भारत
नेशनल असेंबली सरकार गिरा सकती है	–	फ्रांस

☞ पाकेट वीटो, संघीय विधायिका को राष्ट्रपति का संदेश, गुट प्रणाली

तथा कोष्ठ पद्धति (पिजियन-होल) - एक विधेयक आदि किस संवैधानिक प्रणाली के भाग हैं? **— अमेरिका की राजनैतिक प्रणाली के।**

☞ हेराल्ड विल्सन, एडवर्ड हीथ, जॉन मेजर तथा टॉनी ब्लेयर में से कौन-कौन पूर्व ब्रितानी प्रधानमंत्री लेबर पार्टी के हैं?

— हेराल्ड विल्सन तथा टॉनी ब्लेयर।

☞ अमरीका के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के न्यायाधीश अपने पद पर कब तक बने रहते हैं?

— मृत्यु होने अथवा त्यागपत्र देने अथवा कांग्रेस द्वारा हटाए जाने तक।

☞ किस संघीय न्यायालय को राज्य द्वारा अथवा संघ के संघटक एकक द्वारा पारित विधियों को तो अवैध घोषित करने का अधिकार है पर संघीय विधियों को नहीं?

— स्विस फेडरल ट्रिब्युनल को।

☞ **अभिकथन (A) :** ब्रिटेन की संसद संप्रभु है।

कारण (R) : इंग्लैंड की महारानी नाममात्र राज्य प्रमुख है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ ''यदि भारतीय एक होना चाहते हैं और एकसमान संस्कृति विकसित करना चाहते हैं तब यह समस्त भारतीयों का अनिवार्य कर्त्तव्य है कि हिंदी को अपनी भाषा के रूप में अपनाएं .... कोई भी भारतीय जो इस प्रस्ताव को नहीं मानता वह भारतीय कहलाने का अधिकारी नहीं है।'' यह कथन है- **— बी.आर. अंबेडकर**

☞ रजनी कोठारी, मोरिस जॉन्स, स्टैनले कोचनक एवं पॉल बार, ब्रॉस में से किसने भारतीय समाज को ''राजनीतिक दृष्टि से अराजनीतिक समाज'' बताया है? **— रजनी कोठारी ने**

☞ सही सुमेलित हैं-

राज्य		**मुख्यमंत्री-2014**
अरुणांचल प्रदेश	–	**नबाम तुकी**
मिजोरम	–	**लालथनहवला**
नगालैंड	–	**टी.आर. जेलियांग**
त्रिपुरा	–	**माणिक सरकार**

☞ सही सुमेलित हैं-

भारत के संविधान की विशेषता		**स्रोत**
न्यायिक पुनरीक्षण, मूल अधिकार	–	**अमेरिका**
एकल नागरिकता	–	**ब्रिटिश**
राज्य सभा के सदस्यों का नामांकन	–	**आयरिश**
अवशिष्ट शक्तियां	–	**कनाडा**

☞ किस अधिनियम में प्रांतीय विषयों को हस्तांतरित और आरक्षित विषयों में विभाजित किया गया था?

— मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड रिफार्म एक्ट, 1919

☞ जयप्रकाश नारायण, रजनी कोठारी, मोरिस जॉन्स और जेंस मैनोर में से किसने भारतीय राजनीति में 'संतपरक मुहावरे' (सेंटली इडियम) का विचार दिया है? **— मोरिस जॉन्स**

☞ घटनाओं का सही काल क्रम में व्यवस्थित है-

— राज्य के रूप में महाराष्ट्र की स्थापना - भारत की कम्यूनिष्ट पार्टी का विभाजन - गुजरात का नवनिर्माण आंदोलन - जनता पार्टी की स्थापना

☞ रामचंद्र गुहा, रजनी कोठारी, पार्थ चटर्जी एवं टी.के. ओमन में से किसने सामाजिक आंदोलन को ''गैर-पार्टी राजनीतिक गठन'' के रूप में बताया है? **— रजनी कोठारी**

☞ घटनाओं का सही कालक्रम है-

— सर्वोदय आंदोलन - नक्सली आंदोलन - चिपको आंदोलन- नर्मदा बचाओ आंदोलन

☞ निर्भया मामले के बाद गठित न्यायमूर्ति जे.एस.वर्मा समिति में न्यायमूर्ति फातिमा बीबी, न्यायमूर्ति लीला सेठ, न्यायमूर्ति ज्ञानसुधा मिश्रा तथा न्यायमूर्ति जी रोहिणी में से कौन सदस्य था-

— न्यायमूर्ति लीला सेठ

☞ भारत के निर्वाचन आयोग का कार्य है-

— संसद, राज्य विधानमंडल, राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति का चुनाव करवाना, निर्वाचक नामावली तैयार करना, मतों की गणना और परिणामों की घोषणा।

☞ भारत में राष्ट्रीय अखंडता दिवस किस तिथि को मनाया जाता है?

— 19 नवंबर को।

☞ सही सुमेलित है-

संसदीय समिति		**सदस्यों की संख्या**
लोक लेखा समिति	–	**22 सदस्य**
प्राक्कलन समिति	–	**30 सदस्य**
विभाग से संबंधित स्थायी संसदीय समिति	–	**45 सदस्य**
लोकसभा की व्यवस्था समिति	–	**15 सदस्य**

☞ **अभिकथन (A) :** मुकमदें पर निर्णय लेते समय न्यायालय नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का पालन करते हैं।

कारण (R) : न्याय किया ही नहीं जाना चाहिए अपितु यह प्रतीत भी होना चाहिए कि वह स्पष्ट और असंदिग्ध है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ यथास्थितिवाद, स्थायित्व, विकास सिद्धांत तथा मूल्य अभिविन्यास में से किससे लोक प्रशासन के विकास में उत्तर 1970 का चरण अभिलक्षित है **— मूल अभिविन्यास।**

☞ मूने का यह कथन 'उच्च प्राधिकारी द्वारा विशिष्ट प्राधिकार प्रदान करना, शक्ति विभाजन, उत्तरदायित्व, प्रदाता अधिकारी तथा प्रत्यायोजन में किस संदर्भ में था? **— प्रत्यायोजन**

☞ आर्थिक, प्रशासनिक, राजनीतिक तथा संप्रेषणात्मक में से कौन-सा फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स द्वारा प्रस्तुत किसी समाज की प्रकार्यात्मक आवश्यकताओं की सूची में नहीं था? **— प्रशासनिक**

☞ हर्बर्ट साइमन द्वारा दी गई निर्णय लेने की प्रक्रिया में बौद्धिक अभिक्रिया, अनुमान अभिक्रिया, चयन अभिक्रिया तथा प्रारूप अभिक्रिया में से कौन-सा चरण नहीं है? **— अनुमान अभिक्रिया**

☞ शोषणपरक प्राधिकारिक, उपकारिक प्राधिकारिक, सहयोगी प्राधिकारिक तथा सहभागी में से कौन लिकर्ट के अनुसार नेतृत्व का एक प्रकार नहीं है? **— सहयोगी प्राधिकारिक।**

☞ **अभिकथन (A) :** वैध होना तथा लोक प्रशासन विज्ञान का भाग होना, अमरीकी सांस्कृतिक संदर्भ में विकसित परिकल्पना को अन्तःसांस्कृतिक संरचना में परखा जाना चाहिए।

कारण (R) : तुलनात्मक अध्ययन ने राजनीति और लोक प्रशासन को निकट ला दिया है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ ब्रिटेन की समिति का क्या नाम है जो करों (राजस्व भाग) और मांग विधेयक को देखती है? **— साधन एवं उपाय समिति।**

☞ सही सुमेलित है-

पुस्तकें		लेखक
द एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट	–	**ड्वाइट वाल्डो**
द आर्ट ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन	–	**आर्डवे टीड**
पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	–	**पिफनर एंड प्रेस्थस**
ऑर्गेनाइजेशन एंड मैनेजमेंट	–	**सेकलर-हडसन**

☞ किसके प्रभावकारी वित्तीय नियंत्रण के लिए 'रूल ऑफ लेप्स' आवश्यक है? **— संसद**

☞ भारत के सरकारी मंत्रालयों में 'डेस्क ऑफिसर सिस्टम' के लाभ थे-

— मामलों का त्वरित निपटारा, व्यय की न्यूनता, गुणात्मक सुधार

☞ पॉल ए. एप्पलबी की संस्तुतियों के आधार पर भारत में कौन-सा संस्थान स्थापित किया गया?

— भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

☞ निष्पादन बजट बनाने के चरणों का सही क्रम है-

— उद्देश्य - विश्लेषण - वर्गीकरण - मूल्यांकन

☞ केंद्र और राज्यों के लिए भारत में लोक सेवा आयोग संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत बनाए जाते हैं? **— अनुच्छेद 315**

☞ थुंगन समिति द्वारा पंचायतीराज के लिए निम्नलिखित में से किसकी सिफारिश नहीं की गई थी?

— त्रिवर्षीय कार्यकाल

☞ सही सुमेलित है-

(कथन)	(विद्वान)
''रहने की इच्छा तथा शक्ति की इच्छा के मध्य गहरी रेखा खींचने की कोई संभावना नहीं है''	– **रिनोल्ड निबुर**
''अपने साररूप में शक्ति एक अविभाज्य समग्र है''	– **ई.एच.कार**
''सैन्य कारणों से एक राज्य को आर्थिक रूप से स्व-सक्षम होना चाहिए''	– **हाऊशोफर**
''समय एवं प्रदेश में शक्ति के लिए संघर्ष सार्वभौमिक हैं तथा निर्विवाद आनुभविक तथ्य है''	– **हंस मोरगेंथाऊ**

☞ घटनाओं का सही कालक्रम है-

— चर्चिल का फुल्टन भाषण- दक्षिण पूर्व एशियाई नाभिकीय अस्त्र मुक्त क्षेत्र सृजन हेतु एक संधि, अफ्रीकी संघ का प्रारंभ, दक्षिण सूडान को एक संप्रभु राज्य तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ के 193वें सदस्य के रूप में मान्यता।

☞ यथार्थवाद के बारे में सत्य है

— थ्यूसिडाइटड्स को प्रथम शास्त्रीय यथार्थवादी कहा जाता है, शक्ति अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की कुंजी है, राज्यों का मुख्य लक्ष्य अस्तित्व स्थापन है।

☞ किसने गुटनिरपेक्षता को ''गठबंधनों से पृथक रखने की नीति'' के रूप में परिभाषित किया? **— जार्ज श्वाजर्नबर्गर**

☞ उत्तरी अमरीका स्वतंत्र व्यापार संधि 1994 (नाफ्टा) में सम्मिलित है-

— यू.एस.ए., कनाडा तथा मैक्सिको

☞ हंस मारगेंथाऊ, केनेथ वाल्ट्ज, थ्यूसिडाइड्स तथा ई.एच.कार में से कौन यथार्थवादी चिंतक 'राजनीति के तीन चित्रों' की खोज करता है?

— केनेथ वाल्ट्ज

☞ दक्षिण-दक्षिण सहयोग के संबंध में सत्य कथन है

— दक्षिण-दक्षिण सहयोग उत्तर दक्षिण सहायताकस एक विकल्प है, यह व्यापार, सेवा तथा तकनीकी के क्षेत्र में सहकारी परस्पर लाभकरी अभिक्रियाओं को इंगित करता है, संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा ने 19 दिसंबर को दक्षिण-दक्षिण सहयोग हेतु वार्षिक संयुक्त राष्ट्र दिवस घोषित किया।

☞ ऑपरेशन एनड्यूरिंग फ्रीडम 2001 संबंधित है-

— अफगानिस्तान से तालिबान साम्राज्य का हटाया जाना।

☞ बांग्लादेश, भारत, थाईलैंड तथा चीन में से कौन एक देश 'बिम्सटेक' जो 1997 में प्रारंभ हुआ था, का सदस्य नहीं है? **— चीन**

☞ किस रिपोर्ट ने संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार की प्रक्रिया को उद्वेलित किया-

— महासचिव बुतरोस बुतरोस घाली की 'एन एजेंडा फॉर पीस' शीर्षक से 1992 की रिपोर्ट

☞ किस रिपोर्ट में अन्यायपूर्ण विश्व व्यापार साम्राज्य को वैश्विक असमानता वृद्धि हेतु कारण उद्धत किया गया है?

— मानव विकास रिपोर्ट (HDR) 2005 में

☞ सही सुमेलित है-

(लेखक)		(पुस्तकें)
वाल्डन बेलो	–	**डीग्लोबलाइजेशन : आइडियास फॉर ए न्यू इकोनॉमी**
जगदीश भगवती	–	**इन डिफेंस ऑफ ग्लोबलाइजेशन**
डी. हेल्ड	–	**ए ग्लेबलाइजिंग वर्ल्ड कल्चर, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स**
जोसेफ ई. स्टीग्लीज	–	**ग्लोबलाइजेशन एंड इट्स डिस्कंटेंट्स**

☞ संयुक्त राष्ट्र संघ, एमनेस्टी इंटरनेशनल, अरब लीग एवं अफ्रीकन यूनियन में से कौन एक अन्तर्सरकारी संगठन नहीं है?

— एमनेस्टी इंटरनेशनल

☞ कौटिल्य के लिए, ''रूपदर्शक'' की अवधारणा का अर्थ है?
– सिक्कों का निरीक्षक

☞ हेराक्लीट्स, पारमेनीडीज तथा सुकरात में से किनके विचारों को प्लेटो ने लिया था? **– सभी तीनों के**

☞ प्लेटो, हॉब्स, टी.एच. ग्रीन तथा रूसो में से किसका विचार है कि ''समस्त अस्तित्व एकदम गतिशील पदार्थ है?'' **– हॉब्स**

☞ रूसो ने अकेडमी ऑफ डिजोन द्वारा वर्ष 1749 में प्रायोजित निबंध प्रतियोगिता में इस विषय पर पुरस्कार पाया था **– क्याविज्ञान और कला में प्रगति ने आचार को भ्रष्ट या शुद्ध करने में योगदान दिया है?**

☞ **अभिकथन (A)** : प्लेटो के लिए, ज्ञान न तो प्रत्यक्ष ज्ञान है न ही राय है।
कारण (R) : सही मत (या राय) ज्ञान है।
– (A) सत्य है और (R) असत्य है

☞ मार्क्स की द्वंद्वात्मक पद्धति के नियम इन्हें समाविष्ट नहीं करते हैं
– द्वंद्वात्मक पद्धति अपने प्रचालन को केवल भूतकाल की समझ तक सीमित करती है

☞ मार्क्स, लेनिन, स्टालिन तथा माओ में से किसने यह कहा है कि ''लेनिनवाद साम्राज्यवाद के युग का और श्रमजीवी क्रांति का मार्क्सवाद है'' **– स्टालिन**

☞ नियमितताएं, तकनीकें, मात्रीकरण तथा सत्यापन डेविड ईस्टन के द्वारा समर्थित व्यवहारवाद के इन सिद्धांतों का सही अनुक्रम है-
– नियमितताएं-सत्यापन-तकनीकें-मात्रीकरण

☞ केपटाउन, जोहान्सबर्ग, सोवेटो तथा प्रिटोरिया में से किस स्थान पर दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी ने पहली बार जन विद्रोह को संगठित किया था? **– जोहान्सबर्ग में**

☞ सुमेलित हैं–

चार्ल्स ई. मरियम	न्यू एस्पेक्टस ऑफ पोलिटिक्स
हैंज यूलां	दी बिहैवियरल परसुऐशन इन पोलिटिक्स
लियो स्ट्रॉस	व्हाट इज़ पोलिटिकल फिलोसोफी एंड अडर स्टडीज
डी. ट्रूमैन	दी गवर्नमेंटल प्रोसेस

☞ किस दार्शनिक को सामान्यतया दार्शनिक उपागम का संस्थापक समझा जाता है **– प्लेटो एवं अरस्तू**

☞ स्टॉफ एंड लाइन, निर्वैयक्तिकता, पदानुक्रम तथा अनौपचारिक संगठन में से कौन वेबर के आदर्श नौकरशाही की विशेषताएं हैं?
– निर्वैयक्तिकता तथा पदानुक्रम

☞ राजनीतिक संस्कृतियों के बारे में आलमंड तथा वेर्बा के वर्गीकरण में नहीं आता है **– आनुभविक उन्मुखीकरण**

☞ **अभिकथन (A)** : पराश्रितता, अर्थव्यवस्थाओं, वो जो दूसरों को प्रभावित करती हैं और वो जो दूसरों द्वारा प्रभावित होती हैं, के समूहों के बीच एक प्रकार का संबंध है।
कारण (R) : पराश्रितता अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था के मूल भाग परिधीय संबंध पर निर्भर करती है **– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।**

☞ ''राज्य मानवीय गतिविधि है जो प्रदत्त क्षेत्र के साथ भौतिक बल के वैध उपयोग के एकाधिकार का सफलतापूर्वक दावा करता है।'' यह कथन है **– मैक्स वेबर का**

☞ सरकार का अध्ययन, संस्थाओं का अध्ययन, संविधान की तुलना तथा आनुभविक जांच पड़ताल में से किसकी तुलनात्मक राजनीति के पारंपरिक उपागमों में उपेक्षा की गई है
– आनुभविक जांच पड़ताल की

☞ सही सुमेलित हैं–

निर्वाचन व्यवस्था		**देश**
फर्स्ट पास्ट दी पोस्ट सिस्टम	–	**भारत**
टू राउंड्स ऑफ सिस्टम	–	**मिस्त्र**
लिस्ट सिस्टम	–	**ब्राजील**
सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम	–	**आयरलैंड**

☞ सही सुमेलित हैं–

पुस्तक		**लेखक**
इंट्रेस्ट ग्रुप्स इन अमेरिकन	–	एच. जिगलर
इंट्रेस्ट ग्रुप्स ऑफ फोर कॉटीनेंट्स	–	एच. डब्ल्यू. अरहमान
अनोनिमस एंपायर	–	सैम्यूल फाइनर
ह्यूमेन नेचर इन पोलिटिक्स	–	ग्राहम वालस

☞ राजनीतिक दार्शनिक उपागम, संस्थानिक उपागम, व्यवहारपरक उपागम तथा कानूनी उपागम में से कौन-सा एक उपागम अन्य के साथ-साथ लोकमत और लोगों के राजनीतिक विकल्पों का अध्ययन करता है-
– व्यवहारपरक उपागम

☞ सही सुमेलित हैं–

राजनीतिक संस्कृति		**देश**
समरूप संस्कृतियां	–	**यू.के.**
अभिजातवर्ग जन संस्कृति	–	**भारत**
सब्जेक्ट राजनीतिक संस्कृति	–	**चीन**
संकीर्ण संस्कृति	–	**यूगांडा**

☞ सही सुमेलित है–

राष्ट्रपति		उप-राष्ट्रपति
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	–	डॉ. एस. राधाकृष्णन
डॉ. जाकिर हुसैन	–	वी.वी. गिरि
डॉ. एस. राधाकृष्णन	–	डॉ. जाकिर हुसैन
संजीव रेड्डी	–	वी.डी. जत्ती

☞ राज्य में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की संख्या के संबंध में संविधान द्वारा निर्धारित प्रतिशत क्या है? **– 15%**

☞ पी.के. थुंगन समिति, दिलीप सिंह भूरिया समिति, सादिक अली समिति तथा डूमर लाल बैथा समिति में से कौन एक मुख्यतः जनजातीय क्षेत्रों में पंचायती राज से संबंधित है? **– दिलीप सिंह भूरिया समिति**

☞ भारत के संविधान में दी गई रिटो का सही क्रम है-

—हैबिअस कॉपर्स (बंदी प्रत्यक्षीकरण)
मैंडेमस (परमादेश)
निषेध
सर्टिऑरेरी (उत्प्रेषण)
क्वो वारेंटो (किस अधिकार से?)

☞ सही क्रम हैं-

क्रिप्स मिशन	–	1942
मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड	–	1919
साइमन कमीशन	–	1927
मोरले-मिंटो सुधार	–	1909

—मोरले-मिंटो सुधार (1909), मोंटेग्यू चेंम्सफोर्ड रिपोर्ट (1919), साइमन कमीशन (1927), क्रिप्स मिशन (1942)।

☞ सुमेलित है-

पार्टी		लक्षण
इंडियन नेशनल कांग्रेस	–	अंब्रेला पार्टी
तेलुगु देशम पार्टी	–	क्षेत्रीय पार्टी
केरल कांग्रेस	–	राज्य पार्टी
भारतीय साम्यवादी पार्टी (मार्क्सवादी)	–	राष्ट्रीय पार्टी

☞ कांग्रेस द्वारा किसकी ''अपर्याप्त, असंतोषजनक और निराशाजनक'' मानकर निंदा की गई थी **– मोटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट, 1918**

☞ **अभिकथन (A)** : संघात्मक व्यवस्थापन का लक्ष्य एकता और राजनीतिक संस्कृतियों तथा पहचानों की विविधता के साथ स्वतंत्रता का प्रभावशील सामूहिक कार्रवाई के साथ सामंजस्य करना है।

कारण (R) : भारत ने राष्ट्र निर्माण के बहुलवादी प्रारूप को चुना

– (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ **अभिकथन (A)** : भारतीय संविधान के काफी प्रावधान भारत सरकार अधिनियम, 1935 से अपनाए गए थे।

कारण (R) : कांग्रेस पार्टी ने भारत सरकार अधिनियम, 1935 को संविधान के आधार के रूप में अपनाने का प्रस्ताव पारित किया था

– (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है

☞ सही सुमेलित हैं–

अनुच्छेद		प्रावधान
359	–	मौलिक अधिकारों का स्थगन
312	–	अखिल भारतीय सेवाएं
280	–	वित्त आयोग
360	–	वित्तीय आपातकालीन स्थिति

☞ किसने लोक प्रशासन की अठारह परिभाषाएं प्रतिपादित की और उन्हें राजनीतिक, कानूनी, व्यावसायिक तथा प्रबंधकीय के चार वर्गों में रखा है? **– शैफरिट्ज़ एवं रसल**

☞ हेनरी फेयोल, हर्बर्ट साइमन, पाल एच. एप्पलबी तथा जॉन गॉस, में से किसने सार्वजनिक तथा निजी प्रशासन के बीच अंतर नहीं किया है? **– हेनरी फेयोल ने**

☞ सही कालानुक्रमिक अनुक्रम है-

— ए.डी. गोरवाला रिपोर्ट, पॉल एच. एप्पलबी रिपोर्ट, संथानम समिति की रिपोर्ट तथा प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट

☞ अनुभव द्वारा अर्जित गुण, उत्तराधिकार से प्राप्त गुण, अधिदैविक गुण तथा अतिमानवीय गुण में से किसका संकेत करने के लिए मैक्स वेबर ने ग्रीक शब्द 'करिज्मा' का उपयोग किया है? **– अधिदैविक गुण तथा अतिमानवीय गुण**

☞ कार्य, बजटन, प्रक्रिया तथा सेवार्थी वर्ग में से संगठन का आधार कौन सा नहीं है **– बजटन**

☞ भारत के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

– कानूनी अनुमति को छोड़कर अन्य के द्वारा कर लगाया जा सकता है।

☞ सही सुमेलित है–

सोपानिकी (या पदानुक्रम)	–	सोपान प्रक्रिया
लोक प्रशासन पर रिपोर्ट (1951)	–	ए.डी. गोरवाला
भारतीय सिविल सेवा में प्रारंभिक छंटाई परीक्षा	–	डॉ. के.एस. कोठारी
सहायक एजेंसी	–	हाऊस कीपिंग

☞ राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में से कौन भारत में लोकायुक्त संस्था स्थापित करने वाला पहला राज्य है- **– महाराष्ट्र**

☞ **अभिकथन (A)** : स्पॉयल्स सिस्टम के अंतर्गत, चुनाव में जीती पार्टी के सदस्यों को सार्वजनिक पद वितरित किए जाते हैं।

कारण (R) : सार्वजनिक पदों को विजेताओं द्वारा आनंद लेने वाला स्पॉयल्स समझा जाता है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ सही सुमेलित हैं–

लेखक		पुस्तक
ई.एच. कार	–	**दी ट्वेंटी इयर क्राइसिस**
आर. क्योहान	–	**निओरिएलिज्म एंड इट्स क्रिटिक्स**
जे. मरशीमियर	–	**दी ट्रैजेडी ऑफ ग्रेट पावर पोलिटिक्स**
एफ. जकारिया	–	**फ्रोम वैल्थ टू पावर**

☞ **अभिकथन (A)** : वैश्वीकरण बहुआयामी प्रक्रिया है

कारण (R) : आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वैश्वीकरण इसमें समाविष्ट है

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ जब दो लड़ाकू (योद्धा) अपने चरित्र में और तुलनात्मक सामरिक लाभ के अपने क्षेत्र में इतने भिन्न हैं कि उनके बीच मुकाबला एक पक्ष की योग्यता को, दूसरे पक्ष को अपनी खुद की शर्तों पर लड़ने के लिए विवश करने लगता है, इस युद्ध के प्रकार का नाम बताइए

– असममित युद्ध

☞ गोल्डिंग रिपोर्ट, गोल्डस्टोन रिपोर्ट, गोल्डमैन सारा रिपोर्ट तथा गाजा रिपोर्ट में से कौन गाजा संघर्ष 2009 रिपोर्ट पर यू.एन. तथ्य खोजी मिशन का नाम था **– गोल्डस्टोन रिपोर्ट**

☞ यू.एन. सुरक्षा परिषद् किस अध्याय और अनुच्छेद के अंतर्गत, अंतर्राष्ट्रीय शांति के लिए खतरा देखने पर, वाद-विवाद का शर्तों के अंतर्गत शांतिपूर्वक निबटारा करने के लिए सर्वप्रथम तरीकों की खोज करती है? **– अध्याय VI, अनुच्छेद 33**

☞ अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधुनिक संस्थान विशेषताएं हैं-

— सहमति और कानूनी दायित्व, भाषा और औचित्य का प्रयोग, संस्थानिक स्वायत्तता की वार्ता

☞ कोपेनहेगन, COP 15 के रूप में सुप्रसिद्ध संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का संबंध किस मुद्दे से है? **– जलवायु परिवर्तन**

☞ सही सुमेलित हैं–

क्षेत्रीय संगठन		स्थापना वर्ष
ऑर्गेनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स (ओ ए एस)	–	**1948**
नोर्थ अटलांटिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (नाफ्टा/एन ए एफ टी ए)	–	**1994**
अरब मघरेब यूनियन (ए एम यू)	–	**1989**
साऊथ ईस्ट एशियन ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (सीटो/एस इ ए टी ओ)	–	**1954**

☞ **अभिकथन (A)** : भारत दक्षिण एशिया में सकारात्मक असमरूपता का अनुसरण कर रहा है।

कारण (R) : भारत को चीन-पाकिस्तान एकजुटता द्वारा सामरिक रूप से निरोधित रखा जा रहा है

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ अहमद रशीद, आऐशा जलाल, आऐशा सिद्दी का अदा तथा स्टीफन कोहेन में से कौन ''पाकिस्तान'स आर्म्स प्रोक्योरमेंट एंड मिलिटरी बिल्डअप 1979-99 : इन सर्च ऑफ पॉलिसी'' नामक पुस्तक के लेखक हैं **– आऐशा सिद्दीका अदा**

NET/JRF June, 2014 (Paper III)

☞ लीकॉक, गार्नर, प्लामेनॉट्ज़ तथा बर्लिन में से किसने राजनीतिक सिद्धांत को सरकार के उद्देश्य के बारे में व्यवस्थित सोच के रूप में परिभाषित किया है? **– प्लामेनाट्ज़**

☞ ''दी फिलोसोफी ऑफ जे.एस.मिल'' नामक पुस्तक के लेखक हैं **– आर.पी. आंसचुट्ज़**

☞ 'सावित्री' के लेखक हैं **– अरबिंद**

☞ ''एक बार प्रभु को प्रवेश करने दिया जाता है, तो मानव की संप्रभुता का अंत हो जाता है।'' यह कथन है **– एम.एन. रॉय**

☞ किसने कहा है ''आदमी वही होता है जो वह खाता है'' **– फ्यूरबाक**

☞ हॉब्स, लॉक, रूसो तथा बेंथम में से कौन मूल्य के श्रम सिद्धांत का प्रतिपादक है? **– लॉक**

☞ डिसकोर्सेस, दी गोल्डेन आस तथा दी आर्ट ऑफ वार में से कौन मैकियावेली का लेख है **– उपरोक्त तीनों**

☞ सुमेलित हैं–

(चिंतक)		(प्रमुख अवधारणा)
बेट्ज	–	वैश्विक न्याय पर
गोथियर	–	पारस्परिक लाभ के रूप में न्याय
ड्वोरकिन	–	इक्वेलिटी पर
नॉज़िक	–	न्याय का हकदारी सिद्धांत

☞ प्लेटो ने अनंत वास्तविकता की प्रकृति का अपना सिद्धांत विकसित किया और दी रिपब्लिक, दी पॉलिटिक्स दी लॉज तथा दी टीमाओस में से किसमें वास्तविक विश्व को स्पष्ट किया? **– दी टिमाओस**

☞ **अभिकथन (A) :** राल्स के लिए अधिकार अच्छे से पूर्व की स्थिति है

कारण (R) : कुछ के लिए स्वतंत्रता की हानि को दूसरों के बीच बांटे वृहद उत्तम द्वारा अधिकार बना लिया जाता है– **(A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।**

☞ लेनिन के लेखों के सही आरोही क्रम हैं–

— दी वार एंड दी सेकंड इंटरनेशनल, दी स्टेट एंड रेवोल्यूशन, दी प्रोलिटेरियन एंड रेनगेड रेवोल्यूशन कोटस्की, लेफ्ट विंग कम्यूनिज्म

☞ माओ की सुप्रसिद्ध उक्तियों में कौन-सा समाविष्ट नहीं है

– राजनीति खून-खराबे के बगैर युद्ध है

☞ दी ओरियन, आर्कटिक होम इन वेदास, गीता रहस्य तथा लाइफ डिवाइन में से कौन तिलक द्वारा लिखी गयी पुस्तक नहीं है?

– लाइफ डिवाइन

☞ राज्य और क्रांति के बारे में मार्क्स का सिद्धांत किससे लिया गया है?

– फ्रांसीसी क्रांतिकारी परंपरा से

☞ अरस्तू ने फैलिस, हिप्पोडैमस तथा प्लेटो में से किसके द्वारा प्रदर्शित आदर्श राज्यों के समीक्षात्मक अध्ययन के प्रति अपने को अर्पित किया

– सभी तीनों के

☞ **अभिकथन (A) :** लूसियन डब्ल्यू पाई के अनुसार, समानता, क्षमता और विभेदीकरण राजनीतिक विकास की विशेषताएं हैं।

कारण (R) : राज्य को इन पहलुओं को सुदृढ़ करने की चेष्टा करनी चाहिए **– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।**

☞ पारंपरिक समाज में समाजीकरण की प्रक्रिया है

– विसरित, विशिष्टतावादी तथा आरोपणीय

☞ हिंसा, सामाजिक संरचना, संपत्ति तथा ज्ञान में से किसकी चर्चा एलविन टाफलर ने अपनी पुस्तक 'पावरशिफ्ट' में शक्ति के प्रकारों में नहीं की है- **– सामाजिक संरचना**

☞ सुमेलित है-

आधुनिकीकरण का संप्रदाय		**लेखक**
संरचनात्मक संप्रदाय	–	जी.ए. आलमंड
मानकी संप्रदाय	–	महात्मा गांधी
प्रौद्योगिकीय संप्रदाय	–	डेविड एप्टर
मनोवैज्ञानिक संप्रदाय	–	डेनियल लर्नर

☞ अमेरिका, फ्रांस तथा भारत में से किस देश के राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति तीसरे सत्र के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं?

– अमेरिका के राष्ट्रपति

☞ यू.एस.ए., पश्चिम जर्मनी, मैक्सिको तथा ग्रेट ब्रिटेन में से कौन- सा देश आलमंड एवं वर्बा के अनुसार नागरिक संस्कृति के बारे में उनकी अवधारणा के सबसे समीप हैं? **– ग्रेट ब्रिटेन**

☞ यू.एस.ए., स्विट्जरलैंड, यू.के. तथा भारत में से कहां पदोन्नति के लिए योग्यता निर्धारित करने की ''दक्षता रिकॉर्ड'' पद्धति प्रयोग में लाई जाती है **–यू.एस.ए.**

☞ देशों में जज को लोग निर्वाचित करते हैं? **– यू.एसए. तथा स्विट्जरलैंड**

☞ किन देशों में न्यायालयों को न्यायिक पुनरावलोकन का अधिकार नहीं है

– यू.के. तथा फ्रांस में

☞ ''संघवाद पुराना (या लुप्त प्राय) है; यह अपने प्रभाव में अनिवार्य तौर पर नकारात्मक है। यह सकारात्मक कार्रवाई के लिए उपयुक्त नहीं है, कार्य के प्रतिलिपिकरण के कारण वित्तीय रूप से महंगा है।'' यह कथन है **– एच.जे. लास्की का**

☞ मैक्स वेबर, टालकोट पार्सन, एस.एन. आइजनस्टाड तथा वाल्ट डब्ल्यू. रोस्टोव में से किसने दावे के साथ कहा है कि 'आधुनिकीकरण को, अत्यधिक विभेदित राजनीतिक संरचना और राजनीतिक शक्ति और सत्ता के समाज के सभी क्षेत्रों में वितरण के साथ संबंधित किया जा सकता है?' **– एस.एन. आइजनस्टाड**

☞ संवैधानिक सरकार के संदर्भ में सत्य कथन है-

— वह सीमित सरकार का रूप है, जहां सत्ता संविधान से ली गई है, जहां सत्ता संविधान और कानून शक्ति के प्रयोग को सीमित करते हैं

☞ राबर्ट माइकल्स, सी. राइट मिल्स, विलफ्रेड पैरेटो तथा बर्हम में से किस चिंतक ने ''शेरों'' और ''लोमड़ियों'' की अवधारणा दी है-

– विलफ्रेड पैरेटो

☞ **अभिकथन (A)** : आज सरकार का संसदीय रूप विश्व भर में सर्वाधिक स्वीकार्य प्रणाली है

कारण (R) : संसदीय प्रणाली में मंत्रीगण विधान मंडल से अपनी लोकतांत्रिक वैधता प्राप्त करते हैं और उसी को जवाबदेय होते हैं

– (A) और (R) दोनो सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ संथानम समिति, तारकुंडे समिति, इंद्रजीत गुप्ता समिति तथा दिनेश गोस्वामी समिति में से कौन भारत में निर्वाचन संबंधी सुधार के साथ संबंधित नहीं है- **– संथानम समिति**

☞ रजनी कोठारी, पॉल आर. ब्रास, एम.एन. श्रीनिवास तथा लॉयड आई. रुडोल्फ में से किसने 'प्रभुत्व जाति' का विचार दिया है?

– एम.एन. श्रीनिवास

☞ भारत के राज्यों बिहार, केरल, कर्नाटक तथा उत्तर प्रदेश में से 2013 तक किसने स्थानीय सरकारों के लिए ओम्बुड्समैन की संस्थापना की है? **– केरल**

☞ ''फैक्शनल पोलिटिक्स इन एन इंडियन स्टेट'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं- **– पॉल आर. ब्रॉस**

☞ सुमेलित है–

राजनीतिक दल		**नेता**
तेलंगाना राष्ट्रीय समिति	–	चंद्रशेखर राव
पिपल्स डैमोक्रेटिक पार्टी	–	महबूबा मुफ्ती
भारतीय जनता पार्टी	–	कल्याण सिंह

☞ किस वाद में, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि मौलिक अधिकार और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत दोनों समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं और एक को दूसरे के लिए त्याग नहीं किया जा सकता है?

– मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ वाद में

☞ रिपोर्टों का सही क्रम है **–राजमन्नार समिति रिपोर्ट, आनंदपुर साहिब प्रस्ताव, पश्चिम बंगाल सरकार ज्ञापन, सरकारिया आयोग रिपोर्ट**

☞ सुमेलित हैं–

उप-प्रधान मंत्री		**सरकार**
मोरारजी देसाई	–	कांग्रेस
जगजीवन राम	–	जनता पार्टी
देवीलाल	–	यूनाइटेड फ्रंट
एल.के. आडवाणी	–	नेशनल डेमोक्रेटिक अलायस

☞ फजल अली, एच.एन. कुंजरु, वी.पी. मेनन, के.एन. पणिकर में से कौन राज्य पुनर्गठन आयोग, 1953 का सदस्य नहीं था? – वी.पी. मेनन

☞ राज्यपाल को मुख्यमंत्री को निलंबित करने का अधिकार होता है। इस संदर्भ में दिए गए युग्म सही सुमेलित हैं–

गवर्नर		**मुख्यमंत्री बर्खास्त**
धर्मवीर	–	अजय मुखर्जी
गोपाल रेड्डी	–	चरण सिंह
रोमेश भंडारी	–	कल्याण सिंह

☞ सर्वोच्च न्यायालय ने किस वाद में यह निर्णय किया कि मंत्रिमंडल में सदन के विश्वास का स्वयं सदन के पटल पर परीक्षण करना चाहिए? **– एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ**

☞ ''संविधान के भिन्न भाग एक दूसरे पर क्रिया और प्रतिक्रिया करेंगे और (सर्वोच्च) न्यायालय को ऐसी स्थिति से उपन्न होने वाले प्रश्नों का निर्णय करना होगा.....अपने कर्तव्यों को पूरा करते हुए करना होगा जैसा कि शायद किसी अन्य न्यायालय को अभी तक करने के लिए नहीं कहा गया है।'' यह कथन है **– न्यायाधीश हीरालाल कानिया**

☞ भारत में किसे जाति, प्रजाति या जनजाति अथवा जाति में समूह या जाति के किसी हिस्से को राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में अनुसूचित जाति घोषित करने का अधिकार है? **– राष्ट्रपति को**

☞ अंतः राज्य परिषद् का मुख्य कार्य है? **– केंद्र राज्य संबंधों को सुधारने पर वाद-विवाद करना**

☞ मानव संबंध सिद्धांत, वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत, व्यवस्था सिद्धांत तथा नौकरशाही सिद्धांत में से किसे संगठन का प्रथम संसक्त या सुसंगत सिद्धांत समझा जाता है? **– वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत**

☞ बलवंतराय मेहता समिति, अशोक मेहता समिति, संथानम समिति तथा जी.वी. के राव समिति में से कौन-सी समिति पंचायतों के लिए संवैधानिक स्वीकृति की मांग करने वाली प्रथम समिति थी? **– अशोक मेहता समिति**

☞ **अभिकथन (A) :** केंद्रीय सेवा अधिकारी अखिल भारतीय सेवा अधिकारी नहीं है, परंतु उनके काम की प्रकृति तथा नियुक्तियों की प्रकृति उन्हें सचमुच में अखिल भारतीय विशेषता के अनुरूप बना देती है।

कारण (R) : अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के विपरीत, केंद्रीय सेवा अधिकारी राज्यों में काम करते समय राज्य सरकारों के अंतर्गत काम नहीं करते हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ प्रशिया, भारत, चीन तथा यू.एस.ए. में से किसने दुरुस्त भर्ती व्यवस्था सबसे पहले विकसित की? **– चीन**

☞ पदोन्नति, भर्ती तथा चयन, अनुशासन तथा मनोबल में से किसका वर्णन संपूर्ण लोक कार्मिक संरचना की महत्त्वपूर्ण वस्तु के रूप में किया गया है? **– भर्ती और चयन**

☞ 'स्पॉयल सिस्टम' शब्द प्रयुक्त होता है **– संरक्षक नौकरशाही पर**

☞ नव लोक प्रशासन के उद्‌भव और विकास में दी गई युगप्रवर्तन घटनाओं का सही क्रम इस प्रकार है–

— लोक सेवा के लिए उच्च शिक्षा पर हनी रिपोर्ट, लोक प्रशासन के सिद्धांत एवं व्यवहार पर फिलाडेलफिया कांफ्रेंस, मिन्नोब्रूक कांफ्रेंस, ''टूवर्डस् ए न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन : दी मिन्नोब्रूक पर्सपेक्टिव'' का प्रकाशन

☞ रिग्ग्स, फेनसॉड, हेडी तथा वीडनर में से किसने उपागम के रूप में विकास प्रशासन पर जोर दिया है **– सभी चारों**

☞ सामूहिक उत्तरदायित्व, सोपानिकी, नियंत्रण की सीमा तथा एकीकरण में से कौन एक संगठन का सिद्धांत नहीं है **– सामूहिक उत्तरदायित्व**

☞ एच. वॉकर, फैरल हेड्डी, एफ.ए. नीग्रो तथा निकोलस हैनरी में से किसने लोक प्रशासन के सीमा क्षेत्र को प्रशासनिक सिद्धांत और अनुप्रयुक्त सिद्धांत में विभाजित किया है **– एच. वॉकर**

☞ ''अधिकारीगण एक दूसरे के लिए कार्य सृजित करते हैं।'' यह कथन है **– पार्किंसन का**

☞ नार्वे, यू.एस.ए., स्वीडन तथा फिनलैंड में से कौन सूचना के अधिकार को प्रवर्तित करने वाला विश्व का प्रथम देश था? **– स्वीडन**

☞ सत्य कथन है–

—प्रत्येक संसद दिवस का पहला घंटा प्रश्नों के लिए आरक्षित होता है शून्य काल (ज़ीरो ऑवर) संसदीय प्रथा के क्षेत्र में प्रारूपिक भारतीय नवप्रवर्तन है, नव लोक प्रशासन अद्वितीय रूप से अमेरिकन परिघटना है

☞ सुमेलित है–

उपागम-नारीवाद		**नारीवादी चिंतक**
क्रिटीकल सिद्धांत	–	**सांड्रा व्हाइटवर्थ**
सामाजिक निर्माणवाद	-	**एलिजाबेथ प्रूग्ल**
उत्तर संरचनावाद	–	**चार्लोट हूपर**
उत्तर उपनिवेशवाद	–	**चंद्रा महंती**

☞ वैश्वीकरण सूचित करता है?**– समय-स्थान संपीड्य, विश्व-अर्थव्यवस्था का एकीकरण, लोगों के बीच अधिक्षेत्रीय संबंधों की वृद्धि।**

☞ यह किसने कहा है, ''.....अहमः स्थितियों में, फिर भी राज्यों का परम सरोकार सत्ता के लिए नहीं परंतु सुरक्षा के लिए होता है''

– कैनेथ वाल्टज

☞ प्रोत्साहन संरचनाएं, प्रत्यायोजन और एजेंसी, ऐतिहासिक कारक तथा सामाजिक कारक में से किससे अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था का संस्थानिकवादी उपागम अपने सिद्धांतों पर लेता है?

– प्रत्यायोजन और एजेंसी से

☞ एम. बायरस, ए.एम. स्लॉटर, कोस्केन्नीमी तथा ए. गुजमैन में किसने मोरावसिक के नव-उदारवाद पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय कानून की तीन-स्तरीय धारणा का प्रस्ताव दिया है? **– ए.एम. स्लॉटर**

☞ सेमीनल रिपोर्ट, एन एजेंडा फॉर पीस (1992) द्वारा अनुशंसित प्रक्रिया का सही अनुक्रम है–

–निरोधक राजनय/कूटनीति, पीस मेकिंग, पीस कीपिंग, शांति निर्माण

☞ यूनाइटेड स्टेट्स न सिर्फ सुपर पावर (अधि शक्ति) है; वह हाइपर पावर (अतिशय सत्ता है)? यह कथन है **– हुबार्ट वेदराइन**

☞ सही सुमेलित है–

यू.एन. कांफ्रेंस स्थल		**मुद्दे**
रिओ डी जेनेरिओ (1992)	–	**पर्यावरण**
वियेना (1993)	–	**मानवाधिकार**
कैरो (1994)	–	**जनसंख्या**
बीजिंग (1995)	–	**महिलाएं**

☞ 'बे ऑफ पिग्स', शीतयुध के दौरान किस संकट से संबंधित है?

– क्यूबन मिसाइल

☞ पेलेस्टीन, चेचेन्या, श्रीलंका तथा लेबनान में से किस देश में काली विधवाएं (ब्लैक विडोस) महिला आतंकवादी हैं **– चेचेन्या**

☞ इंदिरा गांधी, सरदार पटेल, महात्मा गांधी तथा जवाहरलाल नेहरू में से किसने स्पष्ट बताया है एशिया के साथ भारत का मिलन, वचनबद्धता की कल्पना में स्पष्ट अभिव्यक्ति किया गया था?

– जवाहरलाल नेहरू

☞ **अभिकथन (A) :** नेहरू के भारत को एशिया में अपनी वैध भूमिका अदा करने से रोकने वाले कारक और शक्तियों या तो एक सीमा तक कम हो गए हैं या पुनः परिभाषित किए गए हैं।

कारण (R) : अपने राष्ट्रीय हितों को पूरा करने की कोशिश करने के लिए शीत युद्ध का अंत और भारत के लिए सामरिक जगह का विस्तार व्यापक हो गया है

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

☞ शांति के क्षेत्र के रूप में भारतीय महासागर पर घोषणा के संबंध में संयुक्त राष्ट्र जनरल असेम्बली प्रस्ताव 2832 कब अंगीकृत किया गया-

– वर्ष 1971 में

NET/JRF December, 2013 (Paper II)

☞ पोलिमार्कस, एटीमेंटस, प्रोटागोरस तथा ग्लोकोन में से कौन प्लेटो की रिपब्लिक का प्रधान पात्र नहीं है? **— प्रोटागोरस**

☞ सुमेलित हैं-

लेखक		**पुस्तकें**
ए.आरब्लास्टर	–	**डेमोक्रेसी**
सी.बी.मैकफर्सन	–	**दी रियल वर्ल्ड ऑफ डेमोक्रेसी**
सी. पेटमैन	–	**पार्टिसिपेशन एंड डेमोक्रेटिक थ्योरी**
डी. हेल्ड	–	**मॉडलस ऑफ डेमोक्रेसी**

☞ मार्क्स के लेखों का आरोही क्रम में सही अनुक्रम है

— थीसिस ऑन फियोरबाक, पॉवर्टी ऑफ फिलोसोफी, कम्यूनिस्ट मैनीफेस्टो, कांट्रिब्यूशन टू दी क्रिटीक ऑफ पोलिटिकल इकोनोमी

☞ ''प्रत्येक व्यक्ति के पास न्याय पर संस्थापित अनुल्लंघनीयता होती है जो संपूर्ण समाज का कल्याण भी दबा नहीं सकता है।'' यह कथन है

— जॉन राल्स का

☞ उपयोगितावाद का संस्थापक है **— बैंथम**

☞ ऑन न्यू डेमोक्रेसी, ऑन कोएलिशन गवर्नमेंट, पीपल'स वार तथा ऑन पीपल'स डेमोक्रेटिक डिक्टेटरशिप में से कौन-सा लेख माओ द्वारा नहीं लिखा गया है? **— पीपल'स वार**

☞ गांधीजी दक्षिण अफ्रीका गए थे

— गुजराती व्यापारी का केस लड़ने के लिए

☞ 'मैक्सिकन सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी जिसका बाद में नाम मैक्सिकन कम्युनिस्ट पार्टी' किया गया किसने संस्थापित की थी?

— एम.एन.रॉय

☞ बी.जी. तिलक, अरबिंद घोष, गांधी जी तथा सरदार पटेल में से किसको लॉर्ड मिंटो ने 'सर्वाधिक खतरनाक व्यक्ति' के रूप में वर्णन किया है? **— अरबिंद घोष**

☞ ए.एफ.के. ऑर्गेन्स्की द्वारा प्रतिपादित राजनीतिक विकास की अवस्थाओं का आरोही क्रम है

— आदिम राष्ट्रीय एकीकरण, औद्योगिकीकरण, राष्ट्रीय कल्याण, प्रचुरता

☞ जॉन ब्लॉन्डल, अलमंड, मॉरिश डुवर्जर तथा वी.ओ.की. में से किसने आभासी या कृत्रिम प्रैशर ग्रुप्स के बारे में बात की है?

— जॉन ब्लॉन्डल

☞ सुमेलित है-

चिंतक		**विचार**
कार्ल मार्क्स	–	**प्रक्रिया के रूप में क्रांति जिसके जरिए संरचनात्मक असमानताओं को समाप्त किया जा सकता है।**

चाल्मरस जॉनसन	–	**मूल्य समन्वित सामाजिक व्यवस्था मॉडल**
टेड गर	–	**समग्र मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य**
बैरिंगटन मूल	–	**कृषक वर्ग तथा संपत्ति स्वामियों के बीच पैतृकवादी संबंध की स्थिति**

☞ सुमेलित हैं-

सरकार का प्रकार		**मुख्य गुण**
सैनिक शासन प्रणाली	–	**जबरदस्ती पर आधारित**
वंशगत शासन	–	**आदर पर आधारित**
नकली लोकतंत्र	–	**उदार लोकतंत्र के जैसे सावधिक चुनाव, परंतु सत्ता अल्पतंत्र के हाथों में रहती है।**
उदार लोकतंत्र	–	**सरकार की प्रक्रिया में विस्तृत स्वैच्छिक सहभागिता**

☞ विशिष्ट, सार्वभौम, यंत्रीय (या सहायक) तथा आरोपणीय में से आधुनिक समाज में समाजीकरण की प्रक्रिया है– **विशिष्ट, सार्वभौम तथा यंत्रीय**

☞ सैनिक सरकार, फासिस्ट (अधिनायकवादी) सरकार, साम्यवादी सरकार तथा संसदीय रूप की सरकार में से सर्वसत्तात्मक रूप की सरकार नहीं हैं **— संसदीय रूप की सरकार**

☞ विलफ्रेडो पैरेटो, राबर्ट मिचेल, गायटेनो मोस्का तथा कार्ल मैनहीम में से किसने अभिजात वर्ग को दो मोटे प्रकारों, संगठित और निदेशित करने वाले अभिजात वर्ग। अनौपचारिक रूप से संगठित तथा विसरित अभिजात वर्ग में वर्गीकृत किया है? **— कार्ल मैनहीम**

☞ प्रतिस्पर्धात्मक व्यवस्था के अंतर्गत पार्टियों को दो मुख्य वर्गों (i) टर्नओवर एवं हेजिमोनिक (ii) वैचारिक तथा व्यावहारिक में से किसने वर्गीकृत किया है? **— माइरोन वीनर तथा लापालोम्बारा**

☞ यूरोप, अफ्रीका, एशिया तथा लैटिन अमेरिका में से किसमें पराश्रितता की अवधारणा 1960 के दशक में उद्विकसित हुई थी? **— लैटिन अमेरिका में**

☞ सुमेलित हैं-

पुस्तकें		**लेखक**
एप्रोचिस टू दी स्टडी ऑफ पोलिटिक्स	–	**आर. यंग**
डायनामिक्स ऑफ मॉडर्नाइजेशन	–	**सी.ई. ब्लैक**
इनफ्लूएंसिंग वोटर्स	–	**आर. रोज**
स्टडीस इन पोलिटिकल डेवलपमेंट	–	**जे.एस. कोलमैन**

☞ **अभिकथन (A)** : धर्मनिरपेक्षता के अनिवार्यता का अर्थ यह नहीं है कि लोग धर्म-विरोधी बन गए हैं, या सार्वजनिक क्षेत्र और वैयक्तिक विश्वास के क्षेत्र दोनों से ही धर्म गायब हो गया है।

कारण (R) : धर्म मात्र एक नहीं है, और अनिवार्य तौर पर सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तरीका नहीं है जिस तरीके में लोग अपने को और अपने संबंधों को समझते हैं।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ **अभिकथन (A)** : 1980 का दशक, जो भारत की राजनीति में वृहद उथल-पुथल का काल था, में बहुत सी नव राजनीतिक पार्टियां प्रकट हुई।

कारण (R) : राष्ट्रीय पार्टियां उपान्तीकृत हो गई अथवा बहुत से राज्यों में राजकीय पार्टियों की आश्रित बन गई।

– (A) और (R) सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

☞ घटनाओं का सही कालक्रम है-

— नेहरू समिति रिपोर्ट, 1928, पूर्ण स्वतन्त्रता की घोषणा, 1929, नागरिक अवज्ञा आन्दोलन, 1930, भारत छोड़ो आन्दोलन, 1942

☞ सर्वोच्च न्यायालय ने किस वाद में कहा कि संशोधन का अधिकार संसद का है, और यह अधिकार असीमित था? **— शंकरी प्रसाद बनाम भारत संघ**

☞ उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र तथा केरल में से किस राज्य में द्विसदनीय विधान मंडल नहीं है **— केरल में**

☞ जम्मू-कश्मीर के प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री का सही कालक्रम है **— शेख अब्दुल्ला, बख्शी गुलाम मोहम्मद, शम्शुद्दीन, जी.एम. सादिक**

☞ सुमेलित है-

षडयंत्र वाद	**दंडित क्रांतिकारी**
नासिक वाद (1909-10)	**विनायक सावरकर**
बनारस वाद (1916)	**सच्चिंद्रानाथ सन्याल**
काकोरी वाद (1924)	**राम प्रसाद बिस्मिल**
लाहौर वाद (1929-30)	**भगत सिंह**

☞ बलबीर अरोड़ा, के.सी. व्हीयर, रशीदुद्दीन खान तथा रोनाल्ड वाट्स में से कौन फेडरेल इंडिया : ए डिजाइन फॉर चेंज नामक पुस्तक के लेखक हैं? **— रशीदुद्दीन खान**

☞ सबआल्टर्न (उपाश्रित) अध्ययनों के क्षेत्र में पथप्रदर्शक नुमा योगदान रामचंद्र गुहा, रंजीत गुहा, रजनी कोठारी तथा जेम्स मेनर में से किसका है? **— रंजीत गुहा का**

☞ राबर्ट डाह्ल, लूथर गुलिक, एल. उर्विक तथा फ्रेंक गुडनाउ में से किसने इस दावे पर प्रश्न उठाया है कि लोक प्रशासन विज्ञान है- **— रॉबर्ट डाह्ल**

☞ वैज्ञानिक प्रबंध आंदोलन के संस्थापक जनक, एफ.डब्ल्यू. टेलर का सावधानीपूर्ण अवलोकन, प्रबंधकीय तकनीकें तथा सामान्यीकरण में से कौन-सा सिद्धांत इसकी वैज्ञानिक पद्धति समझा जाता हैं **— उपर्युक्त तीनों सिद्धांत**

☞ साइमन, स्मिथबर्ग, गुलिक तथा हेनरी फेयोल में से कौन लोक प्रशासन के प्रबंधकीय दृष्टिकोण का समर्थक नहीं है? **— साइमन**

☞ सुमेलित है-

लाइन एजेंसी	–	**लक्ष्य प्राप्ति में सीधे योगदान देते हुए कार्य करना**
जनरल स्टाफ	–	**वैयक्तिक प्रशासन का संचालन करना**
विशिष्ट स्टाफ	–	**डेटा संकलन और उसका विश्लेषण**
वैयक्तिक स्टाफ	–	**लाइन अधिकारियों के भिन्न परियुक्तियों की डायरी रखना**

☞ राज्य सरकार, जोनल परिषद, योजना आयोग तथा निर्वाचन आयोग में से किसके द्वारा केंद्र-राज्य राजकोषीय संबंधों में वित्त आयोग की

भूमिका को दुर्बल बना दिया गया है **— योजना अयोग द्वारा**

☞ भारत में लोक सेवा में जॉब (या नौकरी) के वर्ग I, II ,एवं III में से किस वर्ग के लिए, पदोन्नति में योग्यता-सह-प्रवरता के सिद्वांत को अपनाया है? **— वर्ग I तथा II में**

☞ कौटिल्य के अनुसार, राजा के लिए उत्तम अभिशासन के सिद्धांत कौन से हैं-

(i) वैयक्तिकता का कर्तव्यों के साथ विलय।

(ii) आचार संहिता का साथ अनुशासित जीवन व्यतीत करना।

(iii) कानून एवं व्यवस्था बनाए रखना।

(iv) बुरे मंत्रियों को लेखकों के साथ प्रतिस्थापित करना।

— I, II तथा III

☞ **अभिकथन (A)** : पद स्थिति-वर्गीकरण आधुनिक कार्मिक प्रशासन की नींव है।

कारण (R) : पद स्थिति वर्गीकरण सिविल सेवाओं में औचित्य स्थापन करने देता है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ **अभिकथन (A)** : सामान्यवादी तथा विशिष्ट के बीच प्रवर तथा अवर का संबंध होता है।

कारण (R) : लोक नीति को बनाने और क्रियान्वयन में विशिष्ट को समान्य की सहायता करनी पड़ती है।

– (A) असत्य है (R) सत्य है

☞ **अभिकथन (A)** : लोक प्रशासन में सामान्य तौर पर लाभ का प्रयोजन अनुपस्थित रहता है।

कारण (R) : सरकारी गतिविधियां केवल लाभ को अधिकतम करने के लिए नहीं होती हैं, परंतु समाज के कल्याण को प्रोन्नत करने के लिए होती हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ रामबिल्ली, ऐड़मलाई, अराकु घाटी तथा कोची में से कहां भारत का हाई-टैक नेवल बेस 'प्रोजेक्ट वर्शा' स्थित है? **— राम बिल्ली में**

☞ जे. नेहरू, ख्रुश्चेव, आइजनहॉवर तथा कैनेडी में से विश्व के किस नेता ने 'एटम्स फॉर पीस' निशस्त्रीकरण योजना प्रस्तुत की थी? **— आइजनहॉवर**

☞ सुमेलित है-

चिंतक	–	**अवधारणा**
विलियम कोहेन	–	**सैनिक कार्यकलापों में क्रांति**
मार्टिन शॉ	–	**युद्धों का अपहास**
रेमॉण्ड आरों	–	**अतिशयोक्ति परक युद्ध**
मेरी काल्डर	–	**नवीन युद्ध**

☞ आई.एम.एफ., यू.एन.डी.पी., यू.एन.ई.पी., तथा विश्व बैंक में से किस संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय क्रियाविधि के रूप में ग्लोबल एनवायरनमेंटल फैसिलिटी (जी ई एफ) सृजित की है **— विश्व बैंक**

☞ संधियों का सही आरोही क्रम है-

— वेस्टफेलिया की संधि-यूट्रैक्ट की संधियां-पेरिस की संधि-यू.एन.का चार्टर

☞ शासन प्रणाली की व्याख्या करने वाले चार तत्त्व इस प्रकार हैं-

— सिद्धांत, मानक, नियम, निर्णयन कार्यविधियां

☞ महिलाओं के आंदोलन में महत्त्वपूर्ण घटनाओं का सही आरोही क्रम इस प्रकार है **— मैक्सिको सिटी (यू.एन. कांफ्रेंस), कोपेनहेगेन (यू.एन.कांफ्रेंस), नैरोबी तथा बीजिंग।**

☞ भारत और नेपाल ने संशोधित दोहरा करारोपण परिहार समझौता (डबल टैक्सेशन अवायडेंस एग्रीमेंट/डी.टी.ए.ए.) कब हस्ताक्षरित किया था? **— वर्ष 2011 में**

☞ आसियान प्लस थ्री में समाविष्ट किए गए देश है

— चीन, जापान तथा दक्षिण कोरिया

NET/JRF December, 2013 (Paper - III)

☞ प्रत्यक्षवाद, इतिहासवाद, नैतिक सापेक्षवाद तथा वैचारिक बहुवाद में से कौन एक राजनीतिक सिद्धांत की अवनति के लिए उत्तरदायी नहीं है? **— वैचारिक बहुवाद**

☞ डिरैगुलेशन, डिव्यूरोक्रेटाइजेशन, विनिवेश (डिसइनवेस्टमेंट) तथा स्टेटीजेशन में से किसमें नव उदारवाद विश्वास नहीं करता है

— स्टेटीजेशन में

☞ ''करारोपण बलातश्रम के बराबर है।'' यह कथन किसका है? **— नॉजिक**

☞ सुमेलित हैं-

लेखक		**पुस्तकें**
रिचर्ड लोवनथल	–	**वर्ल्ड कम्यूनिज्म**
बेंजामिन एल. श्वार्टस	–	**कम्यूनिज्म एंड चाइनीज आइडॉलोजी इन फ्लक्स**
एडगर स्नो	–	**रेड चाइनाटुडे**
रिचर्ड एच. सोलोमन	–	**माओ रिवोल्यूशन एंड द चाइनीज**

☞ ''विचारों का वह समूह, जिसके द्वारा व्यक्ति संगठित सामाजिक कार्य के लक्ष्य तथा साधनों को स्थापित करते हैं, स्पष्ट करते हैं और उसे उचित सिद्ध करते हैं, इस पर ध्यान दिए वगैर कि क्या ऐसा कार्य दी गयी सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने, संशोधित करने, उखाड़ने या पुनर्निर्मित करने का लक्ष्य करता है।'' विचारधारा को किसने इस रूप में वर्णित किया है? **— मार्टिन सेलिगर**

☞ ''श्रमशक्ति, श्रमिक के मस्तिष्क, मांसपेशी तथा नसों के बराबर होती है।'' यह कथन है **— कार्ल मार्क्स का**

☞ सर थॉमस मूर का 'यूटोपिया', कैम्पानेला का 'सिटी ऑफ दि सन'. तथा बेकन का 'न्यू एटलांटिस' में से किसमें प्लेटो का पुनः प्रगटन पाया गया है **— सभी तीनों में**

☞ अरस्तू के संदर्भ में सत्य कथन हैं-
— पुरुष स्वभाव से असमान हैं, उच्च के प्रति निम्न की अधीनस्थता, स्त्रियां स्वभाव से पुरुषों के अधीनस्थ होती हैं।

☞ जेम्स मिल, श्रीमती हेरियट टेलर, प्रीस्टले तथा हचसन में से किसने जे.एस. मिल के उपयोगितावाद के संशोधित संस्करण का मानवीय करण करने में सहायता की? **— श्रीमती हेरियट टेलर**

☞ हॉब्स के लिए फेलिसिटी का अर्थ है?
— उन वस्तुओं को, जिनको आदमी पाने की समय-समय पर इच्छा करता है, पाने में निरंतर सफलता।

☞ ''प्राकृतिक पुरुष वह होगा जिसमें शक्तिशाली चेतना और वफादार कारण ने सफलता के साथ स्वप्रेम तथा सहानुभूति को सामंजस्यपूर्ण बनाया है।'' इस कथन की पैरवी की है **— रूसो ने**

☞ ''समाज की राजनीति दो सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए-(1) दूसरों को स्वमानकर उनके साथ व्यवहार करो और (ii) अन्य जरूरत मंद व्यक्तियों की सहायता करो।'' यह कथन है **— श्री अरबिंद का**

☞ एम.एन. राय की गतिविधियां/घटनाओं का आरोही क्रम है-
— कॉमिनटर्न से बाहर निकाला गया साप्ताहिक पत्रिका 'द इंडिपैडेंट इंडिया प्रारंभ की गई, उग्रवादी कांग्रेसियों की लीग गठित की गई, भारतीय पुर्नजागरण आंदोलन प्रारंभ किया गया

☞ चौथे सत्र के लिए यू.एस. राष्ट्रपति के रूप में किसे चुना गया था?
— फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट

☞ यू.के., यू.एस.ए. फ्रांस तथा भारत में से किस देश में संविधान संशोधन की सरल प्रक्रिया है **— यू.के. में**

☞ ''केवल एक व्यक्ति की गलती संपूर्ण राष्ट्र के लिए विपदा ला सकती है।'' राष्ट्रपति प्रणाली के संदर्भ में यू.एस.ए. के किस राष्ट्रपति ने यह वक्तव्य दिया? **— जिम्मी कार्टर**

☞ यू.एस.ए. के राष्ट्रपति के बारे में सत्य कथन हैं-
— किसी भी यू.एस. राष्ट्रपति को कभी भी दोषी नहीं ठहराया गया है, प्रतिनिधियों के सदन को महाभियोग की प्रक्रिया प्रारंभ करने की शक्ति प्राप्त है, मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सीनेट द्वारा वाद का परीक्षण किया जाता है।

☞ सुमेलित है-

बुर्जुआ मॉडल	– **विधान मंडल एवं निर्वाचन प्रक्रिया का शहरी आर्थिक संवृद्धि विकास**
निरंकुश मॉडल	– **दमित मध्य वर्ग**
टेक्नोक्रेटिक मॉडल (तकनीक तंत्रवादी)	– **निम्नराजनीतिक प्रतिभागिता और उच्च विदेशी निवेश**
पोपुलिस्ट मॉडल	– **उच्चराजनीतिक प्रतिभागिता तथा आर्थिक असमानता पर जोर देता है।**

☞ सुमेलित है-

लेखक	पुस्तकें
राबर्ट माइकल	– **पोलिटिकल पार्टीज**
सैमुअल हंटिंगटन	– **द थर्ड वेव : डेमोक्रेटीजेशन इन दि लेट ट्वेंटीथ सेंचुरी**
राबर्ट डहल	– **डेमोक्रेसी एंड इट्स क्रिटिक्स**
फ्रांसिस फुकुयामा	– **स्टेट बिल्डिंग : गर्वनेंस एंड वर्ल्ड आर्डर इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी**

☞ किसने, 'क्रांति के विश्लेषण में राजनीतिक संघर्ष उपागम' अपनाया था? **— चार्ल्स टिल्ली ने**

☞ सुमेलित है-

पुस्तकें	लेखक
द पॉलिटिक्स ऑफ मॉडर्नाइजेशन	– **डेविड एप्टर**
डेवलपमेंट एज फ्रीडम	– **अमर्त्य सेन**
पॉलिटिकल आर्डर इन चेंजिंग सोसाइटी	– **सैमुअल पी हंग्टिन**
डेवलपमेंट एंड अंडर डेवलपमेंट	– **सेल्सो फुर्टाडो**

☞ किस चिंतक ने आधुनिकीकरण को तीन स्थितियों (नवा प्रवर्तनीय सामाजिक व्यवस्था, विभेदित नम्य सामाजिक संरचना, प्रौद्योगिकीय रूप से उन्नत विश्व में कौशल तथा ज्ञान के लिए सामाजिक आधार) के संबंध में परिभाषित किया है? **— डेविड ई. एप्टर**

☞ स्विस राजनीतिक प्रणाली के बारे में नीचे दिए गए कथन सत्य हैं-
यू.एस.ए. की तुलना में स्विट्जरलैंड में केंद्र ज्यादा शक्तिशाली है। स्विस सरकार को अलगाव की स्थिति में सैनिक हस्तक्षेप का अधिकार है। अवशेषीय शक्तियां इकाइयों को प्राप्त है।

☞ सुमेलित है-

चिंतक	अवधारणा
एम. फूको	– **बायोपावर (जैवशक्ति/सत्ता)**
स्टीवन लूकस	– **सत्ता का उग्रवादी दृष्टिकोण**
स्टीवर्ट क्लेग	– **सरकिट्स ऑफ पावर**
एफ. नीत्शे	– **विल टू पावर**

☞ एक दल (पार्टी) पार्टी प्रणाली का गुण है-
साम्प्रदायिक (अनन्य, क्षेत्रीय, वर्ग वैचारिक) समर्थन
बंद, सत्तावादी, प्रत्यक्ष कार्यवाही तथा दमनकारी संगठन
विसरित, राष्ट्रीय एकीकरण, समुदाय निर्माण, लामबंदी (मोबलाइजेशन)

☞ पहचान का संकट, वैधता का संकट, नेतृत्व का संकट तथा अखंडता का संकट में से कौन लुसियनपाई के अनुसार राजनीतिक विकास के संकट हैं **— पहचान का संकट तथा वैधता का संकट**

☞ सुमेलित है-

अभिजात वर्ग	कार्य
वर्तमान राजनीति अभिजातवर्ग	– **लक्ष्य प्राप्ति**
आर्थिक, सैनिक, वैज्ञानिक, राजनयिक अभिजात वर्ग	– **अनुकूलन**
पुरोहित, दार्शनिक, शिक्षक अभिजातवर्ग	– **एकीकरण**
कलाकार, लेखक, शिखर के अभिनेता	– **पैटर्न बनाए रखना**

☞ भारत के संविधान संशोधन के संदर्भ में संविधान सभा में यह किसने कहा था-''कि हम जबकि चाहते हैं यह संविधान ठोस एवं इतना स्थायी जितना हम संरचना के रूप में इसे बना सकते हैं, फिर भी,

संविधानों में कोई स्थायित्व नहीं होता है। ...यदि आप किसी को जड़ तथा स्थायी बना देते हैं, आप राष्ट्र की प्रगति तथा जीवित लोगों के विकास को रोक देते हैं।'' **— जवाहरलाल नेहरू**

☞ राष्ट्रीय आपात काल के दौरान जिस अनुच्छेद को निलंबित नहीं किया जा सकता है **— अनु. 20 एवं 21**

☞ किस पार्टी ने जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया और अन्य समाजवादियों को 1942 के आंदोलन के दौरान जापानी एजेंट कहा **— भारत की साम्यवादी पार्टी ने**

☞ **कथन (A)**– जाति व्यवस्था प्रारंभिक समाज का सार भी, बंद व्यवस्था जहां व्यक्ति पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही प्रकार का कार्य करते थे और लगभग एक ही प्रकार से जीवन जीते थे।

कारण (R)– जाति प्रणाली अपने में सामाजिक संरचना तथा मानकी धार्मिक व्यवहार की विशेषताएं समाविष्ट करती है और हिंदू समाज में रह रहे व्यक्तियों के व्यक्तिगत जीवन के बारे में काफी व्यापक विचार प्रदान करती है।

– (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ **कथन (A)**– भारतीय सर्वोच्च न्यायालय समयोपरि, संवैधानिक उदारता और मानवाधिकारों को विस्तारित करने और उनकी सुरक्षा करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने में विफल हुआ है।

कारण (R)– सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के संवैधानिक लोकतंत्र को गढ़ने, आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और अभी भी निभा रहा है और उससे भी परे जो कि संविधान के निर्माताओं ने कल्पना की थी और जो कि न्यायालय अन्य देशों में भूमिका निभाते हैं।

—(A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

☞ जनहित याचिका के संदर्भ में अनुप्रयोज्य हैं-
समाज के उपान्तीकृत वर्गों के प्रति न्यायपालिका का संवैधानिक दायित्व।
जनभावनायुक्त नागरिक निर्धन की ओर से न्यायालय जा सकते हैं।
याचिकाओं को निपटाने में न्यायपालिका कार्यविधिक औपचारिकताओं को अनदेखी करती है।

☞ 61वें संवैधानिक संशोधन का संबंध है **— मतदान की आयु कम करने से**

☞ किस अधिनियम में सिक्खों को विशेष निर्वाचन प्राप्त हुआ **— भारत सरकार अधि. 1919 में**

☞ जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में किस समिति की अध्यक्षता की थी **— संघ शक्ति समिति की**

☞ आशीष नंदी, पार्थ चैटर्जी, आशुतोष वार्ष्णेय तथा सुदीप्त कविराज में से किसने डेरिवेटिव डिस्कोर्स (व्युत्पन्न संलाप) की अवधारणा विकसित की **— पार्थ चैटर्जी**

☞ सुमेलित है-

आयोग	मुद्दे
महाजन आयोग	– **महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद**
श्री कृष्णा आयोग	– **तेलंगाना (आंध्र प्रदेश)**
पुंछी आयोग	– **केंद्र-राज्य संबंध**
सच्चार समिति	– **मुस्लिम अल्पसंख्यक**

☞ मनरेगा का संबंध है-
— रोजगार अवसर प्रदान करना, गरीबी घटाना, विपदग्रस्त प्रवसन को रोकना

☞ इकबाल नारायण, पॉल आर.ब्रास. स्टेनले कोचनक तथा मायरेन वीनर में से किसने सर्वप्रथम भारत में राज्य राजनीति का अध्ययन प्रारंभ किया? **— मायरोन वीनर**

☞ भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, तेलगू देशम पार्टी तथा राष्ट्रीय लोक दल में से कौन आठवीं लोक सभा (1984) में सबसे बड़ा विरोधी दल था? **— तेलगू देशम पार्टी**

☞ कार्यक्रम जन्मभूमि का संबंध किस राज्य से है? **— आंध्र प्रदेश**

☞ सुमेलित हैं-

उपागम	विशेषता
व्यवहारपरक	– **प्रशासनिक व्यवस्थाओं में मानव व्यवहार**
नौकरशाही	– **कानूनी तर्क युक्त सत्ता**
पारिस्थितिकीय	– **कृषिक-पारगमन औद्योगिकरण**
सामान्य प्रणालियां	– **समाज की उप-प्रणाली के रूप में प्रशासनिक प्रणाली**

☞ स्टाफ एजेंसी, लाइन एजेंसी, सहायक एजेंसी में से कौन सरकार के तात्विक कार्यों के साथ सरोकार रखता है? **— लाइन एजेंसी**

☞ लूथर गुलिक, एल. डी. व्हाइट, हेनरी फेपोल तथा साइमन में से किसने संगठन के भिन्न आधारों को चार Ps नाम दिया है **— लूथर गुलिक ने**

☞ विकास प्रशासन की विशेषताएं हैं-
परिवर्तन-उन्मुखीकरण, सेवार्थी-अभिमुखीकरण, नागरिक प्रतिभागिता संबंधी अभिमुखीकरण, पारिस्थितिकीय परिप्रेक्ष्य

☞ लोक सेवाओं के लिए निवास स्थान योग्यता सर्वप्रथम कहां निर्धारित की गई थी? **— संयुक्त राज्य अमेरिका में**

☞ भारतीय पुलिस सेवा के लिए काडर नियंत्रण करने वाली सत्ता कौन है? **— कार्मिक, लोकशिकायत एवं पेंशन मंत्रालय**

☞ बजट के एक शीर्षक से धन को उसी विभाग के दूसरे शीर्षक 'जहां धन व्यय करने की जरूरत हैं' में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है **— पुनः विनियोजन**

☞ पदोन्नति का सामान्य अर्थ सही रूप में दिए गए हैं-
— पद में बदलाव, कर्त्तव्यों में बदलाव, पदवी में बदलाव, वेतन में बदलाव

☞ सत्य कथन हैं-
— संविधान में निदेशक सिद्धांत के रूप में पचायती राज का उल्लेख किया गया है।
जी.वी.के. राव समिति योजना आयोग द्वारा नियुक्त की गई थी।
स्थानीय सरकार राज्य सूची का विषय है।

☞ आर.के. मर्टन, एम क्रोजर, मैक्स वेबर तथा पार्किन्सन में से किसने नौकरशाही को संगठन का नाम दिया है जो अपनी गलतियों से सीखकर अपने व्यवहार को ठीक नहीं कर सकता है?

— एस. क्रोजर

☞ राष्ट्रीय संयुक्त परामर्शदात्री तंत्र परिषद का अध्यक्ष कौन है?

— मंत्रिमंडल सचिव

☞ लोक प्रशासन पर विधानमंडल द्वारा नियंत्रण, कार्यपालिका द्वारा नियंत्रण, न्यायपालिका द्वारा नियंत्रण तथा मीडिया द्वारा नियंत्रण में से कौन ज्यादा सतत् और स्वसुधारक है?

— कार्यपालिका द्वारा नियंत्रण

☞ **कथन (A)** – कुछ वर्ष पहले, भारत सरकार ने 'फाइल जम्पिंग एक्सपेरिमेंट'' प्रारंभ किया।

कारण (R)– पदानुक्रमिक संरचना कार्य पूरा करने में अनावश्यक विलंब उत्पन्न करती है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ **कथन (A)** – भारत में योजना आयोग न तो संवैधानिक निकाय है और न ही सांविधिक निकाय है।

कारण (R)– यह संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था

– (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है

☞ माइकल डॉयल, जेम्स रोजनाओ, रिचर्ड फाक तथा माइकल वालजर में से किसे लोकतांत्रिक शांति सिद्धांत से संबंधित किया जा सकता है?

— माइकल डॉयल

☞ **कथन (A)** – शासन प्रणाली वैश्वीकरण की महत्त्वपूर्ण विशेषता निरूपित करती है।

कारण (R)– वैमनस्य उपसमन की शुरुआत, यू.एस.ए. के द्वारा हेजिमोनिक प्रस्थिति के क्षय होने तथा पर्यावरणीय समस्याओं के बारे में बढ़ती हुई जागरूकता ने सामाजिक वैज्ञानिकों का संवेदीकरण किया।

– (A) तथा (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ ''अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में सत्ता मौसम के समान है। प्रत्येक व्यक्ति उसके बारे में बात तो करता है, परंतु कुछ ही उसे समझते है'' यह कथन किसका है?

— जोसेफ नाई का

☞ सुमेलित हैं-

विफलता के कारण	**राज्य**
जन जातीय संघर्ष	– **सोमालिया**
गैर-राजनीतिक उद्देश्यों के अंतहीन हिंसा	– **लाइवेरिया**
नृजातीय जन संहार	– **रवांडा**
पार-राष्ट्रीय युद्ध	– **कांगो**

☞ शस्त्र नियंत्रण और निशस्त्रीकरण समझौते आरोही क्रम में व्यवस्थित हैं-

— ओपेन स्काइस ट्रीटी (1992), केमिकल वैपन्स कॉन्वेंशन (1993), ओटावा लैंड माइन कॉनवेंशन (1997), स्ट्रेटीजिक ऑफेन्सिव रिडक्सन ट्रीटी (SORT) 2002

☞ **कथन (A)** – शीत युद्ध का उत्तरोत्तर काल एक ध्रुवीय विश्व में बहु ध्रुवीय पल है।

कारण (R)– अमेरिका विश्व का उत्कृष्ट अभिनेता बना हुआ है, परंतु वित्तीय रूप से ऋण में है, सैन्यीकरण भी विस्तरित हुआ है, घरेलू रूप से विभाजित और अंतर्राष्ट्रीय रूप से अप्रिय बना हुआ है।

—(A) असत्य है, परंतु (R) सत्य है।

☞ परिरोधन (कॉन्टेनमेंट) नीति किस मत से संबंधित है?

— ट्रूमैन सिद्धांत से

☞ यू.एस.ए., ईरान, रूस तथा सऊदी अरब में से किस देश में प्राकृतिक गैस का विश्व का सबसे बड़ा रिजर्व, कोयले का दूसरा बड़ा रिजर्व, और तेल का आंठवां सबसे बड़ा रिजर्व है? **— रूस**

☞ सही सुमेलित हैं-

पुस्तकें	**लेखक**
ए हंडरेड हॉराइजन्स दी इंडियन ओशन इन दि ऐज ऑफ ग्लोवल एंपायर	– **सुगातो बोस**
ग्लोबल स्विंग स्टेटस : ब्राजील, इंडिया, इंडोनेशिया, टर्की एंड दी फ्यूचर ऑफ इंटरनेशनल ऑर्डर	– **डेविड क्लीमैन एवं रिचर्ड फॉन्टेन**
वार इन दि इंडियन ओशन	– **वाइस एडमिरल मिहिर कुमार राय**
समुद्र मंथन : सिनो इंडियन राइवलरी इन इंडोपेसिफिक	– **सी. राजा मोहन**

☞ राष्ट्रपति वुश द्वारा वर्ष 2002 में अपने स्टेट ऑफ यूनियन भाषण में 'एक्सिस ऑफ इविल', के रूप में जिन देशों की पहचान की थी वह है

— ईरान, इराक, उत्तरी कोरिया

☞ संयुक्त राष्ट्र शांति निर्माण आयोग कब गठित किया गया?

— दिसंबर 2005 में

☞ क्षेत्रीय पहल के भाग के रूप में, भारत ने 2004 में टोकियो समझौते की पहल की। इसके फलस्वरूप किस संगठन का उद्भव हुआ?

— I E CA AP

☞ उस सैनिक कूटनीतिक का नाम क्या है जिसने बताया है कि तमाम युद्ध धोखे पर आधारित है और सूक्ष्मता तथा गुप्तता की दिव्य कला के रूप में उसकी प्रशंसा की है? **— सन जू**

☞ वर्ष 2002 में ईराक जाने वाले संयुक्त राष्ट्र के मॉनीटरिंग, सत्यापन और निरीक्षण आयोग (UNMOVIC) की अध्यक्षता किसने की थी

— हैंस ब्लिक्स

☞ जम्मू एवं कश्मीर, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु में से कौन-सा राज्य भारत की विदेश नीति को सबसे कम प्रभावित करता है?

— मध्य प्रदेश

☞ लियो स्ट्रॉस, डनिंग, जी.एच. सेबाइन तथा एबेंस्टीन में से किसने यह कहा है कि राजनीतिक सिद्धांत में तीन प्रकार के तत्व होते हैं तथ्यात्मक, अनियमित तथा मूल्यात्मक? **– जी.एच. सेबाइन ने**

☞ 1950 के दशक में ईस्टन, लास्लेट, आर.ए. डहल तथा राइमर में से यह किसने कहा है कि राजनीतिक सिद्धांत 'डागहाउस' में चला गया है? **– राइमर**

☞ पीटर लास्लेट, डेविड ईस्टन, इसिया वर्लिन तथा राबर्ट डहल में से किसने यह कहा है? कि ''हम अपने मूल्यों को इस तरह नहीं छोड़ सकते जिस तरह हम अपने कोट उतार देते हैं। **– डेविड ईस्टन ने**

☞ डेविड ईस्टन, अल्फ्रेड कोब्बन, वोगेलिन तथा लास्लेट में से किसका संबंध राजनीतिक सिद्धांत के पुनरुत्थान से है? **– वोगेलिन**

☞ सत्य कथन हैं–

—'उदार' पद स्वाधीन व्यक्तियों के उस वर्ग को संदर्भित करता है जो न तो कृषिदास हैं न ही दास हैं, 'उदारवाद' पद का प्रथम प्रयोग स्पेन में 1812 में किया गया, शास्त्रीय उदारवाद तथा आधुनिक उदारवाद में विभिन्नताएं हैं।

☞ वह विचारक जिसके विचारों को कभी-कभी 'मैंचेस्टर उदारवाद' के रूप में संदर्भित किया जाता है? **– रिचर्ड कॉब्डेन तथा जॉन ब्राइट**

☞ ''स्वयं मेरा अस्तित्व एक सामाजिक क्रियाकलाप है तथा क्रियाकलाप और मन अपने संदर्भ में और साथ ही अपने उद्‌गम में, सामाजिक है; वे सामाजिक क्रियाकलाप तथा सामाजिक मन है'' यह वक्तव्य है **– कार्ल मार्क्स का**

☞ गैलीलियो, युक्लिड, देकार्त तथा अरस्तू में से किससे, हॉब्स ने 'रिजोल्युटिव कंपोजिट' का सिद्धांत गृहीत किया है **– गैलीलियो से**

☞ ''जे.जे. रूसो जेकोबियन निरंकुशतंत्र तथा सीजेरेयिन तानाशाही का जनक है तथा उसने कांट एवं हेगेल के निरपेक्ष सिद्धांतों को अभिप्रेरित किया है।'' यह कथन है **– ड्यूगिट का**

☞ बेंथम, मैकियावेली, जेम्स मिल तथा जे.एस. मिल में से किसने राज्य को, नैतिक लक्ष्य से युक्त एक नैतिक संस्था बनाया **— जे.एस. मिल**

☞ एम.के. गांधी, एम.एन. राय, अरविंदो तथा बी.आर. अंबेडकर में से किसने 'दि लीग ऑफ रेडिकल कांग्रेसमैन' का गठन किया? **– एम.एन. राय**

☞ लाइफ डिवाइन, एसेज आन गीता, योग : कांसेप्ट एंड प्रैक्टिस तथा दि आइडियल्स ऑफ ह्युमन यूनिटी में से कौन सी कृति अरविंदो द्वारा रचित नहीं है **– योगः कांसेप्ट एंड प्रैक्टिस**

☞ महात्मा गांधी से संबंधित घटनाओं का सही कालक्रम है–

— एशियाटिक रजिस्ट्रेशन ऐक्ट के विरुद्ध विरोध प्रकटीकरण, चंपारण में नील फसल की खेती के विरुद्ध विरोध प्रकट किया, भू राजस्व की वसूली के विरुद्ध खेड़ा में सत्याग्रह आंदोलन, अहमदाबाद में औद्योगिक श्रमिकों को उच्च मजदूरी के लिए संगठित किया

☞ सही सुमेलित है–

लेखक		पुस्तक
आर.जे. बर्नस्टीन	–	द रिस्ट्रक्चरिंग ऑफ सोशल एंड पॉलिटिकल थियरी
एम. सैंडेल	–	लिबरलिज्म एंड दि लिमिट्स ऑफ जस्टिस
एम. वाल्टजर	–	स्फियर्स ऑफ जस्टिस : ए डिफेंस ऑफ प्लुरलिज्म एण्ड इक्वलिटी
डब्ल्यू. किमलिका	–	कंटेम्पोररी पॉलिटिकल फिलोसोफी

☞ टाल्कॉट पार्सन्स, एंथोनी गिडेंस, रॉबर्ट निस्बेट तथा मिशेल फोकल्ट में से यह किसका सुझाव है कि एक संकल्पना के रूप में 'स्ट्रक्चरेशन', 'स्ट्रक्चर्स' तथा 'ऐक्टर्स' के बीच संबंध का विश्लेषण करने का एक तरीका है? **– एंथोनी गिडेंस**

☞ सही सुमेलित है–

राजनीतिक पक्षों के सिद्धांत		प्रवर्तक
विकास सिद्धांत	–	जोसेफ ला पलोबंरा
स्थानिक सिद्धांत	–	गिवोवोमिन सार्तोरी
पुनः संलग्नता सिद्धांत	–	बुंहम एंड सैंडक्विस्ट
परिव्याप्ति सिद्धांत	–	मोरिस डुवेर्गर

☞ संसाधनों की उपलब्धता, चुनौतियों से पर्याप्त अनुक्रिया, विकास की अवस्थाओं का परस्पर व्यापी होना तथा अन्य सामाजिक व्यवस्थाओं का समनुरूप विकास। इन शर्तों में से कौन आल्मोण्ड के राजनीतिक विकास के लिए एक शर्त नहीं है? **– विकास की अवस्थाओं का परस्पर व्यापी होना**

☞ निगमवाद एक उपागम है जो केंद्रीय रूप से संबंधित है **– राज्य तथा समाज के बीच अंतःक्रिया, विशेषतः नीति को प्रभावित करने वाले सामाजिक हितों की भूमिका पर बल देती है**

☞ सुमेलित है–

चिंतक		पुस्तक
एंथोनी डाउंस	–	एन इकोनॉमिक थियरी ऑफ डिमॉक्रेसी
गेब्रिएल आल्मण्ड तथा सिडनी वर्बा	–	दि सिविक कल्चर
स्टीन रोक्कन	–	सिटिज़ेंस, एलेक्शन, पार्टिज
गोस्टा एस्पिंग एंडर्सन	–	दि थ्री वर्ड्स ऑफ वेल फेयर कैपिटलिज्म

☞ ''सहकारी संघवाद'' पद का उदय हुआ? **– द्वितीय विश्व युद्ध के बाद**

☞ एलिनोर लोस्ट्रोम, हार्डिन कार्ल डायच तथा एंथोनी डाउन्स में से किसके द्वारा विकसित विवेकशील वरण प्रतिमान निर्वाचक अध्ययनों में सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं? **– एंथोनी डाउंस**

☞ उन्नत पूंजीवाद और विकसित समाजवाद के बीच कनवीएन्स सिद्धांत का प्रतिपादन हंटिंगटन, पुटमैन, मिलीबैंड तथा मार्क्यूजे में से किसने किया था **– मार्क्यूजे**

☞ ''अपने वैयक्तिक गुणों के कारण कोई व्यक्ति समाज में उतना प्रभावी

नहीं होता है जितना वह जनसमूह द्वारा उसमें सामाजिक ऊर्जाएं भर दिए जाने के कारण होता है'' यह कथन है **– गैसेट का**

☞ एडवर्ड शिल्स की राजनीतिक व्यवस्था की कोटियों का सही कालानुक्रम है

— राजनीतिक लोकतंत्र, संरक्षात्मक लोकतंत्र, अल्पतंत्र का आधुनिकीकरण, सर्वाधिकारवादी अल्पतंत्र, पारपंरिक अल्पतंत्र

☞ अमेरिकी राष्ट्रपति के बारे में सत्य कथन है-

— अमेरिकी राष्ट्रपति केवल एक बार पुनः निर्वाचित किया जा सकता है, देशद्रोह, घूसखोरी तथा अन्य अपराधों के लिए उस पर महाभियोग लगाया जा सकता है, महाभियोग प्रस्ताव की सुनवाई की अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है।

☞ लिंग की राजनीति अब राजनीति के सीमांत से संलग्न नहीं रह गई है, लेकिन नीति और कानून के निर्माताओं के लिए यह केंद्रीय सरोकार का विषय है। इस मुद्दे को राजनीतिक विकास, राजनीतिक आधुनिकीकरण राजनीतिक संस्कृति तथा राजनीतिक अभिजात वर्ग में से किस श्रेणी के अंतर्गत रखा जाएगा? **– राजनीतिक संस्कृति**

☞ यह किसका दृष्टिकोण है कि एक संगठन के रूप में नौकरशाही अपने व्यवहार को अपनी त्रुटियों से सीख लेकर सही नहीं कर सकती है? **– एम. क्रोजियर**

☞ ''हमारे जीवन में नई रोशनी आ गई है जो हमें यह सीख देती है कि राजा जनता के लिए है, जनता राजा के लिए नहीं है।'' यह कथन है **– दादाभाई नौरोजी**

☞ ''.....लोकतंत्र के हित में गांवों को स्वशासन की कला में प्रशिक्षित किया जा सकता है।.....हमें गाँवों में सुधार लाने की क्षमता विकसित करनी होगी और वहां लोगों को शासन के लोकतांत्रिक सिद्धांतों से परिचित कराना होगा।''। भारत की संविधान सभा में पंचायती राज प्रणाली के समर्थन में यह वक्तव्य किसका है **– अनंतशयनम् अयंगर**

☞ सुमेलित है–

लोकसभा		**अध्यक्ष**
तीसरी लोकसभा	–	हुकम सिंह
पांचवीं लोकसभा	–	जी.एस. ढिल्लों बलीराम भगत
सातवीं लोकसभा	–	बलराम जाखड़
दसवीं लोकसभा	–	शिवराज पाटिल

☞ वी.एस. नायपाल, एम.एस.ए. राव, घनश्याम शाह तथा टेड गुर में से किसने 1990 में भारत का अभिलक्षण ''ए मिलियन म्युटिनिज'' के रूप में वर्णित किया है? **– वी.एस. नायपाल**

☞ मौलाना अबुल कलाम आजाद, खान अब्दुल गफ्फार खां, हकीम अजमल खां तथा मुहम्मद करीम छागला में से किसकी जीवनी ''रोजेज़ इन दिसंबर'' है? **– मुहम्मद करीम छागला**

☞ सही सुमेलित है–

क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी		**उत्पत्ति का राज्य**
राष्ट्रीय लोक दल	–	उत्तर प्रदेश
इंडियन नेशनल लोक दल	–	हरियाणा
जनता दल (सेकुलर)	–	कर्नाटक
राष्ट्रीय जनता दल	–	बिहार

☞ ''द न्यू रीजनल पॉलिटिक्स ऑफ डेवलपमेंट'' पुस्तक का लेखक/संपादक है **– एन्थनीपेन**

☞ लायड तथा सूसन रुडोल्फ, गुर्नार मिर्डल, रजनी कोठारी तथा के.सी. व्हीयर में से किसने भारत को 'निर्बल शक्तिशाली राज्य' कहा है? **– लॉयड तथा मूसन रुडोल्फ**

☞ पाल ब्रास, जेम्स मैनर, क्रिस्टोफर जेफर लॉट तथा अतुल कोहली में से किसने भारत को 'लोकतांत्रिक विकासात्मक राज्य' कहा है? **– जेम्स मैनर ने**

☞ सुमेलित है–

राज्य		**अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित लोक सभा सीटों की संख्या**
आंध्र प्रदेश	–	3
छत्तीसगढ़	–	4
झारखंड	–	5
मध्य प्रदेश	–	6

☞ सुमेलित है–

प्रकार		**दबाव समूह**
संस्थागत दबाव समूह	–	**भारतीय विश्वविद्यालय संघ**
सामुदायिक दबाव समूह	–	**विश्वविद्यालय शिक्षक संघ का अखिल भारतीय महासंघ**
गैर-सामुदायिक दबाव समूह	–	**अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासंघ**
ऐनोमिक दबाव समूह	–	**राजस्थान में गोपालगढ़ के सांप्रदायिक दंगे**

☞ पार्थ चटर्जी, एन्थनी डी. स्मिथ, विलकिमलिका, वेनिडिक्ट एंडरसन में से किसने भारत को ''बहुकेंद्रिक राष्ट्रवाद'' के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है? **– एन्थनी डी. स्मिथ**

☞ ''इंडिया आफ्टर गांधी : दि हिस्ट्री ऑफ दि वर्ल्ड्स लार्जेस्ट डिमोक्रेसी'' पुस्तक के लेखक कौन हैं- **– रामचंद्रन गुहा**

☞ वह प्रथम अखिल भारतीय महिला संगठन, जो सन् 1926 में कार्यशील हुआ- **– भारतीय राष्ट्रीय महिला परिषद**

☞ कर्मचारियों की भर्ती, अधिनिर्णय, निर्देशन तथा समन्वय में से किसे गुलिक ने मुख्य कार्यपालक के कार्यों में शामिल नहीं किया है? **– अधिनिर्णय**

☞ हेनरी फोयल द्वारा प्रतिपादित चौदह सिद्धांतों की सूची में शामिल सिद्धांत है–

— व्यक्ति हित का सामान्य हित के अधीन होना, समूह भावना, इक्विटी

☞ वेस्टर्न इलेक्ट्रिक कंपनी में मजदूरों द्वारा विकसित कोड के तहत जो मजदूर अपने वरिष्ठ अधिकारी के पास अपने साथियों के बारे में प्रतिकूल सूचनाएं पहुंचाता है उसे कहते हैं **– मुखबिर**

☞ हरबर्ट सिमोन के अनुसार कोई निर्णय मिश्रण होता है- **– एक मूल्य कथन और अनेक तथ्य कथन का**

☞ इक्विटी सिद्धांत, सोपान सिद्धांत, प्रबंधक/अनुक्रम सिद्धांत तथा प्रकार्यात्मक संगठन सिद्धांतों में से किसका निरूपण मूनी और रीले ने नहीं किया है? **– इक्विटी सिद्धांत**

☞ किस पुस्तक में क्लासिकी सिद्धांत का सबसे विस्तृत निरूपण मिलता है? **– पेपर्स ऑन द साइंस ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन**

☞ पद का उसके पदधारी से अलगाव, नियमों का कठोरता से पालन, संरक्षक द्वारा चयन तथा अधिकारियों का निश्चित पारिश्रमिक में से कौन मैक्स वेबर के नौकरशाही का अभिलक्षण नहीं है?

– संरक्षक द्वारा चयन

☞ स्टाफ अधिकारी वह होते हैं **– जो कर्मचारी अपने मुख्य कार्यपालक की उसके प्रमुख कामों को पूरा करने में मदद करते हैं**

☞ लोकतंत्रामिक प्रशासन, एकतंत्रीय प्रशासन, विकास प्रशासन में कौन सी अवधारणा संरचना की बजाय कार्यवाही की ओर अभिमुख होती है? **– विकास प्रशासन**

☞ लेखाकरण, यशव, प्रबंधकीय तकनीक तथा विषय क्षेत्र और जटिलता में से कौन लोक प्रशासन और निजी प्रशासन में सर्वसामान्य तत्व नहीं है

– विषय क्षेत्र और जटिलता

☞ स्वतंत्रता के बाद भारत में वित्तीय पंचवर्षीय योजना आरंभ हुई?

– 1950-1951

☞ **अभिकथन (A)** : जिला प्रशासन के शीर्ष पर जिलाधीश सबसे महत्वपूर्ण अधिकारी है।

कारण (R) : स्वतंत्रता के बाद उसकी भूमिका उत्तरोत्तर बहुआयामी होती गई है। **– (A) और (R) दोनों सही है तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**

☞ सुमेलित है–

लेखक		**पुस्तक**
चेस्टर बरनार्ड	–	द फंक्शंस ऑफ द एग्जीक्यूटिव
हरबर्ट साइमन	–	एडमिनिस्ट्रेटिव बीहैवियर
ड्वाइट वाल्डो (संपा.)	–	आइडियाज एंड इशूज इन पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन
मार्शल डिमॉक	–	फिलॉसफी ऑफ ऐडमिनिस्ट्रेशन

☞ निष्पादन बजट निर्माण लोकप्रिय हुआ? **– 1950 के दशक में**

☞ स्टैनली हॉफमैन, चार्ल्स किंडेलबर्गर, जॉन मर्शिमायर तथा जॉन गैडिस में से किसने बहुध्रुवीय व्यवस्था की तुलना में द्विध्रुवीय व्यवस्था के स्थायित्व से संबंधित केनेथ वाल्ट्ज के तर्क का आधार ग्रहण किया है?

– जॉन मर्शिमायर

☞ लोकतांत्रिक शांति सिद्धांत को आई आर के किस सैद्धांतिक उपागम के अंतर्गत रखा जाता है? **– सांस्थानिक उदारतावाद**

☞ सत्य हैं-

– सुरक्षा संबंधी दुविधा राज्य व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण विरोधाभास है, हथियारों की होड़ राज्यों की असुरक्षा को बढ़ाती है।

☞ ''क्लैश ऑफ सिविलाइजेशंस एंड न्यू वर्ल्ड ऑर्डर'' में उत्तर शीत-युद्ध काल में किससे बदलाव की भविष्यवाणी की गई है

–राजनीतिक विचारधारा से संस्कृति और धर्म

☞ **अभिकथन (A)** : आधुनिक प्रौद्योगिकी युद्ध के महत्त्व और युद्ध के खतरों को बढ़ाती है।

कारण (R) : युद्ध अब ताकत-मात्र की प्रतियोगिता नहीं रह गया है। यह धीरज धारण करने और जोखिम लेने की प्रतियोगिता अधिक बन गया है।

– (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ ''अर्द्ध-राज्य'' है **– ऐसा राज्य जो क्षेत्राधिकार परक राज्यत्त्व से सम्पन्न हो परंतु अनुभव-परक राज्यत्त्व में अत्यधिक विपन्न हो**

☞ आर्थिक उदारतावाद, आर्थिक यथार्थवादी, वाणिज्यवाद तथा नव-मार्क्सवाद उपागम में से कौन-सा उपागम यह मानता है कि ''आर्थिक वैश्वीकरण एक असम और पदानुक्रमिक प्रक्रिया है तथा यह केवल अल्पसंख्यक अति छोटे वर्ग को लाभान्वित करता है?'' **– नव मार्क्सवादी उपागम**

☞ सुमेलित है–

विदेश नीति थिंक टैंक		**देश**
फॉरेन पॉलिसी इंस्टीट्यूट	–	तुर्की
इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक एनालिसिस	–	भारत
कार्नेगी इंडोमेंट	–	यू.एस.ए.
इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज	–	यू के

☞ सुमेलित है–

आतंकवादी संगठन		**देश**
एल टी टी ई	–	श्रीलंका
हिज्बुल्लाह	–	ईरान
बोको हेरम	–	नाइजीरिया
शाइनिंग पाथ	–	पेरु

☞ 'पैनल ऑन यूनाइटेड नेशंस पीस ऑपरेशन' का गठन पूर्व महासचिव कोफी अन्नान द्वारा किया गया था। इसकी रिपोर्ट का नाम है-

– ब्राहिमी रिपोर्ट

☞ पश्चिमी सहारा, बोस्निया तथा हार्जीगोविना में से कहां पर संयुक्त राष्ट्र संगठन की शांति-बहाल कार्रवाई में भारतीय सैन्य टुकड़ियां, सैन्य पर्यवेक्षक तथा सिविलियन पुलिस कर्मी सेवारत थे-

– सभी तीनों स्थानों पर

☞ सही सुमेलित है–

देश		**समस्याएं**
श्रीलंका	–	कच्छतीवु
पाकिस्तान	–	वुलर बैराज
नेपाल	–	सुस्ता बोर्डर
बांग्लादेश	–	न्यू मूरे आइलैंड

☞ सियाचिन विवाद, सर क्रीक विवाद, क्रांस बार्डर आतंकवाद तथा दाहाग्राम विवाद में से कौन सा भारत-पाकिस्तान विवाद नहीं है?

– दाहाग्राम विवाद

☞ सही सुमेलित है–

राज्य		**अल्पसंख्यक समुदाय**
म्यांमार	–	रोहिंगाज
मलेशिया	–	तमिल्स
इंडोनेशिया	–	हिन्दुज
लाओस	–	विएतनामीज

☞ अभी हाल में कंबोडिया और थाइलैंड के बीच तनाव उत्पन्न हुआ था, विवाद का मुद्दा क्या था? **– प्राचविहार**

- अरस्तू द्वारा प्रतिपादित सामाजिक ढांचे/संरचना में–धनी वर्ग, गरीब नागरिक, मध्य वर्ग तथा कारीगर वर्ग में से कौन औसत (मीन) निर्मित करता है? **– मध्य वर्ग।**
- इटली के नैतिक अपकर्ष के लिए मैकियावेली ने–राजकुमार, चर्च, अभिजात तंत्र तथा भ्रष्ट लोग में से किसे दोष दिया है? **– चर्च को।**
- बेंथन के दर्शन को किसने 'पिग फिलॉसफी' कहकर आलोचना की **– कारलाइल ने।**
- थियरी ऑफ जस्टिस, पॉलिटिकल लिबरलिज्म तथा द लॉ ऑफ पीपुल पुस्तकों में, कौन जॉन रॉल्स द्वारा लिखित है? **– सभी तीनों।**
- 'राजनीतिक शक्ति बन्दूक की नली से निकलती है', कठोर परिश्रम के तीन वर्ष; खुशियों के 10 हजार वर्ष', 'अणुबम वास्तविक शेर है;' तथा क्रांति एक रात्रिभोज आयोजन नहीं है।' इनमें से कौन-सा कथन माओ का नहीं है? **– अणु बम वास्तविक शेर है।**
- सही कथन है–
  (b) पोस्ट बिहेवियरलिज्म के सात सिद्धांत हैं।
- प्लेटो द्वारा चर्चित सद्गुण के चार संघटकों का सही क्रम **– बुद्धिमानी (विजडम)–साहस (करेज)–संयम (टेंपेरेंस)–न्याय (जस्टिस)**
- सुमेलित है–

सावरकर	–	समस्त राजनीति का हिंदुकरण तथा हिंदू धर्म का सैन्यकरण
एम.एन. राय	–	कानपुर षड्यंत्र मुकदमे में दंडित
अरबिंदो घोष	–	'लोटस एण्ड डैगर्स' नामक गुप्त संस्था से संबद्ध
जयप्रकाश नारायण	–	ए प्ली फॉर रिकंस्ट्रक्सन ऑफ इंडियन पॉलिटी शीर्षक पुस्तक का लेखक

- 19वीं शताब्दी के–पूंजीवाद, क्रमविकास और क्रमवाद, प्रत्यक्षवाद तथा अराजकतावाद–जिस विचारधारा के परिणामस्वरूप विषम विकास की धारणा का उद्भव हुआ **– पूंजीवाद**
- सही सुमेलित हैं–

निर्भरतावादी सिद्धांत		**पुस्तकें**
समीर अमीन	–	एक्युमुलेशन ऑन ए वर्ल्ड स्केल
ए.जी. फ्रैंक	–	कैपिटलिज्म एंड अंडर डेवलपमेंट
एफ. हेनरिक कार्डोसो	–	डिपेंडेंसी एंड डेवलपमेंट
पॉल स्वेजी	–	मोनोपोली कैपिटल

- जेम्स ब्राइस, मेरियम, आर्थर बेंटले तथा लासवेल में से कौन संवैधानिक उपागम से संबंधित है? **– जेम्स ब्राइस**
- शिल्स, हंटिंग्टन, आल्मंड तथा हाल्प्रेन में से कौन एकल रेखीय प्रक्रिया के रूप में राजनीतिक विकास के विचार को चुनौती देने वाला विचारक है? **– हंटिंगटन**
- सांस्कृतिक द्वैतवाद है **–अभिजात लोगों का एक आधुनिकीकृत वर्ग होता है जबकि अधिकांश लोग कठोर परंपरागत ढांचे में जकड़े होते हैं।**
- ऑलमंड द्वारा प्रतिपादित राजनीतिक व्यवस्था के आगत कार्यों का सही अनुक्रम है **–राजनीतिक समाजीकरण तथा भर्ती, हित सुस्पष्टीकरण, हित समूहीकरण, राजनीतिक संप्रेषण**
- प्रशासन के शास्त्रीय सिद्धांत को अवस्थिति सिद्धांत, ऐतिहासिक सिद्धांत यंत्रवादी सिद्धांत तथा मानव संबंध सिद्धांत में से किस अन्य नाम से भी जाना जाता है? **– यंत्रवादी सिद्धांत**
- अभिजात वर्ग का 'स्पेकुलेटर्स' और 'रेटियर्स' के रूप में परेटो द्वारा किया गया वर्णन, प्लेटो, अरस्तू, मैकियावेली तथा मार्क्स में से किसके द्वारा वर्णित शासनात्मक गुट के अभिलक्षणों से मिलता जुलता है? **– मार्क्स**
- साम्यवाद तथा उदारवादी लोकतंत्र के बीच अंतर की अपेक्षा व्यवस्था और अव्यवस्था के बीच अंतर अधिक महत्वपूर्ण है इसका पक्षधर है **– हंटिंगटन**
- कांग्रेस के आवडी अधिवेशन (1956) में सहकारी कृषि, आयात विकल्प, गरीबी हटाओ तथा समाज का समाजवादी ढांचा में से किससे संबंधित नीति को स्वीकार किया गया **–समाज का समाजवादी ढांचा**
- गृह सचिव एन.एन. वोहरा की अध्यक्षता वाली भारत सरकार की प्रशासनिक समिति (1993) का निष्कर्ष था- **– राजनीतिज्ञों, अपराधियों तथा नौकरशाहों के बीच साठ-गांठ**
- पार्थो चटर्जी के लेखन के अनुसार पूंजी के वैश्वीकरण की नवीनतम अवस्था में किसके बीच विरोध नजर आयेगा? **– आधुनिकता तथा लोकतंत्र के बीच**
- अनुच्छेद 360 के अंतर्गत राष्ट्रपति वित्तीय आपात काल उद्घोषित कर सकते हैं– **– जम्मू कश्मीर को छोड़कर संपूर्ण भारत के लिए**
- **कथन (A)**–भारतीय समाज के तीव्र, धार्मिक, अभिमुखीकरण के दृष्टिकोण से भारतीय राज्य की धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा विरोधाभासी प्रतीत होती है।
  कारण (R)–भारतीय समाज के सांस्कृतिक बहुलता एवं वैविध्य को एक सर्वसामान्य राष्ट्र में एकीकृत करने तथा भारत में अंग्रेजी शासन के दौरान 'साम्राज्यवादी फूट डालो और शासन करो' तथा मुस्लिम को 'द्वि-राष्ट्र' विचारधारा पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय धर्मनिरपेक्षता को गढ़ा गया। **– (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है**
- विचारक दांडेकर तथा रथ, अर्जुन सेन गुप्ता, राजकृष्ण तथा अमर्त्य सेन में से किसने भारतीय पूंजीवाद के धर्मशाला मॉडल का प्रवर्तन किया? **– राजकृष्ण**

☞ सन् 1963 में नेहरू ने कामराज योजना को शुरू किया– **कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धताओं को पुनर्जीवन प्रदान करने के लिए।**

☞ केंद्रीय सतर्कता आयोग के बारे में सत्य कथन हैं-
– केंद्रीय सतर्कता आयोग के आयुक्त की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, केंद्रीय सतर्कता आयोग के आयुक्त का पद सांविधिक पद है, उसे सी.बी.आई. की कार्यकारिता का अधीक्षण करने का अधिकार होता है।

☞ सत्य कथन है–
— भारत के निर्वाचन आयोग ने आयोग के अंतर्गत एक विशेष निर्वाचन व्यय परिवीक्षण प्रभाग का गठन किया है,पोलिंग स्टेशन के भीतर चल रही मतदान की कार्यवाही की वीडियोग्राफी की अनुमति होती है।

☞ **कथन (A)** : शक्ति अभिजन से संबंधित सी. राइट मिल्स के तर्क शास्त्रीय अभिजन सिद्धांत के ढांचे पर आधारित हैं।
कारण (R) : अभिजनपरक निरुपण करना शास्त्रीय अभिजनवाद के बिना संभव नहीं है **– (A) सही है परंतु, (R) गलत है**

☞ 'प्रिज्मीय समाज' का सिद्धांत आधारित है – **विकासशील देशों में लोक प्रशासन के संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक विश्लेषण से**

☞ जॉब लोडिंग का अर्थ है- **– उत्तरदायित्व, कार्यक्षेत्र तथा चुनौतियों को जान-बूझकर सोच-समझकर बढ़ाना**

☞ नकारात्मक अभिप्रेरणा चिंता, खतरा, रुपया पैसा तथा भय में से किस पर आधारित होता है **– भय पर**

☞ एल.डी. व्हाइट, टेरी, बर्नार्ड तथा हेनरी फेयोल में से किसके विचारों से सिमोन सकारात्मक रूप से प्रभावित था **– बर्नार्ड के**

☞ **अभिकथन (A)** : संगठन का शास्त्रीय सिद्धांत औपचारिक सिद्धांतों पर आधारित है।
कारण (R) : शास्त्रीय सिद्धांत शास्त्र में व्यवहारपरक विश्लेषण का अभाव था
– (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ हर्बर्ट सिमोन द्वारा प्रस्तावित प्रविधि है **– तार्किक प्रत्यक्षवाद**

☞ हर्बर्ट सिमोन, बिलोबी, एल.डी. व्हाइट तथा चेस्टर बनार्ड में से किस विचारक के मिथकों और लोकोक्तियों के रूप में प्रशासन के सिद्धांतों को अस्वीकार किया है? **– हर्बर्ट सिमोन ने**

☞ 'जोन ऑफ इंडिफरेंस' की संकल्पना का संबंध-शक्ति, निर्णयन सत्ता, तथा नेतृत्व में से किससे है? **– सत्ता से।**

☞ टेलर, मिलेट, एम.पी. फॉलेट तथा सी.आई. बर्नार्ड में से जिस विद्वान ने नेतृत्व को 'सर्कुलर रिस्पांस' के रूप में विश्लेषित किया है **– एम.पी. फॉलेट ने**

☞ युद्ध के गैर राजकीय आयाम को कहा जाता है **– उत्तर वेस्टफेलियन युद्ध**

☞ ट्रस्टीशिप, नवीन सदस्यता, शांतिकायम करना तथा संघर्ष समाधान में से कौन-सी योजना 1 दिसंबर, 1943 की तेहरान उद्घोषणा में बनाई गयी **– शांति कायम करना**

☞ डेविड मित्रेनी, अर्नेस्ट हैस, जोसेफ नाई तथा एन्ड्रू लिंकलेटर में से किसने 'फंक्शनल थियरी ऑफ इंटेग्रेशन' पद को गढ़ा – **डेविड मित्रेनी**

☞ व्यवस्था विश्लेषण के मार्टन काप्लान के मॉडल्स का सही अनुक्रम है **– शक्ति संतुलन – ढीली द्विध्रुवीयता – कठोर द्विध्रुवीयता – सार्वभौमिक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था**

☞ स्टेबल पीस नामक पुस्तक के लेखक हैं **– केनेथ बाउल्डिंग**

☞ सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव संख्या 1441 (Nov-2002) का संबंद्ध है **– ईराक पर प्रस्ताव, जिसमें यह कहा गया था कि यदि सद्दाम हुसैन यू.एन. निरीक्षक दल को अपने जन संहारक हथियारों का ब्योरा नहीं देते तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे**

☞ तीन विचारधाराओं, यथार्थवाद, तर्कबुद्धिवाद तथा क्रांतिवाद के संयोजन के रूप में अंतर्राष्ट्रीय समाज सिद्धांत का प्रवर्तन किसने किया **– मार्टिन वाइट ने**

☞ **कथन (A)** : सुरक्षा परिषद के निर्णय बाध्यकारी होते हैं तथा उन्हें 15 में से 9 सदस्यों के बहुमत और साथ ही पांच स्थायी सदस्यों में से प्रत्येक के द्वारा पारित करना ही पड़ता है।
कारण (R) : इन पांच स्थायी सदस्यों को सुरक्षा परिषद के समस्त निर्णयों के ऊपर वीटो पावर होता है।
– (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकण है

NET/JRF June, 2013 (Paper-II)

☞ सावरकर के अनुसार वे कौन से तीन बंधन हैं जो हिंदुओ को जोड़ते हैं **— क्षेत्र-प्रदेश, प्रजाति, संस्कृति**

☞ सहभागी लोकतंत्र के विचार का अभ्युदय किसके साथ हुआ? **— रूसो**

☞ प्लेटो ने मानव मन की क्रियात्मकता का वर्णन किसके द्वारा किया है? **— गुफा के रूपक द्वारा, विभक्त पंक्ति के रूपक द्वारा, रूप के सिद्धांत द्वारा**

☞ किसने बौद्धधर्म को मार्क्सवाद का नैतिक एवं उदार विकल्प के रूप में माना है? **— बी.आर. अंबेडकर**

☞ जॉन रॉल्स के न्याय के सिद्धांत में शामिल हैं–**— उदारतावादी अथवा समुदायात्मक समाजवादी लोकतंत्र, बाजार अर्थव्यवस्था तथा पुनर्वितरणीय लोककल्याणकारी योजना**

☞ किसने वर्तमान युग के संघर्ष को सर्वभक्षी सामूहिक अहं–चाहे राष्ट्र का हो या वर्ग का, तथा स्वाधीनता के लिए संघर्षरत व्यक्ति के बीच के संघर्ष के रूप में परिकल्पित किया है? **— एम.एन. रॉय**

☞ प्रतिरोधी तथा अप्रतिरोधी अंतर्विरोध के बीच अंतर किसने किया? **— माओ**

☞ सुमेलित हैं–

लेखक		पुस्तक
डी. हेल्ड	—	**मॉडेल्स ऑफ डिमोक्रेसी**
जे. लिव्ली	—	**डिमोक्रेसी**
मैकफर्सन	—	**दि रियल वर्ल्ड ऑफ डिमोक्रेसी**
सी. पैटमैन	—	**पार्टिसिपेशन एंड डिमोक्रेटिक थियरी**

☞ **अभिकथन (A) :** जॉन स्टुअर्ट मिल एक अनिच्छुक लोकतंत्रवादी हैं।
कारण (R) : सभी लोग लोकतंत्र के अनुरूप हैं।
— (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

☞ ब्रिटिश संसदीय प्रणाली के बारे में सही कथन हैं–
— संसद किसी भी विषय पर कानून बना सकती है, रानी मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार कार्रवाई करती है, मंत्रिपरिषद सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत पर कार्य करती है।

☞ सुमेलित हैं–

निर्वाचन-प्रक्रिया		देश
फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट प्रणाली	—	**यू.एस.ए.**
द्वितीय बैलट प्रणाली	—	**फ्रांस**
अतिरिक्त सदय प्रणाली	—	**जर्मनी**
पार्टी सूची प्रणाली	—	**स्विट्जरलैंड**

☞ संरचनात्मक कार्यवाद मूलतः है **— जांच पड़ताल का एक ढांचा**

☞ एस.पी. हटिंगटन के अनुसार 'राजनीतिक क्षय' तब होता है जब
— जन-गतिशीलता तथा जन-सहभागिता दोनों का योग संस्थायन की तुलना में अधिक होता है।

☞ **अभिकथन (A) :** यू.एस. सीनेट दुनिया में सबसे शक्तिशाली द्वितीय सदन है।
कारण (R) : बहुत कम चीजें ऐसी हैं जो राष्ट्रपति और प्रतिनीधि सभा सीनेट के अनुमोदन के बिना कर सकते हैं।
— (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सही सुमेलित हैं–

आश्रयता सिद्धांत	:	**समीर अमीन**
विकास का सिद्धांत	:	**लूसियन पाई**
पराएपन का सिद्धांत	:	**कार्ल मार्क्स**

☞ कौन से अभिलक्षण भारत और यू.के. में सर्वसामान्य हैं?
— द्विसदन पद्धति, सदन के पटल पर सबसे बड़ी पार्टी का नेता प्रधानमंत्री होता है।

☞ किसने निर्वाचन-कानून को इन शब्दों में परिभाषित किया-बहुसंख्यक (बहुलता) एक मतपत्र प्रणाली जो पार्टी द्वैधता की ओर प्रवृत्त होती है।'' **— ड्यूवरगर्स लॉ**

☞ यूरोपीय चिंतकों द्वारा विकसित सिद्धांतों में से कौन-सा सिद्धांत 1950 के दशक में यू.एस. के समाजविज्ञानियों के बीच गर्मागर्म चर्चा का विषय बना? **— विशिष्टवर्गीय सिद्धांत**

☞ रैल्फ मिलीबैंड ने राज्य को शासक वर्ग के हाथों में एक उपकरण के रूप में देखा है। तुलनात्मक राजनीति का कौन-सा दृष्टिकोण इसके अंतर्गत रखा जा सकता है? **— साधक (Instrvmental)**

☞ कौन भारत की संविधान-सभा का सदस्य नहीं था?
— जय प्रकाश नारायण

☞ संविधान-सभा की प्रारूपण समिति के एक सदस्य ने कहा कि राष्ट्रपति द्वारा नामित राज्यपाल केंद्र सरकार का एजेंट होगा। उस सदस्य की पहचान कीजिए। **— टी.टी. कृष्णमाचारी**

☞ सुमेलित हैं–

पुस्तकें	लेखक/संपादक
'डेवेलपमेंट प्लानिंग एंड इंडियन स्टेट	**पार्थ चटर्जी**
'इंडिया : ग्लोबलाइजेशन एंड चेंज	**पामेला शर्मर स्मिथ**
'इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस'	**टी.वी. सत्यमूर्ति**
'थ्योरीज़ ऑफ नेशनलिज्म'	**एंथनी डी. स्मिथ**

☞ सुमेलित हैं–

बर्खास्त मुख्यमंत्री	**जिम्मेवार राज्यपाल**
अजय मुखर्जी	**धरम वीर**
चरण सिंह	**गोपाल रेड्डी**
एन.टी. रामाराव	**रामलाल**
फरुख अब्दुल्ला	**जगमोहन**

☞ किस राष्ट्रपति का संबंध भारत के ट्रेड यूनियन आंदोलन से था?
— वी.वी. गिरि

☞ भारत के किस राज्य में विधान सभा में सीट धार्मिक आधार पर आरक्षित होती है? **— सिक्किम**

☞ ''सांप्रदायिकता आधुनिकीकरण की प्रक्रिया से गुजरते हुए किसी बहुलवादी समाज में अपनी पहचान कायम रखने के लिए किसी समुदाय की अपनी राजनीतिक दावेदारी है'' उपर्युक्त कथन किसका है? **— रॉबर्ट मेल्सन और हॉवर्ड वोल्प**

☞ कौन-सा कथन क्षेत्रीय दलों का सही स्पष्टीकरण है? **— राज्य के ढांचे और राजनीतिक व्यवहार का लोकतंत्रीकरण, कल्याणकारी राज्य में कटौती के फलस्वरूप स्थानीय और क्षेत्रीय हितों की पुनरुत्थानशील अभिव्यक्ति और नव-उदारवाद में परिवर्तन, अल्पसंख्यक राष्ट्रों (राज्यरहित राष्ट्रों) का राजनीतिकरण**

☞ किसकी पुस्तक में जाति को इन शब्दों में परिभाषित किया गया है–
''अंतर्विवाही गुट या अंतर्विवाही गुटसमूह, जिनका एक जैसा नाम हो, जो आनुवंशिक रूप में उस समूह के सदस्य हों, जो सामाजिक संपर्क के संदर्भ में अपने सदस्यों पर कुछ बंधन लगाएं, साथ ही अपनी सामान्य उत्स का दावा पेश करने के लिए या तो वे एक सामान्य पेशा अपनाएं और सामान्य तौर पर एक ही समरूप समुदाय का अंग माने जाएं।'' **—ई. ब्लंट**

☞ भारतीय संदर्भ में यह कथन किसका है? ''ये तीनों शक्तियां (राष्ट्रवाद, क्षेत्रवाद और भूमंडलीकरण की परस्पर प्रतिद्वंद्वी शक्तियां) सापेक्षिक हैं और एक-दूसरे की सीमाओं में अतिक्रमण करती हैं, कभी एक-दूसरे

के विरोध में खड़ी हो जाती हैं, कभी सहयोग करती हैं, लेकिन उनमें सामंजस्य कभी नहीं होता।'' **— एरी एम.एम. कैकोविज़**

☞ किसने प्रशासन को ''अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मानवीय तथा भौतिक संसाधनों के संगठन और निर्देशन'' के रूप में परिभाषित किया है? **— जे.एम. पीफनर**

☞ किसी विभाग में प्रशासनिक अधिकार यदि एक ही व्यक्ति में केंद्रित हो तो प्रणाली कहलाती है– **— ब्यूरो**

☞ राज्य सरकार का अंकेक्षण है **— केंद्र का विषय**

☞ अवधि समापन (Lapse) के नियम का अर्थ है**— विधानमंडल द्वारा वोट किए गए सभी विनियोग वित्तीय वर्ष के अंत में समाप्त हो जाते हैं।**

☞ किसके द्वारा एक नवीन अखिल भारतीय सेवा आरंभ की जा सकती है? **— संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत प्रस्ताव पारित करके**

☞ सुमेलित हैं–

सूची-I	**सूची-II**
डब्ल्यू.एफ विलौबी	**प्रिंसिपल्स ऑफ पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन**
मेरी पार्कर फॉलेट	**क्रिएटिव एक्सपीरिएंस**
मूनी एंड रीले	**प्रिंसिपल्स ऑफ आर्गनाइज़ेशन**
हेनरी फेयोल	**इंडस्ट्रियल जनरल मैनेजमेंट**

☞ भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय वन सेवा एवं भारतीय विदेश सेवा में से कौन-सी अखिल भारतीय सेवा नहीं है? **— भारतीय विदेश सेवा**

☞ 'प्रबंधकीय ग्रिड' की अवधारणा किसने दी? **— ब्लेक और मूटन**

☞ कौन सा प्रावधान संघ लोक सेवा आयोग की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता?**— आयोग का अध्यक्ष और उसके सदस्य सुनिश्चित अवधि तक अपने पद पर रहते हैं, कोई सदस्य केवल राष्ट्रपति द्वारा ही अपने पद से हटाया जा सकता है और वह भी संविधान में दी गई विधि से, आयोग का खर्च भारत की समेकित निधि से लिया जाता है।**

☞ इसका संबंध किस कथन सैद्धांतिक उपागम से है ''हर शक्ति के लिए ज्ञान आवश्यक है तथा हर ज्ञान मौजूदा शक्ति-संबंधों पर निर्भर होता है और उन्हें लागू करता है''? **— उत्तर-आधुनिकतावाद**

☞ **अभिकथन (A) :** निर्भरता मॉडल के अनुसार, गरीब देशों में अल्प-विकास के कारक तत्त्व संबंधित देश से बाहर के कारक तत्त्व होते हैं।
कारण (R) : विकासशील देशों पर पश्चिमी विकसित देशों के विदेशी पूंजीपरक हितों का प्रभुत्व होता है। **— (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।**

☞ सुमेलित हैं–

ट्रांस नेशनल कॉर्पोरेशन		**देश**
टोयेटा	—	**जापान**
जनरल इलेक्ट्रिक	—	**यूएसए**
नेस्ले	—	**स्विट्जरलैंड**
इलेक्ट्रोलक्स	—	**कनाडा**

☞ सुमेलित हैं–

(रीजनल इकोनॉमिक कमीशन)		**(मुख्यालय)**
इकोनामिक कमीशन फॉर यूरोप	—	**स्विट्ज़रलैंड**
इकोनामिक कमीशन फॉर अफ्रीका	—	**इथियोपिया**
इकोनामिक कमीशन फॉर लैटिन अमेरिका	—	**चिली**
इकोनामिक कमीशन फॉर वेस्ट एशिया	—	**इराक**

☞ भारत की विदेश नीति पर हिमालय के सीमांत क्षेत्रों के महत्त्व पर टिप्पणी करते हुए किस नेता ने यह कहा था कि ''यदि इसका अतिक्रमण किया जाता है तो भारत के मैदानी भाग तथा सागर-पार तक अनावृत्त हो जाएंगे और तब भारत पर मंडराने वाला खतरा दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों पर भी छा जाएगा। **— प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू**

☞ ''इंडो-नेपाल ट्रीटी ऑफ पीस एंड फ्रेंडशिप (1950)'' की आलोचना नेपाल के माओवादियों द्वारा किस कारण से की जाती है? **— असमान संधि, नेपाली अस्मिता का बढ़ता हुआ दावा, चीन से समान दूरी की नीति**

☞ किस नेता ने सन् 1984 में आयोजित आण्विक निरस्त्रीकरण पर चार महादेशीय शांति पहल में भाग नहीं लिया? **— राष्ट्रपति जिया-उल-हक**

☞ **अभिकथन (A) :** चीन ने पाकिस्तानी परियोजनाओं, खासकर ग्वादार बंदरगाह, पर अत्यधिक धन खर्च किया, तथापि चीन ने अपनी उन नीतियों पर पुनर्विचार किया जिनके कारण पाकिस्तान को मिलने वाले महत्त्व में कमी आई थी।
कारण (R) : भारतीय बाज़ार में चीनी माल की बिक्री के विशाल अवसर के अलावा, तालिबान और अल-कायदा के सहयोग से जिंजियांग में इस्लामी कट्टरतावाद के फैलते हुए जाल से चीन को अपनी दक्षिण-एशिया नीति पर पुनर्विचार करने को बाध्य किया। **— (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्ट्रीकरण है।**

☞ राजनीतिक सिद्धांत के ह्रास के विषय में सही है **— इतिहास परकवाद, अतितथ्यात्मकतावाद एवं नैतिक सापेक्षवाद**

☞ स्किनर, पोकॉक, विंच एवं विटगेंस्टीन में से कौन संदर्भवाद का व्याख्याता नहीं है? **— विटगेंस्टीन**

☞ पॉपर, क्रॉसमैन, बर्लिन एवं लैविंसन में से कौन प्लेटो का समर्थक है? **— लैविंसन**

☞ नागरिकों को किसने ''शासक के नागरिक जीवन का सहभागी तथा बदले में शासित होने वाले'' के रूप में परिभाषित किया है? **— अरस्तू**

☞ किसका राजनीतिक सिद्धांत नाममात्रवाद पर आधारित है**— हॉब्स का**

☞ जॉन लॉक रचित 'टू ट्रीटीज ऑन सिविल गवर्नमेंट' में किस पर समीक्षात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है- **— फिल्मर पर**

☞ सामान्य वसीयत (General will) अंगित करती है**— मेरी स्वयं अपनी वास्तविक वसीयत, समूह मानस, एक सर्वसामान्य मैं**

☞ किसने मनुष्य को 'होम फेबर' के रूप में कल्पित किया है? **— ग्विजोट**

☞ कौन यह कहता है कि श्रमिक स्वतः समाजवादी नहीं बनते, बल्कि केवल मजदूर संघवादी बनते हैं तथा फलस्वरूप व्यावसयिक क्रांतिकारियों के द्वारा क्रांतिकारी विचारधारा को उन तक पहुंचाना होता है? **— लेनिन**

☞ मार्क्सवादी अतिरिक्त मूल्य के सिद्धांत की आलोचना किसने की है? **— एम.एन. रॉय**

☞ किसने यह कहा है कि ''जो लोग यह कहते हैं कि धर्म का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है वे धर्म का अर्थ नहीं जानते''? **— एम.के. गांधी**

☞ एफ.ए. हयेक द्वारा लिखित पुस्तकों का सही अनुक्रम है–
— दि रोड टू सर्फडम, दि कंस्टीट्यूशन ऑफ लिबर्टी, रुल्स एंड ऑर्डर, दि मिराज ऑफ सोशल जस्टिस

☞ सुमेलित हैं–

(लेखक)	(पुस्तकें)
एम. सैंडल	**लिबरलिज्म एंड दि लिमिट्स ऑफ जस्टिस**
एम. वाल्टजर	**स्फियर्स ऑफ जस्टिस : ए डिफेंस ऑफ प्लुरलिज्म एंड इक्वलिटी**
डब्ल्यू किम्लिका	**कंटेंपोररी पोलिटिकल फिलॉसफी**
आर.जे. बर्नस्टीन	**दि रिस्ट्रकचरिंग ऑफ सोशल एंड पोलिटिकल थियरी**

☞ **अभिकथन (A) :** जैसा कि सबाइन ने कहा है, महान् राजनीतिक सिद्धांत राजनीतिक एवं सामाजिक संकटों से उत्पन्न होते हैं।
कारण (R) : कोई राजनीतिक सिद्धांत निष्काम नहीं होता।
— (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ ब्लॉक मतदान व्यवस्था को कहा जाता है- **— फर्स्ट-पास्ट-दि-पोस्ट सिस्टम**

☞ अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्वाचन में, यदि किसी उम्मीदवार को अपेक्षित बहुमत नहीं मिलता तो निर्णय के लिए किसके पास भेजा जाता है? **— हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के पास**

☞ एस.पी. हंटिंग्टन के अनुसार राजनीतिक विकास तब होता है जब- **— बड़े पैमाने पर लामबंदी और सहभागिता संस्थानीकरण की तुलना में हो।**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I	सूची-II
पार्टी आइडेंटिफिकेशन मॉडल	– राजनीतिक दलों के प्रति लोगों की मनोवैज्ञानिक संपृक्तता
सोशियोलाजिकल मॉडल	– समूह सदस्यता को मतदान व्यवहार से जोड़ना
नेशनल च्वॉयस मॉडल	– राष्ट्रीयकर्त्ता को मतदान करना
डॉमिनेंट आइडियोलॉजी मॉडल	– वैचारिक कौशल की प्रक्रिया द्वारा मतदान को रूप देना

☞ कौन, राजनीतिक विकास को राजनीतिक आधुनिकीकरण के साथ संस्थानीकरण के रूप में मानता है? **— हेलियो जैकोर्बी**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (आधुनिकीकरण विचारधारा)	सूची-II (लेखक)
मनोवैज्ञानिक विचारधारा	– डेनियल लर्नर
संरचनात्मक विचारधारा	– जी.ए. अल्मॉण्ड
मानकीय विचारधारा	– शेल्डन वुलिन
उत्तर आधुनिकतावादी विचारधारा	– ल्योटार्ड

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (लेखक)	सूची-II (पुस्तक)
वाल्टर रोडनी	– हाऊ यूरोप अंडर डेवलप्ड अफ्रीका
जिओफ्रे के	– डेवलपमेंट एंड अंडर डेवलपमेंटः ए मार्क्सिस्ट एनालिसिस
रोनाल्ड एच. चिलकोटे	– थियरीज ऑफ अंडर डेवलपमेंट एंड डेवलपमेंट
जोसेफ शुंपीटर	– इंपेरियलिज्मः सोशल क्लासेस

☞ दि नेशनल कौंसिल ऑफ चर्चेज तथा दि ऐंटी सैलून लीग नामक दो प्रभावक गुट कहां के हैं? **— दि यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका**

☞ उन विविध प्रयोजनों को बताइए जो जेम्स विलसन ने हित समूहों में

सम्मिलित होने के निर्णय को मजबूत करने के लिए पेश किए?

— साधक, सोद्देश्य, अभिव्यंजक

☞ किसने उदारवादी संविधानवाद तथा लोकतांत्रिक अव्यवस्था में अंतर किया ? **— थेडा स्कोक्पोल**

☞ सही सुमेलित हैं-

गुट दल तथा प्रभावक गुटों के साथ व्यस्तता	–	रॉबर्ट डाह्ल
प्रबंधकीय क्रांति	–	बर्नहैम
सहभागिता प्रजांतत्र	–	पेटमैन
राज्य का साधक सिद्धांत	–	मिलीबैंड

☞ निर्वाचन की सूची प्रणाली की विशेषताएं कौन-सी हैं?

— दल चुनाव के लिए उम्मीदवारों का पैनल बनवाते हैं तथा इसमें केवल बहुसदस्यीय चुनाव क्षेत्र होते हैं।

☞ **अभिकथन (A) :** लुसियन पाई ने राजनीतिक विकास के तीन मुख्य संघटकों - समानता, क्षमता और भेदीकरण की शिनाख्त की।

कारण (R) : उच्च स्तर का भेदीकरण विकास तथा क्षमता निर्माण की ओर प्रवृत्त करता है।

— (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (प्रधानमंत्री)		सूची-II (प्रधानमंत्री का कार्यकाल)
आई.के. गुजराल	–	21 अप्रैल, 1997 - 18 मार्च, 1998
ए.बी. वाजपेयी	–	16 मई, 1996- 1जून, 1996
एच.डी. देवगौड़ा	–	1 जून, 1996 - 20 अप्रैल, 1997
चंद्रशेखर	–	10 नवंबर, 1990 - 21 जून, 1991

☞ बजट बनाने की प्रक्रिया का सही अनुक्रम कौन-सा है?

— वित्त विधेयक, सामान्य चर्चा, अनुदानों पर मतदान एवं विनियोजन विधेयक

☞ **अभिकथन (A) :** धन विधेयक संसद के सिर्फ निम्न सदन में उद्भूत होते हैं।

कारण (R) : संसद का निम्न सदन सामान्यतया निर्वाचित निकाय होता है।

— (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही व्याख्या है।

☞ केवल राज्य सभा की ही समितियां कौन सही हैं?

— अधीनस्थ विधान समिति, सरकारी आश्वासन समिति, मेज पर प्रस्तुत पत्रों से संबंधित समिति

☞ अनुच्छेद 170 के अनुसार, राज्य विधान सभाओं, जो प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित की गई हैं, के अधिकतम सदस्य कितने हो सकते हैं?

— 500

☞ 'पोलिटिक्स एंड दी स्टेट इन इंडिया' नामक पुस्तक के संपादक/लेखक कौन हैं? **— जोया हसन**

☞ खेड़ा आंदोलन, ताबलीघ आंदोलन, तेलंगाना आंदोलन एवं तेभागा आंदोलन में से कौन किसान आंदोलन नहीं है?**— ताबलीघ आंदोलन**

☞ किस उपवाक्य का उपयोग बेनडिक्ट एंडरसन ने भारतीय राष्ट्रीयता के लिए किया? **— कल्पित समुदाय**

☞ भारत में शासन योग्यता के संकट के संबंध में अतुल कोहली की परिभाषा है?

— स्थायी या सहनशील सम्मिलनों की अनुपस्थिति, नीतिगत अप्रभाविता, राजनीतिक संघर्ष को बगैर हिंसा के अनुकूल बनाने की अक्षमता

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित है-

सूची-I (लेखक)		सूची-II (विचार)
लॉयड एवं सूसाने रुडोल्फ	–	भारतीय राज्य समूह तथा वर्ग बहुवाद में अंतःस्थापित है।
पार्था चैटर्जी	–	राज्य संसाधनों का प्रधान आबंटक तथा सामाजिक समूहों में प्रधान सुकरकर्त्ता या सुसाध्यकर्त्ता
फ्रैंकल एवं एम.एस. ए. रॉय	–	लोक संस्थाओं तथा राजनीतिक संस्थाओं के बीच लोकतांत्रिक राजनीति विपाटन
हमजा अलवी	–	अति विकसित उत्तर औपनिवेशिक राज्य

☞ किसने बताया कि पाश्चात्य देशों में 'धर्म निरपेक्ष' का विलोम शब्द 'धार्मिक' है परंतु भारत में 'धर्म निरपेक्ष' का विलोम शब्द 'सांप्रदायिक' है?

— थॉमस पंथम

☞ नागरिक समानता, धर्म की स्वतंत्रता, राज्य के द्वारा कोई धार्मिक शिक्षा नहीं एवं धार्मिक संपत्ति पर कराधान में से भारत में धर्मनिरपेक्ष राज्य का तत्त्व नहीं है- **— धार्मिक संपत्ति पर कराधान**

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (लेखक)		सूची-II (पुस्तक का नाम)
सेल्डन ऑलिवर	–	दी फिलोसफी ऑफ मैनेजमेंट
लोपावस्की अल्बर्ट (संपादक)	–	एडमिनिस्ट्रेशन दी आर्ट एंड सांइस ऑफ ऑर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट
अशोक चंदा	–	इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन

☞ भारत में वरिष्ठ सिविल कर्मचारी (सर्वेंट्स) के पदोन्नति के मामले का फैसला कौन करता है? **— मंत्री मंडल समिति**

☞ किसका कहना है कि लोक प्रशासन सरकार के केवल कार्यकारिणी शाखा के प्रचालनों को समाविष्ट करता है? **— लुथर गुलिक**

☞ 'उदासीनता का अंचल' अवधारणा किससे संबंधित है? **— सत्ता से**

☞ लोक निगम की विशेषता है -

— इसे मंत्रालय के नियंत्रण से पूर्ण प्रशासनिक स्वायत्तता प्राप्त है।

☞ उत्तरदायित्व, वेतन, कार्य की स्थितियां, कंपनी नीति में से कौन अभिप्रेरणा के हर्जबर्ग द्वि-कारक सिद्धांत में 'हाइजीन' (या स्वस्थता) कारक में समाविष्ट नहीं है? **— उत्तरदायित्व**

☞ 'परफॉरमेंस बजट' (निष्पादन बजट) शब्दावली किसके द्वारा गढ़ी गई थी? **— यू.एस.ए. का प्रथम हूवर आयोग**

☞ लोक निगमों की कार्यविधि के बारे में कौन-सी सिफारिश भारत के प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा की गई थी।

— उच्च अधिकारी पूर्णकालिक कर्मचारी होने चाहिए, आंतरिक लेख परीक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

☞ 'पद वर्गीकरण' किसका वर्गीकरण है? **— कर्त्तव्यभार का**

☞ ''अधिकारियों का पेशेवर निकाय जो स्थायी, वैतनिक और कुशल होता है।'' सिविल सेवा को इन शब्दों में किसने परिभाषित किया है? **— हरमैन फाइनर ने**

☞ किस रिपोर्ट में विशेषज्ञों और सामान्यज्ञों के संबंधों पर विचार किया गया है? **— फुल्टन समिति रिपोर्ट में**

☞ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सेवाओं में प्रावधान किस अनुच्छेद के तहत किया गया है? **— अनुच्छेद 335**

☞ 'गैंग प्लैंक' का संबंध किससे है? **— स्तर शेषांतरण (लेवल जंपिंग)**

☞ लोक निगम की विशेषता है -

— यह कानूनी पहचान है, यह किसी से अनुबंध कर सकता है, यह संपत्ति का मालिक हो सकता है।

☞ **अभिकथन (A) :** अखिल भारतीय सेवाएं न तो संविधान की संघीय विशेषता का उल्लंघन करती हैं, न राज्यों की स्वायत्तता का।

कारण (R) : अखिल भारतीय सेवा अधिकारी केंद्र सरकार के नियमों से शासित होते हैं और राज्य सरकारों का उन पर पूरा नियंत्रण नहीं होता।

— (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

☞ अलेक्जेंडर वेंड्त को आप किस सैद्धांतिक उपागम के अंतर्गत रखेंगे? **— सामाजिक निर्मितिवाद**

☞ संधियों का सही आरोही कालक्रम है-

— केमिकल वीपंस ऐग्रीमेंट, इंडेफिनिट एक्सटेंशन ऑफ एन पी टी, कंप्रिहेंसिव टेस्ट बैन ट्रीटी एवं लैंडमाइंस बैन ट्रीटी

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार)		**सूची-II (देश)**
संवैधानिक रूप से विकेंद्रीकृत संघ	–	यू के
कुछ संघीय गुणों के साथ संघ	–	भारत
परिसंघ (कंफेडरेशन)	–	स्विट्जरलैंड
महासंघ (फेडरेशन)	–	यू एस ए

☞ संचार उपागम का आविर्भाव किससे माना जा सकता है? **— साइबरनेटिक अभियांत्रिकी**

☞ स्टीवेन मट्ज के अनुसार, कौन-सा अभिलक्षण तृतीय स्तर राज्यों को चिह्नित करता है? **— अभिशासन का संकट**

☞ किसके विचारों से राष्ट्रसंघ (लीग ऑफ नेशंस) की संकल्पना का उदय हुआ? **— वुडरो विल्सन**

☞ **अभिकथन (A) :** क्षेत्रीय दलों का उद्भव और सशक्तिकरण परस्पर संबद्ध हैं।

कारण (R) : निचले स्तर पर क्षेत्रवाद की जड़ विशिष्ट संस्कृतियों और पहचानों में है।

— (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ भारतीय विदेश नीति का कौन-सा निर्धारक, भारत द्वारा 1980 के पूर्व इजराइल को वास्तविक मान्यता दिए जाने का कारण था?

— आर्थिक तत्त्व, भारतीय समाज की बहुलवादी प्रकृति, भारतीय राष्ट्र की विचारधारा

☞ अंतर्राष्ट्रीय संबंध में 'हॉट लाइन' का क्या अर्थ है?

— डायरेक्ट कम्युनिकेशन लिंक (डी सी एल) तक फैसिमाइल ट्रांसमिशन क्षमता, डी सी एल के मार्ग से ग्राफिक सामग्री प्रेषित करना, राज्यों के प्रमुखों (सरकार के प्रभारकों) के बीच प्रत्यक्ष संवाद

☞ किस कारण से भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध तनावपूर्ण हुए? **— तीस्ता नदी जल वितरण**

☞ **अभिकथन (A) :** प्रत्येक राज्य आज अपनी विवादग्रस्त मीडिया छवि को येन-केन प्रकारेण सुधारने के लिए किसी भी हद तक जाता है तथा आज के पत्रकार प्रभावशील रूप में प्रेक्षक के स्थान पर सक्रिय सहभागी बन गए हैं।

कारण (R) : मीडिया-युद्ध एजेंडा तय करता है और सहमति उत्पादित करता है।

— (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ भारत-पाकिस्तान के मध्य हुए समझौते का सही कालक्रम है

— ताशकंद ऐग्रीमेंट, शिमला ऐग्रीमेंट, लाहौर ऐग्रीमेंट एवं आगरा एकार्ड

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (देश)		**सूची-II (समस्याएं)**
पाकिस्तान	–	बगलीहार जल परियोजना
बांग्लादेश	–	गैर-कानूनी प्रव्रजन
नेपाल	–	अल्पकालिक मार्ग
चीन	–	तवांग घटना

☞ सूची-I का सूची-II से सही सुमेलित हैं-

सूची-I (देश)		**सूची-II (समस्याएं)**
कंबोडिया वियतनाम	–	लैड्रांग एंड आइलैंड्स ऑफ बाई
म्यांमार थाइलैंड	–	डाइ लैंग
मलेशिया फिलिपिंस	–	सबाह/नार्थ बोर्नियो
वियतनाम फिलिपिंस	–	स्पार्टलीज आइलैंड

☞ हेगे के विचार में- समकालिक प्रशियन राष्ट्र, रोम, एथेंस तथा समकालिक ग्रेट ब्रिटेन में से किस शहर/राष्ट्र में मस्तिष्क की सर्वाधिक संभावित उपलब्धि सामाजिक जीवन में प्रकट होती है?

— समकालिक प्रशियन राष्ट्र

☞ संयत व्यवहार, उत्कट उदारता, पूर्ण कड़ाई, अत्यधिक दयालु में से जिस व्यवहार का अनुसरण करने के लिए मैकियावेली ने प्रिंस को सलाह दिया **— संयत व्यवहार**

☞ स्थिर, कुशल, न्यायपूर्ण तथा समान में से रॉल्स के सुव्यवस्थित समाज का हिस्सा नहीं है **— समान**

☞ ''कानून न्यायोचित और अन्यायोचित के नियम हैं जो कोई विधि से विपरीत नहीं है उसे अन्यायोचित नहीं माना जाता।'' यह कथन है।

— हॉब्स का

☞ रूसो की कृतियों कालक्रम है-

—ए डिसकोर्स ऑन दि आर्ट्स एंड साइंस (1749), ए डिसकोर्स ऑन द ऑरिजिन ऑफ इनइक्वेलिटी (1754), एमिली (1762), दी सोशल कांट्रेक्ट (1762)

☞ सुमेलित है-

ऑन लिबर्टी	**— जे.एस. मिल**
लेक्चर्स ऑन दी प्रिंसिपल्स ऑफ पोलिटिकल ऑब्लीगेशन	**— टी.एच. ग्रीन**
आइडिया ऑफ जस्टिस	**— अमर्त्य सेन**
एनार्की, स्टेट एंड यूटोपिया	**— रॉबर्ट नौज़िक**

☞ सुमेलित है-

शक्तिशाली के हित के रूप में न्याय	**— थ्रेसीमेकस**
आनुपातिक समानता के रूप में न्याय	**— अरस्तू**
उचितता के रूप में न्याय	**— रॉल्स**
एक व्यक्ति, एक कर्तव्य, एक वर्ग, एक कार्य के रूप में न्याय	**— प्लेटो**

☞ सुमेलित है-

अविच्छिन्नशांत	**— कांट**
स्वर्णिम संतुलन	**— अरस्तू**
गुफा का सादृश्य	**— प्लेटो**
स्त्री के रूप में भाग्य	**— मैक्यावेली**

☞ **कथन (A)** – मार्क्स एक क्रांतिकारी था।

कारण (R)– मार्क्स का इतिहास की प्रक्रियाओं से कोई सरोकार नहीं था।

—कथन (A) सत्य है, परंतु कारण (R) असत्य है।

☞ **कथन (A)** – अरस्तू को तर्कसंगत रूप से राजनीति विज्ञान का जनक कहा जाता है।

कारण (R)– प्लेटो को आदर्शवाद की उसके द्वारा आलोचना इस दावे को सही प्रमाणित करती है।

—(A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान तथा मानव विज्ञान में से किसमें समाजशास्त्रों में सामान्य व्यवस्था सिद्धांत का परिचालन भाग सर्वप्रथम विकसित हुआ **— मानव विज्ञान (Anthropology)**

☞ ''प्रकार्यवाद का निर्वचन मार्क्सवाद के चेतन विकल्प के रूप में किया जा सकता है।'' यह कथन है **— डब्ल्यू.जी. रुसीमैन का**

☞ ''विकास के लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए विकासशील समाज को राजनीतिक एकीकरण, औद्योगिकीकरण, राष्ट्रीय कल्याण एवं प्रचुरता की अवस्थाओं से गुजरना पड़ता है'' यह कथन है**— आरगैंस्की का**

☞ लुसियन पाई-आधुनिकीकरण सिद्धांत, वेलरस्टाइन विश्व व्यवस्था सिद्धांत, थेडा स्कोकपोल-नवसंस्थावाद, कार्ल डायश-संचार सिद्धांत में से वह जो सुमेलित नहीं है **— लुसियन पाई आधुनिकीकरण सिद्धांत**

☞ पैरोटो : अवशिष्ट की अवधारणा, मीचल्स-जनसमूह मानस (मास माइंड) अवधारणा, मिल्स-राजनीतिक फार्मूला अवधारणा तथा गैसेट-जनसमूह का सिद्धांत में से सुमेलित नहीं है

— मिल्स-राजनीतिक फार्मूला अवधारणा

☞ यू.एस.ए., यू. के., मैक्सिको, जर्मनी, इटली, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत पाकिस्तान में से किसके/किनके सर्वेक्षण से नागरिक संस्कृति की अवधारणा विकसित हुई है **— यू.एस.ए., यू.के., मैक्सिको, जर्मनी तथा इटली**

☞ समीर अमीन, अमर्त्य सेन, पॉल स्वीजी, एंद्रे गुंडर फ्रैंक में से असमान विनिमय का निरुपण किया है **— समीर अमीन**

☞ पश्चिमी यूरोप, विश्व के समस्त प्रजातांत्रिक देश, विकासशील विश्व में पार्टी व्यवस्था तथा साम्यवादी विश्व में राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में डुवर्जर के पार्टी व्यवस्था का वर्गीकरण किसके अनुभव पर आधारित है

— पश्चिमी यूरोप के देशों की पार्टी

☞ अमेरिका के राष्ट्रपति के बारे में सही है-

— वह राष्ट्र का मुखिया है और सरकार का भी मुखिया है। समस्त कार्यकारी शक्तियां उसके पास रहती है।

☞ जनहित का अभिरक्षक, क्षमताशाली, एकाधीनतावादी, तथा भ्रष्टाचारी में से मार्क्स की परिपालक (अभिरक्षक) नौकरशाही की विशेषता नहीं है **— भ्रष्टाचारी**

☞ न्यायमूर्ति आर.एन.मिश्रा समिति, न्यायमूर्ति आर.एन. मधोलकर समिति, न्यायमूर्ति राजेंद्र सच्चर समिति में से एक की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा पिछड़े वर्गों के बीच विशिष्ट समूह की पहचान हेतु की गई

— न्यायमूर्ति रामनंदन समिति

☞ माइरोन वीनर, पॉल आर.ब्रास, अतुल कोहली तथा मॉरिस जोंस में से

किसने भारतीय राजनीति को 'अभाव की राजनीति' के रूप में परिभाषित किया **— माइरोन वीनर**

☞ जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी, मौलाना आजाद, तथा सुभाष चंद्र बोस में से जिसने ब्रिटिश राज के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में योजना आयोग के विचार का सूत्रपात किया **— सुभाष चंद्र बोस**

☞ डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जे.बी. कृपलानी, सरदार वल्लभभाई पटेल, आचार्य विनोबा भावे में से कौन अक्टूबर, 1940 में गांधी जी द्वारा शुरु किए गए व्यक्तिगत सिविल अवज्ञा आंदोलन में प्रथम सत्याग्रही था?

— आचार्य विनोबा भावे

☞ ए.के. चंदा, मॉरिस जोंस, के.सी. ह्वीयर तथा डी.डी. बसु में से किसने भारतीय संघीय व्यवस्था को 'सौदेबाजी की व्यवस्था' नाम दिया है **— मॉरिस जोंस**

☞ बी.एन.मंडल, बी.पी. मंडल, डी. एल. मंडल एवं आर.एन. मंडल में से कौन मंडल आयोग का अध्यक्ष था **— बी.पी. मंडल**

☞ भारत में अंतर-राज्य परिषद की स्थापना की गई थी

— वर्ष 1990 में

☞ विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समितियों की व्यवस्था हेतु लोक सभा नियमों में कब संशोधन किया गया? **— वर्ष 1989 में**

☞ भारत सरकार अधिनियम, 1909; भारत सरकार अधिनियम, 1919, मॉटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट तथा भारत सरकार अधिनियम, 1935 में किसके द्वारा भारत में एक संघीय न्यायालय की स्थापना की गई

— भारत सरकार अधिनियम, 1935

☞ एफ. विलोबी, वुडरो विल्सन, एम.पी.फॉलेट तथा लियोनार्ड डी व्हाइट में से किसने 'इंट्रोडक्शन टू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' नामक पुस्तक लिखी है? **— लियोनार्ड डी. व्हाइट**

☞ एफ. डब्ल्यू टेलर, हर्बर्ट साइमन, एल्टन मेयो तथा एफ.एम. मार्क्स में से किसके द्वारा अनौपचारिक संगठन की अवधारणा प्रतिपादित की गई

— एल्टन मेयो

☞ सामाजिक व्यवस्था, प्रशासनिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था एवं राजनीतिक व्यवस्था में से किसकी रिग्गस् के प्रिज्मैटिक समाज की उपव्यवस्था क्लेक्ट है- **— सामाजिक व्यवस्था**

☞ जैकसोनियन सिद्धांत को योग्यता प्रणाली, आउट सोर्स प्रणाली, इनामी प्रणाली तथा संविदा प्रणाली में से किस अन्य नाम से भी जाना जाता है? **— इनामी प्रणाली**

☞ मिन्नोब्रुक सम्मेलन, 1968 में लोक प्रशासन के कौन से चार मुख्य मुददों पर बहस की गई? **— प्रासंगिकता, मूल्य, समता, परिवर्तन**

☞ 'सफल प्रबंध उद्देश्यों द्वारा प्रबंध को अंतर्ग्रस्त करता है' यह कथन है।

— पीटर एफ, ड्रक्कर का

☞ राबर्ट डाहल ने अपनी किस पुस्तक में निर्णय लेने के सिद्धांत की व्याख्या की है- **— हू गवर्नस**

☞ मास्टरमैन, फल्टन, एशटन तथा मैक ग्रॉ कमेटियों में से किसने ब्रिटिश सिविल सर्विस के लिए यूनिफाइड ग्रेडिंग स्ट्रक्चर की अनुशंसा की **— फल्टन**

☞ **कथन (A)** – भ्रष्टाचार की प्रथा के अंत को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त उपाय किए जाने चाहिए।

कारण (R)– भ्रष्टाचार प्रजातांत्रिक प्रक्रिया को अवनति की ओर प्रवृत्त करता है।

– (A) तथा (R) दोनों सत्य है किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

☞ सही सुमेलित हैं- अम्बुड्समैन का कार्यालय निम्नांकित वर्षों में इन देशों में स्थापित किया गया-

स्वीडन	–	**1809**
फिनलैंड	–	**1919**
न्यूजीलैंड	–	**1962**
यूनाइटेड किंगडम	–	**1967**

☞ उत्तर सोवियत काल में, वैश्विक स्तर पर रशिया का दृष्टिकोण कठोर वैचारिक परिस्थितियां, सोवियत काल की पैतृक संपत्ति के लिए भूमिका में वृद्धि, व्यावहारिक अनवैचारकीय वैश्विक दृष्टिकोण तथा शीत युद्ध युग की अनम्यता (जड़ताएं) में से किससे पोषित था?

— व्यावहारिक अनवैचारकीय वैश्विक दृष्टिकोण से

☞ एनटॉनिये ग्राम्सी, रोजा लक्समबर्ग, इमैनुअल वेलरस्टाइन तथा केनेथ वाल्टज में से किसने 'अल्पविकास' शब्द का प्रतिपादन किया?

— इमैनुअल वेलरस्टाइन

☞ यू.एस. द्वारा निर्मित कंटेनमेंट की नीति का लक्ष्य है-

— सोवियत यूनियन के प्रभाव को वैश्विक रूप से रोकना

☞ 1997 का क्योटो प्रोटोकाल किस कार्यक्रम के लिए अंगीकृति किया गया था? **— ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने के लिए।**

☞ सुमेलित है-

मार्टन काप्लान	–	**व्यवस्था सिद्धांत**
ऐन्द्रेगुंडर फ्रैंक	–	**पराश्रयता सिद्धांत**
हेंस जे, मार्गन्थो	–	**यथार्थवाद सिद्धांत**
मिखाइल गॉरबाचेव	–	**पेरेस्त्रोइका एंड ग्लासनोस्त**

☞ विश्व व्यापार संगठन (W.T.O.) के अंदर पारस्परिकता का सिद्धांत विचार करता है

— राष्ट्र द्वारा व्यापार अवरोधों को कम करना और बदले में दूसरे राष्ट्र के द्वारा भी उतने ही कम हो

☞ घटनाओं का सही क्रम है-

— सोवियत यूनियन के कन्टेनमेंट (सीमित रखने) की यू.एस. नीति, ईरान-इराक युद्ध, पूर्व सोविय यूनियन का विघटन, अफगानिस्तान में आतंकवाद के विरुद्ध यू.एस. का युद्ध के कॉन्टेनमेंट

☞ ''साम्राज्यवाद पूंजीवाद की उच्चतम अवस्था है'' कथन है

— लेनिन का

☞ हांस ब्लिक्स संयुक्त राष्ट्र संस्था का प्रमुख किस कार्य के लिए है

— जनसमूह के विनास के शस्त्रों के सत्यापन हेतु ईराक में स्थानों का निरीक्षण

☞ नगॉर्नो काराबाख किसके बीच विवादास्पद प्रदेश है?

— आर्मेनिया और अजरबेजान

☞ थ्योरी शब्द ग्रीक शब्द 'थ्योरिया' से आया है जिसका तात्पर्य है
— एक सुकेंद्रित मानसिक दृष्टिकोण

☞ पीटर लैसले, डेविड ईस्टन, जीन ब्लॉन्डेल तथा अल्फ्रेड कोबन में से कौन राजनीति सिद्धांत के अस्वीकरण के लिए संबद्ध नहीं है
— जीन ब्लॉन्डल

☞ ''नकारात्मक स्वतंत्रता सकारात्मक स्वतंत्रता से उच्च होती है'' यह कथन है **—इसिआह बर्लिन का**

☞ सामाजिक न्याय नैतिक तर्क संगतता से प्राप्त होता है
— यह कथन सत्य है

☞ 'सांस्कृतिक क्रांति', 'ग्रेट लीप फारवर्ड' तथा 'सैकड़ों फूल खिलने दो और अनेकों विचार संप्रदायों को शामिल होने दो' में से कौन माओ के नेतृत्व में प्रथम जनआंदोलन था
— 'सैकड़ों फूल खिलने दो और अनेकों विचार संप्रदायों को शामिल होने दो'

☞ ट्रॉटस्की, स्टेलिन, मार्क्स तथा माओ में से 'लेनिनवाद' की खोज किसके द्वारा की गई? **— स्टेलिन द्वारा**

☞ 'द गुड बोटमैन' नामक पुस्तक के लेखक हैं **— राजमोहन गांधी**

☞ प्लेटो की रिपब्लिक नीति और राजनीति दोनों की पुस्तक है
— यह कथन सत्य है

☞ 'द फ्यूचर ऑफ इंडियन पॉलिटिक्स', 'गांधीज्म-नेशनलिज्म एंड सोशलिज्म' तथा 'न्यू ह्यूमेनिज्म : ए मैनिफेस्टो' पुस्तक के लेखक हैं-
— एम.एन.राय

☞ एम.एन.राय, रूसो, हॉब्स तथा मैक्यावेली में से किसने धन की तुलना महिला से की है? **— मैक्यावेली ने**

☞ 'पेरिस पांडुलिपियां', 'फ्यूरबख पर शोध प्रबंध', पॉवर्टी ऑफ फिलॉसफी तथा 'जर्मन विचार-धारा' (ऑडियोलॉजी) में से कौन-सी कृति एलीनेशन से संबंधित नहीं है? **— पावर्टी ऑफ फिलॉसफी**

☞ यथार्थ इच्छा, अधिकांश इच्छा, संपूर्ण इच्छा तथा वास्तविक इच्छा में से कौन-सी 'सामान्य इच्छा' है **— वास्तविक इच्छा**

☞ **कथन (A)** – सामाजिक संविदा से संप्रभु सरकार स्थापित की थी।
कारण (R)– नागरिकों को सभी कानूनों का पालन करने अथवा किसी भी प्रकार की सरकार को स्वीकार करने की पूर्ण बाध्यता है।
– (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

☞ सुमेलित हैं-

(शुद्धरूप)		(अपभ्रष्ट रूप)
(i) राजतंत्र	–	**टिरनी (अत्याचारी शासन)**
(ii) कुलीनतंत्र	–	**अल्पतंत्र**
(iii) राज्य व्यवस्था	–	**लोकतंत्र**
(iv) आदर्श राज्य	–	**सम्मानतंत्र (प्रथम अवस्था)**

☞ दी गई पुस्तकें कालक्रमानुसार सही क्रम में व्यवस्थित हैं-
— गांधी : फाइटर विदआउट ए सोर्ड (जे. ऐटोन), द लाइफ ऑफ महात्मा गांधी (लुईस फिशर), गांधीज ट्रुथ, (ई. एच. इरकसन), इन सर्च ऑफ गांधी (रिचर्ड एटनबरो)

☞ **सुमेलित हैं-**

सिद्धांतवादी		**पद्धति**
बर्टालनफाई	–	**अंतःक्रिया में आने वाले तत्वों का समूह**
हॉल एंड फेजन	–	**वस्तुओं का एक समूह तथा वस्तुओं एवं उनके गुणों के बीच संबंध**
ईस्टन	–	**अंतःक्रिया का समूह**
कोलन चेरी	–	**एक पूर्ण जो अनेकों के संयोजन से बनता है**

☞ गेबियल आलमंड, डेविड ईस्टन, मॉर्टन काप्लान, ओरेन यंग में से किसने राजनीतिक व्यवस्था का '**फ्लो मॉडल**' प्रस्तुत किया है?
— डेविड ईस्टन

☞ रावर्ट मर्टन, पार्सन्स, मेलिनोवस्की तथा आर्थर वेंटले में से किससे आलमंड ने अपने दृष्टिकोण की अधिकतर शब्दावली है
— पार्सन्स से

☞ लूसियनपाई, हंटिग्टन, रिग्स तथा डेनिल लर्नर में से किसने राजनीतिक विकास में समता और क्षमता के सिद्धांतों के बीच संतुलन को अधिक महत्त्व दिया है **— रिग्स ने**

☞ लुसियनपाई, ऑरगेन्सकी, हलपार्न तथा डेविड एप्टर में से कौन राजनीतिक विकास के अध्ययन के लिए 'संकल्प और क्षमता' (विल एंड कैपिसिटी) के सिद्धांत से संबंध है **— हलपर्न**

☞ आलमंड और बर्बा, हंटिग्टन, लुसियनपाई तथा एडवर्ड शिल्स में से किसने संस्कृतियों को सभ्यताओं के साथ जोड़ा है **— हंटिग्टन ने**

☞ भारत, अमेरिका, स्विटजरलैंड तथा ऑस्ट्रेलिया में से किस/किन देशों पर यह कथन लागू होता है कि ''हम संविधान के अधीन हैं पर संविधान वह है जो न्यायाधीशों द्वारा मान्य हो''
— भारत तथा अमेरिका

☞ किसने राजनीतिक दलों के उद्भव को तीन सिद्धांतों के साथ जोड़ा है? संस्थागत सिद्धांत, ऐतिहासिक संकट सिद्धांत और विकास सिद्धांत
— लापैलोम्बरा और माइरन बीनर

☞ नीचे दिए गए कथन सत्य हैं-
(i) यू.एस.ए. में कम्यूनिस्ट पार्टी प्रतिबंधित है।
(ii) इग्लैंड में टोरीस को रुढ़िवादी (कंजरवेटिव) माना जाता है।

☞ ''नम्बर एक और नम्बर दो, तीन या चार की हैसियत की कोई तुलना नहीं की जा सकती है।'' ब्रिटिश प्रधानमंत्री के बारे में यह कथन किसका है **— विंन्सटन चर्चिल**

☞ **कथन (A)** – नेता जब एक बार शक्ति की पराकाष्ठा पर पहुंच जाते हैं

तो उन्हें कोई चीज नीचे नहीं गिरा सकती है।

कारण (R)– माइकेल के अनुसार अधिकतर मनुष्य उदासीन, अकर्मण्य, और चापलूस होते हैं।

– (A) और (R) दोनों सत्य है और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ सुमेलित है-

(i) पैरेटो – अभिजन का संचार

(ii) माइकेल – जन धारणा

☞ भारत, यू.एस.ए. स्विट्जरलैंड, तथा यू.के. में से किस देश/देशों को दोहरी नागरिकता : राष्ट्रीय नागरिकता तथा राज्य नागरिकता प्राप्त है

— स्विट्जरलैंड तथा यू.एस.ए.

☞ अमेरिका में अवशिष्ट शक्तियां राज्यों में निहित हैं

— यह कथन सत्य है

☞ अभिजन सिद्धांत अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सेन्ट्रल और वेस्टर्न यूरोपीय देश तथा आस्ट्रेलिया में से कहां सर्व प्रथम आरंभ हुआ

— सेन्ट्रल और वेस्टर्न यूरोपीय देशों में।

☞ भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उदारता, समानता तथा भाईचारे के आदर्श प्रतिष्ठापित है। इसकी प्रेरणा मुख्यतः मिली है

— फ्रांसीसी क्रांति से

☞ भारत के राष्ट्रपति के पद के लिए प्रत्यासी का नाम कौन प्रस्तावित करता है.....**निर्वाचक कॉलेज के कोई भी 50 सदस्य**

☞ अनु. 52ए, अनु. 51ए, अनु. 14 तथा अनु. 300ए में से कौन-सा अनुच्छेद भारत के मूल संविधान में नहीं था

— अनु. 51ए तथा अनु. 300ए

☞ 'भारतीय डाकघर संशोधन बिल' को लंबित रखने वाले राष्ट्रपति कौन थे **— ज्ञानी जैलसिंह**

☞ ''सभी की साम्प्रदायिकता हानिकारक है? अल्पसंख्यक साम्प्रदायिकता का तर्क पृथकता है, और बहुसंख्यक साम्प्रदायिकता अंततः फासिज्म में फलीभूत होती है।'' यह कथन किसका है **— विपिन चन्द्र**

☞ ''डेमोक्रेसी एंड डिसकंनटेंट'' पुस्तक के लेखक है**— अतुल कोहली**

☞ एटेनले ए.कोचानेक, जेम्स मेनर, मोरिस जोनस तथा पॉल ब्रास में से किसने भारत में 'विपणन राज्यतंत्र' के उभार पर बल दिया

— मोरिस जोनस

☞ मॉरिस जॉन, रजनी कोठारी, फ्रैन्कीन फ्रैंकेलन तथा सूसन एवं लायड रुडॉल्फ में से किसने भारतीय राज्य के स्वरूप को ''वृद्धि संबंधी लोकतंत्रात्मक आधुनिकीकरण'' माना है **— रजनी कोठारी ने**

☞ राष्ट्रीय अभिजन और केंद्र में विकास के आधार स्वरूप उद्यम वृत्ति वर्ग समझौता पुनः वितरण योग्य छूट का स्वतः निषेध नहीं करता है। यह कथन किसका है **— अतुल कोहली का**

☞ सही सुमेलित हैं-

लैंग्वेज, रिलीजन एंड पॉलिटिक्स – पॉल ब्रांस

पार्टी बिल्डिंग इन ए न्यू नेशन – मायरन वीनर

द पेन फुल ट्रांसीशन बॉर्गोइस – अचिन वनाइक

डेमोक्रेसी एन इंडिया

इंडिया इन ट्रांसीशन : फ्रीइंग द इकोनॉमी – जगदीश भगवती

☞ नीचे दी गई समितियां अपने गठन के अनुसार सही अनुक्रम में हैं

— बलवंतराय मेहता समिति-अशोक मेहता समिति -जी.वी.राव समिति-एल.एम. सिंघवी समिति

☞ **कथन (A)** – भारत में राजनीतिक दलों ने अपनी पहुंच बढ़ा दी है, परंतु उनकी वैधता को गहन क्षति पहुंची है

कारण (R)– राजकीय स्तर पर दल (या पार्टी) व्यवस्था के समेकन को राष्ट्रीय स्तर पर संकलित नहीं किया जा सकता है।

– (A) और (R) दोनों सत्य है परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ भारत के संविधान का वह अनुच्छेद जो प्रबंधन में विधान के माध्यम से कर्मचारियों की प्रतिभागिता सुनिश्चित करता है **— अनु.43A**

☞ डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बी.आर. अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, तथा सरदार वल्लभभाई पटेल में से किसने अनु. 356 को सुरक्षा कपट कहा है

— डॉ. बी.आर. अंबेडकर

☞ सही सुमेलित हैं-

पुस्तकें	**लेखक**
दलित विजिन्स : दी एंटीकास्ट मूवमेंट एंड द कांस्ट्रक्शन ऑफ इंडियन आइडेंटिटी	– **गेल ऑम्वेट**
पैजेंट मूवमेंट इन इंडिया	– **डी. एन. धनाग्रे**
फारेन आइडेंटिटीस जेंडर कम्युनिटीज एंड द स्टेट	– **जोया हसन**
इंस्टीट्यूशनलाइजिंग पंचायती राज इन इंडिया	– **वी. वेंकटेशन**

☞ विकासशील समाज में सिविल सेवा के बारे में निम्न कथन सत्य है-

इसे परिवर्तन के उपकरण के रूप में क्रिया करनी चाहिए।

सामाजिक समता के लिए इसका सरोकार होना चाहिए।

इसे राजनीतिक रूप से तटस्थ होना चाहिए।

☞ नीचे दी गई सूची सुमेलित हैं-

सूची I		**सूची II**
ध्यान देने का विस्तार	–	**वी.ए. ग्रेक्यूनास**
श्रेणी प्रक्रिया	–	**मूनी तथा रेली**
मानवीय संबंध सिद्धांत	–	**एल्टन मेयो**
प्रकार्यात्मक फोरमैनी प्रक्रिया	–	**एफ.डब्ल्यू टेलर**

☞ सामान्य उपरला प्रशासन, समन्वय, वित्त, वैयक्तिक प्रशासन में से किसे विलोबी ने अपनी पुस्तक 'प्रिंसिपल्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' में प्रशासन के सिद्धांत के रूप में सम्मिलित नहीं किया है

— समन्वय

☞ जवाबदेयता, विशिष्टीकरण, स्वीकार्यता, समन्वय में से किसे 'आदेश का एकता सिद्धांत' मुख्य रूप से सुनिश्चित करता है

— जवाबदेयता

☞ समय तथा गति अध्ययन, निर्णय लेने में भागीदारी, विभेदक उजरती-दर व्यवस्था तथा प्रकार्यात्मक फोरमैनी में से कौन टेलर के वैज्ञानिक प्रबंध की मुख्य विशेषता नही हैं **— निर्णय लेने में भागीदारी**

☞ एच. साइमन, चेस्टर आईबर्नार्ड, फ्रेड. डब्ल्यू रिग्स तथा वाल्डो में से किसने वेवर की आदर्श प्रकार की नौकरशाही को विकासशील समाजों के लिए अनुपयुक्त बताया? **— फ्रेड. डब्ल्यू. रिग्स**

☞ कार्यपालिका का नियंत्रण, न्यायिक नियंत्राण, सिविलसमाज नियंत्रण तथा वैधानिक नियंत्र आदि उपकरणों में से संसद की आश्वासन समिति उपकरण है **— वैधानिक नियंत्रण**

☞ हर्बर्ट साइमन के अनुसार यदि कोई निर्णय वैयक्तिक उद्देश्य की ओर निर्दिष्ट हो तो वह कहलाता है **— व्यक्तिगत रूप से संगत**

☞ कार्यात्मक संबंध, अधिकार संबंध, कार्यों का समूहीकरण, तथा विभागीकरण में से क्या 'लाइन' और 'स्टाफ' के कार्य में अंतर करने का सर्वाधिक तार्किक मापदंड है **— अधिकार संबंध**

☞ केंद्रीय सतर्कता आयोग किस समिति की सिफारिस पर स्थापित हुआ था **— संथानम केमेटी की रिपोर्ट के आधार पर**

☞ लोकपाल और लोकायुक्त बिल 1968, जिसे लोक सभा ने पारित किया था वह निरर्थक हो गया क्योंकि**— चतुर्थ लोक सभा अपने समयावधि से पहले भंग हो गई थी**

☞ जिस कमेटी ने यह कहा कि सामूहिक विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय विस्तार सेवा लोक उत्साह को जगाने में असफल रहे **— बलवंत राय मेहता की रिपोर्ट में**

☞ आचार, मामलों को ऑकने का सामर्थ्य, तकनीकी मामलों में विशेषज्ञता तथा निर्णय लेने में स्थिरता, इन विशेषताओं में से किसे सी. राजगोपालाचारी द्वारा एक अच्छे प्रशासक के छः मूलभूत अपेक्षाओं की सूची शामिल नहीं किया गया **— तकनीकी मामलों में विशेषज्ञता**

☞ रिश्वत निवारण के लिए संथानम कमेटी की स्थापना किस वर्ष की गई थी **— वर्ष 1962 में**

☞ **कथन (A)** – आदेश की इकाई का व्यवहारिक प्रयोग सदैव संभव नहीं होता है।

कारण (R)– तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्य के लिए भिन्न प्रकार का पर्यवेक्षण चाहिए।

—(A) तथा (R) दोनों सत्य है और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

☞ नवयथार्थवाद है- **— यथार्थवाद की मूल विचार-धारा का अधिक 'वैज्ञानिक' रूप में पुनर्कथन का प्रयास**

☞ यही सुमेलित हैं-

सूची I		**सूची II**
लेखक		**पुस्तक**
हेडले बुल	–	**एनार्कियल सोसाइटी**
नोअम चोमस्की	–	**फेल्ड स्टेट्स**
राबर्ट काप्लान	–	**मानसून**
केनेथ वॉल्डिंग	–	**कॉन्फिलिक्ट एण्ड डिफेंस**

☞ नीचे दिए गए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विचारक क्रमानुसार व्यवस्थित है **— इमैनुल कांट-एन्टोनियो ग्रामस्की-रिनॉल्ड निबूर-रॉवर्ट डब्ल्यू कॉक्स**

☞ R.M.A. (आर.एम.ए.) से तात्पर्य है **— रिवोल्यूशन इन मिलिटरी अफेयर्स**

☞ 'रेजन डी' इटेट से अभिप्राय है**— इसका आशय है 'राष्ट्रीय हित'**

☞ सुरक्षा परिषद में सुधार करना समस्यापूर्ण है क्योंकि-

इसकी स्थायी सदस्यता के विस्तारण के कारण निर्णय लेने में कमी होना।

कोई भी वर्तमान स्थायी सदस्य अपने पद को छोड़ने का इच्छुक नहीं होता है

किसी भी संभाव्य नए स्थायी सदस्यों के लिए अविवादास्पद केश बनाना मुस्किल होता है।

☞ संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रमों की अपेक्षा होती है कि **—गरीब देशों की सरकारों को निजीकरण तथा अन्य उदारवादी उपायों को अपनाना चाहिए।**

☞ वर्ष 1955 में आयोजित बैडुंग परिषद में किन देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया **— उन्तीस अफ्रीकी एशियाई देश**

☞ ''अब तक हमारी सैनिक व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य युद्ध जीतना रहा है। अब से इसका मुख्य उद्देश्य इससे बचना होगा।'' यह कथन है **— बर्नार्ड ब्रोडी का**

☞ नीचे दी गई संधियों और समझौते अपने कालक्रमानुसार व्यवस्थित हैं- **—ताशकंद समझौता-भारत सोवियत मित्रता संधि-शिमला समझौता-भारत-यू. एस. परमाणु संधि।**

☞ SORT (एस.ओ.आर.टी.) है **— स्ट्रैटेजिक ऑफेन्सिव रिडक्शन ट्रीटी।**

☞ NPT (एन.पी.टी.) के संदर्भ में नीचे दिए गए कथन सत्य है-

(i) भारत और पाकिस्तान ने NPT पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

(ii) NPT पर ईरान तथा नार्थ कोरिया ने हस्ताक्षर किए हैं।

☞ नीचे दिए गए कथन सत्य है-

(i) भारत रीजनल को-ऑपरेशन के लिए इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन का सदस्य है (IOR-ARC)।

(ii) यह विशेष आर्थिक क्षेत्रों को परिभाषित करता है।

☞ 'बुराई की धुरी' जिसका प्रयोग जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने 2002 में किन देशों का बोध करवाने के लिए किया था **— इरान, उत्तरी-कोरिया और ईराक**

☞ मार्टिनवेट ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की तीन दार्शनिक परंपराओं पर बल दिया है वे हैं **— यथार्थवाद, बुद्धिवाद तथा क्रांतिवाद**

☞ जर्मन आइडियोलॉजी, क्रिटिक ऑफ द गोथाप्रोग्राम, पेरिस मैन्युस्क्रिप्ट्स तथा साइंस ऑफ लॉजिक में से किस पुस्तक के रचयिता कार्ल मार्क्स नहीं है **— साइंस ऑफ लॉजिक के**

☞ ''व्यक्ति अपने ऊपर, अपनी देह और दिमाग पर संप्रभु है।'' यह कथन है **— जे.एस. मिल का**

☞ रजनी कोठारी की पुस्तक 'पॉलिटिक्स इन इंडिया' जिस पद्धति पर लिखी गई है वह है **— संरचनात्मक प्रकार्यवाद**

☞ अरस्तू की उपेक्षा करने वाला पहला आधुनिक राजनीतिक विचारक है- **— हॉब्स**

☞ सुमेलित हैं-

सूची I		सूची II
सर्वहारा/श्रमिकवर्ग की तानाशाही	–	**मार्क्स**
कम्युनिस्ट पार्टी	–	**लेनिन**
हेजीमनी	–	**ग्रामस्की**
बहुकेंद्रीयता	–	**टोगलियाटी**

☞ सूची I तथा सूची II का सुमेलन इस प्रकार हैं-

सूची I		सूची II
20वीं सदी में जैकोबिनिज्म	–	**एम.एन. राय**
स्वैच्छिक निर्धनता	–	**गांधी**
मैने हिन्दू के रूप में जन्म लिया है परंतु उस रूप में मरूंगा नहीं	–	**अम्बेडकर**
विकास का एकीकृत सिद्धांत	–	**अरबिंद**

☞ गांधी जी ने अपनी व्याख्या की है **— दार्शनिक अराजकतावादी के रूप में**

☞ परस्पर मतैक्य के सिद्धांत की वकालत की है **— रॉल्स ने**

☞ सामान्य व्यवस्था सिद्धांत की अवधारणा को सर्वप्रथम विकसित किया गया **— लुडविग वॉन बर्टालान्फी द्वारा**

☞ संरचनात्मक प्रकार्यवाद को, पद्धति के रूप में, जिस राजनीतिक व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए विकसित किया गया, वह है **— विकासशील देशों की राजनीति का**

☞ सी. राईट मिल्स की पुस्तक 'दी पॉवर एलीट' जिस देश की समकालीन राजनीति का अध्ययन है **— यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका**

☞ जिस विचारक ने इंलैंड के अपने अध्ययन के आधार पर राजनीतिक विकास में संकट की पहचान की **— लूसियन डब्ल्यू. पाई**

☞ सी.डब्ल्यू. मिल्स-दी पॉवर एलीट, टी.बी. बोटोमोर-एलीट्स एंड सोसाइटी, पेरेटो-द रुलिंग क्लास, तथा ऑरटेगावाई गेसेट-दी रिवॉल्ट ऑफ दी मासिस में से सुमेलित नहीं है **—परेटो-द रूलिंग क्लास**

☞ अधिकारीगण एक-दूसरे के लिए कार्य का सृजन करते हैं। यह नियम प्रतिपादित किया गया **— एन. पार्किन्सन द्वारा**

☞ यू.एस.ए.-दोहरी नागरिकता, भारत-विधि द्वारा स्थापित कार्यवाही, आस्ट्रेलिया-सरकार का एकात्मक रूप, तथा स्विट्जरलैंड-बहुलकार्यपालिका में से

—ऑस्ट्रेलिया सरकार का एकात्मक रूप सही सुमेलित नहीं है।

☞ 'मिचेल्स का अल्पतंत्र का लौह' नियम जिसके अध्ययन के आधार पर सृजित किया गया **— जर्मन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी**

☞ मॉन्टेस्क्यू का 'सत्ता की पृथकता का सिद्धांत' मुख्य रूप से बल देता है **— व्यक्ति की स्वतंत्रता पर**

☞ **कथन (A)** – सूचना प्रौद्योगिकी ने स्टाफ एजेंसी को अपरिहार्य बना दिया है।

कारण (R)– स्टाफ एजेंसी लाइन एजेंसी को निर्णय लेने में सहायता करती है।

—कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

☞ **कथन (A)** – आतंकवाद पर युद्ध की घोषणा करते हुए अमेरिका ने बल पूर्वक कहा कि जो राज्य अमेरिका के साथ नहीं हैं वे इसके विरोध में हैं।

कारण (R)– आतंकवाद पर युद्ध की स्थिति में अमेरिका ने राज्यों को तटस्थ रहने की स्वतंत्रता नहीं दी।

–(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ **कथन (A)** – अम्बेडकर दबे वर्ग (डिपरेस्ड क्लासेस) को अलग निर्वाचक वर्ग मानने के पक्षधर थे।

कारण (R)– वे गांधी से सहमत थे

—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।

☞ चन्द्रशेखर आजाद, जोगेश चन्द्र चटर्जी, अरबिंद घोष तथा भगत सिंह में से हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन के साथ जो संबंधित नहीं है **— अरबिंद घोष**

☞ तिलक, गोखले, मोतीलाल नेहरू तथा गांधी में से किसने इंडियन नेशलन कांग्रेस को संविधान दिया तथा उसे जनसमूह (मास) एवं संवर्ग (काडर) दल बनाया? **— गांधी**

☞ भारत का राष्ट्रपति, संघीय मंत्रिमंडल, प्रधानमंत्री तथा संघीय गृहमंत्री में से जो अंतर-राज्य परिषद की नियुक्ति करता है **— भारत का राष्ट्रपति**

☞ जम्मू कश्मीर, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं महाराष्ट्र में से जिस/जिन राज्य/राज्यों की विधान सभाएं राजधानी को छोड़कर अन्य स्थान पर भी बैठक करती हैं **— जम्मू कश्मीर एवं महाराष्ट्र**

☞ भारतीय संविधान का वह संशोधन जो मंत्रियों की संख्या को सीमित करता है **— 91वां**

☞ सादिक अली समिति, दिनेश गोस्वामी समिति, एल.एम. सिंघवी समिति तथा पी.के. थुंगन समिति में से वह समिति जो पंचायती राज से संबंधित नहीं है **— दिनेश गोस्वामी समिति**

☞ भारत के उप-प्रधानमंत्रियों के नियुक्त होने का सही अनुक्रम हैं

— सरदार वल्लभ भाई पटेल-चौ.देवीलाल-चौ. चरणसिंह-मोरार जी देशाई।

☞ नेहरू, पटेल, राजेंद्र प्रसाद, आजाद, अम्बेडकर, वी.एन.राव, के.एम.मुंशी कृष्णामचारी तथा पाणिकर में से वे नेता जो भारत की संविधान सभा के अंदर अल्पतंत्र समूह थे **— नेहरू, पटेल, प्रसाद तथा आजाद**

☞ रजनी कोठारी, अतुल कोहली, ग्रानविल आस्टिन तथा लॉयड एवं सुजेन रुडोल्फ में से जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'बैलगाड़ी पूंजीवाद' के रूप में परिभाषित किया **— लॉयड एवं सुजेन रुडोल्फ**

☞ मार्स्टीन मार्क्स, लूथर गुलिक, हर्बर्ट ए. साइमन तथा मार्शल इ. डिमॉक में से जिस विचारक ने लोक प्रशासन की व्याख्या राष्ट्रीय, राज्य एवं स्थानीय सरकार की कार्यकारी शाखाओं की गतिविधियों के रूप में की **— हर्बर्ट ए.साइमन**

☞ लोक लेखा समिति के सदस्य चुने जाते हैं

— 15 सदस्य लोक सभा से तथा 7 सदस्य राज्य सभा से

☞ मैक्स वैबर, अलेक्जेंडर पोप, एम. क्रोजियर तथा विंसेंट द गूर्ने में से जिसने नौकरशाही शब्द की रचना सर्वप्रथम की **— विंसेंट द गूर्ने**

☞ स्टाफ एजेंसी का सही कार्य है

— मुख्य कार्यपालिका को परामर्श देना

☞ संचार के अनौपचारिक चैनल को-फीडबैक, ग्रेपवाइन, लूपलाइन तथा नर्वलाइन में से जिस रूप में भी जाना जाता है **— ग्रेपवाइन**

☞ विचारक तथा उनकी अवधारणाएं सुमेलित रूप में इस प्रकार हैं-

विचारक		अवधारणा
एफ. डब्ल्यू. टेलर	–	**प्रोत्साहन प्रणाली**
चैस्टर बर्नार्ड	–	**स्वीकृति का क्षेत्र**
हैनरी फेयोल	–	**श्रेणी (स्कैलर)**
फ्रेडरिक हर्जबर्ग	–	**असंतोषकारी**

☞ ''बजट कीमत की नत्थियों के साथ लक्ष्यों का क्रम है'' यह कथन है

— विल्डाव्स्की का

☞ वह अनुच्छेद जो संसद को अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना की शक्ति प्रदान करता है **— अनुच्छेद 312**

☞ संयुक्त राष्ट्र संघ, राष्ट्र संघ, आणविक प्रसरण रोकने के लिए संस्थान तथा विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष के गठन में से जो घटना ब्रेट्टन बुड्स सम्मेलन के परिणाम स्वरूप घटी

— विश्व बैंक तथा अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष का गठन

☞ राजनीति की जड़े मानव प्रकृति में निहित, राजनीति का स्वचालन, राष्ट्रीय हित की व्याख्या सत्ता के संदर्भ में तथा राजनीति का सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों द्वारा संचालन में से वह जो हैंस जे. मॉर्गनथो के यथार्थवाद का मूलभूत सिद्धांत नहीं है

— राजनीति का सार्वभौमिक नैतिक मूल्यों द्वारा संचालन

☞ मार्शल योजना का उद्देश्य था

— पश्चिमी यूरोपियन अर्थव्यवस्थाओं को पुनर्निर्मित करना

☞ कैनेथ वाल्ज के नव-यथार्थवाद का मुख्य तर्क यह है

— संरचनाएं कर्ता की अपेक्षा ज्यादा महत्त्वपूर्ण होती हैं

☞ भारत की पड़ोसी देशों के प्रति नायकत्व की योजना, पड़ोसी देशों के साथ पारस्परिकता के बिना संबंधों को सुधारने का प्रयत्न, दक्षिण एशियाई संदर्भ में गुटनिरपेक्ष नीतिक रुख तथा पड़ोसी देशों को अनुशासित करना आदि बातों में से भारत की पड़ोसी देशों के प्रति नीति का अपारस्परिकता सिद्धांत बल देता है

— पड़ोसी देशों के साथ पारस्परिकता के बिना संबंधों को सुधारने का प्रयत्न

☞ नीचे दी गई घटनाओं का क्रम इस प्रकार है-

क्यूबा संबंधी मिसाइल संकट (1962)–भारत रूसी मैत्री संधि (1971) –पोखरण में भारत का प्रथम आणविक विस्फोट (1974)– भारत के संरचनात्मक समायोजन कार्यक्रम को अपनाना (1990)

☞ **कथन (A)** – विश्व व्यापार संगठन (WTO) पैरवी करता है कि मुक्त व्यापार सबके लिए समृद्धता लाता है इसलिए इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कारण (R)– व्यापार की प्रणाली के जरिए देशों का वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण उन्हें वस्तुओं का बाहर निर्यात करने तथा अपनी जरूरत की वस्तुओं का आयात करने में सहयता करता है।

—(A) तथा (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

☞ सन् 2007 में, नई दिल्ली में आयोजित 14वें सार्क शिखर सम्मेलन ने जिस पर जोर दिया

— अंतःक्षेत्रीय समायोजन सुधारना

☞ संयुक्त राष्ट्र की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था जिस सिद्धांत पर आधारित है **— सभी एक के लिए, एक सभी के लिए**

☞ व्यवहारवाद से संबंधित सत्य कथन है।
— उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत मूल्य और तथ्य में परस्पर संबंध स्थापित करता है, ☞उत्तर व्यवहारवादी राजनीति सिद्धांत का कार्य और प्रासंगिकता से संबंध होता है, उत्तर व्यवहारवादी राजनीतिक सिद्धांत परिवर्तनोन्मुखी होता है।

☞ सकारात्मक उदारवादी विश्वास करता है
— कल्याण राज्य में, छोटे (नैनी राज्य) तथा नैतिक माध्यम के रूप में राज्य

☞ मार्क्स की मान्यता है कि-
—विचार भौतिक शक्तियों की अन्योन्य क्रिया का प्रतिबिंब होते हैं। आधार अधिरचना का निर्धारण करता है। वस्तु-सक्रिय और गतिशील होती है।

☞ रॉल्स की न्याय की संकल्पना वितरण सिद्धांत, समझौता सिद्धांत तथा अंतर सिद्धांत में से किस पर आधारित है **— अंतर सिद्धांत**

☞ विचारधारा शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किया गया **— 1797 में**

☞ सत्यवीर की कथा जिसका अनुवाद गांधीजी द्वारा गुजराती में किया गया था वह ली गई थी **— डायलॉग्स ऑफ प्लेटो से**

☞ साम्यवाद को एशियाटिक फार्म में अनुकूलित किया गया
— माओत्से तुंग द्वारा

☞ न्याय के लिए ग्रीक शब्द 'डिकाय सून' है **— यह कथन सत्य है**

☞ स्टेट ऑफ नेचर (प्राकृतिक अवस्था) पर लॉक का विचार है कि यह है
— पूर्व राजनैतिक

☞ मैकियावेली पर निम्न कथन सत्य है
(i) द प्रिंस राजाओं की गुणताओं से संबंधित है। द डिस्कोर्सस में नागरिकों की मांगों पर अपेक्षाकृत अधिक बल दिया गया है

☞ अरबिंदों अपनी राजनीतिक विचारधारा, क्रांतिकारी क्रिया-कलाप तथा लाइफ डिवाइन में से किसके लिए विख्यात है **— लाइफ डिवाइन**

☞ **कथन (A)** – प्लेटो का न्याय सही कार्य करने की प्रवृत्ति का प्रतिपादन करता है।
कारण (R)– अन्याय झेलने से अच्छा है अन्याय करना।
—(A) सत्य हैं, लेकिन (R) गलत है।

☞ सही सुमेलित हैं-

लेखक		**पुस्तक**
फ्रेडरिक हायक	–	**द रोड टू सर्फडम**
जॉन रॉल्स	–	**ए थ्योरी ऑफ जस्टिस**
अमर्त्य सेन	–	**न्याय का विचार (Idea of Justice)**

☞ अरस्तू के कार्योत्पादन सिद्धांत में विभिन्न कारकों का सही अनुक्रम है
— भौतिक कारण-निमित्त कारण-औपचारिक कारण-अंतिम कारण

☞ ''संरचनात्मक, कार्यात्मक विश्लेषण, परिवर्तन में दुर्बल था, सामाजिक प्रक्रिया विश्लेषण राजनीति में और सिद्धांत में तुलनात्मक इतिहास दृष्टिकोण दुर्बल था।'' यह कथन है **— हंटिंगटन का**

☞ किसके द्वारा मार्क्सवाद के वैकल्पिक दृष्टकोण के रूप में कार्यात्मकवाद की व्याख्या की गई है **— डब्ल्यू.जी. रूनसीमैन**

☞ इनपुट-आउटपुट विश्लेषण, संरचनात्मक, कार्यात्मक दृष्टिकोण, संप्रेषण, सिद्धांत तथा व्यवहारात्मक दृष्टिकोण में से किसने मानवीय व्यवहार को अनिवार्य इंजीनियरी आमुखीकरण देने का प्रयास किया है
— संप्रेषण सिद्धांत

☞ आलमंड की राजनैतिक व्यवस्था की विशेषताएं अमेरिका, स्केन्डीनेवियन देश, विकासशील देश तथा लैटिन अमेरिकी देशों में से किस देश की राजनीतिक व्यवस्था से अधिकांशतः मिलती हैं **— अमेरिका की**

☞ हंटिंगटन, लूसियनपाई, ऑरगैनस्की तथा आलमंड में से कौन राजनीतिक संगठनों के सांस्थानिकीकरण और प्रक्रियाओं के साथ राजनीतिक विकास का संबंध मानते हैं **— हंटिंगटन**

☞ एलीट (elite theory) सिद्धांत, संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण, संप्रेषण सिद्धांत तथा गेम थियरी में से किसमें सर्वप्रथम लोकतंत्र और समाजवाद की समीक्षा आरंभ की गई? **— एलीट का सिद्धांत**

☞ किसने गैर-प्रतियोगी पार्टी प्रणाली को एक दल सत्तावदी, एक दल बहुवादी और एक दल सत्ताधारी में विभाजित किया
— ला पैलोम्बरा और मायनर वीनर ने

☞ अध्यक्षात्मक, संसदीय, एकात्मक तथा संघीय व्यवस्था वाली सरकारों में किसमें विधान मंडल के अनिवार्य भाग के रूप में द्वितीय सदन होती है **— संघीय व्यवस्था में**

☞ द सिविक कल्चर रिविजिटेड, पॉलिटिक्स गवर्नमेंट, पोलिटिकल डेवलपमेंट एण्ड सोशल चेंज तथा, कम्पैरेटिव पोलिक्सि टुडे में से किस पुस्तक में भारत की राजनीति पर एक अध्याय है
— कम्पैरेटिव पॉलिटिक्स टुडे में

☞ सही सुमेलित हैं-

संसदीय, संघीय रिपब्लिकन	– **भारत**
अध्यक्षात्मक, संघीय रिपब्लिकन	– **संयुक्त राज्य अमेरिका**
संसदीय, एकात्मक राजतंत्रात्मक	– **यूनाइटेड किंगडम**
संसदीय क्रम, अध्यक्षात्मक एकात्मक रिपब्लिकन	– **फ्रांस**

☞ भारत, स्विट्जरलैंड, अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया मे से किस देश में राज्य न्यायालयों को सभी स्तर के न्यायालयों की न्यायिक पुनरीक्षण का अधिकार प्राप्त है **— अमेरिका**

☞ संसदीय सरकार की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता है

— कार्यपालिका का विधानमंडल के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व

☞ आस्ट्रेलियन संघीय पद्धति, अमेरिकन संघीय पद्धति, स्विस संघीय पद्धति तथा कैनेडियन संघीय पद्धति में से किसे के.सी.व्हीयर द्वारा अन्य संघीय पद्धतियों के लिए मॉडल पद्धति माना गया है?

— अमेरिकन संघीय पद्धति

☞ **कथन (A)** – संकट की स्थिति के लिए अध्यक्षात्मक पद्धति उपयुक्त होती है।

कारण (R)– राष्ट्रपति की पदावधि निश्चित होती है।

–(A) और (R) दोनों सही है, लेकिन (R), (A) की सही स्पष्टीकरण नहीं है।

☞ क्रिप्स मिशन, कैबिनेट मिशन प्लान, वैवल प्लान तथा नेहरू रिपोर्ट में से किसके अंतर्गत संविधान सभा स्थापित की गई थी?

— कैबिनेट मिशन प्लान

☞ पॉल ब्रांस, मायरन वीनर, के.सी. व्हीयर तथा जेनिंग्स मे से किसने कहा है कि 'भारत का संविधान आशा और प्रेरणा की अपेक्षा भय और संत्रास में बना था? **— पॉल ब्रांस**

☞ संविधान का कौन-सा अनुच्छेद विधानमंडल को असंवैधानिक और अमान्य घोषित होने से रोकता है **— अनु. 31B**

☞ केंद्र और राज्यों के बीच विवाद पर निर्णय के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियां किस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आती है?

— मूल क्षेत्राधिकार

☞ भारतीय राजनीति को 'मॉगजन्य व्यवस्था' और 'आदेशात्मक व्यवस्था' के बीच संघर्ष का काल किसने माना है?

— लॉयड और सूसेन रूडाल्फ

☞ जाति आधारित आरक्षणों को माना जाता है

— सकारात्मक भेदभाव

☞ दलित टाइगर, भीम शक्ति, दलित पैंथर तथा दलित एलीफैंट आदि दलित आंदोलनों में से किस आंदोलन के नेता राजा धले और नामदेव धसल है? **— दलित पैंथर**

☞ लॉयड और सूसेन रुडोल्फ ने भारत में राज्य को 'पोलिमॉर्फस' माना। इसका अभिप्राय है

— विभिन्न रूपों और अभिविन्यास के रूप में व्यक्ति

☞ अमर्त्य सेन, सुबिप्ता कविराज, प्रनबवर्धन तथा हन्जा अल्वी में से कौन 'पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ डेवलपमेंट इन इंडिया' के लेखक हैं

— प्रनब वर्धन

☞ स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए और पंचायतों के निर्वाचन का संचालन करने के लिए भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त, राज्य के मुख्य मंत्री, राज्य निर्वाचन आयोग तथा राज्य के मुख्य सचिव में से किसमें शक्ति निहित की जानी चाहिए

— राज्य निर्वाचन आयुक्त

☞ **कथन (A)** – भारत के राष्ट्रपति राज्य के संवैधानिक प्रमुख होते हैं।

कारण (R)– प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद के पास सभी शक्तियां निहित होती हैं।

– (A) तथा (R) दोनों सही है तथा (R), (A) की सही स्पष्टीकरण है।

☞ सही सुमेलित हैं-

मुस्लिम लीग का उद्गमन	**— 1906**
लखनऊ समझौता	**— 1916**
मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट	**— 1928**
मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा प्रवर्तित द्विराष्ट्र सिद्धांत	**— 1940**

☞ डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. शंकर दयाल शर्मा तथा आर. वेंकटरमन (भारत के राष्ट्रपति) का सही अनुक्रम है-

— डॉ. राजेंद्र प्रसाद-डॉ. जाकिर हुसैन-आर.बेंकटरमन-डॉ.शंकर दयाल शर्मा

☞ सत्य कथन सत्य हैं-

— संगठनात्मक सिद्धांतों को बताते हुए गुलिक, फेयोल के चौदह सिद्धांतों से प्रभावित था, उर्विक प्रशासन के मन्तव्य से कमेटियों के प्रयोग के संदर्भ में चेतावनी देता है, फेयोल का आदेशों की एकता के सिद्धांत में विश्वास है।

☞ सही सुमेलित हैं-

फ्रेड्रिक हैजबर्ग	–	**मोटिवेटर हाइजिन एपरोच**
अब्राहम मास्लो	–	**द नीड हिरारकी**
फ्रेड डब्ल्यू. रिग्स	–	**द एग्जिस्टैंस ऑफ क्लैक्ट्स**
एम.पी. फालेट	–	**कांसैप्ट ऑफ पार्टनरशिप**

☞ चैस्टर आई बरनाड के अनुसार 'वैध अधिकार का आदेश' के बारे में सत्य कथन है-

यह संगठन के मंतव्य के अनुकूल होना चाहिए, यह बुद्धिगम्य होना चाहिए, इसे व्यवहार्य होना चाहिए।

☞ मूने के अनुसार उच्च अधिकारी द्वारा सुनिश्चित अधिकारों का दिया जाना कहलाता है

— प्रत्यायोजन

☞ विकास प्रशासन ''क्रियोन्मुखी, उद्देश्योन्मुखी प्रशासनात्मक पद्धति है'' यह कथन है

— एडवर्ड वीडनर का

☞ डेविड नकमियास एवं डी. एच. रोजेनब्लूम के अनुसार सहभागिता अधिकारी तंत्र के तत्व हैं-
राष्ट्रीय अधिकारी तंत्र में उच्चस्तरीय सामाजिक प्रतिनिधित्व,
निर्णयों में अधिकारी तंत्र के कर्मचारियों की सहभागिता,
अधिकारी तंत्र संबंधी नीति निर्माण में नागरिकों की सहभागिता।

☞ संगठन में किसने 'जोन ऑफ इनडिफरैंस' की अवधारणा को प्रारंभ किया? **— चेस्टर आई.बर्नार्ड**

☞ टेलर की मानसिक क्रांति की अवधारणा पक्षधर है
— सामंजस्य और सहकारिता की

☞ पंचायतीराज संस्थाओं के लिए द्विस्तरीय प्रणाली की सिफारिश किस समिति ने की थी **— अशोक मेहता समिति**

☞ भारत सरकार द्वारा केंद्रीय चौकसी आयोग (Central Vigilance Commission) की स्थापना किस वर्ष की गई थी **— वर्ष 1964 में**

☞ विभिन्न समितियां कालानुक्रमिक रूप में व्यवस्थित है-
— टेक चंद समिति-कृपलानी समिति-विवियन वोस समिति–संथानम समिति

☞ किस कमेटी ने यह अनुसंशा की थी कि योजनाएं ब्लाक स्तरीय होनी चाहिए? **— दन्तवाला समिति**

☞ निविनियमन, वि-नौकरशाहीकरण, अपनियोजन तथा स्टेटीसेशन में से कौन उदारीकरण का तत्व नहीं है?
— स्टेटीसेशन

☞ 'ओम्बड्समैन' संस्था सर्वप्रथम कहां प्रारंभ हुई **— स्वीडेन**

☞ **कथन (A)** : उत्तरदायित्व की चर्चा करते हुए फोल्लेट कहते हैं कि प्रबंध करने वालों, और जिनका प्रबंध किया जाता है, के वीच अंतर लुप्त हो जाता है।
कारण (R)– संगठन में प्रत्येक वैयक्तिक कार्य को अन्य कार्यों के अंतर आश्रित जानकर देखा जाए।
– (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (A), का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है

☞ हॉब्स, वुडरोविल्सन, मार्गेन्थो तथा हेनरी किसिंजर में से कौन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उदारवादी परिप्रेक्ष्य के विकास में योगदान करने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति थे? **— वुडरो विल्सन**

☞ सही सुमेलित हैं-

सूची-I		सूची-II
सैम्युअल पी हंटिंग्टन	–	**क्लैश आंफ सिविलाइजेशन**
जोसफ न्याई	–	**सॉफ्ट पॉवर**
सूसन स्ट्रेन्ज	–	**रिट्रीट ऑफ द स्टेट**
इमैनुअल वैलस्ट्रीन	–	**वर्ल्ड सिस्टम**

☞ अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना किस समझौते के द्वारा हुई
— ब्रेटनवुड्स समझौते से

☞ यथार्थवादियों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय शांति सर्वोत्तम रूप से किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है?
— राज्यों के बीच शक्ति संतुलन बना करके

☞ नाभिकीय युद्धनीति के क्षेत्र में एम.ए.डी. (M.A.D.) से क्या अभिप्राय है **— म्यूच्यूअली एश्योर्ड डिस्ट्रक्शन**

☞ ''युद्ध एक प्रकार से विदेश नीति होता है।'' यह कथन किसका है
— कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज

☞ **कथन (A)** : भारत वैश्विक स्तर पर परमाणु नि:शस्त्रीकरण के लिए तथा क्षेत्रीय स्तर पर विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध के लिए है।
कारण (R)– भारत की परमाणु नीति द्विलक्षी है।
– (A) और (R) दोनों सही है, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

☞ भारत में विदेश मंत्री रहे-एस.एम. कृष्णा, अटलविहारी वाजपेयी, प्रणब मुखर्जी तथा स्वर्णसिंह, का कालानुक्रम इस प्रकार है
— स्वर्ण सिंह-अटलविहारी बाजपेयी-प्रणब मुखर्जी-एस.एम.कृष्णा

☞ 'इंदिरा डॉक्ट्रीन' को भारतीय विदेश-नीति का मुख्य पहलू माना जाता है। इसमें परिभाषित किया गया है
— भारत की सुरक्षा क्षेत्र संस्पर्शी है और विदेशी शक्तियों के किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप को भारत की सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में माना जाता है।

☞ यूनाइटेड नेशन का चार्टर मुख्यत: संबंधित है
— शांत, न्याय, स्वतंत्रता, और आर्थिक तथा सामाजिक अधिकारों जैसे व्यापक विषयों के लिए है।

☞ अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक परंपरा को अन्य किस नाम से जानते हैं
— अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का इंगलिश स्कूल

☞ भारत-श्रीलंका समझौते का मुख्य प्रयोजन क्या था
— सिंहली और तमिलों के बीच सजाति विषयक संघर्ष समाप्त करना

☞ एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक को-ऑपरेशन (APEC) फोरम के बारे में नीचे दिए गए कथन सत्य हैं-
(i) क्षेत्रीय समूहों के प्रति अपेक्षाकृत सामान्य प्रवृत्ति का भाग है।
(ii) विश्व के आधे से अधिक GDP (जी.डी.पी.) इनके पास है।
(iii) सदस्य राज्य है जिनमें सत्तावादी शासन तथा लोकतंत्रात्मक शासन शामिल हैं।

☞ निक्सन डॉक्ट्रीन, मार्शलप्लान, मुनरो डॉक्ट्रिन तथा ट्रूमेन डॉक्ट्रिन में से किसमें शीतयुद्ध के प्रति यू.एस. दृष्टिकोण स्पष्ट किया गया है
— ट्रूमेन डॉक्ट्रिन